CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) NTA

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET)

समाजशास्त्र

प्रश्न पत्र : II

परीक्षा ज्ञान कोश

व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र

प्रधान संपादक
ए.के. महाजन

संपादन एवं संकलन
यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स समाजशास्त्र परीक्षा विशेषज्ञ समिति

लेखक
डॉ. अखिलेश कुमार पाण्डेय (M.Phil., NET, PhD.)
Visiting Faculty (Sociology) Iswar Saran Degree College, Allahabad
(University of Allahabad)
गौरव त्रिपाठी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण एवं चरन सिंह, विनय साहू

संपादकीय कार्यालय
यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
मो. : 9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com

प्रकाशन घोषणा
सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने रूप प्रिंटिंग प्रेस, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स, 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव एवं सहयोग सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मूल्य : 895/-

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

विषय-सूची

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) NTA राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा : समाजशास्त्र

- यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ नवीन परीक्षा पाठ्यक्रम.....3-4
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2005 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....5-10
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2005 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....11-15
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2006 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....16-23
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2006 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....24-31
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2007 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....32-37
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2007 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....38-43
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2008 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....44-52
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2008 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....53-60
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2009 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....61-67
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2009 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....68-73
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2010 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....74-81
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2010 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....82-88
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2011 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....89-96
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2011 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....97-104
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2012 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....105-111
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2012 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल.....112-121
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2012 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....122-129
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2012 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल.....130-139
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2013 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....140-145
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2013 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल.....146-155
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2013 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....156-162
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2013 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल.....163-173
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2014 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....174-179
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2014 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल.....180-189
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2014 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....190-195
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2014 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल.....196-205
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2015 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....206-211
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2015 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल.....212-220
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2015 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....221-226
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2015 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल.....227-235
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2016 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....236-241
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2016 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल.....242-250
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जनवरी-2017 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....251-257
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जनवरी-2017 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल.....258-267
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र नवम्बर-2017 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....268-274
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र नवम्बर-2017 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल.....275-284
- यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र 8 जुलाई-2018 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....285-298
- यूजीसी नेट/जेआरएफ पुनर्परीक्षा, समाजशास्त्र 22 जुलाई-2018 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....299-312
- यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2018 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....313-324
- यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2019 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....325-336
- यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2019 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....337-352
- यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2020 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....353-368
- यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र (दिस. 2020/जून-2021) द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....369-392
- यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र (दिस. 2021/जून-2022) द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल.....393-416

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी NTA नेट समाजशास्त्र : नवीन पाठ्यक्रम

निर्देश : संशोधित पाठ्यक्रम में विषय से सम्बन्धित एक प्रश्न-पत्र होगा, इसमें प्रश्नों की संख्या 100 होगी जिनका अंक 200 होगा।

इकाई-I समाजशास्त्रीय सिद्धान्त

1. **शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परंपराएँ**
   - इमाइल दुर्खीम
   - मैक्स वेबर
   - कार्ल मार्क्स
2. **संरचना- प्रकार्यवाद एवं संरचनावाद**
   - ब्रोनिस्लो मेलिनोस्की
   - ए.आर. रेडक्लिफ-ब्राउन
   - टालकॉट पारसंस
   - रॉबर्ट के. मर्टन
   - क्लॉड लेवी स्ट्रास
3. **व्याख्यात्मक एवं निर्वचनात्मक परम्पराएं**
   - जी.एच. मीड
   - कार्ल मैनहेम
   - अल्फ्रेड शुट्ज
   - हेरोल्ड गारफिंकल
   - इरविंग गौफ्फमैन
   - क्लिफर्ड गीर्ट्ज
4. **उत्तर आधुनिकतावाद, उत्तर संरचनावाद तथा उत्तर उपनिवेशवाद**
   - एडवर्ड सेड
   - पियरे बोर्दियू
   - मिशेल फूको
   - युर्गेन हेबरमास
   - एंथोनी गिडेंस
   - मैनुअल कैसेल्स
5. **भारतीय चिंतक**
   - एम.के. गांधी
   - बी.आर. अम्बेडकर
   - राधाकमल मुखर्जी
   - जी.एस. घुर्ये
   - एम.एन. श्रीनिवास
   - इरावती कर्वे

इकाई-II शोध प्रविधियां और विधियां

1. **सामाजिक यथार्थ की अवधारणा**
   - विज्ञान का दर्शन
   - सामाजिक विज्ञान में वैज्ञानिक विधि और ज्ञानमीमांसा
   - व्याख्यात्मक परम्पराएं
   - सामाजिक विज्ञान में वस्तुनिष्ठता तथा परावर्तकता
   - अचारशास्त्र तथा राजनीतिशास्त्र
2. **शोध अभिकल्प निरूपण**
   - सामाजिक विज्ञान शोध, डाटा और प्रलेख पठन
   - आगमन और निगमन
   - तथ्य, संबोध और सिद्धान्त
   - प्राक्कल्पना, शोध प्रश्न, उद्देश्य
3. **परिमाणात्मक तथा गुणात्मक विधियां**
   - नृजातिवर्णन
   - सर्वेक्षण विधि
   - ऐतिहासिक विधि
   - तुलनात्मक विधि
4. **तकनीकें**
   - निदर्शन
   - प्रश्नावली और अनुसूची
   - सांख्यिकीय विश्लेषण
   - अवलोकन, साक्षात्कार और वैयक्तिक अध्ययन
   - निर्वचन, आंकड़ाविश्लेषण और प्रतिवेदन लेखन

इकाई-III मौलिक अवधारणाएँ और संस्थाएँ

1. **समाजशास्त्रीय अवधारणाएं**
   - सामाजिक संरचना
   - संस्कृति
   - नेटवर्क
   - प्रस्थिति और भूमिका
   - पहचान
   - समुदाय
   - प्रवासी
   - मूल्य, मानदंड और नियम
   - पर्सनहुड, हैबिटस और एजेन्सी
   - अधिकारी-तंत्र, सत्ता और प्राधिकार
2. **सामाजिक संस्थाएं**
   - विवाह, परिवार और नातेदारी
   - अर्थव्यवस्था
   - राज्य शासन विधि
   - धर्म
   - शिक्षा
   - कानून और रीति-रिवाज
3. **सामाजिक स्तरीकरण**
   - सामाजिक विभेद, पदानुक्रम, असमानता और पार्श्वीकरण
   - जाति और वर्ग
   - लिंग, लैंगिकता और दिव्यांगता
   - प्रजाति, जनजाति और नृजातीयता
4. **सामाजिक परिवर्तन और प्रक्रियाएं**
   - उद्विकास और प्रसार
   - आधुनिकीकरण और विकास
   - सामाजिक रूपान्तरण और वैश्वीकरण
   - सामाजिक गतिशीलता

इकाई-IV ग्रामीण एवं नगरीय रूपान्तरण

1. **ग्रामीण एवं खेतिहर समाज**
   - जाति-जनजाति बस्तियां
   - कृषक सामाजिक संरचना और उभरते वर्ग सम्बन्ध
   - भूस्वामित्व और कृषक सम्बन्ध
   - कृषक अर्थव्यवस्था का ह्रास, विकृषिकरण और प्रवसन
   - कृषक असंतोष और खेतिहर आंदोलन
   - बदलते अंतर-समुदाय सम्बन्ध और हिंसा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

2. नगरीय समाज
- नगरवाद, नगरीयता और नगरीकरण
- कस्बे, शहर और महानगर
- उद्योग, सेवा और व्यवसाय
- पड़ोस, गंदी बस्तियां और नृजातीय अंतःक्षेत्र
- मध्यमवर्ग और गेटेड कम्युनिटी
- नगरीय आंदोलन और हिंसा

इकाई-V राज्य, राजनीति और विकास

1. भारत में राजनीतिक प्रक्रियाएं
- जनजाति, राष्ट्र राज्य और सरहद
- अधिकारीतंत्र
- अभिशासन और विकास
- लोक नीतिः स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविकाएं
- राजनीतिक संस्कृति
- तृण-मूल प्रजातंत्र
- विधि और समाज
- लिंग और विकास
- भ्रष्टाचार
- अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठनों की भूमिका

2. सामाजिक आंदोलन और विरोध
- राजनीतिक गुट, दबाव गुट
- जाति, नृजातीयता, विचारधारा, लिंग, दिव्यांगता, धर्म और क्षेत्र-आधारित आंदोलन
- सिविल सोसाइटी और नागरिकता
- गैर-सरकारी संगठन, सक्रियतावाद और नेतृत्व
- आरक्षण और राजनीति

इकाई-VI अर्थव्यवस्था और समाज

- विनिमय, उपहार, पूंजी, श्रम और बाजार
- उत्पादन की विधियों पर बहस
- सम्पत्ति और सम्पत्ति सम्बन्ध
- राज्य और बाजारः कल्याणवाद और नव-उदारतावाद
- आर्थिक विकास के मॉडल
- गरीबी और अपवर्जन
- कारखाना और उद्योग प्रणालियां
- श्रम सम्बन्धों की बदलती प्रकृति
- लिंग और श्रम प्रक्रिया
- कारोबार और परिवार
- डिजिटल अर्थव्यवस्था और ई-वाणिज्य
- वैश्विक कारोबार और कार्पोरेट्स
- पर्यटन
- उपभोग

इकाई-VII पर्यावरण और समाज

- सामाजिक और सांस्कृतिक पारिस्थितिकी – विविध रूप
- प्रौद्योगिकीय परिवर्तन, कृषि और जैव विविधता
- देशीय ज्ञान प्रणालियां और देशी औषधि
- लिंग और पर्यावरण
- वन नीतियां, आदिवासी और अपवर्जन
- पारिस्थितिकीय ह्रास और प्रवास
- विकास, विस्थापन और पुनर्वास
- जल और सामाजिक अपवर्जन
- आपदा और सामुदायिक प्रतिक्रियाएं
- पर्यावरण प्रदूषण, जन स्वास्थ्य और दिव्यांगता
- जलवायु परिवर्तन और अंतर्राष्ट्रीय नीतियां
- पर्यावरण संबंधी आन्दोलन

इकाई-VIII परिवार, विवाह और नातेदारी

- सैद्धान्तिक उपागमः संरचना-प्रकार्यवादी, वैवाहिक बंधन और सांस्कृतिक
- लिंग सम्बन्ध और शक्ति गतिकी
- विरासत, उत्तराधिकार और प्राधिकार
- लिंग, लैंगिकता और प्रजनन
- बच्चे, युवा और वयस्क
- भावनाएं और परिवार
- परिवार के उभरते रूप
- विवाह की बदलती परिपाटियां
- देखभाल एवं संपोषक प्रणालियों के बदलते स्वरूप
- पारिवारिक कानून
- घरेलू हिंसा और महिलाओं के विरुद्ध अपराध
- ऑनर-किलिंग

इकाई-IX विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज

- प्रौद्योगिकीय विकास का इतिहास
- समय और स्थान की बदलती धारणाएं
- प्रवाह और सीमाएं
- आभासी समुदाय
- मीडियाः मुद्रित और इलेक्ट्रोनिक, दृश्यात्मक और सामाजिक मीडिया
- ई-अभिशासन और निगरानी समाज
- प्रौद्योगिकी और उभरती राजनीतिक प्रक्रियाएं
- राज्य नीति, डिजिटल डिवाइड तथा समावेशन
- प्रौद्योगिकी और बदलते पारिवारिक सम्बन्ध
- प्रौद्योगिकी और बदलती स्वास्थ्य व्यवस्थाएं
- खाद्य और प्रौद्योगिकी
- साइबर अपराध

इकाई-X संस्कृति और सांकेतिक रूपान्तरण

- संकेत और प्रतीक
- धार्मिक अनुष्ठान, आस्थाएं और प्रथाएं
- बदलती भौतिक संस्कृति
- नैतिक अर्थव्यवस्था
- शिक्षाः औपचारिक और अनौपचारिक
- धार्मिक संगठन, धर्मनिष्ठता और आध्यात्मिकता
- धार्मिक अनुष्ठानों का वस्तुकरण
- साम्प्रदायिकता और धर्मनिरपेक्षता
- सांस्कृतिक पहचान और लामबंदी
- संस्कृति और राजनीति
- लिंग, देह और संस्कृति
- कला और सौन्दर्यबोध विज्ञान
- आचारशास्त्र और नैतिकता
- खेलकूद और संस्कृति
- तीर्थाटन और धार्मिक पर्यटन
- धर्म और अर्थव्यवस्था
- संस्कृति और पर्यावरण
- नूतन और धार्मिक आंदोलन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2005
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. 'माइण्ड, सैल्फ एण्ड सोसाइटी' पुस्तक किसने लिखी है?
(a) कूले (b) पारसन्स
(c) जी.एच.मीड (d) मार्गरेट मीड

उत्तर (c)—जी. एच. मीड एक दार्शनिक के साथ-साथ मनो-वैज्ञानिक भी थे। मीड की बहुप्रसिद्ध पुस्तक ''माइन्ड, सेल्फ एण्ड सोसाइटी'' जो वर्ष 1934 में उनकी मृत्यु के बाद प्रकाशित हुई जिसमें उन्होंने सामाजिक मनोविज्ञान की एक नवीन समाजशास्त्रीय ढंग से व्याख्या की।

2. समाजशास्त्र में भूमिका संकल्पना निम्न में से कौन-सा है?
(a) व्यक्ति की पदवी आधार
(b) पदवी का अचल आधार
(c) परिस्थिति का व्यवहारात्मक आधार
(d) व्यवहार का नियमन आधार

उत्तर (c)—समाजशास्त्र में भूमिका संकल्पना का प्रयोग राल्फ लिंटन ने किया था। प्रस्थिति एवं भूमिका की अवधारणाएँ एक दूसरे के साथ जुड़ी है। समाजशास्त्रीय रोल शब्द का प्रयोग किसी व्यक्ति द्वारा किसी नाटक अथवा फिल्म में अभिनीत भूमिका के अर्थ में नहीं करते जिसमें वह व्यक्ति के कार्य-व्यवहार की नकल करता है, अपितु वे भूमिका शब्द का प्रयोग किसी प्रस्थिति के साथ जुड़े हुऐ प्रकार्यो या दायित्वों के अर्थ में करते हैं।

3. निम्न में से यह किस का विचार है कि संघर्ष अनिवार्यतः संगठित समूहों का अटूट अंग है?
(a) कार्ल मार्क्स (b) लेविस कोजर
(c) रॉल्फ डेहरेण्डॉर्फ (d) मैक्स वेबर

उत्तर (c)– डेहरेन्डॉर्फ का प्रमुख योगदान वर्ग-सिद्धाँन्त (वर्ग-संघर्ष) और भूमिका सिद्धांत के क्षेत्र में है। उनका विचार है कि संघर्ष अनिवार्यतः संगठित समूहों का अटूट अंग है।

4. यांत्रिक एकता निम्न में से किससे विकसित होती है?
(a) समानता (b) अलगता
(c) द्वेष (d) प्रेम

उत्तर (a)—यांत्रिक एकता से तात्पर्य समानता अथवा एकरूपता से है। यांत्रिक समाज में व्यक्ति का व्यक्तित्व सामूहिक व्यक्तित्व में विलीन हो जाता है। इस समाज के सदस्यों में नैतिक एवं मानसिक आधार पर अत्यधिक समानता होती है।

5. प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद निम्न में से किसे कहते हैं?
(a) मानवीय व्यवहार का भीतरी पहलू
(b) मानवीय व्यवहार का घटनात्मक पहलू
(c) क्रिया का विश्लेषणात्मक अर्थ
(d) कर्ता की भावनात्मक भड़ास

उत्तर (c)—सिम्बोलिक इण्टर एक्शानज्म शब्द की रचना वर्ष 1937 में हरबर्ट ब्लूमर ने की। प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद अमेरिकी सामाजिक मनोविज्ञान का एक सिद्धान्त है। जो समाज के संबंधों का अध्ययन सामाजिक कर्ताओं के होने वाले संकेतात्मक सम्प्रेषण की प्रक्रिया के सन्दर्भ में करता है। जिसे क्रिया का विश्लेषणात्मक अर्थ कहते हैं।

6. बालहत्या एवं स्वजातिभक्षपावाद निम्न में से यह किसे दर्शाता है?
(a) सांस्कृतिक सापेक्षता (b) जातीयता
(c) सांस्कृतिक बहुलवाद (d) सांस्कृति चयन

उत्तर (a)—प्रत्येक संस्कृति अपनी-अपनी विशिष्ट परिस्थितियों के साथ अपने ढंग से समायोजन करती है। अतः किसी एक संस्कृति का मूल्यांकन किसी अन्य संस्कृति के मानदण्डो के अनुसार नहीं किया जा सकता यही स्थिति ही सांस्कृतिक सापेक्षता कहलाती है। बालहत्या एवं स्वाजातिभक्षपावाद सांस्कृतिक सापेक्षता का उदाहरण है।

7. पारसन्स द्वारा निम्नांकित प्रकार्यात्मक समस्याओं को उचित क्रम में व्यवस्थित करें-
1. सात्मीकरण 2. आंतरिक
3. लक्ष्य प्राप्ति 4. आत्मसात् करना
(a) 1 2 3 4
(b) 4 2 1 3
(c) 4 3 1 2
(d) 3 2 1 4

उत्तर (c)—पारसंस द्वारा प्रकार्यात्मक समस्याओं का उचित क्रम आत्मसात करना, लक्ष्यप्राप्ति, सात्मीकरण तत्पश्चात आंतरिक है। पारसंस ने अपनी पुस्तक 'द सोशल सिस्टम' में सामाजिक क्रियाशीलता के सम्बन्ध में एक समन्वित ज्ञान प्राप्त किया।

8. निम्नलिखित में से भारत में बढ़ते तलाक के कारण कौन हैं?
(a) महिलाओं का आर्थिक स्वावलंबन
(b) देश की विलासिता
(c) वैवाहिक जोड़ों की अपरिपक्वता
(d) अशिक्षा

उत्तर (a)—भारत में बढ़ते तलाक का कारण महिलाओं का आर्थिक स्वावलम्बन है। अब वह पहले कि भाँति मूकदर्शक नहीं रही। जरुरत पड़ने पर वह अपनी आवाज उठाती है।

9. निम्न में से धर्म का सबसे महत्वपूर्ण प्रकार्य कौन-सा है?
(a) जादू (b) पूर्वज पूजा
(c) आत्मवाद (d) सामाजिक नियंत्रण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (d)–धर्म का सबसे महत्वपूर्ण प्रकार्य सामाजिक नियंत्रण है। धर्म मानवीय जीवन के अज्ञात एवं अज्ञेय पक्षों जैसे जीवन, मृत्यु और उसके अस्तित्व के रहस्यों को जानने तथा उनके साथ व्यवहार करने का एक तरीका है। यही नहीं, धर्म नैतिक निर्णयों को लेने की प्रक्रिया में उत्पन्न कठिन असमंजस की स्थिति में उसकी सहायता भी करता है।

10. निम्न में कौन धर्म नहीं है?

(a) जैन (b) बौद्ध
(c) सिख (d) शिव उपासक

उत्तर (d)–शिव उपासक एक सम्प्रदाय से सम्बन्धित है। यह धर्म नहीं अपितु एक घटक है। जो धर्म के अनुपालन से सम्बन्धित है।

11. निम्न में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) संस्कृति मानवीय जीवन को संरचना प्रदान करती है
(b) संरचना मानवीय जीवन को संस्कृति प्रदान करती है
(c) संस्कृति समाजीकरण का मुख्य अंश है
(d) संस्कृति अपने सदस्यों के व्यक्तित्व को बनाती है

उत्तर (b)–सामाजिक संरचना, सामाजिक संस्थाओं, एजेन्सियों, प्रतिमानों एवं लोगों द्वारा प्राप्त किये गये पदों एवं भूमिकाओं रूपी अवयवों से निर्मित होती है अतः यह कथन सही नहीं कि संरचना मानवीय जीवन को संस्कृति प्रदान करती है।

12. सांस्कृतिक पर्याय निम्न में से किसकी प्रक्रिया है?

(a) सांस्कृतिक परिवर्तन (b) सांस्कृतिक समायोजन
(c) सांस्कृतिक प्रसार्य (d) सांस्कृतिक विलंबना

उत्तर (b)–सांस्कृतिक पर्याय सांस्कृतिक समायोजन की प्रक्रिया है। जिसके द्वारा दो संस्कृतियों का समायोजन किया जाता है।

13. परिवार एवं समाज के बीच शिक्षा पुल का कार्य करती है, यह विचार निम्न में से किस का है?

(a) आर.के. मर्टन (b) टालकॉट पारसन्स
(c) इमाईल दुर्खीम (d) मैक्स वेबर

उत्तर (c)–टालकॉट पारसन्स का विचार है कि, परिवार एवं समाज के बीच शिक्षा पुल का कार्य करती है। पारसन्स स्कूल को 'समाजीकरण की केन्द्रीय एजेंसी' मानते हैं जो परिवार एवं समाज के बीच कड़ी का कार्य करती है।

14. निम्न में से कौन-सा सही नहीं है?

(a) गुणात्मक शिक्षा जीने की सम्भावनाओं को बढ़ाती है
(b) शिक्षा महिलाओं को सशक्त बनाती है
(c) महिलाओं का शिक्षित होना पुरूषों की शक्ति को कम करता है
(d) शिक्षा लोगों को मुक्ति दिलाती है

उत्तर (c)–महिलाओं का शिक्षित होना पुरूषों की शक्ति को कम करता है सही नही है, बल्कि ज्ञान वर्तमान युग में महिला और पुरूषों को शिक्षा अनुरक्षण करती है।

15. आधुनिक समाज में निम्न में से धर्म की कौन-सी विशेषता नहीं है?

(a) धार्मिक बहुलता (b) निजी धर्म
(c) कुलवाद धर्म (d) महिला धर्म

उत्तर (c)–कुलवाद धर्म आदिम समाज की विशेषता थी। क्योंकि उस समय सरल समाज था। आधुनिक समाज में कुलवाद धर्म की विशेषता नहीं है।

16. विकसित एवं विकासशील समाजों में किस प्रकार के नये परिवार उभर रहे हैं?

(a) विस्तृत परिवार (b) पैतृक परिवार
(c) मातृक परिवार (d) एक माता या पिता परिवार

उत्तर (d)–विकसित एवं विकासशील समाजों में एक माता या पिता परिवार की अवधारणा बनता जा रहा है। जो पश्चिमी संस्कृतियों का आधुनिकीकरण और मानवीय आवश्यकता की तुष्टिकरण है।

17. निम्न में से किस धर्म में अलौकिकता की अवधारणा नहीं है?

(a) बौद्ध धर्म (b) यहूदी धर्म
(c) ईसाई धर्म (d) इस्लाम

उत्तर (a)–धर्म में अलौकिकता की अवधारणा आदिम समाज की विशेषता थी। यह बौद्ध धर्म की विशेषता नहीं है।

18. ब्लूमर के अनुसार सांस्कृतिक अन्तःक्रियावाद की निम्न परिभाषाओं में से कौन है?

(a) प्रतीकों के अनुरूप व्यक्ति-क्रिया की व्याख्या करते हैं
(b) व्यक्ति अपने पसंद-अनुसार क्रिया करते हैं
(c) व्यक्ति प्रतीकों की परवाह न करके क्रिया करते हैं
(d) व्यक्ति अपने हित के अनुसार क्रिया करते हैं

उत्तर (a)–ब्लूमर का विचार है कि प्रतीकों के अनुरूप व्यक्ति क्रिया की व्याख्या करते हैं। ब्लूमर के अनुसार सांस्कृतिक अन्तःक्रियावाद सामाजिक व्यवस्थाएँ व्यापक रूप में मात्र अमूर्तीकरण है जिनका व्यक्तियों की क्रियाओं से अलग कोई स्वतन्त्र अस्तित्व नहीं होता जिनके द्वारा उनका निर्माण होता है।

19. निम्न में से किस ने पहली बार समाजशास्त्र में Role-Set की अवधारणा का प्रयोग किया ?

(a) राल्फ लिंटन (b) आर.के. मर्टन
(c) एस.एफ. नाडेल (d) जी.एच. मीड

उत्तर (b)– समाजशास्त्र में सर्वप्रथम Role-Set की अवधारणा अमेरिकी समाजशास्त्री आर. के मर्टन ने दी। भूमिका विश्लेषण की समस्याओं पर एस. एफ. नाडेल ने विधिवत प्रकाश डाला।

20. राम एक प्रबन्धकीय अफ़सर है, किसी का बेटा है, किसी का पति है, किसी का पिता है, किसी क्लब का सदस्य आदि है, यह उदाहरण निम्न में से किस का है?

(a) भूमिका सैट (b) प्रस्थिति क्रमबद्धता
(c) विविध भूमिकाएँ (d) प्रस्थिति सैट

उत्तर (d)–मर्टन के अनुसार, एक अकेले व्यक्ति द्वारा धारणा की गई विभिन्न तथा विशिष्ट प्रस्थितियों के संकुल को प्रस्थिति पुंज कहते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

21. अदला-बदली विवाह निम्न में से कौन दर्शाता है?

(a) X, Y की बहन से विवाह करता है एवं Y उसके बदले में X की बहन से विवाह करता है
(b) X, Y से दहेज के लिए विवाह करता है
(c) X, Y से वधू धन के बदले में विवाह करता है
(d) X और Y के बीच विवाह भेंट के लेन-देन के लिए होता है

उत्तर (a)–अदला-बदली विवाह प्रायः आदिम समाजों में पाया जाता था। ग्रामीण उष्णभूमि में 50 वर्ष पहले आंशिक रूप से निम्न जातियों में पाया जाता था। इस प्रकार X, Y की बहन से विवाह एवं Y उसके बदले में X की बहन से विवाह करता है। इसे ग्रामीण पृष्ठभूमि में लिनफरवा विवाह कहते हैं।

22. आपेक्षतः समाजीकरण की अवधारणा का निम्न में से किसने प्रयोग किया?

(a) मीड (b) कूले
(c) मर्टन (d) सोरोकिन

उत्तर (c)– समाजीकरण की अवधारणा का प्रयोग मर्टन ने किया था। समाजीकरण एक सामाजिक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा हम समाज में रहना और उसमें सक्रिय सदस्य बनाना सीखते हैं।

23. निम्न में से जाति व्यवस्था में सामाजिक गतिशीलता को कौन सा सही ढंग से दर्शाता है?

(a) जाति व्यवस्था में गतिशीलता संभव नहीं है
(b) संपत्ति एवं सम्मान अर्जित करने से व्यक्ति की जाति बदल जाती है
(c) जातिव्यवस्था में जाति समूह को उर्ध्वोन्मुखी गतिशीलता संभव है।
(d) जाति व्यवस्था में जाति समूह को क्षैतिज गतिशीलता संभव है

उत्तर (c)– ऊर्ध्वगामी सामूहिक सामाजिक गतिशीलता का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हम भारतीय जाति व्यवस्था में देख सकते हैं। कई बार मध्यम वर्ग की जातियाँ जाति व्यवस्था में ऊँचा उठने का प्रयास करती हैं। श्रीनिवास ने संस्कृतिकरण की प्रक्रिया द्वारा जातियों की ऊर्ध्वगामी गतिशीलता को व्यक्त किया है।

24. यह विचार कि ''पुरूष महिलाओं से ज्यादा शक्तिशाली है'' निम्न में से क्या है?

(a) विश्वास (b) मापदण्ड
(c) मूल्य (d) मान्यता

उत्तर (a)–पुरूष महिलाओं से श्रेष्ठ है यह एक पुरूषवादी सोच का परिचायक है लेकिन माना जाय तो यह केवल विश्वास है। इसका यथार्थ से कोई लेना-देना नहीं है।

25. निम्न में से कूले किसके बीच अंतर करते हैं?

(a) बाह्य समूह एवं भीतरी समूह
(b) प्राथमिक समूह एवं द्वितीय समूह
(c) मशीनी सुदृढ़ता समूह एवं जैविक सुदृढ़ता समूह
(d) सैनिक समाज एवं उद्योगी समाज

उत्तर (b)–कूले ने सर्वप्रथम प्राथमिक समूह एवं द्वितीयक समूह में बँटवारा किया था। कूले प्राथमिक समूह (Primary group) और आत्मदर्पण की अवधारणाओं के रचनाकार है और उनको पहला मानवतावादी समाजशास्त्री माना जाता है।

26. जातीयता नस्लीयमध्यवाद का एक प्रकार है जो एक समूह की निम्न में से किस की श्रेष्ठता की भावना पर आधारित है-

(a) सामाजिक एवं आर्थिक विकास (b) सांस्कृतिक विकास
(c) जैविक देन (d) तांत्रिकीय विकास

उत्तर (b)–सांस्कृतिक विकास समूह की बढ़ाई वंशवाद पर निर्भर है जो कि जातीयता पर आधारित है।

27. निम्न में से कौन-सा तत्व मर्टन के विचलन के विश्लेषण में शामिल नहीं है?

(a) अलगाव (b) आविष्कार
(c) विधिवाद (d) रीटरीटिज्म

उत्तर (a)–अलगाव मर्टन के विचलन के विश्लेषण में शामिल नहीं है। अलगाव मार्क्स की अवधारणा है, जिसका अर्थ है- स्वविमुखता की स्थिति, जिसके परिणाम स्वरूप श्रमिक अपने कार्य से अलग हो जाते है।

28. समाजशास्त्र में संस्कृति निम्न में से किस को दर्शाती है?

(a) अच्छे तौर-तरीके
(b) साक्षरता एवं सौंदर्य संवेदना
(c) सभ्य व्यवहार
(d) किसी समुदाय के रहने का ढंग

उत्तर (d)– समाजशास्त्र में संस्कृति किसी समुदाय के रहने का ढंग दर्शाती है।

29. व्यवसायों, मान-सम्मान, जाति, श्रेणी एवं शक्ति में हुए परिवर्तन के संबंध में सामाजिक पदवी में हुए परिवर्तन को क्या कहेंगे?

(a) सामाजिक परिवर्तन (b) सामाजिक गतिशीलता
(c) क्रांति (d) पुनर्निर्माण

उत्तर (b)– सामाजिक गतिशीलता व्यवसायों, मान–सम्मान, जाति, श्रेणी, एवं शक्ति में हुए परिवर्तन के सम्बन्ध में सामाजिक पदवी में हुऐ परिवर्तन को कहते हैं। जिसके माध्यम से समाज का अनुरक्षण बना रहता है। अगर समाज में गतिशीलता न हो तो समाज का अस्तित्व खतरे में पड़ जायेगा।

30. निम्न में से कौन-सी समाज की प्रमुख संस्था नहीं है?

(a) अर्थव्यवस्था (b) सामाजिक स्तरीकरण
(c) राजनीति (d) परिवार

उत्तर (b)–सामाजिक स्तरीकरण समाज की एक श्रेणी है जिसके माध्यम से समाज में उच्चता एवं निम्नता का बँटवारा होता है। स्तरीकरण के वजह से ही समाज सरल से जटिल के तरफ बढ़ता है।

31. समाजशास्त्र के संदर्भ में अप्रकार्य का क्या अर्थ है?

(a) एक क्रिया के अनुपयोगी परिणाम

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) एक क्रिया के दुष्परिणाम
(c) एक क्रिया के अनेक परिणाम
(d) एक क्रिया के अप्रासंगिक परिणाम

उत्तर (b)–मर्टन के अनुसार अकार्य वे निरीक्षत परिणाम हैं जो सामाजिक व्यवस्था में अनुकूलन या समंजस्य को कम कर देते हैं। ये उद्देश्य की पूर्ति में बाधक होते हैं।

32. निम्न में से किसने भारतीय संदर्भ में संस्कृति एवं व्यक्तित्व को समझने के लिए अपने परिप्रेक्ष्य को मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य का नाम दिया है?

(a) ए.आर. देसाई (b) एम.एन. श्रीनिवास
(c) डी.पी. मुकर्जी (d) जी.एस. घुर्ये

उत्तर (a)–मार्क्सवादी विचारधारा के प्रति आजन्म प्रतिबद्ध रहे भारतीय समाजशास्त्री ए.आर. देसाई की गणना बम्बई वि.वि. के प्रथम पंक्ति और देश के अग्रणी समाजशास्त्रियों में की जाती है। उन्होंने भारतीय सन्दर्भ में संस्कृति एवं व्यक्तित्व को समझने के लिए अपने परिप्रेक्ष्य को मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य का नाम दिया।

33. किस का कथन है कि ''सामाजिक मानव विज्ञान तुलनात्मक विज्ञान है''?

(a) रैडक्लिफ ब्राउन (b) आर. के. मर्टन
(c) मैलिनोवस्की (d) एम.एन. श्रीनिवास

व्याख्या–(a) रेडक्लिफ ब्राउन सामाजिक मानवशास्त्र के प्रमुख संस्थापकों में से रहे है। दुर्खीम की भाँति ब्राउन ने भी समाज की संरचना और विभिन्न संस्थाओं के प्रकार्यों की महत्ता पर बल दिया है।

34. ''भारत की किसी एक राज्य में बाल मृत्यु दर उस राज्य में महिलाओं की प्रतिशत साक्षरता दर से प्रभावित हुई लगती है''
उपरोक्त कथन में, स्वतंत्र चर क्या है?

(a) राज्य
(b) महिलाओं की प्रतिशत साक्षरता
(c) बाल मृत्यु दर
(d) महिलाओं की प्रतिशत दर

उत्तर (a)–वह चर जिसका किसी तर्क अथवा किसी से कोई लेना देना नहीं होता, स्वतंत्र चर कहलाता है जैसे उपरोक्त कथन में बाल मृत्युदर का कारण महिलाओं की निरक्षरता है तथा महिलाओं की प्रतिशत दर भी बाल मृत्यु दर को प्रभावित करती है। चूँकि बाल मृत्यु दर एक स्वयं कारण है अतः यह स्वतंत्र चर नहीं हो सकता अतः केवल विकल्प A अर्थात् राज्य एक ऐसा चर है जिसका कारण से कोई लेना देना नहीं है। इस प्रकार राज्य एक स्वतंत्र चर है।
नोट – U.G.C. द्वारा विकल्प B को सही माना गया है।

35. एक महिला एक भार तोलने की मशीन जिसके साथ उसके बच्चों ने ऐसी छेड़छाड़ की हुई है कि वह सही भार से 5 किलोग्राम ज्यादा वज़न दर्शाती है, का उपयोग करती है। जब भी वह अपना वज़न करती है तो हर बार वही तोल मिलता है। इस तरह मशीन द्वारा दिया गया वज़न क्या है?

(a) उपयुक्त परंतु भरोसेमंद
(b) भरोसेमंद परंतु उपयुक्त नहीं
(c) भरोसेमंद एवं उपयुक्त
(d) न ही भरोसेमंद न ही उपयुक्त

उत्तर (b)–उपरोक्त कथन के लिए विकल्प B सही है क्योंकि उस मशीन द्वारा बताया गया वजन उस महिला के लिए भरोसेमंद है परन्तु उपयुक्त नहीं है।

36. एक स्वास्थ्य योजनाकार किसी एक इलाके में बढ़ते हुए एच.आई.वी. के केसों से चिंतित है। वह उस इलाके में कोई संवेदनशील प्रोग्राम बनाना चाहता है। उसके लिए उसे वहाँ के आँकड़े चाहिए। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उसे निम्न में से कौन-सा शोध प्रारूप अपनाना चाहिए?

(a) अन्वेषणात्मक (b) वर्णनात्मक
(c) व्याख्यात्मक (d) मूल्यात्मक

उत्तर (a)–यह अनुसंधान उन विषयों का अध्ययन करता है जिनके विषय में या तो कोई जानकारी नहीं होती या बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। सामान्यतः इस प्रकार का अनुसंधान गुणात्मक होता है जो कि प्राकल्पना निर्माण या प्राकल्पनाओं और सिद्धांतों के परीक्षण में लाभदायक होते हैं।

37. सांख्यिकी नल-उपकल्पना में दो औसत $\left(\overline{X}1, \overline{X}2\right)$ होते है, यह निम्न में से कौन है?

(A) $\overline{X}_1 = \overline{X}_2$
(B) $\overline{X}_1 > \overline{X}_2$
(C) $\overline{X}_1 < \overline{X}_2$
(D) $\overline{X}_1 \neq \overline{X}_2$

उत्तर (a)–सांख्यिकी नल उपकल्पना में औसत सदैव शून्य होता है इसलिए विकल्प (A) $\overline{X}_1 = \overline{X}_2$ सही है।

38. भारत में परिवारों के अध्ययन के लिए जब कोई प्रतिनिधि नमूना लेना चाहता है तो निम्न में से सब से कम खर्च वाली नमूना विधि कौन-सी होगी?

(a) स्तरीय निरूद्देश्य नमूना
(b) साधारण निरूद्देश्य नमूना
(c) उद्देश्यपूर्ण नमूना
(d) बहुस्तरीय झुण्ड नमूना

उत्तर (d)–इस प्रतिदर्शन में भी प्रक्रिया वही है जो बहु-चरणी प्रतिदर्शन में होती है अर्थात प्राथमिक चयन द्वितीयक चयन आदि। फिर भी बहु-पक्षीय प्रतिदर्शन प्रक्रिया में दूसरे प्रतिदर्श को निकालने से पूर्व प्रत्येक प्रतिदर्श का भली-भाँति अध्ययन किया जाता हैं परिणाम स्वरूप जहाँ बहु-चरणी-प्रतिदर्शन में केवल अन्तिम प्रतिदर्श का अध्ययन किया जाता है बहुपक्षीय प्रतिदर्शन में सभी प्रतिदर्शो का अन्वेषण किया जाता है। इससे दूसरी विधियों की अपेक्षा अधिक लाभ होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

39. परिवार की आय एवं उच्च सेकंडरी परीक्षा में प्राप्त अंको के संबंध को समझने के लिए एक शोधकर्ता को एफीशिएन्ट ऑफ कोरेलेशन लगाता है, जिसका मूल्य 1.0 है। इस का अर्थ है-

(a) कि आय और स्कूल प्रदर्शन का गहरा संबंध है
(b) कि आय स्कूल प्रदर्शन को प्रभावित करती है
(c) कि स्कूल प्रदर्शन पर आय का दोगुना पड़ता है
(d) कि गणना में गलती है

उत्तर (a)—जब दो या दो से अधिक चरों के सह संबंध गुणांक + 0.75 से ±1 के मध्य हो अथवा 1.0 हो तो उसे उच्च सह संबंध कहते हैं।

40. जब कोई स्तरीय निरूद्देश्य नमूने का प्रयोग करने का फैसला करता है तो स्तरीकरण किस वसूल पर आधारित होना चाहिए?

(a) स्तरों के बीच में अंतर को बढ़ाना तथा प्रत्येक स्तर के बीच में अंतर को कम करना
(b) स्तरों के बीच में अंतर कम करना एवं स्तरों के बीच में अंतर को बढ़ाना
(c) स्तरों के बीच में अंतर को कम करना और प्रत्येक स्तर के बीच में अंतर को कम करना
(d) स्तरों के बीच में अंतर को बढ़ाना एवं प्रत्येक स्तर के बीच के अंतर को बढ़ाना

उत्तर (a)—जब कोई स्तरीय निरूद्देश्य नमूने का प्रयोग करने का फैसला करता है तो स्तरीकरण स्तरों के बीच में अन्तर बढ़ा देता है तथा प्रत्येक स्तर के बीच में अन्तर को कम कर देता है।

41. मानक विचलन है-

(a) व्यक्तिगत मूल्य के विचलित वर्ग का औसत वर्गमूल विचलित मानक है
(b) बदलाव का वर्ग
(c) औसत विचलन का वर्ग
(d) औसत विचलन का वर्गमूल

उत्तर (a)—मानक विचलन व्यक्तिगत मूल्य के विचलित वर्गमूल का औसत वर्गमूल विचलित मानक है।

42. मापन की इकाई - बारंबारता वितरण के बदलाव का स्वतंत्र माप है-

(a) औसत विचलन (b) चौथाई विचलन
(c) मानक विचलन (d) बदलाव का सह-संबंध

उत्तर (d)—मापन की इकाई - बारम्बारता वितरण के बदलाव का स्वतंत्र माप बदलाव का सह-सम्बन्ध है।

43. समाजशास्त्र विषय के कोर्स शोध अध्ययन पद्धति के 11 विद्यार्थियों ने जो अंक प्राप्त किए वह निम्न हैं

विद्यार्थी	A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K
अंक	32	35	45	45	52	53	54	54	54	55	62

यदि इन आँकड़ों का औसत निकाली जाए तो उपरोक्त वितरण का औसत एवं माध्यिका का क्या अंतर होगा?

(a) -3.82 (b) -4.82
(c) 5.82 (d) 4.82

उत्तर (a)—

$\because$ औसत $\frac{\text{पदों का योग}}{\text{पदों की संख्या}}$

औसत $= \frac{32+35+45+45+52+53+54+54+54+55+62}{11}$

$\Rightarrow \frac{541}{11} = 49.18$

माध्यिका $\frac{\text{पदों की संख्या}+1}{2}$ = वॉं पद

(यदि पदों की संख्या विषम है)

$\Rightarrow \frac{11+1}{2}$ वॉं पद $= \frac{12}{2}$ वॉं पद = 6वॉं पद

अतः मध्यिका ⇒

32,35,45,45,53 [6वॉं पद: 53] 54, 54, 54, 55,62

माध्यिका = 53

अन्तर = औसत- माध्यिका ⇒

$49.18 - 53 \Rightarrow -3.82$

44. सूची I को सूची II से मिलाएँ-

	सूची I	सूची II
(A)	मेरा एक एवं इकलौता पति	1. बहु पति
(B)	राधा मेरी पहली पत्नी थी, सीता मेरी दूसरी पत्नी थी, अब उन्होंने दूसरी शादी कर ली	2. एक पति/पत्नी विवाह
(C)	मेरे पतियों से मिलिए	3. रक्त संबंधी
(D)	विवाह क्यों किया जाए और पूर्ण संबंध तबाह किए जाएँ	4. बहु पत्नी

	A	B	C	D
(a)	2	5	1	3
(b)	2	4	1	3
(c)	2	5	1	4
(d)	1	2	5	4

उत्तर (b)—सुमेलित सूची इस प्रकार है—

मेरा एक एवं इकलौता पति/पत्नी - एक पति /पत्नी विवाह
राधा मेरी पहली पत्नी थी, सीता मेरी दूसरी पत्नी थी, अब उन्होंने दूसरी शादी कर ली। - बहु पत्नी
मेरे पतियों से मिलिए - बहु पति
विवाह क्यों किया जाए और पूर्ण संबंध तबाह किए जाएँ - रक्त संबंधी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

45. **कथन** (A) : संदर्भ समूह का बनना व्यक्ति एवं समाज के लिए प्रकार्यात्मक होता है।

कारण (R) : संदर्भ समूह का बनना आपेक्षित समाजीकरण की ओर ले जाता है।

(a) A एवं R दोनों सही हैं, और R, A के लिए सही व्याख्या करता है।
(b) A एवं R दोनों सही हैं, परन्तु R, A के लिए सही व्याख्या नहीं करता।
(c) A सही है, परन्तु R गलत है।
(d) A गलत है, परन्तु R सही है।

उत्तर (a)–सन्दर्भ समूह एक समाजीकरण की प्रक्रिया है जिसमें किसी एक समूह का व्यक्ति, दूसरे समूह के व्यक्ति को अपना आदर्श मान कर उसके प्रकार्यों को अपनाने लगता है। अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सही है तथा कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या करता है।

46. **सूची I को सूची II से मिलाएँ-**

सूची I (लेखक)	**सूची II (अवधारणा)**
(A) मैकाइवर एवं पेज	1. आदर्शात्मक चल
(B) टी. पारसन्स	2. स्व (मी.) विज्ञान
(C) आर.के. मुखर्जी	3. मिडिल रेंज थ्योरी
(D) आर.के. मर्टन	4. हासिये के समुदाय

	A	B	C	D
(a)	4	1	2	3
(b)	1	4	2	3
(c)	1	4	3	2
(d)	4	1	3	2

उत्तर (a)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)	**(अवधारणा)**
मैकाइवर एवं पेज	- हासिये के समुदाय
टी. पारसन्स	- आदर्शात्मक चल
आर.के. मुखर्जी	- स्व (मी.) विज्ञान
आर.के. मर्टन	- मिडिल रेंज थ्योरी

47. **आप सामाजिक तथ्य को कैसे ध्यान करेंगे? यह है-**

1. मानव मस्तिष्क के बाह्य
2. प्रतिबन्धक
3. आम
4. व्यक्तियों का योग

(a) 1,2 एवं 3 (b) 1,3 एवं 4
(c) 1,3 एवं 4 (d) 1,2 एवं 4

उत्तर (a)–दुर्खीम ने अपनी कृति 'द रूल्स ऑफ सोशियोलॉजिकल मेथड' में सामाजिक तथ्यों की विवेचना दो प्रमुख वस्तुनिष्ठ मापदण्डों के माध्यम से प्रस्तुत की है-
(i) वह वैज्ञानिक में मस्तिष्क से बाहर होना चाहिए।
(ii) उसका वैज्ञानिक पद कुछ अनिवार्यता मूलक या बाध्यतामूलक प्रभाव होना चाहिए।

48. **'सामुदायिक प्रतिनिधित्व' की अवधारणा निम्न में से किसकी है?**

(a) कार्ल मार्क्स (b) दुर्खीम
(c) मैस वेबर (d) लेवी-स्ट्रास

उत्तर (b)–इमाईल दुर्खीम को आधुनिक समाजशास्त्र विषय के संस्थापकों में से एक अग्रणी प्रर्वतक माना जाता है। जिन्होंने समाजशास्त्र को एक अकादमिक विषय के रूप में प्रस्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उन्होंने सामुदायिक प्रतिनिधित्व की अवधारणा प्रतिपादित किया। सामूहिक चेतना की अभिव्यक्ति जब किसी प्रतीक या चिह्नों के रूप में होती है तो उन्हें ही सामूहिक प्रतिनिधान कहते हैं।

49. **निम्नलिखित चार विद्वानों ने संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य में योगदान पाया है-**

1. आर.के. मर्टन
2. ऑगस्ट कॉम्टे
3. टालकॉट पारसन्स
4. बी. मैलिनोवस्की

निम्न में से कौन-सी सही अनुक्रमणिका है?

(a) 1,2,3,4 (b) 2,1,4,3
(c) 2,4,3,1 (d) 2,3,4,1

उत्तर (c)–संरचनात्मक प्रकार्यवाद परिप्रेक्ष्य में अध्ययन करने वाले समाजशास्त्री क्रमशः ऑगस्त कॉम्ट, बी. मैलिनोवस्की, टालकॉट पारसंस तथा आर. के. मर्टन प्रमुख हैं।

50. **जब यह माना जाता है कि उपकल्पना के 5% स्तर को महत्व पर आँका जाता है तो इस का मतलब होता है कि-**

(a) जब यह सही होता है उपकल्पना को रद्द करने के 5% की सम्भावना होती है
(b) जब यह सही नहीं है तो उपकल्पना को मानने के लिए 5% की सम्भावना होती है
(c) जब यह सही है तो उपकल्पना को रद्द करने के 95% की सम्भावना होती है
(d) जब यह गलत है तो उपकल्पना को मानने के 95% की सम्भावना होती है

उत्तर (a)–जब यह माना जाता है। कि उपकल्पना की 5% स्तर को महत्व पर आंका जाता है तो इसका मतलब होता है कि जब यह सही होता है तो उपकल्पना को रद्द करने की 5 प्रतिशत की सम्भावना होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2005
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. समाज शास्त्र में मूल्य का क्या अर्थ है?
(a) सुसंस्कृत व्यक्ति के गुण (b) आचरण के मानदण्ड
(c) सामाजिक वरीयता (d) आदर्श

उत्तर : (c) मूल्य का सम्बन्ध सामाजिक रूप से 'क्या करना चाहिए' से है। यह किसी भी समाज के लिए सामाजिक वरीयताएँ हैं; क्योंकि मूल्यों के आधार पर ही व्यवहार के 'मानदण्ड' निर्मित होते है।

2. निम्न में से 'फर्स्ट प्रिंसीपल' पुस्तक किसने लिखी?
(a) हरबर्ट स्पेंसर (b) के. डेविस
(c) बी मैलिनोवस्की (d) जेम्स फ्रेजर

उत्तर (a) समाजशास्त्र के क्षेत्र में ऑगस्त कॉम्ट के कार्य को आगे बढ़ाने का श्रेय ब्रिटिश दार्शनिक एवं सामाजिक विचारक हरबर्ट स्पेन्सर को दिया जाता है। ऐसा कहा जाता है कॉम्ट ने समाजशास्त्र के जिस नक्शे को बनाया, स्पेन्सर ने उसमें रंग भरे। स्पेन्सर ने 'फर्स्ट प्रिंसीपल' नामक पुस्तक लिखी।

3. आवश्यकता-सिद्धांत निम्न में से किस की देन है?
(a) दुर्खीम (b) मीड
(c) मैलिनोवस्की (d) मैनहीम

उत्तर : (c) मैलिनोवस्की मानवशास्त्र में प्रकार्यवादी सिद्धान्त के एक प्रमुख हस्ताक्षर थे। इन्होंने अपनी पुस्तक "ए सांइटिफिक थ्योरी ऑफ कल्चर" में आवश्यकता का सिद्धान्त प्रस्तुत किया तथा इसमें आवश्यकता के तीन प्रकारों का उल्लेख किया-
1. जैविक आवश्यकता
2. सामाजिक आवश्यकता
3. सांकेतिक या समाकलनात्मक आवश्यकता

4. वेबर के अनुसार करिश्माई नेता की निम्न में से सबसे महत्वपूर्ण विशेषता कौन सी है।
(a) समाज के लिए उसकी शक्तियों की महत्तता
(b) व्यक्तिगत आकर्षण
(c) राजनीतिक अनुयायी
(d) अपने अनुयायिओं को अपनी विशेष शक्तियों से प्रभावित करने की योग्यता

उत्तर : (d) समाजशास्त्रीय साहित्य में करिश्माई सत्ता की अवधारणा का प्रयोग मैक्स वेबर ने किया हैं करिश्माई नेता सामजिक परिवर्तन का बड़ा स्रोत होता है। प्रतिष्ठित संस्थानों में करिश्माई प्रघटना अस्थाई एवं अल्पकालिक होती है। करिश्माई नेता के विचारों में बदलाव आ सकता है। उसकी मृत्यु के बाद करिश्माई सत्ता का दस्तूरी तौर पर पालन किया जाता है। अतः करिश्माई नेता में अपने अनुयायियों को अपनी विशेष शक्तियों से प्रभावित करने की योग्यता होती है।

5. निम्न में से संपूर्ण संस्था के कौन से तत्व है?
1. कारागार 2. संरक्षणगृह
3. होटल 4. छात्रावास
Codes :
(a) 2 और 3 (b) 1, 2 और 3
(c) 1 और 2 (d) 2, 3 और 4

उत्तर : (c) गॉफमैन ने 'सम्पूर्ण संस्था' की अवधारणा दी है। इन्होंने जेल, आश्रम, सेना की छावनी, अस्पताल तथा पागलखाने को सम्पूर्ण संस्था का उदाहरण माना है।

6. समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य में संस्कृति का अर्थ है।
(a) व्यक्ति में सुधार
(b) सीखा हुआ व्यवहार
(c) प्रयोगशाला में सूक्ष्म प्राणियों का विकास
(d) सुन्दर गुणों का निर्माण

उत्तर : (b) समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य में संस्कृति का अर्थ सीखा हुआ व्यवहार है। संस्कृति ही समाज का अनुरक्षण रखती है। साधारण अर्थों में संस्कृति शब्द का प्रयोग सुसंस्कृत अथवा संस्कार के अर्थ में किया जाता है।

7. निम्न में से धर्म का कौन सा प्रकार्य नहीं है?
(a) सामाजिक सुदृढ़ता को बनाए रखना
(b) सामाजिक नियंत्रण को बनाए रखना
(c) मानसिक दबाव से छुटकारा दिलाना
(d) सामाजिक स्तरीकरण को बढ़ावा देना

उत्तर : (d) धर्म पवित्र वस्तुओं से सम्बंधित विश्वासों तथा कर्मकाण्डों की एक संगठित व्यवस्था है जो उन व्यक्तियों को एक एकल सामाजिक-नैतिक समुदाय में बाँधता है, जो इसका अनुसरण करते हैं। सामाजिक स्तरीकरण को बढ़ावा देना धर्म का प्रकार्य नहीं है क्योंकि स्तरीकरण का आधार धर्म नही बल्कि सम्पत्ति, सम्मान एवं सत्ता का असमान वितरण है।

8. पिता के भाई की पुत्र वधू निम्न में से किसका उदाहरण है?
(a) प्राथमिक नातेदारी का (b) द्वितीयक नातेदारी का
(c) वैवाहिक नातेदारी का (d) रक्तसम्बन्धी नातेदारी का

उत्तर : (c) वैवाहिक नातेदारी का अर्थ जिनका रक्त से कोई सम्बन्ध नहीं होता है। इसलिए पिता के भाई की पुत्र वधू वैवाहिक नातेदारी का उदाहरण है।

9. उदारता, उच्च पद की प्राप्ति, भौतिक पदार्थों का होना, समय की पाबन्दी, एवं देश भक्ति कुछ ऐसे उदाहरण है जिनकी अभिलाषा तथा उसकी प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील हुआ जाए, उसे क्या कहते हैं?
(a) मूल्य (b) प्रथाएं
(c) जीवन शैली (d) लोकाचार

उत्तर : (a) मूल्य वे सांस्कृतिक अथवा व्यक्तिगत धारणायें एवं आदर्श हैं जिनके द्वारा वस्तुओं और घटनाओं की एक दूसरे के साथ तुलना की जाती है। ये वे कसौटियाँ और व्यवहार के पैमाने हैं जिनके आधार पर अच्छे-बुरे, वांछित-अवांछित, सही-गलत, करणीय और अकरणीय का निर्णय किया जाता है। उदारता, उच्च पद की प्राप्ति, भौतिक पदार्थों का होना, समय की पाबंदी एवं देश भक्ति कुछ ऐसे उदाहरण हैं जिनकी अभिलाषा तथा उनकी प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील हुआ जाये तो उसे मूल्य कहा जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

10. निम्न में से विवाह द्वारा स्थापित सम्बन्धों के लिए किस अवधारणा का उपयोग होता है?
(a) प्राथमिक नातेदारी (b) द्वितीयक नातेदारी
(c) वैवाहिक सम्बन्धित नातेदारी (d) तृतीयक नातेदारी

उत्तर : (c) 'वैवाहिक सम्बन्धित नातेदारी' अवधारणा का प्रयोग विवाह द्वारा स्थापित सम्बन्धों के लिए होता है।

11. निम्न में से कौन सा कथन सही नहीं है?
(a) जनसंख्या की समरूपता नगर की विशेषता होती है।
(b) कस्बों और गाँवों की अपेक्षा सामाजिक परिवर्तन शहरों में तीव्र गति से होते है।
(c) नगरीय योजना आधुनिक आविष्कार है।
(d) भारत में अधिकतर प्रमुख नगर समुद्र के किनारों या यातायात वाले दरियाओं/नदियों के किनारे बसे हैं।

उत्तर : (a) नगर की विशेषता जनसंख्या समरूपता नहीं अपितु जनसंख्या विभिन्नता होती है।

12. निम्न में से विस्तृत परिवार के कौन से सदस्य हैं?
1. दादा एवं दादी
2. पैसा देकर रहने वाले मेहमान/अतिथि
3. भिन्नशाखीय नातेदार
4. नौकर

कोड :
(a) 1, 3 एवं 4 सही है (b) 1 एवं 3 सही है
(c) 2, 3 एवं 4 सही है (d) 1 एवं 4 सही है

उत्तर : (a) विस्तृत परिवार वह परिवार है जिसमें सदस्यों की संख्या बहुत अधिक होती है। इसमें नौकर को भी परिवार का सदस्य माना जाता है। इस प्रकार के परिवार में सभी रक्त सम्बन्धी व अन्य सम्बन्धी भी सम्मिलित होते हैं। ये एक पक्षीय (मातृ पक्ष/ पितृ पक्ष) या द्विपक्षीय भी हो सकते हैं।

13. कथन (A) : बहुत से साधारण समाजों में धार्मिक प्रवृत्तियां कुछ आर्थिक प्रक्रियाओं का आवश्यक पहलू होती हैं।
कारण (R) : साधारण समाज इन आर्थिक विशेषताओं में पाए जाने वाली दैविक आपदाओं से जागृत होते हैं।
निम्न दिये हुए सही कोड का चयन करें :
कूट :
(a) (A) एवं (R) दोनों सही है और (R) (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) एवं (R) दोनों सही है परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है

उत्तर : (c) यह अभिकथन सही है कि साधारण समाजों में धार्मिक प्रक्रिया के माध्यम से वस्तु विनिमय किया जाता है। जैसे ट्रोवियाण्ड द्वीप समूह में कुला व रिंग का विनिमय। साधारण समाज इन आर्थिक विशेषताओं में पाये जाने वाली दैविक आपदाओं से जाग्रत नहीं होते हैं।

14.

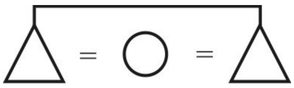

उपरोक्त आकृति निम्न में से किन सम्बन्धों को दर्शाती है?
(a) स्वसृक बहुपत्नी विवाह
(b) अस्वसृक बहुपत्नी विवाह
(c) भ्रातृक बहुपति विवाह
(d) अभ्रातृक बहुपति विवाह

उत्तर : (c) दिये गये चित्र में एक स्त्री का दो सगे भाई से विवाह सम्बन्ध दर्शाया गया है अतः यह भातृक बहुपति विवाह को दर्शाता है।

15. जब एक ही भूभाग में दो जनजातियाँ रहती हैं और एक दूसरे की संस्कृति का आदान प्रदान करती हैं जिस से उन की आपसी भिन्नता कम होती है, उस प्रक्रिया को क्या कहते हैं।
(a) वयस्क सामाजीकरण (b) सहयोग
(c) समायोजन (d) आत्मसात्मीकरण

उत्तर : (c) समायोजन अनुकूलन की वह प्रक्रिया है जिसमें विरोध या भिन्नता के तत्व उपस्थित रहते हैं।

16. जिस विवाह में उच्च जाति की स्त्री निम्न जाति के पुरुष से विवाह करती है, उस को क्या कहते हैं?
(a) बाह्य विवाह (b) अनुलोम विवाह
(c) सजातीय विवाह (d) प्रतिलोम विवाह

उत्तर : (d) जिस विवाह में उच्च जाति की स्त्री निम्न जाति के पुरुष से विवाह करती है उसे प्रतिलोम विवाह कहते हैं। धर्मशास्त्रों में इस प्रकार के विवाह की कटु आलोचना की गई है और ऐसे विवाह से उत्पन्न संतान को चाण्डाल या निषाद कहते हैं।

17. राबर्ट रैडफील्ड के अनुसार जिस समुदाय में भिन्नता, लघुता, समरूपता एवं आत्मनिर्भरता की विशेषताएँ पाई जाती हैं, उसे क्या कहतें हैं।
(a) लघु समुदाय (b) बृहद समुदाय
(c) समाज (d) सामाजिक समूह

उत्तर : (a) राबर्ट रैडफील्ड के अनुसार जिस समुदाय में भिन्नता, लघुता, समरूपता एवं आत्मनिर्भरता की विशेषताएँ पाई जाती हैं उसे लघु समुदाय कहते हैं।

18. निम्न में कौन सा कथन सही नहीं है?
(a) प्रस्थिति सामाजिक संरचना की इकाई है।
(b) भूमिका व्यक्तिगत व्यवहार का एक तत्व है।
(c) प्रस्थिति एवं भूमिका दोनों ही सामाजिक संरचना के तत्व है।
(d) प्रस्थिति एवं भूमिका दोनों गतिक और सदैव परिवर्तनशील तत्व है।

उत्तर : (b) किसी विशिष्ट समूह अथवा सामाजिक स्थिति में किसी विशिष्ट पद-प्रस्थिति के साथ जुड़े हुए तथा किन्हीं विशिष्ट दायित्वों एवं अधिकारों में आबद्ध व्यवहार प्रतिमान को भूमिका कहते हैं। भूमिका समाज सम्मत व्यवहार का एक तत्व है ना कि व्यक्तिगत व्यवहार का।

19. आदर्श व्यवहारों को जिन्हें समाज आवश्यक मानता है तथा जिनका वह कठोरता पूर्वक पालन करता है, कहा जाता है।
(a) जनरीतियाँ (b) जनरूढियाँ
(c) प्रथाएँ (d) अभिसमय/मान्यताएँ

उत्तर : (b) आदर्श व्यवहारों को जिन्हें समाज आवश्यक मानता है तथा जिनका वह कठोरता पूर्वक पालन करता है उसे जनरूढियाँ कहा जाता है।

20. मीड द्वारा ऐसे व्यक्तियों को जिनका किसी व्यक्ति के स्वमूल्याँकन तथा सामाजिक आदर्शों की स्वीकृति या अस्वीकृति पर सर्वाधिक प्रभाव होता है, कहा गया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) सामान्यीकृत दूसरे (b) संदर्भ दूसरे
(c) महत्वपूर्ण दूसरे (d) माडल दूसरे

उत्तर : (a) मीड द्वारा ऐसे व्यक्तियों को जिनका किसी व्यक्ति के स्वमूल्याँकन तथा सामाजिक आदर्शों की स्वीकृति या अस्वीकृति पर सर्वाधिक प्रभाव होता है, तो उसे सामान्यीकृत दूसरे कहते हैं।

21. निम्न में से किसके अनुसार सत्ता का भेदीय प्रसार वर्ग संगठन एवं वर्ग संघर्ष का निर्माण करता है?
(a) कार्ल मार्क्स (b) राल्फ हेहरेंनडॉर्फ
(c) लेवी स्ट्रास (d) लेविस कोजर

उत्तर : (b) डेहरेंडॉर्फ का प्रमुख योगदान वर्ग सिद्धान्त (वर्ग संघर्ष) और भूमिका सिद्धान्त के क्षेत्र में है। इनके अनुसार सत्ता का विभिन्न रूप में वितरण अनिवार्यतः व्यवस्थित सामाजिक संघर्ष का निर्धारक कारक है।

22. प्रक्रियावादी विचार धारा के अनुसार मानव प्रकृति निम्न में से किस प्रकार की है?
(a) पेट्रोल (b) पानी
(c) मोम (d) स्टील

उत्तर : (b) प्रक्रियावादी विचार धारा के अनुसार मानव प्रकृति पानी की तरह होता है। क्योंकि निरन्तर यह प्रक्रिया प्रवाहमान होता रहता है।

23. निम्न में से कौन सा सिद्धांत मानवता की मनोवैज्ञानिक अभिव्यक्ति पर आधारित है?
(a) प्रक्रियावाद (b) प्रसारवाद
(c) संरचनावाद (d) अन्तः क्रियावाद

उत्तर : (d) अन्तःक्रियावाद मानवता की मनोवैज्ञानिक अभिव्यक्ति पर आधारित है। जो समाज के संबंधों का अध्ययन सामाजिक कर्ताओं के होने वाले संकेतात्मक सम्प्रेषण (संचार) की प्रक्रिया के सन्दर्भ में करता है। यह सिद्धांत सभी प्रकार की मानवीय अन्तः क्रियाओं में प्रतीकों और भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

24. वेबर के अनुसार स्थिति व्यवस्था क्यों लागू होती है?
(a) ऊपर एवं नीचे सामाजिक गतिशीलता को प्रोत्साहित करना।
(b) ऊपर-नीचे सामाजिक गतिशीलता को हतोत्साहित करना।
(c) ऊपरी सामाजिक गतिशीलता को प्रोत्साहित करना परन्तु निचली सामाजिक गतिशीलता को हतोत्साहित करना।
(d) ऊपर-नीचे सामूहिक सामाजिक गतिशीलता को प्रोत्साहित करना।

उत्तर : (a) मैक्स वेबर की प्रस्थिति समूह की अवधारणा से तात्पर्य ऐसे समूहों से है जिनमें सकारात्मक और नकारात्मक मानदण्डों और समान जीवन शैली के आधार पर विभेद किया जाता है। इस प्रकार स्थिति व्यवस्था ऊपर एवं नीचे सामाजिक गतिशीलता को प्रोत्साहित करती है।

25. महिलाओं की प्रस्थिति एवं भूमिका में लोक मत में ऐतिहासिक परिवर्तन को समझाने के लिए शोधकर्ता निम्न में से किस अध्ययन पद्धति को अपनायें?
(a) नमूना सर्वेक्षण
(b) जाने माने मीडिया द्वारा पिछले कुछ वर्षों के योगदान का विषय विश्लेषण
(c) समूह केन्द्रित विश्लेषण
(d) सहभागी निरीक्षण

उत्तर : (b) महिलाओं की प्रस्थिति एवं भूमिका में लोकमत में ऐतिहासिक परिवर्तन को समझाने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त प्रविधि अंतर्वस्तु विश्लेषण है। इसके अन्तर्गत मीडिया द्वारा पिछले कुछ वर्षों के योगदान का विषय विश्लेषण किया जाता है।

26. निम्न में से कौन सा सही-मेल नहीं है?
(a) पवित्र एवं अपवित्र - दुर्खीम
(b) संदर्भ समूह - मर्टन
(c) शुद्धता एवं अशुद्धता - ड्यूमोंट
(d) प्रभुत्व जाति - घुर्ये

उत्तर : (d) प्रभु जाति की अवधारणा का प्रतिपादन घुर्ये द्वारा नहीं अपितु एम. एन. श्रीनिवास द्वारा किया गया है।

27. कौन सा सिद्धांत इस बात पर जोर देता है कि सामाजिक स्तरीकरण में व्यक्तियों का एकीकरण व्यक्ति के गुणों या पुरस्कार पर न हो कर प्रकार्यों के आधार पर होता है?
(a) मार्क्सवादी सिद्धांत (b) प्रक्रियावादी सिद्धांत
(c) सांस्कृतिक सिद्धांत (d) संरचनात्मक सिद्धांत

उत्तर : (b) प्रक्रियावादी सिद्धांत इस बात पर जोर देता है कि सामाजिक स्तरीकरण में व्यक्तियों का एकीकरण व्यक्ति के गुणों या पुरस्कार पर न होकर प्रकार्यों के आधार पर होता है।

28. जाति अध्ययन में वेबर के स्तरीकरण के सिद्धांत को किसने अपनाया है?
(a) एम॰ एन॰ श्रीनिवास (b) आन्द्रे, बैतेई
(c) एस॰ सी॰ दूबे (d) जी॰ एस॰ घुर्ये

उत्तर : (b) आन्द्रे बेतेई को समाजशास्त्र में स्तरीकरण और तुलनात्मक विधि का प्रणेता समझा जाता है। उन्होंने जाति अध्ययन में वेबर के स्तरीकरण के सिद्धांत को अपनाया था।

29. कार्य एवं व्यवहार में अंतर करने वाला कारक निम्न में से कौन सा है?
(a) बुद्धिसंगत (b) परम्परा
(c) भावनाएँ (d) अर्थ

उत्तर : (c) भावनाओं का सम्बन्ध व्यक्तिनिष्ठ पहलुओं से है और कार्य एवं व्यवहार में अंतर करने वाला कारक भावना है।

30. जब एक व्यवस्था के किसी एक भाग में परिवर्तन होता है तो दूसरे भागों में भी परिवर्तन स्वतः होने लगता है तथा इन परिवर्तनों को सामाजिक संरचना अपने में शामिल करते हुये एक नई व्यवस्था को जन्म देती है। इस प्रकार की मान्यता के आधार पर निम्न सिद्धांतों में से किस सिद्धांत द्वारा दर्शाया गया है:
(a) सामाजिक परिवर्तन का क्रान्तिकारी सिद्धांत।
(b) सामाजिक परिवर्तन का संघर्ष का सिद्धांत।
(c) सामाजिक परिवर्तन का संतुलन सिद्धांत।
(d) सामाजिक परिवर्तन का नव विकासवादी सिद्धांत।

उत्तर : (c) जब एक व्यवस्था के किसी एक भाग में परिवर्तन होता है तो दूसरे भागों में भी परिवर्तन स्वतः होने लगता है तथा इन परिवर्तनों को सामाजिक संरचना अपने में शामिल करते हुये एक नई व्यवस्था को जन्म देती है। यह मान्यता सामाजिक परिवर्तन का संतुलन सिद्धांत द्वारा दर्शाया गया है।

31. जब किसी सामाजिक सिद्धांत का परीक्षण करना हो तो शोध कर्ता निम्न में से किस विधि को अपनाएगा?
(a) समाविष्ठ शोध/आगमनात्मक शोध
(b) असमाविष्ठ शोध/निगमनात्मक शोध
(c) अन्वेषणात्मक शोध
(d) सैद्धांतिक शोध

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर : (b) निगमनात्मक शोध के अन्तर्गत अपनी रूचि के किसी सिद्धान्त के बारे में सोच से प्रारम्भ होकर परिकल्पनाओं का निर्माण किया जाता है एवं मूल सिद्धांत का प्रमाणीकरण किया जाता है।

32. दुर्खीम के अनुसार श्रम विभाजन किसका कार्य था?
(a) जनसंख्या का घनत्व (b) धर्म
(c) परिवार (d) मानव द्वारा प्रसन्नता की तलाश

उत्तर : (a) दुर्खीम समाजशास्त्र के वास्तविक पिता माने जाते हैं दुर्खीम के अनुसार श्रम विभाजन एक विशुद्ध सामाजिक प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया का पहला पक्ष जनसंख्या की वृद्धि है। इसका दूसरा पक्ष नैतिक है। समाज का नैतिक दायित्व है कि बढ़ती जनसंख्या के साथ प्रत्येक व्यक्ति को समाज में उचित स्थान और कार्य प्रदान करे।

33. पर्यावरण सम्बन्धी गलती का कारण निम्न में से कौन है?
(a) बृहद-व्याख्या के आधार पर सूक्ष्म आधार पर नतीजा निकालना
(b) सूक्ष्म-आधारित व्याख्या के आधार पर बृहद स्तर पर नतीजा निकालना
(c) निरीक्षण की इकाई का विश्लेषण की इकाई जैसा न होना
(d) निरीक्षण की इकाई का सही से परिभाषित न होना

उत्तर : (c) पर्यावरण सम्बन्धी गलती का कारण निरीक्षण की इकाई का विश्लेषण की इकाई जैसा न होना है।

34. एक शोध कर्ता का अपराधिक गैंग बनाने और समाप्त करने के अध्ययन के प्रयास में, गैंग का स्वयं भी सक्रिय सदस्य बन जाना, इस तरह की भूमिका को निम्न में से क्या कहेंगे?
(a) निरीक्षण सहभागी जैसा (b) सहभागी निरीक्षण
(c) केवल सहभागी (d) केवल निरीक्षक

उत्तर : (b) सहभागी निरीक्षण वह विधि है जिसमें अन्वेषक अध्ययन किये जाने वाले परिवेश का एक हिस्सा बन जाता है। वह स्वयं को अन्वेषण विषय के समूह के जीवन का हिस्सा बना लेता है उस परिवेश में स्वयं को शामिल कर लेता है। एक शोध कर्ता का अपराधिक गैंग बनाने और समाप्त करने के अध्ययन के प्रयास में गैंग का स्वयं भी सक्रिय सदस्य बन जाना इस तरह की भूमिका को सहभागी निरीक्षण कहते हैं।

35. निम्न में से आदर्श समाजों की कौन सी विशेषताएँ हैं?
1. मशीनी सुदृढ़ता 2. संबिदात्मक संबन्ध
3. नातेदारी की प्रमुखता 4. सामाजिक भिन्नता
कोड :
(a) 1, 2 (b) 1, 3
(c) 2, 3 (d) 3, 4

उत्तर : (b) मैकाइवर ने अपनी पुस्तक 'सोसाइटी' में समाज को परिभाषित करते हुए लिखा है कि
"समाज परिपाटियों, कार्यविधियों, सत्ता, पारम्परिक सहयोग, अनेक समूहों एवं वर्गों, मानवीय व्यवहारों के नियंत्रणों और स्वतंत्रताओं की एक व्यवस्था है।" आदर्श समाज वह समाज है जिनमें मशीनों की सुदृढ़ता हो, साथ ही साथ नातेदारी की प्रमुखता भी हो।

36. निम्न में से सामाजिक संरचना को भूमिका सम्बन्धों का जाल तथा आकृति के रूप में किस ने परिभाषित किया है?
(a) नाडेल (b) लैवी-स्ट्रॉस
(c) रैडक्लिफ ब्राऊन (d) मर्टन

उत्तर : (a) नाडेल अपने विशिष्ट संरचनावादी सिद्धांत से मानवशास्त्र और समाजशास्त्र दोनों को प्रभावित किया है। उनके अनुसार किसी वस्तु या सत्ता के हिस्सों के औपचारिक सम्बन्धों को संरचना कहते हैं। उन्होंने सामाजिक संरचना को भूमिका सम्बन्धों का जाल तथा आकृति के रूप में परिभाषित किया था।

37. अतार्किक क्रियाएँ क्या होती है?
(a) क्रियाएँ जो साध्यों को हासिल करने के लिए उपर्युक्त साधनों का प्रयोग करते हैं।
(b) क्रियाएँ जिनका संचालन भावनाओं द्वारा होता है।
(c) क्रियाएँ जो पक्षपातपूर्ण तथा निष्पक्ष होती हैं।
(d) क्रियाएँ जो अवशिष्ट होती हैं।

उत्तर : (b) अतार्किक क्रियाएँ वह क्रियाएँ होती हैं। जिसमें क्रियाओं का संचालन भावनाओं द्वारा होता है और उसके विपरीत तार्किक क्रियाएँ तर्क एवं तथ्य पर आधारित होते हैं।

38. सिद्धांत क्या है?
(a) तर्कसंगत अवधारणाएँ (b) तथ्यों का सामान्यीकरण
(c) तर्कसंगत तथ्य (d) घटनाओं का सामान्यीकरण

उत्तर : (d) सिद्धांत घटनाओं का सामान्यीकरण है। उसका प्रमुख कार्य यथार्थ का विश्लेषण और व्याख्या करना है। यह घटनाओं के घटने के कारणों की व्याख्या करता है। शोध की भाषा में एक सिद्धांत अन्तर्संबंधित अवधारणाओं, परिभाषाओं और प्रस्थापनाओं का एक समूह है जो किसी घटना से सम्बन्धित विभिन्न चरों के नीचे पाये जाने वाले सम्बन्धों को स्पष्ट करता है।

39. पितृसत्तात्मक व मैत्रीसत्तात्मक नातेदारी संगठन जिस में सदस्यों का एक सांझा पूर्वज होता है, निम्न में से कौन सा है?
(a) सत्तात्मक (b) टोटम (कुलप्रतीक)
(c) गोत्र (d) फ्रेटरी

उत्तर : (c) अंग्रेजी के क्लैन शब्द के लिए हिन्दी भाषा में गोत्र शब्द का प्रयोग कई वंशजों के ऐसे व्यापक समूह के लिए किया जाता है। गोत्र की सदस्यता जन्मजात होती है। पितृसत्तात्मक व मैत्रीसत्तात्मक नातेदारी संगठन जिसमें सदस्यों का एक साझा पूर्वज होता है। उसे गोत्र के नाम से जाना जाता है।

40. मर्टन के अनुसार 'विचलन का अर्थ वह व्यवहार':
(a) जो सात्मीकरण लाता है (b) जो अस्वीकृत होता है
(c) जो प्रतीकात्मक होता है (d) जो स्वीकृत होता है

उत्तर : (b) मर्टन के अनुसार प्रत्येक समाज में कुछ सांस्कृतिक लक्ष्य होते है। इन्हें पूरा करने में कुछ संस्थात्मक लक्ष्य होते है। जब लोग इनमें तारतम्य नहीं बिठा पाते हैं तो विचलन होता है।

41. भूमिका-सेट की अवधारणा किसने दी?
(a) इ-गॉफमैन (b) जी॰ एच॰ मीड
(c) आॅर॰ के॰ मर्टन (d) सी॰ एच॰ कुले

उत्तर : (c) आर॰ के॰ मर्टन ने इस अवधारणा का प्रयोग किया। एक विशिष्ट सामाजिक प्रस्थिति के साथ जुड़ी हुई भूमिकाओं के समुच्चय को भूमिका पुंज कहते है।

42. जब बारम्बारता-सूचक सामग्री से मानक-विचलन का मूल्य-2.2, प्राप्त हो तो इससे क्या अर्थ निकाला जा सकता है?
(a) कम विचलन (b) नकारात्मक विचलन
(c) समरूपता (d) संगणना में गल्ती

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर : (b) जब बारम्बारता सूचक सामग्री से मानक विचलन का मूल्य 2.2 प्राप्त हो तो इससे नकारात्मक विचलन का अर्थ निकलता है।

43. आम तौर पर शोध उपकल्पना निम्न में से किससे ली जाती है या बनाई जाती है?

(a) अनुभवजन्य तथ्य (b) शोधकर्ता की कल्पना
(c) सैद्धांतिक प्रारूप (d) पिछले शोधों से

उत्तर : (c) सैद्धांतिक प्रारूप के द्वारा ही शोध उपकल्पना का निर्माण किया जाता है। शोध उपकल्पना एक काम चलाऊ निष्कर्ष होता है।

44. एक शोधकर्ता को किसी महानगर की गंदी बस्ती में बाल अपराध के कारण समझने में दिलचस्पी है, उस बस्ती में अंतराक्षपण कार्यक्रम के उद्देश के लिए उसे किस प्रकार के शोध डिजाइन पर विचार करना चाहिए?

(a) व्याख्यात्मक (b) अन्वेषणात्मक
(c) वर्णनात्मक (d) मूल्यांकनात्मक

उत्तर : (b) अन्वेषणात्मक अनुसंधान अभिकल्प का प्रयोग तब किया जाता है जब उस प्रकरण के विषय में पर्याप्त जानकारी न हो तथा जिसके विषय में अनुसंधानकर्ता को या तो कोई जानकारी न हो या सीमित जानकारी हो।

45. व्यक्तिगत मान्यों के कुल योग के विचलन का औसत सदैव, निम्न में से क्या होगा?

(a) सकारात्मक (b) नकारात्मक
(c) सकारात्मक या नकारात्मक (d) जीरो (शून्य)

उत्तर : (d) व्यक्तिगत मान्यों के कुल योग के विचलन का औसत सदैव शून्य होता है।

46. भारत के किसी जिले में प्रति 1000 जनसंख्या पर मोटर वाहनों की संख्या किसका उदाहरण है?

(a) नासिक चल (b) क्रमसूचक चल
(c) माध्यॉंकन चल (d) अनुपातिक चल

उत्तर : (d) भारत के किसी जिले में प्रति 1000 जनसंख्या पर मोटर वाहनों की संख्या आनुपातिक चर है।

47. जातीयता (एथनोसैंट्रीसिम) क्या है?

(a) अपनी संस्कृति के अनुसार दूसरी संस्कृतियों को आंकने की प्रवृति।
(b) दूसरी संस्कृतियों की आदर से देखने की प्रवृति
(c) दूसरी संस्कृतियों को अपनी संस्कृति के बराबर समझाने की प्रवृति।
(d) दूसरी संस्कृतियों के अनुसार अपनी संस्कृति को ढालने की प्रवृति।

उत्तर : (a) जातीयता अपनी संस्कृति के अनुसार दूसरी संस्कृतियों को आँकने की प्रवृत्ति है। इस अवधारणा का सर्वप्रथम प्रयोग समनर ने अन्तःसमूह और वाह्य समूह के बीच ऐसी पक्षपात मनोवृतियों के लिए किया है।

48. सूची-I को सूची-I I से मिलाये:

	सूची-I (पुस्तकें)		सूची-II (लेखक)
(A)	क्लास एण्ड क्लास कांफ्लिक्ट इन इन्डस्ट्रीयल सोसाइटी	i	कार्ल मार्क्स
(B)	द लोनली क्राउड	ii	डाहरेन्डॉर्फ
(C)	दास कैपीटल	iii	ई॰ गॉफमैन
(D)	द एफलियुएण्ट वर्कर	iv	गोल्डथार्प
		v	डी॰ रीसमैन

कूट:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(b)	(ii)	(v)	(i)	(iv)
(c)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(d)	(iii)	(ii)	(i)	(v)

उत्तर : (b) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(पुस्तकें)	**(लेखक)**
क्लास एण्ड क्लास कांफ्लिक्ट इन इन्डस्ट्रीयल सोसाइटी	- डाहरेन्डॉर्फ
द लोनली क्राउड	- डी. रीसमैन
दास कैपिटल	- कार्ल मार्क्स
द एफलियुएण्ट वर्कर	- गोल्डथार्प

49. सूची - I को सूची - II से मिलायें:

	सूची - I		सूची - II
(A)	लुकिंग ग्लास सेल्फ	i	एच. मीड
(B)	ड्रामीट्रालीकल सरकमस्पैक्शन	ii	इ. गॉफमैन
(C)	कलेक्टिव कांसियसनेस	iii	एस. फ्रॉयड
(D)	इड. इगो. एण्ड सूपरइगो	iv	सी. एच. कूले
		v	इ. दुर्खीम

कूट:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(ii)	(v)	(i)
(b)	(iv)	(ii)	(v)	(iii)
(c)	(v)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(ii)	(iii)	(v)	(i)

उत्तर : (b) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

लुकिंग ग्लास सेल्फ - सी. एच. कूले
ड्रामीट्रालीकल सरकमस्पैक्शन - इ. गाफमैन
कलेक्टिव कांसियसनेस - ई. दुर्खीम
इड. इगो एण्ड सूपरइगो - एस. फ्राइड

50. निम्न में से किसने समाज में संघर्ष के प्रकार्यों को महत्व देते हुए संघर्ष सिद्धाँत एवं संरचनात्मक प्रकार्यवादी सिद्धाँतों को जोड़ा है?

(a) कार्ल मार्क्स (b) दुर्खीम
(c) लेविस कोजर (d) राल्फ डाहरेन्डॉर्फ

उत्तर : (c) अमेरिकी समाजशास्त्री एल. कोजर ने संघर्ष को प्रकार्यात्मक माना है क्योंकि बहुलविधि समाजों में संघर्ष लोगों को जोड़ने का कार्य करता है। लेविस कोजर ने अपनी पुस्तक 'द फंक्शन ऑफ सोशल कान्फिलक्ट' में संघर्ष सिद्धांत एवं संरचनात्मक प्रकार्यवादी सिद्धांतों को अधिक से अधिक स्पष्टता देना चाहते हैं वे जॉर्ज सिमेल की कृतियों से संघर्ष की जो अवधारणा है उसे पुरजोर तरीके से अधिक पैना बनाने की कोशिश की।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2006
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?
(a) उपकल्पना को सिद्धांतों से अनुमानिकता से निकाला जा सकता है।
(b) उपकल्पना को अन्तर्दृष्टि और अवलोकन के सम्मिलन से निकाला जा सकता है।
(c) उपकल्पना सिद्धांतों की परख में मदद करता है।
(d) उपकल्पना हमें अभेदकारी और अन्धा-धुन्ध दत्त की खोज की तरफ ले जाता है।

उत्तर (d) किसी सिद्धान्त से जुड़ी अवधारणाओं के बीच सम्बन्धों को अभिव्यक्त करने वाले अपरीक्षित कथन को प्राक्कल्पना या उपकल्पना कहते हैं। प्राक्कल्पना को भाग उपकल्पना समझना भूल है। घटनाओं के सम्भावित सम्बन्धों के बारे में केवल ऐसे विचार को ही प्राक्कल्पना की श्रेणी में रखा जाता है जिनकी प्रामाणिकता की जाँच वैज्ञानिक तरीके से सम्भव है। अतः यह कहना गलत होगा कि उपकल्पना हमें अभेदकारी अन्धा-धुन्ध दत्त की खोज की तरफ ले जाता है।

2. निम्नलिखित में से कौन सी विशेषतायें पितृसत्तात्मक परिवार को दर्शाती हैं?
(a) वंश, विरासत और उत्तराधिकार महिला की पंक्ति से रेखाँकित किया जाता है।
(b) वंश, विरासत और उत्तराधिकार पुरुषों की पंक्ति से रेखाँकित किया जाता है।
(c) ऐसे परिवारों में माता प्रभुता और शक्ति का प्रयोग करती है।
(d) ऐसे परिवारों में पिता का दर्जा (स्तर) अमुख्य होता है।

उत्तर (b) पितृसत्तात्मकता सामाजिक संगठन का वह रूप है जिसमें पितृमार्गी वंशानुक्रम, उत्तराधिकार, पदाधिकार, पितृस्थानीयता पैतृक सत्ता तथा वैधानिक रूप से स्त्रियों व बालकों के मातहत होने की प्रवृत्ति होती है। शाब्दिक रूप में 'पितृ सत्ता' का तात्पर्य 'पिता के शासन' से है। अर्थात् पितृसत्तात्मक परिवार में वंश, विरासत और उत्तराधिकार पुरूष की पंक्ति से रेखांकित किया जाता है।

3. निम्नांकित रणनीतियों को सही क्रम में रखें।
i. महिला सबलीकरण   ii. महिला मुक्ति
iii. महिला और विकास   iv. लिंग और विकास

कोडः
(a) (i) (ii) (iii) (iv)   (b) (iv) (iii) (ii) (i)
(c) (i) (iv) (iii) (ii)   (d) (ii) (iii) (iv) (i)

उत्तर (d) सही क्रम है– महिला मुक्ति → महिला और विकास → लिंग और विकास → महिला सबलीकरण

4. अभिकथन (A) : एक नृजातीय समूह एक बड़े समाज का हिस्सा होता है जिसके सदस्यों के बारे में समझा जाता है और वो स्वयं भी समझता है कि उनकी एक साँझी संस्कृति है।
तर्क (R) : नृजातीय समूह की सदस्यता पीढ़ी दर पीढ़ी संक्रमित होती है
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं। मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है, मगर (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, मगर (R) सही है।

उत्तर (a) व्यक्तियों के ऐसे समूह को नृजाति समूह के रूप में पारिभाषित किया जाता है जो स्वयं के साथ-साथ दूसरों के द्वारा भी यह समझा जाता है कि उनकी कुछ ऐसी विशिष्ट सांस्कृतिक विशेषतायें हैं जो उन्हे समाज के अन्य समूहों से अलग करती है। एक नृजाति समूह में कई भिन्न वर्ग के लोग हो सकते हैं अतः इनकी एक साँझी संस्कृति होती है तथा यह भी कथन सत्य है कि नृजाति समूह की सदस्यता पीढ़ी दर पीढ़ी संक्रमित होती है। जो अभिकथन की व्याख्या करता है।

5. निम्नलिखित में से कौन सा तथ्य भारत में अदृश्य बेटियों के साथ जोड़ा जाता है?
(a) उन्नत चिकित्सक तकनीक
(b) महिलाओं में अशिक्षा
(c) महिलाओं में आर्थिक आजादी की कमी
(d) सांस्कृतिक कारण आर्थिक दायित्व बन जाते हैं

उत्तर (d) भारत में अदृश्य बेटियों के साथ सांस्कृतिक कारण आर्थिक दायित्व बन जाते हैं।

6. निम्नांकित कोड के अनुसार लेखकों को उनके पुस्तकों से जोड़ें।

	लेखक		पुस्तक
(A)	मार्गरेट मीड	i	द सेकेण्ड सेक्स
(B)	सिमों ड बूवूआर	ii	द डाइलेक्टिक ऑफ सेक्स
(C)	केट मिलेट	iii	सेक्स एण्ड टेमपरामेन्ट
(D)	सुलामिथ फायरस्टोन	iv	सेक्सुअल पॉलटिक्स

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (c) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(लेखक)		(पुस्तक)
मार्गरेट मीड	-	सेक्स एण्ड टेम्परामेण्ट
सिमो ड बूवूआर	-	द सेकेण्ड सेक्स
केट मिलेट	-	सेक्सुअल पॉलिटिक्स
सुलामिथ फायरस्टोन	-	द डाइलेक्टिक ऑफ सेक्स

7. बोगार्डस पैमाने को किस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है?

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) सांकेतिक (b) क्रमिक संख्या
(c) अन्तराल (d) अनुपात

उत्तर (b) बोगार्डस पैमाने को क्रमिक संख्या के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है। बोगार्डस ने सामाजिक अंतर नापने के लिए या संबन्ध रखने या विभिन्न समूहों में नजदीकी नापने के लिए एक अनुमापक का विकास किया। यह दर्शाता है कि आधार सामग्री कम करने के साधन के रूप में अनुमापन एक मितव्ययी साधन है।

8. निम्नांकित कोड के अनुसार लेखकों को उनके पुस्तकों से जोड़ें।

	विचार		लेखक
(A)	वास्तविक तथा अवास्तविक संघर्ष	i	आर॰ डेहेरेन्डॉर्फ
(B)	समाज का अवपीड़न सिद्धांत	ii	एल॰ कोजर
(C)	अब तक के समाजों का इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास रहा है	iii	के॰ मार्क्स
(D)	हिंसक बल प्रयोग	iv	आर॰ कॉलिंस

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर (c) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(विचार)	(लेखक)
वास्तविक तथा अवास्तविक संघर्ष	- एल. कोजर
समाज का अवपीड़न सिद्धान्त	- आर. डेहरेंडॉर्फ
अब तक के समाजों का इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास रहा है।	- कार्ल मार्क्स
हिंसक बल प्रयोग	- आर. कॉलिन्स

9. लेखकों को उनकी पुस्तकों से जोड़ें। कोड का इस्तेमाल करें।

	लेखक		पुस्तक
(A)	एम. एन. श्रीनिवास	i	कास्ट, क्लास एण्ड पावर
(B)	एस.सी. दुबे	ii	हाउसहोल्ड डाइमेन्सन ऑफ फेमिली
(C)	ए.एम. शाह	iii	द' रिमेम्बर्ड विलेज
(D)	आन्द्रे बैतेई	iv	इंडियन विलेज

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

उत्तर (a) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(लेखक)		(पुस्तक)
एम. एन. श्रीनिवास	-	द रिमेम्बर्ड विलेज
एस. सी. दूबे	-	इण्डियन विलेज
ए. एम. शाह	-	हाउस होल्ड डाइमेन्शन ऑफ फेमिली
आन्द्रे बैतेई	-	कास्ट, क्लास एण्ड पॉवर

10. अभिकथन (A) : ग्रामीण समाज में हो रहे परिवर्तनों को समझने के लिए ऐतिहासिक तथ्य एवं सहभागी अवलोकन दोनों आवश्यक हैं।
तर्क (R) : प्रारम्भिक समाजशास्त्र ने ऐतिहासिक प्रक्रियाओं के अध्ययन पर अधिक बल दिया था, किन्तु बाद में क्षेत्र-अध्ययन को अपने उपागम तथा अध्ययन पद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजियेः
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

उत्तर (d) प्रत्येक समाज का इतिहास उसके वर्तमान स्वरूप का मूल आधार होता है अतः किसी समाज का अध्ययन करने के लिए उसके इतिहास का ज्ञान आवश्यक है तथा सहभागी अवलोकन द्वारा समाज के वर्तमान स्वरूप का वास्तविक, तथ्य प्राप्त किया जा सकता है। प्रारम्भ में समाजशास्त्रियों ने ऐतिहासिक तथ्य पर बल दिया। परन्तु वर्तमान समय में क्षेत्र अध्ययन पद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।
अतः A तथा R दोनों सही है तथा R, A का सही स्पष्टिकरण है।

11. अभिकथन (A) : सामाजिक स्तरण से ऐसे सामाजिक समूहों का मान होता है जिनकी दर्जा बन्दी की गई होती है।
तर्क (R) : सामाजिक समूह की अपनी एक जीवन शैली होती है और यही जीवन शैली अन्य सामाजिक समूहों के सदस्यों से उनकों भिन्न करती है।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजियेः
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (d) स्पष्टीकरण समाज के समूहों एवं सदस्यों के विभिन्न स्तरों में बँटने की प्रक्रिया है अर्थात् सामाजिक स्तरण से ऐसे सामाजिक समूहों का मान होता है जिनकी दर्जा बन्दी की गयी होती है। सामाजिक समूह की अपनी एक जीवन शैली होती है। और यही जीवनशैली अन्य सामाजिक समूहों को सदस्यों से उनकों भिन्न करती है। (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

12. निम्नलिखित कथनों को उनके निदर्शन की रूपरेखा से जोड़े जिनसे वे संबंधित हैं।

	कथन		निदर्शन की रूपरेखा
(A)	यह एक मौलिक संभाव्यता निदर्शन पद्धति है जो सभी अन्य प्रकार की संभाव्यता निदर्शन पद्धति में निहित है।	i	स्तरीकृत निदर्शन
(B)	पहले जनसंख्या को विभिन्न	ii	बहु-चरण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

	स्तरों में विभाजित किया जाता है और फिर प्रत्येक स्तर से दैव पद्धति से कुछ संख्या चुन लिया जाता है।		निदर्शन
(C)	इस पद्धति में निदर्शन का चुनाव विभिन्न चरणों में होता है।	iii	सरल दैव निदर्शन
(D)	इकाइयों के गुच्छ से प्रत्येक तत्व का चुनाव किया जाता है।	iv	गुच्छ निदर्शन

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

उत्तर (b) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(कथन)	**(निदर्शन की रूपरेखा)**
यह एक मौलिक संभाव्यता निदर्शन पद्धति है जो सभी अन्य प्रकार की संभाव्यता निदर्शन पद्धति में निहित है।	–सरल दैव निदर्शन
पहले जनसंख्या को विभिन्न स्तरों में विभाजित किया जाता है और फिर प्रत्येक स्तर से दैव पद्धति से कुछ संख्या चुन लिया जाता है।	–स्तरीकृत निदर्शन
इस पद्धति में निदर्शन का चुनाव विभिन्न चरणों में होता है।	–बहु-चरण निदर्शन
इकाइयों के गुच्छ से प्रत्येक तत्व का चुनाव किया जाता है।	–गुच्छ निदर्शन

13. निम्नांकित मापों को चार के प्रकारों से जोड़े। उत्तर के लिए कोड का इस्तेमाल करें।

	माप		चर
A.	बहुलक	i	क्रम सूचक
B.	मध्यम	ii	नामिक
C.	माध्यम	iii	अन्तराल
D.	मानक विचलन	iv	अनुपात

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(b)	(ii)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(i)	(i)	(ii)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (a) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(माप)	**(चर)**
बहुलक	- नामिक
मध्यम	- अन्तराल
माध्यम	- क्रम सूचक
मानक विचलन	- अनुपात

14. शोध प्रक्रिया में निहित सही चरणों को सुव्यवस्थित करें। निम्नांकित कोड का इस्तेमाल करें।

(i) समस्या निर्धारण (ii) साहित्य सर्वेक्षण
(iii) सामग्री विश्लेषण (iv) सामग्री संकलन

कोडः

(a) (iv) (iii) (ii) (i)
(b) (ii) (i) (iv) (iii)
(c) (i) (iii) (iv) (ii)
(d) (iii) (i) (ii) (iv)

उत्तर (b) शोध प्रक्रिया में निहित सही चरणों का क्रम इस प्रकार है- साहित्य सर्वेक्षण-समस्या निर्धारण-सामग्री संकलन-सामग्री विश्लेषण

15. निम्नलिखित लेखकों को उनकी किताबों से जोड़ें। नीचे दिये गये कोड का इस्तेमाल करें।

	लेखक		किताबें
A.	जे॰ एच॰ हट्टन	i	जाति एक नये अवतार
B.	एम॰ एन॰ श्रीनिवास	ii	जाति, वर्ग और शक्ति
C.	ऑन्द्रे बैतेई	iii	जाति और प्रजाति
D.	जी॰ एस॰ घुर्ये	iv	भारत में जाति

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(b)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (c) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(लेखक)	**(किताबें)**
जे. एच. हट्टन	- भारत में जाति
एम. एन. श्रीनिवास	- जाति एक नये अवतार
आन्द्रे बैतेई	- जाति, वर्ग और शक्ति
जी. एस. घुरिये	- जाति और प्रजाति

16. तथ्य विश्लेषण में निहित तार्किक चरणों को सही क्रम में रखें।

(i) सामग्री की सफाई (ii) सामग्री प्रविष्ट
(iii) कोडिंग (iv) सामग्री वर्गीकरण

कोडः

(a) (iv) (iii) (ii) (i)
(b) (iii) (iv) (i) (ii)
(c) (ii) (iv) (i) (iii)
(d) (iii) (ii) (i) (iv)

उत्तर (d) तथ्य विश्लेषण में निहित तार्किक चरणों का सही क्रम इस प्रकार है–कोडिंग-सामग्री प्रविष्ट-सामग्री की सफाई-सामग्री वर्गीकरण

17. निम्नांकित विचारों को उनके लेखक से जोड़े। नीचे दिये गये कोड का प्रयोग करें।

	विचार		लेखक
(A)	तार्किक एवं अतार्किक क्रिया	i	अल्फ्रेड शुट्ज
(B)	प्रतीकात्मक अन्तर्क्रियावाद	ii	विलफ्रेड परेटो
(C)	घटना विज्ञान	iii	जी॰ एच॰ मीड
(D)	नाट्यशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य	iv	इरविंग गॉफमैन

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(c)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(d)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

उत्तर (b) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(विचार)	**(लेखक)**

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

तार्किक एवं अतार्किक क्रिया	- विल्फ्रेड परेटो
प्रतीकात्मक अन्तर्क्रियावाद	- जी. एच. मीड
घटना विज्ञान	- अल्फ्रेड शुट्ज
नाट्य शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य	- इरविंग गॉफमैन

18. निम्नांकित में से किसने समाज के विकास के तीन चरणों का विश्लेषण किया है- ईश्वरपरक, अभौतिक तथा वैज्ञानिक?

(a) कार्ल मार्क्स (b) हरबर्ट स्पेंसर
(c) ऑगस्त काम्टे (d) एल० टी० हॉबहाउस

उत्तर (c) ऑगस्त कॉम्ट समाजशास्त्र के जनक माने जाते हैं। उन्होंने समाज के विकास के लिए तीन चरणों का विश्लेषण किया है। जो निम्नवत है- 1. ईश्वर परक, 2. पराभौतिक , 3. वैज्ञानिक
ऑगस्त कॉम्ट ने विकास के इन तीन स्तरों की व्याख्या प्रत्यक्षवादी दर्शन में विस्तृत रूप से किया है। इस अर्थ में कॉम्ट उद्विकासवादी विचारधारा के समर्थक थे।

19. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सामाजिक स्तरीकरण की अवधारणा को दर्शाता है?

(a) वह समाज जिसमें लोगों को सामाजिक पुरस्कार प्राप्य नहीं हैं।
(b) जनसंख्या की विभिन्नता को क्रमबद्धता के आधार पर सामाजिक समूहों में बाँटा जाता है।
(c) सामाजिक समूहों को धन और प्रतिष्ठा सामान्य रूप से प्राप्य नहीं है।
(d) सामाजिक समूहों का राजनीतिक शक्ति सामान्य रूप से प्राप्य नहीं है।

उत्तर (b) सामाजिक स्तरीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें किसी सामाजिक व्यवस्था में व्यक्तियों का ऊँच-नीच के क्रम-विन्यास में विभाजन होता है। जनसंख्या की विभिन्नता को क्रमबद्धता के आधार पर सामाजिक समूहों में बाँटा जाता है। यह कथन सामाजिक स्तरीकरण की अवधारणा को दर्शाता है।

20. निम्नलिखित अवधारणाओं को उन के कथन से जोड़े नीचे दिये गये कोड का इस्तेमाल करें?

	अवधारणायें		कथन
(A)	संस्कृतिकरण	i	धर्म निर्पेक्षता
(B)	आधुनिकीकरण	ii	वैज्ञानिक ज्ञान को मानवीय विकास के लिये धारण करना
(C)	पश्चिमीकरण	iii	ब्राह्मण संदर्भ समूह है
(D)	ब्राह्मणीकरण	iv	जाति के भीतर ऊर्ध्वगामी गतिशीलता

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(b)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (c) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(अवधारणायें)		(कथन)
संस्कृतिकरण	-	जाति के भीतर ऊर्ध्वगामी गतिशीलता
आधुनिकीकरण	-	वैज्ञानिक ज्ञान को मानवीय विकास के लिए धारण करना
पश्चिमीकरण	-	धर्म निर्पेक्षता
ब्राह्मणीकरण	-	ब्राह्मण सन्दर्भ समूह है।

21. समाजशास्त्रीय अध्ययन में निम्नलिखित अवधारणाओं को क्रम अनुसार लिखें। नीचे दिये हुये कोड के अनुसार उत्तर दें:

(i) कायिक संगठन (ii) सांस्कृतिक पिछड़न
(iii) प्रतिमान चर (iv) प्रत्यक्ष प्रकार्य

कोडः

(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर (b) समाजशास्त्रीय अध्ययन में दिये गये उपरोक्त विकल्प (अवधारणा) का क्रम इस प्रकार है-
कायिक संगठन-सांस्कृतिक पिछड़ापन, प्रतिमान-चर, प्रत्यक्ष प्रकार्य।
कायिक संगठन-(सावयववाद)-एक सिद्धान्त अथवा परिप्रेक्ष्य जिसके अनुसार समाज को संरचना एवं प्रकार्य की दृष्टि से एक जैविकीय सावयव के समान माना जाता है।
सांस्कृतिक पिछड़न-यह अवधारणा इस तथ्य पर बल देती है कि एक समाज के तकनीकी विकास और उसकी नैतिक एवं कानूनी संस्थाओं में समान गति से परिवर्तन नहीं होती है। तकनीकी विकास में तीव्र गति से परिवर्तन होता है, परिणामतः दोनों में एक अन्तराल उत्पन्न हो जाता है। इस पिछड़न और अन्तराल के कारण कभी-कभी कुछ समाजों में सामाजिक संघर्ष और समस्याएँ उत्पन्न हो जाती है। इस अवधारणा का प्रयोग विलियम ऑगबर्न ने प्रस्तुत किया।
प्रतिमान चर–सामाजिक सम्बन्धों के द्विभाजन की एक विशिष्ट योजना प्रतिमान चर के नाम से जानी जाती है। इस योजना के प्रस्थापक विद्वान टालकॉट पारसंस रहे हैं।
प्रत्यक्ष प्रकार्य-किसी घटना, तत्व या इकाई के वे वस्तुपरक परिणाम प्रकट या व्यक्त प्रकार्य है जो किसी व्यवस्था के कार्यकर्ताओं या सहयोगी द्वारा अपेक्षित, मान्य एवं वांछित है।

22. बचपन से मनुष्य के समाजीकरण की एजेंसी को क्रम अनुसार लिखें:

(a) समकक्ष समूह, स्कूल, परिवार, धर्म
(b) धर्म, परिवार, समकक्ष समूह, स्कूल
(c) परिवार, धर्म, स्कूल, समकक्ष समूह
(d) परिवार, स्कूल, समकक्ष समूह, धर्म

उत्तर (d) समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा बच्चा सांस्कृतिक विशेषताओं तथा आत्मपन को सीखकर व्यक्तित्व का निर्माण करता है। बचपन से मनुष्य के समाजीकरण की एजेंसी क्रमशः परिवार, स्कूल, समकक्ष समूह, धर्म आदि है।

23. निम्नलिखित लेखकों के स्तरीकरण के सैद्धांतिक अध्ययन को काल क्रम के अनुसार बताइये:

(a) मैक्स वेबर-कार्ल मार्क्स-रॉबर्ट लिंड-सी डब्ल्यू मिल्स
(b) कार्ल मार्क्स-सी डब्ल्यू मिल्स-मैक्स वेबर-रॉबर्ट लिंड
(c) कार्ल मार्क्स-मैक्स वेबर-सी डब्ल्यू मिल्स-रॉबर्ट लिंड
(d) कार्ल मार्क्स-मैक्स वेबर-रॉबर्ट लिंड-सी डब्ल्यू मिल्स

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (d) लेखकों का स्तरीकरण के सैद्धान्तिक अध्ययन का काल-क्रम इस प्रकार है-
कार्ल मार्क्स (1818-1883ई.), मैक्स वेबर (1864-1920) राबर्ट लिंड (1879-1949) तथा सी डब्ल्यू मिल्स (1916-1962)

24. अभिकथन (A) : परिवार का प्रारम्भिक कार्य है बालक की प्रसूति, देखभाल (परिचर्या) और पालन पोषण।
तर्क (R) : बच्चों का पालन-पोषण समाज की मूलभूत आवश्यकता है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (b) लुण्डबर्ग के अनुसार परिवार मुख्यतः चार प्रकार के कार्य करता है- (1) यौन व्यवहार की नियमन तथा संतान की उत्पत्ति (2) बच्चों की देखरेख और उनका पालन-पोषण (3) सहकारिता एवं श्रम विभाजन (4) प्राथमिक समूह संतुष्टियाँ । अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सही है तथा कारण R अभिकथन A की व्याख्या है।

25. अभिकथन (A) : विवाह को आम तौर पर प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनिवार्य माना जाता है।
तर्क (R) : बच्चे के जन्म से किसी व्यक्ति की निर्वाण प्राप्ति संभव हो जाती है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (a) पारम्परिक रूप में विवाह दो या दो से अधिक विषमलिंगियों के बीच समाजोनुमोदित, औपचारिक तथा अपेक्षाकृत स्थायी लैंगिक सम्बन्धों की एक व्यवस्था एवं नियमा चरों का एक पुंज है जो पारिवारिक जीवन के लिए आवश्यक पारस्परिक दायित्वों एवं अधिकारों द्वारा इन्हें एक सूत्र में बाँधता है। अतः विवाह को आमतौर पर प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनिवार्य माना जाता है। परन्तु बच्चे के जन्म से किसी व्यक्ति की निर्वाण प्राप्ति का संभव होना असत्य है।
अतः A सही तथा R गलत है।

26. अभिकथन (A) : वरिष्ठों एवं अधीनस्थों के बीच जो आर्थिक संबंध है, उनसे संघर्ष पैदा होता है।
तर्क (R) : संघर्ष का मुख्य कारण वे अधिकार हैं जिन का प्रयोग वरिष्ठ, अधीनस्थों पर करते हैं।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (c) वरिष्ठता एवं अधीनस्थता का सम्बन्ध सत्ता का सम्बन्ध है आर्थिक नही तथा संघर्ष का मुख्य कारण वे अधिकार हैं जिनका प्रयोग वरिष्ठ अधीनस्थों पर करते हैं। अतः अभिकथन A गलत है मगर तर्क R सही है।

27. एम॰ एन॰ श्रीनिवास द्वारा प्रस्तुत संस्कृतिकरण की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को सही क्रम में रखे कोड का इस्तेमाल करें।
(a) आर्थिक सम्पन्नता, व्यवसाय में परिवर्तन, ऊँची जातियों की जीवन चरणों को सही क्रम में रखें।
(b) व्यवसाय में परिवर्तन, आर्थिक सम्पन्नता, ऊँची जातियों की जीवन शैली को अपनाना, जाति-नाम में परिवर्तन
(c) जाति-नाम में परिवर्तन, व्यवसाय में परिवर्तन, आर्थिक सम्पन्नता, ऊँची जातियों की जीवन शैली को अपनाना,
(d) ऊँची जातियों की जीवन शैली को अपनाना, जाति-नाम में परिवर्तन, व्यवसाय में परिवर्तन, आर्थिक सम्पन्नता

उत्तर (d) एम. एन. श्रीनिवास द्वारा प्रस्तुत संस्कृतिकरण की प्रक्रिया में चरणों की सही क्रम इस प्रकार है-
ऊँची जातियों की जीवन शैली को अपनाना, जाति नाम में परिवर्तन, व्यवसाय में परिवर्तन तथा आर्थिक सम्पन्नता।

28. निम्नलिखित में से कौन सी नारीवादी विदुशी ने ''फैमिनिन मिस्टेक'' को परिभाषित किया?
(a) मार्गरेट मीड (b) सीमों डी बूवूआर
(c) बैटी फ्राइडन (d) ऐन ओकले

उत्तर (c) बैटी फ्राइडन ने फैमिनिन मिस्टेक को परिभाषित किया। महिलावादी आन्दोलन की द्वितीय लहर की शुरूआत में बैटी फ्रेडन की पुस्तक 'फैमिनिन मिस्टेक' ने पहली भूमिका अदा की है। महिलावादी आन्दोलन की द्वितीय लहर की शुरूआत सन् 1960 के दशक में हुई ऐसा अनुमान है।

29. अभिकथन (A) : किसी संरचित साक्षात्कार में प्रश्नों के शब्द तथा उनके क्रम प्रत्येक स्थिति में एक समान हैं।
तर्क (R) : सामान्यतया, संरचित साक्षात्कार को 'तथ्य' आधारित प्रश्नों तथा उत्तरदाता की आयु, लिंग कार्य सम्बन्धी उत्तर प्राप्त करने के लिए उपयुक्त समझा जाता है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (b) शोध सूचनायें एकत्रित करने की एक मौखिक विधि जिसमें पूर्व निर्मित एवं लिखित प्रश्नों (साक्षात्कार अनुसूची) के माध्यम से सूचनादाता से पूर्व निश्चित स्थान एवं समय पर वार्तालाप किया जाता है, संरचित साक्षात्कार कहलाता है तथा इस विधि में साक्षात्कारकर्ता को साक्षात्कार के दौरान प्रश्नों की भाषा अथवा क्रम में हेर-फेर करने की स्वच्छन्दता नहीं होती अर्थात् किसी संरचित साक्षात्कार में प्रश्नों के शब्द तथा उनके क्रम प्रत्येक स्थिति में एक समान रहते है। तथा सामान्यतया, संरचित साक्षात्कार को तथ्य आधारित प्रश्नों तथा उत्तरदाता की आयु, लिंग कार्य सम्बन्धी उत्तर प्राप्त करने के लिए उपयुक्त समझा जाता है।

30. संस्कृतिकरण कौन से परिवर्तन का जिक्र करता है?
(a) शैक्षिक (b) भौगोलिक

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) स्थानिक (d) राजनीतिक

उत्तर (c) भारत में सामाजिक परिवर्तन के विश्लेषण के सम्बन्ध में कुछ अवधारणाओं का विकास हुआ है जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भारतीय समाजशास्त्री एम॰ एन॰ श्रीनिवास की संस्कृतिकरण की अवधारणा विशेष महत्व रखती है। संस्कृतिकरण स्थानिक परिवर्तन का जिक्र करता है। एम॰ एन॰ श्रीनिवास के अनुसार संस्कृतिकरण में पदमूलक परिवर्तन होते हैं न कि संरचनात्मक परिवर्तन ।

31. अभिकथन (A) : समाजशास्त्रीय जाँच के परिणाम स्वरूप हमारी परिकल्पना की पुष्टि हो सकती है, ऐसी स्थिति में हम उस सामान्य सैद्धान्तिक ढाँचे में जिससे इस विशिष्ट परिकल्पना का विकास किया गया था, ज्यादा विश्वास करने लगते है।

तर्क (R) : आम तौर पर परिकल्पनाओं को न तो पूरी तरह समर्थन दिया जाता है और न उन्हें पूरी तरह रद्द ही किया जाता है।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजियेः

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(d) (A) गलत है मगर (R) सही है।

उत्तर (a) किसी सिद्धान्त से जुड़ी अवधारणाओं के बीच के सम्बन्धों को अभिव्यक्त करने वाले अपरीक्षित कथन को प्राक्कल्पना कहते हैं। अर्थात् दो या दो से अधिक चरों के बीच संभावित सम्बन्धों के बारे में बनाये गये जाँचनीय कथन को प्राकल्पना कहा जाता है। जाँच के पश्चात् प्राक्कल्पना की सत्यता सिद्ध की जा सकती है। परन्तु यदि यह सत्यता की कसौटी पर खरा नहीं उतरता है तो इसे पुनः संशोधित किया जाता है न कि इसे पूरी तरीके से नष्ट कर दिया जाता है अतः अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सत्य है तथा तर्क R अभिकथन A का सही स्पष्टीकरण है।

32. निम्नलिखित में से संघ का उदाहरण कौन सा है?

(a) पड़ोस (b) समकक्ष समूह
(c) परिवार (d) जाति सभा

उत्तर (*) संघ ऐसे समूह को कहते हैं, जिसकी रचना जानबूझकर किन्ही विशिष्ट उद्देश्यों या क्रियाओं को पूरा करने के लिए की जाती है। समितियाँ सनातन नहीं होती, अपितु उद्देश्यों की पूर्ति के साथ ही प्रायः समाप्त हो जाती है। अतः परिवार तथा जाति सभा दोनों संघ के उदाहरण हैं।

33. अभिकथन (A) : समाजशास्त्रीय मूलतः आवर्ती सामाजिक घटनाओं का प्रायः अकाट्य स्पष्टीकरण ढूँढ़ने में रूचि रखता है।

तर्क (R) : समाजशास्त्रीय अपनी प्रारम्भिक मान्यता को ले कर ही अवधारणा और सिद्धांतों तक पहुँचता है यह मान्यता है कि जिन वस्तुओं का वह निरीक्षण करता है, उनमें नियमितता है।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजियेः

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(d) (A) गलत है मगर (R) सही है।

उत्तर (b) समाजशास्त्री समाजशास्त्र में प्रत्यक्षवाद, तुलनात्मक पद्धति तथा वस्तुनिष्ठ तथ्यों का प्रयोग कर रहा है जिससे सामाजिक घटनाओं का प्रायः अकाट्य स्पष्टीकरण ढूढ़ने में मदद मिल सके। समाजशास्त्री अनुभव के आधार पर प्राप्त तथ्य के परिप्रेक्ष्य में घटनाओं का विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं। इसलिए निरीक्षण, परीक्षण आधारित सार्वभौमिक सिद्धान्तों का निर्माण किया जा रहा है अतः अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सत्य हैं परन्तु A, का R सही स्पष्टीकरण नहीं है।

34. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सामाजिक मानदण्ड की व्याख्या नहीं करता?

(a) मानदण्ड व्यवहार की रूपरेखा दर्शाता है।
(b) मानदण्ड सामाजिक मूल्यों पर आधारित होता है।
(c) मानदण्ड हमेशा मनुष्य के व्यवहार को नियंत्रित नहीं करता।
(d) मानदण्ड हमेशा स्वीकृति पर आधारित नहीं होता।

उत्तर (c) व्यवहार की ऐसी सांझा अपेक्षाओं तथा प्रत्याशाओं को मानदण्ड कहते हैं, जिन्हें सांस्कृतिक दृष्टि से (एक समाज विशेष में) वांछनी तथा उपयुक्त माना जाता है। मानदण्ड मानव व्यवहार को नियमित एवं नियंत्रित करते हैं।

35. निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता समुदाय को नहीं दर्शाती?

(a) हम की भावना (b) स्पष्ट लक्ष्य
(c) सुनिश्चित इलाका (d) स्थायित्व

उत्तर (b) समुदाय शब्द का प्रयोग बहुधा व्यक्तियों के ऐसे समूह, सामाजिक साहचर्य के एक ऐसे रूप के लिए किया गया है जिसके सदस्य एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में रहते हैं और जिनमें पारस्परिक एकत्व की भावना, अन्तर्पारस्परिकता, साझा संस्कृति तथा संगठित क्रिया-कलापों की विशेषतायें होती हैं। समुदाय के लिए स्पष्ट लक्ष्य नहीं होता है।

36. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

(a) संस्थायें नियंत्रण के माध्यम है।
(b) संस्थायें तुलनात्मक रूप से स्थायी होती है।
(c) संस्थायें मानकीकृत मानदण्ड हैं।
(d) उपरोक्त सभी।

उत्तर (d) गिलिन एवं गिलिन ने संस्था की निम्नांकित विशेषताओं का उल्लेख किया है।
(1) व्यवस्था की एक इकाई (2) पारिभाषिक परम्परायें
(3) अधिक स्थायित्व (4) सांस्कृतिक उपकरण
(5) स्पष्ट प्रतीक (6) एक या अनेक सुस्पष्ट उद्देश्य

37. अभिकथन (A) : संस्कृति से भाव उन मान्यताओं मूल्यों एवं अभिव्यक्ति के चिन्हों से है जिन्हें कोई मानव समूह सच्चे रूप से अपनाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

तर्क (R) : संस्कृति ऐसे मानव समूह के सदस्यों के अनुभवों को संगठित करने और उनके व्यवहार का पथ-प्रदर्शन करने का कार्य करती है।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजियेः

(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (b) पी. एच. लैण्डिस के अनुसार,''संस्कृति वह संसार है जिसमें एक व्यक्ति जन्म से लेकर मृत्यु तक निवास करता है, चलता है फिरता है और अस्तित्व को बनाये रखता है।'' संस्कृति मनुष्य द्वारा निर्मित एवं विकसित है। संस्कृति का एक प्रभावी आचार तत्व होता है जिसे इथॉस कहते हैं। इसका अर्थ है संस्कृति मानव व्यवहार को नियंत्रित करती है और उनके पक्ष प्रदर्शक का कार्य करती है।

38. निम्नलिखित में से कौन सा कथन भूमिका विन्यास को दर्शाता है?

(a) वह पद-स्थिति का व्यवहारिक पक्ष है
(b) एक व्यक्ति एक से अधिक भूमिका निभाता है
(c) वह एक भूमिकाओं का झुंड है और दोतरफा है
(d) पद-स्थिति और भूमिका एक ही सिक्के के दो पहलू है

उत्तर (c) जब एक व्यक्ति अपनी प्रस्थिति से सम्बन्धित विभिन्न प्रस्थितियों को धारण करने वाले व्यक्तियों के साथ अलग-अलग प्रकार की जो भूमिका निभाता है, उसकी सम्पूर्णता को ही भूमिका प्रतिमान (Role set) कहते है। जैसे एक डॉक्टर का नर्स से, मरीजों से, अन्य डॉक्टरों से तथा चिकित्सा अधिकारियों के साथ भिन्न-भिन्न प्रकार की भूमिका निभाना। अतः भूमिका विन्यास भूमिकाओं का झुण्ड है और दो तरफा है।

39. किसने कहा था कि सामाजिक तथ्यों को वस्तुओं की तरह समझना चाहिये।

(a) इमाईल दुर्खीम (b) मैक्स वेबर
(c) ऑगस्त कॉम्टे (d) हरबर्ट स्पेन्सर

उत्तर (a) दुर्खीम समाजशास्त्र के वास्तविक पिता माने जाते है। उन्होंने सामाजिक तथ्यों को वस्तुओं की तरह समझा और कहा 'जिस प्रकार प्राकृतिक घटनाओं का वैज्ञानिक अध्ययन हो सकता है, उसी प्रकार सामाजिक घटनाओं का भी अध्ययन करना चाहिए।'

40. निम्नलिखित में से कौन सी किताब में कार्ल मार्क्स का यह कथन है कि ''आज-तक के सभी समाजों का इतिहास वर्गों के संघर्षो का इतिहास है''?

(a) दास कैपिटल (b) क्लास स्ट्रगल्ज इन फ्रान्स
(c) कम्यूनिस्ट मैनीफैस्टो (d) दि एटीन्थ ब्रूमैंर

उत्तर (c) कार्ल मार्क्स वैज्ञानिक साम्यवाद के जनक माने जाते हैं। कार्ल मार्क्स एवं एंजिल्स ने अपनी पुस्तक 'कम्युनिस्ट मैनीफैस्टो' में कहा कि अब तक के सभी समाजों का इतिहास वर्गों के संघर्षों का इतिहास रहा है।

41. निम्नलिखित में से कौन जाना-माना मार्क्सवादी समाजशास्त्री है?

(a) एस० सी० दूबे (b) एम० एन० श्रीनिवास
(c) जी० ऐस० घुर्ये (d) ए० आर० देसाई

उत्तर (d) मार्क्सवादी विचारधारा के प्रति आजन्म प्रतिबद्ध रहे भारतीय समाजशास्त्री अक्षय रमणलाल देसाई की गणना मुम्बई विश्वविद्यालय में अंग्रेजी समाजशास्त्री के रूप में जाना जाता है। ए० आर० देसाई को मार्क्सवादी समाजशास्त्री माना जाता है।

स्रोत-समाजशास्त्रीय चिंतक एवं सिद्धांतकार-हरिकृष्ण रावत

42. निम्नलिखित में से किसने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रकार्यो की अवधारणा विकसित की थी?

(a) टालकॉट पारसन्स (b) इ० दुर्खीम
(c) रॉबर्ट के मर्टन (d) ब्रोनिस्लॉ मैलिनोवस्की

उत्तर (c) अप्रकट प्रकार्य- किसी घटना, क्रिया, तत्व अथवा वस्तु के उन परिणामों को अव्यक्त या अप्रकट प्रकार्य कहा जाता है जो अप्रत्याशित, अनपेक्षित, अकल्पित तथा अमान्य होते हैं।
प्रकट प्रकार्य-किसी घटना, तत्व या इकाई के वे वस्तुपरक परिणाम प्रकट या व्यक्त प्रकार्य हैं जो किसी व्यवस्था के कार्यकर्ताओं या सहयोगियों द्वारा अपेक्षित, मान्य एवं वांछित हैं।
प्रकट एवं अप्रकट- प्रकार्य की अवधारणा को रॉबर्ट के. मर्टन ने होपी लोगों के एक धार्मिक संस्कार के उदाहरण के रूप में दी।

43. ''उद्दीपन-प्रत्युत्तर का मॉडल बाहरी क्रियाओं को महत्व देता है। इन्सान के कार्यो को उद्दीपन का प्रत्युत्तर माना जाता है जो कि बाहरी दुनिया में घटते हैं।'' यह विचार किसका है?

(a) जी० एच० मीड (b) ई० दुर्खीम
(c) जी० एच० ब्लूमर (d) मैक्स वेबर

उत्तर (a) जी० एच० मीड अमेरिका के शिकागो वैचारिक परम्परा के एक अग्रणी दार्शनिक और अर्थक्रियावादी विचारधारा से ओत–प्रोत का नवीन परम्परा रखने का गौरव प्राप्त है। जी० एच० मीड के अनुसार उद्दीपन - प्रत्युत्तर का प्रतिरूप बाहरी क्रियाओं को महत्व देता है। इंसान के कार्यों को उद्दीपन का प्रत्युत्तर माना जाता है जो कि बाहरी दुनिया में घटते हैं।

स्रोत- आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक- एस० एल० दोषी

44. निम्नलिखित किताबों में से किसमें मैक्स वेबर ने सामाजिक क्रिया की अवधारणा का विवरण दिया है?

(a) प्रोटेस्टेन्ट इथिक एण्ड दी स्पिरिट ऑफ कैपिटलिज्म
(b) मेथोडोलॉजी ऑफ सोशल साइंसेज
(c) रिलिजन ऑफ इन्डिया
(d) थ्योरी ऑफ सोशल एण्ड इकोनॉमिक ऑर्गनाइजेशन

उत्तर (d) मैक्स वेबर को आधुनिक समाजशास्त्र का एक विशिष्ट सामाजिक विज्ञान के रूप में प्रतिष्ठित करने वाला प्रवर्तक समाजशास्त्री माना जाता है। मैक्स वेबर ने 'थ्योरी ऑफ सोशल एण्ड इकोनॉमिक आर्गनाइजेशन' में सामाजिक क्रिया की अवधारणा का उल्लेख किया था।

45. गुणात्मक पद्धति से तात्पर्य है

(a) वास्तविक जीवन परिस्थिति से संबंधित प्रचुर सामग्री प्रदान करना
(b) व्यवहार को सही अर्थ में समझना
(c) व्यवहार को व्यापक संदर्भ में समझने में मदद करना
(d) उपरोक्त सभी

उत्तर (d) जो पद्धतियाँ केवल गुणों को महत्व देती हैं, संख्याओं को नहीं, उन्हें गुणात्मक पद्धतियाँ कहते हैं। ये पद्धतियाँ इकाइयों का केवल विवरण प्रस्तुत करती हैं। इनके अन्तर्गत स्थिति की व्याख्या तथा विवेचना प्रस्तुत की जाती है। सहभागी अवलोकन, वैयक्तिक अध्ययन, अन्तर्वस्तु विश्लेषण तथा जीवन इतिहास गुणात्मक पद्धतियों के उदाहरण हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा यथास्थान पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

नव संजातीय दृश्य को समझने के लिए दो प्रमुख दृष्टिकोण हैं। संजातीयता एवं संजातीय पहचान के लिए मूलतावादी एक ही वंश से होने को ज्यादा महत्वपूर्ण तत्व मानते हैं क्योंकि संजातीय तत्वों पर आधारित बौद्धिक सिद्धांतों एवं संगठनों की अपेक्षा मूलतावादी निष्ठाओं को शीघ्रता से सक्रिय किया जा सकता हैं। दूसरे दृष्टिकोण को स्थितिजन्य, व्यक्तिजन्य अथवा उपकरण जन्य कह सकते हैं। इस में प्रमुख बल इस बात पर है कि किसी समूह विशेष के सदस्यों की इन अनुभूति से है कि वे अन्यों से किस प्रकार अपने को भिन्न मानते हैं और ऐसी अनुभूति से उस समूह की वतर्मान स्थिति के लिए क्या समस्याएँ अथवा विषमताएँ पैदा होती हैं और इसका उनके भावी अवसरों पर कितना प्रभाव पड़ता हैं इन विवादास्पद दृष्टिकोणों से मुद्दों के स्पष्टीकरण एवं समकालीन यथार्थता को समझने में सहायता मिलती है। मगर उनसे कोई अन्तिम निष्कर्ष प्राप्त नहीं होता। वे प्रायः विगत के पुनर्निर्माण के अभ्यास से अधिक कुछ नहीं है अथवा वर्तमान की व्याख्या के लिए ये स्थितियों को परिभाषित एवं पुनः परिभाषित करते हैं। ये अपोषित भविष्य की उपलब्धि के लिए युक्ति एवं विधि है।

संजातीयता राज्य, धर्म, सम्प्रदाय और श्रेणी की जानी-पहचानी सीमाओं को लाँघ जाती है। यह राष्ट्रीयता एवं समुदायों को टुकड़ों में विभाजित करना चाहती है और संजातीय संकेतकों के प्रयोग द्वारा नई राष्ट्रीयता एवं समुदाय का निर्माण करना चाहती है, इसमें सन्निहित हैं प्रतीक। ये प्रतीक पुराने तथा ताजा बनाये गए हो सकते हैं जिनका प्रयोग होशियारी से स्पर्धा में जुटे लोग करते हैं। संजातीयता के प्रतीकात्मक एवं सांस्कृतिक पहलू अपने आप में महत्वपूर्ण हैं। और प्रायः उनका राजनीतिकरण हो जाता है क्योंकि विश्लेषण करने पर यही अन्तिम निष्कर्ष निकलता है कि संजातीय संघर्षों में आर्थिक स्त्रोतों एवं उत्पादों और निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधिक भागीदारी की मांगे ही निहित होती हैं। 'प्रदत्त' पहचान के प्रति व्यक्ति एवं समूह प्रश्न उठा सकते हैं और उनकी क्रियाएँ नई पहचान एवं नई चिन्ह-व्यवस्था को निर्मित कर सकते हैं जो उनके नए हितों को मुखरित करती हो। इस प्रकार संजातीयता से सामाजिक एवं सांस्कृतिक सीमाओं को पुनर्परिभाषित करने की आवश्यकता हो सकती है। संजातीय आकांक्षायें एवं उत्कण्ठाओं में तीव्र पहली गुणवत्ता होती है। इनमें स्थिरता एवं दृढ़ता होनी चाहिए। यह बात अनेकों संजातीय आंदोलनों के नेतृत्व के गुणों से स्पष्ट हो चुकी है। स्थापित विशिष्ट वर्ग का एक भाग उनकी पीठ पर हो, मगर इस विशिष्ट वर्ग को धकेल कर दूसरी ओर किया जा सकता है और किसी विभिन्न उद्‌गम वाले हथियारबंद तत्व नेतृत्व को हथिया सकते हैं।

संजातीयता पूर्णतया नवीन परिदृश्य नहीं हैं, यह लेबल नया है। विचार धाराएँ जो मौजूदा संजातीय सम्बन्धों का मूल्यांकन करती हैं और अपेक्षित संजातीय यथा नाजवाद एवं श्वेतवाद को निरूपित करती हैं जिनका पालन पुरातन समय से हो रहा है। इन विचारधाराओं का बल प्रभावशीलता (डोमिनेशन) एवं प्रभावहीनता (सबार्डीनेशन) के सम्बन्ध पर है जिसके अन्तर्गत प्रभावहीन गुटों को सामाजिक एवं आर्थिक बराबरी नहीं की जाती और न ही उन्हें बराबर की स्वतन्त्रता ही प्रदान की जाती है।

राष्ट्रीयता, समीकरण एवं सांस्कृतिक बहु-वाद में स्पष्ट सैद्धान्तिक तत्व है। उदाहरण के रूप में, राष्ट्रवादी मुख्य धारा अपने में उप-राष्ट्रवादियों एवं लघु राष्ट्रवादियों को समा लेना चाहती है। दूसरी तरफ समीकरण का ध्येय रहता है कि सभी विभिन्न गुटों को समरूप दे दिया जाए जिसके अन्तर्गत संजातीय पहचानों को प्रतीकात्मक मर्यादा के रूप में रहने दिया जाता है। तीसरी तरफ, सांस्कृतिक बहुलवाद में प्रचलित सांस्कृतिक स्थिति को स्थिर करने का प्रयास किया जाता है और संचेष्ट प्रयत्न होता है कि किसी भी संस्कृति का क्षय न हो।

46. गद्यांश के लेखक का मुख्य सरोकार है।

(a) विचारधाराओं के महत्व की चर्चा
(b) मूलतावादी निष्ठाओं को तीव्रता से सक्रिय बनाये जाने का स्पष्टीकरण देना।
(c) किसी गुट की वर्तमान स्थिति के अध्ययन द्वारा उनके विगत को पुनर्निर्मित करने की व्याख्या करना
(d) नव संजातीय परिदृश्य को समझना

उत्तर (d) गद्यांश के लेखक का मुख्य सरोकार नव संजातीय परिदृश्य को समझना है।

47. उपरोक्त गद्य के अनुसार नव संजातीय परीदृश्य को समझने में कौन से दृष्टिकोण सहायक होते हैं?

i. संजातीयता एवं संजातीय पहचान का मूलतावादी दृष्टिकोण
ii. स्थिति जन्य, व्यक्ति जन्य, अथवा यांत्रिक जन्य विचारधारा जो समूह-विशेष के सदस्यों की इस अनुमति से है कि वे दूसरों से अपने को भिन्न मानते हैं।
iii. दोनों दृष्टिकोण संजातीयता को समकालीन यथार्थता को समझने और उसका मूल्यांकन करने में सहायक मात्र हैं।

(a) (i) सही हैं (b) (iii) सही है
(c) (i) और (ii) सही है (d) (ii) सही है

उत्तर (c) जैसा कि उपरोक्त गद्यांश की दूसरी पंक्ति से यह स्पष्ट होता है कि नव संजातीय परीदृश्य को समझने में संजातीयता एवं संजातीय पहचान का मूलतावादी दृष्टिकोण होना चाहिए तथा पाँचवे पंक्ति से यह स्पष्ट होता है कि यदि नव संजातीय परिदृश्य को समझना है तो स्थित जन्य, व्यक्ति जन्य अथवा यांत्रिक जन्य विचारधारा जो A समूह विशेष के सदस्यों की इस अनुमति से है कि वे दूसरों से अपने को भिन्न मानते हैं यह ज्ञात होना चाहिए।

48. लेखक दर्शाता है कि, संजातीयता जानी-पहचानी सीमाओं को लांघ जाता है जिसमें वह केवल संजातीय संकेतकों से ही चिपका रहता है।

(a) इस प्रकार वह राष्ट्रीयताओं को भी तोड़ता है।
(b) गैर-प्रतीकात्मक पक्षों को उठा कर आर्थिक स्त्रोतों में और अधिक हिस्सेदारी मांगना।
(c) नए हितों को मुखरित करने के लिए नई पहचानों एवं नव-प्रतीक व्यवस्था का निर्माण करना।
(d) संजातीय मुद्दों में एवं दृढ़ पक्ष लेना

उत्तर (d)

49. संजातीय विचारधाराएं किस प्रकार असमानता का प्रचार करने में सहायक होती हैं?

(a) उनके एक समान उद्‌गम पर बल देने से
(b) प्रक्षालन कार्यक्रम की भर्त्सना करने से।
(c) विवादित क्षेत्र के प्रति समझौता करने में सहमति जताने से
(d) प्रभावशीलता, प्रभावहीनता सम्बन्धों, पर जिसके अन्तर्गत सामाजिक, आर्थिक समानता एवं स्वतंत्रता को नकारा जाता है, पर बल देने से।

उत्तर (d) संजातीय विचारधारायें, प्रभावशीलता, प्रभावहीनता सम्बन्धों, पर जिसके अन्तर्गत सामाजिक, आर्थिक समानता एवं स्वतंत्रता को नकारा जाता है, पर बल देने जैसे असमानता का प्रचार करने में सहायक होती हैं जैसा कि पैराग्राफ नम्बर-3 में उद्धृत है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

50. संजातीयता के परिदृश्य से पैदा हुई समस्याओं को

(a) राष्ट्रवाद का प्रचार करने से जो अपने में उप-राष्ट्रीयताओं एवं लघु राष्ट्रीयताओं को समा लेना चाहता है।
(b) समीकरण द्वारा विभिन्न गुटों का समरूप होने से।
(c) सांस्कृतिक बहुवाद का पक्षधर होने से जो प्रचलित सांस्कृतिक स्थिति को स्थिर करती है।
(d) एक बहुत सांस्कृतिक घटा के अन्तर्गत संजातीय गुटों के अलगाव से।

उत्तर (a) संजातीयता के परिदृश्य से पैदा हुई समस्याओं को राष्ट्रवाद का प्रचार करने से जो अपने में उप-राष्ट्रीयताओं एवं लघु राष्ट्रीयताओं को समा लेना चाहता है। यह तथ्य पैराग्राफ-4 में उद्धृत है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2006
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. भूमिका के संग्रह को, जो किन्ही पद्स्थिति से संबंधित होती है, उसे कहते हैं:
(a) बहुविध भूमिका (b) भूमिका द्वन्द्व
(c) भूमिका विन्यास (d) भूमिका संकलन

उत्तर (c) एक विशिष्ट सामाजिक प्रस्थिति के साथ जुड़ी हुई भूमिकाओं के समुच्चय को भूमिका-पुंज अथवा भूमिका विन्यास कहते हैं।
मर्टन के अनुसार, भूमिका-पुंज से मेरा तात्पर्य भूमिका सम्बन्धों के उस ताने-बाने से है जिसमें एक व्यक्ति एक विशिष्ट सामाजिक प्रस्थिति को धारण करने के कारण बंधा होता है।

2. निम्नांकित में कौन समाजीकरण के साधन नहीं है?
(a) परिवार (b) विद्यालय
(c) संचार (d) पुलिस

उत्तर (d) जिन संस्थाओं या समूहों के माध्यम से समाजीकरण होता है। उन्हें समाजीकरण की संस्थाएँ/अभिकरण कहा जाता है। जो निम्न हैः जैसे परिवार, विद्यालय, संचार आदि। रिजमैन ने कहा है कि वर्तमान में खेल समूह समाजीकरण करने वाला महत्वपूर्ण समूह है।

3. पुनर्समाजीकरण होता है जबः
(a) एक बच्चा पैदा होता है।
(b) बच्चा विद्यालय जाना प्रारंभ करता है।
(c) एक युवती का विवाह होता है।
(d) एक व्यक्ति किसी क्रांतिकारी आन्दोलन में शामिल हो जाता है।

उत्तर (d) किसी व्यक्ति द्वारा पहले सीखे हुए व्यवहार के स्थान पर उसे नवीन मूल्यों, मानकों, मान्यताओं एवं व्यवहारों का प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया पुनर्समाजीकरण कहलाती है। इसमें पहले वाली जीवन विधि के स्थान पर दूसरी जीवन विधि अपनायी जाती है। अतः जब एक व्यक्ति किसी क्रांतिकारी आन्दोलन में शामिल हो जाता है तो पुनर्समाजीकरण कहलाएगा।

4. अवधारणाओं का उनसे संबोधित समाजशास्त्रियों के साथ सुमेल करें। उत्तर के लिए कोड का इस्तेमाल कीजिए।

	अवधारणा		समाजशास्त्री
(A)	सांस्कृतिक पिछड़न	i	सी॰ एच॰ कुले
(B)	प्राथमिक समूह	ii	आर॰ के॰ मर्टन
(C)	प्रत्यक्ष प्रकार्य	iii	डब्ल्यू॰ एफ॰ आगबर्न
(D)	कायिक संगठन	iv	ई॰ दुर्खीम

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)

उत्तर (b) सुमेलित सूची निम्न प्रकार है–

(अवधारणाएँ)		(समाजशास्त्रीय)
सांस्कृतिक पिछड़न	-	डब्ल्यू. एफ. ऑगबर्न
प्राथमिक समूह	-	सी. एच. कूले
प्रत्यक्ष-प्रकार्य	-	आर. के. मर्टन
कायिक संगठन	-	इमाईल दुर्खीम

5. निम्नलिखित में से कौन सा प्रयत्न समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण को दर्शाता है?
(a) सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तन लाना।
(b) सामाजिक व्यवस्था को समझना।
(c) सामाजिक व्यवस्था में संशोधन बनाना।
(d) सामाजिक व्यवस्था से सामंजस्य करना।

उत्तर (b) आधुनिक सन्दर्भों में सामाजिक प्रणाली की अवधारणा का प्रयोग हमें ऑगस्त कॉम्ट, हरबर्ट स्पेंसर, कार्ल मार्क्स, इमाइल दुर्खीम आदि समाज वैज्ञानिकों की कृतियों में देख सकते हैं। सामान्यतः एक प्रणाली को आत्मनिर्भर तत्वों अथवा भागों के समूह द्वारा निर्मित सम्पूर्णता के रूप में परिभाषित किया जाता है। इस प्रकार समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण सामाजिक व्यवस्था को समझने के अर्थ को दर्शाता है।

6. पुस्तकों को उनके लेखकों से जोड़ें।

	पुस्तक		लेखक
(A)	फेमली, सोशलाइजेशन एण्ड इन्टरैक्शन प्रोसेस	i	विलियम जे॰ गुडे
(B)	वर्ल्ड रिवोल्यूशन एण्ड फेमली पैटर्न्स	ii	एलिजाबेथ बॉट
(C)	फेमली एण्ड किनशिप इन इस्ट लंदन	iii	टालकॉट पारसन्स
(D)	फेमली एण्ड सोशल नेटवर्क	iv	यंग एवं विलमौट

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(d)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

उत्तर (c) सही सुमेलन निम्न प्रकार है-

(पुस्तक)	(लेखक)
फेमिली, सोशलाइजेशन एण्ड इण्टरैक्शन प्रोसेस	- टालकॉट पारसंस
वर्ल्ड रिवोल्युशन एण्ड फेमली पैटर्न्स	– विलियम जे. गुडे
फेमिली एण्ड किनशिप इन ईस्ट लंदन	– यंग एवं विलमौट
फेमिली एण्ड सोशल नेटवर्क	- एलिजाबेथ बॉट

7. निम्नांकित में कौन समाज की प्राक-प्रकार्यात्मक आवश्यकता नहीं है?

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) पर्यावरण से अनुकूलन
(b) लक्ष्य-प्राप्ति
(c) प्रतिमान-अनुरक्षण तथा तनाव-प्रबंधन
(d) सामाजिक वियोजन

उत्तर (d) सामाजिक वियोजन समाज की प्राक-प्रकार्यात्मक आवश्यकता नहीं है। पारसन्स ने चार पूर्व-प्रकार्यात्मक आवश्यकताएं बतायी हैं- (i) अनुकूलन, (ii) लक्ष्य प्राप्ति, (iii) एकीकरण तथा (iv) प्रतिमान अनुरक्षण।

8. नीचे दिये गये विवाह के प्रकार को उन समुदायों के साथ जोड़े जहाँ ये पाये जाते हैं। अपने उत्तर के लिए कोड का इस्तेमाल करें।

	विवाह के प्रकार		समुदाय
(A)	क्रॉस-कजन	i	मुसलमान
(B)	पैरलल-कजन	ii	द्विज जातियाँ
(C)	बहुपति विवाह	iii	दक्षिण भारतीय
(D)	अनुलोम विवाह	iv	नीलगीरि पहाड़ियों के टोडा

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(b)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

उत्तर (b) सही सुमेलन निम्न प्रकार है-

(विवाह के प्रकार)		**(समुदाय)**
क्रॉस-कजन	-	दक्षिण भारतीय
पैरलल-कजन	-	मुसलमान
बहुपति विवाह	-	नीलगिरि पहाड़ियों के टोडा
अनुलोम विवाह	-	द्विज जातियाँ

9. एम॰ एन॰ श्रीनिवास के अनुसार प्रभुजाति को कौन सी स्थिति उपलब्ध होती है?
(a) संख्या की ताकत (b) आर्थिक शक्ति
(c) नैतिक शक्ति
(d) आर्थिक, नैतिक एवं विधि-विधान का समर्थन

उत्तर (d) प्रभुजाति की अवधारणा का प्रयोग समाजशास्त्र में सर्वप्रथम एम॰ एन॰ श्रीनिवास ने दिया है। श्रीनिवास के अनुसार प्रभुजाति के लिए आर्थिक, नैतिक एवं विधि-विधान का समर्थन की स्थिति उपलब्ध होती है।
स्रोत-आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन-श्रीनिवास

10. निम्नलिखित में से किस नारीवादी विद्वान ने यह वक्तव्य दिया था कि ''नारी पैदा नहीं होती, बल्कि बना दी जाती है।''
(a) सीमोन डी॰ बूवूआर (b) मार्गरेट मीड
(c) जॉर्ज हरबर्ट मीड (d) बैटी फराइडन

उत्तर (a) पेरिस में जन्मीं **सीमोन बोवुआर** मूल रूप में एक दार्शनिक के रूप मे दीक्षित थी, किन्तु उन्होंने समाजशास्त्रीय महत्ता से भरपूर ढेर सारा बौद्धिक लेखन किया है। इसकी प्रसिद्ध पुस्तक ''द्वितीय लिंग में नारी की अधीनता का उसके जैवकीय, ऐतिहासिक और नृजातीय परिप्रेक्ष्य में पूरी गहराई से विश्लेषण किया गया है। इनकी सुप्रसिद्ध उक्ति ''नारी जन्मती नहीं, बनाई जाती है'' ने विश्व में इन्हें विख्यात कर दिया । स्त्रियाँ कैसे बनती हैं ? इस सम्बन्ध में बोवुआर लिखती हैं कि ''यह सम्पूर्ण रूप में सभ्यता ही है जो इस प्राणी को बनाती है।

11. सामाजिक परिवर्तन के कारकों में सम्मिलित हैं:
(i) विज्ञान और प्रौद्योगिकी (ii) विचार और सिद्धांत
(iii) संस्कृति और शिक्षा (iv) उद्विकास और प्रगति
सही मेल को कोड के अनुसार रखें।
(a) (i) और (ii) (b) (ii) और (iii)
(c) (i), (ii) और (iii) (d) (i), (ii), (iii) और (iv)

उत्तर (d) किग्सले डेविस के अनुसार ''सामाजिक परिवर्तन से मेरा मतलब केवल उन परिवर्तन से है जो समाज के संगठनिक ढाँचे में होते हैं अर्थात् समाज की संरचना और उनके प्रकार्यों में होने वाले परिवर्तन से है। प्रश्न के विकल्प में दिये गये सभी कारक सामाजिक परिवर्तन के कारकों में सम्मिलित हैं।

12. ''बौना-प्रभाव'' का तात्पर्य है।
(a) लिंग आधारित श्रम विभाजन
(b) पति की इच्छानुसार अहम् की पुनर्परिभाषा
(c) कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न
(d) पत्नी को पीटना

उत्तर (b) बौना प्रभाव का तात्पर्य दूसरों की अपेक्षा का व्यक्ति पर होने वाला अपेक्षित प्रभाव है। जैसे पति की इच्छानुसार अहम् की पुनर्परिभाषा।

13. निम्नलिखित में से किस समाजशास्त्री ने कहा था कि, ''जब सामाजिक गतिशीलता की रफ्तार कम होती है तब वर्गीय संगठन एवं संलग्नता अधिक हो जाती है''?
(a) इमाईल दुर्खीम (b) मैक्स वेबर
(c) राल्फ डेहरेन्डॉर्फ (d) ऐन्थनी गिडेन्स

उत्तर (d) ऐन्थनी गिडेन्स ने कहा था कि, ''जब सामाजिक गतिशीलता की रफ्तार कम होती है तब वर्गीय संगठन एवं संलग्नता अधिक हो जाती है''

14. किसी औद्योगिक समाज में व्यावसायिक स्थिति किस प्रकार प्राप्त होती है?
(a) उपलब्धि से (b) प्रदत्त से
(c) जन्म से (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a) औद्योगिक समाज में व्यावसायिक स्थिति उपलब्धि से प्राप्त होती है। किसी सामाजिक व्यवस्था में वह पद जो एक व्यक्ति प्रयासों, बहुधा प्रतिस्पर्धा, विशिष्ट योग्यता ज्ञान एवं निपुणता द्वारा प्राप्त करता है, उपार्जित या अर्जित प्रस्थिति कहलाती है। डॉक्टर, इंजीनियर, अध्यापक, कलेक्टर आदि उपार्जित प्रस्थितियों के उदाहरण हैं।
इन प्रस्थितियों को प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को सक्रिय प्रयास करने पड़ते हैं, तथा वह प्रस्थिति जो व्यक्ति को मात्र जन्म के आधार पर प्राप्त हो जाती है, प्रदत्त प्रस्थिति कहलाती है। लिंग, आयु, नातेदारी, जाति, प्रजाति आदि कारक प्रदत्त प्रस्थिति के मुख्य निर्धारक तत्व है।

15. सूची - I को सूची - II से जोड़े। उत्तर के लिए कोड का इस्तेमाल करें।

	सूची - I		सूची - II
(A)	लॉ ऑफ थ्री स्टेजेज	i	हरबर्ट स्पेन्सर
(B)	समाजीकरण का सिद्धांत	ii	दुर्खीम
(C)	यांत्रिक एकात्मता और कायिक एकात्मता	iii	मैक्स वेबर
(D)	उद्विकास के सिद्धांत	iv	ऑगस्त काम्टे

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(c)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(d)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है-
लॉ ऑफ थ्री स्टेजेज - ऑगस्त कॉम्ट
समाजीकरण का सिद्धांत - मैक्स वेबर
यांत्रिक एकात्मता और कायिक एकात्मता - दुर्खीम
उद्विकास के सिद्धांत - हरबर्ट स्पेन्सर

16. स्तरीकरण में सामाजिक प्रतिरूप होता है, क्योंकिः
(a) प्रत्येक पीढ़ी को नये सिरे से मूल्यों से अवगत करवाना होता है।
(b) मूल्य एवं स्वीकृति सामाजिक व्यवस्था को बनाये रखते हैं।
(c) राजनीतिक, धार्मिक, आर्थिक एवं शैक्षिक संस्थान प्रभावित होते हैं।
(d) उपरोक्त सभी

उत्तर (d) किसी सामाजिक व्यवस्था में प्रतिष्ठा, प्रभाव, शक्ति, सम्पत्ति तथा सुविधाओं आदि की भिन्नता के आधार पर प्रस्थितियों एवं भूमिकाओं की एक अपेक्षाकृत स्थायी श्रेणीबद्धता को सामाजिक स्तरीकरण कहते हैं।
सामाजिक स्तरीकरण के दो आधार बताये गये हैं –
1. प्राणीशास्त्रीय आधार-लिंग, आयु, प्रजाति जन्म शारीरिक व बौद्धिक कुशलता।
2. सामाजिक सांस्कृतिक आधार- सम्पत्ति (अमीर-गरीब),व्यवसाय (मानसिक कार्य श्रेष्ठ शरीरिक कार्य नियम), धार्मिक ज्ञान, राजनीतिक शक्ति।

17. निम्नलिखित कथनों को उनके लेखकों से जोड़े।

	कथन		लेखक
(A)	सामाजिक संरचना अपने आप में एक वास्तविकता है।	i	लेवी-स्ट्रॉस
(B)	सामाजिक संरचना वास्तविकता के पीछे एक तर्क है।	ii	टालकॉट पारसन्स
(C)	सामाजिक संरचना, सामाजिक अन्तःक्रिया की एक स्थायी व्यवस्था है।	iii	रैडक्लिफ ब्राउन
(D)	सामाजिक संरचना व्यक्तियों के बीच के संबंधों को व्याख्या के लिए एक इकाई है।	iv	एस॰ एफ॰ नैडल

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

उत्तर (a) सही सुमेलन निम्न प्रकार है-
(कथन) **(लेखक)**
सामाजिक संरचना अपने आप में एक वास्तविकता है। – एस. एफ. नैडल
सामाजिक संरचना वास्तविकता के पीछे एक तर्क है - लेवी-स्ट्रॉस
सामाजिक संरचना, सामाजिक अन्तः क्रिया की एक स्थायी व्यवस्था है। –टालकॉट पारसन्स
सामाजिक संरचना व्यक्तियों के बीच के सम्बन्धों की व्याख्या के लिए एक इकाई है। – रैडक्लिफ ब्राउन

18. निम्नलिखित में से संभाविता निदर्शन के शोध-प्रारूप का किस से संकेत मिलता है?
(a) अंश निदर्शन (b) स्नोबॉल निदर्शन
(c) संगुच्छित निदर्शन (d) उद्देश्यपूर्ण निदर्शन

उत्तर (c) - प्रतिचयन (निदर्शन) का वह रूप जिसमें समग्र में से प्रत्येक इकाई को चुने जाने की सम्भावना ज्ञात होती है या निर्धारित की जा सकती है, संभावनामूलक प्रतिचयन, कहलाता है। साधारण दैव प्रतिचयन, स्तरित दैव प्रतिचयन, बहुचरणीय दैव प्रतिचयन, क्षेत्र अथवा संभाग प्रतिचयन (संगुच्छित निदर्शन) आदि सभी संभावनामूलक प्रतिचयन विधियाँ हैं। व्यक्तिगत इकाइयों के एक गुच्छे या समूह चुनाव की विधि संभाग प्रतिचयन (संगुच्छित प्रतिचयन) कहलाती है। अतः संगुच्छित निदर्शन से संभाविता निदर्शन के शोध-प्रारूप का संकेत मिलता है।

19. निम्नलिखित में से किसने समाजशास्त्र में विश्लेषण की एक विधि को प्रकार्यवाद का नाम दिया?
(a) नाडेल (b) लेवी-स्ट्रॉस
(c) दुर्खीम (d) परेटो

उत्तर (c) दुर्खीम पहले व्यक्ति थे जिन्होंने समाजशास्त्र को विज्ञान बताया। उन्होंने समाजशास्त्र में विश्लेषण की एक विधि को प्रकार्यवाद का नाम दिया।
स्रोत- समाजशास्त्रीय व्याख्या-एस॰ एल॰ दोषी

20. निम्नांकित में से कौन एक शोध-अभिकल्प का कार्य नहीं है?
(a) यह शोधकर्ता को सामाजिक प्रश्नों के अध्ययन की रूपरेखा प्रदान करता है।
(b) यह शोध कार्य का क्षेत्र निर्धारित करता है।
(c) यह अध्ययन-संदर्भ के बाहर शोध-परिणामों की व्याख्या में मदद करता है।
(d) यह शोधकर्ता को अध्ययन के कार्यान्वयन में आने वाली संभावित समस्याओं के पूर्वानुमान की शक्ति देता है।

उत्तर (c) शोध अभिकल्प का अर्थ है रूपरेखा बनाना या नियोजन करना या विवरण को व्यवस्थित करना। यह स्थिति के उत्पन्न होने से पूर्व निर्णय लेने की प्रक्रिया है जिसमें निर्णय को क्रियान्वित किया जाना होता है।
यह अध्ययन सन्दर्भ के बाहर शोध परिणामों की व्याख्या में मदद नहीं करता है।

21. निम्नलिखित में से कौन संरचनात्मक प्रकार्यवादी नहीं है?
(a) दुर्खीम (b) रैडक्लिफ ब्राउन
(c) पारसन्स (d) मैलिनोवस्की

उत्तर (a) दुर्खीम संरचनात्मक प्रकार्यवादी नहीं बल्कि वे प्रकार्यवादी हैं और उन्होंने प्रकार्यवाद शब्द का प्रयोग समाजशास्त्र में पहली बार किया।

22. समाज में लैंगिक भूमिका की स्थापना किन कारणों से होती है?
(a) समाजीकरण (b) नैतिक भिन्नता
(c) महिलाओं की निम्न पद्यस्थिति (d) निरक्षरता

उत्तर (a) समाजीकरण एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा हम समाज में रहना और उसके सक्रिय सदस्य बनाना सीखते है।इस

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रक्रिया में समाज के मानदण्डों एवं मूल्यों के साथ-साथ अपनी सामाजिक भूमिकाओं (पति/पत्नी, माता/पिता, मित्र, नागरिक आदि) के सम्पादन करने की कला सीखने सम्बन्धी दोनों बातें सम्मिलित होती हैं।

मूलतः समाजीकरण सीख की एक प्रक्रिया है जो जीवशास्त्रीय मानव को एक सामाजिक मानव के रूप में बदल देती है। अतः सामाजीकरण की वजह से ही समाज में लैंगिक भूमिका की स्थापना होती है।

23. सामग्री एकत्र करने के लिये वैयक्तिक अध्ययन पद्धति का इस्तेमाल तब किया जाता है जब निदर्शन का आकार होता है?
(a) अत्यन्त बड़ा
(b) अत्यन्त छोटा
(c) छोटा तथा गहरायी में सामग्री को आवश्यकता होती है।
(d) अत्यन्त बिखरा हुआ।

उत्तर (b) किसी एक प्रकरण (केस) के गहन, सूक्ष्म एवं सर्वांगीण अध्ययन को वैयक्तिक अध्ययन कहते हैं। यह तथ्य संकलन की एक प्रविधि होने की अपेक्षा अध्ययन विश्लेषण का एक उपागम एक शोध-प्रकल्प या एक व्यूह रचना है जो अध्ययन की किसी एक इकाई को उसकी समग्रता में अध्ययन करने पर बल देते हैं।

24. अपेक्षित भूमिका से सम्बन्धित पुरस्कार एवं दण्ड को कहा जाता है:
(a) मानदण्ड (b) मूल्य
(c) लोकाचार (d) स्वीकृति

उत्तर (d) अपेक्षित भूमिका से सम्बन्धित पुरस्कार एवं दण्ड को स्वीकृति कहा जाता है।

25. आधुनिक समाज में संघर्ष के बदलते स्वरूप का संबंध निम्नांकित कारकों में किस से नहीं है?
(a) व्यक्ति की उन्नति के लिए अधिक अवसर
(b) औद्योगिक एवं प्रौद्योगिक विकास
(c) आर्थिक - स्तर के सुधार के लिए वर्ग-निर्माण की कम आवश्यकता
(d) प्रतिस्पर्धा के माध्यम से सामाजिक प्रभुत्व बढ़ाना वर्ग संघर्ष की तुलना में सरल है।

उत्तर (c) संघर्षवादी सिद्धान्त के जनक कार्ल मार्क्स ने द्वन्द्वात्मक सिद्धान्त को भौतिक-आर्थिक अवस्थाओं में लागू करके संघर्ष का सिद्धान्त दिया। वर्तमान समय के संघर्ष के बदलते स्वरूप में आर्थिक सुधार के लिए वर्ग की प्रासंगिकता शून्य हो गयी है। वर्ग का निर्माण आर्थिक सुधार में बाधक है।

26. धन, शक्ति एवं प्रतिष्ठा की असमानता से उत्पन्न होने वाले प्रभावों को किस रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है?
(a) जीवन अवसर (b) जीवन शैली
(c) मूल्य एवं सिद्धांत (d) उपरोक्त सभी

उत्तर (d) धन, शक्ति एवं प्रतिष्ठा की असमानता से उत्पन्न होने वाले प्रभावों को जीवन अवसर, जीवनशैली तथा मूल्य एवं सिद्धान्त के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।

27. अभिकथन (A) : शोधकर्ता जो प्रश्नावलियों का उपयोग करते हैं, वे इन्हें अनुपाततः लोगों की ज्यादा गिनती से सम्बोधित भारी मात्रा में सामग्री जुटाने के लिए इन्हें तुलनात्मक दृष्टि से सस्ता, तेज एवं प्रभावशाली ढंग मानते हैं।
तर्क (R) : प्रश्नावलियाँ ऐसी सामग्री मुहैया करती हैं जिन्हें लक्षणबद्ध किया जा सकता है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
कोड:
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (b) प्रश्नावली प्रश्नों की एक सूची होती है जिसे शोधकर्ता उत्तरदाता के पास डाक के माध्यम से भेजता है तथा उत्तरदाता इन प्रश्नों का उत्तर देकर पुनः शोधकर्ता के पास भेज देता है। प्रश्नावली का प्रयोग व्यवहार परक शोधों में आँकड़े एकत्र करने के लिए तथा शोध समस्याओं का अध्ययन करने के लिए किया जाता है। यह अधिक सामग्री जुटाने वाला सस्ता तथा प्रभावशाली तरीका हैं इस प्रकार एकत्रित किये गये आँकड़ों को लक्षणबद्ध किया जा सकता है। अतः अभिकथन A तथा तर्क R सही है। एवं R अभिकथन A का सही स्पष्टिकरण है।

28. अभिकथन (A) : अल्पसंख्यक समूह अक्सर बहुसंख्यकों के प्रति अविश्वास व्यक्त करता है।
तर्क (R) : अल्पसंख्यक समूह प्रायः पूर्वाग्रह तथा पक्षपात के शिकार होते हैं।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
कोड :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

उत्तर (b) लुई विर्थ ने अल्पसंख्यक समूह को परिभाषित करते हुए लिखा है कि ''यह व्यक्तियों का एक ऐसा समूह है जिसे उनकी शारीरिक या सांस्कृतिक विशेषताओं के आधार पर उस समाज के अन्य व्यक्तियों से जिसमें वे रहते हैं, भेदभावपूर्ण और असमान व्यवहार करके इस प्रकार अलग-अलग कर दिया जाता है कि वे स्वयं यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि उनके साथ सामूहिक रूप से भेदभाव किया जा रहा है। (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

29. अभिकथन (A) : मार्क्स के अनुसार किसी व्यक्ति की किसी वर्ग में सदस्यता को उसकी आर्थिक व्यवस्था में स्थिति को देखकर ही निर्धारित किया जाता है।
तर्क (R) : वर्ग संघर्ष किसी एक वर्ग के दूसरे वर्ग द्वारा शोषण का आवश्यक प्रतिफल है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
कोड:
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (b) वर्ग से मार्क्स का अभिप्राय उन जन समूहों से है जिनकी परिभाषा उत्पादन की प्रक्रिया में उनकी भूमिका के द्वारा की जा सकती है। वर्ग ऐसे लोगों के समूहों को कहते है जो अपनी जीविका एक ही ढंग से कमाते हैं। अतः मार्क्स ने वर्ग का निर्धारण आर्थिक व्यवस्था के आधार पर किया है।
मार्क्स के अनुसार समाज में दो वर्ग पाये जाते हैं।
(1) शोषक वर्ग (2) शेषित वर्ग।
जब शोषक वर्ग की नीतियाँ शोषित वर्ग पर असहनीय हो जाती है। तब वर्ग संघर्ष शुरू हो जाता हैं अतः अभिकथन A तथा तर्क R सही है तथा तर्क R, A का सही स्पष्टीकरण है।

30. **अभिकथन** (A) : प्रकार्यवादी समाज को एक व्यवस्था के रूप में देखता है जिसका भाव है कि यह अन्तर्सम्बंधित भागों का समूह है जिनके समुच्चय से समग्रता का निर्माण होता है।
तर्क (R) : परिवार एवं धर्म सरीखी संस्थाओं का विश्लेषण एकाकी इकाइयों की बजाय सामाजिक व्यवस्था के एक अंग के रूप में किया जाता है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
कोड :
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (b) प्रकार्यवाद समाज को अन्तर्सम्बन्धित भागों की एक ऐसी स्वचालित व्यवस्था के रूप में देखने का सरल दृष्टिकोण है । समाजशास्त्र में प्रकार्य की अवधारणा का प्रयोग उन्नीसवीं शताब्दी में ऑगस्त कॉम्ट तथा हरबर्ट स्पेंसर द्वारा किया गया किन्तु इसे व्यवस्थित एवं एक वैज्ञानिक अवधारणा के रूप में प्रयोग किये जाने का श्रेय इमाईल दुर्खीम को जाता है।
सामाजिक व्यवस्था सिद्धान्त में किसी इकाई का अध्ययन उसके पृथक भागों के रूप में करने की अपेक्षा उसके सम्पूर्ण तथ्य उसके निर्णायक भागों के अन्तर्सम्बन्धों के सन्दर्भ में किया जाता है। अतः अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सही हैं परन्तु A का R सही स्पष्टीकरण है।

31. **अभिकथन** (A) : शिक्षा का मुख्य कार्य समाज के प्रबल संस्कृति का सम्प्रेषण करना है।
तर्क (R) : सांस्कृतिक लक्ष्यों एवं मूल्यों में भिन्न-भिन्न समाजों के बीच और यहाँ तक कि एक ही समाज के बीच भारी भिन्नता होती है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
कोड:
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (c) शिक्षा का मुख्य कार्य व्यक्ति को बेहतर बनाना है जिससे वह सुखी नैतिक और कुशल मानव बन सके। अतः अभिकथन A गलत है। मूल्य अधिकाशतः भावनाओं से भरे होते हैं क्योंकि उन बातों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिन्हे हम अच्छा मानते हैं और जिनकी रक्षा करना हम अपना कर्तव्य समझते हैं। भिन्न –भिन्न समाजों में मूल्य व लक्ष्य भिन्न-भिन्न होते है। अतः तर्क R सही है।

32. **अभिकथन** (A) : मार्क्स के अनुसार कुछ लोगों के द्वारा दूसरों के शोषण एवं उत्पीड़न की समाप्ति तब हो सकती है जब उत्पादन की शक्तियों का स्वामित्व सामुदायिक होगा।
तर्क (R) : शासक वर्ग अपनी शक्ति उत्पादन के साधनों के स्वामित्व तथा उन पर नियंत्रण से प्राप्त करता है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
कोड:
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

उत्तर (a) आधुनिक साम्यवाद के प्रणेता मार्क्स एवं एंजिल के अनुसार साम्यवाद एक ऐसा तंत्र अथवा व्यवस्था है जिसमें आर्थिक उत्पादन, वितरण और विनिमय के प्रमुख साधनों पर किसी व्यक्ति विशेष का स्वामित्व न होकर सम्पूर्ण समाज का स्वामित्व होता है। वे इस तंत्र की स्थापना की चरम परिणति सर्वहारा के अधिनायक तंत्र में देखते हैं। कार्ल मार्क्स के अनुसार पूंजीवादी समाज में स्वामित्व उनका होता है जो उत्पादन के साधनों पर स्वामित्व प्राप्त करते हैं। अतः अभिकथन A तथा तर्क R सही है। A का R सही स्पष्टीकरण है।

33. **अभिकथन** (A) : ऐसी स्थिति जहाँ किसी मनुष्य से दो अथवा इससे अधिक भूमिकाओं को निभाने कि मांग की जाती है जो परस्पर मेल नहीं खाते तो उसे भूमिका संघर्ष कहा जाएगा।
तर्क (R) : पारम्परिक समाजों में भूमिका संघर्ष सामान्यतया नहीं होती है क्योंकि ऐसी समाजों में प्रत्येक व्यक्ति सीमित भूमिकाओं को ही निभाता है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
कोड :
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (b) दो या दो से अधिक ऐसी भूमिकाओं के बीच असंगतता अथवा विरोधाभास की स्थिति, जिनके सम्बन्ध में एक व्यक्ति से किसी विचाराधीन स्थिति में सम्पादन किये जाने की आशा की जाती

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

है। भूमिका संघर्ष कहलाती है। पारम्परिक समाज एक सरल समाज होता है इन समाजों में श्रम विभाजन नहीं पाया जाता है अर्थात् एक व्यक्ति से अधिक भूमिका की अपेक्षा नहीं की जाती है अतः इन समाजों में भूमिका संघर्ष देखने को नहीं मिलता है।
अतः A और R दोनों सही हैं तथा A का R सही स्पष्टीकरण है।

34. अभिकथन (A) : सहभागी पर्यवेक्षक जिस वस्तु का अध्ययन करना चाहता है, वह उस की हर रोज की दिनचर्या में शामिल होता है।
तर्क (R) : पर्यवेक्षक यह प्रयत्न करता है कि क्रिया को उसके सामान्य, प्राकृतिक संदर्भ में ही देखा जाए।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजियेः
कोड :
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (b) अवलोकन विधि का एक रूप जिसमें शोधकर्ता अध्ययन किये जाने वाले समूह की गतिविधियों और कार्यकलापों में समूह के एक आंतरिक समूह के रूप में भाग लेते हुए उनका अध्ययन करता है। सहभागी अवलोकन कहलाता है। अवलोकन की इस तकनीक में शोधकर्त्ता अपनी पहचान गुप्त रखता है। अवलोकन का उद्देश्य है कि प्रत्येक सामाजिक घटना की प्राकृतिक एवं यथार्थ रूप में वर्णन किया जा सके। अतः अभिकथन (A) व तर्क (R) दोनों सही हैं तथा A का R सही स्पष्टीकरण है।

35. अभिकथन (A) : व्यक्तित्व प्रणाली का सामाजिक व्यवस्था में एकीकरण, सामाजीकरण तथा सामाजिक नियंत्रण के द्वारा होता है।
तर्क (R) : सामाजीकरण अभिकर्ताओं में प्रेरणा एवं दक्षता विकसित कर उन्हें भूमिका अदा करने में मदद करती है तथा सामाजिक नियंत्रण व्यक्तियों के बीच के संबंधों में स्थायित्वता लाती है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजियेः
कोड :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(d) (A) गलत है मगर (R) सही है।

उत्तर (a) सामाजिक नियंत्रण से तात्पर्य ऐसी विधियों या साधनों से है जिनके द्वारा किसी सामाजिक व्यवस्था में व्यक्तियों के विचारों, भावनाओं, आकांक्षाओं और व्यवहार को नियंत्रित करता है। यह व्यक्तियों तथा समूहों में एकता तथा स्थायित्व प्रदान करते हैं। अतः अभिकथन A तथा तर्क R सही है। तथा A का R सही स्पष्टीकरण है।

36. अभिकथन (A) : नृजातीयता के विकास में परंपरा का पुनर्निर्माण एक महत्वपूर्ण तत्व है।
तर्क (R) : परंपरा के पुनर्निर्माण का इस्तेमाल राष्ट्र निर्माण तथा आर्थिक विकास के औजार के रूप में किया जा सकता है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजियेः
कोडः
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(d) (A) गलत है मगर (R) सही है।

उत्तर (d) नृजातीयता एक ऐसी विशिष्ट एवं पृथक सामाजिक सांस्कृतिक श्रेणी है। जिसकी रचना समान भाषा, धर्म, प्रजाति (रंग - रूप) और संस्कृति (खान-पान, पहनावा) जैसे गुणों से होती है नृजातीयता में परम्परा का पुनर्निर्माण नहीं होता है। परन्तु परम्परा के पुनर्निर्माण का इस्तेमाल राष्ट्र निर्माण तथा आर्थिक विकास के औजार के रूप में किया जा सकता है। अतः A गलत है तथा R सही है।

37. निम्नांकित कथन एक दूसरे से संबंधित है। इन्हें अग्रताक्रम अथवा अनुक्रम के अनुसार व्यवस्थित करें।
(A) मौलिक जीवन अवसर की ओर असमान पहुँच
(B) खण्डीय समाज व्यवस्था
(C) असमान लाभों का पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तान्तरण
(D) सम्पत्ति की भिन्नता
कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर (d) कथनों का अनुक्रम इस प्रकार है-
सम्पत्ति की भिन्नता-असमान लाभों का पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तान्तरण-मौलिक जीवन अवसर की ओर असमान पहुँच-खन्डीय समाज व्यवस्था।

38. प्रकार्यवादी के क्षेत्र में अंशदान देने वाले निम्नलिखित चिन्तकों को कालक्रमानुसार सही क्रम में चिन्हित करें।
(a) पारसंस, मर्टन, दुर्खीम, स्पेन्सर
(b) मर्टन, दुर्खीम, स्पेन्सर, पारसंस
(c) पारसंस, स्पेन्सर, दुर्खीम, मर्टन
(d) स्पेन्सर, दुर्खीम, पारसंस, मर्टन

उत्तर (d) प्रकार्यवादी के क्षेत्र में अंशदान देने वाले प्रमुख चिंतक स्पेन्सर, दुर्खीम, पारसंस, मर्टन आदि प्रमुख हैं। जिन्होंने समाजशास्त्र को उपजाऊ बनाया है।
स्रोत - समाजशास्त्रीय विचारक- एस॰ एल॰ दोषी

39. निम्नलिखित अवधारणाओं को उस क्रम में प्रस्तुत करें जैसा टालकॉट पारसन्स ने अपने समाज व्यवस्था के सिद्धांत में क्रमबद्ध किया है।
(A) अव्यक्तता (B) एकीकरण
(C) अनुकूलन (D) लक्ष्य-प्राप्ति
कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(d) (iv) (iii) (ii) (i)

उत्तर (c) आधुनिक अमेरिकी अग्रणी समाजशास्त्रियों में टालकॉट पारसंस की गणना एक दिग्गज सिद्धान्तकार के रूप में की जाती है। टालकॉट पारसन्स ने किसी सामाजिक व्यवस्था को बनाये रखने के लिए चार प्रकार्यात्मक पूर्व अपेक्षायें बतायी, जो निम्नलिखित है–
अनुकूलन – लक्ष्य प्राप्ति – एकीकरण - यथास्थिति (अव्यक्तता)

40. बढ़ती जटिलता के क्रमानुसार निम्नांकित अवधारणाओं को प्रस्तुत करें।
(a) राज्य, समाज, समुदाय, संघ
(b) समुदाय, संघ, समाज, राज्य
(c) संघ, राज्य, समुदाय, समाज
(d) समाज, राज्य, समुदाय, संघ

उत्तर (b) बढ़ती हुई जटिलता के अनुसार अवधारणाओं का क्रम इस प्रकार है-
समुदाय – संघ – समाज - राज्य
समुदाय– व्यक्तियों का एक ऐसा समूह जो एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में रहता हो, जिनमें हम की भावना पायी जाती हो तथा उनमें पारस्परिकता हो, समुदाय कहलाता है।
संघ– एक ऐसे समूह को संघ/समिति कहते हैं जिसकी रचना जानबूझकर किन्ही विशिष्ट उद्देश्यों या क्रियाओं को पूरा करने के लिए की जाती है।
समाज– समाज परिपाटियों, कार्यविधियों, सत्ता पारस्परिक सहयोग, अनेक समूहों एवं वर्गों, मानवीय व्यवहारों के नियंत्रण और स्वतंत्रताओं की एक व्यवस्था है।
राज्य– समाज का वह पक्ष, अभिकरण अथवा संस्था, राज्य के नाम से जानी जाती है जिसे किसी निर्दिष्ट क्षेत्र पर शारीरिक शक्ति के प्रयोग का वैधानिक एकाधिकार प्राप्त होता है।

41. निम्नलिखित अवधारणाओं को उसी तार्किक क्रम में रखें जिस प्रकार रॉल्फ डेहरेण्डॉर्फ ने अपने संघर्ष के सिद्धांत में रखा है।
(A) हित समूह (B) शासक एवं शासित
(C) संघर्ष (D) आवश्यकरणीय समन्वित समूह
कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(b)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(c)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(d)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

उत्तर (d) राल्फ डेहरेण्डॉर्फ ने अपने संघर्ष सिद्धांत में संरचनात्मक कारणों को ढूढ़ने का यत्न किया है। उनके अनुसार आर्थिक सम्बन्ध ही संघर्ष का कारण नहीं है अपितु सत्ता-शक्ति के सम्बन्ध भी संघर्ष को जन्म देते हैं। उन्होंने अपने अवधारणाओं को तार्किक क्रम में आवश्यकरणीय समन्वित समूह, शासक एवं शासित, हित समूह, तथा संघर्ष को रखा है।

42. निम्नलिखित प्रत्ययों को उनके लेखकों से जोड़े।

	प्रत्यय		लेखक
(A)	प्रतिमान चर	i	परेटो
(B)	सामाजिक क्रिया के प्रकार	ii	टालकॉट पारसन्स
(C)	तार्किक एवं अतार्किक क्रियाएँ	iii	जी॰ एच॰ मीड
(D)	प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद	iv	मैक्स वेबर

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर (a) सही सुमेलन निम्न प्रकार है-

(प्रत्यय)		**(लेखक)**
प्रतिमान चर	-	टालकॉट पारसन्स
सामाजिक क्रिया के प्रकार	-	मैक्स वेबर
तार्किक एवं अतार्किक क्रियाएँ	-	परेटो
प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद	-	जी. एच. मीड

43. निम्नलिखित अवधारणाओं को उनके लेखकों से जोड़े।

	सूची-I लेखक		सूची-II अवधारणा
(A)	परेटो	i	संघर्ष
(B)	ब्लूमर	ii	सामाजिक क्रिया
(C)	कॉलिंस	iii	संरचनावाद
(D)	नेंडल	iv	प्रतीकात्मक अन्तर्कियावाद

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(b)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(c)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(d)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)

उत्तर (c) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(लेखक)	**(अवधारणा)**
परेटो	- सामाजिक क्रिया
ब्लूमर	- प्रतीकात्मक अन्तर्क्रियावाद
कॉलिंस	- संघर्ष
नेंडल	- संरचनावाद

44. निम्नलिखित अवधारणाओं को इस क्रम में प्रस्तुत करें, जिस क्रम में इनका समाजशास्त्र में पहली बार प्रयोग हुआ था।
(A) प्राथमिक समूह (प्राइमरी ग्रुप)
(B) जैसेलशाफ्ट
(C) नौकरशाही (ल्युरोक्रैसी)
(D) सामाजिक तथ्य (सोसल फैक्ट)
कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर (d) प्रश्नगत अवधारणाओं का क्रम समाजशास्त्र में पहली बार जिस क्रम में प्रस्तुत हुआ वह निम्नवत है-
1. जैसेलशाफ्ट 2. प्राथमिक समूह 3. सामाजिक तथ्य 4. नौकरशाही

45. लेखकों को उनके पुस्तक से जोड़ें–

	लेखक		पुस्तक
(A)	लेविस कोजर	i	द फंक्शन्स ऑफ सोशल कांफ्लिक्ट

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(B)	रॉल्फ डेहरेनडॉर्फ	ii	क्लास एण्ड क्लास कांफ्लिक्ट इन एन इण्डस्ट्रियल सोसाइटी
(C)	कार्ल मार्क्स और एफ० ऐंजेल्स	iii	द कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो
(D)	रैनडॉल कॉलिंस	iv	कांफ्लिक्ट सोशियोलॉजी

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर (c) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(लेखक)		**(पुस्तक)**
लेविस कोजर	-	द फंक्शन ऑफ सोशल कांफ्लिक्ट
राल्फ डेहरेंडॉर्फ	-	क्लास एण्ड क्लास कांफ्लिक्ट इन एन इण्डस्ट्रियल सोसाइटी
कार्ल मार्क्स और एफ. ऐंजेल्स	-	द कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो
रैनडॉल कोलिंस		कांफ्लिक्ट सोशियोलॉजी

निर्देश (46-50)- निम्नांकित गद्यांश को पढ़िए और इस गद्यांश की समझ पर आधारित प्रश्नों का उत्तर दीजिए-

अब ये देखने का समय है कि शिक्षा वस्तुतः हमारे समाज में क्या कार्य कर रही हैं ऐसा करते समय हमें शिक्षा के सचेत लक्ष्यों तथा शैक्षिक संगठन के अनचाहे परिणामों में भेद करना होगा। शिक्षा द्वारा सिखलाए जाने वाले मूल्यों और सिद्ध-हस्ताओं (स्किल्स) के महत्व का परीक्षण करने से हम इसका प्रारम्भ कर सकते हैं। शिक्षा, अर्थव्यवस्था एवं समाज के बीच एक निश्चित कड़ी है और प्रत्येक के विकास पर अन्य का प्रभाव पड़ता है, मगर हमें यह अधिक स्पष्टता से यह समझने की आवश्यकता है कि इनके बीच रिश्तों का स्वरूप क्या है।

सिद्धहस्ताओं (स्किल्स) को पहले लिया जा सकता है। शिक्षा उन कार्यों में कुशलता प्रदान करती है जिनकी अर्थव्यवस्था में आवश्यकता होती है। इसके पूर्ण महत्व को प्रायः भुला दिया जाता है।

अर्थव्यवस्था और शिक्षा के बीच का संबंध सटीक हो सकता है। उदाहरणतः इंजीनियरी फर्मों की गिनती एवं उनका उत्पादन-सामर्थ्य शिक्षा द्वारा तैयार किए गए इंजीनियरों की गिनती पर निर्भर है। यही बात अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों पर लागू होती है। शिक्षा एवं अर्थव्यवस्था के बीच इस सटीक संबंध से अभिप्राय यह है कि आधुनिक नियोजित अर्थव्यवस्था में समाज की आर्थिक एवं सामाजिक आवश्यकताओं के अनुसार प्रबुद्ध प्रयास द्वारा सिद्ध हस्त व्यक्ति (स्किल्ड प्यूपल) तैयार किए जाएँ। डॉक्टरों, वैज्ञानिकों, अध्यापकों आदि को किस गिनती में तैयार किया जाए इसकी योजना अनिवार्यता, ऐसा प्रायः होता है, बहुत पहले बना ली जाए ताकि सम्भावित आर्थिक एवं सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

शिक्षा के अन्तर्गत सीखी सिद्धहस्ताओं (स्किल्ड) का, उस सीमित आर्थिक महत्व, जिसकी चर्चा हम अब तक करते आए हैं, की अपेक्षा ज्यादा विस्तृत महत्व है। एक विकासशील देश को लीजिए। ऐसे देश का आवश्यक लक्ष्य यह है कि सहभागी प्रजातंत्र को बढ़ावा दिया जाए। किसी विशाल एवं जटिल समाज में सहभागी प्रजातंत्र साक्षरता पर निर्भर करता है। साक्षरता जन-माध्यमों एवं प्रभावी मतदान में भाग लेना सिखाती हैं साक्षरता शिक्षा की उपज है। इस प्रकार किसी शैक्षिक व्यवस्था की स्थिति का राजनीतिक एवं आर्थिक महत्व होता है।

शिक्षा का महत्व इसलिए भी है कि वह मूल्यों को सिखलाती है। बहुत से विकासशील देशों में स्कूल पाठ्यक्रम का बड़ा भारी भाग उन कोर्सों और सामग्री के इर्द-गिर्द संगठित किया जाता है जिसे राष्ट्रीय एकता के मूल्यों की सिखलाई देने के लिए बनाया जाता है। राष्ट्रीय संकल्प को बनाने वाले जातीय समूहों के इतिहास एवं रीति-रिवाज की ओर उदाहरणतः बहुत ध्यान दिया जाता है। बहुत से राष्ट्रों में, जिनके सम्मुख भिन्न-भिन्न जन-समूहों को एक साथ रखने की समस्या है अथवा जो भिन्न-भिन्न भौगोलिक क्षेत्रों को इकट्ठा रखने की समस्या से जूझ रहे हैं, उनकी शैक्षिक व्यवस्था पर राज्य का कड़ा निरीक्षण रहता है और राज्य ही साझा राष्ट्रीय मूल्यों को सचेत रूप में संचारित करता है। इस प्रकार शिक्षा समाज में ऐसे मूल्यों का संचार करके समाज के भिन्न-भिन्न समूहों को जोड़ने के लिए एकीकरण की शक्ति बन सकती है।

46. लेखक का मूल लक्ष्य यह परीक्षण करना है कि-
(a) शिक्षा एवं समाज में परस्पर क्या संबंध है
(b) शिक्षा के प्रमुख कार्य
(c) शिक्षा एवं अर्थव्यवस्था के पारस्परिक संबंध
(d) शिक्षा की राजनीति

उत्तर (a)

47. उपरोक्त गद्यांश के अनुसार निम्नलिखित में से शिक्षा के कौन-कौन से कार्य हैं?
i. मूल्यों एवं सिद्धहस्ताओं (स्किल्ड) की सिखलाई देना।
ii. औद्योगिक विकास को सुगम बनाना।
iii. राजनीतिक चेतना को जागृत करना।
(a) केवल (i)   (b) केवल (ii)
(c) केवल (iii)   (d) उपरोक्त सभी

उत्तर (d)

48. विकासशील देशों में तीव्र शैक्षिक कार्यक्रम के अनचाहे परिणाम हैं-
(a) तीव्र औद्योगिक उन्नति
(b) सामाजिक तनाव में वृद्धि
(c) सामन्तीय समूहों का राजनीतिक संचालन
(d) साक्षरता की दर में वृद्धि

उत्तर (c)

49. उक्त गद्यांश में उठाए गए प्रश्नों को उचित रूप से इस तर्क के पक्ष में प्रयुक्त किया जा सकता है-
(a) प्रारम्भिक शिक्षा के लिए और अधिक धन मुहैया करना
(b) तकनीकी शिक्षा का प्रसार

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) नारी शिक्षा पर अधिक बल
(d) शिक्षा की समग्र उन्नति

उत्तर (d)

50. राज्य द्वारा शिक्षा के निरीक्षण कर लेखक ने पक्ष लिया ताकि उपलब्ध हो-

(a) राष्ट्रीय एकता (b) भौगोलिक एकता
(c) जन समूहों में समानता (d) सामाजिक साहचर्य

उत्तर (a)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2007
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्नलिखित में से किसने समाजशास्त्र को सामाजिक क्रिया की व्याख्यात्मक समझ के रूप में परिभाषित किया है?
(a) हरबर्ट स्पेंसर (b) ऑगस्ट कॉम्टे
(c) इमाईल दुर्खीम (d) मैक्स वेबर

उत्तर (d) मैक्स वेबर ने सर्वप्रथम समाजशास्त्र में सामाजिक क्रिया की व्याख्यात्मक समझ के रूप में परिभाषित किया है। कोई भी मानव अभिवृत्ति या गतिविधि जिसके साथ कर्ता अपना व्यक्तिनिष्ठ अर्थ सम्मिलित करता है वह सामाजिक क्रिया कहलाती है।

2. एक प्राथमिक समूह से बना होता है।
(a) लघु इकाई (b) विशाल जनसंख्या
(c) सुदूरवर्ती (d) औपचारिक सदस्यता

उत्तर (a) एक प्राथमिक समूह लघु इकाई से बना होता है। जिसमें सम्बन्ध आमने-सामने का होता है। सम्बन्ध भावना पर आधारित होता है। प्राथमिक समूह की अवधारणा का प्रयोग चार्ल्स कूले ने पुस्तक 'सोशल आर्गनाइजेशन' में प्रस्तुत किया।

3. निम्नलिखित में से किसने ''अन्तर्समूह' तथा 'बाह्य समूह' की सुविस्तृत चर्चा की है?
(a) आर० के० मर्टन (b) सी० एच० कूले
(c) जी० सी० होम्स (d) आर० के० मुखर्जी

उत्तर (a) ''अन्तःसमूह' तथा 'बाह्य समूह' की अवधारणा समनर की है। परन्तु मर्टन ने इसकी विस्तृत व्याख्या अपने संदर्भ समूह के अध्ययन के संदर्भ में की है। उनका निष्कर्ष है कि एक व्यक्ति का संदर्भ समूह उसका अपना अन्तःसमूह हो सकता है जिसका कि वह वास्तव में सदस्य है और वह बाह्य समूह भी हो सकता है जिसका की वह सदस्य नहीं है। मर्टन के अनुसार संदर्भ समूह का सिद्धान्त यह बताता है कि व्यक्ति अन्तःसमूह अथवा बाह्य समूह को किस प्रकार अपने व्यवहार का निर्देशक मानने लगता है और उस समूह से अपना संदर्भ स्थापित कर लेता है।

4. मानव समाज के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए 'सोशियोलॉजी' पद का सर्वप्रथम प्रयोग...ने किया था।
(a) हरबर्ट स्पेंसर (b) ए० कॉम्ट
(c) अरिस्टॉटल (अरस्तू) (d) ई० दुर्खीम

उत्तर (b) ऑगस्त कॉम्ट प्रत्यक्षवाद के जनक माने जाते हैं। उन्होंने मानव समाज के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए सोशियोलॉजी पद का सर्वप्रथम प्रयोग किया था।

5. निम्नलिखित में से कौन समुदाय का एक तत्व नहीं है?
(a) हम भावना
(b) अधिक्षेत्र
(c) सांस्कृतिक विविधता
(d) आत्म निर्भरता

उत्तर (c) सांस्कृतिक विविधता समुदाय का एक तत्व नहीं है। बोगार्डस के अनुसार, समुदाय एक ऐसा सामाजिक समूह है जिसमें कुछ अंशों तक हम की भावना पायी जाती है तथा जो एक निश्चित क्षेत्र में रहता है।

6. कुछ लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए व्यक्तियों द्वारा गठित एक संगठन को .... कहते हैं।
(a) समाज (b) संघ
(c) संस्था (d) समुदाय

उत्तर (b) कुछ लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए व्यक्तियों द्वारा गठित एक संगठन को संघ अथवा समिति कहते हैं। मैकाइवर एवं पेज के अनुसार, नवीन समाजों में विशिष्ट हितों की पूर्ति के लिए जो समूह संगठित किये जाते हैं, समिति कहलाते हैं।

7. निम्नलिखित में से किसे सार्वभौम समाज संस्था के रूप में जाना जाता है?
(a) जाति (b) धर्म
(c) परिवार (d) जनजाति

उत्तर (c) परिवार को ही सार्वभौम सामाजिक संस्था के रूप में जाना जाता है। पीटर मर्डाक ने अपनी पुस्तक 'Social Structure' में परिवार को एक सार्वभौम सामाजिक संस्था कहा है। यह सभी समाजों और सभी कालों में पाया जाता रहा है। परिवार ही एक बालक का समाजीकरण कर उसे मानव बनाकर समाज को समर्पित करता है।

8. निम्न वर्ग संस्कृति ....का एक उदाहरण है।
(a) प्रति संस्कृति (b) परि संस्कृति
(c) उप संस्कृति (d) प्रभुत्व संस्कृति

उत्तर (c) जैविक, आर्थिक, क्षेत्रीय या सामाजिक आधार पर बने किसी समूह की सांस्कृतिक विशिष्टताओं के कुल योग को उपसंस्कृति कहते हैं, जैसे–महिलाओं, बूढ़ों, किसानों, मजदूरों आदि की संस्कृति।

9. .... जाति-प्रथा का मूलभूत अभिलक्षण है।
(a) समानता (b) पदानुक्रम
(c) समान प्रस्थिति (d) खुलापन

उत्तर (b) पदानुक्रम जाति व्यवस्था का मूलभूत अभिलक्षण है। जे. एच. हट्टन के अनुसार ''जाति एक ऐसी व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत एक समाज कई-कई स्व-केन्द्रित एवं एक दूसरे से पूर्णतः अलग इकाईयों (जातियों) में बँटा होता है। इन जातियों के मध्य पारस्परिक सम्बन्ध उच्चता एवं निम्नता पर आधारित सांस्कृतिक रूप से निर्धारित होता है।

10. आर० के० मर्टन के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा एक संदर्भ समूह के आधार पर निर्माण करता है?
(a) सापेक्षिक समानता (b) सापेक्षिक कठिनाइयाँ
(c) सापेक्षिक साहचर्य (d) सापेक्षिक वंचना

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (d) सन्दर्भ समूह एक ऐसा समूह है जिसका व्यक्ति तुलना के लिए एक प्रामाणिक समूह के रूप में प्रयोग करता है। सन्दर्भ समूह का सर्वप्रथम प्रयोग हाइमन ने वर्ष 1942 ई० में एक लेख 'साइकोलॉजी ऑफ स्टेटस' में किया था।

11. 'रोल-सेट' की अवधारणा का प्रतिपादन किसने किया?
(a) टालकॉट पार्सन्स (b) आर० के० मर्टन
(c) मैक्स वेबर (d) ए० आर० रैडक्लिफ-ब्राउन

उत्तर (b) रोल सेट की अवधारणा का प्रतिपादन आर० के० मर्टन ने किया है। एक विशिष्ट सामाजिक प्रस्थिति के साथ जुड़ी हुई भूमिकाओं के समुच्चय को भूमिका-पुंज कहते हैं। किसी भी सामाजिक प्रस्थिति में एक व्यक्ति अनेक सामाजिक सम्बन्धों से घिरा रहता है। जो कि व्यक्तियों के लिए उस सामाजिक प्रस्थितियों में सर्वदा अथवा सामान्यतः आवश्यक होते हैं।

12. 'ह्यूमन सोसाइटी' का लेखक निम्नलिखित में से कौन है?
(a) टी० पार्सन्स (b) आर० के० मर्टन
(c) के० डेविस (d) मैकाइवर

उत्तर (c) ह्यूमन सोसाइटी के लेखक के० डेविस है। समाज शास्त्र के आम पाठकों के बीच किंग्सले डेविस विशेष रूप में अपनी पुस्तक 'मानव समाज' के लिए जाने जाते हैं।

13. सामाजिक मानदण्ड कौन निर्धारित करता है?
(a) राज्य (b) धर्म
(c) समाज (d) विशिष्ट जन वर्ग

उत्तर (c) सामाजिक मानदण्ड **समाज** ही निर्धारित करता है और समाज का अनुरक्षण सामाजिक मानदण्डों द्वारा सुनिश्चित होता है।

14. समाजशास्त्र की भाषा में मूल्य (वैल्यू) को सन्दर्भित करता है।
(a) आचरण का मानदण्ड (b) सामाजिक निष्पादन
(c) सुसंस्कृत व्यक्ति के गुण (d) आदर्श

उत्तर (a) समाजशास्त्र की भाषा में मूल्य आचरण के मानदण्ड के रूप में सन्दर्भित है। सामाजिक मूल्य वे मानक या धारणायें हैं जिनके आधार पर हम किसी व्यक्ति के व्यवहार, वस्तु के गुण, लक्ष्य साधन एवं भावनाओं आदि को उचित या अनुचित अथवा अच्छा या बुरा ठहराते हैं।

15. एक पुरुष के दो या अधिक स्त्रियों से विवाह को कहते हैं।
(a) बहु-पत्नी विवाह (b) एक विवाह
(c) बहुपति विवाह (d) पैतृक बहुपति विवाह

उत्तर (a) एक पुरुष के दो या अधिक स्त्रियों से विवाह को **बहु-पत्नी** विवाह कहते है। बहुपति विवाह का एक विशिष्ट रूप भ्रातृक बहुपतित्व के नाम से जाना जाता है। जिसमें एक स्त्री से विवाह करने वाले सभी व्यक्ति आपस में भाई होते हैं।

16. इनमें से किसमें बहुपतिविवाह की प्रथा प्रचलित है?
(a) पालियान (b) संथाल
(c) टोडा (d) जाट

उत्तर (c) टोडा में बहुपति विवाह की प्रथा प्रचलित है। एक स्त्री के एक समय में एकाधिक पति होने की प्रथा बहुपति विवाह कहलाती है। पत्नी एक और पति अनेक की यह प्रथा भारत में उत्तर प्रदेश के जौनसार-बाबर क्षेत्र के निवासी खस जनजाति तथा दक्षिण में नीलगिरि पर्वत पर निवास करने वाली टोडा जनजाति में पाई जाती है।

17. सामाजिक स्तरीकरण के मापदण्ड है-
(i) शक्ति प्रतिष्ठा
(ii) प्रतिष्ठा, पद
(iii) शक्ति, पद
(iv) शक्ति, पद, प्रतिष्ठा
(a) केवल (i) सही है। (b) (ii) तथा (iii) सही है
(c) (iii) तथा (i) सही है (d) केवल (iv) सही है

उत्तर (d) शक्ति, पद तथा प्रतिष्ठा सामाजिक स्तरीकरण के मापदण्ड है। जिसबर्ट के अनुसार, सामाजिक स्तरीकरण समाज का उन स्थायी समूहों तथा श्रेणियों में विभाजन है जो परस्पर श्रेष्ठता एवं अधीनता के सम्बन्धों द्वारा सम्बद्ध होते हैं।

18. सूची - I में दी गई मदों को सूची - II में दी गई मदों से मिलाइए-

	सूची - I (अधिनियम)		सूची - II (वर्ष)
A	घरेलू हिंसा अधिनियम	1	1954
B	हिन्दू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम	2	1961
C	शारदा ऐक्ट	3	2006
D	दहेज निषेध अधिनियम	4	1926
		5	1929

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(3)	(1)	(5)	(2)
(b)	(4)	(5)	(3)	(2)
(c)	(1)	(2)	(3)	(4)
(d)	(2)	(3)	(1)	(5)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अधिनियम)		(वर्ष)
घरेलू हिंसा अधिनियम (लागू)	–	2006
हिन्दू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम	–	1954
शारदा ऐक्ट	–	1929
दहेज निषेध अधिनियम	–	1961

19. प्रत्याशित समाजीकरण.............. को जन्म देता है।
(a) संघर्ष
(b) व्यक्तित्व का विघटन
(c) मानदण्ड हीनता
(d) ऊर्ध्वगामी सामाजिक गतिशीलता

उत्तर (d) प्रत्याशित समाजीकरण ऊर्ध्वगामी सामाजिक गतिशीलता को जन्म देता है । भविष्य में जो स्थिति आने वाली है उसके लिए पहले से अभ्यास या तैयारी करना या उन व्यवहारों को सीखना ही प्रत्याशित समाजीकरण है। उदाहरण– यदि एक व्यक्ति पति, पिता, अफसर आदि बनने से पूर्व ही उनसे सम्बन्धित व्यवहारों को सीखता है तो वह पूर्वाभ्यासी (प्रत्याशित) समाजीकरण की स्थिति में है।

20. जाति के प्रति सामाजिक स्तरीकरण के वेबेरियन मॉडल का उपयोग........के द्वारा किया गया।
(a) एम० एन० श्रीनिवास (b) एस० सी० दुबे
(c) जी० एस० घुरिये (d) आन्द्रे बेतेई

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (d) जाति के प्रति सामाजिक स्तरीकरण के वेबेरियन मॉडल का उपयोग आन्द्रे बेतेई के द्वारा किया गया है। इनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'कास्ट, क्लास एण्ड पॉवर' है।

21. ब्लूमर के अनुसार निम्नलिखित में से कौन एक 'सामाजिक कृत्य' नहीं है?
(a) विवाह (b) डायरी लिखना
(c) पारिवारिक रात्रि-भोज (d) शैक्षणिक पर्यटन

उत्तर (b) डायरी लिखना सामाजिक कृत्य नहीं है। बल्कि यह व्यक्तिनिष्ठ पहलू को समावेश करता है। जब तक किसी कार्य में सामूहिकता कृत्य नहीं जुड़ेगा तब तक वह कार्य सामाजिक कृत्य नहीं माना जायेगा।

22. निम्नलिखित में से कौन-सा समाजशास्त्र में मैक्स वेबर का योगदान है?
(a) धर्म के क्रम विकास का सिद्धांत
(b) सामाजिक रूपान्तरण में मूल्यों की भूमिका
(c) संघर्ष का सामाजिक कार्य तथा कारणत्व
(d) मानव व्यवहार को सँवारने में आनुवंशिकता की भूमिका

उत्तर (b) मैक्स वेबर ने प्रोटेस्टेंट नैतिकता को यूरोप के पूँजीवाद का कारण माना है क्योंकि मूल्यों का स्रोत धर्म है अतः दुनिया के आर्थिक व्यवहार एवं उसमें आये परिवर्तन के लिए वेबर ने विश्व के छः महान धर्मों (कन्फ्यूशियन, हिन्दू, बौद्ध ईसाई, इस्लाम तथा यहूदी) का अध्ययन किया और उस धर्म विशेष को मानने वाले लोगों के आर्थिक तथा सामाजिक संगठन पर पड़ने वाले, प्रभावों को सिद्ध किया।

23. डेहरेण्डॉर्फ के लिए वर्ग संघर्ष .... से संबंधित है।
(a) सामाजिक प्रणालियों
(b) सामाजिक संगठनों
(c) अनिवार्यतः समन्वित संघों
(d) साम्राज्यवादी समाजों

उत्तर (c) डेहरेण्डॉर्फ के लिए वर्ग संघर्ष अनिवार्यतः समन्वित संघों से संबंधित है।

24. आर० के० मर्टन के अनुसार दुष्क्रिया का अर्थ है-
(a) किसी गतिविधि के अनुपयोगी नतीजे
(b) किसी गतिविधि के नकारात्मक नजीजे
(c) किसी गतिविधि के अनेक नतीजे
(d) किसी गतिविधि के अप्रासंगिक नतीजे

उत्तर (b) बीसवीं शताब्दी के अमेरिकी समाजशास्त्र में मर्टन की गणना अग्रणी समाजशास्त्रियों में की जाती है। मर्टन के अनुसार दुष्क्रिया का अर्थ किसी गतिविधि के नकारात्मक नतीजे परिलक्षित होने से है।

25. निम्नलिखित अवधारणाओं तथा लेखकों को सुमेलित करें-

	सूची - I (अवधारणा)		सूची - II (लेखक)
A	अतिरिक्त मूल्य	1	परेटो
B	सामाजिक तथ्य	2	वेबर
C	तर्कसंगत कार्य	3	दुर्खीम
D	आदर्श कोटि	4	कार्ल मार्क्स

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(4)	(3)	(1)	(2)
(b)	(2)	(4)	(3)	(1)
(c)	(3)	(2)	(1)	(4)
(d)	(1)	(2)	(3)	(4)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणाएँ)	(लेखक)
अतिरिक्त मूल्य	- कार्ल मार्क्स
सामाजिक तथ्य	- इमाईल दुर्खीम
तर्क संगत कार्य	- परेटो
आदर्श कोटि	- वेबर

26. दुर्खीम का प्रतिपादन स्पष्टतः ....के साथ उन्नीसवीं सदी की बौद्धिक तल्लीनता से प्रभावित है।
(a) नृजाति विज्ञान (b) जीव विज्ञान
(c) मनोविज्ञान (d) दर्शन शास्त्र

उत्तर (d) दुर्खीम समाजशास्त्र के वास्तविक पिता माने जाते हैं। दुर्खीम का प्रतिपादन स्पष्टतः दर्शनशास्त्र के साथ उन्नीसवीं सदी की बौद्धिक तल्लीनता से प्रभावित है।

27. नीचे दिए गए वक्तव्यों के आलोक में दिए गए कूट से सही उत्तर दें-
(i) शिक्षा में संघर्ष सिद्धांत यह प्रतिपादित करता है कि शिक्षा एक प्रच्छन्न कार्यसूची से अभिलक्षित है।
(ii) शिक्षा में संघर्ष सिद्धांत समाज में शिक्षा की भूमिका को अनुमोदित नहीं करता।
(iii) शिक्षा में संघर्ष सिद्धांत व्यक्ति के विकास में शैक्षिक योगदान की उपेक्षा करता है।
(iv) शिक्षा में संघर्ष सिद्धांत समकारी के रूप में शिक्षा को पूर्णतया अस्वीकृत करता है।
(a) केवल (i) सही है।
(b) (ii) तथा (iii) सही है
(c) केवल (iv) सही है
(d) (i). (ii) तथा (iii) सही है।

उत्तर (a) शिक्षा में संघर्ष सिद्धान्त यह प्रतिपादित करता है कि शिक्षा एक प्रच्छन्न कार्यसूची से अभिलक्षित है, सही है क्योंकि संघर्ष सिद्धान्त मानता है कि पूँजीवाद शिक्षा की प्रछन्न कार्य सूची (Hidden Curriculum) है। यह असमानता बढ़ाती है एवं शोषक वर्ग के हितों को संरक्षित रखती है। संघर्ष सिद्धान्त इसे ही पूँजीवादी समाज में शिक्षा की भूमिका मानता है।

28. निम्नलिखित अवधारणाओं को उनसे संबंधित विद्वानों के साथ सुमेलित करें-

	सूची - I (अवधारणा)		सूची - II (विद्वान)
A	टोटकावाद	1	डेहरेण्डॉर्फ
B	तार्किक एवं अतार्किक कृत्य	2	कोलिंस
C	संघर्ष की संगठनात्मक स्थली	3	परेटो
D	अनिवार्यतः समन्वित संघ	4	दुर्खीम

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(1)	(3)	(2)	(4)
(b)	(4)	(3)	(1)	(2)
(c)	(2)	(4)	(3)	(1)
(d)	(3)	(2)	(4)	(1)

उत्तर (*) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणाएँ)	**(विद्वान्)**
टोटकावाद	- दुर्खीम
तार्किक एवं अतार्किक कृत्य	- परेटो
संघर्ष की संगठनात्मक स्थली	- कॉलिन्स
अनिवार्यतः समन्वित संघ	- डेहरेण्डॉर्फ

29. जनजाति समुदाय आदिमकालीन धर्म को मानता है जिसे समाजशास्त्रीय बोलचाल में .... कहा जाता है।

(a) टोटकावाद (b) जीववाद
(c) साम्यवाद (d) समाजवाद

उत्तर (a) जनजाति समुदाय आदिमकालीन धर्म को मानता है जिसे समाजशास्त्रीय बोलचाल में टोटकावाद कहा जाता है।

30. नीचे दिए गए वक्तव्यों पर विचार करें तथा सही वक्तव्य को चुनें-

(i) सारे अन्तर्क्रियावादी सिद्धांत जी॰ एच॰ मीड द्वारा दिए गए सैद्धान्तिक संश्लेषण से कर्षित हैं।
(ii) अन्तर्क्रियावादी सिद्धांतीकरण विविधता को नहीं बल्कि एकता को उद्घाटित करता है।
(iii) एक सैद्धांतिक परिदृश्य के रूप में प्रतीकात्मक अन्तर्क्रियावाद के बारे में कोई सुस्पष्ट विवाद नहीं है।

(a) केवल (i) सही है। (b) केवल (ii) सही है
(c) (ii) और (iii) सही है (d) उपरोक्त सभी सही है।

उत्तर (d) अन्तःक्रिया के क्षेत्र में जार्ज हरबर्ट मीड का नाम पूरे सम्मान के साथ लिया जाता है। आज प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद सिद्धान्त में जो कई अवधारणायें, तर्क एवं रणनीति पायी जाती हैं जिसका उद्‌गम मीड के सिद्धान्त से है।

31. टी॰ पारसन्स ने सामाजिक प्रणाली की प्रकार्यात्मक पूर्वापेक्षाओं को निम्नलिखित में से किस क्रम में दिया है?

(a) लक्ष्य प्राप्ति, एकीकरण, अनुकूलन, पैटर्न कायम रखना
(b) अनुकूलन, एकीकरण, पैटर्न कायम रखना, लक्ष्य प्राप्ति
(c) अनुकूलन, लक्ष्य प्राप्ति, एकीकरण, पैटर्न कायम रखना
(d) एकीकरण, पैटर्न कायम रखना, लक्ष्य प्राप्ति, अनुकूलन

उत्तर (c) टी॰ पारसंस की गणना एक दिग्गज सिद्धांतकार आधुनिक अमेरिकी समाजशास्त्री के रूप में की जाती है। टी॰ पारसंस ने सामाजिक प्रणाली को प्रकार्यात्मक पूर्वपेक्षाओं को अनुकूलन, लक्ष्यप्राप्ति, एकीकरण तथा पैटर्न कायम रखने के क्रम में दिया है।

32. निम्नलिखित में से किसने 'आवश्यकता' पद के स्थानापन्न के रूप में 'अस्तित्व की आवश्यक शर्तें' पद के पक्ष में तर्क दिया है?

(a) लेवी स्ट्रास (b) ए॰ आर॰ रैडक्लिफ-ब्राउन
(c) रॉल्फ नॉडेल (d) दुर्खीम

उत्तर (b) रैडक्लिफ ब्राउन के अनुसार सामाजिक संरचना को प्रकार्य के सन्दर्भ में ही समझा जा सकता है तथा प्रकार्य को संरचना के सन्दर्भ में ही सार्थकता मिलती है। संयुक्त रूप से दोनों संरचनात्मक प्रकार्यात्मक स्वरूप का निर्माण करते हैं। दुर्खीम ने प्रकार्य की अवधारणा का प्रयोग मानव की आवश्यकताओं के सन्दर्भ में किया। वहीं रैडक्लिफ ब्राउन ने आवश्यकताओं के स्थान पर अस्तित्व की अनिवार्य स्थितियों जैसे शब्दों का प्रयोग किया है।

33. अभिकथन (A) : वियतनाम युद्ध के समय अमेरिकी समाज सक्रियाशील नहीं था।
तर्क (R) : युद्ध समाज में आन्तरिक एकजुटता लाता है।

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (A),(R) का सही कारण है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (A),(R) का सही कारण नहीं है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

उत्तर (d) शीत युद्ध काल में वियतनाम युद्ध लाओस तथा कंबोडिया की धरती पर लड़ी गयी एक भयंकर लड़ाई का नाम है। प्रथम हिन्द चीन युद्ध के बाद आरम्भ हुआ यह युद्ध उत्तरी वियतनाम (कम्यूनिष्ट मित्रों द्वारा समर्थित) तथा दक्षिण वियतनाम की सरकार (यू. एस. ए. और अन्य साम्यवाद विरोधी देशों द्वारा समर्थित) के बीच में लड़ा गया । इसे शीतयुद्ध के दौरान साम्यवाद और विचारधारा के मध्य एक प्रतीकात्मक युद्ध के रूप में देखा जाता है। अतः वियतनाम युद्ध में अमेरिका सक्रियाशील थी तथा युद्ध समाज में आन्तरिक एकजुटता लाता है। अतः A गलत व R सही है ।

34. मैक्स वेबर की कृतियों का समाजशास्त्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव था, उदाहरणार्थ-

(i) सामाजिक कृत्य के तात्विक मिशन के लिए।
(ii) सामाजिक संरचना के विश्लेषण के लिए रणनीति ।
(iii) चार सार्वभौमिक प्रकार्यात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए।
(iv) सामाजिक कृत्य की संरचना को संशोधित करने के लिए।

(a) (i) तथा (ii) सही है (b) (ii) तथा (iii) सही है
(c) (iii) तथा (iv) सही है (d) (i) तथा (iv) सही है

उत्तर (d) मैक्स वेबर ने 'सामाजिक क्रिया' को समाजशास्त्र की केन्द्रीय अध्ययन वस्तु माना है। मैक्स वेबर की कृतियों का समाजशास्त्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव था जैसे- सामाजिक कृत्य के तात्विक मिशन तथा सामाजिक कृत्य की सरंचना का संशोधन।

35. लुइस कोजर निम्नलिखित में से किसका लेखक है?

(a) आउट ऑफ यूटोपिया
(b) क्लास एण्ड क्लास कंफ्लिक्ट इन इण्डस्ट्रियल सोसाइटी
(c) द फंक्शन ऑफ सोशल कंफ्लिक्ट
(d) द नेचर ऑफ ह्यूमन कंफ्लिक्ट

उत्तर (c) लुईस कोजर एक प्रकार्यवादी संघर्षवेत्ता है, जिन्होंने अपनी सुप्रसिद्ध कृति द फंक्शन आफ सोशल कान्फ्लिक्ट (1956) में संघर्ष के बारे में अपने विचारों की विस्तृत विवेचना की है। कोजर के अनुसार संघर्ष के दो रूप हैं–

1. संगठनात्मक –जिसमें संघर्ष समूहों की समाज के मौलिक मूल्यों के प्रति समान आस्था होती है।
2. विघटनात्मक-जिसमें संघर्ष समूहों की समाज के मूल्यों के प्रति कोई आस्था नहीं रह जाती ।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

36. सूची-I का सूची-I I से मिलान करें तथा नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनें-

	सूची-I		सूची-II
A	सामाजिक कृत्य	1	मैलिनोवस्की
B	श्रम का विभाजन	2	दुर्खीम
C	प्रकार्यवाद	3	परेटो
D	प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद	4	जी॰ एच॰ मीड
		5	मार्गरेट मीड

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(5)	(3)	(2)	(1)
(b)	(3)	(2)	(1)	(4)
(c)	(2)	(1)	(4)	(3)
(d)	(3)	(1)	(4)	(2)

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

सामाजिक कृत्य - परेटो
श्रम का विभाजन - दुर्खीम
प्रकार्यवाद - मैलिनोवस्की
प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद - जी॰ एच॰ मीड

37. रैडक्लिफ-ब्राउन के अनुसार संरचनात्मक विश्लेषण युक्तियुक्त रूप में ....से आगे बढ़ेगा।

(i) समाज की उत्तरजीविता के लिए एक आवश्यक शर्त इसके अंशों का न्यूनतम एकीकरण है।
(ii) कार्य पद उन प्रक्रियाओं को सन्दर्भित करता है जो आवश्यक एकीकरण को कायम रखती है।
(iii) प्रत्येक समाज में संरचनात्मक लक्षणों को आवश्यक दृढ़ीकरण कायम रखने में योगदानकर्ता के रूप में दर्शाया जा सकता है।

(a) केवल (i) सही है (b) केवल (ii) सही है
(c) केवल (iii) सही है (d) सभी सही है।

उत्तर (d) रैडक्लिफ-ब्राउन के शब्दों में सामाजिक संरचना को सुविधाजनक रूप से परिभाषित करने के लिए कहा जा सकता है कि सामाजिक संरचना व्यक्तियों के बीच वह क्रम है जो उसके निश्चित सम्बन्धों अथवा संस्थागत रूप से नियंत्रित सम्बन्धो में प्रकट होता है। रैडक्लिफ ब्राउन के अनुसार उपरोक्त तीनों विशेषताओं से संरचनात्मक विश्लेषण युक्तियुक्त रूप में आगे बढ़ेगा।

38. सामाजिक परिवर्तन के 'उत्थान एवं पतन' सिद्धांत को अन्य प्रकार से .... के रूप में जाना जाता है।

(a) मॉयूलर सिद्धांत (b) रेखीय सिद्धांत
(c) चक्रीय सिद्धांत (d) क्रमविकासवादी सिद्धांत

उत्तर (d) सामाजिक परिवर्तन के 'उत्थान एवं पतन' सिद्धांत को अन्य प्रकार से चक्रीय सिद्धान्त के रूप में जाना जाता है 'सोरोकिन' उतार–चढ़ाव के सिद्धान्त के रूप में जाने जाते हैं। इनके अनुसार, परिवर्तन सांस्कृतिक दशाओं के बीच उतार-चढ़ाव है।

39. 'मूर्त सामाजिक संरचना' तथा 'संरचनात्मक रूप' के बीच अंतर किसने किया?

(a) रैडक्लिफ-ब्राउन (b) टी॰ पारसन्स
(c) लेवी स्ट्रास (d) मरडॉक

उत्तर (a) रैडक्लिफ-ब्राउन जो सामाजिक मानवशास्त्र के प्रणेता कहे जाते हैं। मूर्त सामाजिक संरचना तथा संरचनात्मक रूप के बीच अन्तर किया।

40. एक परिवार में पितामह मोची थे, पिता शहर की एक प्राथमिक पाठशाला में पढ़ाते थे तथा अब पुत्र एक बहुउद्देशीय कार्पोरेशन में एक इंजीनियर है। यह .... का एक उदाहरण है।

(a) सांस्कृतिक गतिशीलता
(b) अन्तः पीढ़ी गतिशीलता
(c) क्षैतिजीय गतिशीलता
(d) अन्तर्पीढ़ी परक गतिशीलता

उत्तर (d) उक्त उदाहरण अन्तर्पीढ़ी परक गतिशीलता का उदाहरण है। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी की सामाजिक प्रस्थिति में होने वाला उदग्र परिवर्तन अन्तर पीढ़ीगत गतिशीलता का कहलाता है तथा अन्तःपीढ़ीगत गतिशीलता में व्यक्ति के वर्तमान व्यवसाय या पद–स्थिति की तुलना उसके गत (पुराने) व्यवसाय या पद स्थिति से की जाती है।

41. किसी क्षेत्र में एक सामाजिक सिद्धांत की जाँच में संलग्न एक शोध को . . . . कहते हैं।

(a) निगमनात्मक शोध (b) आगमनात्मक शोध
(c) सैद्धांतिक शोध (d) प्राक्कल्पना की जाँच

उत्तर (d) दो या दो से अधिक चरों के बीच सम्भावित सम्बन्धों के बारे में बनाये गये जाँचनीय कथन को प्राक्कल्पना कहते हैं। इसके जाँच के उपरान्त ही सिद्धान्त का निर्माण होता है।

42. प्रति 1000 मृत्यु-संख्या को .... कहते हैं।

(a) नाममात्रिक चर (b) क्रमसूचक चर
(c) मध्यान्तर चर (d) अनुपात चर

उत्तर (d) दो सजातीय चरों की तुलना को अनुपात कहते हैं। अतः प्रति हजार मृत्यु संख्या आनुपातिक चर कहलाता है।

43. प्राक्कल्पना को बेहतर ढंग से .... के द्वारा समझा जा सकता है।

(i) सिद्धांत से असंबद्ध
(ii) सिद्धांत से संबद्ध
(iii) एक शोध समस्या का अस्थायी उत्तर

(a) (i) सही है
(b) (ii) सही है
(c) (i), (ii) तथा (iii) सही हैं
(d) (ii) तथा (iii) सही हैं

उत्तर (d) किसी सिद्धान्त से जुड़ी अवधारणाओं के बीच के सम्बन्धों को अभिव्यक्त करने वाले अपरीक्षित कथन को प्राक्कल्पना कहते हैं। सामान्यतः ये सम्बन्ध साहचर्य या कारणों को दर्शाते हैं दूसरे शब्दों में, प्राक्कल्पना एक ऐसा अस्थायी विचार या अनुमान से सम्बन्धित परीक्षणीय कथन है जो दो या दो से अधिक परिवर्त्यों या चरों के अन्तर्सम्बन्धों को प्रदर्शित करता हैं अतः सिद्धान्त से सम्बद्ध शोध समस्या का अस्थायी उत्तर प्राक्कल्पना कहलाता है।

44. किसी सह संबंध के परिगणित मूल्य का 0.1 के बराबर होना क्या इंगित करता है?

(a) सहसाहचर्य नहीं है (b) बीच का सहसंबंध
(c) नकारात्मक सहसंबंध (d) निम्न सहसंबंध

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (d) प्रोफेसर किंग के अनुसार,"दो पद मालाओं अथवा समूहों के बीच पाये जाने वाले कार्य-कारण सम्बन्ध को सह-सम्बन्ध कहते हैं। इन्होंने एक अन्य स्थान पर सह-सम्बन्ध को दूसरे ढंग से परिभाषित किया है और लिखा है कि यदि यह सच प्रमाणित हो कि अधिकांश क्षेत्रों में दो चर सदैव एक ही दिशा में या विपरीत दिशा में घटते बढ़ते हैं तो हम यह मानते है कि तथ्य निर्धारित हो गया और उनमें सम्बन्ध विद्यमान है । इस सम्बन्ध को ही सह-सम्बन्ध कहते हैं। किसी सह-सम्बन्ध का परिगणित मूल्य 0.1 के बराबर होना निम्न **सह-सम्बन्ध** कहलाता है।

45. किसी शोध गतिविधि में आँकड़ों के संकलन, विश्लेषण तथा व्याख्या की योजना को...... कहते हैं।

(a) मूल्यांकनपरक रूपरेखा (b) निदानात्मक रूपरेखा
(c) गवेषणात्मक रूपरेखा (d) विवरणात्मक रूपरेखा

उत्तर (d) विषय या समस्या के सम्बन्ध में वास्तविक तथ्यों के आधार पर वर्णनात्मक विवरण प्रस्तुत करना वर्णनात्मक (विवरणात्मक) शोध–प्रचना का मुख्य उद्देश्य है। इस प्रकार की शोध प्रचना में तथ्यों का संकलन किसी भी वैज्ञानिक प्रविधि के द्वारा किया जा सकता है। प्रायः साक्षात्कार, अनुसूची व प्रश्नावली, प्रत्यक्ष निरीक्षण, सहभागी निरीक्षण तथा सामुदायिक रिकार्ड का विश्लेषण आदि प्रविधियों के वर्णनात्मक शोध-प्रचना में सम्मिलित किया जाता है।

46. वर्ग मध्यान्तर आवृत्ति

वर्ग मध्यान्तर	आवृत्ति
4-8	2
8-12	4
12-16	10
16-20	4
20-24	6
24-28	3

का परिकलित मूल्य नीचे दिया गया है। इनमें से सही उत्तर चुनें।

(a) 17.04 (b) 18.02
(c) 18.04 (d) 19.00

उत्तर (d)

वर्गान्तर	पद(x)	आवृत्ति (f)	पद × आवृत्ति (f × x)
4 - 8	6	2	$6 \times 2 = 12$
8 - 12	10	4	$10 \times 4 = 40$
12 - 16	14	10	$14 \times 10 = 140$
16 - 20	18	4	$18 \times 4 = 72$
20 - 24	22	6	$22 \times 6 = 132$
24 - 28	26	3	$26 \times 3 = 78$
योग -		$\Sigma f = 29$	$\Sigma fx = 474$

समान्तर माध्य $(\overline{X}) = \dfrac{\Sigma fx}{\Sigma f}$

$$\frac{\text{(पद आवृत्ति)का योग}}{\text{आवृत्ति का योग}}$$

$$\Rightarrow \frac{474}{29} \approx 19$$

उपरोक्त विकल्प में कोई भी विकल्प सही नहीं है।

47. एक गैर-सम्भाव्यता प्रतिचयन तकनीक, जिसे संयोगिक प्रतिचयन का एक रूप माना जाता है, को .... कहते हैं।

(a) उद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन
(b) स्नोबॉल प्रतिचयन
(c) कोटा प्रतिचयन
(d) क्लस्टर प्रतिचयन

उत्तर (c) एक गैर सम्भाव्यता प्रतिचयन तकनीक जिसे संयोगिक प्रतिचयन का एक रूप माना जाता है को कोटा प्रतिचयन तकनीक (यथांश प्रतिचयन) कहते हैं। यथांश प्रतिचयन वह विधि है जिसमें सम्पूर्ण समग्र को किन्हीं परिवर्त्यों के आधार पर कुछ वर्गों में विभाजित कर, प्रत्येक वर्ग में से एकनिश्चित मात्रा में इकाइयों का चुनाव किया जाता है।

48. पुस्तकों, पत्रिकाओं, वेब-पेजों, कविताओं, समाचार-पत्रों गीतो, भाषाणों, चिट्ठियों, ई-मेल, संवादों, बुलेटिन, बोर्ड विधि का अन्य योगदानों में लेखबद्ध मानव सम्प्रेषण के अध्ययन को .... कहते हैं।

(a) ऐतिहासिक विश्लेषण (b) अन्तर्विषय विश्लेषण
(c) सांख्यिकी विश्लेषण (d) तुलनात्मक विश्लेषण

उत्तर (a) ऐतिहासिक विश्लेषण में द्वितीय स्रोतों द्वारा सामग्री एकत्रित की जाती है जैसे– पुस्तकों, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों पर आधारित संकलित सामग्री द्वारा अध्ययन करना।

49. लघु-समूह के स्तर पर सामाजिक जीवन से जुड़े मुद्दों से संबंधित उपागम को ....कहते हैं।

(a) माइक्रो अध्ययन (b) मैक्रो अध्ययन
(c) पैनल अध्ययन (d) केस-स्टडी

उत्तर (a) लघु समूह के स्तर पर सामाजिक जीवन से जुड़े मुद्दों से सम्बन्धित उपागम माइक्रो अध्ययन कहते हैं।

50. नियन्त्रित स्थिति में संचालित शोध को .... कहते हैं।

(a) सर्वेक्षण शोध (b) प्रयोगात्मक शोध
(c) मूल्यांकन शोध (d) विवरणात्मक शोध

उत्तर (b) नियन्त्रित स्थिति में संचालित शोध को **प्रयोगात्मक शोध** कहते हैं **प्रयोगात्मक शोध** में शोधकर्ता एक अथवा अधिक स्वतंत्र परिवर्त्यों (चरों) को परिचालित अथवा नियंत्रित कर आश्रित परिवर्त्य पर उनके प्रभावों की जाँच करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2007
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देशः इस प्रश्नपत्र में पचास (50 बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक है। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. निम्न में से कौन सामाजिक स्तरीकरण (Social Stratification) हेतु प्रकार्यात्मक रूप से उपादेय नहीं है?

(a) यह अवसर उपलब्ध कराने में मदद करता है
(b) यह जुझारूपन का भाव उत्पन्न करता है
(c) यह समाज में प्रत्येक जिम्मेदारी निर्धारित करने में सहायक होता है।
(d) यह समाज में अयोग्य व्यक्ति की पहचान में सहायक होता है

उत्तर (b)—मानव समाज में व्यक्तियों के बीच समानताएँ ही नहीं पायी जाती वरन् अनेक भिन्नताएँ भी देखने को मिलती है। संसार में प्रत्येक व्यक्ति में कुछ न कुछ उसकी अपनी विशेषताएँ होती हैं जो दूसरों में नही पायी जाती है। ऐसा ही भेद हमें समूहो में दृष्टिगोचर होता है अतः इन अन्तरों को हम दो श्रेणियों में विभाजित कर सकते हैं (1) व्यक्तिगत विभेदी करण व (2) सामाजिक विभेदी करण।
सामाजिक विभेदीकरण चार आधार पर प्रस्तुत किये गये हैं।
(1) प्रकार्य (2) संस्कृति (3) रुचि (4) क्रम विन्यास
सामाजिक स्तरीकरण के प्रकार्यवादी दृष्टिकोण को दो अमेरिकी समाजशास्त्रियों किंग्सले डेविस व विलवर्ट मूर ने प्रस्तुत किया। सामाजिक स्तरीकरण हेतु प्रकार्यात्मक रूप से यह जुझारुपन का भाव उत्पन्न नहीं करता है

2. उत्पादन प्रक्रिया में कार्ल मार्क्स के अनुसार अधिकतम भूमिका होती है-

(a) पूँजी की (b) श्रम की
(c) सरकार की (d) मशीन उपकरणों की

उत्तर (b)—कार्ल मार्क्स वैज्ञानिक समाजवाद के जनक माने जाते है। और उत्पादन प्रक्रिया में कार्ल मार्क्स के अनुसार अधिकतम भूमिका श्रम की शक्ति की होती है।

3. 'संदर्भ समूह' की अवधारणा सर्वप्रथम प्रस्तुत की गयी थी-

(a) स्टाउफर द्वारा (b) हाइमन द्वारा
(c) आर. मर्टन द्वारा (d) शेरिफ एवं शेरिफ द्वारा

उत्तर (b)—सन्दर्भ समूह की अवधारणा को हरबर्ट हाइमेन ने सन् 1942 में विकसित किया था। यह अवधारणा सदस्यता समूह की अवधारणा के ठीक विपरीत अर्थो को प्रदर्शित करती है। सामान्यतः एक ऐसे समूह को सन्दर्भ-समूह की संज्ञा दी जाती है। जिसके साथ एक व्यक्ति अपना समीकरण बैठाता है या सात्मीकरण करता है अथवा समीकरण बिठाने की आकांक्षा रखता है तथा जिसके अनुसार एक व्यक्ति को अपने मूल्यों, विश्वासी मनोवृत्तियों को ढालने का प्रयास करता है।

4. संयुक्त परिवार व्यवस्था विघटन के कगार पर है। निम्न में से कौन-सा कारक इसके विघटन के लिए उत्तरदायी नहीं है?

(a) भूमि पर दबाव बढ़ रहा है
(b) कृषि-उत्पादन बढ़ रहा है
(c) पाश्चात्य प्रभाव बढ़ रहा है
(d) कृषि आधारित अर्थव्यवस्था औद्योगिक अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है

उत्तर (b)—संयुक्त परिवार व्यवस्था विघटन के कगार पर है। इसका प्रमुख कारक निम्नलिखित है। यौन संबन्धों की असन्तुष्टि, सदस्यों में अपना-पराया का विचार। सामाजिक मूल्यों और प्रतिभावों का विमेल आधुनिकीकरण का प्रभाव आदि। जिसके कारण संयुक्त परिवार व्यवस्था विघटित हो रहा है। कृषि उत्पादन की वृद्धि की कोई भूमिका संयुक्त परिवार के विघटन में नहीं है।

5. 'नगरवाद (Urbanism)' जीवन की एक पद्धति का विचार है-

(a) के. डेविस का (b) पार्क एवं बर्गेस का
(c) पी. गिड्डिस का (d) एल. बर्थ का

उत्तर (d)—जर्मनी में पैदा हुए एल. बर्थ की शिक्षा दीक्षा अमेरिका में हुई और बाद में वही वर्ष 1930 में समाजशास्त्र के शिकागों सम्प्रदाय के एक अग्रणी सदस्य बन गये। एल.बर्थ मुख्य रूप से अपने एक महत्वपूर्ण लेख जीवन शैली के रूप में नगरवाद (1938) के लिए बहुचर्चित रहे हैं।

6. आर्थिक तंगी के कारण किसी गाँव का भूमिहीन किसी शहर में जाकर कारखाना मजदूर बन जाता है, एक उदाहरण है-

(a) क्षैतिज गतिशीलता का
(b) ऊर्ध्वाधर गतिशीलता का
(c) सामाजिक गतिशीलता का
(d) ऊर्ध्वाधर अधोमुखी गतिशीलता का

उत्तर (a)—जब किसी संस्तरित व्यवस्था में संक्रमण के कारण प्रस्थिति एवं भूमिका दोनों में परिवर्तन आ जाता है तब इसे समस्तरी या क्षैतिज सामाजिक गतिशीलता कहते है। इस प्रकार किसी गतिशीलता के कारण सामाजिक वर्ग की प्रस्थिति में कोई बदलाव नही आता है। क्षैतिज गतिशीलता व्यक्ति की सामाजिक प्रस्थिति में होने वाला एक ऐसा परिवर्तन है जिसके कारण सामाजिक वर्ग स्तर अथवा प्रतिष्ठा संस्तरण की दृष्टि से व्यक्ति की सामान्य स्थिति में कोई परिवर्तन उत्पन्न नहीं होता।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

7. हट्टन के अनुसार, जाति का कार्य है-

(a) सामाजिक व्यवहार को नियन्त्रित करना
(b) सामाजिक प्रस्थिति का निर्धारण करना
(c) सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना
(d) भारतीय समाज को एकता के सूत्र में पिरोना

उत्तर (*)–हट्टन ने जाति द्वारा किए जाने वाले कार्यों को तीन भागों में बाँटा है–
(A) व्यक्तिगत जीवन से सम्बन्धित कार्य–
- सामाजिक स्थिति को निश्चित करना
- मानसिक सुरक्षा प्रदान करना
- व्यवसाय का निर्धारण
- जीवन साथी का चुनाव
- सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना
- व्यवहारों पर नियंत्रण

(B) जाति समुदाय से सम्बन्धित कार्य–
- धार्मिक भावनाओं की रक्षा
- रक्त की शुद्धता बनाये रखना
- सामाजिक स्थिति प्रदान करना
- संस्कृति की रक्षा
- जातीय एकता को प्रोत्साहन

(C) सम्पूर्ण समाज या राष्ट्र के लिए कार्य–
- समाज के विकास और रक्षा में सहायक
- राजनीतिक स्थिरता को बनाये रखना
- समाज में सरल श्रम-विभाजन की व्यवस्था
- धार्मिक सहिष्णुता एवं उदारता
- दायित्व निर्वाह की प्रेरणा

8. प्रस्थिति व भूमिका की अवधारणा सर्वप्रथम व्यवस्थित रूप में विकसित की गयी थी-

(a) पारसन्स द्वारा (b) लिंटन द्वारा
(c) मैलिनोवस्की द्वारा (d) पार्क द्वारा

उत्तर (b)–संस्कृति और व्यक्तित्व वैचारिक सम्प्रदाय के अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के अमरिकी मानवशास्त्री राल्फ लिंटन मूलरूप में एक पुरातत्व शास्त्री थे। प्रस्थिति व भूमिका की अवधारणा सर्वप्रथम व्यवस्थित रूप में लिंटन द्वारा विकसित किया गया था।

9. भारत में पंचवर्षीय योजनाओं का मॉडल लिया गया-

(a) चीन से (b) जापान से
(c) रूस से (d) यू.एस.ए. से

उत्तर (c)–भारत में योजना आयोग की स्थापना वर्ष 1950 को गयी थी। यह परियोजना रूस से प्रभावित होकर चलाया गया था। जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में प्रथम पंचवर्षीय योजना वर्ष 1951-1956 तक चली। केन्द्र सरकार द्वारा योजना आयोग को भंग कर 1 जनवरी, 2015 को नीति आयोग का गठन कर दिया गया है।

10. 'अनुकूलन परिवार' (Family of Orientation) 'प्रजनन परिवार' (Family of Procreation) में विभेद प्रस्तुत किया था-

(a) मॉर्गन द्वारा (b) वार्नर द्वारा
(c) मैकाइवर द्वारा (d) मरडॉक द्वारा

उत्तर (d)– मरडॉक ने अनुकूलन परिवार (Family of orientation) तथा प्रजनन परिवार (Family of procreation) में विभेद प्रस्तुत किया गया है। जिस परिवार में व्यक्ति का जन्म एवं उसकी शिक्षा-दीक्षा (समाजीकरण) होती है उसे जन्मित परिवार कहते हैं। सामान्यतः व्यक्ति के संस्कारों मूल्यों एवं विश्वासों का बीजारोपण इसी परिवार में होता है। जबकि विवाह के उपरान्त व्यक्ति जिस परिवार को स्वयं जन्म देता है अर्थात् जिसमें वह सन्तानोत्पत्ति करता है, जनन परिवार कहलाता है।

11. सुमेलित कीजिए-

सूची-I	**सूची-II**
A. दुर्खीम	1. सोशल थ्योरी एण्ड सोशल स्ट्रक्चर
B. स्पेंसर	2. अनइन्टेंशनल एण्ड अनकंशस
C. लैटेंट फंक्शन	3. सामाजिक डार्विनवाद
D. मर्टन	4. सामाजिक तथ्य

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	3	2	4	1
(c)	1	2	3	4
(d)	4	2	1	3

उत्तर (a)–सुमेलित सूची निम्न प्रकार है–

दुर्खीम	- सामाजिक तथ्य
स्पेंसर	- सामाजिक डार्विनवाद
लैटेण्ट फंक्शन	- अन इंटेशनल एवं अनकंशास
मर्टन	- सोशल थ्योरी एण्ड सोशल स्ट्रक्चर

12. सामाजिक संगठन और सामाजिक समूह-

(a) एक-दूसरे से पृथक नहीं होते है
(b) एक-दूसरे से पृथक होते है
(c) एक-दूसरे से जुड़े रहते है
(d) सदैव एक-दूसरे से निकट सहयोग करते हैं

उत्तर (c)–प्रत्येक समाज में कई छोटे-छोटे सामाजिक समूह होते हैं जो कि व्यक्तियों के पारम्परिक सम्बन्धों के परिणाम स्वरूप बनते हैं। ये समूह भिन्न-भिन्न होते हुए भी परस्पर सम्बन्धित होते हैं और सामाजिक संगठन का निर्माण करते हैं।

13. निम्न में से किसने गाँव को 'लघु गणतंत्र' कहा है?

(a) आर. रेडफील्ड (b) सर चार्ल्स मेटकॉफ
(c) ए. आर. देसाई (d) अल्बर्ट मेयर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b)—सर चार्ल्स मेटकॉफ ने ग्रामीण समुदाय को छोटे-छोटे गणराज्य कहा है जो स्वावलंबी है जिन पर बाहरी घटनाओं का प्रभाव नहीं पड़ता है। प्राकृतिक विपत्ति आती है व चली जाती है परन्तु भारतीय गाँव वट वृक्ष के समान अपनी निरंन्तरता बनाए रखती है।

14. निम्न में से कौन-सी सहयोगी प्रक्रियाएँ (Associative processes) है?

(i) सहयोग (ii) संघर्ष
(iii) प्रतिस्पर्द्धा (iv) अनुकूलन
(v) सात्मीकरण

(a) (i), (ii) और (iii) (b) (ii) और (iii)
(c) (i), (iv) और (v) (d) (iii), (iv) और (v)

उत्तर (c)—सहयोग, अनुकूलन तथा सात्मीकरण सहयोगी प्रक्रिया है जबकि प्रतिस्पर्धा, प्रतिकूलन एवं संघर्ष असहयोगी प्रक्रिया है।

15. समाज की संरचना की बात कहने वाले प्रथम विचारक थे-

(a) डार्विन (b) दुर्खीम
(c) स्पेंसर (d) ऑगस्ट कॉम्टे

उत्तर (c)—समाजशास्त्र के क्षेत्र में ऑगस्त कॉम्ट के कार्य को आगे बढ़ाने का श्रेय ब्रिटिश दार्शनिक एवं सामाजिक विचारक हरबर्ट स्पेन्सर को दिया जाता है। कॉम्ट ने समाजशास्त्र के जिस नक्शे को बनाया स्पेन्सर ने उसमें रंग भरे। स्पेंसर समाज की संरचना की बात कहने वाले प्रथम विचारक थे।

16. सिद्धांत, जो समाज और मानव शरीर के बीच अनेक बिंदुओं पर साम्यता (Resemblance) स्थापित करता है, कहलाता है-

(a) सावयवी सिद्धांत (Organic Theory)
(b) प्राकृतिक सिद्धांत (Natural Theory)
(c) समूह-मस्तिष्क सिद्धांत (Groupmind Theory)
(d) आदर्शवादी सिद्धांत (Idealist Theory)

उत्तर (a)— सिद्धांत, जो समाज और मानव शरीर के बीच अनेक बिंदुओं पर साम्यता (Resemblance) स्थापित करता है, सावयवी सिद्धांत (Organic Theory) कहलाता है। स्पेंसर ने मानव समाज की एक ऐसे जीवित, निरन्तर बढ़ते हुए सावयव (जीव) के रूप में व्याख्या की जो धीरे-धीरे सरल से एक जटिल व्यवस्था का रूप ले लेता है।

17. समुचित सामाजिक संगठन हेतु यह आवश्यक है कि-

(a) समाज अपने सदस्यों पर पूर्ण नियन्त्रण रखे
(b) समाज अपने सदस्यों पर आंशिक (Partial) नियन्त्रण रखे
(c) समाज अपने सदस्यों पर अतिशय नियन्त्रण न रखे
(d) सामाजिक नियन्त्रण कठोर और कसावयुक्त हों

उत्तर (a)—समुचित सामाजिक संगठन हेतु यह आवश्यक है कि समाज अपने सदस्यों पर पूर्ण नियन्त्रण रखें।

18. प्रकार्यात्मक विश्लेषण (Functional Analysis) में आवश्यकताओं के संस्तरण (Hierarchy of Need) की अवधारणा दी थी-

(a) मर्टन ने (b) दुर्खीम ने
(c) रैडक्लिफ ब्राउन ने (d) मैलिनोवस्की ने

उत्तर (d)—बी.मैलिनोवस्की ने अपनी पुस्तक A Scientific theory of Culture- 1960 में जनजातियों की संस्कृति को समझने के लिए विशिष्ट दृष्टिकोण 'आवश्यकताओं का सिद्धांत' (Theory of needs) का प्रतिपादन किया।

19. लोगों का समूह, जो निश्चित उद्देश्य की पूर्ति हेतु संगठित किया जाता है, कहलाता है-

(a) समुदाय (b) संघ
(c) संस्था (d) समाज

उत्तर (b)—संघ व्यक्तियों का एक ऐसा संग्रह है जो निश्चित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एकजुट होते हैं और स्वीकृत नियमों तरीकों एवं उद्देश्यों को पूरा करते हैं।

20. भारतीय समाज की एकता और स्थिरता निर्भर करती है-

(a) धर्म एवं संस्कृति पर (b) जाति एवं धर्म पर
(c) गति एवं गणचिह्न पर (d) अस्पृश्यता पर

उत्तर (a)—भारतीय समाज की एकता और स्थिरता **धर्म एवं संस्कृति** पर निर्भर करती है। धर्म अध्यात्मिक शक्तियों में विश्वास है। जबकि व्यक्तियों के जीने के ढ़ग को ही संस्कृति कहते हैं। धर्म व संस्कृति दोनों भारतीय समाज की एकता एवं स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

21. नातेदारी संबंधों के अध्ययन में सर्वप्रथम महत्वपूर्ण योगदान दिया था-

(a) टाइलर ने (b) मॉर्गन ने
(c) मैलिनोवस्की ने (d) दुर्खीम ने

उत्तर (b)—**मार्गन** को अमेरिकी सांस्कृतिक मानवशास्त्र का पिता माना जाता है। उन्होंने अपने लेखनों में उद्विकासीय सिद्धाँत का अनुसरण किया है। विवाह, परिवार और नातेदारी, संस्थाओं के वर्णन-विश्लेषण में उन्होंने इसी सिद्धाँत का प्रयोग करते हुए मानवीय समाज के उद्भव का पूर्णतः कामाचार अवस्था से लेकर कई अवस्थाओं से गुजरते हुए आधुनिक एक विवाही परिवार के स्तर तक पहुंचने की बात कही है।

22. लैटिन में जेनिटर शब्द का अर्थ है-

(a) जैविकीय पितृत्व (b) सामाजिक पितृत्व
(c) रचयिता (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (a)—लैटिन में जेनिटर शब्द का अर्थ बालक का जैविकीय पिता अथवा जनक कहलाता है। कई समाजों जैसे अफ्रीका तथा आस्ट्रेलिया में जनक एवं पोषणकर्त्ता पिता में अन्तर किया जाता है। **दत्तकता** की प्रथा के कारण जन्म देने वाले पिता (जनक) और सामाजिक पिता (दत्तक पिता) में अन्तर होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

23. भारत की कुछ जनजातियों में किसी लड़की से विवाह करने से पूर्व लड़के द्वारा अपनी शक्ति सिद्ध करने की इच्छा प्रथा है। इसे कहते हैं-
(a) परिवीक्षा विवाह (b) घुसपैठ विवाह
(c) परीक्षण विवाह (d) शक्ति विवाह

उत्तर (c)–कई समाजों में पत्नी प्राप्त करने के पूर्व उसे अपने साहस एवं शौर्य का प्रदर्शन करना होता है। इस प्रकार की प्रदर्शनकारी परीक्षा में सफल होने पर ही व्यक्ति को वधू प्राप्त हो पाती है। भारत में विवाह के इस तरीके का प्रचलन भीलों तथा नागाओं में पाया गया है भीलों में इस प्रकार के विवाह को गोता-गधेडों कहते हैं।

24. निम्न में से किसने 'विवाह को बच्चों के प्रजनन एवं रख-रखाव हेतु एक समझौता' कहा है?
(a) मरडॉक ने (b) टाइलर ने
(c) मैलिनोवस्की ने (d) वेस्टरमार्क ने

उत्तर (c)–मैलिनोवस्की एकल विवाह के प्रबल समर्थक थे। उनके अनुसार एक विवाह ही विवाह का सच्चा स्वरूप है रहा था और रहेगा। इन्होंने विवाह को बच्चों के प्रजनन एवं रखरखाव हेतु एक समझौता कहा है।

25. सप्तपदी का अभिप्राय अग्नि के समक्ष वर-वधू द्वारा सात फेरे लेने से है। उसके बाद ही विवाह का समाज में स्वीकृति व वैधता मिलती है। इसे माना जाता है-
(a) अनुष्ठान (b) धर्म विधि
(c) परम्परागत व्यवहार (d) प्रथा

उत्तर (d)– सप्तपदी का अभिप्राय अग्नि के समक्ष वर-वधू द्वारा सात फेरे लेने से है। उसके बाद ही विवाह का समाज में स्वीकृति व वैधता मिलती है इसे अनुष्ठान माना जाता है। हिन्दू-विवाह के तीन अनुष्ठान मुख्य है- (i) होम, (ii) पाणिग्रहण एवं (iii) सप्तपदी।

26. जब संघर्ष की भावनाएँ यथेष्ट अभिव्यक्ति नहीं हो पाती, तो ऐसे संघर्ष को कहते हैं-
(a) सामाजिक संघर्ष (b) वैयक्तिक संघर्ष
(c) जाति संघर्ष (d) अव्यक्त संघर्ष

उत्तर (b)–जब संघर्ष की भावनाएँ **यथेष्ठ** अभिव्यक्ति नहीं हो पाती तो ऐसे संघर्ष को वैयक्तिक संघर्ष कहते हैं। इसका आधार मनोवैज्ञानिक जैसे-घृणा, दैव तथा आर्थिक भी हो सकता है।

27. सुमेलित कीजिए-

सूची-I (अपराध का सिद्धांत)	**सूची-II (प्रतिपादक)**
A. शास्त्रीय सिद्धांत	1. लैम्ब्रोसो
B. भौगोलिक सिद्धांत	2. सदरलैण्ड
C. प्रारूपवादी सिद्धांत	3. क्वेटलेट
D. समाजशास्त्रीय सिद्धांत	4. बेकारिया

	A	B	C	D
(a)	1	4	3	2
(b)	3	4	2	1
(c)	4	3	1	2
(d)	4	2	1	3

उत्तर (c)–सुमेलित सूची निम्न प्रकार है–

(अपराध का सिद्धांत)		**(प्रतिपादक)**
शास्त्रीय सिद्धांत	-	बेकारिया
भौगोलिक सिद्धांत	-	क्वेटलेट
प्रारूपवादी सिद्धांत	-	लैम्ब्रोसो
समाजशास्त्रीय सिद्धांत	-	सदरलैण्ड

28. निम्न में से कौन-सी विशिष्टता भारतीय ग्रामीण समुदाय की नहीं है?
(a) परम्परानिष्ठ (b) वैज्ञानिक दृष्टि का अभाव
(c) अन्धविश्वास (d) व्यापक साक्षरता

उत्तर (d)–उद्विकासीय सिद्धाँत के सुप्रसिद्ध अनुसरणकर्ता विद्वान सर हेनरी मेन तुलनात्मक न्यायशास्त्र के प्रणेता रहे हैं। इन्होंने बताया कि भारतीय गाँव स्वावलम्बी, स्वायत्त, परम्परागत, अन्धविश्वासी एवं निरक्षर लोगों के समुदाय हैं। भारतीय ग्रामीण समुदाय में साक्षरता की कमी है।

29. ''जातियों में ऊर्ध्वाधर (Vertical) एकता पाई जाती है।'' यह कथन है-
(a) जी. एस. घुर्ये का (b) आन्द्रे बेतेई का
(c) मैकिम मैरियट का (d) एम. एन. श्रीनिवास का

उत्तर (d)–एम. एन. श्रीनिवास ने कहा है कि ''जातियों में ऊर्ध्वाधर एकता पाई जाती है।'' जाति व्यवस्था में काफी विविधताओं को देखते हुए श्रीनिवास ने भारतीय जाति व्यवस्था में ऊर्ध्व (vertical) और क्षैतिज (Horizontal) एकजुटता की बात कही है।

30. दादा-दादी और नाती-पोतों के बीच परिहास संबंध पाए जाते हैं-
(a) टोडा जनों में (b) ट्रोसियांड द्वीपवासियों में
(c) ओरांव जनजाति में (d) भील जनजाति में

उत्तर (c)–ओरांव जनजाति में दादा-दादी और नाती-पोतों के बीच परिहास संबंध पाये जाते हैं। कुछ विशिष्ट संबंधियों के बीच विशेषाधिकार मेल जोल घनिष्ठता एवं उन्मुक्ता द्योतक संबंध परिहास संबंध कहलाते हैं। हिन्दुओं में जीजा-साली, देवर-भाभी, ननद-भौजाई के संबंध परिहास संबंधों के कुछ उदाहरण हैं।

31. निम्न में से कौन सहयोग का एक तत्व नहीं है?
(a) सहयोगी संगठनों का समान उद्देश्य हासिल करने होते है
(b) उद्देश्यों को हासिल करने के तरीके संगठित या असंगठित हो सकते है
(c) उद्देश्यों को हासिल करने के तरीके सुनियोजित हों
(d) इसे राज्य और व्यक्तियों पर समान रूप से लागू किया जा सकता है।

उत्तर (b)–सहयोग दो यो दो से अधिक व्यक्तियों द्वारा किसी कार्य को करने का किसी समान उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए किया जाने वाला निरन्तर एवं सामूहिक प्रयत्न है। उद्देश्य को हासिल करने का तरीका असंगठित नहीं हो सकता।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

32. निम्न में से कौन-सा वर्गीकरण हरबर्ट स्पेंसर के नाम से सम्बद्ध है?

(a) गेमिनशाफ्ट - गैसेलशाफ्ट
(b) प्रस्थिति - अनुबन्ध
(c) सैनिक समाज - औद्योगिक समाज
(d) यान्त्रिक समाज - आंगिक एकता

उत्तर (c)–स्पेन्सर को सामाजिक विचारकों में दूसरा संस्थापक जनक कहा जाता है। स्पेन्सर ने सामाजिक और राजनीतिक संगठन के ऐतिहासिक विकासवाद का विस्तृत विवरण सैनिक समाज तथा औद्योगिक समाज के रूप में प्रस्तुत किया है।

33. अभिवृत्तियों (Aptitudes) को मापने के लिए 'सामाजिक दूरी सोपान' (Social distance scale) तकनीक का विकास किया गया था-

(a) एल. थर्स्टन द्वारा (b) एल. गटमैन द्वारा
(c) ए. लुण्डबर्ग द्वारा (d) ई. बोगार्डस द्वारा

उत्तर (d)–ई. बोगार्डस ने सामाजिक अंतर नापने के लिए अर्थात् सम्बन्ध रखने या विभिन्न समूहों में नजदीकी नापने के लिए एक अनुमापक का विकास किया। अनुमापक अभिवृत्ति नापने के काम आते हैं। बोगार्डस ने अभिवृत्तियों को मापने के लिए सामाजिक दूरी सोपान तकनीक का विकास किया।

34. निम्न में से कौन परिवर्तन-संवर्धक (Change Promotion) आंदोलन नहीं है?

(a) साक्षरता आंदोलन (b) महिला मुक्ति आंदोलन
(c) दलित आंदोलन (d) आरक्षण-विरोधी आंदोलन

उत्तर (d)–आरक्षण विरोधी आंदोलन परिवर्तन संवर्धक आंदोलन नहीं है।

35. 'राजनीतिक समाजीकरण' (Political Socialization) पद का प्रयोग किया गया था-

(a) हरबर्ट हाइमन द्वारा (b) हरबर्ट स्पेंसर द्वारा
(c) आमण्ड पॉवेल द्वारा (d) ईस्टन एवं डेनिस द्वारा

उत्तर (a)–राजनीतिक समाजीकरण का अर्थ है अपने देश की राजनीतिक संस्कृति को सीखना। इस शब्दावली का प्रयोग सर्वप्रथम हरबर्ट हाइमन ने अपनी पुस्तक 'राजनीतिक समाजीकरण' (1959) में किया था।

36. सामाजिक स्तरीकरण (Stratification) अध्ययन है-

(a) सामाजिक समस्याओं का
(b) सामाजिक अन्याय का
(c) सामाजिक असमानताओं का
(d) सामाजिक विघटन का

उत्तर (c)–सामाजिक स्तरीकरण किसी सामाजिक व्यवस्था में प्रतिष्ठा, प्रभाव, शक्ति, सम्पत्ति तथा सुविधाओं आदि की भिन्नता के आधार पर प्रस्थितियों एवं भूमिकाओं की एक अपेक्षाकृत स्थाई श्रेणीबद्ध को सामाजिक स्तरीकरण से सम्बोधित करते हैं।

37. मानव समाज के विकास को तीन अवस्थाओं-जंगलीपन, बर्बरता एवं सभ्यता को चिह्नांकित किया गया था-

(a) ए. एल. क्रोबर द्वारा (b) चार्ल्स डार्विन द्वारा
(c) हरबर्ट स्पेंसर द्वारा (d) एल. एच. मार्गन द्वारा

उत्तर (d)–लेविस हेनरी मॉर्गन की गणना मानवशास्त्र में प्रारम्भिक मानवशास्त्रियों में की जाती है जिन्होंने अमेरिका के मूल निवासियों का अपने अध्ययन के आधार पर नातेदारी व्यवस्था का सर्वप्रथम एक व्यवस्थित वर्गीकरण किया था। उन्होंने मानव समाज के विकास को तीन अवस्थाओं-जंगलीपन, बर्बरता एवं सभ्यता से चिह्नांकित किया था।

38. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में 'पिछड़ा वर्ग' (Backward Class) पद का प्रयोग किया गया है?

(a) अनुच्छेद 15 (4) (b) अनुच्छेद 16 (4)
(c) अनुच्छेद 17 (4) (d) अनुच्छेद 23 (4)

उत्तर (b)–संविधान के **अनुच्छेद 16(4) के** अन्तर्गत राज्य के पिछड़े हुए नागरिकों के किसी वर्ग के पक्ष में जिनका प्रतिनिधित्व राज्य की राय में राज्य के अधीन सेवाओं में पर्याप्त नहीं है, नियुक्तियों या पदों का आरक्षण के लिए उपबंध करने से निवारित नहीं करेगी।

39. अपराधशास्त्र का कौन-सा सम्प्रदाय (School) मानता है कि 'अपराधी जन्मजात होता है'?

(a) प्रारूपवादी सम्प्रदाय (b) शास्त्रीय सम्प्रदाय
(c) समाजशास्त्रीय सम्प्रदाय (d) भौगोलिक सम्प्रदाय

उत्तर (a)–लोम्ब्रोसो इटली की सेना में एक चिकित्सक थे। अपने चिकित्सकीय व्यवसाय के दौरान ही उन्होंने यह अनुभव किया कि जैविकीय एवं आनुवंशिक (पैतृक) गुणों की अपराध में विशिष्ट भूमिका होती है और इसी के आधार पर उन्होंने अपराधी प्रकार के सिद्धांत को प्रणीत किया। **प्रारूपवादी सम्प्रदाय** मानता है कि अपराधी जन्म जात होते हैं।

40. "समाजशास्त्री आधुनिक समाज के पुजारी है" यह विचार है-

(a) मैक्स वेबर का (b) इमाईल दुर्खीम का
(c) ऑगस्ट कॉम्टे का (d) कार्ल मार्क्स का

उत्तर (c)–ऑगस्त कॉम्ट ने कहा है कि "समाजशास्त्री आधुनिक समाज के पुजारी हैं।"

41. असंगत युग्म की पहचान करें-

(a) बाह्य समूह - समनर
(b) प्राथमिक समूह - कूले
(c) संदर्भ समूह - मर्टन
(d) मानव समूह - मैक्स वेबर

उत्तर (d)–अमेरिकी समाजशास्त्रीय जार्ज होमन्स मुख्यतः अपने विनिमय सिद्धान्त, लघु समूहों के अध्ययन और सामाजिक जीवन की प्रकृति सम्बन्धी अपने विचारों के लिए जाने जाते है। मानव समूह का सम्बन्ध जार्ज होमन्स से है। अतः विकल्प (d) असंगत युग्म है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

42. ग्रामीण विकास कार्यो के लिए 'स्वयं सहायता समूह योजना (Self Help Group Scheme-SHG) प्रारम्भ हुई-

(a) 2 अक्टूबर, 1995 को
(b) 26 जनवरी, 1996 को
(c) 15 अगस्त, 1997 को
(d) 1 अप्रैल, 1999 को

उत्तर (*)—ग्रामीण विकास कार्यो के लिए 'स्वयं सहायता समूह योजना (Self Help Group Scheme-SHG) नाबार्ड द्वारा वर्ष 1992 में शुरु की गई। नाबार्ड के साथ RBI ने SHG को वर्ष 1993 से बैंकों में बचत खाता रखने की अनुमति दी। इस कार्रवाई ने SHG आन्दोलन को काफी बढ़ावा दिया और SHG बैंक लिंकेज कार्यक्रम का मार्ग प्रशस्त किया।

43. निम्न में से कौन लघु परम्परा का अंग नहीं है?

(a) लोककथा (b) दंतकथा
(c) रामायण (d) विवाह गीत

उत्तर (c)—लघु परम्परा की अवधारणा का सर्वप्रथम प्रयोग राबर्ट रेडफील्ड ने किया था। लघु परम्परा से तात्पर्य रीति-रिवाजों, कर्मकाण्डों से हैं जो लोक स्तर पर अपनाये गये हैं जैसे गोबर्धन पूजा, लोककथा, दन्तकथा, विवाह-गीत आदि। रामायण लघु परम्परा का अंग नहीं है।

44. निम्न विशेषताओं पर विचार कीजिए-

(i) पितृसत्तात्मकता (ii) अन्तःविवाह
(iii) बहिर्विवाह (iv) मात्रसत्तात्मक

इनमें से कौन-सी विशेषताएँ हिंदू जाति व्यवस्था की प्रारूपी है?

(a) (ii) एवं (iv) (b) केवल (ii)
(c) (i) एवं (iv) (d) उक्त सभी

उत्तर (b)—अन्तःविवाह हिन्दू जाति की रीढ़ है। वे अपनी ही जाति में विभिन्न, प्रवरों, गोत्रों में विवाह सम्पन्न करवाते हैं।

45. वर्णाश्रम व्यवस्था में निम्न में से किसे महत्व दिया गया है?

(a) व्यक्ति को (b) समाज को
(c) 'a' एवं 'b' दोनों को (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (c)—वर्णाश्रम व्यवस्था में व्यक्ति और समाज दोनों को महत्व दिया गया है। यह भारतीय सामाजिक-संगठन का मौलिक आधार थी। इसने व्यक्तियों के सामाजीकरण में अपूर्व योगदान दिया। इस व्यवस्था ने व्यक्तियों को जहाँ कर्तव्य-पालन की प्रेरणा प्रदान किया, वहीं समाज को संगठित बनाए रखने का प्रयास किया और पारस्परिक अन्तर्निर्भरता को प्रोत्साहन दिया।

निर्देश (46-50)-कथन A एवं कारण R पर आधारित निम्न कूट की सहायता से इन प्रश्नों का उत्तर दें-

(a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही है, किन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, किन्तु R गलत है
(d) A गलत है, किन्तु R सही है

46. कथन (A)- समाजशास्त्र की उत्पत्ति एक विघटित समाज के काल में हुई जिसका लक्ष्य सामाजिक विघटन के कारणों का अध्ययन और समाज में व्यवस्था को स्थापित करना था।
कारण (R)- समाजशास्त्र केवल उस समाज में महत्व रखता है, जो समाज संकटों से भरा हो।

उत्तर (c)—समाजशास्त्र की उत्पत्ति एक विघटित समाज के काल में हुई जिसका लक्ष्य सामाजिक विघटन के कारणों का अध्ययन और समाज में व्यवस्था को स्थापित करना था। परन्तु समाजशास्त्र मानव समाज एवं उससे सम्बन्धित सभी सामान्य घटनाओं एवं सामाजिक समस्याओं का अध्ययन करता है।

47. कथन (A)- गंदी बस्तियाँ बाल-अपराध के लिए उत्तरदायी है।
कारण (R)- गंदी बस्तियाँ न होती तो बाल अपराध भी न होते।

उत्तर (c)—समाजीकरण के फलस्वरूप ही व्यक्ति अच्छा या बुरा बनता है। गन्दी बस्तियों में जहाँ पहले से ही नकारात्मक समाजीकरण फैला होता है वहाँ, आगे की पीढ़ियाँ वैसी ही समाजीकरण की प्रक्रिया द्वारा सीखेंगे। लेकिन जरूरी नहीं कि बाल अपराध के लिए गन्दी बस्तियाँ ही जिम्मेदार हों। अतः A कथन सही है तथा R गलत है।

48. कथन (A)- संस्कृति सीखे हुए व्यवहार प्रतिमानों का संपूर्ण योग है।
कारण (R)- वह प्राणिशास्त्रीय विरासत का फल नहीं है।

उत्तर (a)—हॉबल कहते हैं कि संस्कृति सीखा हुआ व्यवहार है। संस्कृति मनुष्य को अपने माता-पिता द्वारा उसी प्रकार वंशानुक्रमण में प्राप्त नहीं होती, जिस प्रकार से शरीर रचना प्राप्त होती है। संस्कृति मानव के सीखे हुए व्यवहार प्रतिमानों का योग है अर्थात् यह संस्कृति प्राणीशास्त्रीय विरासत का फल नहीं हैं।
अतः अभिकथन A तथ्य कारण R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

49. कथन (A)- हम समिति के सदस्य होते हैं, संस्था के नहीं।
कारण (R)- समिति समूह होता है, किन्तु संस्था नियम व कार्यप्रणाली।

उत्तर (a)—हम समितियों के सदस्य होते हैं न कि संस्था के, अर्थात् समिति से मनुष्यों के एक संगठित समूह का बोध होता है जबकि संस्था से एक कार्य प्रणाली का। परिवार महाविद्यालय, धार्मिक संगठन, राजनीतिक दल, आदि व्यक्तियों के समूह के रूप में समितियाँ है और नियमों, विधि-विधानों और कार्य प्रणालियों के रूप में संस्थायें हैं।
अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सही तथा R, A की सही व्याख्या है।

50. कथन (A)- मानव का सांस्कृतिक जीवन आर्थिक व्यवस्था का प्रतिबिम्ब है।
कारण (R)- उत्पादन की विधि आर्थिक दशा से निर्धारित होती है।

उत्तर (a)—कार्ल मार्क्स ने अपने आर्थिक निर्धारण वाद में उत्पादन विधि के लिए आर्थिक दशा को महत्वपूर्ण माना है तथा यह कथन भी सत्य है कि मानव का सांस्कृतिक जीवन आर्थिक व्यवस्था का प्रतिबिम्ब है। अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सत्य है तथा R, A की व्याख्या करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2008

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. 'द एलिमैंट्री फॉर्म्स ऑफ रिलीजिअस लाइफ' पुस्तक के लेखक कौन है?

(a) मैक्स वेबर (b) इमाईल दुर्खीम
(c) इवाम प्रिचर्ड (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (b) दुर्खीम ने अपनी पुस्तक 'एलीमेंट्री फॉर्म्स ऑफ रिलीजियस लाइफ' में धर्म की प्रकृति, उत्पत्ति, प्रभाव आदि की विस्तृत विवेचना की है। उसने समाज को देवता माना है और कहा कि धर्म सामूहिक चेतना (कलेक्टिव कांसियसनेस) का प्रतीक है। उसने लिखा है कि आदिम मानव इतना बुद्धिमान नहीं था कि वह प्राकृतिक और अलौकिक घटनाओं को उसी रूप में समझ पाता जिस रूप में इस सिद्धान्त के प्रतिपादकों ने समझा है।

2. निम्नलिखित में से कौन-सी तकनीक परिमाणात्मक पद्धति में आँकड़े एकत्रित करने में काम नहीं आती?

(a) प्रेक्षण (b) अनुसूची
(c) मौखिक इतिहास (d) साक्षात्कार

उत्तर (c) मौखिक इतिहास (Oral History) तकनीक परिमाणात्मक पद्धति में आंकड़ें एकत्रित करने में काम नहीं आती, क्योंकि यह गुणात्मक पद्धति है। जबकि साक्षात्कार, प्रेक्षण, प्रश्नावली, दस्तावेज, पुनरीक्षण तकनीक परिमाणात्मक पद्धति है।

3. ''दण्ड अपराध की सामाजिक प्रतिक्रिया का रूप है'' यह विचार इनमें से किसके हैं?

(a) आर. के. मर्टन (b) इमाईल दुर्खीम
(c) हरबर्ट स्पेंसर (d) टालकॉट पारसन्स

उत्तर (b) दुर्खीम के अनुसार सामाजिक एकता के दो स्वरूपों या अवस्थाओं में यान्त्रिक और सावयवी की अन्य प्रमुख विशेषता यह है कि इनमें से प्रत्येक अवस्था में एक विशेष प्रकार की वैधानिक व्यवस्था पाई जाती है। यान्त्रिक एकता की अवस्था में समाज में दमनकारी कानून का प्रचलन होता है जबकि सावयवी एकता की अवस्था में प्रतिकारी कानून का प्रचलन होता है।
दमनकारी कानून का प्रचलन आदिम समाजों में जहाँ कि सामूहिक चेतना या इच्छा के विरूद्ध कार्य अपराध समझे जाते हैं। अतः दण्ड उन्हें दिया जाता है जो कि सामूहिक इच्छा का उल्लंघन करते हैं और सामूहिक भावनाओं को ठेस पहुँचाते हैं। दमनकारी कानून का उद्देश्य अपराधी द्वारा की गई क्षति की पूर्ति नहीं; यह कानून तो समाज में नैतिक संतुलन बनाए रखने तथा सामूहिक इच्छा को पुनः स्थापित करने के लिए होता है। प्रतिकारी कानून आधुनिक समाज की विशेषता है। सभ्यता के विकास और सामाजिक श्रम-विभाजन के साथ-साथ आदिम समाज में पाई जाने वाली एकरूपता नष्ट हो गई तथा समाज में भिन्नताएँ उत्पन्न हो गईं। प्रत्येक व्यक्ति के भिन्न-भिन्न व्यक्तित्व अनुभव व कार्य हो गए जिसके कारण व्यक्तिगत या वैयक्तित्व स्वतन्त्रता का महत्व बढ़ गया। इन सबका परिणाम यह हुआ कि अपराध को अब समस्त समाज के विरूद्ध कार्य या सामूहिक इच्छा का उल्लंघन न समझ कर व्यक्ति के विरुद्ध कार्य समझा जाने लगा।

4. समिति का लक्षण इनमें से कौन-सा है?

(a) यह विस्तृत है
(b) सामाजिक संबंधों का जाल
(c) सदस्यता अनिवार्य है
(d) सदस्यता स्वैच्छिक है

उत्तर (d) विभिन्न समाजशास्त्रियों ने समिति की निम्नलिखित विशेषताएँ प्रस्तुत की हैं–

1. व्यक्तियों का समूह
2. निश्चित उद्देश्य
3. विचारपूर्वक स्थापना
4. एक निश्चित संगठन
5. नियमों पर आधारित
6. ऐच्छिक सदस्यता
7. अस्थायी प्रकृति
8. अनौपचारिक सम्बन्ध
9. साध्य न होकर साधन

ऑगबर्न एवं निमकॉफ के अनुसार, ''समिति एक ऐसा संगठन है जो प्रायः विशेष स्वार्थों की पूर्ति के लिए बनाया जाता है। इसका उद्देश्य अपने सदस्यों की विशेष या सामान्य इच्छाओं की संतुष्टि के अतिरिक्त और कुछ नहीं है।''

5. किसने संस्कृति को इस प्रकार परिभाषित किया है?

(a) रॉबर्ट बीरस्टीड (b) एडवर्ड बी. टायलर
(c) मैलिनोवस्की (d) बोगाड्र्स

उत्तर (b) **एडवर्ड बी. टायलर** ने अपनी पुस्तक 'प्रिमिटिव कल्चर' (1871) में संस्कृति को परिभाषित किया है–''संस्कृति वह सम्पूर्ण जटिलता है जिसमें, ज्ञान, विश्वास, कला, नैतिकता, कानून, प्रथा तथा वे सभी क्षमताएँ एवं गुण सम्मिलित है, जिन्हें मानव समाज का सदस्य होने के नाते प्राप्त करता है।''
राबर्ट बीरस्टीड के अनुसार, ''संस्कृति उन सभी वस्तुओं का जटिल सम्पूर्ण है जिनमें वह सब निहित है जो कुछ हम समाज का सदस्य होने के नाते सोचते और कहते हैं।''
मैलिनोवस्की के अनुसार, ''संस्कृति मनुष्य की कृति तथा एक साधन है जिसके द्वारा वह अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करता है।''

6. किसने प्रतीक को 'ऐसा उद्दीपक जिसकी अनुक्रिया पहले से दी हुई होती है' के रूप में परिभाषित किया?

(a) हरबर्ट ब्लूमर (b) किंग्स्ले डेविस
(c) जी.एच.मीड (d) ई. गॉफमैन

उत्तर (c) जी.एच.मीड ने प्रतीक को 'ऐसा उद्दीपक जिसकी अनुक्रिया पहले से दी हुई होती है' के रूप में परिभाषित किया।

7. इनमें से कौन-सा सामुदायिक मनोभावों का तत्व नहीं है?

(a) गौण की भावना (b) हम की भावना
(c) भूमिका की भावना (d) निर्भरता की भावना

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (a) गौण की भावना सामुदायिक मनोभावों का तत्व नहीं है। समुदाय से तात्पर्य साथ-साथ मिलकर सेवा करने से है अन्य शब्दों में समुदाय का अर्थ व्यक्तियों के ऐसे समूह से है जो निश्चित भौगोलिक भू-भाग पर साथ-साथ रहते हैं और वे किसी एक उद्देश्य के लिए नहीं बल्कि सामान्य उद्देश्यों के लिए इकट्ठे रहते हैं, उनका सम्पूर्ण जीवन सामान्यतः यहीं व्यतीत होता है।
समुदाय के तीन आवश्यक तत्व इस प्रकार हैं–
1. व्यक्तियों का समूह
2. निश्चित भौगोलिक क्षेत्र
3. सामुदायिक भावना
सामुदायिक भावना के अन्तर्गत प्रमुखतः तीन बातें पायी जाती हैं–
1. हम की भावना की अभिव्यक्ति
2. योगदान या दायित्व निर्वाह की भावना
3. निर्भरता की भावना

8. प्राथमिक समूह सामाजिक संबंधों की ओर निर्दिष्ट करता है-
(a) अवैयक्तिक (b) अप्रत्यक्ष
(c) संविदा (d) सम्मुख

उत्तर (d) चार्ल्स कूले ने अपनी पुस्तक 'सोशल आर्गनाइजेशन' (1909) में प्राथमिक समूह का वर्णन किया है जिसके सदस्यों में आमने-सामने के सम्बन्ध पाये जाते हैं अर्थात् सदस्य एक दूसरे के सम्पर्क में प्रत्यक्ष रूप से आते हों। इस प्रकार के सम्पर्क में आने वाले लोगों में मित्र, पड़ोसी, साथी, परिवार के सदस्य तथा सदैव मिलने-जुलने वाले लोग आते हैं। चार्ल्स कूले ने सर्वप्रथम खेलकूद के साथियों, परिवार तथा पड़ोस की प्रकृति को स्पष्ट करने हेतु 'प्राथमिक समूह' शब्द को काम में लिया। आपने इन समूहों को प्राथमिक इसलिए कहा क्योंकि महत्व एवं प्रभाव की दृष्टि से ये व्यक्ति के जीवन में प्राथमिक हैं।

9. निम्नलिखित में से कौन-सा नाम 'थ्योरी ऑफ सोशलाइजेशन' (समाजीकरण का सिद्धांत) से जुड़ा है?
(a) टालकॉट पारसन्स (b) जी.एच.मीड
(c) आर.के. मर्टन (d) इमाईल दुर्खीम

उत्तर (b) 'थ्योरी ऑफ सोशलाइजेशन' से तीन नाम जुड़े हैं। जिन्हें आत्म के विकास के सिद्धान्त भी कहते हैं ये तीन नाम हैं – कूले, फ्रायड एवं मीड।
कूले के सिद्धांत को दर्पण सिद्धान्त (लुकिंग ग्लास कॉन्सेप्ट) कहा गया है। उनके अनुसार, मनुष्य 'स्व' के बारे में धारणा दूसरे व्यक्तियों की सहायता से बनाता है। मनुष्य उस समय तक अपने बारे में कोई धारणा नहीं बनाता जब तक वह दूसरे के सम्पर्क में नहीं आता तथा अपने बारे में उसकी धारणा नहीं जान लेता है।
मीड ने समाजीकरण की प्रक्रिया का समाजशास्त्रीय विश्लेषण किया है उनके अनुसार बच्चे का दूसरे व्यक्तियों से जब संवहनात्मक सम्पर्क होता है, तब आत्म का विकास होता है। नवजात शिशु की भोजन और वस्त्र सम्बन्धी आवश्यकताएँ होती है। अतः इन आवश्यकताओं की पूर्ति करती है जिससे बच्चा उसके ऊपर निर्भर हो जाता है और वह भावनात्मक स्तर पर माता के साथ स्वयं का तादात्मीकरण कर लेता है, परन्तु कालान्तर में बच्चा स्वयं को माता से अलग समझने लगता है जिससे स्वयं को तथा माता को एक नयी सामाजिक व्यवस्था, दो व्यक्ति, दो भूमिका व्यवस्था में समाकलित करता है।

10. 'मेहर' किस प्रकार के विवाह से जुड़ा है?
(a) मुस्लिम विवाह (b) ईसाई विवाह
(c) हिन्दू विवाह (d) यहूदी विवाह

उत्तर (a) मेहर वह राशि होती है जिसे मुस्लिम विवाह में वर पक्ष कन्या पक्ष को देता है। यह राशि तलाक के समय कन्या पक्ष वर पक्ष को वापस कर देता है।

11. इनमें से किसने 'लुकिंग ग्लास सेल्फ थ्योरी' (Looking Glass Self Theory) का प्रतिपादन किया?
(a) जी. एच. मीड (b) सी. एच. कूले
(c) फेयर चाइल्ड (d) एम. एन. श्रीनिवास

उत्तर (b) आत्म विकास सम्बन्धी कूले के सिद्धान्त को 'दर्पण सिद्धान्त' 'लुकिंग ग्लास कॉन्सेप्ट' कहा गया है। उसके अनुसार मनुष्य 'स्व' के बारे में धारणा दूसरे व्यक्तियों की सहायता से बनाता है। दर्पण सिद्धान्त के तीन मुख्य तत्व हैं – (1) दूसरे लोग मेरे बारे में क्या-क्या सोचते हैं। (2) दूसरे लोगों ने जो धारणा मेरे बारे में बनायी है, उसके सन्दर्भ में मैं अपने बारे में क्या सोचता हूँ (3) मैं अपने बारे में सोचकर अपने को कैसा मानता हूँ
मनुष्य उस समय तक अपने बारे में कोई धारणा नहीं बनाता जब तक वह दूसरों के सम्पर्क में नहीं आता तथा अपने बारे में उनकी धारणा को नहीं जान लेता। वह अपने स्व की धारणा अपने बारे में अन्य लोगों की धारणा के आधार पर बनाता है। इस प्रकार जब हमारे मित्र हमको बुद्धिमान या सामान्य, लम्बा या छोटा, मोटा या पतला कहते हैं तो हम उनकी ऐसी धारणा के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं तथा अपने बारे में वही धारणा बना लेते हैं जो उन्होंने हमारे बारे में बनाई है।

12. इनमें से मैक्स वेबर द्वारा की गई सामाजिक क्रिया के वर्गीकरण का भाग कौन-सा है?
(a) तार्किक क्रिया (b) अतार्किक क्रिया
(c) तर्कसंगत क्रिया (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (a) वेबर के अनुसार, समाजशास्त्र के अध्ययन का उपयुक्त एवं प्रमख उद्देश्य सामाजिक क्रिया का अध्ययन करना है। सामाजिक क्रिया से उनका तात्पर्य 'ऐसी क्रिया से है जो दूसरे व्यक्तियों के प्रति की जाती है और जिनके साथ हम व्यक्तिपरक अर्थ जोड़ते है।' वेबर ने सामाजिक क्रिया के चार रूप बताये हैं- पारम्परिक, भावात्मक, मूल्यांकनात्मक और तार्किक क्रिया।

13. 'तारवाड' इनमें से किस जनजाति का परिवार है?
(a) नायर (b) टोडा
(c) खासी (d) भील

उत्तर (a) जे.डी. मेन ने अपनी पुस्तक 'हिन्दू लॉ एण्ड कस्टम' में मालाबार के नायरों में प्रचलित संयुक्त परिवार जिसे थारवाड भी कहते हैं, को इस व्यवस्था का एक पूर्ण उदाहरण माना है।
स्रोत - समाजिक मानव शास्त्र– गुप्ता एवं शर्मा

14. गहन अध्ययन के लिए इनमें से कौन-सी तकनीक सबसे उपयुक्त है?
(a) प्रश्नावली (b) प्रेक्षण
(c) साक्षात्कार (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b) पी. वी. यंग के अनुसार, "अवलोकन को नेत्रों द्वारा सामूहिक व्यवहार एवं जटिल सामाजिक संस्थाओं के साथ ही साथ सम्पूर्णता की रचना करने वाली पृथक इकाइयों के अध्ययन की विचार पूर्ण पद्धति के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।"
आक्सफोर्ड शब्दकोश में निरीक्षण की परिभाषा इस प्रकार दी गई है, "घटनाएँ कार्य-कारण अथवा पारस्परिक सम्बन्धों के सम्बन्ध, के जिस रूप में उपस्थित होती है का यथार्थ निरीक्षण एवं वर्णन है।"
स्पष्ट है कि एक अवलोकन-प्रविधि प्राथमिक सामग्री के संग्रहण की प्रत्यक्ष प्रविधि है। अवलोकन का तात्पर्य उस प्रविधि से है जिनमें नेत्रों द्वारा नवीन अथवा प्राथमिक तथ्यों का विचारपूर्वक संकलन किया जाता हो साथ ही इस प्रविधि में अनुसंधानकर्ता अध्ययन के अन्तर्गत आए समूह के दैनिक जीवन में भाग लेते हुए अथवा उससे दूर बैठकर उसके सामाजिक एवं व्यक्तिगत व्यवहारों का अपनी ज्ञानेन्द्रियों द्वारा निरीक्षण करता है।

15. निम्नलिखित में से कौन स्तरीकरण के विरोधी विचारक थे?
(a) डेहरेण्डॉर्फ, कार्ल मार्क्स, जी. लॉस्की
(b) सी. डब्ल्यू मिल्स, टी. पारसंस, डेविस तथा मूर
(c) मैलविन ट्यूमिन, डेहरेण्डॉर्फ, कार्ल मार्क्स
(d) टी. पार्सन्स, एम. ट्यूमिन, डेहरेण्डॉर्फ

उत्तर (c) मैल्विन ट्यूमिन, स्तरीकरण के प्रकार्यवादी विचार के आलोचक रहे हैं ये समाज में स्तरीकरण को ठीक नहीं मानते। डेहरेण्डॉर्फ संघर्षात्मक प्रकार्यवादी है जिन्होंने अपनी धारणा में व्यक्त किया की संघर्ष सामाजिक व्यवस्था के लिए प्रकार्यात्मक है। कार्ल मार्क्स सामाजिक स्तरीकरण के विरोधी थे। वे समाजवादी समाज की कल्पना करते थे।
अन्य विद्वानों यथा-पारसन्स, जी. लास्की, सी.डब्लू. मिल्स, डेविस और मूर ने समाज में स्तरीकरण की आवश्यकता को स्वीकार किया है। पारसन्स सामाजिक अधिकार वितरण की प्रणाली को स्वीकार करते है एवं समाज की विभाजन आधारित व्यवस्था को स्वीकार करते हैं। कुछ ऐसा ही विचार सी. राइट मिल्स का भी है। अपने स्तरीकरण सम्बन्धी विचार में शक्ति को महत्वपूर्ण मानते हैं तथा अमेरीकी समाज में शक्ति अभिनत की बात करते हैं। जी. लास्की राज्य की व्यवस्था का समर्थन करते हैं तथा सामाजिक विभाजन को स्वीकार करते हैं।

16. निम्नलिखित में से किसने ओड़िशा के गाँव के अध्ययन में स्पष्ट किया कि अर्थव्यवस्था की 'विस्तृत सीमाएँ' (extending frontiers) तथा नीति किस प्रकार जाति संगठन में परिवर्तन लाती है?
(a) के.एम. कपाड़िया (b) योगेन्द्र सिंह
(c) इरावती कर्वे (d) एफ.जी. बेली

उत्तर (d) एफ. जी. बेली ने उड़ीसा के गाँव, विसीपारा के अध्ययन में ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आये परिवर्तनों का विश्लेषण करते हुए बताया कि व्यावसायिकतावाद के प्रभाव के कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था वृहद राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का भाग बन जाती है। बेली के अनुसार अंग्रेजी शासन में परिवर्तन राजनैतिक वातावरण ने गाँव के पारस्परिक जाति पद क्रम और भूस्वामित्व संरचना को धक्का पहुँचाया जिसके कारण बेली का मानना है कि यद्यपि सामाजिक स्थितियों में आंतरिक अदल-बदल हुआ परन्तु सम्बन्धित समूहों में जाति व्यवस्था अभी भी राजनैतिक सम्बन्ध निर्धारित करती रही तथा आर्थिक प्रस्थितियों को प्रतिबंधित करती रही। इस अर्थ में, व्यापक परिवर्तनों के बावजूद जाति की निरन्तरता अभी भी बनी हुई है।

17. पूँजीवादी औद्योगिक समाज में श्रमिक वर्ग को अकुशल, अर्द्ध-कुशल तथा कुशल श्रमिक की कोटियाँ किसने बनाई हैं?
(a) कार्ल मार्क्स (b) मैक्स वेबर
(c) डेहरेण्डॉर्फ (d) इमाईल दुर्खीम

उत्तर (b) मैक्स वेबर ने उपलब्धि वर्ग (Acquisition class) की अवधारणा को प्रस्तुत किया है। उपलब्धि वर्ग को दो भागों में बाँटा गया है–
1. सकारात्मक विशेषाधिकार उपलब्धि वर्ग–इसके अन्तर्गत वो लोग सम्मिलित है जिनका उत्पादन के प्रतिष्ठानों पर स्वामित्व है।
2. नकारात्मक विशेषाधिकार उपलब्धि वर्ग–इसके अन्तर्गत अकुशल, अर्द्धकुशल श्रमिक वर्ग आते हैं।

18. समाज द्वारा स्वीकृत उद्देश्य तथा साधनों की सीमित पहुँच के कारण जो खींचतान होती है उसके अनुकूलन के लिए रॉबर्ट के. मर्टन द्वारा प्रस्तुत इनमें से सबसे सामान्य तरीका कौन-सा है?
(a) अनुष्ठान (विधि-विधान)
(b) पलायनवाद
(c) बगावत
(d) अनुरूपता

उत्तर (d) विचलन की बात सर्वप्रथम राबर्ट के. मर्टन द्वारा 1938 में अपनी पुस्तक 'सोशल स्ट्रक्चर' में की गयी। विचलन का तात्पर्य समाज के नियमों व मानकों के अनुरूप आचरण न करना है
राबर्ट के. मर्टन विचलन के लिए समाज व सामाजिक संरचना को उत्तरदायी मानते हैं और कहते हैं कि, "समाज गैर अनुचलन आचरण के लिए उत्तरदायी है।" मर्टन सामाजिक संरचना की व्याख्या सांस्कृतिक लक्ष्य और संस्थागत साधन के रूप में करते हैं और इस आधार पर पाँच प्रकार के व्यक्तित्व का उल्लेख करते हैं–
1. अनुरूपता 2. नवाचार 3. संस्कारवाद
4. प्रत्यावर्तन 5. विद्रोह

विचलन का स्वरूप	सांस्कृतिक लक्ष्य	संस्थागत साधन
1. अनुरूपता	+	+
2. नवाचार	+	–
3. संस्कारवाद	–	+
4. प्रत्यावर्तन	–	–
5. विद्रोह	∓	∓

मर्टन द्वारा प्रस्तुत यह वर्गीकरण विचलन और उसे सम्बन्धित कारकों को दर्शाता है। यहाँ '(+)' स्वीकृति (∓) – प्रचलित मूल्यों को छोड़ना व नवीन मूल्यों का प्रतिस्थापन तथा (–) अस्वीकृति को दर्शाता है।

19. 'भूमिका पुँज' इनमें से किसको निर्दिष्ट करता है?
(a) भूमिका अदा करने वाले का असली व्यवहार
(b) जिसकी कुछ स्थिति है उसका अपेक्षित व्यवहार
(c) दायित्वपूर्ण भूमिका को निभाने में कठिनाई महसूस करने वाला
(d) सामाजिक स्थिति बनाने वाला साहचर्य भूमिकाओं का गुच्छ

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (d) सामाजिक स्थिति बनाने वाले साहचर्य भूमिकाओं का गुच्छ भूमिकापुंज कहा जाता है। इसका तात्पर्य यह है कि एक व्यक्ति अनेक भूमिकाओं का निर्वहन स्वयं अकेले करता है जो वास्तव में समाज में उसके महत्व को इंगित करती है। जैसे एक व्यक्ति एक समय में अधिकारी, पिता, बेटा, श्वसुर, दामाद, चाचा आदि भूमिकाएँ स्वयं ही लेता है और उनका संचालन भी करता है।

20. सामाजिक व्यवस्था को समझने के लिए 'AGIL Model' (ए जी आई एल मॉडल) का विकास इनमें से किसने किया?

(a) रैडक्लिफ ब्राउन (b) टालकॉट पारसन्स
(c) मैलिनोवस्की (d) नाडेल

उत्तर (b) सामाजिक व्यवस्था को बनाये रखने के लिए **पारसन्स** कुछ पूर्व आवश्यक शर्तें बताते हैं। जिसके बिना व्यवस्था जिंदा नहीं रह सकती। पारसन्स के इस सिद्धान्त को प्रकार्यवादी सिद्धान्त कहते हैं। पारसन्स चार प्रकार की प्रकार्यात्मक पूर्व-आवश्यकतायें बताते हैं–

1. अनुकूलन (Adaptation)–भौतिक तत्वों से सामन्जस्य बैठाने की प्रक्रिया पारसन्स इसे अनुकूलन कहते हैं।

2. लक्ष्य (Goal)–प्रत्येक व्यवस्था के किसी न किसी साधन को लक्ष्य पूर्ति में लगाना तभी सम्भव है, जब शक्तियों का प्रयोग किया जाय।

3. एकीकरण– (Integration)–समाज व्यवस्था में अनेक उपव्यवस्थायें होती है, अर्थव्यवस्था, राजनीतिक व्यवस्था, शैक्षणिक व्यवस्था, सैन्य व्यवस्था आदि उप-व्यवस्थाओं का परस्पर ऐसा संतुलन होना चाहिए कि सभी मिलकर समाज व्यवस्था को चलाने में सहायक हों। अतः सभी उप-व्यवस्थाओं को एक सूत्र में बाँधे रहने का कार्य एकीकरण कहलाता है।

4. यथास्थिति (Letancy)–व्यवस्था जैसे पहले थी वैसे बनाये रखने की जिम्मेदारी इस पूर्व आवश्यक शर्त की है। यह कार्य समाज में परिवार तथा शिक्षा व्यवस्था करती है।

निर्देश-(21-29)- दिए गए प्रश्नों के उत्तर निम्न कूट से दीजिए।

(a) दोनों A तथा R सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(b) दोनों A तथा R सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, परन्तु R गलत है
(d) A गलत है, परन्तु R सही है

21. कथन (A)- सौजन्स (sauztions) जो कि प्रतिमान को प्रवर्तित करती है वह सामाजिक नियन्त्रण की प्रक्रिया का मुख्य भाग होती है।
तर्क (R)- सामाजिक नियन्त्रण की ये प्रक्रियाएँ समाज में व्यवस्था के निर्वाह के लिए उत्तरदायी नहीं हैं।

उत्तर (c) सौजन्स प्रतिमानों को प्रवर्तित कर समाज को नियंत्रित करने में योगदान देती है लेकिन यह सत्य नहीं है कि ये ही प्रक्रियायें समाज में व्यवस्था निर्वाह के लिए भी उत्तरदायी हो।

22. कथन (A)- विवाह दो व्यक्तियों में नितान्त संवेगात्मक संबंधों के रूप में बढ़ती हुई प्रगाढ़ता है।
तर्क (R)- बढ़ती हुई तलाक दर इस तथ्य को व्यक्त करती है।

उत्तर (c) विवाह दो व्यक्तियों में नितान्त संवेगात्मक संबंधों के रूप में बढ़ती हुए प्रगाढ़ता है किन्तु तलाक इसमें नकारात्मक कारण हैं। अतः प्रश्न में दिये गये कथन का यह तर्क सही नहीं है।

23. कथन (A)- उपभोक्ता एक ब्रांड से दूसरी ब्रांड पर त्वरित गति से परिवर्तित कर रहा है।
तर्क (R)- ग्राहक की निष्ठा अब वैसी नहीं है जैसे पहले होती थी।

उत्तर (a) उपभोक्ता एक ब्रॉण्ड से दूसरे ब्रॉण्ड में त्वरित परिवर्तित हो रहा है क्योंकि स्वतन्त्र बाजार व्यवस्था में एवं पूर्ण बाजार प्रतियोगिता में उपभोक्ताओं को नये, अच्छे तथा सस्ती वस्तुओं को प्रयोग करने का अवसर मिला है। यही कारण है कि ग्राहकों की निष्ठा वैसी नहीं रही जैसे पहले होती थी।

24. कथन (A)- जनजाति के संबंध में सरकारी नीति संतुलित है।
तर्क (R)- यह वी. एल्विन की अलगाव की नीति तथा घुर्ये की समीकरण नीति के बीच में है।

उत्तर (a) जनजातियों की समस्या के समाधान के लिए स्वतंत्रता उपरान्त कई प्रयास किये गये तथा कई नीति निर्माताओं से सलाह भी ली गई। वेरिवर ऐल्विन ने जनजातियों के पुनरूद्धार की बात कही तथा राष्ट्रीय उपवन की स्थापना का सुझाव दिया तथा घुर्ये ने इन्हें पिछड़े हिन्दू कहकर सम्बोधित किया तथा इसे व्यापक समाज में आत्मसात करने की बात कही।
आज जनजाति कल्याण नीतियाँ दोनों के बीच की अवधारणा है। अर्थात् जनजातियों की संस्कृति को छेड़ा न जाय और उनके द्वारा जो भी सम्भव हो समाज में लिया जाय। अर्थात् उनके उत्पादनों और तकनीकों को व्यापक समाज में स्वीकार किया जाय।

25. कथन (A)- 'अनुसूचित जाति' शब्द साइमन कमीशन ने गढ़ा था।
तर्क (R)- औपनिवेशक काल में अनुसूचित जाति के लिए प्रायः शोषित वर्ग, बहिर्जाति तथा अछूत शब्दों का प्रयोग हुआ है।

उत्तर (b) 'अनुसूचित जाति' शब्द का प्रयोग 1935 ई. में साइमन कमीशन द्वारा किया गया था। इस शब्द का प्रयोग अस्पृश्य लोगों के के लिए किया गया तथा यह भी कथन सत्य है कि सन् 1935 में दलित अछूत व हरिजन के लिए विधान में इन लोगों को कुछ विशेष सुविधायें प्रदान करने की दृष्टि से अनुसूची तैयार की गयी जिसमें विभिन्न अस्पृश्य जातियों को सम्मिलित किया गया इस अनुसूची के आधार पर वैधानिक दृष्टिकोण से इन जातियों के लिए अनुसूचित जाति शब्द को काम में लिया।

26. कथन (A)- तेलंगाना आन्दोलन महत्वपूर्ण आमूल (radical) कृषक आंदोलनों में से एक है।
तर्क (R)- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इसे प्रभावशाली नेतृत्व प्रदान किया।

उत्तर (c) तेलंगाना आन्दोलन (1946-51) के मध्य हैदराबाद के निजाम तथा उनके रजाकारों के विरूद्ध जो कृषक संघर्ष हुए उन्हें तेलंगाना कृषक आन्दोलन के नाम से जाना जाता है। तथा इस आंदोलन को काँग्रेस का नेतृत्व प्राप्त नहीं हुआ। सरदार पटेल के

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

सहयोग से जब सितम्बर 1948 में निजाम का आत्म समर्पण सम्भव हुआ तब जाकर यह आन्दोलन कुछ धीमा पड़ा। निजाम के समर्पण के बाद सैनिक शासन को स्थानीय कृषकों का भरपूर सहयोग मिला। कम्युनिस्ट समर्थकों ने आन्दोलन की पकड़ ढीली नहीं करनी चाही। अतः गुरिल्ला युद्ध के स्तर पर पुनः इस आन्दोलन की नींव डाली और गाँवों से बढ़ते हुए सुदूर वन्यजातीय इलाकों में भी फैल गए।

27. **कथन (A)-** जनगणना रिपोर्ट हमेशा त्रुटियों से मुक्त नहीं होती।
तर्क (R)- जनगणना रिपोर्ट राजनीतिक उद्देश्यों के लिए सम्प्रयोजन गलत प्रस्तुत की जाती है।

उत्तर (c) जनगणना रिपोर्ट हमेशा त्रुटियों से मुक्त नहीं होती। क्योंकि यह एक कठिन कार्य है। भारत जैसे विशाल देश में जनसंख्या की गणना सौ प्रतिशत सही नहीं हो सकती क्योंकि भारत में कहीं सुगम मैदानी इलाकें हैं तो कहीं-कहीं पथरीले और दुर्गम पहाड़ी व जंगली इलाके। जम्मू कश्मीर जैसे दुर्गम क्षेत्रों में भी जनगणना आसान नहीं होती है। अतः जनगणना को पूरी तरह से सही नहीं माना जा सकता। कुछ त्रुटियाँ तो विद्यमान रहती ही हैं।

28. **कथन (A)-**आरक्षण की नीति पिछड़े वर्ग में से अभिजात्य वर्ग को जन्म देती है।
तर्क (R)- आरक्षण के लाभों का उनके द्वारा अधिपत्य किया गया है।

उत्तर (a) भारत के संविधान में पिछड़े वर्ग को आरक्षण का प्रावधान है (अनु. 16(4))। ये बात सही है कि आरक्षण से पिछड़े वर्गों को लाभ मिला है किन्तु वर्ग का क्रीमीलेयर ही अधिकांश योजनाओं और आरक्षण के लाभों को ले रहा है क्योंकि इससे जो अभिजात्य वर्ग का जन्म हुआ है वह अधिक जागरूक व सक्षम है जो अन्य को लाभ से वंचित करता है। अतः कथन व तर्क दोनों सही हैं एवं तर्क कथन की व्याख्या भी करता है।

29. **कथन (A)-** कोई भी समाज विचलन से पूरी तरह से मुक्त नहीं है।
तर्क (R)- समाज में विचलन तथा अनुरूपता निरन्तर चलने वाली प्रक्रियाएँ हैं।

उत्तर (a) मर्टन के अनुसार कोई भी समाज विचलन से पूर्ण मुक्त नहीं है, क्योंकि समाज में विभिन्न निर्माणकारी व विनाशकारी प्रक्रियाएँ लगातार चलती रहती हैं। यदि यह सोचा जाय की कोई समाज विचलन से पूर्ण मुक्त हो गया है तो ऐसा सही नहीं है क्योंकि विचलन के कारण तो समाज में सदैव विद्यमान रहते हैं। अतः प्रश्न का तर्क विचलन और अनुरूपता निरन्तर चलने वाली प्रक्रियाएँ हैं, सत्य है तथा तर्क कथन की व्याख्या भी करता है।

30. **सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-**

सूची I (पुस्तक)	सूची II (लेखक)
(A) कास्ट इन मॉडर्न इंडिया	1. ए. बैतेई
(B) कास्ट, क्लास, पॉवर	2. एल. ड्यूमॉन्ट
(C) होमो हायरार्किस	3. इन्द्रदेव
(D) फोक कल्चर एण्ड पीजैण्ट सोसाइटीज इन इंडिया	4. एम.एन. श्रीनिवास
	5. जे. एच. हट्टन

	A	B	C	D
(a)	4	1	2	3
(b)	3	2	1	5
(c)	1	2	4	3
(d)	5	2	3	1

उत्तर (a) **सही सुमेलन निम्न प्रकार है–**

(पुस्तक)	(लेखक)
कास्ट इन मॉर्डन इंडिया	- एम. एन. श्रीनिवास
कास्ट, क्लास, पॉवर	- ए. बैतेई
होमो हायरार्किस	- लुई ड्यूमॉ
फॉक कल्चर एण्ड पीजैण्ट सोसाइटी इन इण्डिया	- इन्द्रदेव

31. **सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-**

सूची I (लेखक)	सूची II (संकल्पनाएँ)
(A) लुइस विर्थ	1. लोक-नगरीय नैरन्तर्य (फोक-अर्बन कन्टीन्यूअम)
(B) एल्टन मैयो	2. वैज्ञानिक प्रबन्धन
(C) रॉबर्ट रैडफील्ड	3. शहरीकरण जीवन का एक तरीका (अर्बनिज्म ऐज ए वे आफ लाइफ)
(D) फ्रैडरिक टेलर	4. मानव संबंध (ह्यूमन रिलेशन)

	A	B	C	D
(a)	3	4	2	1
(b)	3	4	1	2
(c)	4	3	1	2
(d)	4	3	2	1

उत्तर (b) **सही सुमेलन निम्न प्रकार है–**

(लेखक)	(संकल्पनाएँ)
लुइस वर्थ	- शहरीकरण जीवन का एक तरीका
एल्टन मेयो	- मानव सम्बन्ध
रॉबर्ट रैडफील्ड	- लोक नगरीय नैरन्तर्य
फ्रैडरिक टेलर	- वैज्ञानिक प्रबन्धन

लुइस वर्थ ने नगरीकरण के सम्बन्ध में संकल्पनाएँ दी है। एल्टन मेयो को मानव सम्बन्ध आन्दोलन का अग्रदूत माना जाता है। रॉबर्ट रैडफील्ड ने लघु समुदायों पर अपना अध्ययन केन्द्रित किया। फैडरिक टेलर वैज्ञानिक प्रबन्धन सिद्धान्त के जनक हैं।

32. **सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-**

सूची I (रचना)	सूची II (लेखक)
(A) सोशल थ्योरी एण्ड सोशल स्ट्रक्चर	1. कार्ल मार्क्स
(B) कांफ्लिक्ट सोशियोलॉजी	2. डेहरेण्डॉर्फ
(C) द फंक्शंस ऑफ सोशल कॉनफ्लिक्ट	3. कोजर
(D) क्लास एण्ड क्लास कांफ्लिक्ट इन इण्डस्ट्रियल सोसाइटी	4. कॉलिन्स
	5. मर्टन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	5
(b)	5	4	3	2
(c)	1	3	5	4
(d)	3	4	5	1

उत्तर (b) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(रचना)	(लेखक)
सोशल थ्योरी एण्ड सोशल स्ट्रक्चर	- मर्टन
कांफ्लिक्ट सोशियोलॉजी	- कॉलिन्स
द फंक्शंस ऑफ सोशल कांफिलक्ट	- कोजर
क्लास एण्ड क्लास कांफ्लिक्ट इन इण्ड्स्ट्रियल सोसाइटी	- डेहरेनडॉर्फ

33. सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

सूची I (संकल्पनाएँ)	सूची II (लेखक)
(A) संदर्भ समूह (रेफरेन्स ग्रुप)	1. सी.एच. कूले
(B) प्राथमिक समूह (प्राइमरी ग्रुप)	2. मर्टन
(C) समानाधिकृत समूह (को-ऑर्डिनेटिड ग्रुप)	3. लेविस कोजर
(D) समूह संसक्ति (ग्रुप कोहीजन)	4. दुर्खीम

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	2	5	3	4
(c)	4	2	3	1
(d)	3	5	2	4

उत्तर (a) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(संकल्पनाएं)	(लेखक)
सन्दर्भ समूह	- मर्टन
प्राथमिक समूह	- कूले
समानाधिकृत समूह	- दुर्खीम
समूह संसक्ति (ग्रुप कोहीजन)	- लेविस कोजर

34. सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

सूची I (संकल्पनाएँ)	सूची II (लेखक)
(A) सामाजिक स्थैतिकी तथा सामाजिक गतिकी	1. इमाईल दुर्खीम
(B) एकात्मकता	2. ऑगस्ट कॉम्टे
(C) दफ्तरशाही (नौकरशाही)	3. मैक्स वेबर
(D) अवशिष्ट एवं भ्रान्त तर्क	4. मयक्यावली
	5. विल्फ्रेडो परेटो

	A	B	C	D
(a)	2	5	3	4
(b)	3	2	4	1
(c)	5	1	3	2
(d)	2	1	3	5

उत्तर (d) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(संकल्पनाएँ)	(लेखक)
सामाजिक स्थैतिकी तथा सामाजिक गतिकी	- ऑगस्त कॉम्ट
एकात्मकता	- इमाईल दुर्खीम
दफ्तरशाही	- मैक्स वेबर
अवशिष्ट एवं भ्रांततर्क	- विल्फ्रेडो परेटो

35. सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

सूची I (संकल्पनाएँ)	सूची II (लेखक)
(A) प्रकार्यात्मक अनिवार्यता	1. आर. के. मर्टन
(B) प्रकार्यात्मक परिणामों का शुद्ध संतुलन	2. बी. मैलिनोवस्की
(C) सार्वभौमिक प्रकार्यात्मकता	3. ऑगस्ट कॉम्टे
(D) प्रत्यक्षवादी जैविकताद	4. टी. पारसंस
	5. रैडक्लिफ बाउन

	A	B	C	D
(a)	4	1	2	3
(b)	4	1	5	3
(c)	2	4	5	3
(d)	2	5	2	4

उत्तर (a) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(संकल्पनाएं)	(लेखक)
प्रकार्यात्मक अनिवार्यता	- टी. पारसन्स
प्रकार्यात्मक परिणामों का शुद्ध संतुलन	- आर.के. मर्टन
सार्वभौमिक प्रकार्यात्मकता	- बी. मैलिनोवस्की
प्रत्यक्षवादी जैविकवाद	- ऑगस्त कॉम्ट

36. सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

सूची I (संकल्पनाएँ)	सूची II (लेखक)
(A) पश्चिमीकरण तथा संस्कृतिकरण	1. मैकिम मैरियट
(B) सार्वभौमीकरण तथा संकीर्णता	2. रॉबर्ट रैडफील्ड
(C) वृहत परंपरा तथा लघु परंपरा	3. एम.एन. श्रीनिवास
(D) सार्वभौमीकरण तथा विशिष्टकरण	4. टालकॉट पार्सन्स
	5. बी. मैलिनोवस्की

	A	B	C	D
(a)	3	4	2	1
(b)	4	3	1	4
(c)	2	1	4	3
(d)	3	1	2	4

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (d) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(संकल्पनाएँ)	(लेखक)
पश्चिमीकरण तथा संस्कृतिकरण	- एम.एन. श्रीनिवास
सार्वभौमीकरण तथा संकीर्णता	- मैकिम मैरियट
वृहद परम्परा तथा लघु परम्परा	- रॉबर्ट रेडफील्ड
सावैभौमिकरण तथा विशिष्टीकरण	- टालकॉट पारसन्स

पश्चिमीकरण तथा संस्कृतिकरण की धारणा एम.एन. श्रीनिवास की संकल्पनाएँ हैं। सार्वभौमिकरण तथा संकीर्णता की धारणा में मैकिम मैरियट ने अपने क्षेत्र कार्य के अध्ययन के बाद की। समाजशास्त्री रॉबर्ट रैडफिल्ड ने वृहद परम्परा एवं लघु परम्परा की धारणा ग्रामीण समुदाय के अध्ययन के दौरान दी। सार्वभौमीकरण तथा विशिष्टीकरण के संकल्पनाओं को टॉलकॉट पारसन्स ने अपने सामाजिक व्यवस्था के अध्ययन में दिया।

37. सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

सूची I (अर्थ)	सूची II (संकल्पना)
(A) उच्च प्रस्थिति को अर्जित करने के लिए निम्न जाति के लोग सामूहिक रूप से उच्च जाति के व्यवहार एवं विश्वासों को ग्रहण करने की कोशिश करते हैं	1. आर. के. मर्टन
(B) आर्थिक तथा राजनीतिक सत्ता कौन हासिल करता है तथा अधिक्रम में उच्च स्थिति प्राप्त करता है	2. पश्चिमीकरण
(C) हमारे समाज में पाश्चात्य संपर्क द्वारा आने वाले परिवर्तनों की व्याख्या करता है	3. संस्कृतिकरण
(D) अपनी संस्कृति की श्रेष्ठता मानने की हर वर्ग की प्रवृत्ति	4. प्रबल (डॉमीनेंट कास्ट)

	A	B	C	D
(a)	4	1	3	2
(b)	2	4	3	1
(c)	1	3	4	2
(d)	3	4	2	1

उत्तर (d) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(अर्थ)	(संकल्पनाएँ)
उच्च प्रस्थिति को अर्जित करने के लिए निम्न जाति के लोग सामूहिक रूप से उच्च जाति के व्यवहार एवं विश्वासों को ग्रहण करने की कोशिश करते हैं।	– संस्कृतिकरण
आर्थिक तथा राजनीतिक सत्ता कौन हासिल करता है तथा अधिक्रम में उच्च स्थिति प्राप्त करता है।	– प्रबल जाति
हमारे समाज में पाश्चात्य संपर्क द्वारा आने वाले परिवर्तनों की व्याख्या करता है।	– पश्चिमीकरण
अपनी संस्कृति की श्रेष्ठता मानने की हर वर्ग की प्रवृत्ति	– स्वजाति वादी

38. सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

सूची I (सिद्धांत)	सूची II (लेखक)
(A) चक्रीय	1. वीको
(B) रेखीय	2. सोरोकिन
(C) उतार-चढ़ाव	3. स्पेंगलर
(D) सर्पिल	4. स्पेंसर
	5. मूर

	A	B	C	D
(a)	3	4	2	1
(b)	3	4	1	4
(c)	2	4	5	1
(d)	2	3	4	1

उत्तर (a) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(सिद्धान्त)	(लेखक)
चक्रीय सिद्धान्त	- स्पेंगलर
रेखीय सिद्धान्त	- स्पेन्सर
उतार चढ़ाव	- सोरोकिन
सर्पिल	- वीकों

39. औद्योगिक क्रान्ति से पूर्व पाश्चात्य अर्थव्यवस्था का क्रम बताइए-

(a) पुटिंग-आउट सिस्टम, मैनोरियल सिस्टम, गिल्ड सिस्टम
(b) गिल्ड सिस्टम, पुटिंग-आउट सिस्टम, मैनोरियल सिस्टम
(c) मैनोरियल सिस्टम, गिल्ड सिस्टम, पुटिंग-आउट सिस्टम
(d) मैनोरियल सिस्टम, पुटिंग-आउट सिस्टम, गिल्ड सिस्टम

उत्तर (c) औद्योगिक क्रान्ति से पूर्व पाश्चात्य अर्थव्यवस्था का क्रम निम्नवत है–
1. मैनोरियल सिस्टम (जागीर व्यवस्था)
2. गिल्ड सिस्टम (श्रेणी-मूलतः शिल्पकारों और व्यापारियों का संघ)
3. पुटिंग-आउट सिस्टम (कुटीर उद्योग)

40. इआन रॉबर्टसन (Ian Robertson) की पुस्तक 'सोशियोलॉजी' में समाजीकरण के प्रकारों का जो क्रम दिया है उसके अनुसार इनका क्रम बताइए-

(a) पुनर्समाजीकरण, पूर्वाभासी समाजीकरण, प्राथमिक समाजीकरण, विकासीय समाजीकरण
(b) विकासीय समाजीकरण, पुनर्समाजीकरण, पूर्वाभासी समाजीकरण, प्राथमिक समाजीकरण
(c) प्राथमिक समाजीकरण, पुनर्समाजीकरण, विकासीय समाजीकरण, पूर्वाभासी समाजीकरण
(d) प्राथमिक समाजीकरण, पूर्वाभासी समाजीकरण, विकासीय समाजीकरण, पुनर्समाजीकरण

उत्तर (d) इआन रॉबर्टसन ने अपनी पुस्तक सोशियोलॉजी में समाजीकरण की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की है। उन्होंने समाजीकरण को क्रमशः चार भागों में विभाजित किया है–
1. प्राथमिक समाजीकरण
2. पूर्वाभासी समाजीकरण
3. विकासीय समाजीकरण
4. पुनर्समाजीकरण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्राथमिक समाजीकरण से तात्पर्य बच्चे का बचपन से प्रौढ़ावस्था तक का समाजीकरण है। पूर्वाभासी समाजीकरण से तात्पर्य ऐसे समाजीकरण जो व्यक्ति किसी भूमिका को सीखने के लिए करता है अथवा संदर्भ समूह व्यवहार के लिए करता है। विकासीय समाजीकरण से तात्पर्य ऐसे समाजीकरण से जो व्यक्ति को उसकी वर्तमान प्रस्थिति से उच्च प्रस्थिति में ले जाता है जैसे अशिक्षित समाज का शिक्षा की ओर अभिमुखन। पुनर्समाजीकरण से तात्पर्य पूर्व के व्यवहार को भूलकर पुनः नये व्यवहार प्रतिमानों को सीखने से है, तात्पर्य यह है कि जब कोई अपराधी पुनः समाज की मुख्य धारा से जुड़ना चाहता है तो उसका पुनर्समाजीकरण होता है।

41. साधारण समाज में अवस्थित अर्थव्यवस्थाओं के लिए भौतिक पदार्थों के उत्पादन के तरीकों के आधार पर चार प्रकार के वर्ग बनाए जा सकते हैं। दिए गए कूट से इन अर्थव्यवस्थाओं का सही क्रम बताइए-

(a) विस्थापित कृषि, पशुपालन, शिकार तथा एकत्रीकरण, स्थायी कृषि
(b) शिकार तथा एकत्रीकरण, पशुपालन, विस्थापित कृषि, स्थायी कृषि
(c) विस्थापित कृषि, स्थायी कृषि, पशुपालन, शिकार तथा एकत्रीकरण
(d) पशुपालन, स्थायी कृषि, शिकार तथा एकत्रीकरण, विस्थापित कृषि

उत्तर (b) समाज में अर्थव्यवस्था का सही क्रम निम्नलिखित होगा–

1. शिकारी एवं एकत्रीकरण
2. पशुपालन
3. विस्थापित कृषि
4. स्थायी कृषि

यह अवस्थाएँ क्रमवार चलने वाली विकास की रेखीय अवस्थाएँ हैं।

42. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित पुस्तकों का क्रम बताइए-

(i) सामाजिक पद्धति के नियम
(ii) श्रम विभाजन
(iii) सामाजिक सिद्धांत तथा सामाजिक संरचना
(iv) सामाजिक व्यवस्था

(a) (i) (ii) (iii) (iv) (b) (iv) (iii) (iv) (i)
(c) (ii) (i) (iv) (iii) (d) (iii) (ii) (i) (iv)

उत्तर (*) दुर्खीम की पुस्तकें–

द डिवीजन ऑफ लेबर इन सोसाइटी (1893)
द रूल्स ऑफ सोशियोलॉजिकल मेथड (1895)

पारसन्स की पुस्तक–द सोशल सिस्टम (1951)

मर्टन की पुस्तक–सोशल थ्योरी एण्ड सोशल स्ट्रक्चर (1957)

अतः सही अनुक्रम है–

1. श्रम विभाजन
2. सामाजिक पद्धति के नियम
3. सामाजिक व्यवस्था
4. सामाजिक सिद्धान्त एवं सामाजिक रचना

43. समाजशास्त्री जो आधुनिक प्रकार्यवाद के अंग्रेज विद्वान थे, उनका सही क्रम बताइए-

(a) कॉम्टे, स्पेंसर, दुर्खीम, परेटो
(b) कॉम्टे, स्पेंसर, परेटो, दुर्खीम
(c) स्पेंसर, कॉम्टे, दुर्खीम, परेटो
(d) दुर्खीम, परेटो, कॉम्टे, स्पेंसर

उत्तर (b)

समाजशास्त्री	**कालक्रम**
ए. कॉम्टे	- 1798–1857
एच. स्पेन्सर	- 1820–1903
वी. परेटो	- 1848–1923
ई. दुर्खीम	- 1858–1917

44. ऑगस्ट कॉम्टे के मानव प्रगति के तीन स्तरों के सही क्रम का चयन कीजिए-

(a) तात्विक (मेटाफिजिकल), ईश्वरमीमांसीय (थ्योलॉजिकल), प्रत्यक्षवादी (पॉजिटिविस्टिक)
(b) ईश्वरमीमांसीय (थ्योलॉजिकल), तात्विक (मेटाफिजिकल), प्रत्यक्षवादी (पॉजिटिविस्टिक)
(c) प्रत्यक्षवादी (पॉजिटिविस्टिक), तात्विक (मेटाफिजिकल), ईश्वरमीमांसीय (थ्योलॉजिकल)
(d) ईश्वरमीमांसीय (थ्योलॉजिकल), प्रत्यक्षवादी (पॉजिटिविस्टिक), तात्विक (मेटाफिजिकल)

उत्तर (b) सामाजिक विचारधारा के क्षेत्र में कॉम्ट का महत्वपूर्ण योगदान, उनका तीन स्तरों का नियम है। सन् 1822 में आप जब केवल 24 वर्ष के थे तब ही आपने इस नियम को प्रतिपादित किया था कि मानव के बौद्धिक विकास के तीन स्पष्ट स्तर रहे हैं। ये स्तर निम्न हैं–

1. धार्मिक स्तर (Theological stage)
2. तात्विक स्तर (Metaphysical stage)
3. प्रत्यक्ष स्तर (Positive stage)

कॉम्ट ने लिखा है, ''सभी समाजों में और सभी युगों में मानव के बौद्धिक विकास का अध्ययन करने से उस महान आधारभूत नियम का पता चलता है जिसके अधीन मनुष्य की बुद्धि आवश्यक रूप से होती है और जिसका एक ठोस प्रमाण हमारे संगठन के तथ्यों तथा हमारे ऐतिहासिक अनुभव दोनों में विद्यमान है। यह नियम इस प्रकार है–हमारी प्रत्येक प्रमुख अवधारणा, हमारे ज्ञान की प्रत्येक शाखा एक के बाद एक तीन, विभिन्न सैद्धान्तिक दशाओं से होकर गुजरती है–धार्मिक अथवा काल्पनिक अवस्था, तात्विक अथवा अमूर्त अवस्था और वैज्ञानिक अथवा प्रत्यक्ष अवस्था।''

45. श्रद्धालुओं की दृष्टि से भारत के धर्मों के सही अवरोही क्रम का चयन कीजिए-

(i) इस्लाम (ii) सिख
(iii) ईसाई (iv) बौद्ध

(a) (iii) (i) (ii) (iv) (b) (i) (iii) (ii) (iv)
(c) (ii) (i) (iii) (iv) (d) (i) (ii) (iii) (iv)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b)

धर्म	अनुनायियों की भारत में % आबादी
हिन्दू	- 80.5%
मुस्लिम	- 13.4%
ईसाई	- 2.3%
सिक्ख	- 1.9%
बौद्ध	- 0.8%
जैन	- 0.4%
अन्य	- 0.7%

46. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित पुस्तकों का क्रम बताइए-

(i) एडवांस्ड समाज की वर्ग संरचना (गिडेन्स)
(ii) सामाजिक गतिशीलता (सोरोकिन)
(iii) सामाजिक परिवर्तन (मूर)
(iv) मस्तिष्क, स्वयं तथा समाज

(a) (iii) (i) (ii) (iv) (b) (i) (iii) (ii) (iv)
(c) (ii) (i) (iii) (iv) (d) (ii) (i) (iv) (iii)

उत्तर (*)

किताब के नाम	लेखक
सामाजिक गतिशीलता (1927)	- सोरोकिन
मस्तिष्क, स्वयं तथा समाज (1934)	- मीड
सामाजिक परिवर्तन (1963)	- मूरे
एडवान्स समाज की वर्ग संरचना (1973)	- गिडेन्स

निर्देश (47-50)- दिए गए अवतरण को पढ़िए तथा समझकर आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

मध्यम-वर्ग अभी भी राजनैतिक रूप से सक्रिय है और न केवल सत्ताधारी पार्टी में नेतृत्व प्रदान करते हैं परन्तु दक्षिणपंथी पार्टियों में और वाम पक्षवादी विचारधारा के विभिन्न स्तरों में भी नेतृत्व प्रदान करता है। कुछ भी हो, कुल मिलाकर, मध्यम वर्ग ने यह सोच कर अपने को शान्त कर लिया है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के साथ उसने विभिन्न समाजिक, आर्थिक और राजनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया गया है और जो कुछ करना बाकी है वह सामान्य वैधानिक प्रक्रियाओं के जरिये किया जा सकता है। उदारतावाद, जो विकासशील देशों में भी मध्यम वर्गों की विचारधारा बनी हुई है, प्राप्तियों के झूठे बोध द्वारा कुण्ठित हो गई है। जबकि, उदारतावाद के राजनीतिक उद्देश्य की प्राप्ति हो गई है, यद्यपि औपचारिक अर्थ में, उसके आर्थिक उद्देश्य, जैसा कि कल्याणकारी राज्य की अवधारणा में, या प्रजातान्त्रिक समाजवादी राज्य की नव-उदारता अवधारणा में प्रतिबिम्बित होते है, प्राप्त होने से अभी दूर है। अब यह स्पष्ट हो गया है कि वैधानिक प्रक्रिया अपने आप, प्राथमिक रूप में अनपढ़ और राजनीतिक रूप से जन-जागरूक समाज में उद्देश्यों को नहीं प्राप्त कर सकती है। विधान के लाभ उन समूहों को मुड़ जाते हैं जिनके लिए अभिप्रेत नहीं होते थे। अतः मध्यम-वर्ग के लिए अभी भी अधूरा कार्य पड़ा है, वह यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रजातान्त्रिक राज्य व्यवस्था की अभिक्रियाएँ, शिक्षा, संगठन और प्रजातान्त्रिक सामाजिक क्रिया के जरिये निर्धनों के हितों के लिए कार्य करने के वास्ते समर्थित, मार्गदर्शित और उस ओर लगी, निष्पादन करने में उदार है। इस कार्य में, नम्र आचार के सुधारक, बैरागी स्वत्यागी, कार्मिक और आक्रमणकारी-उग्रवादी संयोजक, सभी का कुछ न कुछ योगदान है। कुछ विद्वानों का मानना है कि मध्यम वर्ग, जिसने अपने को उद्योगपतियों, व्यापारी और बड़े किसानों के साथ जोड़ लिया है, से यह अपेक्षा मुश्किल से ही की जा सकती है कि वह उन गतिविधियों को प्रोन्नत करेगा या उनमें भागीदारी करेगा जिन पर उसका मालिक त्यौरी चढ़ा सकता है। इस कथन में कुछ सच्चाई है फिर भी यह वही मध्यम वर्ग है, जहाँ से वामपंथी व क्रांतिकारी पार्टियाँ संगठनात्मक कार्य करने के लिये नए रंगरूटों को ढूँढती हैं। अर्द्ध-विकसित देशों में, अक्सर और कोई वर्ग नहीं होता है जो किसी प्रकार के परिवर्तन, चाहे सुधारवादी या क्रान्तिकारी रूप का, के लिए उत्प्रेरक प्रदान कर सके। कभी-कभी मध्यम वर्ग के कुछ व्यथित और असंतुष्ट व्यक्ति निर्धनों के कष्ट को अपने लिए सुविधा बना सकते हैं और अपने खुद के सामाजिक या व्यक्तिगत उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए उनके उद्देश्य को इस्तेमाल कर सकते हैं। दूसरे समय पर, ऐसा हो सकता है कि कुछ सामाजिक रूप से जागरूक व्यक्ति जिन्होंने दूसरों की अपेक्षा अपनी संस्कृति के परोपकारी मूल्यों को ज्यादा गम्भीरता से लिया है, इन मूल्यों के घोर उल्लंघन पर विरोध जताने के लिए शक्तिशाली रूप से उत्साहित महसूस करते हैं। ऐसा भी हो सकता है कि एक वर्ग के रूप में मध्यम वर्ग, निर्धनों के आर्थिक और सामाजिक अभावों में किसी अन्य वर्ग की तुलना में ज्यादा हिस्सेदार होता है और श्रमिक वर्ग और निर्धन के हितों के समर्थन में अपने हितों के संतुष्ट होने का अवसर देखते हैं। जो कुछ भी कारण हो, इतिहास ने बार-बार दर्शाया है कि मध्यम वर्गो ने सामाजिक परिवर्तन के आंदोलन प्रारम्भ करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है कम से कम तब तक जब तक कि सुविधा से वंचित समूहों ने अपनी खुद की लड़ाई के लिए साहस और ताकत को संगठित न कर लिया हो।

47. इनमें से किस दल का नेतृत्व मध्यम वर्ग करता है?

(a) सत्ताधारी दल (b) दक्षिण पंथी
(c) वाम पंथी (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d) उपर्युक्त सभी

48. विकासशील देशों में मध्यम वर्ग द्वारा वैधानिक प्रक्रिया द्वारा इनमें से कौन-सा प्राप्त नहीं किया जा सकता?

(a) राजनीतिक लक्ष्य (b) आर्थिक लक्ष्य
(c) शैक्षणिक लक्ष्य (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (c) शैक्षणिक लक्ष्य

49. ऐतिहासिक दृष्टि से सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया को सूत्रपात करने में किस वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है?

(a) मध्यम वर्ग (b) निम्न वर्ग
(c) उच्च वर्ग (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a) मध्यम वर्ग

50. मध्यम वर्ग के लोगों को, निर्धन वर्ग के लोगों के हितों के लिए अधूरा कार्य पूरा करने के लिए किन लोगों को प्रेरित एवं संगठित करना होगा?

(a) नरम मार्ग सुधारक (b) साधु-आत्म-त्यागी श्रमिक
(c) उग्रवादी व्यवस्थापक (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d) उपर्युक्त सभी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2008

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्नलिखित में से यह किसका विचार है कि समाजशास्त्र सामाजिक क्रिया का विस्तृत विज्ञान है?

(a) टालकॉट पारसन्स (b) परेटो
(c) मैक्स वेबर (d) एस.सी.दूबे

उत्तर (c) मैक्स वेबर का विचार है कि समाजशास्त्र सामाजिक क्रिया का विस्तृत विज्ञान है। सामाजिक क्रिया से आशय किसी कर्त्ता के उस चेतनशील क्रिया से है जो किसी अन्य कर्त्ता के प्रति अभिमुख (Oriented) हो। वेबर ने सामाजिक क्रिया के निम्न तीन प्रकार बताये–

(i) बौद्धिक तार्किक तार्किक – साध्य (लक्ष्य) एवं साधन के मध्य सम्बन्ध
(ii) मूल्यात्मक – समाज को लाभ पहुँचाने के लिए
(iii) भावात्मक – राग, द्वेष, घृणा, प्रेम आदि से प्रेरित
(iv) परम्परागत – पूर्वजों का अनुसरण

2. नृजातीय पद्धति की शुरूआत निम्नलिखित में किससे संबंधित की जा सकती है?

(a) पीटर बर्गर (b) हेरॉल्ड गारफिंकल
(c) गॉफमैन (d) अल्फ्रेड शुट्ज

उत्तर (b) नृजाति पद्धति (Ethnomethodology), यह उपागम समाज शास्त्र में सामाजिक यथार्थ को समझने में नया आयाम प्रस्तुत करता है। इस उपागम ने समाजशास्त्र में कई परम्परागत विचारधाराओं को चुनौती दी है। सर्वप्रथम हेरॉल्ड गारफिंकल ने अपनी पुस्तक'' स्टडीज इन एथनोमेथोडोलॉजी'' में इस उपागम को व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत किया। यह उपागम समाजशास्त्र में सामाजिक यथार्थ (social reality) को समझने में नया आयाम प्रस्तुत करता है। इसमें सामाजिक यथार्थ का निकटता से तथा प्रत्यक्ष रूप में अध्ययन सम्भव है। यह उपागम मानवीय व्यवहार के उन पक्षों के अध्ययन पर ध्यान केन्द्रित करता है जो व्यक्ति के जीवन की दिन-प्रतिदिन की सामान्य क्रियाओं से सम्बन्धित है इस उपागम में निम्नलिखित तीन पक्षों के अध्ययन पर जोर दिया जाता है–

(i) दिन प्रतिदिन की सामान्य क्रियायें
(ii) भाषा का सामाजिक पक्ष
(iii) सामाजिक प्रतिमानों का वह पक्ष जो कि व्यक्ति अपने व्यवहार में काम में लेता है।

3. निम्नलिखित में से किसने 'धर्म' शब्द को परिभाषित किया है?

(a) रेडक्लिफ ब्राउन (b) मैक्स वेबर
(c) जे.बी. हट्टन (d) इमाईल दुर्खीम

उत्तर (d) दुर्खीम ने अपनी पुस्तक 'The Elementory forms of Religious life' में धर्म की प्रकृति, उत्पत्ति के कारण, प्रभाव आदि के विषय में अत्यधिक विस्तृत तथा गहन व्याख्या प्रस्तुत की है। अपने धर्म सम्बन्धी सिद्धान्त के द्वारा आपने यह प्रमाणित करने का प्रयत्न किया है कि धर्म सम्पूर्ण रूप से एक सामाजिक तथ्य या सामाजिक घटना है और वह इस सन्दर्भ में कि नैतिक रूप से सामूहिक चेतना का प्रतीक ही धर्म है। इस सम्बन्ध में दुर्खीम का अन्तिम निष्कर्ष यह है कि 'समाज' ही वास्तविक देवता है। अपने धर्म के सामाजिक सिद्धान्त को प्रस्तुत करते हुए दुर्खीम ने धर्म सम्बन्धी अब तक के सभी सिद्धान्तों का खण्डन किया है। उनका कहना है कि इन सिद्धान्तों में धर्म की उत्पत्ति के सम्बन्ध में बताए गए कारण केवल अपर्याप्त ही नहीं, बल्कि अवैज्ञानिक भी हैं। इसे प्रमाणित करने के लिए दुर्खीम ने एडवर्ड टायलर, मैक्समूलर, फ्रेजर आदि विद्वानों के मतों का खण्डन किया है

4. निम्नलिखित में से कौन वाद-विवाद करते हैं कि प्रस्थिति समूह, पारम्परिक हिन्दू समाज की जाति प्रणाली में अपने सर्वाधिक विकसित रूप में पहुँच जाते हैं?

(a) मैक्स वेबर (b) एन्थोनी गिडेन्स
(c) ए.आर.देसाई (d) राधाकमल मुखर्जी

उत्तर (a) मैक्स वेबर जाति को बन्ध प्रस्थिति समूह मानते हैं। उनका विचार है कि जाति व्यवस्था में प्रस्थिति समूह (Status group) सर्वाधिक विकसित रूप में सामने आता है।

5. इनमें से कौन-सा शोध अभिकल्प के प्रकार का नहीं है?

(a) अन्वेषणात्मक (b) विवरणात्मक
(c) अन्तर्वस्तु-विश्लेषण (d) प्रायोगिक

उत्तर (c) शोध अभिकल्प से तात्पर्य ऐसे डिजाइन से है जो शोध करने की सम्पूर्ण क्रियाविधि को निर्धारित करता है। विकल्प में दिये गये विकल्पों में अन्वेषणात्मक, विवरणात्मक व प्रायोगिक अनुसंधान अभिकल्प हैं जबकि अन्तर्वस्तु-विश्लेषण, उपलब्ध/ज्ञात किये गये आंकड़ों के विश्लेषण की एक तकनीक है।

6. 'इनवीटेशन टू सोशियोलॉजी शीर्षक की पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) पी. एल. बर्गर (b) सी. डब्ल्यू. मिल्स
(c) टालकॉट पारसन्स (d) मैक्स वेबर

उत्तर (a) पीटर एल बर्जर ने अपनी पुस्तक 'An invitation to sociology'–1978 में प्रस्तुत की। इसमें इन्होंने लिखा कि समाजशास्त्र एक ऐसा विषय है जो मानव समुदाय को कल्याणकारी कार्यों की प्रेरणा एवं समझ प्रदान करता है।

7. टॉयनबी के अनुसार, समस्त सामाजिक परिवर्तनों का कारण कौन-सा है?

(a) सभ्यता (b) फैशन
(c) आध्यात्मिक अन्तः प्रेरणा (d) प्रौद्योगिकी

उत्तर (a) आधुनिक समय में अर्नाल्ड जे. टॉयनबी एक विख्यात अंग्रेज दार्शनिक ने भी विश्व सभ्यता के इतिहास का चक्रीय सिद्धान्त प्रतिपादित किया है। उसके अनुसार, सभ्यता तीन अवस्थाओं-यौवन, प्रौढ़ता एवं पतन से गुजर रही है।
टॉयनबी का विचार था कि हमारी सभ्यता, यद्यपि यह अंतिम पतन की अवस्था में है, को मरने से बचाया जा सकता है। उनका कहना है कि रचनात्मक अल्प संख्यक अपने को रोगी सभ्यता से दूर रख सकते हैं और ईश्वर-प्रदत्त शक्तियों से ज्ञान एवं शक्ति प्राप्त कर सकते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

8. किसने कहा कि,"निराशाजनक स्थिति उद्देश्यों और उन्हें प्राप्त करने के उपलब्ध विधि संगत साधनों के बीच सान्तरता या विच्छिन्नता है?

(a) दुर्खीम (b) टालकॉट पारसन्स
(c) राबर्ट के. मर्टन (d) उक्त सभी

उत्तर (d) दुर्खीम ने सर्वप्रथम विसंगति की अवधारणा को प्रस्तुत किया है। इनकी इस अवधारणा को मर्टन ने आगे विकसित किया। इसी अवधारणा को टी. पारसन्स ने भी प्रस्तुत किया है। इन तीनों समाजशास्त्रीयों ने कहा है कि, "निराशाजनक स्थिति उद्देश्यों और उन्हें प्राप्त करने के उपलब्ध विधि संगत साधनों के बीच सान्तरता या विच्छिन्नता है।" अर्थात् समाज में जो असंतुलन या नियमहीनता की स्थिति पनपती है उसी को एनॉमी कहते है।

9. सामाजिक सर्वेक्षण के उद्देश्य के बारे में गलत कथन चिह्नित करें-

(a) यह एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा परिमाणात्मक तथ्यों को एकत्रित किया जाता है
(b) यह सामाजिक उपायों के निरूपण की ओर प्रवृत्त करता है
(c) यह निश्चित/ निर्धारित भौगोलिक इकाई के अंदर किया जाता है
(d) समुदाय के सामाजिक पहलुओं से संबंधित आँकड़ों का संग्रह

उत्तर (a) सर्वेक्षण अंग्रेजी भाषा के शब्द Survey का हिन्दी रूपान्तर है जिसका अर्थ है 'ऊपर से देखना'। यह किसी घटना या परिस्थिति का ऊपरी निरीक्षण है। सामान्य रूप से सर्वेक्षण निम्नलिखित तथ्यों से सम्बन्धित है–

1. सामाजिक सुधार एवं रचनात्मक कार्यक्रम का प्रतिपादन
2. निश्चित भौगोलिक सीमाओं में व्याप्त व निश्चित सामाजिक परिणामों का महत्व वाली समस्या का समाधान प्रस्तुत करना
3. इन सभी अवस्थाओं की माप व तुलना आदर्श प्रतिरूप से करना।

10. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन समुदाय से संबंधित है?

(a) यह अमूर्त है
(b) यह स्थूल है
(c) हम-भावना की अनुपस्थिति
(d) सदस्यता ऐच्छिक है

उत्तर (b) समुदाय स्थूल (concrete) है। समुदाय के लिए इन लक्षणों का होना आवश्यक है-

- निश्चित क्षेत्र
- सामुदायिक भावना
- सामान्य जीवन एवं संस्कृति
- विशिष्ट नाम
- स्वतः विकास
- स्थायित्व
- मनुष्यों का समूह
- मूर्तता
- व्यापक उद्देश्य
- सामान्य नियम व्यवस्था
- आत्म निर्भरता
- अनिवार्य सदस्यता
- साधन एवं साध्य दोनों

11. किसने बताया कि, "अपने सदस्यों की वास्तविक समानता के साथ अस्तरित समाज मिथक है जो कि मानवता के इतिहास में कभी नहीं प्राप्त किया गया"?

(a) बोगाड्‌र्स (b) मैकाइवर
(c) क्यूबर (d) सोरोकिन

उत्तर (d) प्रत्येक समाज में किसी न किसी प्रकार स्तरीकरण था। जैसा कि **सोरोकिन** ने कहा है : "अस्तरीकृत समाज जिसके सदस्यों में वास्तविक समानता हो केवल एक कल्पना है जो मानव इतिहास में कभी साकार नहीं हुई है।"

12. 'एलाइन्स थ्योरी' का प्रतिपादक कौन है?

(a) पारसन्स (b) नाडेल
(c) रैडक्लिफ ब्राउन (d) लेवी-स्ट्रास

उत्तर (d) नातेदारी की व्याख्या दो रूपों में की गई है (1) वंश समूह सिद्धान्त और (2) विवाह-गठबंधन सिद्धान्त। **वंश समूह-सिद्धान्त** (Discent Theory) नातेदारी सम्बंधों की व्याख्या में वंशक्रम के नियमों पर और विवाह गठबंधन (Alliance theory) विवाह नियमों, अर्थात् कौन किसके साथ विवाह कर सकता है और किसके साथ नहीं, पर बल देता है। विवाह गठबंधन सिद्धान्त में विवाह और निकटाभिगमन निषेध (इन्सेन्ट टैबू) के नियम केंद्रीय महत्व के विषय हैं–

विवाह-गठबंधन सिद्धान्त (Alliance Theory) के साथ संरचनात्मक मानवशास्त्री **लेवी-स्ट्रॉस** का नाम जुड़ा है, जिन्होंने नातेदारी सम्बन्धों में वंश के स्थान पर विवाह की संरचनात्मक और संगठनात्मक महत्वों को रेखांकित किया है।

13. मूल्यों के प्रकार्य समाविष्ट हैं-

(a) समूह अन्तःक्रिया में स्थायित्व और एकसमानताओं की व्यवस्था करना
(b) उन भूमिकाओं को, जो विशिष्ट गतिविधियों को नियन्त्रित करती हैं, वैधता देना
(c) सदस्यों को लक्ष्य करने के लिए उद्देश्य प्रदान करना
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d) सामाजिक मूल्यों को परिभाषित करते हुए राधाकमल मुखर्जी लिखते हैं, "मूल्य समाज द्वारा मान्यता प्राप्त इच्छाएँ तथा लक्ष्य हैं, जिनका आन्तरीकरण सीखने या समाजीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से होता है जो प्राकृतिक अधिमान्यताएँ, मानक तथा अभिलाषाएँ बन जाती हैं।"

जॉनसन के अनुसार, "मूल्यों को एकधारणा या मानक के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो सांस्कृतिक हो सकती है या केवल व्यक्तिगत और जिनके द्वारा वस्तुओं की एक साथ तुलना की जा सकती है और वे एक-दूसरे के सन्दर्भ में स्वीकार या अस्वीकार की जाती हैं, वांछित या अवांछित, अच्छी या बुरी, अधिक या कम उचित मानी जाती है।"

जॉनसन का मत है कि मूल्यों, क्रिया, गुण, पदार्थ, व्यक्ति समूह, लक्ष्य एवं साधन आदि का मूल्यांकन किया जाता है।

14. ऐसी मार्ग दशाएँ, जो विशेष स्थितियों में अध्यापकों, मित्रों इत्यादि के साथ आचरण को निर्देशित करती हैं, को कहते हैं-

(a) कानून (b) प्रतिमान
(c) लोक रीतियाँ (d) रिवाज

उत्तर (b) सामाजिक प्रतिमान वे नियम हैं, जो समाज द्वारा स्वीकृत हैं, जिनका पालन समाज के अधिकांश व्यक्ति करते हैं, जो हमारे व्यवहारों पर नियन्त्रण रखते हैं और उचित-अनुचित का भेद बताते हैं जिनका पालन करने पर समाज उचित पुरस्कार देता है और उल्लंघन करने पर दण्ड की व्यवस्था की जाती है।

सरल शब्दों में समाज में आचरण के नियम ही सामाजिक प्रतिमान कहलाते हैं।

15. प्रश्नों की मानक सूची के आधार पर साक्षात्कार को कहते हैं-

(a) रचित/निर्मित साक्षात्कार (b) खुला साक्षात्कार

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) व्यक्तिगत साक्षात्कार (d) मनोवैज्ञानिक साक्षात्कार

उत्तर (a) सामाजिक अनुसंधान में वैसे तो कई प्रकार की साक्षात्कार विधियों का प्रयोग किया जाता है पर अध्ययन की सुविधा के लिए इसे निम्नलिखित भागों में बाँटा जा सकता है–

1. संरचित साक्षात्कार 2. असंरचित साक्षात्कार
3. केन्द्रित साक्षात्कार 4. पुनरावृत्त साक्षात्कार एवं
5. समूह साक्षात्कार

संरचित साक्षात्कार–संरचित साक्षात्कार में समस्या से संबंधित विषय पहले ही बना लिये जाते हैं तथा उसी क्रम में सभी उत्तरदाताओं से प्रश्न पूछ कर उन्हीं के उत्तर प्राप्त किये जाते हैं

16. संस्कृति के प्रकार्य समाविष्ट करते हैं-

(a) यह अभिवृत्तियों, मूल्यों और उद्देश्यों को स्पष्ट करता है
(b) यह व्यवहार का पैटर्न प्रदान करता है
(c) यह ज्ञान का भण्डार है
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d) विभिन्न विद्वानों के द्वारा संस्कृति के निम्नलिखित महत्व बताये गये हैं–

- संस्कृति मानव आवश्यकताओं की पूर्ति करती है।
- संस्कृति व्यक्तित्व निर्माण में मौलिक है।
- संस्कृति मानव को मूल्य एवं आदर्श प्रदान करती है।
- संस्कृति मानव की आदतों का निर्धारण करती है।
- संस्कृति नैतिकता का निर्धारण करती है।
- संस्कृति व्यवहारों में एकरूपता लाती है।
- संस्कृति अनुभव एवं कार्यकुशलता को बढ़ाती है।
- संस्कृति व्यक्ति को सुरक्षा प्रदान करती है।
- संस्कृति समस्याओं का समाधान करती है।
- संस्कृति समाजीकरण में योग देती है।
- संस्कृति ही प्रस्थिति एवं भूमिका का निर्धारण करती है।
- संस्कृति सामाजिक नियंत्रण में सहायक होती है।

17. निम्नलिखित समाजशास्त्रियों में से पहले 'सांस्कृतिक-विलम्बना' की अवधारणा दी?

(a) पारसन्स (b) बार्न्स
(c) बेकर (d) ऑगबर्न

उत्तर (d) अमरीकन समाजशास्त्री ऑगबर्न ने अपनी पुस्तक 'Social change' (1922) में सामाजिक परिवर्तन के सांस्कृतिक विलम्बना के सिद्धान्त को प्रतिपादित किया। आपने संस्कृति को भौतिक एवं अभौतिक दो भागों में बाँटा है। भौतिक संस्कृति के अन्तर्गत हम प्रौद्योगिकी के द्वारा निर्मित हजारों भौतिक वस्तुओं जैसे वायुयान, रेल, पंखा, घड़ी, पेन, मोटर, वस्त्र, कागज आदि को लेते है। अभौतिक संस्कृति में धर्म, कला, दर्शन, ज्ञान, विज्ञान, विश्वास आदि को लेते हैं। ऑगबर्न की मान्यता है कि अभौतिक संस्कृति की तुलना में भौतिक संस्कृति आगे बढ़ जाती है और अभौतिक संस्कृति पिछड़ जाती है। इसे सांस्कृतिक विलम्बना या पिछड़न कहते हैं।

18. ''जब वर्ग कुछ दृढ़ता से पुश्तैनी/पैतृक है, तो हम उसे जाति कह सकते हैं'' यह परिभाषा किसने दी है?

(a) एम. मीड (b) डब्ल्यू.जी. समनर
(c) सी. एच. कूले (d) ए. डब्ल्यू, ग्रीन

उत्तर (c) **कूले** का कथन है कि, ''जब वर्ग पूर्णतया आनुवंशिकता पर आधारित हो जाती है तो हम उसे जाति कहते हैं।''
ग्रीन के अनुसार, ''जाति स्तरीकरण की ऐसी व्यवस्था है जिसमें प्रस्थिति की सीढ़ी पर ऊपर या नीचे की ओर गतिशीलता, कम से कम आदर्शात्मक रूप में नहीं पायी जाती।''
ए.डब्ल्यू समनर ने अपने लघु समुदायों के अध्ययन में मैक्सिको के कुछ समुदायों में जाति व्यवस्था के लक्षणों को पाया है।

19. निम्नलिखित में से यह किसका विचार है कि ''संघर्ष इसलिए है क्योंकि हिंसात्मक बल प्रयोग हमेशा सम्भावित संसाधन होता है, और यह जीरो सम सोर्ट है।

(a) कार्ल मार्क्स (b) रेण्डाल कौलिन्स
(c) लेविस कोजर (d) राल्फ डेहरेंडॉर्फ

उत्तर (b) जब वर्ष 1975 में रेण्डाल कोलिन्स की पहली पुस्तक प्रकाशित हुई तब उन्होंने संघर्ष के मौलिक तत्वों को रखा वे बुनियादी रूप से तीन मान्यताओं को लेकर चलते हैं : धन, सम्पत्ति, शक्ति और प्रतिष्ठा। प्रत्येक समाज में लोग यह चाहते हैं कि इन वस्तुओं में से जितनी अधिक वस्तुएँ उन्हें मिल सके, लेने की कोशिश करनी चाहिए। यह भी होता है कि सम्पत्ति मिलने पर प्रतिष्ठा और शक्ति भी अपने आप मिल जाते हैं या शक्ति मिलने पर। जैसा प्रायः राजनीति में होता है, धन-दौलत और प्रतिष्ठा अपने आप मिल जाते हैं। अतः इन वस्तुओं को प्राप्त करके हर व्यक्ति यह चाहता है कि वह किसी के अधीनस्थ न हो। वह स्वयं आदेश देने वाला बन जाए। मतलब यह हुआ कि प्रत्येक समाज में लोगों के अपने हित होते हैं, स्वार्थ और निजी लालसा होती है। प्रत्येक व्यक्ति इन्हीं लालसाओं को पूरा करना चाहता है या इसे अक्षुण्य बनाये रखता है अंततः संघर्ष का प्रारम्भ होता है और संघर्ष लक्ष्य प्राप्ति का एक साधन होता है।

20. 'मॉडर्नाइजेशन ऑफ इण्डियन ट्रेडीशन' के लेखक है?

(a) मिल्टन सिंगर (b) रॉबर्ट रेडफील्ड
(c) योगेन्द्र सिंह (d) टी.के. ओमेन

उत्तर (c) 'मॉडर्नाइजेशन ऑफ इण्डियन ट्रेडीशन' के लेखक योगेन्द्र सिंह हैं।

निर्देश (21-29) - दिए गए प्रश्नों का उत्तर कूट के आधार पर दीजिए।

(a) दोनों A तथा R सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) दोनों A तथा R सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है, परन्तु R गलत है।
(d) A गलत है, परन्तु R सही है।

21. अभिकथन (A)- शहरों में स्वैच्छिक संस्थाओं की ज्यादा बड़ी संख्या होती है।
तर्क (R)- आर्गेनिक सॉलिडेरिटी उच्च नैतिक घनत्व का नतीजा है।

उत्तर (a) शहरों में शिक्षा का स्तर उच्च होता है और जनजागरूकता भी ज्यादा होती है अतः लोग स्वैच्छिक संस्थाओं के द्वारा सामाजिक व्यवस्था में ज्यादा योगदान देते हैं। आर्गेनिक सॉलिडेरिटी से तात्पर्य है कि सभी संस्थाओं का समाज व्यवस्था में उचित योगदान हो। उच्च शिक्षा प्राप्त नैतिक व्यक्तित्व ही जैविक एकता पर आधारित व्यवस्था में ज्यादा योगदान देता है अतः कारण कथन की सही व्याख्या है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

22. **अभिकथन (A)-** औद्योगिक क्रान्ति अभिप्रेरणा और उत्तरदायित्व के बोध में गिरावट लाई है।
तर्क (R)- इसने स्वतन्त्र मालिकों को नियोक्ता पर निर्भरता से प्रतिस्थापित कर दिया है।

उत्तर (d) अभिकथन में दिया गया कथन कि औद्योगिक क्रांति अभिप्रेरणा और उत्तरदायित्व के बोध में गिरावट लाई है, गलत है क्योंकि औद्योगिक क्रांति का तात्पर्य केवल उद्योगों में बढ़ोत्तरी ही नहीं था बल्कि एक वैचारिक क्रान्ति भी थी जिसका आधार तर्क वाद है। लेकिन कारण में दिया गया कथन सत्य है कि इनसे स्वतन्त्र मालिकों को नियोक्ता पर निर्भरता से प्रतिस्थापित कर दिया क्योंकि संसाधनों के विकास ने सभी को पर्याप्त उत्पादन के साधनों से पोषित किया।

23. **अभिकथन (A)-** प्रतिमानों के जरिए दूसरों के व्यवहार के बारे में निर्णय किया जा सकता है।
तर्क (R)- प्रतिमान मानक/आदर्श होते हैं जिसके संदर्भ में व्यवहार का गुण विवेचन करते हैं और उसका अनुमोदन या अनानुमोदन किया जाता है।

उत्तर (a) प्रतिमानों से तात्पर्य व्यवहार के मानकों से है जिसके जरिए अच्छे या खराब के बारे में निर्णय किया जाता है। अतः अभिकथन सत्य है और यह भी सत्य है कि इन्हीं प्रतिमानों के आधार पर ही किसी व्यवहार का अनुमोदन या अनानुमोदन भी किया जाता है अतः कारण अभिकथन की व्याख्या भी करता है।

24. **अभिकथन (A)-** क्योंकि हिन्दू विवाह धार्मिक शपथ है, विधवा दुबारा विवाह नहीं कर सकती है।
तर्क (R)- कानून के तहत हिन्दू विधवा दोबारा विवाह कर सकती है।

उत्तर (d) अभिकथन में दिया गया कथन की विधवा दुबारा विवाह नहीं कर सकती असत्य है क्योंकि समाज सुधार की प्रक्रिया के दौरान विधवा पुनर्विवाह सम्भव हो पाया है। तथा कारण में दिया कानूनी आधार भी सत्य है अतः अभिकथन गलत है और कारण सही है।

25. **अभिकथन (A)-** भोजन तैयार करना आर्थिक क्रिया है, परन्तु भोजन खाना नहीं।
तर्क (R)- जो क्रिया आवश्यकता को प्रत्यक्ष रूप से संतुष्ट करती है, गैर-आर्थिक है।

उत्तर (c) भोजन तैयार करने में अनेक प्रकार के खाद्य पदार्थों की आवश्यकता पड़ती है। जिसके लिए बाजार पर आधारित होना पड़ता है। तथा मूल्य एवं उपलब्धता जैसे प्रश्न भी सामने आते हैं अतः यह आर्थिक क्रिया है परन्तु भोजन करना एक शारीरिक क्रिया है। अतः अभिकथन सत्य है। किन्तु कारण में दिया गया तथ्य कि, जो क्रिया आवश्यकता को प्रत्यक्ष रूप से संतुष्ट करती है सदैव गैर आर्थिक नहीं होती उदाहरण के लिए हमारी आवश्यकता को प्रत्यक्ष रूप से पूरा करने वाले यातायात व संचार के साधन एक आर्थिक साधन के रूप में हैं।

26. **अभिकथन (A)-** ग्रामीण-शहरी प्रवास ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए सजीव महत्व का है।
तर्क (R)- ग्रामीण क्षेत्रों में अतिरेक श्रम में वृद्धि हो रही है।

उत्तर (c) ग्रामीण-शहरी प्रवास ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए सजीव महत्व का है क्योंकि ग्रामीण-शहरी प्रवास से ग्रामीण लोगों को रोजगार उपलब्ध हो रहे हैं और उनकी आर्थिक स्थिति सुधर रही है। किन्तु ग्रामीण-शहरी प्रवास का कारण गाँवों में श्रम अतिरेक नहीं बल्कि गाँवों में रोजगार के साधनों की कमी है। **अतः अभिकथन सत्य है किन्तु कारण असत्य है।**

27. **अभिकथन (A)-** समाजशास्त्री सामाजिक गतिशीलता का अध्ययन करने में रूचि नहीं रखते हैं।
तर्क (R)- सामाजिक गतिशीलता की दर का वर्ग-निर्माण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

उत्तर (d) सामाजिक गतिशीलता समाजशास्त्र की मुख्य अध्ययन वस्तुओं में से एक है, स्वयं आगस्ट काम्ट ने समाजशास्त्र की दो शाखाओं सामाजिक स्थिति और सामाजिक गतिकी की चर्चा की है। सामाजिक गतिशीलता ही सामाजिक परिवर्तन का मुख्य कारण है क्योंकि यहाँ से परिवर्तन की शुरूआत होती है और वर्गों की गतिशीलता में वृद्धि होती है। अतः A गलत है और R सही है।

28. **अभिकथन (A)-** अखिल भारतीय जनजाति आंदोलन उभरकर सामने नहीं आया।
तर्क (R)- भारत की जनजातियों के बीच विविधता और असमानता है।

उत्तर (a) ये बात सही है कि अखिल भारतीय जनजातीय आन्दोलन उभरकर सामने नहीं आया क्योंकि जनजातियों में विविधता एवं असमानता है और उनकी वैचारिकी में भी अन्तर है जो कि उन्हें एक राष्ट्रीय क्षितिज पर लाने में बाधा बनकर सामने आता है। अतः **अभिकथन सही और कारण उसकी व्याख्या भी करता है।**

29. **अभिकथन (A)-** भारत का संविधान अल्पसंख्यकों के विरूद्ध भेदभाव की मनाही करता है।
तर्क (R)- भारत का संविधान सबके लिए न्याय संगत व्यवहार पर विचार करता है।

उत्तर (a) भारतीय संविधान में **अल्पसंख्यक** के कल्याण के लिए विभिन्न प्रावधान किये गये हैं और अल्पसंख्यकों के विरूद्ध मनाही की गयी है क्योंकि भारतीय संविधान की उद्देश्यिका में एकता, समता एवं बन्धुता की भावना को प्रबलता के साथ रखा गया है। अतः **अभिकथन सही है और कारण उसकी व्याख्या करता है।**

30. **सूची I में दी गई मदों को सूची II में दी गई मदों से मिलाइए-**

सूची I (जिन गाँवों का अध्ययन)	**सूची II (विद्वान)**
(A) शमीरपेट	1. एम.एन. श्रीनिवास
(B) रामपुरा	2. ए. बैटइले
(C) किशन गढ़ी	3. एस.सी. दूबे
(D) श्रीपुरम	4. ए.आर. देसाई
	5. मैकिम मैरिएट

	A	B	C	D
(a)	3	1	5	2
(b)	1	2	3	5
(c)	3	1	4	2
(d)	1	5	2	3

उत्तर (a) **सुमेलित सूची इस प्रकार है-**

(गाँव का अध्ययन)		**(विद्वान)**
शमीर पेट	-	एस. सी. दुबे
रामपुरा	-	एम.एन. श्रीनिवास
किशनगढ़ी	-	मैकिम मैरिएट
श्रीपुरम्	-	ए. बेतेई

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

31. सूची I की मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

	सूची I (संकल्पना)	सूची II (लक्षण)
(A)	यान्त्रिक एकात्मकता	1. प्रत्यक्ष संबंध
(B)	प्राथमिक समूह	2. सामाजिक समानता
(C)	लघु समुदाय	3. पराश्रितता
(D)	कुला	4. उपहार विनियम
		5. समानता

	A	B	C	D
(a)	2	1	5	4
(b)	1	2	5	3
(c)	2	3	1	5
(d)	5	1	2	4

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(संकल्पना)		(लक्षण)
यान्त्रिक एकात्मकता	-	सामाजिक समानता
प्राथमिक समूह	-	प्रत्यक्ष सम्बन्ध
लघु समुदाय	-	समानता
कुला	-	उपहार विनिमय

यान्त्रिक एकता प्राचीन समाजों का लक्षण है जिसमें सामाजिक स्तरीकरण की मात्रा कम थी। प्राथमिक समूह का मौलिक लक्षण ही प्रत्यक्ष सम्बन्ध से प्रारम्भ होता है। लघु समुदाय में लगभग समान प्रस्थिति के लोग निवास करते हैं। कुला ट्राम्बियाण्ड द्वीप की उपहार विनिमय की प्रथा है।

32. सूची I की मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

	सूची I (संकल्पना)	सूची II (समाजशास्त्री)
(A)	सत्ता अभिजन (पॉवर एलीट)	1. परेटो
(B)	क्रियात्मक योजना (एक्शन स्कीम)	2. सी. राइट मिल्स
(C)	सामाजिक क्रिया	3. मैक्स वेबर
(D)	प्रकार्यात्मक विकल्प	4. टी. पारसन्स
		5. आर.के. मर्टन

	A	B	C	D
(a)	3	4	1	5
(b)	2	1	4	3
(c)	2	4	3	5
(d)	5	2	4	5

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(संकल्पना)		(समाजशास्त्री)
सत्ता अभिजन	-	सी. राइट मिल्स
क्रियात्मक योजना (एक्शन स्कीम)	-	टॉलकॉट पारसन्स
सामाजिक क्रिया	-	मैक्स वेबर
प्रकार्यात्मक विकल्प	-	मर्टन

33. सूची I की मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

	सूची I (संकल्पना/धारणा)	सूची II (वैज्ञानिक)
(A)	यथार्थता का सामाजिक निर्माण	1. कार्ल मार्क्स
(B)	दर्शन की कंगाली	2. लुई कोजर
(C)	संघर्ष तथा क्रान्ति का 'अयथार्थ' पक्ष	3. हरबर्ट ब्लूमर
(D)	प्रतीकात्मक अन्तःक्रिया	4. पीटर बर्जर तथा टी. लुकमेन
		5. अल्फ्रेड शुट्ज

	A	B	C	D
(a)	5	1	2	3
(b)	4	1	2	3
(c)	4	1	2	3
(d)	3	2	1	4

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(संकल्पना/धारणा)	(वैज्ञानिक)
यथार्थता का सामाजिक निर्माण	- पीटर बर्जर तथा टी. - लुकमेन
दर्शन की कंगाली	- कार्ल मार्क्स
संघर्ष तथा क्रांति का अयथार्थ पक्ष	- लुई कोजर
प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद	- हरबर्ट ब्लूमर

34. सूची I की मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

	सूची I (पुस्तक)	सूची II (लेखक)
(A)	हाउसहोल्ड डाइमेन्शन ऑफ द फैमिली	1. आई.पी. देसाई
(B)	मैरिज एण्ड फैमिली इन इण्डिया	2. ए.एम. शाह
(C)	अर्बनाइजेशन एण्ड फैमिली	3. के.एन. कपाड़िया
(D)	सम आस्पैक्ट ऑफ फैमिली इन महुआ	4. एम.एम. गोरे
		5. विलियम जे. गुडे

	A	B	C	D
(a)	3	5	4	2
(b)	1	4	5	2
(c)	2	3	4	1
(d)	4	5	2	3

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(पुस्तक)		(लेखक)
हाउस होल्ड डाइमेन्शन ऑफ द फैमिली	-	ए.एम. शाह
मैरिज एण्ड फैमिली इन इण्डिया	-	के. एम. कपाड़िया
अर्बनाईजेशन एण्ड फैमिली चेन्ज	-	एम. एस. गोरे
सम आस्पैक्ट ऑफ फैमिली इन महुआ	-	आई. पी. देसाई

35. सूची I की मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

	सूची I (संकल्पना)	सूची II (विद्वान)
(A)	उत्पादन के बल	1. हरबर्ट स्पेंसर
(B)	जैव सादृश्य	2. कार्ल मार्क्स
(C)	धार्मिक सदाचार	3. ऑगबर्न
(D)	सांस्कृतिक विलम्बना	4. मैक्स वेबर
		5. इमाइल दुर्खीम

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	2	1	4	3
(c)	1	2	5	4
(d)	4	3	2	5

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(संकल्पना)	**(विद्वान)**
उत्पादन के बल	- कार्ल मार्क्स
जैव सादृश्य	- हरबर्ट स्पेन्सर
धार्मिक सदाचार	- मैक्स वेबर
सांस्कृतिक विलम्बना	- ऑगबर्न

36. सूची I की मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

सूची I (संकल्पना)	**सूची II (विद्वान)**
(A) लुकिंग ग्लास सैल्फ	1. ई. गॉफमैन
(B) अभिनयशास्त्रीय सावधानियाँ (ड्रामाटर्जिकल सरकम्पेक्शन)	2. चार्ल्स कूले
(C) सामूहिक चेतना	3. सिगमण्ड फ्रायड
(D) इदम्, अहम् तथा पराअहम्	4. कार्ल मार्क्स
	5. इमाइल दुर्खीम

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	5	3
(c)	1	4	5	3
(d)	2	1	4	5

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(संकल्पना)	**(विद्वान)**
लुकिंग ग्लास सैल्फ	- चार्ल्स कूले
अभिनय शास्त्रीय सावधानियाँ	- ई.गॉफमैन
सामूहिक चेतना	- इमाईल दुर्खीम
इदम् अहम् तथा पराअहम्	- सिगमण्ड फ्रायड

37. सूची I की मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

सूची I शब्द (धारणा) का अर्थ	**सूची II शब्द (धारणा)**
(1) वह सब कुछ जो सामाजिक रूप में सीख तथा समाज के सदस्यों द्वारा आपस में बाँटा जाता है।	1. मूल्य
(2) समुदाय या समाज में व्यवहार का स्थापित पैटर्न	2. संस्कृति
(3) व्यवहार का मानक	3. प्रथा
(4) ऐसा विश्वास जो अच्छा तथा वाँछनीय है	4. मानदंड

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	3	1	4	2
(c)	4	1	3	2
(d)	1	3	2	4

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(धारणा का अर्थ)	**(धारणा)**
वह सब कुछ जो सामाजिक रूप से सीधा तथा समाज के सदस्यों द्वारा आपस में बाँटा जाता है।	- संस्कृति
समुदाय या समाज में व्यवहार स्थापित पैटर्न	- प्रथा
व्यवहार का मानक	- मानदण्ड
ऐसा व्यवहार जो अच्छा तथा वांछनीय है।	- मूल्य

38. सूची I की मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

सूची I (भूमिका संबंधित उदाहरण)	**सूची II (संकल्पना)**
(A) कामकाजी महिला की एक बीमार पुत्री	1. भूमिका अदा करना
(B) हॉकी के पनपते खिलाड़ी की धनराज पिल्लै से होड़	2. भूमिका संघर्ष
(C) कक्षा में अध्यापक का अध्यापन कार्य	3. नकली भूमिका
(D) दवाओं तथा उपकरणों के ग्रामीण डॉक्टरों द्वारा रोगियों का इलाज	4. रोल मॉडल
	5. किसी की भूमिका करना (प्लेइंग एक्ट रोल)

	A	B	C	D
(a)	1	2	5	3
(b)	2	4	1	3
(c)	3	4	5	2
(d)	2	3	1	4

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(भूमिका सम्बंधी उदाहरण)	**(संकल्पना)**
कामकाजी महिला की एक बीमार पुत्री	- भूमिका संघर्ष
हॉकी के पनपते खिलाड़ी की धनराज पिल्लै से होड़	- रोल मॉडल
कक्षा में अध्यापक का अध्यापन कार्य	- भूमिका अदा करना
दवाओं तथा उपकरणों के बिना ग्रामीण डॉक्टरों द्वारा रोगियों का इलाज	- नकली भूमिका

39. मर्टन द्वारा किए गए विचलन के संदर्भ में वैयक्तिक अनुकूल का सही क्रम बताइए-

(a) अनुरूपता, पलायनवादिता, विद्रोह, विधिवाद, नवप्रवर्तन
(b) नवप्रवर्तन, विधिवाद, अनुरूपता, पलायनवादिता, विद्रोह
(c) अनुरूपता, नवप्रवर्तन, विधिवाद, पलायनवादिता, विद्रोह
(d) विद्रोह, नवप्रवर्तन, विधिवाद, पलायनवादिता, अनुरूपता

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (c) मर्टन के अनुसार विचलन के सन्दर्भ में वैयक्तिक अनुकूलन का सही क्रम है–

प्रत्युत्तर (Response)	संस्थागत साधन (Cultural Means)	सामाजिक साध्य (लक्ष्य) (Social Goals)
अनुरूपता (Confirmity)	+	+
नवाचार (Innovation)	–	+
संस्कारवाद (Ritualist)	+	–
प्रत्यावर्तन (Retreatism)	–	–
विद्रोही (Rebellion)	∓	∓

[+ = स्वीकृति (Acceptance) तथा – = अस्वीकृति (Rejection)]

मर्टन विचलन की व्याख्या सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भों में करते हैं। इनके अनुसार विचलन "साधन-साध्य असंगतता" का परिणाम होता है। एक संतुलित समाज, लक्ष्यों तथा सांस्कृतिक साधनों को बराबर महत्व देता है। मर्टन ने गणितीय चिह्नों के माध्यम से यह समझाने का प्रयत्न किया कि ऐसी स्थिति में पाँच सम्भावित प्रत्युत्तर दिया जा सकता है। इसमें अनुरूपता को छोड़, चारों विचलन है।

40. भारतीय जनजातियों के संख्यात्मक बल का सही अवरोही क्रम बताइए-

(i) गोंड
(ii) मीणा
(iii) भील
(iv) संथाल

(a) (i) (ii) (iii) (iv) (b) (iv) (i) (ii) (iii)
(c) (iii) (ii) (i) (iv) (d) (iii) (i) (iv) (ii)

उत्तर (d) संख्या के आधार पर सबसे बड़ी जनजाति भील है जो मुख्यतः मध्यप्रदेश में पायी जाती है। द्वितीय स्थान पर गोंड जनजाति है जो मुख्यतः महाराष्ट्र में पायी जाती है, तृतीय स्थान पर संथाल जनजाति है जो मुख्यतः ओडिशा में पायी जाती है। चतुर्थ स्थान पर मीणा जनजाति है जो मुख्यतः राजस्थान में पायी जाती है।

41. वेस्टरमार्क द्वारा दिए गए विवाह के इतिहास में विवाह के प्रकार के सही क्रम का चयन कीजिए-

(i) बहुविवाह
(ii) समूह विवाह
(iii) स्वछन्द संभोग (प्रोमिस्कस)
(iv) एकलविवाह

(a) (i) (ii) (iii) (iv) (b) (iv) (i) (ii) (iii)
(c) (iii) (ii) (i) (iv) (d) (iii) (i) (iv) (ii)

उत्तर (c) वेस्टर मार्क के अनुसार "विवाह एक या अधिक पुरूषों के साथ और एक या अधिक स्त्रियों के साथ होने वाला वह सम्बन्ध है जिसे प्रथा या कानून स्वीकार करता है और जिससे इस संगठन में आने वाले दोनों पक्षों एवं उनसे उत्पन्न बच्चों के अधिकार एवं कर्तव्यों का समावेश होता है। उन्होंने विवाह का ऐतिहासिक क्रम निम्न प्रकार बताया है–

1. स्वच्छंद संभोग 2. समूह विवाह
3. बहु विवाह 4. एकल विवाह

42. मेलविन ट्यूमिन द्वारा बताए सामाजिक स्तरीकरण की विभिन्न प्रक्रियाओं का सही क्रम बताइए-

(a) विभेदीकरण, श्रेणीकरण, मूल्यांकन, पुरस्कृत
(b) विभेदीकरण, मूल्यांकन, श्रेणीकरण, पुरस्कृत
(c) श्रेणीकरण, विभेदीकरण, पुरस्कृत, मूल्यांकन
(d) विभेदीकरण, पुरस्कृत, श्रेणीकरण, मूल्यांकन

उत्तर (a) ट्यूमिन ने अपनी पुस्तक सामाजिक स्तरीकरण 'Social stratification' में बताया कि सामाजिक स्तरीकरण आवश्यक रूप से किसी सामाजिक समूह में विभाजन है जो शक्ति, सम्पत्ति, सामाजिक मूल्यांकन अथवा मनोवैज्ञानिक दृष्टि से असमान होती है इन्होंने स्तरीकरण की प्रक्रिया को क्रमवार समझाया है जो निम्नलिखित है–

1. विभेदीकरण 2. श्रेणीकरण
3. मूल्यांकन 4. पुरस्कृत

43. समाजीकरण की निम्नलिखित अवस्थाओं का सही क्रम बताइए-

(i) पूर्वआभासी
(ii) बच्चा
(iii) शिशु
(iv) किशोर

(a) (iii) (ii) (iv) (i) (b) (iii) (i) (ii) (iv)
(c) (i) (iii) (ii) (iv) (d) (i) (iv) (ii) (iii)

उत्तर (a) समाजीकरण मानव को समाज का सक्रिय सदस्य बनाने की एक प्रक्रिया है। समाजीकरण की अवस्थाएँ क्रमवार निम्नलिखित हैं–1. शिशु 2. बच्चा 3. किशोर 4. पूर्व आभासी

44. नीचे दिए कूट में से कॉम्टे के विज्ञानों का वर्गीकरण का सही वर्गीकरण बताइए-

(i) रसायनशास्त्र (ii) भौतिकशास्त्र
(iii) समाजशास्त्र (iv) खगोलशास्त्र
(v) जीव विज्ञान

(a) (iv) (ii) (i) (v) (iii)
(b) (i) (v) (iii) (iv) (ii)
(c) (v) (i) (iv) (iii) (ii)
(d) (iii) (v) (ii) (i) (iv)

उत्तर (a) कॉम्ट ने अपनी पुस्तक 'Positive Philosophy' में विज्ञानों का वर्गीकरण निम्नलिखित प्रकार किया है–

1. गणित शास्त्र 2. खगोल शास्त्र
3. भौतिक शास्त्र 4. रसायन शास्त्र
5. प्राणि शास्त्र 6. समाज शास्त्र

कॉम्ट ने समाज शास्त्र को सबसे जटिल विज्ञान माना है और समाज शास्त्र को विज्ञानों की रानी कहा है।

45. निम्नलिखित में निवास करने वाले समुदाय के बढ़ते घनत्व का सही अनुक्रम बताइए-

(i) शहर (ii) महानगर
(iii) गाँव (iv) नगर

(a) (iii) (iv) (i) (ii) (b) (iv) (ii) (i) (iii)
(c) (iii) (i) (ii) (iv) (d) (ii) (i) (iv) (iii)

उत्तर (a) निवास के आधार पर समुदाय के बढ़ते घनत्व का सही क्रम है–

गाँव < नगर < शहर < महानगर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

46. निम्नलिखित पुस्तकों को कालानुक्रमिक क्रम में रखिए-

(i) कास्ट एण्ड रेस इन इण्डिया (भारत में जाति और प्रजाति)
(ii) प्रॉब्लम्स ऑफ इण्डिया यूथ (भारतीय युवा की समस्याएँ)
(iii) इण्डियन वर्किंग क्लास (भारतीय श्रमिक वर्ग)
(iv) बेसिक कॉनसैप्ट इन सोशियोलॉजी (समाजशास्त्र में मूलभूत अवधारणाएँ)

(a) (iii) (i) (i) (iv) (b) (iv) (ii) (ii) (i)
(c) (ii) (i) (iii) (iv) (d) (i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर (*) पुस्तकें एवं लेखन वर्ष

(i)	कास्ट एण्ड रेस इन इण्डिया	(G.S. Ghurye)	- 1932
(ii)	इण्डियन वर्किंग क्लास	(R.K. Mukharji)	- 1945
(iii)	प्रॉब्लम्स ऑफ इण्डियन यूथ	(D.P. Mukerji)	- 1946
(iv)	बेसिक कॉन्सेप्ट इन सोशियोलॉजी	(D.P. Mukerji)	- 1932

निर्देश—नीचे दिए गए परिच्छेद को पढ़िए और समझकर दिए गए प्रश्न (47-50) के उत्तर दीजिए-

यह स्त्रियों और निम्न दर्जे की नौकरियों के बीच संबंध को स्पष्ट करने में मदद करता है, क्योंकि एक सफल कैरियर के लिए अक्सर निवासस्थानीय गतिशीलता की जरूरत होती है। चौथा, रोजगार में लगी स्त्रियों की बड़ी संख्या है जिसका सामान्यतः अर्थ होता है कि कार्य के लिए माँग उसकी आपूर्ति से ज्यादा हो जाएगी। फलस्वरूप नियोक्ताओं को स्त्री श्रम को ज्यादा मजदूरी, कैरियर के अवसरों और कार्यों की सुधरी (उन्नत) दशाओं के साथ आकर्षित नहीं करना पड़ेगा। अन्ततः स्त्रियों के रोजगार से संबंधित नियमों और अधिनियमों की विशाल पंक्ति है यह नियम उनके काम के लिए धनों को सीमित कर देते है। और उन्हें बहुत से पेशों में जाने से रोक देते हैं, विशेष रूप से ज्यादा श्रम साध्य कामों में। कपेलो के अनुसार, इनमें से कुछ अधिनियम उनकी सुरक्षा के लिए रचे गए हैं, कुछ प्रतियोगियों के रूप में उनकी प्रभावपूर्णता को कम करते हैं और कुछ दोनों के लिए दक्षता के साथ उपाय निकालते हैं। कपेलो तर्क करते हैं कि स्त्रियों की बाजार स्थिति अमेरिकी संस्कृति के दो विषयवस्तु हाल ही तक, कुछ समाजशास्त्रियों ने श्रम बाजार में स्त्रियों की स्थिति पर गम्भीर और व्यापक ध्यान दिया है। इन कुछ समाजशास्त्रियों में से एक, अमेरिकी समाजशास्त्री थियोडोर कपेलो, ने व्यवसाय संबंधित ढाँचे में स्त्रियों को निम्नस्थ स्थान की ओर धकेलने के निम्नलिखित कारण दिए है- पहला, वह माँ और गृहपत्नी के रूप में स्त्रियों के प्राथमिक दर्जे की ओर संकेत करता हैं। इस तरह उनके कैरियर बीच में खत्म हो जाते हैं क्योंकि वे बच्चों को जन्म देने और उन्हें पालने के लिए श्रम बाजार से निकल जाती हैं। दूसरा, स्त्रियों, पुरूष परिवार प्रमुख की तुलना में 'गौण जीविकोपार्जक' है। यह इस रूख (अभिवृत्ति) को प्रोत्साहित करता है कि यह ठीक और उचित है कि स्त्रियों को पुरूषों की तुलना में कम वेतन दिया जाना चाहिए। तीसरा, माँ और पत्नी की भूमिका, जो पत्नियों को उनके पतियों से बाँधे रखती है, की वजह से स्त्रियाँ अपने पतियों की तुलना में भौगोलिक रूप से कम गतिशील होती हैं। यह अधिक सम्भावित रहता है कि पत्नी के बजाए पति के कैरियर बदलने के अनुसार परिवार घर बदलता है। पहली बताती है कि पारिवारिक संबंधों को छोड़कर पुरूष प्रत्यक्ष रूप से स्त्रियों के अधीनस्थ नहीं होने चाहिए। दूसरा बताता है कि परिवार या यौन संबंधों को छोड़कर, घनिष्ठ समूह किसी भी लिंग का होना चाहिए, परन्तु दोनों का कभी नहीं। यह विषय प्रसंग व्यावसायिक क्षेत्र में निम्नलिखित ढंग से अभिव्यक्त किया गया है। पुरूष सामान्यतः सत्ता के पद पर अधिकार रखते हैं और कार्य समूह सामान्यतः एकल लिंग के होते हैं। एकल लिंग समूहों, श्रम के लिंगीय विभाजन तक जाने में, और रोजगार बाजार में पुरूषों के कार्य और स्त्रियों के कार्य के विचार तक जाने में एक कदम की दूरी है।

47. कपेलो के अनुसार, स्त्रियों को व्यावसायिक ढाँचे से निम्नस्थ स्थिति दी जाती हैं, क्योंकि उन्हें-

(a) बच्चों को जन्म देना और उनका पालन-पोषण करना होता है
(b) माँ और पत्नियाँ बनना है
(c) वे कम गतिशील हैं
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d) उपर्युक्त सभी

48. स्त्रियों को भौगोलिक रूप से कम गतिशील बनाने के लिए किस भूमिका की लेखक द्वारा पहचान की गई है?

(a) माँ- गृहपत्नी की भूमिका
(b) बच्चे को जन्म देने और पालन करने की
(c) अधिक मजदूरी और उच्च ओहदे की नौकरियों के लिए कोई महत्वकांक्षा नहीं है
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (a) माँ-गृहपत्नी की भूमिका

49. लेखक के मतानुसार, स्त्रियों के रोजगार से संबंधित अधिनियमों का कौन-सा उपबंध व्यवसाय में उनके प्रवेश को अप्रत्यक्ष रूप से अवरूद्ध करता है?

(a) कार्य के नियत घण्टे
(b) सुरक्षा और रक्षा
(c) ज्यादा श्रम साध्य नौकरियाँ
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d) उपर्युक्त सभी

50. अमेरिकी संस्कृति में निम्नलिखित विषय प्रसंगों में से कौन-सा स्त्रियों के व्यवसाय पर प्रभाव डालता है?

(a) पारिवारिक संबंधों को छोड़कर, पुरूषों को स्त्रियों से बेहतर होना चाहिए।
(b) परिवार के अंदर या यौन संबंधों को छोड़कर घनिष्ठ समूह किसी एक लिंग का होना चाहिए, परन्तु दोनों का कभी नहीं
(c) श्रम का लिंगीय विभाजन
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (c) श्रम का लिंगीय विभाजन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2009
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्नलिखित में से किसने सबसे पहले सामाजिक क्रिया को अपने सिद्धांत का आधार मान कर प्रयोग किया?

(a) टालकॉट पारसंस (b) एल्फ्रेड शुट्ज
(c) मैक्स वेबर (d) विल्फ्रेड परेटो

उत्तर–(c) मैक्सवेबर ने सर्वप्रथम सामाजिक क्रिया को अपने सिद्धान्त का आधार मानकर प्रयोग किया।

सामाजिक क्रिया की प्रकृति को स्पष्ट करते हुये वेबर ने लिखा है, किसी भी क्रिया को हमें तभी सामाजिक क्रिया कहना चाहिए जब उस क्रिया को करने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों के द्वारा लगाए गए व्यक्तिनिष्ठ अर्थ के अनुसार उस क्रिया में दूसरे व्यक्तियों के मनोभाव तथा क्रियाओं का समावेश हो और उन्हीं के अनुसार उसकी गतिविधि निर्धारित हो।

2. नाडेल की सामाजिक संरचना की परिभाषा में मूल अवधारणा कौन-सी है?

(a) संगठन (b) भूमिका
(c) संबंध (d) प्रस्थिति

उत्तर–(c) एस.एफ. नाडेल ने किसी वस्तु या सत्ता के भागों की व्यवस्था को सामाजिक संरचना माना है। उनके अनुसार, 'संरचना हिस्सों का एक स्वरूपात्मक संबंध है जो तथ्यों के समूह के रूप में संरचना को प्रदर्शित करता है। तथ्यों का यह समूह हिस्सों या भागों के रूप में एक ऐसी क्रमबद्ध व्यवस्था को प्रदर्शित करता है जिसे परिभाषित किया जाना या पहिचाना जा सकता है।'

नाडेल सामाजिक संरचना को एक यथार्थता मानते हैं, अर्थात् सामाजिक संरचना को संबंधों के एक ताने-बाने या व्यक्तियों के संबंधों की एक व्यवस्था के रूप में देखते हैं। अतः नाडेल की सामाजिक संरचना की परिभाषा में मूल अवधारणा 'संबंध' है।

3. टालकॉट पारसन्स के अनुकूल, लक्ष्य प्राप्ति, एकीकरण व तनाव प्रबंधन है-

(a) प्रकार्यात्मक पूर्वावश्यकताएँ
(b) प्रकार्यात्मक अनिवार्यताएँ
(c) प्रकार्यात्मक विकल्प
(d) प्रकार्यात्मक सार्वभौमिकता

उत्तर–(a) पारसन्स के अनुसार, प्रत्येक व्यवस्था की कुछ पूर्व आवश्यकताएँ होती हैं जिनकी पूर्ति अनिवार्य है। पारसन्स चार प्रकार की प्रकार्यात्मक पूर्व आवश्यकताएँ मानते हैं-

(i) अनुकूलन-अनुकूलन उपव्यवस्था के अन्तर्गत वे सभी प्रकार्य आते हैं। जिनके द्वारा सदस्यों की भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। पारसंस इस व्यवस्था को अर्थ-तंत्र की संज्ञा देते हैं।

(ii) लक्ष्य पूर्ति - समाज व्यवस्था के कुछ लक्ष्य होते हैं। साधनों को लक्ष्य की पूर्ति में लगाना तभी संभव है जब शक्ति का प्रयोग किया जाय। राज्य की संख्या शक्ति का प्रयोग करती है। पारसन्स इस उप व्यवस्था को राजतंत्र की संज्ञा देते हैं।

(iii) एकीकरण - समाज व्यवस्था में अनेक उपव्यवस्थाएँ होती है। अर्थ व्यवस्था, राजनीतिक व्यवस्था, शैक्षणिक व्यवस्था, सैन्य व्यवस्था आदि उप-व्यवस्थाओं का परस्पर ऐसा एकीकरण होना चाहिए कि सभी मिलकर समाज व्यवस्था को चलाने में सहायक हों।

(iv) तनाव प्रबंधन - समाज व्यवस्था गतिमान रहती है। उसमें तरह-तरह के तनाव और विचलन की प्रवृत्तियाँ उभरती रहती है। व्यवस्था तभी चल पाएगी जब इन प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखा जाए।

4. मार्क्स का सिद्धांत एक अतिवादी विकल्प प्रस्तुत करता है-

(a) प्रकार्यवाद
(b) प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद
(c) उद्विकासीयवाद
(d) संरचनावाद

उत्तर–(a) प्रकार्यवाद, समाज को उसके अंगों के सामन्जस्य एवं सहमति पर आधारित देखता है जबकि मार्क्स का सिद्धान्त समाज को उसके अंगों के बीच संघर्ष के रूप में देखता है।

5. निम्नलिखित सिद्धांतशास्त्रियों में से कौन इस कथन के समर्थक हैं, 'संस्कृति मूलतः नियमों का संग्रह है'?

(a) मौलिनोवस्की (b) रैडक्लिफ-ब्राउन
(c) पार्सन्स (d) समनर

उत्तर–(b) रेडक्लिफ ब्राउन ने सांस्कृतिक तत्वों के कार्यों पर अत्यधिक बल दिया है। रेडक्लिफ ब्राउन ने व्यक्ति के अस्तित्व पर बल न देकर 'समाज' के अस्तित्व को प्रधानता दी। उन्होंने संस्कृति को मूलतः नियमों का संग्रह कहा है।

6. निम्न में से कौन-सा मैक्स वेबर की सामाजिक क्रिया को दर्शाता है?

(a) रेलगाड़ी में यात्रा करते व्यक्ति
(b) वर्षा होने पर लोगों द्वारा छाता खोलना
(c) एक व्यक्ति जो पूर्वजों की आनुष्ठनिक क्रिया में संलग्न हो
(d) दो साइकिल सवार एक-दूसरे से टकराते हुए

उत्तर–(c) कोई भी क्रिया सामाजिक क्रिया तभी कहलाती है जब क्रिया को करने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों के द्वारा लगाए गये व्यक्तिनिष्ठ अर्थ के अनुसार उस क्रिया में दूसरे व्यक्ति या व्यक्तियों के मनोभाव तथा क्रियाओं का समावेश हो और उन्हीं के अनुसार उनकी गतिविधि निर्धारित हो।

7. निम्नलिखित में से किसने सहभागी अवलोकनों का इस्तेमाल सूचना संकलित करने में किया?

(a) डब्ल्यू.एच. ह्वाइट (b) गोल्डथ्रोप और लॉकवुड

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) ए.गिडेन्स (d) के. डेविस

उत्तर–(a) डब्ल्यू. एच. ह्वाइट ने अपनी पुस्तक Street Corner Society में सहभागी अवलोकन प्रविधि का प्रयोग किया है।

8. मानक विचलन का वर्ग जाना जाता है-

(a) सह-संबंध (b) मध्य
(c) प्रसरण (d) बहुलक

उत्तर–(c) प्रसरण का धनात्मक वर्गमूल **मानक विचलन** कहलाता है। यहाँ ध्यान देने योग्य है कि प्रसरण का ऋणात्मक वर्गमूल भी होता है लेकिन वह मानक विचलन नहीं होगा।

9. किस प्रकार से बदलाव का सह-संबंध हमेशा वर्णित किया जाता है?

(a) अनुपात में (b) प्रतिशत में
(c) माध्य में (d) संकलन में

उत्तर–(a) सह-सम्बन्ध एक विवरणात्मक सांख्यिकीय माप है, जो दो चरों के मध्य पाये जाने वाले सम्बन्ध की मात्रा का विवरण देती है। जैस-मूल्य तथा माँग, माँग तथा आपूर्ति, उत्पादन तथा रोजगार, मजदूरी तथा मूल्य सूचकांक आदि।

स्रोत - सरल सांख्यिकी - के. के. उपाध्याय

10. नीचे दिए गए निदर्शन पहचान में पहचान करें कि असम्भावित निदर्शन पद्धति कौन है?

(a) अभ्यंश निदर्शन (b) साधारण दैव निदर्शन
(c) स्तरित निदर्शन (d) बहुस्तरीय दैव निदर्शन

उत्तर–(a) निदर्शन तथ्य संग्रह की वह तकनीक है जिसके माध्यम से समग्र विषय की कुछ प्रतिनिधित्वपूर्ण इकाइयों का अध्ययन के लिए चयन किया जाता है जिसमें समग्र की सभी विशेषताएँ पायी जाती हैं। निदर्शन को दो भागों में बाँटा जा सकता है -

1. सम्भाव्य
2. असम्भाव्य

सम्भाव्य निदर्शन चुनाव की वह विधि है जिसमें समग्र की सभी इकाइयों को चुने जाने का समान अवसर दिया जाय तो उसे सम्भाव्य पद्धति कहते हैं। इसके अंतर्गत मुख्यतः तीन प्रणालियों का प्रयोग किया जाता है -

1. सरल निदर्शन प्रणाली
2. संस्तरित दैव निदर्शन प्रणाली
3. बहुस्तरीय निदर्शन प्रणाली

असंभाव्य निदर्शन की वह विधि है जिसमें समग्र की सभी इकाइयों को चुने जाने के समान अवसर प्राप्त नहीं होते हैं। ये चार प्रकार की होती है -

1. उद्देश्य पूर्ण निदर्शन 2. कोटा निदर्शन
3. सुविधाजनक निदर्शन 4. स्वयं निर्वाचित निदर्शन प्रणाली

11. निम्नलिखित में से कौन समाज विज्ञान अनुसंधान पद्धति से नहीं जुड़ा है?

(a) आगमन सामान्यीकरण
(b) नैतिक तटस्थता
(c) अनुभवजन्य विश्वसनीय सामग्री
(d) विषयनिष्ठ व्याख्या

उत्तर (d) वैज्ञानिक अनुसंधान के अन्तर्गत स्वाभाविक घटनाओं का क्रमबद्ध नियन्त्रित एवं आलोचनात्मक अनुसंधान जो घटनाओं के बीच कल्पित सम्बन्धों के सिद्धान्तों एवं प्राकल्पनाओं द्वारा निर्देशित होता है, आता है अतः **विषयनिष्ठ व्याख्या** सामाजिक अनुसंधान के अन्तर्गत नहीं आएगी क्योंकि इससे मौलिकता समाप्त हो जाएगी जो कि अनुसंधान का मुख्य लक्ष्य होता है।

12. अन्वेषणात्मक शोध प्रारूप का उद्देश्य क्या है?

(a) परिकल्पना का विकास
(b) परिकल्पना की जाँच करना
(c) कारणवश संबंध स्थापित करना
(d) सिद्धांत की जाँच करना

उत्तर (a) अन्वेषणात्मक शोध प्रारूप का प्रयोग उस स्थिति में किया जाता है जब शोधकर्ता समस्या या परिस्थिति की पूर्ण जानकारी नहीं रखता है। यही कारण है कि इस तरह के प्रारूप में उपकल्पना का निर्माण आरम्भिक चरण में नहीं किया जाता है बल्कि उपकल्पना का निर्माण अन्त में किया जाता है। इस प्रकार के शोध प्रारूप में मुख्यतः नवीन तथ्यों की खोज पर ध्यान दिया जाता है। इस शोध प्रारूप के निम्नलिखित उद्देश्य हैं-

(i) विषय एवं समस्या को निर्धारित करना
(ii) शोध की दिशा का निर्धारण
(iii) उपकल्पना का निर्माण आदि

13. पिछले दस वर्षों का महीनेवार ब्यौरा उपलब्ध है। किस प्रकार से परिमाण अंकों की गणना की जाए जिससे सबसे कम वर्षा वाली दर के वर्षों को चिह्नित किया जा सके?

(a) मानक विचलन (b) सहपरिवर्तन
(c) बदलाव का सहःसंबंध (d) औसत विचलन

उत्तर (a) प्रश्नों में दी गई वस्तुस्थिति से स्पष्ट होता है कि एक प्रकार के अर्थात सबसे कम वर्षा वाली दर के वर्षों को चिन्हित करना है अतः हमें मानक विचलन का प्रयोग करना चाहिए। क्योंकि यदि प्रेक्षणों के सभी पद समान हो तो प्रत्येक पद के माध्य से विचलन भी शून्य होगा इस प्रकार समान वितरण में मानक विचलन भी शून्य होगा जो इसका न्यूनतम मान है।

14. शिक्षित और उत्तरदाताओं के एक बड़े समूह से सूचना एकत्रित करने के लिए जो एक लंबे क्षेत्र में फैले हों कौन-से शोध उपकरण का प्रयोग सही होगा?

(a) साक्षात्कार अनुसूची
(b) वैयक्तिक अध्ययन पद्धति
(c) प्रश्नावली
(d) अवलोकन

उत्तर (c) प्रश्नावली ऐसी शोध विधि है जिसके माध्यम से दूर क्षेत्र में फैले शोध क्षेत्र में लिखित प्रश्नों के माध्यम से उत्तर दाताओं को प्रश्न पूछकर शोध आँकड़े एकत्रित किये जाते हैं। इसमें प्रायः डाक द्वारा प्रश्नों को उत्तरदाताओं के माध्यम से पूछा जाता है। अतः इसमें यह आवश्यक है कि उत्तरदाता शिक्षित हों। क्योंकि तभी उत्तर देना सम्भव हो सकता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

15. निम्नलिखित में से कौन-सा संख्यात्मक सामाजिक अनुसंधान से संबंधित है?

(a) प्रत्यक्षवाद (b) भाष्यविज्ञान
(c) अनुभववाद (d) आगमन विधि

उत्तर (b) वे पद्धतियाँ जो संख्याओं एवं माप को महत्व देती है। उन्हें गणनात्मक पद्धतियाँ कहा जाता है जैसे-प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार।

16. सूची I को सूची II से जोड़े और निम्नांकित कूट के अनुसार सही उत्तर दें-

सूची I	सूची II
(A) अन्तः समूह व बाह्य समूह	1. गिडेन्स
(B) प्राथमिक एवं द्वितीय समूह	2. मिलर
(C) ऊर्ध्वमुखी एवं अधोमुखी समूह	3. समनर
(D) आनुवंशिक एवं समवेत्ता समूह	4. कूले
	5. मर्टन

	A	B	C	D
(a)	2	5	4	1
(b)	3	4	2	1
(c)	4	3	5	1
(d)	1	2	4	3

उत्तर (b) अन्तःसमूह व वाह्य समूह की अवधारणा का प्रयोग समनर तथा मिलर ने, प्राथमिक एवं द्वितीयक समूह की अवधारणा कूले ने, उर्ध्वमुखी एवं अधोमुखी की अवधारणा मिलर ने तथा आनुवंशिक एवं समवेत्ता समूह की अवधारणा गिडेन्स ने दी है। मर्टन ने समूहों का दो भागों में विभाजन- सदस्यता समूह तथा गैर सदस्यता समूह में किया है।

17. निम्नांकित में से कौन-सी अवधारणा संस्कृति के भौतिक पक्ष को उजागर करती है?

(a) धर्म (b) सभ्यता
(c) नैतिकता (d) समाजीकरण

उत्तर (b) सोरोकिन ने संस्कृति को दो भागों में बाँटा है- भौतिक व अभौतिक। भौतिक संस्कृति में मानव द्वारा निर्मित सभी वस्तुओं का समावेश होता है जबकि अभौतिक में- विचार, मूल्य, प्रतिमान, धर्म इत्यादि का समावेश होता है। भौतिक संस्कृति को हम अन्य शब्दों में **सभ्यता** भी कहते हैं। हम यह भी कह सकते है कि भौतिक संस्कृति ही सभ्यता है जबकि अभौतिक संस्कृति, को ही संस्कृति कहते हैं।

18. निम्न में से कौन-सी प्रदत्त प्रस्थिति है?

(a) विद्यार्थी (b) अध्यापक
(c) डॉक्टर (d) ब्राह्मण

उत्तर (d) समाजशास्त्रीय अवधारणाओं में दो प्रस्थिति की चर्चा होती है-
(i) प्रदत्त तथा (ii) अर्जित
प्रदत्त प्रस्थिति वह है जो कि समाज द्वारा स्वीकृत एवं प्रदान की जाती है यह प्रस्थिति ज्यादातर जन्म पर आधारित होती है जैसे- जाति व्यवस्था द्वारा स्वीकृत प्रस्थिति जैसे ब्राह्मण
अर्जित प्रस्थिति वह है जो व्यक्ति समाज में अपने गुण व प्रतिभा द्वारा अर्जित करता है जैसे- डाक्टर, इन्जीनियर, वकील इत्यादि।
अर्जित प्रस्थिति प्रायः खुले समाजों यथा-विकसित समाजों की पहचान है जबकि प्रदत्त प्रस्थिति बन्द एवं अविकसित समाजों की।

19. उद्विकासीय प्रक्रिया किस प्रकार से होती है?

(a) सभी प्रकार के सामाजिक परिवर्तनों के द्वारा
(b) समाज में आमूल परिवर्तन के द्वारा
(c) सामान्यता से विशिष्टता की ओर जाने वाला परिवर्तन
(d) एक निश्चित दिशा में समाज के परिवर्तन के द्वारा

उत्तर (c) उद्विकासीय प्रक्रिया सामान्यता से विशिष्टता की ओर जाने वाला परिवर्तन है।

20. निम्न में से कौन-सा समुदाय का उदाहरण है?

(a) परिवार (b) आय समूह
(c) शरणार्थी शिविर (d) गाँव

उत्तर (d) समुदाय ऐसा सामाजिक समूह है जिनमें कुछ अंश तक हम की भावना होती है तथा जो एक निश्चत क्षेत्र में रहता है। गाँव, कस्बा, मठ आदि समुदाय के उदाहरण हैं।
समुदाय की विशेषता निम्न है :
- निश्चित क्षेत्र
- सामुदायिकता की भावना
- सामान्य जीवन एवं संस्कृति
- विशिष्ट नाम
- स्वतः विकास
- स्थायित्व
- मनुष्यों का समूह
- मूर्तता
- व्यापक उद्देश्य
- सामान्य नियम व्यवस्था
- अनिवार्य सदस्यता
- साधन एवं साध्य दोनों

21. सामाजिक संस्थाओं के निर्माण में निम्न में से कौन-सा तत्व कोई भूमिका नहीं निभाता?

(a) स्कूल (b) प्रथाएँ एवं जनरीतियाँ
(c) कानून एवं व्यवस्था (d) सामाजिक संस्वीकृति

उत्तर (a) अनुशासित/संस्वीकृति का सामान्य अर्थ है अंकुश, निषेध तथा दण्ड। सामाजिक, अनुशासित विशिष्ट व्यवहार को प्रोत्साहित या हतोत्साहित करने के लिए एक व्यक्ति या समूह को दिया जाने वाला दण्ड या पुरस्कार है।

22. निम्न में से कौन-सा कथन समितियों के लिए प्रयोग नहीं किया जाता?

(a) समिति की प्रकृति अस्थायी होती है
(b) समिति के निर्माण में अभिप्रेरणा व लक्ष्यों का होना
(c) समिति एक मूर्त संगठन है
(d) समितियों में सामुदायिक भावना और निश्चित भूभाग का समावेश होना

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (d) मैकाइवर तथा पेज के अनुसार- ''समिति वह मानव समूह है जो सामान्य हित या हितों की पूर्ति के लिए संगठित होती है''
समिति की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-
1. समिति व्यक्तियों का एक संगठन है, इसलिए मूर्त है
2. समिति के उद्देश्य निश्चित एवं सामान्य हैं
3. समिति विचार पूर्वक स्थापित की जाती है
4. समिति नियमों पर आधारित है
5. समिति का कानूनी स्वरूप होता है।
6. ऐच्छिक सदस्यता
7. अस्थायी प्रकृति
8. सुपरिभाषित संरचना

23. **भारतवर्ष में समाजशास्त्र का प्रादुर्भाव इसके यूरोप और अमेरिका में सुस्थापित होने के बाद हुआ। निम्न में से किस वर्ष में इसे औपचारिक रूप में प्रारम्भ किया गया?**
(a) 1885 (b) 1896
(c) 1919 (d) 1939

उत्तर (c) भारत में समाजशास्त्र का अध्यापन का प्रारम्भ कलकत्ता विश्वविद्यालय के राजनीतिक, आर्थिक और राजनीतिक दर्शन में 1908 में प्रारम्भ हुआ भारत में समाजशास्त्र की उत्पत्ति का इतिहास बंबई विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इकोनॉमी से जुड़ा है **पैट्रिक गिड्स** समाजशास्त्र के संस्थापक थे जिनकी परम्परा को जी. एस. घुर्ये ने बढ़ाया। वर्ष **1919** में बम्बई विश्वविद्यालय में स्नात्कोत्तर स्तर पर समाजशास्त्र का अध्यापन किया जाने लगा।

24. **आधुनिक समय में जटिल अर्थव्यवस्थाओं में श्रमिक भलाई होती है-**
(a) सम्पूर्णतया उपेक्षित
(b) आंशिक रूप से ध्यान देना
(c) सबसे ज्यादा प्राथमिकता देना
(d) संपूर्ण रूप से ध्यान देना

उत्तर (b) आधुनिक अर्थ व्यवस्था की प्रकृति पूँजीवादी है। जहाँ पूँजी एवं श्रम दो आधार हैं। यहाँ पूँजी पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है जबकि श्रमिक भलाई पर आंशिक ध्यान दिया जाता है क्योंकि जटिल अर्थ व्यवस्था में लाभ ही मुख्य कारण बन गया है।

25. **निम्न में से कौन-से समाज वैज्ञानिक ने 'राजनीतिक समाजीकरण' की अवधारणा को प्रस्तुत किया?**
(a) आमण्ड पावेल (b) हरबर्ट हाइमेन
(c) हरबर्ट स्पेन्सर (d) विल्फ्रेडो परेटो

उत्तर (b) राजनीतिक समाजीकरण के पद का सर्वप्रथम प्रयोग बीसवीं सदी में हुआ है। इसके पहले इसके स्थान पर नागरिकता, नागरिकता प्रशिक्षण तथा नागरिक समाजीकरण जैसे शब्दों का प्रयोग किया जाता था। **हाइमेन** पहले समाज वैज्ञानिक थे जिन्होंने राजनीतिक समाजीकरण का विश्लेषण किया उन्होंने इसे एक प्रक्रिया माना है। इस प्रक्रिया द्वारा एक राष्ट्र नई पीढ़ी को अपनी स्थापित राजनीतिक परम्पराओं से अवगत कराकर उन्हें संरक्षित करने का प्रयास करता है। इस प्रयास में शिक्षण संस्थाएँ, जनसंचार के साधन- रेडियो, टीवी, इन्टरनेट, कार्यस्थल, बस्तियों की समितियों के साथ-साथ राजनीतिक संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

26. **सूची I को सूची II से जोड़े और निम्नांकित कूट के अनुसार सही उत्तर दें-**

	सूची I	सूची II
(A)	स्व का आत्मदर्पण	1. कार्ल मार्क्स
(B)	अलगाव	2. विलियम ऑगबर्न
(C)	सांस्कृतिक विलम्बता	3. जी.एच.मीड
(D)	प्रत्यक्षवाद	4. ऑगस्ट कॉम्टे
		5. सी.एच.कूले

	A	B	C	D
(a)	5	1	2	4
(b)	1	2	3	5
(c)	4	3	2	1
(d)	3	4	1	2

उत्तर (a) स्व का आत्मदर्पण का सिद्धान्त सी. एच. कूले का है जिसमें उन्होंने समाजीकरण की प्रक्रिया के बारे में बताया है। अलगाव की अवधारणा कार्ल मार्क्स ने पूँजीवादी अर्थव्यवस्था के लक्षण के रूप में दी है। सांस्कृतिक विलम्बना की अवधारणा विलियम ऑगबर्न ने भौतिक एवं अभौतिक संस्कृति के संदर्भ में की। प्रत्यक्षवाद के जनक ऑगस्त कॉम्ट हैं जिन्होंने वैज्ञानिक पद्धति को सामाजिक विज्ञानों में स्वीकार कर आगे बढ़ाया।

27. **अभिकथन (A)-** केवल अधिनियमों के बल पर महिलाओं की प्रस्थिति को ऊँचा व सुधारा नहीं जा सकता।
तर्क (R)- किसी भी समाज का सामाजिक माहौल महिलाओं की प्रस्थिति आकलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
(a) A और R दोनों सही है और A का R सही स्पष्टीकरण है
(b) A और R दोनों सही है परन्तु A का R स्पष्टीकरण नहीं है
(c) A सही है, परन्तु R गलत है
(d) A गलत है, परन्तु R सही है

उत्तर (a) केवल अधिनियमों के बल पर महिलाओं की प्रस्थिति को ऊँचा व सुधारा नहीं जा सकता है क्योंकि कुछ सामाजिक रूढ़ियाँ हैं जो इन अधिनियमों को प्रभावी होने में बाधा उत्पन्न करती है अतः निश्चित ही सामाजिक माहौल महिलाओं की सामाजिक प्रस्थिति के लिए उत्तरदायी है। क्योंकि सामाजिक मनोदशा ही लोगों की मनोवृत्तियों का निर्माण करती है। एक रूढ़िवादी समाज में यदि बहुत कठोर नियम सरकार द्वारा बना भी दिया जाय तो उसके लिए विरोध के स्वर उठने लगते हैं क्योंकि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने का साहस सरकार नहीं कर पाती है।

28. **सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए-**

	सूची I	सूची II
(A)	परसंस्कृतिग्रहण	1. एक वैसी स्थिति जिसमें लोग विभिन्नताओं में रहते हुए भी एक साथ काम करते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(B)	एकीकरण	2.	एक वैसी स्थिति जिसमें एक संस्कृति के लोग दूसरी संस्कृति से कुछ तत्व लेना चाहते हैं और अपने तत्व छोड़ना चाहते हैं
(C)	आत्मसात्करण	3.	एक वह प्रक्रिया जिसमें अल्पसंख्यक समूह के लोग धीरे-धीरे अपने सांस्कृतिक प्रतिमान को छोड़ने लगते हैं और प्रभावी संस्कृतियों को लेने लगते हैं
(D)	समायोजन	4.	अनुकूलन की वह प्रक्रिया जिसमें संस्कृति के तत्व एक सम्पूर्ण स्वरूप में सम्मिलित हों

	A	B	C	D
(a)	2	4	3	1
(b)	1	2	3	4
(c)	3	4	2	1
(d)	4	3	1	2

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

परसंस्कृतिग्रहण – एक वैसी स्थिति जिसमें एक संस्कृति के लोग दूसरी संस्कृति से कुछ तत्व लेना चाहते हैं और अपने तत्व छोड़ना चाहते हैं।

एकीकरण – अनुकूलन की वह प्रक्रिया जिसमें संस्कृति के तत्व एक सम्पूर्ण स्वरूप में सम्मिलित हों।

आत्मसात्करण – एक वह प्रक्रिया जिसमें अल्पसंख्यक समूह के लोग धीरे-धीरे अपने सांस्कृतिक प्रतिमान को छोड़ने लगते हैं और प्रभावी संस्कृतियों को लेने लगते हैं।

समायोजन – एक वैसी स्थिति जिसमें लोग विभिन्नताओं में रहते हुए भी एक साथ काम करते हैं।

29. इनमें से कौन-सा वक्तव्य सड़कों के भीड़-भाड़ की समस्या के निदान के लिए उपयुक्त नहीं है?

(a) सड़कों का चौड़ीकरण होना
(b) जनता को निजी गाड़ियों के इस्तेमाल से रोकना
(c) भिन्न-भिन्न प्रकार की गाड़ियों का सड़क पर चलने का समय तय होना
(d) दूसरे प्रकार के यातायात के साधन के बारे में सोचना

उत्तर (b) जनता को निजी गाड़ियों के इस्तेमाल से रोकना एक गलत कदम होगा क्योंकि निजीवाहन लोग अपनी सुविधा के लिए रखते हैं। वहीं अन्य सुझाये गये तरीके व्यस्त यातायात के लिए निश्चित ही एक हल प्रस्तुत करते हैं।

30. इमाईल दुर्खीम ने समाज को ऐसे परिभाषित किया है-

(a) विचार का समुदाय (b) सजातीय समुदाय
(c) आचार समुदाय (d) नैतिक समुदाय

उत्तर (d) दुर्खीम ने समाज को एक नैतिक समुदाय के रूप में परिभाषित किया है। इनके अनुसार समाज एक सामाजिक तथ्य है। समाज व्यक्तियों से अधिक समूहों एवं संस्थाओं की व्यवस्था है।

31. निम्नलिखित में से कौन समाजशास्त्री ऐसे हैं जो जनसंख्या वृद्धि तथा सामाजिक परिवर्तन में सकारात्मक संबंध नहीं स्थापित कर सके?

(a) ऑगस्ट कॉम्टे (b) कार्ल मार्क्स
(c) मैक्स वेबर (d) इमाईल दुर्खीम

उत्तर (c) मैक्स वेबर जनसंख्या वृद्धि तथा सामाजिक परिवर्तन में सकारात्मक संबंध स्थापित नहीं कर सके जबकि कॉम्ट ने बढ़ती जनसंख्या को 'प्रगति' से जोड़ा। दुर्खीम ने जनसंख्या वृद्धि को श्रम विभाजन से जोड़ा जो समाज में सावयवी एकता उत्पन्न करता है। मार्क्स के अनुसार पूँजीवादी समाज में बढ़ती जनसंख्या अतिरिक्त लाभ बढ़ाती है क्योंकि यह बेरोजगारी एवं सस्ता श्रम उत्पन्न करती है। अतिरिक्त लाभ सर्वहारा और बुर्जुआ के बीच की खांई को बढ़ाती है जो कि वर्ग संघर्ष एवं परिवर्तन लाता है।

32. ''सामाजिक संघर्ष हमेशा विनाशकारी नहीं होता बल्कि यह समन्वयी भूमिका भी निभाता है।'' निम्नलिखित में से किस विचारक ने यह विचार दिया है?

(a) रॉल्फ डेहरेण्डार्फ (b) लुई कोजर
(c) कार्ल मार्क्स (d) मैक्स वेबर

उत्तर (b) लुई कोजर ने अपनी पुस्तक "function of social conflict" में संघर्ष का प्रकार्यात्मक सिद्धान्त प्रस्तुत किया, इन्होंने बताया कि सामाजिक संघर्ष हमेशा विनाशकारी नहीं होता बल्कि कभी-कभी समन्वयकारी भी होता है।

33. निम्नलिखित में से कौन उत्पादन विधि का अवयव नहीं है?

(a) उत्पादन का साधन (b) उत्पादन शक्ति
(c) उत्पादन का औजार (d) उत्पादन का संबंध

उत्तर (c) कार्ल मार्क्स के अनुसार उत्पादन विधि के तीन अवयव निम्नलिखित हैं-

1. उत्पादन का तरीका (शक्ति)
2. उत्पादन के साधन
3. उत्पादन के सम्बन्ध

34. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

(a) प्राथमिक समूह - कूले
(b) संदर्भ समूह - मर्टन
(c) बाहरी समूह - समनर
(d) मानव समूह - वेबर

उत्तर (d) युग्म (d) सुमेलित नहीं है। सही सुमेलन इस प्रकार है-

प्राथमिक समूह- कूले
संदर्भ समूह- मर्टन
बाहरी समूह- समनर
प्रस्थित समूह - वेबर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

35. निम्नलिखित अवधारणाओं में से कौन सा सिद्धांत मर्टन के अनुसार परिवर्तन के लिए उपयुक्त है?

(a) प्रकार्य (b) दुष्प्रकार्य
(c) अप्रकार्य (d) कल्प-प्रकार्य

उत्तर (b) मर्टन ने अपनी संरचना का विश्लेषण स्थायित्व (stability) एवं गतिकी (Dynamics) दोनों के आधार पर किया है। मर्टन का दुष्प्रकार्य का सिद्धान्त उसके प्रकार्यवाद के परिवर्तन से जोड़ता है जिसका आधार भूमिका तनाव एवं भूमिका संघर्ष आदि है।

36. नीचे दी गई संहिताओं में से सही उत्तर चुनें-
कार्ल मार्क्स के अनुसार ऊपरी ढाँचा कौन है?

(i) राजनीतिक व्यवस्था (ii) वैधानिक व्यवस्था
(iii) जागरूकता के स्वरूप (iv) वर्ग

(a) (i), (ii), (iv) सही हैं
(b) (ii), (iii), (iv) सही हैं
(c) (i), (ii), (iii) सही हैं
(d) (i), (ii) सही हैं

उत्तर (c) कार्ल मार्क्स ने समाज के ढांचे को दो भागों में विभाजित किया है 1. अधिसंरचना (Super structure)
2. अधोसंरचना (Sub structure)
अधिसंरचना में समाज का ऊपरी ढाँचा आता है। इसके अन्तर्गत सामाजिक जीवन के सांस्कृतिक, राजनैतिक, बौद्धिक, वैधानिक पक्ष आते हैं।
अधोसंरचना में भौतिक संसाधनों को रखा जाता है जैसे भूमि, भवन, सम्पत्ति, श्रम आदि।

37. अभिकथन (A)- मार्क्स के विचार से पूँजीवाद में श्रमिक अलगाव से ग्रसित होते हैं।
तर्क (R)- पूँजीवाद श्रमिकों की मेहनत को उनके जीवन जीने का केवल साधन मात्र बना देता है।

(a) A और R दोनों सही हैं और A का R सही स्पष्टीकरण है
(b) A और R दोनों सही है परन्तु A का R स्पष्टीकरण नहीं है
(c) A सही है, परन्तु R गलत है
(d) A गलत है, परन्तु R सही है

उत्तर (a) मार्क्स के विचार से पूँजीवाद में श्रमिक अलगाव से ग्रसित होते हैं क्योंकि पूँजीवाद श्रमिकों के मेहनत को ही उनके जीवन जीने का साधन मात्र बना देता है। दोनों कथन सत्य हैं तथा तर्क कथन की व्याख्या भी करता है।

38. 'शिक्षित महिला' एक उदाहरण है-

(a) सामाजिक समूह का (b) समिति का
(c) संगठन का (d) सामाजिक श्रेणी का

उत्तर (d) सामाजिक श्रेणी (Social Category) उन लोगों का संग्रह है जिनके पास निश्चित विशेषताएँ एवं लक्षण हैं परन्तु उनके बीच कोई नियमित (Regular) अंतक्रिया नहीं होती, जैसे- सभी किशोर, सभी शिक्षक आदि। अतः शिक्षित महिला सामाजिक श्रेणी का उदाहरण है।

39. सामाजिक समूह के रूप में जनजातीय समाज निम्न में से किसके समीप है?

(a) समुदाय के (b) जाति के
(c) समिति के (d) गोत्र के

उत्तर (a) समुदाय एक क्षेत्रीय इकाई है जिसके अंदर सरल एवं जटिल संस्थाएँ समान होती हैं तथा जिनकी जीवनशैली एक समान होती है। डी.एन.मजूमदार के अनुसार- ''जनजाति परिवारों का एक समूह होता है जिसके सदस्य एक ही भाषा का प्रयोग करते हैं, एक ही क्षेत्र में निवास करते हैं, विवाह तथा पेशा से सम्बन्धित समान निषेधों का पालन करते है तथा उनके बीच सुविकसित पारस्परिक विनिमय तथा आपसी लेन-देन की व्यवस्था पायी जाती है।''

40. सूची I को सूची II से जोड़े और निम्नांकित कूट के अनुसार सही उत्तर दें-

सूची I	सूची II
(A) सी.एच.कूले	1. अभिनय शास्त्र
(B) जी.एच. मीड	2. प्रतीकात्मक अंतः क्रियावाद
(C) एच. ब्लूमर	3. मन, स्व और समाज
(D) ई. गॉफमैन	4. मानव प्रकृति और सामाजिक व्यवस्था
	5. लोक-पद्धति विज्ञान

	A	B	C	D
(a)	1	2	5	3
(b)	2	4	1	5
(c)	4	3	2	1
(d)	3	4	1	3

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

सी. एच. कूले - मानव प्रकृति और सामाजिक व्यवस्था
जी. एच. मीड - मन, स्व और समाज
एच. ब्लूमर - प्रतीकात्मक अंतः क्रियावाद
ई. गॉफमैन - अभिनयशास्त्र

41. 'जाति एक बन्द वर्ग है' निम्न विचारकों में से ये कथन किस का है?

(a) लुई ड्यूमा
(b) डॉ.बी.आर. अम्बेडकर
(c) जे.एच. हट्टन
(d) मदान व मजूमदार

उत्तर (d)
''जाति एक बन्द वर्ग है' यह कथन मदान व मजूमदार ने दिया है। उनके अनुसार जाति कठोर प्रतिबंधित मानदंडों पर आधारित एक प्रमुख किन्तु अत्यंत जटिल संस्था है

42. मर्टन के अनुसार अप्रकट प्रकार्य होते हैं-

(a) प्रत्याशित और मान्य
(b) प्रत्याशित और अमान्य
(c) अप्रत्याशित और अमान्य
(d) अप्रत्याशित और मान्य

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (c) अप्रकट प्रकार्य वे हैं जो सामाजिक व्यवस्था में अनुकूल या सामंजस्य बनाये रखते हैं परन्तु व्यवस्था में सहयोग देने वालों के द्वारा वह प्रकार्य न तो मान्य होते हैं और न ही इच्छित होते हैं।

43. राल्फ डेहरेण्डॉर्फ के संघर्ष के सिद्धांत का आधार है-
(a) उत्पादन के संबंध
(b) उपभोक्ता संबंध
(c) सत्ता संबंध
(d) अप्रत्याशित और मान्य

उत्तर (c) राल्फ डेहरेण्डॉर्फ के संघर्ष के सिद्धांत का आधार सत्ता सम्बन्ध है। वे कहते हैं कि सत्ता का विभिन्न रूप में वितरण अनिवार्यतः व्यवस्थित सामाजिक संघर्ष का निर्धारक कारक है।

44. स्त्रियों की जीवित बच्चों को जन्म देने की क्षमता को कहा जाता है-
(a) प्रजननता
(b) अस्वस्थता
(c) जननक्षमता
(d) अजलननक्षमता

उत्तर (a) स्त्रियों के जीवित बच्चों को जन्म देने की क्षमता को प्रजननता कहा जाता है।

45. ग्रामीण समाज का एक उदाहरण है-
(a) समितियों का (b) समुदायों का
(c) क्षेत्रों का (d) राष्ट्र का

उत्तर (b) ग्रामीण समाज वह समाज है, जिसमें आमने-सामने के संबंध पाए जाते हैं, जिसमें सामूहिक जीवन के लिए अधिकांशतः सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक एवं अन्य सेवाओं की आवश्यकता होती है और जिसके मूल अभिवृत्तियों एवं व्यवहारों के प्रति सामान्य सहमति होती है।

46. एक शास्त्र जो ज्ञान के उद्‌भव एवं प्रकृति से संबंध रखता हो, कहलाता है-
(a) सत्तामीमांसा
(b) प्रघटनाशास्त्र
(c) ज्ञानमीमांसा
(d) लोक विज्ञानशास्त्र

उत्तर (c) ज्ञानमीमांसा ने युक्ति पूर्णता, ज्ञान और विज्ञान की अबोध प्रगति का समर्थन किया। मूल रूप से ज्ञानमीमांसा ने व्यक्ति की स्वतंत्रता, अस्मिता एवं समानता को अकाट्य विचार के रूप में प्रस्तुत किया

47. वेबर के अनुसार जाति के लक्षण हैं-
(a) एक नृजातीय समूह में
(b) एक समुदाय के रूप में
(c) एक बंद प्रस्थिति समूह
(d) हिन्दुओं की धर्म संगति

उत्तर (c) वेबर ने जाति को एक प्रस्थिति समूह माना है क्योंकि वेबर ने समाज के स्तरीकरण की व्याख्या प्रस्थिति के आधार पर की है अर्थात प्रस्थिति समूह ही वर्ग का निर्माण भी करते हैं।

48. निम्न में से सही कूट के संबंध को चुनिए-
सामाजिक स्तरीकरण की प्रकार्यात्मक व्याख्या की है-
(i) पारसन्स
(ii) लास्की
(iii) डेविस और मूर
(iv) ट्यूमिन
(a) (i), (ii) और (iii) सही हैं
(b) (ii), (iii) और (iv) सही हैं
(c) (i), (iii) और (iv) सही हैं
(d) (iii) और (iv) सही हैं

उत्तर (c)
सामाजिक स्तरीकरण की प्रकार्यात्मक व्याख्या करने वालों का समूह निम्नलिखित है
1. पारसन्स
2. डेविस एवं मूर
3. ट्यूमिन

49. निम्न में से कौन-सा जटिल अर्थव्यवस्था पर लागू नहीं होता?
(a) औद्योगिकीकरण की तरफ प्रवृत्ति
(b) व्यापार में निवेश की एक व्याख्या
(c) आर्थिक परस्पर निर्भरता
(d) उद्योगों और सामाजिक आवश्यकताओं में विच्छेद

उत्तर (d) जटिल समाजों में उद्योग और सामाजिक आवश्यकताओं के मध्य एक घनिष्ट सम्बन्ध पाया जाता है। उद्योगों और सामाजिक आवश्यकताओं में विच्छेद केवल सरल समाजों में पायी जाती है

50. श्रम के विभाजन के संबंध में यांत्रिक सामाजिक एकता को दुर्खीम ने एक विशेष रूपक मानते हुए पहचान दी है। निम्न में से कौन-सा वह रूपक नहीं है?
(a) सामूहिक चेतना का फैला हुआ क्षेत्र
(b) दमनकारी कानून
(c) संरचनात्मक विभेदीकरण
(d) सादृश्य

उत्तर (c) दुर्खीम ने अपनी पुस्तक 'Devision of labour' में सामाजिक एकता का सिद्धान्त प्रस्तुत किया है। दुर्खीम ने दो प्रकार की सामाजिक एकता का उल्लेख किया है-
1. **यांत्रिक एकता-** यह यंत्रवत् एकता का प्रारूप है तब व्यक्ति का व्यक्तित्व सामूहिक व्यक्तित्व में समा जाता है। आदिम समाज में यांत्रिक एकता पायी जाती है।
2. **सावयवी एकता-** सावयवी एकता से आशय है श्रम विभाजन के आधार पर बिखरे समाज में आवश्यकता आधारित निर्भरता एवं एकता सावयवी एकता में प्रत्येक व्यक्ति का अस्तित्व अलग-अलग होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2009

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोटः इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक है। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्न में से कौन सा संस्थाओं के विकास में पहला चरण है?

(a) प्रथायें (b) विचारधारा
(c) सामूहिक अनुभव (d) रूढ़ियाँ

उत्तर (b) : विचारधारा संस्थाओं के विकास में पहला चरण है। अमेरिकन समाजशास्त्री डब्ल्यू.जी. समनर ने संस्था के उद्विकास का सूत्र प्रस्तुत किया जो निम्नवत् है।
1. आवश्यकता पूर्ति से सम्बन्धित एक उपाय - विचार या धारणा
2. विचार + क्रिया की पुनरावृत्ति - आदत
3. आदत + सामूहिक पुनरावृत्ति - जनरीति
4. जनरीति + सामूहिक अनुभव + मान्यता - प्रथा
5. प्रथा + समूह की स्वीकृति + जनकल्याणकारी - लोकाचार भावना + बाध्यता
6. लोकाचार + निश्चित कार्यप्रणाली + एक निश्चित ढाँचा - संस्था

2. भौतिक संस्कृति के प्रमुख तत्व को चिह्नित करें

(a) धर्म एवं नैतिकता (b) विज्ञान एवं तकनीक
(c) प्रथाएँ एवं परम्परा (d) जनरीतियाँ

उत्तर (b) : संस्कृति का वह पक्ष जो भौतिक वस्तुओं अथवा शिल्प तथ्यों या ऐसी वस्तुओं से बना होता है, जिन्हे अभौतिक संस्कृति कोई अर्थ अथवा महत्व प्रदान करती है, भौतिक अथवा पार्थिव संस्कृति कहलाती है। मानव ने अपनी सुख-सुविधा और प्रकृति से अपनी आत्म-रक्षा करने के लिए जिन वस्तुओं का सृजन किया है वे सभी संस्कृति के भौतिक पक्ष में सम्मिलित की जाती है, जैसे मकान, अस्त्र-शस्त्र, वस्त्र, आभूषण इत्यादि। **विज्ञान एवं तकनीक** भौतिक संस्कृति के उदाहरण है। भौतिक संस्कृति मूर्त होता है।

3. निम्न में से कौन सा खुली स्तरीयकरण व्यवस्था का संकेत है?

(a) नृजातिकता (b) जाति
(c) वर्ग (d) धर्म

उत्तर (c) : वर्ग व्यवस्था आधुनिक औद्योगिक समाजों (खुले समाजो) की एक विशेषता है जिसका आधार अर्जित प्रस्थिति है। यह व्यक्तिगत उपलब्धि पर निर्भर करती है। इस व्यवस्था में शीर्ष गतिशीलता संभव है। **वर्ग** व्यक्तियों का एक ऐसा समूह है जिनकी किसी समाज में समान प्रस्थिति, पद, स्तर और साझा जीवन शैली होती है।

4. किस प्रकार से सामंतवाद से पूँजीवाद की तरफ के बदलाव को समझा जा सकता है?

(a) मूल्यों में परिवर्तन
(b) व्यवस्था में परिवर्तन
(c) व्यवस्था का बदलाव
(d) राजनैतिक व्यवस्था में बदलाव

उत्तर (c) : 15वीं शताब्दी के पश्चात विज्ञान का व्यवस्थित विकास प्रारम्भ होने के कारण, उत्पादन के नए साधनों से उत्पादन व्यवस्था के सम्बन्धों में विरोध उत्पन्न हो गये। मशीनों के अविष्कार और बड़े उद्योगों की स्थापना के साथ पूँजीपति युग आरम्भ हो गया, जो आज भी है, सामंतवादी से पूँजीवादी के तरफ के बदलाव को **व्यवस्था में हुए बदलाव** से समझा जा सकता है।

5. निम्नलिखित में से समुदाय की विशेषताओं को पहचानिए?

(a) सामूहिक जीवन (b) ऐच्छिक सदस्यता
(c) अस्थायी सदस्यता (d) निश्चित उद्देश्य

उत्तर (a) : सामूहिक जीवन समुदाय की एक विशेषता है। समुदाय की अवधारणा सामाजिक सम्बन्धों की एक विशिष्ट रचना का संकेत देता है, जिसके सदस्यों में एक साझा जीवन जीने की घनिष्ठ भावना निहित होती है। समुदाय शब्द का प्रयोग बहुधा व्यक्तियों के एक ऐसे समूह, सामाजिक साहचर्य के एक ऐसे रूप के लिए किया गया है जिसके सदस्य एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में रहते है और जिनमें पारस्परिक एकत्व की भावना (हम की भावना), अन्तर्परिस्परिकता, साझा संस्कृति, तथा संगठित क्रियाकलापों की विशेषताएँ होती है।

6. निम्नलिखित में से कौन सामाजिक संस्था का उदाहरण नहीं है?

(a) चर्च सेवा (b) विवाह
(c) दहेज प्रथा (d) जुलूस

उत्तर (d) : चर्च, विवाह, देहज प्रथा नियमों एवं प्रतिमानों की व्यवस्था के रूप में संस्था हैं। जबकि जुलूस किसी विशेष उद्देश्य के लिए कुछ लोगों द्वारा निर्मित एक समिति है।

7. इनमें से कौन प्रदत्त प्रस्थिति हैं?

(a) पुजारी (b) सिपाही
(c) पति (d) बेटा

उत्तर (d) : वह प्रस्थिति, जो व्यक्ति को मात्र जन्म के आधार पर प्राप्त हो जाती है, प्रदत्त प्रस्थिति कहलाती है। प्रदत्त प्रस्थिति को प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को न तो किसी योग्यता अथवा निपुणता की जरूरत पड़ती है और न ही मेहनत की। लिंग, आयु, नातेदारी, जाति, प्रजाति आदि कारक प्रदत्त प्रस्थिति के मुख्य निर्धारक तत्व हैं।

8. निम्नलिखित में से वह शब्द पहचानिए जो मैक्स वेबर ने समाजशास्त्रीय अवधारणा में उपयोग नहीं किया हैः

(a) मूल्य संबद्धता (b) मूल्य योग
(c) मूल्य तटस्थता (d) मूल्य दिशा

उत्तर (b) : मूल्य योग (Vaule added Theory) सिद्धान्त मानता है कि किसी भी सामाजिक आन्दोलन के लिए कुछ निर्धारकों की आवश्यकता होती है। इसका विकास नील स्मेल्सर ने किया एवं 6 सम्भावित निर्धारकों की सूची दी।

9. ब्लूमर के प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावादी सिद्धान्त के अनुसार मूर्त जैसे शब्द का क्या अर्थ है?

(a) चीजों में सहज
(b) संस्कृति में उपस्थिति
(c) व्याख्यात्मक प्रक्रिया के आधार पर वस्तुओं को हल करने के लिए आना
(d) कार्य खत्म होने के पहले ही कर्ता द्वारा अर्थ देना

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (c) : ब्लूमर की रूचि व्यक्तियों की अन्तःक्रियाओं में थी। इसलिए उन्होंने यह विचार व्यक्त किया कि सामाजिक व्यवस्थायें व्यापक रूप में मात्र अमूर्तीकरण है जिनका व्यक्तियों की क्रियाओं से अलग कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं होता जिनके द्वारा उनका निर्माण होता है। ब्लूमर के प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावादी सिद्धांत के अनुसार मूर्त जैसे शब्द का अर्थ **व्याख्यात्मक प्रक्रिया के आधार पर वस्तुओं को हल करना है।**

10. बीसवीं शताब्दी में क्लासिकी प्रथा के समाजशास्त्री एक वाद-विवाद में मार्क्स के भूत के साथ सम्मिलित हुए। इनमें से किसने यह स्वीकार किया?

(a) एंथोनी गिडेन्स (b) रेमोण्ड आरोन
(c) इर्विंग जेटलीन (d) जोनाथन टर्नर

उत्तर (b) :

11. निम्न में से कौन सा तत्व श्रम के विभाजन की सावयवी सामाजिक एकता का हिस्सा नहीं है?

(a) सामूहिक चेतना का कम होता दायरा
(b) क्षतिपूरक कानून
(c) जनसंख्या का कम घनत्व
(d) संरचनात्मक विभेदीकरण

उत्तर (c) : सावयवी समाज की प्रमुख विशेषता श्रम विभाजन है। जनसंख्या के बढ़ने एवं आवश्यकताओं के बढ़ने के पश्चात ही श्रम के विभाजन की जरूरत अनुभव की जाने लगी। अतः जनसंख्या का कम घनत्व श्रम के विभाजन की सावयवी सामाजिक एकता का हिस्सा नहीं है।

12. निम्न में से कौन सा सिद्धांतशास्त्री समाज को द्विमुखी मानता है जिसमें संघर्ष और सहमति दोनों परिलक्षित होते हैं?

(a) मैलीनोवस्की (b) लैवी-स्ट्राक
(c) मर्टन (d) डेहरनडार्फ

उत्तर (d) : डेहरन्डॉर्फ मानते हैं, कि समाज के दो चेहरे हैं यथा संघर्ष और मतैक्यता (सामंजस्य)। इन दोनों के बिना समाज का अस्तित्व सम्भव नहीं है। ये दोनों एक - दूसरे की पूर्व आवश्यकतायें है। ये दोनों विकल्प न होकर एक दूसरे के पूरक है। संघर्ष तब तक उत्पन्न नहीं हो सकता जब तक पहले थोड़ी बहुत मतैक्यता न हो। इसी प्रकार संघर्ष अन्ततः मतैक्यता और एकीकरण की ओर अग्रसर करता है।

13. लेवी-स्ट्रॉस और रेडक्लिफ-ब्राउन के मध्य संरचना की अवधारणा को लेकर विवाद है और वो निम्न में से है

(a) आनुभविक वास्तविकता (b) सम्बन्धों का समुच्चय
(c) भूमिकाओं की समष्टि (d) प्रस्थितियों का स्वरूप

उत्तर (a) : लेवी स्ट्रॉस की 'संरचना' की अवधारणा किसी समाज की आनुभविक संरचना की अवधारणा के समरूप या समकक्ष नहीं है। जैसा कि हमें रेडक्लिफ ब्राउन की कृतियों में देखने को मिलता है, जहाँ सामाजिक संरचना को किसी कंकाल अथवा किसी मकान के ढाँचे के समकक्ष माना गया है तथा लेवी स्ट्रास संरचना को अमूर्त रूप में देखते है। संरचना की अवधारणा को लेकर जो विवाद है वह **आनुभविक वास्तविकता** का है।

14. आदर्श प्रारूप वेबर के अनुसार है

1. औसत
2. वास्तविकता का मूर्त विवरण
3. अवधारणा को बढ़ा-चढ़ा कर अमूर्त रूप में देखना
4. एक समूह के लोगों की विशेषता

निम्न में से सही को चुनेः

(a) 1,2,3 सही नहीं हैं किन्तु 4 सही है।
(b) 1,2,4 सही नहीं हैं किन्तु 3 सही है।
(c) 1,2,3 सही हैं किन्तु 4 सही नहीं है।
(d) 1,2,4 सही हैं किन्तु 3 सही नहीं है।

उत्तर (a) : वेबर का आदर्श प्रारूप– (i) सामान्य या औसत प्रारूप नहीं है, (ii) यह पूर्ण यथार्थ की प्रस्तुति नहीं है, (iii) यह यथार्थ की किसी निश्चित अवधारणा की व्याख्या नहीं और न ही यथार्थ की कोई परिकल्पना की प्रस्तुति है; बल्कि यह यथार्थ की व्याख्या और उसके विवरण में सहायक है, (iv) यह तुलनात्मक विश्लेषण एवं आनुभविक शोध में सहायक है।

15. समूह 'A' के मदों को समूह 'B' के लेखकों से मिलाते हुए सही जवाब दें।

समूह 'A'	**समूह 'B'**
(A) क्रिया की संदर्भ परिधि	i. मैलिनोवस्की
(B) आवश्यकताओं का उत्क्रम	ii. मर्टन
(C) मानकशून्यता	iii. पारसन्स
(D) युक्तिमूलक प्रायोगिक	iv. परेटो
	v. वेबर

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	v	iii	ii	i
(c)	iii	i	ii	iv
(d)	iii	v	ii	iv

उत्तर (c) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(समूह 'A')	**(समूह 'B')**
क्रिया की सन्दर्भ परिधि	- पारसन्स
आवश्यकताओं का उत्क्रम	- मैलिनोवस्की
मानकशून्यता	- मर्टन
युक्तिमूलक प्रायोगिक	- परेटो

16. निम्न दो कथनों में एक अभिकथन है तथा दूसरा तर्क हैः

अभिकथन (A): गैमिनशाफ्ट समाज का आधार है अन्तरंग सम्बन्ध।

तर्क (R): ऐसे समाजों का आधार प्राथमिक समूह सम्बन्धों का जाल होता है।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिएः

(a) A और R दोनों सही हैं और A का R सही स्पष्टीकरण है।
(b) A और R दोनों सही हैं मगर A का R सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) A सही है, मगर R गलत है
(d) A गलत है, मगर R सही है

उत्तर (a) : टॉनीज के अनुसार समाज या सामाजिक सम्बन्ध के दो आधार भूत स्वरूप है-
1. समुदाय (गैमिन शफ्ट)
2. समाज (गैसेल शाफ्ट)

बोगार्डस ने टॉनीज के 'समुदाय' और 'समाज' के बीच के अन्तर को स्पष्ट करते हुए लिखा है कि समुदाय प्राकृतिक या स्वाभाविक प्रक्रियाओं पर बल देता है, जबकि समाज कृत्रिम सहेतुक प्रक्रियाओं पर। समुदाय प्राथमिक समूहीकरण का एक स्वरूप है जबकि समाज द्वितीयक समूहीकरण का।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

17. समाज के विकास में निम्न चरणों का समावेश हैः
1. पूँजीवाद
2. जनजातीय
3. पुरातन
4. सामंतशाही

निम्न में से कौन सा सही कालानुक्रमिक कार्ल मार्क्स के अनुसार समाजों का अनुक्रम है?

(a) 2, 3, 4 और 1 (b) 1, 2, 3, और 4
(c) 4, 3, 2 और 1 (d) 3, 4, 1 और 2

उत्तर (a) : कार्लमार्क्स के अनुसार यदि उत्पादन प्रणाली में परिवर्तन होता है तो सामाजिक एवं आर्थिक प्रणाली में भी परिवर्तन होता है।
उत्पादन प्रणाली के आधार पर कार्लमार्क्स ने मानव इतिहास को पाँच भागों में बाँटा है।
आदिम साम्यवादी समाज (जनजातीय)- दास मूलक समाज (पुरातन) - सामंती समाज - पूँजीवादी समाज

18. समूह 'A' के मदों को समूह 'B' के विचारकों से मिलाते हुए सही का चयन करें।

समूह 'A'	समूह 'B'
(A) गैसेलशाफ्ट	i. ईमाईल दुर्खीम
(B) सामूहिक चेतना	ii. फर्डीनांड टानीज
(C) युक्तिमूलक क्रिया	iii. फ्रेडरिक ऐंगल्स
(D) ऐतिहासिक भौतिकवाद	iv. मैक्स वेबर
	v. अगस्त काम्त

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	i	ii	iii	v
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	ii	iii	iii	i
(d)	iii	iv	i	ii

उत्तर (b) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(समूह 'A')	(समूह 'B')
गैसेलशाफ्ट	- फर्डीनांड टॉनीज
सामूहिक चेतना	- इमाईल दुर्खीम
युक्तिमूलक क्रिया	- मैक्स वेबर
ऐतिहासिक भौतिकवाद	- फ्रेडरिक एंगेल्स

19. समूह 'A' के मदों को समूह 'B' के विचारकों से मिलाते हुए सही का चयन करें।

समूह 'A'	समूह 'B'
(A) भूमिका पुंज	i. मैक्स वेबर
(B) सामाजिक तथ्य	ii. ईमाइल दुर्खीम
(C) सामाजिक व्यवस्था	iii. आर.के. मर्टन
(D) सामाजिक क्रिया	iv. टी. पारसन्स
	v. ई. गोफमैन

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	iv	ii	i	iii
(b)	i	v	ii	iv
(c)	ii	i	iv	iii
(d)	iii	ii	iv	i

उत्तर (d) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(समूह A)	(समूह B)
भूमिका पुंज	- मर्टन
सामाजिक तथ्य	- दुर्खीम
सामाजिक व्यवस्था	- पारसन्स
सामाजिक क्रिया	- मैक्स वेबर

20. समूह 'A' के मदों को समूह 'B' के विचारकों से मिलाते हुए सही का चयन करें।

समूह 'A'	समूह 'B'
(A) भूमिका तनाव	i. एक व्यक्ति की बहुत सारी प्रस्थितियों के साथ भूमिकाओं का सम्मिश्रण होना
(B) भूमिका संघर्ष	ii. एक व्यक्ति की विभिन्न भूमिकाओं के मध्य असंगति संघर्ष
(C) भूमिका पुंज	iii. एक भूमिका में दो या अधिक क्रियाओं के क्रम में संघर्ष का होना
(D) बहुविध भूमिका	iv. एक विशेष सामाजिक प्रस्थिति के साथ भूमिका सारणी का होना

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	iii	ii	i	iv
(c)	iv	iii	ii	i
(d)	iii	iv	i	ii

उत्तर (*) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

भूमिका तनाव	- एक भूमिका में दो या अधिक क्रियाओं के क्रम में संघर्ष का होना
भूमिका संघर्ष	- एक व्यक्ति की विभिन्न भूमिकाओं के मध्य असंगति संघर्ष
भूमिका पुंज	- एक विशेष सामाजिक प्रस्थिति के साथ भूमिका सारणी का होना
बहुविध भूमिका	- एक व्यक्ति की बहुत सारी परिस्थितियों के साथ भूमिकाओं का सम्मिश्रण होना

21. संस्कृति एवं व्यक्तित्व को भारतीय संदर्भ में समझने के लिए किसने अपने दृष्टिकोण को 'मार्क्सीओलॉजी' नाम दिया?

(a) राधा कमल मुखर्जी (b) जी.एस.घुर्ये
(c) एम.एन. श्रीनिवास (d) डी.पी. मुखर्जी

उत्तर (d) : डी.पी. मुखर्जी के नाम से जाने-पहचाने जाने वाले धुर्जटि प्रसाद मुखर्जी एक मार्क्सवादी थे परन्तु वे स्वयं मार्क्सवादी के स्थान पर मार्क्सशास्त्री कहलाना अधिक पसन्द करते थे। संस्कृति एवं व्यक्तित्व को भारतीय सन्दर्भ में समझने के लिए डी.पी. मुखर्जी ने अपने दृष्टिकोण को मार्क्सीओलॉजी नाम दिया।

22. निम्न में से कौन समाजशास्त्रीय अवधारणा सामाजिक असमानता से बहुत निकट से संबंधित है?

(a) सामाजिक स्तरण (b) सामाजिक विभेदीकरण
(c) सामजिक गत्यात्मक (d) सामजिक नियंत्रण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (a) : किसी सामाजिक व्यवस्था में प्रतिष्ठा, प्रभाव, शक्ति, सम्पत्ति तथा सुविधाओं आदि की भिन्नता के आधार पर प्रस्थितियों एंव भूमिकाओं की एक अपेक्षाकृत स्थाई श्रेणीबद्धता को **सामाजिक स्तरीकरण** कहते हैं। **सामाजिक स्तरण** सामाजशास्त्रीय अवधारणा सामाजिक असमानता से बहुत निकट से सम्बंधित है।

23. निम्नलिखित में से कौन 'भारतीय परिवार' पर किए गये अपने कार्य के लिए प्रसिद्ध है?
(a) इरावती कर्वे (b) एस.सी. दुबे
(c) डी.एन.मजूमदार (d) के.एम.कपाड़िया

उत्तर (d) : जी.एस.घुर्ये के बाद बम्बई विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष पद का भार संभालने वाले के.एम.कपाड़िया की गणना भारत के समाजशास्त्र की प्रथम पीढ़ी में की जाती है। उनके शोध अध्ययन के प्रमुख विषय हिन्दुओं के विवाह, परिवार और नातेदारी रहे हैं। **के. एम. कपाड़िया** ने अपनी पुस्तक 'मैरिज एण्ड फैमिली इन इण्डिया' में भारतीय परिवार को संयुक्त परिवार बतलाया है।

24. निम्नलिखित में से कौन सही मेल नहीं है?
(a) टी. पारसन्स - परिवर्तनीय प्रतिमान
(b) बी.मैलीनोवस्की - उद्विकासीयकता
(c) एम.एन.श्रीनिवास - प्रबल जाति
(d) आर.के. मर्टन - मध्यम रेंज सिद्धांत

उत्तर (b) : उद्विकास का सिद्धान्त हरबर्ट स्पेंसर ने प्रतिपादित किया। परिवर्तन की प्रक्रिया उद्विकास के नाम से जानी जाती है। जिसमें प्रत्येक परवर्ती अवस्था का पूर्ववर्ती अवस्था से आवश्यक संबंध होता है तथा जिसमें वृद्धि, विकास और निरंतरता की तीनों घटनायें सन्निहित होती है।

25. निम्न में से किसने 'लघु प्रथा' तथा 'महान प्रथा' की अवधारणा को दिया?
(a) मैकिम मैरियट (b) मिल्टन शिंगर
(c) रॉबर्ट रैडफील्ड (d) लुइस ड्यूमा

उत्तर (c) : वृहत् (महान) परम्परा एवं लघु परम्परा की दो जुड़वा अवधारणाओं का प्रतिपादन **राबर्ट रैडफील्ड** द्वारा कृषक समुदायों के सांस्कृतिक जीवन के विश्लेषण की एक पद्धति के रूप में किया गया है।
वृहद परम्परा - वृहद परम्परा से तात्पर्य ऐसे उच्च और बौद्धिक विचारों से है जिनका जन्म और विकास विद्यालयों तथा देवालयों में होता है।
लघु परम्परा - लघु परम्परा से तात्पर्य ऐसे विचारों से है जिनका उद्गम गाँवों (स्थानीय संस्कृति) में होता है।

26. निम्नलिखित विचारों को पढ़ते हुए यह स्पष्ट कीजिए कि कौन-सा विचार संस्कृतिकरण को संकेत करता है?
(a) ऊँची प्रस्थिति बनाने का दावा करना।
(b) ऊँची जातियों की जीवन शैली का अनुकरण करना।
(c) नए कर्मकांड एवं प्रथाओं का अनुकूलन करना।
(d) समस्तरीय सामाजिक गतिशीलता का होना।

उत्तर (b) : संस्कृतिकरण की अवधारणा एम.एन. श्रीनिवास ने अपनी पुस्तक "रिलीजन एण्ड सोसाइटी एमंग द कुर्ग्स ऑफ साउथ इण्डिया (1952)" में प्रस्तुत की।
संस्कृतिकरण को परिभाषित करते हुए एम.एन. श्रीनिवास ने लिखा है कि "यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिनके अनुसार निम्न हिन्दू जातियाँ या जनजातीय समूह उच्च अथवा बहुधा द्विज कहीं जाने वाली जातियों की दिशा में अपनी प्रथाओं, संस्कारों, विचारों तथा जीवन शैली को बदलने का यत्न करती है।"

27. वेबर की वर्स्टेहन विधि का क्या उद्देश्य है?
(a) व्यक्तियों के कृत्यों को स्पष्ट करना
(b) कृत्यों के कारणों को पहचानना
(c) कर्ता के कृत्यों की निर्वचनात्मक समझ
(d) कृत्यों के जरिये सम्बन्धों की कार्य-कारण समझ विकसित करना।

उत्तर (c) : वर्स्टेहन जर्मन भाषा का शब्द है। जिसका अभिप्राय अन्तर्दृष्टि अथवा व्यक्तिगत बोध या समझ से है जो एक व्यक्ति सामाजिक अन्तर्क्रिया तथा दूसरों की भूमिकाओं के निर्वाह द्वारा प्राप्त करता है। कूले ने वर्स्टेहन के बारे में लिखा है कि इसका विकास सम्प्रेषण के आधार पर दूसरे व्यक्तियों के मस्तिष्क के साथ सम्पर्क होता है। वेबर की वर्स्टेहन विधि का उद्देश्य **कर्ता के कृत्यों की निर्वचनात्मक समझ** है।

28. समाज की स्पष्ट व्याख्या करने के लिए सामाजिक संरचना की अवधारणा का उपयोग सर्वप्रथम किसने किया?
(a) कार्ल मार्क्स (b) मैक्स वेबर
(c) इमाईल दुर्खीम (d) हरबर्ट स्पेंसर

उत्तर (d) : सामाजिक संरचना शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग हरबर्ट स्पेंसर ने अपनी पुस्तक 'Principles of Sociology' में किया था। उन्होंने सामाजिक संरचना को शारीरिक संरचना के समान बताया।

29. रेडक्लिफ-ब्राउन ने 'यूफोरिया' जैसे निर्मित शब्द को चित्रित किया है
(a) एक संतुलन के रूप में।
(b) एक अक्रम के रूप में।
(c) एक सामाजिक कल्याण के रूप में।
(d) एक सामाजिक उमड़ के रूप में।

उत्तर (c) : रेडक्लिफ ब्राउन ने 'यूफोरिया' जैसे निर्मित शब्द को एक सामाजिक कल्याण के रूप में चित्रित किया है।

30. निम्नलिखित में से कौन पूँजीवाद की विशेषता नहीं है?
(a) मुक्त बाजार कारोबार
(b) लाभ का अधिकत्मीकरण
(c) मुक्त श्रम
(d) निजी क्षेत्रों पर सार्वजनिक क्षेत्रों का प्रभुत्व

उत्तर (d) : पूँजीवाद की धारणा का प्रयोग सामान्यतः उत्पादन और वितरण की एक ऐसी आर्थिक व्यवस्था के लिए किया जाता है जिसमें आर्थिक जीवन का अधिकांश भाग विशेषतः उत्पादित वस्तुओं का स्वामित्व और विनियोजन निजी तौर पर आर्थिक प्रतिस्पर्धा की प्रक्रिया और लाभ प्राप्ति की प्रकट इच्छा द्वारा संचालित होता है। अतः **निजी क्षेत्रों पर सार्वजनिक क्षेत्रों का प्रभुत्व** पूँजीवाद की विशेषता नहीं है।

31. किसने प्रतीकात्मक अन्तः क्रियाबोध शब्द का चित्रण किया?
(a) हरबर्ट ब्लूमर (b) इरविंग गाँफमैन
(c) ई. हसर्ल (d) मैनफोर्ड कुन

उत्तर (a) : प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद शब्द की रचना सन् 1937 में हरबर्ट ब्लूमर ने की। प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद अमेरिकी सामाजिक मनोविज्ञान का एक सिद्धान्त है जो समाज के संबंधों का अध्ययन सामाजिक कर्ताओं के होने वाले संकेतात्मक सम्प्रेषण की प्रक्रिया के सन्दर्भ में करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

32. परेटो के लिए कल्पित वे हैं- जो

(a) प्रथा को मानने वाले (b) नवीन प्रक्रिया की कमी
(c) गैर-अभिजात वर्ग बनना (d) खतरे उठाना

उत्तर (d) :

33. निम्न में से प्रकार्यवादी सिद्धांतों को एक फील्ड दृष्टि के रूप में समाज को अग्रणी बनाने वाले को पहचानिए।

(a) बी. मौलिनोवस्की (b) आर.के. मर्टन
(c) इ. दुखाईम (d) टी. पारसन्स

उत्तर (a) : प्रकार्यावादी सिद्धांतों को एक फील्ड दृष्टि के रूप में समाज को अग्रणी बनाने वाले बी. मैलिनोवस्की थे। वर्ष 1915-18 के बीच उन्होंने न्यूगिनी के उत्तर-पश्चिम में स्थित ट्रोबियांड द्वीप के काली चमड़ी वाले मातृवंशीय निवासियों का लगभग दो वर्षों तक अध्ययन किया। इस शोध कार्य के दौरान उन्होंने जिस विधि का प्रयोग किया उसे क्षेत्र-कार्य (Field-Work) पद्धति के नाम से जाना जाता है। इसे ही आजकल 'सह-भागिक अवलोकन विधि' कहा जाता है।

34. श्रमिक-संघों को हम कैसे सम्बोधित करेंगे?

(a) एक व्यावसायिक समूह के रूप में।
(b) एक दबाव समूह के रूप में।
(c) एक सहकारी समूह के रूप में।
(d) एक पारिवारिक समूह के रूप में।

उत्तर (b) : दबाव समूह व्यक्तियों का एक ऐसा संग्रह है जो संगठित नहीं होता परन्तु अपने मांगों के लिए प्रयास करता है एवं अत्यधिक सक्रिय रहता है। श्रमिक-संघ को **एक दबाव समूह के रूप में** सम्बोधित किया जा सकता है।

35. केन्द्रीय प्रवृत्ति के रूप में बहुलक को किस रूप में समझा जा सकता है?

(a) न्यूनतम प्रायिक मूल्य
(b) मध्य मूल्य
(c) सर्वाधिक प्रायिक मूल्य
(d) कुल प्रायिकता में से अधिकांश

उत्तर (c) : श्रेणी में सर्वाधिक आने वाले मूल्य को भूयिष्ठिक या बहुलक कहते हैं। अतः केन्द्रीय प्रवृत्ति के रूप में बहुलक को **सर्वाधिक प्रायिक मूल्य** के रूप में समझा जा सकता है।

36. गतिमान औसत की गणना किसके उपयोग द्वारा की जाती है?

(a) माध्यिका (b) माध्य
(c) बहुलक (d) माध्य और माध्यिका दोनों

उत्तर (b) : माध्य वह मूल्य है जो किसी संख्यात्मक पदों की श्रेणी के समस्त पदों के मूल्य के योग में श्रेणी के पदों की संख्या से भाग देने पर प्राप्त होता है यह गणितीय माध्य है इसे औसत भी कहा जाता है।

37. निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता परिकल्पना में उपयोग नहीं की जाती है?

(a) अवधारणात्मक स्पष्टता
(b) अनुभवाश्रित सत्यापन
(c) सैद्धान्तिक अभिव्यक्ति की कमी
(d) विशिष्टता

उत्तर (c) : किसी सिद्धान्त से जुड़ी अवधारणाओं के बीच के सम्बन्धों को अभिव्यक्ति करने वाले अपरीक्षित कथन को प्राक्कल्पना कहते है। प्राक्कल्पना एक काल्पनिक सामान्यीकरण है। जिसकी प्रामाणिकता की जाँच करना बाकी है। परिकल्पना किसी न किसी पूर्व सिद्धान्त से सम्बंधित होनी चाहिए।

38. निम्नलिखित में से किसने सहभागी तथा असहभागी अवलोकन के अवधारणा को प्रारम्भ किया?

(a) इडवार्ड लिंडमैन (b) एन.एण्डरसन
(c) डब्लू.एफ.व्हाइट (d) पाल क्रेसी

उत्तर (a) : सहभागी तथा असहभागी अवलोकन की अवधारणा को प्रारम्भ करने का श्रेय इडवार्ड लिंडमैन को जाता है। असहभागी अवलोकन में अनुसंधान कर्ता अध्ययन किये जाने वाले समूह की क्रियाओं का अध्ययन उनकी जानकारी के साथ किन्तु उनकी क्रियाओं में बिना भाग लिये हुए मात्र एक तटस्थ दर्शक के रूप में देखता-परखता है।
सहभागी अवलोकन में शोधकर्ता अध्ययन किये जाने वाले समूह की गतिविधियों और कार्यकलापों में समूह के एक आंतरिक समूह के रूप में भाग लेते हुए उनका अध्ययन करता है।

39. 'पहले के और बाद के' अवलोकन किससे जुड़े अध्ययनों में किए जाते हैं?

(a) समन्वेषी डिज़ाइन (b) प्रायोगिक डिज़ाइन
(c) विवरणात्मक डिज़ाइन (d) परस्पर-सांस्कृतिक डिज़ाइन

उत्तर (b) : पहले के और बाद के अवलोकन **प्रायोगिक डिज़ाइन** से जुड़े अध्ययनों में किये जाते है। प्रायोगिक डिज़ाइन को विभिन्न प्रयोगात्मक अवस्थाओं में यादृच्छिक रूप आंवटित करता है तथा एक उपयुक्त सांख्यिकीय विश्लेषण परीक्षण का चयन करता है।

40. आँकड़ों का वितरण समरूप होता है जब

(a) माध्य मूल्य बहुलक के मूल्य के बराबर होता है।
(b) माध्य मूल्य माध्यिका के मूल्य के बराबर होता है।
(c) माध्यिका मूल्य बहुलक के मूल्य के बराबर होता है।
(d) माध्य, माध्यिका और बहुलक-मूल्य एक बराबर हैं।

उत्तर (d) : जब माध्य, माध्यिका और बहुलक तीनों के मूल्य बराबर हो तो आँकड़ों का वितरण समरूप होता है।

41. वर्ग 'A' में दी मदों को वर्ग 'B' में दी मदों के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए कोडों में सही उत्तर का चयन कीजिए।

वर्ग 'A'	वर्ग 'B'
(A) स्ट्रीट कोर्नर	i. साक्षात्कार विधि
(B) अमेरिकन सोल्जर	ii. वैयक्तिक अध्ययन
(C) दी एफ्लुएंट वर्कर	iii. प्रतिभागी अवलोकन
(D) ला विदा	iv. प्रश्नावली विधि

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	i	iii	ii	iv
(b)	iv	i	ii	iii
(c)	iii	i	iv	ii
(d)	ii	iii	i	iv

उत्तर (c) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

स्ट्रीट कॉर्नर सोसाइटी	- प्रतिभागी अवलोकन
अमेरिकन सोल्जर	- साक्षात्कार विधि
दी एफ्लुएंट वर्कर	- प्रश्नावली विधि
ला विदा	- वैयक्तिक अध्ययन

42. समूह 'A' के मदों को समूह 'B' के विचारकों से मिलाते हुए सही का चयन करें।

वर्ग 'A'	वर्ग 'B'
(A) अंतः समूह	i. श्रमिक संगठन
(B) प्राथमिक समूह	ii. आय समूह
(C) अर्द्ध समूह	iii. मेरा परिवार
(D) द्वितीयक समूह	iv. प्रतिवेश

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	ii	iii	iv	i
(b)	iii	iv	ii	i
(c)	iv	iii	i	iv
(d)	i	ii	iv	iii

उत्तर (a) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

अन्तः समूह - आय समूह
प्राथमिक समूह - मेरा परिवार
अर्द्ध समूह - प्रतिवेश
द्वितीयक समूह - श्रमिक संगठन

43. निम्नलिखित में से कौन सा भूमिका संघर्ष का उदाहरण है?

(a) कार्यरत माँ
(b) कार्यरत पिता
(c) पुजारी जो साम्यवादी नेता है
(d) पति जो बदमाश है

उत्तर (a) : दो या दो से अधिक ऐसी भूमिकाओं के बीच असंगतता अथवा विरोधाभास की स्थिति,जिनके सम्बन्ध में एक व्यक्ति से किसी विचाराधीन स्थिति में सम्पादन किये जाने की आशा की जाती है भूमिका संघर्ष कहलाती है।

44. समूह 'A' के मदों को समूह 'B' के विचारकों से मिलाते हुए सही का चयन करें।

वर्ग 'A'		वर्ग 'B'
(A) जैमिनशाफ्ट व गैशेलशाफ्ट	i.	पारसन्स
(B) गुणवत्ता निष्पादन	ii.	टॉनीज
(C) पवित्र व लौकिक	iii.	बेकर
(D) प्रदत्त व उपलब्धि	iv.	मर्टन
	v.	लिन्टन

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	i	v	iii	ii
(b)	ii	iv	iii	i
(c)	ii	i	iii	v
(d)	iii	ii	i	iv

उत्तर (c) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

जैमिनशाफ्ट व गैशेलशाफ्ट - टॉनीज
गुणवत्ता निष्पादन - पारसन्स
पवित्र व लौकिक - बेकर
प्रदत्त व उपलब्धि - लिन्टन

45. निम्नलिखित में से कौन से मीड के विचार से स्व के हिस्से हैं?

(a) हम और वह
(b) मैं और वह
(c) मैं और मुझे
(d) मुझे और हम

उत्तर (c) : मीड ने अपनी कालजयी कृति 'माइण्ड, सेल्फ एण्ड सोसाइटी' (1934) में स्व निर्माण के दो चरणों यथा **'मैं'** और **'मुझे'** का सविस्तार वर्णन विश्लेषण किया है। प्रथम चरण में मैं का विकास होता है, जो स्वतः प्रसूत, सहज, अन्तरंग, सृजनात्मक और व्यक्तिपरक होता है। दूसरे चरणों में 'मुझे' की उत्पत्ति होती है जो दूसरे व्यक्तियों की संगठित मनोवृत्तियों का प्रतिफल होता है तथा उसे वृहत समाज के साथ जोड़ता है।

46. कार्ल मार्क्स के विचार अनुसार पूँजीवाद में लाभ के दर कम होने की आशंका रहती है क्योंकि :

(a) वस्तुओं की मांग में कमी आती है।
(b) वस्तुओं के उत्पादन में कमी आती है।
(c) वस्तुओं के उत्पादन में वृद्धि होती है।
(d) पूँजीपति और कामगार के मध्य संघर्ष होता है।

उत्तर (c) : कार्ल मार्क्स के विचारानुसार वस्तु के उत्पादन में वृद्धि होने के कारण वस्तु की कीमत गिर जाती है और लाभ की दर कम होने की आशंका रहती है।

47. वेबर के विचारों के अनुसार पश्चिम में ऐसा कौन सा तत्व पूर्व से भिन्न था जिसके कारण वहाँ पूँजीवाद का विकास हुआ?

(a) धार्मिक नैतिकता
(b) तकनीक
(c) तर्कशीलता
(d) विज्ञान

उत्तर (a) : वेबर पूँजीवाद के विकास के लिए प्रोटेस्टेंट धर्म को महत्वपूर्ण माना है। मैक्स वेबर अपनी प्रसिद्ध कृति 'द प्रोटेस्टेण्ट इथिक एण्ड द स्पिरिट ऑफ कैपिटलिज्म' में **धार्मिक नैतिकता** को पूंजीवाद के विकास का कारण माना।

48. दुर्खीम के विचार में कुलप्रतीकवाद किस बात का प्रतीक है?

(a) पशु पूजा
(b) गौत्र
(c) बहुत ही सरल धर्म
(d) आदिवासी पहचान

उत्तर (b) : कोई भौतिक वस्तु अथवा वस्तुओं का एक समूह, सामान्यतः कोई पशु-पक्षी अथवा पेड़-पौधा, जिसे किसी सामाजिक समूह (गोत्र समूह - या देश समूह आदि) के सदस्य विशेष सम्मान तथा श्रद्धा से देखते हैं तथा जिसके साथ विशिष्ट भावनात्मक संबंधों को अनुभव करते हैं, टोटम या गणचिन्ह कहलाता है। दुर्खीम के विचार में **कुलप्रतीकवाद** गौत्र का प्रतीक है।

49. निम्नलिखित में से कौन सी बात परेटो की तार्किक क्रिया की परिभाषा को सही बयान करती है?

(a) वो क्रियाएँ जो भावनाओं से संचालित होती हैं।
(b) वो क्रियाएँ जिनमें साध्य और लक्ष्य जो है वो स्वनिष्ठ और वस्तुनिष्ठ दोनों से सम्बंधित होती हैं।
(c) वो क्रियाएँ जिनमें साध्य और लक्ष्य जो है वो वस्तुनिष्ठता से सम्बंधित होते हैं।
(d) वो क्रियाएँ जिनमें साध्य और लक्ष्य यद्यपि वस्तुनिष्ठता से तो सम्बंधित होते हैं परन्तु स्वनिष्ठता की व्याख्या में भिन्नता होती है।

उत्तर (c) : परेटो ने क्रिया के दो रूप बताये हैं– तार्किक और अतार्किक। उन्होंने ऐसी क्रिया को तार्किक क्रिया कहा है जिसमें साध्य एवं साधनों के बीच विवेकसम्मत आधार पर समायोजन होता है। साधनों का साध्य के अनुरूप होने के साथ-साथ समाजोनुमोदित भी होना चाहिए। ऐसी क्रिया के बीच में कार्य- कारण सम्बन्ध होते हैं।

50. कार्ल मार्क्स के अनुसार वर्ग चेतना की विशेषता निम्नांकित में से कौन सी नहीं है?

(a) वर्ग अपने प्रतिरोधी हितों से जागरूक होता है।
(b) वर्ग संगठित होता है।
(c) वर्ग बेहतर मज़दूरी के सम्बन्ध में अपने आर्थिक हितों से जागरूक होता है।
(d) वर्ग व्यवस्था को बदलने में अपनी ऐतिहासिक भूमिका से जागरूक हो जाता है।

उत्तर (a) : मार्क्स के अनुसार वर्ग के निम्न दो प्रकार हैं- (i) अपने आप में वर्ग तथा (ii) अपने लिए वर्ग। वर्ग संगठन दोनों की विशेषता है, परन्तु एक संगठन (वर्ग) 'अपने लिए वर्ग' तब बनता है जब उसे अपने वर्गीय हित की चेतना (समझ) आ जाती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2010
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोट : इस प्रश्न-पत्र में **पचास (50)** बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित लेखकों में से किसने समाजशास्त्र के लिए 'सामाजिक भौतिकी' पद का सर्वप्रथम उपयोग किया है?
(a) स्पेंसर (b) कॉम्टे
(c) टॉनीज (d) वेबर

उत्तर (b)–दार्शनिक व समाजशास्त्री आगस्त कॉम्ट ने समाजशास्त्र शब्द को जन्म दिया और समाजशास्त्र के विषय क्षेत्र व इसके अध्ययन की प्रणाली निर्धारित की। इसी कारण कॉम्टे को समाजशास्त्र का जन्मदाता कहा जाता है। उसने मानव समाज की प्रकृति और उसके जन्म तथा विकास के नियमों तथा सिद्धांतों की खोज करने के लिए कठिन परिश्रम किया। उसने अपनी प्रमुख रचना 'विध्यात्मक दर्शनशास्त्र' में एक पृथक सामाजिक शास्त्र के निर्माण की आवश्यकता की ओर संकेत किया है, जो सामाजिक घटनाओं की व्याख्या एवं विश्लेषण करे। पहले उसने उसे सामाजिक भौतिक शास्त्र (Social Physics) और बाद में समाजशास्त्र नाम दिया।

2. एक लेखक ने समाज को एक समान होने की चेतना में अंतर्विष्ट समझा है। निम्नांकित में से उसे पहचाने
(a) कूले (b) वार्ड
(c) सिमेल (d) गिडिंग्स

उत्तर (d)–जब तक लोगों में किसी न किसी मात्रा में समानता की भावना नहीं होगी, तब तक उनका एक-दूसरे से सम्बन्धित होने पर इकट्ठा रहने का प्रश्न ही नहीं उठता। ऐसी स्थिति में समाज का निर्माण भी नहीं हो सकता। जो लोग कुछ मात्रा में शरीर और मस्तिष्क की दृष्टि में समान हैं तथा एक-दूसरे के निकट हैं, उन्हीं में समाज पाया जाता है। गिडिंग्स ने समानता की चेतना (Consciousness of Kind) को समाज का आधार माना है।

3. सामाजिक संबंध निम्नांकित में से किसके साथ प्राथमिक रूप से जुड़े हैं?
(a) संस्थाएँ (b) धर्म
(c) लोगों की चेतना (d) समितियाँ

उत्तर (c)–सामाजिक सम्बन्धों का अर्थ क्या है? क्या आग एवं धुआँ, कलम एवं स्याही, डुप्लीकेटर एवं मेन के बीच सम्बन्ध को सामाजिक सम्बन्ध कहा जा सकता है? स्पष्टतया नहीं, क्योंकि उनके बीच मानसिक जागरूकता का अभाव है, ऐसी जागरूकता के बिना सामाजिक सम्बन्ध का निर्माण नहीं होता। अतएव समाज भी नहीं हो सकता। सामाजिक सम्बन्ध में पारस्परिक जागरूकता सन्निहित है। गिडिंग्स ने कहा है "समाज समानता की चेतना पर आधारित है" यह पारस्परिक चेतना कूले की 'हम की भावना' अथवा डब्ल्यू.आई. थॉमस की सामान्य प्रकृति हो सकती है।

4. एक विशेष उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए संगठित समूह को निम्नांकित में से क्या कहते हैं?
(a) संस्था (b) समुदाय
(c) समिति (d) राज्य

उत्तर (c)–समिति किसी विशेष प्रयोजन या सीमित प्रयोजनों की प्राप्ति हेतु संगठित मनुष्यों का समूह है। मैकाइवर के अनुसार "समिति किसी हित या कुछ हितों की सामूहिक प्राप्ति के लिए विचारपूर्ण निर्मित संगठन है और इसके सदस्य इसमें सामान्य सहभागी होते हैं।" संस्था एक नियामक प्रणाली है जो कि समाज की किसी कार्यविधि को पूरा करने में सहायक होती है। तथा स्थायी प्रकृति की होती है। राज्य एक योजक इकाई है अर्थात् यह एक सम्पूर्णता का प्रतीक एवं स्थायी प्रकृति का होता है।

5. निम्नांकित में से किसने धर्म को लोगों की अफीम समझा है?
(a) फ्रॉयड (b) मॉस्का
(c) मार्क्स (d) दुर्खीम

उत्तर (c)–कार्लमार्क्स धर्म की ओर नकारात्मक अभिमुख प्रस्तुत करते हैं। मार्क्स की दृष्टि में धर्म समाज में शोषण का आधार प्रस्तुत करता है तथा समाज की गतिशीलता में बाधक है। धर्म के बारे में अपने विचार प्रस्तुत करते समय मार्क्स ने लोगों की अफीम के रूप में धर्म को माना और कहा कि धर्म हमारी सारी क्रियाविधि नियन्त्रित करता है तथा समाज को एक ढाँचे में बांधकर रखता है। मार्क्स को धर्म का सामाजिक परिवर्तन का विरोधी कहते हैं तथा इससे समाज के छुटकारे के बारे में कहते हैं।

6. किसने कहा- "सभ्यता सदैव आगे बढ़ रही होती है, परंतु संस्कृति नहीं"?
(a) जॉन्सन (b) मैकाइवर
(c) टॉयनबी (d) बर्जर

उत्तर (b)–मैकाइवर के अनुसार " सभ्यता न केवल उन्नति करती है, बल्कि यह सदैव उन्नति करती है, बशर्ते सामाजिक निरन्तरता का विपत्तिजनक अवरोधन होगा।" सभ्यता सदैव उत्कर्ष की ओर बढ़ती है। यह समरेखीय एवं संचयात्मक होती है तथा अनिश्चित काल तक बढ़ती रहती है। जब से मनुष्य ने मोटर का अविष्कार किया, उसमें लगातार सुधार होता आया है। यही बात यातायात के अन्य साधनों के बारे में है। दूसरी ओर संस्कृति की प्रगति अत्यन्त धीमी गति से होती है। विश्वस्त रूप से यह उच्च अथवा उन्नत स्तरों तक नहीं जाती।

7. सूची-I (लेखक) को सूची- II (उनकी पुस्तकें) के साथ सुमेलित करें-

सूची- I	सूची- II
(A) मैकाइवर	1. इन्विटेशन टू सोशियोलॉजी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(B) डेविस — 2. सोसाइटी
(C) बर्जर — 3. द सोशल ऑर्डर
(D) बीरस्टीड — 4. ह्यूमन सोसाइटी

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	1	3	4	3
(c)	2	1	3	4
(d)	2	4	1	3

उत्तर (d)–सुमेलित सूची इस प्रकार है–

मैकाइवर - सोसाइटी
डेविंस - ह्यूमन सोसाइटी
बर्जर - इन्विटेशन टू सोशियोलॉजी
बीरस्टीड - दि सोशल आर्डर

8. संस्कृति और सभ्यता के बीच मूलभूत अंतर क्या है?

(a) संस्कृति वह है जिसे हमने प्राप्त कर लिया है और सभ्यता वह है जिसे हम प्राप्त करने की आकांक्षा करते हैं
(b) संस्कृति का संबंध बुद्धि से है और सभ्यता का संबंध अनुभव के साथ है
(c) संस्कृति गौण है परन्तु सभ्यता प्राथमिक है
(d) हम जो हैं वह संस्कृति है और हमारे पास जो कुछ है वह सभ्यता है

उत्तर (d)–संस्कृति जीवनविधि है अर्थात् संस्कृति जीवन का ऐसा पथ है जो अभौतिक रूप से जीवन को संचालित करता रहता है। वही सभ्यता मानव जीवन का भौतिक पक्ष है अर्थात् जो हमारे पास है अर्थात् संसाधन, साधन, यातायात के साधन, दैनिक जीवन की आवश्यकताएँ एवं प्रत्येक वह वस्तु जो मनुष्य भौतिक रूप से अपने पास रखता है सभी सभ्यता के अंग हैं।
अतः स्पष्ट है कि हम जो हैं, वही संस्कृति है और जो हमारे पास है वह सभ्यता है।

9. जो अनुष्ठान जीवन चक्र के एक चरण से दूसरे व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण संक्रमण बिंदु होते हैं, कहलाते हैं-

(a) भूमिका निभाना
(b) जीवन-यात्रा के संस्कार
(c) प्रस्थिति को निश्चित रूप देना
(d) विन्यास (स्टेटस सेट)

उत्तर-(b)–एक व्यक्ति के जीवन की संक्रमण कालीन स्थितियों, जैसे युवावस्था से वयस्कावस्था या अविवाहित से विवाहित होना, को प्रदर्शित करने वाले उत्सव तथा समारोह जीवन-पथ के संस्कार कहलाते हैं। यह एक सामाजिक प्रस्थिति के अन्त और दूसरी प्रस्थिति के प्रारम्भ का एक संस्थागत तरीका है। ये संस्कार तथा इनसे जुड़े विधि-विधान एक व्यक्ति को आरम्भ होने वाली नवीन प्रस्थिति के लिए भावनात्मक रूप से तैयार करते हैं तथा नये दायित्वों एवं अधिकारों के प्रति उसे सचेत करते हैं। प्रायः इन संस्कारों की प्रकृति धार्मिक होती है। बेल्जियन मानवशास्त्री "वॉन गैनेप" ने अपनी पुस्तक 'The sites of the passage, (1909) में संस्कारों के वर्गीकरण की एक रूपरेखा प्रस्तुत की।

10. प्रत्याशी समाजीकरण की अवधारणा निम्नांकित में से किसने दी है?

(a) मर्टन (b) पारसन्स
(c) होमन्स (d) समनर

उत्तर (a)–प्रत्याशी समाजीकरण से तात्पर्य ऐसी दशा से है, जिसमें कोई व्यक्ति किसी विशिष्ट सामाजिक स्थिति या पद पर बैठे व्यक्ति या सामाजिक व्यवस्था में विद्यमान किसी प्रतिष्ठा को पाने की इच्छा कर अपने विचार, अपने आचरण को उक्त रूप में ढालने का प्रयास करता है। यह एक पूर्व नियोजित दशा है जिसमें व्यक्ति अपनी प्रस्थिति व प्रतिष्ठा को सामाजिक स्तरीकरण में उठाने का प्रयास करता है। प्रत्याशी समाजीकरण अवधारणा का प्रयोग सर्वप्रथम आर. के. मर्टन ने अपने सन्दर्भ समूह व्यवहार के अध्ययन में दिया। अर्थात् सन्दर्भ समूह व्यवहार ही व्यक्ति को प्रत्याशी समाजीकरण के लिए प्रेरित करता है। सन्दर्भ समूह व्यवहार में कोई व्यक्ति किसी भी व्यक्ति या समूह को अपना आदर्श मानकर उसे पाने की उत्कंठा से प्रत्याशी समाजीकरण को अपनाता है।

11. अभिकथन (A) - समकालिक समाज में विवाह का सर्वाधिक सामान्य रूप एक विवाह प्रथा है।
कारण (R) - स्त्रियों का सामाजिक स्तर केवल एक विवाह प्रथा के जरिये ऊँचा उठता है।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और A , R की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सत्य हैं, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य है, परन्तु R असत्य है।
(d) A असत्य है, परन्तु R सत्य है।

उत्तर (a)–आधुनिक समाज में विवाह का सर्वाधिक मान्य व स्वीकार्य रूप एकल विवाह ही है क्योंकि आधुनिक समय में जागरूकता एवं शिक्षा ने लोगों के व्यवहार में परिवर्तन किया है। विवाह का एकल विवाह स्वरूप ही स्त्रियों की दशा को सुधारने का एकमात्र रूप है। क्योंकि इसी से स्त्रियों के सम्मान व उनकी दशा में सुधार आता है मैलिनोवस्की की भी मान्यता है कि "एक-विवाह ही विवाह का सच्चा स्वरूप है, रहा था, और रहेगा।" वर्तमान में हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 के द्वारा एक-विवाह को आवश्यक कर दिया गया है। शिक्षा एवं सभ्यता के विकास के साथ-साथ एक-विवाह का प्रचलन बढ़ता ही जा रहा है।

12. सूची-I को सूची- II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची- I	सूची- II
(A) अंतः समूह	1. होमन्स
(B) प्राथमिक और गौण समूह	2. टॉनीज
(C) समुदाय (गमेनशाफ्ट) और समिति (गेशेलशाफ्ट)	3. कूले
(D) संवृत और विस्तृत समूह	4. समनर
	5. दुर्खीम

	A	B	C	D
(a)	4	2	3	1
(b)	4	3	2	1
(c)	3	2	1	4
(d)	4	1	3	2

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b)–समनर तथा कूले ने समूह की प्रकृति व दृष्टिकोण के आधार पर मानव समूहों को दो भागों में विभाजित किया है।
(1) अन्तः समूह, (2) बाह्य समूह
टी.एच. कूले ने समूहों को दो भागों में बाँटा है-
(1) प्राथमिक समूह , (2) द्वितीयक समूह
टॉनीज ने समूहों को दो भागों में बाँटा है-
(1) गमेनशाफ्ट (समुदाय)
(2) गेशेलशाफ्ट (समिति)
जी.सी. होमन्स ने समूहों को दो भागों-
(1) संवृत (2) विस्तृत समूह में बाँटा है

13. जब उच्च जाति की लड़की निम्न जाति के लड़के के साथ विवाह करती है, तो वह व्यवस्था कहलाती है-
(a) देवर अधिकार (लेविरेट)
(b) अनुलोम
(c) साली विवाह अधिकार (सॉरोरेट)
(d) प्रतिलोम

उत्तर (d)–जब उच्च कुल का लड़का निम्न कुल की लड़की से विवाह करता है तो उसे अनुलोम विवाह कहते हैं तथा जब निम्न कुल का लड़का उच्च कुल की लड़की से विवाह करता है तो उसे प्रतिलोम विवाह कहते हैं।

14. मातृसत्तात्मक परिवार में स्त्री की स्थिति को समस्त मामलों में सर्वोच्च माना जाता है।
निम्नांकित में से कौन सी विशेषता इसकी नहीं है ?
(a) वंश परम्परा माँ के जरिये चलती है
(b) विवाह संबंध स्थायी नहीं है
(c) पत्नी अपने पति के घर में रहती है
(d) स्त्रियों को सम्पत्ति उत्तराधिकार से प्राप्त होती है

उत्तर (c)–मातृ सत्तात्मक परिवार में स्त्रियों की स्थिति सर्वोच्च होती है। वंश परम्परा माँ की ओर से ही चलती है। विवाह सम्बन्ध स्थायी नही होते अर्थात् विवाह सम्बन्ध महिलाओं की सहमति से ही आगे चलते हैं। स्त्रियों को सम्पत्ति में उत्तराधिकार दिया जाता है। पत्नी अपने माँ के घर रहती है।

15. व्यष्टिक परिवार की अवधारणा किसने प्रस्तुत की है?
(a) मरडॉक (b) जिमरमैन
(c) दुर्खीम (d) वॉरनर

उत्तर (b)– जिमरमैन ने अपनी पुस्तक 'फैमिली एण्ड सिविलाइजेशन' (1947) में परिवार के निम्न तीन प्रकार बताएं हैं– (i) Trustee Family, (ii) Domestic Family and (iii) Atomistic Family.
Atomistic Family (व्यष्टिक परिवार) वह परिवारिक संरचना है जो विखण्डित हो रही है। परिवार के सदस्यों के बीच कानूनी, नैतिक, सामाजिक तथा भावनात्मक सम्बन्ध समाप्त हो रहे होते है। सदस्य अधिक-से-अधिक स्वतंत्र रूप से बिना किसी सम्बन्ध के व्यवहार करते है।

16. सूची-I (प्रतिबंधो के नियम) को सूची- II (नियमों के नाम) के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए-

	सूची- I		सूची- II
(a)	अपने वंशानुक्रम समूह के बाहर से जीवनसाथी के लिये चेष्टा करनी चाहिए	1.	प्रतिलोम
(b)	उच्च जाति की स्त्री निम्न जाति के पुरूष से विवाह नहीं कर सकती है	2.	बहिर्विवाह
(c)	अपनी जाति के अंदर ही विवाह करना चाहिए	3.	अनुलोम
(d)	उच्च जाति के पुरूष निम्न जाति की स्त्री से विवाह कर सकते हैं	4.	अंतर्विवाह

	A	B	C	D
(a)	4	1	2	3
(b)	2	3	4	1
(c)	4	3	2	1
(d)	2	1	4	3

उत्तर (d)– A. अपने वंशानुक्रम समूह के बाहर से जीवन साथी के लिए चेष्टा करनी चाहिए – 'बहिर्विवाह'
B. उच्च जाति की स्त्री निम्न जाति के पुरूष से विवाह नहीं कर सकती है – 'प्रतिलोम'
C. अपनी जाति के अन्दर ही विवाह करना चाहिए – 'अंतर्विवाह'
D. उच्च जाति के पुरूष निम्न जाति की स्त्री से विवाह कर सकते हैं – 'अनुलोम विवाह'

17. सूची-I को सूची- II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए-

	सूची- I (लेखक)		सूची- II (पुस्तक)
(A)	पीटर वॉर्सले	1.	द स्टेज्स ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ
(B)	डब्ल्यू.डब्ल्यू रोस्टो	2.	अंडरडेवेलपमेंट एण्ड रेवोल्यूशन
(C)	आंद्रे गुंटर फ्रैंक	3.	द थर्ड वर्ल्ड
(D)	राइनहार्ड बेंडिक्स	4.	नेशन बिल्डिंग एण्ड सिटिजनशिप : स्टडीज ऑफ ऑवर सोशल ऑर्डर

	A	B	C	D
(a)	1	2	5	3
(b)	3	1	2	4
(c)	4	3	2	1
(d)	4	1	2	5

उत्तर (b)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)	(पुस्तक)
पीटर वॉर्सले	- द थर्ड वर्ल्ड
डब्ल्यू.डब्ल्यू. रोस्टो	- द स्टेज्स ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ
आंद्रे गुंटर फ्रैंक	- अंडरडेवेलपमेंट एण्ड रेवोल्यूशन
राइनहार्ड बेंडिक्स	- नेशन बिल्डिंग एण्ड सिटिजनशिप : स्टडीज ऑफ ऑवर सोशल ऑर्डर

18. प्राचीन और आधुनिक नौकरशाही के बीच में काफी अंतर है। निम्नांकित में से कौन-सा कारक इस अंतर को इंगित करता है?
(a) कार्यों का ज्यादा बड़ा विशिष्टीकरण
(b) आधुनिक नौकरशाही की विशालता
(c) समाज के प्रभावशाली पहलू
(d) आदेश अधिक्रम

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (a)—प्राचीन और आधुनिक नौकरशाही के बीच अन्तर का कारण कार्यों का ज्यादा बड़ा विशिष्टीकरण है, क्योंकि प्राचीन सामाजिक व्यवस्था अति सरल थी जबकि आधुनिक नौकरशाही में जटिलता के कारण कार्यों का स्पष्ट विभाजन और विशिष्टीकरण अधिक पाया जाता है।

19. 'लुकिंग-ग्लास सेल्फ' का अर्थ है कि हम सीखते हैं कि हम कौन हैं-

(a) स्व-भावना के द्वारा
(b) अनुकरण द्वारा
(c) हमारे साथ दूसरे लोगों के अनुभव के द्वारा
(d) अपने को कोई अन्य व्यक्ति होने जैसी कल्पना द्वारा

उत्तर (a)—अमेरिकन समाजशास्त्री कूले ने अपनी पुस्तक 'ह्यूमन नेचर एण्ड द सोशल ऑर्डर' में अपनी समाजीकरण सम्बन्धी सिद्धांत को प्रस्तुत किया। उनका सिद्धांत 'आत्म दर्पण दर्शन सिद्धांत' के नाम से जाना जाता है। कूले ने अपने सिद्धांत का प्रतिपादन व्यक्ति और समाज के सम्बन्धों को स्पष्ट करने के सन्दर्भ में किया। उनका मत है कि समाज के सम्पर्क में आने पर ही व्यक्ति के 'आत्म' का विकास होता है। समाज व्यक्ति के लिए दर्पण का कार्य करता है, वह उसमें अपनी छवि देखता है और समाज के लोग उसके बारे में क्या कहते हैं, इसी आधार पर वह अपने बारे में अपनी धारणा बनाता है जिस प्रकार हम अमुक पोशाक पहनने पर कैसे लगते हैं, बाल ठीक से सँवरे हुए हैं कि नहीं , मेकअप कैसा लग रहा है आदि। इसी प्रकार से बालक भी अपने बारे में विचार बनाता है।

20. फ्रॉयड के अनुसार 'सुपर इगो' (परा अहम्) व्यक्ति के व्यक्तित्व के उस भाग को प्रस्तुत करता है, जो निम्नलिखित के जरिये सृजित हुआ है-

(a) रचनात्मक वर्षों के दौरान समाजीकरण
(b) वृद्धावस्था में समाजीकरण
(c) समाजीकरण की प्रक्रिया जो व्यक्ति के समस्त जीवन में घटती है
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c)—फ्रायड ने 'स्व' को इड, इगो व सुपर इगो इन तीन भागों में बाँटा है। फ्रायड के अनुसार पराअहम् सामाजिक मूल्यों एवं आदर्शों का संयोग है जिसे व्यक्ति ने आत्मसात कर रखा है और उसकी अन्तरात्मा का निर्माण करते हैं। एक उदाहरण द्वारा फ्रायड की इड, अहम एवं पराहम् की अवधारणा को स्पष्ट करेंगे। मान लीजिए कि एक व्यक्ति बहुत भूखा है और उसे मिठाई खानी है। वह भूख 'इड' कहलाती है। अहम् कहेगा कि यदि मिठाई खानी है और भूख शान्त करनी है तो मेहनत करो, पैसा कमाओ यदि प्रतिकूल परिस्थिति हो तो चोरी कर लो, चुपके से उठा लो। इस प्रकार अहम् व इड सामाजिक परिस्थितियों में सामंजस्य स्थापित करने का प्रयत्न करते हैं। किन्तु पराअहम् व्यक्ति से कहेगा चोरी करना पाप है, अनैतिक है, सामाजिक मूल्यों के विपरीत है। पराअहम् विवेक और सामाजिक मूल्यों को प्रकट करता है। यह व्यक्ति के समाजीकरण का मुख्य आधार है।

21. सामाजिक स्तरीकरण की प्रकार्यात्मक उपयोगिता निम्नांकित में से कौन-सी नहीं है?

(a) यह अवसर प्रदान करने में सहायता करती है
(b) यह तीव्र संघर्ष की भावना विकसित करती है
(c) यह समाज में प्रत्येक का उत्तरदायित्व निश्चित करने में सहायता करती है
(d) यह समाज में अनुपयुक्त व्यक्तियों की पहचान करने में सहायता करती है

उत्तर (b)—सामाजिक स्तरीकरण की प्रकार्यवादी उपयोगिता यह बताती है कि समाज में जो कुछ भी चल रहा है वह समाज में अपना प्रकार्य दे रहा है अर्थात् वह उपयोगी है। सामाजिक स्तरीकरण की प्रकार्यवादी व्याख्या सर्वप्रथम किंग्सले डेविस तथा विलवर्ट मूर ने अपनी पुस्तक में किया। डेविस और मूर के अनुसार समाज में जो व्यवस्था कार्य करती है वह सदैव अपने प्रकार्य अर्थात् सकारात्मक परिणाम ही देती है।

22. निम्नांकित में से कौन-सा सिद्धांत हमें विश्वास दिलाता है कि जाति प्रथा मानवीय नहीं वरन् दिव्य मूल की है?

(a) प्रजातिगत सिद्धांत
(b) राजनीतिक सिद्धांत
(c) पेशा-संबंधी (या व्यावसायिक) सिद्धांत
(d) पारम्परिक सिद्धांत

उत्तर (d)— भौतिकी उत्पत्ति का पारम्परिक सिद्धांत जाति की उत्पत्ति को मानवीय न मानकर दिव्य मानती है। यह सिद्धांत प्रमुख रूप से प्राचीन धर्म ग्रंथों पर आधारित है। हिन्दू धर्म का सबसे प्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद के पुरूष सूक्त में एक मंत्र है जिसका तात्पर्य है कि ब्राह्मण ब्रह्म के मुख से, क्षत्रिय बाहु से, वैश्य जंघा अथवा उदर से तथा शूद्र पैर से उत्पन्न हुए हैं।

23. सामाजिक वर्ग के लिए निम्नांकित में से कौन-सा अनिवार्य है?

(a) वर्ग के सदस्यों के मध्य समानता
(b) जो सामाजिक स्थिति (प्रस्थिति) के निम्नतम सोपान पर हैं उनके सापेक्ष उच्चता
(c) जो प्रस्थिति के ज्यादा उच्च सोपान पर हैं उनके सापेक्ष निम्नता
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (a)— वर्ग भी सामाजिक स्तरीकरण का एक सार्वभौमिक स्वरूप है। विश्व में कोई भी ऐसा समाज नहीं जहाँ वर्ग न पाया जाता हो। वर्तमान समाज में वर्ग स्तरीकरण का प्रमुख स्वरूप हो गया है। मार्क्स व्यक्ति को सामाजिक प्राणी के स्थान पर वर्ग प्राणी कहना अधिक उपयुक्त मानते हैं। वर्ग भी समाज में आदिकाल से प्रचलित रहा है। आयु, लिंग, शिक्षा, आय आदि के आधार पर वर्ग बनते रहे हैं। वर्ग की एक प्रमुख विशेषता है कि इसके निर्माण का आधार जन्म नहीं है।

ऑगबर्न एवं निमकॉफ ने कहा है कि सामाजिक वर्ग ऐसे व्यक्तियों का योग है जिनकी एक दिये हुए समाज में अनिवार्य रूप से समान सामाजिक स्थिति होती है।

24. निम्नांकित कथनों पर विचार करें-

1. ऋजुजनीय परिवर्तन (ऑर्थोजेनेटिक)
2. अलिंगजनित परिवर्तन (हेटेरॉजेनेटिक)
3. सांस्कृतिक संरचना में परिवर्तन
4. सामाजिक संरचना में परिवर्तन

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) 1 और 3 (b) 1 और 4
(c) 2 और 3 (d) 2 और 4

उत्तर (a)—संस्कृतिकरण की अवधारणा एम.एन. श्रीनिवास ने अपनी पुस्तक 'रिलीजन एण्ड सोसाइटी एमंग द कुर्ग्स ऑफ साउथ इण्डिया' (1952) में प्रस्तुत की थी। इसके अनुसार संस्कृतिकरण में सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिशीलता होती है। संस्कृतिकरण का सम्बन्ध आर्थोजेनेटिक परिवर्तन एवं सांस्कृतिक संरचना में परिवर्तन से है। संस्कृतिकरण, सांस्कृतिक परिवर्तन की एक आनुभविक प्रक्रिया है जो कि हिन्दू लघु परस्पराओं के बदलाव में आर्थोजेनेटिक प्रतिक्रिया के रूप में समझ सकते हैं जबकि पश्चिमीकरण एवं इस्लामीकरण सांस्कृतिक बदलाव की हेटेरॉजेनेटिक (Heterogentic) प्रतिक्रिया है।

25. सभ्यता में परिवर्तन की प्रक्रिया का विश्लेषण करने के लिए निम्नांकित में से कौन-सी अवधारणा प्रयुक्त होती है?
(a) गेमिनशाफ्ट (बंधु समाज या समुदाय) और गेसेलशाफ्ट (समिति)
(b) ज्वैकरेशनल और वर्टरैशनल
(c) यान्त्रिक और जैविक (सावयवी) एकता
(d) इन्द्रियपरक और विचारपरक संस्कृति

उत्तर (d)—सोरोकिन के अनुसार संस्कृति का गठन समाज में रहने वाले लोगों की मानसिकता के आधार पर होता है। इन मानसिकताओं के आधार पर संस्कृति के तीन निम्नलिखित प्रकार हैं-
(1) इन्द्रियपरक (2) विचारपरक (3) आदर्शपरक
गेमिन शाफ्ट और गेशेल शाफ्ट समाज का टॉनीज द्वारा किया गया वर्गीकरण है।
यान्त्रिक एवं जैविक समाज का वर्गीकरण दुर्खीम का सामाजिक वर्गीकरण है।
ज्वैकरेशनल और वर्टरैशनल मैक्स वेबर द्वारा समाज का वर्गीकरण है।

26. सूची-I को सूची- II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची- I	सूची- II
(A) नृजातीय	1. नागा आंदोलन
(B) सुधार	2. झारखंड आंदोलन
(C) अलगाववादी	3. बिरसा आंदोलन
(D) अर्द्ध राष्ट्रीय	4. भक्ति आंदोलन

	A	B	C	D
(a)	3	2	1	4
(b)	1	4	3	2
(c)	3	4	1	2
(d)	1	2	3	4

उत्तर (b)—नागा आन्दोलन एक नृजातीय आन्दोलन है जोकि एक मौलिक जाति के आधार पर आधारित है।
भक्ति आन्दोलन समाज व्यवस्था में परिवर्तन की एक प्रक्रिया को दर्शाता है जो समाज में उचित माहौल बनाना चाहता है।
बिरसा आन्दोलन एक अलगाववादी आन्दोलन था जोकि जमींदारी अत्याचारों के विरोध में था।
झारखण्ड आन्दोलन की प्रकृति अर्द्धराष्ट्रीय कही जाएगी क्योंकि यह एक राष्ट्र के अन्तर्गत एक अलग राज्य की माँग करता है।

27. 'भूमिका की आंतरिक संरचना' का सिद्धांत किसने प्रतिपादित किया है?
(a) रैडक्लिफ ब्राउन (b) नाडेल
(c) लेवी स्ट्रॉस (d) मरडॉक

उत्तर (b)—नाडेल के अनुसार सामाजिक संरचना बहुवचनात्मक है। इनके अनुसार संरचना के तीन निम्नलिखित आयाम हैं–
(1) भूमिका, (2) सामाजिक क्रिया, (3) नियम व संस्थाएँ
सबसे महत्वपूर्ण स्थान भूमिकाओं की है।

28. मध्यम वर्ग सिद्धांत को मार्क्सवादी रूपरेखा के अंतर्गत निम्नांकित में से किसने प्रतिपादित किया है?
(a) कॉलिन्स (b) कोजर
(c) डेहरेण्डार्फ (d) मरडॉक

उत्तर (c)—राल्फ डेहरेण्डार्फ ने मार्क्स के सामाजिक संरचना के विभाजन को सही नहीं माना। मार्क्स केवल बुर्जुआ और सर्वहारा को ही सामाजिक संस्तरण में रखते हैं। जबकि नये बुर्जुआ वर्ग जो की उद्दीपमान होता है, उसकी चर्चा मार्क्स ने नहीं की है। डेहरेण्डार्फ नये उद्दीपमान वर्ग की चर्चा करते हैं जो कि सर्वहारा वर्ग से निकलकर बुर्जुआ और सर्वहारा के मध्य एक मध्यम वर्ग के रूप में आता है सामाजिक व्यवहार और आर्थिक सम्बन्धों में यह सर्वहारा व बुर्जुआ दोनों से भिन्न होता है। यह वर्ग मध्यम वर्ग है जो बुर्जुआकरण की प्रक्रिया में सम्मिलित हो जाता है।
स्रोत-उच्चत्तर समाजशास्त्रीय सिद्धांत–दोषी, त्रिवेदी

29. रैडक्लिफ ब्राउन के अनुसार समाज के एकीकरण और उत्तरजीविता के प्रति निम्नांकित में से कौन योगदान नहीं करता है?
(a) संगोत्रता व्यवस्था (b) नेतृत्व
(c) वंशावली (d) धार्मिक अनुष्ठान

उत्तर (b)—रैडक्लिफ ब्राउन के अनुसार, सामाजिक संरचना के अंग मनुष्य ही है और स्वयं संरचना संस्थात्मक रूप में परिभाषित तथा नियमित सम्बन्धों के अन्तर्गत व्यक्तियों का एक व्यवस्थित रूप या क्रमबद्धता है। रेडक्लिफ ब्राउन ने सांस्कृतिक तत्वों के इन कार्यों को अधिक प्रधानता दी। आपके मतानुसार सांस्कृतिक तत्व जो कार्य करते रहते हैं उससे अन्तिम रूप से समाज का एक अस्तित्व बना रहता है या बना रहना सम्भव होता है। आपने अपने विचार को और स्पष्ट करने के लिए सांस्कृतिक संगठन की सावयवी संगठन से तुलना की है।

30. मैलिनोवस्की की प्रकार्यात्मक व्यवस्था में कौन-सी अपेक्षा प्रयुक्त नहीं होती है?
(a) उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन और वितरण
(b) सामाजिक नियंत्रण और व्यवहार का विनियमन
(c) संगठन और सत्ता या प्राधिकार को अमल में लाना
(d) दैनिक जीवन एवं गतिविधियों में सामुदायिक सामंजस्य

उत्तर (c)—मैलिनोवस्की की मान्यता है कि संस्कृति की अवधारणा को मानवीय आवश्यकताओं के सन्दर्भ को बिना समझे नहीं समझा जा सकता है। इसलिए उसके अनुसार संस्कृति प्राप्त आवश्यकताओं की एक व्यवस्था तथा उद्देश्यमूलक क्रियाओं की एक संगठित व्यवस्था है। आपके अनुसार संस्कृति के अन्तर्गत जीवन के समग्र तरीके या ढंग आ जाते हैं जो कि व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

तथा अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं और उसे प्रकृति के बन्धनों से मुक्त करते हैं। इस प्रकार मैलिनोवस्की के अनुसार संस्कृति मानव का वह साधन है जिसके द्वारा या जिसके माध्यम से वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

31. अपराध के अप्रत्यक्ष कार्यों को दुर्खीम ने निम्नांकित में से किस कथन में पहचाना है?
(a) मानकों के उल्लंघन के विरूद्ध सामूहिक मनोभाव
(b) दण्ड या भय
(c) समाज का लचीलापन
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a)–दुर्खीम ने ही सर्वप्रथम एनामी की अवधारणा का प्रयोग समाज में श्रम-विभाजन को स्पष्ट करने के दौरान किया है। दुर्खीम की मान्यता है कि व्यक्ति की आकांक्षाएँ असीमित हो जाती हैं तथा उन पर नियंत्रण शिथिल हो जाता है तो उनकी पूर्ति भी असंभव हो जाती है। असीमित आकांक्षाएँ व्यक्ति पर समाज-विरोधी व्यवहार के लिए दबाव डालती है। जिससे नियमहीनता पैदा होती है। आपकी मान्यता है कि समाज में श्रम-विभाजन के बढ़ने पर समाज के विभिन्न अंगों में सामंजस्य नहीं रह जाता है। इससे समाज में नियमहीनता या व्याधिकी की स्थिति पैदा हो जाती है। सामाजिक नियंत्रण की यह स्थिति ही अपराध को जन्म देने के लिए उत्तरदायी है।

32. किसने समर्थन किया कि प्रकार्यात्मक विश्लेषण को संपूर्ण समाज तक परिभाषित रहने की आवश्यकता नहीं है परन्तु इसे संगठन, संस्थान या समूह तक विस्तारित किया जा सकता है?
(a) लेवीस्ट्रॉस (b) मैलिनोवस्की
(c) पारसन्स (d) मर्टन

उत्तर (c)–पारसन्स मूल्यों के प्रति सर्वसम्मति को आवश्यक समझते हैं। मूल्यों की यह सर्वसम्मति ही समाज को एकीकृत करने का बुनियादी नियम है। यदि समाज के सदस्य परस्पर एक-दूसरे के मूल्यों में आस्था रखते हैं, प्रतिबद्धता रखते हैं, तो समाज में एकता स्थापित हो सकती है। वस्तुतः पारसन्स समाज को एक व्यवस्था की तरह मानकर चलते हैं। सामाजिक व्यवस्था की चार बुनियादी प्रकार्यात्मक पूर्व आवश्यकताएँ हैं-
(1) अनुकूलन (2) लक्ष्य प्राप्ति
(3) एकीकरण (4) प्रतिमान अनुरक्षण

33. अभिकथन (A)- क्रिया (या कृत्य) के विशेष कृत्यों के सामाजिक विश्लेषण का संबंध अंततः व्यक्तियों के साथ होता है समूहों के साथ नहीं
कारण (R) - समूहों को, व्यक्तियों के विशेष कृत्यों के मात्र परिणामों और संगठन के रूप में ही समझा जाता है और इसलिए केवल इन्हें ही व्यक्तिनिष्ठ रूप से समझने योग्य कृत्य का एजेन्ट समझा जा सकता है।
(a) A और R दोनों सहीं हैं और R ,A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सहीं हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सत्य है, परन्तु R असत्य है।
(d) A असत्य है, परन्तु R सत्य है

उत्तर (a)–क्रिया के विश्लेषण का विशेषतः सम्बन्ध व्यक्तियों से है न कि सामाजिक समूहों के साथ क्योंकि सामाजिक क्रिया के परिणामस्वरूप ही सामाजिक समूह संगठन के रूप में होता है। सामाजिक क्रिया ही सामाजिक सम्बन्धों का आधार है अतः सत्य है कि सामाजिक क्रिया को व्यक्तिनिष्ठ रूप से समझने योग्य कृत्य का एजेंट समझा जाता है। अतः कथन सही है एवं कारण कथन की व्याख्या भी करता है।

34. निम्नांकित में से कौन-सा परेटो की तर्कपूर्ण क्रिया की अवधारणा में अनुप्रयोज्य है?
(a) व्यक्तिनिष्ठ रूप से तार्किक क्रिया
(b) वस्तुनिष्ठ रूप से तार्किक क्रिया
(c) व्यक्तिनिष्ठ और वस्तुनिष्ठ रूप दोनों से तार्किक क्रिया
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c)–परेटो ने अपने अध्ययन में समाज में पाई जाने वाली मानवीय क्रियाओं का वर्गीकरण दो भागों में किया है-
(1) तर्कसंगत क्रियाएँ तथा (2) अतर्कसंगत क्रियाएँ
परेटो के विचार में इस प्रकार का वर्गीकरण अत्यन्त ही आवश्यक है। आपने इन दोनों प्रकार की क्रियाओं को दो आधारों में बाँटा है। परेटो के मतानुसार तर्कसंगत क्रियाओं का आधार सामान्यतः वस्तुनिष्ठ होता है जबकि अतर्कसंगत क्रियाओं का आधार व्यक्तिनिष्ठ होता है। इस कारण तर्क संगत और अतर्कसंगत क्रिया को समझने से पहले वस्तुनिष्ठ तथा व्यक्तिनिष्ठ का अर्थ समझ लेना उचित होगा।
परेटो का कथन है कि प्रत्येक सामाजिक घटना के दो पहलू हो सकते हैं- (1) जैसा कि घटना वास्तव में है और (2) जैसा कि किसी व्यक्ति विशेष के मस्तिष्क में अंकित है।

35. प्रतीकात्मक अंतःक्रिया मूलभूत सिद्धान्तों के साथ कौन-सा संबंधित है?
(a) अंतःक्रिया में उपयोग किए गए प्रतीकों को लोग बदल नहीं सकते हैं
(b) व्यक्तिनिष्ठ समझ पर आधारित अंतःक्रिया में उपयोग किए प्रतीकों को लोग बदल सकते हैं
(c) स्थिति के निर्वचन के आधार पर अंतःक्रिया में उपयोग किए प्रतीकों को लोग किंचित् या बिल्कुल बदल सकते हैं
(d) सोचने की क्षमता के आधार पर अंतःक्रिया में उपयोग किए प्रतीकों को लोग बदल सकते हैं

उत्तर (c)–ब्लूमर ने कहा है कि समाज कुछ और न होकर प्रतीकात्मक अन्तःक्रिया ही है। मनुष्य के व्यवहार को समझने के लिए किसी समस्या को आनुभविक दुनिया के साथ जोड़कर देखने की प्रक्रिया को प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद कहते हैं।
इसके तीन महत्वपूर्ण पहलू हैं
(1) निर्वचन (2) तीन मौलिक आधार वाक्य (3) संरचना और प्रक्रिया। निर्वचन एक मुख्य पहलू है जो यह बताता है कि दिये गये प्रतीक का अर्थ क्या लगाया गया। स्थिति के अनुरूप ही प्रतीकात्मक अन्तःक्रिया के अर्थ को भी बदल सकते हैं। यह अपनी सुविधा के अनुसार ही व्यक्त करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

36. मार्क्स के अनुसार निम्नांकित में से वर्ग संघर्ष के लिए कौन-सा तत्व अति महत्वपूर्ण माना जाता है?

(a) वर्ग हित (b) वर्ग चेतना
(c) वर्ग गठन (d) वर्ग की पहचान

उत्तर (b)–मार्क्स के अनुसार पूँजीवादी उत्पादन प्रणाली के परिणामस्वरूप वर्ग संघर्ष अनिवार्य है। वर्ग संघर्ष के लिए सर्वप्रथम तो एकजुट होकर वर्ग निर्माण की आवश्यक है, चूँकि व्यक्ति अपेन वर्ग की पहचान स्वयं ही करेगा। इसके लिए सर्वप्रथम अनिवार्य चरण है वर्ग चेतना अर्थात् वर्ग चेतना से ही व्यक्ति समान स्थिति के लोगों का समूह बनाता, संगठित होता है तथा अपने हित में विरोध का स्वर ऊँचा करता है।

मार्क्स के अनुसार – आधुनिक पूँजीवादी समाज, जो कि सामन्तवादी समाज के अवशेषों से अंकुरित हुआ है, वर्ग संघर्ष से विमुक्त नहीं है। केवल पुराने स्थान में नवीन वर्गों को, उत्पीड़न की नई अवस्थाओं को नवीन प्रकार के संघर्षों को जन्म दिया है।

37. समाजशास्त्र में तुलनात्मक पद्धति या अप्रत्यक्ष प्रयोग का इस्तेमाल सर्वप्रथम किसने किया?

(a) मैक्स वेबर (b) इमाईल दुर्खीम
(c) हरबर्ट स्पेंसर (d) वी.परेटो

उत्तर (b)–दुर्खीम समाजशास्त्रीय व्याख्या में कारणत्व या कार्य-कारण सम्बन्ध की प्रमाणिकता सिद्ध करने के लिए ऐतिहासिक तथा प्रयोगात्मक पद्धति को अनुपयुक्त मानते हैं। उनका निश्चित मत यह है कि इस सन्दर्भ में तुलनात्मक पद्धति ही ऐसी सर्वोत्कृष्ट पद्धति है जिससे कि कार्य कारण सम्बन्ध की प्रमाणिकता सिद्ध की जा सकती है। वास्तव में जब भी किसी समाज में दो विभिन्न घटनायें घटती हैं या समाज से अनुपस्थिति हो जाती है, तो यह जानने के लिए कि उनमें से कौन सी घटना दूसरी घटना के उत्पन्न होने के कारण है, हमें उन सभी परिस्थितियों की तुलना करनी होगी जिनमें कि वे घटनायें घटित हुई या अनुपस्थिति हुई। वास्तव में यह इस कारण करना पड़ता है क्योंकि सामाजिक घटनाओं का सामाजिक परिस्थिति से अत्यधिक घनिष्ठ सम्बन्ध होता है।

38. आँकड़ों के संग्रह के लिए 'सहभागी अवलोकन' पद्धति का उपयोग किसने किये ?

(a) ए.आर.रैडक्लिफ-ब्राउन
(b) बी. मैलिनोवस्की
(c) एस.सी. दूबे
(d) एन.के. बोस

उत्तर (b)–समकालीन मानवशास्त्रीय एवं समाजशास्त्रीय चिन्तन के क्षेत्र में जिन विद्वानों ने अपनी अमिट छाप छोड़ी है। उनमें बी. मैलिनोवस्की का नाम सदा अमर रहेगा। मूल रूप से मैलिनोवस्की एक मानवशास्त्री थे और उनकी समस्त कृतियों में आदिकालीन समाज व संस्कृति का अध्ययन देखने को मिलता है। संस्कृति के सम्बन्ध में मैलिनोवस्की ने अत्यन्त ही मौलिक रूप से अपने विचारों को प्रस्तुत किया। आदिमकालीन समाजों में प्रचलित धर्म, जादू-टोना एवं विज्ञान को समाजों में प्रथा और परम्पराएँ किस रूप में अपराध को जन्म देती हैं या उनमें पारस्परिक सम्बन्ध क्या है, इसका अध्ययन मैलिनोवस्की ने किया है।

39. किसने अपने क्रमबद्ध लेखों में 'वस्तुनिष्ठता' पर लिखा है?

(a) डब्ल्यू. डिल्थे (b) इमाईल दुर्खीम
(c) मैक्स वेबर (d) दया कृष्णा

उत्तर (b)–इमाईल दुर्खीम समाजशास्त्र को एक वैज्ञानिक विषय के रूप में स्थापित करना चाहते थे। अतएव सबसे बड़ी बाधा के रूप में सामाजिक विज्ञानों की वस्तुनिष्ठता की समस्या पर उन्होंने जोर देकर उसे, विषयनिष्ठता से मुक्त होने तथा वस्तुनिष्ठता पर जोर दिया।

40. सूची-I को सूची- II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची- I (पुस्तक)	सूची- II (लेखक)
(A) रूल्स ऑफ सोशियोलॉजिकल मेथड्स	1. गुडे एवं हाट
(B) स्टैटिस्टिकल रीजनिंग इन सोशियोलॉजी	2. मैक्स वेबर
(C) मेथडोलॉजी ऑफ सोशल साइंसेस	3. शुसलर एवं मूलर
(D) मेथड्स इन सोशल रिसर्च	4. इमाईल दुर्खीम

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	3	1
(c)	3	4	2	1
(d)	4	3	2	1

उत्तर (d)–सुमेलित सूची इस प्रकार है–

रुल्स ऑफ सोशियोलोजिकल मेथड – इमाईल दुर्खीम
स्टैटिस्टिकल रीजनिंग इन सोशियोलॉजी – शुसलर एवं मूलर
मेथडोलॉजी ऑफ सोशल सांइसेज – मैक्स वेबर
मेथड्स इन सोशल रिसर्च – गुडे एवं हाट

41. ''सामाजिक तथ्यों (परिदृश्य) को सामाजिक वस्तुओं जैसा समझा जा सकता है।'' यह विचार किसने प्रतिपादित किया है?

(a) आर.के. मर्टन
(b) पॉल एफ. लाजार्सफील्ड
(c) ईमाइल दुर्खीम
(d) मैक्स वेबर

उत्तर (c)– सामाजिक तथ्यों के सम्बन्ध में दुर्खीम का सर्वप्रथम यह निर्णय है कि सामाजिक तथ्यों को वस्तुओं के समान समझना चाहिए। यद्यपि इस कथन का वास्तविक अर्थ आपकी रचनाओं से अधिक स्पष्ट नहीं होता है। इसका प्रमुख कारण यह है कि दुर्खीम ने वस्तु शब्द का चार पृथक-पृथक अर्थों में प्रयोग किया है। ये चार अर्थ इस प्रकार हैं-

(1) सामाजिक तथ्य एक ऐसी वस्तु है जिसमें कुछ विशेष गुण होते हैं, जिन्हें बाहरी तौर पर देखा जा सकता है।
(2) सामाजिक तथ्य एक ऐसी वस्तु है जिसको केवल अनुभव के द्वारा ही जाना जा सकता है।
(3) सामाजिक तथ्य एक ऐसी वस्तु है जिसका अस्तित्व मनुष्य पर बिल्कुल ही निर्भर नहीं है।
(4) सामाजिक तथ्य एक ऐसी वस्तु है जिसको केवल बाहरी तौर पर देखकर ही जाना जा सकता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

42. गवेषणात्मक डिजाइन में किस प्रकार के प्रश्नों की छानबीन की जाती है?

(a) यह क्यों है (b) यह क्या है
(c) यह किस प्रकार है (d) उक्त सभी

उत्तर (d)—गवेषणात्मक शोध डिजाइन किसी भी घटना वस्तु के सभी पक्षों की जाँच करती है-यथा-यह क्यों है, यह क्या है, यह किस प्रकार है अर्थात् मौलिक रूप से घटना की पूरी व्याख्या गवेषणात्मक डिजाइन से हो सकती है।

43. गैर-साक्षरों से आँकड़े एकत्रित करने के लिए कौन-सी पद्धति ज्यादा उपयुक्त है?

(a) प्रश्नावली
(b) प्रेक्षण (अवलोकन)
(c) 'a' और 'b' दोनों
(d) इनमें में से कोई नहीं

उत्तर (b)—अवलोकन आँखों द्वारा विचारपूर्वक अध्ययन की एक प्रविधि है जिससे कि सामूहिक व्यवहार और जटिल सामाजिक संस्थाओं एवं समग्र की विभिन्न इकाइयों का अध्ययन किया जाता है। इसमें अवलोकित व्यक्तियों का साक्षर होना आवश्यक नहीं है। प्रश्नावली प्रश्नों का एक संग्रह है जिससे उत्तरदाता प्रश्नों को स्वयं पढ़ता है एवं उत्तर लिखता है। अतः इसमें उत्तरदाता का साक्षर होना आवश्यक है।

44. वैयक्तिक-अध्ययन पद्धति का उद्देश्य है-

(a) संबंधों के बारे में सामान्यीकरण करना
(b) परिदृश्य के वांछित संबंधों की छानबीन करना
(c) परिदृश्य के अधिकतम संभावित संबंधों की छानबीन करना
(d) परिदृश्य के चयनित संबंधों से उसे संबंधित करना

उत्तर (c)—वैयक्तिक अध्ययन पद्धति एक ऐसी प्रविधि है जिसके द्वारा प्रत्येक व्यक्तिगत कारक, चाहे वह एक संख्या हो, किसी व्यक्ति के जीवन मात्र की घटना हो, अथवा एक समूह हो, का अन्य समूह से सम्बन्धित करते हुए विश्लेषण किया जाता है।

45. विवृत तालिका से कौन-से माध्य की परिगणना की जा सकती है?

(a) माध्यिका और बहुलक (b) बहुलक एवं माध्य
(c) माध्य एवं माध्यिका (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (b)—विवृत का तात्पर्य है खुली तालिका। खुली तालिकायें जो एक निश्चित क्रम में नहीं होती हैं। ऐसी तालिकाओं से माध्य की परिगणना दो विधियों से की जा सकती है–
(1) बहुलक (2) माध्य

46. जब एक चर गुणात्मक है और दूसरा चर परिमाणात्मक है तो उसके बीच सहविसरण ज्ञात करने के लिए किस माप का उपयोग किया जाएगा?

(a) यूले का (Q) (b) Phi गुणांक (ϕ)
(c) कोटि सहसंबंघ (P) (d) काई स्क्वायर (X^2)

उत्तर (d)—जब एक चर गुणात्मक है तथा दूसरा चर परिमाणात्मक है तो उनके बीच सह विसरण ज्ञात करने के लिए काई स्क्वायर (x^2) माप का उपयोग किया जाता है।

47. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करे और नीचे दिए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें-

सूची-I	सूची-II
(A) सहभागी अवलोकन	1. मैक्स वेबर
(B) सामाजिक तथ्य	2. आर.मर्टन
(C) वर्सतेहन (बोधगम्यता)	3. इमाईल दुर्खीम
(D) मध्यक्षेत्रीय सिद्धांत	4. ए.आर. रैडक्लिफ ब्राउन

	A	B	C	D
(a)	4	3	1	2
(b)	4	3	2	1
(c)	3	4	2	1
(d)	4	2	1	3

उत्तर (a)—सुमेलित सूची इस प्रकार है–

सहभागी अवलोकन – ए. आर. रैडक्लिफ ब्राउन
सामाजिक तथ्य – इमाईल दुर्खीम
वर्सतेहन – मैक्स वेबर
मध्य क्षेत्रीय सिद्धांत – आर. मर्टन

48. निम्नांकित पद्धतियों में से कौन-सी प्रायिकता प्रतिचयन के नाम से जानी जाती है?

(a) समष्टि से लॉटरी द्वारा चयनित प्रतिदर्श
(b) जो उपलब्ध हैं उनमें से चयनित प्रतिदर्श
(c) शोध के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिदर्श चयन
(d) विभिन्न वर्गों के उत्तरदाताओं को ध्यान में रखते हुए चयनित प्रतिदर्श

उत्तर (a)—लाटरी पद्धति संभावित निदर्शन का एक प्रकार है। इसके अन्तर्गत समान संभावना या सहयोग को महत्व दिया जाता है।

49. दो गुणात्मक चरों के बीच सहविसरण ज्ञात करने के लिए कौन-सी सांख्यिकी का उपयोग किया जायेगा?

(a) Phi गुणांक (ϕ) (b) यूले का (Q)
(c) 'a' और 'b' दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (c)—दो गुणात्मक चरों के बीच सह-विसरण ज्ञात करने के लिए Phi (ϕ) तथा यूले का (Q) उपयोग किया जाएगा।

50. एम.एन. श्रीनिवास ने निम्नांकित में से किस अवधारणा में सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन के प्रक्रिया के रूप में जाति गतिशीलता की व्याख्या की है?

(a) संस्कृतिकरण (b) लौकिकीकरण
(c) पश्चिमीकरण (d) आधुनिकीकरण

उत्तर (a)—संस्कृतिकरण की अवधारणा एम.एन. श्रीनिवास ने अपनी पुस्तक 'रिलीजन एण्ड सोसाइटी एमंग द कुर्ग्स ऑफ साउथ इण्डिया' (1952) में प्रतिपादित किया था। श्रीनिवास के अनुसार इसमें सांस्कृतिक गतिशीलता होती है जिससे केवल पद स्थिति या जाति के स्थान में परिवर्तन तो होता है, परंतु संरचना में कोई परिवर्तन नहीं होता। अर्थात् जाति अपनी जाति में ही रहकर क्षैतिज गतिशीलता को प्राप्त कर लेती है न कि जाति संस्तरण में ऊर्ध्वाधर गतिशीलता।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2010
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. ''हम संस्थाओं से नहीं अपितु (परन्तु) एसोसिएशन (समितियों) से संबंधित होते हैं'', यह किसने कहा है?

(a) ऑगबर्न (b) सदरलैण्ड
(c) गिडेन्स (d) मैकाइवर

उत्तर (d) मैकाइवर का नाम समाजशास्त्र की प्रथम पीढ़ी के विद्यार्थियों में उनके गौरव ग्रन्थ 'सोसायटी' के कारण सुपरिचित है। उन्होंने कहा है कि हम संस्थाओं से नहीं (परन्तु) एसोसिएशन से सम्बन्धित होते हैं।

2. निम्नलिखित कथनों में से कौन-से सही हैं? नीचे दिये गये कूटों की सहायता से उत्तर दें ?

(A) सामाजिक स्तरीकरण की वर्ग व्यवस्था को 'बंद' व्यवस्था समझा जा सकता है।
(B) इसे 'खुली' व्यवस्था समझा जा सकता है।
(C) वर्ग व्यवस्था में, व्यक्ति सामाजिक सोपान तंत्र में ऊपर या नीचे नहीं जा सकता है।
(D) वर्ग व्यवस्था को सामान्यतः सामाजिक गतिशीलता द्वारा पृथक किया जाता है।

(a) B और C (b) B और D
(c) A और D (d) A और C

उत्तर (b) वर्ग को 'खुली' व्यवस्था समझा जा सकता है क्योंकि यह सामाजिक एवं आर्थिक आधारों पर व्यक्ति समूहों को अलग-2 पहचान देती है। चूँकि वर्ग में स्वतंत्र स्तरीकरण पाया जाता है। इसलिए इन वर्गों के सदस्य सामाजिक एवं आर्थिक आधार पर एक वर्ग से दूसरे वर्ग में आना जाना कर सकते हैं अर्थात् वर्ग व्यवस्था को सामान्यतः सामाजिक गतिशीलता द्वारा पृथक किया जाता है।

3. किसी पूर्व-अपराधी द्वारा समाजीकरण मानकों का अनुपालन किसका उदाहरण कहा जा सकता है?

(a) समाजीकरण (b) पुनः समाजीकरण
(c) वि-समाजीकरण (d) अ-समाजीकरण

उत्तर (b) पुनःसमाजीकरण का कार्य वि-समाजीकरण के बाद ही सम्भव है किसी के द्वारा पहले सीखे हुऐ व्यवहार को भुलाकर उसके द्वारा नया व्यवहार सीखना ही पुनःसमाजीकरण कहलाता है जैसे- अपराधियों का सभ्य पुरुष बनना है।

4. सूची-I (सामाजिक परिदृश्य के जाँच-पड़ताल की पद्धतियों) को सूची-II (लेखकों के नाम) के साथ सुमेलित करें-

	सूची - I		सूची - II
A	तर्क प्रयोगात्मक	1	दुर्खीम
B	द्वन्द्वात्मक	2	परेटो
C	आदर्श प्रारूपिक	3	मार्क्स
D	प्रकार्यात्मक	4	वेबर

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(3)	(2)	(1)	(4)
(b)	(2)	(3)	(4)	(1)
(c)	(4)	(3)	(2)	(1)
(d)	(1)	(3)	(4)	(2)

उत्तर (b) सुमेलित–

तर्क प्रयोगात्मक - परेटो
द्वन्द्वात्मक - मार्क्स
आदर्श प्रारूपिक - वेबर
प्रकार्यात्मक - दुर्खीम

5. समुदाय का उदाहरण कौन-सा नहीं है?

(a) रेड इण्डियन्स
(b) मुरिया
(c) अण्डमान आइसलैण्डर्स
(d) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

उत्तर (d) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समुदाय का उदाहरण नहीं है। लुण्डबर्ग के अनुसार, मनुष्यों की वह जनसंख्या, जो निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में रहती हो और एक साधारण परस्पर आश्रित जीवन यापन करती हो, समुदाय कहलाती है।

6. सूची - I को सूची - II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें।

	सूची - I		सूची - II
A	उप-संस्कृति	1	हिप्पी
B	विपर्यय संस्कृति	2	भाषा
C	संस्कृति का वाहन	3	सेना
D	संस्कृति टकराव	4	अयोध्या मंदिर आंदोलन

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(4)	(2)	(3)	(1)
(b)	(1)	(2)	(3)	(4)
(c)	(3)	(1)	(2)	(4)
(d)	(1)	(4)	(2)	(3)

उत्तर (c) सुमेलित–

उप-संस्कृति - सेना
विपर्यय संस्कृति - हिप्पी
संस्कृति का वाहन - भाषा
संस्कृति टकराव - अयोध्या मंदिर आंदोलन

7. समाजमिति का उपयोग सर्वप्रथम किसने किया है?

(a) लुण्डबर्ग (b) मोरेनो
(c) बोगार्ड्स (d) बर्गेस

उत्तर (b) मोरेनो ने सर्वप्रथम समाजमिति का उपयोग किया था। उनके द्वारा रचित पुस्तक Who shall survive? जो कि सन् 1934 में प्रकाशित हुई थी। इस प्रविधि से समाजमिति का श्रीगणेश हुआ। आगे चलकर श्री हेलेन जैनिंग्स ने समाजमिति प्रविधि को पूरी तरह विकसित किया।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

8. वेबर द्वारा प्रस्तुत सामाजिक क्रिया प्ररूप विज्ञान का हिस्सा निम्नांकित में एक नहीं है, पहचानें-

(a) जनतांत्रिक (b) पारम्परिक
(c) मूल्यांकन (d) तर्कणापरक

उत्तर (a) आदर्श प्रारुप के सन्दर्भ में वेबर ने सामाजिक क्रिया के चार रूप बतायें हैं- पारम्परिक, भावनात्मक, मूल्यांकनात्मक और तार्किक क्रिया।
अतः जनतांत्रिक वेबर द्वारा प्रस्तुत सामाजिक क्रिया प्ररूप विज्ञान का हिस्सा नहीं है।

9. संस्कृति का तत्व निम्नांकित में से कौन-सा नहीं है?

(a) परिवार (b) मूल्य (मान)
(c) पोशाक (पहनावा) (d) व्यवहार के ढंग

उत्तर (a) 'संस्कृति का तत्व' परिवार नहीं है। संस्कृति की वह छोटी से छोटी इकाई जिसका और अधिक विभाजन नहीं किया जा सकता, 'सांस्कृतिक तत्व' कहलाता है। सांस्कृतिक तत्व की अवधारणा विसलर ने प्रस्तुत की है। सांस्कृतिक तत्व का उदाहरण हैं।- मूल्य (मान), पहनावा (पोशाक), व्यवहार के ढंग इत्यादि।

10. धर्म की अपनी समाजशास्त्रीय व्याख्या में दुर्खीम ने कुछ अवलोकन किए। नीचे दिए कूटों में से सही आवलोकनों का चयन करें-

(A) धर्म एक मानसिक रोग है।
(B) समाज का मानवीकरण ही प्रभु है।
(C) कष्ट पा रही मानवता को धर्म मुक्ति देता है।
(D) परलोक का राज्य गौरवान्वित समाज है।

(a) A और B (b) B और C
(c) A और C (d) B और D

उत्तर (d) दुर्खीम समाजशास्त्र के वास्तविक पिता माने जाते हैं। धर्म की व्याख्या में दुर्खीम ने अवलोकन के आधार पर बताया है कि समाज का मानवीयकरण ही प्रभु है और परलोक का राज्य महिमामण्डित समाज है।

11. प्राथमिक समूह का उदाहरण निम्नांकित में से कौन-सा नहीं है?

(a) पास-पड़ोस (b) स्कूल
(c) मित्रों का समूह (d) भारतीय स्टेट बैंक

उत्तर (d) प्राथमिक समूह का अवधारणा का प्रयोग सर्वप्रथम चार्ल्स कूले ने सन् 1909 में किया है कूले ने लिखा है कि प्राथमिक समूह से मेरा तात्पर्य ऐसे समूह से है जिसमें घनिष्ठता, आमने-सामने के सम्बन्ध तथा सहयोग पाया जाता है। इस प्रकार भारतीय स्टेट बैंक प्राथमिक समूह नहीं है।

12. राज्य निम्नांकित में से किसका उदाहरण है।

(a) प्राथमिक समूह (b) समुदाय
(c) समिति (d) सरकार

उत्तर (b) राज्य समुदाय का एक उदाहरण है। 'डासन एवं गेट्स' के अनुसार, समुदाय भौगोलिक क्षेत्र की एक इकाई है जिसमें कोई जनसंख्या वितरित होती है जिनकी समान आधारभूत संस्थायें होती है जो कि उनके सामान्य जीवन को संभव बनाती है।

13. समूहों का अन्तःसमूह और बाह्य समूह में वर्गीकरण किसने प्रस्तुत किया था?

(a) टॉनीज (b) कूले
(c) होमन्स (d) समनर

उत्तर (d) एक प्रारम्भिक अमेरिकी समाजशास्त्री तथा अर्थशास्त्री विलियम ग्राहम समनर का नाम प्रमुख रूप से जनरीतियों (फोकवेज) के अध्ययन के साथ जुड़ा हुआ है। समनर ने ''हम की भावना'' के आधार पर समूह को दो भागों में बाँटा है जो अन्तःसमूह और बाह्य समूह के रूप में जाना जाता है।

14. परिवार के कार्यों को निम्नांकित छः वर्गों में किसने प्रस्तुत किया था?

(i) भावनात्मक (ii) आर्थिक
(iii) मनोरंजनात्मक (iv) संरक्षणात्मक
(v) धार्मिक (vi) शैक्षिक

(a) मैकाइवर (b) ऑगबर्न एवं निमकॉफ
(c) जी० एच० स्प्रौट (d) अरनॉल्ड ग्रीन

उत्तर (b) ऑगबर्न एवं निमकॉफ ने परिवार को छ : भागों में बाँटा है-(i) स्नेह संबंधी (भावात्मक) (ii) आर्थिक (iii) मनोरंजनात्मक कार्य (iv) सुरक्षात्मक (संरक्षणात्मक) (v) धार्मिक (vi) शैक्षिक। ऑगबर्न एवं निमकौफ ने परिवार को परिभाषित करते हुए कहा कि परिवार कमोवेश पति तथा पत्नी के मध्य एक ऐसा स्थायी सम्बन्ध है जो संतान सहित भी हो सकता है और संतान रहित भी।

15. 'ज्ञात पूर्वजों और दत्तकग्रहण पुत्रों और विवाह के जरिए इन पुत्रों से संबंधित रिश्तेदारों के समूह' के रूप में हिन्दू संयुक्त परिवार की व्याख्या किसने की है?

(a) हेनरी मैन
(b) किंग्सले डेविस
(c) आर० एम० मैकाइवर
(d) एच०एम० जॉन्सन

उत्तर (a) हेनरीमेन के अनुसार ज्ञात पूर्वजों और दत्तकग्रहण पुत्रों और विवाह के जरिये इन पुत्रों से संबंधित रिश्तेदारों के समूह के रूप में हिन्दू संयुक्त परिवार की व्याख्या की है।

16. नातेदारी के अध्ययन में प्रथम महत्वपूर्ण योगदान किसने किया?

(a) टेलर (b) मॉर्गन
(c) मैलिनोवस्की (d) रैडक्लिफ ब्राउन

उत्तर (b) मॉर्गन की गणना मानवशास्त्र में प्रारंभिक मानवशास्त्रियों में की जाती है जिन्होंने अमेरिका के मूल निवासियों (इरक्टिस जनजाति, न्यूयॉर्क) के अपने अध्ययन के आधार पर नातेदारी व्यवस्था का सर्वप्रथम व्यवस्थित वर्गीकरण अपनी पुस्तक 'System of Consanguinity and Affinity of the Human family' (1871) में प्रस्तुत किया।

17. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें।

	सूची - I		सूची - II
A	फैमिली एण्ड किनशिप अमंग पण्डित्स ऑफ काश्मीर	1	रॉबिन्स फॉक्स

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

B	किनशिप एण्ड मैरिज	2	जी॰ एस॰ घुर्ये
C	एलीमेंटरी स्ट्रक्चर्स ऑफ किनशिप	3	राधाकमल मुकर्जी
D	फैमिली एण्ड किन इन इण्डो-यूरोपियन कल्चर	4	टी॰ एन॰ मदान
		5	सी॰ लेवी-स्ट्रास

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(3)	(1)	(5)	(2)
(b)	(4)	(1)	(5)	(2)
(c)	(4)	(2)	(3)	(5)
(d)	(2)	(1)	(4)	(3)

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

फैमिली एण्ड किनशिप - टी. एन. मदान
अमंग पण्डित्स ऑफ कश्मीर
किनशिप एण्ड मैरिज - रॉबिन्स फॉक्स
एलीमेंटरी स्ट्रक्चर्स ऑफ किनशिप - सी. लेवी-स्ट्रॉस
फैमिली एण्ड किन इन इण्डो-यूरोपियन कल्चर - जी. एस. घुर्ये

18. अभिकथन (A) : एक सामाजिक समूह के रूप में जाति को समुदाय नहीं कहा जा सकता है।
कारण (R) : जाति का सामाजिक सामंजस्य तो होता है, परन्तु उसमें समुदाय के क्षेत्रीय आधार का अभाव रहता है।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (a) जाति का सामाजिक सामंजस्य तो होता है, परन्तु उसमें समुदाय के क्षेत्रीय आधार का अभाव रहता है। जैसा कि समुदाय एक ऐसा सामाजिक समूह है जिसमें कुछ अंशों में हम की भावना पायी जाती है तथा जो एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में रहता है अतः एक सामाजिक समूह के रूप में जाति को समुदाय नहीं कहा जा सकता है। अतः अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सही है तथा R, A की सही व्याख्या है।

19. निम्नलिखित में से कौन-सा जोड़ा सही सुमेलित है?

1. संस्कृतिकरण - एम॰ एन॰ श्रीनिवास
2. लघु एवं वृहद् परम्परा - मैकिम मेरियट
3. ब्राह्मणीकरण - अइयाप्पन
4. संकुचितीकरण - एफ॰ जी॰ बेले

नीचे दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें

कूट :
(a) 2, 3 और 4 (b) 1, 3 और 4
(c) 1, 2 और 4 (d) 1, 2 और 3

उत्तर (c) ब्राह्मणीकरण की अवधारणा एम. एन. श्रीनिवास ने अपनी पुस्तक Religion and Society among the Coorgs of south India (1952) में दिया है।
कूट 1,2, 4 सही सुमेलित है।

20. सूची - I को सूची - II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें।

	सूची - I		सूची - II
A	जाति बन्द व्यवस्था है	1	लूई ड्यूमाँ
B	जाति बन्द सावयवी स्तरीकरण है	2	गुन्नार मिर्डाल
C	जाति समानता का चरम रूप है	3	फ्रेडरिक बेले
D	जाति सोपान क्रम की अभिव्यक्ति है बजाए स्तरीकरण की	4	मैक्स वेबर

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(1)	(2)	(3)	(4)
(b)	(4)	(3)	(2)	(1)
(c)	(1)	(3)	(2)	(4)
(d)	(4)	(2)	(3)	(1)

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

जाति बंद व्यवस्था है - मैक्स वेबर
जाति बंद सावयवी स्तरीकरण है - फ्रेडरिक बेले
जाति समानता का चरम रूप है - गुन्नार मिर्डाल
जाति सोपान क्रम की अभिव्यक्ति है, बजाय स्तरीकरण के - लुई ड्यूमा

21. सूची - I को सूची - II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें।

	सूची - I		सूची - II
A	शुद्धता प्रदूषण का विरोध	1	एस॰ सिन्हा
B	जनजाति-जाति-कृषक सांतत्यक	2	एल॰ ड्यूमाँ
C	गुणारोपीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय विश्लेषण	3	मैकिम मेरियट
		4	एम॰एस॰ श्रीनिवास

	(A)	(B)	(C)
(a)	(1)	(4)	(2)
(b)	(1)	(3)	(4)
(c)	(2)	(1)	(3)
(d)	(2)	(3)	(1)

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

शुद्धता प्रदूषण का विरोध - एल॰ ड्यूमाँ
जनजाति-जाति-कृषक सांतत्यक - एस॰ सिन्हा
गुणारोपीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय विश्लेषण - मैकिम मेरियट

22. समाजीकरण की निम्नांकित अवस्थाओं के अनुक्रम को ठीक तरह से व्यवस्थित करें। नाचे दिए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें-

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(A) पूर्वाभासी (B) बच्चा
(C) शिशु (D) प्रौढ़
(E) किशोर
(a) A, C, B, E, D (b) E, C, B, D, A
(c) C, B, E, D, A (d) B, C, D, E, A

उत्तर (c)
उपरोक्त प्रश्न में दिये गये सामाजीकरण की अवस्थाओं का सही क्रम इस प्रकार है-
शिशु → बच्चा → किशोर → प्रौढ़ → पूर्वाभासी
किंग्सले डेविस के अनुसार, वह प्रक्रिया जिसके द्वारा एक नवजात शिशु को सामाजिक प्राणी के रूप में ढाला जाता है, सामाजीकरण कहलाता है

23. 'सामान्यीकृत अन्य' का उदाहरण कौन-सा है?
(a) समुदाय (b) मित्र
(c) साथी समूह (d) अभिभावक

उत्तर (c) 'सामान्यीकृत अन्य' का उदाहरण मित्र समूह है। व्यक्ति के समाजीकरण में मीड ने समाज की महती भूमिका को इंगित करते हुए लिखा है कि "बालक को अपने बारे में सामाजिक अंतर्क्रिया के द्वारा ही बोध होता है। इसी के द्वारा 'स्व' की उत्पत्ति होती है। 'स्व' की उत्पत्ति होती है। 'स्व' का ज्ञान 'दूसरे व्यक्तियों' की भूमिकाओं को ग्रहण करने से ही होता है। मीड ने दूसरे व्यक्तियों को 'सामान्यीकृत अन्य' कहा है।

24. सामाजिक उद्विकास की अवस्थाओं का विश्लेषण सरल, यौगिक, दुगनी यौगिक और तिगुनी यौगिक के रूप में किसने किया है?
(a) एल० एच० मॉर्गन (b) ई० बी० टायलर
(c) इमाईल दुर्खीम (d) एच० स्पेंसर

उत्तर (d) स्पेन्सर को सामाजिक विचारकों में दूसरा संस्थापक जनक कहा जाता है। स्पेन्सर ने सामाजिक उद्विकास की अवस्थाओं का विश्लेषण सरल यौगिक, दुगनी यौगिक और तिगुनी यौगिक के रूप में किया है।

25. समाज के अधिकांश सदस्यों के ध्यान दिए बिना कुछ सामाजिक परिवर्तन होता है। इसे क्या कहते हैं?
(a) प्रत्यक्ष परिवर्तन (b) प्रच्छन्न परिवर्तन
(c) सापेक्ष परिवर्तन (d) निरपेक्ष परिवर्तन

उत्तर (b) समाज के अधिकांश सदस्यों के ध्यान दिये बिना कुछ सामाजिक परिवर्तन होता है तो इसे प्रच्छन्न परिवर्तन कहते हैं। प्रच्छन्न परिवर्तन की अवधारणा पी०ए० सोरोकिन ने प्रतिपादित किया। इससे आशय है कि परिवर्तन मानसिकता बदलने पर कभी भी हो सकता है।

26. सामाजिक परिवर्तन के चक्रीय सिद्धांत से कौन संबंधित नहीं है?
(a) स्पेंसर (b) टॉयनवी
(c) लिपसेट (d) हॉबहाउस

उत्तर (a) चक्रीय सिद्धांत से सम्बन्धित टॉयनवी, सोरोकिन, पैरेटो, लिपसेट, हॉबहाउस प्रमुख है। जबकि स्पेन्सर उद्विकास परिवर्तन से सम्बन्धित है।

27. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें।

	सूची - I		सूची - II
A	चक्रीय	1	विको
B	रैखिक	2	सोरोकिन
C	उतार-चढ़ाव	3	स्पेंगलर
D	सर्पिल	4	स्पेंसर

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(3)	(4)	(2)	(1)
(b)	(3)	(2)	(1)	(4)
(c)	(2)	(3)	(1)	(4)
(d)	(2)	(1)	(4)	(3)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–
चक्रीय - स्पेंगलर
रैखिक - स्पेंसर
उतार-चढ़ाव - सोरोकिन
सर्पिल - विको

28. रैडक्लिफ ब्राउन के अनुसार प्रकार्यात्मक बिखराव की स्थिति के साथ समाज विरले ही समाप्त होता है, इसके बजाए यह-
(i) यूनोमिया की नवस्थिति की ओर बढ़ने की कोशिश करता है।
(ii) अपने संरचनात्मक प्रतिमान को बदल सकता है।
(iii) अपने को विश्रृंखलित कर सकता है।
(iv) अपनी पहचान को बदल देता है।
(a) (i) और (ii) सही हैं (b) (ii) और (iii) सही हैं
(c) (i) और (iii) सही हैं (d) (iii) और (iv) सही हैं

उत्तर (a) रेडक्लिफ ब्राउन का मानना है कि, किसी भी समाज में यूनोमिया का अर्थ है- अंगों का सामंजस्य अर्थात् प्रकार्यात्मक एकता तथा डिस्नोमिया का अर्थ है- प्रकार्यात्मक विलगता अर्थात् आन्तरिक प्रतिरोध। ब्राउन मानते हैं कि डिस्नोमिया का शिकार समाज, समाप्त नहीं होता बल्कि यूनोमिया की ओर बढ़ने का संघर्ष करता है। इसमें हो सकता है कि उसका 'संरचनात्मक स्वरूप' बदल जाये।

29. निम्नांकित में से कौन-सा मैलिनोवस्की के सोपानिक क्रम में व्यवस्था के तीन स्तरों के साथ संबंधित नहीं है?
(a) प्रतीकात्मक व्यवस्था
(b) सामाजिक संरचनात्मक व्यवस्था
(c) व्यक्तित्व व्यवस्था
(d) जैवकीय व्यवस्था

उत्तर (c) मानवशास्त्र में प्रकार्यवादी सिद्धांत के एक प्रमुख हस्ताक्षर पोलैण्ड निवासी ब्रॉनिस्ला केस्पर मैलिनोवस्की मूलतः भौतिकशास्त्र और गणितशास्त्र में दीक्षित थे। और वे प्रकार्यवादी सिद्धांत के प्रणेताओं में से रहे हैं। मैलिनोवस्की के सोपानिक क्रम व्यवस्था के तीन स्तरों के साथ व्यक्तित्व व्यवस्था नहीं है।

30. खोजपूर्ण जाँच के प्रकार्यात्मक एवं ऐतिहासिक प्रकारों के बीच किसने भेद किया है?
(a) रैडक्लिफ-ब्राउन (b) दुर्खीम
(c) पारसंस (d) मर्टन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b) दुर्खीम को आधुनिक समाजशास्त्र विषय के संस्थापकों में से एक अग्रणी प्रवर्तक माना जाता है। दुर्खीम को पहला अकादमिक समाजशास्त्री माना जाता है। इन्होंने खोजपूर्ण जाँच के प्रकार्यात्मक एवं ऐतिहासिक प्रकारों के बीच में अंतर स्पष्ट किया।

स्रोत-समाजशास्त्रीय चिंतक एवं सिद्धांतकार-रावत

31. सूची - I को सूची - II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें।

	सूची - I		सूची - II
A	भावनात्मकता-भावनात्मक तटस्थता	1	क्या कर्ताओं का मूल्यांकन एक समान मानकों के संबंध में किया जाना चाहिए।
B	प्रसरणता-विशिष्टवाद	2	क्या उपलब्धि अथवा प्रदत्त के संबंध में कर्ताओं का मूल्यांकन होना चाहिए।
C	सार्वभौमिकता-विशिष्टवाद	3	अन्तःक्रिया में उपयुक्त भावनात्मक अभिव्यक्ति
D	उपलब्धि-प्रदत्तनीय	4	संबंध में उपयुक्त दायित्व

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(4)	(1)	(3)	(2)
(b)	(3)	(4)	(1)	(2)
(c)	(2)	(1)	(3)	(4)
(d)	(1)	(2)	(4)	(3)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

भावनात्मकता-भावनात्मक तटस्थता	- संबंध में उपयुक्त दायित्व
प्रसरणता-विशिष्टवाद	- क्या कर्ताओं का मूल्यांकन एक समान मानकों के संबंध में किया जाना चाहिए
सार्वभौमिकता-विशिष्टवाद	- अन्तःक्रिया में उपयुक्त भावनात्मक अभिव्यक्ति
उपलब्धि-प्रदत्तनीय	- क्या उपलब्धि अथवा प्रदत्त के संबंध में कर्ताओं का मूल्यांकन होना चाहिए।

32. टालकॉट पारसन्स के निम्नांकित प्रकार्यात्मक आज्ञापकों में से कौन-सा 'पैटर्न (प्रतिमान) कायम रखने और तनाव प्रबन्ध' के साथ संबंधित नहीं है?

(a) अनुकूलन (b) लक्ष्य प्राप्ति
(c) एकीकरण (d) प्रच्छन्नता

उत्तर (d) टालकॉट पारसन्स क्रिया सिद्धान्त, सामाजिक व्यवस्था और प्रकार्यवाद के प्रखर प्रणेता थे। इन्होंने बताया कि कोई भी प्रणाली तब तक जीवित रह सकती है, जब तक वह निम्न चार प्रकार्यात्मक आवश्यकताओं (AGIL) की पूर्ति करती रहती है– (1) अनुकूलन (2) लक्ष्य उपलब्धि (3) एकीकरण (4) प्रतिमान-अनुरक्षण। टालकॉट पारसंस के प्रकार्यात्मक आज्ञापकों में से प्रच्छन्नता पैटर्न (प्रतिमान) कायम रखने और तनाव प्रबन्ध के साथ सम्बन्धित नहीं है।

33. रॉबर्ट के० मर्टन के कथनानुसार व्यक्तियों, समूहों, समाज और संस्कृति के लिए सांस्कृतिक मद के विविध एवं विभिन्न परिणाम हो सकते हैं। उसके किस प्रकार्यात्मक आधारभूत तत्व के साथ यह कथन संबंधित है?

(a) प्रकार्यात्मक एकता
(b) सार्वभौमिक प्रकार्यवाद
(c) प्रकार्यात्मक अपरिहार्यता
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (a) रॉबर्ट के० मर्टन के अनुसार व्यक्तियों, समूहों, समाज और संस्कृति के लिए सांस्कृतिक मद के विविध एवं विभिन्न परिणाम हो सकते हैं। यह कथन उसके प्रकार्यात्मक एकता के आधारभूत तत्व के साथ सम्बन्धित है। प्रकार्यात्मक एकता से अभिप्राय सामाजिक व्यवस्था के सभी अंगों का समरसता एवं अनुकूलता के साथ काम करना है।

34. ''क्रिया का निर्धारण उसके अपने लिए उपयोगिता में चेतन विश्वास द्वारा होता है।'' यह कथन मैक्स वेबर द्वारा प्रतिपादित निम्नांकित प्रकार की क्रियाओं में से किसके लिए प्रयुक्त होता है?

(a) साधन-लक्ष्य युक्तियुक्तता पर आधारित क्रिया
(b) उपयोगिता युक्तियुक्तता पर आधारित क्रिया
(c) भावनात्मक क्रिया
(d) पारम्परिक क्रिया

उत्तर (b) क्रिया का निर्धारण उसके अपने लिए उपयोगिता में चेतन विश्वास द्वारा होता है। यह कथन मैक्स वेबर द्वारा प्रतिपादित उपयोगिता युक्तियुक्तता पर आधारित क्रिया के लिए प्रयुक्त होता है मैक्स वेबर के अनुसार, युक्तिकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा मानवीय सम्बन्धों के प्रत्येक क्षेत्र में परिकलन गणना और नियोजन का प्रयोग किया जाता है।

35. निम्नांकित में से कौन-सा परेटो की अ-तार्किक क्रिया की अवधारणा से संबंधित है?

(a) अवैज्ञानिक धारणा व्यवस्थाएँ क्रिया के निर्धारक हैं
(b) अवैज्ञानिक धारणा व्यवस्थाएँ क्रिया के निर्धारक नहीं हैं
(c) अवैज्ञानिक धारणा व्यवस्थाएँ गहरी आसीन भावनाओं की अभिव्यक्तियाँ हैं
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c) अवैज्ञानिक धारणा व्यवस्थायें गहरी आसीन भावनाओं की अभिव्यक्तियाँ है, यह परेटो के अतार्किक क्रिया की अवधारणा से सम्बन्धित है।
परेटो ने अतार्किक क्रिया के दो प्रकार बताये हैं- (1) अवशिष्ट चालक (2) भ्रान्त तर्क।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

36. निम्नांकित कथनों में से कौन-सा 'I' और 'Me' में भेद करता है?

(a) 'I' को आधुनिक समाज में महत्व दिया जाता है और 'Me' को पुरातन समाज में महत्व दिया जाता है।
(b) महत्वपूर्ण मूल्य 'I' में स्थित है 'Me' में नहीं
(c) 'I' दूसरों के प्रति तुरंत प्रतिक्रिया है जबकि 'Me' दूसरों की अभिवृत्तियों का संगठित समूह है
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c) 'I' और 'Me' में भेद करता है 'I' दूसरों के प्रति तुरंत प्रतिक्रिया है जबकि 'Me' दूसरों की अभिवृत्तियों का संगठित समूह है। इन दोनों को मिलाने से व्यक्तित्व का जन्म होता है।

स्रोत-उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत- दोषी और त्रिवेदी

37. निम्नांकित में से कौन-सा दुर्खीम के प्रकार्यात्मक सिद्धांत से संबंधित नहीं है?

(a) समाज को खण्डों में न्यूनीकृत किया जा सकता है
(b) समाज को उसके संघटक भागों में अपघटित किया जा सकता है
(c) व्यवस्था के भाग पूर्ण की मूलभूत जरूरतों को पूरा करते हैं
(d) व्यवस्था सामान्य केवल तभी होती है जब संतुलन को बनाए रखा जाता है

उत्तर (a) दुर्खीम समाजशास्त्र के वास्तविक पिता माने जाते हैं। इन्होंने अपनी पुस्तक "The Division of Labour in society" में प्रकार्यात्मक विचारधारा को ठोस रूप प्रदान किया है। समाज को खण्डों में न्यूनीकृत किया जाना दुर्खीम के प्रकार्यात्मक सिद्धान्त से सम्बन्धित नहीं है।

38. संघर्ष के सकारात्मक आयामों पर किसने ध्यान दिया?

(a) कोजर (b) डेहरेण्डॉर्फ
(c) कॉलिन्स (d) जिम्मल (सिमेल)

उत्तर (a) जर्मनी मूल के आधुनिक संघर्षवादी सामाजिक सिद्धांतकार कोजर का मत है कि संघर्ष किसी भी समाज में सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति करते है। उन्होंने संघर्ष के सकारात्मक आयामों पर ध्यान दिया।

39. अभिकथन (A) : प्रतीकात्मक अन्तःक्रिया करने वाला सामाजिक अन्तःक्रिया को कारणात्मक महत्व देने लगता है।

कारण (R) : एकान्त मानसिक प्रक्रिया से अर्थ नहीं निकलता है, बल्कि अन्तःक्रिया से निकलता है।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (b) प्रतीकात्मक अन्तःक्रिया करने वाला सामाजिक अन्तःक्रिया को कारणात्मक महत्व देने लगता है। क्योंकि प्रतीकात्मकवाद सामाजिक अन्तः क्रिया के फलस्वरूप पनपता है तथा यह कथन भी सत्य है कि एकान्त मानसिक प्रक्रिया से कोई अर्थ नहीं निकलता अपितु अन्तः क्रिया से निकलता है क्योंकि प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद व्यक्तिगत न होकर अपितु दो या अधिक व्यक्तियों के मध्य होने वाली अर्थपूर्ण क्रिया से संभव होता है। अतः अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सही है परन्तु R,A की सही व्याख्या नहीं हैं।

40. पश्चिमी यूरोपीय समाजों के अध्ययन के लिए किसने ऐतिहासिक तुलनात्मक विधि का प्रयोग किया है?

(a) इमाईल दुर्खीम (b) मैक्स वेबर
(c) एच॰ एच॰ मॉर्गन (d) टी॰ वेब्लेन

उत्तर (a) मैक्स वेबर ने अपनी पुस्तक "Methodology of Social Science" में तुलनात्मक पद्धति पर बल दिया है। वेबर का आदर्श प्रारूप तुलनात्मक अध्ययन का अद्वितीय उदाहरण है।

41. शास्त्रीय समाजशास्त्रियों में से किसने तुलनात्मक विश्लेषण में परिमाणात्मक विधि का प्रयोग किया है?

(a) कार्ल मार्क्स (b) मैक्स वेबर
(c) इमाईल दुर्खीम (d) ऑगस्ट कॉम्टे

उत्तर (c) शास्त्रीय सामाजशास्त्रियों में से दुर्खीम ने तुलनात्मक विश्लेषण में परिमाणात्मक विधि का प्रयोग किया है दुर्खीम ने अपनी पुस्तक Suicide : A Study in Sociology में आत्महत्या के सिद्धान्त का तुलनात्मक विश्लेषण किया।

42. निम्नलिखित में से किसने समाजशास्त्र के लिए 'समाज का प्राकृतिक विज्ञान' का विचार प्रतिपादित किया?

(a) बी॰ मैलिनोवस्की
(b) टालकॉट पारसन्स
(c) क्लॉड लेवी-स्ट्रास
(d) ए॰ आर॰ रैडक्लिफ-ब्राउन

उत्तर (d) ए॰ आर॰ रैडक्लिफ-ब्राउन ने अपनी पुस्तक A natural Science of Society में उपरोक्त विचार प्रस्तुत किया है। सुप्रसिद्ध मानवशास्त्री अल्फ्रेड रेजिनाल्ड रेडक्लिफ ब्राउन'अपनी प्रकार्यवादी विचारधारा के लिए जाने जाते हैं। U. G. C. के अनुसार विकल्प C को सही माना गया है।

43. किसने यह तर्क दिया कि 'संरचना एक विधि है, न कि यथार्थ'?

(a) क्लॉड लेवी-स्ट्रास (b) ए॰ आर॰ रैडक्लिफ-ब्राउन
(c) एस॰ एफ॰ नॉडेल (d) टालकॉट पारसन्स

उत्तर (a) लेविस स्ट्रास संरचनात्मक मानवशास्त्र के प्रणेता तथा बीसवीं शताब्दी के अत्यन्त प्रखर एवं सैद्धांतिक रूप से उद्भट फ्रांसीसी दार्शनिक मानवशास्त्री थे। उन्होंने कहा था। संरचना एक विधि है, न कि यर्थाथ ।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

44. अमेरिकी समाज के अध्ययन में 'सहभागी अवलोकन' विधि के प्रयोग के लिए किसे जाना जाता है?

(a) बी॰ मैलिनोवस्की (b) डब्ल्यू॰ एफ॰ ह्वाइट
(c) डब्ल्यू॰ जे॰ गुडे (d) पी॰ एफ॰ हाट

उत्तर (b) सहभागी अवलोकन विधि का प्रयोग डब्ल्यू. एफ. ह्वाइट ने अपनी पुस्तक 'Street Corner society' में किया। सहभागी अवलोकन में अनुसंधान कर्ता स्वयं को अध्ययन करने वाले समुदाय तथा व्यक्तियों से प्रत्यक्ष सम्बन्ध स्थापित करता है। तथा स्वयं का परिचय छिपाकर उस समूह का एक सदस्य बन जाता है।

45. किस प्रकार की शोध प्रचना के लिए परिकल्पना अनिवार्यतः आवश्यक नहीं होती है?

(a) वर्णनात्मक (b) प्रयोगात्मक
(c) निदानात्मक (d) अन्वेषणात्मक

उत्तर (a) वर्णनात्मक शोध के लिए परिकल्पना अनिवार्यतः आवश्यक नहीं होती है। वर्णनात्मक अनुसंधान का प्रमुख लक्ष्य घटनाओं और स्थितियों का वर्णन करना होता है। अतः अपेक्षा की जाती है कि यह अधिक स्पष्ट, सटीक व संक्षिप्त होगा बजाय आकस्मिक होने के।

46. एकल अध्ययन में सम्मिलित है-

(a) परिणात्मक विश्लेषण
(b) परिणात्मक और गुणात्मक विश्लेषण
(c) गुणात्मक विश्लेषण
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (c) विषय-वस्तु विश्लेषण में केवल बारम्बारता की गिनती पर केन्द्रित रहना सम्प्रेषणों के संग्रह अर्थ को खो देना होगा। इसलिए एकल अध्ययन में गुणात्मक विश्लेषण भी सम्मिलित है।

47. किसी संख्यात्मक शृंखला में किसी पद की परिमाणात्मकता का ध्यान निम्नलिखित में से किसमें रखा जाता है?

(a) माध्य (b) बहुलक
(c) माध्यिका (d) उक्त सभी

उत्तर (c) किसी संख्यात्मक शृंखला में किसी पद की परिमाणात्मकता का ध्यान माध्यिका में रखा जाता है। माध्यिका किसी पद का वह परिणाम है जो आरोही अथवा अवरोही क्रम में स्थित किसी पदमाला के मध्य का मान होता है।

48. सर्वेक्षण शोध का संस्थापक (जनक) किसे कहा जाता है?

(a) चार्ल्स बूथ (b) पी॰ एफ॰ लाजार्सफील्ड
(c) आर॰ के॰ मर्टन (d) डब्ल्यू॰ जे॰ गुडे

उत्तर (b) सर्वेक्षण शोध का संस्थापक (जनक) पी॰ एफ॰ लाजार्सफील्ड को माना जाता है। सर्वेक्षण शोध में अनुसंधानकर्ता अनुसंधान विषय के सीधे सम्पर्क में आता है।

49. सूची - I को सूची - II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें।

	सूची - I (शब्द)		सूची - II (संख्या-सूचक)
A	गुणात्मक चर	1	सारणीयन
B	परिमाणात्मक चर	2	निदर्शन
C	बारम्बारता वितरण	3	विशेषताएँ
D	सम्भावना (प्रायिकता)	4	चर परिणाम

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(1)	(2)	(3)	(4)
(b)	(2)	(3)	(4)	(1)
(c)	(3)	(4)	(1)	(2)
(d)	(4)	(1)	(2)	(3)

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(शब्द)	(संख्या सूचक)
गुणात्मक चर	- विशेषतायें
परिमाणात्मक चर	- चर परिणाम
बारम्बारता वितरण	- सारणीयन
सम्भावना (प्रायिकता)	- निदर्शन

50. सूची - I को सूची - II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें।

	सूची - I (अवधारणा)		सूची - II (लेखक)
A	सहभागी अवलोकन	1	जहोदा
B	विषयवस्तु विश्लेषण	2	चार्ल्स बूथ
C	आनुमानिक इतिहास	3	मैलिनोवस्की
D	शोध डिजाइन	4	रैडक्लिफ ब्राउन
		5	मर्टन

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(5)	(4)	(3)	(2)
(b)	(3)	(5)	(4)	(1)
(c)	(4)	(3)	(2)	(1)
(d)	(2)	(5)	(3)	(5)

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)	(लेखक)
सहभागी अवलोकन	- मैलिनोवस्की
विषयवस्तु विश्लेषण	- मर्टन
आनुमानिक इतिहास	- रैडक्लिफ ब्राउन
शोध डिजाइन	- जहोदा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2011

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. यह किसका कथन है कि समाज एक उत्कृष्ट सजीव समुच्चय है?
(a) हर्बर्ट स्पेंसर (b) चार्ल्स डार्विन
(c) इमाइल दुर्खीम (d) ब्रोनिस्ला मैलिनोवस्की

उत्तर (a) – समाज एक उत्कृष्ट सजीव समुच्चय है, यह कथन हर्बर्ट स्पेंसर का है जिसे समाजशास्त्र के क्षेत्र में अगस्ट काम्ट के कार्य को आगे बढ़ाने का श्रेय दिया जाता है। स्पेंसर ने मानव समाज की एक ऐसे जीवित निरंतर बढ़ते हुए सावयव (जीव) के रूप में व्याख्या की जो धीरे-धीरे सरल से जटिल व्यवस्था का रूप ले लेता है।

2. यह किसका कथन है कि, ''सामाजिक संगठन एक सामान्य सामाजिक अनुबन्ध है''?
(a) हर्बर्ट स्पेंसर (b) ए. कॉम्टे
(c) इमाइल दुर्खीम (d) मैक्स वेबर

उत्तर (b) – ऑगस्त कॉम्ट सामाजिक संगठन को सामान्य सामाजिक अनुबन्ध (General Social Agreement) यह सामाजिक सहमति (Social Consensus) कहते हैं। स्पेंसर सामाजिक संगठन को आर्थिक, राजनीतिक एवं समाज के अन्य खण्डों का अन्तर सम्बन्ध कहते हैं जबकि दुर्खीम सामान्य संगठन को सामाजिक एकीकरण एवं सहमति के आधार पर वैयक्तिक नियमन (Individual Regulation) कहते हैं।

3. अपनी पुस्तक 'प्रोटैस्टेंट एथिक एण्ड द स्पिरिट ऑफ कैपिटलिज्म' में वेबर ने धर्म को आधुनिक पूँजीवाद के विकास के पक्ष में माना है-
(a) मात्र यही कारण है
(b) इसमें कोई भूमिका नहीं
(c) महत्वपूर्ण कारणों में से एक है।
(d) कोई कारण नहीं है।

उत्तर (c)–बेबर आधुनिक पूंजीवाद का आधार विवेकीकरण और अधिकारी तंत्र को मानते हैं। पूँजीवाद एक ऐसी व्यवस्था है जिसका उद्देश्य मुनाफा प्राप्त करना है। यह मुनाफाखोरी बाजार से सम्बन्धित होती है।

4. प्रारम्भिक व्यवहारवादी प्रायः समाज और सजीव वस्तुओं यथा मानवीय शरीर में एकरूपता बतलाते थे। इसे क्या कहा जाता है?
(a) सजीव एकरूपता (b) सजीव समता
(c) सजीव विश्लेषण (d) जीव

उत्तर (a) –उन्नीसवीं शताब्दी में उद्विकासवाद जैविकीय उपमा पर आधारित एक प्रमुख विचारधारा थी, किन्तु इसकी प्रकृति डार्विन के निर्धारणवादी सिद्धाँत से भिन्न थी। डार्विन के उद्विकास के सामान्य सिद्धाँत के अनुसार यह माना जाता है। वैसे समाजशास्त्र और मानवशास्त्र में उद्विकासीय सिद्धाँत की शुरूआत हर्बर्ट स्पेन्सर के लेखनों से हुई किन्तु बाद में दुर्खीम और पारसंस जैसे भिन्न प्रकार के लेखकों द्वारा भी इस सिद्धाँत को किसी न किसी रूप में स्वीकार कर लिया गया।

5. समाजशास्त्र के संस्थापकों में से कइयों का विश्वास था कि प्राकृतिक विज्ञानों की भाँति उन्हीं सिद्धांतों और ढंगों पर समाज विज्ञान को बनाना सम्भव होगा। इस गमन-मार्ग को क्या कहते हैं?
(a) प्रत्यक्षवाद
(b) विकासवाद
(c) व्यवहारवाद
(d) घटना-क्रिया-विज्ञान (फिनोमिनोलॉजी)

उत्तर (a) – प्रत्यक्षवाद समाजशास्त्र को प्राकृतिक विज्ञानों के आधार पर निर्मित करता है। जिस प्रकार प्राकृतिक घटनाएँ कुछ नियमों पर आधारित होती हैं, उसी प्रकार प्रकृति के अंग के रूप में सामाजिक घटनाएँ भी कुछ निश्चित नियमों के अनुसार घटित होती हैं। इसका अध्ययन यथार्थ रूप से सम्भव है। अतः प्रत्यक्षवादी प्रणाली (निरीक्षण, परीक्षण, प्रयोग एवं वर्गीकरण) के आधार पर किए गए अध्ययन और उसके द्वारा प्राप्त निष्कर्ष वैज्ञानिक तथा विश्वसनीय होते हैं।

6. आदर्श प्रकार है-
(a) आनुभाविक यथार्थ के विश्लेषण में प्रयुक्त किए जाने वाले उपकरण
(b) समाजों की विकास स्कीम को जानने के लिए प्रयुक्त किए जाने वाले उपकरण
(c) अतीत के समाजों का अध्ययन करने में प्रयुक्त किए जाने वाले उपकरण
(d) उपकरण नहीं परन्तु वास्तव में अस्तित्व समाजों के उदाहरण

उत्तर (a) – किसी घटना, वस्तु अथवा वर्ग-विशेष की समस्त आवश्यक विशेषताओं का सम्पूर्ण अथवा लगभग सम्पूर्ण रूप में चित्रण करने की विधि आदर्श-प्रारूप के नाम से जानी जाती है।

निर्देश (7-8): प्रश्नों में दिए गए अभिकथन (A) व तर्क (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्न कूट से सही उत्तर दीजिए ।

कूट:
(a) A और R दोनों सही हैं और A का R सही स्पष्टीकरण है
(b) A और R दोनों सही हैं परन्तु A का R से स्पष्टीकरण नहीं होता है।
(c) A सही है, परन्तु R गलत है।
(d) A गलत है, परन्तु R सही है।

7. अभिकथन (A)- कई उप-मानव प्रजातियों में सामाजिक जीवन की व्यवस्थित पद्धति होती है।
तर्क (R)-उप-मानव सामाजिक जीवन प्रवृत्ति पर आधारित होता है, सामाजिक संज्ञान पर नहीं।

उत्तर (a) – उप-मानव सामाजिक जीवन प्रवृत्ति पर आधारित होता है ना कि सामाजिक संज्ञान पर, इसलिए कई उपमानव प्रजातियों में सामाजिक जीवन की व्यवस्थित पद्धति होती है।
अतः अभिकथन A और R सही है और यह एक सटीक व्याख्या है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

8. **अभिकथन (A) -** संस्कृति व्यवहार का एक सिस्टम है जिसके सहयोगी समाज के सभी सदस्य होते हैं।
तर्क (R)-एक समाज ऐसे लोगों का समूह है जो सांझी संस्कृति के सहभागी होते हैं।

उत्तर (a)–एक समाज ऐसे लोगों का समूह है जो सांझी संस्कृति के सहभागी होते हैं। इसलिए संस्कृति व्यवहार का एक सिस्टम है जिसके सहयोगी समाज के सभी सदस्य होते हैं। अतः अभिकथन (A) तथा तर्क (R) दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।

9. **एक समाजशास्त्री की मूलतः रूचि इसमें होती है कि-**
(a) व्यक्ति एक-दूसरे को किस प्रकार से प्रभावित करते हैं
(b) कोई भी वस्तु जो व्याकरणात्मक मानवीय व्यवहार से सम्बद्ध है
(c) एक व्यक्ति, क्योंकि वह सप्रमाण समझता है, कि एक व्यक्ति ही समाज को बनाता है
(d) मानव-व्यवहार और अन्य पशुओं के व्यवहार में समानता

उत्तर (a) – समाजशास्त्रीय की मूलतः रूचि होती है कि व्यक्ति एक दूसरे को किस प्रकार से प्रभावित करते हैं।

10. **दुर्खीम के अनुसार-**
(a) एनॉमी आधुनिक सामाजिक आर्थिक व्यवस्था में सामाजिक क्रियाकलापों की अस्त-व्यस्तता की पुरानी अवस्था है
(b) एनॉमी आधुनिक सामाजिक आर्थिक व्यवस्था में आर्थिक उतार-चढ़ाव के समय उत्पन्न होती है
(c) एनॉमी आधुनिक सामाजिक आर्थिक व्यवस्था में राजनीतिक उतार-चढ़ावों के समय उत्पन्न होती है
(d) एनॉमी आधुनिक सामाजिक आर्थिक व्यवस्था में नहीं उत्पन्न होती है

उत्तर (a) – दुर्खीम के अनुसार, एनॉमी आधुनिक सामाजिक आर्थिक व्यवस्था में सामाजिक क्रियाकलापों की अस्त-व्यस्तता की पुरानी अवस्था है। औद्योगिक समाजों में एनॉमी (Anomie) के कारण तीव्र सामाजिक परिवर्तन से समाज में प्रतिमानहीनता (Normlessness) उत्पन्न होने से सामाजिक व्यवस्था एवं संगठन अस्त-व्यस्त हो जाता है और श्रमविभाजन के विशेषीकरण से व्यक्तिवाद एवं आत्मकेन्द्रवाद तीव्र होता है तथा सामाजिक मानदण्डों एवं मूल्यों को तोड़ा जाता है।

11. **कुछ स्थितियों में, धार्मिक धारणाएँ, आर्थिक व्यवहार पर वृहद प्रभाव डाल सकती हैं, पूँजीवाद के विकास के अपने अध्ययन में उपर्युक्त विचार का उपयोग किसने किया है?**
(a) दुर्खीम (b) मार्क्स
(c) मैलिनोवस्की (d) वेबर

उत्तर (d) – मैक्स वेबर ने 'दी प्रोटेस्टेन्ट एथिक एण्ड दी स्पिरिट ऑफ कैपिटलिज्म' में धार्मिक धारणा का आर्थिक व्यवहार से सम्बन्ध स्थापित किया है। उन्होंने यूरोप के पूँजीवाद के पीछे 'प्रोटेस्टेन्ट नैतिकता' को एक प्रमुख कारण माना है।

12. **मर्टन ने लिखा है कि किस प्रकार साम्यवाद जैसी राजनीतिक विचारधारा साम्यवादी समाज में धर्म को निम्नलिखित प्रदान कर सकती है-**
(a) दुष्क्रिया (b) प्रकार्यात्मक विकल्प
(c) प्रकार्यात्मक एकता (d) प्रकार्यात्मक पूर्वपेक्षा

उत्तर (a)–मर्टन के अनुसार, साम्यवाद जैसी राजनीतिक विचारधारा साम्यवादी समाज में धर्म को दुष्क्रिया प्रदान कर सकती है। दुष्क्रिया वह सामाजिक क्रिया है जो बाल्यावस्था में अनुकूलन न करके विघटन के लिए उत्तरदायी होती है।

13. **एक अच्छे प्रतिदर्श (सैम्पल) की अति आवश्यक विशेषता क्या है?**
(a) लघु आकार (b) प्रतिनिधिकता
(c) आसान से अभिगम्य (d) पढ़ने में सुगम

उत्तर (b) – प्रतिनिधिकता वह भाग है जो एक सांख्यिकी प्रतिदर्श सम्पूर्ण समूह का प्रतिनिधिक भाग है। यह समूह जनसंख्या समग्र अथवा प्रतिस्रोत के नाम से जाना जाता है।

14. **''सजातीयता (समरूपता) और सजातीयता के बोध के बिना इकट्ठा होने की पारस्परिक पहचान नहीं हो सकती है और इसलिए कोई समाज नहीं हो सकता है'', यह किसका विचार है?**
(a) मैकाइवर (b) दुर्खीम
(c) वेबर (d) ऑगबर्न

उत्तर (a) – मैकाइवर का विचार है कि, ''सजातीयता (समरूपता) और सजातीयता के बोध के बिना इकट्ठा होने की पारस्परिक पहचान नहीं हो सकती है और इसलिए कोई समाज नहीं हो सकता है।''

15. **साक्षात्कार को आँकड़े संग्रह की सफल पद्धति बनाने के लिए सर्वाधिक अनिवार्य कदम है-**
(a) साक्षात्कार अनुसूची का उपयोग
(b) घनिष्ठता स्थापित करना
(c) साक्षात्कार से पहले गौण (अथवा द्वितीयक) जानकारी प्राप्त करना
(d) शोध डिजाइन तैयार करना

उत्तर (a) – क्रमबद्ध प्रश्नों की एक तालिका जिसका प्रयोग प्रत्यक्ष साक्षात्कार की स्थिति में शोध-सूचनाएँ एकत्रित करने के लिए किया जाता है। साक्षात्कार अनुसूची कहलाती है।
स्रोत- उच्चतर - समाजशास्त्रीय विश्वकोष- हरिकृष्ण रावत

16. **निम्न विषयों का विज्ञान सोपानतंत्र के अनुसार सही क्रम की पहचान कीजिए-**
I. समाजशास्त्र, जीव विज्ञान, खगोल विज्ञान, भौतिक विज्ञान
II. जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, समाजशास्त्र, खगोल विज्ञान
III. भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, खगोल विज्ञान, समाजशास्त्र
IV. खगोल विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, समाजशास्त्र
(a) I और II सही हैं (b) III और IV सही हैं
(c) केवल IV सही है (d) केवल II सही है

उत्तर (c) –ऑगस्त कॉम्ट समाजशास्त्र के जनक माने जाते हैं। इन्होंने विज्ञानों के संस्तरण में विज्ञानों का सोपानतंत्र निम्न प्रकार प्रतिपादित किया-गणित, खगोलशास्त्र, भौतिकी, रसायनशास्त्र, जीव विज्ञान, समाजशास्त्र।

17. **जनसंख्या का पिरामिड निम्नलिखित में से किसका चित्रात्मक प्रतिनिधित्व करता है?**
(a) प्रजनन शक्ति एवं बहुजननता
(b) किसी प्रदत्त समय पर आयु लिंग वितरण
(c) मृत्यु दर एवं रूग्णता दर
(d) प्रजनन शक्ति एवं मृत्यु दर

उत्तर (b)–किसी देश की जनसंख्या की आयु संरचना को हिस्टोग्राम द्वारा प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को आयु जन यौन पिरामिड कहते हैं।
उच्चतर समाजशास्त्र विश्वकोष- हरिकृष्ण रावत

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

18. निम्नलिखित समाज विचारकों ने समाजशास्त्र के विकास में योगदान किया है। इन समाज विचारकों को काल क्रमानुसार क्रमबद्ध कीजिए और उत्तर के लिए सही कूट का चयन कीजिए-

I. कार्ल मार्क्स
II. ऑगस्त कॉम्ट
III. टालकॉट पारसन्स
IV. जॉर्ज सिमेल

(a) (I) (II) (III) IV)
(b) (II) (I) (III) (IV)
(c) (III) (II) (I) (IV)
(d) (II) (I) (IV) (III)

उत्तर (d) – जिन समाज विचारकों ने समाजशास्त्र के विकास में योगदान किया, उन समाज विचारकों का काल क्रमानुसार इस प्रकार है-ऑगस्त कॉम्ट (1798-1857 ई.), कार्ल मार्क्स (1818-1883 ई.) जार्ज सिमेल (1858-1918 ई.), टालकॉट पारसंस (1902- 1978 ई.)।

19. समाजशास्त्र के व्यवहारिक स्कूल के विकास में निम्न समाजशास्त्रियों के योगदान के आधार पर उन्हें क्रम दीजिए और उत्तर के सही कूट का चयन कीजिए-

I. ऑगस्ट कॉम्टे
II. हर्बर्ट स्पेंसर
III. ब्रोनिस्ला मैलिनोवस्की
IV. रैडक्लिफ ब्राउन

(a) (I) (III) (II) IV) (b) (I) (II) (IV) (III)
(c) (I) (II) (III) (IV) (d) (I) (IV) (III) (II)

उत्तर (b) – समाजशास्त्र के व्यवहारिक स्कूल के विकास में उपरोक्त प्रश्न में दिये गये समाजशास्त्रियों का कालक्रम इस प्रकार है –
ऑगस्त कॉम्ट-(1798-1857 ई.), हर्बर्ट स्पेंसर (1820-1903)
रेडक्लिफ ब्राउन–(1881–1955 ई.)
तथा ब्रोनिस्ला मैलिनोवस्की (1884-1942 ई.)

20. अभिकथन (A)- दुर्खीम के अनुसार आत्महत्या की दर उच्च औद्योगिक समाज में उच्चतर होती है।
तर्क (R)- औद्योगिक समाजों में उच्च श्रम विभाजन और संघटनात्मक एकता होती है

(a) Aसही है परन्तु R गलत है
(b) Aऔर R दोनों सही है
(c) Aगलत है परंतु R सही है
(d) A और R दोनों गलत हैं

उत्तर (b) – अहंवादी आत्महत्या प्रायः आधुनिक समाजों में पाया जाता है। अहंवादी आत्महत्या प्रायः वे लोग करते हैं जिनका अहं बहुल प्रबल होता है। औद्योगिक समाज में आत्महत्या की दर उच्च होती है तथा यह भी सत्य है कि औद्योगिक समाजों में उच्च श्रम विभाजन और संघटनात्मक एकता होती हैं। अतः A और R दोनों सही हैं।

21. ''सामाजिक संगठन सामान्य इकरारनामा है'' यह कथन किसका है?

(a) हर्बर्ट स्पेंसर (b) ऑगस्ट कॉम्टे
(c) इमाईल दुर्खीम (d) मैक्स वेबर

उत्तर (b) – ऑगस्त कॉम्ट ने संभवतः संगठन की अवधारणा अनौपचारिक रूप से सबसे पहले समाजशास्त्र में प्रयुक्त किया था। इनके अनुसार सामाजिक संगठन एक सामान्य सहमति (Collective Consensus) है।

22. सूची -I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए तथा उत्तर के लिए सही कूट का चयन कीजिए-

सूची-I (परिभाषा)	सूची-II (अवधारणा)
(A) एक इकाई जिसके बारे में सूचना इकट्ठी की जाती है और वह सूचना विश्लेषण का आधार बनती है	1. जनसंख्या
(B) तत्वों का वह कुल जोड़ जिससे सैम्पल का वास्तविक चयन किया जाता है।	2. जनसंख्या अध्ययन
(C) तत्व अथवा तत्वों का सेट जिस पर सैम्पलिंग के किसी पड़ाव पर विचार किया जाता है।	3. तत्व
(D) सैम्पलिंग इकाइयों की वास्तविक सूची जिससे सैम्पल का चयन किया जाता है	4. सैम्पलिंग यूनिट
	5. सैम्पलिंग फ्रेम

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	3	2	4	5
(c)	1	3	2	4
(d)	3	5	4	1

उत्तर (b) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(परिभाषा)	(अवधारणा)
एक इकाई जिसके बारे में सूचना इकट्ठी की जाती है और वह सूचना विश्लेषण का आधार बनती है।	– तत्व
तत्वों का वह कुल जोड़ जिससे सैम्पल का वास्तविक चयन किया जाता है।	– जनसंख्या अध्ययन
तत्व अथवा तत्वों का सेंट जिस पर सैम्पलिंग कि किसी पड़ाव पर विचार किया जाता है।	– सैम्पलिंग यूनिट
सैम्पलिंग इकाइयों की वास्तविक सूची जिससे सैम्पल का चयन किया जाता है।	– सैम्पलिंग फ्रेम

23. सूची -I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए तथा उत्तर के लिए सही कूट का चयन कीजिए-

सूची-I (स्पष्टीकरण)	सूची-II (समाजशास्त्री)
(A) व्यक्तियों अथवा समूहों के अन्तर्व्यवहार की पद्धति	1. सामाजिक समूह
(B) व्यक्तियों के बीच किसी प्रकार का समागम	2. सामाजिक संरचना
(C) व्यक्तियों का इकट्ठा समूह जो व्यवस्थित ढंग से एक दूसरे से वार्तालाप करता है	3. सामाजिक व्यवहार
(D) समाज में समूहों के बीच संरचित असमानताओं का होना	4. सामाजिक निष्कासन
	5. सामाजिक स्तरीकरण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

	A	B	C	D
(a)	2	5	4	3
(b)	1	4	3	2
(c)	2	3	1	5
(d)	1	4	3	5

उत्तर (c) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(स्पष्टीकरण)	**(समाजशास्त्री)**
व्यक्तियों अथवा समूहों के अन्तर्व्यवहार की पद्धति	– सामाजिक संरचना
व्यक्तियों के बीच किसी प्रकार का समागम	– सामाजिक व्यवहार
व्यक्तियों का इकट्ठा समूह जो व्यवस्थित ढंग से एक दूसरे से वार्तालाप करता है।	– सामाजिक समूह
समाज में समूहों के बीच संरचित असमानताओं का होना	– सामाजिक स्तरीकरण

24. सूची -I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए तथा उत्तर के लिए सही कूट का चयन कीजिए-

	सूची-I (आवासीय नियम)	**सूची-II (अवधारणा)**
(A)	एक नव विवाहित दम्पति आवास जो पति के पिता के घर में रहता है	1. मातुलस्थानीय आवास
(B)	एक नव विवाहित दम्पति जो पत्नी की माता के घर में रहता है	2. पत्नी स्थानिक आवास
(C)	एक नव विवाहित दम्पत्ति जो पत्नी अथवा पति के परिवार के साथ रहता है	3. पितृतंत्रात्मक आवास
(D)	एक नव विवाहित दम्पति जो अपने रहने के स्थान का कहीं भी यहाँ तक कि जो उनके परिवारों के मूल स्थानों से भिन्न हो	4. द्विस्थानीय आवास
		5. नवस्थानीय

	A	B	C	D
(a)	3	2	4	5
(b)	3	1	5	4
(c)	2	3	1	4
(d)	1	5	4	2

उत्तर (a) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(आवासीय नियम)	**(अवधारणा)**
एक नव विवाहित दम्पति आवास, जो पति के पिता के घर में रहता है।	– पितृतंत्रात्मक आवास
एक नव विवाहित दम्पति जो पत्नी की माता के घर में रहता है।	– पत्नी स्थानिक आवास
एक नव विवाहित दम्पत्ति जो पत्नी अथवा पति के परिवार के साथ रहता है।	– द्विस्थानीय आवास
एक नव विवाहित दम्पति जो अपने रहने के स्थान का कहीं भी यहाँ तक कि जो उनके परिवारों के मूल स्थानों से भिन्न हो।	– नवस्थानीय

25. सूची -I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए तथा उत्तर के लिए सही कूट का चयन कीजिए-

	सूची-I (धार्मिक लक्षण)	**सूची-II (अवधारणा)**
(A)	पावनता से जुड़े व्यवहार के प्रतिमान	1. अवलौकिकवाद
(B)	सजीव, व्यक्तिकृत आत्माओं अथवा पूर्वजों के भूतों जो आश्रितों में रूचि लेते हैं और मानवीय कार्यों को सक्रियता से प्रभावित करते हैं	2. देवकुल
(C)	देवी-देवताओं में आस्था जो मानवीय कार्यों को प्रभावित करते हैं	3. सर्वात्मवाद
(D)	एक धार्मिक आस्था जो देवी-देवता तंत्र में विश्वास रखती है	4. ईश्वरवाद
		5. कर्मकांड

	A	B	C	D
(a)	5	3	4	2
(b)	5	3	1	2
(c)	1	4	5	3
(d)	4	1	3	2

उत्तर (a) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(धार्मिक लक्षण)	**(अवधारणा)**
पावनता से जुड़े व्यवहार के प्रतिमान	– कर्मकाण्ड
सजीव, व्यक्तिकृत आत्माओं अथवा पूर्वजों के भूतों जो आश्रितों में रूचि लेते हैं और मानवीय कार्यों को सक्रियता से प्रभावित करते हैं	– सर्वात्मवाद
देवी-देवताओं में आस्था जो मानवीय कार्यों को प्रभावित करते है	– ईश्वरवाद
एक धार्मिक आस्था जो देवी-देवता तंत्र में विश्वास रखती है	– देवकुल

26. सूची -I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए तथा उत्तर के लिए सही कूट का चयन कीजिए-

	सूची-I (पूँजीवादी संगठन)	**सूची-II (अवधारणा)**
(A)	कुछेक एकात्मक निगमों का उद्योग एवं बाजार पर दबदबा हो	1. अल्पाधिकार
(B)	एक निगम जो विभिन्न क्षेत्रों की कई फर्मों का नियंत्रण करता हो	2. बहुराष्ट्रीय निगम
(C)	एक निगम जो एक से अधिक देशों में व्यापार करता है	3. सम्पीडिताश्म
(D)	औपचारिक रूप से संरचित व्यापार संगठन जिसमें स्पष्ट सोपान-तंत्र, निश्चित प्रक्रियात्मक नियम और श्रम विभाजन रहता है	4. लेबर यूनियन
		5. निगमी सोपान तंत्र

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

	A	B	C	D
(a)	4	3	1	2
(b)	1	5	4	2
(c)	1	3	2	5
(d)	3	2	4	5

उत्तर (c) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पूँजीवादी संगठन)	**(अवधारणा)**
कुछेक एकात्मक निगमों का उद्योग एवं बाजार पर दबदब हो	– अल्पाधिकार
एक निगम जो विभिन्न क्षेत्रों की कई फर्मों का नियंत्रण करता हो	– सम्पीडिताश्म
एक निगम जो एक से अधिक देशों में व्यापार करता है	– बहुराष्ट्रीय निगम
औपचारिक रूप से संरचित व्यापार संगठन जिसमें स्पष्ट सोपान–तंत्र, निश्चित प्रक्रियात्मक नियम और श्रम विभाजन रहता है।	– निगमी सोपान तंत्र

27. सूची -I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए तथा उत्तर के लिए सही कूट का चयन कीजिए-

सूची-I (सरकार का प्रकार)	**सूची-II (अवधारणा)**
(A) सामाजिक संगठन जो समाज में शारीरिक बल के प्रयोग का एकाधिकार रखने का दावा करते हैं	1. प्रजातंत्र
(B) एक राजनीतिक पद्धति जिसमें प्रतिनिधियों की सरकार मतदाताओं के प्रति जवाबदेही सिविल नियम और सिविल स्वतंत्रता होती है	2. तानाशाही
(C) एक राजनीतिक पद्धति जिसमें अन्तिम अधिकार एक व्यक्ति में निहित रहते हैं	3. राज्य
(D) कुछ चयनित लोगों का राज, अल्पतंत्र का एक रूप	4. कुलीनतंत्र
	5. सरकार

	A	B	C	D
(a)	3	1	2	5
(b)	4	3	1	2
(c)	2	1	3	5
(d)	3	1	2	4

उत्तर (a) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(सरकार का प्रकार)	**(अवधारणा)**
सामाजिक संगठन जो समाज में शारीरिक बल के प्रयोग का एकाधिकार रखने का दावा करते हैं	– राज्य
एक राजनीतिक पद्धति जिसमें प्रतिनिधियों की सरकार मतदाताओं के प्रति जवाबदेही सिविल नियम और सिविल स्वतंत्रता होती है।	– प्रजातंत्र
एक राजनीतिक पद्धति जिसमें अंतिम अधिकार एक व्यक्ति में निहित रहता है।	– तानाशाही
कुछ चयनित लोगों का राज्य, अल्पतंत्र का एकरूप	– सरकार

28. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए तथा उत्तर के लिए सही कूट का चयन कीजिए-

सूची-I (व्याख्या)	**सूची-II (पद)**
(A) वे नियम जो यह स्थापित करते हैं कि कोई भी पात्र नागरिक किसी सरकारी पद के लिए उम्मीदवार हो सकता है और किसी पद को ग्रहण कर सकता है	1. अधिनायक तंत्र
(B) सामाजिक स्वतंत्रता जिससे लोग अपने विचारों और दूसरों को राजनीतिक गतिविधि करने और उन्हें इच्छानुसार मतदान करने की स्वतंत्रता हो	2. जन-स्वतंत्रता
(C) एक आर्थिक पद्धति जिसमें उत्पादन और वितरण के मुख्य माध्यमों पर सरकार का आधिपत्य रहता है	3. सिविल हुकूमत
(D) एक सरकार जिसमें सभी अधिकार एक व्यक्ति में निहित रहते हैं वही मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल का संचालन करती है	4. साम्यवाद
	5. फासिस्टवाद

	A	B	C	D
(a)	5	3	2	1
(b)	2	4	3	5
(c)	3	5	1	4
(d)	3	2	4	1

उत्तर (d) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(व्याख्या)	**(पद)**
वे नियम जो यह स्थापित करते हैं कि कोई भी पात्र नागरिक किसी सरकारी पद के लिए उम्मीदवार हो सकता है और किसी पद को ग्रहण कर सकता है।	– सिविल हुकुमत
सामाजिक स्वतंत्रता जिससे लोग अपने विचारों और दूसरों को राजनीतिक गतिविधि करने और उन्हें इच्छानुसार मतदान करने की स्वतंत्रता हो।	– जन-स्वतंत्रता
एक आर्थिक पद्धति जिसमें उत्पादन और वितरण के मुख्य माध्यमों पर सरकार का आधिपत्य रहता है।	– साम्यवाद

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

एक सरकार जिसमें सभी अधिकार एक व्यक्ति में निहित रहते हैं वही मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल का संचालन करती है।	– अधिनायक तंत्र

29. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए तथा उत्तर के लिए सही कूट का चयन कीजिए-

सूची-I (जनसंख्या प्रक्रिया)	सूची-II (अवधारणा)
(A) आबादी में पैदाइशों की गिनती	1. प्रजननता
(B) 1000 व्यक्तियों के पीछे वर्ष में पैदाइशों की गिनती	2. अशोधित मृत्यु दर
(C) किसी जनसंख्या में बाल प्रजनन योग्य 1000 स्त्रियों के पीछे वार्षिक पैदाइशों की गिनती	3. अशोधित जन्म दर
(D) कुल आबादी में वास्तविक मृत्युओं की आवृत्ति	4. प्रजनन दर
	5. मृत्यु

	A	B	C	D
(a)	1	2	4	5
(b)	2	3	1	4
(c)	1	3	4	5
(d)	5	2	1	3

उत्तर (c) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(जनसंख्या प्रक्रिया)	(अवधारणा)
आबादी में पैदाइशों की गिनती	– प्रजननता
1000 व्यक्तियों के पीछे वर्ष में पैदाइशों की गिनती	– अशोधित जन्मदर
किसी जनसंख्या में बाल प्रजनन योग्य 1000 स्त्रियों के पीछे वार्षिक पैदाइशों की गिनती	– प्रजनन दर
कुल आबादी में वास्तविक मृत्युओं की आवृत्ति	– मृत्यु

निर्देश (30-33) - नीचे दी हुई तालिका को ध्यान से पढ़िए और तालिका के नीचे लिखे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए-

चयनित देशों में आयु और लिंग के आधार पर प्रत्याशित जीवनविधि

निर्धारित आयु पर भावी जीवनकाल

	पुरुष						स्त्री					
देश	0	1	10	20	40	60	0	1	10	20	40	60
वर्मा	40.8	49.8	45.5	36.8	21.1	10.6	43.8	51.6	47.0	38.3	23.7	12.4
कनाड़ा	69.3	69.3	61.2	51.7	33.2	17.0	76.4	76.6	67.9	58.2	39.0	21.4
गोइटमाला	69.3	52.5	51.3	43.2	28.1	14.8	49.7	53.4	52.8	44.6	29.2	14.7
भारत	41.9	48.4	45.2	36.9	22.1	11.8	40.6	46.0	43.8	35.6	22.4	12.9
इजराइल	70.3	71.1	62.5	53.1	34.5	17.4	73.9	74.5	65.9	56.1	36.9	19.2
	पुरुष						स्त्री					
	0	1	10	20	40	60	0	1	10	20	40	60
कीनिया	46.9	52.6	51.0	43.0	28.3	14.5	51.2	56.6	54.1	45.7	30.3	15.7
पोलैण्ड	66.8	68.0	59.4	49.8	31.6	15.5	73.8	74.6	66.0	56.2	37.0	19.3
स्वीडन	72.1	71.9	63.2	53.5	34.7	17.7	77.7	77.3	68.5	58.7	39.4	21.3
सीरिया	54.5	60.7	56.4	47.4	30.5	15.2	58.7	64.1	59.5	50.5	33.3	17.3
अमेरिका	68.7	68.9	60.3	50.8	32.6	16.8	76.5	76.6	67.9	58.1	39.0	21.8

30. भारत में 10 वर्ष की आयु पर स्त्रियों की जीवनावधि क्या है?

(a) 42.5 वर्ष (b) 48.4 वर्ष
(c) 43.8 वर्ष (d) 46.0 वर्ष

उत्तर (c) – भारत में 10 वर्ष की आयु पर स्त्रियों की जीवनविधि 43.8 वर्ष है।

31. किस देश में जन्म के समय पुरूषों की जीवनावधि न्यूनतम है?

(a) भारत (b) बर्मा
(c) कनाडा (d) गोइटमाला

उत्तर (b) – बर्मा देश में जन्म के समय पुरुषों की जीवनावधि न्यूनतम (40.8 वर्ष) है।

32. भारत के लिए जन्म के समय स्त्रियों की प्रत्यशित जीवनावधि क्या होगी?

(a) 41.9 वर्ष (b) 48.4 वर्ष
(c) 40.6 वर्ष (d) 46.0 वर्ष

उत्तर (c) – भारत के लिए जन्म के समय स्त्रियों की प्रत्याशित जीवनावधि 40.6 वर्ष है।

33. किस देश में पुरूषों की जीवनावधि अधिकतम है?

(a) अमेरिका (b) स्वीडन
(c) इजराइल (d) कनाडा

उत्तर (b) – स्वीडन देश में पुरुषों की जीवनावधि अधिकतम (60 + 17.7 = 77.7 वर्ष) है।

34. अभिकथन (A) - भारतीय नगरों और कस्बों में अंतर-धार्मिक तनाव स्थानीय होते हैं।

तर्क (R) - साम्प्रदायिक और संकीर्णता को समाप्त करने के लिए धर्म-निरपेक्षता के दृष्टिकोण का पर्याप्त प्रसार नहीं हुआ।

(a) A और R दोनों सही हैं और A का R सही स्पष्टीकरण है
(b) A और R दोनों सही हैं परन्तु A का R सही स्पष्टीकरण नहीं होता है।
(c) A सही है, परन्तु R गलत है।
(d) A गलत है, परन्तु R सही है

उत्तर (a)–जब कभी सम्प्रदायवाद, साम्प्रदायिकता, तथा सम्प्रदायिक दृष्टिकोण शब्दों का प्रयोग किया जाता है तब इनका अर्थ दो समुदाय में विद्यमान विद्वेष तनाव संदेह अथवा संघर्ष के भाव को व्यक्त करना होता है। इस प्रकार का विद्वेष अथवा तनाव सामान्यतः धर्म भाषा अथवा प्रजाति के तत्वों पर आधारित होता है। भारत के सन्दर्भ में इस शब्द का प्रयोग विशेषतः विभिन्न धार्मिक समुदाय के बीच अलगाव एवं वैमनस्य के भावों को अभिव्यक्त करता है।

35. आवर्तक वितरण के चित्रात्मक निरूपण को क्या कहा जाता है?

(a) आयतचित्र (हिस्टोग्राम) (b) मोनोग्राम
(c) होलोग्राम (d) स्कोलोग्राम

उत्तर (a) – जब आवर्तक, चित्र के माध्यम से प्रदर्शित किया जाता है तो उस तकनीक को आयातित चित्र (Histogram) कहते है। किसी देश की जनसंख्या पिरामिड का चित्रात्मक प्रदर्शन इसका उत्कृष्ट उदाहरण है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

36. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए तथा उत्तर के लिए सही कूट का चयन कीजिए-

सूची-I (वर्णन)	सूची-II (पद)
(a) किसी परिदृश्य की प्रारम्भिक मोटी समझ विकसित करने की चेष्टा	1. वर्णन
(b) अध्ययनाधीन परिदृश्य या किसी समष्टि के लक्षणों का ठीक-ठाक मापन तथा उनकी सूचना देना	2. स्पष्टीकरण
(c) सिद्धान्त से निकली चीजों की प्रकृति के बारे में विशिष्ट अपेक्षाओं का विवरण	3. खोज
(d) अध्ययनाधीन परिदृश्य के भिन्न पहलुओं के बीच संबंध की खोज और सूचना देना	4. परिकल्पना
	5. विश्लेषण की इकाई

	A	B	C	D
(a)	2	5	3	4
(b)	4	3	2	5
(c)	3	1	4	2
(d)	1	4	2	3

उत्तर (b) – **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

(वर्णन)		(पद)
किसी परिदृश्य की प्रारम्भिक मोटी समझ विकसित करने की चेष्टा	-	परिकल्पना
अध्ययनाधीन परिदृश्य या किसी समष्टि के लक्षणों का ठीक-ठाक मापन तथा उनकी सूचना देना	-	खोज
सिद्धान्त से निकली चीजों की प्रकृति के बारे में विशिष्ट अपेक्षाओं का विवरण	-	स्पष्टीकरण
अध्ययनाधीन परिदृश्य के भिन्न पहलुओं के बीच संबंध खोज और सूचना देना	-	विश्लेषण की इकाई

37. निम्नलिखित पुस्तकों को उनके प्रकाशित होने के समय के क्रम में व्यवस्थित कीजिए-

I. द डिवीजन ऑफ लेबर
II. इकोनॉमिक्स एण्ड सोसाइटी
III. प्रिंसीपल ऑफ सोशियोलॉजी
IV. स्टडीज ऑन पोजिटिव फिलॉसफी

(a) (IV) (II) (III) और (I)
(b) (III) (IV) (I) और (II)
(c) (II) (III) (IV) और (I)
(d) (IV) (III) (I) और (II)

उत्तर (d) – पुस्तकों का व्यवस्थित क्रम इस प्रकार है-
स्टडीज ऑन पॉजिटिव फिलॉसफी (1830-42), प्रिंसिपल ऑफ सोशियोलॉजी (1890), द डिवीजन ऑफ लेबर (1893), इकोनॉमी एण्ड सोसायटी (1956)

38. हमारे पास चार क्लासिकीय सिद्धान्तकार हैं जिन्होंने समाजशास्त्र को अत्यधिक प्रभावित किया। समाजशास्त्र में उनके आविर्भाव का सही क्रम पहचानें-

(a) कार्ल मार्क्स, मैक्स वेबर, इमाइल दुर्खीम, ऑगस्ट कॉम्टे
(b) ऑगस्ट कॉम्टे, मैक्स वेबर, कार्ल मार्क्स, इमाइल दुर्खीम
(c) ऑगस्ट कॉम्टे, कार्ल मार्क्स, इमाइल दुर्खीम, मैक्स वेबर
(d) मैक्स वेबर, इमाइल दुर्खीम, ऑगस्ट कॉम्टे, कार्ल मार्क्स

उत्तर (c) – समाजशास्त्र में क्लासिकीय सिद्धान्तकारों के आविर्भाव का सही क्रम इस प्रकार है –
अगस्त काम्टे (1798-1857), कार्ल मार्क्स (1818-1883), इमाइल दुर्खीम (1858-1920) तत्पश्चात मैक्स वेबर-(1864-1920)।

निर्देश (39-42): प्रश्नों में दिए गए अभिकथन (A) व कारण (R) को यानपूर्वक पढ़कर निम्न कूट से सही उत्तर दीजिए।

कूट:
(a) A सही है परन्तु R गलत है
(b) A और R दोनों सही हैं
(c) A गलत है परन्तु R सही है
(d) A और R दोनों गलत हैं

39. अभिकथन (A) - मार्क्स उस युग में रहते थे जब औद्योगिक समाजों में लोगों की भारी संख्या निर्धन थी।
कारण (R) - ग्रामीण निर्धन शहरों में जाने के लिए प्रलोभित हुए। वहाँ नव औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं के कारखानों तथा वर्कशॉप्स में रोजगार उपलब्ध था।

व्याख्या– (b) मार्क्स के समय में यूरोप में हुए क्रान्तिकारी परिवर्तन के फलस्वरूप औद्योगिक क्रान्ति के फलस्वरूप व पूँजीवाद की शुरूआत हुई औद्योगिक क्रान्ति के फलस्वरूप एक बड़ा वर्ग निर्धन का था तथा एक अल्पसंख्यक वर्ग, जिनका उत्पादन के सम्बन्धों पर स्वामित्व था, पूँजीपतियों का था। चूँकि शहरों में रोजगार के अवसर उपलब्ध थे इसलिए ग्रामीण निर्धन शहरों में जाने के लिए प्रलोभित हुए। अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सही है।

40. अभिकथन (A) - कॉम्टे ने 1830 और 1842 के मध्य अपनी मुख्य कृति 'कोर्स द फिलॉसफी पॉजिटिव' लिखी जिसमें उन्होंने समाजशास्त्र शब्द का उपयोग किया।
कारण (R) - 1848 के फरवरी में आंदोलन के तुरन्त बाद, कॉम्टे ने अपनी सोसाइटी पॉजिटिव की स्थापना की जो उसकी शिक्षा का केंद्र बन गई और उस समय के समाजशास्त्रीय मुद्दों को गहन रूप से सीखने के लिए विद्यार्थियों को आकर्षित किया।

उत्तर (b) – अभिकथन A तथा कारण R दोनों सही है।

41. अभिकथन (A) - दुर्खीम मानते हैं कि व्यक्ति मात्र अपने सामाजिक वातावरण का उत्पाद होते हैं।
कारण (R) - दुर्खीम ने विचलन के सामाजिक परिदृश्य के रूप में आत्महत्या का अध्ययन किया और दर्शाया कि यह निश्चित रूप से सामाजिक कारकों द्वारा रूप धारण करती है बजाए सिर्फ व्यक्तिगत मानसिक परेशानियों के द्वारा

उत्तर (b) दुर्खीम की व्याख्या इस तथ्य पर बल देती है कि यह मानव प्राणी ही है जिसने ईश्वर की सृष्टि अपने सामाजिक अस्तित्व को बनाये रखने में की है तथा आत्महत्या की व्याख्या करते हुए दुर्खिम ने कहा कि आत्महत्या जो ऊपरी तौर पर एक व्यक्तिगत तथ्य और मानसिक कारणों का परिणाम नजर आती है, उसका निर्धारण अन्ततः समाज द्वारा होता है। अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सही है।

42. अभिकथन (A) - सभी जाने माने समाजों में धर्म विद्यमान है, यद्यपि धार्मिक विश्वास तथा प्रथाएँ भिन्न संस्कृतियों में भिन्न-भिन्न होती हैं।
कारण (R) - सभी धर्मों में आस्थावानों के समुदाय द्वारा पालन किए जा रहे अनुष्ठानों से जुड़े प्रतीकों का समूह होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b) – दुर्खीम समाजशास्त्र के वास्तविक पिता माने जाते हैं। दुर्खीम ने कहा कि पवित्र वस्तुओं में विश्वास और कर्मकाण्ड ही धर्म है। जब कई प्रकार की वस्तुओं में समन्वयन और अधीनीकरण के सम्बन्ध इस तरह के होते हैं कि उनकी एक जैसी व्यवस्था हो जाती है तो समान विश्वास और कर्मकाण्डों का यह समूह धर्म कहलाता है।

43. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सही सुमेलित है?

(a) समाजशास्त्रीय सिद्धांत का प्रतीकात्मक सरोकार उन अर्थों के साथ है जो लोग अपने खुद के तथा दूसरों के व्यवहार में स्थापित करते है – अंतः क्रिया
(b) सामाजिक प्रक्रिया जो समाज के चलते रहने की प्रक्रिया एवं कायम रहने में योगदान देती है – प्रतिमान
(c) दो अथवा ज्यादा आनुभविक चरों के बीच संबंध के बारे में परीक्षित कथन – परिकल्पना
(d) शोधकर्ताओं की प्रवृत्ति जो उन्हें उस आँकड़े का चयन करने जो कि उनकी परिकल्पना का समर्थन करते हैं और उन आँकड़े जो उसका विरोध करते हैं, की उपेक्षा करने की ओर अग्रसर करती है – वस्तुनिष्ठता

उत्तर (a) – प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद (Symbolic Interactionism) शब्द की रचना हरबर्ट ब्लूमर ने की। उन्होंने विचार व्यक्त किया कि सामाजिक व्यवस्थाएं व्यापक रूप में मात्र अमूर्तीकरण हैं जिनका व्यक्तियों की क्रियाओं से अलग कोई स्वतंत्र व्यक्तित्व नहीं होता जिनके द्वारा उनका निर्माण होता है। समाजशास्त्रीय सिद्धान्त का सरोकार उन अर्थों के साथ है जो लोग अपने खुद के तथा दूसरों के व्यवहार में स्थापित करते हैं।

44. सामाजिक उद्‌विकास' इस पद का उपयोग किसके उद्‌विकास को स्पष्ट करने के लिए किया जाता है?

(a) जीव (b) पशु समाज
(c) पशु तथा मानव (d) मानवीय समाज

उत्तर (d) – स्पेन्सर ने उद्‌विकासीय सिद्धाँत को अपनी पुस्तक 'फर्स्ट प्रिंसिपल में दिया। स्पेंसर के अनुसार उद्‌विकास वह प्रक्रिया है जो सजातीयता से विजातीयता की ओर बढ़ती है। इसे समझने के लिए हम कह सकते हैं कि सजातीयता से विजातीयता की ओर बढ़ना, उद्‌विकास है। उद्‌विकास में निश्चितता, संगतता और सजातीयता होती है।

45. निम्नलिखित में से किसने कहा है कि समाज वैचारिक, तात्विक या (अभौतिक) और सकारात्मक (पॉजिटिव) अवस्थाओं से गुजरता है-

(a) दुर्खीम (b) सेंट साइमन
(c) मैकाइवर (d) कॉम्टे

उत्तर (d) – ऑगस्त कॉम्ट के अनुसार समाज वैचारिक तात्विक (अभौतिक) और सकारात्मक (Positive) अवस्थाओं से गुजरता है।
प्रमुख समाजशास्त्रीय विचारक -एस.एल.दोषी

46. कार्ल मार्क्स सामाजिक परिवर्तन के किस सिद्धान्त से संबंध रखते हैं

(a) चक्रीय सिद्धांत (b) प्रकार्यात्मक सिद्धांत
(c) संघर्ष सिद्धांत (d) विकास मूलक सिद्धांत

उत्तर (c) – कार्ल मार्क्स सामाजिक परिवर्तन के संघर्ष सिद्धान्त से सम्बन्ध रखते हैं। मार्क्स ने ऐतिहासिक द्वन्द्ववाद के माध्यम से समाज के दो वर्गों में विभाजित किया है और इन्हीं दो वर्गों के संघर्ष के फलस्वरूप समाज में परिवर्तन होते है। मार्क्स ने जिन दो वर्गों का उल्लेख किया है उनमें एक शोषित वर्ग तथा दूसरा शोषक वर्ग है।

47. ''संघर्ष समाज की स्थायी विशेषता है अस्थायी घटना नहीं'' यह किसने कहा है?

(a) कार्ल मार्क्स (b) हर्बर्ट स्पेंसर
(c) जॉर्ज सिमेल (d) सी.राइट मिल्स

उत्तर (c) – कार्लमार्क्स की ही तरह जर्मन समाजशास्त्री जार्ज सिमेल भी परिवर्तन में संघर्ष को महत्वपूर्ण मानते हैं। वह कहते हैं- ''संघर्ष समाज की स्थायी विशेषता है अस्थायी घटना नहीं।''

48. इमाइल दुर्खीम के अनुसार धार्मिक धारणाओं की समाज विज्ञान भूमिका यह है कि-

(a) वे व्यक्तियों को आंतरिक तथा बाह्य खतरों का मुकाबला करने में सक्षम बनते हैं
(b) वे व्यक्तियों को धार्मिक अनुष्ठानों तथा औपचारिकताओं को पूरा करने के अवसर प्रदान करते हैं
(c) वे व्यक्तियों को अधिदैविक का अनुभव करने के लिए सक्षम बनाते हैं
(d) वे व्यक्तियों को उनके सामाजिक जीवन में मजबूत कारक प्रदान करते हैं

उत्तर (d)–दुर्खीम के अनुसार धार्मिक अवधारणाओं की समाजविज्ञान भूमिका यह है कि वे व्यक्ति को उनके सामाजिक जीवन में मजबूत कारक प्रदान करते हैं।

49. कुछ स्थितियों के अन्तर्गत, धार्मिक विश्वासों का आर्थिक व्यवहार पर वृहद् प्रभाव पड़ सकता है। किसने पूँजीवाद के विकास के अपने अध्ययन में उपर्युक्त धारणा का उपयोग किया है?

(a) इमाईल दुर्खीम (b) कार्ल मार्क्स
(c) बी. मैलिनोवस्की (d) मैक्स वेबर

उत्तर (d) – मैक्स बेबर के अनुसार कुछ स्थितियों के अन्तर्गत धार्मिक विश्वासों का आर्थिक व्यवहार पर बृहद प्रभाव पड़ सकता है और बताया कैल्विनवाद ही पूँजीवाद को बढ़ावा का प्रमुख प्रेरक स्रोत है।

50. दुर्खीम के अनुसार, सर्वाधिक आदिम प्रकार का धर्म है-

(a) जीववाद (b) मैजिक (जादू या माया)
(c) टोटमवाद (d) प्रकृतिवाद

उत्तर (c) – दुर्खीम की सम्पूर्ण रचनाओं में ''द एलिमेण्ट्री फार्म्स ऑफ द रिलिजियस लाईफ सर्वोत्तम रचना मानी जाती है। ऑस्ट्रेलिया के आदिम समाज की गोत्र तथा टोटम की व्याख्या करने से पहले दुर्खीम ने अपने पुस्तक में विवरण दिया। उन्होंने बताया कि टोटम ही धर्म की उत्पत्ति का आधार है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2011
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्न में से किसने यह कहा है कि एक सामाजिक संस्था सांस्कृतिक प्रणाली का व्यवहारिक समरूप (कॉन्फिगुरेशन) होता है?

(a) किम्बाल यंग (b) मैकाइवर
(c) गिन्सबर्ग (d) गिलिन

उत्तर (a) – किम्बाल यंग के अनुसार एक सामाजिक संस्था सांस्कृतिक प्रणाली का व्यवहारिक समस्या (Configration) होता है। जिसके द्वारा मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति होती है।

2. व्यवहार की वह भिन्नता जो किसी प्रकार की शारीरिक हानि अथवा नुकसान नहीं पहुँचाती, को क्या कहा जाता है?

(a) सूक्ष्म भिन्नता (b) सामाजिक भिन्नता
(c) भद्र भिन्नता (d) कठोर भिन्नता

उत्तर (b) – मैक्स वेबर के अनुसार, सामाजिक व्यवहार दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच पाये जाने वाले अर्थपूर्ण सम्पर्क को कहा जाता है। व्यक्ति अपने मानवीय एवं वैयक्तिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सम्पर्क स्थापित करता है तथा अन्तः क्रिया करता है। व्यवहार की वह भिन्नता जो किसी प्रकार की शारीरिक हानि अथवा नुकसान नहीं पहुँचाती है, सामाजिक भिन्नता कहलाता है।

3. आत्मार्थक भूमिका ग्रहण (रिफ्लैक्सिव रोल-टेकिंग) की अवधारणा किसने दी है?

(a) आर. के. मर्टन (b) आर. लिंटन
(c) सी. एच. कूले (d) जी. एच. मीड

उत्तर (d) – अमेरिका के शिकांगों में वैचारिक परम्परा के एक अग्रणी दार्शनिक और अन्तर्क्रियावादी जी. एच. मीड को समाजशास्त्र के क्षेत्र में एक नवीन परम्परा की आधारशिला रखने का गौरव प्राप्त हैं। मीड द्वारा प्रतिपादित अवधारणा 'प्रतिक्रियात्मक भूमिका' हैं इसके अनुसार जब व्यक्ति परिस्थिति अनुसार अपनी भूमिका बदल लेता है तब उसे 'आत्मार्थक भूमिका ग्रहण करना' कहा जाता है।

4. टॉनीज के अनुसार पड़ोस किस प्रकार में आता है?

(a) समुदाय (b) प्राथमिक समूह
(c) सामाजिक समूह (d) गौण समूह

उत्तर (a) – जर्मन समाजशास्त्री फर्डिनेण्ड टानीज 'जर्मन समाजशास्त्रीय परिषद' के संस्थापक पिता माने जाते हैं। गैमिनशैफ्ट जर्मन भाषा का एक शब्द है जिसका प्रयोग समाजशास्त्र में समुदाय के अर्थ में किया गया है। इस अवधारणा की रचना सन् 1887 में एफ. टानीज ने अपनी रचना 'गैमिनशाफ्ट एण्ड गैसेलशैफ्ट' में की। टानीज के अनुसार पड़ोस समुदाय के अन्दर आता है।

5. मॉर्गन का नाम किससे सम्बद्ध है?

(a) पितृ सिद्धान्त
(b) मातृ सिद्धान्त
(c) आदिम स्वैरिता (प्रिमिटिव प्रोमिसक्यूटी)
(d) विस्तृत परिवार

उत्तर (c) – लेविस हेनरी मॉर्गन की गणना मानवशास्त्र में प्रारम्भिक मानवशास्त्रियों में की जाती है। मॉर्गन को अमेरिकी सांस्कृतिक मानवशास्त्र का पिता माना जाता है। मॉर्गन का नाम आदिम स्वैरिता से सम्बन्धित है। मॉर्गन के मतानुसार 'सिब' ही आदिम समाजों में एकमात्र समूह था जिसमें यौन साम्यवाद। यौन स्वतंत्रता का प्रचलन था। इस सिद्धान्त के अनुसार, किसी भी स्त्री से कोई भी पुरुष यौन सम्बन्ध बना सकता है।

6. समाजीकरण की प्रक्रिया में चार अवस्थाएँ मौखिक, गुदाजन्य, इडिपस और किशोरावस्था का विभाजन किसकी देन है?

(a) सी. एच. कूले (b) जी. एच. मीड
(c) एम. मीड (d) एस. फ्रायड

उत्तर (d) – मनोविश्लेषणात्मक आन्दोलन के जनक के रूप में विख्यात सिगमंड फ्रायड ने मनोविश्लेषण के जो मूलभूत विचार रखे, वे आज भी इसके विभिन्न रूप-स्वरूप में विद्यमान है। सामाजीकरण की प्रक्रिया में चार अवस्थायें मौखिक, गुदाजन्य, इडिपस और किशोरावस्था का विभाजन एस. फ्रायड की देन है।

7. मार्क्स की छोटे पूँजीपतियों के प्रति सोच है कि वे है-

(a) एकीकृत वर्ग (b) अपने ही भीतर वर्ग
(c) संक्रामी वर्ग (d) अपने आप में वर्ग

उत्तर (c) – उन्नीसवीं सदी के एक स्वतंत्र विचारक और राजनीतिक आंदोलनकारी कार्ल मार्क्स जर्मनी के एक मूर्धन्य सामाजिक सिद्धान्तकार थे। कार्ल मार्क्स का छोटे पूंजीपतियों के प्रति सोच संक्रामी वर्ग है। मार्क्स के अनुसार छोटे पूंजीपति, बड़े पूँजीपति बनने के लिए प्रयासरत है। परिवर्तन की यह स्थिति ही संक्रमण काल की स्थिति है। मार्क्स ने सभी प्रकार के परिवर्तनों का मूल सूत्र द्वन्द्वात्मक प्रणाली को माना है।

8. वेबर का स्तरीकरण का सिद्धान्त मार्क्स के सिद्धान्त से भिन्न है क्योंकि वेबर ने इसमें एक अतिरिक्त संरचनात्मक वर्ग को जोड़ दिया है-

(a) वर्ग (b) सम्पदा
(c) स्थिति (स्टेटस) समूह (d) बौद्धिक समूह

उत्तर (c) – मार्क्स वैज्ञानिक साम्यवाद के जनक थे। वेबर का स्तरीकरण का सिद्धान्त मार्क्स के सिद्धान्त से भिन्न है क्योंकि वेबर ने इसमें एक अतिरिक्त संरचनात्मक वर्ग स्थिति (स्ट्टेस) समूह को जोड़ दिया था।

9. 'थ्योरी ऑफ सोशल स्ट्रक्चर' नामक पुस्तक का लेखक कौन है?

(a) एस.एफ. नाडेल (b) आर. के. मर्टन
(c) टी. पार्सन्स (d) लेवी- स्ट्रास

उत्तर (a) – The theory of social structure (1957) सिंगफ्रायड फ्रेडरिक नाडेल द्वारा लिखित पुस्तक है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

10. पुस्तक 'द मदर्स' का लेखक कौन है?

(a) मार्ग्रेट (b) मार्ग्रेट थैचर
(c) ब्रीफाल्ट (d) किंग्सले डेविस

उत्तर (c) – ब्रीफाल्ट द मदर्स के लेखक है। इन्होंने इस पुस्तक को 1896 में लिखा था

11. "किसी भूमिका के बिना पद नहीं और बिना पद के भूमिका नहीं होती।" यह कथन किसका है?

(a) आर. के. मर्टन (b) एस. एफ. नाडेल
(c) रॉबर्ट पार्क (d) राल्फ लिंटन

उत्तर (d) – "किसी भूमिका के बिना पद नहीं और बिना पद के भूमिका नहीं होती।" यह कथन अमरीकी मानवशास्त्री राल्फ लिंटन का है। लिंटन ने भूमिका के सन्दर्भ में लिखा है कि-भूमिका शब्द का प्रयोग किसी विशेष परिस्थिति से सम्बन्धित सांस्कृतिक प्रतिमानों की सम्पूर्णता को दर्शाने के लिए किया जाता है। इस प्रकार हम भूमिका के अन्तर्गत उन प्रवृत्तियों, मूल्यों और व्यवहारों को शामिल करते हैं जो किसी विशिष्ट परिस्थितियों से सम्बन्धित व्यक्तियों को समाज द्वारा प्राप्त होता है।

12. स्तरीकरण के व्यावहारिक विश्लेषण का सिद्धांत किसने दिया?

(a) के. डेविस (b) जे. पार्सन्स
(c) ई. दुर्खीम (d) एम. वेबर

उत्तर (a) – स्तरीकरण के व्यावहारिक विश्लेषण का सिद्धांत के. डेविस ने दिया है। इन्होंने अपनी पुस्तक "सम प्रिंसिपल ऑफ सोशल स्ट्रैटिफिकेशन" में स्तरीकरण के प्रकार्यात्मक सिद्धान्त का विश्लेषण किया है।

13. प्रत्येक स्तर पर मामलों (केसेस) को उसी अनुपात से लेना चाहिए जिसमें ये विश्व में घटित होते हैं। इसे किस नाम से जाना जाता है?

(a) सरल यादृच्छिक सैम्पलिंग
(b) व्यवस्थित सैम्पलिंग
(c) स्तरीकृत यादृच्छिक सैम्पलिंग
(d) अनुपातिक स्तरीकृत सैम्पलिंग

उत्तर (d) – अनुपातिक स्तरित सैम्पलिंग वह परियोजना है जिसमें शोधकर्ता जीवसंख्या की कुछ साख विशेषता या स्तर को जानकर प्रतिदर्श में व्यक्तियों का चयन भी विशेषता या स्तर के अनुपात में अन्तर करता है।

14. समाज का व्यवस्थित अध्ययन करने वाला सर्वप्रथम पश्चिमी विद्वान कौन था?

(a) प्लेटो (b) सुकरात
(c) थॉमस (d) कॉम्टे

उत्तर (d) – समाज का व्यवस्थित अध्ययन करने वाला सर्वप्रथम पश्चिमी विद्वान अगस्ट काम्ट था। काम्ट के अनुसार प्राकृतिक विज्ञानों की भाँति समाजशास्त्र को भी समाज की मूलभूत नियमों की खोज के लिए आनुभाविक विधियों का प्रयोग करना चाहिए ताकि मानवीय दशाओं में सुधार को महती भूमिका अदा करने से समाजशास्त्र द्वारा मानवता का बड़ा भला होगा।

15. समुदायों में परिवर्तन आते हैं, क्योंकि-

(a) समाज गतिशील है
(b) समाज क्रान्तिकारी है
(c) समाज परिवर्तन को पसन्द करता है
(d) समाज स्थिर है

उत्तर (a) – समुदायों में परिवर्तन आते है क्योंकि समाज गतिशील है। समाज में समंजस और पुर्नसमंजन होता रहता है। सामाजिक संरचना में सदैव परिवर्तन होता रहता है जिससे इसके विभिन्न अंगों में समंजन की आवश्यकता पड़ती रहती है।

16. किसी अनुसन्धान के निर्णयों को दोहराने की योग्यता को क्या कहते हैं?

(a) वैधता (b) विश्वसनीयता
(c) चमत्कारिता (d) जवाबदेही

उत्तर (b) – किसी अनुसंधान के निर्णयों को दोहराने की योग्यता को विश्वसनीयता (Reliability) कहते हैं।

निर्देश (17-20) - निम्न तालिका को देखिए और तत्पश्चात् निम्न प्रश्नों का उत्तर दीजिए-

(आयु और लिंग आधारित चयनित)
प्रदत्त उम्र पर भावी औसत आयु. वर्षों में

	प्रदत्त उम्र पर भावी औसत आयु वर्षों में					
देश	पुरुष					
	0	1	10	20	40	60
बर्मा	40.8	49.8	45.5	36.8	21.1	10.6
कनाडा	63.3	69.3	61.2	51.7	33.2	17.0
गोइटमाला	69.3	52.5	51.3	43.2	28.1	14.8
भारत	41.9	48.4	45.2	36.9	22.1	11.8
इजराइल	70.3	71.1	62.5	53.1	34.5	17.4
कीनिया	46.9	52.6	51.0	43.0	28.3	14.5
पोलैण्ड	66.8	68.0	59.4	49.8	31.6	15.5
स्वीडन	72.1	71.9	63.2	53.5	34.7	17.7
सीरिया	54.5	60.7	56.4	47.4	30.5	15.2
अमेरिका	68.7	68.9	60.3	50.8	32.6	16.8
	प्रदत्त उम्र पर भावी औसत आयु वर्षों में					
देश	स्त्री					
	0	1	10	20	40	60
बर्मा	43.8	51.6	47.0	38.3	23.7	12.4
कनाडा	76.4	76.6	67.9	58.2	39.0	21.4
गोइटमाला	49.7	53.4	52.8	44.6	29.2	14.7
भारत	40.6	46.0	43.8	35.6	22.4	12.9
इजराइल	73.9	74.5	65.9	56.1	36.9	19.2
कीनिया	51.2	56.6	54.1	45.7	30.3	15.7
पोलैण्ड	73.8	74.6	66.0	56.2	37.0	19.3
स्वीडन	77.7	77.3	68.5	58.7	39.4	21.3
सीरिथ	58.7	64.1	59.5	50.5	33.3	17.3
अमेरिका	76.5	76.6	67.9	58.1	38.0	21.8

17. भारत में जन्में पुरूषों की प्रत्याशित जीवनावधि कितनी है?

(a) 41.9 वर्ष (b) 48.4 वर्ष
(c) 40.6 वर्ष (d) 46.0 वर्ष

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (a) – भारत में जन्में पुरूषों की प्रत्याशित जीवनविधि 41.9 वर्ष है।

18. किस देश में स्त्रियों की प्रत्याशित जीवनावधि अधिकतम है?

(a) अमेरिका (b) स्वीडन
(c) इजराइल (d) कनाडा

उत्तर (b) – स्वीडन में स्त्रियों की प्रत्याशित जीवनावधि अधिकतम (77.7 वर्ष) है।

19. किस देश में स्त्रियों की प्रत्याशित जीवनावधि न्यूनतम है?

(a) म्यांमार (b) ग्वाटेमाला
(c) भारत (d) सीरिया

उत्तर (c) – भारत में स्त्रियों की प्रत्याशित जीवनावधि न्यूनतम है जो 40.6 वर्ष है।

20. 20 वर्ष की आयु की स्त्री की न्यूनतम प्रत्याशित जीवनावधि क्या है?

(a) 38.3 (b) 36.8
(c) 35.6 (d) 36.9

उत्तर (c) – 20 वर्ष की आयु की स्त्री की न्यूनतम प्रत्याशित जीवनावधि भारत में है जो 35.6 वर्ष है।

21. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए और उत्तर के लिए सही कूट का चयन कीजिए

सूची-I	सूची-II
(A) सामाजिक अनुसन्धान के लिए जिसमें सामाजिक संवृत्ति का किसी एकल घटना के गहन अध्ययन की सामग्री का प्रयोग हो	1. प्रश्नावली
(B) किसी विषय/व्यक्ति संबंधी निर्मित प्रश्नावली जिसे साक्षात्कार उत्तरदाता से पूछता है	2. व्यक्तिगत अध्ययन
(C) किसी उत्तरदाता द्वारा भरकर लौटाई गयी प्रश्नावली जिसका प्रयोग सामाजिक अनुसन्धान के लिए सामग्री जुटाने हेतु	3. साक्षात्कार
(D) वह गुणवत्ता जो किसी प्रस्तावना को दी जाती है कि वह किस सीमा तक स्थापित ज्ञान अथवा सत्य के अनुसार है	4. वैध्यता
	5. विश्वसनीयता

	A	B	C	D
(a)	2	1	3	4
(b)	3	4	5	1
(c)	5	3	1	2
(d)	2	3	1	4

उत्तर (d) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

सामाजिक अनुसन्धान के लिए जिसमें सामाजिक संवृत्ति का किसी एकल घटना के गहन अध्ययन की सामग्री का प्रयोग हो	–	व्यक्तिगत अध्ययन
किसी विषय/व्यक्ति संबंधी निर्मित प्रश्नावली जिसे साक्षात्कार उत्तरदाता से पूछता है	–	साक्षात्कार
किसी उत्तरदाता द्वारा भरकर लौटाई गयी प्रश्नावली जिसका प्रयोग सामाजिक अनुसन्धान के लिए सामग्री जुटाने हेतु	–	प्रश्नावली
वह गुणवत्ता जो किसी प्रस्तावना को दी जाती है कि वह किस सीमा तक स्थापित ज्ञान अथवा सत्य के अनुसार है	–	वैधता

22. अभिकथन (A) - रिश्तों में संकट वह है जिसमें एक पक्ष दूसरे पक्ष की हानि से लाभान्वित होता है।
तर्क (R) - यह संकट अधिकार जताने अथवा जुटाने के प्रयत्नों से सम्बद्ध होता है।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और A , R की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सत्य हैं, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं होता है।
(c) A सत्य है, परन्तु R असत्य है।
(d) A असत्य है, परन्तु R सत्य है।

उत्तर (a) – रिश्तों में संकट की स्थिति वह दशा है जिसमें रिश्तों की गरमाहट समाप्त हो जाती है अर्थात मूल्यों और प्रतिमानों का समंजन न होना। इसका प्रमुख कारण पश्चिमी संस्कृति का अन्धानुकरण ही है। रिश्तो को बनाना आसान है लेकिन सहेजना सबसे बड़ी पूँजी है। जीवन निरन्तर समंजन एवं पुनः समंजन की प्रक्रिया है। रिश्तों की दुनिया में सामाजिक संरचना में सदैव परिवर्तन होता रहता है जिससे इसके विभिन्न अंगो में समंजन की आवश्यकता पड़ती है। अगर इन प्रक्रियाओं में विघटन होता है तो रिश्तों में संकट आता है। परिवारिक विघटन के कई कारण है। जैसे- यौन-संबंधों की असंतुष्टि, सामाजिक मूल्यों की विभिन्नता, सामाजिक संरचना में परिवर्तन, मोबाइल कल्चर का व्यक्तिगत जीवन में प्रवेश भी प्रमुख कारण है।

23. हमारे यहाँ चार समाजशास्त्री हैं जिन्होंने संकट-सिद्धांत में योगदान डाला है। समाजशास्त्र में उनके प्रवेश का क्रमानुसार सही चयन कीजिए-

(a) कार्ल मार्क्स, राल्फ डेहरेण्डॉर्फ, लेविस कोजर, सी राइट मिल्स
(b) कार्ल मार्क्स, लेविस कोजर, सी राइट मिल्स, राल्फ डेहरेण्डॉर्फ
(c) लेविस कोजर, कार्ल मार्क्स, राल्फ डेहरेण्डॉर्फ, सी. राइट मिल्स
(d) लेविस कोजर, सी राइट मिल्स, कार्ल मार्क्स, राल्फ डेहरेण्डॉर्फ

उत्तर (b) – वे चार समाजशास्त्री जिन्होंने संकट सिद्धान्त में योगदान दिया है, समाजशास्त्र में उनके प्रवेश का क्रम इस प्रकार है-
कार्ल मार्क्स 1818, लेविस कोजर-1913, सी राइट मिल्स-1916, राल्फ डेह्रेंडार्फ-1928

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

24. नीचे चार प्रारम्भिक समाज विचारक की सूची दी जा रही हैं समाजशास्त्र, समाज-मानव विज्ञान में उनके प्रवेश के क्रमानुसार सही चयन कीजिए-

(a) एस. एफ. नाडेल, रैडक्लिफ ब्राउन, क्लांडे लेवी-स्ट्रास, ब्रोनिस्ला मैलिनोवस्की
(b) रैडक्लिफ ब्राउन, ब्रोनिस्ला मैलिनोवस्की, एस. एफ. नाडेल, क्लांडे लेवी-स्ट्रास
(c) क्लांडे लेवी-स्ट्रास, रैडक्लिफ ब्राउन, ब्रोनिस्ला मैलिनोवस्की, एस.एफ. नाडेल
(d) ब्रोनिस्ला मैलिनोवस्की, क्लांडे लेवी-स्ट्रास, रेडक्लिफ ब्राउन, एस.एफ. नाडेल-

उत्तर (b) – समाज मानव-विज्ञान में प्रारम्भिक समाज विचारक के क्रमानुसार प्रवेश इस प्रकार है-
रैडक्लिफ ब्राउन-1851, ब्रोनिस्ला मैलिनोवस्की-1884
एस. एफ. नाडेल-1903, क्लांडे लेवी स्ट्रास-1908

25. समाज स्तरीकरण आधारित है-

(i) शक्ति
(ii) सम्पत्ति
(iii) स्थिति
(iv) सत्ता

(a) (i),(ii) और (iii) (b) (i),(ii),(iii) और (iv)
(c) (ii),(iii) और (iv) (d) (i), (iii) और (iv)

उत्तर (b) – वेबर के अनुसार समाज में असमानता त्रिआयामी होता है सामाजिक स्तरीकरण शक्ति, संपत्ति और सत्ता पर आधरित होता है।
जिसबर्ट के अनुसार, "सामाजिक स्तरीकरण समाज का उन स्थायी समूहों तथा श्रेणियों में विभाजन है जो परस्पर श्रेष्ठता एवं अधीनता के सम्बन्धों द्वारा सम्बद्ध होते हैं।

26. निम्न में से कौन-सी प्रक्रिया है जिस माध्यम से किसी संगठन के घटकों में एकजुटता आती है जिससे संगठन एक होता है?

(a) सामाजिक संगठन (b) सामाजिक संश्लेषण
(c) सामाजिक संकट (d) सामाजिक संस्था

उत्तर (a) – कूले ने सामाजिक अन्तःक्रिया के आवश्यक तत्वों के रूप में सहभागी क्रियाओं तथा उनके बोध को सामाजिक संगठन का नाम दिया है। सारांश में सामाजिक संगठन एक ऐसी दशा या स्थिति है। जिसमें किसी समाज के विभिन्न अंग या भाग अर्थात संस्थाएँ, समूह तथा समितियाँ आदि अपनी स्वीकृत एवं निर्धारित भूमिकाओं के अनुसार अनवरत कार्य कर रही है।

27. ...... किसी व्यक्ति की वैयक्तिक समझ है कि वह किसी विशेष भूमिका को कैसे निभाए, अर्थात् अन्य लोगों की उससे क्या अपेक्षा है कि वह कैसे कार्य करे।

(a) भूमिका प्रत्याशा (b) भूमिका अभिग्रहण
(c) भूमिका कोष (d) भूमिका का निभाना

उत्तर (a) – किसी विशिष्ट भूमिका के सम्बन्ध में समाज द्वारा अपेक्षित एवं इच्छित व्यवहारों अथवा प्रत्युत्तरों के सम्पूर्ण पुंज को भूमिका-प्रत्याशा कहते हैं। भूमिका- प्रत्याशा की अवधारणा मैक्डूगल ने प्रतिपादित की थी। भूमिका-प्रत्याशा में किसी कार्य के सम्पादन के सम्बन्ध में की गई अपेक्षाएँ तथा दूसरों की अपेक्षाएँ दोनों ही सम्मिलित हो सकती है।

28. सूची -I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए और प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I (कथन)	सूची-II (अवधारणाएँ)
(A) भविष्यवाणी अथवा प्रत्याशा वह है जिसका अस्तित्व इसकी पूर्ति के लिए अवस्थाओं को निर्मित करता है	1. सम-समूह
(B) एक पारिभाषिक शब्द जो उस प्रक्रिया के निर्माण को वर्णित करने के लिए किया गया जिससे स्व अवधारणा बनती है	2. स्व दर्पण (लुकिंग ग्लास सेल्फ)
(C) एक प्रारम्भिक समूह जिसमें सामाजिक दृष्टि से सभी समान हैं एक ही आयु और समान लिंग के हैं	3. स्व पूर्ति देववाणी
(D) वह प्रक्रिया जिससे वयस्क नई स्थितियों और भूमिकाओं के बारे में सीखते हैं	4. वयस्क समाजीकरण
	5. प्रारम्भिक समाजीकरण

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	5
(b)	3	1	2	4
(c)	3	2	1	4
(d)	5	4	3	2

उत्तर (c) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(कथन)		(अवधारणाएँ)
भविष्यवाणी अथवा प्रत्याशा वह है जिसका अस्तित्व इसकी पूर्ति के लिए अवस्थाओं को निर्मित करता है	–	स्व पूर्ति देववाणी
एक पारिभाषिक शब्द जो उस प्रक्रिया के निर्माण को वर्णित करने के लिए किया गया जिससे स्व अवधारणा बनती है	–	स्व दर्पण
एक प्रारम्भिक समूह जिसमें सामाजिक दृष्टि से सभी समान हैं एक ही आयु और समान लिंग के है	–	सम–समूह
वह प्रक्रिया जिससे वयस्क नई स्थितियों और भूमिकाओं के बारे में सीखते हैं	–	वयस्क समाजीकरण

29. सूची -I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए और प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I (अवधारणा)	सूची-II (समाजशास्त्री)
(A) सामाजिक नियन्त्रण का अंतर-करणीयन	1. टी. पारसन्स
(B) शक्ति अशोष्ठव नियंत्रण के रूप में	2. आर.के. मर्टन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) अग्रिम समाजीकरण — 3. बी.मैलिनोवस्की
(D) व्यवहारिक ढंग और विकासवाद — 4. जी.एच. मीड
5. लेविस कोजर

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	5	3	1
(c)	4	5	2	3
(d)	2	1	4	5

उत्तर (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)	(समाजशास्त्री)
सामजिक नियंत्रण का अंतरकरणीय -	आर. के. मर्टन
शक्ति अशोष्ठव नियंत्रण के रूप में -	टी. पारसंस
अग्रिम समाजीकरण -	जी. एच. मीड
व्यवहारिक ढंग और विकासवाद -	लेविस कोजर

निर्देश (30-31) : अभिकथन (A) तथा तर्क (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे कूट के आधार पर उत्तर दीजिए तर्क :

(a) A और R दोनों सही हैं और A , R का सही स्पष्टीकरण है
(b) A और R दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही स्पष्टीकरण नहीं हैं
(c) A सत्य है, परन्तु R गलत है।
(d) A असत्य है, परन्तु R सही है।

30. अभिकथन (A)- एक स्थिति, जो उस व्यक्ति से, जो उस स्थिति का धारक है, भिन्न हो जाए कर्तव्यों और अधिकारों का संग्रह है।

तर्क (R) - किसी व्यक्ति और स्थिति का सम्बन्ध वैसा है जो सम्बन्ध किसी गाड़ी के ड्राइवर और उस यंत्र में ड्राइवर के स्थान में है।

उत्तर (a) – व्यक्ति भूमिकाओं का पुलिंदा है। व्यक्ति जितना कर्तव्य करता है, समाज में उसे उतने ही अधिकार प्राप्त होते हैं। किसी व्यक्ति और स्थिति का सम्बन्ध वैसा है, जो सम्बन्ध किसी गाड़ी के ड्राइवर के स्थान में है।
अतः अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सही हैं तथा कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या है।

31. अभिकथन (A)- व्यक्ति को रूप देने के लिए संस्कृति की शक्ति रौबपूर्ण है जिसका दमनात्मक होना आवश्यक नहीं है।

तर्क (R) - सभी संस्कृतियों के पास दमन के लिए भारी सम्भावनाएँ होती हैं।

उत्तर (b) – लेस्ली हाइट के अनुसार संस्कृति ही सब कुछ तय करती है। परन्तु इसका दमनात्मक होना आवश्यक नहीं है। एण्डोनियों गामची ने **'हेजीमनी का सिद्धांत'** प्रस्तुत किया है। इसके अनुसार शासक वर्ग संस्कृति और विचार के प्रभाव से शासित वर्ग के दिमाग और विचारों को नियन्त्रित कर लेते है। यही वैचारिक वर्चस्व है। इस प्रकार स्पष्ट है कि संस्कृति में दमनात्मक शक्ति की संभावनाएँ होती है। अतः A और R दोनों सहीं हैं परन्तु तर्क R, अभिकथन A का सही स्पष्टीकरण नहीं हैं।

32. ''भूमिका की माँग में जब कठिनाई का अनुभव किया जाए'' तब इसे कहते हैं-
(a) अन्तर-भूमिका (b) भूमिका में विभिन्नता
(c) भूमिका दबाव (d) भूमिका में अस्पष्टता

उत्तर (a) – इरविंग गाफमैन नाट्यशास्त्र पद्धति के जनक है। भूमिका अन्तराल (अंतर भूमिका) अवधारणा गाफमैन ने प्रस्तुत की थी। इसका अर्थ किसी व्यक्ति द्वारा ऐसी भूमिका निर्वाह से है जो समाज सम्मत नहीं है अथवा उस व्यक्ति की उस भूमिका के लिए उम्र निकल गयी। जैसे किसी वृद्ध व्यक्ति का जवान लड़की से प्रेम करना।

33. अभिकथन (A)- व्यवहार विचलन वंशागत है।

तर्क (R) - व्यक्ति के व्यवहार में विचलन तब आता है जब उसकी अधिक भूमिकाएँ उन भूमिकाओं के लिए बने नियमों के अनुकूल होने के स्थान पर प्रतिकूल होती हैं

(a) A और R दोनों सहीं हैं और A , R का सही स्पष्टीकरण है
(b) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही स्पष्टीकरण नहीं हैं
(c) A सत्य है, परन्तु R गलत है।
(d) A असत्य है, परन्तु R सही है।

उत्तर (d) – विचलन वंशानुगत नहीं होता, विचलन समाज द्वारा स्वीकृत नियमों का किसी व्यक्ति को अथवा समूह द्वारा उल्लंघन है। समाज में सभी व्यक्तियों को प्रस्थितियों के अनुरूप भूमिका निभानी पड़ती है, तारतम्य न बन पाने के कारण विचलन की स्थिति पैदा हो जाती है। अतः अभिकथन A गलत तथा तर्क R सही है।

34. शिक्षा का/के कार्य हैं-
(i) संस्कृति का संचरण
(ii) सामाजिक संश्लेषण
(iii) सामाजिक नियन्त्रण
(iv) सामाजिक संकट
(a) (i)और (ii) सही हैं
(b) (iii) और (iv) सही हैं
(c) (i),(ii) और (iii) सही हैं
(d) (ii), (iii) और (iv) सही हैं

उत्तर (c) – शिक्षा का कार्य समाज में संस्कृति का संचरण, सामाजिक संश्लेषण तथा सामाजिक नियंत्रण करना होता है। क्योंकि शिक्षा मानव जीवन को प्रभावित करती है।

35. निम्न आँकड़ों, जो प्रवेश परीक्षा में लिए गए अंकों पर आधारित सामग्री है, का बहुलक क्या होगा?
450 690 280 450 760 540 520 450 430 530
(a) 485 (b) 510
(c) 450 (d) 550

उत्तर (c) – सांख्यिकी समूह में किसी मात्रा का वह मूल्य अथवा उसकी कोई अन्य माप जिस पर लिखी इकाईयों की संख्या सर्वाधिक हो, बहुलक कहलाता है। उपरोक्त प्रश्न में संख्या 450 की आवृत्ति सर्वाधिक है। अतः बहुलक 450 है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

36. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए और सुमेलित कूट का चयन कीजिए-

सूची-I (अवधारणा)	सूची-II (समाजशास्त्री)
(A) आदर्शीय एवं सेनसेट संस्कृतियाँ	1. आर.के. मर्टन
(B) महानगरीय एवं स्थानीय निवासी	2. पिट्रिम सोरोकिन
(C) रूग्ण भूमिका एवं रोगी भूमिका	3. टालकॉट पारसन्स
(D) संरचना एवं कार्य	4. रैडक्लिफ ब्राउन
	5. मैक्स वेबर

	A	B	C	D
(a)	2	3	1	4
(b)	5	1	3	2
(c)	3	2	5	1
(d)	2	1	3	4

उत्तर (d) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)	(समाजशास्त्री)
आदर्शीय एवं सेनसेट संस्कृतियाँ	– पिट्रिम सोरोकिन
महानगरीय एवं स्थानीय निवासी	– आर. के. मर्टन
रूग्ण भूमिका एवं रोगी भूमिका	– टालकॉट पारसन्स
संरचना एवं कार्य	– रैडक्लिफ ब्राउन

37. अभिकथन (A)- जब किसी सामाजिक कुल जोड़ गिनती के सदस्य आपस में व्यवहार करने लगते हैं तब ऐसा समूह सामाजिक समूह कहलाता है।

तर्क (R) - रेल के डिब्बे में सहयात्री आपस में ताश खेलने लगते हैं और आपस में खाद्य-पदार्थ बाँटकर खाते हैं, ऐसे में उनका सामाजिक समूह बन जाता है।

(a) A और R दोनों सही हैं और A , R का सही स्पष्टीकरण है
(b) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही स्पष्टीकरण नहीं हैं
(c) A सत्य है, परन्तु R गलत है।
(d) A असत्य है, परन्तु R सही है।

उत्तर (a) – मैकाइवर एवं पेज के अनुसार, "समूह से हमारा तात्पर्य व्यक्तियों के किसी भी ऐसे संग्रह से है जो एक-दूसरे के साथ सामाजिक सम्बन्ध स्थापित करते है। अतः अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सही हैं तथा तर्क R, A की सही व्याख्या है।

38. निम्न में से एक अथवा अधिक प्रारम्भिक समूह है/ हैं-

(i) परिवार
(ii) बालकों का क्रीड़ा समूह
(iii) प्रसंग समूह
(iv) पड़ोस समूह

(a) (i),(ii) और (iii) सही हैं
(b) (i) और (ii) सही हैं
(c) (i),(ii) और (iv) सही हैं
(d) (ii), (iii) और (iv) सही हैं

उत्तर (c) – चार्ल्स कूले के अनुसार, सामाजिक सम्बन्धों के आधार पर परिवार, पड़ोस, मित्र मण्डली, बालकों का क्रीड़ा समूह आदि प्राथमिक समूह के अन्तर्गत आते हैं।

39. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए और प्रदत्त कूट का चयन कीजिए-

सूची-I (श्रेणी)	सूची-II (अवधारणा)
(A) अन्तःसमूह	1. आमने-सामने का संबंध
(B) बाह्य समूह	2. वे समूह
(C) लघु समूह	3. हम समूह
(D) प्रारम्भिक समूह	4. द्विव्यक्ति
	5. प्रसंग समूह

	A	B	C	D
(a)	1	4	2	5
(b)	5	3	1	2
(c)	3	2	4	1
(d)	4	1	5	3

उत्तर (c) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(श्रेणी)	(अवधारणा)
अन्तःसमूह	– हम समूह
बाध्य समूह	– वे समूह
लघु समूह	– द्विव्यक्ति
प्रारम्भिक समूह	– आमने–सामने का सम्बन्ध

40. प्रवेश परीक्षा के आधार पर तैयार की गयी निम्न शृंखलाओं में मध्यस्थ को ढूँढिए-

परीक्षा शृंखला

280, 430, 450, 450, 450
520, 530, 540, 690, 760

(a) 450 (b) 520
(c) 485 (d) 525

उत्तर (b) – $\text{समान्तर माध्य} = \dfrac{\text{कुल पदों का योग}}{\text{पदों की संख्या}}$

$$= \frac{280+430+450+450+450+520+530+540+690+760}{10}$$

$$\Rightarrow \frac{5200}{10} = 520$$

निर्देश (41-45): अभिकथन (A) तथा तर्क (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे कूट के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R,A की सही स्पष्टीकरण है
(b) A और R दोनों सत्य हैं, परन्तु R, A की सही स्पष्टीकरण नहीं हैं
(c) A सत्य है, परन्तु R गलत है।
(d) A असत्य है, परन्तु R सही है।

41. अभिकथन (A) - सामाजिक जीवन पर लघु समूहों का निश्चयात्मक प्रभाव होता है।

तर्क (R) - लघु समूहों को जितना समाज रूप देता है, समाज का उतना लघु समूह रूप नहीं देते।

उत्तर (b) – सामाजिक जीवन पर लघु समूहों का निश्चयात्मक प्रभाव होता है। लघु समूहों को जितना समाज रूप देता है, समाज का उतना लघु समूह रूप नहीं देते ।
अतः अभिकथन **A** तथा तर्क **R** दोनों सही है लेकिन तर्क **R** अभिकथन **A** की सही व्याख्या नहीं है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

42. अभिकथन (A)- गोत्रगमन के नियम और विजातीय विवाह सदैव एक ही हो जाते हैं।

तर्क (R) - गोत्रगमन के नियम और विजातीय विवाह की मंशा अवयस्क व्यक्तियों का सम्भोग करने से रोकने की होती है।

उत्तर (c) – गोत्र सामान्यतः बहिर्विवाही है। यह ब्राह्मणों एवं क्षत्रियों में प्रचलित है। गोत्र गमन के नियम और विजातीय विवाह सदैव एक ही हो जाते है। परन्तु ये दोनों अवयस्क व्यक्तियों का संभोग करने से नहीं रोकते। अतः अभिकथन (A) सही है परन्तु कारण (R) गलत है।

43. अभिकथन (A)- उच्च वर्ग और निम्न वर्ग एक-दूसरे के लिए नकारात्मक संदर्भ समूह हैं।

तर्क (R) - सामाजिक वार्तालाप/व्यवहार की विभिन्नता सामाजिक वर्गों में पारस्परिक वैमनस्य लाती है।

उत्तर (d) – सन्दर्भ समूह की अवधारणा को हरबर्ट हाइमेन ने सन 1942 में विकसित किया था। यह अवधारणा सदस्यता- समूह की अवधारणा के ठीक विपरीत अर्थों को प्रदर्शित करती है। सदस्यता-समूह की भाँति सन्दर्भ समूह का सदस्य होना आवश्यक नहीं है किन्तु व्यक्ति ऐसे समूह की सदस्यता प्राप्ति के लिए आकांक्षी अवश्य हो सकता है। महात्मा गाँधी, रवीन्द्र नाथ टैगोर, शैक्सपीयर जैसे व्यक्ति अनेकों के लिए सन्दर्भ व्यक्ति रहे है।
सामाजिक वार्तालाप/व्यवहार की विभिन्नता सामाजिक वर्गो में पारस्परिक वैमनस्य लाती है। अतः अभिकथन (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

44. अभिकथन (A)- जनजातीय समाज में जीवन सरल और एकीकृत होता है।

तर्क (R) - जनजातीय समाज में अनुशासन को कतिपय लोक मान्यताओं और परम्पराओं से बनाए रखा जाता है।

उत्तर (a) – जनजातीय समाज में अनुशासन को कतिपय लोक मान्यताओं और परम्पराओं से बनाएँ रखा जाता है क्योंकि जनजातीय समाज काफी सरल होता है। वहाँ पर अनौपचारिक कानून लागू होता है। इसलिए जनजातीय समाज में जीवन सरल और एकीकृत होता है। अतः अभिकथन (A) और तर्क (R) दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

45. अभिकथन (A)- नगरीय समूह अपनी संज्ञाविहीनता के लिए जाने जाते हैं।

तर्क (R) - नगर अपने आकार और जनसंख्या के कारण प्राथमिक समूह नहीं हो सकते।

उत्तर (a) – नगर-निवास के विशिष्ट जीवन शैली के पुंज को नगरीय कहते हैं इसलिए नगर अपने आकार और जनसंख्या के कारण प्राथमिक समूह नहीं हो सकते और नगरीय समूह अपनी संज्ञाविहीनता के लिए जाने जाते है। 'नगरवाद' की अवधारणा लुई वर्थ ने प्रस्तुत की थी। उनके अनुसार नगर के तीन निश्चित लक्षण है।
1. बड़ा आकार 2. उच्च घनत्व 3. सामाजिक असमानता। नगर इन तीनों विशेषताओं के कारण प्राथमिक समूह नहीं हो सकता अतः अभिकथन (A) (R) दोनों सही है। तथा (R) (A) का सही एवं सटीक कारण है।

46. सूची -I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए और प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I (अवधारणा)	सूची-II (समाजशास्त्री)
(A) समुदाय	1. रॉबर्ट रेडफील्ड
(B) त्रिस्तरीय कानून	2. कार्ल मार्क्स
(C) डायलैक्टिकल मैटिरियलिज्म	3. फर्डीनांड मार्क्स
(D) लघु परम्परा	4. ऑगस्ट कॉम्टे
	5. हर्बर्ट स्पेंसर

	A	B	C	D
(a)	1	3	4	5
(b)	4	2	3	1
(c)	3	4	2	1
(d)	5	2	3	4

उत्तर (c) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)	(समाजशास्त्री)
समुदाय	– फर्डिनेण्ड टॉनीज
त्रिस्तरीय कानून	– ऑगस्ट कॉम्टे
डायलैक्टिकल मैटिरियलिज्म	– कार्ल मार्क्स
लघु परम्परा	– राबर्ट रेडफील्ड

47. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए और प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I (अवधारणा)	सूची-II (समाजशास्त्री)
(A) डेहरेण्डॉर्फ, राल्फ	1. पोस्ट इण्डस्ट्रीयल सोसाइटी
(B) डेनियल बेल	2. क्लास एण्ड क्लास कॉनफ्लिक्ट इन इंडस्ट्रीयल सोसाइटी
(C) दुर्खीम इमाइल	3. द ह्यूमन साइड ऑफ एण्टरप्राइज
(D) डगलस मैकग्रेगर	4. इण्डस्ट्री एण्ड सोसाइटी

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	3	5	1	4
(c)	1	2	3	4
(d)	4	2	5	3

उत्तर (a) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)	(समाजशास्त्र)
डेहरेण्डॉर्फ, राल्फ	– क्लास एण्ड क्लास कॉनफ्लिक्ट इन इंडस्ट्रीयल सोसाइटी
डेनियल बेल	– पोस्ट इण्डस्ट्रीयल सोसाइटी
दुर्खीम इमाइल	– इण्डस्ट्री एण्ड सोसाइटी
डगलस मैकग्रेगर	– द ह्यूमन साइड ऑफ इण्टरप्राइज

48. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए और प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I (अवधारणा)	सूची-II (समाजशास्त्री)
(A) व्यवहारिकतावाद	1. सी. राइट मिल्स
(B) सुप्त कार्य	2. ई. दुर्खीम
(C) सांकेतिक अंतर कार्यवाद	3. आर. के. मर्टन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(D) द्वन्द्व सिद्धांत 4. जी. एच. मीड
5. टी. पारसंस

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	5	3	2	4
(c)	1	4	5	2
(d)	4	2	1	3

उत्तर (a) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)		(समाजशास्त्री)
व्यवहारिकतावाद	-	ई. दुर्खीम
सुप्त कार्य	-	आर. के. मर्टन
सांकेतिक अंतर कार्यवाद	-	जी. एच. मीड
द्वन्द्व सिद्धांत	-	सी. राइट मिल्स

49. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए और प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I (अवधारणा)	सूची-II (समाजशास्त्री)
(A) एक सामाजिक आंदोलन समाज के मौजूदा मूल्यों को यथावत रखना चाहता है	1. क्रान्तिकारी सामाजिक आंदोलन
(B) एक सामाजिक आंदोलन जो मौजूदा ढाँचे में आंशिक परिवर्तन चाहता है, इसे मिटाना नहीं चाहता	2. अर्थपूर्ण सामाजिक आंदोलन
(C) एक सामाजिक आंदोलन जो संतुष्टता और भला होने की व्यक्तिगत भावनाओं पर बल देता है, जो कि किसी शून्यता को भरने अथवा लोगों के जीवन में किसी भारी असंतुष्टता को दूर करने के लिए होता है	3. रूढ़िवादी सामाजिक आंदोलन
(D) एक सामाजिक आंदोलन जो मौजूदा ढाँचे को उखाड़ फेंकना चाहता है और उसके स्थान पर नया ढाँचा खड़ा करना चाहता है	4. संशेधनात्मक समाजिक आंदोलन
	5. प्रतिक्रियात्मक सामाजिक आंदोलन

	A	B	C	D
(a)	5	2	4	1
(b)	3	4	2	1
(c)	3	5	2	4
(d)	1	5	4	3

उत्तर (b) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)	(समाजशास्त्री)
एक सामाजिक आंदोलन समाज के मौजूदा मूल्यों को यथावत रखना चाहता है।	– रूढ़िवादी समाजिक आंदोलन
एक सामाजिक आंदोलन जो मौजूदा ढाँचे में आंशिक परिवर्तन चाहता है, इसे मिटाना नहीं चाहता।	– संशोधनात्मक साामाजिक आंदोलन
एक सामाजिक आंदोलन जो संतुष्टता और भला होने की व्यक्तिगत भावनाओं पर बल देता है, जो कि किसी शून्यता को भरने अथवा लोगों के जीवन में किसी भारी असंतुष्टता को दूर करने के लिए होता है	– अर्थपूर्ण सामाजिक आंदोलन
एक सामाजिक आंदोलन जो मौजूदा ढाँचे को उखाड़ फेंकना चाहता है और उसके स्थान पर नया ढाँचा खड़ा करना चाहता है	– क्रांतिकारी सामाजिक आंदोलन

50. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए और प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) किसी बड़ी आबादी में से प्रबन्धकीय गिनती के लोगों का अध्ययन के लिए चयन	1. सैम्पलिंग त्रुटि
(B) प्रतिनिधि सैम्पल के चयन में असफलता	2. सैम्पल
(C) एक विचार जिसके परिवर्तन के कारणों का आश्रित विचार से कोई सरोकार नहीं होता	3. स्वतंत्र विचार
(D) दो अथवा अधिक आनुभाविक विचारों के बीच सम्बन्धों के बारे में परीक्षणजन्य कथन	4. कारणता
	5. परिकल्पना

	A	B	C	D
(a)	2	1	3	5
(b)	2	3	1	4
(c)	4	5	2	1
(d)	3	4	5	2

उत्तर (a) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

किसी बड़ी आबादी में से प्रबन्धकीय गिनती के लोगों का अध्ययन के लिए चयन	–	सैम्पल
प्रतिनिधि सैम्पल के चयन में असफलता	–	सैम्पल त्रुटि
एक विचार जिसके परिवर्तन के कारणों का आश्रित विचार से कोई सरोकार नहीं होता	–	स्वतंत्र विचार
दो अथवा अधिक आनुभाविक विचारों के बीच सम्बन्धों के बारे में परीक्षणजन्य कथन	–	परिकल्पना

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2012

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देशः इस प्रश्नपत्र में पचास (50 बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक है। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण प्राथमिक रूप से क्या करने की चेष्टा से सम्बन्धित है?

(a) सामाजिक व्यवस्था को बदलने की
(b) सामाजिक व्यवस्था को समझने की
(c) सामाजिक व्यवस्था को सुधारने की
(d) सामाजिक व्यवस्था के साथ समायोजित होने की

उत्तर (b)—पारसन्स एक प्रख्यात अमेरिकी समाजशास्त्री थे। इन्हें समाजशास्त्र का सिद्धान्तवेत्ता कहा जाता है। वे कहते हैं समाजशास्त्र वस्तुतः विभिन्न अन्तःक्रियाओं के भूमिकाओं की एक व्यवस्था है जब इन भूमिकाओं को व्यक्ति निभाता है तब उसे मानक और मूल्यों के अनुसार कार्य करना पड़ता है। अतः एक से अधिक कर्ता मानक एवं मूल्यों के अनुसार परस्पर अन्तःक्रिया करते हैं और यह अन्तःक्रिया निरन्तर होती है तो इसे सामाजिक व्यवस्था कहते हैं।

2. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिये।

सूची-I (अवधारणा)	सूची-II (समाजशास्त्री)
(A) जीवन दर्शन का दारिद्रय	(i) पीटर बर्जर व टी. लकमैन
(B) प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद	(ii) कार्ल मार्क्स
(C) प्रकट तथा अप्रकट प्रकार्य	(iii) हरबर्ट ब्लूमर
(D) यथार्थता का सामाजिक निर्माण	(iv) आर. के. मर्टन

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(A)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (b)— सुमेलित सूची इस प्रकार है—

(अवधारणा)	(समाजशास्त्री)
जीवन दर्शन का दारिद्रय	- कार्ल मार्क्स
प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद	- हरबर्ट ब्लूमर
प्रकट तथा अप्रकट प्रकार्य	- आर. के. मर्टन
यथार्थता का सामाजिक निर्माण	- पीटर बर्जर व टी लकमैन

3. समुदाय का उदाहरण निम्नलिखित में से कौन सा है?

(a) परिवार (b) विवाह
(c) गांव (d) शरणार्थी शिविर

उत्तर (c)—गाँव समुदाय का अच्छा उदाहरण है क्योंकि समुदाय में पारस्परिक एकत्व की भावना (हम की भावना), अन्तर्पारस्परिकता सांझी संस्कृति तथा संगठित क्रियाकलापों की विशेषताएँ हैं और जिसके सदस्य एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में रहते हैं।

4. दुर्खीम ने समाज को किस रूप में परिभाषित किया है?

(a) विचारों का समुदाय (b) समरसपूर्ण समुदाय
(c) नैतिक या सदाचारी समुदाय (d) नीतिपरक समुदाय

उत्तर (c)—दुर्खीम के अनुसार श्रम विभाजन एक विशुद्ध सामाजिक प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया का पहला पक्ष जनसंख्या की वृद्धि है। इसका दूसरा पक्ष नैतिक है। यह समाज का नैतिक दायित्व है कि बढ़ती जनसंख्या के साथ प्रत्येक व्यक्ति को समाज में उचित स्थान और कार्य प्रदान करें।

5. अभिकथन (A) : कार्ल मार्क्स के अनुसार वर्ग शोषण को केवल तभी समाप्त किया जा सकता है जब उत्पादन के साधनों पर समुदाय का स्वामित्व हो।

कारण (R) : शासी वर्ग उत्पादन के साधनों के नियन्त्रण तथा स्वामित्व से अपनी शक्ति प्राप्त करता है।

कूटः

(A) (A) और (R) दोनों सत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (a)—कार्ल मार्क्स ने ऐतिहासिक भौतिकवाद में आदिम साम्यवादी युग (वर्ग प्रथा नहीं), दासत्व युग, सामन्तवादी युग, पूँजीवाद युग तत्पश्चात समाजवादी युग की कल्पना की। समाजवादी समाज में शोषित व शोषक वर्ग का अभाव होता है। मार्क्स के अनुसार, समाजवाद समाज की स्थापना तभी की जा सकती है, जब उत्पादन के साधनों पर समुदाय का स्वामित्व हो तथा उन्होंने यह भी बताया कि शोषक वर्ग उत्पादन के साधनों के नियंत्रण तथा स्वामित्व द्वारा अपनी शक्ति प्राप्त करता है।
अतः A और R दोनों सत्य है तथा R, A की सही व्याख्या है।

6. मैक्स वेबर के अनुसार सामाजिक कृत्य का दृष्टान्त निम्नलिखित में से कौन सा है?

(a) दो साइकल सवारों का एक दूसरे के साथ टकराना
(b) ट्रेन में सफर कर रहे व्यक्ति
(c) दो साइकल सवारों का एक दूसरे से टकराने के बाद घूँसेबाजी करना
(d) वर्षा प्रारम्भ होने पर व्यक्तियों का छाता खोलना

उत्तर (c)—मैक्स वेबर के अनुसार मानव प्राणियों का प्रत्येक प्रकार का सम्पर्क सामाजिक नहीं कहा जा सकता। वह उसी सीमा तक सामाजिक कहा जाएगा, जहाँ तक कर्ता का व्यवहार दूसरों के व्यवहार से अर्थपूर्ण ढंग से सम्बन्धित और प्रभावित है। उदाहरणार्थ, यदि दो साइकिल चलाने वाले आपस में टकरा जाएँ तो उसे सामाजिक क्रिया की संज्ञा नहीं देंगे। लेकिन यदि टकरा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

जाने के बाद उनमें आपस में हाथापाई या गाली-गलौज होती है तो उसे सामाजिक क्रिया कहेंगे क्योंकि इसमें एक का व्यवहार दूसरे के व्यवहार से सम्बन्धित या दूसरे के व्यवहार द्वारा प्रभावित है।

7. मार्क्सवादी शब्दावली में उत्पादन की पद्धति का घटक निम्नलिखित में से कौन सा नहीं है?

(a) उत्पादन के साधन (b) उत्पादन के उपकरण
(c) उत्पादन की शक्तियाँ (d) उत्पादन के सम्बन्ध

उत्तर (b)—मार्क्स व्यक्ति के जगह वस्तु के समाजीकरण की बात करते हैं। उनके कहने का तात्पर्य उत्पादन के साधन पर समाजीकरण, न कि वस्तु पर। इसलिए उत्पादन के उपकरण को उत्पादन की पद्धति का घटक नहीं मानते हैं।

8. जाति के अध्ययन में सामाजिक स्तरीकरण के वेबरवादी प्रारुप (मॉडल) का उपयोग किसने किया है?

(a) एस. सी. दुबे (b) एम. एन. श्रीनिवास
(c) टी. एन. मदान (d) आंद्रे बेतेई

उत्तर (d)—आन्द्रे बेतेई ने दुर्खीम की तुलनात्मक विधि के बाद मैक्स वेबर की विधि को लेते हैं। यह भी तुलनात्मक विधि है। अपनी तुलना के लिए वेबर दुनिया के पाँच बड़े धर्मो को लेते हैं। उन्होंने तुलनात्मक ढंग से प्रोटेस्टेन्ट धर्म के आधारों को देखा और पाया कि इस धर्म में ऐसी आत्मा (Spirit) है। जिसने पूँजी को विकसित किया और इसी को आधार मानकर बेतेई ने तुलनात्मक विधि का प्रयोग करके वेबरवादी प्रारूप (मॉडल) (Model), जाति व्यवस्था के अध्ययन में प्रयुक्त किया। ''कास्ट,क्लास एण्ड पावर' में आन्द्रे बेतेई ने वेबर मॉडल को व्यवहार में लाया है तथा जाति को प्रस्थिति समूह बताया है।

9. मर्टन के अनुसार, निम्नलिखित में से कौनसी अवधारणा परिवर्तन के साथ सैद्धान्तिक रूप से सम्बन्धित होने की सामर्थ्य रखती है?

(a) सुकार्य (b) अप्रकार्य
(c) अर्द्ध-प्रकार्य (d) अपक्रिया

उत्तर (d)—मर्टन के अनुसार अपक्रिया की अवधारणा परिवर्तन के साथ सैद्धांतिक रूप से सम्बन्धित होने की सामर्थ्य रखती है।

10. समुदाय का उदाहरण निम्नलिखित में से कौन सा है?

(a) जाति संरचना में परिवर्तन
(b) जाति संरचना का परिवर्तन
(c) जाति संरचना के लिये परिवर्तन
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (d)—समुदाय सामान्य सामाजिक जीवन में भागीदार लोगों का एक ऐसा समूह है जो किसी निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में निवास करता है और जिसमें हम की भावना या सामुदायिक भावना पायी जाती है जैसे- गाँव, कस्बा, मठ आदि।

11. एक अध्यापक को, अपने कर्तव्यों को पूरा करने में, अपने सहकारियों, विद्यार्थियों तथा विद्यार्थियों के अभिरक्षकों की अपेक्षाओं का भी जवाब देना पड़ता है। अध्यापकों के लिये यह लोग क्या संस्थापित करते हैं?

(a) सामाजिक स्थिति का रूप (b) बहुविध भूमिकाएँ
(c) भूमिकाओं का पुंज (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c)—भूमिका समुच्चय (पुंज) एक विशिष्ट सामाजिक प्रस्थिति के साथ जुड़ी हुई भूमिकाओं के समुच्चय को भूमिका पुंज कहा जाता है अर्थात भूमिकाओं के गुच्छे को मर्टन ने भूमिका पुंज कहा है। जैसे एक प्राचार्य की भूमिका प्राध्यापकों, क्लर्कों, छात्र, अभिभावकों आदि के साथ जो है वह सब मिलकर भूमिका पुंज कहलायेगी।

12. निम्नलिखित में से कौन एक संस्था नहीं है?

(a) विवाह (b) शिक्षा
(c) पुलिस व्यवस्था (d) जेब कतरना

उत्तर (d)—संस्थाएँ व्यक्तियों एवं समूहों के बीच संबंधों को नियंत्रित करने वाले नियमाचारों तथा कार्यविधियों का एक स्थाई एवं स्वीकृत प्रतिमान होती है। विवाह, शिक्षा, पुलिस व्यवस्था संस्था हैं जबकि जेब कतरना संस्था नहीं है।

13. हिन्दुओं में संगोत्र विवाह का निषेध किसका उदाहरण है?

(a) वर्जित कर्म
(b) गोत्र बहिर्विवाह (या विजातीय विवाह)
(c) जाति सगोत्र विवाह के नियम
(d) अगम्यगमन वर्जन (या निषिद्ध)

उत्तर (b)—भारत में इस प्रथा के अनुसार एक व्यक्ति को अपने वंश अथवा गोत्र-समूह में विवाह करना अनुचित माना जाता है। ''एक्सा गामि'' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग जे. एफ. मैक्लेनन ने किया है।

14. वो प्रक्रिया जिसके द्वारा सांस्कृतिक तन्त्र सांस्कृतिक रूप से एक विशेष समूह से दूसरे समूह में फैलता है, निम्नलिखित में से कौन सी है?

(a) उद्विकास (b) आत्मसात्करण
(c) समायोजन/अनुकूलन (d) प्रसारण

उत्तर (d)—किसी वस्तु, विचार, पार्थिव, अपार्थिव तत्व, नवाचार आदि के अपने उत्पत्ति स्थल से अन्य क्षेत्रों में उत्तरोत्तर फैलने की प्रक्रिया को प्रसार कहते हैं, उदाहरणार्थ, सोलहवीं शताब्दी में चीन में सर्वप्रथम छापेखाने का अविष्कार हुआ था। बाद में यह तकनीक समस्त विश्व में फैल गई।

15. एल. आई. सी. के कलकत्ता स्थित प्रधान कार्यालय में क्लर्क के पद पर कार्यरत व्यक्ति का दिल्ली स्थित कार्यालय में उसी पद पर आना किसका उदाहरण है?

(a) क्षैतिज गतिशीलता
(b) उर्ध्वमुखी गतिशीलता
(c) उर्ध्वाकार गतिशीलता
(d) अधोमुखी गतिशीलता

उत्तर (a)—किसी समान स्थिति वाले समूह या वर्ग में व्यक्ति का परिवर्तन होना क्षैतिज गतिशीलता कहलाता है। उदाहरणार्थ एक डी. एम. का स्थानान्तरण समान पद पर दूसरे जिले में या किसी सचिवालय में हो जाना है।

16. जब भारतीय दम्पति अपनी पुत्री को तैयार करता है ताकि वो अपने विवाह के पश्चात् अपने पति के परिवार में स्वीकार कर ली जाए, यह किसका मामला है?

(a) समाजीकरण (b) पुनर्समाजीकरण
(c) प्रत्याशी समाजीकरण (d) वयस्क समाजीकरण

उत्तर (c)—भविष्य की भूमिकाओं के लिए जब व्यक्ति वर्तमान में ही तैयारी करता है। तब उसे प्रत्याशी समाजीकरण कहते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

17. दुर्खीम के अनुसार, धर्म निम्नलिखित के बीच अन्तर में स्थित है:

(a) धार्मिक तथा धर्मनिरपेक्ष (b) पवित्र तथा अपवित्र
(c) पावन और दूषित (d) देव तथा भूत-प्रेत

उत्तर (c)–दुर्खीम के अनुसार, सामूहिक जीवन की समस्त वस्तुओं या घटनाओं को चाहे सरल हों या जटिल, वास्तविक हों या आदर्शात्मक दो प्रमुख भागों में बाँटा जा सकता है- (i) Sacred और (ii) Profane। समस्त धर्मो का सम्बन्ध Sacred से होता है अतः धर्म इन्हीं दोनों के बीच अन्तर में स्थित है।

18. पुनः समाजीकरण उस समय स्पष्टतः प्रत्यक्ष होता है जब

(a) लड़की का विवाह अभी-अभी हुआ है।
(b) बच्चे ने जन्म लिया है।
(c) व्यक्ति क्रान्तिकारी दल के सदस्य के रूप में कार्य करता है।
(d) बच्चा विद्यालय जाना प्रारम्भ करता है।

उत्तर (c)–पुनः समाजीकरण का कार्य वि-समाजीकरण के बाद ही सम्भव है किसी के द्वारा पहले सीखे हुए व्यवहार को भुलाकर उसके द्वारा नया व्यवहार सीखना ही पुनः समाजीकरण कहलाता है जैसे- अपराधियों का सभ्य पुरुष बनना।

19. सूची- I के मदों को सूची-II के मदों से सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिये:

सूची-I	सूची-II
(A) प्रतिबिम्बित स्व	(i) कार्ल मार्क्स
(B) अपवर्तन	(ii) विलियम ओग्बर्न
(C) सांस्कृतिक विलम्ब	(iii) जी. एच. मीड
(D) प्रत्यक्षवाद	(iv) अगस्त काम्ट
	(v) सी. एच. कूले

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(v)	(i)	(ii)	(iv)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

उत्तर (a)–सुमेलित सूची इस प्रकार है–

प्रतिबिम्बित स्व	-	सी. एच. कूले
अपवर्तन	-	कार्ल मार्क्स
सांस्कृतिक विलम्ब	-	विलियम आगबर्न
प्रत्यक्षवाद	-	आगस्ट काम्टे

20. यूरोप तथा यू. एस. ए. में समाजशास्त्र के सुस्थापित होने के उपरान्त यह भारत में संस्थानिक स्तर पर प्रयोग में लाया गया। निम्नलिखित में से कौन से वर्ष में समाजशास्त्र औपचारिक/संस्थानिक स्तर पर प्रयोग में लाया गया?

(a) 1894 (b) 1895
(c) 1939 (d) 1919

उत्तर (d)–समाजशास्त्र विषय का संस्थागत रूप में उद्भव एवं विकास 19वीं शताब्दी के चौथे दशक में **आगस्ट काम्टे** द्वारा **22 सितम्बर** सन् 1838 में किया गया, जिसे पहले इन्होंने सामाजिक भौतिकी कहा था। भारत में समाजशास्त्र का अध्ययन बम्बई विश्वविद्यालय (1914) में अर्थशास्त्र विषय के साथ प्रारम्भ किया गया परन्तु **1919** में पैट्रिक गिड्स की अध्यक्षता में पृथक विभाग एवं विषय के रूप में इसकी पढ़ाई शुरू करायी गयी।

21. सूची- I के मदों को सूची-II के मदों के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिये:

सूची-I (अवधारणा)	सूची-II (समाजशास्त्री)
(A) जैविक पूर्ण एकता	(i) हरबर्ट स्पेंसर
(B) धार्मिक नीतिपरक	(ii) इमाइल दुर्खीम
(C) उत्पादन की पद्धति	(iii) विल्फ्रेडो पैरेटो
(D) सामाजिक उद्विकास	(iv) कार्ल मार्क्स
	(v) मैक्स वेबर

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(b)	(ii)	(i)	(v)	(iii)
(c)	(v)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(ii)	(v)	(iv)	(i)

उत्तर (d)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)	(समाजशास्त्री)
जैविक पूर्ण एकता	- इमाइल दुर्खीम
धार्मिक नीतिपरक	- मैक्स वेबर
उत्पादन की पद्धति	- कार्ल मार्क्स
सामाजिक उद्विकास	- हरबर्ट स्पेन्सर

22. सूची- I के मदों को सूची-II के मदों के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिये:

सूची-I	सूची-II
(A) परसंस्कृतिग्रहण	(i) वो स्थिति जिसमें लोग उन पृथक कर देने वाले मतभेदों के बावजूद भी इकट्ठे कार्य कर सकते हैं।
(B) आत्मसातकरण	(ii) अनुकूलन की प्रक्रिया जिसमें संस्कृति के तत्त्व सामाजिक समग्र बनाते हैं।
(C) अनुकूलन/समायोजन	(iii) वो स्थिति जिसमें संस्कृति के लोग दूसरी लोग दूसरी संस्कृति के कुछ तत्त्व ग्रहण करने लगते हैं और अपने कुछ तत्त्व उसमें छोड़ देते हैं।
(D)एकीकरण	(iv) वो प्रक्रिया जहाँ अल्प संख्यक समूह अपने संस्कृतिक प्रतिमानों को क्रमशः त्याग देते हैं और प्रभावी समूह को अर्जित कर लेते हैं।

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

पर संस्कृतिग्रहण	–	वो स्थिति जिसमें एक संस्कृति के लोग दूसरी संस्कृति के कुछ तत्व ग्रहण करने लगते हैं अपने कुछ तत्व उसमें छोड़ देते है।
आत्मसातकरण	–	वो प्रक्रिया जहाँ अल्पसंख्यक समूह अपने सांस्कृतिक प्रतिमानों को क्रमशः त्याग देते है और प्रभावी समूह को अर्जित कर लेते है।
अनुकूलन/समायोजन	–	वो स्थिति जिसमें लोग उन पृथक कर देने वाले मतभेदों के बावजूद भी इक्ट्ठे कार्य कर सकते है।
एकीकरण	–	अनुकूलन की प्रक्रिया जिसमें संस्कृति के तत्व सामाजिक समग्र बनाते है।

23. आरोपित स्थिति का उदाहरण कौनसा है?
(a) अध्यापक (b) विद्यार्थी
(c) ब्राह्मण (d) डाक्टर

उत्तर (c)–जब समाज व्यक्ति की इच्छा को ध्यान में न रखकर व्यक्ति को एक पद प्रदान कर देता है तो उसे ही प्रदत्त प्रस्थिति कहते हैं। इसमें व्यक्ति का कोई महत्व नहीं होता है। प्रदत्त प्रस्थिति प्राप्त करने के निम्नलिखित आधार हैं। जैसे- लिंग भेद, आयु भेद नातेदारी, जन्म, शारीरिक विशेषताएँ, जीवित प्रजाति आदि।

24. तृतीय क्षेत्र को निम्नलिखित नाम से भी जाना जाता है:
(a) प्रक्रमण क्षेत्र (b) वनविद्या क्षेत्र
(c) खनन (खान-खुदाई) क्षेत्र (d) सेवा क्षेत्र

उत्तर (d)–उत्पादन के तृतीय क्षेत्र के अन्तर्गत इण्टरनेट, टेलीफोन मोबाइल आदि को शामिल किया जाता है। तृतीय क्षेत्र को सेवा क्षेत्र के नाम से भी जाना जाता है।

25. सूची- I में दी मदों को सूची-II में दी मदों के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजियेः

सूची-I	सूची-II
(A) होमो हाइरारकिक्स	(i) क्लॉड लेवी स्ट्रॉस
(B) दी सेवेज माइंड	(ii) आंद्रे बेतेइ
(C) कास्ट, क्लास एण्ड पॉवर	(iii) एम. एन. श्रीनिवास
(D) कास्ट इन मॉडर्न इंडिया एण्ड अदर असैस	(iv) लुई ड्यूमों

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

होमो हाइरारकिक्स	-	लुईस ड्यूमा
दी सैवेज माइण्ड	-	क्लॉड लेवी स्ट्रॉस
कास्ट, क्लास एण्ड पावर	-	आन्द्रे बेतेई
कास्ट इन मॉडर्न इंडिया एण्ड अदर एसैस	-	एम. एन. श्रीनिवास

26. सूचना तथा संचार के क्षेत्र में नव प्रौद्योगिकियों में उन्नति ज्यादा अधिक वैश्वीकरण की ओर प्रवृत्त कर रही है यह किसका भविष्य दर्शाता है?
(a) कृषिक समाज (b) औद्योगिक समाज
(c) उत्तर- औद्योगिक समाज (d) ग्रामीण समाज

उत्तर (c)–उत्तर-औद्योगिक समाज में सूचना तथा संचार के क्षेत्र में नव प्रौद्योगिकियों में उन्नति ज्यादा अधिक वैश्वीकरण की ओर प्रवृत्त कर रही है। इस समाज में ज्ञान का सबसे अधिक महत्व होता है।

27. निम्नलिखित विचारकों में से किसने सामाजिक प्रपंच के संरचनात्मक उपागम में द्विआधारी विरोध की प्रणाली का उपयोग किया?
(a) नाडेल (b) रैडक्लिक ब्राऊन
(c) लेवी स्ट्रॉस (d) मैलिनौस्की

उत्तर (c)–लेवी स्ट्रास के अनुसार संरचनाएँ मस्तिष्क की श्रेणियाँ होती है जिसके माध्यम से हम हमारे आस-पास के विश्व को देखते और समझते हैं। ये श्रेणियाँ हर समय द्विभाजी विपरीतताओं (जैसे गर्म और ठंडा, ऊपर और नीचे खट्टा और मीठा) में बँटी होती है। लेवी स्ट्रास ने कहा है कि घटनाओं को द्विभाजी घटकों में बाँटने की प्रवृत्ति मानव मस्तिष्क की एक सार्वभौमिक विशेषता है।

28. मीड के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सा सही है?
(a) सामाजिक अनुभव की अनुपस्थिति में भी आत्म/स्व उभर सकता है।
(b) आत्म/स्व लोगों को दूसरों के साथ वार्तालाप की अनुमति नहीं देता है।
(c) मस्तिष्क के परिपक्व हो जाने के बाद ही देह आत्मन बनता है।
(d) मस्तिष्क/मानस तथा आत्मन को एक दूसरे से पृथक किया जा सकता है।

उत्तर (c)–मीड के अनुसार ''मस्तिष्क के परिपक्व हो जाने के बाद ही देह आत्मन बनता है। यह विचार मीड ने अपनी पुस्तक ''माइण्ड सेल्फ एण्ड सोसाइटी में बतायी गयी है।

29. डहरेनडॉर्फ के संघर्ष के सिद्धान्त को निम्नलिखित में से क्या प्रकट नहीं करता है?
(a) मानवीय समाज में सामाजिक परिवर्तन सर्वव्यापी है।
(b) संघर्ष प्रकट तथा अप्रकट दोनों हो सकता है।
(c) प्रत्येक समाज सामाजिक संघर्ष का अनुभव करता है।
(d) संघर्ष का एकमात्र स्रोत आर्थिक एवं सामाजिक असमानताएँ हैं

उत्तर (d)–डहरेनडॉर्फ ने अपने वर्ग संघर्ष के सिद्धांत में संघर्ष का एक मात्र स्रोत आर्थिक एवं सामाजिक असमानताएँ प्रकट नहीं करते है और वे मार्क्स के वर्ग-संघर्ष सिद्धांत की आलोचना की है इसलिए वे संघर्ष को समन्वयकारी तथा संरचनात्मक प्रकार्यात्मक दृष्टिकोण से देखा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

30. निम्नलिखित में से कौन सा कथन इमाईल दुर्खीम के प्रकार्यात्मक सिद्धान्त को निरूपित करता है?
(a) समाज, विकास की स्थिर अवस्थाओं से नहीं गुजरता है
(b) सम्पूर्ण अपने अंशों के योग के समरुप नहीं होता है।
(c) सामाजिक प्रपंच को व्यक्तिगत प्रपंच में बदला जा सकता है।
(d) सामूहिक वसीयत मानवीय वसीयत से निकलती है।

उत्तर (b)– '**The Division of labour**' में दुर्खीम ने बतलाया कि प्रकार्य वह कार्य है, जिसके अभाव में किसी सावयव की या उसके तत्वों की मौलिक आवश्यकता की पूर्ति नहीं की जा सकती है।

31. प्रकार्यतावाद किसके सामाजिक सिद्धान्तों की महत्त्वपूर्ण तत्त्व है?
(a) इ. दुर्खीम तथा सी. लेवी-स्ट्रॉस
(b) इ. दुर्खीम तथा मैक्स वेबर
(c) टालकॉट पारसंस तथा कार्ल मार्क्स
(d) ए. आर. रैडक्लिफ- ब्राउन तथा आर. के. मर्टन

उत्तर (d)–रेडक्लिफ ब्राउन तथा आर. के. मर्टन ने कहा है कि प्रामाणिक सामाजिक क्रिया-कलाप या सांस्कृतिक इकाइयाँ सम्पूर्ण सामाजिक या सांस्कृतिक व्यवस्था के लिए प्रकार्यात्मक होती हैं।

32. समाजकार्य तथा सामाजिक व्यवस्था के सम्बन्ध में पारसंस की योजना का सही अनुक्रम बताइये:
(a) सामाजिक व्यवस्था, सांस्कृतिक व्यवस्था, व्यक्तित्व व्यवस्था तथा जैविक शरीर-रचना
(b) व्यक्तित्व व्यवस्था, सांस्कृतिक व्यवस्था, सामाजिक व्यवस्था तथा जैविक शरीर-रचना
(c) जैविक शरीर- रचना, व्यक्तित्व व्यवस्था, सामाजिक व्यवस्था, सांस्कृतिक व्यवस्था
(d) सांस्कृतिक व्यवस्था, जैविक व्यवस्था, व्यक्तित्व व्यवस्था तथा सामाजिक व्यवस्था।

उत्तर (c)-'द सोशल सिस्टम' में पारसन्स ने सामाजिक क्रिया – व्यवस्था के तीन पक्ष आधार बताये हैं-
(1) व्यक्तित्व (2) संस्कृति (3) सामाजिक व्यवस्था
सही अनुक्रम है- जैविक शरीर-रचना, व्यक्तित्व व्यवस्था, सामाजिक व्यवस्था तथा सांस्कृतिक व्यवस्था।

33. सूची- I के मदों को सूची-II के मदों के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिये:

सूची-I	**सूची-II**
(A) मैलिनॉवस्की	(i) प्रतिमान चर
(B) दुर्खीम	(ii) प्रकार्यात्मक विश्लेषण की अभिधारणाएं
(C) पारसन्स	(iii) सामूहिक चेतना
(D) मर्टन	(iv) जैविक आवश्यकता आधारित कार्यकारिता

कूटः

	(A)	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(c)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

मैलिनोवस्की	-	जैविक आवश्यकता आधारित कार्यकारिता
दुर्खीम	-	सामूहिक चेतना
पारसन्स	-	प्रतिमान चर
मर्टन	-	प्रकार्यात्मक विश्लेषण की अवधारणायें

34. प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद के मूलभूत सिद्धान्तों में समाविष्ट हैः
(a) सोचने की मानवीय क्षमता
(b) सामजिक संस्थाएँ तथा सामाजिक अंतःक्रियाएँ
(c) मानस तथा सामाजिक चेतना
(d) अर्थ तथा प्रतीक जो क्रिया तथा अंतःक्रिया को सुलभ बनाती है।

नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजियेः
कूटः
(A) (a) और (b) (B) (b) और (c)
(C) (c) और (d) (D) (a) और (d)

उत्तर (d)–प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद में सोचने की मानवीय क्षमता एवं अर्थ तथा प्रतीक जो क्रिया तथा अन्तःक्रिया को सुलभ बनाती है।

35. नीचे दो कथन दिये गये हैं एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है।
अभिकथन (A) : लोग विश्व को व्यवस्थित करने में सक्षम हैं, जो कि अन्यथा संभ्रमित होगा।
कारण (R) : चिह्न/प्रतीक लोगों को भौतिक तथा सामाजिक दुनिया के साथ निबटने की क्षमता प्रदान करते हैं। और ऐसा वे उन्हें नाम देने, वर्गीकृत करने तथा स्मरण रखने की योग्यता देकर करते हैं।
नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजियेः
कूटः
(A) (A) और (R) दोनों सत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (a)–(A) तथा (R) दोनों सत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

36. निम्नलिखित विचारकों में से किसने विचार किया कि सामाजिक सम्बन्धों में संघर्ष हो सकता है, क्योंकि पारस्परिक क्रिया की स्थिति में लोगों द्वारा हिंसात्मक बल प्रयोग का हमेशा उपयोग किया जा सकता है?
(a) कॉलिन्स (b) सिमेल
(c) डहरेनडॉर्फ (d) कोज़र

उत्तर (a)–कॉलिन्स का संघर्ष सिद्धाँत के क्षेत्र में बहुत बड़ा और मौलिक योगदान यह है कि वे बड़े सफाई व बारीकी से यह बताते हैं कि किस प्रकार संघर्ष का उपागम सामाजिक एकीकरण की प्राप्ति में सहायक है। वे कहते हैं, सामाजिक सम्बन्धों में संघर्ष हो सकता है क्योंकि पारस्परिक क्रिया की स्थिति में लोगों द्वारा हिंसात्मक बल प्रयोग का हमेशा उपयोग किया जा सकता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

37. समाज में संघर्ष के सकारात्मक प्रकार्यों पर निम्नलिखित में से किसने जोर दिया है?

(a) लेविस ए. कोज़र (b) कार्ल मार्क्स
(c) मैक्स वेबर (d) इमाईल दुर्खीम

उत्तर (a)–लेविस ए. कोजर यह मानकर चलते हैं कि संघर्ष व्यवस्था के एकीकरण और अनुकूलन को बनाये रखते हैं। वस्तुतः उनका यह अभिमत है कि प्रत्येक सामाजिक व्यवस्था की अपनी आवश्यकताएँ (Needs) होती है इन आवश्यकताओं की पूर्ति संघर्ष द्वारा ही होती है।

38. दुर्खीम के अनुसार, आधुनिक कानून का स्वरूप क्या है?

(a) दमनकारी (b) क्षतिपूरक
(c) मानकीय (d) औपचारिक

उत्तर (b)–दुर्खीम के अनुसार आधुनिक कानून का स्वरूप क्षतिपूरक या प्रतिकारी कानून का उल्लेख किया है। दमनकारी कानून पारम्परिक समाजों में पाया जाता है। प्रतिकारी (क्षतिपूरक) कानून एक सुधारात्मक कानून है जो आधुनिक समाजों में पाया जाता है।

39. वैज्ञानिक विधि का विशिष्ट लक्षण निम्नलिखित में से कौन सा नहीं है?

(a) विश्वसनीयता (b) वैधता
(c) पुनरावृत्तिता (d) सहज बोध अवलोकन

उत्तर (d)–वैज्ञानिक विधि का विशिष्ट लक्षण सहज बोध अवलोकन नहीं है जिसके द्वारा रोजमर्रा के जीवन और गतिविधियों के बारे में सोचने समझने के हमारे नैतिक तरीकों को साधारण सामान्य बुद्धि अवलोकन कहा जाता है।

40. सर्वेक्षण का उद्देश्य है :

(a) सामाजिक प्रपंच का गहन अध्ययन
(b) जनसंख्या का विस्तृत कवरेज
(c) सिद्धान्त का परीक्षण
(d) कार्य-कारण सम्बन्ध स्थापित करना

उत्तर (b)–सर्वेक्षण का उद्देश्य जनसंख्या का विस्तृत कवरेज करना है सर्वेक्षण शोध क्षेत्र कार्य के द्वारा सामग्री संकलन की ऐसी विधि है, जिसके द्वारा व्यक्तिगत साक्षात्कार या दूरभाष के द्वारा अथवा डाक प्रश्नावली के माध्यम से लोगों से शोध प्रश्नों के बारे में जानकारी एकत्रित कर निष्कर्ष निकाले जाते हैं।

41. विवरणात्मक अभिकल्प (डिजाइन) के साथ कौन सा सम्बन्धित है?

(a) जनांकिकीय प्रवृत्तियों का विश्लेषण
(b) विकास हस्तक्षेप के प्रभाव का मूल्यांकन
(c) स्त्रियों के विरुद्ध हिंसा की कारणात्मक व्याख्या
(d) अन्योन्य- सांस्कृतिक अध्ययन

उत्तर (a)–वर्णनात्मक अनुसंधान का प्रमुख लक्ष्य घटनाओं और स्थितियों का वर्णन करना होता है चूँकि वर्णन वैज्ञानिक अवलोकन पर आधारित होता है अतः अपेक्षा की जाती है कि यह अधिक सटीक व संक्षिप्त होगा बजाय आकस्मिक होने के।

42. शोध के निम्नलिखित प्रकारों में से किसमें परिकल्पना की पूर्वापेक्षा है?

(a) जीवन सम्बन्धी अध्ययन (b) प्रयोगात्मक अध्ययन
(c) निर्वचनीय अध्ययन (d) आलोचनात्मक अध्ययन

उत्तर (b)–इस पद्धति में क्षेत्र प्रयोग और प्रयोगशाला प्रयोग शामिल है। क्षेत्र प्रयोग में प्रयोगात्मक समूह और नियंत्रित समूह में तुलना द्वारा अध्ययन किया जाता है प्रयोगशाला प्रयोग में अन्वेषक जो वास्तविक दशाएँ बनाना चाहता है वैसी स्थिति बना लेता है।

43. जनसमुदाय के बारे में कोई जानकारी न होने पर कौन से प्रकार की प्रतिचयन पद्धति अभीष्ट रूप से उपयुक्त है?

(a) सुविधाजनक प्रतिचयन पद्धति
(b) सोद्देश्य प्रतिचयन पद्धति
(c) नियतांश (कोटा) प्रतिचयन पद्धति
(d) स्नोबॉल प्रतिचयन पद्धति

उत्तर (d)–इस विधि में अनुसंधानकर्ता कम उत्तरदाताओं जो उसके परिचित होते है और उपलब्ध होते है को लेकर अनुसंधान शुरू करता है बाद में यही लोग कुछ अन्य नाम देते हैं जो अनुसंधान की कसौटी है, पर आते हैं और वे उत्तरदाता फिर कुछ नये नाम दे देते है। यह प्रक्रिया तब तक चलती रहती है जब तक पर्याप्त संख्या में साक्षात्कार न हो जाय या जब तक और उत्तरदाता मिलना बन्द न हो जाय।

44. सहभागी अवलोकन पद्धति किसके अध्ययन के लिये पूरी तरह से उपयुक्त है?

(A) जनजातीय संस्कृति (B) राष्ट्रीय संस्कृति
(C) नृजातीय अध्ययन (D) वैश्वीकरण का परिदृश्य

नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें -

(a) (A) और (B) (b) (A) और (C)
(c) (A) और (D) (d) (C) और (B)

उत्तर (b)–सहभागी अवलोकन वह विधि है जिसमें अन्वेषक अध्ययन किये जाने वाले परिवेश का एक हिस्सा बन जाता है। यह स्वयं को अन्वेषण विषय के समूह के जीवन का हिस्सा बना लेता है इस परिवेश में स्वयं को शामिल कर लेता है। सहभागी अवलोकन का प्रयोग मानवशास्त्रीय अनुसंधान में अधिक होता है। इसलिए जनजाति से संस्कृति और नृजातीय अध्ययन के लिए पूरी तरह से उपयुक्त है।

45. दो कथन दिये गये हैं एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है। नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये।

अभिकथन (A) : विश्वसनीयता के कुछ मानदण्डों को पूरा न कर सकने के कारण गुणात्मक पद्धतियों की प्रायः आलोचना की जाती है।

कारण (R) : गुणात्मक अध्ययनों में आँकड़े एकत्रित करने की प्रक्रियाएं यथातथ्य तथा ठीक-ठीक होती है।

नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजियेः

कूटः

(A) (A) और (R) दोनों सत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (c)–गुणात्मक पद्धतियाँ संख्याओं को महत्व नहीं देती हैं, गुणों को महत्व देती हैं। गुणात्मक पद्धतियों में इकाइयों का वर्णन मात्र किया जाता है। गुणात्मक पद्धतियों का उदाहरण सहभागी अवलोकन, वैयक्तिक अवलोकन तथा अन्तर्वस्तु विश्लेषण है। गुणात्मक अध्ययन में पक्षपात की अधिक सम्भावना के कारण विश्वसनीय प्रविधि नहीं मानी जाती है। अतः अभिकथन A सत्य है। तथा R गलत है।

46. यहाँ दो कथन दिये गये हैं एक को अभिकथन तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है। नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये।

अभिकथन (A) : जीवन इतिहास शोध लोगों में उनके शोषण के प्रति चेतना एवं जागरुकता बढ़ाने में सहायता कर सकता है।

कारण (R) : जीवन इतिहास शोध लोगों को उन कारकों पर विचार करने के लिये प्रोत्साहित करता है, जिन्होंने उनके जीवन के अनुभवों को आकार दिया है।

कूटः

(A) (A) और (R) दोनों सत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।

(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (a)–ऐतिहासिक शोध, ऐतिहासिक समस्याओं के अन्वेषण में वैज्ञानिक पद्धति की अनुपयुक्ति है। इसमें अतीत की घटनाओं, विकास क्रमों आदि का अध्ययन किया जाता है, जो मानव भविष्य को नयी दिशा देता हैं। अतः कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या है।

47. सूची- I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजियेः

सूची-I	**सूची-II**
(A) केन्द्रीय प्रवृत्ति	(i) माध्य विचलन
(B) प्रकीर्णन	(ii) पियरसन का सहसम्बन्ध
(C) सहसम्बन्ध	(iii) माध्य
(D) सार्थकता का परीक्षण	(iv) 't'-परीक्षण

कूटः

	(A)	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (c)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

केन्द्रीय प्रवृत्ति	-	माध्य
प्रकीर्णन	-	माध्य विचलन
सह सम्बन्ध	-	पियरसन का सहसम्बन्ध
सार्थकता का परीक्षण	-	't' परीक्षण

48. जब एक ही वस्तु पर एक विशेष तकनीक को बारम्बार प्रयुक्त करने पर एक ही परिणाम निकलता है, तो इसे कहा जाता है इसकी–

(a) वैधता (b) विश्वसनीयता
(c) प्रायिकता (d) व्यक्तिपरकता

उत्तर (b)–विश्वसनीयता का आधार सत्य और असत्य से है। इसलिए जब एक ही वस्तु पर एक विशेष तकनीक को बारम्बार प्रयुक्त करने पर एक ही परिणाम निकलता है। तो इसे विश्वसनीयता ही कहते हैं।

49. निम्नलिखित सारिणी को ध्यान से देखिये नीचे दिये प्रश्न का उत्तर दीजिये

आयु समूह	**आवृत्ति**
20 - 29	08
30 - 39	06
40 - 49	09
50 - 59	12
60 - 69	15
70 - 79	09
80 - 89	04

उपर्युक्त वितरण में माध्यिका किस अन्तराल में पड़ता है?

(a) 40 - 49 (b) 50 - 59
(c) 60 - 69 (d) 70 – 79

उत्तर (b)–

वर्ग अन्तराल	आवृत्ति	संचयी आवृत्ति
20 – 29	08	8
30 – 39	06	8 + 6 = 14
40 – 49	09	14 + 9 = 23
50 – 59	12	23 + 12 = 35
60 – 69	15	35 + 15 = 50
70 – 79	09	50 + 9 = 59
80 – 89	04	59 + 4 = 63
योग ⇒	63	

वर्गान्तर बिन्दु $M = \frac{n}{2}$ वाँ पद

$= \frac{63}{2} = 31.5$ वाँ पद

31.5वाँ पद संचयी आवृत्ति 35 के वर्ग-अन्तराल 50-59 में शामिल है।

50. प्रति हजार व्यक्ति मृत्यु की संख्या का परिकलन किस मापन के अन्तर्गत पड़ता है-

(a) स्तर पैमाना
(b) क्रमसूचक पैमाना
(c) अनुपात पैमाना
(d) अंतराल पैमाना

उत्तर (c)–प्रति हजार व्यक्ति मृत्यु की संख्या का परिकलन अनुपात पैमाना मापन के अन्तर्गत पड़ता है। अनुपात पैमाना, चर को मापने का वह पैमाना है। जिसमें शोधकर्ता जीव संख्या की कुछ खास विशेषता या स्तर को जानकर उसकी माप भी उसकी विशेषता या स्तर अनुपात में करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2012
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

1. नृजाति कार्यप्रणालीवेत्ताओं के अनुसार लोग किस प्रकार के तर्क का उपयोग करते हैं?
(a) आगमनात्मक तर्क
(b) निगमनात्मक तर्क
(c) व्यावहारिक तर्क
(d) किसी तर्क का उपयोग नहीं करते हैं।

उत्तर (c) नृजाति कार्यप्रणालीवेताओं के अनुसार, लोग अपने चारों ओर की दुनियाँ के बारे में अपनी समझ व्यवहारिक तर्क के आधार पर बनाते हैं, न कि औपचारिक तर्क के आधार पर।

2. 'संवादात्मक विश्लेषण' निम्नलिखित पद्धतियों में से किसका भाग है?
(a) प्रघटनाशास्त्र (b) वर्स्टहेन
(c) नृजाति कार्यपद्धति (d) संरचनावाद

उत्तर (c) 'संवादात्मक विश्लेषण' सामाजिक अन्तः क्रिया जो कि वाचिक एवं गैरवाचिक दोनों हो सकती है, के अध्ययन का एक दृष्टिकोण है। समाजशास्त्र में इसकी पहचान गारफिंकल के नृजातीय पद्धतिशास्त्र (Ethnomethodology) से हुई।

3. नृजातीय कार्यप्रणाली का प्रथम बार कब प्रयोग हुआ था?
(a) 1940 का दशक (b) 1950 का दशक
(c) 1960 का दशक (d) 1970 का दशक

उत्तर (a) नृजातीय कार्यप्रणाली का प्रथम बार 1940 दशक में शुरूआत हुआ। इस पद्धति की शुरूआत करने का श्रेय प्रख्यात समाजशास्त्री हेराल्ड गारफिन्केल को जाता है।

4. ''आधुनिक समाज में ''आत्म'' (या स्व) उसी प्रकार से पवित्र वस्तु बन जाता है जैसे कि प्राचीन समाजों के सामूहिक प्रतीक।''
यह विचार किसने प्रतिपादित किया है?
(a) वेबर (b) दुर्खीम
(c) मीड (d) गॉफमैन

उत्तर (c) समाजशास्त्र के 'स्व' की अवधारणा को विलियम जेम्स, चार्ल्स कूले, जार्ज मीड के दर्शन से लिया गया है तथा यह प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद की नींव है। मीड ने ''स्व'' की अवधारणा को प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद की केन्द्रीय आधार बनाया है। उनके अनुसार मनुष्य के भीतर ''स्व'' होता है। इसलिए आधुनिक समाज में ''आत्म'' (या स्व) उसी प्रकार से पवित्र वस्तु बन जाता है जैसे कि प्राचीन समाजों के सामूहिक प्रतीक समाज को आँखमूंद कर व्यवहार में आत्मसात् कर लेते हैं। और इसी पवित्रता को थोड़े बहुत हेर-फेर के साथ मनोवैज्ञानिक पदावली में मीड ''स्व'' कहते है।

5. ''दी सोशल कंन्ट्रक्शन ऑफ रिएलिटी'' नामक कृति किसने लिखी है?
(a) पीटर एल.बर्गर (b) थॉमस लकमैन
(c) बर्गर तथा लकमैन दोनों (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c) दी सोशल कंस्ट्रक्शन ऑफ रिएलिटी पुस्तक बर्गर तथा लकमैन की है। यह पुस्तक ज्ञान के सामाजशास्त्र के नियमों को उजागर करती है अपने समय की व्यापक रूप में पढ़ी जाने वाली सिद्धांतों पर लिखी गई पुस्तक में इस पुस्तक में मोटे रूप में दो प्रमुख विषयों का विश्लेषण किया गया है।

6. सूची-I को सूची- II के साथ सुमेलित करें :

सूची- I	सूची- II
(A) सोशल कंस्ट्रक्शन ऑफ रिएलिटी	(1) हैरॉल्ड गारफिंकल
(B) फिनोमिनोलॉजी ऑफ सोशल वर्ल्ड	(2) इरविन गॉफमैन
(C) प्रेजेन्टेशन ऑफ सेल्फ इन एव्री डे	(3) बर्गर एण्ड लकमैन लाइफ
(D) स्टडीज इन एथनोमेथेडॉलोजी	(4) अल्फ्रेड शूट्ज

कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(1)	(2)	(3)	(4)
(b)	(2)	(3)	(4)	(1)
(c)	(3)	(4)	(2)	(1)
(d)	(4)	(2)	(1)	(3)

उत्तर (c) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–
सोशल कंस्ट्रक्शन ऑफ रिएलिटी - बर्गर एण्ड लकमैन
फिनोमिनोलॉजी ऑफ सोशल वर्ल्ड - अल्फ्रेड शूट्ज
प्रेजेन्टेशन ऑफ सेल्फ इन एव्री डे - इरविन गाफमैन
स्टडीज इन एथनोमेथेडोलॉजी - हेराल्ड गारफिंकल

7. नव-प्रकार्यवाद समाज के विवरणात्मक मॉडल के साथ कार्यशील रहता है जो कि समाज को उन घटकों जो एक पैटर्न बनाते हैं, को संघटित रूप में देखता है। यह किसका विचार है?
(a) पी.कोलोमी (b) जे.अलेक्जेण्डर
(c) टी. पारसन्स (d) आर.के.मर्टन

उत्तर (b) जे॰अलेक्जेण्डर के मतानुसार नव-प्रकार्यवाद समाज के विवरणात्मक मॉडल के साथ कार्यशील रहता है जो कि समाज के उन घटकों जो एक पैटर्न बनाते हैं, को संघटित रूप में देखता है।

8. 'समाजशास्त्र में थ्योरिटीकल लॉजिक' नामक पुस्तक किसने लिखी है ?
(a) एन.जे.स्मेल्सर (b) जे.सी.अलेक्जेंडर
(c) पॉल कोलोमी (d) बर्नहार्ड जीसेन

उत्तर (b) जे॰सी॰अलेक्जेण्डर की गणना नववामपंथी मार्क्सवादियों और नव-प्रकार्यवाद दोनों में की जाती है। अपनी चार खण्डो वाली बहुचर्चित पुस्तक ''समाजशास्त्र में सैद्धांतिक तर्क, 1982-83 में शुरूआत की।

9. नव-प्रकार्यवाद को किन समस्याओं की जरूरत थी जिससे कि वो विजयी हो सके?
(a) प्रतिव्यष्टिवाद तथा आदर्शवाद
(b) परिवर्तन विरोध तथा आनुभाविक विरोधी पूर्वाग्रह

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) (A) और (B) दोनों
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c) नव-प्रकार्यवादिओं को प्रतिव्यष्टिवाद तथा आदर्शवाद और परिवर्तन विरोध तथा आनुभविक विरोधी पूर्वाग्रह की समस्याओं की जरूरत थी जिससें वे विजयी हो सके।

10. सिद्धान्तवादियों का समीक्षात्मक सम्प्रदाय आर्थिक निश्चयवाद तथा सामाजिक जीवन के अन्य पहलुओं का असन्तुलन किस प्रकार ठीक करता है?
(a) आर्थिक तथा सामाजिक क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करके ।
(b) आर्थिक तथा ऐतिहासिक क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करके ।
(c) आर्थिक तथा सांस्कृतिक क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करके ।
(d) आर्थिक तथा उत्पादक क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करके।

उत्तर (c) सिद्धान्तवादियों का समीक्षात्मक सम्प्रदाय आर्थिक निश्चयवाद तथा सामाजिक जीवन के अन्य पहलुओं का असन्तुलन आर्थिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करके ठीक करता है। समीक्षात्मक सम्प्रदाय मार्क्स के आर्थिक निश्चयवाद की आलोचना इसलिए करता है क्योंकि उसका केन्द्र केवल आर्थिक है। वे मानते हैं कि मार्क्स का सम्बन्ध सामाजिक जीवन के अन्य पहलुओं से भी होना चाहिए। समीक्षात्मक सम्प्रदाय मार्क्सवाद में परिवर्धन करते हुए उसमें अन्य सांस्कृतिक तत्वों को जोड़ता है।

11. नव-मार्क्सवादियों के अनुसार, किसी भी सामाजिक परिवर्तन के विरूद्ध तर्क वितर्क करने के लिए मानव स्वभाव के बारे में किन विचारों का बहुधा उपयोग किया गया है?
(a) हमारा स्वाभाविक लोभ तथा हमारे प्राकृतिक लैंगिक अन्तर
(b) हिंसा की हमारी प्राकृतिक प्रवृत्ति
(c) (A) और (B) दोनों
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c) नव-मार्क्सवादियों के अनुसार किसी भी सामाजिक परिवर्तन के विरूद्ध तर्क वितर्क करने के लिए मानव स्वभाव के बारें में हमारा स्वाभाविक लोभ तथा हमारे प्राकृतिक लैंगिक अन्तर तथा हिंसा की हमारी प्राकृतिक प्रवृति की विचारों का बहुधा उपयोग किया गया है।

12. निम्नलिखित में से किसने संरचना को सामाजिक दुनिया का मॉडल समझा है और उसे संरचनावादियों में वास्तविकता नहीं समझता है?
(a) लेवी-स्ट्रॉस (b) फ्रॉयड
(c) मार्क्स (d) लेमर्ट

उत्तर (a) लेवी-स्ट्रॉस ने संरचना को सामाजिक दुनिया का मॉडल समझा है और उसे संरचनावादियों में वास्तविकता नहीं समझता हैं Elementary Structure of kinship में लेवी स्ट्रास ने बताया कि समाज की संरचना उस समाज में रहने वाले लोगों की दिमाग की संरचना है।

13. निम्न में कौन अपनी डीकन्स्ट्रक्शन की अवधारणा में 'भाषा को अव्यवस्थित तथा अस्थिर' समझता है?
(a) डेरिडा (b) गॉडेलीयर
(c) फूका (d) लेमर

उत्तर (a) डेरिडा अपनी डीकन्स्ट्रक्शन की अवधारणा में भाषा को अव्यवस्थित एवं अस्थिर समझता है। इसने विखण्डन की अवधारणा को पेश किया जिसके अनुसार विखण्डन का प्रथम कार्य भाषा की अस्पष्टता को स्पष्ट करना है तथा जो तर्क की कसौटी पर सहीं नहीं बैठता उसका विखण्डन करना है विखण्डन का प्रत्यक्ष सम्बन्ध भाषा से है।

14. उत्तर संरचनावाद के संदर्भ में, किसने तर्क किया कि 'स्टेज/मंच पर जो कुछ होता है वह उसी के "प्रतिरूपित करता" है जो वास्तविक जीवन में होता है'........?
(a) फूको (b) गिडेन्स
(c) डेरिडा (d) डिन

उत्तर (c) उत्तर संरचनावाद का जनक डेरिडा को माना जाता है। डेरिडा ने यह तर्क प्रस्तुत किया कि स्टेज/ मंच पर जो कुछ होता है वह उसी को प्रतिरूपित करता हैं जो वास्तविक जीवन में होता है।

15. स्ट्रक्चरेशन सिद्धान्त में एजेन्सी तथा संरचना का एकीकरण किसने सुस्पष्ट किया था?
(a) माइकल फूको (b) जे.डेरिडा
(c) एन्थॅनी गिडेन्स (d) जे.एम.बर्नस्टीन

उत्तर (c) गिडेन्स ने कहा कि संरचना ही व्यक्ति विशेष को नियम और साधन देती है। इनके आधार पर ही व्यक्ति अपने कार्य करने के विकल्प निश्चित करता है। ऐसा करने में गिडेन्स नियम और साधनों का प्रकारीकरण करते हैं तथा सूक्ष्म और वृहद को आपस में जोड़ते हुए दिखाई देते हैं। इसी को संरचनाकरण कहते हैं।

16. किसने आधुनिकता की उन्नत अवस्था का वर्णन करने के लिए 'जर्गरनॉट' का नाम लिया?
(a) माइकल फूको (b) एन्थॅनी गिडेन्स
(c) मैक्स वेबर (d) डेविड फ्रिस्ब

उत्तर (b) गिडेन्स ने यह अवश्य माना है कि आज की आधुनिकता ने जगरनॉट का रूप धारण कर लिया है जो नियंत्रण से बाहर है।
गिडेन्स ने आधुनिकता के इस जर्गरनॉट को बड़े ही व्यंग्यात्मक शब्दों में इस प्रकार अभिव्यक्त किया है। यह अथाह शक्ति का एक बेलगाम इंजन है जिसे हम मानव प्राणी सामूहिक रूप से कुछ सीमा तक चला सकते हैं लेकिन इसमें कभी भी नियंत्रण के बाहर होने का निरंतर भय बना रहेगा।

17. निम्नलिखित में से कौन सा भारत में सांस्कृतिक विविधता का सूचक नहीं है?
(a) प्रजाति (b) जाति
(c) वर्ग (d) धर्म

उत्तर (c) वर्ग भारत में सांस्कृतिक विविधता का सूचक नहीं है । सामाजिक वर्ग ऐसे व्यक्तियों का योग है जिनकी एक दिये हुए समाज में अनिवार्यतः समान सामाजिक अवस्थिति है।

18. किसने भारतीय संस्कृति की विविधताएँ स्पष्ट की हैं और 'डाइवर्सिटीज' नामक पुस्तक लिखी है?
(a) आर.के.मुखर्जी (b) डी.पी.मुकर्जी
(c) जी.एस.घुर्ये (d) एस.सी.दूबे

उत्तर (b) डी.पी.मुकर्जी ने अपनी पुस्तक डायवर्सिटीज़ में भारतीय संस्कृति की विविधताओं का स्पष्टीकरण किया है।

19. 'पीपल ऑफ इंडिया' नामक विस्तृत कृति का किसने सम्पादन किया है?
(a) जी.एस.घुर्ये (b) एस.सी.दुबे
(c) योगेन्द्र सिंह (d) के.एस.सिंह

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (d) 'पीपल ऑफ इंडिया' नामक विस्तृत कृति का सम्पादन के.एस.सिंह ने किया।

20. जी.एस.घुर्ये की कृतियाँ कौन सी है?
(I) ट्राइबल हेरिटेज ऑफ इंडिया
(II) सिटीस एण्ड सिविलाइज़ेशन
(III) कल्चर एण्ड सोसाइटी
(IV) इंडियन साधूस
नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिये :

कूट-
(A) केवल IV (B) I,III,IV
(C) II,III,IV (D) I,II,III,IV

उत्तर (c) सिटीज एण्ड सिविलाइजेशन, कल्चर एक सोसायटी, इण्डियन साधूस, जी. एस. घुरिये जी की कृतियाँ है। इनकी प्रसिद्ध पुस्तक "Caste Class and occupation"है जिसमें जातिप्रथा के अर्थ और परिभाषा सम्बन्धी विवाद से दूर रहकर उसकी प्रमुख विशेषताओं की विवेचना करते है। ट्राइबल हेरिटेज ऑफ इण्डिया एस. सी. दूबे की पुस्तक है।

21. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें :

सूची-I (लेखक)	**सूची-II (पुस्तक)**
(A) एस.सी.दूबे	(i) इंडियाज विलेज
(B) एम.एन. श्रीनिवास	(ii) कास्ट एण्ड रेस इन इंडिया
(C) जी.एस.घुर्ये	(iii) कास्ट इन इंडिया : देयर मैकेनिज्म, मैनेसिस एण्ड डेवलेपमेंट
(D) बी.आर.अम्बेडकर	(iv) इंडियन विलेज

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन करें।

कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(c)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(d)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)

उत्तर (b) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

एस.सी.दूबे	-	इंडियन विलेज
एम.एन. श्रीनिवास	-	इंडियाज विलेज
जी.एस.घुर्ये	-	कास्ट एण्ड रेस इन इंडिया
बी.आर.अम्बेडकर	-	कास्ट इन इण्डिया, देयर मैकेनिज्म, मैनेसिस एण्ड डेवलपमेण्ट

22. यह किसका मत है कि...भारतीय सभ्यता की एक विशिष्ट विचारधारा है जिसके घटक पश्चिम की तुलना में द्वि-आधारी विरोध में होते हैं : पारम्परिक के विरूद्ध आधुनिक, व्यक्तिवाद के विरूद्ध पूर्णतावाद,समानता के विरुद्ध अधिक्रमिकता , प्रदूषण के विरूद्ध शुद्धता, सत्ता के विरूद्ध प्रास्थिति इत्यादि...।
(a) लुईस ड्यूमॉ (b) डेविड हार्डिमैन
(c) एन.के.बोस (d) जी.एस.घुर्ये

उत्तर (a) लुईस ड्यूमॉ का मत है कि भारतीय सभ्यता की एक विशिष्ट विचारधारा है जिसके घटक पश्चिम की तुलना में द्वि-आधारी विरोध में होते हैं: पारम्परिक के विरूद्ध आधुनिक,व्यक्तिवाद के विरूद्ध पूर्णतावाद,समानता के विरूद्ध अधिक्रमिकता, प्रदूषण के विरूद्ध शुद्धता, सत्ता के विरूद्ध प्रास्थिति आदि। ड्यूमॉ ने भारत में जाति के उत्पत्ति का आधार पवित्रता और प्रदूषण को बतलाया है।

23. यह किसका विचार है कि जाति तथा अस्पृश्यता हिन्दुओं को समुदाय के रूप में क्रिया नहीं करने देते हैं?
(a) डेविड हार्डिमैन (b) लुईस ड्यूमॉ
(c) बी.आर.अम्बेडकर (d) एम.एन.श्रीनिवास

उत्तर (c) बी. आर. अम्बेडकर के अनुसार जाति, तथा अस्पृश्यता हिन्दुओं को समुदाय के रूप में क्रिया नहीं करने देती है। इन्होंने बतलाया कि भारत में दलित जातियों का अभिप्राय वे जातियाँ है जिन्हें अपवित्र व्यवसाय करना होता है। तथा जो वर्ण व्यवस्था के अन्दर नहीं है।

24. कौन सा सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य इस विचार पर आधारित है कि उदारता न तो उपहार के रूप में मिलती है: इसके लिए संघर्ष करना पड़ता है। आत्म-उन्नति दूसरों के आशीर्वाद द्वारा नहीं बल्कि आत्म संघर्ष द्वारा प्राप्त की जाती है।
(a) मार्क्सवादी (b) संरचनात्मक
(c) उपाश्रयण (d) सभ्यता सम्बन्धी

उत्तर (c) उपाश्रयण सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य इस विचार पर आधारित है कि उदारता उपहार के रूप में नहीं मिलती है इसके लिए संघर्ष करना पड़ता है आत्म-उन्नति दूसरों के आर्शीवाद द्वारा नहीं बल्कि आत्म संघर्ष द्वारा प्राप्त की जाती है। सबाल्टर्न एक शब्द है जो सामान्य तौर पर उन व्यक्तियों को इंगित करता जो सामाजिक, संस्कृतिक तथा भौगोलिक स्तर पर शक्ति संरचना के बाहर होते है। यहाँ सबाल्टर्न का प्रयोग औपनिवेशवाद के बाद के सिद्धान्त में किया गया। इस शब्द का उचित मतलब वर्तमान दर्शन में है और इसका प्रयोग विवादास्पद है। सबाल्टर्न प्राथमिक था और गैर-सेना के रूप में इसका प्रयोग मार्क्सवादी एन्टोनियो ग्रामस्की ने किया।

25. किस वर्ष के हिन्दू विवाह अधिनियम के अन्तर्गत हिन्दुओं को तलाक के प्रावधान प्रदान किये गये?
(a) 1955 (b) 1956
(c) 1961 (d) 1973

उत्तर (a) हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 ई. में पास किया गया जिसके अनुसार तलाक के लिए दोनों पक्षकारों की समान रूप से सहमति अनिवार्य है। धारा 13 में (विवाह विधि संशोधन अधिनियम 1976) बगैर पारस्परिक दोष साबित किये जाने के बावजूद पक्षकारों को परस्पर सहमति से विवाह विच्छेद की आज्ञप्ति प्राप्त करने का हक दे दिया गया है।

26. 'सममित परिवार' की अवधारणा किसने प्रतिपादित की थी?
(a) यंग तथा विलमॉट (b) ओकले
(c) बॉमैन एवं स्मार्ट (d) स्मार्ट

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (a) यंग एवं विलमॉट ने सिमेट्रिकल फैमिली की संकल्पना का प्रयोग किया। सिमिट्री का अर्थ ऐसी व्यवस्था से है जिसके सभी अंग या भाग समान होते हैं। यंग एवं विलमॉट ने पति और पत्नी के युग्म से निर्मित एक ऐसा नाभिक परिवार जो संबंधियों से किसी प्रकार की सहायता प्राप्त नहीं करता और नही सहायता की आशा करता है। यह पूर्णतयः आत्मनिर्भर एक स्व-प्रशस्ति परिवार होता है।

27. दहेज निषेध (संशोधन) अधिनियम निम्न में से कौन से वर्ष में पारित हुआ?

(a) 1963 (b) 1965
(c) 1984 (d) 1961

उत्तर (c) दहेज निषेध (संशोधन) अधिनियम वर्ष 1984 में पारित किया गया जबकि दहेज निषेध अधिनियम वर्ष 1961 में बना। इसके अनुसार दहेज लेना व देना दोनों अपराध है। भारतीय दण्ड संहिता की धारा 304–ख के अनुसार जो कोई दहेज मृत्युकारित करेगा उसे कम से कम सात वर्ष अधिकतम आजीवन कारावास से दण्डित किया जायेगा।

28. किस प्रकार की निर्धनता से कुछ समूहों की जीवनयापन की स्थितियों तथा जीवनयापन की उन स्थितियों जो अधिकांश जनसंख्या को प्राप्त है, के बीच अन्तर का मापन जुड़ा है?

(a) प्रवर्तित निर्धनता (b) निर्धनता की संस्कृति
(c) सापेक्ष निर्धनता (d) पूर्ण निर्धनता

उत्तर (c) निर्धनता वह अवस्थिति है जो शारीरिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु जीवित, सुरक्षित एवं निश्चित रहने की जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ है। सापेक्ष निर्धनता से कुछ समूहों की जीवन यापन की स्थितियों तथा जीवन यापन की उन स्थितियों जो अधिकांश जनसंख्या को प्राप्त है के बीच अन्तर का मापन जुड़ा है।

29. किसके तर्क के अनुसार 'कुछ संघर्ष कार्यात्मक होता है क्योंकि यह सुरक्षा कपाट का काम करता जिसके बिना सामाजिक शत्रुता अन्ततः हिंसात्मक या उग्र रूप में फूट सकती है'?

(a) कोजर (b) मार्क्स
(c) डहरेन्डॉर्फ (d) लकमैन

उत्तर (a संघर्ष सामाजिक व्यवस्था को कायम रखने तथा संस्थाओं के विकसित करने में सेफ्टीवाल्व का कार्य करता है। कोजर के अनुसार विरोधी भाव को यथा (1) विरोधी समूह के प्रति शत्रुता प्रदर्शित करके (2) शांतिपूर्ण भाव को किसी अन्य व्यक्ति या समूह के ऊपर करके (3) किसी अन्य व्यक्ति या समूह के बिना स्वयं अपने ऊपर व्यक्त करके, किया जा सकता है।

30. नीचे दो कथन दिये गये हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) का नाम दिया गया है :
अभिकथन (A) : महानगरीय शहरों में मलिन बस्तियों के बड़े आकार का प्रभुत्व रहता है।
कारक (R) : उद्योगों तथा नौकरी के अवसरों में संवृद्धि के साथ ग्रामीण जनसंख्या का शहरी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर प्रवसन हुआ है।
उपर्युक्त कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

कूट-
(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A)की सही व्याख्या नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) सत्य है,परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है,परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (b) भारत में बड़े शहरों में पूरी जनसंख्या का $\frac{1}{4}$ भाग तथा आधे भाग के बीच व्यक्ति काम चलाऊ आश्रयों एवं गंदी बस्तियों में रहते हैं। महानगरीय शहरों में गंदी बस्तियों के वृहद आकार का प्रभुत्व रहता है। तथा उद्योगों एवं नौकरी के अवसरों की संवृद्धि के कारण ग्रामीण जनसंख्या एवं रोजगार की तलाश से शहरों की तरफ बड़े पैमाने पर प्रवसन उत्तरदायी है। अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सत्य है तथा कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या है।

31. नीचे दो कथन दिये गये हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) का नाम दिया गया है :
अभिकथन (A) : जनसंख्या की अत्यधिक वृद्धि समाज में निम्न स्तर के विकास का सूचक है।
कारक (R) : उच्च जन्म दर समाज में निरक्षरता तथा निर्धनता से सम्बन्धित है।
उपर्युक्त कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

कूट-
(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A)की सही व्याख्या नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) सत्य है,परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है,परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (b) भारत में जनसंख्या की वृद्धि अधिक होने से नये निवेश हेतु बचत हो ही नहीं पाती है जिससे समाज का विकास निम्न हैं उच्च जन्मदर के कारण समाज में निरक्षरता तथा निर्धनता बढ़ती है। अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सत्य है तथा R, A की सही व्याख्या है।

32. नीचे दो कथन दिये गये हैं, एक को अभिकथन (A)और दूसरे को कारण (R)का नाम दिया गया है :
अभिकथन (A) : भारत में आर्थिक क्षेत्रीय असमताएँ विद्यमान हैं।
कारक (R) : आर्थिक क्षेत्रीय असमताएँ सरकार द्वारा बजट के आबंटन का परिणाम है।
उपर्युक्त कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

कूट-
(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है,परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है,परन्तु (R) सत्य है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (a) भारत में आर्थिक क्षेत्रीय असमानताओं का आधार सरकार की नीतियाँ है। आर्थिक आधार पर समाज को उच्च वर्ग, मध्य वर्ग तथा मजदूर, निर्धन वर्ग में विभाजित किया गया है।
आर्थिक क्षेत्रीय असमानतायें सरकार द्वारा बजट के आवंटन का परिणाम है। अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सही हैं, कारण R, A की सही व्याख्या है।

33. सूची- I में दी गई मदों की सूची- II की मदों के साथ सुमेलित करें :

सूची- I	सूची- II
(A) चिपको आन्दोलन	(i) चारू मजूमदार
(B) नक्सलबाड़ी आन्दोलन	(ii) मेधा पाटकर
(C) नर्मदा बचाओ आन्दोलन	(iii) सुन्दरलाल बहुगुणा
(D) गंगा बचाओं आन्दोलन	(iv) जी.डी. अग्रवाल

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :
कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(d)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

चिपको आन्दोलन	- सुन्दरलाल बहुगुणा
नक्सलबाड़ी आन्दोलन	- चारू मजूमदार
नर्मदा बचाओ आन्दोलन	- मेधा पाटकर
गंगा बचाओं आन्दोलन	- जी.डी. अग्रवाल

34. 'कारावास/बंदीकरण, बंदीगृह अभ्यसन की प्रक्रिया को बढ़ावा देता है।' निम्नलिखित में से कौन सा सिद्धांत इसके विरूद्ध है?
(a) दंड का प्रतिकारी सिद्धांत
(b) निवारणार्थ दंड-सिद्धांत
(c) दंड का सुधारात्मक सिद्धांत
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (c) 'कारावास/बंदीकरण, बंदीगृह अभ्यसन की प्रक्रिया को बढ़ावा देता है।' यह बन्दी सदस्य के अन्दर कारागार के व्यवहार एवं मूल्य को स्थापित करता है जबकि दण्ड को सुधारात्मक सिद्धान्त मानता है कि अपराधी कारागार में रहकर सुधरता है।

35. 'सफेदपोश अपराध' पद सर्वप्रथम किसने प्रवर्तित किया था?
(a) सी.बार्नेस (b) ई.सदरलैंड
(c) ए.कोहेन (d) ई.दुर्खीम

उत्तर (b) 'Principal of Criminology' में सफेदपोश अपराध पद का सर्वप्रथम प्रयोग ई० सदरलैंड ने किया है। सफेदपोश अपराध उच्च वर्ग से संबंधित होते हैं।

36. भाई-भतीजावाद, पक्षपात और सत्ता/शक्ति का दुरूपयोग सभी किसका उदाहरण है?
(a) भ्रष्टाचार का (b) अज्ञानता का
(c) संघर्ष का (d) सामाजिक पूर्ण एकता

उत्तर (a) रिश्वत देना, भाई-भतीजावाद, पक्षपात, संरक्षण दुर्विनियोग आदि भ्रष्टाचार के अनेक रूप समाज में विद्यमान है। भ्रष्टाचार आर्थिक या प्रतिष्ठा संदर्भित लाभों की प्राप्ति के निमित्त सार्वजनिक भूमिका के प्रति औपचारिक कर्तव्यों से विचलन है।

37. सम्पूर्णानन्द आश्रम प्रथम 'खुला कारागार' है। यह किस राज्य में स्थापित किया गया है?
(a) मध्य प्रदेश (b) उत्तर प्रदेश
(c) बिहार (d) केरल

उत्तर (b) सम्पूर्णानन्द आश्रम प्रथम 'खुला कारागार' है। यह उत्तर-प्रदेश राज्य में स्थित है। वर्ष 1953 में डॉ. सम्पूर्णानन्द ने उत्तर प्रदेश के चंदौली के चकिया में सर्वप्रथम इस ओपन जेल कैम्प का आयोजन किया था।

38. बंदीगृह व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम बंदियों के किस कार्य के लिये प्रारम्भ किये गये हैं ?
(a) सुधार (b) पुनर्वास
(c) सुधार तथा पुनर्वास (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c) रेक्लेस समिति ने 1952 ई. में जेल बंदियों से सम्बन्धित उदारवादी अनुशंसा पेश की जिसके फलस्वरूप बंदीगृह व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया जिसका लक्ष्य बंदियों में सुधार लाना तथा पुनर्वास के लिए तैयार करना है।

39. किसका कथन है कि 'जिन समाजों में अत्यधिक या अत्यंत कम विनिमय या एकीकरण होता है उनमें आत्महत्या की दरें अधिक होंगी'?
(a) पारसंस (b) वेबर
(c) दुर्खीम (d) मर्टन

उत्तर (c) दुर्खीम ने अपनी पुस्तक " The Suicide" में आत्महत्या का सिद्धान्त प्रस्तुत किया । दुर्खिम के अनुसार "आत्महत्या शब्द का प्रयोग ऐसी किसी भी मृत्यु के लिए किया जाता है जो कि स्वयं मृत व्यक्ति के द्वारा किये गये किसी नकारात्मक या सकारात्मक कार्य का प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष परिणाम होता है।

40. किसने तर्क प्रस्तुत किया कि 'दण्ड अपराध की सामाजिक प्रतिक्रिया है, यह न केवल अपराध की आपराधिक तथा सामान्य भयोपरित के लिये प्रतिशोध का कार्य करती है परन्तु आपराधिक गतिविधि पर आपत्ति भी बनाये रखती हैं?"
(a) मर्टन (b) पारसन्स
(c) दुर्खीम (d) कॉसेर

उत्तर (c) दुर्खीम के अनुसार - दण्ड अपराध की सामाजिक प्रतिक्रिया है यह न केवल अपराध की अपराधिक तथा सामान्य भयोपरित के लिये प्रतिशोध का कार्य करती है परन्तु आपराधिक गतिविधि पर आपत्ति भी बनाये रखती है।

41. सूची-I को सूची- II के साथ सुमेलित करें :

सूची- I (सिद्धान्त)	सूची- II (विचारक)
(A) लेबलिंग थ्योरी	(i) टार्ड
(B) अनुकरण सिद्धान्त	(ii) बेकर
(C) अपचारी उप-संस्कृति	(iii) दुर्खीम
(D) आत्महत्या का सिद्धान्त	(iv) कोहेन

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :
कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(सिद्धान्त)		(विचारक)
लेबलिंग थ्योरी	–	बेकर
अनुकरण सिद्धान्त	–	टार्ड
अपचारी उपसंस्कृति	-	कोहेन
आत्महत्या का सिद्धान्त	-	दुर्खीम

42. 18वीं तथा 19वीं शताब्दियों में ब्रिटिश शासन के प्रारम्भिक दिनों के दौरान हुए जनजातीय विद्रोह का सही अनुक्रम क्या है?

(a) कच्चा नागा बगावत, मुंडाओं में बिरसा आन्दोलन, कोल विद्रोह,सन्थाल विद्रोह
(b) सन्थाल विद्रोह,कोल विद्रोह,मुंडाओं में बिरसा आन्दोलन , कच्चा नागा बगावत
(c) कोल विद्रोह,सन्थाल विद्रोह,कच्चा नागा बगावत , मुंडाओं में बिरसा आन्दोलन
(d) कोल विद्रोह,मुंडाओं में बिरसा आन्दोलन , कच्चा नागा बगावत , सन्थाल विद्रोह

उत्तर (c) 18वीं तथा 19वीं शताब्दियों में ब्रिटिश शासन के प्रारम्भिक दिनों के दौरान हुऐ जनजातीय विद्रोह कोल, सन्थाल, कच्चा नागा बगावत, बिरसा आन्दोलन क्रमानुसार हुआ था।

43. नीचे दो कथन दिये गये हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : बहु सामुदायिक समाज में अल्पसंख्यक समूहों में प्राय: बहुसंख्यकों में अविश्वास उत्पन्न हो जाता है।

कारक (R) : अल्पसयंख्यक समूह प्राय: पूर्वाग्रह तथा भेदभाव के शिकार होते हैं।

नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

कूट-

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है,परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है,परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (a) कोई भी जनसंख्या जो उस देश की समग्र जनसंख्या के 50 % से कम हैं वह अल्पसंख्यक कहलाती है। अल्पसंख्यकों में पूर्वाग्रह व भेदभाव की चिंता, अपने अधिकारों व हितों के अतिक्रमण का भय रहता है। अत: अभिकथन A तथा कारण R दोनों सही है तथा R, A की सही व्याख्या है।

44. 'भारतीय समाज में परिवर्तन को उसकी परम्पराओं के अध्ययन द्वारा ही समझा जा सकता है।' यह तर्क किसने दिया है?

(a) राधा कमल मुखर्जी (b) डी.पी.मुकर्जी
(c) एम.एन.श्रीनिवास (d) एस.सी.दुबे

उत्तर (b) 'भारतीय समाज में परिवर्तन को उसकी परम्पराओं के अध्ययन द्वारा ही समझा जा सकता है'। यह तर्क डी. पी. मुकर्जी ने दिया है।

45. सूची-I को सूची- II के साथ सुमेलित करें :

सूची- I (अवधारणाएँ)	सूची- II (लेखक)
(A) संस्कृतिकरण पश्चिमीकरण तथा आधुनिकीकरण	(i) मैकिम मैरिएट
(B) सार्वत्रिकीकरण तथा स्थानीयकरण	(ii) रॉबर्ट रेडफील्ड
(C) वृहद् परम्परा तथा लघु परम्परा	(iii) एम.एन.श्रीनिवास
(D) सार्वभौमिकवाद-विशेषीकरणवाद	(iv) टी.पार्सन्स
	(v) बी.मेलिनॉवस्की

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(b)	(v)	(ii)	(i)	(iii)
(c)	(iii)	(ii)	(i)	(v)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर (*) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणाएँ)		(लेखक)
संस्कृतिकरण पश्चिमीकरण तथा आधुनिकीकरण	-	एम.एन.श्रीनिवास
सार्वत्रिकीकरण तथा स्थानीयकरण	-	मैकिम मैरिएट
वृहद परम्परा तथा लघु परम्परा	-	रॉबर्ट रेडफील्ड
सार्वभौमिकवाद तथा विशेषीकरण	-	टी. पारसंस

46. निम्नलिखित में से कौन सी प्रक्रिया की कल्पना है, कि विश्व में कोई विशेष गुह्य/गोपनीय अधिभौतिक शक्तियाँ क्रियाशील नहीं रहती हैं और कि जीवन को मानवीय बुद्धिमानी के अनुसार जिया जा सकता है?

(a) धर्मनिरपेक्षता (b) आधुनिकीकरण
(c) पश्चिमीकरण (d) धर्मरूढ़ता मुक्ति

उत्तर (a) धर्मनिरपेक्षता की कल्पना है कि विश्व में कोई विशेष गुह्य गोपनीय अधिभौतिक शक्तियाँ क्रियाशील नहीं रहती है और कि जीवन को मानवीय बुद्धिमानी के अनुसार जिया जा सकता है।

47. निम्नलिखित में से कौन समाजशास्त्र के भारतीयकरण के साथ सम्बन्धित है :

(a) जी.एस. घुर्ये, ए.के.सरन,डी.पी.मुकर्जी
(b) जी.एस. घुर्ये , टी.के.ओमन,ए.के.सरन
(c) जी.एस. घुर्ये, ए.आर. देसाई, डी.पी. मुकर्जी
(d) जी.एस.घुर्ये, टी.के.ओमन,ए.आर.देसाई

उत्तर (a) भारतीय सभ्यता ने भारतीय समाज का गठन किया है तथा समाज के भारतीयकरण की कल्पना की है।
जी॰एस॰घुरये, ए॰ के॰सरन, डी॰पी॰मुखर्जी समाजशास्त्र के भारतीयकरण के साथ सम्बन्धित है।

48. किसने यह सिद्ध करने का प्रयास किया है कि भारतीय समाज का आनुभाविक समाजशास्त्र सम्भव नहीं है?

(a) जी.एस. घुर्ये (b) एम.एन.श्रीनिवास
(c) ए.के.सरन (d) एस.सी.दुबे

उत्तर (c) ए॰के॰सरन ने बताया कि भारतीय समाज का अनुभाविक समाजशास्त्र सम्भव नहीं है।

49. भारत के प्रारम्भिक समाजशास्त्रियों में से किसने भारतीय समाजशास्त्र तथा सामाजिक मानवविज्ञान में ज़मीनी आनुभविकवाद चालू किया ?

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) जी.एस. घुर्ये (b) आर.के.मुखर्जी
(c) ए.के.सरन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a) जी0एस0 घुर्ये ने सभ्यताओं का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया है। इन्होंने अपनी पुस्तक कास्ट एण्ड रेस इन इण्डिया में भारतीय सभ्यता को केन्द्र बिन्दु मानकर अध्ययन किया

50. शिक्षा का निजीकरण निम्नलिखित में से किसका परिणाम है?
(a) नगरीयकरण
(b) वैश्वीकरण
(c) विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी का विकास
(d) जनसंख्या में वृद्धि

उत्तर (b) सरकार द्वारा संचालित उद्यमों को निजी कम्पनी या उद्यमी द्वारा संचालित करने की प्रक्रिया को निजीकरण कहा जाता है। शिक्षा का निजीकरण वैश्वीकरण का परिणाम है। वैश्वीकरण का आशय सम्पूर्ण पृथ्वी को एक देखने व जोड़ने की प्रक्रिया से है।

51. ग्रामीण समाज के अध्ययन में 'गुट' शब्द का उपयोग सर्वप्रथम किसने किया है?
(a) ऑस्कर लेविस (b) एस.सी.दुबे
(c) रेमॅण्ड फर्थ (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a) ग्रामीण समाज के अध्ययन में 'गुट' शब्द का उपयोग सर्वप्रथम ऑस्कर लेविस द्वारा उत्तरी भारत के रामपुर गाँव के अध्ययन के दौरान किया गया।

52. भारतीय ग्रामीण विकास कार्यक्रम ने अमीर और गरीब के बीच अन्तर को विशाल कर दिया है, जिसका हानिकारक परिणाम निम्नलिखित हुआ है :
(a) किसानों द्वारा आत्म-हत्याएँ
(b) किसानों की धनाढ्यता
(c) किसानों का विकृषकीकरण
(d) किसानों का विकृषकीकरण तथा आत्म हत्याएँ

उत्तर (d) किसानों का विकृषकीकरण तथा आत्म हत्याएँ भारतीय ग्रामीण विकास कार्यक्रम ने अमीर और गरीब के बीच अन्तर को वृहद स्तर पर हानिकारक परिणाम परिलक्षित हुआ है।

53. जजमानी प्रथा को किसके द्वारा बेहतर स्पष्ट किया जा सकता है ?
(a) लोगों का पारस्परिक विश्वास तथा सहयोग
(b) लोगों का परस्पर विरोधी हित
(c) जजमानों द्वारा अपनाये जाने वाले दमनकारी उपाय तथा दमन/उत्पीड़न
(d) लोगों का परस्पर विरोधी हित और अविश्वास

उत्तर (a) जजमानी प्रथा को लोगों के पारस्परिक विश्वास तथा सहयोग द्वारा बेहतर स्पष्ट किया जा सकता है। जजमानी प्रथा का सबसे पहले अध्ययन विलियम वाइजर ने किया था।

जजमानी प्रथा के अनुसार, उच्च भू-वर्गीय तथा निम्न भूमिहीनों के बीच सामानों और सेवाओं का आदान-प्रदान किया जाता है। सेवा प्रदान करने वाली जातियों में पारस्परिक बुनकर, चर्मकार, लुहार, स्वर्णकार, नाई, धोबी तथा अन्य लोग शामिल है, जो समाज को अपनी सेवाएँ प्रदान करते है। उच्च जाति और कार्यकारी जातियों के बीच एक सेतु है। ऑस्कर लुईस बताते है कि गाँव में प्रत्येक जातीय समूह पारस्परिक रूप से परिवार की अन्य जातियें के विशेष सेवाएँ प्रदान करता है। जब भू-वर्गीय उच्च जाति के परिवार भूमिहीन निम्न जाति के सदस्यों से सेवा लेते है।

54. 'ग्रामनगरीयकरण' यह पद/शब्द किसके अध्ययन से सम्बनिधत है?
(a) ग्राम
(b) कस्बा और शहर
(c) ग्रामीण क्षेत्रों का
(d) ग्रामीण-नगरीय लोगों की जीवनयापन की शैली

उत्तर (d) राबर्ट रेडफील्ड ने सन् 1930 में मैक्सिकों का अध्ययन करके ग्राम नगर सातत्य अवधारणा का प्रतिपादन किया और इसमें उन्होंने लोक नगर सातत्य की संज्ञा दी। "ग्राम नगरीयकरण" ग्रामीण नगरीय लोग की जीवन यापन की शैली के अध्ययन से सम्बंधित है।

55. सूची- I को सूची- II के साथ सुमेलित करें :

सूची- I	सूची- II
(A) विलेज इंडिया	(i) मैकिम मैरिएट
(B) इंडियन विलेज	(ii) एस. सी. दूबे
(C) ए राजस्थान विलेज	(iii) पी. आर. चौहान
(D) दी रिमेम्बर्ड विलेज	(iv) एम. एन. श्रीनिवास

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :
कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

विलेज इंडिया	-	मैकिम मैरिएट
इंडियन विलेज	-	एस. सी. दूबे
ए राजस्थान विलेज	-	पी. आर. चौहान
दी रिमेम्बर्ड विलेज	-	एम. एन. श्रीनिवास

56. सूची- I को सूची- II के साथ सुमेलित करें :

सूची- I (लेखक)	सूची- II (पुस्तकें)
(A) बी.आर.विरमानी	(i) सोशियोलॉजी ऑफ इंडस्ट्री
(B) एस.आर.पार्कर एवं आर.के.ब्राऊन एवं अन्य	(ii) वर्कर्स इन मैनेजमेंट
(C) ई.वी.शनाइडर	(iii) इंडस्ट्रियल डेमोक्रेसी
(D) पॉल ब्लूमबर्ग	(iv) इंडस्ट्रियल सोशियोलॉजी

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन करें :
कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)	(पुस्तक)
बी.आर.विरमानी	- वर्कर्स पार्टी सिपेशन इन मैनेजमेण्ट
एस.आर.पार्कर एवं आर.के.ब्राऊन एवं अन्य	- सोशियोलॉजी ऑफ इण्डस्ट्री
ई. वी. शनाइडर	- इण्डस्ट्रियल सोशियोलॉजी
पाल ब्लूमवर्ग	- इण्डस्ट्रियल डेमोक्रेसी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

57. नियोक्ताओं तथा कर्मकारों के बीच औद्योगिक विवादों को बाहरी व्यक्तियों के द्वारा निबटाने का/के क्या संभावित तरीका/तरीके है/हैं?

I. सुलह
II. समझौता
III. अधिनिर्णय
IV. विवाचन

कूट-

(a) I,III,IV (b) केवल IV
(c) केवल III (d) II,III,IV

उत्तर (b) नियोक्ताओं तथा कर्मकारों के बीच औद्योगिक विवादों को बाहरी व्यक्तियों द्वारा निबटाने का संभावित तरीका विवाचन है। चूँकि सुलह और समझौता पक्षकारों के मध्य होता है और अधिनिर्णय न्यायिक कृत्य है।

58. अभिकथन (A) : स्वजनपक्षपात तथा भ्रष्टाचार भारतीय समाज में अत्यधिक व्याप्त हैं।
कारक (R) : यह सब लोकतन्त्र तथा नौकरशाही की वजह से हैं।

कूट-

(a) (A) सत्य है,परन्तु (R) असत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों असत्य है।
(c) (A) असत्य है और (R) सत्य है।
(d) (A) और (R) दोनों असत्य है।

उत्तर (a) भाई-भतीजावाद, पक्षपात संरक्षण, दुर्विनियोग आदि भ्रष्टाचार के उदा. है जो भारतीय समाज में अत्यधिक व्याप्त है। परन्तु लोकतंत्र एवं नौकरशाही भ्रष्टाचार का कारण नहीं है। अतः अभिकथन A सत्य है तथा कारण R असत्य है।

59. श्रम संघ क्या है?

(a) संघ (b) संगठित हित समूह
(c) महासंघ (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (b) संघ व्यक्तियों का वह समूह है जो निश्चित उद्देश्यों के कारण एकजुट होते है। श्रम संघ संगठित हित समूह है।

60. सामाजिक स्तरीकरण की प्रक्रियाओं का सही अनुक्रम बताइये :

(a) मूल्यांकन,विभेदीकरण,श्रेणीबद्धता,लाभप्रद
(b) विभेदीकरण,श्रेणीबद्धता,मूल्यांकन,लाभप्रद
(c) श्रेणीबद्धता,मूल्यांकन,विभेदीकरण,लाभप्रद
(d) विभेदीकरण,मूल्यांकन,लाभप्रद,श्रेणीबद्धता

उत्तर (b) सामाजिक स्तरीकरण की प्रक्रियाओं का सही अनुक्रम विभेदीकरण,श्रेणीबद्धता,मूल्यांकन, लाभप्रद है। जिसबर्ट के अनुसार "सामाजिक स्तरीकरण समाज का उन स्थायी समूहों तथा श्रेणियों में विभाजन है जो परस्पर श्रेष्ठता एवं अधीनता के सम्बन्धों द्वारा सम्बद्ध होते हैं।

61. विभिन्न देशों में विकास के स्तर का माप करने के लिए प्रो. महबूब–उल–हक द्वारा उपयोग किये गये मानव विकास सूचकांक में निम्नलिखित सूचक समाविष्ट है। सही उत्तर चिह्नित करें :

(a) स्वास्थ्य, शिक्षा और आय
(b) स्वतन्त्रता,समानता और भाईचारा
(c) समता, सामाजिक न्याय और स्वतन्त्रता
(d) खुलापन, स्वतन्त्रता तथा समानता

उत्तर (a) प्रो॰ महबू–उल–हक द्वारा उपयोग में मानव विकास सूचकांक में स्वास्थ्य, शिक्षा और आय सूचक समविष्ट है। क्योंकि उन्होंने विभिन्न देशों में विकास के स्तर का माप किया था।

62. धारणीय विकास पर आयोजित निम्नलिखित औपचारिक/राजकीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें।
नीचे दिये गये कूटों का उपयोग करें :

(I) स्टाक होम सम्मेलन
(II) विश्व संरक्षण कूटनीति
(III) विश्व पर्यावरण आयोग
(IV) 'वैश्विक 2000' आयोग

कूट-

(a) I,II,III,IV (b) I,IV,II,III
(c) II,III,I,IV (d) III,II,IV,I

उत्तर (b) औपचारिक/राजकीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का कालानुक्रमिक क्रम इस प्रकार है।

स्टाक होम सम्मेलन - 1972
विश्व संरक्षण कूटनीति - 1980
विश्व पर्यावरण आयोग - 1987
'वैश्विक 2000' आयोग - 2000

63. सूची- I को सूची- II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

सूची- I	सूची- II
(A) एम.के.गांधी	(i) विकास का स्वदेशी मॉडल
(B) जे.एल.नेहरू	(ii) विकास का मिश्रित मॉडल
(C) अमर्त्य सेन	(iii) विकास का सामाजिक क्षमता
(D) विनोबा भावे	(iv) विकास का सर्वोदय मॉडल

कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

एम.के.गांधी - विकास का स्वदेशी मॉडल
जे.एल.नेहरू - विकास का मिश्रित मॉडल
अमर्त्य सेन - विकास का सामाजिक क्षमता मॉडल
विनोबा भावे - विकास का सर्वोदय मॉडल

64. सूची- I को सूची- II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

सूची- I	सूची- II
(A) केन्द्र परिधि	(i) एम.के.गांधी
(B) विवृत्त संवृत समाज	(ii) समीर अमीन
(C) केन्द्र अर्द्ध परिधि	(iii) गुन्नार मिर्डाल
(D) न्यासिता (या न्यासीप्रथा)	(iv) आंद्र गुंदर फ्रैंक
	(v) अमृता सेन

कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(v)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

केन्द्र परिधि	-	आन्द्रे गुण्टर फ्रैंक
विवृत्त संवृत्त समाज	-	गुन्नार मिर्डाल
केन्द्र अर्द्ध परिधि	-	समीर अमीन
न्यासिता (या न्यासी प्रथा)	-	एम0के0 गाँधी

65. सूची- I को सूची- II के साथ सुमेलित कीजिये :

सूची- I (वैज्ञानिक)	सूची- II (विकास के सिद्धान्त)
(A) ए.जी.फ्रैंक	(i) मृदु (सॉफ्ट) राज्य
(B) गुन्नार मिर्डाल	(ii) असमान विकास
(C) मैक्स वेबर	(iii) सांस्कृतिक
(D) समीर अमीन	(iv) केन्द्र-परिधि

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये:

कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(b)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(वैज्ञानिक)		(विकास के सिद्धान्त)
ए.जी.फ्रैंक	-	केन्द्र-परिधि
गुन्नार मिर्डाल	-	मृदु (सॉफ्ट) राज्य
मैक्स वेबर	-	सांस्कृतिक
समीर अमीन	-	असमान विकास

66. वारेन एस. थॉम्पसन अपने किस काम के लिये जाने जाते हैं?

(a) चक्रीय सिद्धान्त
(b) जनांकिकीय संक्रमण मॉडल
(c) इष्टतम जनसंख्या सिद्धान्त
(d) सोशल कैपिलेरिटी का सिद्धान्त

उत्तर (b) "वारेन एस. थॉम्पसन" ने अपने जनांकिकीय संक्रमण मॉडल के काम के लिए जाने जाते हैं। इन्होंने जनसंख्या के संक्रमण (परिवर्तन) के चरणों का सिद्धान्त में जन्म/मृत्यु दर में परिवर्तनों का जनसंख्या की वृद्धि दर पर प्रभावों की व्याख्या करता है।

67. जनसंख्या पिरॉमिड जनसंख्या के निम्नलिखित में से किस पक्ष का ग्राफीकीय प्रतिरूपण है?

(a) मृत्युदर तथा जीवन प्रत्याशा
(b) दिये गये समय पर आयु-लिंग-वितरण
(c) प्रजनन शक्ति तथा बर्थ कंट्रोल
(d) मृत्युदर तथा प्रजनन अनुपात

उत्तर (b) जनसंख्या पिरॉमिड जनसंख्या के दिये गये समय पर आयु-लिंग वितरण के पक्ष का ग्राफीकीय प्रतिरूपण है। जनसंख्या पिरामिड जनसंख्या के संक्रमण सिद्धान्त के अलग-अलग स्तरों में जन्मदर एवं मृत्युदर को दर्शाते हैं।

68. निम्नलिखित विचारकों ने जनसंख्या के अध्ययन में योगदान किया है। उन्हें कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें और सही कूट का चयन करें :

(I) थॉमस माल्थस
(II) वारेन एस थॉम्पसन
(III) किंगस्ले डेविस
(IV) हरबर्ट स्पेंसर

कूट-

(a) I,II,III,IV (b) I,III,II,IV
(c) II,III,IV,I (d) I,II,IV,III

उत्तर (d) जनसंख्या के अध्ययन में योगदान देने वाले विचारकों का क्रम इस प्रकार है-
(1) थॉमस मॉल्थस (2) वारेन एस थॉम्पसन
(3) हरबर्ट स्पेंसर (4) किंगस्ले डेविस

69. सूची- I में दी मदों को सूची- II में दी मदों के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करे :

सूची- I (विचार)	सूची- II (लेखक)
(A) जनसंख्या की ज्यामितीय वृद्धि और खाद्य आपूर्ति की गणितीय वृद्धि	(i) डबलडे
(B) पथ्य आहार सिद्धान्त	(ii) हरबर्ट स्पेंसर
(C) इष्टतम जनसंख्या सिद्धान्त	(iii) डाल्टन
(D) सामाजिक केशिका/ सोशल केपिलेरिटी	(iv) ड्यूमॉ
	(v) थॉमस माल्थस

कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(v)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(v)

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(विचार)	(लेखक)
जनसंख्या की ज्यामितीय वृद्धि और खाद्य की आपूर्ति की गणितीय वृद्धि	– थॉमस माल्थस
पथ्य आहार सिद्धान्त	– डबल डे
इष्टतम जनसंख्या सिद्धान्त	– डाल्टन
सामाजिक कोशिका सोशल कैपिलेरिटी	– ड्यूमॉ

70. सूची- I में दी मदों को सूची- II में दी मदों के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

सूची- I (पुस्तकों का नाम)	सूची- II (लेखक)
(A) डेमोग्राफी	(i) एम.के.प्रेमी
(B) सोशल डेमोग्राफी : ए सिस्टेमेटिक एक्सपोज़ीशन	(ii) डेविड एम.हीर
(C) पोपुलेशन ऑफ सोसाइटी	(iii) पीटर आर.फॉक्स
(D) पोपुलेशन ऑफ इंडिया एण्ड पाकिस्तान	(iv) किंगस्ले डेविस

कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तक)		(लेखक)
डेमोग्राफी	-	पीटर आर. फॉक्स
सोशल डेमोक्रेसीः ए सिस्टमैटिक एक्सपोजिशन	-	एम. के. प्रेमी
पापुलेशन एण्ड सोसाइटी	-	डेविड एम. हीर
पापुलेशन ऑफ इण्डिया एण्ड पाकिस्तान	-	किंग्सले डेविस

71. छठीं पंचवर्षीय योजना में महिलाओं के बारे में जो अध्याय प्रारम्भ किया गया था वो क्या था?

(a) महिलाएँ तथा कल्याण योजनाएँ
(b) महिलाएँ तथा विकास
(c) महिलाएँ तथा शिक्षा
(d) महिलाएँ तथा स्वास्थ्य

उत्तर (b) छठीं पंचवर्षीय योजना में (1980-85) महिलाओं के बारे में जो अध्याय प्रारम्भ हुआ था। वह महिलाएँ तथा विकास से सम्बन्धित था।

72. नीचे दो कथन दिये गये हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : लिंग को स्त्री तथा पुरूष क्षेत्रों के अन्दर सामाजिक असमानता के आधार के रूप में संरचित किया गया है।

ख्कारक (R) : सभी स्त्रियाँ अपने परिवारों तथा समुदायों में एक समान रूप से असमान नहीं है :

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये :

कूट-

(a) (A) सत्य है,परन्तु (R) असत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों असत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हं, परन्तु (R), (A)की सही व्याख्या नहीं है ।
(d) (A) असत्य है और (R) सत्य है।

उत्तर (c) वर्तमान समाज में लिंग विभेदीकरण विद्यमान है। जिसके कारण स्त्री बनाम पुरुष का संघर्ष जारी है। मातृसत्तात्मक परिवार यह उदाहरण देता हैं कि सभी स्त्रियाँ अपने परिवारों तथा समुदायों से एक समान रूप से असमान नहीं है।अतः अभिकथन A तथा कारक R दोनों सही है परन्तु कारक R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

73. नीचे दी गई सूची- Iको सूची- II के साथ सुमेलित कीजिये :

सूची- I (अधिनियम)	**सूची-II (वर्ष)**
(A) एक समान पारिश्रमिक	(i) 1990
(B) घरेलू हिंसा अधिनियम	(ii) 1976
(C) राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम	(iii) 1986
(D) महिलाओं का अश्लील प्रतिरूपण (निषेध) अधिनियम	(iv) 2005

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट-

	(A)	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(d)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

एक समान पारिश्रमिक	–	1976
घरेलू हिंसा अधिनियम	–	2005
राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम	–	1990
महिलाओं का अश्लील प्रतिरूपण (निषेध) अधिनियम	–	1986

74. सूची- I को सूची- II के साथ सुमेलित करें :

सूची- I (लिंग सम्बन्धों के सिद्धान्त)	**सूची- II (विचारक)**
(A) उदारवादी	(i) सीको,इरीगैरे
(B) उग्रवादी	(ii) क्लारा,जैटकिन, जुलियट मिचेल
(C) समाजवादी	(iii) केट मिलेट, मेरी डेली
(D) उत्तर-आधुनिकवादी	(iv) मेरी वॉटस्टोन क्राफ्ट,बेटी फ्रीडन

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट-

	(A)	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(b)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(c)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लिंग सम्बन्धों के सिद्धान्त)	**(विचारक)**
उदारवादी	- मेरीबालस्टोन क्राफ्ट, बेटी फ्रीडन
उग्रवादी	- केट मिटडेली,
समाजवादी	- क्लास, जैकरीय जुलिएट मिचेल
उत्तर आधुनिक	- सीको इरीगैरे।

75. नीचे दो कथन दिये गये हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : सेक्स नहीं बल्कि लिंग को सामाजिक स्तरीकरण का रूप माना गया है।

कारक (R) : स्त्रियाँ जैविक रूप से पुरूषों के समान नहीं हैं।

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये :

कूट-

(a) (A) असत्य है,परन्तु (R) सत्य है।
(b) (A) सत्य है,परन्तु (R) असत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

उत्तर (c) स्तरीकरण की बदली हुई प्रक्रिया जो शारीरिक लक्षणों एवं भौतिक आधार पर की जाती है, विभेदीकरण कहलाती है। अतः लिंग को सामाजिक स्तरीकरण के रूप में माना गया है। यह कथन भी सही है कि स्त्रियाँ जैविकीय रूप से पुरूषों के समान नहीं है। अतः अभिकथन A तथा कारक R दोनो सत्य है परन्तु कारक R अभिकथन A की व्याख्या नहीं करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2012
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. प्राथमिक समूह की विशेषता निम्नलिखित में से कौन नहीं है
(a) वैयक्तिक उन्मेष
(b) दीर्घकालिक उन्मेष
(c) सम्बन्ध अपने आप में लक्ष्य हैं
(d) सम्बन्ध लक्ष्य का साधन हैं

उत्तर (d) प्राथमिक समूहों की आन्तरिक विशेषताओं में-उद्देश्यों की समानता, सम्बन्ध स्वयं साक्ष्य होते हैं, सम्बन्ध वैयक्तिक होते हैं, सम्बन्ध सम्पूर्ण होते हैं। सम्बन्ध का स्वतः विकास प्राथमिक सम्बन्धों की नियन्त्रण शक्ति है। अतः सम्बन्ध लक्ष्य का साधन होना अनुचित है क्योंकि सम्बन्ध स्वयं में लक्ष्य होते।

2. ''इकोनामी एंड सोसाइटी'' नामक पुस्तक के लेखक निम्नलिखित में से कौन है?
(a) मैक्स वेबर (b) एन्थनी गिडेन्स
(c) ई. दुर्खीम (d) ए.कॉन्त

उत्तर (a) वेबर ने अपनी पुस्तक 'इकोनॉमी एण्ड सोसाइटी' जो उनके मरणोपरांत प्रकाशित हुई, में लिखा कि उद्विकासवादी और सावयववादी दृष्टि से समाजशास्त्र का अध्ययन सम्भव नहीं है। समाजशास्त्र की समूहवादी दृष्टि जो इमाईल दुर्खीम की थी अव्यवहारिक है। समाजशास्त्र की चर्चा एक या अधिक व्यक्तियों के अध्ययन एवं व्यक्तिगत पद्धति के तरीके से ही की जा सकती है।

3. ग्रामीण समुदाय का तत्व निम्नलिखित में से कौन सा नहीं है?
(a) हम की भावना (b) सांस्कृतिक विविधता
(c) क्षेत्र (d) आत्म निर्भरता

उत्तर (b) ग्रामीण समुदाय के लक्ष्य हैं- (i) व्यक्तियों का समूह, (ii)निश्चित भौगोलिक क्षेत्र, (iii) सामान्य संस्कृति एवं सामाजिक प्रणाली, (iv) सदस्यों में एकता की चेतना, (v) संगठित विधि से सामूहिक रूप में कार्य करने की क्षमता सम्मिलित है। साथ ही ग्रामीण समुदाय के विशिष्ट लक्षण-(1) सामुदायिक चेतना (2) पड़ोस की भूमिका (3) संयुक्त परिवार (4) धर्म में विश्वास (5) सादगी। अतः सांस्कृतिक एकता ग्रामीण समुदाय का तत्व है न की सांस्कृतिक विविधता ।

4. निम्नलिखित का वर्द्धमान जटिलता के अनुसार सही अनुक्रम बताइये :
(a) आखेट, एकत्रीकरण, कृषिक, चरागाही, औद्योगिक तथा उत्तर औद्योगिक समाज।
(b) एकत्रीकरण, चरागाही, आखेट, औद्योगिक तथा उत्तर औद्योगिक समाज।
(c) आखेट, चरागाही, कृषिक, औद्योगिक तथा उत्तर औद्योगिक समाज।
(d) कृषिक, एकत्रीकरण, आखेट, बागवानी, औद्योगिक तथा उत्तर औद्योगिक समाज ।

उत्तर (c) समाज का विकास सरल से जटिल की ओर होता है। जटिलता का स्तर समाज की संगठनात्मक प्रक्रिया के आधार पर ही होता है। आखेट समाज एक मूलभूत समाज है जिसका विकास होकर ही चरागाही समाज का विकास हुआ । चूँकि कृषि व्यवस्था विभिन्न प्रक्रियाओं यथा कृषि यंत्र का विकास,बीज की खोज एक फसल से अनाज अलग करने का तरीका, से हुआ अतः यह तीसरे क्रम में आयेगा। औद्योगिक समाज और उत्तर औद्योगिक समाज की जटिलतम अवस्था के उदाहरण हैं।

5. समाजशास्त्र ऐसी विशेषता का वर्णन करता है जो ....को अग्रभाग में रखती है।
(a) व्यक्ति (b) अनूठी सामाजिक घटनाएँ
(c) सामाजिक अंतर्क्रिया (d) संस्कृति

उत्तर (c) सामाजिक अंतर्क्रिया का महत्व स्पष्ट करते हुए सदरलैण्ड तथा अन्य ने लिखा है कि यद्यपि समाजशास्त्रीय विश्लेषण प्रमुख रूप से संस्कृति, व्यक्तित्व, सामाजिक सम्बन्धों, सामाजिक संरचना और इसी प्रकार के प्रमुख विषय से सम्बन्धित हैं। परन्तु समाजशास्त्र का सबसे आधारभूत सम्बन्ध सामाजिक अन्तः क्रियाओं से है।

6. जब दो लोग एक दूसरे के साथ अंतर क्रिया करते हैं तो वे बनाते हैं
(a) एक समाज (b) एक संस्था
(c) एक संघ (d) एक युग्मीय समूह

उत्तर (d) ऑगबर्न एवं निमकॉफ ने बतलाया है कि, ''जब कभी दो या दो से अधिक व्यक्ति एकसाथ मिलते हैं और एक दूसरे पर प्रभाव डालते हैं तो वे एक समूह का निर्माण करते हैं।''

7. मैक्स मूलर निम्नलिखित में से किसे धर्म का प्रारम्भिक रूप मानते थे?
(a) प्रकृतिवाद (b) एकेश्वरवाद
(c) जीववाद (d) जड़पूजा

उत्तर (a) प्रकृतिवाद के सिद्धान्त के प्रतिपादक मैक्स मूलर है, उन्होंने धर्म की उत्पत्ति को प्राकृतिक शक्तियों एवं घटनाओं की पूजा में ढूँढ़ा । इसके लिए उन्होंने भारतीय एवं यूरोपीय पौराणिक कथाओं का सहारा लिया।

8. उपहास है-
(a) सामाजिक स्वीकृति (b) सामाजिक मानदण्ड
(c) लोकाचार (d) लोक रीति

उत्तर (a) कुछ विशिष्ट प्रकार के व्यवहारों को प्रोत्साहन अथवा हतोत्साहित करने हेतु व्यक्ति को दिये जाने वाले दण्ड अथवा पुरस्कार की व्यवस्था को संस्वीकृति (Social Sanction) कहते हैं। सकारात्मक संस्वीकृति में बहुधा प्रशंसा करना या साधुवाद देना

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

आदि सम्मिलित है। इसके विपरीत नकारात्मक संस्वीकृति (Negative Social Sanction) में अस्वीकृति की मात्र झलक व्यक्ति के अहम को चोट पहुँचा सकती है। नकारात्मक संस्वीकृतियाँ औपचारिक (कानून) और अनौपचारिक (शाब्दिक या उपहास) दानों प्रकार की हो सकती है।

9. संदर्भ समूह शब्द सर्वप्रथम किसने प्रयोग किया था?

(a) हाइमेन (b) मर्टन
(c) श्रीनिवास (d) कूले

उत्तर (a) सन्दर्भ समूह शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम हाइमेन ने सन् 1942 में अपने लेख "The psychology of Status" में किया था। इसके पश्चात शेरिक ने अपनी पुस्तक समाजिक मनोविज्ञान की रूपरेखा में सन्दर्भ समूह की अवधारणा को व्यापक रूप से प्रस्तुत किया। सन्दर्भ समूह वह समूह है जिसके आदर्शों मूल्यों एवं व्यवहारों के ढ़ंग को हम आदर्श मानकर उससे मनोवैज्ञानिक तौर पर अपना संबन्ध बनाये रखते हैं।

10. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिये :

सूची-I (लेखक)	सूची-II (परिवर्तन दृष्टिकोण)
A. सोरोकिन	i. संरचनात्मक प्रकार्यात्मक
B. डाहरेनडॉर्फ	ii. चक्रीय
C. स्पेन्सर	iii. द्वन्द्वात्मक
D. दुर्खीम	iv. उद्विकासवादी

कूट :

	A	B	C	D
(a)	ii	iii	iv	i
(b)	i	iii	ii	iv
(c)	ii	iv	i	ii
(d)	iii	I	ii	iv

उत्तर (a) सोरोकिन संस्कृति के तीन प्रकारों-काल्पनिक, आदर्शात्मक, और संवेदनात्मक के आधार पर चक्रीय सिद्धान्त की व्याख्या की। डाहरेन्डार्फ ने दो विचारों के मध्य द्वन्द्व को आधार मानकर परिवर्तन की व्याख्या की। स्पेन्सर उद्विकासवादी विचारक (डार्विनवादी) है तथा दुर्खीम (प्रकार्यवादी) जो की संरचनात्मक प्रकार्य की धारणा पर परिवर्तन की व्याख्या की।

11. प्रकार्यवादी की धुरीय कार्यपद्धति है

(a) ऊहात्मक (आनुमानिक) इतिहास
(b) पुस्तकालय कार्य
(c) क्षेत्रीय कार्य
(d) विषयवस्तु विश्लेषण

उत्तर (c) प्रकार्यात्मक विश्लेषण या व्याख्या से तात्पर्य किसी घटना के अस्तित्व में आने के कारणों को खोजना है या किसी क्रिया के परिणाम को मालूम करने से है, अर्थात् घटना घटने के कारणों की खोज करना ही प्रकार्यात्मक व्याख्या है। अतः सही विकल्प क्षेत्रीय कार्य ही होगा।

12. मीड के लिए 'सामान्यीकृत अन्य' तथा 'महत्त्वपूर्ण अन्य' किसके सृजनकर्ता हैं ?

(a) आई (मैं) (b) मी (मुझे)
(c) इगो (अहम्) (d) सुपर इगो (परा अहम्)

उत्तर (b) मीड के अनुसार मनुष्य के भीतर स्व (Self) होता है। स्व (Self) की दूसरी अवस्था मी (Me) या मुझे होता है। इस अवस्था में दूसरों के प्रति स्व की अभिवृत्तियाँ संगठित हो जाती है। 'सामान्यीकृत अन्य' तथा 'महत्वपूर्ण अन्य' का बोध होने से तात्पर्य है कि व्यक्ति समाज में प्रवेश कर रहा है। मुझे (Me) अवस्था में स्व दूसरों से सीखता है और दूसरों की वस्तुओं मानकों, मूल्यों, भूमिकाओं आदि को मुझे (Me) बना लेता है।
अतः मनुष्य स्व (Self) में होता है। इस स्व का जब समाजीकरण किया जाता है तो वह मेरा या मुझे (Me) बनने लगता है।

13. एक प्रदत्त सामाजिक स्थिति से मेल खाती भूमिकाओं का संग्रहण क्या कहलाता है?

(a) बहुविध भूमिकाएँ (b) भूमिकाओं का संघर्ष
(c) भूमिका पुंज (d) भूमिकाओं का जोड़

उत्तर (c) एक प्रदत्त सामाजिक प्रस्थिति से मेल खाती भूमिकाओं का संग्रह भूमिका पुंज कहा जाता है। क्योंकि एक व्यक्ति एक साथ पिता, भाई, दादा, चाचा आदि हो सकता है। यही भूमिकाऐं एक पुँज के रूप में एक ही व्यक्ति में निहित होती है

14. अभिकथन (a) : ऐसी स्थिति जब व्यक्ति को दो या ज्यादा भूमिकाओं, जो कि मेल नहीं खाती हैं, से माँग का सामना करना पड़ता है तो वह भूमिका संघर्ष की स्थिति होती है।

कारण (R) : ऐसे पारम्परिक समाजों में, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति सीमित संख्या की भूमिकाएँ अदा करता है, भूमिका संघर्ष सामान्यतया नहीं होता है।

कूट :

(a) (a) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(b) (a) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (a) की सही व्याख्या है।
(c) (a) असत्य है, और (R) सत्य है।
(d) (a) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (a) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर (d) जब दो भूमिकाएँ ऐसी हो जो एक दूसरे के विपरीत प्रकृति की हो जैसे एक पिता जज के रूप में अपनी संतान के पक्ष में फैसला न दे सकने पर भूमिका संघर्ष से जूझता है। यह जटिल समाजों में अधिक पायी जाती है। जहाँ एक व्यक्ति एक समय में कई भूमिकाऐं अदा करता है। पारम्परिक एवं सरल समाजों में ऐसी स्थिति नहीं पैदा होती है। सामान्यतः भूमिका संघर्ष पारम्परिक समाजों में नहीं पाया जाता।

15. 'अर्बनाइज़ेशन एण्ड फैमिली चेंज' नामक पुस्तक किसने लिखी है?

(a) इरावती कर्वे (b) एम.एस.गोरे
(c) लीला दुबे (d) आई.पी.देसाई

उत्तर (b) Urbanization and family change in India एम.एस. गोरे द्वारा प्रतिपादित पुस्तक है। इस पुस्तक में M.S. Gore ने नगरीकरण के परिणाम स्वरूप पारिवारिक संरचना में आये परिवर्तन की चर्चा की है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

16. महुआ में 'संयुक्त परिवार की संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक एकता' का अध्ययन किसने किया है?

(a) के.एम.कपाड़िया (b) नीरा देसाई
(c) आई.पी.देसाई (d) ए.एम.शाह

उत्तर (c) परिवर्तन अवश्यम्भावी व निरन्तर प्रक्रिया है। आई.पी. देसाई ने अपने निबन्ध "Some aspects of family in Mahua" में संयुक्त परिवार के अनेक प्रकारों का वर्णन किया है व बताया कि विभिन्न कारणों तथा परिस्थितियों के कारण परम्परागत संयुक्त परिवार बदल रहे है लेकिन उनके परिवर्तन की प्रक्रिया नई परिस्थितियों से अनुकूलन कर रही है। देसाई 1955 में शहरी परिवारों का (महुआनगर) अध्ययन किया और पाया कि, (i) एकलता बढ़ रही है (ii) व्यक्तिवाद की भावना में वृद्धि नहीं हो रही है क्योंकि आधे परिवार अन्य परिवारों से जुड़े है। (iii) संयुक्तता के घेरे के भीतर नातेदारी सम्बन्धों का दायरा छोटा होता जा रहा है।

17. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिये :

सूची-I	सूची-II
A. मैरिज एण्ड फैमिली इन इंडिया	i. ए.एम.शाह
B. किनशिप ऑर्गेनाज़ेशन इन इंडिया	ii. रॉबिन फॉक्स
C. किनशिप एण्ड मैरिज	iii. के.एम. कपाड़िया
D. फैमिली इन इंडिया	iv. इरावती कर्वे

कूट :

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iv	iii
(b)	iii	iv	ii	i
(c)	i	iii	iv	ii
(d)	ii	iii	iv	i

उत्तर (b)-सुमेलित सूची इस प्रकार है–

मैरिज एण्ड फैमिली इन इंण्डिया	-	के.एम.कपाड़िया
किनशिप ऑर्गेनाज़ेशन इन इंण्डिया	-	इरावती कर्वे
किनशिप एण्ड मैरिज	-	रॉबिन फॉक्स
फैमिली इन इंण्डिया	-	ए.एम.शाह

18. किसने कहा कि भारत में सामाजिक स्तरीकरण 'पवित्रता तथा प्रदूषण' पर आधारित है?

(a) एम.एन. श्रीनिवास (b) ए.आर.देसाई
(c) लुईस ड्यूमा (d) योगेन्द्र सिंह

उत्तर (c) फ्रांसीसी समाज वैज्ञानिक लुईस ड्यूमा ने विश्व को पूर्व और पश्चिमी दो समाजों में विभक्त करते हुए समानता को पश्चिमी समाज की केन्द्रीय विशेषता माना है और संस्तरण को पूर्वी समाज मुख्यतः भारतीय समाज की मुख्य विशेषता के रूप में स्वीकार किया है जो पवित्रता और अपवित्रता की दो परस्पर विरोधी वैचारिकी पर आधारित है।
ड्यूमॉ के अनुसार पवित्रता और अपवित्रता सापेक्षिक स्थिति है अर्थात् पवित्र वह है जो कम अपवित्र है तथा अपवित्र वह है जो कम पवित्र है अर्थात् दानों ही एक-दूसरे के पूरक हैं और भारतीय समाज के सभी पक्षों में संस्तरण का निर्माण करते हैं जिसमें सबसे ऊपर अधिक पवित्र या कम अपवित्र तथा सबसे नीचे कम पवित्र या अधिक अपवित्र अवस्थित होते हैं।
लुई ड्यूमा ने जाति की केवल चार विशेषताऐं बतायी हैं-
1. संस्तरण
2. शुद्धता एवं अशुद्धता की धारणा
3. अन्तर्विवाही
4. विकर्षण की क्रिया

19. सामाजिक स्तरीकरण का प्रकार्यात्मक सिद्धान्त किसने प्रतिपादित किया है?

(a) टी.बी.बोटोमोर (b) के.डेविस
(c) डब्ल्यू.ई.मूर (d) कार्ल मार्क्स

उत्तर (*) ''किंग्सले डेविस'' और ''डब्ल्यू ई.मूर'' ने सामाजिक स्तरीकरण की घटना को प्रकार्यवादी मान्यताओं के सन्दर्भ में प्रस्तुत किया है और इसे एक अभिप्रेरणात्मक क्रियाविधिकी के रूप में दर्शाया है जो समाज के योग्य सदस्यों को, समाज के महत्वपूर्ण कार्यों को सफलतापूर्वक संपादित करने हेतु प्रेरित करती है। इनके अनुसार सामाजिक व्यवस्था के लिए यह अपरिहार्य है कि उसके कार्यों का बँटवारा एवं सम्पादन समुचित तरीके से किया जाए। सामाजिक व्यवस्था के लिए सभी कार्य समान महत्व के होते, उनके महत्व के अनुसार, उसी अनुरूप कार्यों के सम्पादन के लिए उपयुक्त व्यक्तियों का चुनाव किया जाता है।
कार्ल मार्क्स का आर्थिक सिद्धान्त है एवं बोटोमोर ने सामाजिक स्तरीकरण के चार स्वरूपों-(1) दास प्रथा, (2) जागीरें, (3) वर्ग व्यवस्था, (4) जाति व्यवस्था को बताया है।
नोट- (b) और (c) दोनों सही हैं।

20. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिये :

सूची-I	सूची-II
A. होमोहायरार-किक्स	i. जी.एस.घुर्ये
B. ह्यूमन सोसाइटी	ii. योगेन्द्र सिंह
C. मॉडर्नाइज़ेशन ऑफ इंडियन ट्रेडीशन	iii. लुईस ड्यूमाँ
D. कास्ट, क्लास एण्ड ऑक्यूपेशन	iv. किंग्सले डेविस

कूट :

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	ii	iii	iv	i
(c)	iii	iv	ii	i
(d)	iv	ii	i	iii

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

होमोहायरार-किक्स	- लुई ड्यूमॉ
ह्यूमन सोसाइटी	- किंग्सले डेविस
मॉडर्नाइज़ेशन आफ इंडियन ट्रेडीशन	- योगेन्द्र सिंह
कास्ट, क्लास एण्ड ऑक्यूपेशन	- जी.एस.घुर्ये

21. परिवर्तन का मार्क्सवादी सिद्धान्त, 'कि परिवर्तन के द्वारा क्रांति आती है,' इंगित करता है

(a) विद्यमान संरचना में परिवर्तन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) सम्पूर्ण संरचना में परिवर्तन
(c) विद्यमान संरचना में आंशिक परिवर्तन
(d) संरचनात्मक तत्वों में नाममात्र का परिवर्तन

उत्तर (b) मार्क्स ने द्वन्द्वात्मकता के आधार पर यह कहा कि परिवर्तन दो विरोधी शक्तियों के संघर्ष एवं सहयोग से होता है। मानव समाज में विरोधी वर्ग, संघर्ष एवं सहयोग से परिवर्तन करते हैं। यह संघर्ष और सहयोग एवं संरचनात्मक अवस्था यानी अर्थव्यवस्था राजनीति की अवस्था में तो होता है परन्तु एक परिस्थिति भी होती है। मसलन एक समाज में कभी फसल अच्छी हुई कभी अकाल पड़ गया।
संघर्ष और सहयोग से संख्यात्मक परिवर्तन गुणात्मक परिवर्तन में बदलते हैं। सामान्य परिवर्तन गंभीर परिवर्तनों में बदलते हैं। हर नई चीजें पुरानी होती है और अंततः समाप्त हो जाती है। सामाजिक क्रांति एक समाज विशेष में गंभीर परिवर्तन है। इससे उत्पादन की शैली और आर्थिक प्रणाली बदलती है, शक्ति की संरचना और विवरण बदलता है, प्रभावी विचारधारा बदलती है यानी सम्पूर्ण व्यवस्था अर्थात् सम्पूर्ण संरचना बदल जाती है।

22. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिये :

सूची-I (परिवर्तन का सिद्धान्त)	सूची-II (लेखक)
A. चक्रीय	i. कार्ल मार्क्स एवं डारेन्डॉर्फ
B. रैखिक-उद्विकासवादी	ii. ए.टॉयनबी
C. द्वंद्वात्मक	iii. के.डेविस व डब्लू.ई.मूर
D. प्रकार्यात्मक	iv. आगस्ट कॉम्ट

कूट :

	A	B	C	D
(a)	iii	iv	i	ii
(b)	ii	iv	i	iii
(c)	iv	i	iii	ii
(d)	i	ii	iii	iv

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(परिवर्तन का सिद्धान्त)	(लेखक)
चक्रीय सिद्धान्त	- ए.टॉयनबी
रैखिक उद्विकास	- आगस्ट कॉम्ट
द्वंद्वात्मक सिद्धान्त	- कार्ल मार्क्स एवं डाहरेन्डार्फ
प्रकार्यात्मक सिद्धान्त	- के.डेविस व डब्ल्यू.ई.मूर

23. शास्त्रीय तथा आधुनिक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोणों के बीच मूलभूत अन्तर निम्नलिखित में दृष्टिगोचर होता है
(a) समष्टि से व्यष्टि सैद्धान्तिक दृष्टिकोण तक निःशब्द स्थानान्तरण।
(b) व्यष्टि से समष्टि दृष्टिकोण तक उन्मूलक स्थानान्तरण।
(c) मध्यम विन्यास के सिद्धान्तों का विकास।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं ।

उत्तर (a) शास्त्रीय तथा आधुनिक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोणों के बीच मूलभूत अन्तर समष्टि से व्यष्टि सैद्धान्तिक दृष्टिकोण तक निःशब्द स्थानान्तरण में दृष्टिगोचर होता है।

24. काम्ट के परामर्शदाता कौन थे?
(a) मोंटेस्क्यू (b) मॉर्गन
(c) सेंट साइमन (d) रॉबर्ट रैडफील्ड

उत्तर (c) केवल बीस वर्ष की आयु में ही कॉम्ट को उस समय के सर्वप्रमुख दार्शनिक सेंट साइमन के सम्पर्क में आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन दोनों का घनिष्ठ सम्पर्क सन् 1818 से लेकर सन् 1824 तक बना रहा। कहा जाता है कि सेंट साइमन के विचारों का कॉम्ट पर काफी गहरा प्रभाव पड़ा और कुछ विचार जो कि कॉम्ट की महान् कृतियों में हमें संशोधित तथा परिवादित रूप में देखने को मिलती है, सेंट साइमन के मस्तिष्क की ही उपज थी।
कॉम्टीस्ट विचारधारा को सेंट साइमन की दो स्पष्ट देन है- प्रथम तो यह कि विज्ञानों का एक वैज्ञानिक वगाaकरण अति आवश्यक है और दूसरा यह कि दर्शन या वास्तविक ध्येय सामाजिक होना चाहिए और सामाजिक विचारकों का उचित उद्देश्यों नैतिक धार्मिक तथा राजनीतिक व्यवस्थाओं का पुनर्गठन होना चाहिए।

25. सामाजिक डार्विनवाद में निम्नलिखित में से कौन विश्वास करता था?
(a) विसरणवादी (b) उद्विकासवादी
(c) प्रकार्यवादी (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (b) डार्विनवाद, उद्विकासवाद का आधार है। हरबर्ट स्पेन्सर को चार्ल्स डार्विन का बुलडॉग कहा जाता है। उनसे ज्यादा थॉमस हक्सले को डार्विन का बुलडॉग कहा जाता है । हरबर्ट स्पेंसर के संम्बन्ध में कहना होगा कि उन्होंने डार्विन से बहुत पहले योग्यतम की उत्तरजीविता की धारणा को प्रस्तुत किया। बाद में डार्विन के सम्पर्क एवं प्रभाव से डार्विन के विचारों को सामाजिक सांस्कृतिक क्षेत्र में लागू करना आरम्भ किया। ग्रेट जोन्स ने 1980 में लिखा कि स्पेन्सर को सामाजिक डार्विनवाद कहना उचित है क्योंकि स्पेंसर ने जैविक एवं सामाजिक सिद्धान्त में न केवल समन्वय किया बल्कि डार्विन के विचारों को समाजशास्त्रीय विचार में स्थान दिया।

26. सामाजिक व्यवस्था के बारे में पारसन्स का विश्लेषण किस सिद्धान्त पर आधारित है?
(a) प्रादुर्भूत (प्रकट) प्रकार्य (b) श्रम विभाजन
(c) समावस्थान (d) प्रकार्यात्मक एकता

उत्तर (c) सामाजिक व्यवस्था के बारे में पार्सन्स का विश्लेषण समावस्थान (Homeostasis) पर आधारित है। पार्सन्स ने अपनी पुस्तक 'The Social System (1951) में समाज की तुलना शरीर से किया है। उनका कहना है कि जैसे शरीर की स्थाई स्थिति को बनाए रखना है वैसे ही समाज का मुख्य गुण समावस्थान है। इसका तात्पर्य यह है कि यदि बाहर से कोई परिवर्तन (खतरा) होता है तो समाज की ताकत उसके समाधान के लिए सक्रिय हो जाती है एवं पुनः समाज स्थायित्व प्राप्त कर लेता है। इसे आत्म-निर्णायक भूमिका (Self Regulatory Role) कहते हैं।

27. किसने अपनी पुस्तक ''दी स्ट्रक्चर ऑफ सोशल एक्शन'' इस वाग्मिता प्रश्न, ''अब कौन स्पेंसर को पढ़ता है,'' के साथ प्रारम्भ की?
(a) दुर्खीम (b) पारसन्स
(c) वेबर (d) परेटो

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b) पारसन्स ने 1937 में अपनी पहली महत्वपूर्ण पुस्तक 'दि स्ट्रक्चर ऑफ सोशल एक्शन लिखी। इस पुस्तक में पारसन्स ने सामाजिक क्रिया के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण विद्वानों के विचार प्रस्तुत किये। इसमें वेबर के व्यक्तिवादी एवं दुर्खीम के समूहवाद को एकीकृत करने का प्रयास किया।

28. दृश्यघटनाविज्ञान किसका आमूलचूल विकल्प है?

(a) प्रत्यक्षवाद (b) उद्विकासवाद
(c) प्रकार्यवाद (d) विसरणवाद

उत्तर (a) Phenomenology प्रत्यक्षवादी पद्धतिशास्त्र का एक सुधारवादी विकल्प है। प्रत्यक्षवादी दृष्टिकोण यह है कि मनुष्य का व्यवहार ऐसी शक्तियों द्वारा निर्धारित होता है जो उससे बाह्य हो अर्थात् दुर्खीम की शब्दावली में मानवीय व्यवहार सामाजिक तथ्यों द्वारा निर्धारित होता है। घटना क्रिया-विज्ञान उपर्युक्त पद्धतिशास्त्र को स्वीकार नहीं करता क्योंकि इसमें कर्ता उसकी क्रिया और इसके दृष्टिकोण को कोई भी महत्व नहीं दिया गया है। घटना-क्रिया विज्ञान सामाजिक घटनाओं का अध्ययनकर्ता के क्रियाओं व दृष्टिकोण के सन्दर्भ में करता है। Phenomenology शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम सम्भवतः एडमण्ड हुसर्ल द्वारा उनकी प्रख्यात पुस्तक "Ideas : Introduction to pure phenomenology (1913) में किया गया।

29. आत्महत्या के बारे में दुर्खीम का अध्ययन हमें क्या समझने में हमारी मदद करता है?

(a) व्यक्ति पर समाज की पकड़।
(b) समाज पर व्यक्ति की पकड़।
(c) विभिन्न समाजों में आत्महत्या की दरें।
(d) समाज के सामाजिक एकीकरण की कोटि।

कूट :

(a) (b) और (c) (b) (a) और (b)
(c) (a) और (d) (d) (b) और (d)

उत्तर (c) दुर्खीम ने आत्महत्या के कारणों को सामाजिक तथ्य माना है। सामाजिक तथ्य व्यक्ति के लिए वाह्य होते हैं जोकि समाज की व्यक्ति पर पकड़ को दिखाता है। दूसरे कारण में दुर्खीम ने सामूहिकता को माना है अर्थात समाज से व्यक्ति की सम्बद्धता जितनी अधिक होगी आत्महत्या की दर उतनी ही कम होगी अर्थात जितना व्यक्ति और समाज का एकीकरण कम होगा आत्महत्या की दर उतनी ही अधिक होगी

30. मर्टन द्वारा समाज के प्रकार्यात्मक विश्लेषण में, निम्नलिखित में से कौन सी अवधाणाएँ केन्द्रीय हैं?

(a) प्रकार्य तथा विप्रकार्य
(b) संरचनात्मक तत्त्व तथा प्रकार्यात्मक पूर्वपिक्षाएँ
(c) व्यक्तिनिष्ठ तथा वस्तुनिष्ठ प्रादुर्भाव (प्रकटता)
(d) प्रादुर्भूत तथा अंतर्निहित प्रकार्य

कूट :

(a) (b) और (c) (b) (b) और (d)
(c) (a) और (c) (d) (a) और (d)

उत्तर (d) मर्टन का प्रकार्यात्मक विश्लेषण में प्रकार्य तथा विप्रकार्य और प्रादुर्भूत तथा अंतर्निहित प्रकार्य की अवधारणायें केन्द्रित है। प्रश्न के विकल्प में दिये विकल्पों की यथा संरचनात्मक तत्व तथा प्रकार्यात्मक पूर्वपेक्षाऐं और व्यक्तिनिष्ठ तथा वस्तुनिष्ठ प्रादुर्भाव की चर्चा मर्टन अपने अध्ययनों में करते हैं किन्तु ये मूल अवधारणाएँ नहीं हैं। मर्टन अपने प्रकार्यवादी विश्लेषण की एक रूपावली प्रस्तुत करते हैं जिसमें उन्होंने ग्यारह सूत्रों को सम्मिलित किया है।

31. ''कुला'' किससे सम्बन्धित था?

(i) ट्रोब्रिएन्ड द्वीपवासी (ii) मैलिनॉवस्की
(ii) अण्डमान द्वीपवासी (iv) फ्रेज़र

कूट :

(a) (ii) और (iii) (b) (ii) और (iv)
(c) (i) और (ii) (d) (i) और (iii)

उत्तर (c) मानवशास्त्री बी. मैलिनॉवस्की द्वारा मलेशिया के ट्रोबिएंण्ड द्वीपवासियों की उपहार-विनिमय की एक ऐसी प्रथा, कुला के नाम से जानी जाती है जिसके अनुसार दो प्रकार की सांस्कृतिक वस्तुएँ, यथा लाल शंख का कंठहार तथा सफेद शंख के कड़े एक समुदाय से दूसरे समुदाय को निरंतर लिए एवं दिये जाते हैं। यह लेन-देन एक घेरे का रूप धारण कर लेता है। कंठहार सदैव घड़ी के कांटे के क्रम में तथा कड़े विपरीत क्रम में चलते हैं। ये वस्तुएं उपहार में दी जाती हैं। जो व्यक्ति इन्हें उपहार में प्राप्त करता है, वह इन्हें अपने पास अधिक समय तक नहीं रख सकता। उन्हें इन वस्तुओं को पुनः किसी दूसरे साथी को उपहार में दे देनी पड़ती है।

32. दुर्खीम जीववाद को समझता है :

(1) आत्मा पूजा
(2) यह विश्वास कि विश्व में घटनाएँ प्रेतात्मा की गतिविधियों के द्वारा घटित होती हैं।
(3) पशुओं की पूजा करने में विश्वास करना।
(4) प्राकृतिक वस्तुओं की पूजा में विश्वास।

कूट :

(a) (1) और (2) (b) (1) और (4)
(c) (2) और (3) (d) (2) और (4)

उत्तर (a) दुर्खीम जीववाद को आत्मा में विश्वास मानता है तथा विभिन्न घटनाक्रमों को इन्हीं के द्वारा संचालित किया हुआ मानता है। किसी जीवित व्यक्ति अथवा भौतिक तत्व के शरीर में एक सर्वथा भिन्न अधिप्राकृतिक तत्व की विद्यमानता में विश्वास को जीववाद कहते हैं। इस तत्व को जीवन शक्ति अथवा आत्मा के पास से जाना जाता है। इस आत्मा का अस्तित्व प्राणी से भिन्न होता है जिसमें वे वास करती है। अतः ये आत्मायें प्राणियों की मृत्यु होने पर भी बची रहती हैं ऐसा माना जाता है कि ये आत्माऐं ही समस्त कार्यों का मूल कारण होती है। अंग्रेज मानवशास्त्री व्यवहार में सर्वप्रथम आदिम धर्म की उत्पत्ति के सम्बंध में आदिम जातियों में आत्मा-सम्बन्धी इस विश्वास की विद्यमानता को स्वीकार किया था।

33. मार्क्स ने अपने उद्विकासवादी ढाँचे में समाजों को किस क्रम में व्यवस्थित किया है?

(1) आदिम साम्यवाद (2) सामन्तवाद
(3) पूँजीवाद (4) समाजवाद

कूट :

(a) (3), (2), (1), (4)
(b) (2), (3), (4), (1)
(c) (1), (4), (3), (2)
(d) (1), (2), (3), (4)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (d) मार्क्स ने परिवर्तन के क्रम के सम्बन्ध में समय-समय पर अलग-अलग धारणाएँ दी परन्तु मूल रूप में जिस क्रम की चर्चा उन्होंने की एवं जिसे वह अन्त तक प्रस्तावित करते रहे, वह क्रम था-आदिम समाज–सामन्तवादी समाज–पूँजीवादी समाज– समाजवादी समाज।

34. अभिकथन (a) : पूँजीवाद के उद्भव हेतु, लाभ तथा कार्य से सम्बन्धित विशेष प्रोत्साहन (प्रेरणा) की आवश्यकता थी।

कारण (R) : पूँजीवाद पश्चिम में विकसित हुआ क्योंकि ऐसी प्रेरणा केल्विन वाद द्वारा प्रदान की गई थी।

निम्न में से अपना उत्तर चुने :

कूट :

(a) (a) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (a) की सही व्याख्या है।
(b) (a) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (a) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (a) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(d) (a) और (R) दोनों असत्य है।

उत्तर (a) वेबर की मुख्य व्याख्या है कि संतवादी प्रोटेस्टेट धर्म या केल्विन धर्म जिसका प्रचार जॉन केल्विन आस्ट्रिया में कर रहे थे, के अनुसार मानव को पृथ्वी पर एक परिवीक्षा के लिए भेजा है। उन अनुपापियों को मुक्ति मिलेगी जो श्रेष्ठ एवं चुने हुए होंगे। ये चुने हुए लोग वे होंगे जो अधिक परिश्रमी, निष्ठावान एवं संयमी होंगे। इस मुक्ति की कामना से प्रेरित हो इन भक्तों ने परिश्रम किया और संयमित जीवन जिया। इससे खूब उत्पादन हुआ परन्तु संयम से बचत बढ़ी । इससे अन्ततः पूँजीवाद विकसित हुआ।

35. अभिकथन (a) : **प्रकार्यतावाद मानव समाज को सामाजिक व्यवस्था समझता है जो कि अंतः सम्बन्धित अंशों, जो इकट्ठे समग्र बनाते हैं, का समुच्चय है।**

कारण (R) : **शिक्षा तथा धर्म जैसी सामाजिक संस्थाओं को सामाजिक व्यवस्था के अंशों के रूप में देखा जाता है बजाय पृथक इकाइयों के।**

सही उत्तर चुनें :

कूट :

(a) (A) सत्य है, और (R) असत्य है।
(b) (A) असत्य है, और (R) सत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

उत्तर (d) प्रकार्यवाद की मान्यता है कि समाज की निरन्तरता के लिए आवश्यक है कि व्यवस्था की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु इसकी विभिन्न सामाजिक प्रक्रियाओं में सामन्जस्य बना रहे। इसलिए समाज की प्रत्येक संस्था अथवा अंग कोई न कोई प्रकार्य करती है जो समाज की आवश्यकताओं को पूरा करती है और इस प्रकार वह समाज में व्यवस्था एवं संतुलन को बनाए रखने में सहायक होती है। प्रकार्यवाद सावयवी सादृश्यता पर आधारित एक सिद्धान्त है जिसकी मान्यता है कि समाज एक संगठित एवं आत्म-अनुरक्षित व्यवस्था है जिसमें विरोधी स्थिति में भी संतुलन बना रहता है। प्रकार्यवाद समाज को एक व्यवस्था के रूप में स्वीकार करता है जिसकी संस्थाऐं अर्थात अंग एक अंश के रूप में कार्य करती है। न की पृथक इकाई के रूप में।

36. निम्नलिखित को सुमेलित करें :

सूची-I (विचारक)	**सूची-II (अवधारणा)**
A. मैक्स वेबर	i. संभ्रान्त व्यक्तियों का परिभ्रमण
B. आर.के.मर्टन	ii. स्व संतुष्टिदायी भविष्यवाणी
C. बी.मैलिनॉवस्की	iii. आदर्श प्रारूप
D. वी.परेटो	iv. कुला विनिमय

कूट :

	A	B	C	D
(a)	iii	ii	iv	i
(b)	i	iv	ii	iii
(c)	ii	i	iii	iv
(d)	iv	iii	i	ii

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(विचारक)		**(अवधारणा)**
मैक्स वेबर	-	आदर्श प्रारूप
आर.के.मर्टन	-	स्वः संतुष्टिदायी भविष्यवाणी
बी.मैलिनोवस्की	-	कुला विनिमय
बी. परेटो	-	संभ्रान्त व्यक्तियों का परिभ्रमण

37. निम्नलिखित को सुमेलित करें :

सूची-I (लेखक)	**सूची-II (पुस्तक)**
A. ए.आर.रैडक्लिफ ब्राऊन	i. रूल्स ऑफ सोशियोलॉजीकल मैथड
B. एच.स्पेन्सर	ii. स्ट्रक्चर एण्ड फंक्शन इन प्रीमिटिव सोसाइटी
C. आर.डारेनडॉर्फ	iii. क्लास एण्ड क्लास कॉंफ्लिक्ट इन इन्डस्ट्रियल सोसाइटी
D. ई.दुर्खीम	iv. प्रिंसिपल्स ऑफ सोशियोलॉजी

कूट :

	A	B	C	D
(a)	ii	iv	iii	i
(b)	iv	iii	ii	i
(c)	ii	iii	i	iv
(d)	i	iii	ii	iv

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)		(पुस्तक)
ए.आर.रैडक्लिफ	-	स्ट्रक्चर एण्ड फंक्शन इन प्रिमिटिव सोसाइटी
एच.स्पेन्सर	-	प्रिंसिपल्स ऑफ सोशियोलॉजी
आर.डाहरेनडार्फ	-	क्लास एण्ड क्लास कॉंफ्लिक्ट इन इण्डस्ट्रियल सोसाइटी
दुर्खीम	-	रूल्स ऑफ सोशियोलॉजीकल मैथड

38. ''स्ट्रीट कोर्नर सोसाइटी'' नामक पुस्तक किसने लिखी है?

(a) एल.ए.कोजर
(b) मैक्स वेबर
(c) विलियम एफ.ह्वाईट
(d) बी.मैलिनॉवस्की

उत्तर (c) Street Corner Society की मूल टाईटिल- Street Corner Society : The Social Structure of an Italianslum. विलियम फुटे ह्वाईट द्वारा लिखित एक इथनोग्रैफी है जो कि 1943 में प्रकाशित हुई। यह ह्वाईट की प्रथम पुस्तक है। इसमें ह्वाईट ने विभिन्न क्षेत्रीय गैंगों के निर्माण एवं उनके संगठन के बारे में वर्णन किया गया है।

39. आंकड़ों के किसी प्रदत्त समुच्चय में सर्वाधिक बारम्बार आने वाला अंक क्या कहलाता है?

(a) बहुलक (b) माध्यिका
(c) माध्य (d) औसत

उत्तर (a) आंकड़ों के किसी प्रदत्त समुच्चय में सर्वाधिक बारम्बार आने वाला अंक बहुलक कहलाता है।

40. परास अथवा विस्तार क्षेत्र किसका माप है?

(a) केन्द्रीय प्रवृत्ति (b) प्रसार
(c) साहचर्य (d) सहसम्बन्ध

उत्तर (b) परास अथवा विस्तार क्षेत्र किसी सीमाबद्ध आंकड़े, जिसकी एक निम्नतम सीमा एवं एक उच्चतम सीमा होती है का प्रसार बताता है जिसमें निम्नतम सीमा और उच्चतम सीमा के मध्य का अंक या ऑकड़ा लिया जाता है।

41. रैंक सहसम्बन्ध के परिकलन हेतु सूत्र किसने प्रतिपादित किया है?

(a) स्पियरमैन (b) पियरसन
(c) यूल (d) गैरेट

उत्तर (a) रैंक सहसम्बन्ध के परिकलन हेतु सूत्र स्पियरमैन ने दिया।

इनका सूत्र निम्नलिखित है- $r_k = 1 - \frac{6\sum D^2}{(n^3 - n)}$

या $r_k = 1 - \frac{6\sum(XR - 4R)^2}{n(n^2 - 1)}$

42. प्रयोगात्मक परीक्षण हेतु आधार प्रदान करने के लिए क्रियाकलापों की प्रदत्त स्थिति के बारे में सुनिश्चित शब्दों में प्रस्तुत विचार क्या कहलाता है?

(a) आदर्श प्रकार
(b) परिकल्पना
(c) समाजशास्त्रीय कल्पना
(d) आनुभविक शोध

उत्तर (b) प्रयोगात्मक परीक्षण हेतु आधार प्रदान करने के लिए क्रियाकलापों की प्रदत्त स्थिति के बारे में सुनिश्चित शब्दों में प्रस्तुत विचार को परिकल्पना कहते है। इस शोध प्रारूप का निर्माण चरों के बीच कार्य-कारण सम्बन्धों के विश्लेषण के लिए किया जाता है

43. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. मौखिक इतिहास	i. परिमाणात्मक आंकड़े
B. सर्वेक्षण	ii. लोगों का ज्ञान
C. प्रतिचयन	iii. इकाई का गहन अध्ययन
D. वैयक्तिक अध्ययन	iv. समग्र का प्रतिनिधि

कूट :

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	iii	iv	i	ii
(d)	iv	iii	ii	i

उत्तर (b) सही सुमेल निम्न प्रकार है–

मौखिक इतिहास	- लोगों का ज्ञान
सर्वेक्षण	- परिमाणात्मक आँकड़े
प्रतिचयन	- समग्र का प्रतिनिधि
वैयक्तिक अध्ययन	- इकाई का गहन अध्ययन

मौखिक इतिहास किसी क्षेत्र विशेष के लोगों के विषय में जानकारी देता है। सर्वेक्षण द्वारा विभिन्न बिन्दुओं पर आकड़े एकत्रित किये जाते है जो आगे शोध में लिए जाते है। प्रतिचयन अर्थात Sampling में ऐसे आंकड़ों को लेते हैं जो लगभग सब का प्रतिनिधित्व करते हो। वैयक्तिक अध्ययन में किसी विशिष्ट घटना के ईकाई का अध्ययन किया जाता है।

44. 'विशेषता' किससे सम्बन्धित है?

(a) गुणात्मक चर
(b) परिमाणात्मक चर
(c) स्थिरांक
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a) विशेषता से तात्पर्य गुणों से है अर्थात यदि चरों का चयन उनकी विशेषताओं पर आधारित हो तो एसे चरों को गुणात्मक चर कहते हैं।

45. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. आनुभाविक	i. पूर्वाग्रह से मुक्त ज्ञान
B. वस्तुनिष्ठता	ii. वैयक्तिक दावा
C. तथ्य	iii. क्षेत्र आधारित आंकड़े
D. व्यक्तिनिष्ठता	iv. आनुभविक प्रमाण

कूट :

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	iii	i	iv	ii
(c)	ii	iii	iv	i
(d)	iv	i	ii	iii

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

आनुभाविक शोध	-	क्षेत्र आधारित
वस्तुनिष्ठता	-	पूर्वाग्रह से मुक्त ज्ञान
तथ्य	-	आनुभाविक प्रमाण
व्यक्तिनिष्ठता	-	वैयक्तिक दावा

आनुभाविक शोध का तात्पर्य जो शोधकर्ता अपने अध्ययन पर आधारित कार्य करके अनुभव प्राप्त करता है। वस्तुनिष्ठ का तात्पर्य जो मिले उसे उसी रूप में ग्रहण करना अपना विचार आरोपित नहीं करना। तथ्य जो क्षेत्र कार्य से मिलता है। और व्यक्तिनिष्ठता में व्यक्तिगत सोच भी सम्मिलित होती हैं।

46. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (शोध अभिकल्प का प्रकार)	सूची-II (शोध प्रश्न का स्वरूप)
A. अन्वेषणात्मक	i. ऐसा क्यों है?
B. प्रयोगात्मक	ii. यह क्या है?
C. विवरणात्मक	iii. कैसे उपचार किया जाये?
D. निदानात्मक	iv. यह कैसे है?

कूट :

	A	B	C	D
(a)	iv	iii	ii	i
(b)	i	iv	iii	ii
(c)	ii	i	iv	iii
(d)	i	ii	iii	iv

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

अन्वेषणात्मक	- यह क्या है?
प्रयोगात्मक	- ऐसा क्यों है?
विवरणात्मक	- यह कैसे है?
निदानात्मक	- कैसे उपचार किया जाय?

अन्वेषणात्मक शोध प्रारूप का प्रयोग उस स्थिति में किया जाता है जब शोधकर्ता समस्या या परिस्थिति की पूर्ण जानकारी नहीं रखता है। प्रयोगात्मक शोध प्रारूप का निर्माण चरों के बीच कार्य-कारण सम्बन्धों के विश्लेषण के लिए किया जाता है। विवरणात्मक शोध प्रारूप का प्रयोग तब किया जाता है जब किसी व्यक्ति, समुदाय या घटना के सम्बन्ध में पूर्ण विवरण प्रस्तुत करना होता है। निदानात्मक शोध प्रारूप किसी सामाजिक समरूप के निराकरण से सम्बन्धित शोध प्रारूप है।

47. शोध पद्धति समझने का सही अनुक्रम क्या है?

(a) घटना की प्रकृति, आंकड़े संकलन की विधियाँ, सामाजिक विज्ञान का स्वरूप, आंकड़ा विश्लेषण की विधियाँ
(b) घटना की प्रकृति, सामाजिक विज्ञान का स्वरूप, आंकड़ा संकलन की विधियाँ, आंकड़ा विश्लेषण की विधियाँ
(c) आंकड़ा विश्लेषण की विधियाँ, आंकड़ा संकलन की विधियाँ, सामाजिक विज्ञान का स्वरूप घटना की प्रकृति
(d) आंकड़ा संकलन की विधियाँ, घटना की प्रकृति, सामाजिक विज्ञान का स्वरूप, आंकड़ा विश्लेषण की विधियाँ

उत्तर (b) शोध पद्धति समझने का सही अनुक्रम है- घटना की प्रकृति, सामाजिक विज्ञान का स्वरूप, आँकड़ा संकलन की विधियाँ, आंकड़ा विश्लेषण की विधियाँ।

48. शोध करते समय सही अनुक्रम क्या है?

(a) समस्या का निर्धारण, आंकड़ा संग्रह, परिकल्पना, आंकड़ों का विश्लेषण
(b) आंकड़ों का संकलन, परिकल्पना, समस्या का निर्धारण, आंकड़ों का विश्लेषण
(c) समस्या का निर्धारण,परिकल्पना, आंकड़ों का संकलन, आंकड़ों का विश्लेषण
(d) परिकल्पना, आंकड़ों का विश्लेषण, समस्या का निर्धारण, आंकड़ों का संकलन

उत्तर (c) शोध करते समय सही अनुक्रम है-
समस्या का निर्धारण, परिकल्पना, आकड़ों का संकलन, आकड़ों का विश्लेषण।
प्रथम समस्या का निर्णय किया जाता है तत्पश्चात परिकल्पना बनायी जाती है कि किन-किन बिन्दुओं से सम्बन्ध रखना है। फिर उन्हीं बिन्दुओं पर आकड़े प्राप्त कर उनका विश्लेषण किया जाता है।

49. आंकड़ा संकलन के बाद, निम्नलिखित सोपानों का सही अनुक्रम क्या है?

(a) भरे गये प्रपत्रों का सम्पादन, कोडिंग, प्रतिवेदन लिखना, सारिणीकरण
(b) कोडिंग, प्रतिवेदन लिखना, भरे गये प्रपत्रों का सम्पादन, सारिणीकरण
(c) प्रतिवेदन लिखना, भरे गये प्रपत्रों का सम्पादन, सारिणीकरण, कोडिंग
(d) भरे गये प्रपत्रों का सम्पादन, कोडिंग, सारणीकरण

उत्तर (d) आंकड़ा संकलन के बाद सोपानों का सही अनुक्रम है- भरे गये प्रपत्रों का सम्पादन, कोडिंग, सारणीकरण ।
आंकड़ा संकलन के पश्चात् आगे की क्रिया में प्रपत्रों की जाँच की जाती है तत्पश्चात् कोडिंग अर्थात समान प्रकार के आंकड़ों का चिह्न और फिर सारणीकरण करके अन्तिम रूप से आँकड़ों को सांख्यिकीय प्रयोग के लिए तैयार करते हैं।

50. सहसम्बन्ध का गुणांक (r) निम्नलिखित में से किन के बीच सम्बन्ध की सीमा इंगित करता है?

(a) दो गुणात्मक चर
(b) दो परिमाणात्मक चर
(c) एक गुणात्मक चर तथा दूसरा परिमाणात्मक चर
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (b) प्रकीर्ण चित्र दो चरों के बीच रैखिक अथवा अरैखिक सम्बन्ध तो दर्शा देते हैं लेकिन सम्बन्धों की दिशा एवं मात्रा बताने में असमर्थ होते है। इसलिए दो चरों के बीच (परिमाणात्मक चरों) रैखिक सम्बन्ध की संख्यात्मक माप के लिए कार्ल पियर्सन के सह-सम्बन्ध गुणांक का उपयोग करते हैं। इसे गुणक आघूर्ण सह-सम्बन्ध या सरल सम्बन्ध गुणांक भी कहते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2012
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

1. नृजाति कार्यप्रणाली के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?
(a) समष्टि समाजशास्त्र
(b) व्यष्टि समाजशास्त्र
(c) निश्चयपूर्वक समष्टि समाजशास्त्र नहीं
(d) निश्चयपूर्वक व्यष्टि समाजशास्त्र नहीं

उत्तर (c)–नृजाति पद्धति शास्त्र से आशय है लोक विधि विज्ञान। यह जनसाधारण द्वारा प्रयुक्त विधियों का वैज्ञानिक अध्ययन है। नृजातीय कार्यपद्धति लोगों की धारणाओं को बनाये रखने एवं इन्हें निरंतरता देने में प्रयुक्त विधियों का अध्ययन करता है। इसके प्रणेता हेरॉल्ड गारफिंकल हैं।

2. किसने यह माना है कि 'कृत्य प्रायः नैत्यिक और तुलनात्मक रूप से अप्रतिवर्ती होता है'?
(a) अल्फ्रेड शुट्ज़ (b) एच. गारफिंकेल
(c) मैक्स वेबर (d) जॉन हरिटेज

उत्तर (a)–अल्फ्रेड शुट्ज़ ने समाजशास्त्रीय प्रघटनाशास्त्र की अपनी सुप्रसिद्ध कृति 'सामाजिक जगत का प्रघटनाशास्त्र' में इस विषय की विशद व्याख्या की है उनका मानना है कि कृत्य प्रायः नैत्यिक और तुलनात्मक रूप से अप्रतिवर्ती होता है।
स्रोत- समाजशास्त्रीय चिंतक एवं सिद्धाँतकार-हरिकृष्ण रावत

3. किसने यह सिद्ध करने का प्रयत्न किया कि नृजाति पद्धतियाँ 'प्रतिवर्ती रूप से उत्तरदायी हैं?
(a) ऑर्बक (b) गारफिंकेल
(c) शुट्ज़ (d) हिलबर्ट

उत्तर (b)–गारफिन्कल पहले विचारक थे जिन्होंने जनविधि (Ethnomethodology) सिद्धाँत को प्रतिपादित किया। और उन्होंने सिद्ध किया कि नृजाति पद्धति प्रतिवर्ती रूप से उत्तरदायी हैं।

4. सामाजिक क्रिया (कृत्य) और प्रतिक्रिया के 'व्यष्टि' स्तर पर 'आत्म' के संघटन (या संयोजन) से किसका सरोकार था?
(a) मीड (b) गॉफमैन
(c) बर्गर (d) लकमैन

उत्तर (b)–गाफमैन एक प्रभावशील सूक्ष्म समाजशास्त्री रहे। वे सामाजिक क्रिया और प्रतिक्रिया के व्यष्टि स्तर पर आत्म के संघटन से सरोकार थे।

5. निम्नलिखित I सूचियों और II को सुमेलित करें:

सूची I	सूची II
A. दी स्ट्रक्चर ऑफ सोशल एक्शन	1.ए. शूट्ज़
B. दी फिनोमिनॉलॉजी ऑफ दी सोशल वर्ल्ड	2.हैरॉल्ड गारफिंकेल जी
C. प्रेजेंटेशन ऑफ सेल्फ इन ऐवरीडे लाईफ	3.टी. पारसन्स
D. स्ट्डीज़ इन एँथनोमैथडॉलोजी	4.आई. गॉफमैन

नीचे दिये कूटो में से सही उत्तर का चयन करें:
कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	3	1	4	2
(c)	1	4	2	3
(d)	2	3	4	1

उत्तर (b)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

दी स्ट्रक्चर ऑफ सोशल एक्शन	- टी पारसंस
दी फेनामेनॉलॉजी ऑफ दी सोशल वर्ल्ड	- ए. शूट्ज
प्रेजेण्टेशन ऑफ सेल्फ इन एव्रीडे लाईफ	- आई.गॉफमैन
स्टडीज इन एथेनोमेथडोलॉजी	- हैरॉल्ड गारफिंकेल

6. किसने कहा है कि नव प्रकार्यवाद 'क्रिया तथा व्यवस्था' पर लगभग समान ध्यान देता है?
(a) जे. अलेक्जेण्डर (b) पी. कोलोमी
(c) जी. रोडेस (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (a)–जे. अलेक्जेण्डर ने कहा है कि नव प्रकार्यवाद 'क्रिया तथा व्यवस्था' पर लगभग समान ध्यान देते हैं। इसलिए अलेक्जेण्डर की गणना नववामपंथी मार्क्सवादियों और नव प्रकार्यवादियों दोनों में की जाती है।

7. "प्रकार्यात्मक सिद्धान्त के स्व-समीक्षात्मक तत्व" के रूप में नव-प्रकार्यवाद की व्याख्या किसने की है?
(a) अलेक्जेण्डर एवं जीसेन
(b) कोलोमी एवं रोडेस
(c) रोडेस एवं जीसेन
(d) अलेक्जेण्डर एवं कोलोमी

उत्तर (d)–प्रकार्यात्मक सिद्धाँत के स्व-समीक्षात्मक तत्व के रूप में नव-प्रकार्यवाद की व्याख्या अलेक्जेण्डर एवं कोलोमी ने किया है। अलेक्जेण्डर नव-प्रकार्यवाद के जनक माने जाते हैं।
स्रोत- आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक-एस.एल. दोषी

8. मार्क्स की मूल कृतियों के अंशों में अंतर्निहित आर्थिक निश्चयवाद की आलोचना किसने की है?
(a) हेबरमास (b) बोटोमोर
(c) मोरो (d) अलथ्यूज़र

उत्तर (a)–हैबरमास ने मार्क्स की मूल कृतियों के अंशों में अन्तर्निहित आर्थिक निश्चयवाद की जमकर आलोचना की है।

9. समीक्षात्मक सिद्धान्तवादियों का कथन है कि
(a) आर्थिक निश्चयवाद गलत था।
(b) आर्थिक निश्चयवाद गलत नहीं था।
(c) आर्थिक निश्चयवाद गलत नहीं था परन्तु सामाजिक जीवन के अन्य पहलुओं के साथ भी इसका सरोकार होना चाहिये।
(d) आर्थिक निश्चयवाद गलत था और इसे सामाजिक जीवन के अन्य पहलुओं के साथ सरोकार रखना चाहिये।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (c)—समीक्षात्मक सिद्धाँतवादियों का मत है कि आर्थिक निश्चयवाद गलत नहीं था परन्तु सामाजिक जीवन के अन्य पहलुओं के साथ भी इसका सरोकार होना चाहिए। इससे स्पष्ट होता है कि आर्थिक सुनिश्चितता ही समाज को सुदृढ़ करता है। जिससे समाज अग्रसित होता है।

10. नव-मार्क्सवादियों में से किसने निश्चयपूर्वक कहा है कि परिपक्व मार्क्स किसी भी मानवीय स्वभाव में विश्वास नहीं करता था?

(a) हेबरमास (b) हार्वे
(c) डेहरेनडॉर्फ (d) अल्थ्यूजर

उत्तर (d)—अल्थ्यूजर को मार्क्सवादी संरचनात्मक समाजशास्त्री मानते हैं। उन्हें नव मार्क्सवादी या नव संघर्षवादी भी समझा जाता है और वे कहते हैं कि परिपक्व मार्क्स किसी भी मानवीय स्वभाव में विश्वास नहीं करता था।

11. मस्तिष्क की संरचनाओं तथा समाज की संरचनाओं के बीच सम्बन्ध का किसने अवलोकन किया?

(a) लेमर्ट (b) रेडक्लिफ-ब्राऊन
(c) लेवी-स्ट्रॉस (d) फूको

उत्तर (c)—लेवी-स्ट्रॉस आग्रहपूर्वक कहते हैं कि स्वर की व्यवस्था और बन्धुत्व व्यवस्था अपने अंतिम चरण में मस्तिष्क की संरचनाओं की उपज है लेकिन यह उपज किसी भी तरह से चेतन प्रक्रिया का परिणाम नहीं है। इसके बजाय यह मस्तिष्क की अचेतन व तार्किक संरचना का परिणाम हैं और उन्होंने मस्तिष्क की संरचनाओं तथा समाज की संरचनाओं के बीच सम्बन्धों का अवलोकन किया।

12. उत्तर संरचनावादियों में से किसने 'ज्ञान तथा शक्ति' के बीच सम्बन्ध पर बल दिया है?

(a) लेमर्ट (b) मिल्लर
(c) लेवी-स्ट्रॉस (d) फूको

उत्तर (d)—फूको उत्तर-आधुनिकता के प्रणेता माने जाते हैं। फूको ने इस प्रबन्ध को आगे बढ़ाया और स्थापित किया कि जिसके पास ज्ञान है उसके पास शक्ति है। वे कहते है कि उत्तर-आधुनिक समाज में ज्ञान उत्पादन का साधन हैं अर्थात् अधिक ज्ञान अधिक उत्पादन शक्ति।

स्त्रोत- आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक-एस. एल. दोषी

13. किसने भाषा तथा सामाजिक संस्थाओं की विरचना की?

(a) डेरिडा (b) गॉडेलियर
(c) फूको (d) स्मिथ

उत्तर (a)—डेरिडा उत्तर-आधुनिकवाद के विचारक समझे जाते हैं। यह भी कुछ क्षेत्रों में समझा जाता है कि डेरिडा के सन्दर्भ के बिना उत्तर-आधुनिकता या कहिये उत्तर-संरचनावाद की कोई भी चर्चा अधूरी है। वे विखण्डन के सिद्धाँत के जनक हैं। उन्होंने भाषा तथा सामाजिक संस्थाओं की विरचना की।

14. किसने ऐसी वैकल्पिक स्थिति (वैकल्पिक समाज) की कल्पना की है जिसमें "वाणी (वाक्) मंच को संचालित करना बंद कर देगी"?

(a) फूको (b) डेरिडा
(c) लेमर्ट (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (b)—डेरिडा ने वैकल्पिक स्थिति (वैकल्पिक समाज) की कल्पना की है जिसमें "वाणी (वाक्) मंच को संचालित करना बंद करेगी।

15. उत्तर आधुनिकतावादियों के अनुसार आधुनिकता के कौन से विचार समाप्त (या मृत) समझे जाते हैं?

(a) तर्कणा (कारण), तर्कसंगतता तथा प्रगति
(b) तर्कसंगतता, प्रगति तथा वस्तुनिष्ठता
(c) वैधता, तर्कसंगतता तथा वस्तुनिष्ठता
(d) वस्तुनिष्ठता, तर्कसंगतता, तर्कणा (कारण)

उत्तर (a)—उत्तर आधुनिकता वादियों के अनुसार आधुनिकता के तर्कणा (कारण) तर्कसंगतता तथा प्रगति के विचार समाप्त (या मृत) समझे जाते हैं।

16. कौन आधुनिकता को अधूरा या असमाप्त प्रोजेक्ट समझता है?

(a) डेरिडा (b) गिडेन्स
(c) अलथ्यूज़र (d) हेबरमास

उत्तर (d)—हैबरमास का मानना है कि आधुनिकता एक अधूरा प्रोजेक्ट है। इसका अर्थ है कि वास्तव में अभी आधुनिकता पूरे संसार में व्याप्त नहीं है। हेबरमास दकियानूसी प्रजातंत्र के घोर विरोधी थे, वे मार्क्सवादी थे परन्तु पूँजीवाद का कोई विकल्प नहीं मानते। हेबरमास आधुनिकता को प्राप्त करने के लिए प्रजातंत्र, पूँजीवाद, सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ बुद्धि संगतता पर भी बल देते है।

17. भारत के संपूर्ण समुदायों पर कार्य, अर्थात् "पीपल ऑफ इंडिया प्रोजेक्ट" की किसने पहल की थी?

(a) एन.के.बोस (b) के.एस.सिंह
(c) योगेन्द्र सिंह (d) एम.एन.श्रीनिवास

उत्तर (b)—के.एस. सिंह ने भारत के सम्पूर्ण समुदायों पर कार्य, अर्थात "पीपल आफ इण्डिया प्रोजेक्ट" की पहल की थी।

18. जी.एस. घुरये के अनुसार, जाति प्रथा से प्रभावित समाज की विशेषताएँ कौन सी हैं?
नीचे दिये कूटों की सहायता से उत्तर दें:

I. समाज का खंडित विभाजन
II. सिविल तथा धार्मिक क्षमताएँ
III. खान-पान तथा सामाजिक अंतःक्रिया पर रोक तथा उसमें पदानुक्रम/अधिक्रमिकता
IV. व्यवसाय तथा विवाह का विकल्प

(a) I, II, III, IV (b) I, III
(c) I, II (d) I, III, IV

उत्तर (b)—घुर्ये के जाति-प्रथा संबंधी विचारो के दर्शन हमें उनकी बहुचिर्चित कृति Caste, Class and Occupation में मिलता है। जाति प्रथा से प्रभावित समाज की विशेषता निम्नवत है-
(i) समाज का खण्डात्मक विभाजन (ii) खान पान तथा सहवास पर प्रतिबंध (iii) पेशों के अप्रतिबंधित चुनाव का अभाव (iv) ऊँच नीच का संस्तरण (v) विवाह संबंधी प्रतिबंध

19. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें तथा नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन करें:

सूची I (लेखक)	सूची II (पुस्तकें)
A. जी.एस.घुर्ये	1. रेसेस एण्ड कल्चर्स ऑफ इंडिया
B. एन.के. बोस	2. शेड्यूल्ड ट्राइब्स
C. सुरजीत सिन्हा (सम्पादित)	3. ट्राइबल लाइफ इन इंडिया

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

D. डी.एन. मजूमदार 4. फील्ड स्टडीस ऑन द पीपल ऑफ इंडियाः मैथड्स एण्ड पर्सपेक्टिव्ज

कूटः

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	3	2	4	1
(c)	2	4	1	3
(d)	1	3	4	2

उत्तर (a)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)	**(पुस्तकें)**
जी.एस.घुर्ये	- शेड्यूल्ड ट्राइब्स
एन. के. बोस	- ट्राइबल लाइफ इन इण्डिया
सुरजीत सिन्हा	- फील्ड स्टडीज ऑन द पीपल ऑफ इण्डिया :मेथड्स एवं पर्सपेक्टिव्ज
डी. एन. मजूमदार	- रेसेस एण्ड कल्चर्स

20. यह किसका कथन है कि भारतीय इतिहास की सम्पूर्ण प्रक्रिया दर्शाती है कि जनजातीय तत्व सामान्य समाज के साथ एक हो रहे हैं?

(a) ए.आर. रेडक्लिफ ब्राउन
(b) डी.डी. कोशम्बी
(c) एस.एस. सरकार
(d) एम. मेरीऑट

उत्तर (b)–डी.डी. कोशम्बी की कथन है कि भारतीय इतिहास की सम्पूर्ण प्रक्रिया दर्शाती है कि जनजातीय तत्व सामान्य समाज के साथ एक हो रहे हों। कोशम्बी ने अपनी पुस्तक 'An Introduction to the Study of Indian History' में लिखा है कि जातियों का विकास वैदिक युग में वर्णों के आन्तरिक विभाजन का परिणाम नहीं है, बल्कि कुल मिलाकर यह बाहरी प्रक्रियाओं का परिणाम है। भारत का इतिहास कहता है कि पूरे समय में जनजातियाँ सामान्य समाज का भाग बनती रही हैं।

21. एन.के. बोस के अनुसार, भारतीय सभ्यता का विकास निम्नलिखित में से किसका परिणाम है?

I. युद्ध के बार-बार अनुभव जिसने राष्ट्रीयता की भावना की ओर प्रवृत्त किया।
II. तुलनात्मक रूप से शान्तिपूर्ण स्थितियों में सांस्कृतिक अनेकवाद का पैटर्न।
III. भारत में समुदाय अपना अलग अस्तित्व नहीं बनाते हैं।
IV. संस्कृति की विविधता परन्तु सभी समुदायों की पारस्परिक निर्भरता के लिये आर्थिक संगठन को प्रोत्साहन देती है।

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजियेः

कूटः

(a) केवल II (b) II, III, IV
(c) I, III (d) II, IV

उत्तर (d)– एन. के. बोस के अनुसार, भारतीय सभ्यता का विकास तुलनात्मक रूप से शान्तिपूर्ण स्थितियों में सांस्कृतिक अनेकावाद का पैटर्न तथा संस्कृति की विविधता परन्तु सभी समुदायों की पारस्परिक निर्भरता के लिए आर्थिक संगठन को प्रोत्साहन के फलस्वरूप होता है।

22. यह किसका मत है कि शुद्ध तथा अशुद्ध के बीच मूलभूत विरोध की धारणा जाति प्रथा का प्रमाण-चिह्न है?

(a) एम.एन. श्रीनिवास (b) लुईस ड्यूमॉ
(c) सुरजीत सिन्हा (d) बी.आर. अम्बेडकर

उत्तर (b)–लुईस ड्यूमॉ ने अपनी पुस्तक 'Homo Hierarchus' "(होमो हाइरार्कस) में प्रतिपादित किया कि "धार्मिक पक्ष के अधीन प्रत्येक जाति को एक पद प्राप्त होता है" इनके अनुसार ड्यूमॉ ने जातियों को अपवित्र/पवित्र, शुद्धता/अशुद्धता के आधार पर विभाजित किया है।

23. अभिकथन (A) : डी.पी. मुखर्जी अपने को मार्क्सवादी कहलाने के बजाय मार्क्सविज्ञानी कहलाना ज्यादा पसन्द करते हैं।

कारण (R) : उन्होंने भारतीय परम्परा तथा आधुनिकता के बीच मुठभेड़ की द्वंद्वात्मक व्याख्या की चेष्टा की जो कि मूल्य समावेशन तथा सांस्कृतिक संश्लेषण पर अधिक महत्व देती है और वर्ग संघर्ष पर कम।

नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर का चयन कीजियेः

कूटः

(a) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है और (R),(A) की गलत व्याख्या है।
(d) (A) असत्य है तथा (R) सत्य है।

उत्तर (b)–डी.पी. मुखर्जी ने 'डायवर्सिटीज' में भारतीय समाज का विश्लेषण किया है जिसमें उन्हाने मार्क्सवादी दृष्टिकोण को अपनाया है। मुखर्जी ने वर्ग संघर्ष पर अधिक जोर न देकर मूल्य समावेशन तथा सामाजिक विश्लेषण पर अधिक बल दिया है।
अतः अभिकथन 'A' तथा कारण 'R' दोनों सही है तथा कारण 'R' अभिकथन 'A' का सही स्पष्टीकरण है।

24. 'प्रभु जाति' की एम.एन. श्रीनिवास के अनुसार कौन सी विशेषताएँ हैं?

I. संख्यात्मक बल तथा राजनीतिक शक्ति
II. भूमि के स्वामित्व के माध्यम से आर्थिक सत्ता
III. पश्चिमी शिक्षा तथा प्रशासन में नौकरियाँ
IV. आय के शहरी स्रोत

कूटः

(a) I, II, IV (b) I,II, III, IV
(c) केवल I,II (d) II, III, IV

उत्तर (c)–श्रीनिवास के अनुसार अनेक स्थानों पर प्रभु जातियाँ संस्कृतिकरण का आदर्श रही है प्रभु जाति वह जाति होती है जो उस गाँव या समुदाय में संख्या की दृष्टि से अधिक है। जिसका स्थानीय कृषि योग्य भूमि के बड़े भाग पर स्वामित्व हो तथा जिसे जातीय संस्तरण में उच्च स्थान प्राप्त हो । प्रभु जाति प्रमुख रूप से ब्राह्मण, क्षत्रिय तथा वैश्य माने जाते है।

25. कौन सा परिप्रेक्ष्य इस मान्यता पर आधारित है कि भारतीय समाज अद्वितीय है और भारतीय सामाजिक संस्थाओं को मूल कृतियों के द्वारा बेहतर समझा जा सकता है?

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) उपाश्रयण
(b) भारतीय विद्याध्ययन
(c) सभ्यता सम्बन्धी
(d) संरचनात्मक/प्रकार्यात्मक

उत्तर (b)–भारतीय विद्याध्ययन परिप्रेक्ष्य की मान्यता है कि भारतीय समाज अद्वितीय है और भारतीय सामाजिक संस्थाओं को मूल कृतियों के द्वारा बेहतर समझा जा सकता है।

26. स्वास्थ्य तथा शारीरिक क्रियाशीलता बनाये रखने के लिये आवश्यक मूलभूत संसाधनों के अभाव के साथ किस प्रकार की निर्धनता से सम्बन्धित किया जा सकता है?

(a) पूर्ण निर्धनता
(b) सापेक्षिक निर्धनता
(c) निर्धनता की संस्कृति
(d) प्रवर्तित निर्धनता

उत्तर (a)–स्वास्थ्य तथा शारीरिक क्रियाशीलता बनाये रखने के लिए आवश्यक मूलभूत संसाधनों के अभाव के साथ पूर्ण निर्धनता जोड़ा जा सकता है।
स्रोत- भारतीय जनांकिकी-

27. सूची-I (लेखक) और सूची-II (पुस्तकें) को सुमेलित करें और नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन करें:

सूची I (लेखक)	सूची II (पुस्तकें)
A. ए. कोहेन	1. वूमेन एण्ड क्राइम
B. आर.ई. दोबाश तथा आर.पी. दोबाश	2. जेंडर एण्ड पब्लिक हरासमेंट
C. सी.बी. गार्डनर	3. वूमेन, वॉयलेंस एण्ड सोशल चेंज
D. एफ. हीडेनसोहन	4. डेलिनक्वेंट बॉयज

कूट:

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	1	2	3	4
(c)	4	3	1	2
(d)	3	2	4	1

उत्तर (a)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)		(पुस्तकें)
ए. कोहेन	-	डेलिनक्वंट बॉयज
आर.ई. दोबाश तथा आर.पी. दोबाश	-	वूमेन, वॉयलेंस एण्ड सोशल चेंज
सी.बी. गार्डनर	-	जेण्डर एण्ड पब्लिक हरासमेंट
फ. हीडेनसोहन	-	वूमेन एण्ड क्राइम

28. विलेज कम्पोस्ट पिट तथा उसकी असफलता पर प्रो.एस.सी. दुबे के अध्ययन का कारण है

(a) जाति तथा लिंग की असमानता
(b) धार्मिक असामंजस्य
(c) अंतः पीढ़ीगत संघर्ष
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a)–विलेज कम्पोस्ट पिट तथा उसकी असफलता पर प्रो. एस. सी. दूबे जाति तथा लिंग की असमानता पर अध्ययन के लिए बल दिया है।

29. किसने सामाजिक विचलन का सिद्धान्त बनाते समय व्याख्यात्मक कारकों जो कार्यात्मक विश्लेषण की विशेषता-सूचक है यानि कि सांस्कृतिक लक्ष्य सांस्थानिक मानदंडों, का उपयोग किया है?

(a) दुर्खीम
(b) मर्टन
(c) पारसन्स
(d) वेबर

उत्तर (b)– 'Social Structure and Anomic' में मर्टन ने कहा कि विचलन का कारण सामाजिक संरचना है। प्रत्येक समाज में सांस्कृतिक लक्ष्य होते हैं जिन्हे पूरा करने के निमित्त संस्थात्मक उपाय होते है। सामाजिक संरचना में इन दोनों के तारतम्य न बनने की स्थिति में विचलन होता है।

30. अभिकथन (A) : उच्च जन्मदर का कारण बाल विवाह है।
कारण (R) : बाल विवाह का प्रचलन समाज में प्रथाओं, रीति-रिवाजों तथा निरक्षरता के कारण है।
उपर्युक्त दो कथनों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा सही है?
कूट:
(a) (A) और (R) दोनों सत्य है और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है
(d) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (a)– ऊँची जन्मदर का कारण बाल विवाह है। परन्तु लोगों में जागरूकता की कमी है। तथा बाल विवाह का कारण पारम्परिक रीति, रिवाज, अज्ञानता एवं अशिक्षा है। अतः R, अभिकथन A का सही स्पष्टीकरण है।

31. अभिकथन (A) : पारिस्थितिकीय अवनति पर्यावरण सम्बन्धी प्रदूषण की ओर प्रवृत्त करती है।
कारण (R) : वनों की कटाई, बड़े बाँधों का निर्माण और अन्य विकासात्मक गतिविधियाँ पारिस्थितिकीय अवनति के लिये जिम्मेदार हैं।
उपर्युक्त दो कथनों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा सही है?
कूट:
(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है
(d) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (b)–पारिस्थितिकी (Ecology) के अन्तर्गत जीवधारियों (पौधे व जंतु) के वास स्थानों या उन पर पड़ने वाले वातावरण के प्रभाव का अध्ययन किया जाता है। पारिस्थितिकी अवनति का अर्थ उस पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव अर्थात् पर्यावरण प्रदूषण से है। पर्यावरण प्रदूषण वनों की कटाई, बड़े बाँध के निर्माण तथा अन्य मानव कार्यों, प्राकृतिक प्रक्रमों द्वारा फैलता है। अतः अभिकथन A व कारण R दोनों सही है। तथा कारण R, A का सही स्पष्टीकरण है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

32. सूची-I में मदों को सूची-II में मदों के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन करें:

सूची I (पुस्तक)	सूची II (लेखक)
A. सोशियोलॉजी ऑफ एनवायरॅनमेंट	1. एस.एन. पवार तथा आर.बी. पाटिल
B. स्टेइंग अलाइव विमेन, इकोलॉजी एण्ड सरवाइवल इन इंडिया	2. अलविन टॉफलर
C. दी थर्ड वेब	3. वन्दना शिवा
D. मॉर्डनाइज़ेशन, प्रोटेस्ट	4. एस.एन. आइजनस्टेड

कूटः

	A	B	C	D
(a)	2	1	3	4
(b)	4	1	2	3
(c)	1	3	2	4
(d)	3	2	1	4

उत्तर (c)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तक)		(लेखक)
साइियोलॉजी ऑफ एनवायरनमेण्ट	-	एस. एन. पवार तथा आर. बी. पाटिल
स्टेइंग अलाइव विमेन इकोलाजी एण्ड सरवाइवल इन इंण्डिया	-	वंदना शिवा
दी थर्ड वेब	-	अलविन टॉफलर
मॉडर्नाइजेशन प्रोटेस्ट	-	एस. एन.आइजनस्टेड

33. ''विभेदक साहचर्य का सिद्धान्त'' किसने प्रतिपादित किया है?

(a) आर.के. मर्टन (b) आर.एच. बर्क
(c) जी.टार्ड (d) इ.एच. सदरलैंड

उत्तर (d)–विभेदक साहचर्य का सिद्धान्त 'इ. एच. सदरलैंड' ने प्रतिपादित किया है। यह सिद्धान्त इन्होंने अपनी पुस्तक 'Principale of Criminology' में प्रस्तुत किया है। इनके अनुसार अपराधियों के साथ लम्बे समय तक रहने वाला व्यक्ति अपराधिक प्रवृत्ति का होगा।

34. प्रेम सम्बन्ध में विफलता के परिणामस्वरूप मृत्यु किस प्रकार की आत्महत्या का उदाहरण है?

(a) भाग्यवादी आत्महत्या (b) स्वार्थपरक आत्महत्या
(c) परार्थोन्मुख आत्महत्या (d) अप्रतिमानित आत्महत्या

उत्तर (d)–प्रेम सम्बन्ध में विफलता के परिणामस्वरूप मृत्यु अप्रतिमानित आत्महत्या का उदाहरण है। दुर्खीम ने आत्महत्या के चार प्रकार बतायें है– अहम्वादी, एनॉमिक, परार्थवादी तथा भाग्यवादी। अहंवादी और एनॉमिक आत्महत्याएं सामान्यतः आधुनिक समाजों में देखने को मिलती हैं। अहंवादी आत्महत्या तब उत्पन्न होती है जब व्यक्ति को एकांकीपन अनुभव होता है और उसे यह लगने लगता है कि उसकी उपेक्षा या अवहेलना की जा रही है। एनॉमिक आत्महत्याएं तब होती है, जब व्यक्ति मानदण्डों के आपसी संघर्ष या मानदण्ड विहीनता की स्थिति का अनुभव करते हैं। परार्थवादी आत्महत्याएं समूह के हित के लिए होती है। इसके दो आधार हैं- नैतिक एव मनोवैज्ञानिक। नैतिक आधार पर की गयी आत्महत्या किसी महान उद्देश्य की पूर्ति के लिए होती है जबकि मनोवैज्ञानिक आधार पर यह व्यक्ति का अपना कर्त्तव्य-ज्ञान होता है जो कि उसे दूसरे के हितार्थ अपने को बलि देने के लिए अनुप्राणित करता है। भाग्यवादी आत्महत्याओं की प्रवृत्ति अत्यधिक सामाजिक नियंत्रण के कारण गुलाम लोगों में अधिक पायी जाती है।

35. सामुदायिक पुलिस व्यवस्था का लक्ष्य निम्नलिखित के माध्यम से अपराध को रोकना तथा नियन्त्रित करना हैः

(a) जनता (b) पुलिस
(c) पुलिस तथा जनता (d) सेना

उत्तर (c)–सामुदायिक पुलिस व्यवस्था पुलिस के माध्यम से अपराध पर नियंत्रण करती है परन्तु इसमें जनता की भागीदारी भी अपरिहार्य है।

36. नशामुक्ति केन्द्र निम्नलिखित में से कौन सी सुविधाएँ प्रदान करते हैं?

(a) परामर्श (b) मेडिकल सहायता
(c) योगिक आसन (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d)–नशामुक्ति केन्द्र नगर में अस्पताल के उपचार के विकल्प के रूप में विकसित कर, न मात्र पीने वालों को परामर्श देता है अपितु मेडिकल सहायता, योगासन व नियमों का भी पालन कराया जाता है।

37. संघर्षरत दम्पत्ति को न्यायिक पृथकता अधिकतम कितनी अवधि के लिये दी जाती है?

(a) 7 वर्ष (b) 3 वर्ष
(c) 2 वर्ष (d) 5 वर्ष

उत्तर (c)– संघर्षरत दम्पत्ति को न्यायिक पृथकता अधिकतम 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रदान की जाती है ।

हिन्दु विवाह अधिनियम की धारा 10 में न्यायिक पृथक्करण का उपबंध किया गया है।

38. सिगरेट, बीड़ी, तम्बाकू, सिगार इत्यादि के सेवन से किस प्रकार का मादक द्रव्य प्राप्त होता है?

(a) मूर्च्छाकारी दवाएँ
(b) निकोटीन
(c) उपशामक औषधि (सिडेटिव्स)
(d) विभ्रान्तिमूलक औषध

उत्तर (c)–सिगरेट, बीड़ी, तम्बाकू, सिगार इत्यादि के सेवन से निकोटीन मादक द्रव्य प्राप्त होता है। जो फेफड़ों के लिए अत्यन्त हानिकारक है।

स्रोत- अपराध का समाजशास्त्र - चन्द्रशेखर मिश्र

39. परिवीक्षा और सप्रतिबन्ध करामुक्ति (पेरोल) किस प्रकार का दंड है?

(a) निवारण दंड (b) प्रतिकारी दंड
(c) काराबाह्य उपचार (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c)–परिवीक्षा और सप्रतिबन्ध करामुक्ति (पेरोल) काराबाह्य उपचार का दण्ड है। यह सुधारात्मक नियमों पर आधारित है। सन् 1988 में परिवीक्षा एवं पेरोल कानून विनिर्मित किया गया था। ऐसा इसलिए किया जाता है कि अपराधी के व्यवहार में सुधार हो सके।

40. बॉर्स्टल स्कूल किसके सुधार के लिये है?

(a) किशोर अपचारी (b) महिला अपराधी
(c) बंदी (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (a)—बॉर्स्टल स्कूल किशोर अपराधियों को सुधार के लिए स्थापित किया गया है। बॉर्स्टल स्कूल 16–21 वर्ष के किशोर अपराधियों के लिए स्थापित किये गये हैं।

41. सूची-I में लेखकों को सूची-II में पुस्तकों के शीर्षकों के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये कूट से सही उत्तर का चयन करें:

सूची I	सूची II
A. पी. कारलेन	1. वूमेन्स इम्प्रीज़नमेंटः ए स्ट्डी इन सोशल कंट्रोल
B. पी. वॉल्टन तथा जे. यंग	2. दी न्यू क्रिमिनोलॉजी रिविजिटेड
C. डी. क्लार्क	3. दी सोशियोलॉजी ऑफ डेथ : थ्योरी, कल्चर, प्रैक्टिस
D. आर. क्लॉवार्ड तथा एल. ओहलिन	4. डेलिनक्वेंसी एण्ड ऑपरच्युनिटी

कूटः

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	3	2	1
(c)	2	1	3	4
(d)	3	2	4	1

उत्तर (a)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

पी. कारलेन	-	वूमेन्स इम्प्रीज़नमेंटः ए स्ट्डी इन सोशल कंट्रोल
पी. वॉल्टन तथा जे. यंग	-	दी न्यू क्रिमिनोलॉजी रिविजिटेड
डी. क्लार्क	-	दी सोशियोलॉजी ऑफ डेथः थ्योरी, कल्चर, प्रैक्टिस
आर. क्लॉवार्ड तथा एल. ओहलिन	-	डेलिनक्वेंसी एण्ड ऑपरच्युनिटी

42. निम्नलिखित में से किसने नौकरशाही के लिये तर्क-वितर्क किया और भारत में राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया?

(a) ए.आर. देसाई (b) जी.एस. घुर्ये
(c) आर. बेंडिक्स (d) एस.सी. दुबे

उत्तर (c)—आर. बेंडिक्स नौकरशाही के लिए तर्क-वितर्क किया और भारत में राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया। इनके अनुसार भारतीय राष्ट्रवाद का उद्‌गम ऐतिहासिक, सामाजिक व सांस्कृतिक शक्तियों से हुआ।

43. 'धर्मनिरपेक्षवाद, धार्मिक भेदों से उत्पन्न होने वाली विभाजनात्मकता को नियंत्रित करता है और द्रुत विकास तथा राष्ट्र निर्माण की प्रक्रियाओं के लिये मार्ग भी साफ करता है।'
उपर्युक्त कथन के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा धर्मनिरपेक्षवाद का घटक नहीं है?

(a) सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था का एकीकरण जो विभिन्न उप-समूहों को परस्पर सम्बन्धित कर सकता है और उनमें अंतःवेधन कर सकता है।
(b) पूर्वाग्रह तथा संकीर्णवाद की अस्वीकृति।
(c) अंतर्निर्भरता तथा सहयोग के प्रत्यक्ष प्रदर्शित लाभ।
(d) आदिम निष्ठाएँ समाज में सामाजिक अभियान्त्रिकी का हिस्सा है।

उत्तर (d)—आदिम निष्ठायें समाज में सामाजिक अभियांत्रिकी का हिस्सा है। अर्थात् धर्म समाज में प्रकार्यात्मक एवं सकारात्मक भूमिका अदा करता है जिसका मकसद एकीकरण है।

44. अभिकथन (A) : धर्मनिरपेक्षीकरण, की अवधारणा का जिस प्रकार से भारतीय संविधान में उपयोग किया है उसका तात्पर्य है कि राज्य किसी भी धर्म को संरक्षण नहीं देता है।
कारण (R) : आधुनिक समाज में धर्म का कोई महत्व नहीं रहा है।
उपर्युक्त दो कथनों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा सही है?
कूटः

(a) (A) सत्य है और (R) असत्य है और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) असत्य है, और (R) सत्य है।
(c) (A) सत्य है और (R) असत्य है और (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।

उत्तर (c)– भारतीय संविधान किसी धर्म विशेष को राजधर्म के रूप में मान्यता नहीं देता वरन् सभी धर्मों के साथ एक समान व्यवहार करता जो कि 42वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया है। धर्म निरपेक्षता की अवधारणा संविधान की "विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता" शब्दावली में उल्लेखित है। वर्तमान समय में बढ़ते पूँजीवाद तथा औद्योगीकरण के फलस्वरूप धर्म गौण तथा महत्वहीन होता जा रहा है।
अतः अभिकथन A असत्य है तथा कारण R भी असत्य है।

45. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों के साथ सुमेलित करें:

सूची I (पुस्तकें)	सूची II (विचारक)
A. मॉडर्नाइजेशन ऑफ इंडियन ट्रेडीशन	1. वाई. सिंह
B. व्हेन ए ग्रेट ट्रेडीशन मॉडर्नाइजिस	2. एम. सिंगर
C. कास्ट इन मॉडर्न इंडिया	3. एम.एन. श्रीनिवास
D. कास्ट, क्लास एण्ड पॉवर	4. आन्द्रे बेतेई

कूटः

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	3	2	1
(c)	3	2	1	4
(d)	2	1	4	3

उत्तर (a)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तकें)	(विचारक)
मॉडर्नाइजेशन ऑफ इंण्डियन ट्रेडीशन	- वाई. सिंह
व्हेन ए ग्रेट ट्रेडीशन मॉडर्नाइजिस	- एम. सिंगर
कास्ट इन मॉडर्न इंडिया	- एम.एन. श्रीनिवास
कास्ट, क्लास एण्ड पॉवर	- आन्द्रे बेतेई

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

46. यह किसका कथन है कि भारत में, परिवर्तन की दिशा परम्परा उन्मुखीकरण से आधुनिकीकरण की ओर रैखिक विकासात्मक रूप निरूपित करती है?

(a) एम.एन. श्रीनिवास (b) एस.सी. दुबे
(c) मिल्टन सिंगर (d) योगेन्द्र सिंह

उत्तर (d)—योगेन्द्र सिंह भारत के जाने-माने मूर्धन्य समाजशास्त्री हैं। उन्होंने भारत में परिवर्तन की दशा परम्परा उन्मुखीकरण की ओर रैखिक विकासात्मक रूप निरूपित करती है।
यह कथन योगेन्द्र सिंह ने अपनी पुस्तक "मॉडर्नाइजेशन ऑफ इण्डियन ट्रेडीशन" में व्यक्त किया है।

47. अभिकथन (A) : कुछ विद्वानों का कहना है कि जिन देशों में हाल ही में समाजशास्त्र विषय का प्रारम्भ किया गया है, वहाँ विषय का देशीकरण करने की आवश्यकता है।
कारण (R) : यह देशी विद्वता के विकास में सहायक हो सकता है और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान करेगा।
कूट :

(a) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।
(b) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर (c)—देशीकरण अपनी स्थानीय संस्कृति का पुनः प्रचलन की प्रक्रिया है अथवा किसी विषय का अध्ययन विश्लेषण उस देश के परिप्रेक्ष्य में करना उस विषय का देशीकरण करना कहा जाता है देशीकरण देश के निर्वाह तथा राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करता है। अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सत्य है परन्तु R, A की सही व्याख्या है।

48. अभिकथन (A) : शिक्षा के निजीकरण का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता को उन्नत करना है।
कारण (R) : शिक्षा के निजीकरण के फल फलस्वरूप शैक्षिक संस्थाओं का छत्रक विकास हुआ है।
कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (a)—सरकार द्वारा संचालित उद्यमों अथवा प्रक्रमों को जब निजी कम्पनी या उद्यमी द्वारा संचालित किया जाता है तो इस हस्तान्तरण की प्रक्रियाँ निजीकरण कहलाती है। आधुनिक समय में शिक्षा के निजीकरण से स्ववित्त पोषित शैक्षिक संस्थाओं की बाढ़ आ गयी है।
अभिकथन A तथा कारण R दोनों सत्य हैं तथा कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या है।

49. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत शिक्षा का अधिकार मौलिक अधिकारों के रूप में लागू किया गया था?
कूटः

(a) अनुच्छेद -14 (b) अनुच्छेद -21
(c) अनुच्छेद -21-अ (d) अनुच्छेद -16

उत्तर (c)—संविधान अधिनियम (86वाँ संशोधन) 2002 द्वारा संविधान में एक नया अनुच्छेद 21-क जोड़ा गया जिसके अन्तर्गत 6वर्ष से 14वर्ष की आयु तक के बालकों के लिए शिक्षा का अधिकार मूल अधिकार बनाया गया।

50. अभिकथन (A) : जहाँ तक शिशु (स्त्रीलिंग) लिंग-अनुपात की बात है उत्तर-पूर्वी राज्यों में किसी संकट की स्थिति नहीं है।
कारण (R) : इन राज्यों में स्त्रियों की शिक्षा में वृद्धि हुई है।
कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(b) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।
(d) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।

उत्तर (a)—उत्तर पूर्वी राज्यों में लिंगानुपात 940 से अधिक है अतएव संकट की स्थिति नहीं है।
अरूणाचल प्रदेश को छोड़कर सभी राज्यों में महिला साक्षरता दर 65.5 प्रतिशत से अधिक है।
अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सत्य है तथा कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या नहीं है।

51. किस समिति ने पंचायती राज के लिये तीन-स्तरीय व्यवस्था की सलाह दी?

(a) बलवंत राय मेहता समिति
(b) अशोक मेहता समिति
(c) संगमा समिति
(d) संसदीय समिति

उत्तर (a)— बलवंत राय मेहता समिति ने पंचायती राज के लिए त्रिस्तरीय व्यवस्था (ग्राम, मण्डल, जिला) की सलाह दी । इस समिति का गठन 1957 ई. में हुआ। इसने अपनी रिपोर्ट 24 नवम्बर 1957 को राष्ट्रीय विकास परिषद को सौंपी।

52. नगरीय उन्मुखी विकास कार्यक्रमों से नगरीय केन्द्रित रोजगार सृजित हुए हैं जिसका परिणाम निम्नलिखित हुआ हैः

(a) ग्रामीण से ग्रामीण प्रवसन
(b) नगरीय से ग्रामीण प्रवसन
(c) ग्रामीण से नगरीय प्रवसन
(d) नगरीय से नगरीय प्रवसन

उत्तर (c)—जब गाँव से रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा तथा आर्थिक अवसर, के कारण लोग नगर में जाते है तो इसे ग्राम नगर प्रवसन कहते हैं। यह प्रवसन पुल फैक्टर कहलाता है।

53. कृषिक सामाजिक संरचना की विशेषता निम्नलिखित में से क्या है?

I. भू-स्वामी तथा भूमिहीन मज़दूर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

II. भू-स्वामी तथा व्यापारी
III. किसान तथा ग्राम साहूकार
IV. किसान तथा फसल साझेदार

नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

कूट:

(a) I, II, III (b) II, III, IV
(c) I,III, IV (d) IV, II, III

उत्तर (c)–कृषक समाज की अवधारणा को प्रस्तुत करने का श्रेय अमेरिकी मानवशास्त्री ''राबर्ट रेडफील्ड'' को जाता है। भू-स्वामी एवं व्यापारी, कृषक सामाजिक संरचना का हिस्सा नहीं है।
कृषक समाज किसानों का सकेन्द्रित तथा स्वतंत्र स्थान होता है।

54. भारत में किसान आन्दोलन असफल हुआ क्योंकि

(a) श्रम संघ विद्यमान नहीं थे।
(b) श्रम संघ रूचि नहीं लेते थे।
(c) कोई भूमि सुधार नहीं किये गये हैं।
(d) आंशिक भूमि सुधार किये गये हैं।

उत्तर (d)–भारत में किसान आंदोलन की असफलता का प्रमुख कारण यह है कि ये संगठित एवं अखिल भारतीय स्तर पर पनप नहीं सके।

55. आधुनिक भारत में पंचायतों को निम्नलिखित रूप में विशेषित किया जाता है :

I. तृणमूल स्तर पर लोगों की भागीदारी
II. आत्म निर्भरता/आत्म-विश्वास
III. स्त्रियों का सशक्तिकरण
IV. नौकरशाही नियंत्रण

नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

कूट:

(a) IV, II, III (b) I, II, III, IV
(c) IV, III, I (d) II, III, IV

उत्तर (b)–बलवंत राय मेहता समिति की सिफारिश पर पंचायती व्यवस्था की स्थापना हुयी। जिसके पश्चात् 73 एवं 74 संविधान संशोधित किये गये जो क्रमशः ग्राम पंचायत और नगर पंचायत से सम्बद्ध है। इस संशोधन के द्वारा सत्ता का विकेन्द्रीकरण, आम लोगों की भागीदारी आत्मनिर्भरता पंचायत में स्त्रियों के 33% आरक्षण एवं नौकरशाही नियंत्रण का उपबंध किया गया।

56. कार्यस्थल व्यवहार के मानव सम्बन्ध उपागम के बारे में नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

I. यह उन उपागमों के विरूद्ध है जो कर्मकारों के व्यवहार की भौतिक सम्बन्ध में व्याख्या करने पर व्यक्तिपरक तथा अत्यधिक युक्तिमूलक जोर देते हैं।
II. यह उद्योगों में अनौपचारिक समूहों के महत्व पर ज़ोर देता है।
III. इसने फैक्टरी को सामाजिक व्यवस्था तथा कर्मकार को सामाजिक आदमी मान कर एक मॉडल की शुरूआत की है।
IV. यह औद्योगिक पुरूष/मानव को युक्तिमूलक तथा आर्थिक मानव समझता है।

कूट :

(a) केलव I, II (b) I, III, IV
(c) केवल I, IV (d) I, II, III

उत्तर (d)– कार्यस्थल व्यवहार के मानव सम्बन्ध उपागम के अधीन श्रमिकों को सामाजिक व्यक्ति स्वीकार कर एक सामाजिक मॉडल पेश किया गया जो उद्योग में औपाचारिक समूह के महत्व पर जोर देता है।

57. कार्ल मार्क्स के अनुसार स्वत्व-अंतरण (अथवा एलिअनेशन) किस कारण कारित होता है?

(a) श्रम विभाजन
(b) निजी सम्पत्ति की प्रथा
(c) वाणिज्यिक सम्बन्धों का 'कैश नेक्सस' (या नकदी अंतर्सम्बन्ध)
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d)–अलगाव का अंग्रेजी शब्द एलीनिएशन शब्द का प्रयोग किया जाता है। अलगाव व्यक्ति का अमानवीकरण है। मार्क्स के अनुसार ''अलगाव वह अवस्था है जिसमें कामगार स्वयं के श्रम से उपार्जित वस्तुओं से अपने आपको अलग रखता है ''और अपने आपको गुलाम समझता है, शक्तिहीन मानता है और स्वयं से बेखबर होकर उत्पादन प्रक्रिया में जुटा रहता है मार्क्स ने अपने अलगाव के सिद्धान्त में तीन प्रकार के अलगाव की विवेचना करता है।
(1) कार्य के उत्पादन से लगाव (2) समाज से अलगाव (3) श्रम से अलगाव तथा उत्पादन की प्रक्रिया से अलगाव।

58. वर्ष 1956 के दौरान, सरकार, श्रम संघों और भारत से नियोक्ताओं के प्रतिनिधियों से निर्मित स्ट्डी ग्रुप ने प्रबन्ध में कर्मकारों की सहभागिता के अनुभव का अध्ययन करने के लिए किन देशों का दौरा दिया?

कूट:

(a) पोलैण्ड, स्वीडन, यू.के., फ्रांस, पूर्वी जर्मनी, रशिया
(b) हॉलैण्ड, स्वीडन, फ्रांस, यूगोस्लाविया, बेल्जियम, चकोस्लोवाकिया
(c) यू.के., स्वीडन, फ्रांस, बेल्जियम, पश्चिम जर्मनी, यूगोस्लाविया
(d) यू.के., स्वीडन, पोलैण्ड, जर्मनी, बेल्जियम, फ्रांस

उत्तर (c)–वर्ष 1956 के दौरान, सरकार श्रम संघों और भारत से नियोक्ताओं के प्रतिनिधियों से निर्मित स्ट्डी ग्रुप ने प्रबन्ध में कर्मकारों की सहभागिता के अनुभव का अध्ययन करने के लिए, यू.के. स्वीडन, फ्रांस, बेल्जियम, पश्चिमी जर्मनी, यूगोस्लाविया आदि देशों का दौरा किया।

59. भारत में प्रबन्धन में कर्मकारों की सहभागिता का कौन सा मॉडल कार्य कर रहा है?

(a) गुणवत्ता सर्किल्स (b) संयुक्त परामर्श
(c) सह-निर्धारण (d) स्व-प्रबन्ध

उत्तर (b)–भारत में प्रबन्धन में कर्मकारों की सहभागिता का संयुक्त परामर्श माडल कार्य कर रहा है।

60. सेवा/एस.ई.डब्लू.ए. (SEWA) के बारे में गलत क्या है?

(a) इसने असंगठित क्षेत्र में महिला कर्मकारों को संगठित किया।
(b) यह तीन आन्दोलनों श्रम, सहकारिता तथा विकास का संयोजन करता है।
(c) इसने बहुत से महिला सहकारी संघों को संगठित किया है।
(d) यह केवल अहमदाबाद तक सीमित हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (d)—सेवा/SEWA से आशय है Self employed women association. यह अहमदाबाद में बना एक सहयोगी संगठन है परन्तु यह पूरे भारत में लागू है। यह वर्ष 1972 में पंजीकृत एक ट्रेड यूनियन है। यह गरीब स्वरोजगार महिला श्रमिकों का एक संगठन है, जो महिलाओं को स्वावलम्बी तथा शिक्षित करने के लिए कार्य करता है।

61. सामाजिक विकास का सूचक कौन सा नहीं है?
(a) स्वास्थ्य में वृद्धि
(b) जीवनयापन की गुणवत्ता में वृद्धि
(c) शिक्षा में वृद्धि
(d) प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि

उत्तर (a)—सामाजिक विकास का सूचक प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि नहीं है। सामाजिक विकास का सूचकांक जीवन प्रत्याशा, शिक्षा तथा सकल घरेलू उत्पाद सूचकांक है इस अवधारणा का प्रतिपादन 1990 में महबूब-उल-हक ने किया।

62. "संरचनात्मक समायोजन कार्यक्रम" जो 1980 में चालू किये गये थे तृतीय विश्व देशों में बलात् चालू किये गये थे। इसके पीछे उद्देश्य क्या था?
(a) ऋण वसूल करना (b) भाई-भतीजावाद रोकना
(c) भ्रष्टाचार समाप्त करना (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d)—संरचनात्मक समायोजन कार्यक्रम 1980 का मुख्य उद्देश्य आम जनता की भागीदारी, ऋण वसूल करना, भाई-भतीजावाद पर विरोध कायम रखना तथा भ्रष्टचार समाप्त करना था।

63. भारत ने, विदेशी शासन से स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से आर्थिक विकास का मिश्रित मॉडल अपनाया परन्तु उसे एल.पी.जी. नीति को अपनाने के लिये बाध्य किया गया था। भारत में किस वर्ष में एल.पी.जी. नीति को आर्थिक विकास के मॉडल के रूप में अपनाया गया था?
(a) 1980 (b) 1989
(c) 1990 (d) 1993

उत्तर (c)— एल.पी.जी. से अभिप्राय उदारीकरण, निजीकरण तथा भूमण्डलीकरण है। (Liberlization, Privatization, Globalization : L.P.G.) सन् 1991 में भारत के भुगतान संकट से गुजरने की स्थिति के फलस्वरूप आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया का शुभारम्भ हुआ।

64. यह किसका विचार है कि सामाजिक अशान्ति का कारण पूँजीवादी विकास पथ में ही गढ़ा है?
(a) ए.आर. देसाई (b) जी.एस. घुर्ये
(c) डी.पी. मुकर्जी (d) सुरजीत सिन्हा

उत्तर (a)—ए. आर. देसाई का विचार है कि सामाजिक अशान्ति कारण पूँजीवादी विकास पथ में ही गढ़ा है।
ए. आर. देसाई ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तकों स्टेट एण्ड सोसाइटी इन इण्डिया, एसेज इन डिसेण्ट, पॉजिटिव प्रोग्राम फॉर इण्डियन रिवोल्यूशन तथा रिसेण्ट ट्रेंड्स इन इण्डियन नेशनलिज्म में पूँजीवादी की व्याख्या की हैं।

65. विकास का "वर्ल्ड सिस्टम थ्योरी" विकसित तथा विकाशील देशों के बीच सम्बन्धों को स्पष्ट करता है। निम्नलिखित में से किसने विकास की 'वर्ल्ड सिस्टम थ्योरी' प्रतिपादित की है?
(a) मुन्नर मिर्डाल (b) वॉलरस्टीन्स
(c) एम.के. गांधी (d) ए. सेन

उत्तर (b)—वॉलरस्टीन्स ने World System Theory को प्रतिपादित किया है। विकास का वर्ल्ड सिस्टम थ्योरी विकसित तथा विकासशील देशों के बीच सम्बन्धों को स्पष्ट करता है। इस व्यवस्था के संचालन के लिए मतैक्य के स्थान पर आन्तरिक तनावों को महत्व दिया गया है।

66. 'एस्से ऑन दी प्रिंसिपल ऑफ पोपुलेशन' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?
(a) जी. मार्शल (b) एम.के. प्रेमी
(c) टी. माल्थस (d) पीटर आर. कॉक्स

उत्तर (c)—टी.माल्थस इंग्लैण्ड के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थे । 1789 ई. में इनका एक गुमनाम निबन्ध "जनसंख्या के सिद्धाँत पर निबंध जैसे कि यह समाज के भावी विकास को प्रभावित करती है। इनके पुस्तक का नाम Essay on the principle of population

67. जनसंख्या का अध्ययन करने के लिये सामाजिक केशिका (सोशल केपिलेरिटी) की अवधारणा का उपयोग किसने किया है?
(a) थॉमस माल्थस (b) हरबर्ट स्पेंसर
(c) डेविड हार्डिमैन (d) डी. ड्यूमॉ

उत्तर (d)—लुई ड्यूमॉ को फ्रांस में भारत का विशेषज्ञ कहा जाता है। जनसंख्या का अध्ययन करने के लिए सामाजिक केशिका (Social capilianity) की अवधारणा का उपयोग किया।

68. प्रजनन शक्ति के निर्धारकों की किसने विस्तार से व्याख्या की है?
(a) कार्ल मार्क्स
(b) किंग्सले डेविस तथा जुडिअथ ब्लैक
(c) डबल डे
(d) पीटर बर्गर

उत्तर (b)— प्रजनन शक्ति के निर्धारकों की किंग्सले डेविस तथा जुडिअथ ब्लैक ने विस्तार से व्याख्या की है।

69. निम्नलिखित में से क्या जनांकिकीय प्रक्रियाओं से सम्बन्धित है/हैं:
I. प्रजनन शक्ति
II. मृत्युदर
III. प्रवसन
IV. रूग्णता या अस्वस्थता की दर
सही संयोजन बताये।
(a) I और IV सही हैं। (b) IV और II सही हैं।
(c) II और III सही हैं। (d) III और IV सही हैं।

उत्तर (c)—डी. जे. बूथ के अनुसार "जनांकिकीय में हम जनसंख्या के आकार, उसके घटक उसके क्षेत्रीय वितरण, उसकी जन्म दर, मृत्युदर विवाह-दर, गतिशीलता या प्रवास सम्बन्धी गणितीय जानकारी का अध्ययन करते है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

70. सूची-I में मदों को सूची-II में मदों के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

सूची I	सूची II
A. एक वर्ष से कम आयु के बच्चे की मृत्यु	1. रूग्णता
B. प्रसव के समय पर महिला की मृत्यु	2. शिशु मृत्युदर
C. रोगों के कारण बीमार पड़ने की दर	3. स्त्रीलिंगी शिशु हत्या
D. जन्मते ही बच्चियों को मार देना	4. मातृ मृत्युदर
	5. स्त्रीलिंगी भ्रूण हत्या

कूट:

	A	B	C	D
(A)	1	4	2	5
(B)	2	4	1	3
(C)	4	3	5	2
(d)	5	4	1	3

उत्तर (b)–सुमेलित सूची इस प्रकार है–

एक वर्ष से कम आयु के बच्चे की मृत्यु	- शिशु मृत्युदर
प्रसव के समय पर महिला की मृत्यु	- मातृ मृत्युदर
रोगों के कारण बीमार पड़ने की मृत्यु	- रूग्णता
जन्मते ही बच्चियों को मार देना	- स्त्रीलिंगी शिशु हत्या

71. अभिकथन (A) : महिला एवं बाल विकास नीति 'संरक्षणात्मक विभेदीकरण' कहलाती है।
कारण (R) : यह केवल स्त्रियों के लिये लाभदायक है।
कूट:
(a) (A) सत्य है और (R) असत्य हैं।
(b) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।
(c) (A) सत्य है और (R) असत्य है और (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं।

उत्तर (b)–महिला एवं बाल विकास नीति संरक्षणात्मक विभेदीकरण नहीं कहलाती साथ ही साथ यह मात्र स्त्रियों के लिए ही लाभकर नहीं होता है। यह बालकों (शिशुओं या बच्चों) के लिए भी होती हैं। अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों असत्य है।

72. भारत में लिंग तथा विकास पर परिप्रेक्ष्यों का सही अनुक्रम बताइये:
(a) कल्याण, सशक्तिकरण, विकास
(b) सशक्तिकरण, विकास, कल्याण
(c) विकास, कल्याण, सशक्तिकरण
(d) कल्याण, विकास, सशक्तिकरण

उत्तर (d)–भारत में लिंग तथा विकास पर परिप्रेक्ष्यों का सही अनुक्रम कल्याण, विकास, सशक्तिकरण है।

73. कई अंतर्राष्ट्रीय सभाओं ने वैश्विक परिप्रेक्ष्य से विकास के नारीवादी विज़न के बारे में घोषणा की है। इन अंतर्राष्ट्रीय सभाओं को उनके आयोजित होने के क्रम में व्यवस्थित करें। नीचे दिये कूटों की सही सहायता से उत्तर दें:
I. एशियन एण्ड पैसिफिक सेंटर फॉर वूमेन डेवलेपमेंट (ए पी सी डब्लू डी)
II. वर्कशॉप ऑन डेवलॅपिंग स्ट्रेजीस फॉर दी फ्यूचर: फेमिनिस्ट पर्सपेक्टिव्स
III. डाकर डेक्लेरेशन ऑन अनादर डेवलेपमेंट विद वूमेन
IV. नैयरॉबी एन्ड ऑफ दी यू.एन. डिकेड वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस
कूट:
(a) I, III, IV, II
(b) II, I, III, IV
(c) III, I, IV,II
(d) I, II, III, IV

उत्तर (d)–वैश्विक परिप्रेक्ष्य से विकास के नारीवादी विज़न के बारे में क्रमशः विकल्प (i) (ii) (iii) तथा (iv) अंतर्राष्ट्रीय सभा आयोजित हुए।

74. इको. फेमिनिज़्म के विकास का मुख्य आधार क्या है?
(a) औद्योगिक समाज में वनोन्मूलन
(b) स्त्रियों का जीवन एवं प्रकृति से उनका सम्बन्ध
(c) प्रदूषण तथा पर्यावरणीय पतन
(d) वैश्विक ऊष्मीकरण

उत्तर (b)–इको. फेमिनिज्म के विकास का मुख्य आधार स्त्रियों का जीवन एवं प्रकृति से उनका सम्बन्ध है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पुरूषों के बराबर स्त्रियों के अधिकारों के समर्थन से उत्पन्न हुऐ सामाजिक आन्दोलन को महिलावाद या नारीवाद का नाम दिया गया है।

75. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें:

सूची I (नारीवादी)	सूची II (पुस्तकें)
A. सिमोन डी बुवुआर	1. दी डायलेक्टिक्स ऑफ सेक्स
B. मेरी वॉलस्टोन क्राफ्ट	2. वूमेन्स एस्टेट
C. सुलामिथ फायरस्टोन	3. दी सेकेण्ड सेक्स
D. जुलियट मिचेल	4. दी विंडीकेशन ऑफ दी राइट्स ऑफ वूमेन

कूट:

	A	B	C	D
(a)	3	4	1	2
(b)	3	1	4	2
(c)	1	3	2	4
(d)	2	1	3	4

उत्तर (a)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(नारीवादी)	(पुस्तकें)
सिमोन डी बुवुआर	- दी सेकेण्ड सेक्स
मेरी वॉलस्टोन क्राफ्ट	- दी विंडीकेशन ऑफ दी राइट्स ऑफ वूमेन
सुलामिथ फायरस्टोन	- डायलिक्टिक्स ऑफ सेक्स
जुलियट मिचेल	- वूमेन्स एस्टेट

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2013
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पी प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

सूची- I (अवधारणा)	सूची- II (लेखक)
A. सांस्कृतिक पश्चता	i. के. मार्क्स
B. मिथ्या चेतना	ii. ऑगबर्न
C. समानता एवं सम्पर्क का नियम	iii. जे. फ्रेजर
D. वर्ग संघर्ष का संस्थाकरण	iv. आर. डेहरेंडॉर्फ

कूट :

	A	B	C	D
(a)	ii	i	iii	iv
(b)	iv	iii	i	ii
(c)	iii	ii	iv	i
(d)	i	iv	ii	iii

उत्तर- (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)		(लेखक)
सांस्कृतिक पश्चता	-	ऑगबर्न
मिथ्या चेतना	-	कार्ल मार्क्स
समानता एवं सम्पर्क का नियम	-	जे. फ्रेजर
वर्ग संघर्ष का संस्थाकरण	-	आर. डेहरेंडॉर्फ

2. एक संस्था.............से बनती है।
(a) कर्ताओं एवं समूहों (b) नियमों एवं विधियों
(c) मूल्यों एवं मानदण्डों (d) सभी

उत्तर- (b) संस्था नियमों एवं विधियों की कार्यप्रणाली व्यवस्था है। बोगार्डस के अनुसार, सामाजिक संस्था समाज की वह संरचना होती है, जो मुख्यतः सुव्यवस्थित विधियों द्वारा लोगों की आवश्यकता की पूर्ति के लिए संगठित की जाती है।

3. जॉर्ज सिमेल का समूह का 'एकल', 'द्विक' तथा 'त्रिक' के रूप में वर्गीकरण निम्नलिखित में से किस पर आधारित है?
(a) शारीरिक समीपता (b) सदस्यता की प्रकृति
(c) सामाजिक सम्बन्ध (d) समूह का आकार

उत्तर- (d) जार्ज सिमेल का समूह का एकल, द्विक तथा त्रिक के रूप में वर्गीकरण समूह के आकार पर आधारित है। सामाजिक समूह व्यक्तियों के उस निश्चित संग्रह को कहते हैं जो परस्पर संबंधित क्रियाएँ करते हैं और इस अन्तः क्रिया की इकाई के रूप में ही स्वयं या दूसरे के द्वारा मान्य होते हैं।

4. सामाजिक जीवन-निर्वाह के एक क्षेत्र को, जो कुछ मात्रा तक सामाजिक सुसंगतता एवं समानता द्वारा निर्दिष्ट होता है, कहते हैं
(a) सामाजिक समूह (b) समाज
(c) समुदाय (d) समिति

उत्तर- (c) सामाजिक जीवन निर्वाह के क्षेत्र को जो कुछ मात्रा तक सामाजिक सुसंगतता एवं समानता निर्दिष्ट होता है, समुदाय कहते हैं। लुण्डबर्ग के अनुसार, "मनुष्यों की वह जनसंख्या, जो निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में रहती हो और एक साधारण परस्पर आश्रित जीवन यापन करती हो, समुदाय कहलाती है।

5. सी. डब्ल्यू. मिल्स का संदर्श दृष्टिगत रखता है
i. जीवनवृत्त ii. समाजवृत्त
iii. इतिहास iv. भूगोल
v. नृजाति वर्णन
सही विकल्प चुनिए :
(a) केवल ii (b) केवल ii तथा iii
(c) केवल i तथा iii (d) केवल i, ii, iv तथा v

उत्तर- (c) सी. डब्ल्यू. मिल्स जीवनवृत्त एवं इतिहास का संदर्श दृष्टिगत रखते हैं मिल्स ने सामाजिक विषमता, अभिजनों की शक्ति, सिकुड़ता हुआ मध्यम वर्ग, व्यक्ति और समाज के बीच सम्बन्ध तथा समाजशास्त्रीय विचारधारा में ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य की महत्ता जैसे विषयों को अपने लेखनों में प्रमुख केन्द्र बनाया है।

6. निम्नलिखित में से किस दृष्टांत को एक संदर्भ-समूह व्यवहार के रूप में नहीं माना जा सकता ?
(a) सर्वहाराकरण (b) बूर्जुआकरण
(c) संस्कृतिकरण (d) आधुनिकीकरण

उत्तर-(d) आधुनिकीकरण का दृष्टान्त सन्दर्भ समूह व्यवहार के रूप में नहीं माना जा सकता । सन्दर्भ समूह का सर्वप्रथम प्रयोग सन् 1942 में हाईमेन ने 'द साइकोलॉजी ऑफ स्टेट्स' नामक अपनी कृति में दी। सन्दर्भ समूह वह समूह है जिसके आदर्शों, मूल्यों तथा व्यवहार के ढंगों को हम आदर्श मानकर उससे मनोवैज्ञानिक तौर पर अपना सम्बन्ध बनाये रखना चाहते हैं।

7. निम्नलिखित में से कौन अनौपचारिक समूहों का पुंज है?
(a) क्लीक, फैक्शन, कॉकस
(b) गैंग, यूनियन, डकैत
(c) मलिन बस्ती, ग्राम, गैर-सरकारी संगठन
(d) पड़ोस, साथी समूह, पंचायत

उत्तर- (a) क्लीक,फैक्शन, कॉकस अनौपचारिक समूहों का पुँज है समूह प्रमुख रूप से दो श्रेणियों में विभाजित है। पहला एक औपचारिक समूह है जो किसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए गठित किया जाता है दूसरा एक अनौपचारिक समूह है जो उनकी पसंद, रूचियों और व्यवहार के अनुसार कर्मचारियों द्वारा बनाई जाती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

8. निम्नलिखित में से किसने यह तर्क दिया है कि विद्यालय बच्चों को सार्वभौमिक मानकों तथा वयस्क समाज की अर्जित प्रस्थिति की ओर अग्रसर होने के लिए तैयार करते हैं ?

(a) ई. दुर्खीम (b) टी. पारसन्स
(c) आर.के. मर्टन (d) के. डेविस

उत्तर- (b) आधुनिकी अमेरिकी अग्रणी समाजशास्त्रियों में टालकॉट पारसन्स की गणना एक दिग्गज सिद्धान्तकार के रूप में की जाती है। टी. पारसन्स ने तर्क दिया है कि विद्यालय बच्चों को सार्वभौमिक मानकों तथा वयस्क समाज को अर्जित प्रस्थिति की ओर अग्रसर होने के लिए तैयार करते हैं।

9. निम्नलिखित में से किसने धर्म को पवित्र और अपवित्र के मध्य भेद के रूप में परिभाषित किया है ?

(a) बी. मैलिनोवस्की (b) सी. लेवी स्ट्रॉस
(c) ए.आर. रेडक्लिफ ब्राउन (d) ई. दुर्खीम

उत्तर- (d) इमाईल दुर्खीम ने धर्म को पवित्र और अपवित्र के मध्य भेद के रूप में परिभाषित किया है । इन्होंने अपनी पुस्तक 'द एलीमेण्ट्री फार्म्स ऑफ रिलीजियश लाइफ' में धर्म का सिद्धान्त प्रस्तुत किया है। दुर्खीम के अनुसार, धर्म पवित्र वस्तुओं अर्थात् पृथक और निषिद्ध वस्तुओं से सम्बन्धित विश्वासों और क्रियाओं की संगठित व्यवस्था है।

10. किसी व्यक्ति, समूह या संस्था की आदेश निर्गत करने की क्षमता को कहते हैं

(a) शक्ति (b) सत्ता
(c) प्रभाव (d) अधिकार

उत्तर- (b) किसी व्यक्ति, समूह या संस्था के आदेश निर्गत करने की क्षमता को सत्ता कहते हैं। वेबर ने सत्ता के निम्न तीन प्रकार वैधानिक, परम्परात्मक तथा करिश्माई का उल्लेख किया है।

11. सी. डब्ल्यू. मिल्स के अनुसार अमेरिका में शक्ति अभिजन में वे लोग आते हैं जो..........में "उच्चाधिकार पदों" पर काबिज हैं।

i. बड़े व्यापार निगमों ii. सेना
iii. संघीय सरकार iv. राज्य अधिकारीतंत्र

सही विकल्प चुनिए :

(a) (i), (ii), (iii) तथा (iv)
(b) (i), (ii) तथा (iii)
(c) (i), (iii) तथा (iv)
(d) (ii), (iii) तथा (iv)

उत्तर-(b) सी. डब्ल्यू. मिल्स के अनुसार अमेरिका में शक्ति अभिजन में वे लोग आते हैं जो बड़े व्यापार निगमों, सेना तथा संघीय सरकार में 'उच्चाधिकार पदों' पर काबिज हैं। ऐसे अभिजन सामाजिक संरचना के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन होकर अपनी एक ऐसी छवि प्रदर्शित करते हैं कि जनसाधारण की नजरों में वे न केवल धन-संपदा और पद प्रतिष्ठा की दृष्टि से अपितु चरित्र की दृष्टि से भी श्रेष्ठ सिद्ध होते हैं। किन्तु यह उनका मात्र आडम्बर होता है।

12. निम्नलिखित में से किसने यह तर्क दिया है कि वर्गों को 'बाध्यतामूलक संयोजित समितियों' के रूप में परिभाषित करना चाहिए?

(a) एम. वेबर (b) के. मार्क्स
(c) आर. डेहरेंडॉर्फ (d) आर. कोलिंस

उत्तर-(c) आर. डेहरेंडार्फ ने यह तर्क दिय कि वर्गों को बाध्यतामूलक संयोजित समितियों के रूप में परिभाषित करना चाहिए। अपने संघर्ष सिद्धान्त की प्रस्तुति के पूर्व उन्होंने पश्चिमी सोच पर आधारित समाज सम्बन्धी एक दूसरे के विरोधी दो मॉडल्स तथ्य 'मतैक्य मॉडल' तथा बाध्यता मूलक मॉडल का सविस्तार वर्णन किया।

13. आर. डेहरेंडॉर्फ के अनुसार उत्तर-पूँजीवादी समाज निम्नलिखित में से किससे अभिलक्षित होता है ?

i. पूँजी का विघटन
ii. श्रम का विभेदीकरण
iii. हीरक समान वर्ग संरचना
iv. संघर्षों का विनियमन एवं संस्थागतकरण

सही विकल्प चुनिए :

(a) (i), (ii), (iii) तथा (iv)
(b) (i), (ii) तथा (iii)
(c) (i), (ii) तथा (iv)
(d) (i), (iii) तथा (iv)

उत्तर-(a) आर. डेहरेंडॉर्फ के अनुसार उत्तर पूँजीवादी में समाज में पूँजी का अपघटन, श्रम का विभेदीकरण, हीरक समान, वर्ग संरचना, संघर्षों का विनियमनकरण एवं संस्थागतकरण होता है।

14. 'आत्म' के विकास के संदर्भ में 'मैं' और 'मुझे' की अवधारणा का उपयोग किसने किया था ?

(a) एस. फ्रायड (b) सी.एच. कूले
(c) एच.एम. जॉनसन (d) जी.एच. मीड

उत्तर-(d) जी० एच० मीड अमेरिका के शिकागों वैचारिक परम्परा के एक अग्रणी दार्शनिक और अन्तःक्रियावादी थे। यह परम्परा उनकी मृत्यु के बाद "सामाजिक अन्तःक्रियावादी के नाम से जानी जाती है। समाजशास्त्र के क्षेत्र में उनके 'मैं' और 'मुझे' के सिद्धाँत ने बालक के समाजीकरण की प्रक्रिया की एक नये ढंग से व्याख्या की है। 'मैं' व्यक्ति के जैविकीय पक्ष को व्यक्त करता है। इसके विपरीत 'मुझे' सामाजिक स्वचेतन व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है।

15. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है :

अभिकथन (A) : व्यक्तित्व प्रणाली, समाजीकरण के माध्यम से, सामाजिक प्रणाली में एकीकृत हो जाती है।

कारण (R):समाजीकरण, कर्ता की सहायता समाज में भूमिका निभाने के लिए करता है।

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर-(a) समाजीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके फलस्वरूप व्यक्ति में सामाजिक गुणों का विकास होता है अर्थात् व्यक्ति सांस्कृतिक विशेषतायें, अपनत्व तथा व्यक्तित्व प्राप्त करता है। अतः समाजीकरण, कर्ता की सहायता समाज में भूमिका निभाने के लिए करता है जिसके फलस्वरूप व्यक्तित्व प्रणाली, समाजीकरण के माध्यम से सामाजिक प्रणाली में एकीकृत हो जाती है। इस प्रकार A तथा R दोनों सही है और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

16. मैक्स वेबर के अनुसार, प्रस्थिति समूह निम्नलिखित में से किससे अभिलक्षित होता है ?

(a) व्यवसाय (b) शैक्षिक पृष्ठभूमि
(c) जीवन-शैली (d) पारिवारिक पृष्ठभूमि

उत्तर-(c) मैक्स वेबर के अनुसार, प्रस्थिति समूह जीवन शैली से अभिलक्षित होता है। प्रस्थिति समूह से वेबर का तात्पर्य ऐसे समूहों से है जिनमें सकारात्मक और नकारात्मक, सम्मान सूचक मानदण्डों और समान जीवन शैली के आधार पर किया जाता है।

स्रोत -समाजशास्त्रीय चिंतक एवं सिद्धान्तकार-हरिकृष्ण रावत

17. निम्नलिखित में से किसे सामाजिक परिवर्तन का प्रौद्योगिकीय निर्धारणवादी माना जाता है ?

(a) ई. दुर्खीम (b) जी. सिमेल
(c) टी. वेब्लेन (d) टी. माल्थस

उत्तर-(c) टी. वेब्लेन को सामाजिक परिवर्तन का प्रौद्योगिकीय निर्धारणवादी माना जाता है। वेब्लेन के अनुसार, सामाजिक परिवर्तन वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से हमारी सामाजिक व्यवस्था प्रौद्योगिकीय प्रगति को व्यक्त करती है। तथा औद्योगिकीय समाज में जो कुछ भी परिवर्तन होता है वे सभी आर्थिक शक्तियों के कारण ही होते हैं ।

18. उस सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य को क्या कहते हैं जो इस बात पर बल देता है कि समाज कुछ ज्ञात अवस्थाओं से होकर एकाधिक बार अथवा बारंबार गुजरता है ?

(a) पुनरावर्ती उद्विकास सिद्धांत
(b) समरेखीय उद्विकास सिद्धांत
(c) चक्रीय उद्विकास सिद्धांत
(d) प्रतिवर्ती उद्विकास सिद्धांत

उत्तर-(c) जब परिवर्तन एक निश्चित दिशा में हो तथा उसके रचना एवं गुणों में भी परिवर्तन हो तो हम उसे उद्विकास कहते हैं। चक्रीय उद्विकास सिद्धान्त इस बात पर बल देते हैं कि समाज कुछ ज्ञात अवस्थाओं से होकर एकाधिकार अथवा बारम्बार गुजरता है। परेटो के चक्रीय सिद्धान्त के अनुसार सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया में सामाजिक घटनाओं की पुनरावृत्ति बारम्बारता होती है।

19. निम्नलिखित में से किसने समाज को 'स्व-निर्भर-निर्धारित' रूप में वर्णित किया है ?

(a) रैडक्लिफ ब्राउन (b) मैलिनोवस्की
(c) ई. दुर्खीम (d) आर. बेनेडिक्ट

उत्तर-(c) इमाईल दुर्खीम ने समाज को स्वनिर्भर निर्धारित रूप में वर्णित किया इनके महत्वूपर्ण समाजशास्त्रीय योगदान इस प्रकार है (1) पद्धतिशास्त्र (2) श्रम विभाजन का सिद्धान्त (3) सामाजिक तथ्य (4) आत्महत्या का सिद्धान्त (5) धर्म का समाजशास्त्र (6)नैतिकता का सिद्धान्त (7) सामूहिक प्रतिनिधित्व (8) प्रकार्यवाद की अवधारणा।

20. पारसन्स द्वारा प्रतिपादित 'प्रतिमान-चरों' की योजना में निम्नलिखित में से कौन से युग्म सम्मिलित नहीं हैं ?

i. भावात्मकता बनाम भावात्मक तटस्थता
ii. स्व-उन्मेष बनाम सामूहिक उन्मेष
iii. विशिष्टता बनाम सार्वभौमिकता
iv. स्थानीयता बनाम वैश्विकता
v. गुण बनाम प्रदर्शन
vi. विसरण बनाम विशिष्टता
vii. उद्विकास बनाम क्रांति

सही विकल्प चुनिए :

(a) (i), (ii), (iii), (v) तथा (vi)
(b) (ii), (iii), (i), (vi) तथा (v)
(c) (ii), (iii), (v)
(d) (i), (v) तथा (vi)

उत्तर- (*) पार्सन्स ने 'प्रतिमान-चरों' (Pattern Variables) को कर्त्ताओं के मूलभूत उभयसंकटों/द्विधाओं के रूप में परिभाषित किया है। सामाजिक प्रणालियाँ इन उभय संकटों के संसाधनों को जोड़ों के रूप में प्रस्तुत करती हैं जो निम्नवत् है– (i) सार्वलौकिक बनाम विशिष्टतावादी, (ii) निष्पादन बनाम गुण-अभिमुखता, (iii) भावात्मक तटस्थता बनाम भावात्मकता, (iv) निश्चितता बनाम विसरणता। मूलरूप से पार्सन्स द्वारा प्रस्तावित एक पाँचवें चर सामूहिकता-अभिविन्यास बनाम आत्म-अभिविन्यास का भी उल्लेख किया गया है। प्रश्नगत कोई विकल्प सही नहीं है।

21. नीचे दो कथन दिए गए हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है :

अभिकथन (A) : समाज की प्रकार्यात्मक एकता इस बात का समर्थन करती है कि समस्त मानकीकृत सामाजिक एवं सांस्कृतिक विश्वास और व्यवहार समग्र समाज के लिए तथा समाज में रहने वाले व्यक्तियों के प्रकार्यात्मक होते हैं।

कारण (R) : उपर्युक्त मानकीकृत मदें कार्यकारी समष्टि के अपरिहार्य भाग हैं।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(b) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(c) (R) सही है, परंतु (A) गलत है।
(d) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

उत्तर- (a) प्रकार्यात्मक एकता उस प्रणाली और बुनियादी ढाँचे के माध्यम से है जो किसी भी समुदाय के प्रचार और अपने हितों की सुरक्षा करता है। अर्थात् समाज की प्रकार्यात्मक एकता इस बात का समर्थन करती है कि समस्त मानकीकृत सामाजिक एवं सांस्कृतिक विश्वास और व्यवहार समग्र समाज के लिए तथा समाज में रहने वाले व्यक्तियों के लिए प्रकार्यात्मक होते हैं। तथा यह कथन भी सत्य है कि उपरोक्त मानकीकृत मदें कार्यकारी समष्टि के अपरिहार्य भाग है। परन्तु यह अभिकथन A की व्याख्या नहीं करता है।

22. सामाजिक परिघटना को समझने में निम्नलिखित में से कौन प्रकार्यात्मक उपागम नहीं अपनाता है ?

(a) जे. अलेक्जेंडर (b) के. डेविस
(c) आर.के. मर्टन (d) जे. हेबरमास

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर-(d) हेबरमास एक जर्मन समाजशास्त्री हैं। इनका सरोकार फ्रैंकफर्ट सम्प्रदाय से रहा है। इन पर कार्ल मार्क्स का बहुत अधिक प्रभाव था। हेबरमास ने सामाजिक परिघटना को समझने के लिए विवेचनात्मक सिद्धान्त को प्रतिपादित किया है। वे प्रत्यक्षवाद के घोर विरोधी थे।
स्रोत-आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक- एस0 एल0दोषी

23. यह धारणा निम्नलिखित में से किसकी थी कि प्राधिकार-संबंध सामाजिक संघर्ष के मुख्य कारण हैं ?
(a) एम. वेबर (b) के. मार्क्स
(c) आर. कॉलिंस (d) आर. डेहरेंडॉर्फ

उत्तर-(d) "प्राधिकार सम्बन्ध सामाजिक संघर्ष के मुख्य कारण हैं" यह धारणा आर. डेहरेंडॉर्फ की थी। इनके अनुसार सत्ता का विभिन्न रूप में वितरण अनिवार्यतः व्यवस्थित सामाजिक संघर्ष का निर्धारक कारक है।

24. निम्नलिखित में से किसने प्रस्थिति को प्रमुख प्रस्थिति, प्रभुत्वशाली प्रस्थिति तथा नियंत्रणकारी प्रस्थिति के रूप में वर्गीकृत किया है ?
(a) टी. पारसन्स (b) आर.के. मर्टन
(c) डब्ल्यू.ई. मूर (d) एच.एम. जॉनसन

उत्तर-(b) आर. के. मर्टन ने प्रस्थिति को प्रमुख प्रस्थिति, प्रभुत्वशाली प्रस्थिति तथा नियंत्रणकारी प्रस्थिति के रूप में वर्गीकृत किया है। सन् 1950 के दशक में इन्होंने भूमिका पुंज, प्रस्थिति पुंज तथा भूमिका आदर्श की अवधारणायें निर्मित कर सामाजिक संरचना के समाजशास्त्रीय सिद्धान्त में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

25. जादू, धर्म तथा विज्ञान में सर्वसामान्य क्या है ?
(a) अवलोकन तथा प्रयोग
(b) मानव पर समान प्रभाव
(c) अज्ञात की ओर उन्मुख होना
(d) अलौकिक की ओर उन्मुख होना

उत्तर-(c) मैलिनोवस्की प्रकार्यवादी सिद्धाँत के प्रणेताओं में से रहे हैं। उन्होंने माना है। कि धर्म एक सामाजिक कृत्य है जबकि जादू एक वैयक्तिक कृत्य है जादू और धर्म दोनों में ही प्राकृतिक या अलौकिक शक्ति में विश्वास किया जाता है। जादू धर्म तथा विज्ञान में अज्ञात की ओर उन्मुख होना सर्वसामान्य है।

26. भारतीय समाज के अध्ययन के द्वंद्वात्मक उपागम का प्रस्तावक निम्नलिखित में से कौन हैं ?
(a) एम.एन. श्रीनिवास (b) डी.पी. मुखर्जी
(c) ए. बेते (d) वाई.बी. दामले

उत्तर-(b) डी. पी. मुखर्जी के नाम से जाने-पहचाने जाने वाले धूर्जटि प्रसाद मुखर्जी, राधा कमल मुखर्जी के समकालीन थे। डी. पी. मुखर्जी मार्क्सवादी थे किन्तु वे स्वयं को मार्क्सवादी के स्थान पर मार्क्सशास्त्री कहलाना अधिक पसन्द करते थे।
इन्होंने भारतीय इतिहास का द्वन्द्वात्मक प्रकिया द्वारा विश्लेषण किया। इनके अनुसार, परम्परा तथा आधुनिकता, उपनिवेशवाद तथा राष्ट्रवाद, व्यक्तिवाद तथा समूहवाद में द्वन्द्वात्मक सम्बन्ध है।

27. शोध के निम्नलिखित में से किस प्रकार का लक्ष्य किसी सामाजिक परिस्थिति, सामाजिक घटना, सामाजिक प्रणाली, सामाजिक संरचना इत्यादि का वर्णन है ?
(a) मौलिक शोध (b) विवरणात्मक शोध
(c) आनुभविक शोध (d) व्याख्यात्मक शोध

उत्तर-(b) जब कोई सर्वेक्षण किसी घटना, सामाजिक व्यवहार या किसी सामाजिक प्रक्रिया का उल्लेख करने के लिए किया जाता है तो इस प्रकार का सर्वेक्षण विवरणात्मक शोध कहलाता है।

28. एक विश्वविद्यालय में 7530 छात्र हैं तथा एक शोधकर्ता इस समूह से 10 प्रतिशत प्रतिदर्श लेता है जो कि 753 छात्र हैं। इसे कहा जाता है
(a) प्रतिदर्श आकार (b) प्रतिदर्श अनुपात
(c) प्रतिदर्श तत्त्व (d) सोद्देश्य प्रतिदर्श

उत्तर-(b) किसी आबादी का नमूना या अंश जो प्रतिशत में लिया जाय वह तो नमूना अनुपात या प्रतिदर्श अनुपात कहलाता है।

29. लोगों तथा उनके व्यवहार को उनके प्राकृतिक प्रतिवेश में प्रत्यक्ष, केंद्रित तथा अ-मौखिक अंतःक्रिया द्वारा समझने के लिए गुणवत्तापूर्ण आंकड़ों के संग्रह हेतु शोधकर्ता द्वारा किस तकनीक का अनुसरण किया जाता है ?
(a) साक्षात्कार (b) अवलोकन
(c) केस अध्ययन (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर-(b) लोगों तथा उनके व्यवहार को उनके प्राकृतिक प्रतिवेश में प्रत्यक्ष, केन्द्रित तथा अमौखिक अन्तःक्रिया द्वारा समझने के लिए गुणवत्तापूर्ण आँकड़ों के संग्रह हेतु शोधकर्ता द्वारा अवलोकन पद्धति का अनुसरण किया जाता है। अवलोकन आँख द्वारा विचारपूर्वक किया गया अध्ययन है जिसे सामूहिक व्यवहार तथा जटिल सामाजिक संस्था के साथ-साथ सम्पूर्ण का निर्माण करने वाली पृथक इकाइयों का सूक्ष्म निरीक्षण करने की प्रणाली का प्रयोग किया जाता है।

30. कार्ल मार्क्स के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन उत्पादन शक्तियों के तत्त्व हैं ?
(a) प्रौद्योगिकी तथा पूँजी
(b) पूँजी, श्रम तथा प्रौद्योगिकी
(c) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
(d) पूँजी, श्रम, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

उत्तर- (b) कार्ल मार्क्स के अनुसार, पूँजी, श्रम तथा प्रौद्योगिकी उत्पादन शक्तियों के तत्व हैं। मार्क्स ने सम्पूर्ण समाज को अधिसंरचना तथा अधोसंरचना में बाँटा है। ये दोनों ही संरचनायें एक दूसरे पर अन्योन्याश्रित है। अधोसंरचना के अन्तर्गत उत्पादन के साधन, सम्पत्ति सम्बन्ध, श्रम विभाजन एवं वर्ग आते हैं। जिन्हें मार्क्स उत्पादन की शक्तियाँ कहते हैं।

31. निम्नलिखित में से किसने अपने सिद्धांत में 'अंतःक्रिया अनुष्ठान' की अवधारणा का उपयोग किया है ?
(a) आर. कॉलिंस (b) एल. कोजर
(c) ई. दुर्खीम (d) एच. ब्लूमर

उत्तर-(a) आर. कॉलिन्स ने अपने सिद्धान्त में 'अन्तः क्रिया अनुष्ठान' की अवधारणा का प्रयोग किया है। कॉलिन्स की गणना फ्रैंकफर्ट सम्प्रदाय के युवा वामपंथी समाजशास्त्रियों में की जाती है।

32. यह निम्नलिखित में से किसका तर्क है कि असमानता की मौजूदा प्रणाली से वैधता का प्रत्याहार संघर्ष की निर्णायक पूर्व-शर्त है ?
(a) आर. डेहरेंडॉर्फ (b) एल. कोजर
(c) आर. कोलिंस (d) जे. हेबरमास

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर-(b) दर्शनशास्त्र और समाजशास्त्र दोनों में शिक्षा-दीक्षा प्राप्त एल. कोजर एक अमेरिकी समाशास्त्री हैं और उन्होंने बताया है कि असमानता की मौजूदा प्रणाली से वैधता का प्रत्याहार संघर्ष की निर्णायक पूर्व-शर्त है।

33. मूल-विषय तथा पाठ विश्लेषण का उपयोग किसमें किया जाता है ?
(a) पथ विश्लेषण (b) आँकड़ा विश्लेषण
(c) स्वरूप विश्लेषण (d) अंतर्वस्तु विश्लेषण

उत्तर-(d) अन्तर्वस्तु विश्लेषण अनुसंधान की वह विधि है, जिसका उपयोग लिखित सामग्री, साक्षात्कार, प्रश्नावली या अनुसूची का मात्रात्मक या गुणात्मक विश्लेषण करने के लिए होता है। मूल विषय तथा पाठ-विश्लेषण का उपयोग अन्तर्वस्तु विश्लेषण में किया जाता है।

34. समाचारपत्र, पत्रिकाओं, गीतों, कविताओं, भाषणों इत्यादि पर आधारित अभिलिखित मानव वक्तव्य के अध्ययन को क्या कहते हैं ?
(a) सांख्यिकीय विश्लेषण
(b) अंतर्वस्तु विश्लेषण
(c) ऐतिहासिक विश्लेषण
(d) तुलनात्मक विश्लेषण

उत्तर-(b) मनुष्य प्रतीकों की अपेक्षा भाषा के माध्यम से अधिक सम्प्रेषण करता है क्योंकि यह भावों ज्ञान, रूझान और मूल्यों को अभिव्यक्त करने में अधिक मदद करता है। लिखित सम्प्रेषण ने मुद्रित मीडिया का महत्व बढ़ा दिया है। अन्तर्वस्तु विश्लेषण समाचार पत्र, पत्रिकाओं, गीतों, कविताओं तथा भाषणों इत्यादि पर आधारित अभिलिखित वक्तव्य है।

35. किर्क तथा मिलर के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन विश्वसनीयता का एक प्रकार नहीं है ?
(a) अव्यावहारिक : वे परिस्थितियाँ जिनमें अवलोकन की एकल विधि बारंबार एक ही मापन उत्पन्न करती है।
(b) द्वंद्वात्मक : दो संघर्षपूर्ण स्थितियों के बीच अवलोकन
(c) कालक्रमिक : लंबे समय तक अवलोकन का स्थायित्व
(d) एककालिक : समान समयावधि के अंतर्गत अवलोकन की समानता

उत्तर- (b) जब दो संघर्षपूर्ण स्थिति के बीच अवलोकन किया जाता है तब एक ही माप प्राप्त नहीं होता अर्थात् विश्वसनीयता नहीं होती है।

36. निम्नलिखित में से कौन केंद्रीय प्रवृत्ति का एक मापन नहीं है?
(a) माध्य (b) माध्यिका
(c) बहुलक (d) मानक विचलन

उत्तर-(d) मानक विचलन केन्द्रीय प्रवृत्ति का एक मापन नहीं है। विचलनशीलता वह अभिसीमा है जिसके अन्तर्गत अंक अपने माध्यम से नीचे व ऊपर वितरित व विचलित रहते हैं।

37. ''मनुष्य इतिहास बनाते हैं, परन्तु वे इसे मात्र वैसा नहीं बनाते हैं जैसा वे चाहते हैं, वे इसे स्वयं चयनित परिस्थितियों के अंतर्गत नहीं बनाते, बल्कि भूतकाल से प्रत्यक्ष रूप में प्राप्त, प्रदत्त एवं संचारित परिस्थितियों के अंतर्गत बनाते हैं''–यह वक्तव्य किससे संबंधित है ?
(a) कार्ल मैनहीम (b) कार्ल मार्क्स
(c) कार्ल पॉपर (d) राल्फ डेहरेंडॉर्फ

उत्तर-(b) कार्लमार्क्स वैज्ञानिक साम्यवाद के जनक हैं। उन्होंने कहा है कि "मनुष्य इतिहास बनाते हैं" परन्तु वे इसे मात्र वैसा नहीं बनाते हैं जैसा वे चाहते हैं वे इसे स्वयं चयनित परिस्थितियों के अन्तर्गत नहीं बनाते बल्कि भूतकाल से प्रत्यक्ष रूप में प्राप्त प्रदत्त एवं संचारित परिस्थितियों के अन्तर्गत बनाते हैं।

38. ''सरल अर्थ में चिंतन, अर्थगर्भित भाव-भंगिमा के द्वारा एक व्यक्ति का स्वयं के साथ आंतरीकृत अथवा अंतर्निहित वार्तालाप है'' - यह किसका कथन है ?
(a) एल. अल्थूजर (b) एच. ब्लूमर
(c) पी. ब्लाऊ (d) जी.एच. मीड

उत्तर-(d) अमेरिका के शिकागों वैचारिकी परम्परा के एक अग्रणी दार्शनिक और अन्तर्क्रियावादी जी. एच. मीड को समाजशास्त्र के क्षेत्र में एक नवीन परम्परा की आधारशिला रखने का गौरव प्राप्त है। यह परम्परा इनकी मृत्यु के पश्चात् सामाजिक अन्तर्क्रियावाद के नाम से जानी जाती है। उपरोक्त प्रश्न में दिया गया कथन जी. एच. मीड का है।

39. निम्नलिखित में से कौन, समिति का एक लक्षण नहीं है?
(a) लोगों की सामूहिकता
(b) कतिपय उद्देश्यों का होना
(c) स्वैच्छिक सदस्यता
(d) आदर्श मानदण्डों का अनुसरण

उत्तर-(d) आदर्श मानदण्डों का अनुसरण करना समिति का एक लक्षण नहीं है। मैकाइवर एवं पेज के अनुसार, समिति वह मानव समूह है जो सामान्य हितों की पूर्ति के लिए संगठित होता है।

40. सामाजिक भूमिका की प्रकृति पर दिए गए निम्नलिखित वक्तव्यों में से कौन सा सही नहीं है ?
(a) यह प्रत्याशा का एक सेट है।
(b) दूसरे व्यक्ति को संदर्भित किए बिना एक व्यक्ति की भूमिका को परिभाषित करना असंभव है
(c) इसके अंतर्गत अधिकारों तथा कर्त्तव्यों की श्रेणी सम्मिलित है।
(d) प्रस्थिति के साथ इसकी कोई संबद्धता नहीं है।

उत्तर-(d) ऑगबर्न एवं निमकॉफ के अनुसार, भूमिका एक ऐसे प्रस्थिति विशेष से सम्बद्ध सामाजिक-प्रत्याशाओं एवं व्यवहार प्रतिमानों का एक संकलन है जिसमें कर्तव्यों एवं अधिकारें दोनों का समावेश होता है। विलियम जे. गुड़े के अनुसार, प्रस्थिति के बिना कोई भूमिका नहीं होती और भूमिका के बिना कोई प्रस्थिति नहीं। अतः यह वक्तव्य सही नहीं है कि सामाजिक भूमिका का प्रस्थिति के साथ कोई सम्बन्ध नहीं है।

41. कोजर के अनुसार, निम्नलिखित में से किस प्रकार का विवाद, प्रणाली के लिए प्रकार्यात्मक नहीं हो सकता ?
(a) केंद्रीय मूल्य पर विवाद
(b) सुस्पष्ट यर्थाथवादी मुद्दों पर विवाद
(c) छोटे-छोटे मुद्दों पर बारंबार विवाद
(d) अल्प-तीव्रता वाला पुनरावर्ती विवाद

उत्तर-(a) कोजर के अनुसार, केन्द्रीय मूल्य पर विवाद, प्रणाली के लिए प्रकार्यात्मक नहीं हो सकता। उन्होंने दो प्रकार के आन्तरिक संघर्ष की चर्चा किया है– प्रथम वे आन्तरिक संघर्ष जो समाज के केन्द्रीय मूल्य पर विश्वास करते है। दूसरे वे संघर्षशील पक्ष जो समाज के मूलभूत मूल्यों को अस्वीकार करते हैं। पहले प्रकार का संघर्ष प्रकार्यात्मक है जबकि दूसरे प्रकार का संघर्ष विघटनकारी है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

42. निम्नलिखित में से किस प्रमाप में वास्तविक शून्य उद्‌गम होता है ?

(a) नामिक (b) क्रमसूचक
(c) अंतर (d) अनुपात

उत्तर-(d) अनुपात प्रमाप में वास्तविक शून्य उद्‌गम होता है। जो समस्त पदों पर आधारित होता है। जिसे आसानी से समझा जा सकता है।

43. जाति प्रणाली के अंतर्गत गतिशीलता का विश्लेषण करने के लिए निम्नलिखित में से किसने संदर्भ-समूह सिद्धांत का अनुप्रयोग किया था ?

(a) एम.एस.ए. राव (b) जी.एस. घुर्ये
(c) एम.एन. श्रीनिवास (d) योगेन्द्र सिंह

उत्तर-(c) एम. एन. श्रीनिवास भारतीय समाजशास्त्रियों में अग्रणी समझे जाते हैं। विचारधारा की दृष्टि से श्रीनिवास संरचनात्मक प्रकार्यवादी जाति प्रणाली के अन्तर्गत गतिशीलता का विश्लेषण करने में सन्दर्भ-समूह सिद्धाँत का अनुप्रयोग किया है।
जब मनोवैज्ञानिक तौर पर व्यक्ति अपना सम्बन्ध ऐसे समूह से भी बनाये रखता है जिसके आदर्श नियमों, मूल्यों आदि को अपने आचरण में सम्मिलित करता है। जिसका कि वह वास्तविक रूप में सदस्य नहीं है। ऐसे समूहों को ही सन्दर्भ समूह कहते हैं।

44. संरचनात्मक दृष्यता की अवधारणा का प्रतिपादन किसने किया था ?

(a) टी. पारसन्स (b) आर.के. मर्टन
(c) रैडक्लिफ-ब्राउन (d) एस.एफ. नाडेल

उत्तर-(b) संरचनात्मक दृष्यता की अवधारणा का प्रतिपादन आर.के. मर्टन ने किया था।

45. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सुमेलित नहीं है ?

(a) जैव समेकता – ई. दुर्खीम
(b) प्रतिमान चर – टी. पारसन्स
(c) आत्म-दर्पण – सी.एच. कूले
(d) व्यष्टिवादी प्रकार्यवाद – आर.के. मर्टन

उत्तर-(d) व्यष्टिवादी प्रकार्यवाद का सम्बन्ध मैलिनोवस्की से है। उनके अनुसार समाज एवं संस्कृति, सामाजिक मूल्यों द्वारा प्रवर्धित व्यक्ति की जैविक माँगों को पूरा करती है।

46. अपने शोध की प्रामाणिकता का त्रिभुजन विधि द्वारा मूल्यांकन करने की विधि निम्नलिखित में से कौन है ?

(a) तीन पीढ़ियों के आँकड़ों का संकलन करना।
(b) तीन पीढ़ियों के आँकड़ों का विश्लेषण करना।
(c) एक या अनेक शोधकर्ताओं द्वारा भिन्न-भिन्न विषय क्षेत्रों के अध्ययन के लिए भिन्न-भिन्न विधियों तथा सैद्धांतिक विश्लेषण का उपयोग करना।
(d) एक या अनेक शोधकर्ताओं द्वारा अध्ययन के एक ही विषय के लिए विभिन्न विधियों और सैद्धांतिक विश्लेषण का मिश्रण करना।

उत्तर-(d) अपने शोध की प्रामाणिकता का त्रिभुजन विधि द्वारा मूल्यांकन करने की विधि एक या अनेक शोधकर्ताओं द्वारा अध्ययन के एक ही विषय के लिए विभिन्न विधियों और सैद्धान्तिक विश्लेषण का मिश्रण करना है।

47. "स्ट्रीट कार्नर सोसाइटी" शीर्षक पुस्तक शोध की किस विधि पर आधारित है ?

(a) साक्षात्कार अनुसूची
(b) सहभागी अवलोकन
(d) अंतर्वस्तु विश्लेषण
(d) प्रश्नावली

उत्तर-(b) विलियम फुट द्वारा लिखित पुस्तक 'स्ट्रीट कॉर्नर सोसाइटी' सहभागी अवलोकन पर आधारित हैं सहभागी अवलोकन में अनुसंधानकर्ता जिस समुदाय का अध्ययन करता है। वहाँ वह उस समुदाय के सदस्यों के साथ प्रत्यक्ष सम्बन्ध स्थापित करता है। परन्तु अनुसंधानकर्ता अपना वास्तविक परिचय छिपाकर रखता है।

48. सामाजिक शोध में निम्नलिखित का सही अनुक्रम पहचानिए:

i. प्रतिवेदन लेखन
ii. आँकड़ा विश्लेषण
iii. प्रायोगिक अध्ययन
iv. प्राक्कल्पना का निर्माण
v. निराकरणीय प्राक्कल्पना
vi. अवलोकन

(a) iv, v, iii, vi, ii, i
(b) iii, iv, i, ii, vi, v
(c) i, ii, iii, iv, v, vi
(d) vi, v, iv, iii, ii, i

उत्तर-(a) सामाजिक शोध का सही अनुक्रम इस प्रकार है -
प्राक्कल्पना का निर्माण- निराकरणीय प्राक्कलपना-प्रायोगिक अध्ययन-अवलोकन-आँकड़ा विश्लेषण-प्रतिवेदन -लेखन।

49. निम्नलिखित में से किसने सूक्ष्म समेकित संघर्ष सिद्धांत पर काम किया है?

(a) डेहरेंडॉर्फ (b) कोजर
(c) कोलिंस (d) मार्क्स

उत्तर-(c) कॉलिन्स ने सूक्ष्म समेकित संघर्ष सिद्धान्त पर काम किया है- इनकी गणना फ्रैंकफर्ट सम्प्रदाय के युवा वामपंथी समाजशास्त्रियों में की जाती है। इन्होंने संघर्ष का मूल कारण शक्ति के स्रोतों को माना है। कॉलिन्स का संघर्ष सिद्धान्त सामाजिक संस्तरण पर आधारित है।

50. वर्ग-स्थिति की प्रमुख संकल्पनाओं में निम्नलिखित में से कौन से वर्ग-स्थिति के आधार नहीं हैं ?

i. सम्पत्ति ii. आय
iii. प्राधिकार iv. जाति

निम्नलिखित कूटों में से सही उत्तर चुनिए :

(a) i, ii तथा iii (b) i तथा ii
(c) i तथा iii (d) ii तथा iv

उत्तर-(d) वर्ग स्थिति की प्रमुख संकल्पनाओं में आय और जाति वर्ग स्थिति के आधार नहीं है। कार्ल मार्क्स के अनुसार सामाजिक वर्गों के रचना अर्थ व्यवस्था में उत्पादन के सम्बन्धों के आधार पर होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2013
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

1. उस तार्किक क्रम में लगाइए, जिसमें पी॰ बर्जर ने उनकी व्याख्या की है
(a) स्वभावगत, संस्थागत, वैधीकरण, बाह्यकरण
(b) संस्थागत, वैधीकरण, बाह्यकरण, स्वभावगत
(c) स्वभावगत, वैधीकरण,बाह्यकरण, संस्थागत
(d) वैधीकरण, संस्थागत, स्वभावगत, बाह्यकरण

उत्तर (a) पी॰ बर्जर ने व्यक्ति की अन्तः क्रियाओं को स्वभावगत, संस्थागत, वैश्वीकरण, तथा बाह्यकरण क्रम में प्रस्तुत किया है 'ऐन इन वियेसन सोशियोलॉजी' नामक पुस्तक में बर्जर ने बतलाया कि समाजशास्त्र एक ऐसा विषय है जो मानव समुदाय के कल्याणकारी कार्यों के लिए सूझबूझ एवं प्रेरणा प्रदत्त करता है।

2. निम्नलिखित श्रेणियों में से किसे अल्थ्यूजर की वैचारिक राज्यतंत्र के रूप में रखा जा सकता है?
i. शिक्षा
ii. परिवार
iii. धर्म
iv. राज्य नौकरशाही
नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए:
कूटः
(a) i, ii और iv (b) i, iii और iv
(c) i, ii और iii (d) ii, iii और iv

उत्तर (c) लुई अल्थ्यूजर की वैचारिक राज्यतंत्र (Ideological State Apparatus) की अवधारणा के अनुसार शिक्षा, परिवार, धर्म,संचार (प्रेस,रेडियो, टेलीविजन), व्यापार संघ, सांस्कृतिक उपक्रम (साहित्य, कला, खेल) आदि सरकार के बाहर की संस्थाएं हैं लेकिन वस्तुतः यह राज्य के ही मूल्यों को आगे बढ़ाते हैं।

3. निम्नलिखित विधियों में से एच॰ गारफिंकेल ने लोकविदशास्त्र की अपनी व्याख्या में किस विधि का उपयोग किया है?
i. प्रलेखी विधि
ii. विच्छेद परीक्षण
iii. दृष्टिकोण की पारस्परिकता
iv. अन्य सिद्धांत
नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
कूटः
(a) i, ii और iii (b) ii, iii और iv
(c) i, iii और iv (d) i, ii, iii और iv

उत्तर (c) गारफिंकल ने लोकविदशास्त्र की अपनी व्याख्या "स्टडीज इन एथेनोमेथेडोलॉजी" में प्रस्तुत की। समाज के सदस्यगण इन पद्धतियों या प्रणालियों का परीक्षण अपनी सामाजिक संसार की रचना, उसे समझने तथा अर्थ देनें में प्रयोग करते है।

4. जे॰ हेबरमास ने निम्नलिखित में से किस संकट का उल्लेख किया है?
i. आर्थिक संकट
ii. राजनीतिक संकट
iii. वैध संकट
iv. विवेक संकट
(a) आर्थिक संकट, राजनीतिक संकट और विवेक संकट
(b) आर्थिक संकट, वैध संकट और विवेक संकट
(c) राजनीतिक संकट, वैध संकट और विवेक संकट
(d) आर्थिक संकट, राजनीतिक संकट और वैध संकट

उत्तर (b) जे॰ हेबरमास ने आर्थिक संकट, वैध संकट और विवेक संकट का उल्लेख किया है। 'द थ्योरी ऑफ कम्यूनिकेटिव एक्शन में हेबरमास ने बताया कि वे कार्ल मार्क्स के मुक्ति प्रोजेक्ट को हर हाल में जीवित रखना चाहते है।

5. निम्नलिखित में से कौन सी पुस्तक एफ॰ गॉफमैन द्वारा नहीं लिखी गई?
i. रिलेशन इन पब्लिक
ii. बिहेवियर इन पब्लिक प्लेस
iii. फॉर्म ऑफ टॉक
iv. सोशियल बिहेवियर : इट्स ऐलेमेंटरी फॉर्म
नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
कूटः
(a) i, ii और iii (b) i, ii और iv
(c) i, iii और iv (d) ii, iii और iv

उत्तर (*) सोशल बिहेवियर : इट्स ऐलेमेंटरी फॉर्म पुस्तक जॉर्ज होमन्स की है। इरविंग गॉफमैन की प्रमुख पुस्तकें निम्नलिखित प्रकार हैं–
(i) रिलेशन्स इन पब्लिक, 1971
(ii) बिहेबियर इन पब्लिक प्लेसेज, 1963
(iii) फॉर्म्स ऑफ टॉक, 1981
(iv) द प्रजेन्टेशन ऑफ सेल्फ इन एव्रीडे लाइफ, 1959
(v) इनकाउण्टर्स, 1961
(vi) स्टिगमा, 1963

6. गिड्डेन सोक्रल सिद्धांत में निम्नलिखित शामिल है:
(a) एकल व्याख्यात्मक
(b) दोहरा व्याख्यात्मक
(c) बोली व्याख्यात्मक
(d) ऐतिहासिक व्याख्यात्मक

उत्तर (b) एंथोनी गिडेन्स ने दोहरा व्याख्यात्मक (Double Hermenutic) सिद्धान्त प्रतिपादित किया है। इसका उपयोग एक सहवर्ती उत्पादन के नाम के लिए किया जाता है। इसमें एक बाहरी और दो आन्तरिक हर्मेटिक सर्कल शामिल हैं। व्याख्यात्मक सिद्धान्त व्यक्ति की क्रिया या माध्यम (एजेन्सी) पर बल देते है जिसे अर्थपूर्ण और उद्देश्यपूर्ण माना जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

7. निम्नलिखित में से किसने जीवन विश्व के तीन घटकों-संस्कृति, समाज और व्यक्तित्व का अंतर स्पष्ट किया है?

(a) ए॰ शुट्ज (b) ई॰ हसर्ल
(c) पी॰ बर्जर (d) जे॰ हेबरमास

उत्तर (d) 'जीवन विश्व' नामक अवधारणा का प्रयोग हैबरमास ने अपनी पुस्तक में किया और कहा कि जीवन विश्व हमारी, संस्कृति, समाज व व्यक्तित्व से निर्मित होता है।

8. गिडेन्स की क्षेत्रीयता की संकल्पना में शामिल है कि

(a) संबंधों का जन्म समय के ही नहीं स्थान के पार भी होता है।
(b) सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया क्षेत्र तक सीमित होती है।
(c) एक क्षेत्रीय समाज दूसरे समाजों को प्रभावित करना शुरू कर देता है।
(d) मुख्यधारा का समाज क्षेत्रीय समाजों की विशेषताओं को ग्रहण कर लेता है।

उत्तर (a) गिडेन्स ने समाजशास्त्र के सैद्धांतिक संदर्भ पर कार्य किया है इन्होंने अपनी पुस्तक 'The theory of structuration' में कहा कि संरचनाकरण का अभिप्राय उन नियमों व साधनों से है जिसका प्रयोगकर्ता यानि व्यक्ति पारस्परिक क्रियाओं के सम्बन्ध में करते है।

गिडेन्स की क्षेत्रीयता की संकल्पना में शामिल है कि सम्बन्धों का जन्म समय के ही नहीं, स्थान के पार भी होता है

9. राष्ट्रवाद की परिभाषा देते हुए ए॰आर॰ देसाई निम्नलिखित से प्रभावित हैं:

(a) एस॰एम॰ लिपसेट (b) ई॰ एच॰ कार
(c) एम॰ वेबर (d) एल॰ अल्थ्यूजर

उत्तर (b) ए॰ आर॰ देसाई ही भारत के समाजशास्त्र के पहले व्यक्ति रहे है जिन्होंने समाज के अध्ययन में मार्क्सवादी विचार और पद्धति का प्रयोग किया।

भारतीय राष्ट्रवाद की विशद स्वरूप ए.आर. देसाई ने अपनी पुस्तक **''सोशल बैकग्राउण्ड ऑफ इण्डियन नेशनलिज्म''** में पेश किया है। देसाई ने ब्रिटिश उपनिवेशवाद से भारतीय समाज में आये परिवर्तन का अध्ययन किया है। राष्ट्रवाद की परिभाषा देते हुए ए. आर. देसाई पर ई. एच. कार का प्रभाव था।

10. सूची - I से सूची - II को सुमेलित कीजिए:

सूची - I (योगदानकर्ता)	सूची - II (उपागम)
(A) डी॰ लर्नर	(i) अविकसित का विकास
(B) बी॰ होसेलिट्ज	(ii) आदर्श प्रकार
(C) ए॰जी॰ फ्रैंक	(iii) विश्व प्रणाली
(D) आई॰ वालर्स्टाइन	(iv) प्रसार

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

कूट:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(c)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(योगदानकर्ता)		(उपागम)
डी.लर्नर	–	अविकसित का विकास
बी.होसेलिट्ज	–	आदर्श प्रकार
ए.जी. फ्रैंक	–	विश्व प्रणाली
आई. वालर्स्टाइन	–	प्रसार

11. डी॰पी॰ मुखर्जी के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

(a) उन्होंने बोली उपागम का उपयोग किया है।
(b) उन्होंने मार्क्स, डिल्थे और वेदांत के उपागम को मिला दिया है।
(c) प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीय के बीच परंपराओं का अंतर किया जा सकता है।
(d) आधुनिकता को स्वतंत्र परंपरा के रूप में समझा जा सकता है।

उत्तर (d) ''आधुनिकता को स्वतंत्र परम्परा के रूप में समझा जा सकता है'' यह कथन योगेन्द्र सिंह जी का है। डॉ. योगेन्द्र सिंह ने भारतीय परम्पराओं के आधुनिकीकरण को सामाजिक परिवर्तन की एक प्रमुख प्रक्रिया के रूप में स्वीकार किया है।

12. जनांकिकीय संक्रमण निम्नलिखित में से किस अनुक्रम में पारंपरिक रूप से संबद्ध होते हैं?

(a) उच्च प्रजननता, निम्न मृत्यु संख्या, उच्च जनसंख्या वृद्धि
(b) निम्न मृत्यु संख्या, निम्न मृत्यु संख्या से उच्च प्रजननता तक
(c) उच्च प्रजननता, उच्च मृत्यु संख्या से निम्न मृत्यु संख्या तथा निम्न प्रजननता तक, जिसमें बाद वाला पिछड़ जाता है।
(d) निम्न प्रजननता, उच्च मृत्यु संख्या से निम्न प्रजननता तथा निम्न मृत्यु संख्या जिसमें मृत्यु संख्या पीछे रह जाती है।

उत्तर (c) जनांकिकीय संक्रमण उच्च प्रजननता, उच्च मृत्यु से निम्न मृत्यु संख्या तथा निम्न प्रजननता तक के प्रभावों को दर्शाता है। जनांकिकीय संक्रमण के सिद्धान्त का प्रतिपादन एफ. डब्ल्यू. नास्टील ने की थी तत्पश्चात् वारेन एस थाम्पसेन ने प्रस्तुत किया।

13. माल्थस द्वारा प्रतिपादित जनसंख्या के सिद्धांत में निम्नलिखित में से कौन सी अवधारणा सम्मिलित नहीं है?

(a) अंकगणितीय वृद्धि (b) सकारात्मक रोध
(c) 'स्थिर जनसंख्या' (d) निवारक रोध

उत्तर (c) जनसंख्या सिद्धान्त को माल्थस ने अपनी पुस्तक ''एन एस्से ऑफ द प्रिसिंपल ऑफ पापुलेशन'' में प्रस्तुत किया और कहा कि जनसंख्या में वृद्धि गुणोत्तर रूप में (ज्यामितीय) होती है, किन्तु संसाधनों में वृद्धि अंकगणितीय रूप से अधिक नहीं होती है अतः अनिवार्यतः वास्तविक जनसंख्या वृद्धि को संसाधनों की अपर्याप्तता द्वारा नियंत्रित किया जाता है। यह नियंख्ण दो रूप में कार्य करता है–

(i) **सकारात्मक नियंत्रण-** इसमें बीमारी, भूख, बाढ़, अकाल, युद्ध आदि के कारण मृत्यु को सम्मिलित किया गया है।
(ii) **निरोधात्मक नियंत्रण-** इसमें विलम्ब विवाह, ब्रह्मचर्य, परिवार नियोजन आदि साधनों का प्रयोग किया जाता है।

14. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर दीजिए:

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

	सूची - I		सूची - II
(A)	अशोधित दर	i	दिए गए वर्ष में प्रति 1000 जनसंख्या पर जीवित जन्म की संख्या
(B)	सामान्य प्रजनन दर	ii	दिए गए वर्ष में प्रति 1000 जनसंख्या पर एक वर्ष से कम उम्र में शिशु की मृत्यु की संख्या
(C)	शिशु मृत्यु दर	iii	दिए गए वर्ष में 15-44 या 15-49 वर्ष की उम्र में प्रति 1000 महिलाओं के जीवित जन्म की संख्या
(D)	जन्म दर	iv	संपूर्ण जनसंख्या के लिए परिभाषित किसी जनसांख्यिकी घटना की दर

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(d)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

उत्तर (a) सुमेलित–

अशोधित दर – संपूर्ण जनसंख्या के लिए परिभाषित किसी जनसांख्यिकी घटना की दर
सामान्य प्रजनन दर – दिए गए वर्ष में 15-44 या 15-49 वर्ष की उम्र में प्रति 1000 महिलाओं के जीवित जन्म की संख्या
शिशु मृत्यु दर – दिए गए वर्ष में प्रति 1000 जनसंख्या पर एक वर्ष से कम उम्र में शिशु की मृत्यु की संख्या
जन्म दर – दिए गए वर्ष में प्रति 1000 जनसंख्या पर जीवित जन्म की संख्या

15. 'जनसंख्या के पिरामिड' से निम्नलिखित जानकारी मिलती हैः

(1) आश्रितता की समस्या
(2) जन्म और मृत्यु दर
(3) विभिन्न उम्र पर लिंग अनुपात
(4) जन्म के समय अनुमानित जीवन संभावना

उपर्युक्त से सही उत्तर के लिए समुच्चय का चयन कीजिएः
(a) (1) और (2) लेकिन (3) और (4) नहीं
(b) (1), (2), (3) और (4)
(c) केवल (1) लेकिन (2), (3) और (4) नहीं
(d) (3) और (4) लेकिन (1) और (2) नहीं

उत्तर (b) 'जनसंख्या के पिरामिड' जनांकिकी संक्रमण सिद्धान्त के अलग-अलग स्तरों में जन्म तथा मृत्यु की दरों को दिखाते है। यौन के आधार पर किसी देश की जनसंख्या की आयु संरचना को हिस्टोग्राम में पेश करने पर वह आयु जन यौन पिरामिड कहलाता है थाम्पसन तथा लेविस ने पिरामिड के पाँच प्रकार बतलाये है।

16. सूची-I में दी गई मदों को सूची-II की मदों के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर दीजिएः

	सूची - I (पुस्तकें)		सूची - II (लेखक)
(A)	फ्रॉम पॉपुलेशन टु पीपुल	i	के॰ श्रीनिवास
(B)	जेंडर इनइक्वलिटिज एण्ड डेमोग्राफिक बिहेवियर	ii	टी॰ माल्थस
(C)	एस्से ऑन प्रिंसिपल ऑफ पोपुलेशन	iii	एस॰ देसाई
(D)	रेगुलेटरी रिप्रोडक्शन इन इंडियाज पोपुलेशन	iv	ए॰ बोस

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(d)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तक)		(लेखक)
फ्रॉम पापुलेशन टु पीपुल	-	ए॰ बोस
जेंडर इनइक्वलिटिज एण्ड डेमोग्राफिक बिहेवियर	-	एस॰ देसाई
एस्से ऑन प्रिंसिपल ऑफ पॉपुलेशन	-	टी॰माल्थस
रेगुलेटरी रिप्रोडक्शन इन इंडियाज पॉपुलेशन	-	के॰श्रीनिवास

17. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिएः

	सूची - I (अवधारणा)		सूची - II (व्याख्या)
(A)	विचलन	i	सामाजिक मानदण्डों का अभाव
(B)	अपराध	ii	अन-अनुरूपता
(C)	विसंगति	iii	कानून के विरुद्ध आचरण
(D)	परकीयकरण	iv	स्व-विरक्ति

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(c)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(d)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)		(व्याख्या)
विचलन	-	अन-अनुरूपता
अपराध	-	कानून के विरुद्ध आचरण
विसंगति	-	सामाजिक मानदण्डों का अभाव
परकीयकरण	-	स्व-विरक्ति

18. निम्नलिखित में से कौन 'जोखिम समाज' के विचार से संबंधित है?

(a) एच॰एस॰ बेकर (b) उल्रिख बेक
(c) डेनियल बेल (d) सूसेन बेकर

उत्तर (b) प्रसिद्ध जर्मनशास्त्री उलरिक बेक (Ulrich Beck) का कार्य आधुनिक काल में असहनीयता, अनभिज्ञता और अनिश्चितता के प्रश्नों पर केन्द्रित था। उन्होंने 'जोखिम समाज' (रिस्क सोसाइटी), 'दूसरी आधुनिकता' (सेकण्ड मॉडर्निटी) अथवा 'कर्मकर्ता आधुनिकीकरण' (रिफ्लेक्सिव मॉडर्नाइजेशन) जैसे शब्दों को गढ़ा।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

19. अभिकथन (A) : प्राकृतिक संसाधनों एवं लोगों की उत्तरजीविता के अधिकार के बीच संघर्ष से पारिस्थितिकी आंदोलन उभर रहे हैं।
कारण (R) : प्राकृतिक संसाधनों का अवक्षय तथा पर्यावरणीय अवक्रमण के लिए जनसंख्या में वृद्धि जिम्मेदार है।
नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चिह्नित कीजिए:
कूट:
(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

उत्तर (b) प्राकृतिक संसाधनों का सर्वाधिक दोहन मानव समुदाय के लिए नुकसानदेह है। यद्यपि मानव अस्तित्व और पर्यावरण को सुरक्षित बनाने के लिए पर्यावरणीय आन्दोलन अस्तित्व में आये है।
वास्तविकता यह है कि मानवीय संसाधनों के अवक्षय के लिए मानवीय आवश्यकता तथा बढ़ती जनसंख्या दोनों ही उत्तरदायी है। अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सत्य है। तथा कारण R, A की सही व्याख्या नहीं है।

20. टालकॉट पारसंस ने मरीजों के लिए रुग्ण भूमिका के स्तंभों का उल्लेख किया है। सही संयोजन बतलाइए:
(1) बीमारी-ग्रसित होने के लिए रुग्ण व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नहीं है।
(2) अपनी बीमारी के लिए व्यक्ति जिम्मेदार है।
(3) रुग्ण व्यक्ति कुछ अधिकारों और विशेषाधिकारों का हकदार है।
(4) रुग्ण व्यक्ति को स्वास्थ्य-लाभ के लिए चिकित्सक से परामर्श करना पड़ता है।
कूट:
(a) 1, 2 तथा 3 (b) 2, 3 तथा 4
(c) 1, 3 तथा 4 (d) 3, 1 तथा 2

उत्तर (c) रुग्ण भूमिका का अवलोकन पारसंस ने यू. एस. ए. के अवधारणा के आधार पर पेश किया। प्रश्नगत विकल्प (c) सही संयोजन है।

21. अभिकथन (A) : प्रौद्योगिकी प्रगति तेजी से होती रही है।
तर्क (R) : यह सूचना और संप्रेषण प्रौद्योगिकियों के रूप में ज्ञात दूरसंचार और कम्प्यूटिंग प्रौद्योगिकी के प्रसार के कारण हुआ है।
निम्नलिखित कूटों से सही कूट का चयन करते हुए उत्तर दीजिए:
कूट:
(a) (A) सही है और (R) उसका कारण है।
(b) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।
(c) (A) सही है लेकिन (R) उसका सही कारण नहीं है।
(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

उत्तर (a) आधुनिकता के दौर में मनुष्य अपनी जीवनशैली को बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी को अनवरत विकसित कर रहा है। सामाजिक बदलाव की वजह प्रौद्योगिकी में परिवर्तन है। प्रौद्योगिकी में तीव्र गति से विकास के कारण औद्योगिक विकास का प्रचार एवं प्रयास तेजी से हुआ।
अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सही है। तथा कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या नहीं है।

22. निम्नलिखित में से किसने ज्ञान के पदक्रम का पक्ष नहीं लिया?
(a) ई॰दुर्खीम (b) ए॰ काम्ट
(c) एम॰ वेबर (d) एम॰ फूको

उत्तर (d) फूको के अनुसार, जिसके पास विशिष्ट ज्ञान है वह ताकतवर है। फूको ने ज्ञान व शक्ति को एक सिक्के के दो पहलू बताया है। फूको की विचारधारा व्यक्ति के ज्ञान व शक्ति के त्रिकोण पर आधारित है।

23. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर दीजिए:

	सूची - I (संकल्पना)		सूची - II (लेखक)
(A)	कामुकता	i	यू॰ बेक
(B)	जोखिम समाज	ii	एम॰ फूको
(C)	संचरण कार्य	iii	जे॰ बॉड्रीलार्ड
(D)	अति-यथार्थ	iv	जे॰ हेबरमास

कूट:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(संकल्पना)		(लेखक)
कामुकता	-	एम. फूको
जोखिम समाज	-	यू. बेव
संचरण कार्य	-	जे. हेबरमास
अति-यथार्थ	-	जे. बाड्रीलार्ड

24. निम्नलिखित में से किस सिद्धांतवादी ने समसामायिक समाज को एक ऐसी मृतक संस्कृति बताया है, जिसकी मृत्यु "सभी सामाजिक पृथकताओं और भेद-भाव का उदाहरण है।"
(a) जे॰ बाड्रीलार्ड (b) यू॰ बेक
(c) एम॰ फूको (d) जे॰ एफ॰ ल्योटर्ड

उत्तर (a) 'सिम्बोलिक एक्सचेज एण्ड डेथ' में बॉड्रीलार्ड ने कहा है कि आद्यतन समाज मृत समाज है जिसकी संस्कृति वस्तुतः मृत है। समाज का बिखराव तेजी से होने के कारण समाज का एक भाग विकल्प अंतर आधुनिक समाज है।

25. विश्व विकास शिखर सम्मेलन (1995) द्वारा सामाजिक विकास के उद्देश्य के रूप में निम्नलिखित में से किसे विनिर्दिष्ट नहीं किया गया है?
(a) आर्थिक संरक्षणवाद
(b) जन सशक्तिकरण
(c) जन पहल
(d) जन क्षमता का सुदृढ़ीकरण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (a) कोपेनहेगेन में सन् 1995 में विश्व विकास पर्यावरण सम्मेलन सम्पन्न हुआ। जिसमें जनशक्तिकरण, जन पहल व जन क्षमता का सुदृढ़ीकरण आदि मुद्दों का निर्दिष्ट किया गया।

26. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर दीजिए:

	सूची-I (योजना/कार्यक्रम)		सूची-II (वर्ष)
(A)	राष्ट्रीय शिक्षा नीति	i	2002
(B)	राष्ट्रीय साक्षरता मिशन	ii	1988
(C)	राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति	iii	1986
(D)	राष्ट्रीय महिला विकास परिदृश्य योजना	iv	2001

कूट:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(b)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(योजना)	(वर्ष)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति	- 1986
राष्ट्रीय साक्षरता मिशन	- 1988
राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति	- 2002
राष्ट्रीय महिला विकास परिदृश्य योजना	- 2001

27. सूची-I को सूची–II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर दीजिए:

	सूची-I		सूची-II
(A)	73वां संविधान संशोधन	i	ई॰ शासन
(B)	ज्ञानदूत योजना	ii	महिला सशक्तिकरण
(C)	मानव विकास प्रतिवेदन	iii	ई॰-वाणिज्य
(D)	इंटरनेट के माध्यम से माल या सेवाओं की बिक्री या खरीद	iv	यू॰एन॰डी॰पी॰

कूट:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(b)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(c)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

73वां संविधान संशोधन	– महिला सशक्तिकरण
ज्ञानदूत योजना	– ई. शासन
मानव विकास प्रतिवेदन	– यू. एन. डी. पी.
इंटरनेट के माध्यम से माल या सेवाओं की बिक्री या खरीद	– ई. वाणिज्य

28. प्रतिदिन के जीवन में अंतः आत्मनिष्ठ चेतना निम्नलिखित के मुख्य केंद्र का क्षेत्र होता है:

(a) प्रवृत्तिपरक (b) व्यावहारिक
(c) सांस्कृतिक बहुवाद (d) मानव प्रास्थितिकीविद

उत्तर (a) स्वभावगत मानव को स्वयं और दूसरे के साथ अपने संबंधों को जानने व समझने की एक प्राकृतिक प्रवृत्ति होती है। घटना क्रिया विज्ञान इनको पहचानने की कोशिश करता है।

29. निम्नलिखित में से कौन सी बात पी॰ बर्जर और टी॰ लकमैन के ज्ञान को रेखांकित करने के लिए सही नहीं है?

(a) वे ज्ञान की विधिमान्यता से असंबद्ध हैं।
(b) वे ज्ञान की विधिमान्यता से काफी चिंतित हैं।
(c) वे उस प्रक्रिया से संबंधित हैं, जिसके माध्यम से किसी व्यक्ति के ज्ञान को वास्तविक रूप में समझा जाता है।
(d) उन्होंने सामाजिक तथ्यों पर नहीं अपितु मानव के संव्यवहार में सामाजिक आशय के सृजन पर बल दिया है।

उत्तर (b) परिघटनावादी परिप्रेक्ष्य को स्थापित करने की कोशिश पी. बर्जर तथा थॉमस लकमैन ने 'द सोशल कंस्ट्रक्शन ऑफ रियलिटी' नामक पुस्तक में किया जिसमें उन्होंने मानव के संव्यवहार में सामाजिक आशय के सृजन पर जोर दिया है।

30. निम्नलिखित में से किसे प्रघटनाशास्त्रीय समाजशास्त्र के शुट्ज के सिद्धांत के त्रिपक्षीय स्तंभ के रूप में समझा जाता है?

(a) जीवन-विश्व, अन्य विश्व और प्राकृतिक अभिवृत्ति
(b) कृत्रिमता, अन्य विश्व और अंतर-आत्मनिष्ठता
(c) अंतर-आत्मनिष्ठता, जीवन-विश्व और सांस्कृतिक विश्व
(d) जीवन-विश्व, अंतर-आत्मनिष्ठता और प्राकृतिक अभिवृत्ति

उत्तर (d) "द सोशल फिनोमिनोलॉजीकल ऑफ द सोशल वर्ल्ड" में शुट्ज ने प्रघटनावादी सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। जीवन विश्व,अंतरआत्मनिष्ठता और प्राकृतिक अभिवृत्ति को प्रघटना शास्त्रीय समाजशास्त्र के शुट्ज के सिद्धान्त के त्रिपक्षीय स्तम्भ के रूप में जाना जाता है। प्रघटनावादी सिद्धान्त के अनुसार मनुष्य जो सोचता व समझता है, वही वास्तविकता है न कि वास्तविकता वस्तुनिष्ठ है।

31. निम्नलिखित में से किसे प्रघटनाशास्त्रीय समाजशास्त्र का जनक समझा जाता है?

(a) जे॰ हेबरमास (b) ए॰ शुट्ज
(c) एच॰ आर॰ वेगनर (d) के॰ मैनहाइम

उत्तर (b प्रघटनाशास्त्रीय समाजशास्त्र के जनक अल्फ्रेड शुट्ज को माना जाता है जिसकी शुरुआत एमण्ड हुसर्ल के चिंतन से हुई थी। घटना विज्ञान एक नवीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत है, जिसमें सामाजिक यथार्थता को समझने हेतु व्यक्तिनिष्ठ मानव चेतना पर बल दिया जाता है, यह प्रत्यक्षवादी पद्धतिशास्त्र का अतिवादी विकल्प है जो इस बात पर बल देता है कि सामाजिक यथार्थता प्राकृतिक यथार्थता से भिन्न है तथा इसलिए इसे बाह्य अभिशक्तियों, बाह्य संरचना एवं स्वरूपों द्वारा नहीं समझा जा सकता है।

32. हेबरमास के मार्क्सवाद के पुनर्निमाण के बारे में सही विकल्प का चयन कीजिए:

(1) अधिरचना की बजाय उद्देश्यपरक विवेकपूर्ण कार्रवाई
(2) अधिरचना की बजाय प्रतीकात्मक संव्यवहार
(3) वर्ग चेतना की बजाय आत्म-चिंतन का सामाजिक तरीका
(4) वर्ग संघर्ष की बजाय वर्ग प्रतिस्पर्धा

सही विकल्प का चयन कीजिए:

(a) 1, 2 तथा 3 (b) 1, 2 तथा 4
(c) 2, 3 तथा 4 (d) 1, 2, 3, 4

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b) हेबरमास का अध्ययन का आधार यह है कि सोद्देश्यपूर्ण बुद्धि संगतता दैनिक जीवन में शामिल हो जाता है हेबरमास ने यह विचारधारा मैक्सवेबर से ग्रहण किया था। हेबरमास संचार क्रिया का प्रयोग करते है जबकि मार्क्स आर्थिक क्रिया का प्रयोग करते है।

33. समाज के अध्ययन के लिए लोकविधिशास्त्र एक उपागम के रूप में निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?
(a) सामाजिक व्यवस्था के मूल आधार
(b) समाज में शक्ति और सत्ता के असमान वितरण का मुद्दा
(c) समाज में संसाधनों का वितरण
(d) ऐतिहासिक दृष्टिकोण से सामाजिक संस्थाओं को तैयार करना

उत्तर (a) सामाजिक अध्ययन के लिए लोक विधिशास्त्र एक उपागम के रूप में सामाजिक व्यवस्था के मूल अधिकार से सम्बंधित है। गारफिंकल ने अपनी पुस्तक "**स्टडीज इन एथनोमेथडोलॉजी**" में लोकविधिशास्त्र को प्रतिपादित किया था।

34. अभिकथन (A) : भारत में अर्थव्यवस्था के अनौपचारिक क्षेत्र में महिलाओं की कार्य सहभागिता की दर काफी बढ़ गई है।
कारण (R) : शिक्षा और कौशल विकास के अवसर ग्रामीण महिलाओं के बीच बढ़ गए हैं।
सही उत्तर का चयन करें:
कूट:
(a) (A) सही है और (R), (A) का कारण है।
(b) (A) सही है, परन्तु (R), (A) का सही कारण नहीं है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(d) न (A) न ही (R) सही है।

उत्तर (c) सरकार लघु कुटीर उद्योग को प्रोत्साहित कर रही है जिससे नारियों की भागीदारी बढ़ी है। भारतीय सरकार द्वारा महिला समृद्धि योजना सर्व शिक्षा अभियान आदि ऐसी योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया जिससे महिला के विकास में वृद्धि हुई हैं। अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सत्य है।

35. 'स्त्रियों' के अधिकार मानवाधिकार हैं।' यह स्त्रियों के सशक्तिकरण के लिये अंतर्राष्ट्रीय नीति के रूप में महिला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वीकार कर ली गई थी। यह सम्मेलन कहाँ हुआ था?
(a) बीजिंग (b) मेक्सिको
(c) नैरॉबी (d) कॉपेनहेगन

उत्तर (a) 'स्त्रियों' के अधिकार मानवाधिकार है नारी को सशक्त करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय नीति बनाई गयी । और इसे महिला अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वीकार कर लिया गया। यह सम्मेलन बीजींग 1995 में आयोजित किया गया।

36. सही कथन का चयन करें:
परिवार में महिलाओं की निम्न प्रस्थिति के मुद्दे पर सामाजिक नारीवादी तर्क करते हैं कि जैण्डर असमानताः
(1) पारिवारिक जिम्मेदारी के साथ उनकी प्रचुर व्यस्तता के साथ आदर्श रूप से जुड़ी है।
(2) अदत्त पारिवारिक गतिविधियों के साथ उनकी प्रचुर व्यस्तता के कारण है।
(3) परिवार की निम्न आय के कारण है।
(4) उनकी राजनीतिक निष्क्रियता के साथ राजनीतिक रूप से सम्बन्धित है।

सही विकल्प का चयन कीजिए:
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 2 और 4 (d) 3 और 4

उत्तर (a) सिमोन द बोउवार ने अपनी पुस्तक '**स्त्री उपेक्षिता**' में बतलाया कि नारी का दोयम दर्जा का कारण सांस्कृतिक है। इन्होंने अपने जेण्डर सिद्धान्त में बतलाया कि समाज की संरचना एवं प्रक्रिया को नारी की दृष्टि से दृष्टिगत करने की कोशिश की गयी है।

37. राज्य पर उदार नारिवादियों के दृष्टिकोण के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सही नहीं है?
(a) राज्य सम्भावी तौर पर तटस्थ मध्यस्थ (विवाचक) है और उसकी अपनी कोई विचारधारा नहीं है।
(b) पुरुषों ने राज्य को वश में कर लिया है।
(c) पुरुष दबाव समूह हैं और महिलाएँ अवलोकनकर्ता हैं।
(d) महिलाओं को राज्य की अर्थपूर्ण गम्यता हेतु कूटनीतियाँ अपनानी चाहिए और उस पर प्रभाव डालना चाहिए।

उत्तर (b) राज्य पर उदार नारिवादियों के दृष्टिकोण के संबंध में पूर्णतः सही नहीं हैं कि पुरुष ने राज्य को वश में कर लिया।

38. भारत की कुल जनसंख्या में वृद्धों (60+) की जनसंख्या का अनुपात किस प्रवृत्ति को दर्शाता है?
(a) स्थिरता
(b) गिरावट
(c) वृद्धि
(d) शहरी क्षेत्र में वृद्धि परन्तु ग्रामीण क्षेत्र में गिरावट

उत्तर (c) भारत की कुल जनसंख्या में वृद्धों (60+) की जनसंख्या वृद्धि को दर्शाता है। भारत में 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों की जनसंख्या आश्रित जनसंख्या कहलाती है जिसका प्रतिशत 6.8 है।

39. भारत की नगरीय जसंख्या का कितना अनुपात मलिन बस्तियों में निवास करता है?
(a) लगभग पाँचवाँ हिस्सा
(b) लगभग एक-चौथाई हिस्सा
(c) लगभग एक-तिहाई
(d) लगभग आधा भाग

उत्तर (a) भारत की नगरीय जनसंख्या का 5वाँ अनुपात मलिन बस्तियों में निवास करता है।

40. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत की जनसंख्या का कितना अनुपात सुरक्षित पेय जल नहीं पाता है?
(a) 15% (b) 25%
(c) 35% (d) 45%

उत्तर (a) विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार भारतीयों की जनसंख्या का 15% सुरक्षित पेय जल नही पाता है

41. यह धारणा किसकी है कि भारतीय जनजातियाँ पिछड़े हिंदू थीं?
(a) जी॰ एस॰ घुर्ये (b) वाई॰ बी॰ दामले
(c) ए॰ आर॰ देसाई (d) एन॰ के॰ बोस

उत्तर (a) जी.एस. घुर्ये का नाम भारत में समाजशास्त्र के साथ बड़े सम्मान के साथ जुड़ा हुआ है। जी॰एस॰घुर्ये ने अपनी पुस्तक "द अदर अबार्जिन्स में बतलाया कि भारतीय जनजातियाँ पिछड़े हिन्दू थे।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

42. निम्नलिखित में से किसने भारतीय समाज के अध्ययन के प्रति द्वंद्वात्मक उपागम का उपयोग किया है?

(a) एम॰एन॰श्रीनिवास (b) डी॰पी॰ मुखर्जी
(c) ए॰बेते (d) वाई॰बी॰दामले

उत्तर (b) भारतीय समाज के अध्ययन के प्रति द्वन्द्वात्मक उपागम का प्रयोग डी॰पी॰ मुखर्जी ने किया है। मुखर्जी उत्पादन सम्बन्धों पर बल देते है। इनकी विचारधारा मार्क्सवादी थी। जिन्होंने भारतीय समाज की विवेचना उत्पादन सम्बंधों के संदर्भ में की है। वे विचारधारा या वाद अन्धानुकरण नहीं करते थे, बल्कि उसके विचारों को तर्क की कसौटी पर तौलते थे, वे सत्य को जानने के लिए विभिन्न मार्गो को अपनाने के पक्ष में थे। उनका मत है कि व्यक्तित्व का सम्पूर्णवादी दृष्टिकोण ही समाज विज्ञान की व्याख्या का आधार होना चाहिए।

43. 'व्यक्तियों, परिवारों और जनसंख्या के समूहों को उस स्थिति में गरीब कहा जा सकता है, जब उनके आहार के प्रकार, क्रियाकलापों में प्रतिभागिता में कमी हो और उनके जीवन की स्थितियाँ और सुख-सुविधाएँ ऐसी हों, जो पारंपरिक हों या कम से कम उस समाज में व्यापक रूप से प्रोत्साहित और अनुमोदित हों, जिससे वे संबंध रखते हों। उनके संसाधन इतने कम हों कि उनके बारे में औसत व्यक्ति या परिवार द्वारा उन्हें अपर्याप्त समझा जाए और उनके कारण सामान्य जीवन का तरीका, परंपरा और क्रियाकलापों से वंचित होते हों।

(टाउनसेंड, 1979, संदर्भः हरलमबॉस एण्ड हाबर्न, सोशियालॉजी, पृष्ठ 297)

उपर्युक्त पैराग्राफ में निम्नलिखित तरीकों में से 'गरीबी' को कैसे पारिभाषित किया गया है?

(a) गरीबी 'अतिनिर्धनता' के रूप में
(b) गरीबी 'सापेक्षित वंचना' के रूप में
(c) गरीबी 'संसाधनों के न होने' के रूप में
(d) गरीबी 'क्रियाकलापों के बहिष्करण' के रूप में

उत्तर (b) उपर्युक्त पैराग्राफ में गरीबी को 'सापेक्षित वंचना' के रूप में प्रस्तुत किया गया है। क्योंकि एक विशेष जनसंख्या समूह को दूसरे सामान्य जनसंख्या समूह के सापेक्ष तुलना की जा रही है जो सामान्य जनसंख्या समूहों के रहन-सहन, खान-पान से निम्न स्तर पर है।

44. नीचे दिए कथन पढ़ें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें जो सामाजिक रूप से निर्मित जेंडर असमानताओं का वर्णन करता हैः

(1) पुरुष और स्त्री के बीच हॉर्मोन और क्रोमोसोम सम्बन्धी अन्तर।
(2) समान रूप से योग्य व्यक्तियों के लिये, स्त्रियों की अपेक्षा पुरुषों का पक्ष लिया जाना।
(3) समझा जाता है कि पुरुष और स्त्रियों में भिन्न-भिन्न शारीरिक, संवेगात्मक तथा मानसिक क्षमताएँ होती हैं।
(4) दहेज की प्रथा भारत में शिक्षित मध्यम वर्ग में बढ़ गई है।

कूटः
(a) सभी कथन (1), (2), (3), (4)
(b) (2) और (3) परन्तु (1) और (4) नहीं
(c) (1), (2) और (4) परन्तु (3) नहीं
(d) (2), (3) और (4) परन्तु (1) नहीं

उत्तर (d) प्रथम विकल्प जैविकीय है ना कि सामाजिक । जेण्डरवादियों के अनुसार, "स्त्री समस्त मामलों में पुरुषों के समकक्ष है। पुरुष व नारी में भेदभाव के नियम समाप्त होने चाहिए। नारी की कमजोरियों की वजह संस्कृति है।

45. नीचे दो कथन - अभिकथन (A) और कारण (R) दिये गये हैं। नीचे दिए कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

अभिकथन (A) : 'दहेज के कारण मृत्यु' की समस्या भारत में उभरते नगरीय मध्यम वर्ग के बीच ठेठ रूप से प्रचलित है।

कारण (R) : उत्तराधिकार का कानून भारत में महिलाओं के विरुद्ध भेदभाव करता है।

कूटः
(a) (A) और (R) दोनो असत्य हैं।
(b) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।
(c) (A) औस (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(d) (A) सत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

उत्तर (b) दहेज निषेध अधिनियम सन् 1961 में पारित हुआ फिर भी यह समस्या विद्यमान है। मध्यम वर्गीय दहेज हत्या उच्च वर्गों की अपेक्षा काफी अधिकार है। भारत में बनाये गये उत्तराधिकार का कानून महिलाओं तथा पुरुषों को समान रूप से उत्तराधिकारी मानता है। अतः अभिकथन A सत्य है परन्तु कारण R असत्य है। Daughters Right in Hindu Succession Act (2005) के बाद कानूनी रूप से पिता की सम्पित्त में पुत्र एवं पुत्री दोनों को समान अधिकार प्राप्त हो गया है।

46. व्यक्ति की श्रम-शक्ति के उस मूल्य को मार्क्सवादी पद में क्या कहा जाता है जो नियोक्ता द्वारा उसे कार्य के लिए भुगतान किए गए मूल्य से बच जाता है?

(a) उपयोग मूल्य (b) अतिरिक्त मूल्य
(c) विनिमय मूल्य (d) अवशेष मूल्य

उत्तर (b) अतिरिक्त मूल्य का सिद्धान्त का प्रतिपादन कार्ल मार्क्स ने अपनी पुस्तक **'दास कैपिटल'** में किया है। कार्ल मार्क्स के अनुसार प्रत्येक वस्तु के मूल्य का निर्धारणकर्ता श्रमिक का श्रम है तथा जिस कीमत पर वह बाजार में बिकता है, उसमें बहुत अंतर होता है। मार्क्स इस अंतर को वस्तु का अतिरिक्त मूल्य मानता है। जिसे बिना कुछ किये ही पूंजीपति बीच में ही हड़प जाता है।

47. 'सामूहिक सौदेबाजी' आमतौर पर निम्नलिखित पर केन्द्रित रहता हैः

(a) लाभ में हिस्सा, जॉब सुरक्षा और कार्य की अच्छी स्थितियाँ
(b) जॉब सन्तोष, जॉब सुरक्षा और नव प्रौद्योगिकी
(c) शोषण, लाभ की उत्पत्ति और पुनर्निवेश
(d) निगम/कॉर्पोरेट उत्तरदायित्व, वैश्विक नेटवर्किंग और लाभ आपस में बाँटना

उत्तर (a) सामूहिक सौदेबाजी आमतौर पर लाभ में हिस्सा,जॉब सुरक्षा और कार्य की अच्छी स्थितियों पर केन्द्रित रहती है।

48. "श्रमिक वर्ग को पूँजीवादी समाजों में एकीकृत करें ताकि उनके उग्रवादी या क्रांतिकारी बल बनने की संभावना कम हो"-इस वक्तव्य का संबंध किससे है?

(a) राजनीतिक दलों से (b) हित समूहों से

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) मजदूर संघों से (d) साथी समूह से

उत्तर (c) संघ ऐसे व्यक्तियों का समूह है जिनका सुनिश्चित उद्देश्य होता है जिसे वह निर्दिष्ट नियमों, तार्किक विचारों और निर्धारित परिणामों को प्राप्त करने की कोशिश करते है।

49. एक समाज विशेष में, प्रसव-योग्य उम्र की महिलाओं द्वारा उत्पन्न जीवित जन्मे बच्चों की औसत संख्या को कहा जाता है

(a) रोगग्रस्तता दर (b) मृम्यु दर
(c) प्रजननता दर (d) जननशक्ति दर

उत्तर (c) एक समाज विशेष में, 1000 प्रसव-योग्य उम्र की महिलाओं द्वारा उत्पन्न जीवित जन्मे बच्चों की औसत संख्या को प्रजनन दर कहा जाता है। (1000 प्रसव योग्य महिलाओं पर पैदा हुए जीवित बच्चे)

50. ''आर्थिक परिप्रेक्ष्य, जो मानता है कि व्यवसाय पर सरकारी प्रतिबन्धों को कम करके प्राप्त स्वतन्त्र बाजार शक्तियाँ ही आर्थिक संवृद्धि का एकमात्र मार्ग प्रदान करती है।'' यह कथन किसकी अवधारणा को स्पष्ट करता है?

(a) उत्तर-आधुनिकता (b) नव-उदारीकरण
(c) नव-मार्क्सवाद (d) नव-फोर्डवाद

उत्तर (b) उदारीकरण के बाद की अवस्था नव-उदारीकरण है। व्यवसायिक तौर पर सरकारी नियंत्रणों को अल्प करके हासिल स्वतंत्र बाजार ताकत ही आर्थिक संवृद्धि का एक निमित्त मार्ग प्रशस्त करती है।

51. निम्नलिखित में से क्या वैश्विक उष्मीकरण नहीं उत्पन्न करता है?

(a) हरित गृह (ग्रीन हाउस) प्रभाव
(b) पृथ्वी के तापमान में बढ़ोतरी
(c) नैनो-प्रौद्योगिकी
(d) औद्योगिक विकास

उत्तर (c) नैनो-प्रौद्योगिकी वैश्विक उष्मीकरण नहीं उत्पन्न करता है तथा यह भौतिक विद्वान की शाखा है। नैनो प्रौद्योगिकी के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं।

52. घरेलू हिंसा अधिनियम किस वर्ष में पारित हुआ?

(a) 1988 (b) 2001
(c) 2004 (d) 2005

उत्तर (d) घरेलू हिंसा अधिनियम वर्ष 2005 में पारित हुआ।

53. विभिन्न देशों में विकास के स्तर को मापने के लिये 'मानव विकास सूचकांक' (एच॰डी॰आई॰) निम्नलिखित में से किसके साथ सम्बन्धित है?

(a) रेमण्ड फर्थ (b) महबूब-उल-हक
(c) एम॰एन॰ श्रीनिवास (d) ए॰आर॰ देसाई

उत्तर (b) पाकिस्तान के अर्थशास्त्री महबूब-उल-हक और भारतीय अर्थशास्त्री डॉ. अमर्त्य सेन ने वर्ष 1990 में मानव विकास सूचकांक प्रस्तुत किया तथा इसके तीन घटक, जीवन प्रत्याशा, शिक्षा एवं प्रति व्यक्ति आय को बताया।

54. सेवाओं में व्यापार पर सामान्य समझौता (गेट्स) बताता है

(a) शिक्षा में सीमा पार व्यापार
(b) शिक्षा में स्थानीयकरण
(c) शिक्षा में केवल राज्य निधियन
(d) प्राथमिक में कोरपोरेट द्वारा धन प्रदान करना और व्यावसायिक शिक्षा में राज्य द्वारा धन प्रदान करना

उत्तर (a) शीत युद्ध के अवसान के पश्चात् व्यापारिक उन्नति के लिए 1995 ई. में गैट अस्तित्व में आया जिसका उद्देश्य सदस्य देशों के निर्बाध रूप से वस्तुओं और सेवाओं का विस्तार करना था।

55. ''ट्राइबल मूवमेंट्स इन इंडिया'' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) एम॰एस॰ए॰राव (b) घनश्याम शाह
(c) के॰एस॰ सिंह (d) एस॰ फक्स

उत्तर (c) ''ट्राइबल मूवमेंट्स इन इंडिया'' नामक पुस्तक के लेखक के॰एस॰ सिंह हैं

56. भारत में अनुसूचित जनजाति निम्नलिखित में से कौन सी नहीं है?

(a) भील (b) संथाल
(c) गुर्जर (d) हो

उत्तर (c) 'गुर्जर' पिछड़ा वर्ग में आता है। यह अनुसूचित जनजाति में शामिल नहीं है।

57. खेतिहार/किसान के सम्बन्ध में क्या सही नहीं है?

(a) किसान कम परम्परा का प्रतिनिधित्व करता है।
(b) भारत में किसान जाति सोपानकी के मध्य वर्ग द्वारा प्रधानतः निरूपित होते हैं।
(c) किसान अपने जीविका निर्वाह के आधार के लिए भूमि पर आश्रित है।
(d) किसान यद्यपि अपने जीविका निर्वाह के आधार के लिए भूमि पर आश्रित है, अपनी जीविका की सुरक्षा के लिए वे अन्य कई गतिविधियों में भाग लेते हैं।

उत्तर (b) भारत में किसान जाति सोपानकी के मध्य वर्ग द्वारा प्रधानतः निरूपित होते है। यह विकल्प खेतिहर/किसान की विशेषता नहीं है।

58. ग्रामीण भारत में किस सामाजिक-आन्दोलन को पुराने सामाजिक आन्दोलन का उदाहरण कहा जा सकता है?

(a) वातावरण आन्दोलन
(b) किसान आन्दोलन
(c) नृजातीय आन्दोलन
(d) क्षेत्रीय स्वायत्तता आन्दोलन

उत्तर (b) ग्रामीण भारत में पुराने सामाजिक-आन्दोलन को किसान आन्दोलन को कहा जा सकता है।

59. निम्नलिखित में से कौन सी संकल्पना को एम॰एन॰ श्रीनिवास द्वारा संस्कृतिकरण से प्रतिस्थापित नहीं किया गया है?

(a) ब्राह्मणीकरण और शूद्रीकरण
(b) ब्राह्मणीकरण और क्षत्रियीकरण
(c) क्षात्रियीकरण और शूद्रीकरण
(d) ब्राह्मणीकरण और पश्चिमीकरण

उत्तर (d) डा. श्रीनिवास ने संस्कृतिकरण को परिभाषित करते हुए कहा कि संस्कृतिकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा कोई निम्न हिन्दू जाति अथवा कोई जनजाति किसी उच्च प्रायः द्विज जाति की दिशा में अपने रीति रिवाज, कर्मकाण्ड, विचारधारा तथा पद्धति को बदलता है। Religion and society amoung the Ceorges of south India में डॉ. श्रीनिवास ने संस्कृतिकरण की अवधारणा प्रस्तुत की।
सर्वप्रथम श्रीनिवास ने इस सिद्धान्त का नाम ब्राह्मणीकरण दिया।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

60. निम्नलिखित में से कौन सी जाति व्यवस्था की विशेषता नहीं है?

(a) अंतर्विवाह, पवित्रता और प्रदूषण, अनुष्ठानिक पदानुक्रम और प्रदत्त व्यवसाय
(b) बहिर्विवाह, पवित्रता और प्रदूषण, अनुष्ठानिक पदानुक्रम और प्रदत्त व्यवसाय
(c) अंतर्विवाह, पवित्रता और प्रदूषण, अनुष्ठानिक पदानुक्रम और अर्जित व्यवसाय
(d) एक विवाह, पवित्रता और प्रदूषण, पंथनिरपेक्ष पदानुक्रम और पदत्त व्यवसाय

उत्तर (*) मजूमदार एवं मदान ने जाति को एक बन्द वर्ग कहा है क्योंकि जाति अन्तर्विवाही होती है। न की बहिर्विवाही। जाति का एक पारम्परिक या पुश्तैनी व्यवसाय होता है अतः विकल्प (a) जाति व्यवस्था की विशेषता है जबकि विकल्प (b,c,d) तीनों नहीं है।

61. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही कूट का चयन कीजिए:

	सूची - I (लेखक)		सूची - II (पुस्तक)
(A)	मेकिम मैरिएट	i	इंडियाज विलेज
(B)	एम॰एन॰श्रीनिवास	ii	इंडियन विलेज
(C)	बी॰आर॰चौहान	iii	विलेज इंडिया
(D)	एस॰सी॰ दुबे	iv	ए राजस्थान विलेज

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(c)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)	(पुस्तक)
मैकिम मैरिएट	- विलेज इंडिया
एम॰एन॰श्रीनिवास	- इण्डियाज विलेज
बी॰आर॰चौहान	- ए. राजस्थान विलेज
एस॰सी॰दुबे	- इंण्डियन विलेज

62. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए। सही कूट नीचे दिया गया है:

	सूची-I (लेखक)		सूची-II (पुस्तक)
(A)	एम॰एन॰ श्रीनिवास	i	कास्ट इन इंडियाः देयर मैकेनिज्म, जेनेसिस एण्ड डेवेलपमेंट
(B)	बी॰आर॰अम्बेडकर	ii	डायवर्सिटी
(C)	जी॰एस॰ घुर्ये	iii	डोमिनेंट कास्ट एण्ड अदर एसेज
(D)	डी॰पी॰मुखर्जी	iv	कास्ट एण्ड रेस इन इंडिया

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(b)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(c)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (*) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)		(पुस्तक)
एम.एन. श्रीनिवास	–	डोमिनेंट कास्ट एण्ड अदर एसेज
बी.आर. अम्बेडकर	–	कास्ट इन इण्डिया : देयर मैकेनिज्म, जेनेसिस एण्ड डेवलपमेण्ट
जी.एस. घुर्ये	–	कास्ट एण्ड रेस इन इण्डिया
डी.पी. मुखर्जी	–	डायवर्सिटी

63. सूची - I को सूची - II की मदों से साथ कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर दीजिए :

	सूची - I		सूची - II
(A)	सामाजिक विकासक्रम	i	कार्ल मार्क्स
(B)	सकारात्मकता	ii	विलियम ऑगबर्न
(C)	उत्पादन के प्रकार	iii	अगस्त कॉम्टे
(D)	सांस्कृतिक विलंबना	iv	हरबर्ट स्पेंसर

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(b)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(c)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(d)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

उत्तर (c) सुमेलित मद निम्न प्रकार है–

सामाजिक विकासक्रम	- हरबर्ट स्पेंसर
सकारात्मकता	- अगस्त काम्टे
उत्पादन के प्रकार	- कार्ल मार्क्स
सांस्कृतिक विलंबना	- विलियम ऑगबर्न

64. भारत में पेजेंट मूवमेण्ट्स की निम्नलिखित में से कौन सी माँग नही है?

(a) भूमि वितरण
(b) उर्वरक परिदान (आर्थिक सहायता)
(c) काश्तकारी अधिकार
(d) खेतिहर मजदूरों के लिए उच्च-मजदूरी

उत्तर (a) भूमि सुधार कानून वर्ष -1951 में पास किया गया। इसके बाद जमींदारी व्यवस्था का उन्मूलन किया गया जिससे काश्तकारी अधिकार स्वतः ही प्राप्त हो गये थे।

65. किसने किसानों को ऐसे छोटे कृषि उत्पादकों के रूप में परिभाषित किया है, ''जो साधारण उपस्करों और अपने परिवार के सदस्यों के श्रम से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में प्रायः अपने उपभोग के लिए और राजनीतिक तथा आर्थिक शक्ति धारकों के प्रति अपना दायित्व पूरा करते हैं''?

(a) ए॰बैतेई (b) टी॰शानिन
(c) ए॰आर॰देसाई (d) ए॰वी॰चेनोर

उत्तर (b) प्रश्नगत परिभाषा टी.शानिन द्वारा दी गई है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

66. भारतीय प्रसंग में मलिन बस्ती की जनसंख्या में वृद्धि यह बताती है
(a) ग्रामीण गरीबी का विस्तार
(b) ग्रामीण सम्पन्नता का विस्तार
(c) शहरी सम्पन्नता का विस्तार
(d) शहरीकरण की प्रक्रिया

उत्तर (*) भारतीय प्रसंग में मलिन बस्ती की जनसंख्या में वृद्धि ग्रामीण गरीबी का विस्तार तथा शहरीकरण की प्रक्रिया को दर्शाती है। मलिन बस्तियों का निर्माण अपने भविष्य को संवारने हेतु गाँव से नगरों में ग्रामीणों के पलायन से होता है। अतः प्रश्नगत विकल्प (a) और (d) दोनों सही है।

67. निम्नलिखित में से कौन सा ऐसा कारक नहीं है, जिससे लोग गाँवों से शहरों की ओर आ रहे हैं?
(a) ग्रामीण बेरोजगारी
(b) ग्रामीण क्षेत्रों में दहेज प्रथा में वृद्धि
(c) ग्रामीण गरीबी
(d) ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर और घरेलू उद्योगों का ह्रास

उत्तर (b) ग्रामीण क्षेत्रों में दहेज प्रथा में वृद्धि से लोग गाँवों से शहरों की ओर आ रहे हैं।

68. निम्नलिखित के संदर्भ में नृ-जातीयता
(a) आनुवंशिक और अर्जित सामाजिक सांस्कृतिक विशेषताएँ
(b) आनुवंशिक राजनीतिक स्थिति और अर्जित आर्थिक विशेषताएँ
(c) आनुवंशिक सामाजिक-सांस्कृतिक विशेषताएँ
(d) अर्जित सामाजिक-सांस्कृतिक विशेषताएँ

उत्तर (c) नृ-जातीयता आनुवंशिक सामाजिक-सांस्कृतिक विशेषताएँ हैं। जब धर्म भाषा, जाति, रंग, संस्कृति, क्षेत्र आदि के आधार पर कोई समूह एकजुट होकर अपनी भावना प्रदर्शित करे तो उसे नृ-जातीयता कहते हैं।

69. निम्नलिखित में से कौन सी अनौपचारिक क्षेत्र की विशेषता नहीं है?
(a) प्रभावी कानूनी संरक्षण की कमी
(b) रोजगार सुरक्षा की कमी
(c) प्रभावी व्यावसायिकता की कमी
(d) लिंग पृथक्करण की कमी

उत्तर (d) अनौपचारिक क्षेत्र की प्रमुख विशेषता लिंग पृथक्करण है।

70. बंधुआ मजदूरी
(a) ग्रामीण गरीबी और निरक्षरता का कारण
(b) उच्च जाति के पिछले आधिपत्य के कारण
(c) ग्रामीण गरीबी का परिणाम लेकिन श्रमिक जातियों की निरक्षरता और उन पर उच्च जातियों का आधिपत्य
(d) ग्रामीण गरीबी के कारण, लेकिन निरक्षरता और निम्न जातियों पर उच्च जातियों का आधिपत्य

उत्तर (d) संविधान के अनु. 23 में बेगार को प्रतिषिद्ध किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में अशिक्षा निर्धनता एवं गरीबी के कारण बँधुआ मजदूर प्रचलित है तथा साथ ही साथ निम्न जातियों पर उच्च जाति का अधिपत्य भी कारण है।

71. भारत में अपचारी किशोर किस आयु समूह के होते हैं?
(a) < 12 वर्ष (b) < 14 वर्ष
(c) < 18 वर्ष (d) < 20 वर्ष

उत्तर (c) जुवनाइल जस्टिस अधिनियम 1986 (संशोधित 2000) के तहत किशोर तथा किशोरी अपराध के लिए क्रमशः 18 वर्ष तथा 16 वर्ष सुनिश्चित की गयी है।

72. अनुसूचित जनजातियों की भूमि जोत का औसत आकार क्या है?
(a) अनुसूचित जातियों से बड़ा
(b) अनुसूचित जातियों से छोटा
(c) अनुसूचित जातियों की जोत के समान
(d) अन्य पिछड़ी जातियों की जोत से बड़ा

उत्तर (a) अनुसूचित जनजातियों की भूमिजोत का औसत आकार अनुसूचित जातियों से बड़ा है।

73. सामाजिक विकास सामरिक नीति का लक्ष्य क्या सुनिश्चित करना है?
(a) राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को बहुराष्ट्रीय निगमों और उनकी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के साथ एकीकृत करके आर्थिक विकास की प्राप्ति
(b) मजदूर संघों की सामूहिक आवाज संरक्षित है और उनके सरोकारों को उचित तरह से सम्बोधित किया है।
(c) समाज के प्रत्येक वर्ग को संसाधन के रूप में मान्यता दी जिसे आर्थिक विकास से लाभान्वित होना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो कि उनके जीवन की शैक्षिक, रोजगार, स्वास्थ्य, अन्य मूलभूत आवश्यकताएँ पूरी हो गई हैं और उनकी पूर्ण सामर्थ्य की उपलब्धि हेतु अवसर प्रदान किये जाएँ।
(d) विकास प्रक्रिया को, परम्परा तथा आधुनिकता के बीच साम्य की सुरक्षा करनी चाहिए।

उत्तर (c) सामाजिक विकास सामरिक नीति का लक्ष्य प्रत्येक वर्ग को संसाधन के रूप में मान्यता दी और उनके जीवन की शैक्षिक, रोजगार, स्वास्थ्य, अन्य मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना है।

74. वैश्वीकरण के तत्वाधान में भारतीय अर्थव्यवस्था ने
(a) विकास के समाजवादी पथ के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पुनः दृढ़तापूर्वक जाहिर की।
(b) मिश्रित आर्थिक पथ के प्रति पुनः अभिमुखीकरण।
(c) आत्म-निर्भरता के गांधीवादी मॉडलों को पुनर्जीवित किया।
(d) आर्थिक नव-उदारवाद के बारे में विचार करना शुरू।

उत्तर (d) सन् 1991 में भारत में वैश्वीकरण का श्रीगणेश हुआ, वैश्वीकरण से तात्पर्य स्थानीय या क्षेत्रीय वस्तुओं या घटनाओं के विश्वभर पर रूपांतरण की प्रक्रिया है, इसे एक ऐसी प्रक्रिया का वर्णन करने के लिए भी किया जाता है, जिसके द्वारा पूरे विश्व के लोग मिलकर एक समाज का निर्माण करते है तथा एक साथ कार्य करते हैं, यह प्रक्रिया आर्थिक, तकनीकी, सामाजिक और राजनीतिक ताकतों एक संयोजन है।

75. गैरी स्लेपर और स्टीव टॉम्ब्स ने निम्नलिखित का अध्ययन किया है:
(a) श्वेतपोशी अपराध (b) साइबर अपराध
(c) कॉरपोरेट अपराध (d) संगठित अपराध

उत्तर (c) गैरी स्लेपर और स्टीव टॉम्ब्स ने कॉरपोरेट अपराध का अध्ययन किया। इनके अनुसार ये अपराधी या तो उच्च वर्गीय होते है या उच्च मध्य वर्गीय।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2013

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. "समाजशास्त्र एक ऐसा शास्त्र है, जिसमें सामाजिक कृत्य की व्याख्यात्मक समझ का प्रयास किया जाता है।" इस रूप में समाजशास्त्र की परिभाषा निम्नलिखित में से किसने दी है?

(a) टी.पारसन्स (b) मैकाइवर और पेज
(c) ई.दुर्खीम (d) मैक्स वेबर

उत्तर (d) वेबर ने कहा कि जब व्यक्ति किसी क्रिया (Action)को करता है तो उसके पीछे वह अपने स्वयं का कोई अर्थ अवश्य लगाता है। वेबर ने पहली बार समाजशास्त्र को मनोविज्ञान के साथ जोड़ा।

2. "संस्कृति मानव की पथप्रदर्शक है, यह सभी पथप्रदर्शकों की भाँति उसे स्वतंत्रता प्रदान करती है और दासता से मुक्त करती है।" निम्नलिखित में से कौन सी विचारधारा इस दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है?

(a) उद्विकासीय विचारधारा
(b) मार्क्सवादी विचारधारा
(c) प्रकार्यात्मक विचारधारा
(d) संस्कृति व्यक्तित्व विचारधारा

उत्तर (d) "संस्कृति मानव का पथ प्रदर्शक है यह सभी पथप्रदर्शकों की भाँति उसे स्वतंत्रता प्रदान करती है और दासता से मुक्त करती है।" इस दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व संस्कृति व्यक्तित्व विचारधारा करती है। क्योंकि संस्कृति ही व्यक्ति को एक निश्चित ढंग से व्यवहार करना सिखाती है। व्यक्ति समाजीकरण, एनकल्चरेशन तथा आत्मसात आदि की प्रक्रियाओं द्वारा संस्कृति को सीखता है।

3. "समाजशास्त्रीय कल्पना" शब्दावली निम्नलिखित में से किसने बनाई थी?

(a) पी. बर्जर (b) सी. डब्ल्यू. मिल्स
(c) ए. गिडेन्स (d) जे. एस. मिल

उत्तर (b) मिल्स की बहु प्रसिद्ध पुस्तक 'समाजशास्त्रीय कल्पना' "सोशियोलॉजिकल इमैजीनेशन" 1959 रही है। यह पुस्तक कई कारणों से प्रसिद्ध रही है। इस पुस्तक में मिल्स का एक सामाजिक आलोचक का रूप निखकर सामने आया है। इस पुस्तक ने शिक्षण की एक शाखा के रूप में समाजशास्त्र को मानवतावादी सरोकारों के लिए प्रेरणा प्रदान की।

4. निम्नलिखित पुस्तकों को कूट का प्रयोग करते हुए कालक्रम में लगाइए:

i. दास कैपिटल
ii. प्रोटेस्टेन्ट इथिक एण्ड द स्प्रिट ऑफ कैपिटलिज्म
iii. पैटर्न्स ऑफ कल्चर
iv. द एलिमेंटरी फार्म्स ऑफ रिलीजियस लाइफ

कूट :

(a)	i	ii	iii	iv
(b)	ii	i	iii	iv
(c)	iv	iii	i	ii
(d)	iii	iv	i	ii

उत्तर (*)

पुस्तक	लेखक	वर्ष
दास कैपिटल	कार्ल मार्क्स	1867
प्रोटेस्टैण्ट इथिक एण्ड द स्प्रिट ऑफ कैपिटलिज्म	मैक्स वेबर	1905
द एलिमेण्ट्री फार्म्स ऑफ रिलीजियस लाइफ	इमाईल दुर्खीम	1912
पैटर्न्स ऑफ कल्चर	रूथ बेनेडिक्ट	1934

5. समाज में प्रत्येक व्यक्ति की कई प्रस्थितियाँ होती हैं। एक व्यक्ति से जुड़ी विभिन्न प्रस्थितियों को निम्नलिखित रूप में जाना जाता है :

(a) प्रस्थिति असंगति (b) प्रस्थिति क्रम
(c) प्रस्थिति पुंज (d) प्रस्थिति उत्तराधिकार

उत्तर (c) मर्टन ने ऐसे प्रस्थिति को प्रस्थिति पुंज कहा है जब समाज में एक व्यक्ति कई प्रस्थितियाँ धारण करता है। जैसे–एक व्यक्ति का डॉक्टर,पिता,पुत्र,क्लब का सदस्य एक समय में होना ।

6. निम्नलिखित में से कौन सी प्राथमिक समूह की भौतिक स्थितियाँ हैं?

i. शारीरिक निकटता ii. आकर्षण
iii. लघुता iv. सहनशीलता

(a) i ii iii iv
(b) i ii और iii
(c) i ii और iv
(d) i iii और iv

उत्तर (d) कूले ने अपनी पुस्तक में प्राथमिक समूह की निम्नलिखित विशेषताएँ बतायी हैं। आमने सामने का सम्बन्ध, उद्देश्यों की समानता,स्थायित्व,लघुता, घनिष्ठता आदि।

7. निम्नलिखित में से कौन सा प्राथमिक समूह नहीं है?

(a) स्कॉउट (b) साथी समूह
(c) विद्यार्थियों की कक्षा (d) परिवार

उत्तर (a) स्कॉउट एक स्वैच्छिक समूह है, जिसे कुछ निश्चित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए स्थापित किया गया है, इसकी स्थापना जान बूझकर की गई है, जब सदस्यों को कोई विशेष लक्ष्य या उद्देश्य प्राप्त करना होता है, तो उस दशा में द्वितीयक समूह का निर्माण होता है। स्काउट प्राथमिक समूह नहीं है। कूले ने सबसे महत्वपूर्ण तीन प्राथमिक समूहों परिवार, बच्चों के खेल समूह तथा पड़ोस या वयस्कों के समूह को प्राथमिक समूह कहा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

8. निम्नलिखित में से कौन से किसी सामाजिक समूह की मूल विशेषताएँ हैं?

i. संगठन ii. हम भाव
iii. स्वावलंबन iv. सुस्पष्ट सांस्कृतिक लक्ष्य

(a) i और ii
(b) ii और iii
(c) iii और iv
(d) i और iii

उत्तर (a) प्राथमिक समूह से तात्पर्य उस समूह से है जिसकी विशेषता आमने-सामने के प्रत्यक्ष सम्बन्ध तथा अनौपचारिक एवं घनिष्ठ सम्बन्ध एवं उनमें पारस्परिक सहयोग पर आधारित है।

9. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है :

अभिकथन (A) : दुर्खीम के अनुसार शिक्षा समाज में उसके सदस्यों के बीच एकरूपता को सतत् और प्रतिबलित करती है।

तर्क (R) : विचारधारा, व्यक्ति और समाज के बीच संपर्क स्थापित करते हुए समाज के मापदंडों और मूल्यों को स्थापित करती है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

उत्तर (a) दुर्खीम के अनुसार शिक्षा समाज की आवश्यकता को पूरा करती है। इससे समाज में एकता, सुदृढ़ता एवं स्थिरता उत्पन्न होती है। शिक्षा समाजीकरण की प्रमुख एजेंसी है। इसके माध्यम से व्यक्ति समाज के मापदण्डों और मूल्यों का आन्तरीकरण सीखता है।
अतः अभिकथन (A) तथा तर्क (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A)की सही व्याख्या है।

10. सूची- I को सूची- II से सुमेलित कीजिए :

सूची- I (पुस्तकें)	सूची- II (लेखक)
(A) डि-स्कूलिंग सोसाइटी	i. आर.डी.लौंग
(B) पॉलिटिक्स ऑफ द फैमिली	ii. एस.बॉल्स और एच.गिंटिस
(C) एन्टी-सोशल फैमिली	iii. ईवान इलिच
(D) स्कूलिंग इन कैपिटलिस्ट अमेरिका	iv. एम.बेर्रट और एम.मैकींटोस

कूट :

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	iv	i	ii	iii
(c)	iii	i	iv	ii
(d)	ii	i	iii	iv

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तकें)		(लेखक)
डि-स्कूलिंग सोसाइटी	-	ईवान इलिच
पॉलिटिक्स ऑफ द फैमिली	-	आर. डी. लौंग
एन्टी सोशल फैमिली	-	एम. बर्रेट और एम. मैकींटोस
स्कूलिंग इन कैपिटलिस्ट अमेरिका	-	एस. बॉल्स और एच. गिंटिस

11. सूची- I को सूची- II से सुमेलित कीजिए :

सूची- I (शब्द)	सूची- II (विशेषताएँ)
(A) चर्च	i. सामान्यतः अधिक व्यक्तिपरक होता है और इसमें प्रखर परिभाषित विश्वास प्रणाली की कमी होती है।
(B) पंथ	ii. सामान्यतः रूढ़िवादी होता है लेकिन राज्य से निकट संबंध नहीं होता है।
(C) संप्रदाय	iii. प्रायः राज्य से निकट संबंध रखता है और धार्मिक सच्चाई पर तत्काल दावा करता है।
(D) पूजापद्धति	iv. कम रूढ़िवादी होता है और निम्न वर्ग से संबद्ध होता है।

कूट :

	A	B	C	D
(a)	iv	iii	ii	i
(b)	iii	iv	ii	i
(c)	ii	i	iv	iii
(d)	i	ii	iii	iv

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(शब्द)		(विशेषताएँ)
चर्च	-	प्राय : राज्य से निकट संबन्ध रखता है और धार्मिक सच्चाई पर तत्काल दावा करता है।
पंथ	-	कम रूढ़िवादी होता है और निम्न वर्ग से सम्बद्ध होता है।
सम्प्रदाय	-	सामान्यतः रूढ़िवादी होता है लेकिन राज्य से निकट सम्बन्ध नहीं होता है।
पूजा पद्धति	-	सामान्यतः अधिक व्यक्तिपरक होता है और इसमें प्रखर परिभाषित विश्वास प्रणाली की कमी होती है।

12. शक्ति के परिवर्तनशील जोड़ की संकल्पना इस धारणा पर आधारित है कि

(a) मूल्य सामंजस्य समाज के लिए अनिवार्य है।
(b) मूल्य विरोध समाज के लिए अनिवार्य है।
(c) मूल्य तटस्थता समाज के लिए अनिवार्य है।
(d) मूल्य समाज के लिए अनिवार्य है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (a) शक्ति के परिवर्तनशील जोड़ की संकल्पना (The Variable sum concept of power) का विकास पारसन्स द्वारा प्रतिपादित 'मूल्य सामंजस्य की धारणा' (Concept of Value consensus) के आधार पर हुआ, पारसन्स के अनुसार मूल्य सामंजस्य समाज के लिए अनिवार्य होता है।

13. राज्य यह सुनिश्चित करते हुए विभिन्न समूहों के बीच संतुलन बनाए रखता है कि सरकारी नीति पर उन सबका कुछ प्रभाव होता है, जो निम्नलिखित में सर्वोत्तम सुस्पष्टता से दिखाई देता है :

(a) समाजवादी लोकतंत्र (b) जनतांत्रिक लोकतंत्र
(c) बहुलतावादी लोकतंत्र (d) पारंपरिक लोकतंत्र

उत्तर (c)

14. सूची- I को सूची- II से सुमेलित कीजिए :

सूची- I (लेखक)	सूची- II (शब्दावली)
(A) वी.परेटो	i. शासी वर्ग
(B) जी.मोस्का	ii. गैर-शासी विशिष्ट-वर्ग
(C) आर.मिशल	iii. अल्प तंत्र का लौह नियम
(D) एस.ल्यूक्स	iv. त्रि-आयामी दृष्टिकोण

कूट :

	A	B	C	D
(a)	ii	iii	iv	i
(b)	ii	i	iii	iv
(c)	ii	iii	i	iv
(d)	ii	iv	i	iii

उत्तर (b) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

(लेखक)	(शब्दावली)
वी. परेटो	- गैर-शासी विशिष्ट-वर्ग
जी. मोस्का	- शासी वर्ग
आर. मिशल	- अल्प तंत्र का लौह नियम
एस. ल्यूक्स	- त्रि-आयामी दृष्टिकोण

15. सामाजिक संस्था का समुचित उदाहरण निम्नलिखित में से कौन सा है?

(a) बाजार (b) मजदूर संघ
(c) राजनीतिक दल (d) गैर-सरकारी संगठन

उत्तर (a) संस्था से केवल एक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है जबकि समाज से व्यक्ति के सभी आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। लेकिन बाजार संस्था का समुचित उदाहरण है। विकसित समाजों में सभी आवश्यकताओं की पूर्ति 'सम्पूर्ण संस्था' से होती है।

16. डाहरेन्डार्फ के अनुसार मार्क्स के वर्ग संघर्ष के सिद्धान्त को

(a) सार्वभौमिक रूप से अस्वीकार किया जाए।
(b) सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किया जाए।
(c) सामान्यतः संशोधित रूप में स्वीकार किया जाए।
(d) प्रसंगानुसार अस्वीकार, स्वीकार और संशोधित किया जाए।

उत्तर (d) डाहरेन्डार्फ के वर्ग संघर्ष सम्बन्धी विचारों से स्पष्ट होता है कि उन्होंने कई मामलों में मार्क्स के विचारों से असहमति प्रकट की है। उत्तर-पूँजीवाद समाजों में स्वामित्व एवं नियंत्रण एक ही हाथों में नहीं है। अतः मात्र आर्थिक आधार पर संघर्ष की व्याख्या असंगत और अपूर्ण है।

17. वह प्रक्रिया निम्नलिखित के रूप में जानी जाती है, जिसके द्वारा असहाय मानव शिशु को धीरे-धीरे आत्म-बोध होता है, उस संस्कृति का ज्ञान, कौशल प्राप्त होता है, जिसमें उसका जन्म हुआ हो :

(a) पुनः समाजीकरण (b) सामाजिक स्थिति
(c) समाजीकरण (d) समझ का अदान-प्रदान

उत्तर (c) गिडेन्स के अनुसार सीखने एवं आन्तरीकरण करने की प्रक्रिया ही समाजीकरण कहलाती है। जिनके द्वारा असहाय मानव शिशु को धीरे-2 आत्म बोध होता है, उस संस्कृति का ज्ञान, कौशल प्राप्त होता है जिसमें उसका जन्म हुआ हो।

18. संज्ञानात्मक विकास की अवस्थाएँ जो समाजीकरण से संबंधित हों, उनकी प्रस्थापना निम्नलिखित द्वारा की गई :

(a) एच.मीड (b) एस.फ्रॉयड
(c) सी.एच.कूले (d) जे.पियाजे

उत्तर (d) संज्ञानात्मक विकास की अवस्थायें जो सामाजीकरण से सम्बन्धित हो, उनकी प्रस्थापना जे. पियाजे द्वारा की गयी।

19. सूची- I को सूची- II से सुमेलित कीजिए तथा कूटों से सही उत्तर ढूँढ़िए :

सूची- I	सूची- II
(A) ई.दुर्खीम	i. द सोशल सिस्टम
(B) एम.वेबर	ii. द लिक्विड लव
(C) जे.बाउमैन	iii. द डिवीजन ऑफ लेबर इन सोसाइटी
(D) टी.पारसन्स	iv. द रिलीजन ऑफ इंडिया

कूट :

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	iii	iv	ii	i
(c)	ii	iii	iv	i
(d)	iv	iii	ii	i

उत्तर (b) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

ई.दुर्खीम	-	द डिवीजन ऑफ लेबर इन सोसाइटी
एम.वेबर	-	द रिलीजन ऑफ इंडिया
जे.बाउमैन	-.	द लिक्विड लव
टी.पारसन्स	-	द सोशल सिस्टम

20. सामाजिक स्तरीकरण की प्रणाली में सामाजिक पद कुछ गुणों पर आधारित हो सकते हैं जैसे

(a) वंशगत हों या सामाजिक रूप से निर्मित हों।
(b) आरोपित हों या अधिगृहीत हों।
(c) अधिगृहीत हों या सामाजिक रूप से निर्मित।
(d) आरोपित, अधिगृहीत या निर्मित हों। इनमें से कौन-सा सही है?

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (d) अगर पद आरोपित या निर्मित हो तो सामाजिक स्तरीकरण की प्रणाली में सामाजिक पद कुछ गुणों पर आधारित हो सकते हैं।

21. निम्नलिखित की सामाजिक स्थिति-
(a) जाति,लिंग और नृजातीय समूह जैविकीय निर्धारित हैं।
(b) जाति जैविक स्थिति है लेकिन लिंग और नृजाति समूह आर्थिक निर्धारित हैं।
(c) लिंग जैविकीय स्थिति है, जबकि जाति और नृजाति समूह सांस्कृतिक निर्धारित हैं।
(d) जाति,लिंग और नृजाति समूह सांस्कृतिक निर्धारित हैं।
उपरोक्त में से कौन सा सही है?

उत्तर (c) लिंग जैविकीय स्थिति है जबकि जाति, नृजाति समूह सांस्कृतिक हैं।

22. मार्क्स और डाहरेण्डॉर्फ के अनुसार एक सामाजिक समूह की असमान वर्ग स्थिति का निर्धारण निम्नलिखित में से किस रूप और सीमा तक किया जाता है, जिस पर उसका नियंत्रण होता है?
(a) क्रमशः आर्थिक और सांस्कृतिक संसाधन
(b) क्रमशः सांस्कृतिक और आर्थिक संसाधन
(c) क्रमशः आर्थिक और राजनीतिक संसाधन
(d) क्रमशः राजनीतिक और सांस्कृतिक संसाधन

उत्तर (c) मार्क्स और डाहरेन्डार्फ के अनुसार, एक सामाजिक समूह की असमान वर्ग स्थिति का निर्धारण क्रमशः आर्थिक और राजनीतिक संसाधन के रूप और सीमा तक किया जाता है, जिस पर उसका नियंत्रण होता है।

23. निम्नलिखित में से किस समाजशास्त्री ने बाजार और संपत्ति की स्थिति के रूप में सामाजिक वर्गों का विश्लेषण किया है?
(a) एम. वेबर (b) जे. गोल्डथॉर्पे
(c) ई. दुर्खीम (d) टी. पारसन्स

उत्तर (a) एम. वेबर ने बाजार और सम्पत्ति की स्थिति के रूप में सामाजिक वर्गों का विश्लेषण किया है।

24. कुछ अवधारणाएँ नीचे दी गई हैं : मार्क्स के सिद्धान्त में वर्ग और वर्ग संघर्ष के बारे में पारिभाषिक अवधारणा (अवधारणाएँ) है (हैं)
(i) प्रत्येक समाज आर्थिक सन्तुलन के स्तर पर आधारित है।
(ii) वर्ग असमानता वंशानुगत राजनीतिक और सामाजिक अन्याय के कारण होती है।
(iii) वर्ग संघर्ष समाज में वंशानुगत है।
(iv) आर्थिक असमानता वर्ग संघर्ष का मूल है।
(v) वर्ग संधि के माध्यम से वर्ग संघर्ष का समाधान किया जाता है।
निम्नलिखित में से सही अवधारणा का चयन कीजिए :
(a) (i) और (ii) (b) (i), (ii) और (iii)
(c) (ii), (iii) और (v) (d) (iii) और (iv)

उत्तर (d) वर्ग संघर्ष समाज में वंगानुगत है तथा आर्थिक असमानता वर्ग संघर्ष का मूल है।
मार्क्स के अनुसार प्रत्येक समाज में दो वर्ग पाया जाता है। जिसमें एक वर्ग शोषित और दूसरा वर्ग शोषक होता है, जिनमें संघर्ष होता है। मार्क्स इसी को वर्ग संघर्ष कहते हैं।

25. एक संस्कृति से दूसरी संस्कृति में विशेषताओं के पारेषण को समाजशास्त्र की शब्दावली में कहा जाता है
(a) परसंस्कृतिकरण (b) विस्तारण
(c) आत्मसातीकरण (d) संस्कृतिकरण

उत्तर (b) किसी वस्तु, विचार,पार्थिव-अपार्थिव तत्व,नवाचार आदि के अपने उत्पत्ति स्थल से अन्य क्षेत्रों में उत्तरोत्तर फैलने की प्रक्रिया को प्रसार कहते हैं। उदाहरणार्थ,सोलहवीं शताब्दी में चीन में सर्वप्रथम छापेखाने का आविष्कार हुआ था। बाद में वह तकनीक समस्त विश्व में फैल गई।

26. उद्विकासक्रम का चक्रीय सिद्धांत निम्नलिखित में से किसने प्रतिपादित किया है?
(a) टी. पारसन्स (b) ई. दुर्खीम
(c) ओ. स्पेंगलर (d) एच. स्पेंसर

उत्तर (c) ओ. स्पेंगलर ने उद्विकास का चक्रीय सिद्धान्त' का प्रतिपादन अपनी पुस्तक The declin of West में किया। इन्होनें आठ बड़ी सम्भ्यताओं का अध्ययन करके बताया कि सामाजिक जीवन का एक चक्र चलता है हम जहाँ से प्रारम्भ होते, फिर वहीं लौट कर आ जाते हैं।

27. उन सामाजिक प्रक्रियाओं की पहचान कीजिए जो सामाजिक ढाँचे के परिवर्तन से संबद्ध हैं :
(i) औद्योगिकीकरण
(ii) संस्कृतीकरण
(iii) आधुनिकीकरण
(iv) वैश्वीकरण
(v) अन्तः पीढ़ीगत संचलन
(vi) आंतर पीढ़ीगत संचलन
सही विकल्प का चयन कीजिए :
(a) (i) (ii) (iv)
(b) (i) (iii) (iv)
(c) (iv) (v) (vi)
(d) (i) (iii) (iv) (v)

उत्तर (b) औद्योगिकीकरण, आधुनिकीकरण तथा वैश्वीकरण की सामाजिक प्रक्रियायें सामाजिक ढाँचे के परिवर्तन से सम्बद्ध है।

28. आर.के. मर्टन के अनुसार व्यवस्था के अंगीकरण या समायोजन को कम करने वाले अवलोकित परिणाम हैं
(a) प्रकार्य (b) गैर-प्रकार्य
(c) दुष्प्रकार्य (d) प्रक्रियात्मक विकल्प

उत्तर (c) आर. के. मर्टन के अनुसार-व्यवस्था के अंगीकरण या समायोजन को कम करने वाला अवलोकित परिणाम ही दुष्प्रकार्य है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

29. निम्नलिखित में से ऐसी कौन सी पुस्तक है, जिसमें मानहीम ने ज्ञान के समाजशास्त्र का विचार प्रतिपादित किया है?
(a) विचारधारा का अंत
(b) इतिहास का अंत
(c) विचारधारा और आदर्श राज्य
(d) जर्मन विचारधारा

उत्तर (c) मानहीम ने ज्ञान के समाजशास्त्र का विचार अपनी पुस्तक 'विचारधारा और आदर्शराज्य' में किया है।

30. पूर्वानुमान का ऐसा कथन,जो सिद्धांत को यथार्थ से जोड़ने के प्रयास में चरों के बीच संबंधों का परीक्षण करने का आधार तैयार करता है,को कहा जाता है
(a) यादृच्छिक प्रतिदर्श (b) प्रश्नावली
(c) काल्पनिक (d) पूर्वधारणा

उत्तर (c) - पूर्वानुमान का ऐसा कथन,जो सिद्धांत को यथार्थ से जोड़ने के प्रयास में चरों के बीच संबंधों का परीक्षण करने का आधार तैयार करता है,को काल्पनिक कहा जाता है किसी सिद्धान्त से जुड़ी अवधारणाओं के बीच के संबंधों को अभिव्यक्त करने वाले अपरीक्षित कथन को प्राक्कल्पना या उपकल्पना कहते है।

31. उस तकनीक का नाम बताइए, जिसका उपयोग वास्तविक फील्ड कार्य आरंभ करने से पहले किया जाएगा :
(a) प्रायोगिक अध्ययन (b) जनसंख्या अध्ययन
(c) एकल अध्ययन (d) सर्वेक्षण

उत्तर (a) वास्तविक फील्ड कार्य आरम्भ करने से पहले प्रायोगिक अध्ययन (Pilot study) किया जाता है। इससे समय और धन की बचत होती है।

32. यहाँ दो कथन दिए जा रहे हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है, नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :
अभिकथन (A) : अनुसंधान अभिकल्प एक प्रकार का प्रारूप होता है,जो वास्तव में अनुसंधान करने से पहले तैयार किया जाता है।
तर्क (R) : कई अनुसंधान योजनाओं के ठोस निष्कर्ष नहीं निकल पाते हैं।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है,लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है,लेकिन (R) सही है।

उत्तर (b) शोध अभिकल्प अनुसंधान करने के लिए बनी हुई एक ऐसी परियोजना तथा संरचना है जिसके द्वारा शोध समस्याओं का उत्तर प्राप्त किया जा सकता है और यह भी सत्य है कि कई बार शोध अभिकल्प के ठोस परिणाम नहीं निकल पाते हैं। अतः अभिकथन (A) व (R) तर्क दोनों सही हैं। परन्तु (R), (A)की सही व्याख्या नहीं है।

33. कार्ल मार्क्स द्वारा प्रतिपादित सही तार्किक क्रम को पहचानिए :
(a) वर्ग अपने आप में, वर्ग अपने लिए, सामाजिक परिवर्तन, वर्ग संघर्ष
(b) वर्ग अपने आप में, वर्ग अपने लिए, वर्ग संघर्ष, सामाजिक परिवर्तन
(c) वर्ग अपने आप में,वर्ग संघर्ष, वर्ग अपने लिए, सामाजिक परिवर्तन
(d) वर्ग अपने लिए,वर्ग संघर्ष, वर्ग अपने आप में,सामाजिक परिवर्तन

उत्तर (b) कार्ल मार्क्स द्वारा प्रतिपादित सही तार्किक क्रम है-
वर्ग अपने आप में, वर्ग अपने लिए, वर्ग संघर्ष, सामाजिक परिवर्तन ।

34. रेन्डाल कॉलिन्स के विश्लेषण के सन्दर्भ में सही विकल्प बताइए :
(a) वृहद स्तर से मध्य स्तर और सूक्ष्म स्तर में जाने की सामाजिक प्रक्रियाएँ
(b) सूक्ष्म स्तर से मध्य स्तर और सूक्ष्म स्तर में जाने की प्रक्रियाएँ
(c) सूक्ष्म स्तर से वृहद स्तर में जाने की प्रक्रियाएँ
(d) वृहद स्तर से सूक्ष्म स्तर में जाने की प्रक्रियाएँ

उत्तर (d)

35. सूची- I को सूची- II से सुमेलित कीजिए :

सूची- I (योगदान)	सूची- II (उपागम)
(A) आर.के.मर्टन	i. संघर्ष प्रकार्यात्मकता
(B) टी.पारसन्स	ii. आवश्यक प्रकार्यात्मकता
(C) बी.मैलिनोवस्की	iii. विश्लेषणात्मक प्रकार्यात्मकता
(D) एल.कोसर	iv. अनुभूति मूलक प्रकार्यात्मकता

कूट :

	A	B	C	D
(a)	iii	iv	ii	i
(b)	iv	iii	ii	i
(c)	ii	iii	iv	i
(d)	iv	ii	iii	i

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(योगदान)		(उपागम)
आर.के.मर्टन	-	अनुभूति मूलक प्रकार्यात्मकता
टी. पारसंस	-	विश्लेषणात्मक प्रकार्यात्मकता
बी. मैलिनोवस्की	-	आवश्यक प्रकार्यात्मकता
एल. कोसर	-	संघर्ष प्रकार्यात्मकता

36. त्रिभुजन क्या है?
(a) अनुसंधान की गुणात्मक विधि का एक प्रकार
(b) गुणात्मक विश्लेषण का एक प्रकार
(c) गुणात्मक और मात्रात्मक विधियों का संमिश्रण
(d) गैर-प्रतिभागी अवलोकन का एक प्रकार

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (c) गुणात्मक और मात्रात्मक विधियों का समिश्रण ही त्रिभुजन है। जब कई प्रकार की अनुसंधान विधियों का उपयोग किसी एक घटना के अध्ययन के लिए किया जाता है तो उसे त्रिभुजन कहते हैं।

37. निम्नलिखित में से किसने सहसंबंध अंतर की विधि का उपयोग किया है?

(a) एम. वेबर (b) आर. डाहरेण्डॉर्फ
(c) ई. दुर्खीम (d) टी. पारसन्स

उत्तर (c) दुर्खीम ने अपनी पुस्तक 'द सुसाइड' (1987) में आत्महत्या का सिद्धान्त प्रस्तुत किया है। इसमें उन्होंने सहसम्बन्ध अन्तर विधि का प्रयोग किया है।

38. आँकड़ों की विश्वसनीयता का निहितार्थ है :

(a) एक ही सामग्री पर अन्वेषण की एक ही विधि का उपयोग एक ही परिणाम उत्पन्न करता है।
(b) भिन्न-भिन्न सामग्रियों पर अन्वेषण की भिन्न-भिन्न विधियों का उपयोग एक की परिणाम उत्पन्न करता है।
(c) एक ही सामग्री पर अन्वेषण की एक ही विधियों का उपयोग भिन्न-भिन्न परिणाम उत्पन्न करता है।
(d) भिन्न-भिन्न सामग्रियों पर अन्वेषण की एक ही विधि का उपयोग एक ही परिणाम उत्पन्न करता है।

उत्तर (a) आँकड़ो की विश्वसनीयता एक ही सामाग्री पर अन्वेषण की एक ही विधि का उपयोग एक ही परिणाम उत्पन्न करता है।

39. आमूल परिवर्तनकारी समाजशास्त्र निम्नलिखित में से किस समाजशास्त्रीय विचार-प्रणाली का समर्थन करता है?

(a) मार्क्सवादी
(b) प्रकार्यात्मक
(c) प्रतीकात्मक अंतः क्रियावादी
(d) प्रत्यक्षवादी

उत्तर (a) मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य आमूल (रेडिकल) परिवर्तन की बात करता है क्योंकि जब तक संरचनात्मक परिवर्तन नहीं होगा, तब तक समाज का विकास नहीं होगा। मार्क्स के अनुसार, समजिक परिवर्तन कुछ निश्चित वस्तुगत नियमों के अन्तर्गत ही होते है। किसी काल्पनिक विश्वात्मा अथवा आध्यात्मिक शक्ति के द्वारा नहीं होते।

40. सूची- I की मदों को सूची- II की मदों के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची- I (अवधारणा)	सूची- II (लेखक)
(A) मिथ्या अंतश्चेतना	i. मैलिनोवस्की
(B) जादू	ii. मार्क्स
(C) विवेकसम्मत कार्य	iii. दुर्खीम
(D) नैतिक समुदाय	iv. वेबर

कूट :

	A	B	C	D
(a)	i	iii	iv	ii
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	iii	i	ii	iv
(d)	iv	ii	iii	i

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)	(लेखक)
मिथ्या अंतश्चेतना	- मार्क्स
जादू	- मैलिनोवस्की
विवेक सम्मत कार्य	- वेबर
नैतिक समुदाय	- दुर्खीम

41. अभिकथन (A) : कार्ल मार्क्स ने सभी पूँजीवादी समाजों का सर्वहारा वर्ग के शोषण पर आधारित माना है।
कारण (R) : सर्वहारा वर्ग में गरीबी नहीं बढ़ी है।

कूट :

(a) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(b) (R) सही है, परन्तु (A) गलत है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।

उत्तर (a) पूँजीवादी व्यवस्था में उत्पादन समाज के हित और उपभोग को ध्यान में न रखकर विशेष रूप से व्यक्तिगत लाभ के लिए होता है। कार्ल मार्क्स ने सभी पूँजीवादी समाज को सर्वहारा वर्ग के शोषण पर आधारित माना है अतः A सही है परन्तु R गलत है।

42. सामाजिक प्रणाली को अक्षुण्ण रखने के लिए निम्नलिखित में से कौन से कार्य आवश्यक हैं?
नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(i) अनुकूलन
(ii) सामाजिक क्रिया
(iii) एकीकरण
(iv) लक्ष्य प्राप्ति
(v) प्रच्छन्नता (प्रतिमान संरक्षण)
(vi) सामाजीकरण

कूट :

(a) (i) (ii) (iii) तथा (iv)
(b) (iv) (v) (i) तथा (vi)
(c) (i) (iii) (iv) तथा (v)
(d) (i) (ii) (iv) तथा (v)

उत्तर (c) पारसन्स के अनुसार कुछ ऐसे प्रकार्य हैं जिनके बिना सामाजिक प्रणाली जीवित नहीं रह सकती। इसे पारसन्स ने "प्रकार्यात्मक पूर्वपेक्षाएँ (Functional prerequisites) कहा है। इस प्रकार की चार प्रकार्यात्मक पूर्वपेक्षाएँ हैं, जो निम्नलिखित हैं- अनुकूलन, लक्ष्य प्राप्ति, एकीकरण, विन्यास अनुरक्षण (प्रतिमान संरक्षण)"।

43. किसी परिघटना, अथवा प्रक्रिया अथवा घटना जो इसकी ऐतिहासिकता तथा व्यापक समाज के साथ अंतःसंबंध पर संकेंद्रित होती है, के गहन अध्ययन को कहते हैं :

(a) अंतर्वस्तु अध्ययन (b) सहभागी अवलोकन
(c) अंतर्वस्तु विश्लेषण (d) एकल अध्ययन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (d) एकल अध्ययन किसी परिघटना अथवा प्रक्रिया अथवा घटना जो इसको ऐतिहासिकता तथा व्यापकता समाज के साथ अन्तःसंबंध पर संकेन्द्रित होती है। एकल अध्ययन गुणात्मक विश्लेषण का एक स्वरूप है, जिसमें कि व्यक्ति, परिस्थिति या संख्या का बहुत गहनता से सम्पूर्ण अवलोकन किया जाता है।

44. सामाजिक शोध मे निम्नलिखित में से कौन नैतिकतापरक विचारणीय मुद्दा नहीं है?

(a) आँकड़ा-संग्रह करते समय उत्तरदाताओं को शारीरिक तथा मनोवैज्ञानिक क्षति से बचाना।
(b) उत्तरदाताओं की गोपनीयता तथा निजता को सुरक्षित करना।
(c) सूचना एकत्रित करने के लिए उत्तरदाताओं की सहमति प्राप्त करना।
(d) छल-पूर्वक आँकड़ा प्राप्त करना।

उत्तर (d) सामाजिक शोध आँकड़ों पर आधारित होता है। अनैतिकरूप से प्राप्त आँकड़े समाज का सही वैज्ञानिक अध्ययन नहीं है। इसलिए वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन सही आँकड़े पर अपेक्षित है।

45. निम्नलिखित में से कौन सहसंबंध का मापन नहीं है?

(a) काई-स्क्वायर (b) छात्र का टी-टेस्ट
(c) माध्य प्रकीर्णन (d) उत्पाद-गति गुणांक

उत्तर (c) माध्य प्रकीर्णन सहसम्बन्ध का मापन नहीं है। सह सम्बन्ध दो विशेषताओं के मध्य पायी जाने वाली पारस्परिक सम्बन्ध की प्रकृति को कहते हैं। यह पारस्परिक सम्बन्ध इस प्रकार का होता है कि एक विशेषता में परिवर्तन होने पर दूसरी विशेषता में भी परिवर्तन हो जाता है। सह सम्बन्ध की गणना के लिए मुख्य रूप से तीन विधियाँ अपनायी जातीहै।
(i) क्रम अन्तर विधि (ii) प्रोडक्ट मोमण्ट विधि (iii) प्राप्ति विधि

46. कमला एक महाविद्यालय में पढ़ाती है, एक किटी पार्टी आयोजित करती है, अपनी पुत्री की देख-भाल करती है, तथा महिला संगठन की बैठक का सभापतित्व करती है। उसकी भूमिका का वर्णन करने के लिए निम्नलिखित में से किस अवधारणा का उपयोग किया जाता है?

(a) भूमिका संघर्ष (b) भूमिका पुंज
(c) बहुल भूमिकाएँ (d) भूमिका निर्माण

उत्तर (c) बहुविध भूमिका में विविध भूमिकाओं का सम्बन्ध विशिष्ट प्रस्थिति से सम्बन्धित भूमिकाओं से नहीं है, बल्कि अनेक प्रस्थिति से सम्बन्धित भूमिकाओं से होता है।

47. अवधारणाओं (सूची- I) को लेखकों (सूची- II) के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए :

सूची- I (अवधारणाएँ)	सूची- II (लेखक)
(A) प्रत्याशित सामाजीकरण	i. आर. के. मर्टन
(B) इंद्रियपरक संस्कृति	ii. पी. सोरोकिन
(C) अवशिष्ट	iii. वी. परेटो
(D) लघु समुदाय	iv. आर. रैडफील्ड

कूट :

	A	B	C	D
(a)	i	iii	i	iv
(b)	iii	ii	iv	i
(c)	ii	iv	iii	i
(d)	i	ii	iii	iv

उत्तर (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणाएँ)	(लेखक)
प्रत्याशित सामाजीकरण	- आर. के. मर्टन
इंद्रियपरक संस्कृति	- पी. सोरोकिन
अवशिष्ट	- वी. परेटो
लघु समुदाय	- आर. रेडफील्ड

48. 'वर्त-रेशनल' की अवधारणा किससे संबंधित है?

(a) एम. वेबर
(b) पी. सोरोकिन
(c) टी. पारसन्स
(d) जे. हेबरमास

उत्तर (a) 'वर्त-रेशनल' (मूल्य सूचक) की अवधारणा का सम्बन्ध मैक्स वेबर से है। वेबर के समाज शास्त्र का एक मुख्य तत्व तार्किकता (रेशनलिटी) या तार्किकीकरण रहा है।

49. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सुमेलित नहीं है?

(a) सामाजिक उद्विकास - एच.स्पेंसर
(b) व्याख्यात्मक बोध - एम.वेबर
(c) किरायाजीवी वर्ग - वी.परेटो
(d) पावन-अपावन - ए.कॉम्टे

उत्तर (d) पावन-अपावन -इमाइल दुर्खीम से सम्बंधित है न कि ए० कॉम्ट से। दुर्खीम के अनुसार धर्म पवित्र एवं अपवित्र वस्तुओं, व्यहारों व कार्यों को पृथक् करने वाली एक सामाजिक संस्था है, जिसका मुख्य उद्देश्य समूह के सदस्यों के सामाजिक जीवन को अपवित्र वस्तुओं, व्यवहारों व कार्यों से पृथक् रहने का प्रयास करता है। अतः विकल्प गलत d है।

50. सामाजिक परिवर्तन के निम्नलिखित विश्लेषकों में से किसने 'किरायाजीवी' और 'सट्टेबाज' पदों का प्रयोग किया है?

(a) टी. वेब्लेन
(b) कार्ल मार्क्स
(c) वी. परेटो
(d) ए. जे. टॉयनबी

उत्तर (c) इटली निवासी विल्फ्रेडो परेटो मूलरूप में एक इंजीनियर थे जो बाद में अर्थशास्त्री और समाजशास्त्री बन गये। उन्होंने सामाजिक परिवर्तन के लिए किरायाजीवी और सट्टेबाज पदों का प्रयोग किया था। सट्टेबाज वर्ग के लोगों की आय अनिश्चित होती है- कभी कम कभी ज्यादा। इस वर्ग के लोग अपनी बुद्धि के द्वारा धन कमाते है। इसके विपरीत किराया जीवी वर्ग की आय निश्चित होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2013
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश : इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित में से किसे उत्तर आधुनिकतावादी विचारक नहीं समझा जाता है?

(a) जे. अलेक्जेंडर (b) जे. दरिदा
(c) एफ. जेमसन (d) जे.एफ. ल्योटार्ड

उत्तर (a) – अलेक्जेंडर की गणना नववामपंथी मार्क्सवादियों और नवप्रकार्यवादियों दोनों में की जाती है। अलेक्जेंडर ने अपनी पुस्तक "नियो फंक्शनलिज्म" (1985) में नवप्रकार्यवाद को प्रस्तुत किया है। नव प्रकार्यवाद, प्रकार्यवाद की वह शाखा है जो स्व-आलोचना के द्वारा प्रकार्यवाद के बौद्धिक क्षेत्र का विकास चाहती है, साथ ही इसके सैद्धान्तिक केन्द्र भी बनाए रखना चाहती है।

स्रोत–समाजशास्त्रीय चिंतक एवं सिद्धांतकार–हरिकृष्ण रावत

2. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर दीजिए :

सूची-I (पुस्तकें)	सूची-II (लेखक)
A. द पोस्ट मॉर्डन कंडीशन	1. जे. दरिदा
B. राइटिंग एण्ड डिफरेंस	2. जे.एफ.ल्योटार्ड
C. पोस्ट-मॉडर्निज्म और द कल्चरल लॉजिक ऑफ लेट कैपिटलिज्म	3. एफ. फोकॉल्ट
D. द आर्कियोलोजी ऑफ नॉलेज एण्ड द डिस्कोर्स ऑन लैंग्वेज	4. एफ. जेमसन

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	3	1	4
(b)	3	1	2	4
(c)	2	1	4	3
(d)	1	2	3	4

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तकें)		(लेखक)
द पोस्ट मॉर्डन कंडीशन	-	जे.एफ.ल्योटार्ड
राइटिंग एण्ड डिफरेंस	-	जे. दरिदा
पोस्ट-मॉडर्निज्म और द कल्चरल लॉजिक ऑफ लेट कैपिटलिज्म	-	एम. जेमसन
द आर्कियोलोजी ऑफ नॉलेज एण्ड द डिस्कोर्स ऑन लैंग्वेज	-	एफ. फोकॉल्ट

3. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर दीजिए :

सूची-I (बाँध)	सूची-II (राज्य)
A. सरदार सरोवर	1. ओडिशा
B. कोयल कैरो	2. उत्तराखंड
C. मचकुंड	3. गुजरात
D. टिहरी	4. झारखंड

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	4	1	2
(b)	2	1	3	4
(c)	1	2	3	4
(d)	4	2	1	3

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(बाँध)		(राज्य)
सरदार सरोवर	-	गुजरात
कोयल कैरो	-	झारखंड
मंचकुण्ड	-	ओडिशा
टिहरी	-	उत्तराखंड

4. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर दीजिए :

सूची-I (पुस्तकें)	सूची-II (लेखक)
A. द कमिंग ऑफ पोस्ट इंडस्ट्रियल सोसाइटी	1. ए. टॉफ्लर
B. द पोस्ट कैपिटलिस्ट सोसाइटी	2. डी. बेल
C. द थर्ड वेव	3. एम. कास्टेल
D. द इंफॉर्मेशन एज	4. पी. ड्रकर

कूट :

	A	B	C	d
(a)	1	3	4	2
(b)	2	1	3	4
(c)	3	2	4	1
(d)	2	4	1	3

उत्तर (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तकें)		(लेखक)
द कमिंग ऑफ पोस्ट इंडस्ट्रियल सोसाइटी	-	डी. बेल
द पोस्ट कैपिटलिस्ट सोसाइटी	-	पी. ड्रकर
द थर्ड वेव	-	ए० टॉफ्लर
द इन्फॉर्मेशन एज	-	एम. कास्टेल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

5. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर दीजिए :

सूची-I (पुस्तकें)	सूची-II (लेखक)
A. हू वर द शूद्राज	1. एल. डुमोंट
B. सोशिएल बैकग्राउंड ऑफ इंडियन नेशनलिज्म	2. जी. एस. घुर्ये
C. होमो हिरारकिक्स	3. ए. आर. देसाई
D. क्लास, कास्ट एण्ड ऑक्युपेशन	4. बी. आर. अम्बेडकर

कूट :

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	3	4	2	1
(c)	2	1	3	4
(d)	4	3	1	2

उत्तर (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तकें)		(लेखक)
हू वर द शूद्राज	-	बी. आर. अम्बेडकर
सोशिएल बैकग्राउंड ऑफ इंडियन नेशनलिज्म	-	ए. आर. देसाई
होमो हिरारकिक्स्	-	लुई ड्युमा
क्लास, कास्ट एण्ड ऑक्यूपेशन	-	जी. एस. घुर्ये

6. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर दीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. सांस्कृतिक विविधता	1. बी. आर. अंबेडकर
B. सामाजिक न्याय	2. एल. डुमोंट
C. पवित्रता और प्रदूषण	3. ए. आर. देसाई
D. स्वतंत्रता आंदोलन	4. डी. पी. मुखर्जी

कूट :

	A	B	C	D
(a)	4	1	2	3
(b)	1	2	4	3
(c)	3	1	2	4
(d)	2	3	1	4

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

सांस्कृतिक विविधता	-	डी. पी. मुखर्जी
सामाजिक न्याय	-	बी. आर. अम्बेडकर
पवित्रता और प्रदूषण	-	एल. डयुमोंट
स्वतंत्रता आंदोलन	-	ए. आर. देसाई

7. अभिकथन (A) : स्नातक धीरे-धीरे यह अपेक्षा करेंगे कि उनके संपूर्ण व्यावसायिक जीवन में आवश्यक ज्ञान और कौशलों का अर्जन, अधिगम और उपयोग के लिए तीन-स्तरीय शिक्षा संस्थाएँ हों।

कारण (R) : हालांकि उन्नत ज्ञान के उत्पादन और संगठन के लिए एक ढाँचे के रूप में उच्च शिक्षा पहले ही औपचारिक तौर पर तैयार कर दी गई है, तथापि ज्ञान की अर्थव्यवस्था और वैश्वीकरण के महत्त्व के कारण उच्च शिक्षा की नई माँग आई है।

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर बताइए :

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) का सही कारण नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(d) (R) सही है, लेकिन (A) गलत है।

उत्तर (c) – ज्ञान और कौशलों का अर्जन, अधिगम तथा उपयोग के लिए त्रिस्तरीय शिक्षा विकासोन्मुखी तथा रोजगार परख है तथा वैश्वीकरण ज्ञान की अर्थ व्यवस्था का ही प्रमुख देन है। अतः अभिकथन (A) सत्य है तथा तर्क (R) गलत है।

8. 'Anomie' शब्द का प्रयोग निम्नलिखित में से किसने किया?

(i) एम. वेबर (ii) के. मार्क्स
(iii) ई. दुर्खीम (iv) आर. के. मर्टन

सही संयोजन को पहचानिए :

(a) (ii) तथा (iii) (b) (i) तथा (ii)
(c) (iv) तथा (i) (d) (iii) तथा (iv)

उत्तर (d) –'Anomie' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम फ्रांसीसी समाजशास्त्री इमाईल दुर्खीम ने किया तत्पश्चात आर. के. मर्टन ने इसका प्रयोग व्यापक स्तर पर किया।
जब समाज के मानदण्डों का अभाव होने लगे या वह भंग हो जाय अथवा व्यापक स्तर पर अव्यवस्था फैल जाये तब जो असमंजस और तनाव की स्थिति उत्पन्न होती है उसे मानकशून्यता या मर्यादा विहीनता अथवा Anomie कहते हैं।

9. अभिकथन (A) : विस्थापन, विकास के संसूचकों में से एक है।

कारण (R) : विस्थापन, दुःख दारिद्र तथा अन्य समस्याओं से लोगों के ग्रसित होने का कारण बनता है।

सही कूट चुनिए :

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर (d) मानव अभावबोध से पीड़ित होने की वजह से विस्थापित होते हैं और विस्थापन की मुख्य वजह संघर्ष है जो गरीबी व अन्य समस्याओं की सूचक है अतः A गलत है तथा R सही है।

10. अभिकथन (A) : जो समाज विसामान्य व्यवहार के प्रति कुछ मात्रा तक सहिष्णु है वह सामाजिक विघटन से ग्रसित नहीं होता।

कारण (R) : विसामान्य व्यवहार समाज में नैतिक विनियमन के अभाव का परिणाम है।

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (R) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर (b) किसी सुसंगत व्यवस्था तथा उसकी क्रियाशीलता की योजना के भंग हो या टूट जाने की प्रक्रिया विसंगठन अथवा विघटन कहलाती है, जो नैतिक विनियमन के अभाव का परिणाम है अतः अभिकथन A तथा R दोनों सही है परन्तु R, A की सही स्पष्टीकरण नहीं है।

11. ई. सदरलैंड ने निम्नलिखित में से किस सिद्धांत का प्रतिपादन किया?
(a) ब्लू कॉलर अपराध (b) डाकुओं द्वारा अपराध
(c) व्हाइट कॉलर अपराध (d) साइबर-अपराध

उत्तर (c) वर्ष 1939 में सदरलैण्ड ने सर्वप्रथम ह्वाइट कॉलर अपराध सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। उन्होंने कहा कि व्हाइट कॉलर अपराध ऐसे अपराध हैं जो उच्च सामाजिक, आर्थिक प्रस्थिति वाले व्यक्तियों द्वारा अपने पेशे-धन्धे की क्रिया कलापों के दौरान आपराधिक कानूनों के उल्लंघन करके किए जाते हैं।

12. सभी देश जनसांख्यिकीय संक्रमण की विभिन्न अवस्थाओं से गुजरते हैं। निम्नलिखित में से कौन एक ऐसी अवस्था नहीं है?
(a) जनसंख्या विस्फोट (b) स्थिर स्थिति
(c) जनसंख्या स्थिरता (d) इष्टतम अवस्था

उत्तर (d) स्वीकृत एवं मान्यता प्राप्त सामाजिक लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा उन्हे बनाये रखने की दृष्टि से यथेष्ठ मात्रा वाली जनसंख्या को इष्टतम जनसंख्या कहते है। जनसंख्या के इष्टतम होने पर प्रति व्यक्ति आय अधिकतम होती है किसी समाज की इष्टतम जनसंख्या उन कारकों के साथ बदलती रहती है। जिनके द्वारा सम्पूर्ण सामाजिक प्रतिमान का निर्धारण होता है।

13. भारत ने किस वर्ष में जनसंख्या की समस्या को पहचाना तथा परिवार नियोजन के लिए सरकारी राष्ट्रीय कार्यक्रम अपनाया?
(a) 1950 (b) 1952
(c) 1955 (d) 1975

उत्तर (b) भारत विश्व का पहला देश है जिसने सर्वप्रथम राष्ट्रीय स्तर पर अपना जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम 1952 ई0 में प्रारम्भ किया। भारत ने सर्वप्रथम 1951 में जनसंख्या नीति की घोषणा की।

14. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
A. उच्च प्रजननता-उच्च मृत्यु संख्या	1. विकसित समाज
B. उच्च प्रजननता-निम्न मृत्यु संख्या	2. आदिम समाज
C. निम्न प्रजननता-निम्न मृत्यु संख्या	3. विकासशील समाज
D. निम्न प्रजननता-नगण्य मृत्यु संख्या	4. उच्च विकसित समाज

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	4	2	3
(b)	4	2	3	1
(c)	3	2	4	1
(d)	2	3	1	4

उत्तर (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–
उच्च प्रजननता - उच्च मृत्यु संख्या - आदिम समाज
उच्च प्रजननता - निम्न मृत्यु संख्या - विकासशील समाज
निम्न प्रजननता - निम्न मृत्यु संख्या - विकसित समाज
निम्न प्रजननता - नगण्य मृत्यु संख्या - उच्चविकसित समाज

15. निम्नलिखित में से किस दशक में भारत की जनसंख्या के आकार में पूर्ण ह्रास हुआ था?
(a) 1971 - 1981 (b) 2001 - 2011
(c) 1931 - 1941 (d) 1901 - 1911

उत्तर (d) वर्ष 1901 – 1911 में भारत की जनसंख्या के आकार में पूर्ण ह्रास हुआ था।

16. शिशु-मृत्यु से सम्बन्धित निम्नलिखित में से कौन से कारक हैं?
(i) जन्म के समय कम वजन
(ii) अस्पताल में प्रसव-सुविधा का अभाव
(iii) गर्भवती माता की पोषणपरक स्थिति
(iv) गर्भ-निरोधी उपायों का प्रयोग

कूट :
(a) (i), (iii), (iv) (b) (i), (ii), (iv)
(c) (ii), (iii), (iv) (d) (i), (ii), (iii)

उत्तर (d) - शिशु-मृत्यु से सम्बंधित कारक जन्म के समय कम वजन, अस्पताल में प्रसव-सुविधा का अभाव तथा गर्भवती माता की पोषणपरक स्थिति है। शिशु मृत्युदर से अभिप्राय है, आयु के प्रथम वर्ष में मृत्यु।

17. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I (प्रमुख चिंतन)	सूची-II (व्यक्ति)
A. संसाधन, जनसंख्या में वृद्धि की सीमा तय करते हैं।	1. जूलियन एल. साइमन
B. मनुष्य अंतिम संसाधन हैं।	2. टी.आर. माल्थस
C. गर्भ निरोधक सर्वोत्तम विकास है।	3. प्लेटो
D. लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिए जनसंख्या नियंत्रण अनिवार्य है।	4. कर्णसिंह

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	4	3	2
(b)	2	1	4	3
(c)	4	2	1	3
(d)	3	1	2	4

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(प्रमुख चिंतन)	(व्यक्ति)
संसाधन, जनसंख्या में वृद्धि की सीमा तय करते हैं।	- टी. आर. माल्थस
मनुष्य अंतिम संसाधन हैं।	- जूलियन एल. साइमन
गर्भ निरोधक सर्वोत्तम विकास है।	- कर्णसिंह
लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिए जनसंख्या नियंत्रण अनिवार्य है	- प्लेटो

18. ए.आर. देसाई के अनुसार, राष्ट्रवाद के विकास के दूसरे चरण को (वर्ष 1885 से 1905) किसके द्वारा चित्रित किया गया है?

(a) उद्योग विकास (b) समाजवाद का प्रभाव
(c) खेतिहरों की भागेदारी (d) स्वशासन

उत्तर (a) ए. आर. देसाई के अनुसार, राष्ट्रवाद के विकास के दूसरे चरण को (वर्ष 1885-1905) उद्योग विकास के द्वारा चित्रित किया गया है। इस चरण में उदारवादी राजनीति एवं स्वदेशी के कारण उद्योग पर काफी प्रभाव पड़ा। देसाई ने अपनी पुस्तक 'Social Background of Indian Nationalism' में ब्रिटिश सरकार के अंतर्गत 'भारतीय राष्ट्रवाद' के उभरने के निम्नलिखित पाँच चरणों का उल्लेख किया है–

प्रथम चरण – 1885 तक
द्वितीय चरण – 1885-1905 तक
तृतीय चरण – 1905-1918 तक
चतुर्थ चरण – 1918-1934 तक
पंचम चरण – 1934-1939 तक

19. ए.आर. देसाई ने भारतीय राष्ट्रवाद के उत्थान के बहुत से कारकों का उल्लेख किया है। इन कारकों के सही सेट को पहचानिए :

(i) ब्रिटिशों द्वारा बनाई गई कृषीय और औद्योगिक नीतियाँ
(ii) संप्रेषण के साधन
(iii) राष्ट्रीय सुधार आन्दोलन
(iv) मुद्रण माध्यम
(v) आधुनिक निरपेक्ष शिक्षा
(vi) इलेक्ट्रॉनिक संचार साधन

नीचे दिए गए कोड के प्रयोग से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(a) (i), (ii), (iii) और (vi)
(b) (i), (ii), (iii), (iv) और (v)
(c) (i), (iii), (iv) और (vi)
(d) (i), (ii), (iii), (iv), (v) और (vi)

उत्तर (b) ए.आर. देसाई ने अपनी पुस्तक "सोशल बैकग्राउण्ड ऑफ इण्डियन नेशनलिज्म" में भारतीय समाज के रूपान्तरण तथा इसके परिणाम स्वरूप भारतीय राष्ट्रवाद के विभिन्न स्वरूपों अर्थात् सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, आर्थिक और राजनीतिक स्वरूपों के उत्थान का विस्तृत उल्लेख किया है। प्रश्नगत भारतीय राष्ट्रवाद के उत्थान के कारकों में इलेक्ट्रॉनिक संचार साधन नहीं है।

20. निम्न में से जे. हैबरमास द्वारा स्पष्ट किए गए कार्यों के प्रकार कौन से हैं?

(i) विवेकपूर्ण (ii) भावुक
(iii) सोद्देश्यवादी (iv) नियामक
(v) नाटकीय (vi) अभिव्यक्तिशील

नीचे दिए गए कोड के प्रयोग से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(a) (i), (ii), (iv) और (vi)
(b) (ii), (iii), (v) और (vi)
(c) (iii), (iv), (v) और (vi)
(d) (i), (iv), (v) और (vi)

उत्तर (c) जे. हैबरमास ने संचारात्मक क्रिया का सिद्धान्त के चार प्रकारों का उल्लेख किया है जो क्रमशः है- उद्देश्यवादी, मानदण्ड अथवा नियामक, नाटकीय अथवा अभिनयशास्त्रीय एवं संरचनात्मक अथवा अभिव्यक्तिशील।

21. ए. गिडेन्स ने तीन प्रकार के नियमों और संसाधनों और तदनुरूपी प्रक्रियाओं की व्याख्या की है। निम्नलिखित में से सही मेल की पहचान करें :

	नियम और संसाधन		प्रक्रिया
A.	नियामक	1.	अर्थ
B.	विभाजन और प्राधिकृत	2.	वैधीकरण
C.	व्याख्यात्मक	3.	प्रभुत्व

दिए गए कोड से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

	A	B	C
(a)	1	2	3
(b)	1	3	2
(c)	3	2	1
(d)	2	3	1

उत्तर (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

नियम और संसाधन		प्रक्रिया
नियामक	-	वैधीकरण
विभाजन और प्राधिकृत	-	प्रभुत्व
व्याख्यात्मक	-	अर्थ

22. ए. गिडेन्स के अनुसार संरचना क्या है?

(a) अभिनेताओं के व्यवहार के प्रतिमान और मानक
(b) अन्योन्य क्रिया के परिप्रेक्ष्य में अभिनेता के नियम और संसाधन
(c) मूल्य और आदर्श जो मनुष्य के आचरण को विनियमित करते हैं
(d) सामाजिक अन्योन्य क्रिया के दौरान बनने वाले ग्रुप और समूह

उत्तर (b) – गिडेन्स के अनुसार अन्योन्य क्रिया के परिप्रेक्ष्य में अभिनेता के नियम और संसाधन है। गिडेन्स का बहुत बड़ा योगदान यह है कि उन्होंने संरचनात्मक और सामाजिक क्रिया के इन दो उपागमों को सबसे पहली बार जोड़ने का प्रयास किया।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

23. निम्नलिखित में से कौन सा कथन नृजाति प्रणाली विज्ञान के दृष्टिकोण का सही वर्णन करता है?

(a) "सम्पूर्ण कार्य-कारण व्याख्या के लिए यह निर्धारित करना आवश्यक होता है कि सामाजिक क्रिया के उद्देश्यों को किससे बढ़ावा मिला है।"
(b) "समाज के सदस्यों को सामाजिक जीवन व्यवस्थित केवल इसलिए लगता है क्योंकि सदस्य सामाजिक जीवन की रचना में सक्रिय रूप से लगे हैं।"
(c) "विभिन्नता समकालीन प्रचलन में है। हम उस युग में प्रवेश कर चुके हैं जहाँ कुछ भी घटित होता रहता है।"
(d) "सामाजिक संस्थानों के प्रभाव को समाज और जीव के बीच सदृश्यता के रूप से स्पष्ट किया जा सकता है।"

उत्तर (b) – गारफिन्केल पहले विचारक थे जिन्होंने जनविधि (Ethnomethodology) सिद्धांत को प्रतिपादित किया। देखा जाय तो गारफिंकल पारस्परिक क्रिया सिद्धांत की परम्परा में आते हैं। वे दिन-प्रतिदिन में गुजरने वाली सूक्ष्म घटनाओं को देखकर सिद्धांत निर्माण करते हैं। गारफिंकल मनोवैज्ञानिक नहीं थे। वे प्रकार्यवाद के घोर विरोधी थे।

24. ई. गॉफमैन द्वारा निम्नलिखित में से कौन से प्राथमिक फ्रेमों का प्रयोग किया गया है?

(i) प्राकृतिक फ्रेम (ii) सांस्कृतिक फ्रेम
(iii) सामाजिक फ्रेम (iv) वास्तविक फ्रेम

नीचे दिए गए कोड के प्रयोग से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(a) (i) और (iv) (b) (i) और (ii)
(c) (i) और (iii) (d) (ii) और (iii)

उत्तर (c) – ई. गॉफमैन अव्वल दर्जे के पारस्परिक क्रियावादी सिद्धान्तवेत्ता थे। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'Frame analysis' में इस सन्दर्भ की चर्चा की। गॉफमैन की अध्ययन विधि अवलोकन थी। उन्होंने समाज को समझने के लिए 3 फ्रेमों का प्रयोग किया है। प्राथमिक फ्रेमों के अन्तर्गत – (1) प्राकृतिक फ्रेम, (2) सामाजिक फ्रेम को रखा।

25. जे. हैबरमास का जीवन-विश्व के उपनिवेशन से अभिप्राय है

(a) विकासशील राष्ट्रों का विकसित राष्ट्रों द्वारा अधीनीकरण।
(b) समाज और संस्कृति का अर्थ-व्यवस्था और राज्य व्यवस्था द्वारा अधीनीकरण।
(c) समाज की संस्कृति का वैश्वीकरण द्वारा अधीनीकरण।
(d) सांस्कृतिक दृष्टिकोण का वैशिवक पूँजीपति वर्ग द्वारा अधीनीकरण।

उत्तर (b) – हैबरमास एक जर्मन समाजशास्त्री हैं। इनका सरोकार फ्रैंकफर्ट सम्प्रदाय से रहा है। इन पर कार्लमार्क्स का प्रभाव बहुत अधिक था। उनका कहना है कि जीवन-विश्व उपनिवेशन समाज और संस्कृति की अर्थव्यवस्था और राज्य व्यवस्था द्वारा अधीनीकरण है।

26. एल. अल्थूसर ने कार्ल मार्क्स की ग्रन्थ रचनाओं को ज्ञानशास्त्र के अवरोध के आधार पर वर्गीकृत किया है। मार्क्स के लेखों के ज्ञानशास्त्र संबंधी चरणों को पहचानिए।

(i) युवा मार्क्स (ii) परिपक्व मार्क्स
(iii) पारम्परिक मार्क्स (iv) अपरिपक्व मार्क्स
(v) रूढ़िवादी मार्क्स (vi) क्रान्तिकारी मार्क्स

नीचे दिए गए कोड से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(a) (i) और (ii) (b) (ii) और (iii)
(c) (v) और (vi) (d) (ii) और (iv)

उत्तर (a) – एल. अल्थूजर कहते हैं कि समाज में जो अधिपत्य आता है इसका कारण केवल आर्थिक नहीं है। यहाँ मार्क्स गलत थे। इस अधिपत्य का कारण – अर्थव्यवस्था राजनीति और विचारधारा का गैर-बराबर विकास है। उन्होंने मार्क्स की व्याख्या अचेतन मानसिक संरचनाओं के माध्यम से की है, और उन्होनें कार्ल मार्क्स की ग्रन्थ रचनाओं को ज्ञानशास्त्र के अवरोध के आधार पर वर्गीकृत किया, और मार्क्स के लेखों के ज्ञानशास्त्र संबंधी चरणों को दो भागों में बाँटा – (i) युवा मार्क्स, (ii) परिपक्व मार्क्स

27. ई. गॉफमैन ने अपने कार्यों में निम्नलिखित में से किन अवधारणाओं का प्रयोग किया है?

(i) अकेन्द्रित अन्योन्य क्रिया (ii) केन्द्रित अन्योन्य क्रिया
(iii) सामना करना (iv) अग्र क्षेत्र
(v) पश्च क्षेत्र (vi) प्रभाव प्रबन्धन

(a) (ii), (iii), (iv) और (v)
(b) (i), (ii), (iii), (iv), (v) और (vi)
(c) (ii), (iii), (iv), (v) और (vi)
(d) (iii), (iv), (v) और (vi)

उत्तर (b) –ई. गॉफमैन ने अपने कार्यों में से अकेन्द्रित अन्योन्य क्रिया, केन्द्रित अन्योन्य क्रिया, सामना करना, अग्रक्षेत्र पश्चक्षेत्र, प्रभाव प्रबन्धन अवधारणाओं का प्रयोग करते हैं। उनका कहना है कि यह समाज एक रंगमंच है इसमें भाँति-भाँति के लोग हैं। लोगों के पारस्परिक सम्बन्ध भी अनोखे हैं। रंगमंच पर जब हम अभिनय करते हैं तब हमें इसमें कई प्रकार के कलाकार देखने को मिलते हैं। ये कलाकार एमिच को भाषा के ताने-बाने में बांधते हैं। उनकी स्वयं की एकरूपता की पहचान अलग होती है। मंच पर तो वे कलाकार वही करते हैं जो समाज करता है।

28. निम्नलिखित कथनों के उपयुक्त संयोजन का चयन कीजिए जो घटनाशास्त्र को स्पष्ट करता है :

(i) घटनाशास्त्र रोज़मर्रा के सामाजिक जीवन से संबंधित होता है।
(ii) घटनाशास्त्र सांझे सामान्य ज्ञान को केन्द्रित करता है।
(iii) घटनाशास्त्र व्यवहार की कारणात्मक व्याख्या से उसी प्रकार संबंधित है जिस प्रकार अन्य परिप्रेक्ष्यों से।
(iv) घटनाशास्त्र सामाजिक जीवन के संरचनात्मक नियमों की खोज के प्रयास करता है।

नीचे दिए गए कोड के प्रयोग से सही उत्तर का चयन कीजिए :

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :

(a) (i) और (iv) (b) (ii) और (iii)
(c) (iii) और (iv) (d) (i) और (ii)

उत्तर (d) – शुट्ज ने समाजशास्त्रीय प्रघटनाशास्त्र की अपनी सुप्रसिद्ध कृति "सामाजिक जगत का प्रघटनाशास्त्र" में इस विषय की विशद व्याख्या की है तथा इसके मूलभूत सिद्धांतों को प्रस्तुत किया है। सामाजिक जगत को समझने के लिए शुट्ज ने रोज़मर्रा की दुनिया के आवश्यक आयामों के विश्लेषण करने तथा उन्हें उजागर करने पर बल दिया है। वास्तव में शुटज के विश्लेषण का प्रमुख केन्द्र रोज़मर्रा का विश्व रहा है जिसे वे जीवन जगत (लाइफ वर्ड) कहते हैं।

29. एल. अल्थूसर द्वारा उल्लिखित निम्नलिखित में से किन सेटों में संरचनात्मक स्तर शामिल है?

(i) आर्थिक (ii) राजनीतिक
(iii) सांस्कृतिक (iv) वैचारिक

नीचे दिए गए कोड से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(a) (i), (ii) और (iii) (b) (i), (ii) और (iv)
(c) (ii), (iii) और (iv) (d) (i), (iii) और (iv)

उत्तर (b) –अल्थूजर स्वयं को संरचनावादी नहीं मानते। वे तो अपने आपको एक वैज्ञानिक मार्क्सवादी बताते हैं। उन्होंने मार्क्सवादी मानववाद का भी खण्डन किया है फिर भी उन्हें संरचनावादी इसलिए माना जाता है कि उन्होंनें मार्क्स की व्याख्या अचेतन मानसिक संरचनाओं के माध्यम से की है। अल्थूजर कहते हैं समाज में जो अधिपत्य आता है इसका कारण केवल आर्थिक नहीं है। यहाँ मार्क्स गलत थे। इस अधिपत्य का कारण अर्थव्यवस्था, राजनीति और विचारधारा का गैर-बराबर विकास है।

30. निम्नलिखित में से कौन सी विशिष्ट अवधारणा के सेट का ए. शुट्ज द्वारा प्रयोग किया गया है?

(a) प्रतीतिकरण, उपाय, वर्ग, क्रान्ति
(b) प्रतीतिकरण, भंडार ज्ञान, उपाय, क्रान्ति
(c) प्रतीतिकरण, विश्व जीवन, भंडार ज्ञान, वर्ग
(d) प्रतीतिकरण, विश्व जीवन, भंडार ज्ञान, उपाय

उत्तर (d) ए. शुट्ज ने विशिष्ट अवधारणा का प्रयोग प्रतीतीकरण विश्व जीवन, भण्डार ज्ञान तथा उपाय में किया है।

31. निम्नलिखित में से कौन सा अभिकथन गौण परिप्रेक्ष्य की सही पहचान करता है?

(a) इलीट के दृष्टिकोण से समाज अध्ययन का एक उपागम।
(b) विकसित देशों के समाज में परिवर्तनों का वर्णन।
(c) आम आदमी का इतिहास समाज के आधारित स्तर पर जन-समुदाय के बीच क्या होता है, उस पर ज्यादा केन्द्रित है।
(d) उत्तर आधुनिक समाजों के अध्ययन का एक उपागम।

उत्तर (c) - आम आदमी का इतिहास समाज के आधारित स्तर पर जन समुदाय के बीच क्या होता है, उस पर ज्यादा केन्द्रित है। यह अभिकथन गौण परिप्रेक्ष्य का सही पहचान करता है।

32. निर्वचनीय उपागम जो सामाजिक कृत्य को सामाजिक अभिनेताओं (या पात्रों) के दृष्टिकोण से समझने की कोशिश करता है

(a) सामाजिक दर्शन और घटना विज्ञान
(b) संस्कृति विज्ञान और नृजातीय प्रणाली विज्ञान
(c) घटना विज्ञान और नृजातीय प्रणाली विज्ञान
(d) नव-मार्क्सवाद और घटना विज्ञान

उत्तर (c) निर्वचनीय उपागम जो सामाजिक कृत्य को सामाजिक अभिनेताओं (या पात्रों) के दृष्टिकोण से समझने की कोशिश करता है घटना क्रिया विज्ञान और नृजातीय प्रणाली के अन्तर्गत आता है घटना क्रिया विज्ञान और नृजाति प्रणाली विज्ञान अध्ययन की वह पद्धति है जो सामाजिक घटनाओं का अध्ययन कर्ता के क्रियाओं व दृष्टिकोण के परिप्रेक्ष्य में करता हैं।

33. दैनिक जीवन में स्व-प्रस्तुतीकरण की व्याख्या करने के लिए निम्नलिखित समाजशास्त्रियों में से किसने नाट्यकला का उपयोग किया है?

(a) ब्लूमर (b) ई. गॉफमैन
(c) लकमैन (d) ए. शुट्ज

उत्तर (b) दैनिक जीवन में स्व-प्रस्तुतीकरण की व्याख्या करने के लिए 'ई. गाफमैन' ने नाट्य कला का उपयोग किया है। नाटक में अभिनेता दूसरों की भूमिकाओं को स्वयं अपनाता है। इसका मतलब हुआ 'स्व' दूसरों के जूते में अपना पाँव रखता है। अभिनय कला में मैं (I) मेरा (me) बन जाता है। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया को जिसमें मैं मेरा बनता है, गाफमैन अभिनय कला के रूप में देखते है। गाफमैन ने अपनी पुस्तक 'प्रेजेण्टेशन ऑफ सेल्फ इन एव्रीडे लाईफ' में अन्तःक्रिया को एक प्रकार का अभिनय कहा है।

34. ए. शुट्ज के अनुसार प्रघटना वैज्ञानिक

(a) बाह्य विश्व के अस्तित्व को नकारते हैं।
(b) सामाजिक विश्लेषण के लिए आंतरिक तथा बाह्य विश्व की स्थायी बद्धता को स्वीकार करते हैं।
(c) वास्तविक सामाजिक छवि निर्माण के लिए बाह्य विश्व द्वारा सामाजिक विश्व को प्रभावित किया जाना चाहिए।
(d) सामाजिक वास्तविकता के निर्माण के लिए, बाह्य विश्व के अस्तित्व पर विश्वास को 'निलंबित' करता है।

उत्तर (d) ए. शुट्ज के अनुसार प्रघटना वैज्ञानिक सामाजिक वास्तविकता के निर्माण के लिए बाह्य विश्व के अस्तित्व पर विश्वास को निलम्बित करता है।

35. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

सूची-I (लेखक)	सूची-II (पुस्तकें)
A. पी. बर्जर तथा टी. लकमैन	1. दि प्रॉब्लम ऑफ सोशल रियलिटी
B. ए. शुट्ज	2. स्टडीज इन एथनोमेथडोलॉजी
C. ए. गार्फिंकल	3. दि सेक्रेड कैनोपी
D. पी. बर्जर	4. सोशल कंस्ट्रक्शन ऑफ रियलिटी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :

	A	B	C	D
(a)	4	1	2	3
(b)	1	2	3	4
(c)	4	1	3	2
(d)	1	3	2	4

उत्तर (a) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

(लेखक)		**(पुस्तकें)**
पी. बर्जर तथा टी. लकमैन	-	सोशल कंस्ट्रक्शन ऑफ रियलिटी
ए. शुट्ज	-	दि प्रॉब्लम ऑफ सोशल रियलिटी
ए. गार्फिंकल	-	स्टडीज इन एथनोमेथडोलॉजी
पी. बर्जर	-	द सेक्रेड कैनोपी

36. सामाजिक स्थिति के बारे में ए. शुट्ज की समझ के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही नहीं है?
(a) दैनिक जीवन की स्थितियों के साथ व्यक्ति जिस अर्थ को जोड़ता है वह अति महत्त्वपूर्ण है।
(b) स्थितियों के साथ व्यक्ति जिस अर्थ को जोड़ता है उसे उन व्यक्तियों द्वारा समान रूप से साझा किया जा सकता है जिनके साथ वह व्यक्ति अंतःक्रिया करता है।
(c) एक सामाजिक स्थिति में अन्य व्यक्तियों से अंतःक्रिया के माध्यम से अर्थ को साझा करना, उसकी पारस्परिकता के संदर्श का निर्माण करता है।
(d) ऐसे अर्थ को साझा करना जो सामाजिक असंगति उत्पन्न करने में योगदान हो, उसके पारस्परिकता-विरोधी संदर्श का निर्माण करता है।

उत्तर (d) सामाजिक स्थिति के बारे में ए. शुट्ज की समझ के संबंध में विकल्प (d) सही नहीं है।

37. हेबरमास के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन पूँजीवाद का एक रूप नहीं है?
(a) सूचनापरक पूँजीवाद (b) उदारवादी पूँजीवाद
(c) संगठित पूँजीवाद (d) उत्तर-पूँजीवाद

उत्तर (a) – हेबरमास ने आधुनिक पूँजीवाद समाज में वैधकरण की समस्या का भी सूक्ष्म एवं सारगर्भित विश्लेषण किया है उनके अनुसार पूँजीवादी समाज पूर्णतः विरोधाभासों, संकटों और विकृत ज्ञान से भरा हुआ है। इस प्रकार के विचार हेबरमास ने अपनी पुस्तक "वैधकरण का संकट" में व्यक्त किये हैं, और उन्होंने कहा है कि सूचनापरक पूँजीवाद, पूँजीवाद का एक रूप नहीं है।

38. भारत में स्त्रीजाति दर के कम होने का कारण निम्नलिखित में से कौन सा नहीं है?
(a) लिंग भूमिका का रूढ़ हो जाना तथा परम्परागत भूमिका पर अपेक्षाएँ
(b) दहेज प्रथा तथा व्यापक असाक्षरता
(c) ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में महिला कार्य बल का प्रव्रजन
(d) लिंग चयनित गर्भपात

उत्तर (c) – भारत में स्त्रीजाति दर के कम होने का कारण ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में महिला कार्य बल का प्रव्रजन नहीं है।

39. 'लिंग भिन्नता' एक विश्लेषणात्मक रूपरेखा है जिसमें
(a) लिंगों के बीच जैविक भिन्नता की व्याख्या की जाती है।
(b) महिलाओं के मध्य राजनीतिक तथा आर्थिक भिन्नताओं की व्याख्या की जाती है।
(c) श्वेत और अश्वेत महिलाओं के बीच सामाजिक एवं वैचारिक भिन्नताओं की व्याख्या की जाती है।
(d) लिंगों के बीच सामाजिक एवं वैचारिक भिन्नताओं की व्याख्या की जाती है।

उत्तर (d) – लिंग (Gender) भिन्नता पर सामाजिक रूप से एक निर्मित कोटि है। जबकि Sex एक जैविकीय कोटि है। इसलिए लिंगों के बीच सामाजिक एवं वैचारिक भिन्नताओं की व्याख्या की जाती है।

40. एल. अल्थूजर के संरचनावादी सिद्धांत के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?
(a) अर्थव्यवस्था एक प्रभावशाली व्यवस्था है तथा यह राजनीतिक तथा वैचारिक संरचना पर नियंत्रण करती है।
(b) अर्थव्यवस्था एक प्रभावशाली प्रणाली हो सकती है, परन्तु राजनीतिक तथा वैचारिक संरचनाओं में कतिपय स्वायत्तता होती है।
(c) आर्थिक निर्धारणवाद को सुनिश्चित करने के लिए इतिहास इन सभी संरचनाओं को अस्त-व्यस्त करता है।
(d) अर्थव्यवस्था, राजनीतिकता वैचारिक संरचनाएँ एक-दूसरे से स्वायत्त हैं।

उत्तर (b) एल. एल्थूजर ने समाज की रचना और संचालन में आर्थिक प्रक्रिया (अर्थव्यवस्था) को रूढ़िवादी मार्क्सवादियों की भांति एक मात्र या सर्वोपरि प्रक्रिया न मानकर अन्य प्रक्रियाओं के साथ एक प्रक्रिया माना है किन्तु उन्होंने मार्क्स के इस विचार से अवश्य सहमति प्रकट की है कि आर्थिक संरचनायें कुछ अंशों में मूलभूत होती है। इनकी महत्ता अन्य प्रक्रियाओं से थोड़ी अधिक होती है। अतः विकल्प b सही है।

41. विकास का मानव विकास संदर्श, आर्थिक वृद्धि को निम्नलिखित में से किस रूप में मानता है?
(a) स्वयं में एक साध्य
(b) आर्थिक समृद्धि को सुनिश्चित करने का साधन
(c) जनसंख्या के बड़े भाग के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगार को सुनिश्चित करने का साधन
(d) बहुराष्ट्रीय निगम निकायों में मानव संबंध के प्रबंधन का साधन

उत्तर (c) विकास का मानव विकास संदर्श, आर्थिक वृद्धि को जनसंख्या के बड़े भाग के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगार को सुनिश्चित करने वाले साधन के रूप में मानता है । पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब-उल-हक ने 1990 में सबसे पहले मानव विकास सूचकांक प्रस्तुत किया और बतलाया कि शिक्षा, सकल घरेलू उत्पाद तथा जीवन प्रत्याशा सूचकांक मानव विकास के तीन प्रमुख घटक है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

42. किस प्रकार के नारी-अधिकारवादी इस विचार को स्वीकार करते हैं कि 'राज्य, पुरुष की प्रधानता तथा नारी की गौणता के निर्माण के लिए पुरुषों द्वारा निर्मित संरचनाएँ तथा संस्थाएँ हैं।'?

(a) उदारवादी नारी-अधिकारवादी
(b) उग्र नारी-अधिकारवादी
(c) मार्क्सवादी नारी-अधिकारवादी
(d) पर्यावरणीय नारी-अधिकारवादी

उत्तर (a) – नारीमूलक सामाजिक सिद्धांत का मूल उद्देश्य लैंगिक भिन्नताओं और विशिष्ट रूप से पितृसत्तात्मक सिद्धांत के सन्दर्भ में समाज में महिलाओं की अधीनस्थ स्थिति को समझना और स्पष्ट करना है। महिलावाद को मोटे तौर पर तीन रूपों में व्याख्या की गई है यथा उदारवाद, मार्क्सवादी और रेडिकल। उदारवादी परिप्रेक्ष्य के अनुसार लिंग असमानता मुख्यतः समाजीकरण का परिणाम है जो पुरुषों और स्त्रियों के संबंध में व्यक्तियों के विकृत एवं हानिकारक विचारकों को उत्पन्न करता है। इसके साथ-साथ कुछ सांस्कृतिक प्रथाएं भी हैं जो लैंगिक असमानता के लिए उत्तरदायी हैं।

43. निम्नलिखित में से कौन सा, विकास के गांधीवादी पथ का भाग नहीं है?

(a) सामाजिक न्यासिता
(b) अहिंसा
(c) सहकारी संघर्ष
(d) रचनात्मक कार्य

उत्तर (c) – गाँधी जी आत्म-प्रेरित सामाजिक सिद्धांतकार थे। क्योंकि उन्होंने राजनीतिक क्रिया के लिए कुछ सुस्पष्ट सामाजिक सिद्धांतों को जन्म दिया। गाँधी ने सर्वप्रथम अफ्रीका में और बाद में भारत में शक्तिशाली अहिंसा के सिद्धांत को विकसित किया, और उन्होंनें सामाजिक न्यासिता, अहिंसा और रचनात्मक कार्य पर बल दिया।

44. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या का कितना समानुपात शहरी क्षेत्रों में रहता है?

(a) लगभग एक चौथाई भाग
(b) लगभग एक तिहाई भाग
(c) लगभग आधा भाग
(d) लगभग पाँचवाँ भाग

उत्तर (b) – 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या का लगभग एक तिहाई भाग शहरी क्षेत्रों में रहता है।

45. भारतीय अर्थव्यवस्था का कौन सा क्षेत्र इसकी जी डी पी में सर्वाधिक योगदान करता है?

(a) कृषि
(b) सेवा
(c) उद्योग
(d) सभी समान योगदान करते हैं

उत्तर (b) – भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में सेवा जी.डी.पी. का सर्वाधिक योगदान करता है।

46. ''यदि विकास सामाजिक लिंग-संवेदनशील नहीं हुआ तो खतरे में पड़ जाएगा'' – इस पर निम्नलिखित एजेंसियों में से किसने बल दिया है?

(a) यू एन डी पी
(b) विश्व बैंक
(c) आई. एम. एफ.
(d) डब्ल्यू. टी. ओ.

उत्तर (a) – यू.एन.डी.पी. एक सर्वोत्कृष्ट एजेंसी है। यू.एन.डी.पी. ने सामाजिक लिंग संवेदनशील पर काफी जोर दिया। इसके वजह से इसमें काफी आमूलचूल परिवर्तन हुआ है।

47. हाल के दशकों में, विश्व के सकल CO_2 उत्सर्जन में से भारत में इसका उत्सर्जन :

(a) स्थिर रहा।
(b) महत्त्वपूर्ण रूप से बढ़ा।
(c) अत्यधिक कम हुआ।
(d) कृषीय विकसित क्षेत्रों में कम हुआ है जबकि औद्योगिक क्षेत्रों में बढ़ा है।

उत्तर (b) – भारत में भी सकल CO_2 उत्सर्जन की मात्रा में 7% की बढ़ोत्तरी हुआ है। इसका प्रमुख कारण पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण है।

48. ''भारत औद्योगिक क्रांति में चूक गया, परन्तु ज्ञान-क्रांति में चूक जाने का भार वहन नहीं कर सकता।'' यह किसका सुझाव है?

(a) भारतीय महिला आयोग
(b) मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(c) शिक्षा आयोग 1986
(d) भारतीय ज्ञान आयोग

उत्तर (d) – भारत औद्योगिक क्रान्ति में चूक गया, परन्तु ज्ञान-क्रान्ति में चूक जाने का भार वहन नहीं कर सकता है। भारतीय ज्ञान आयोग का प्रमुख उद्देश्य शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन लाना है।

49. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I (लेखक)	सूची-II (अवधारणाएँ)
A. जे. दरिदा	1. एपिस्टेमे
B. एम. फोकॉल्ट	2. इंडेक्सकेलिटी
C. एच. गारफिंकल	3. ओवर-डिटर्मिनेशन
D. एल. अल्थूसर	4. लोगो-सेंट्रिज्म

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	4	1
(c)	3	4	1	2
(d)	4	1	2	3

उत्तर (d) - **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

(लेखक)		(अवधारणायें)
जे. दरिदा	-	लोगो-सेंट्रिज्म
एम. फोकॉल्ट	-	एपिस्टेमे
एच. गारफिंकल	-	इंडेक्सकेलिटी
एल. अल्थ्यूजर	-	ओवर-डिटर्मिनेशन

50. स्वचालन के सामाजिक पहलू की चर्चा निम्नलिखित में से किस विद्वान ने नहीं की है?

(a) आर. ब्लाउनर
(b) एस. मेलेट
(c) टी. बाटोमोर
(d) डी. गैली

उत्तर (c) स्वचालन के सामाजिक पहलू की चर्चा टी. बाटोमोर ने नहीं की है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

51. निम्नलिखित लक्षणों में से कौन सा लक्षण औद्योगिक हड़ताल का नहीं है?
(a) कुछ निश्चित मात्रा में एकजुटता के साथ एक सामूहिक कृत्य
(b) शिकायत-अभिव्यक्ति का एक सामूहिक कृत्य
(c) एक श्रमिक द्वारा काम करना बंद कर देना
(d) औद्योगिक संघर्ष का नियंत्रित स्वरूप

उत्तर (c) हड़ताल निश्चित संख्या में एक जुटता के साथ किया गया सामूहिक कृत्य है। यह किसी एक श्रमिक छोटा कार्य बन्द कर देने से नहीं होता है। औद्योगिक हड़ताल औद्योगिक संघर्ष का एक नियंत्रित स्वरूप होता है।

52. ''द कंसिक्वेंसेज ऑफ माडर्निटी'' पुस्तक का लेखक कौन है?
(a) वाई. सिंह (b) ए. गिडेन्स
(c) एफ. फुकुयामा (d) डी. हार्वे

उत्तर (b) ''द कंसिक्वेंसेज ऑफ माडर्निटी'' पुस्तक का लेखक ए. गिडेन्स हैं। इनके अनुसार, आधुनिकता ने आज के आदमी में संस्थाओं के प्रति जो परम्परागत विश्वास था, उसे डगमगा दिया है, विश्वास का टूटना ही आधुनिकता का बहुत बड़ा परिणाम है।

53. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

	सूची-I (पुस्तकें)	सूची-II (लेखक)
A.	सोशल चेंज इन मॉडर्न इंडिया	1. एस. सी. दूबे
B.	इंडियन चेंजिंग विलेजेज	2. एम.एन. श्रीनिवास
C.	कास्ट, क्लास एण्ड पावर	3. ए. बेतेई
D.	हिंदू सोशल आर्गेनाइजेशन	4. पी. एन. प्रभु

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	3	4
(c)	3	2	1	4
(d)	4	2	1	3

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तकें)		(लेखक)
सोशल चेंज इन मॉडर्न इंडिया	-	एम.एन. श्रीनिवास
इंडियन चेंजिंग विलेजेज	-	एस. सी. दूबे
कास्ट, क्लास एण्ड पावर	-	ए. बेतेई
हिंदू सोशल ऑर्गेनाइजेशन	-	पी. एन. प्रभु

54. निम्नलिखित में से कौन तथाकथित समाजशास्त्र की फ्रैंकफर्ट विचारधारा से संबद्ध नहीं है?
(a) एच. मार्क्यूस (b) जे. हेबरमेस
(c) एम. हॉर्खाइमर (d) जे. अलेक्जेंडर

उत्तर (d) – अलेक्जेंडर की गणना नववामपंथी मार्क्सवादियों और नवप्रकार्यवादियों दोनों में की जाती है। अलेक्जेंडर को नव-प्रकार्यवाद का जनक माना जाता है। अपनी पुस्तक ''नियो-फंक्शनलिज्म (1985) की भूमिका में उन्होंने इन दोनों सिद्धांतों के अतिरिक्त कुछ अन्य सिद्धांतों का भी उल्लेख किया।

55. ''औद्योगिक नियत कार्यों को सरल संक्रियाओं की श्रेणी में विभक्त कर सुस्पष्ट रूप में समयबद्ध तथा इष्टतम रूप में समन्वित बनाकर उत्पादकता में अत्यधिक वृद्धि की जा सकती है।'' – इस वक्तव्य का संबंध किससे है?
(a) टेलरवाद (b) फोर्डवाद
(c) मार्क्सवाद (d) उत्तर-फोर्डवाद

उत्तर (a) ''औद्योगिक नियत कार्यों को सरल संक्रियाओं की श्रेणी में विभक्त कर सुस्पष्ट रूप में समयबद्ध तथा इष्टतम रूप में समन्वित बनाकर उत्पादकता में अत्यधिक वृद्धि की जा सकती है।'' यह वक्तव्य टेलरवाद से सम्बन्धित है। टेलरवाद को वैज्ञानिक प्रबंधक तंत्र भी कहा जाता है। यह अवधारणा अमेरिकन इंजीनियर तथा आविष्कारक टेलर ने प्रतिपादित किया था।

56. निम्नलिखित में से कौन सा ई. गॉफमैन का कार्य नहीं है?
(a) स्वयं और समाज
(b) दैनिक जीवन में स्वयं का प्रस्तुतीकरण
(c) आश्रम
(d) संव्यवहार विधि

उत्तर (a) - स्वयं और समाज (सेल्फ एण्ड सोसाइटी) ई. गाफमैन का कार्य नहीं हैं। इसकी अवधारणा मीड ने अपनी पुस्तक माइण्ड सेल्फ एण्ड सोसाइटी' में प्रस्तुत किया है।

57. 'उत्तर-औद्योगिक समाज' पद का प्रथम प्रयोग किसने किया था?
(a) जे. बर्नहम (b) जी. के. गाल्ब्रेथ
(c) डेनियल बेल (d) आर. डेहरेंडॉर्फ

उत्तर (c) – डेनियल बेल एक समकालीन समाजशास्त्री हैं जो मुख्यतः अपनी इस भविष्योक्ति के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने उत्तर-औद्योगिक समाज पद का प्रथम प्रयोग किया। उनकी प्रमुख कृतियों में The End of Ideology एक उत्कृष्ट रचना है।

58. संघर्ष समूहों के रूप में वर्ग के अपने विश्लेषण में कार्ल मार्क्स ने निम्नलिखित में से किस शर्त की चर्चा नहीं की है?
(a) सत्ता का अध्यारोपण
(b) गतिशीलता, समत्ति तथा सामान्य सामाजिक प्रस्थिति का अभाव
(c) औद्योगिक एवं राजनीतिक संघर्ष का अध्यारोपण
(d) प्रभावी संघर्ष नियंत्रण का अभाव

उत्तर (d) संघर्ष समूहों के रूप में वर्ग के अपने विश्लेषण में कार्ल मार्क्स ने प्रभावी संघर्ष नियंत्रण के अभाव की चर्चा नहीं की।
मार्क्स के अनुसार, वर्ग संघर्ष एक ऐसी व्यवस्था से पैदा होता है जो समाज को विभिन्न वर्गों में विभाजित कर देती है।

59. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है। नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए :
अभिकथन (A) : पिछले कुछ समय से भारत में तलाक की दर बढ़ी है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कारण (R) : महिलाएँ अधिक स्वनिर्भर बन गई हैं।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

(b) (A) सही है, परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

(d) (R) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर (b) पति–पत्नी का विवाह विच्छेद तलाक कहलाता है। भारत में प्रौद्योगिकी परिवर्तन, व्यक्तिवाद का विकास एवं स्वार्थवादी प्रवृत्ति के विकास के कारण तलाक की दर बढ़ी हैं। अतः (A) सही है, परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

60. 'घरेलू हिंसा' के वर्णन के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा वक्तव्य सही है?

(a) घरेलू हिंसा का शिकार केवल विवाहित महिलाएँ बनती हैं।

(b) बालिकाएँ घरेलू हिंसा की अधिक शिकार होती हैं।

(c) घरेलू हिंसा के अंतर्गत घरेलू परिवेश में किसी व्यक्ति का शारीरिक, लैंगिक, मानसिक तथा मौखिक दुर्व्यवहार शामिल है।

(d) घरेलू हिंसा प्रगतिशील समाज का संकेतक है।

उत्तर (c) – भारत में घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 में बना है। जिसमें घरेलू परिवेश में किसी व्यक्ति का शारीरिक, लैंगिक, मानसिक तथा मौखिक दुर्व्यवहार शामिल है।

61. क्षेत्रीय असमानताओं के संकेतक निम्नलिखित में से कौन से हैं?

(i) प्राकृतिक संसाधन

(ii) कुशल जनशक्ति

(iii) जनसंख्या का आकार

(iv) सत्तारूढ़ राजनीतिक दल

सही उत्तर के लिए संयोजन का चयन कीजिए :

(a) (i), (ii) तथा (iv)

(b) (i), (ii) तथा (iii)

(c) (ii), (iii) तथा (iv)

(d) (iii), (iv) तथा (ii)

उत्तर (b) प्राकृतिक संसाधन, कुशल जनशक्ति, जनसंख्या का आकार क्षेत्रीय असमानताओं के संकेतक है। असमानता का तात्पर्य एक समाज के व्यक्तियों के जीवन अवसर तथा जीवन शैलियों की विविधता से है।

62. ''सभ्यताओं के संघर्ष की प्रस्थापना है कि उत्तर शीत-युद्ध विश्व में लोगों की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान संघर्ष के प्राथमिक स्रोत होगी।'' – यह किसका विचार है?

(a) जे.एस. मिल्स

(b) मैक्स वेबर

(c) सैम्युअल पी. हंटिंगटन

(d) इमाईल दुर्खीम

उत्तर (c)

63. निम्नलिखित विशेषताओं में आर. रेडफिल्ड द्वारा वर्णित लघु-समुदाय की विशेषताओं के सही सेट को पहचानिए :

(i) समांगता | (ii) विषमांगता

(iii) आत्म-निर्भरता | (iv) विभेदीकरण

(v) प्राथमिक संबंध

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (i), (ii), (iv) तथा (v)

(b) (i), (iii) तथा (iv)

(c) (ii), (iii) तथा (v)

(d) (iii), (iv) तथा (i)

उत्तर (b) – राबर्ट रेडफील्ड ने अपनी पुस्तक ''द लिटिल कम्यूनिटी'' में लघु समुदाय की निम्नलिखित विशेषताएं बतलाई हैं – (1) समांगता, (2) आत्म निर्भरता या स्वावलम्बन (3) भिन्नता या विभेदीकरण (4) लघुता

64. डी. थॉर्नर ने अपने वर्गीकरण में निम्नलिखित में से किसे सम्मिलित नहीं किया है?

(a) मालिक | (b) जमींदार

(c) किसान | (d) मजदूर

उत्तर (b) – डेनियल थॉर्नर ने अपनी पुस्तक '**एग्रेरियन प्रास्पेक्ट्स इन इण्डिया**' में यह स्पष्ट किया है कि यह स्थिति परम्परागत भारतीय समाज के जातिगत संस्तरण तथा उससे सम्बन्धित मूल्यों का एक स्पष्ट स्वरूप है। यही कारण है कि सरकार भूमि सुधार के लिए अब एक ऐसी व्यापक नीति पर विचार कर रही है जिसके द्वारा बड़े भू-स्वामियों द्वारा शोषित किये जा रहे छोटे किसानों एवं भूमिहीन श्रमिकों को कृषि योग्य भूमि की अधिक सुविधाएं प्रदान की जा सके। डेनियल थॉर्नर ने ग्रामीण जाति व्यवस्था के वर्ग स्वरूप की व्याख्या की, थॉर्नर ने ग्रामीण समाज के तीन वर्गों मालिक, किसान एवं मजदूर की व्याख्या की है।

65. भारत में 'मूरिया' जनजाति किस राज्य में अधिकांशतः पाई जाती है?

(a) छत्तीसगढ़ | (b) राजस्थान

(c) ओडिसा | (d) आंध्र प्रदेश

उत्तर (a) भारत के छत्तीसगढ़ राज्य में 'मूरिया' जनजाति अधिकाशतः पायी जाती है। भारत में सम्पूर्ण जनसंख्या का लगभग 6.23% जनसंख्या जनजातियों की है।

66. भारत में जनजातीय अर्थव्यवस्था के साथ निम्नलिखित में से कौन प्रबल रूप में सम्बद्ध नहीं है?

(a) वन-उपज का एकत्रण तथा कृषि संबंधी मजदूरी कार्य

(b) कृषि संबंधी मजदूरी कार्य तथा पशुपालन

(c) पशुपालन तथा वन उपज का एकत्रण

(d) घरेलू उद्योग तथा औद्योगिक मजदूरी कार्य

उत्तर (d) – वन उपज का एकत्रण, कृषि सम्बन्धी मजदूरी कार्य तथा पशुपालन से सम्बन्धित कार्य भारतीय जनजातियों की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है जबकि घरेलू उद्योग तथा औद्योगिक मजदूरी कार्य से भारत में जनजातीय अर्थव्यवस्था प्रबल रूप से आबद्ध नहीं है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

67. तेभागा तथा तेलंगाना आंदोलन किन राज्यों में शुरू किए गए थे?

(a) क्रमशः आंध्र प्रदेश तथा बिहार
(b) क्रमशः पश्चिम बंगाल तथा आंध्र प्रदेश
(c) क्रमशः आंध्र प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल
(d) क्रमशः पश्चिम बंगाल तथा बिहार

उत्तर (b) – तेभागा तथा तेलंगाना आन्दोलन क्रमशः पश्चिम बंगाल तथा आंध्र प्रदेश में किसान सभा द्वारा शुरु किया गया। आचार्य बिनोवा भावे ने 18 अप्रैल सन् 1951 में तेलंगाना के कुछ गाँवों का पैदल भ्रमण किया है। इस भ्रमण में सर्वप्रथम बिनोवा जी ने गाँवों के भूमिहीनों श्रमिकों की सभाएं आयोजित की, तथा हिंसात्मक आधार पर चलाए जाने वाले आन्दोलन को समाप्त करने की प्रेरणा दी। तेभागा आन्दोलन प0 बंगाल के तिनकठिया प्रणाली से सम्बन्धित है इस आन्दोलन में तेभागा का अर्थ $\frac{1}{3}$ भाग से है।

68. भारत में फार्मर्स मूवमेंट्स की निम्नलिखित में से कौन सी माँग नहीं है?

(a) कृषि उपज की उचित कीमत
(b) उर्वरक परिदान (आर्थिक सहायता)
(c) भूमि का वितरण
(d) बिजली परिदान

उत्तर (c) – भारत में फार्मर्स मूवमेंटस की माँग भूमि का वितरण नहीं आधार था।

69. भारत में निम्नलिखित में से कौन सी जनजाति मातृवंशीय है?

(a) खासी (b) मुण्डा
(c) संथाल (d) ओंगी

उत्तर (a) - खासी जनजाति मातृवंशीय है। ऐसी वंशावली जो माता अथवा स्त्री द्वारा निर्देशित एवं निर्धारित किये जाते हैं, मातृवंशीय कहलाती है।

70. आर. डब्ल्यू. कोनेल के अनुसार 'लिंग क्रम' पद किसे संदर्भित करता है?

(a) पुरुषत्व तथा नारीत्व के बीच शक्ति संबंध का पैटर्न
(b) विशिष्ट प्रतिवेश के अन्तर्गत लिंग संबंधों का विन्यास
(c) समूह में महिलाओं तथा पुरुषों की प्रस्थिति तथा समादर के बीच अंतर
(d) पुरुषों तथा महिलाओं के बीच सामाजिक रूप में प्रतिरचित अंतःक्रिया

उत्तर (a) – आर0डब्ल्यू0कोनेल ने पुरुषत्व तथा नारीत्व के बीच शक्ति संबंध का पैटर्न न केवल नारी के देह और आत्मा के पुरुष वर्चस्व से मुक्ति की बात की, अपितु उन्होंने अलग से एक ऐसे नारीवादी सामाजिक विज्ञान के विचार को रखा है जिसे एक नए 'लिंग क्रम' पद से सन्दर्भित किया।

71. ''आर्थिक विकास केवल उसी सीमा तक आगे बढ़ाना चाहिए जिसमें संसाधनों के अपक्षय के बदले उनका पुनर्चक्रण किया जाय, जैव-विविधता को अक्षुण्ण रखा जाय तथा स्वच्छ हवा, पानी तथा भूमि की सुरक्षा की जाय।'' – इस वक्तव्य का संबंध निम्नलिखित में से किस अवधारणा के साथ है?

(a) आर्थिक विकास (b) सामाजिक विकास
(c) धारणीय विकास (d) नृ-विकास

उत्तर (c) धारणीय विकास पर्यावरण को बिना कोई क्षति पहुँचाये विकास के मार्ग पर अग्रसर होने के लिए कहता है।

72. तेभागा आन्दोलन में तेभागा का क्या अर्थ है?

(a) 2/3 (b) 1/3
(c) 3/4 (d) 3

उत्तर (b) तेभागा आन्दोलन 1946-47 में पश्चिम बंगाल में शुरू हुआ था इस आंदोलन में फसल कर को एक तिहाई करने की माँग की गयी थी।

73. निम्नलिखित में से किसने पहली बार जजमानी व्यवस्था की व्याख्या जाति-समूहों के मध्य प्रतिमानित अंतःक्रिया के रूप में की थी?

(a) विलियम वाइजर (b) ऑस्कर लेविस
(c) ए.आर. देसाई (d) योगेन्द्र सिंह

उत्तर (a) – विलियम वाइजर ही पहले व्यक्ति थे जिन्होंने ग्रामीण भारत में जजमानी प्रथा का उल्लेख किया है। इस व्यवस्था में गाँव में प्रत्येक जाति समूह से अन्य जातियों के परिवारों के लिए कुछ विशेष निश्चित सेवाओं या (व्यवसाय) की व्यवस्था की गई थी, और उन्होंने जजमानी व्यवस्था की व्याख्या जाति-समूहों के मध्य प्रतिमानित अन्तःक्रिया के रूप में की है।

74. नक्सलबाड़ी कृषक आंदोलन (पेजेंट मूवमेंट) कब शुरू हुआ था?

(a) 1967 (b) 1970
(c) 1977 (d) 1956

उत्तर (a) नक्सलबाड़ी कृषक आंदोलन (पेजेंट आंदोलन) 1967 में पश्चिम बंगाल में शुरु हुआ था। इस आंदोलन में सी. मजूमदार तथा कानू सन्याल प्रमुख रूप से सक्रिय रहे।

75. हरित क्रांति किससे संबंधित है?

(a) कृषीय विकास (b) औद्योगिक विकास
(c) दुग्ध उत्पादन (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (a) हरित क्रान्ति कृषीय विकास से सम्बन्धित है। नार्मन ई. बोरलॉग हरित क्रान्ति के जनक माने जाते हैं। भारत में डॉ. स्वामीनाथन को इसका जनक माना जाता है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् देश के आर्थिक विकास के लिए कृषि के विकास को आवश्यक माना गया तथा हरित क्रांति की शुरुआत की गई जिसके अन्तर्गत भूमि सुधार, संस्थागत साख पूर्ति, सामुदायिक विकास योजना, कृषि में विज्ञान का प्रयोग उन्नत बीजों का प्रयोग इत्यादि की सहायता से कृषीय विकास पर जोर दिया गया।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2014
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. जिन परिवर्तों का परीक्षण किया जाना है, उनके बीच संबंध को कहते हैं
(a) शोध प्रश्न (b) परिकल्पना
(c) अध्ययन का उद्देश्य (d) अध्ययन की समस्या

उत्तर (b) जिन परिवर्तों का परीक्षण किया जाना है; उनके बीच संबंध को परिकल्पना कहते हैं। परिकल्पना एक अनुमान है जिसे अन्तिम अथवा अस्थायी रूप में किसी निरीक्षित तथा अथवा दशाओं की व्याख्या हेतु स्वीकार किया गया हो एवं जिसके अन्वेषण को आगे पथ प्रदर्शन प्राप्त होता है।

2. मार्क्स के अनुसार मानव की प्रच्छन्न क्षमता कार्य रूप में परिणति होती है
(a) जब लोकतंत्र संस्थानीकृत होता है
(b) उत्पादों के लक्ष्य निरूपण में
(c) पूँजीवादी अवस्था में
(d) आदिकालीन अवस्था में

उत्तर (b) मार्क्स के अनुसार मानव की प्रच्छन्न क्षमता कार्य रूप में परिणति होती है। जब उत्पादों के लक्ष्य निरूपित हो। इसकी परिणति मार्क्स के वैज्ञानिक समाजवाद के आविर्भाव में है।

3. उस संबंध को क्या कहते हैं जिसमें एक चर में परिवर्तन सदैव दूसरे चर में परिवर्तन को उत्प्रेरित करता है?
(a) सकारात्मक सहसंबंध (b) रैखिक सहसंबंध
(c) निराधार संबंध (d) कार्य और प्रभाव संबंध

उत्तर (d) कार्य और प्रभाव संबंध जिसमें एक चर में परिवर्तन सदैव दूसरे चर में परिवर्तन को उत्प्रेरित करता है।

4. निम्नलिखित में से कौन सिद्धान्तशास्त्री संघर्ष सिद्धान्तों के बौद्धिक मूल स्रोत माने जाते हैं?
(a) जी.एच. मीड तथा इरविंग गॉफमैन
(b) कार्ल मार्क्स तथा मैक्स वेबर
(c) इमाईल दुर्खीम तथा हरबर्ट स्पेंसर
(d) एडवर्ड विल्सन तथा चार्ल्स डार्विन

उत्तर (b) कार्ल मार्क्स तथा मैक्स बेबर संघर्ष सिद्धांतों के बौद्धिक मूल स्रोत माने जाते हैं। सामान्तया संघर्ष अंतर्वैयक्तिक, असहमति और झगड़ों के कारण होता है। यही अंतर्वैयक्तिक झगड़े वर्ग संघर्ष का रूप ले लेते हैं।

5. नीचे दो वाक्य दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है।
अभिकथन (A) : लेविस कोजर तथा रैंडाल कोलिंस दोनों को संघर्ष विचारधारा के अंतर्गत रखा जाता है।
कारण (R) : दोनों ही समाज के भरण-पोषण में संघर्ष के कार्य पर बल देते हैं।
कोड :
(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(c) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(d) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

उत्तर (b) लेविस कोजर एवं रेंडाल कॉलिन्स दोनों संघर्षात्मक विचारधारा से सम्बन्धित समाजशास्त्री हैं। लेविस कोजर संघर्ष को प्रकार्यात्मक बताते हैं जबकि रेंडाल कॉलिन्स संघर्ष को नव प्रकार्यवाद के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं।

6. पूर्वोत्तर क्षेत्रों में विद्रोह के कारण हैं
(a) प्रजातीय संघर्ष तथा विकास वंचन
(b) भू-स्वामित्व परिवर्तन तथा गरीबी
(c) राजनीति का अपराधीकरण तथा भ्रष्टाचार
(d) धार्मिक कट्टरतावाद तथा आतंकवाद

उत्तर (a) प्रजातीय संघर्ष तथा विकास वंचन ही समस्त सामाजिक समस्या का मूल जड़ है और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में विद्रोह के कारण है। पूर्वोत्तर क्षेत्रों से आशय भारत के सर्वाधिक पूर्वी क्षेत्रों से है जिसमें एक साथ जुड़े सात बहनों के नाम से प्रसिद्ध राज्य सिक्किम तथा उत्तरी बंगाल के कुछ भाग शामिल है। पूर्वोत्तर भारत सांस्कृतिक दृष्टि से भारत के अन्य राज्यों से कुछ भिन्न है।

7. अभिकथन (A) : टाउनसेंड ने बल देकर कहा है कि 'वस्तुनिष्ठ रूप में गरीबी को केवल सापेक्षिक-वंचन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है'।
कारण (R) : समाज लोगों की आवश्यकताओं तथा खाद्य सामग्री के उपभोग का निर्धारण करता है।
कोड :
(a) अभिकथन (A) सही है तथा कारण (R) गलत है।
(b) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(c) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(d) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं,परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (d)

8. यह किसका सुझाव है कि ईश्वर दैवीकृत समाज है?
(a) मैक्स वेबर (b) ई.ई. इवान्स-प्रिचार्ड
(c) अगस्त काम्टे (d) एमाइल दुर्खीम

उत्तर (d) दुर्खीम समाजशास्त्र के वास्तविक पिता हैं और उन्होंने बताया कि ईश्वर दैवीकृत समाज है अर्थात् समाज ही ईश्वर है। कहने का तात्पर्य ईश्वर ने समाज का निर्माण नहीं किया वरन समाज ने ईश्वर का निर्माण किया।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

9. भारतीय परिवार में माता-पिता अपनी पुत्रियों को ससुराल में उत्तम पत्नी/पुत्री के रूप में बनने के लिए तैयार करते हैं। यह किसका एक उदाहरण है?

(a) सामाजीकरण (b) पुनर्समाजीकरण
(c) प्रौढ़ समाजीकरण (d) प्रत्याशित समाजीकरण

उत्तर (d) प्रत्याशित समाजीकरण के अन्तर्गत भविष्य में जो स्थिति आने वाली है उसके लिए पहले से अभ्यास या तैयारी करना। जैसे एक व्यक्ति का अध्यापक, डॉक्टर तथा अधिकारी बनने से पूर्व उससे सम्बन्धित व्यवहारों को सीखना ही पूर्वाभ्यासी अथवा प्रत्याशित समाजीकरण है।

10. निम्नलिखित में से कौन सा सिद्धान्त यह कहता है कि अन्य लोगों के साथ अंतर्व्यवहार में लोग स्व-हित से अभिप्रेरित होते हैं?

(a) संघर्ष (b) विनिमय
(c) अंतर्व्यवहार (d) संरचनात्मक

उत्तर (c) अन्तर्व्यवहार वह सिद्धांत है जिसमें कि अन्य लोगों के साथ अंतर्व्यवहार में लोग स्व-हित से अभिप्रेरित होते हैं।

11. सूची – I की मदों को सूची – II की मदों से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कोड से सही उत्तर का चुनिए:

सूची – I	सूची – II
A. सोशल क्लास एण्ड स्ट्रेटिफिकेशन	i. बोट्टोमोर, टी. बी.
B. दि पावर एलीट	ii. कैस्टेल्स, एम.
C. क्लास, सिटी एण्ड पॉवर	iii. मिल्स, सी. डब्ल्यू
D. क्लास इन मॉडर्न सोसाइटी	iv. सौंडर्स, पी.

कूट :

	A	B	C	D
(a)	i	iv	iii	ii
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	iv	iii	ii	i
(d)	iii	ii	i	iv

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

सोशल क्लास एण्ड स्ट्रेटिफिकेशन	-	सौंडर्स, पी.
दि पावर एलीट	-	मिल्स, सी. डब्ल्यू.
क्लास, सिटी एण्ड पॉवर	-	कैस्टेल्स, एम.
क्लास इन मॉडर्न सोसाइटी	-	बोट्टोमोर, टी. बी.

12. ''समाजशास्त्र सामाजिक कार्य को समझने का विज्ञान है''-यह कथन किसका है?

(a) मैक्स वेबर (b) अगस्त काम्टे
(c) हर्बट स्पेंसर (d) इमाईल दुर्खीम

उत्तर (a) मैक्स वेबर एक जर्मन समाजशास्त्री और राजनीतिक अर्थशास्त्री थे। मैक्स वेबर की प्रतिष्ठा समाजशास्त्रीय साहित्य में बहुत ऊंची है। आधुनिक समाजशास्त्र को उन्होंने बहुत कुछ दिया है। किंग्सले डेविस तो यहाँ तक कहते है कि मैक्स बेबर आधुनिक समाजशास्त्र के जनक थे। उनका कथन था कि समाजशास्त्र सामाजिक कार्य को समझने का विज्ञान है।

13. 'इंपेरेटिवली कोऑर्डिनेटेड एसोसिएशन्स' का विचार किसकी देन है?

(a) कार्ल मार्क्स (b) मैक्स वेबर
(c) लेविस कोजर (d) राल्फ डेहरेंडॉर्फ

उत्तर (d) इंपेरेटिवली को-ऑर्डिनेटेड ऐसोसिएशन्स का विचार रॉल्फ डेहरेन्डॉर्फ का है।

14. इमाईल दुर्खीम के अनुसार धार्मिक कार्यव्यापार को किस रूप में बेहतर ढंग से समझा जा सकता है?

(a) मनुष्य की आध्यात्मिक रूचियों को संतुष्ट करने वाला
(b) सांसारिक समस्याओं से राहत दिलाने में मनुष्य की सहायता करना।
(c) सामूहिक जीवन के मौजूदा कार्यव्यापार का विकल्प दिखलाना।
(d) समाज की एकता तथा स्थायित्व में योगदान करना।

उत्तर (d) इमाईल दुर्खीम के अनुसार धार्मिक कार्य व्यापार समाज की एकता तथा स्थायित्व में योगदान करना है।

15. अभिकथन (A) : भाई-भतीजावाद, पक्षपात तथा भ्रष्टाचार भारतीय समाज में बढ़ गए हैं।

कारण (R) : राजनीतिक इच्छा की कमी के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है।

कोड :

(a) (A) सही है तथा (R) गलत है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।
(c) (A) गलत है (R) सही है।
(d) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

उत्तर (b)

16. मुस्लिम संप्रदाय में पाया जाने वाला विवाह का अस्थायी रूप

(a) निकाह (b) मुता
(c) मेहर (d) परदा

उत्तर (b) मुताह विवाह के अन्तर्गत स्त्री व पुरुष सहमति से एक निश्चित अवधि के लिए विवाह करते हैं। इस अवधि की समाप्ति पर यह विवाह स्वतः समाप्त हो जाता है। यह विवाह शिया मुसलमानों में प्रचलित है।

17. अभिकथन (A) : ग्रामीण भारत में पिछले दो दशकों में महिला सशक्तीकरण हुआ है।

कारण (R) : 73वें संविधान संशोधन ने ग्रामीण भारत की महिलाओं का सशक्तीकरण किया है।

कोड :

(a) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।
(c) (A) गलत है तथा (R) सही है।
(d) (A) सही है तथा (R) गलत है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b) महिला सशक्तीकरण से तात्पर्य है कि महिलाओं को सक्षम बनाना अर्थात् महिलाएं सभी कार्य कर सकें।
73वें संविधान संशोधन द्वारा महिलाओं को पंचायतों में एक-तिहाई आरक्षण प्रदान किया गया है जिससे महिलाएं सशक्त हुई हैं।

18. अभिकथन (A) : भारत में शिक्षा का निजीकरण शिक्षा के व्यवसायीकरण की ओर अग्रसर हो रहा है।
कारण (R) : शिक्षा के व्यवसायीकरण ने अनेक गरीब सुपात्र छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित कर दिया है।
कोड :
(a) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(b) (A) गलत है तथा (R) सही है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही व्याख्या है।
(d) (A) तथा (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर (c) शिक्षा के निजीकरण से तात्पर्य शिक्षा के अभिकरणों पर व्यक्ति या समूह विशेष का स्वामित्व होना। इन अभिकरणों पर शासन इनके मालिकों द्वारा होता है। जिससे अधिक शुल्क वृद्धि हुई जिसके फलस्वरूप सुपात्र गरीब छात्र इन संस्थानों में शिक्षा पाने से वंचित रह जाते हैं।

19. ''संगठन संघर्ष के अखाड़े हैं'' यह किसका कथन है?
(a) रैंडाल कॉलिन्स (b) कार्ल मार्क्स
(c) राल्फ डेहरेंडॉर्फ (d) मैक्स वेबर

उत्तर (a) रैंडाल कॉलिन्स के अनुसार ''संगठन संघर्ष के अखाड़े हैं।'' कॉलिन्स ने संघर्ष का मूल कारण शक्ति के स्रोतों को माना है जो व्यक्ति और समूहों में निहित होते हैं।

20. यह सुझाव किसका है कि संघर्ष का समाज में प्रकार्यात्मक महत्त्व है?
(a) कार्ल मार्क्स (b) लेविस कोजर
(c) राल्फ डहरेंडॉर्फ (d) रैंडाल कोलिंस

उत्तर (b) लेविस कोजर के अनुसार संघर्ष का समाज में प्रकार्यात्मक महत्व है।

21. सूची – I को सूची – II से सुमेलित कीजिए :

सूची – I	सूची – II
A. राल्फ डेहरेंडॉर्फ	1. शक्ति अभिजन
B. जी.एच.मीड	2. परिघटना विज्ञान
C. अल्फ्रेड शुट्ज	3. सामाजिक संघर्ष के कार्य
D. लेविस कोजर	4. प्रतीकात्मक अंतर्व्यवहारवाद
	5. संघर्ष तथा सत्ता

कोड :

	A	B	C	D
(a)	4	5	2	3
(b)	2	3	4	1
(c)	5	4	2	3
(d)	1	3	4	5

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–
राल्फ डेहरेंडॉर्फ – संघर्ष तथा सत्ता
जी.एच.मीड – प्रतीकात्मक अंतर्व्यवहारवाद
अल्फ्रेड शुट्ज – परिघटना विज्ञान
लेविस कोजर – सामाजिक संघर्ष के कार्य

22. निम्नलिखित में से कौन सा कथन 'संघर्ष परिदृश्य' को प्रतिबिंबित नहीं करता?
(a) संसाधनों तथा शक्ति/सत्ता के संघर्ष के रूप में समाज।
(b) परिवर्तन अपरिहार्य है, बहुधा लाभकारी होता है तथा हिंसक हो सकता है।
(c) समाज को अंगों की जटिल प्रणाली के रूप में देखा जाता जो विभिन्न आवश्यक कार्यों के निष्पादन के लिए परस्पर क्रिया करते हैं
(d) वर्गों के बीच संघर्ष सामाजिक परिवर्तन का निर्धारण करता है।

उत्तर (c) समाज के अंगों को जटिल प्रणाली के रूप में देखा जाता है जो विभिन्न आवश्यक कार्यों के निष्पादन के लिए परस्पर क्रिया करते हैं। यह कथन संरचनात्मक प्रकार्यात्मक दृष्टिकोण को प्रतिबिम्बित करता है, न कि संघर्ष परिदृश्य को।

23. सूची–I की मदों को सूची–II की मदों के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कोड से सही उत्तर चुनिए :

सूची – I	सूची – II
A. जे.डब्ल्यू. बी. डुग्लास	i. दि होम एण्ड दि स्कूल
B. डी.एच. हार्ग्रीव्ज	ii. सोशल रिलेशंस इन ए सेकंडरी स्कूल
C. एस.बोल्स तथा एच. गिंटिस	iii. स्कूलिंग इन कैपिटलिस्ट अमेरिका
D. इवान इलिच	iv. डिस्कूलिंग सोसाइटी

कोड :

	A	B	C	D
(a)	iii	iii	iv	
(b)	iv	iii	ii	i
(c)	ii	i	iii	iv
(d)	iii	iv	i	ii

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–
जे.डब्ल्यू. बी. डुग्लास – दि होम एण्ड दि स्कूल
डी.एच. हार्ग्रीव्ज – सोशल रिलेशंस इन ए सेकंडरी स्कूल
एस.बोल्स तथा एच. गिंटिस – स्कूलिंग इन कैपिटलिस्ट अमेरिका
इवान इलिच – डिस्कूलिंग सोसाइटी

24. इस दृष्टिकोण की वकालत किसने की है कि समाजशास्त्र का अध्ययन क्षेत्र 'दैनिक जीवन की सहजबुद्धि है'?
(a) प्रकार्यात्मकतावाद (b) संरचनात्मकतावाद
(c) परिघटनाविज्ञान (d) विनिमय सिद्धान्त

उत्तर (c) परिघटना विज्ञान की मान्यता है कि समाजशास्त्र का अध्ययन, क्षेत्र दैनिक जीवन की सहज बुद्धि है। व्यक्तिनिष्ठ अनुभवों और चेतना संरचनाओं का दार्शनिक अध्ययन परिघटना विज्ञान कहलाता है। इसकी स्थापना 20वीं शताब्दी के आरम्भिक दिनों में एकमुंड हर्सले ने की थी। घटना क्रियाशास्त्र का विकास प्राकृतिक विज्ञानों के आधारभूत सिद्धान्तों के साथ संवाद करते हुए हुआ है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

25. निम्नलिखित में से कौन अन्योन्यक्रियावाद का एक तत्त्व नहीं है?
(a) स्व (दि सेल्फ)
(b) अहम् (दि इगो)
(c) प्रतीक (सिंबल्स)
(d) भूमिका-स्वीकरण (रोल टेकिंग)

उत्तर (b) फ्रायड ने अपने सिद्धांत को काम प्रवृत्तियों **Book (tanido)** के आधार पर समझाया है। फ्रायड को मनोविश्लेषण का पिता भी कहा जाता है। यह आत्म के विकास में समाज को महत्वपूर्ण स्थान नही देते हैं। इसीलिए अहम् **(The ego)** अन्योन्य क्रियावाद का तत्व नहीं है।

26. अभिकथन (A) : दलितों में अलगाव का भाव बढ़ रहा है।
कारण (R) : दलितों पर हाल के वर्षों में अत्याचार बढ़ा है।
दिए गए कोड से सही उत्तर का चयन कीजिए।
कोड :
(a) (A) सही है तथा (R) गलत है।
(b) (A) गलत है तथा (R) सही है।
(c) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।
(d) (A) तथा (R) दोनों सही है।

उत्तर (d)

27. सूची – I को सूची – II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कोड से सही उत्तर चुनिए :

सूची – I	सूची – II
A. जी. होमंस	i. दि स्मॉल ग्रुप
B. कार्ट राइट	ii. कलेक्टिव बिहेवियर
C. एम.एस. ओम्स्टेड	iii. ग्रुप डायनेमिक्स
D. आर.एच. टर्नर	iv. दि ह्यूमैन ग्रुप्स

कोड :

	A	B	C	D
(a)	iii	iv	ii	i
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	i	ii	iii	iv
(d)	iv	iii	i	ii

उत्तर (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

जी. होमंस	– द ह्यूमन ग्रुप्स
कार्ट राइट	– ग्रुप डायनेमिक्स
एम.एस. ओम्स्टेड	– दि स्मॉल ग्रुप
आर.एच.टर्नर	–कलेक्टिव बिहेवियर

28. भूमिका प्रत्याशा से संबंधित पुरस्कार तथा दण्ड को क्या कहते हैं?
(a) अभिप्रेरित करना (b) दण्डोपाय
(c) प्रतिमान (d) मूल्य

उत्तर (b) भूमिका प्रत्याशा एक प्रस्थिति धारण करने के फलस्वरूप समाज व्यक्ति से जिस प्रकार की भूमिका निर्वाह की अपेक्षा करता है उसे ही भूमिका प्रत्याशा कहते हैं। न्यूकाम्ब इसे भूमिका अपेक्षा कहते हैं तो लेविनसन इसे भूमिका आग्रह कहते हैं। इसीलिए भूमिका प्रत्याशा से सम्बन्धित पुरस्कार तथा दण्ड को दण्डोपाय कहते हैं।

29. सूची–I की मदों को सूची–II की मदों से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कोड से सही उत्तर चुनिए :

सूची–I	सूची–II
A. प्राथमिक समूह	i. समनर, डब्लू.जी.
B. संदर्भ समूह	ii. ब्रियर्सटेड, रॉबर्ट
C. आंतरिक समूह तथा बाह्य समूह	iii. हाइमन, आर
D. संगठित समूह	iv. चार्ल्स कूले

कोड :

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	iii	iv	ii	i
(d)	iv	iii	i	ii

उत्तर (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

प्राथमिक समूह	- चार्ल्स कूले
संदर्भ समूह	- हाइमन, आर.
आंतरिक समूह तथा बाह्य समूह	- समनर,डब्लू.जी.
संगठित समूह	- ब्रियर्सटेड,रॉबर्ट

30. निम्नलिखित में से कौन सा सामाजिक क्रिया का उदाहरण नहीं है?
(a) बाइ-साइकलों के आपस में टकराने के पश्चात दो व्यक्ति आपस में लड़ पड़ते हैं।
(b) बाइ-साइकलों के आपस में टकराने के पश्चात दो व्यक्ति आपस में खेद प्रकट कर रहे हैं।
(c) दो साइकलिस्ट एक दूसरे की ओर ध्यान दिए बिना अपने-अपने मार्ग पर बढ़ रहे हैं।
(d) दो साइकलिस्ट प्रतिकूल दिशा से आ रहे हैं और वे एक दूसरे को मार्ग देने का प्रयास करते हैं।

उत्तर (c) सामाजिक क्रिया की प्रकृति को स्पष्ट करते हुए वेबर ने लिखा है किसी भी क्रिया को हमें तभी सामाजिक क्रिया कहना चाहिए जब इस क्रिया को करने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों के द्वारा लगाए गये व्यक्तिनिष्ठ अर्थ के अनुसार उस क्रिया में दूसरे व्यक्तियों के मनोभाव तथा क्रियाओं का समावेश हो और उन्हीं के अनुसार उसकी गतिविधि निर्धारित हों। इसलिए दो साइक्लिस्ट एक दूसरे की ध्यान दिये बिना अपने-अपने मार्ग पर बढ़ रहें हो तो वह सामाजिक क्रिया नहीं है।

31. "एन आउटलाइन ऑफ सोशल साइकोलोजी" के लेखक हैं
(a) सी.एच. कूले (b) सिग्मंड फ्रायड
(c) मुजफ्फर शरीफ (d) जी.एच. मीड

उत्तर (c) एन. आउटलाइन ऑफ सोशल साइकोलॉजी के लेखक मुजफ्फर शरीफ हैं।

32. 'निर्धनता की संस्कृति' का विचार किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया?
(a) ऑस्कर लेविस (b) अबेल स्मिथ
(c) सेम्युल मेंचर (d) पीटर टाउनसेंड

उत्तर (a) गरीबी की संस्कृति (Culture of Poverty) की अवधारणा के रचनाकार अमरीकी मानवशास्त्री ऑस्कर लेविस ने विश्व के समाजशास्त्र और मानवशास्त्र में अपना नाम एक विशिष्ट रूप में दर्ज किया है।

33. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए और प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची–I	सूची–II
A. संस्कृति पर्यावरण का मानव निर्मित अंश है।	i. ई.बी. टॉयलर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

B.	संस्कृति वह जटिल समग्र है जिसमें ज्ञान, विश्वास, कला, नैतिकता, विधि, रूढ़ि आदि सभी योग्यताएँ एवं आदतें सम्मिलित हैं जिन्हें समाज में रहता हुआ सदस्य अर्जित करता है।	ii.	हरस्कोविट्स, एम जे.
C.	किसी समाज की संस्कृति उसके सदस्यों की जीवन शैली है। विचारों-आदतों का संग्रह जिन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी वह सीखते हैं, एक दूसरे में बाँटते हैं और दूसरों तक संचार करते हैं।	iii.	राल्फ लिंटन
D.	संस्कृति 'जीवन डिजाइन' है जिसमें किसी विशेष समाज के सदस्यों का विश्वास है।	iv.	सी. क्लकहॉन

कोड :

	A	B	C	D
(a)	ii	i	iii	iv
(b)	i	iii	iv	ii
(c)	iii	ii	i	iv
(d)	iv	iii	ii	i

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

संस्कृति पर्यावरण का मानव निर्मित अंश है।	– हरस्कोविट्स, एम.जे.
संस्कृति वह जटिल समग्र है जिसमें ज्ञान,विश्वास, कला, नैतिकता, विधि, रूढ़ि आदि सभी योग्यताएँ एवं आदतें सम्मिलित हैं जिन्हें समाज में रहता हुआ सदस्य अर्जित करता है।	– ई.बी. टॉयलर
किसी समाज की संस्कृति उसके सदस्यों की जीवन शैली है। विचारों-आदतों का संग्रह जिन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी वह सीखते हैं, एक दूसरे में बाँटते हैं और दूसरों तक दूसरों तक संचार करते हैं।	– राल्फ लिंटन
संस्कृति 'जीवन डिजाइन' है जिसमें किसी विशेष समाज के सदस्यों का विश्वास है।	– सी. क्लकहॉन

34. वह सिद्धान्त जो लोगों को 'स्टेज प्रबन्धकों' के रूप में देखते हैं कि वे विश्व के समक्ष प्रस्तुत किये जाने वाले प्रभावों का प्रबन्धन करते हैं, इस सिद्धान्त को कहते हैं

(a) भूमिका सिद्धान्त
(b) नाट्यकला
(c) स्व दर्पण (लुकिंग ग्लास सेल्फ)
(d) द्वन्द्वात्मक सिद्धान्त

उत्तर (b) नाट्यकला वह सिद्धांत है जो लोगों को 'स्टेज प्रबन्धकों' के रूप में देखते हैं कि वे विश्व के समझ प्रस्तुत किये जाने वाले प्रभावों का प्रबन्धन करते हैं। अभिनयशास्त्र के उपागम के अनुसार, यह माना जाता है कि स्व की रचना कई भूमिकाओं द्वारा होती है जो व्यक्ति समय-समय पर विश्व रंगमंच पर अदा करता है।

35. निम्नलिखित में से कौन सी हरबर्ट ब्लूमर के प्रतीकात्मक अन्योन्यवाद सिद्धान्त का लक्षण नहीं है?

(a) समाज का सार अभिनेताओं और क्रियाओं में प्राप्य है।
(b) समाज वृहद संरचना से निर्मित है।
(c) सूक्ष्म प्रक्रियाओं से दीर्घ-स्तर की संरचनाओं की उपज होती है।
(d) सामूहिक क्रिया से संयुक्त क्रिया उत्पन्न होती है।

उत्तर (b) हरबर्ट- ब्लूमर प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद सिद्धांत के सशक्त प्रणेता हैं और उन्होंने ही इस सिद्धांत को वैज्ञानिक धरातल पर रखा है। प्रतीकात्मक अन्योन्यवाद सिद्धांत का लक्षण नहीं है कि समाज वृहद संरचना से निर्मित है।

36. वे प्रक्रिया अथवा नियम जिनका लोगों द्वारा पालन अपेक्षित है, उन्हें कहा जाता है

(a) प्रतिमान (b) मूल्य
(c) संस्थाएँ (d) समूह व्यवहार

उत्तर (a) प्रतिमान वे प्रक्रिया अथवा नियम जिनका लोगों द्वारा पालन अपेक्षित है और सामाजिक प्रतिमानों या मानदंडों के पालन की अपेक्षा उस समाज के सभी लोगों से की जाती है।

37. धर्म, विवाह, परिवार, जाति आदि उदाहरण हैं

(a) सामाजिक मूल्यों के
(b) सामाजिक संस्थाओं के
(c) सामाजिक मानकों के
(d) समाज के सामाजिक खण्डीय खण्ड के

उत्तर (b) धर्म, विवाह, परिवार, जाति, सामाजिक संस्थाओं के आदि उदाहरण है।

38. प्रतीकात्मक अन्योन्यवाद का सामान्यतया किसे संस्थापक माना जाता है?

(a) हरबर्ट ब्लूमर (b) जॉर्ज हरबर्ट मीड
(c) मैक्स वेबर (d) एंथॉनी गिडन्स

उत्तर (b) हरबर्ट ब्लूमर प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद सिद्धांत के सशक्त प्रणेता हैं और उन्होंने ही इस सिद्धांत को वैज्ञानिक धरातल पर रखा है।

39. निम्नलिखित में से कौन सा सामाजिक स्तरीकरण का रूप नहीं है?

(a) धर्म (b) श्रेणी
(c) जाति (d) लिंग

उत्तर (a) धर्म आध्यात्मिक शक्तियों में विश्वास है न कि सामाजिक स्तरीकरण का रूप है। धर्म सामाजिक स्तरीकरण का साधन है।

40. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए और प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

	सूची–I		सूची–II
A.	डिपेंडेंस एण्ड एक्सप्लायटेशन इन वर्क एण्ड मैरिज	i.	डी.एल. बैंकर और एस.एलन.
B.	द फ्यूचर ऑफ मैरिज	ii.	जे. बरनार्ड
C.	द डेथ ऑफ द फैमिली	iii.	डी. कपूर
D.	द फैमिली एण्ड मैरिज इन ब्रिटेन	iv.	आर. फ्लैचर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड :

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	iv	iii	ii	i
(c)	ii	i	iv	iii
(d)	iii	iv	i	ii

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

डिपेंडेंस एण्ड एक्सप्लॉयटेशन इन वर्क एण्ड मैरिज	- डी.एल. बैंकर और एस.एलन.
द फ्यूचर ऑफ मैरिज	- जे. बरनार्ड
द डेथ ऑफ द फैमिली	- डी. कपूर
द फैमिली एण्ड मैरिज इन ब्रिटेन	- आर. फ्लैचर

41. पति द्वारा तलाकशुदा पत्नी को दिये जाने वाले अनुरक्षण भत्ते को क्या कहते हैं?

(a) डोवर (b) मेहर
(c) निर्वाहिका (d) दुल्हन की कीमत

उत्तर (c) पति द्वारा तलाकशुदा पत्नी को दिये जाने वाले अनुरक्षण भत्ते को निर्वाहिका कहते हैं।

42. संस्कृति के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

(a) संस्कृति का विकास किया जाता है।
(b) संस्कृति और सभ्यता एक ही सिक्के के दो पक्ष हैं।
(c) संस्कृति गैर-पदार्थक और सभ्यता पदार्थक पक्ष की ओर इंगित करते हैं।
(d) संस्कृति है कि हमारे पास क्या है जबकि सभ्यता है कि हम क्या हैं।

उत्तर (d) संस्कृति वह है जो हम हैं जबकि सभ्यता जो मेरे पास है। संस्कृति हमारे रहन-सहन तथा सोचने-समझने की शैली में, हमारे प्रतिदिन की बातचीत में, कला, साहित्य, धर्म, मनोरंजन तथा आमोद-प्रमोद में हमारे स्वभाव की अभिव्यक्ति है।

43. निम्नलिखित में से किसने मार्क्स के सिद्धान्तों को बहुदेशीय विश्व की एकल कारणीय व्याख्या है, ठहरा कर आलोचना की?

(a) मैक्स वेबर (d) राल्फ डेहरेन्डॉर्फ
(c) रैंडाल कॉलिंस (b) लेविस कोजर

उत्तर (c) रैंडाल कॉलिंस ने मार्क्स के सिद्धांतों को बहुउद्देशीय विश्व की एकल कारणीय व्याख्या है, ठहराकर आलोचना की। कॉलिंस का संघर्ष उपागम मार्क्सवादी अथवा वेबरवादी सिद्धान्तों की अपेक्षा घटना क्रियावादी और नृजाति पद्धतिशास्त्रीय उपागमों से अधिक प्रभावित है। कॉलिंस का संघर्ष सिद्धान्त सामाजिक संस्करण पर आधारित है।

44. कार्ल मार्क्स ने.......के बीच वर्ग संघर्ष का जिक्र नहीं किया।

(a) साधन सम्पन्न और साधन-विपन्न
(b) धनी और निर्धन
(c) बुर्जुआ और प्रोलेतेरियत
(d) पूँजीवादी और श्रमिक वर्ग

उत्तर (b) कार्ल मार्क्स वैज्ञानिक साम्यवाद के जनक हैं। कार्ल मार्क्स ने धनी और निर्धन के बीच वर्ग संघर्ष का जिक्र नहीं किया।

45. निम्नलिखित में से कौन सी समाजीकरण की एजेंसी नहीं है?

(a) परिवार (b) स्कूल
(c) सम-समूह (पियर ग्रुप) (d) मीडिया

उत्तर (d) जिन संस्थाओं या समूहों के माध्यम से समाजीकरण होता है। उन्हें समाजीकरण की संस्थाएँ या अभिकरण कहा जाता है। परिवार, स्कूल, सम-समूह प्रमुख अभिकरण है जबकि मीडिया अभिकरण का अंग नहीं है।

46. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए और प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

	सूची–I		सूची–II
A.	विकासवादी सिद्धान्त	i.	किंग्सले डेविस
B.	चक्रीय सिद्धान्त	ii.	अगस्त काम्टे
C.	संघर्ष सिद्धान्त	iii.	ए. सोरोकिन
D.	संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम	iv.	कार्ल मार्क्स

कोड :

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	i	iv	ii	i
(c)	ii	iii	iv	i
(d)	iv	i	ii	iii

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

विकासवादी सिद्धान्त	– अगस्त काम्टे
चक्रीय सिद्धान्त	– ए. सोरोकिन
संघर्ष सिद्धान्त	– कार्ल मार्क्स
संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम	– किंग्सले डेविस

47. निम्नलिखित में से कौन सा समुदाय का तत्त्व नहीं है?

(a) भू-भाग (b) हम की भावना
(c) सांस्कृतिक वैविध्य (d) आत्मनिर्भरता

उत्तर (c) समुदाय निश्चित भू-भाग में रहने वाले व्यक्तियों का एक ऐसा समूह है जो हम की भावनाओं से बंधे रहते हैं। इसीलिए सांस्कृतिक वैविध्य समुदाय का तत्व नहीं है।

48. ''प्राथमिक समूह मानवीय प्रकृति की नर्सरी है।'' इसका प्रतिपादन किसने किया है?

(a) चार्ल्स एच. कूले (b) जॉर्ज हर्बट मीड
(c) राल्फ डेहरेन्डॉर्फ (d) कार्ल मार्क्स

उत्तर (a) सी.एच.कूले ने कहा है कि प्राथमिक समूह मानवीय प्रकृति की नर्सरी है।

49. 'सोसायटी इन इंडिया' का लेखक कौन हैं?

(a) ए.पी. बार्नबास (b) आन्द्रे बैतेई
(c) किंग्सले डेविस (d) डेविड जी. मैण्डेलबॉम

उत्तर (d) सोसायटी इन इंण्डिया के लेखक डेविड जी. मैण्डेलबॉम हैं।

50. यह किसकी युक्ति है कि 'परिवार वे कारखाने हैं जहाँ मानव व्यक्तित्वों का उत्पादन होता है'?

(a) एम.जी. स्मिथ (b) डी.एच.जे. मोर्गन
(c) जी.पी. मरडॉक (d) टी. पारसन्स

उत्तर (d) पारसंस एक अमेरिकी समाजशास्त्री थे। वे क्रिया सिद्धांत, सामाजिक व्यवस्था और प्रकार्यवाद के प्रखर प्रणेता थे और उन्होंने कहा था कि परिवार वे कारखाने हैं जहाँ मानव व्यक्तित्वों का उत्पादन होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2014

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

सूचना : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही है। जिसने भारत में आदिवासी समुदाय के विस्थापन में योगदान दिया है?

(i) वनोन्मूलन (ii) विकास परियोजनाएँ
(iii) ऋण जाल (iv) भूमि अधिग्रहण
(v) भूमि संक्रामण (vi) अकाल

नीचे दिए गए कूट में सही उत्तर का चयन करें :

कूट :

(a) विकास परियोजनाएँ-भूमि संक्रामण-ऋण जाल
(b) वनोन्मूलन-ऋण जाल- अकाल
(c) विकास परियोजनाएँ-भूमि अधिग्रहण-अकाल
(d) विकास परियोजनाएँ-वनोन्मूलन-भूमि अधिग्रहण

उत्तर (d) भारत में आदिवासी समुदाय के विस्थापन में योगदान विकास परियोजनाएँ- वनोन्मूलन, भूमि अधिग्रहण प्रमुख कारण है जिससे आदिवासी समुदाय के विस्थापन में जबरदस्त इजाफा हुआ है।

2. एन्थोनी गिडेन्स के अनुसार ''संरचना'' से अभिप्राय है

(a) मानव जीवन का रूप और आकार
(b) मानव कार्यों से भिन्न या बाह्य
(c) समय और स्थान में अपने आप में मौजूद रहता है
(d) बाधित करना और सक्षम करना

उत्तर (d) एन्थोनी गिडेन्स बताते हैं कि संरचना का मतलब उन नियमों (Rules) और साधनों (Resources) से है जिनका प्रयोग कर्ता यानी व्यक्ति पारस्परिक क्रियाओं के सन्दर्भ में करते है। ये नियम और साधन विभिन्न स्थानों और समय पर काम में लिये जाते है
स्रोत- आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक-दोषी

3. आज के विश्व में वैश्वीकरण की प्रघटना का वर्णन 'शून्य का वैश्वीकरण' के रूप में किसने किया है?

(a) जार्ज रिट्ज़र (b) जीन बॉट्रिला
(c) एन्थॉनी गिडन्स (d) माइकल फोकॉल्ट

उत्तर (a) जार्ज रिट्जर की गणना आधुनिक समाजशास्त्री के रूप में की जाती है। 'शून्य का वैश्वीकरण' के रूप में रिट्जर ने आज के विश्व में वैश्वीकरण की प्रघटना का वर्णन किया है।

4. सूची – I को सूची – II के साथ सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची – I	सूची – II
A. जी. एस. घुर्ये	i. विलेज इंडिया
B. मैकिम मैरियट	ii. द सोशल बैकग्राउन्ड ऑफ इंडियन नेशन-लिज्म
C. ए.आर. देसाई	iii. द स्ट्रक्चर ऑफ हिन्दू सोसाइटी
D. एन.के. बोस	iv. एक्सीडेन्टल सिविलाइज़ेशन

कोड :

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	iv	i	ii	iii
(c)	iv	ii	iii	i
(d)	iii	iv	i	ii

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

सूची – I	सूची – II
जी. एस. घुर्ये	- एक्सीडेन्टल सिविलाइजेशन
मैकिम मैरियट	- विलेज इण्डिया
ए.आर. देसाई	- द सोशल बैकग्राउण्ड ऑफ इण्डियन नेशनलिज्म
एन.के. बोस	- द स्ट्रक्चर ऑफ हिन्दू सोसायटी

5. 'वास्तविकता की सामाजिक रचना' (द सोशल कंस्ट्रक्शन ऑफ रियलिटी) के लेखक थे।

(a) पीटर बर्जर
(b) ब्रिगेट बर्जर और पीटर बर्जर
(c) पीटर बर्जर और टी. लुकमैन
(d) निकलस लुमैन

उत्तर (c) ''वास्तविकता की सामाजिक रचना'' (Social construction of reality) पुस्तक बर्जर ने थामस लुकमैन के साथ लिखी है यह पुस्तक ज्ञान के समाजशास्त्र के नियमों को उजागर करती है।

6. यह किसका कथन है कि ''सजातीयता और सजातीय समूहीकरण 'मूल कारक' होते हैं इस अर्थ में कि वे मानव अस्तित्व की अवस्था में ही निहित होते है।''?

(a) फ्रेडरिक बार्थ
(b) क्लिफोर्ड गीर्ट्ज
(c) मैक्स वेबर
(d) माइकल गारफील्ड स्मिथ

उत्तर (b) क्लिफोर्ड गीर्टज का कथन है कि ''सजातीयता और सजातीय समूहीकरण ''मूल कारक'' होते है इस अर्थ में कि वे मानव अस्तित्व की अवस्था में ही निहित होती है।

7. किशोर अपराधवृत्ति की घटनाओं को स्पष्ट करने की दृष्टि से शिकागो शहर को पाँच क्षेत्रों में किसने विभाजित किया है?

(a) सी.आर. शॉ और एच.डी. मैके
(b) ए. कोहेन
(c) ई.एच. सदरलैण्ड
(d) जी. टार्डे

उत्तर (a) सी. आर. शॉ. और एच. डी. मैके के द्वारा किशोर अपराधवृत्ति की घटनाओं को स्पष्ट करने की दृष्टि से शिकागों शहर को पाँच क्षेत्रों में विभाजित किया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

8. 'द अल्टीमेट रिसोर्स' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) पॉल एहरलिच
(b) जूलियन लिन्कन साइमन
(c) फ्रैंक नोटेस्टीन
(d) किंग्सले डेविस

उत्तर (b) 'द अल्टीमेट रिसोर्स' नामक पुस्तक के लेखक जुलियन लिन्कन साइमन हैं।

9. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची–I	सूची–II
A. स्वजाति केन्द्रियता	1. निम्न जाति के व्यक्ति सामूहिक रूप से उच्च जाति, प्रथाओं और आस्थाओं को उच्चतर स्थिति प्राप्त करने के लिए अपना लेते हैं।
B. पश्चिमी-करण	2. आर्थिक या राजनीतिक शक्ति प्राप्त करते हैं और अधिक्रम में उच्चतर स्थिति में रहते हैं।
C. संस्कृति-करण	3. पश्चिमी सम्पर्क के माध्यम से हमारे समाज में आए परिवर्तनों को स्पष्ट करते हैं।
D. प्रभु जाति	4. प्रत्येक समूह की यह प्रवृत्ति होती है कि वे अपनी संस्कृति की श्रेष्ठता को ही मानते हैं।

कोड :

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	1	3	4	2
(c)	4	3	1	2
(d)	3	2	1	4

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

स्वजाति केन्द्रियता – प्रत्येक समूह की यह प्रवृत्ति होती है कि वे अपनी संस्कृति की श्रेष्ठता को ही मानते हैं।
पश्चिमीकरण – पश्चिमी संपर्क के माध्यम से हमारे समाज में आये परिवर्तनों को स्पष्ट करते हैं।
संस्कृतिकरण – निम्न जाति के व्यक्ति सामूहिक रूप से उच्च जाति, प्रथाओं और आस्थाओं को उच्चतर स्थिति प्राप्त करने के लिए अपना लेते है।
प्रभुजाति – आर्थिक या राजनीति शक्ति प्राप्त करते हैं और अधिक्रम में उच्चतर स्थिति में रहते हैं।

10. निम्नलिखित में से कौन सा उपागम गरीबी उन्मूलन, कल्याण और निष्पक्षता पर तैयार कार्यक्रमों को सम्मिलित करता है?

(a) विकास में महिलाएँ
(b) महिलाएँ और विकास
(c) लिंग और विकास
(d) महिलाएँ, पर्यावरण और विकास

उत्तर (a) भारत के विकास में महिला उपागम गरीबी उन्मूलन, कल्याण और निष्पक्षता पर तैयार कार्यक्रमों को सम्मिलित करता है।

11. सम्पूर्णानन्द आश्रम निम्नलिखित में से किससे संबद्ध है?

(a) बॉर्स्टल स्कूल
(b) ओपन जेल
(c) बन्द जेल
(d) प्रतिप्रेषण गृह

उत्तर (b) भारत में सर्वप्रथम सन् 1952 में उत्तर प्रदेश के गृहमंत्री के साथ में श्री सम्पूर्णानन्द जी ने प्रथम प्राचीर विहीन कारागार की स्थापना वाराणसी के चकिया तहसील में की ।
स्रोत- अपराध का समाजशास्त्र- डॉ. चन्द्रशेखर मिश्र

12. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए

सूची–I	सूची–II
A. सामाजिक संगठन जिसमें व्यक्तियों के पास शक्ति और सत्ता होती है।	1. बॉयोग्राफी
B. यह धारणा कि एक सेक्स लिंग स्वाभाविक रूप से दूसरे से श्रेष्ठ होता है।	2. मातृतंत्र
C. सामाजिक व्यवस्था जिसमें महिलाओं को सम्पत्ति का अधिकार विरासत में मिलता है।	3. पितृतंत्र
D. जनहित आधारित कार्यक्रम जो मानव जाति को निश्चित तरीकों से व्यवहार करने के लिए पहले से ही प्रवृत्त करता है।	4. लिंगवाद

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	3	1	2	4
(c)	3	4	2	1
(d)	4	2	1	3

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

सामाजिक संगठन जिसमें व्यक्तियों के पास शक्ति और सत्ता होती है। - पितृतंत्र
यह धारणा कि एक सेक्स लिंग स्वाभाविक रूप से दूसरे से श्रेष्ठ होता है। - लिंगवाद
सामाजिक व्यवस्था जिसमें महिलाओं को सम्पत्ति का अधिकार विरासत में मिलता है। - मातृतंत्र
जनहित आधारित कार्यक्रम जो मानव जाति को निश्चित तरीकों से व्यवहार करने के लिए पहले से ही प्रवृत्त करता है। - बायोग्राफी

13. वोट बैंक की परिकल्पना किसने की?

(a) रजनी कोठारी
(b) एम.एन. श्रीनिवास
(c) योगेन्द्र यादव
(d) ए.आर. देसाई

उत्तर (b) वोट बैंक की पहली परिकल्पना एम.एन. श्रीनिवास ने वर्ष 1955 में अपने रिसर्च पेपर 'The Social System of Mysore Village' में प्रस्तुत की। वह इसकी परिकल्पना उस 'राजनीतिक प्रभाव' के रूप में करते है जो कि गाँव के 'प्रभु' व्यक्ति के पास उससे जुड़े लोगों से सम्बन्ध में है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

14. **अभिकथन (A) :** लिंग भूमिकाएँ जैविक रूप से निर्धारित होने की बजाय सांस्कृतिक रूप से प्रभावित होती हैं।
तर्क (R) : लिंग की सांस्कृतिक संकल्पना मानव गुणता की पूरी सीमाओं को पुरूषत्व और नारीत्व के दो प्रतिकूल क्षेत्रों और उनके प्रतिकूल व्यवहार में विभाजित करती है।
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :
कूट :
(a) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(d) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।

उत्तर (b) अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सत्य है क्योंकि लैंगिक भूमिकाओं को संस्कृति जैविकीय रूप से अधिक प्रभावित करती है और तर्क R अभिकथन A की सही व्याख्या करता है क्योंकि संस्कृति ही मानव गुणता की पूरी सीमाओं को पुरूषत्व और नारीत्व दो प्रतिकूल व्यवहार में विभाजित करती है।

15. **भारतीय ग्रामीण समाज में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप निम्नलिखित में से कौन सी सर्वाधिक अवांछित स्थिति उत्पन्न हुई?**
(a) वि-कृषिकरण और आत्महत्याएँ
(b) वि-कृषिकरण
(c) कृषकों की समृद्धि
(d) कृषकों के बीच आत्महत्याएँ

उत्तर (a) भारतीय ग्रामीण समाज में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के परिणाम स्वरूप वि-कृषीकरण और आत्महत्याएँ, जैसी सर्वाधिक अवांछित स्थिति उत्पन्न हुई।

16. **निम्नलिखित में से किसके परिणामस्वरूप उच्चतर बाल निर्भरता अनुपात होता है?**
(a) जन्म के समय बढ़ती हुई आयु संभाविता
(b) बाल श्रमिकों का उच्चतर समानुपात
(c) उच्चतर प्रजनन दर
(d) प्रौढ़ व्यक्तियों का स्थानांतरण

उत्तर (c) प्रजनन दर किसी वर्ग विशेष में कुल सजीव जन्में बच्चों एवं संतानोत्पादक आयु वर्ग की प्रति हजार स्त्रियों का अनुपात होता है। इसके अनुसार संतानोत्पादक आयु वर्ग की स्त्रियाँ सवीव बच्चों को जन्म देकर किस प्रकार वर्तमान जनसंख्या में वृद्धि करते है।

17. **अभिकथन (A) :** सोरोकिन, जिमरमैन और गाल्पिन द्वारा सम्पादित "सिस्टेमैटिक सोर्स बुक इन रूरल सोशियोलॉजी" वाल्यूम 1 में ग्रामीण समाज की मूल विशेषताओं प्रथमतः अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य पर वर्णन किया गया है।
तर्क (R) : क्योंकि इसमें पूर्व युग में विभिन्न देशों से संबंधित प्रतिष्ठित समाजशास्त्रियों के विचारों का व्यापक सर्वेक्षण सम्मिलित है।
दिए गए कोड से सही उत्तर का चयन कीजिए :
कोड :
(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और(R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (a)

18. **बन्दीकरण से अभिप्राय है**
(a) स्वतन्त्रता (b) सज़ा
(c) छुट्टी (d) परिवीक्षा

उत्तर (b) बंदीकरण अपराधियों को दंड देकर समाज से अलग रखने की प्रक्रिया है। बंदीकरण की व्यवस्था भारत में मध्यकाल से शुरू की गयी।

19. **लिंग के समाजशास्त्री विश्लेषण से तात्पर्य है कि निम्न में से किसकी जाँच की जानी चाहिए?**
(a) लिंग विभाजन (b) लिंग विभेदीकरण
(c) लिंग निष्पादन (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d) लिंग के समाजशास्त्री विश्लेषण में लिंग विभाजन, लिंग विभेदीकरण तथा लिंग निष्पादन की प्रमुख रूप से जाँच की जानी चाहिए।

20. **मानव समाजों का कृषि से उद्योग और पश्च उद्योग में स्थानान्तरण मुख्य रूप से निम्नलिखित के कारण हुआ है:**
(a) प्रौद्योगिकीय नवीनताएँ
(b) उत्पादकता के लिए ज्ञान का प्रयोग
(c) (A) और (B) दोनों
(d) कार्य के लिए प्रशिक्षण

उत्तर (c) मानव समाजों का कृषि से उद्योग और पश्च उद्योग में स्थानान्तरण मुख्य रूप से प्रौद्योगिकीय नवीनतायें तथा उत्पादन के लिए ज्ञान के प्रयोग के कारण हुआ है।

21. **"बॉर्न क्रिमिनल" की परिकल्पना किसने की है?**
(a) सदरलैंड (b) लाम्ब्रॉसो
(c) टार्डे (d) गिलिन

उत्तर (b) लोम्ब्रोसो इटली के अपराध विशेष मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानी थे। उन्होंने इटली के सकारात्मक अपराध विज्ञान विद्यालय की स्थापना की। इन्हें प्रायः अपराधशास्त्र का जनक माना जाता है। 'बॉर्न क्रिमिनल" की परिकल्पना लोम्ब्रोसो ने की है। उनका विचार है कि अपराधी जन्म से ही अपराधी प्रवृत्ति एवं शारीरिक संरचना लेकर उत्पन्न होते हैं। अपराधी में अन्तर्निहित शारीरिक विकृतियाँ उसे वंशानुक्रम से प्राप्त होती है तथा वह अपनी अगली पीढ़ी को हस्तांतरित करता रहता है।

22. **तीसरी दुनिया के देशों को कार्यों के पर्याप्त पुनःस्थापन का वर्णन करने के लिए "न्यू इन्टरनैशनल डिवीज़न ऑफ लेबर" (एन आई डी एल) का प्रयोग किसने किया?**
(a) एफ. फ्रोबेल (b) इ.दुर्खीम
(c) अगस्त कॉम्टे (d) एडम स्मिथ

उत्तर (a) एफ. फ्रोबेल जर्मन पेडागोगी के प्रसिद्ध विद्वान थे, उन्होंने तीसरी दुनिया के देशों को कार्यो के पर्याप्त पुनःस्थापन का वर्णन करने के लिए "न्यू इण्टरनेशनल डिवीजन आफ लेवर (एन. आई. डी. एल.) का प्रयोग वृहद स्तर पर किया है।

23. **अभिकथन (A) :** वैश्वीकरण के युग में शहरीकरण और औद्योगिकीकरण के कारण भारत में कृषक वर्ग का विस्थापन हुआ।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

तर्क (R) : राज्य द्वारा भूमि अधिग्रहण के कारण कृषक वर्ग का निष्कासन हुआ है।

कूट :

(a) (A) सत्य है, (R) असत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं।
(c) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।
(d) (A) असत्य है और (R) सत्य हैं।

उत्तर (b) 'शहरीकरण एवं औद्योगीकरण के फलस्वरूप कृषक वर्ग का विस्थापन हुआ है तथा राज्य द्वारा भूमि अधिग्रहण भी कृषक वर्ग के विस्थापित होने के कारण है। अतः दोनों कथन सत्य है।

24. किसी उद्योग में कामगारों के लाभों को किस प्रक्रिया से प्राप्त किया जाता है?

(a) मध्यस्थता (b) सुलह
(c) सामूहिक सौदाकारी (d) अधिनिर्णय

उत्तर (c) सामूहिक सौदाकारी मालिक व कामगारों के मध्य कार्य निष्पादन हेतु किये गये समझौते का विनिमय है। कामगारों के हित उनके प्रतिनिधियों द्वारा एक संघ के माध्यम से प्रस्तुत किये जाते हैं।

25. श्रम विभाजन के कारण हस्तान्तरण का उल्लेख किसने किया है?

(a) सोरोकिन (b) दुर्खीम
(c) गिलिन (d) मार्क्स

उत्तर (d) मार्क्स ने सर्वप्रथम श्रम-विभाजन के कारण हस्तांन्तरण का उल्लेख किया है।

26. अभिकथन (A) : भारत में बच्चों का कम लिंग अनुपात मुख्यतः कन्या भ्रूण हत्या के कारण है।

तर्क (R) : पितृत्व व्यवस्था के कारण भारत में "पुत्र वरीयता" बहुत अधिक है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं।
(b) (A) सत्य हैं, किन्तु (R) असत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।
(d) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य हैं।

उत्तर (a) भारत में बच्चों का कम लिंग अनुपात का कारण भ्रूण हत्या है और इसका प्रमुख कारण पुत्र वरीयता का होना है। समाज में लिंग विभेदीकरण के कारण आज समाज में स्त्री बनाम पुरुष का विवाद देखने को मिलता है। अतः अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सत्य है।

27. राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000, उद्देश्य के सन्दर्भ में सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची–I	सूची–II
A. तत्काल	1. गर्भ-निरोध की आवश्यकता, स्वाथ्य देख-रेख बुनियादी सुविधाएँ और शिशु स्वास्थ्य-देखभाल
B. मध्य-अवधि	2. धारणीय आर्थिक संवृद्धि की अपेक्षाओं, विकास और पर्यावरणीय संरक्षण के अनुरूप स्तर पर 2045 तक स्थायी जनसंख्या प्राप्त करना
C. दीर्घ-अवधि	3. प्रचलनात्मक रणनीतियों के कार्यान्वयन के माधयम से टी.एफ.आर. को 2010 तक प्रतिस्थापन स्तर तक लाना

कूट :

	A	B	C
(a)	3	1	2
(b)	1	3	2
(c)	2	3	1
(d)	1	2	3

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

तत्काल	-	गर्भ-निरोध की आवश्यकता, स्वाथ्य देख-रेख बुनियादी सुविधाएँ और शिशु स्वास्थ्य-देखभाल।
मध्य-अवधि	-	प्रचलनात्मक रणनीतियों के कार्यान्वयन के माध्यम से टी.एफ.आर. को 2010तक प्रतिस्थापन स्तर तक लाना।
दीर्घ-अवधि	-	धारणीय आर्थिक संवृद्धि की अपेक्षाओं, विकास और पर्यावरणीय संरक्षण के अनुरूप पर 2045 तक स्थायी जनसंख्या प्राप्त करना।

28. ज्ञान आधारित विकास किस पर निर्भर नहीं करता है?

(a) ज्ञान संचय (b) ज्ञान प्रसार
(c) पूर्वानुमान के लिए ज्ञान (d) उत्पादन के लिए ज्ञान

उत्तर (c) पूर्वानुमान विषयनिष्ठता पर आधारित होता है न कि वस्तुनिष्ठता पर।

29. कौन सी ग्रामीण समाज की विशेषता नहीं है?

(a) संयुक्त परिवार
(b) कृषि संबंधी अर्थ-व्यवस्था
(c) प्राकृतिक पर्यावरण का पूर्व-बाहुल्य
(d) ग्रामीण विभेदीकरण

उत्तर (d) ग्रामीण समाज की विशेषता ग्रामीण विभेदीकरण नहीं है।

30. अभिकथन (A) : शहरी और औद्योगिक केन्द्रों में गन्दी बस्तियाँ किशोर अपराध वृत्ति का जन्म स्थल होती हैं।

तर्क (R) : किशोर ग्रामीण क्षेत्रों से औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में रोजगार के लिए जाते हैं।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य हैं।

उत्तर (a) अशिक्षा, असामाजिकता एवं अज्ञानता के परिणामस्वरूप शहरी एवं औद्योगिक स्थल पर बसे मलिन बस्तियों में किशोर अपराधी प्रवृत्ति के होते है अतः अभिकथन A सत्य है तथा तर्क R भी सत्य है कि किशोर ग्रामीण क्षेत्रों से औद्योगिक एवं शहरी क्षेत्रों में रोजगार के लिए आते हैं क्योंकि वहाँ रोजगार का अभाव रहता है परन्तु तर्क R अभिकथन A की व्याख्या नहीं करता है।

31. किस संवैधानिक संशोधन द्वारा इसकी प्रस्तावना में "धर्म निरपेक्षता, समाजवाद और सत्यनिष्ठा" शब्दों को शामिल किया गया है?

(a) चौथा संशोधन 1955

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) सातवाँ संशोधन 1956
(c) चौदहवाँ संशोधन 1962
(d) बयालीसवाँ संशोधन 1976

उत्तर (d) (42) बयालीसवाँ संविधान संशोधन (1976) सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर संविधान के द्वारा मौलिक कर्तव्य को संविधान में जोड़ा गया। इसे रूस के संविधान से लिया गया है।

32. ''लिव इन रिलेशनशिप'' एक नवीनतम प्रघटना है जो निम्न में से किस समाज में पाई और स्वीकार की जाती है?

(a) जन-जातीय (b) ग्रामीण
(c) शहरी (d) विश्वनगर

उत्तर (d) लिव इन रिलेशनशिप एक नवीनतम प्रघटना है जो विश्व नगर समाज में पाई जाती है और वर्तमान समय में आधुनिक समाजों में स्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। जिससे समाज में विवाहेत्तर यौन-सम्बन्धों की बारम्बारता बढ़ रही है। इससे समाज में प्रतिमानशून्यता हावी हो रहा है। जो समाज के लिए शुभ संकेत नहीं है।

33. पर्यावरण सम्मेलन रियो-92 मुख्यतः किस पर केन्द्रित था?

(a) मानव विकास (b) प्रोत्साहन योग्य विकास
(c) निर्धनता में कमी (d) जनसंख्या नियन्त्रण

उत्तर (b) पर्यावरण सम्मेलन रियो- 92 मुख्यतः प्रोत्साहन योग्य विकास पर केन्द्रित है।

34. ''सोशल मॉबिलिटी इन इन्डस्ट्रीयल सोसायटी'' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) एस.एम. लिपसेट और आर. बेन्डिक्स
(b) आर.के. मर्टन
(c) पी.एल. बर्जर
(d) आर. बेन्डिक्स

उत्तर (a) एस.एम. लिपसेट और आर. बेनेडिक्स राजनीतिक समाजशास्त्र के जनक है तथा इनकी कृति सोशल मॉबिलिटी इन इण्डस्ट्रीयल सोसायटी है।

35. सूची – I को सूची – II के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची – I	सूची – II
A. डिलिक्वंसी एण्ड अपॉर्च्युनिटी	1. क्लोवर्ड और ओहलिन
B. सोशियोलॉजी ऑफ डेविएन्ट बिहेवियर	2. क्लीनार्ड
C. सोशल इनइक्वालिटी	3. बैतेई
D. डेविएन्स एण्ड सोसायटी	4. टायलर

कोड :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	3	2	1
(c)	3	4	1	2
(d)	2	3	4	1

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

डिलिक्वंसी एण्ड अपॉर्च्युनिटी - क्लोवर्ड और ओहलिन
सोशियोलॉजी ऑफ डेविएन्ट बिहेवियर - क्लीनार्ड
सोशल इनइक्वालिटी - बैतेई
डेविएन्स एण्ड सोसायटी - टायलर

36. ''क्लास एण्ड क्लास कॉन्फ्लिक्ट इन इन्डस्ट्रीयल सोसायटी'' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) कार्ल मार्क्स (b) आर.डहरेनडार्फ
(c) मैक्स वेबर (d) आर.के. मर्टन

उत्तर (b) आर. डहरेनडार्फ को प्रतिष्ठा दिलाने वाली उनकी पुस्तक क्लास एण्ड क्लास कॉन्फ्लिक्ट इन इण्डस्ट्रीयल सोसायटी- 1959 है। इस पुस्तक में इन्होंने संघर्ष सिद्धाँत को प्रतिपादित किया है।

37. निम्नलिखित में से कौन सा वैश्वीकरण का सूचक नहीं है?

(a) श्रम और मानव शक्ति का मुक्त संचलन
(b) निवेश के लिए विदेशी पूँजी का मुक्त प्रवाह
(c) रक्षा प्रौद्योगिकी का मुक्त प्रवाह
(d) विदेशी पूँजी प्रौद्योगिकी का मुक्त प्रवाह

उत्तर (c) वैश्वीकरण का शाब्दिक अर्थ स्थानीय या क्षेत्रीय वस्तुओं या घटनाओं को विश्वस्तर पर रूपांतरण की प्रक्रिया है। इसे एक ऐसी प्रक्रिया का वर्णन करने के लिए भी प्रस्तुत किया जा सकता है। जिसके द्वारा पूरे विश्व के लोग लिकर एक समाज बनाते है तथा एक साथ कार्य करते है।
एंथोनी गिडेन्स ने वैश्वीकरण में चार तत्व सम्मिलित किये हैं–
1. पूँजीवाद 2. अंतरराज्य व्यवस्था
3. सैन्यवाद 4. उद्योगवाद

38. स्थायी जनसंख्या संरचना के लिए निम्नलिखित में से एक प्रक्रिया का चयन करें :

(a) स्थिर जन्म और मृत्यु दर
(b) बढ़ती हुई जन्म दर और स्थिर मृत्यु दर
(c) घटती हुई जन्म दर और बढ़ती हुई मृत्यु दर
(d) स्थिर जन्म दर और घटती हुई मृत्यु दर

उत्तर (a) एक वर्ष में 15 से 49 वर्ष की 1000 महिलाओं से जितने बच्चे पैदा होते हैं उसे सामान्य दर कहते है।
मृत्युदर वह संख्या है जिससे 1 वर्ष में 1000 लोगों में मृत्यु के अवसरों को देखा जाता है। इसमें गर्भपात एवं मृत शिशु के जन्म को सम्मिलित नहीं करते। जब जन्म एवं मृत्यु दर स्थिर हो जाती है, जनसंख्या स्थायी हो जाती है।

39. निम्नलिखित में से कौन सा लिंग समता से संबंधित है?

(a) आर्थिक सशक्तिकरण
(b) समतावादी संबंध
(c) महिलाओं की स्वतंत्रता और स्वाधीनता
(d) शक्ति तथा अन्य संसाधनों तक समान पहुँच

उत्तर (c) महिलाओं की स्वतंत्रता और स्वाधीनता लिंग समता से सम्बन्धित है।

40. भारत की वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा सही नहीं है?

(a) ग्रामीण जनसंख्या की दशकीय संवृद्धि दर 1991-2001 के बाद वर्ष 2001-2011 में कम हो गई है।
(b) दस लाख से अधिक शहरी/शहरी समूहों में प्रत्येक 10 शहरी निवासियों, जिनमें से 4 ऐसे 5 संकुलित शहरों में रहते हैं।
(c) गुजरात राज्य में सबसे अधिक शहरी/शहरी समूह हैं जिनकी जनसंख्या एक मिलियन या इससे अधिक है।
(d) 2001 के बाद 2011 में दस लाख से अधिक वाले शहरों में सेक्स अनुपात बढ़ गया है।

उत्तर (c)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

41. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची–I	सूची–II
A. आन्द्रे बैते	1. इंडियाज पथ ऑफ डेवलपमेन्ट
B. ए.आर. देसाई	2. एन्टीनॉमीज़ ऑफ सोसायटी
C. एन्थॉनी गिडन्स	3. ग्लोबलाइजेशन एण्ड इट्स डिस्कान्टेन्ट
D. स्टिगलिट्ज़ ई.जोसेफ	4. द कॉनसिक्वन्सेस ऑफ माडर्निटी

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	2	1	3	4
(c)	4	3	2	1
(d)	2	4	3	1

उत्तर (*) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

आन्द्रे बेतेई	-	एन्टीनॉमीज़ ऑफ सोसायटी
ए.आर. देसाई	-	इंडियाज पथ ऑफ डेवलपमेन्ट
एन्थोनी गिडेन्स	-	द कॉनसिक्वन्सेस ऑफ मॉडर्निटी
स्टिगलिट्ज ई.जोसेफ	-	ग्लोबनाइजेशन एण्ड इट्स डिस्कान्टेन्ट

42. ऐसी अभिवृत्तियाँ और व्यवहार जो किसी व्यक्ति के अपने लैंगिक मानदंडों के अनुरूप होती है, उन्हें कहते हैं :

(a) लिंग तादात्म्यता (b) लिंग उपयुक्तता
(c) लिंग व्यवस्था (d) लिंग संवेदन

उत्तर (b) लिंग उपयुक्तता ऐसी अभिवृत्तियाँ और व्यवहार जो किसी व्यक्ति के अपने लैंगिक मानदण्डो के अनुरूप होती है।

43. विकसित रूप में आधुनिक ''जनसांख्यिकीय संक्रमण'' सिद्धान्त किससे संबंधित है?

(a) किंग्सले डेविस (b) फ्रैंक नोटेस्टीन
(c) थॉमस माल्थस (d) डब्ल्यू. डब्ल्यू. रोस्को

उत्तर (b) विकसित रूप में आधुनिक ''जनसांख्यिकीय संक्रमण'' सिद्धान्त ''फ्रैंक नोटेस्टीन'' से संबन्धित है।

44. उच्चतर प्रजनन शक्ति संबंधित है :

1. विवाह के समय कम आयु
2. घरेलू आय का निम्न स्तर
3. उच्चतर निरक्षरता दर
4. शहरी जनसंख्या का उच्चतर अनुपात

कूट :

(a) 1, 2, 4 (b) 2, 3, 4
(c) 1, 2, 3 (d) 1, 3, 4

उत्तर (c) उच्चतर प्रजनन शक्ति, विवाह के समय कम आयु, घरेलू आय का निम्न स्तर, उच्चतर निरक्षरता दर से सम्बन्धित है। ये सभी कारक उच्चतर जनसंख्या की वृद्धि में सहायक होते है।

45. सूची – I को सूची – II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए

सूची – I	सूची – II
A. वह व्यक्ति जिसकी सामान्य निवास से बाहर गणना की गई है।	1. अनिवार्य प्रवसन
B. उस व्यक्ति के साथ रहने वाले पति/पत्नी और बच्चे जो सामान्य निवास से अलग स्थान पर रहता है।	2. प्रचलन प्रवसन
C. युद्ध/हिंसा के कारण विस्थापित व्यक्ति जो अन्य स्थान पर पड़ाव डाल कर रहते हो।	3. प्रवासी
D. ऐसा व्यक्ति/ग्रुप जो प्रत्येक वर्ष कुछ समय के लिए अपने सामान्य निवास से अलग स्थान पर कार्य की तलाश में आए हो और मूल निवास स्थान पर वापस आ जाते हों।	4. सहचारी प्रवसन

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	4	1	2
(b)	3	2	4	1
(c)	1	2	4	3
(d)	4	3	2	1

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

वह व्यक्ति जिसकी सामान्य निवास से बाहर गणना की गई हो।	– प्रवासी
उस व्यक्ति के साथ रहने वाले पति/पत्नी और बच्चे जो सामान्य निवास से अलग स्थान पर रहते है	– सहचारी प्रवसन
युद्ध/हिंसा के कारण विस्थापित व्यक्ति जो अन्य स्थान पर पड़ाव डाल कर रहते हो	– अनिवार्य प्रवसन
ऐसा व्यक्ति/ग्रुप जो प्रत्येक वर्ष कुछ समय के लिए अपने सामान्य निवास से अलग स्थान पर कार्य की तलाश में आए हो और मूल निवास स्थान पर वापस आ जाते हों।	– प्रचलन प्रवासी

46. 73वें संवैधानिक संशोधन में ग्राम पंचायतों में निम्नलिखित उपबंधों को शामिल किया गया है। कूट के अनुसार सर्वाधिक सही युग्म का चयन करें :

(i) महिलाओं के लिए आरक्षण
(ii) दलितों के लिए आरक्षण
(iii) निर्णय लेने में ग्राम सभा को शामिल करना
(iv) जनता की भागीदारी

(a) (i) और (iv) (b) (ii) और (iii)
(c) (iv), (iii) और (i) (d) (i), (ii) और (iii)

उत्तर (d) 73वें संविधान संशोधन अधिनियम 1992 द्वारा ग्राम पंचायतों में महिलाओं के लिए आरक्षण, दलितों के लिए आरक्षण तथा निर्णय लेने में ग्राम सभा को शामिल करने जैसे उपबंधों को शामिल किया है।

47. 'सोशल डेविएन्स इन इंडिया' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) सुशील चन्द्र (b) एम ज़ेड खान
(c) एस.पी. श्रीवास्तव (d) आर. आहूजा

उत्तर (a) सुशील चन्द्र ''सोशल डेविएन्स इन इण्डिया नामक'' पुस्तक के लेखक है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

48. भारत में जनसंख्या शिक्षा में निम्न में से किस पर ध्यान केन्द्रित नहीं किया गया है?

(a) शहरीकरण और पर्यावरण संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूकता पैदा करना।
(b) जनसंख्या गतिकी पर जागरूकता विकसित करना।
(c) जनसंख्या नियन्त्रण के लिए मुख्य उपाय तैयार करना।
(d) जनसंख्या नीति के संबंध में ज्ञान सृजन करना।

उत्तर (c) भारत में जनसंख्या शिक्षा में जनसंख्या नियन्त्रण के लिए मुख्य उपाय तैयार करने पर ध्यान केन्द्रित नहीं किया गया है।

49. सूची – I को सूची – II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए

सूची – I	सूची – II
A. एम. बी क्लीनार्ड	1. सोशियोलॉजी ऑफ डेविएन्ट बिहेवियर
B. आर.ए. क्लोवर्ड और एल.ई. ओहलिन	2. डेलिनक्यूएन्सी एण्ड अपॉर्च्यूनिटी
C. ए.के. कोहेन	3. डेलिनक्यून्ट ब्यॉज
D. जे. बाउल बी.	4. फोर्टी-फोरजुवेनाइल थीव्स

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	3	2	1
(c)	3	4	2	1
(d)	2	1	3	4

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

एम. बी क्लीनार्ड	-	सोशियोलॉजी ऑफ डेविएन्ट बिहेवियर
आर.ए. क्लोवर्ड और एल.ई. ओहलिन	-	डेलिनक्यूएन्सी एण्ड अपॉर्च्यूनिटी
ए.के. कोहेन	-	डेलिनक्यून्ट ब्यॉज
जे. बाउल बी.	-	फोर्टी-फोरजुवेनाइल थीव्स

50. यह किसका तर्क है कि मर्टन असभ्यतापूर्ण और आनन्द के लिए सैर करने जैसे, ऐसे गैर-उपयोगितावादी अपराधों का विवरण देने में असमर्थ रहे हैं, जिनसे आर्थिक लाभ प्राप्त नहीं होता है?

(a) डब्ल्यू.बी. मिलर (b) एलबर्ट.के.कोहेन
(c) आर.ए.क्लोवर्ड (d) एल.ई. ओहलिन

उत्तर (b) अलबर्ट के कोहन के अपराध की संस्कृति सम्बंधी व्याख्या की। उन्होंने बताया कि निम्नवर्ग के किशोर एवं नौजवान एक अलग उपसंस्कृति विकसित कर लेते है जो उनके लिए मान्य होती है परन्तु मुख्य धारा की संस्कृति के विपरीत होती है। इसके कारणों की व्याख्या करने में मर्टन असमर्थ थे।

51. अभिकथन (A) : विकास बहुधा संजातीय आन्दोलन की लहर को प्रेरित करता है।
तर्क (R) : लोगों का विस्थापन बड़े बांधों के निर्माण के कारण होता है।

कूट :
(a) (A) असत्य है, (R) सत्य है।
(b) (A) और (R) दोनों असत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं।
(d) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है।

उत्तर (c) विकास प्रमुखतः संजातीय आंदोलन की प्रेरणा के फलस्वरूप होता है। तथा लोगो का विस्थापन भी बाँध निर्माण का प्रमुख कारण है अतः अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सत्य है।

52. निम्नलिखित में से कौन से संक्रामक रोगों का भारत से अभी पूर्णतः उन्मूलन होना शेष है?

(a) क्षय रोग
(b) कॉलेरा
(c) स्मॉल पॉक्स
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a) भारत से अभी पूर्णतः संक्रामक रोगों में क्षय रोग का उन्मूलन होना शेष है। भारत ने वर्ष 2030 तक इसे समाप्त करने का लक्ष्य रखा है।

53. ''आदिवासियों के समावेशन की हिन्दू विधि'' से एन.के. बोस का अभिप्राय है

(a) आदिवासियों का हिन्दू सामाजिक संगठनों में बलपूर्वक समावेशन
(b) श्रेष्ठ सांस्कृतिक व्यवस्था होने के कारण आदिवासियों द्वारा हिन्दू के जीने के तरीकों की नकल करना
(c) आदिवासियों द्वारा जाति प्रथा को इसलिए स्वीकार करना क्योंकि इसमें आर्थिक सुरक्षा और सांस्कृतिक उदारवादिता है
(d) औपनिवेशिक शक्तियों द्वारा आदिवासियों का शोषण

उत्तर (c) आदिवासियों के समावेशन की हिन्दू विधि से एन.के.बोस का अभिप्राय आदिवासियों द्वारा जाति प्रथा को इसीलिए स्वीकार करना क्योंकि इसमें आर्थिक सुरक्षा और सांस्कृतिक उदारवादिता है। मूर्धन्य भारतीय मानवशास्त्रीय निर्मल कुमार बोस की गणना प्रारंभिक अग्रणी मानवशस्त्रियों में की जाती है।

54. सूची – I को सूची – II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए

सूची – I	सूची – II
A. पुरूषतंत्र	1. महिलाओं द्वारा सरकार
B. उभय लिंगता	2. महिलाओं का शासन
C. स्त्रीराज्य	3. पुरूषों का शासन
D. स्त्रीतंत्र (गाइनो-क्रेसी)	4. एक ही व्यक्ति में पुरूषों और महिलाओं के गुण होना

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	3	4	2
(b)	4	1	3	2
(c)	3	4	1	2
(d)	4	1	2	3

उत्तर (c) सूची-I का सूची-II से सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

पुरूषतंत्र	-	पुरूषों का शासन
उभय लिंगता	-	एक ही व्यक्ति में पुरूषों और महिलाओं के गुण होना
स्त्रीराज्य	-	महिलाओं द्वारा सरकार
स्त्रीतंत्र	-	महिलाओं का शासन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

55. सूची – I को सूची – II के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची – I	सूची – II
A. प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम	1. 1961
B. औद्योगिक विवाद अधिनियम	2. 1947
C. कारखाना अधिनियम	3. 1948
D. कर्मकार प्रतिकर अधिनियम	4. 1923

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	3	2	1
(c)	2	1	3	4
(d)	1	2	4	3

उत्तर (a) **सूची-I का सूची-II से सही सुमेलन निम्न प्रकार है–**

प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम - 1961
औद्योगिक विवाद अधिनियम - 1947
कारखाना अधिनियम - 1948
कर्मकार प्रतिकर अधिनियम - 1923

56. डी.पी. मुखर्जी का मानना है कि भारतीय समाजशास्त्री होने के लिए किसी भी व्यक्ति का सबसे पहले भारतीय होना आवश्यक हैं, अर्थात :

(a) उसका जन्म भारत में हुआ हो।
(b) वह व्यक्ति भारतीय समाज और संस्कृति का अविवेचित प्रशंसक हो।
(c) संस्कृति हो।
(d) भारतीय परम्पराओं और संस्कृति से परिचित हो।

उत्तर (d) मुखर्जी ने भारतीय समाज के अध्ययन के लिए परम्पराओं के अध्ययन को आवश्यक बताया है भारतीय समाजशास्त्री होने के लिए किसी भी व्यक्ति का सबसे पहले भारतीय होना आवश्यक है अर्थात भारतीय परम्पराओं और संस्कृति से परिचित हो।

57. निम्नलिखित में से कौन सी संस्था महिलाओं के व्यक्तित्व को शरीर और वस्तु तक ही सीमित करके महिलाओं के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा देने की सांस्कृतिक प्रभुता को प्रबलित करती है?

(a) परिवार (b) जन संचार
(c) शैक्षिक संस्थाएँ (d) धर्म

उत्तर (b) जनसंचार संस्था महिलाओं के व्यक्तित्व को शरीर और वस्तु तक ही सीमित करके महिलाओं के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा देने की सांस्कृतिक प्रभुता को प्रबलित करती है।

58. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए

सूची–I	सूची–II
A. इक्विटी	1. उत्पादन के सभी कारकों का दक्षतापूर्ण प्रयोग
B. गरीबी विरोधी	2. अधिकार आधारित अभिगम
C. दक्षता	3. विकास के लाभों का उचित वितरण
D. सशक्तता	4. आय जनित कार्यक्रम

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	4	3	2
(b)	3	4	1	2
(c)	4	1	2	3
(d)	2	4	3	1

उत्तर (b) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

इक्विटी - विकास के लाभों का उचित वितरण
गरीबी विरोधी - आय जनित कार्यक्रम
दक्षता - उत्पादन के सभी कारकों का दक्षता पूर्ण प्रयोग
सशक्तता - अधिकार आधारित अभिगम

59. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए

सूची – I (पुस्तकें)	सूची–II (लेखक)
A. कास्ट्स एण्ड रेस इन इंडिया	i. एस.सी. दुबे
B. रिमेम्बर्ड विलेज	ii. एम.एन. श्रीनिवास
C. राजस्थान विलेज	iii. जी.एस. घुर्ये
D. इंडियन विलेज	iv. बी.आर. चौहान

कूट :

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	ii	iii	iv	i
(c)	iv	ii	iii	i
(d)	iii	i	iv	ii

उत्तर (*) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

कास्ट्स एण्ड रेस इन इण्डिया - जी.एस. घुर्ये
रिमेम्बर्ड विलेज - एम.एन. श्रीनिवास
राजस्थान विलेज - बी.आर. चौहान
इण्डियन विलेज - एस. सी. दूबे
नोट – U.G.C. द्वारा विकल्प- D को सही माना गया है।

60. अमरीका में किशोर अपराधवृत्ति पर ''निष्प्रभावन प्रविधि'' पर किसने चर्चा की?

(a) ए.के. कोहेन
(b) ई.एच.सदरलैंड
(c) डी. माट्ज़ा एण्ड जी. साइक्स
(d) डब्ल्यू.बी. मिलर

उत्तर (c) बाल अपराध शब्द की व्युत्पत्ति अंग्रेजी के जुवेनाइल डेलिंक्वेन्सी शब्द से हुई है। इसमें दो शब्दों का योग है। प्रथमतः जुवेनाइल जिसका आशय बाल, तरूण अथवा किशोरों से है।, द्वितीयतः डेलिन्क्वेंसी शब्द की व्युत्पत्ति लैटिन भाषा के शब्द डेलिन्क्यू से है जिसका तात्पर्य कर्तव्यच्युत होना, अनुचित कार्य करना, चूक जाना या असफल होना आदि से है और अमेरिका में किशोर अपराधवृति पर निष्प्रभावन प्रविधि पर डी. माट्ज़ा एण्ड जी. साइक्स ने सर्वप्रथम चर्चा की है।

61. यह टिप्पणी किसने की है कि ज्ञान और शक्ति का सह अस्तित्व है और ये आपस में एक दूसरे का समर्थन करते हैं?

(a) जे. डेरिडा (b) ए. गिडेन्स
(c) जे. हैबरमास (d) एम. फोकॉल्ट

उत्तर (d) एम. फोकॉल्ट एक फ्रांसीसी विचारक है। उत्तर-आधुनिकतावाद के प्रणेता थे। उन्होंने कहा है कि ज्ञान और शक्ति का सह अस्तित्व है और ये आपस में एक दूसरे का समर्थन करते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

62. एन्थॉनी गिडेन्स का ''रिफलैक्सीविटी'' से क्या अभिप्राय है?
(a) प्रतिवर्ती सिद्धान्त वह सिद्धान्त होते हैं जो स्वयं से संदर्भित हैं।
(b) प्रतिवर्ती सिद्धान्त के अनुसार विचार भौतिक स्थितियों को प्रतिबिम्बित करते हैं।
(c) यह वह तरीका है जिसमें व्यक्ति लगातार अपने कार्य-व्यवहारों को परखता है और उसी के अनुसार उनमें-परिवर्तन करता है।
(d) वह तरीका जिसमें समाजशास्त्री किसी समुदाय की सामाजिक स्थितियों को प्रतिबिम्बित करते हैं।

उत्तर (c) स्वसमता (Reflexivity) का अर्थ है समाज को एक जैसा बराबर बनाना। यह एक ऐसी प्रिक्रया है जिसके द्वारा संस्थायें एवं व्यक्ति ज्ञान का संचय करते है और इसका प्रयोग समाज को संगठित एवं परिवर्तित करने में किया जाता है।

63. अभिकथन (A) : भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति को इस प्रकार अभिमुख करने की आवश्यकता है कि वह वैश्वीकरण की चुनौतियों का सामना कर सके।
तर्क (R) : भारत के सम्पूर्ण विकास के लिए शिक्षा का निजीकरण, एम.एन.सी. में कार्य के अवसरों को प्रदान करना और उदार व्यापार और व्यवसाय नीतियाँ आवश्यक है।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं किन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (b) – (A) और (R) दोनों सत्य हैं किन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।

64. निम्नलिखित में से कौन सा लैंगिक चिन्ताओं की कार्य नीति से संबंधित है? नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :
(i) खाद्य सुरक्षा
(ii) जागरूकता बढ़ाना
(iii) शिक्षा
(iv) आय जनित कार्यक्रम
(v) राजनीतिक सशक्तीकरण
कूट :
(a) (i) (ii) (iv)
(b) (ii) (iii) (v)
(c) (iii) (iv) (v)
(d) (v) (i) (iv)

उत्तर (b) जागरूकता, शिक्षा तथा राजनीतिक सशक्तीकरण लैंगिक चिन्ताओं की कार्यनीति से संबंधित है तथा खाद्य सुरक्षा व आय जनित कार्यक्रम मानव विकास से सम्बंधित है न कि लैंगिक चिंताओं से।

65. सूची – I को सूची – II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए

	सूची – I		सूची – II
A.	माइकल फोकॉल्ट	i.	राइटिंग एण्ड डिफरेन्स
B.	जैक डेरिडा	ii.	डिसिप्लिन एण्ड पनिश
C.	एन्थॉनी गिडेन्स	iii.	स्ट्डीज़ इन एथनोमैथोडोलॉजी
D.	हेरॉल्ड गारफिंकल	iv.	द कन्स्टीट्यूशन ऑफ सोसायटीः द थ्योरी ऑफ स्ट्रक्चरेशन

कूट :

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	iv	iii	ii	i
(c)	ii	i	iii	iv
(d)	ii	i	iv	iii

उत्तर (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

a. माइकल फोकॉल्ट	-	डिसिप्लिन एण्ड पनिश
b. जैक डेरिडा	-	राइटिंग एण्ड डिफरेन्स
c. एन्थॉनी गिडेन्स	-	द कन्स्टीट्यूशन ऑफ सोसायटीः द थ्योरी ऑफ स्ट्रक्चरेशन
d. हेरॉल्ड गारफिंकल	-	स्ट्डीज़ इन एथनोमैथोडोलॉजी

66. सुधारक संस्थाएँ किशोर अपराधवृत्ति में सुधार करने में सहायक होती है अन्यथा सुधार प्रक्रिया को कहते हैं
(a) प्रत्याशित समाजीकरण
(b) प्रौढ़ समाजवाद
(c) पुनःसमाजीकरण
(d) पुनर्वास

उत्तर (c) पुनः समाजीकरण का कार्य वि-समाजीकरण के बाद ही सम्भव है किसी के द्वारा पहले सीखे हुऐ व्यवहार को भुलाकर उसके द्वारा नया व्यवहार सीखना ही पुनः समाजीकरण कहलाता है जैसे अपराधियों का सभ्य पुरूष बनना।

67. समाजशास्त्री अनुसन्धान में ग्रामीण-शहरी कॉन्टीन्यूम के अध्ययन का सुझाव सबसे पहले किसने दिया?
(a) ए. सोरोकिन और जिमरमैन (b) रॉबर्ट रेडफील्ड
(c) मैकिम मैरियट (d) जी.एस. घुर्ये

उत्तर (a) ए. सोरोकिन मूलतः रूसवासी थे। उनके लेखनों को उत्तेजनात्मक माना जाता है। समाजशास्त्रीय अनुसंधान में ग्रामीण शहरी कॉन्टीन्यूम के अध्ययन का सुक्षाव सबसे पहले ए. सोरोकिन तथा जिमरमैन ने दिया है।

68. सूची – I को सूची – II के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची – I		सूची – II
A.	बियॉन्ड ग्लोबलाइजेशन : शेपिंग ए सस्टेनेबल ग्लोबल इकोनॉमी	1.	हेन्डरसन हैज़ल
B.	रीथिंकिंग ग्लोबलाइज़ेशन : क्रिटिकल इश्यूज़ एण्ड पॉलिसी च्वाइसीस	2.	मार्टिन खोर
C.	ग्लोबलाइज़ेशन एण्ड इंडिया	3.	पुरुषोत्तम भट्टाचार्य और अजितव चौधरी
D.	ग्लोबलाइज़ेशन चैलेंजस इन इन्डिया	4.	आलोक रॉय

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए कोड से सही उत्तर का चयन कीजिए :
कोड :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	3	2	1
(c)	2	1	3	4
(d)	1	2	4	3

उत्तर (a) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

सूची – I		**सूची – II**
बियॉन्ड ग्लोबलाइजेशन शेपिंग ए सस्टेनेबल ग्लोबल इकोनॉमी	-	हेण्डरसन हैज़ल
रीथिंकिंग ग्लोबलाइज़ेशन क्रिटिकल इश्यूज़ एण्ड पॉलिसी च्वाइसीस	-	मार्टिन खोर
ग्लोबलाइज़ेशन एण्ड इंडिया	-	पुरुषोत्तम भट्टाचार्य और अजितव चौधरी
ग्लोबलाइज़ेशन चैलेंजस इन इन्डिया	-	आलोक रॉय

69. निम्नलिखित में से कौन सा ''पूर्ण गरीबी'' से संबंधित नहीं है?
(a) गरीबी रेखा
(b) डेप्रीवेशन इन्डेक्स
(c) जीवन की मूल आवश्यकताएँ
(d) मैटीरियल डेप्रीवेशन

उत्तर (b) डेप्रीवेशन इंडेक्स किसी क्षेत्र में डेप्रीवेशन (वंचना) के स्तर का मापक है।

70. निम्नलिखित में से कौन सा ''सामाजिक अपवर्जन'' का अनिवार्य घटक है?
(a) गुणवत्तापूर्ण खाने से इनकार करना
(b) रोजगार से इनकार करना
(c) सामाजिक अधिकारों से इनकार करना
(d) निवास से इनकार करना

उत्तर (c) सामाजिक अपवर्जन से आशय यह है कि जब समाज के अंगों में सामंजस्य नहीं रहता है एवं सामाजिक एकता भंग होने लगती है। यह सापेक्ष अवधारणा है एवं प्रत्येक समाज में कम या अधिक मात्रा में उपस्थित होता है।

71. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची–I	**सूची–II**
A. क्राइम एण्ड पर्सनैलिटी	1. एच. आइजेंक
B. ह्यूमन डेवियेन्स, सोशल प्रॉब्लेम्स एण्ड सोशल कन्ट्रोल	2. ई.एम. लेमर्ट
C. डेलीक्वन्सी एण्ड ड्रिफ्ट	3. डी. माट्ज़ा
D. जुवेनाइल डेलीक्वन्सी एण्ड अर्बन एरियास	4. सी.आर. शॉ और एच.डी. मैके

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :
कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	3	2	1
(c)	3	2	1	4
(d)	2	4	3	1

उत्तर (a) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

क्राइम एण्ड पर्सनैलिटी	-	एच. आइजेंक
ह्यूमन डेवियेन्स, सोशल प्रॉब्लेम्स एण्ड सोशल कन्ट्रोल	-	ई.एम. लेमर्ट
डेलीक्वन्सी एण्ड ड्रिफ्ट	-	डी. माट्ज़ा
जुवेनाइल डेलीक्वन्सी एण्ड अर्बन एरियास	-	सी.आर. शॉ और एच. डी. मैके

72. अभिकथन (A) : ग्रामीण समाजशास्त्र भारत में समाजशास्त्र का एक सुविकसित और प्राचीन क्षेत्र है।
तर्क (R) : भारत में बहुत से विशिष्ट सामाजिक मानवविज्ञानियों और समाजशास्त्रियों ने 20वीं शताब्दी के प्रारम्भ में भारतीय ग्रामीण समाज का अध्ययन किया।
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :
कूट :
(a) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है।
(b) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं।
(d) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।

उत्तर (c) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं।

73. मानव समाज के विकास की सही अवस्थाओं का चयन कीजिए :
(a) शिकार करना और खाना जमा करना, हो-कल्चर और पशु-पालन, हल और पालतू पशुओं पर आधारित कृषि अर्थ व्यवस्था और आधुनिक औद्योगिक पूँजीगत उत्पादन।
(b) शिकार करना और खाना जमा करना, कृषि अर्थ व्यवस्था और पशु-पालन और आधुनिक औद्योगिक पूँजीवाद।
(c) खाना जमा करना, शिकार करना, पशु-पालन, कृषिक, यान्त्रिक कृषि उत्पादन
(d) खाना जमा करना, शिकार करना, पशुचारण, बागवानी और कृषि

उत्तर (a) स्पेंसर ने समाज के क्रमिक विकास को खाद्य संग्राहक, शिकारी, पशुपालन, कृषक में विभाजित किया है।

74. सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया जिसके लिए व्यक्तियों के सकारात्मक मूल्य होते हैं, उन्हें कहते हैं
(a) वैश्वीकरण (b) शहरीकरण
(c) विकास (d) आर्थिक संवृद्धि

उत्तर (c) विकास सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया होती है जिसके लिए व्यक्तियों के सकारात्मक मूल्य होते हैं। विकास द्वारा एक देश के अधिकाधिक नागरिक उच्च भौतिक रहन-सहन के स्तर, स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन प्राप्त करने के साथ-साथ अधिकाधिक मात्रा में शिक्षित होने का प्रयास करते है।

75. ''मोर इक्वालिटी'' पुस्तक के लेखक कौन हैं?
(a) हर्बट जी. गैन्स (b) जे.सी. किनकैड
(c) ए.के. सेन (d) ए. गॉर्ज

उत्तर (a) मोर इक्वालिटी पुस्तक के लेखक हरबर्ट जी. गैन्स हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2014
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्न में से किसने 'अव्यक्त' (अप्रत्यक्ष) और 'व्यक्त' (प्रत्यक्ष) प्रकार्य की अवधारणा को प्रस्तुत किया?
(a) ई. दुर्खीम (b) आर. के. मर्टन
(c) बी. मैलिनॉवस्की (d) ए.आर. रैडक्लिफ-ब्राऊन

उत्तर (b)–मर्टन ने पूर्ववर्ती प्रकार्यवादियों की मान्यताओं का खण्डन करते हुए प्रकार्यात्मक विश्लेषण की पद्धति को संशोधित रूप में प्रस्तुत किया तथा किसी घटना या इकाई के परिणामों के सूक्ष्म विश्लेषण पर बल देते हुए आर. के. मर्टन ने अव्यक्त (अप्रत्यक्ष) और व्यक्त (प्रत्यक्ष) प्रकार्य की अवधारणा को प्रस्तुत किया। बीसवीं शताब्दी के अमेरिकी समाजशास्त्र में राबर्ट. के. मर्टन की गणना अग्रणी सामाजशास्त्रियों में की जाती है। मध्यवर्ती सिद्धाँतों से मर्टन का तात्पर्य तार्किक रूप से अन्तर्सम्बन्धित ऐसी अवधाणाओं (Conceptes) से है जो व्यापक किन्तु महती सीमित क्षेत्र से सम्बन्धित होती है।

2. निम्न में से किसने 'यथार्थवादी' और 'गैर यथार्थवादी' नामक दो प्रकार के संघर्ष में विभेद किया है?
(a) कार्ल मार्क्स (b) लेविस ए. कोज़र
(c) जॉर्ज सिमेल (d) आर. डेहरेनडॉर्फ

उत्तर (b)–लेविस ए. कोजर के संघर्ष का बहुत बड़ा योगदान यह है कि वे इस तथ्य को स्थापित करत हैं। कि प्रत्येक समाज में संघर्ष अनिवार्य है। कोजर ने बुनियादी रूप में संघर्ष दो प्रकार के बताये है। 1. यथार्थवादी और 2. गैर यथार्थवादी

3. समग्र और उपसमग्र में संख्यात्मक प्रतिनिधित्व को न मानते हुये निम्न में से कौन सी प्रतिदर्श प्रणाली में इकाइयों की समान संख्या का चयन प्रत्येक उपश्रेणी में से किया जाता है?
(a) सरल यादृच्छिक प्रतिदर्शचयन
(b) स्तरित यादृच्छिक प्रतिदर्शचयन
(c) आनुपातिक स्तरित यादृच्छिक प्रतिदर्शचयन
(d) गैर आनुपातिक स्तरित यादृच्छिक प्रतिदर्शचयन

उत्तर (d)–गैर आनुपातिक स्तरित यादृच्छिक प्रतिदर्शचयन समग्र और उपसमग्र में संख्यात्मक प्रतिनिधित्व को न मानते हुऐ प्रतिदर्श प्रणाली में इकाइयों की समान संख्या का चयन प्रत्येक उपश्रेणी में से किया जाता है।

4. सूची- I में दिए गए तथ्यों को सूची- II से सुमेलित कर नीचे दिए गए कूटो से सही उत्तर का चयन कीजिए:

	सूची- I	सूची- II
A.	छोटे समूह जिनमें लोग व्यक्ति विशेष के रूप में एक दूसरे को अंतरंग रूप से जानते हैं।	i. समूह गतिशीलता
B.	अन्य समूह के सदस्यों की स्वीकृति अथवा अंतरंगता की मात्रा	ii. प्राथमिक समूह
C.	हमारे निर्णयों और कार्यों के लिए आदर्श अथवा मार्गदर्शक के रूप में स्वीकृत कोई समूह	iii. सामाजिक अंतर
D.	लघु समूहों के बीच परस्पर क्रिया का वैज्ञानिक अध्ययन	iv. संदर्श समूह

कूटः

	A	B	C	D
(a)	i	iv	iii	ii
(b)	ii	iii	iv	i
(c)	i	ii	iii	iv
(d)	iii	iv	ii	i

उत्तर (b)– **सुमेलित–**

छोटे समूह जिनमें लोग व्यक्ति विशेष के रूप में एक दूसरे को अतरंग रूप से जानते है।	– प्राथमिक समूह
अन्य समूह के सदस्यों की स्वीकृति अथवा अतरंगता की मात्रा	– सामाजिक अंतर
हमारे निर्णयों और कार्यों के लिए आदर्श अथवा मार्गदर्शक रूप में स्वीकृत कोई समूह	– संदर्श समूह
लघु समूहों के बीच परस्पर क्रिया का वैज्ञानिक अध्ययन	– समूह गतिशीलता

5. संचयी आवृत्ति वक्र को कहा जाता है
(a) चाप विकर्ण (b) आयत चित्र
(c) आवृत्ति बहुभुज (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a)–चाप विकर्ण को संचयी आवृति वक्र कहा जाता है।
संचयी आवृत्ति वक्र प्रायः माध्यिका अथवा चतुर्थांक ज्ञान करने के लिए निकाला जाता है।

6. सामान्य और विकृत प्रकार्य में किसने विभेद किया?
(a) रेडक्लिफ-ब्राउन (b) टी. पार्सन्स
(c) ई. दुर्खीम (d) एम. वेबर

उत्तर (c)–ई. दुर्खीम को आधुनिक समाजशास्त्र विषय के संस्थापकों में से एक अग्रणी प्रर्वतक माना जाता है और उन्होंने सामान्य और विकृत प्रकार्य में विभेद किया है

7. पी.ए. सोरोकिन किसके बीच विभेद करने के लिए जाने जाते हैं?
(a) अन्तः समूह और बाह्य समूह
(b) समूहों में प्राथमिक एवं द्वितीयक सम्बन्ध
(c) यांत्रिक और जैविक समेकता
(d) अन्तः क्रिया की परिवारिक, संविदात्मक और अनिवार्य व्यवस्थाएँ

उत्तर (d)–पी. ए. सोरोकिन मूलतः रूसवासी थे। प्रख्यात समाजशास्त्री टॉलकॉट पारसंस और आर. के. मर्टन भी सोरोकिन के शिष्य एवं साथी रहे है। सोरोकिन ने अन्तः क्रिया की पारिवारिक, संविदात्मक और अनिवार्य व्यवस्थाओं में विभेद करने के लिए जाने जाते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

8. सामाजिक अनुसंधान में एकल अध्ययन प्रविधि का प्रयोग सर्वप्रथम निम्नलिखित में से किसने किया?
(a) ई. दुर्खीम (b) फ्रेडरिक लेप्ले
(c) हरबर्ट स्पेंसर (d) कार्ल मार्क्स

उत्तर (b)– सामाजिक अनुसंधान में एकल अध्ययन प्रविधि (Case Study Method) का सर्वप्रथम प्रयोग वर्ष 1829 में फ्रेडरिक ली प्ले ने किया। उन्होंने इसका प्रयोग Family Budgets के संदर्भ में किया। तत्पश्चात् वर्ष 1967 में बारने ग्लेजर एवं एन्सेलम स्ट्रॉस जैसे समाजशास्त्रियों ने पुनः इसको परिष्कृत रूप में सामाजिक विज्ञान में नवीन सिद्धान्त के रूप में प्रयुक्त किया। केस स्टडी, गुणात्मक विश्लेषण का एक रूप है। जिसमें किसी व्यक्ति, परिस्थिति या संस्था का बहुत सावधानी तथा पूर्णता के साथ अवलोकन किया जाता है। वर्तमान में केस स्टडी का सर्वाधिक प्रयोग शिक्षा जगत में किया जा रहा है।

9. मैक्स वेबर के अनुसार प्रतिष्ठा समूहों की पहचान किसके द्वारा की जाती है?
(a) शिक्षा (b) जीवनशैली
(c) व्यवसाय (d) पारिवारिक पृष्ठभूमि

उत्तर (b)–मैक्स बेबर की प्रतिष्ठा समाजशास्त्रीय साहित्य में बहुत ऊँची हैं आधुनिक समाजशास्त्र को उन्होंने बहुत कुछ दिया है। किंग्सले डेविस तो यहाँ तक कहते है कि मैक्स बेबर आधुनिक समाजशास्त्र के जनक थे। मैक्स बेबर के अनुसार प्रतिष्ठा समूहों की पहचान जीवनशैली से की जाती है।

10. निम्नलिखित में से कौन प्रस्थिति की समाजशास्त्रीय समझ की श्रेणी में नहीं आता?
(a) श्रेणी (b) प्रतिष्ठा
(c) अहम (d) जीवनशैली

उत्तर (c)–अहम प्रस्थिति की समाजशास्त्रीय समझ की श्रेणी में नहीं आता है सामाजिक प्रस्थिति का अभिप्राय सामाजिक सम्बन्धों में व्यक्ति की स्थिति से है।

11. सूची- I को सूची- II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गये कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

सूची- I	सूची- II
A. विकास	1. संरचनात्मक परिवर्तन
B. प्रगति	2. स्तरो में परिवर्तन
C. क्रांति	3. मात्रात्मक परिवर्तन
D. रूपांतरण	4. गुणात्मक परिवर्तन

कूट:

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	2	3	1	4
(c)	3	2	1	4
(d)	1	4	3	2

उत्तर (b)– **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

विकास	–	स्तरो में परिवर्तन
प्रगति	–	मात्रात्मक परिवर्तन
क्रांति	–	संरचनात्मक परिवर्तन
रूपांतरण	–	गुणात्मक परिवर्तन

12. एक समुदाय के अंतर्गत सम्बन्ध होते हैं
(a) अंतरंग और अर्जित
(b) टिकाऊ, प्रदत्त और अव्यक्तिक
(c) अंतरंग, अर्जित और टिकाऊ
(d) अंतरंग, टिकाऊ और प्रदत्त

उत्तर (d)–समुदाय के निर्माण के लिए तीन तत्व आवश्यक होते हैं। (1) व्यक्तियों का समूह (2) निश्चित भौगोलिक क्षेत्र (3) हम की भावना या सामुदायिक भावना। समुदाय के अन्तर्गत अंतरंग, टिकाऊ और प्रदत्त संबंध होते है।

13. निम्नलिखित में से कौन से समिति के तत्व हैं?
(a) अत्यक्तिक, प्रतिस्पर्द्धात्मक, दीर्घकालिक संबंध
(b) संविदात्मक, व्यक्तिपरक, गणनात्मक संबंध
(c) व्यक्तिगत, दीर्घकालिक, संविदात्मक संबंध
(d) भावात्मक, स्वतःस्फूर्त, प्रतिस्पर्द्धात्मक संबंध

उत्तर (b)–संविदात्मक, व्यक्तिपरक, एवं गणनात्मक संबंध समिति के तत्व है। वर्तमान समाज में सार्वजनिक जीवन, व्यापार, विज्ञान, सट्टा बाजार आदि से सम्बन्धित विभिन्न हितों की सुरक्षा के लिए बनाये गये नियमों, संगठन का ढंग और औपचारिक तरीके से जिन समूहों का गठन किया जाता है, समिति कहते हैं।

14. भारतीय समाज के अध्ययन में 'भारत विद्या परिप्रेक्ष्य' का उपयोग करने के लिए कौन जाने जाते हैं?
(i) जी.एस. घुर्ये (ii) लुई ड्यूमो
(iii) एन.के. बोस (iv) एम.एन. श्रीनिवास
नीची दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
कूट:
(a) (i) और (ii) (b) (ii) और (iii)
(a) (iii) और (iv) (d) (iv) और (i)

उत्तर (a)–भारतीय समाज के अध्ययन में भारत विद्या परिप्रेक्ष्य का उपयोग करने वाले प्रो. जी. एस. घुरिये प्रथम समाजशास्त्री थे। बाद में लुइस डयूमा ने भी अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'होमो हाइरार्किस' में भारतीय जाति व्यवस्था का विश्लेषण इसी परिप्रेक्ष्य द्वारा किया है।

15. निम्नलिखित समाजशास्त्रियों में से कौन सा समाजशास्त्र के फ्रांसीसी सम्प्रदाय से संबंधित नहीं है?
(a) ऑगस्ट कॉम्टे (b) इमाईल दुर्खीम
(c) बी. चार्ल्स मांटेस्क्यू (d) वी. पेरेटो

उत्तर (d)–वी. पेरेटो फ्रांसीसी सम्प्रदाय से सम्बनिधत नहीं है। बल्कि वे इटली के निवासी थे। वे मूल रूप से एक इंजीनियर थे। जो बाद में अर्थशास्त्री और समाजशास्त्री बन गये थे।

16. दो कथन दिए गए हैं जिनमें एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है
अभिकथन (A): भारतीय राजनीति में दलितों द्वारा अपनी उपस्थिति दर्ज कराना दलित अस्मिता में बदल गया है।
तर्क (R) : दलितों के राजनीतिकरण से उनमें सामाजिक गतिशीलता का प्रादुर्भाव हुआ है।
नीचे दिए गए कूटो में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
कूट:
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं पर (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, और (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, और (R) सही है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (a)–भारतीय राजनीति में दलितों द्वारा अपनी उपस्थिति दर्ज कराना दलित अस्मिता में बदल गया है क्योंकि दलितों के राजनीतिकरण से उनमें समाजिक गतिशीलता का प्रादुर्भाव हुआ है।

17. जाति किसका एक उदाहरण है?

(a) अर्जित स्तर (b) भूमिका संघर्ष
(c) प्रस्थिति संगति (d) प्रदत्त प्रस्थिति

उत्तर (d)–ऐसी प्रस्थिति जो व्यक्ति को बिना प्रयत्न किये प्राप्त हो अथवा उसकी योग्यता एवं कार्यकुशलता का कोई योगदान ना हो, प्रदत्त प्रस्थिति कहलाती है। जाति, प्रदत्त प्रस्थिति का एक उदाहरण है।

18. 'द डैथ ऑफ द फैमिली' पुस्तक किसने लिखी है?

(a) ई. लीच (b) डी. कूपर
(c) डब्लू. जे. गूडे (d) जी. पी. मरडॉक

उत्तर (b)–"दी डैथ आफ दी फैमिली" पुस्तक के लेखक डी. कूपर है।

19. समाजशास्त्र की एक परिप्रेक्ष्य द्वारा पहचान है जो निम्नलिखित में से किसको पूर्व भूमि में रखता है?

(a) व्यक्ति
(b) संस्कृति
(c) सामाजिक अंतःक्रिया
(d) विलक्षण सामाजिक घटनाएँ

उत्तर (c)–समाजशास्त्र की एक परिप्रेक्ष्य द्वारा पहचान है। जो सामाजिक अन्तःक्रिया को पूर्व भूमि में रखता है।
गिन्सबर्ग के अनुसार, "समाजशास्त्र मानवीय अन्तः क्रियाओं और उनकी दशाओं और परिणामों का अध्ययन करता है।

20. 'पूर्ण संस्थान' (टोटल इंस्टीट्यूशन) शब्द का क्या अर्थ है और उसमें क्या सम्मिलित है?

(a) संगठित प्रतिष्ठान
(b) मानकों से बचने की कम संभावना
(c) प्रशासनिक ढाँचे के नियमों से बचने की कम संभावना
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d)–संस्था नियमों, प्रथाओं एवं रीतियों का संगठन होता है संस्था के अन्तर्गत संगठित प्रतिष्ठान, मानक तथा प्रशासनिक ढाँचे के नियमों से बचने की कम सम्भावना है।

21. सूची- I को सूची- II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची- I	सूची- II
A. ई. दुर्खीम	1. धार्मिक जीवन के मूलभूत रूप (Elementary Forms of Relilgious life)
B. डब्ल्यू.जे. गुडे	2. पावर ऐलीट (Power Elite)
C. सी.डब्ल्यू. मिल्स	3. धर्म की समाजशास्त्रीय व्याख्या (The Sociological Interpretation of Religion)
D. आर. रॉबर्टसन	4. विश्वक्रांति और फेमिली पैटर्न्स (World Revolution and family Patterns)

नीचे दिए गए कूटो में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

कूटः

	A	B	C	D
(a)	1	4	2	3
(b)	3	2	4	1
(c)	1	2	3	4
(d)	2	3	4	1

उत्तर (A)–सुमेलित–

ई. दुर्खीम	-	धार्मिक जीवन के मूलभूत रूप
डब्ल्यू.जे. गूडे	-	विश्वक्रांति और फेमिली पैटन्स
सी.डब्ल्यू. मिल्स	-.	पावर ऐलीट
आर. रॉबर्टसन	-	धर्म की समाजशास्त्रीय व्याख्या

22. संपूर्ण जनसंख्या के अध्ययन पर आधारित सांख्यिकीय माप को कहते हैं

(a) मापदंड (b) सांख्यिकी
(c) निष्कर्ष (d) समग्र

उत्तर (a)–सम्पूर्ण जनसंख्या के अध्ययन पर आधारित संख्यिकीय माप को मापदण्ड कहते हैं।

23. 'डीस्कूलिंग सोसायटी' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) के. डेविस और डब्ल्यू. ई. मूर
(b) आर. कोलिंस
(c) आई. इलिच
(d) एस. बाउल्स और एच. जिन्टिस

उत्तर (c)– 'डीस्कूलिंग सोसायटी' के पुस्तक के लेखक आई. इलिच है।

24. प्रकार्यवादियों की मूल प्रविधि क्या है?

(a) आनुमानिक इतिहास (b) पुस्कालय कार्य
(c) क्षेत्र कार्य (फील्ड वर्क) (d) विषय-वस्तु विश्लेषण

उत्तर (c)–प्रकार्यवादियों की मूल प्रविधि क्षेत्र कार्य है। इस प्रविधि की शुरूआत भारतीय समाजशास्त्री एम.एन. श्रीनिवास ने की।
भारतीय समाजिक विचारक- एस.एम. दोषी

25. निम्नलिखित में से कौन सामाजिक संरचना में परिवर्तन का सूचक नहीं है?

(a) सामंती से औद्योगिक समाज
(b) औद्योगिक से सामंती समाज
(c) सामंती से पूँजीवादी समाज
(d) समाज में पुरूष वर्चस्व

उत्तर (d)–सामाजिक संरचना में परिवर्तन का सूचक समाज में पुरूष वर्चस्व नहीं है।

26. निम्नलिखित भारतीय समाजशास्त्रियों में से कौन 'मूल्यों का समाजशास्त्र' पर लिखने के लिए जाना जाता है?

(a) जी.एस.घुर्ये (b) राधाकमल मुखर्जी
(c) डी.पी. मुकर्जी (d) ए.के. सरन

उत्तर (b)– भारत में मूल्यों का समाजशास्त्र के जनक राधा कमल मुखर्जी को माना जाता है। इनके अनुसार, मूल्य समाज द्वारा मान्यता प्राप्त वो इच्छायें तथा लक्ष्य है जिनका आंतरीकरण समाजीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से होता है और जो व्यक्तिपरक अधिमान्यतायें प्रतिमान तथा अभिलाषायें बन जाती है। मूल्य का सम्बन्ध पूर्ण व्यक्तित्व से है। मूल्य मनुष्य की प्राणिशास्त्रीय आवश्यकताओं, सामाजिक सम्बन्धों और मानव के आदर्शों पर आधारित है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

27. नीचे दो कथन दिए गए हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है :
अभिकथन (A): जेल में अपराधियो का पुनर्सामाजीकरण उस सुधार विधि का भाग है जो उनके पुनर्वास में सहायता करता है।
तर्क (R) : बिना समुचित पुनर्वास के छोड़े गए कैदी फिर से अपराध में संलिप्त हो जाते हैं और वापिस जेल आ जाते हैं।
नीचे दिए गए कूटो में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
कूटः
(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (a)–जेल में अपराधियों का पुनर्सामाजीकरण किया जाता है इससे उनके पुनर्वास में सहायता मिलती है जिससे वे पुनः अपराधों में संलिप्त ना हो अतः अभिकथन A तथा R दोनों सत्य है तथा कारण R, A की सही व्याख्या है।

28. व्यक्तियों या सामाजिक समूह या किसी संगठन की बेहतरी हेतु सामाजिक स्थिति को सुधारने के लिए किये गए अनुसंधान को कहते हैं
(a) सर्वेक्षण अनुसंधान (b) क्रियानिष्ठ अनुसंधान
(c) गुणात्मक अनुसंधान (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (b)–क्रियानिष्ठ (क्रियात्मक) अनुसंधान एक संगठित तथा खोजपूर्ण प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य व्यक्तियों अथवा समूहों से सम्बन्धित सुधार लाने हेतु उनका अध्ययन करना एवं साथ ही मौलिक परिवर्तन लाना है।

29. यदि दो चर अपने मूल्यों में विपरीत दिशा में बदलते है तो उसे कहते हैं
(a) सकारात्मक सहसंबंध (b) रेखीय सहसंबंध
(b) नकारात्मक सहसंबंध (d) आंशिक सहसंबंध

उत्तर (c)–यदि दो चर अपने मूल्यों में विपरीत दिशा में बदलते है तो उसे नकारात्मक सहसंबंध कहते है।
सहसम्बन्ध प्रमुखतः दो प्रकार के होते है-
(1) मात्रात्मक सहसम्बन्ध (2) गुणात्मक सहसम्बन्ध ।

30. आनुभाविक वास्तविकता का सामाजिक संरचना से कोई लेना देना नहीं है, यह निम्न में से किसकी मान्यता है?
(a) ए.एफ. नडेल (b) एल. फिर्थ
(c) लेवी स्ट्रॉस (d) आर. के. मर्टन

उत्तर (c)–लेवी स्ट्रॉस ने कहा आनुभाविक वास्तविकता का सामाजिक संरचना से कोई लेना देना नहीं है

31. विशेषीकृत अभिलक्षणों की पहचान हेतु व्यवस्थित और वस्तुपरक पद्धति में प्रलेखित संप्रेषण के विश्लेषण में हम निम्नलिखित में से किस प्रणाली का उपयोग करते हैं?
(a) केस स्टडी (b) साहचर्य तकनीक
(c) विषय-वस्तु विश्लेषण (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c)– विषय वस्तु विश्लेषण (अन्तर्वस्तु विश्लेषण) प्राथमिक अथवा द्वितीयक स्रोतो द्वारा प्राप्त शोध तथ्यों की अन्तर्वस्तु की क्रमबद्ध, वस्तुनिष्ठ तथा परिमाणात्मक वर्णन के लिए अपनायी जाने वाली एक शोध प्रविधि है।

32. सूची-I के मदो को सूची-II के मदो से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए कूटो में सही उत्तर चुनिए:

सूची- I	सूची- II
A. उद्विकास	1. पी.ए. सोरोकिन
B. उद्विकासवादी क्रांति	2. कार्ल मार्क्स
C. चक्रीय उद्विकास	3. हर्बर्ट स्पेन्सर
D. सतत् क्रांति	4. एल. गॉट्स चॉक

कूटः

	A	B	C	D
(a)	3	2	1	4
(b)	1	2	3	4
(c)	2	3	1	4
(d)	4	2	3	1

उत्तर (a)– सुमेलित–

उद्विकास	–	हरबर्ट स्पेन्सर
उद्विकासवादी क्रांति	–	कार्ल मार्क्स
चक्रीय उद्विकास	–	पी.ए. सोरोकिन
सतत् क्रांति	–	एल. गॉट्स चॉक

33. निम्नलिखित में से किस विचारक ने कहा है कि, 'जो व्यक्ति किसी भी प्रकार के तथ्यों को वर्गीकृत करता है, जो परस्पर संबंधों को देखता है और उसके अनुक्रम में वर्णन करता है, वैज्ञानिक प्रणाली को लागू कर रहा है और विज्ञान का व्यक्ति है।' ?
(a) के. पॉपर (b) ई. नगेल
(c) जे. गाल्टंग (d) कार्ल पियर्सन

उत्तर (d)–कार्ल पियर्सन ने कहा है कि, "जो व्यक्ति किसी भी प्रकार के तथ्यों को वर्गीकृत करता है, जो परस्पर संबंधों को देखता है और उनके अनुक्रम में वर्णन करता है, वैज्ञानिक प्रणाली को लागू कर रहा है और विज्ञान का व्यक्ति है।

34. निम्नलिखित में से कौन किंग्सले डेविस के 'सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धांत' का आलोचक हैं?
(a) लुइस ड्यूमो (b) एम.एम. ट्यूमिन
(c) रॉबर्ट मर्टन (d) टॉलकाट पार्सन्स

उत्तर (b)–किंग्सले डेविस के सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धाँत के आलोचक एम.एम. ट्यूमिन हैं।

35. 'साइंटिफिक थ्योरी ऑफ कल्चर' पुस्तक के लेखक कौन हैं?
(a) ई. बी. टॉयलर (b) पी.एम. सोरोकिन
(c) बी. मैलिनॉवस्की (d) ए.आर. रैडक्लिफ-ब्राऊन

उत्तर (c)–मानवशास्त्र में प्रकार्यवादी सिद्धाँत के एक प्रमुख हस्ताक्षर पोलैण्ड निवासी ब्रॉनिस्ला केस्पर मैलिनोवस्की मूलतः भौतिकशास्त्र और गणितशास्त्र में दीक्षित थे। मैलिनोवस्की प्रकार्यवादी सिद्धाँत के प्रणेताओं में से रहे हैं। उनकी चर्चित पुस्तक "साइंटिफिक थ्योरी आफ कल्चर" है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

36. किसका कथन है कि, 'समाजशास्त्र मानव जीवन, समूहों और समाजों का वैज्ञानिक अध्ययन है।'?

(a) टी. बी. बोटोमोर (b) किंग्सले डेविस
(c) टॉलकॉट पार्सन्स (d) एन्थोनी गिड्डेंस

उत्तर (d)–एन्थोनी गिडेन्स ने कहा है कि समाजशास्त्र मानव जीवन समूहों और समाजों का वैज्ञानिक अध्ययन है

37. सूची-I के मदो को सूची-II के मदों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची- I (कार्य)	सूची- II (लेखक)
A. मानव समाज	1. ई. दुर्खिम
B. समाज	2. किंग्सले डेविस
C. समाज में श्रम का विभाजन	3. टी.बी. बोटोमोर
D. समाजशास्त्रः साहित्य और समस्याओं की मार्गदर्शिका	4. मैकाइवर एवं पेज

कूटः

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	4	1
(c)	1	4	3	2
(d)	2	4	1	3

उत्तर (d)– सुमेलित–

(कार्य)		(लेखक)
मानव समाज	–	किंग्सले डेविस
समाज	–	मैकाइवर एवं पेज
समाज में श्रम का विभाजन	–	ई. दुर्खीम
समाजशास्त्रः साहित्य और समस्याओं की मार्गदर्शिका	–	टी.बी. बोटोमोर

38. माध्य के सभी मदों के विचलनों का योग सदैव होगा

(a) 1 (b) 0
(c) 2 (d) 6

उत्तर (b)–माध्य के सभी मदों के विचलनों का योग सदैव शून्य होगा।

39. निम्नलिखित में से कौन सा सर्वाधिक अस्थिर औसत है?

(a) माध्य (b) बहुलक
(c) माध्यिका (d) ज्यामितीय माध्य

उत्तर (b)–किसी भी पदमाला को जो समूह के रूप में अधिक आता है या जिसमें लिखी हुई इकाईयों की संख्या अधिक हो उसे भूमिष्ठिक या बहुलक कहा जाता है। बहुलक सर्वाधिक अस्थिर औसत है।

40. निम्न में से एक कौन सी विशेषता 'संस्था' शब्द की समाजशास्त्रीय दृष्टि से सही व्याख्या करती है?

(a) एक ऐसा स्थान जहाँ बहुत लोग काम करते हों।
(b) एक ऐसा कार्यालय परिसर जहाँ बहुत सा महत्वपूर्ण कार्य किया जाता हो।
(c) एक ऐसा संगठन जो किसी महत्वपूर्ण प्रकार्य में लगा हो।
(d) परस्पर संबद्ध ऐसे लोकाचार एवं आचार-विचार का एक समुच्चय जो सिद्धांत के इर्द-गिर्द एकीकृत है।

उत्तर (d)– परस्पर संबद्ध ऐसे लोकाचार एवं आचार-विचार का एक समुच्चय जो सिद्धांत के इर्द-गिर्द एकीकृत है 'संस्था' शब्द की समाजशास्त्रीय दृष्टि से सही व्याख्या करती है। जब सामाजिक समूह की कार्य प्रणाली या कार्य विधि समाज द्वारा स्वीकृत होकर नियमों के रूप में स्थापित हो जाती है तब इन नियमों एवं कार्य प्रणालियों को संस्था कहते हैं।

41. निम्न में से कौन सा अनुसंधान अभिकल्प नगरीय मध्य वर्ग जनसंख्या के मताधिकार के व्यवहार के अध्ययन के लिए उपयुक्त होगा?

(a) अन्वेषणात्मक (b) वर्णनात्मक
(c) प्रयोगात्मक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (b)–अनुसंधान अभिकल्प नगरीय मध्य वर्ग जनसंख्या के मताधिकार के व्यवहार के अध्ययन के लिए उपयुक्त होगा।

समस्या के अन्तर्निहित लक्षणों की जानकारी प्राप्त करना आवश्यक है। वर्णनात्मक प्रारूप इसी उद्देश्य की पूर्ति करता है।

42. सूची-I को सूची- II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिएः

सूची- I	सूची- II
A. भूमिका दबाव	1. परस्पर संबद्ध भूमिकाओं का समूह जो मिलकर एक सामाजिक प्रतिष्ठा का निर्माण करते हैं।
B. भूमिका संघर्ष	2. किसी के भूमिका दायित्व निर्वाह में कठिनाई
C. भूमिका संक्रमण	3. दो भूमिकाओं की प्रतियोगात्मक माँगें
D. भूमिका समुच्चय	4. एक भूमिका से दूसरी में परिवर्तन

कूटः

	A	B	C	D
(a)	4	2	1	3
(b)	3	4	2	1
(c)	2	3	4	1
(d)	1	3	2	4

उत्तर (c)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

भूमिका दबाव	-	किसी के भूमिका निर्वाह में कठिनाई
भूमिका संघर्ष	-	दो भूमिकाओं की प्रतियोगात्मक माँगे
भूमिका संक्रमण	-	एक भूमिका से दूसरी में परिवर्तन
भूमिका समुच्चय	-	परस्पर संबंद्ध भूमिकाओं का समूह जो मिलकर एक सामाजिक प्रतिष्ठा का निर्माण करते है।

43. निम्नलिखित में से कौन सा 'सामाजिक समावेशन' का आवश्यक घटक है?

(a) भोजन उपलब्ध कराना।
(b) आवास उपलब्ध कराना।
(c) रोजगार उपलब्ध कराना।
(d) सामाजिक अधिकार उपलब्ध कराना।

उत्तर (d)–सामाजिक समावेशन के अर्न्तगत सबसे निचले तबके के लोगों को सामाजिक अधिकार उपलब्ध कराना है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

44. निम्न में से कौन से वर्ग सामाजिक स्तरीकरण की मूल प्रणालियाँ हैं?

(a) दासता, जाति, वर्ग तथा गाँव
(b) दासता, जाति, वर्ग तथा जागीर
(c) दासता, जाति, वर्ग तथा नगर
(d) दासता, जाति, वर्ग तथा राज्य

उत्तर (b)– टी.बी. बोटोमोर ने सामाजिक स्तरीकरण की मूल प्रणालियाँ दासता, जाति, वर्ग तथा जागीर बतायें है।

45. जब कोई व्यक्ति अपने को एक ही समय में दो या उससे अधिक ऐसी भूमिकाएँ निभाता हुआ पाता है, जो परस्पर-विरोधी माँगें करती हैं, यह किसका उदाहरण है?

(a) स्तर संगति (b) भूमिका संघर्ष
(c) प्रास्थिति समूह (d) भूमिका दूरी

उत्तर (b)–भूमिका संघर्ष से तात्पर्य है कि जब कोई व्यक्ति अपने को एक ही समय में दो या उससे अधिक ऐसी भूमिकाएँ निभाता हुआ पाता है, जो परस्पर विरोधी माँगे करती है अपनी प्रस्थिति से संबद्ध व्यक्ति जिस कार्य को पूरा करता है वही उसकी भूमिका है।

46. प्रतिष्ठा अथवा 'सामाजिक सम्मान' जो एक समुदाय के अंतर्गत व्यवसाय की विशेष स्थिति से जुड़ा है, जाना जाता है

(a) प्रस्थिति अवस्थिति (b) प्रस्थिति गमन
(c) प्रस्थिति समूह (d) प्रस्थिति प्रतीक

उत्तर (a)–प्रतिष्ठा अथवा सामाजिक सम्मान जो एक समुदाय के अन्तर्गत व्यवसाय के विशेष स्थिति से जुड़ा है, प्रस्थिति अवस्थिति के रूप में जाना जाता है।

47. सूची-I को सूची- II से सुमेलित कीजिए:

सूची- I (लेखक)	सूची- II (कृतिया)
A. पी.एल. बर्गर	1. औद्योगिक शहर में सामाजिक गतिशीलता (Social Mobility in Industrial City)
B. जे. बाउली	2. दैनिक जीवन में आत्म प्रस्तुति (The Presentation of Self in Everyday Life)
C. ई. गॉफमेन	3. शिशु की देखभाल और प्रेम की वृद्धि (Child Care and Growth of Love)
D. एस.एम. लिपसेट और आर. बैनडिक्स	4. समाजशास्त्र को निमन्त्रण (Invitation to Sociology)

नीचे दिए गए कूटो में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

कूटः

	A	B	C	D
(A)	4	3	2	1
(B)	1	2	3	4
(C)	2	3	4	1
(D)	3	2	1	4

उत्तर (a)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

पी. एल. बर्गर	-	समाजशास्त्र को निमंत्रण
जे. बाउली	-	शिशु की देखभाल और प्रेम की वृद्धि
ई. गॉफमैन	-	दैनिक जीवन में आत्मप्रस्तुति
एस. एम. लिपसेट और आर. बैनडिक्स	-	औद्योगिक शहर में सामाजिक गतिशीलता

48. निम्न में से कौन सा बंधुभावना (जैमनीशैफ्ट) संबंधों का उदाहरण नहीं है?

(a) व्यक्तिगत (b) अनौपचारिक
(c) भावनात्मक (d) उपयोगितावादी

उत्तर (d)–उपयोगितावादी बंधुभावना (जैमनीशैफ्ट) संबंधों का उदाहरण नहीं है। जर्मन समाजशास्त्री फर्डिनेण्ड टॉनीज जर्मन समाजशास्त्रीय परिषद के संस्थापक पिता माने जाते हैं। वे मुख्यतः समुदाय (गैमिनशाफ्ट) और समाज (गैसेलशाफ्ट) के बीच में किये गये अन्तर तथा स्वरूपवादी समाजशास्त्र संबंधी अपने विचार के लिए जाने जाते हैं।

49. नीचे दो कथन दिए गए हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A): मध्यावधि भोजन कार्यक्रम (मिड डे मील प्रोग्राम) से जुड़े व्यक्तियों की पारदर्शिता और उत्तरदायित्व ही इसे भ्रष्टाचार मुक्त बना सकता है।

तर्क (R) : सांगठनिक स्तर और व्यक्तिगत स्तर पर लोगों की मानसिकता में बदलाव कार्यक्रम को भ्रष्टाचार मुक्त बना सकता है।

नीचे दिए गए कूटो में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (b)–मध्यावधि भोजन कार्यक्रम (मिड डे मील) को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच पारदर्शिता होनी चाहिए। इससे जुड़े व्यक्तियों को अपना उत्तरदायित्व समझना चाहिए तथा व्यक्तिगत स्तर एवं सांगठनिक स्तर पर लोगों में इस कार्यक्रम को लेकर अपनी मानसिकता में बदलाव लाना चाहिए।
अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सत्य है तथा कारण R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

50. समाजशास्त्र में 'मानक' शब्द का अर्थ है

(a) सामाजिक वातावरण में मानदण्ड के प्रतिमान
(b) सामाजिक वातावरण हेतु मानदण्ड अथवा नियम
(c) सामाजिक वातावरण में व्यवहार का नियामन करने वाला मानदण्ड अथवा नियम
(d) सामाजिक वातावरण में व्यक्तियों का नियमित व्यवहार

उत्तर (c)–समाजशास्त्र में मानक शब्द का अर्थ सामाजिक वातावरण में व्यवहार का नियामन करने वाला मानदण्ड अथवा नियम जो समाज को उच्च गति एवं दिशा प्रदान करते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2014
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

1. किसने नृजातिकेन्द्रिता की संकल्पना का प्रतिपादन किया?
(a) डब्ल्यू.जी. समनर (b) जे.एडोर्नो
(c) मैक्स वेबर (d) इमैन्युल वॉटरस्टीन

उत्तरः- (a) डब्ल्यू.जी.समनर ने नृजातिकेन्द्रिता की संकल्पना का प्रतिपादन किया। नृजातिकेन्द्रिता (Ethnocentrism) एक ऐसी धारणा है जिसमें तुलनात्मक दृष्टि से अपनी संस्कृति को श्रेष्ठ तथा दूसरों की संस्कृति को हीन समझा जाता है। इसका उल्लेख समनर ने अपनी पुस्तक 'Falkways' (1906) में किया है।

2. सूची-I के मदों का सूची-II के मदों से मेल करें और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें:

सूची-I	सूची-II
A. रामकृष्ण मुखर्जी	1. आइडिओलॉजी एन्ड थ्योरी इन इंडियन सोशियोलॉजी
B. योगेन्द्र सिंह	2. सोशियोलॉजी ऑफ इंडियन सोशियोलॉजी
C. डी.एन.धनगड़े	3. ऐन एंथ्रोपॉलॉजिस्ट एमंग हिस्टोरियन एण्ड अदर एसेज़
D. बी.एस. कोहेन	4. थीम्स एण्ड पर्सपेक्टिव्स इन इन्डियन सोशियोलॉजी

कूटः

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	1	2	4	3
(c)	2	1	4	3
(d)	4	3	1	2

उत्तरः-(c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

रामकृष्ण मुखर्जी	- सोशियोलॉजी ऑफ इंडियन सोशियोलॉजी
योगेन्द्र सिंह	- आइडियोलॉजी एन्ड थ्योरी इन इंडियन सोशियोलॉजी
डी.एन.धनगड़े	- थीम्स एण्ड पर्सपेक्टिव्स इन इन्डियन सोशियोलॉजी
बी.एस. कोहेन	- ऐन एंथ्रोपॉलॉजिस्ट एमंग हिस्टोरियन एण्ड अदर एसेज

3. भारत में शिक्षा के निजीकरण के कारण निम्नलिखित विशेषताओं में से क्या उभर कर सामने आया?
1. ग्राम स्तर पर निजी विद्यालयों का खुलना
2. बाजार अनुसंधान का सामने आना
3. शैक्षिक संस्थओं में तेजी से वृद्धि
4. गरीब छात्रों को छात्रवृत्ति का प्रावधान

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिएः
कूटः
(a) 1, 3 4 (b) 1, 2, 4
(c) 1, 2, 3 (d) 2, 3, 4

उत्तरः- (c) भारत में शिक्षा के निजीकरण के कारण ग्राम स्तर पर निजी विद्यालयों का खुलना, बाजार अनुसंधान का सामने आना तथा शैक्षिक संस्थओं में तेजी से वृद्धि होना है।

4. मिशेल फूको की प्रविधि के मूल में निम्नलिखित में से कौन-से विचार हैं?
(i) जीनोलॉजी ऑफ पॉवर
(ii) माइक्रो पॉलिटिक्स ऑफ पावर
(iii) आर्कियालॉजी ऑफ नॉलेज
(iv) पावर एट द सोसाइटल लेवल

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनेः
कूटः
(a) (i) और (ii) (b) (ii) और (iii)
(c) (i) और (iii) (d) (ii) और (iv)

उत्तरः- (c) फूको उत्तर–आधुनिकता के प्रणेता हैं। फूकों की सम्पूर्ण कृतियों का यदि विहंगम अवलोकन किया जाये तो इसके केन्द्र में हमें विमर्श मिलेगा। फूकों की प्रविधियों में जीनोलॉजी ऑफ पावर और अर्कियालॉजी ऑफ नॉलेज प्रमुख हैं।

5. मार्क्स के चिन्तन में संशोधन और पुनर्भिमुखीकरण करके नए सिद्धांत बनाए जाने को कहते हैं
(a) नव मार्क्सवादी सिद्धांत
(b) उत्तर मार्क्सवादी सिद्धांत
(c) पूर्व मार्क्सवादी सिद्धांत
(d) मार्क्स के सिद्धांत की समालोचना

उत्तरः- (a) मार्क्स के चिंतन में संशोधन और पुनर्भिमुखीकरण करके नए सिद्धांत नव मार्क्सवादी का निर्माण हुआ है। नव मार्क्सवाद परम्परागत मार्क्सवादी चिन्तन में एक मोड का संकेत देता है। नव मार्क्सवाद मार्क्सवाद की बुनियादी मान्यताओं को अस्वीकार नहीं करता, अपितु पुरानी मार्क्सीय मान्यताओं को नए ढंग से प्रस्तुत करता है।

6. अशोधित जन्म दर (सी.बी.आर.) का नामकरण इस कारण वश हुआ है क्योंकि इसमें ध्यान नहीं दिया जाता है
(a) जनांकिकीय संक्रमण का
(b) मृत्यु दर का
(c) जनसंख्या की आयु और लिंग संरचना का
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः- (c) अशोधित जन्म दर (सी.वी.आर) का नामकरण इस कारणवश हुआ है क्योंकि इसमें जनसंख्या की आयु और लिंग संरचना का ध्यान नही दिया जाता है।

7. ''एथनिक प्लुरालिटी इन इण्डिया'' पुस्तक के लेखक का नाम क्या है?
(a) आर.ए. शेमरहॉर्न (b) एम.एन.श्रीनिवास
(c) रॉबर्ट बीरेस्टेड (d) ए.आर.देसाई

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तरः- (a) ''एथनिक प्लूरालिटी इन इण्डिया'' पुस्तक के लेखक आर. ए. शेमरहॉर्न हैं। इनकी दूसरी कृति 'कम्परेटिव एथनिक रिलेशन' है।

8. सूची-I में दी गयी अवधारणाओं का सूची-II में दिए गये कथन से मिलान करें:

सूची-I	सूची-II
(A) व्यावहारिक तार्किकता	1. तार्किक निगमन, आगमन और कार्य-कारण के गुणारोपण के रूप में संज्ञात्मक प्रकियाएँ
(B) सैद्धान्तिक तार्किकता	2. व्यक्ति के व्यवहारवादी और अहंवादी इरादों के दृष्टिकोण से दुनिया की गतिविधियों को देखना
(C) मौलिक तार्किकता	3. साधन-साध्य संगणन और सार्वभौमिक अनुप्रयुक्त नियम
(D) औपचारिक तार्किकता	4. व्यवस्था मूल्य के संदर्भ में साधन-साध्य का चयन

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें:

कूटः

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	1	2	3	4
(c)	4	3	1	2
(d)	3	4	2	1

उत्तरः- (a) **सूची-I का सूची-II से सुमेलन निम्न प्रकार है–**

व्यावहारिक तार्किकता -	व्यक्ति के व्यवहारवादी एवं अहंवादी इरादों के दृष्टिकोण से दुनिया की गतिविधियों को देखना
सैद्धान्तिक तार्किकता -	तार्किक निगमन, आगमन और कार्य-कारण के गुणारोपण के रूप में संज्ञानात्मक ज्ञान प्रक्रियायें।
मौलिक तार्किकता -	व्यवस्था मूल के संदर्भ में साधन-साध्य का चयन
औपचारिक तार्किकता -	साधन-साध्य संगणन और सार्वभौमिक अनुप्रयुक्त नियम

9. नारीवादी ज्ञानवाद ऐसी अवधारणा है जो _______ सिद्धान्त पर आधारित है।

(a) समाजशास्त्र और नारीवाद के बीच अंतर
(b) व्यवसाय का नारीवादीकरण
(c) यौनात्मकता
(d) भावात्मक संबंधों पर बल देते हुए महिला के अपने अनुभव और स्थान का प्रतिबिम्बन

उत्तरः- (d) नारीवाद ज्ञानवाद ऐसी अवधारणा है जो भावात्मक संबंधों पर बल देते हुए महिला के अपने अनुभव और स्थान का प्रतिबिम्बन सिद्धांत पर आधारित है और ज्ञान महिलावादी आन्दोलन के इतिहास की शुरूआत मूलतः फ्रांस की क्रान्ति के आदर्शों में छुपी है।

10. रिहा किए गए कैदियों के सफल पुनर्वास के लिए कौन-सा प्रासंगिक नहीं है?

(a) विधि के अनुसार तुरंत जमानत दी जानी चाहिए।
(b) सुनवाई में तेजी लाई जाए।
(c) परिवीक्षा की अनुमति दी जानी चाहिए
(d) जेल में किए जाने वाले कार्यक्रम को रोक दिया जाना।

उत्तरः- (d) रिहा किए गए कैदियों के सफल पुनर्वास के लिए जेल में किए जाने वाले कार्यक्रम को रोक दिया जाना प्रासंगिक नहीं है।

11. संस्कृतिकरण की अवधारणा में प्रभुजाति की अवधारणा को शामिल कर, श्रीनिवास

(a) संस्कृति के रीतिरिवाज के कारकों की उपेक्षा करते हैं।
(b) धर्मनिरपेक्ष कारकों पर अधिक बल देते हैं।
(c) संस्कृति के पवित्र तथा धर्मनिरपेक्ष दोनों ही कारकों को सम्मिलित करके सांस्कृतिक शब्द के अर्थ को व्यापक बनाते हैं।
(d) परम्परागत ग्रामीण संरचना पर पश्चिमी प्रभाव के कारकों को सम्मिलित करते हैं।

उत्तरः- (c) संस्कृतिकरण की अवधारणा में प्रभुजाति की अवधारणा को शामिल करके श्रीनिवास संस्कृति के पवित्र तथा धर्मनिरपेक्ष दोनों ही कारकों को सम्मिलित करके सांस्कृतिक शब्द के अर्थ को व्यापक बनाते हैं।

12. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है:

अभिकथन (A) : धार्मिक बहुलवाद एक अभिज्ञेय और विनियमित व्यवहार है।

तर्क (R) : यह विशेष वर्ग के लोगों से संबद्ध है तथा कतिपय चित्रों, प्रतीकों, अनुष्ठानों और मिथकों के माध्यम से व्यक्त होता है।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें:

कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है और (R) गलत है।
(d) (A) गलत है और (R) सही है।

उत्तरः- (a) धार्मिक बहुलवाद एक विशेष वर्ग के लोगों से संबंद्ध है तथा यह कुछ चित्रों, पौराणिक कथाओं तथा अनुष्ठानों द्वारा व्यक्त होता रहा है। धार्मिक बहुलवाद उन विशेष वर्ग के लोगों की पहचान होती है।

13. किसने यह तर्क दिया है कि 'भारतीय समाज में परिवर्तन का अध्ययन भी इसकी गहन परम्पराओं के अध्ययन द्वारा किया जाना चाहिए?

(a) ए.के.शरण (b) डी.पी.मुखर्जी
(c) ए.आर.देसाई (d) एम.एन.श्रीनिवास

उत्तरः- (b) डी.पी. मुखर्जी एक अर्थशास्त्री, इतिहासकार एवं संगीतज्ञ के साथ-साथ एक समाजशास्त्री भी थे। डी.पी. मुखर्जी ने अपनी पुस्तक 'डाईवर्सिटीज' में कहा कि भारतीय समाज में परिवर्तन का अध्ययन भी इसकी गहन परम्पराओं के अध्ययन द्वारा किया जाना चाहिए। ये भारतीय समाज को समन्वयवादी समाज के रूप में देखते हैं। इनकी परम्पराओं का मूल वेदान्त है तथा समाज का मूल तत्व परम्परा है।

14. झुग्गियों में मुख्यतया निवास करते हैं

1. संगठित क्षेत्रों के लोग
2. असंगठित क्षेत्रों के लोग

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

3. सेवा क्षेत्रों के लोग
4. वृद्ध लोग

कूटः

(a) 1 और 4 (b) 2 और 3
(c) 2 और 4 (d) 3 और 4

उत्तरः-(b) झुग्गियों में मुख्यतया असंगठित सेवा क्षेत्र के लोग निवास करते हैं। असंगठित क्षेत्र के अंतर्गत उन लोगों को शामिल किया जाता है जो छोटे एवं मध्यम दर्जे के उद्योग-धन्धों में कार्यरत् हैं।

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं। एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) हैः

अभिकथन (A) : बाँध और खान जैसी वृहद परियोजनाओं का सीमान्त लोगों द्वारा विरोध किया जाता है क्योंकि पुनर्वास कार्यक्रमों की योजना यथार्थवादी नहीं होती।

तर्क (R) : पुनर्वास कार्यक्रमों में केवल भूमि का मुआवजा शामिल होता है जो आंशिक है।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करेंः

कूटः

(a) (A) गलत है और (R) सही है।
(b) (A) सही है और (R) गलत है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

उत्तरः- (d) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है। यह यथार्थ है कि सीमान्त लोगों द्वारा बाँध और खान जैसी वृहद परियोजनाओं का विरोध किया जाता है। क्योंकि पुनर्वास कार्यक्रम में केवल भूमि का मुआवजा शामिल होता है जो आंशिक होता है।

16. किस पुस्तक के प्रकाशन के 50 वर्ष पूरे हुए हैं और जिसने भारत में परम्परा और आधुनिकीकरण के अध्ययन में अपने योगदान के कारण इन वर्षों के दौरान एक शास्त्रीय पुस्तक का दर्जा प्राप्त किया?

(a) सोशल चेंज इन मॉडर्न इण्डिया
(b) कास्ट, क्लास एण्ड पावर
(c) विलेज इंण्डिया
(d) मॉडर्नाइज़ेशन ऑफ इण्डियन ट्रेडिशन्स

उत्तरः- (a) श्रीनिवास की पुस्तक "सोशल चेंज इन मॉडर्न इण्डिया" के प्रकाशन के 50 वर्ष 2013 में पूरे हुऐ हैं। जिसने भारत में परम्परा और आधुनिकीकरण के अध्ययन में अपने योगदान के कारण इन वर्षों के दौरान एक शास्त्रीय पुस्तक का दर्जा प्राप्त किया।

17. भारत में राष्ट्र निर्माण के पथ में निम्नलिखित में से कौन-सी बाधा है?

(a) श्रेणीबद्ध सामाजिक व्यवस्था
(b) आर्थिक असमानताएँ
(c) (A) और (B) दोनों
(d) पश्चिमी शिक्षा प्राप्त नेतृत्व

उत्तरः- (c) भारत में राष्ट्र निर्माण के पथ में श्रेणीबद्ध सामाजिक व्यवस्था और आर्थिक असमानताएँ प्रमुख रूप से बाधा है।

18. सूची-I से सूची-II को सुमेलित कीजिएः

सूची-I (रचनाएँ)	सूची-II (लेखक)
A. मैडनेस एण्ड सिविलाइज़ेशन	1. जैक्स डेरिडा
B. कैपिटलिज़्म एण्ड मॉडर्न सोशल थ्योरी	2. माइकेल फूको
C. राइटिंग एण्ड डिफरेंस	3. क्लाड लेवी-स्ट्रॉस
D. स्ट्रक्चरल एन्थ्रोपोलोजी	4. एन्थोनी गिड्डेंस

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिएः

कूटः

	A	B	C	D
(a)	1	2	4	3
(b)	2	3	4	1
(c)	2	4	1	3
(d)	1	3	2	4

उत्तरः- (c) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

(रचनाएँ)	(लेखक)
मैडनेस एण्ड सिविलाइज़ेशन	- माइकल फूको
कैपिटलिज़्म एण्ड मॉडर्न सोशल थ्योरी	- एन्थोनी गिड्डेंस
राइटिंग एण्ड डिफरेंस	- जैक्स डेरिडा
स्ट्रक्चरल एन्थ्रोपोलॉजी	- क्लाड लेवी-स्ट्रॉस

19. निम्नलिखित में से किसने हसर्ल के घटना विज्ञान के दृष्टिकोण का आलोचनात्मक विनियोग प्रस्तुत किया?

(a) अल्फ्रेट शूट्ज (b) पीटर बर्जर
(c) लकमान (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः- (a) अल्फ्रेड शुट्ज नव-प्रघटनावाद के जनक थे। उन्होंने हसर्ल के घटना विज्ञान के दृष्टिकोण का आलोचनात्मक विनियोग तार्किक रूप से प्रस्तुत किया।

20. जनसंख्या सूची स्तम्भ (पॉपुलेशन पिरामिड) मूल रूप से समझाते हैंः

(a) दी गई जनसंख्या का आकाशीय वितरण
(b) दी गई जनसंख्या का जनसांख्यिकीय दर
(c) दी गई जनसंख्या की आयु-लिंग संरचना
(d) दी गई जनसंख्या की वृद्धि दर

उत्तरः- (c) जनसंख्या पिरामिड भिन्न-भिन्न वर्गों के अनुसार दी गयी जनसंख्या की आयु-लिंग संरचना को समझाते हैं। किसी भी जनसंख्या पिरामिड का आधार विस्तृत होता है।

21. किसने "धर्म का सामाजिक सत्य" पुस्तक में यह कहा है कि समाजशास्त्रियों को एक प्रविधिपरक नास्तिक रवैया अपनाना चाहिए और यह चर्चा करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए कि धर्म सामाजिक रचना से अधिक कुछ है?

(a) पीटर बर्जर (b) अल्फ्रेड शुट्ज
(c) लकमान (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः- (a) पीटर बर्जर ने अपनी पुस्तक "धर्म का सामाजिक सत्य' में यह कहा है कि समाजशास्त्रियों को एक प्रविधिपरक नास्तिक रवैया अपनाना चाहिए और यह चर्चा करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए कि धर्म सामाजिक रचना से अधिक कुछ है।

22. भारत में समाजशास्त्र के अभ्युदय के सामाजिक पृष्ठभूमि का पता लगाएँः

1. भारत में सामाजिक विचार की विरासत
2. ब्रिटिश शासन के आगमन पर भारत की सामाजिक-आर्थिक स्थिति

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

3. औद्योगिक क्रांति
4. भारतीय समाज की पश्चिमी समझ के बारे में भारतीय मनीषियों की बौद्धिक प्रक्रिया

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

कूटः

(a) 1, 2, 4 (b) 1, 2, 3
(c) 2, 3, 4 (d) 3, 4, 1

उत्तरः- (a) भारत में समाजशास्त्र के अभ्युदय के सामाजिक पृष्ठभूमि का पता भारत में सामाजिक विचार की विरासत, ब्रिटिश शासन के आगमन पर भारत की सामाजिक-आर्थिक स्थिति तथा भारतीय समाज की पश्चिमी समझ के बारे में भारतीय मनीषियों की बौद्धिक प्रक्रिया द्वारा लगता है।

23. वैज्ञानिक ज्ञान के किस रूप (रूपों) की पहचान जे. हैबरमास ने अपने कार्यों में की है?

1. अनुभवपरक – विश्लेषणपरक
2. शब्दार्थमीमांसा
3. आलोचनात्मक और मुक्तिपरक
4. उपर्युक्त कोई नहीं

कूटः

(a) 1, 2 और 3 (b) 4
(c) 2 और 3 (d) 1 और 3

उत्तरः- (a) जे. हेबरमॉस ने अपने संचारात्मक क्रिया के सिद्धान्त में वैज्ञानिक ज्ञान को निम्न तीन रूपों में पहचान की है।
(1) अनुभवपरक-विश्लेषणपरक (2) शब्दार्थ मीमांसा
(3) आलोचनात्मक और मुक्तिपरक।

24. भारतीय गाँवों ने इस कारण से अपनी आत्मनिर्भरता खो दी हैः

(a) हरित क्रांति का प्रभाव
(b) जजमानी प्रथा का समाप्त होना
(c) शहर के बाहरी हिस्से में रहने वालों से संव्यवहार
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तरः- (d) भारतीय गाँवों ने, हरित क्रान्ति प्रभाव, जजमानी प्रथा की समाप्ति व शहर के बाहरी हिस्से में रहने वालों से संव्यवहार के कारण अपनी आत्मनिर्भरता खो दी है।

25. जब दम्पति कानूनी रूप से अलग-अलग घरों में रहने लगें किन्तु पुनर्विवाह करने को स्वतंत्र न हों, तो इसे कहा जाता है

(a) न्यायिक विच्छेद
(b) तलाक
(c) परित्याग
(d) दाम्पत्य का वैवाहिक समापन

उत्तरः- (a) जब दम्पति कानूनी रूप से अलग-अलग घरों में रहने लगें किन्तु पुनर्विवाह करने को स्वतंत्र न हों, तो उसे न्यायिक विच्छेद कहा जाता है।

न्यायिक विच्छेद की आज्ञप्ति प्राप्त कर लेने के बाद याची प्रत्युत्तर दाता के साथ सहवास करने के दायित्व से मुक्त हो जाता है। परन्तु इसके बावजूद भी मूल विवाह अस्तित्व में बना रहता है।

26. किसने कहा है कि ग्रामीण समाज में विभाजन का कारण जर, जोरू और जमीन है?

(a) ऑस्कर लेविस (b) लुई ड्यूमॉ
(c) लुइस विर्थ (d) ए.आर.देसाई

उत्तरः- (a) 'गरीबी की संस्कृति' की अवधारणा के रचनाकार अमरीकी मानवशास्त्री ऑस्कर लेविस ने विश्व के समाजशास्त्र और मानवशास्त्र में अपना नाम एक विशिष्ट रूप में दर्ज किया है। और उन्होंने कहा है कि ग्रामीण समाज में विभाजन का कारण जर, जोरू और जमीन है।

27. ''कंसिक्वेंसेज़ ऑफ मॉडर्निटी'' पुस्तक किसने लिखी है?

(a) जुर्गेन हैबरमार (b) एंथोनी गिड्डेंस
(c) जेक्स् डेरिडा (d) माइकल फूको

उत्तरः- (b) एन्थोनी गिडेन्स ग्रेट ब्रिटेन के सर्वाधिक चर्चित आधुनिक सामाजिक सिद्धांतकार है तथा इनकी गणना आजकल विश्व के गिने-चुने सर्वाधिक प्रभावशाली सिद्धांतकारों में की जाती है। 'कंसिक्वेंसेज ऑफ माडर्निटी' उनकी चर्चित पुस्तक है।

28. बहुराष्ट्रीय निगमों और सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के विकास के कारण भारत में निम्न में से किस प्रकार के परिवार का उदय हो रहा है?

(a) दो नगरीय परिवार (b) एकल परिवार
(c) संयुक्त परिवार (d) विस्तृत परिवार

उत्तरः- (a) दो नगरीय परिवार बहुराष्ट्रीय निगमों और सूचा प्रौद्योगिकी के विकास के कारण भारत में उदय हो रहा है।

29. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिएः

सूची-I (अवधारणायें)	सूची-II (लेखक)
A. जीवन शैली के रूप में शहरवाद (Urbanism as a way of life)	1. आस्कर लेविस
B. लोक-शहरी सातत्यक (Folk-urban Continuum)	2. एल. वर्थ
C. लघु बृहद परंपराएँ (Little and Great Traditions)	3. आर.रेडफील्ड
D. गरीबी की संस्कृति (Culture of Poverty)	4. मिल्टन सिंगर

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	4	1	2	3
(c)	4	3	2	1
(d)	2	1	3	4

उत्तरः- (a) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

(अवधारणायें)		(लेखक)
जीवन शैली के रूप में शहरवाद	-	एल.वर्थ
लोक-शहरी सातत्यक	-	आर.रेडफील्ड
लघु एवं बृहद परंपराएँ	-	मिल्टन सिंगर
गरीबी की संस्कृति	-	आस्कर लेविस

30. दो कथन दिए गए हैं, जिनमें एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है।

अभिकथन (A) : भारतीय शिक्षा नीति को अपने नागरिकों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने की चुनौतियों को पूरा करने का प्रयत्न करना चाहिए।

तर्क (R) : शिक्षा की गुणवत्ता अपने नागरिकों को भूमंडलीकरण की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनायेगी।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूटः
(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) सत्य है और (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है और (R) सत्य है।

उत्तरः- (b) भारतीय शिक्षा नीति को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के योग्य बनाना चाहिए जिससे वे शिक्षा के माध्यम से भूमण्डलीकरण की चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षम हो सकें। अतः अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सत्य है तथा तर्क R, अभिकथन A का सही स्पष्टीकरण है।

31. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिएः

सूची-I (दृष्टिकोण)	सूची-II (उद्देश्य)
A. विकास में महिलाएँ	i. महिला मुक्ति
B. महिला और विकास	ii. विकास कार्यक्रमों की पुनर्संरचना
C. लिंग और विकास	iii. सतत् विकास
D. महिला पर्यावरण और विकास	iv. वैकल्पिक विकास

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिएः
कूटः

	A	B	C	D
(a)	i	iii	ii	iv
(b)	ii	iv	i	iii
(c)	iv	i	iii	ii
(d)	ii	iv	iii	i

उत्तरः- (b) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

(दृष्टिकोण)	(उद्देश्य)
विकास में महिलायें	- विकास कार्यक्रमों की पुनर्संरचना
महिला और विकास	- वैकल्पिक विकास
लिंग और विकास	- महिला मुक्ति
महिला, पर्यावरण और विकास	- सतत् विकास

32. समाजशास्त्र के अंतर्गत उस सैद्धांतिक और विशेषीकृत दृष्टिकोण की शुरुआत किसने की जो यथार्थ बोध के निर्माण में लागू सामाजिक सक्षमता और प्रणालियों को स्पष्ट करता है?
(a) गॉफमैन (b) एच.गारफिन्केल
(c) ए.गिड्डेन्स (d) लकमान

उत्तरः- (b) एच.गारफिन्केल पहले विचारक थे जिन्होंने जनविधि सिद्धांत को प्रतिपादित किया। समाजशास्त्र के अन्तर्गत उस सैद्धांतिक और विशेषीकृत दृष्टिकोण की शुरूआत की जो यथार्थ बोध के निर्माण में लागू सामाजिक सक्षमता और प्रणालियों को स्पष्ट करता है।

33. 'संस ऑफ द सॉइल' शब्द को किसने प्रतिपादित किया है?
(a) माइरोन वेनर (b) डी.जे. बोग
(c) एम.एन.श्रीनिवास (d) ए.चन्द्रशेखर

उत्तरः- (a) 'संस ऑफ द सॉइल' शब्द को माइरोन वेनर ने सन् 1978 में प्रतिपादित किया। उन्होंने अपनी पुस्तक 'Sons of Soil: Migration and Ethnic Conflict in India' में भारत राज्य के क्षेत्रीय एवं नृजातीय प्रवास और उससे उत्पन्न संघर्ष पर प्रकाश डाला है।

34. हमारे देश में 1976 में प्रथम बार भारतीय जनसंख्या नीति किसकी अध्यक्षता में तैयार की गयी थी?
(a) डॉ. के. श्रीनिवासन (b) डॉ. कर्ण सिंह
(c) डॉ. सी. चंद्रशेखरन (d) डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन

Ans: (b) हमारे देश में वर्ष 1976 में प्रथम बार भारतीय जनसंख्या नीति डा. कर्ण सिंह की अध्यक्षता में तैयार की गयी थी।

35. जे. हैबरमास की सैद्धांतिक सोच के किस पक्ष की सर्वाधिक आलोचना हुई है?
1. व्यवस्थाओं के सिद्धांत पर
2. सामाजिक विकास के विकासात्मक मॉडल पर
3. सैद्धांतिकरण की उसकी अधिक अमूर्त प्रकृति पर
4. उपर्युक्त सभी पर

कूटः
(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तरः- (d) जे. हैबरमास की सैद्धांतिक सोच व्यवस्थाओं के सिद्धान्त, सामाजिक विकास के विकासात्मक मॉडल तथा सैद्धान्तिकरण की उसकी अधिक अमूर्त प्रकृति पर सर्वाधिक आलोचना हुयी है।

36. भारत में घटते स्त्री लिंग अनुपात का निम्नलिखित में से कौन-सा कारण नहीं है?
(a) लिंग भूमिका रूढ़िकरण तथा परम्परागत भूमिका अपेक्षा
(b) दहेज प्रथा तथा बालिकाओं के साथ भेदभाव का प्रचलन
(c) ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में महिला कामगारों का पलायन
(d) लिंग चयन के आधार पर गर्भपात

उत्तरः- (c) भारत में घटते स्त्री लिंग अनुपात का कारण ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में महिला कामगारों का पलायन नहीं है। भारत के गाँवों की अपेक्षा नगरों में लिंग अनुपात कम है। इसका मुख्य कारण पुरुषों द्वारा अपने परिवार को गाँवों में छोड़कर शहरों में कार्य करने के लिए आना है।

37. निम्न में से कौन-सा युग्म पूर्वोत्तर क्षेत्र में नस्लीय संघर्षों में योगदान देता है?
(A) एकीकरण के साथ असंख्य आदिवासी समूह
(B) पड़ोसी देशों में आप्रवास
(C) विकास की कमी तथा असुरक्षा की भावना
(D) साक्षरता तथा अज्ञान
नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर चुनिये-
कूट –
(a) A तथा B (b) B तथा C
(c) C तथा D (d) A तथा C

उत्तरः- (b) पड़ोसी देशों में अप्रवास, विकास की कमी तथा असुरक्षा की भावना पूर्वोत्तर क्षेत्र में नस्ली संघर्षों में योगदान देता है। सर्वप्रथम 1967-71 के वर्षों में बंगाल तथा बिहार आदि राज्यों में नक्सलवाद के रूप में आतंकवाद सामने आया।

38. ''सेव प्लेनेट अर्थ'' का नारा कहाँ से आया?
(a) रियो-पृथ्वी शिखर सम्मेलन
(b) कॉपेनहेगन शिखर सम्मेलन
(c) जकार्ता शिखर सम्मेलन
(d) तेहरान शिखर सम्मेलन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तरः- (a) सन् 1992 रियो-पृथ्वी शिखर सम्मेलन से 'सेव प्लेनेट अर्थ' का नारा आया । पर्यावरण संतुलन तथा पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारकों पर विचार विमर्श करने के लिये रियो शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ तथा भू-मण्डलीय तापन का सबसे महत्वपूर्ण कारण कार्बन डाई आक्साइड के उत्सर्जन को महत्वपूर्ण कारण माना गया है।

39. सूची-I से सूची-II को सुमेलित कीजिए:

सूची-I		सूची-II
A. कल्चरल एन्थ्रोपोलोजी	1.	लुइस ड्यमॉ
B. होमो हैरार्किकस	2.	डी.पी. मुखर्जी
C. एनहिलेशन ऑफ कास्ट	3.	एन.के. बोस
D. डाइवर्सिटीज़	4.	एस.सी. दुबे
	5.	बी. आर. अम्बेडकर

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए:

कूटः

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	4	1
(c)	1	5	2	4
(d)	3	1	5	2

उत्तरः- (d) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

कल्चरल एन्थ्रोपोलोजी - एन. के. बोस
होमो हैरार्किकस - लुइस ड्यूमॉ
एनहिलेशन ऑफ कास्ट - बी. आर. अम्बेडकर
डाइवर्सिटीज़ - डी.पी. मुखर्जी

40. एंथोनी गिड्डेंस के स्ट्रक्चरेशन सिद्धांत में प्राथमिकता किसको दी गयी है?

(a) संरचना
(b) एजेंसी
(c) संरचना एवं एजेंसी दोनों
(d) दोनों में से कोई नहीं (संरचना, एजेंसी)

उत्तरः- (c) एन्थोनी गिडेन्स के संरचनाकरण के सिद्धान्त (Theory of structuration) – गिडेंस ने संरचना को बाध्यतामूलक के साथ साथ सहायतामूलक भी माना है। गिडेंस का मत है कि साधन (अभिकरण, agency) और संरचना एक दूसरे से घनिष्ठ रूप से जुड़ी है। इन्हें एक दूसरे से पृथक् नहीं किया जा सकता। इस प्रकार गिडेंस साधन तथा संरचना को द्वयात्मकता (duality) के रूप में प्रस्तु करते हैं।

41. कार्ल मार्क्स के अनुसार, कामगार का अलगाव उसके किस कारणवश है?

(a) उत्पाद और उत्पादन क्रियाकलाप से अलगाववाद के कारण
(b) परिवार से अलगाववाद के कारण
(c) मानव संभावना से अलगाववाद के कारण
(d) समाज से अलगाववाद के कारण

उत्तरः- (a) कार्ल मार्क्स वैज्ञानिक साम्यवाद के जनक माने जाते हैं। उनके अनुसार कामगार अलगाव उसके उत्पाद और उत्पादन क्रिया कलाप से अलगाववाद के कारण है। अलगाव वह व्यवस्था है, जिसमें कामगार उसके स्वयं के श्रम से उपार्जित वस्तुओं से अपने आपको अलग रखता है, स्वयं को शक्तिहीन समझता है तथा स्वयं से बेखबर होकर उत्पाद प्रक्रिया में जुड़ा रहता है

42. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है:

अभिकथन (A) : आधुनिक भारत में अन्तर्पीढ़ीय संघर्ष के कारण वृद्ध लोग वृद्धाश्रमों में रहने लगे हैं।

तर्क (R) : युवाओं और वृद्धों के बीच असमान मानसिकता, रवैया और मूल्य अन्तर्पीढ़ीय संघर्ष के लिए जिम्मेदार हैं।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें:

कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) सही है और (R) गलत है।
(d) (A) गलत है ओर (R) सही है।

उत्तरः- (b) जब एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी के लोगों के बीच किन्हीं कारणों से आपस में तनाव, वैमनस्य या संघर्ष की स्थिति पायी जाती है तो इसे अन्तर्पीढ़ी संघर्ष के नाम से सम्बोधित किया जाता है। वर्तमान समय में पाश्चात्य संस्कृति एवं सभ्यता का प्रभाव, आधुनिक शिक्षा, भारतीय पारम्परिक संस्कृति का लोप अन्तर्पीढ़ीय संघर्ष का कारण है।

अतः अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य है तथा कारण (R), (A) की सही व्याख्या है।

43.

सूची-I		सूची-II
A. हेंडरसन, हेज़ल	1.	वैश्वीकरण
B. वॉटर्स मैलकम	2.	कंटेंपरेरी इंडिया : ए सोशियोलोजिकल व्यू
C. सतीश देशपांडे	3.	बियॉन्ड ग्लोबलाईज़ेशन : शेपिंग ए सस्टेनेबल ग्लोबल इकॉनोमी
D. ए.आर.देसाई	4.	सोशल बैकग्राउंड ऑफ इंडियन नेशनलिज़्म

कूटः

	A	B	C	D
(a)	4	2	1	3
(b)	4	3	2	1
(c)	3	1	2	4
(d)	2	3	1	4

उत्तरः- (c) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

हेंडरसन, हेज़ल - बियॉन्ड ग्लोबलाईज़ेशन : शेपिंग ए सस्टेनेबल ग्लोबल इकॉनोमी
वॉटर्स मैलकम - वैश्वीकरण
सतीश देशपांडे - कंटेम्परेरी इण्डिया: ए सोशियोलॉजिकल व्यू
ए.आर.देसाई - सोशल बैकग्राउण्ड ऑफ इण्डियन नेशनलिज्म

44. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं। एक को अभिकथन (A) कहा गया है तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है

अभिकथन (A) : लैंगिक सामाजिक जगत के संगठनात्मक सिद्धांतों में से एक है।

कारण (R) : लैंगिक इसलिए मायने रखता है क्योंकि वह व्यक्तियों की अस्मिताओं तथा व्यवहारपरक स्वभाव को स्थापित करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः
कूटः
(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं हैं।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) गलत है तथा (R) सही है।
(d) (A) सही है तथा (R) गलत है।

उत्तरः- (b) जेण्डर शब्द का प्रयोग पुरूषों एवं महिलाओं के सामाजिक एवं सांस्कृतिक विभेद को दर्शाने के लिए होता है, वहीं 'सेक्स' पुरुषों एवं महिलाओं की जैविक भिन्नता को दर्शाने के लिए प्रयुक्त होता है। जेण्डर वस्तुतः पुरूषत्व और स्त्रीत्व के व्यवहार की रूढ़िवादी विचार पर आधारित होता है।
अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सही है तथा कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या है।

45. किसने आधुनिकता को एक अपूर्ण परियोजना समझा?
(a) जे. डेरिडा (b) ए. गिड्डेंस
(c) एल. अल्थुज़र (d) जे.हेबरमास

उत्तरः- (d) जे.हेबरमास फ्रेंकफर्ट सम्प्रदाय से सम्बन्धित रहे हैं इन्होंने आधुनिकता को अपूर्ण परियोजना माना है। आधुनिकता वह सामूहिक प्रयास है जो किसी पीढ़ी द्वारा समाज की नवीन आवश्यकताओं तथा नवीन चुनौतियों से प्राप्त ज्ञान तथा अनुभवों के आधार पर लाये गये परिवर्तन है।

46. सूची-I को सूची-II से सुमेलित करें:

सूची-I (अल्पसंख्यक)	**सूची-II (प्रस्थिति)**
A. सिक्ख	i. एक असहज अल्पसंख्यक
B. जैन	ii. एक लुप्त हो रहे अल्पसंख्यक
C. यहूदी	iii. एक गतिशील अल्पसंख्यक
D. आंग्ल-भारतीय	iv. हस्तक्षेप न करने वाले अल्पसंख्यक

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिएः
कूटः

	A	B	C	D
(a)	iv	iii	ii	i
(b)	iii	iv	ii	i
(c)	ii	i	iii	iv
(d)	i	ii	iv	iii

उत्तरः- (b) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

(अल्पसंख्यक)		**(प्रस्थिति)**
सिक्ख	-	एक गतिशील अल्पसंख्यक
जैन	-	हस्तक्षेप न करने वाले अल्पसंख्यक
यहूदी	-	एक लुप्त हो रहे अल्पसंख्यक
आंग्ल-भारतीय	-	एक असहज अल्पसंख्यक

47. किसने ''नेचुरल एंड पॉलिटिकल ऑब्ज़र्वेशन्स ऑन द बिल्स ऑफ मॉरटेलिटी'' लिखी?
(a) गिलार्ड ए. (b) थॉम्पसन, वॉरेन
(c) जॉन ग्रान्ट (d) नॉटस्टाइन, फ्रैंक

उत्तरः- (c) जॉन ग्रान्ट ने 'नेचुरल एण्ड पॉलिटिकल आब्जर्वेशन्स ऑन द बिल्स ऑफ मोर्टेलिटी' नामक पुस्तक लिखा है।

48. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) हैः
अभिकथन (A) : बढ़ते सामाजिक बिखराव से औद्योगिक समाजों में आत्महत्या की संख्या में बढ़ोतरी होती है।
तर्क (R) : व्यक्तियों पर नैतिक और सामाजिक मूल्यों के कमज़ोर प्रभाव के कारण अधिकाधिक संख्या में आत्महत्याएँ होती हैं।
नीचे दिये गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें:
कूटः
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं किन्तु (R), (A) की व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है और (R) गलत है।
(d) (A) गलत है और (R) सही है।

उत्तरः- (a) औद्योगीकरण के कारण अपराधों एवं समाज विरोधी कार्यों में वृद्धि हुई है एवं नगरों में नियंत्रण के अभाव में सामाजिक नियमों की अवहेलना की जाती है। जिससे समाज में विघटनकारी प्रवृत्तियाँ प्रबल होती जा रही हैं। 'वार्न्स' के मतानुसार 'आधुनिक समाज की अपेक्षा आदिम समाज के लोगों में आत्मिक संतोष अधिक तथा आत्महत्या व मानसिक रोग आदि की संख्या कम थी। अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सही है तथा R, A की सही व्याख्या है।

49. तीव्र गति से होने वाले औद्योगिकीकरण ने निम्न में से किसमें सफेदपोश अपराधों की दर को बढ़ा दिया है?
(a) बिज़नेसमैन (b) खेतिहर मजदूर
(c) कार्यालयी क्लर्क (d) स्कूल टीचर

उत्तरः- (a) तीव्र गति से होने वाले औद्योगीकरण ने बिजनेसमैन में सफेदपोश अपराधों की दर को बढ़ा दिया है श्वेतवसन अपराध को अभिजात या भद्रवर्गीय अपराध, सफेद वस्त्रधारी अपराध अथवा सफेदपोश अपराध भी कहते है। इस अवधारणा को विकसित करने का श्रेय एडविन एच. सदरलैण्ड को दिया जाता है। सदरलैण्ड के अनुसार, श्वेतवसन अपराध सम्भावित और उच्च सामाजिक प्रस्थिति के व्यक्ति के द्वारा अपने व्यवसाय के दौरान किया जाने वाला अपराध है।

50. निम्न में से एक कौन सा दाब कारक ग्रामीण से नगरीय प्रवास में योगदान देता है?
(1) ग्रामीण निर्धनता
(2) नगरीय अवसंरचनात्मक विकास
(3) मानसूनी वर्षा का न होना
(4) नगरीय क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर
कूटः
(a) (1) तथा (2) (b) (1) तथा (3)
(c) (2) तथा (3) (d) (2) तथा (4)

उत्तरः- (b) ग्रामीण निर्धनता तथा मानसूनी वर्षा का न होना, दोनों कारक ग्रामीण से नगरीय प्रवास में योगदान देते हैं।

51. वह कार्यक्रम जो भारतीय समुदाय में संपूर्ण विकास करने का लक्ष्य रखता है, का नाम है
(a) सम्पूर्ण ग्रामीण रोज़गार योजना
(b) अंत्योदय योजना
(c) इंदिरा गांधी आवास योजना
(d) समुदाय विकास कार्यक्रम

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तरः- (d) वह कार्यक्रम जो भारतीय समुदाय में सम्पूर्ण विकास करने का लक्ष्य रखता है उसे समुदाय विकास कार्यक्रम कहते हैं। इसके अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तनों के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किये गये। लेकिन सरकार को इस कार्य में आशा के अनुरूप सफलता नहीं मिल सकी।

52. किसने सभ्यतागत परिप्रेक्ष्य से भारतीय समाज का अध्ययन किया है?

(1) जी.एस. घुर्ये (2) एन.के.बोस
(3) बी.आर. अम्बेडकर (4) सुरजीत सिन्हा

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर को चुनिए:

(a) (1) तथा (3) (b) (2), (3) तथा (4)
(c) (1), (3) तथा (4) (d) (2) तथा (4)

उत्तरः- (d) एन.के. बोस एवं सुरजीत सिन्हा ने सभ्यतागत परिपेक्ष्य से भारतीय समाज का अध्ययन किया है। सभ्यतागत परिप्रेक्ष्य सामाजिक वास्तविकता के अध्ययन में सभ्यता को आधार बिन्दु माना है। चूंकि सभ्यता के निश्चित मापदण्ड है। अतः इसके द्वारा किये जाने वाले अध्ययन अधिक वस्तुनिष्ठ और वैज्ञानिक प्रकृति के होते है। घुरिये Indalogical perspective के सिद्धान्तकार हैं।

53. निम्न में कौन-सा भारत में बढ़े हुए जीवन-काल के लिए उत्तरदायी नहीं है?

(a) आयुर्विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में विकास
(b) महामारियों पर नियंत्रण
(c) स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार
(d) गिरती हुई जन्म दर

उत्तरः- (d) गिरती हुई जन्मदर भारत में बढ़े हुए जीवन-काल के लिए गिरती हुई जन्म दर के लिए उत्तरदायी नहीं है। जबकि आयुर्विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में विकास, महामारियों पर नियंत्रण और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार बढ़े हुए जीवनकाल के लिए उत्तरदायी है।

54. निम्न में से कौन-सी वह प्रमुख विशेषता है जिसके आधार पर नई पंचायती राज व्यवस्था को शुरू किया गया?

(a) महिलाओं की भागीदारी
(b) अनुसूचित जातियों व जनजातियों की भागीदारी
(c) दोनो (A) और (B)
(d) युवाओं की भागीदारी

उत्तरः- (c) अनुसूचित जातियों व जनजातियों की भागीदारी और महिलाओं की भागीदारी दो प्रमुख विशेषता है, जिसके आधार पर नई पंचायती राज व्यवस्था को शुरू किया गया।

55. किसने कहा कि, ''भारत में समाजशास्त्र, भारतीय विद्या और समाजशास्त्र के संगम पर खड़ा है और भारतीय समाज की समझ के लिए आवश्यक पूर्व शर्त सही प्रकार के मिश्रण के रूप में है''?

(a) एफ.जी. बेली (b) लुइस ड्यूमा
(c) वाई. सिंह (d) एम.एन रॉय

उत्तरः- (b) लुईस ड्यूमा ने कहा है कि भारत में समाजशास्त्र, भारतीय विद्या और समाजशास्त्र के संगम पर खड़ा है और भारतीय समाज की समझ के लिए आवश्यक पूर्व शर्त सही प्रकार के मिश्रण के रूप में है।

56. जैक डेरिडा ने भाषा को निम्न में से किस तक घटाया है?

(a) ऐसे 'लेखन' तक जो अपने विषयों को बाध्य करता है।
(b) ऐसे 'लेखन' तक जो अपने विषयों को बाध्य नहीं करता।
(c) दोनों (A) तथा (B)
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः- (b) जैक डेरिडा 'विखण्डन के सिद्धांत' के जनक है। उन्होंने भाषा को ऐसे 'लेखन' तक घटाया है जो अपने विषयों को बाध्य नही करता है।

57. किसने मार्क्स के पूर्ववर्ती दार्शनिक कार्य और उनके परवर्ती वैज्ञानिक अवधारणाओं और ज्ञान में ज्ञानमीमांसीय अंतराल का पता लगाया?

(a) अल्फ्रेड शुट्ज़ (b) जे.एलेक्ज़ेन्डर
(c) एल. अल्थूजर (d) टी. बर्टेन

उत्तरः- (c) एल. अल्थूजर को नवमार्क्सवाद का प्रणेता समझा जाता है। और उन्होंने मार्क्स के पूर्ववर्ती दार्शनिक कार्य और उनके परवर्ती वैज्ञानिक अवधारणाओं और ज्ञान में ज्ञान मीमांसीय अन्तराल का पता लगाया।

58. ''स्टडीज़ इन एथनोमेथोडोलॉजी'' पुस्तक किसने लिखी?

(a) ई. गॉफमैन (b) पीटर बर्जर
(c) एच. गारफिन्केल (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरः- (c) एच. गारफिन्केल ने 'स्टडीज़ इन एथनोमेथोडोलॉजी नामक पुस्तक की रचना की है।

59. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

	सूची-I (लेखक)		सूची-II (पुस्तकें)
A.	सिमोन द बुवुआर	i.	सेक्स, जेंडर एंड सोसायटी
B.	ऐन ओक्ले	ii.	दी सेकेन्ड सेक्स
C.	शुलामिथ फायरस्टोन	iii.	जेंडर ट्रबल – फेमिनिज़्म एण्ड द सबवर्शन ऑफ आइडेन्टटी
D.	जुडिथ बटलर	iv.	दी डायलेक्टिक ऑफ सेक्स : द केस ऑफ फेमिनिस्ट रेवोलूशन

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए:

कूटः

	A	B	C	D
(a)	i	iv	iii	ii
(b)	iv	ii	i	iii
(c)	iii	ii	i	iv
(d)	ii	i	iv	iii

उत्तरः- (d) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

(लेखक)		(पुस्तकें)
सिमोन द बुवुआर	-	दी सेकेण्ड सेक्स
ऐन ओक्ले	-	सेक्स, जेण्डर एण्ड सोसायटी
शुलामिथ फायरस्टोन	-	द डायलेक्टिव ऑफ सेक्सः द केस ऑफ फेमिनिस्ट रेवोलूशन
जुडिथ बटलर	-	जेंडर ट्रबल-केमिनिज्म एण्ड द सबवर्शन ऑफ आइडेन्टटी

60. बॉर्स्टल स्कूल तथा रिमांड होम किनके सुधार के लिए होते हैं?

(a) वयस्क अपराधी (b) अभ्यस्त अपराधी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) किशोर अपराधी (d) कठोर अपराधी

उत्तरः- (c) बॉर्स्टल स्कूल तथा रिमाण्ड होम, किशोर अपराध के सुधार के लिए होते हैं।

61. निम्न में से कौन-सा अभिकथन औद्योगिक संगठनों की सामाजिक संरचना के प्रतिबिंब का सूचक नहीं है?

(a) प्रबन्ध से संबंधी समूहों में सामाजिक प्रवर्जनों का प्रभुत्व
(b) निदेशक बोर्ड में महिलाओं का प्रभुत्व
(c) सफाई कर्मचारियों के रूप में सामाजिक रूप से सुविधावंचित लोगों का प्रभुत्व
(d) स्वागती पदों पर महिलाओं का प्रभुत्व

उत्तरः- (b) निदेशक बोर्ड में महिलाओं का प्रभुत्व, औद्योगिक संगठनों की सामाजिक संरचना के प्रतिबिंब का सूचक नहीं है।

62. निम्न में से कौन-सा वक्तव्य सही है? निम्नलिखित कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. सभी परिवर्तन विकास है।
2. पूर्व के समाजशास्त्री विकास एवं परिवर्तन को अंतर्परिवर्तनीय/तार्किक रूप से संबंधित पदों के रूप में देखते थे।
3. आधुनिकीकरण सिद्धांतवादियों के अनुसार विकास का अंतिम परिणाम समृद्धि तथा राजनैतिक स्थिरता है।
4. विकास का अर्थ है आधुनिक समय में सामाजिक परिवर्तन की अनियोजित प्रक्रिया।

कूटः

(a) 1 और 4 (b) 2 और 4
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तरः- (c) विकास एक नियोजित प्रक्रिया है तथा सभी प्रकार का परिवर्तन विकास नहीं होता है।

63. निम्न दिए गए समाजशास्त्रियों में से किसने मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य से भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का अध्ययन किया है?

(a) राम कृष्ण मुखर्जी (b) ए. आर. देसाई
(c) बिपिन चंद्र (d) डी.एन. धनगरे

उत्तरः- (b) ए.आर.देसाई भारत के पहले समाजशास्त्री है जिन्होंने मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य से भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का अध्ययन किया है।

64. किसका विचार है कि 'भारतीय समाज का वैज्ञानिक अनुभवपरक अध्ययन संभव नहीं है'?

(a) राम कृष्ण (b) डी.पी. मुकर्जी
(c) ए.के. सेरम (d) एस.सी. दुबे

उत्तरः- (c) ए. के. सेरम का विचार है कि भारतीय समाज का वैज्ञानिक अनुभवपरक अध्ययन सम्भव नहीं है।

65. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं। एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है

अभिकथन (A) : भारत की तकनीकी मानवशक्ति में पिछले दशक में बेरोज़गारी बढ़ी है।

कारण (R) : भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति रोज़गार से संबंधित नहीं है।

कूटः

(a) (A) सही है तथा (R) गलत है।
(b) (A) गलत है तथा (R) सही है।
(c) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(d) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तरः- (c) यह तथ्य सत्य है कि भारत की तकनीकी मानवशक्ति में पिछले दशक में बेरोजगारी बढ़ी है तथा रोजगार का भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति से कोई सम्बन्ध नहीं है। अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सत्य है तथा R, A की सही व्याख्या है।

66. किसने वैश्वीकरण को विश्वव्यापी सामाजिक संबंधों के गहनीकरण के रूप में वर्णित किया है जिसके द्वारा दूरस्थ स्थानों को इस प्रकार जोड़ा जाता है कि एक स्थान पर होने वाली घटनाएँ कई मील दूर हो रही प्रक्रिया से प्रभावित होती हैं और इसके विपरीत भी?

(a) डी. नय्यर (b) ऐंथोनी गिड्डेंस
(c) वाई. सिंह (d) अमर्त्य सेन

उत्तरः- (b) एन्थोनी गिडेंस आधुनिकता के मूर्धन्य विद्वान समझे जाते हैं। इन्होंने वैश्वीकरण को विश्वव्यापी सामाजिक संबंधों के गहनीकरण के रूप में वर्णित किया है जिसके द्वारा दूरस्थ स्थानों को इस प्रकार जोड़ा जाता है कि एक स्थान पर होने वाली घटनाएँ कई मील दूर हो रही प्रक्रिया से प्रभावित होती हैं और इसका दूसरा पक्ष विपरीत भी परिलक्षित होता है।

67. जैक्स दरिदा ने मुख्य रूप से किस पर ध्यान केंद्रित किया है?

(a) लोगों की भाषा का विखंडन
(b) लोगोसेन्ट्रिज़्म का विखंडन
(c) उस संरचना का विखंडन जो लोगों को बाध्य करती है।
(d) गुलाम थिएटर का विखंडन

उत्तरः- (b) दरिदा उत्तर–आधुनिकवाद के मूर्धन्य विचारक समझे जाते हैं। वे 'विखण्डन के सिद्धांत' के जनक हैं। जहाँ कहीं दरिदा को तत्व मीमांसा (Metaphysics) दिखाई देती है, वे इसका विखण्डन करते हैं उसका विध्वंस करते हैं विखण्डन की अवधारणा भेद पर आधारित है। भेद एक तर्क है इसका सम्बन्ध शब्द (logos) है और इसलिए दर्शन के शब्द केन्द्रित (logocentric) विवेचन को वे स्वीकार नहीं करते।

68. निम्न में से किसने पितृसत्ता को "पुरुषों के बीच सामाजिक संबंधों के ऐसे समुच्चय के रूप में परिभाषित किया है जिसका भौतिक आधार होता है और जो श्रेणी बद्ध होते हुए भी पुरुषों के बीच में ऐसी परस्पर निर्भरता या एकता पैदा करते हैं या स्थापित करते हैं जो उन्हें महिलाओं पर प्रभुत्व जमाने में मदद करती है।"?

(a) एस्थर बोजरप (b) सैंड्रा हार्डिंग
(c) हेइडी हार्टमान (d) नैन्सी हार्टस्टॉक

उत्तरः- (c) हेइडी हार्टमान पितृसत्ता को पुरुषों के बीच सामाजिक संबंधों को भौतिक आधार के रूप में प्रस्तुत किया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

69. विशेष रूप से 1970 के दशक में प्रचलित किसके कार्य से आपको मार्क्सवाद का संरचनावादी रूप मिलता है?

(a) लुई अल्थूजर (b) जे. दरिदा
(c) जे. हैबरमास (d) ए. गिड्डेंस

उत्तरः- (a) लुई अल्थूजर नव-मार्क्सवाद के जनक माने जाते हैं। विशेष रूप से 1970 के दशक में प्रचलित कार्य से मार्क्सवाद का संरचनावादी रूप मिलता है।

70. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिएः

सूची-I		सूची-II
A. समावेश	i.	राज्य अथवा सामाजिक संगठन के भीतर ऐसी स्थिति जिसमें सत्ता अनेक समूहों एवं संगठनों के बीच बँटी होती है।
B. बहुलवाद	ii.	अनेक संस्कृतियों के बीच में संपर्क की प्रक्रिया तथा ऐसे संपर्कों का परिणाम भी।
C. संस्कृतिग्राह्यतावाद	iii.	वह प्रक्रिया जिसमें अल्पसंख्यक मेज़बान संस्कृति में ही आत्मसात हो जाते हैं।
D. बहुसंस्कृतिवाद	iv.	सांस्कृतिक वैविध्य की स्वीकार्यता तथा संवर्धन

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिएः

कूटः

	A	B	C	D
(a)	i	iii	ii	iv
(b)	iv	iii	i	ii
(c)	iii	i	ii	iv
(d)	iv	iii	ii	i

उत्तरः- (c) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

समावेश	-	वह प्रक्रिया जिसमें अल्पसंख्यक मेज़बान संस्कृति में ही आत्मसात हो जाते हैं।
बहुलवाद	-	राज्य द्वारा सामाजिक संगठन के भीतर ऐसी स्थिति में जिसमें सत्ता अनेक समूहों और संगठनों के बीच बँटी होती है।
संस्कृतिग्राह्यतावाद	-	अनेक संस्कृतियों के बीच में सम्पर्क की प्रक्रिया तथा ऐसे सम्पर्कों का परिणाम भी
बहुसंस्कृतिवाद	-	सांस्कृतिक वैविध्य की स्वीकार्यता तथा संवर्धन

71. ''बोर्न क्रिमिनल्स'' की अवधारणा किसने प्रस्तुत की है?

(a) सी. लोम्ब्रोसो (b) ई.एच सदरलैंड
(c) ई. दुर्खीम (d) जी. तोर्दे

उत्तरः- (a) सी.लोम्ब्रोसो इटली की सेना में एक चिकित्सक थे। वे ब्रोर्न क्रिमिनल्स के प्रणेता माने जाते है। लोम्ब्रोसो के अनुसार '' अपराधी जन्मजात होते हैं वे बनाये नहीं जाते हैं।''

72. कृषि में सामंती उत्पादन प्रणाली के दौरान किस प्रकार के कृषि संबंध थे?

(a) जजमानी संबंध (b) राजा-नौकर संबंध
(c) मालिक-नौकर संबंध (d) संरक्षक-ग्राहक संबंध

उत्तरः- (c) कृषि में सामंती उत्पादन प्रणाली के दौरान कृषि संबंध मालिक–नौकर के संबंध थे।

73. ऐतिहासिक समाज विकास के विभिन्न चरणों के गवाह रहे हैं। विभिन्न लेखकों ने अपनी रचनाओं में विकास के चरणों के अपने वर्गीकरण दिए हैं। उनके नाम सूची-I में दिए गये हैं और विकास के चरण सूची-II में दिए गए हैं। सूची-I को सूची-II से सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

सूची-I		सूची-II
A. ए. काम्टे	1.	नृशंसता, बर्बरता और सभ्यता
B. एडम स्मिथ	2.	सामंतवाद, पूँजीवाद, समाजवाद और साम्यवाद
C. एल.एच. मोर्गन	3.	धर्मशास्त्री, पराभौतिक और प्रत्यक्ष
D. कार्ल मार्क्स	4.	शिकार, देहाती, कृषि तथा निर्माण

कूटः

	A	B	C	D
(a)	3	4	1	2
(b)	4	3	2	1
(c)	2	1	3	4
(d)	1	2	4	3

उत्तरः- (a) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

ए. काम्टे	-	धर्मशास्त्री, पराभौतिक और प्रत्यक्ष
एडम स्मिथ	-	शिकार, देहाती, कृषि तथा निर्माण
एल.एच. मोर्गन	-	नृशंसता, बर्बरता और सभ्यता
कार्ल मार्क्स	-	सामंतवाद, पूँजीवाद, समाजवाद और साम्यवाद

74. निम्नलिखित में से कौन-सा घटक क्षेत्रीय असमानताओं के लिए उत्तरदायी है?

(a) जनसंख्या वृद्धि (b) सेक्स अनुपात
(c) समुचित आर्थिक कार्यक्रम (d) आर्थिक विकास

उत्तरः- (d) आर्थिक विकास का घटक क्षेत्रीय असमानताओं के लिए उत्तरदायी है।

75. निम्न में से कौन-सा युग्म भारत में ट्रेड यूनियनों के कमज़ोर होने के लिए उत्तर दायी है?

(a) वैश्वीकरण तथा संगठनात्मक नेटवर्क
(b) बढ़ा हुआ औद्योगिक लोकतंत्र तथा घटती हुई वर्ग-चेतना
(c) बढ़ा हुआ भागीदार प्रबंधन तथा सामूहिक मोल-तोल
(d) बढ़े हुए कल्याण प्रावधान तथा श्रमिक कानून

उत्तरः- (b) भारत में ट्रेड यूनियनों के कमजोर होने के लिए हमारे देश में बढ़ा हुआ औद्योगिक लोकतंत्र तथा घटती हुई सामाजिक वर्ग-चेतना उत्तरदायी है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2015
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. 'प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञानों के बीच अन्तर अन्वेषक के संज्ञानात्मक आशयों से उत्पन्न होते हैं। यह किनका विचार है?

(a) ऑगस्ट कॉम्टे (b) इमाईल दुर्खीम
(c) मैक्स वेबर (d) कार्ल मैनहाइम

उत्तर (c)—बेबर के समाज शास्त्र में हम यह अन्तर प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञानों के बीच उनके द्वारा किये गये अन्तर में देखते हैं। सामाजिक विज्ञानों का सम्बन्ध स्वरूपों (Forms) से है जिनके द्वारा हम विश्व को देखते हैं। इसीलिए प्राकृतिक विज्ञानों में जहाँ सार्वभौमिक नियमों की रचना की जाती है, वहाँ सामाजिक विज्ञानों में यह सम्भव नहीं है।

2. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और उनके नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए।

सूची- I (अवधारणा)	सूची- II (समाजशास्त्री)
(A) भूमिका की आन्तरिक संरचना	(i) सी.लेवी-स्ट्रॉस
(B) मिथक की संरचना	(ii) बी.मैलिनॉवस्की
(C) अनुष्ठानों के प्रकार्य	(iii) एस.एफ.नाडेल
(D) मूल तथा व्युत्पन्न आवश्यकताएँ	(iv) टी.पारसन्स
	(v) ए.आर. रैडक्लिफ -ब्राउन

कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(i)	(v)	(ii)	(iv)
(c)	(iii)	(i)	(v)	(ii)
(d)	(i)	(iii)	(v)	(iv)

उत्तर (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)	(समाजशास्त्री)
भूमिका की आन्तरिक संरचना	- एस.एफ.नाडेल
मिथक की संरचना	- सी.लेबी-स्ट्रास
अनुष्ठानों के प्रकार्य	- ए.आर.रैडक्लिफ-ब्राउन
मूल तथा व्युत्पन्न आवश्यकताएँ	- बी.मैलिनोवस्की

3. 'स्ट्रक्चर एंड फंक्शन इन प्रिमिटिव सोसाइटी' नामक पुस्तक किसने लिखी है?

(a) एस.एफ.नाडेल (b) सी.लेवी-स्ट्रॉस
(c) बी.मैलिनॉवस्की (d) ए.आर.रैडक्लिफ-ब्राउन

उत्तर (d)—रैडक्लिफ-ब्राउन ने संरचना एवं प्रकार्य को आदिम समाज के प्रकार्यात्मक दृष्टिकोण के रूप में व्याख्या किया है। अपनी पुस्तक 'स्ट्रक्चर एण्ड फंक्शन इन प्रिमिटिव सोसाइटी में' संरचनात्मक प्रकार्यात्मक दृष्टिकोण/सिद्धांत को प्रस्तुत किया है। सामाजिक संरचना को ब्राउन ने सावयवों के रूप में नहीं अपितु सामाजिक संरचना के अन्तर्गत स्थितियों पर आसीन रहने वालों के रूप में विवेचित मनुष्यों से ही बनती है, बताया है।

4. किसने कहा है कि मानव मस्तिष्क के मूल लक्षण सामाजिक संरचना के संभव प्रकारों का निर्धारण करते हैं?

(a) सी.लेवी.स्ट्रॉस (b) जे.पॉल सात्रे
(c) जी.पी. मरडॉक (d) एस.एफ. नॉडेल

उत्तर (a)—लेवी-स्ट्रॉस ने कहा है कि मानव मस्तिष्क के मूल लक्षण सामाजिक संरचना के संभव प्रकारों का निर्धारण करते हैं। ये समाज को एक मानसिक क्रिया मानते हैं। इनका संरचनावाद मानसिक प्रक्रिया है जो समस्त मानव जाति और संस्कृति में सार्वलौकिक है। ये जो समाज है मानसिक संरचनाओं का परिणाम है। स्ट्रॉस ने सामाजिक संरचना के दो स्तर बताये हैं- जिनके अनुसार, अभी तक मानव वैज्ञानिकों ने ऊपरी स्तर की संरचना अर्थात् संस्थाओं और व्यवहार की व्याख्या की है जबकि गहराई के स्तर की खोज करना प्रतिकात्मक अर्थबोध की संरचनाओं की खोज करना है।

5. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और उनके नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए।

सूची-I (कृति)	सूची-II (लेखक)
(A) आर्गोनॉट्स ऑफ दी वैस्टर्न पैसिफिक	(i) इमाईल दुर्खीम
(B) अण्डमान आइलैण्डर्स	(ii) बी.मैलिनॉवस्की
(C) एलिमैन्ट्री फार्मस् ऑफ रिलीजियस लाइफ	(iii) सी.लेवी-सट्रॉस
(D) स्ट्रक्चरल एन्थ्रोपोलॉजी	(iv) ए.आर.रैडक्लिफ-ब्राउन
	(v) एस.एफ. नाडेल

कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(c)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(d)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

उत्तर (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(कृति)	(लेखक)
आर्गोनॉट्स ऑफ दी वैस्टर्न पैसिफिक	- बी.मैलिनोवस्का
अण्डमान आइलैण्डर्स	- ए.आर.रैडक्लिफ-ब्राउन
एलिमैन्ट्री फार्मस् ऑफ रिलीजियस लाइफ	- दुर्खीम
स्ट्रक्चरल एन्थ्रोपोलॉजी	- सी.लेवी-स्ट्रास

6. मूलभूत आवश्यकताओं और व्युत्पन्न आवश्यकताओं के आधार पर एक प्रकार्यात्मक सिद्धान्त किसने दिया है?

(a) बी. मैलिनोवस्की (b) ई.दुर्खीम
(c) आर.के.मर्टन (d) हरबर्ट स्पेंसर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (a)–बी. मैलिनोवस्की ने संस्कृति का विश्लेषण आवश्यकता सिद्धान्त के आधार पर किया। उन्होंने तीन प्रकार की आवश्यकताएं बतायीं–(i) मूलभूत आवश्यकता, (ii) व्युत्पन्न आवश्यकता तथा (iii) समाकलनकारी आवश्यकता।

7. 'अ साइंटिफिक थ्योरी ऑफ कल्चर' नामक पुस्तक की रचना किसने की है?

(a) बी. मैलिनॉवस्वकी (b) ए.एल.क्रोबर
(c) ए.आर.रेडक्लिफ-ब्राउन (d) ई.बी.टायलर

उत्तर (a)–बी.मैलिनोवस्की मनुष्य की आवश्यकताओं के अनुसार संस्कृति निर्माण की बात सोचते हैं दूसरे शब्दों में आवश्यकताओं के सन्दर्भ में संस्कृति को समझा जा सकता है।किसी समाज विशेष के लोग प्रचलित तकनीकी ज्ञान के अनुसार अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करें यही समकालिक संस्कृति का द्योतक है । मैलिनोवस्की के उपरोक्त विचार उनकी पुस्तक "अ साइंटिफिक थ्योरी ऑफ कल्चर" में मिलता है। इसमें प्रकार्यवाद के बारे में भी बताया गया है।

8. यांत्रिक और सावयवी एकता के आधार पर सरल समाज और औद्योगिक समाज में अंतर किसने किया है?

(a) टी.पारसंस (b) बी.मैलिनॉवस्की
(c) एच.स्पेंसर (d) इमाईल दुर्खीम

उत्तर (d)–दुर्खीम की पुस्तक 'Social Division of Labour' दो भागों में बँटी हुई है। प्रथम भाग में सामाजिक एकता का विश्लेषण है। दुर्खीम का कथन है कि सामाजिक एकता के स्वरूप में परिवर्तन होता है। यह परिवर्तन यांत्रिक एकता से क्रमशः सावयवी एकता की ओर होता है। अतः सामाजिक एकता के दो विभिन्न रूप हैं-प्रथम–यान्त्रिक एकता और द्वितीयक– सावयवी एकता। प्रथम एकता की विशेषता एकरूपता है और द्वितीयक की विभिन्नता।

9. कार्यपरक सिद्धान्तों का प्रयोग करते हुए सामाजिक परिवर्तन के अध्ययन के लिए विकल्पों की अवधारणा किसने प्रस्तुत की है?

(a) टालकॉट पारसंस (b) आर.के मर्टन
(c) बी.मैलिनॉवस्की (d) इमाईल दुर्खीम

उत्तर (b)–प्रारंभिक प्रकार्यवादी इस मत का पोषण करते रहे हैं कि व्यवस्था (प्रणाली)का प्रत्येक तत्व या इकाई उसके अनुरक्षण एवं अति जीवन के लिए अपरिहार्य हैं। इस मत का खण्डन करते हुऐ आर.के.मर्टन ने प्रकार्यात्मक विकल्प' 'प्रकार्यात्मक समतुल्य तथा प्रकार्यात्मक अनुकल्प की अवधारणाओं को प्रस्तुत किया है।

10. 'सामान्याकृत अन्य' (जनरलाइज्ड अदर्स) की धारणा किसने प्रस्तुत की थी?

(a) एच.ब्लूम (b) जी.एच.मीड
(c) इरविंग गॉफमैन (d) सी.एच.कूले

उत्तर (b)– व्यक्ति के समाजीकरण में मीड ने समाज की महती भूमिका को इंगित करते हुऐ लिखा है कि बालक को अपने बारे में सामाजिक अन्तःक्रिया के द्वारा ही बोध होता है। इसी के द्वारा 'स्व' की उत्पत्ति होती है। स्व का ज्ञान उसे दूसरे व्यक्तियों की भूमिकाओं को ग्रहण करने से ही होता है। मीड ने इन दूसरे व्यक्तियों को सामान्यीकृत अन्य कहा है।

11. सारणी एक के तत्वों का सारणी दो के तत्वों से मिलान कीजिए।

सूची-I (प्रविधियाँ)	**सूची-II (चिंतक)**
(A) तुलनात्मक विधि	(i) कार्ल मार्क्स
(B) वर्स्टहेन मैथड	(ii) ई.दुर्खीम
(C) ऐतिहासिक विधि	(iii) मैक्स वेबर
(D) आदर्श प्रकार विधि	(iv) आर.के.मर्टन

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

उत्तर (a)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(प्रविधियाँ)	**(चिंतक)**
तुलनात्मक विधि	- ई.दुर्खीम
वर्स्टहेन मैथड	- मैक्स बेबर
ऐतिहासिक विधि	- कार्ल मार्क्स
आदर्श प्रकार विधि	- मैक्स बेबर

12. मीड के अनुसार "सामान्यीकृत अन्य" और "महत्वपूर्ण अन्य" के रचयिता है :

(a) मैं (b) मुझको
(c) अहम् (d) अत्यधिक अहम्

उत्तर (b)–मीड के सिद्धाँत को सामान्यीकृत अन्य (Generalized other) का सिद्धान्त कहा जाता है और इसके आधार पर ही कुछ लोगों ने महत्वपूर्ण अन्य (Significant others)के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया है,और इन लोगों का कहना है कि कोई भी व्यक्ति उन्हीं व्यक्तियों का अनुकरण करता है जिसे वह अपने लिए महत्वपूर्ण मानता है।

13. सरकार की किस प्रणाली में विलफ्रेड पैरेटो ने लोमड़ी की तरह श्रेष्ठजन (फॉक्स टाइप ऑफ इलाईट) को उदाहरण रूप में दिया गया है?

(a) यूरोपीय लोकतंत्र (b) सैन्य तानाशाही
(c) राजनीतिक लोकतंत्र (d) आधुनिक विशिष्ट वर्ग

उत्तर (a)–विलफ्रेड परेटो ने यूरोपीय लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन को अपनी अभिजन-परिभ्रमण (Circulation of Elite) की अवधारणा में लोमड़ी की तरह श्रेष्ठजन (फॉक्स टाइप ऑफ एलिट) को उदाहरण के रूप में दिया है।

14. निम्नलिखित में से कौन-सा परेटो की तार्किक कार्रवाई पर लागू होता है?

(a) व्यक्तिपरक तार्किक क्रिया (b) उद्देश्यपरक तार्किक क्रिया
(c) (a) और (b) दोनों (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तर (b)–परेटो ने वस्तुनिष्ठ या व्यक्तिनिष्ठ आधारों का और भी स्पष्टीकरण इस प्रकार किया है कि प्रत्येक सामाजिक या व्यक्तिगत क्रिया के दो पक्ष होते है। (a) लक्ष्य और (b) साधन/हम किसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कुछ साधनों का प्रयोग करते हैं परन्तु ये साधन किस प्रकार के होंगे या उनकी प्रकृति कैसी होगी यह उन कार्यों की प्रकृति पर निर्भर करती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

15. किसने पूर्वानुमान लगाया था कि संघर्ष कुछ सकारात्मक भूमिका निभा सकता है क्योंकि यह दिए गए समूह की सामाजिक सुदृढ़ता में वृद्धि करता है ?

(a) जी.सिमेल (b) एल.ए. कोज़र
(c) आर.डाहरेनडॉर्फ (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (b)–कोज़र अपने संघर्ष के सिद्धान्त को संघर्ष का प्रकार्यवाद कहते हैं। क्योंकि इन्होंने समाजिक संघर्ष के प्रकार्यात्मक पक्ष पर विशेष बल दिया है और बताया कि सामाजिक संघर्ष केवल विघटनात्मक परिमाण ही उत्पन्न करता है, यह धारणा गलत है।

16. ''लाइफ चांसेज'' तथा ''लाइफ स्टाइल्स'' शब्द के जनक थे

(a) एल.ड्यूमोंट (b) मैक्स वेबर
(c) वी.परेटो (d) पी.ए. सोरोकिन

उत्तर (b)–मैक्स बेबर ने लाइफ चांसेस तथा लाइफ स्टाइल्स को सर्वप्रथम प्रयोग किया। यह शब्द मनुष्य द्वारा अपने जीवन को बेहतर बनाने से सम्बन्धित है।

17. व्याख्यात्मक समाजशास्त्र से किसका नाम सम्बद्ध है?

(a) मैक्स वेबर (b) कार्ल मार्क्स
(c) जी.सिमेल (d) टी.पारसन्स

उत्तर (a)–मैक्स वेबर के अनुसार''व्याख्यात्मक समाजशास्त्र एक ऐसी सामाजिक अवधारणा है जिसके अनुसार एक व्यवहार को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि अभिनेता के अनुसार वह क्या करता है और दूसरे क्या करते है।

18. तकनीकी में तीव्र वृद्धि तथा सामाजिक संस्थाओं और परम्परागत विश्वासों में धीमे परिवर्तन के सामंजस्य-विभेद को कहते है :

(a) सांस्कृतिक विलम्बना (b) सांस्कृतिक विसरण
(c) सांस्कृतिक नवप्रवर्तन (d) सांस्कृतिक आत्मसात्करण

उत्तर (a)–इस अवधारणा का प्रयोग सर्वप्रथम ऑगबर्न ने सन् 1922 में प्रकाशित अपनी बहुप्रसिद्ध पुस्तक Social Change में किया। आगबर्न ने संस्कृति के दो पक्षों की चर्चा की है, भौतिक तथा अभौतिक संस्कृति इन दोनों संस्कृतियों के बीच उत्पन्न इस पिछड़न की स्थिति को ही ऑगबर्न ने सांस्कृतिक विलम्बना या सांस्कृतिक पिछड़न के नाम से इंगित किया है। भौतिक संस्कृति के अन्तर्गत हजारों वस्तुएँ आती है जैसे- वायुयान, रेल, पंखा, घड़ी, बर्तन, फर्नीचर, वस्त्र, पुस्तके आदि वस्तुएँ जबकि अभौतिक में धर्म, कला, दर्शन, विज्ञान, विश्वास, साहित्य आदि आते है।
स्रोत-समाजशास्त्र विश्वकोष-हरिकृष्ण रावत

19. निम्नलिखित चिंतकों में से उद्विकासवाद सिद्धांत के प्रवर्तक कौन थे?

(a) जी.डब्ल्यू.एफ.हीगल (b) कार्ल मैनहाइम
(c) ऑगस्ट कॉम्टे (d) कार्ल मार्क्स

उत्तर (c)– अगस्त कॉम्टे ने मानव समाज की प्रगति के नियम या ''उद्विकास'' के तीन अवस्थाओं के नियम का प्रतिपादन किया। ये तीनो अवस्थाएँ इस प्रकार हैं-
1. धार्मिक अवस्था 2. तात्विक अवस्था 3. प्रत्यक्ष अवस्था

20. सं.रा. अमेरिका में झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र के अध्ययन में सहभागी अवलोकन का किसने प्रयोग किया है?

(a) डब्ल्यू.एफ.व्हाईट (b) बी.मैलिनॉवस्की
(c) डी.एफ.लाजार्सफील्ड (d) आर.के. मर्टन

उत्तर (a) डब्ल्यू.एफ.व्हाईट ने संयुक्त राज्य अमेरिका में झुग्गी झोपड़ी क्षेत्र के अध्ययन में सहभागी अवलोकन का प्रयोग किया। सहभागी अवलोकन में अवलोकन कर्ता स्वयं तथ्य संकलन के लिए अस्थायी तौर पर समूह का एक सदस्य अस्थायी तौरपर बन जाता है। डब्ल्यू०एफ, व्हाईट एक प्रसिद्ध समाजशास्त्री थे। जिन्होंने नगरीय समाजशास्त्र के क्षेत्र में कार्य किया तथा प्रसिद्ध पुस्तक 'Street corner Society' की रचना की। व्हाईट अमरीका के बॉस्टन इलाके में लगभग चार वर्षों तक रहे तथा सहभागी अवलोकन द्वारा वहां के इटालियन समुदायों के अपराधिक गिरोहों के सदस्यों के बीच सामाजिक संबंधों पर शोध कार्य किया।

21. मौखिक इतिहास विधि के माध्यम से हम किसका संकलन करते हैं?

(a) मानव घटनाओं के
(b) जीवित लोगों के आंकड़े संस्मरण
(c) इतिहासकारों के संस्मरण
(d) मानव शरीर के आँकड़े

उत्तर (b) मौखिक इतिहास विधि के माध्यम से बुजुर्ग व्यक्तियों का साक्षात्कार लिया जाता है जिससे उन घटनाओं की जानकारी प्राप्त होती है। जो उनके बाल्यकाल, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था में घटित हुई।

22. फैलाव को नापने के पैमाने (औसत और मानक विचलन) क्या दिखाते हैं?

(a) असमानता का परिमाण (b) समानता का परिमाण
(c) (a) और (b) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (a) फैलाव को नापने के पैमाने (औसत और मानक विचलन) असमानता का परिमाण दिखाते हैं।

23. आर. के. मर्टन के अनुसार अंतर्वस्तु विश्लेषण में निम्न में से क्या शामिल होता है?

(a) एक आयामी वर्गीकरण (b) प्रतीकों की गणना
(c) अभियान विश्लेषण (d) गुणात्मक विश्लेषण

नीचे दिए कूट में सही जवाब पर निशान लगाएँ।
कूट-

(a) (a) (b) (d) (b) (c) (d) (a)
(c) (b) (c) (d) (d) (a) (b) (c)

उत्तर (d) आर. के. मर्टन ने अर्न्तवस्तु विश्लेषण में एक आयामी वर्गीकरण, प्रतीकों की गणना तथा अभियान विश्लेषण को शामिल किया है।

24. निम्न में से कौन से औसत की केवल बंद सिरों वाली सारणी से ही गणना की जा सकती है?

(a) माध्य (b) मध्यिका
(c) बहुलक (d) उपरोक्त सभी

उत्तर (d)– उपरोक्त सभी बन्द सिरों वाली सारणी से ही गणना की जा सकती है।

25. अन्योन्याश्रयता निम्न में से किसके मध्य सहपरिवर्तनीयता का स्तर बताता है :

(a) गुणात्मक चरों
(b) परिमाणात्मक चरों

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) एक गुणात्मक चर और एक परिमाणात्मक चर
(d) चरों का कोई भी संयोजन

उत्तर (b) परिमाणात्मक चर एक औसत दर्जे की मात्रा का प्रतिनिधित्व करता है।
परिमाणात्मक चर संख्यात्मक होता है।

26. निम्नलिखित में से कौन एक गुणात्मक और दूसरे गुणात्मक चरों के बीच सहपरिवर्तन की मात्रा की माप कर सकता है?
(a) यूले का Q (b) फाई का गुणांक φ
(c) काई स्क्वायर x^2 (d) रो ρ

उत्तर (c) काई स्क्वायर x^2 एक गुणात्मक तथा दूसरे गुणात्मक चरों के बीच सहपरिवर्तन की मात्रा की माप कर सकता है।

27. किसने यह तर्क दिया है कि प्रत्याशित समाजीकरण संदर्भ समूह व्यवहार के कारण होता है?
(a) एच.एच.हायमन (b) आर.के.मर्टन
(c) सी.एच.कूले (d) एम.मीड

उत्तर (b)–आर. के. मर्टन ने यह तर्क दिया कि प्रत्याशित समाजीकरण सन्दर्भ समूह व्यवहार के कारण होता है। उनके अनुसार यह समाजीकरण गैर-समूह के मानदण्ड को अपनाने से सम्बन्धित है जिससे उस समूह में आसानी से प्रवेश किया जा सके। इस अवधारणा को मर्टन ने 1949 में दर्शाया।

28. भूमिका पुंज में भूमिका निर्वहन हेतु तरीकों के बारे में किसने लिखा है?
(a) राल्फ लिंटन (b) टालकॉट पारसन्स
(c) आर.के.मर्टन (d) ए.आर.रैडक्लिफ-ब्राऊन

उत्तर (c)–भूमिका पुंज में भूमिका निष्पादन हेतु तरीके के बारें में आर.के.मर्टन ने वर्णन किया कि यह स्थिति के आधार पर एक व्यक्ति की कुल भूमिकाओं को दर्शाता है।

29. वेबर के अनुसार प्रस्थिति वर्ग निम्न द्वारा चिह्नित किए जाते है :
(a) शिक्षा (b) जीवन शैलियाँ
(c) व्यवसाय (d) परिवार पृष्ठभूमि

उत्तर (b)–बेबर ने कहा है कि प्रस्थिति वर्ग व्यक्ति की जीवन-शैली द्वारा इंगित किया जाता है। धन का मनुष्य की जीवन-शैली से जुड़ाव जरूर है, परन्तु मनुष्य की सामाजिक स्थिति उसकी जीवनशैली पर निर्धारित है।

30. डॉक्टर ने महिला की जाँच करने के बाद कहा : श्रीमती मेरे पास आपके लिए खुशखबरी है । तब महिला ने प्रतिक्रिया में कहा : 'मैं कुमारी जोन्स हूँ, श्रीमती जोन्स नहीं'। तब डॉक्टर ने कहा : 'यदि ऐसा है तो बुरी खबर है। यह निम्न संकल्पना को स्पष्ट करने के लिए किस एक का उदाहरण है?
(a) प्रतिमान (b) भूमिका
(c) प्रस्थिति (d) मान्यता

उत्तर (d)– किम ने स्वयं को श्रीमती कहे जाने का विरोध किया क्योंकि यह मान्यता है कि अविवाहित को श्रीमती नही बल्कि कुमारी कहा जाता है।

31. सामाजिक वर्ग के सदस्यों के बीच सामान्य हित और अवस्थिति की जागरूकता निम्न रूप में ज्ञात है :
(a) वर्ग निर्माण (b) वर्ग चैतन्य
(c) वर्ग प्रधानता (d) वर्ग असरेखण

उत्तर (b)–सामाजिक वर्ग के सदस्यों के बीच सामान्य हित और अवस्थिति की जागरूकता 'वर्ग चैतन्य' के रूप में जाना जाता है । इसका उत्पादन दृष्टिकोण और व्यवहार में समानता के आधार पर होता है । यह उन लोगों को एकीकरण करता है जो स्वयं को अन्य वर्गों से भिन्न पाते है।

32. निम्नलिखित में से कौन-सी जाति-व्यवस्था की अभिलक्षण विशेषता नहीं है?
(a) अधिक्रमिक वर्गीकरण (b) अंतर्विवाही संस्तरण
(c) अनुलम्ब गतिशीलता (d) प्रदत्त प्रस्थिति

उत्तर (c)–ग्रीन के अनुसार, "जाति एक स्तरीकरण की प्रणाली है जिसमें ऊपर से नीचे या नीचे से ऊपर जाना वास्तव में असम्भव है। अनुलम्ब गतिशीलता जाति व्यवस्था की अभिलक्षण विशेषता नहीं है।

33. अलग-अलग समय पर आँकडों के संग्रहण को शामिल करते हुए अध्ययन प्रारूप निम्न में से किस से जाना जाता है?
(a) सहगण अध्ययन (b) प्रचलन अध्ययन
(c) व्यापक प्रतिनिधित्व अध्ययन (d) देशांतरीय अध्ययन

उत्तर (d)–अलग-अलग समय पर आकड़ों के संग्रहण को शामिल करते हुए अध्ययन प्रारूप में देशांतरीय अध्ययन से जाना जाता है। इसमें प्रतिभागियों, प्रक्रियाओं तथा व्यवस्थाओं का अध्ययन एक लम्बे समय के लिए किया जाता है तथा आँकड़े अधिकाधिक अन्तराल पर एकत्रित किया जाता है।

34. लोगों अथवा समूहों का निम्न अवस्थितियों से उच्चतर अवस्थितियों पर पहुँचना निम्न में से कौन है?
(a) अनुलम्ब गतिशीलता (b) क्षैतिज गतिशीलता
(c) अधोमुखी गतिशीलता (d) उन्नतिशीलता

उत्तर (d)–उन्नतिशीलता
लोगो अथवा समूहों का निम्न अवस्थितियों से उच्चतर अवस्थितियों पर पहुँचना उन्नतिशीलता कहलाता है।

क्षैतिज गतिशीलता
जब किसी संस्तरित व्यवस्था में संक्रमण के कारण प्रस्थिति एवं भूमिका में परिवर्तन आ जाता है, क्षैतिज गतिशीलता कहलाता है। इस प्रकार गतिशीलता के कारण वर्ग की प्रस्थिति में कोई परिवर्तन नहीं होता है।

अधमुखी गतिशीलता
इस गतिशीलता में मनुष्य अपने व्यवसाय एवं प्रस्थिति से निम्न व्यवसाय अथवा प्रस्थिति में आ जाता है।

अनुलम्ब गतिशीलता
जब प्रस्थिति एवं भूमिका में परिवर्तन के साथ-साथ वर्ग प्रस्थिति में भी परिवर्तन होता है तो इस प्रकार की गतिशीलता अनुलम्ब गतिशीलता कहलाती है। अनुलम्ब गतिशीलता अधोमुखी तथा ऊर्ध्वमुखी दोनों ओर हो सकती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

35. शोध के लिए विवेचनात्मक दृष्टिकोण जिसमें सिद्धान्त निगनात्मक रूप से व्युत्पन्न किए जाने के बजाय केवल आँकड़ों की जाँच से ही जनित है, यह निम्न रूप में कौन है

(a) तर्कसंगत सिद्धांत (b) प्रति-मामला विश्लेषण
(c) निरन्तर तुलनात्मक पद्धति (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a)–तर्कसंगत सिद्धाँत मुख्यतः सामाजिक विज्ञान में प्रयोग किया जाता है। यह एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया है। जिसमें आँकड़े के विश्लेषण के आधार पर सिद्धाँत का निर्माण शामिल है।

36. एक परिकल्पना जो सुझाव देती है कि अध्ययन के दौरान परिवर्तियों के बीच कोई संबंध नहीं है, यह निम्न रूप में कौन है :

(a) संघर्ष परिकल्पना (b) सान्त्वना परिकल्पना
(c) शून्य परिकल्पना (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c)– Nill अर्थात् शून्य परिकल्पना जिसके द्वारा दो परिवर्तियों के बीच शून्य सम्बन्धों को प्रकट किया जाता है। शून्य सम्बन्ध से तात्पर्य किसी प्रकार के बंधन के न होने से है।

37. समाज के अध्ययन में ऑगस्ट कॉम्टे ने कौन-सा परिप्रेक्ष्य प्रयोग किया था?

(a) संरचनात्मक परिप्रेक्ष्य (b) ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
(c) संघर्ष परिप्रेक्ष्य (d) प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य

उत्तर (b)– समाज के अध्ययन में ऑगस्त कॉम्ट ऐतिहासिक परिपेक्ष्य प्रयोग किया और बताया कि सभी समाजों में और सभी युगों में मानव के बौद्धिक विकास का अध्ययन करने से उस महान आधारभूत नियम का पता चलता है जिसके अधीन मनुष्य की बुद्धि आवश्यक रूप से होती है और जिसका एक ठोस प्रमाण हमारे संगठन के तथ्यों तथा हमारे ऐतिहासिक अनुभवों दोनों में विद्यमान है। हमारे ज्ञान की प्रत्येक शाखा, एक के बाद एक तीन स्तरों- (i) धार्मिक, (ii) तात्विक तथा (iii) प्रत्यक्ष स्तरों से होकर गुजरती है।

38. सूची- I का सूची-II से मिलान करें और निम्नलिखित कूटों से सही उत्तर चिह्नित करें।

सूची-I (पुस्तकें)	सूची-II (लेखक)
(A) इंडिया थ्रू हिन्दू केटेगरीज़	(i) एम.एन.श्रीनिवास
(B) इंडियन साधू	(ii) एल.डयूमोन्ट
(C) कन्टेम्परेरी इंडिया एंड इट्स मॉडर्नाइजेशन	(iii) जी.एस.घुर्ये
(D) होमो हायरारकिस : दि कास्ट सिस्टम एंड इट्स इम्पलिकेशन्स	(iv) एस.सी.दुबे
	(v) मैकिम मैरियट

कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(v)	(iii)	(iv)	(ii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(v)	(i)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तकें)	(लेखक)
(a) इंडिया थ्रू हिन्दू कैटेगरीज़	(i) मैकिम मैरियट
(b) इंडियन साधू	(ii) जी.एस.घुर्ये
(c) कन्टेम्परेरी इंडिया एंड इट्स मॉडर्नाइजेशन	(iii) एस.सी.दुबे
(d) होमो हायरारकिस :	(iv) एल.ड्यूमोन्ट

39. सूची- I का सूची-II से मिलान करें और निम्नलिखित कूटों से सही उत्तर चिह्नित करें।

सूची- I (कार्य)	सूची- II (लेखक)
(A) पॉजिटिव फिलॉसफी	(i) एच.स्पेन्सर
(B) ए कॉन्ट्रीब्यूशन टू दि क्रिटिक ऑफ पॉलिटिकल इकॉनमी	(ii) ए.कॉम्टे
(C) सिंथेटिक फिलॉसफी	(iii) कार्ल मार्क्स
(D) दि स्ट्रक्चर ऑफ सोशल एक्शन	(iv) टी.पारसन्स
	(v) मैक्स वेबर

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(c)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(d)	(i)	(iii)	(iv)	(v)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(कृति)	(लेखक)
पॉजिटिव फिलॉसफी	- ए.काम्टे
ए कॉन्ट्रीब्यूशन टू दि क्रिटिक ऑफ पॉलिटिकल इकॉनमी	- कार्ल मार्क्स
सिंथेटिक फिलॉसफी	- एच.स्पेन्सर
दि स्ट्रक्चर ऑफ सोशल एक्शन	- पारसंस

40. निम्नलिखित में से किसने कहा है कि 'सभी प्रतीयमान को समाविष्ट मानते हुए जो कि मानव जीवन से किसी भी प्रकार से जुड़े होते हैं, 'विल-ओ-दि-विस्प' का अनुकरण करता है?

(a) ए.काम्टे (b) एच.स्पेन्सर
(c) जी.सिमेल (d) ई.दुर्खीम

उत्तर (c) उक्त कथन जी. सिमेल ने व्यक्त किया है। इनकी प्रमुख कृतियाँ है-The problems of philosophy of history, the philosophy of money, The metropolic and Mental life.

41. निम्नलिखित में किसने सुझाव दिया है कि समुदाय वर्ग का समानार्थी है?

(a) जी.सिमेल (b) लोए
(c) ए.इटजिओनी (d) ई.ईटोर

उत्तर (b) लोए ने समुदाय तथा वर्ग को एक मानते है। समुदाय निश्चित भू-भाग में रहने वाले व्यक्तियों का एक ऐसा समूह है जो हम की भावना से बंधे होते है। तथा इनकी संस्कृति सामान्य होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

42. निम्नलिखित में से कौन 'लोग और संस्कृतियाँ अपने उनके परिवेशों के भीतर' के अध्ययन की पद्धति के रूप में नृजाति-विज्ञान का प्रयोग करते हैं?

(a) एच.गारफिकेल (b) बी.मैलिनॉवस्की
(c) रैडक्लिफ-ब्राउन (d) टी.पारसंस

उत्तर (a)–गारफिन्कल द्वारा इस पद्धति का प्रयोग किया गया था। लोकजनविधि विज्ञान का तात्पर्य यह है कि आम लोग दुनिया को समझने का जो तरीका अपनाते हैं, वही जनविधि है।

43. नीचे दिए गए दो कथन हैं, एक को अभिकथन (A) रूप में वर्गीकृत किया गया है और अन्य को तर्क (R) रूप में वर्गीकृत किया गया है।

अभिकथन (A) : एन.के.बोस ने भारतीय समाज के अध्ययन में नृजाति-विज्ञान और भारतविद्या दोनों को साथ लाने की आवश्यकता पर बल दिया है।

तर्क (R) : इन दो दृष्टिकोणों के माध्यम से भारतीय संविधान की संरचना की पुनर्संरचना करना संभव है

उपर्युक्त कथनों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R),(A)का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) सही है,परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है,परन्तु (R) सही है।

उत्तर (a)–एन.के.बोस. ने भारतीय समाज के अध्ययन में नृजाति-विज्ञान और भारत विद्या दोनों को साथ लाने की आवश्यकता पर बल दिया है। इन्होंने नगरों को सभ्यता का केन्द्र माना है। इस अर्थ में नगर आस-पास की गाँवों के राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक और सामाजिक क्रियाओं का केन्द्र है। परन्तु तर्क में भारतीय संविधान की संरचना की पुनर्संरचना करना सम्भव नहीं है। अतः कथन A सही है परन्तु तर्क R गलत है।

44. 'दि ओरिजन ऑफ दि फैमिली प्राइवेट प्रॉपर्टी एंड दि स्टेट' पुस्तक के लेखक कौन है?

(a) एफ.एंजेल्स (b) के.मार्क्स
(c) जी.पी.मोर्गन (d) एल.टी.होबहाउस

उत्तर (a)–अठारहवीं शताब्दी के दार्शनिक, समाजवादी,उद्योगपति और मार्क्सवाद के सह-प्रतिपादक फ्रेडरिक एंजिल्स को अधिकांशतः आधुनिक साम्यवाद की विचारधारा के प्रमुख प्रवर्तक कार्लमार्क्स के एक प्रमुख सहयोगी एवं घनिष्ठ मित्र के रूप में जाना जाता है। उन्होंने अपनी पुस्तक **''दि ओरिजन ऑफ दि फैमिली प्राइवेट प्रॉपर्टी एण्ड दि स्टेट (1884)''** में ऐतिहासिक भौतिकवादी की सीमाओं का विस्तार आधुनिक मानवशास्त्र तक किया।

45. 'वर्ल्ड रिवोल्यूशन एंड फैमिली पैटर्न्स' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) जी.पी.मरडॉक (b) विलियम जे.गूडे
(c) सी.लेवी-स्ट्रास (d) आर.एच.लुई

उत्तर (b)–विलियम जे.गूडे सामाजिक शोध के क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण समाजशास्त्री माने जाते हैं। उन्होंने 'वर्ल्ड रिवोल्यूशन एण्ड फैमिली पैटनर्स' के बारे में लिखा है कि कैसे विश्वक्रान्ति ने परिवार के मूल्य और प्रतिमानों में परिवर्तन लाया।

46. पश्चिमी समुदायों में युवाओं के बीच सहवास मुख्य रूप से है –

(a) विवाह का विकल्प (b) विवाह की भूमिका
(c) समलैंगिक प्रतीयमान (d) मूल्य-कटौती रणनीति

उत्तर (a)–पश्चिमी समुदायों में युवाओं के बीच सहवास मुख्य रूप से विवाह का विकल्प है।

47. निम्नलिखित में से कौन-सी सम्पूर्ण संस्था नहीं है?

(a) एक कॉन्वेंट स्कूल (b) एक बोर्डिंग स्कूल
(c) एक मानसिक रोगी आश्रम (d) एक क्रूज़

उत्तर (d)–एक क्रूज सम्पूर्ण संस्था नहीं है। संस्थाओं के कुछ नियम होते हैं जिनका अनुपालन समाज के उससे जुड़े सदस्यों को निर्वाह करना पड़ता है। इनका निर्माण कुछ मूल उद्देश्यों की पूर्ति के लिए होता है।

48. संस्थाओं की सामान्य और विकृत प्रकार्य-प्रणाली के बीच किसने अन्तर बताया है?

(a) हरबर्ट स्पेंसर (b) इमाईल दुर्खीम
(c) रैडक्लिफ-ब्राऊन (d) रॉबर्ट मर्टन

उत्तर (b)–इमाईल दुर्खीम ने संस्थाओं की सामान्य और विकृत प्रकार्य प्रणाली के बीच अन्तर बतलाया।

49. निम्नलिखित में से कौन-सी पुनः समाजीकरण अभिकरण है?

(a) प्राथमिक स्कूल (b) समकक्ष व्यक्ति समूह
(c) प्रशिक्षण संस्थान (d) सैन्य अकादमी

उत्तर (c & d)–पुनः समाजीकरण- सीखे हुए व्यवहार के स्थान नवीन मूल्यों, मानकों, मान्यताओं एवं व्यवहार का प्रशिक्षण अथवा पुराने ही मूल्यों, मानकों एव मान्यताओं के पुनः ज्ञान कराने की प्रक्रिया पुनर्समाजीकरण कहलाती है। पुनर्समाजीकरण के अभिकरणों में अभिनवन (Orientation Progress) एवं प्रशिक्षण संस्थान और सैन्य अकादमी इत्यादी आते हैं।

50. मीडिया संचार निम्नलिखित में से किसका अभिकरण है?

(a) अ-समाजीकरण (b) द्वितीयक समाजीकरण
(c) पूर्वाभासी समाजीकरण (d) वयस्क समाजीकरण

उत्तर (b)–मीडिया संचार द्वितीयक समाजीकरण का अभिकरण है। यह व्यक्ति के विचार और धारणाओं को प्रभावित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। क्योंकि व्यक्ति का इसके साथ सीधा संबंध या संचार नहीं होता है, इसलिए यह एक द्वितीयक समाजीकरण का माध्यम है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2015
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किसने कहा है कि 'हालांकि' मानसिक प्रक्रियाओं पर वेबर का कार्य सुझावात्मक है, यह मुश्किल से सूक्ष्म समाजशास्त्र का आधार है?'
(a) अल्फ्रेड शुट्ज (b) एच. गारफिन्केल
(c) एन. गलकमान (d) पीटर एल. वर्जर

उत्तर (a) - मानसिक प्रक्रियाओं पर वेबर का कार्य सुझावात्मक है क्योंकि क्रिया का यह भावनात्मक स्वरूप है। यह मस्तिष्क की वह स्थिति है जिसमें आदमी आवेश में आकर क्रिया कर देता है इस प्रकार की क्रिया का सम्बन्ध न तो किसी लक्ष्य से होता है और न ही किसी मूल्यों से जुड़ी होती है। किसी विशेष परिस्थिति में कर्ता किसी संवेगात्मक स्थिति में आ जाता है और क्रिया को कर देता है। उपरोक्त कथन अल्फ्रेड शुट्ज ने अपनी पुस्तक **''द फिनोमिनोलॉजी ऑफ दी सोशल वर्ल्ड''** में व्यक्त किया है।

2. नृजाति वैज्ञानिक निम्न में इच्छुक होते हैं –
(a) सूक्ष्म संरचनाएँ
(b) दीर्घ संरचनाएँ
(c) न तो सूक्ष्म और न ही दीर्घ प्रणाली
(d) कलापूर्ण प्रणालियाँ जो दोनों प्रकार की संरचनाएँ बनाती है।

उत्तर (a) - नृजाति वैज्ञानिक सूक्ष्म संरचानाओं में इच्छुक होते हैं। नृजाति विज्ञान समाजशास्त्र का एक सिद्धांत है, जो रोजमर्रा के सामाजिक संबंधों को जानने में रुचि रखता है। यह सांख्यिकीय या अनुभवजन्य अवलोकन के बजाय अर्थ का विश्लेषण करने में रुचि रखता है।

3. निम्नलिखित विचारों में से किसका हेबरमास द्वारा समर्थन नहीं किया गया है?
(a) अधूरी परियोजना के रूप में आधुनिकता।
(b) वह आधुनिकता का प्रतिरक्षक है।
(c) वह आधुनिकता की संभावना के संबंध में मानव द्वेषी है।
(d) वह आधुनिकता को स्वयं के साथ भिन्नता के रूप में देखता है।

उत्तर (c) - हैबरमास आधुनिकता के प्रतिरक्षक है। और उनका मानना है कि हमें सार्वजनिक क्षेत्र के माध्यम से उपेक्षित लोगों में चेतना पैदा करनी चाहिए। इसीलिए वे आधुनिकता के मामले में मानव को दोषी नहीं मानते हैं।

4. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा नव-प्रकार्यवाद के संबंध में सही नहीं है?
(a) यह संरचनात्मक प्रकार्यवाद का विस्तार करता है।
(b) यह प्रकार्यवाद के उद्देश्य को बढ़ाता है।
(c) यह विकसित सिद्धांत की अपेक्षा प्रवृत्ति है।
(d) यह संरचनागत प्रकार्यवाद का विनम्र संशोधन है।

उत्तर (d) नव प्रकार्यवाद का विकास अलेक्जेण्डर व पाल कालेमी ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने इस दृष्टिकोण को अपनी पुस्तक Neo–functionalism (1985) में प्रस्तुत किया। नव प्रकार्यवाद का एकमात्र उद्देश्य यह रहा है कि एक ऐसी अमूर्त अवधारणात्मक योजना बनाई जाए जिसमें प्रचलित प्रकार्यवाद का विकल्प रखा जा सके। नव प्रकार्यवादियों की अवधारणा का केन्द्र व्यवस्था है। जब मनुष्य की क्रियाएँ संगठित और सुरक्षित हो जाती है, तब व्यवस्था होती है। एक क्रिया, दूसरी क्रिया और अन्य क्रियाओं से प्रकार्यात्मक रूप से जुड़ जाती है। ये सब परस्पर जुड़ी हुई क्रियाएँ व्यवस्था को निर्मित करती है, यही नव-प्रकार्यवाद है।

5. आलोचनात्मक सिद्धांत समानार्थी रूप से ज्ञात है :
(a) उत्तर – संरचनात्मक समाजशास्त्र
(b) उत्तर – आधुनिक स्कूल परिप्रेक्ष्य
(c) उत्तर – औद्योगिक परिप्रेक्ष्य
(d) फ्रेंकफर्ट स्कूल परिप्रेक्ष्य

उत्तर (d) - आलोचनात्मक सिद्धांत समानार्थी रूप से फ्रेंकफर्ट स्कूल परिप्रेक्ष्य से जाना जाता है। इस सिद्धांत को विवेचनात्मक सिद्धांत के नाम से भी जाना जाता है। विवेचनात्मक सिद्धांत के प्रणेताओं में जॉं एडॉर्नो और होखाईमर या हैबरमास हैं।

6. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है।
अभिकथन (A) : नव–प्रत्यक्षवादी सुदृढ़ ऐतिहासिक पूर्वाग्रह नहीं दर्शाते हैं।
तर्क (R) : उनकी तकनीकें उन्हें केवल समकालीन सामाजिक समस्याओं का अध्ययन करने की अनुमती ही देती है।
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें :
कोड :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर (a) नव–प्रत्यक्षवादी सुदृढ़ ऐतिहासिक पूर्वाग्रह प्रकार्यवादी नहीं दर्शाते हैं उनकी तकनीकें उन्हें केवल समकालीन सामाजिक समस्याओं का अध्ययन करने की अनुमती ही देती है।
अतः अभिकथन A और तर्क R दोनो सही है तथा तर्क R अभिकथन A की सही व्याख्या है।

7. निम्नलिखित में से किसके विचार यूरोपीय घटना-क्रिया-विज्ञान और अमेरिकी अंतर-क्रियावाद का सम्मिश्रण है?
(a) जे. डेरिडा (b) अल्फ्रेड शुट्ज
(c) लुईस अल्थूज़र (d) ई. हुसर्ल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b) अल्फ्रेड शुट्ज के विचार यूरोपीय घटना क्रिया-विज्ञान और अमेरिकी अंतर्क्रियावाद का सम्मिश्रण है।

8. भारतीय ग्रामीण समाज में जाति आधारित जजमानी प्रणाली निम्न में से किसका उदाहरण है?

(a) एकता (b) विविधता
(c) विविधता में एकता (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (c) - भारतीय ग्रामीण समाज में जाति आधारित जजमानी प्रणाली विविधता में एकता का उदाहरण है। यह जातियों के बीच अन्योन्याश्रय को दर्शाता है। सेवक जाति जजमान जाति को सेवा देती है तथा बदले में उनकी आर्थिक जरूरतों की पूर्ति होती है।

9. 'दि फिनोमिनोलॉजी ऑफ दि सोशल वर्ल्ड' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) एच. गारफिन्कल (b) एल्फ्रेड शुट्ज
(c) एन. लकमैन (d) पीटर एल. बर्जर

उत्तर (b) 'दि फिनोमिनोलॉजी ऑफ दि सोशल वर्ल्ड' पुस्तक के लेखक प्रघटनावादी समाजशास्त्री अल्फ्रेड शुट्ज है।

10. सूची–I का सूची–II से मिलान करें और नीचे दिए कूट में से सही उत्तर चिह्नित कीजिए :

सूची –I	सूची–II
A. लोक-कृषिक-नगर सातत्यक	(i) रणजीत गुहा
B. जनजातीय-कृषिक सातत्यक	(ii) ए.आर. देसाई
C. कृषिक-संघर्ष	(iii) रॉबर्ट रैडफील्ड
D. कृषि-विद्रोह	(iv) सुरजीत सिन्हा
	(v) डेविड हार्डिमैन

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(iv)	(iii)	(v)	(i)
(b)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(v)	(iii)	(i)	(iv)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(v)

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

लोक-कृषिक-नगर सातत्यक	-	रॉबर्ट रेडफिल्ड
जनजातिय-कृषिक सातत्यक	-	सुरजीत सिन्हा
कृषिक-संघर्ष	-	ए.आर. देसाई
कृषि-विद्रोह	-	रणजीत गुहा

11. 'पिजेंट लाइफ इन इंडिया' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) एन.के. बोस (b) डी.पी. मुकर्जी
(c) सुरजीत सिन्हा (d) डेविड हार्डिमैन

उत्तर (a) 'पिजेंट लाइफ इन इंडिया' नामक पुस्तक के लेखक एन.के. बोस है। "आधुनिक भारतीय संस्कृति" (1942) के लेखक डी.पी.मुकर्जी हैं। "गांधीजी इन हिज टाइम (2004)" के लेखक डेविड हार्डिमैन हैं।

12. मालिक, किसान एवं मज़दूर में भारत की कृषि जनसंख्या को निम्न में से किसने तीन भागों में बाँटा है?

(a) डी. एन. धनागरे (b) कैथलीन गोफ
(c) ए.आर. देसाई (d) डेनियल थॉरनर

उत्तर (d) डेनियल थॉरनर ने ग्रामीण जाति व्यवस्था के वर्ग स्वरूप की व्याख्या की है। डेनियल थॉरनर ने मालिक, किसान एवं मजदूर में भारत की कृषि जनसंख्या को तीन भागों में बाँटा है।

13. सूची–A का सूची–B को सुमेलित करिए।

सूची–A	सूची–B
A. दहेज निषेधाज्ञा अधिनियम	(i) 1955
B. हिन्दू विवाह अधिनियम	(ii) 1956
C. हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम	(iii) 2005
D. घरेलू हिंसा अधिनियम	(iv) 1961

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(b)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

दहेज निषेधाज्ञा अधिनियम	–	1961
हिन्दू विवाह अधिनियम	–	1955
हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम	–	1956
घरेलू हिंसा अधिनियम	–	2005

14. निर्धनता अध्ययनों की समाजशास्त्रियों द्वारा प्रायः आलोचना की जाती है क्योंकि वे :

(a) निर्धनता को सीमित नज़रिये से देखते हैं।
(b) इसे गरीबी रेखा के रूप में परिभाषित करते हैं।
(c) परिवार में असमान हिस्सेदारी को स्वीकार नहीं करते हैं।
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d) निर्धनता अध्ययनों की समाजशास्त्रियों द्वारा प्रायः आलोचना की जाती है क्योंकि वे निर्धनता को सीमित नजरिये से देखते है, गरीबी रेखा के रूप में परिभाषित करते है तथा परिवार में असमान हिस्सेदारी को स्वीकार नहीं करते हैं।

15. निम्नलिखित कारकों में से कौन-से कारक पर्यावरणीय संसाधनों की क्षीणता में योगदान देते हैं? नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) वन -कटाई
(b) खनिजों का अत्यधिक खनन
(c) वैकल्पिक ऊर्जा का उपयोग
(d) जल -विद्युत का उत्पादन

कूट :

(a) (b) और (c) (b) (c) और (d)
(c) (a) और (c) (d) (a) और (b)

उत्तर (d) - वनों की कटाई और खनिजों के अत्यधिक खनन ने मुख्य रूप से पर्यावरणीय संस्थानों की क्षीणता में योगदान दिया है, क्योंकि ये गैर अक्षय साधन है।

16. निम्न में से किसको संक्रामक रोग समझते हैं?

(a) मानसिक विकार (b) स्वाइन फ्लू
(c) मनोदैहिक रोग (d) मधुमेह

उत्तर (b) - स्वाइन फ्लू एक संक्रामक रोग है क्योंकि यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है।

17. यह किसका मानना है कि केन्द्रीयकृत नौकरशाही ने भारत में राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है?

(a) एम.एन. श्रीनिवास (b) आर. बेनडिक्स
(c) टी.के. ओम्मन (d) सी. डब्ल्यू. मिल्स

उत्तर (b) आर. बेनडिक्स का मानना है कि केन्द्रीयकृत नौकरशाही ने भारत में राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है। सामाजिक आंदोलन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

के सम्बन्ध में टी. के. ओमन ने विस्तृत अध्ययन किया तथा एम. एन. श्रीनिवास ने भारतीय समाजशास्त्र को अपने अमूल्य योगदान और मौलिक विचार से अभिभूत किया है।

18. शहरी क्षेत्रों में पानी की कमी की समस्या को निम्नलिखित में से कौन-से कारक संबोधित करते हैं?
(a) शहरी विकास को सीमित करना।
(b) वर्षा -जल संचयन उपायों को कड़ाई से लागू करना।
(c) जल निकायों को डम्पिंग यार्डों में परिवर्तित करने पर रोक लगाना।
(d) पानी का मूल्य -निर्धारण

उत्तर (d) पानी का मूल्य निर्धारण शहरी क्षेत्रों में पानी की कमी की समस्या को सम्बोधित करता है।

19. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है।
अभिकथन (A) : परंपरागत सामाजिक मूल्यों में परिवर्तन आधुनिकीकरण की ओर ले जाता है।
तर्क (R) : परंपरागत समाज में परिवर्तन मुश्किल से होते हैं।
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें :
कोड :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर (b)- परम्परागत सामाजिक मूल्यों में परिवर्तन आधुनिकीकरण की ओर ले जाता है, अतः यह कहना असत्य होगा कि परम्परागत समाज में परिवर्तन मुश्किल से होते हैं क्योंकि परम्परागत समाजों में व्यक्ति मूल्य और प्रतिमानों से अधिक मजबूती से जुड़े रहते हैं।

20. 'पासिंग ऑफ दि ट्रेडिशनल सोसायटी एंड मॉडर्नाइजिंग दि मिडिल इस्ट' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?
(a) एम.एन. श्रीनिवास (b) डेनियल लरनर
(c) डेनियल थॉरनर (d) एलेक्श इंकेलीस

उत्तर (b) 'पासिंग ऑफ दि ट्रेडिशनल सोसायटी एंड मॉडर्नाइजिंग दि मिडिल इस्ट' नामक पुस्तक के लेखक डेनियल लरनर हैं।

21. नई शिक्षा नीति के मुख्य सिद्धांत है–
(a) शिक्षा पर निवेश वांछनीय है।
(b) शिक्षा पर निवेश व्यर्थ का खर्च है।
(c) शिक्षा वर्तमान और भविष्य में एक उत्कृष्ट निवेश है।
(d) शिक्षा पर निवेश अनुत्पादक निवेश है।

उत्तर (c) – नई शिक्षा नीति के मुख्य सिद्धांत शिक्षा वर्तमान और भविष्य में एक उत्कृष्ट निवेश है और नई शिक्षा नीति से ही व्यक्ति का सर्वांगीण विकास हो सकता है।

22. 'बॉर्डर्ड' पॉवर कंटेनर्स' को आधुनिक राष्ट्रों की निर्णयात्मक विशेषता के रूप में किसने दिया है?
(a) एंथॉनी गिडिन्स (b) आर. बेनडिक्स
(c) एस. एम. लिपसेट (d) एम.एन. श्रीनिवास

उत्तर (a) बॉर्डर्ड पॉवर कंटेनर्स' को आधुनिक राष्ट्रों की निर्णयात्मक विशेषता के रूप में एंथनी गिडेन्स ने दिया है।

23. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है :
अभिकथन (A) : कोई भी समाज पूर्णतः विचलन मुक्त नहीं हो सकता।
तर्क (R) : विचलन और अनुरूपता समाज की सतत् प्रक्रिया है।
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें :
कोड :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर (a) - A और R दोनों ही सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है। कोई भी समाज पूर्णतः विचलन मुक्त नहीं हो सकता। क्योंकि विचलन और अनुरूपता समाज की सतत् प्रक्रिया है। जब से समाज है तब से समाज में विचलन और अनुरूपता पाया गया।
स्रोत – अपराध का समाजशास्त्र –डॉ. चन्द्रशेखर मिश्रा

24. नई शिक्षा नीति के अंतर्गत सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के संवर्धन के लिए क्या कदम उठाए गए थे?
(a) स्कूल पाठ्यक्रम में हिन्दी शामिल करना।
(b) स्कूल पाठ्यक्रम में संस्कृत शामिल करना।
(c) स्कूल पाठ्यक्रम में विज्ञान और गणित शामिल करना।
(d) स्कूल पाठ्यक्रम में कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम शामिल करना।

उत्तर (c, d) स्कूल पाठ्यक्रम में विज्ञान एवं गणित शामिल करना व कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम शामिल करना नयी शिक्षा के अन्तर्गत सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के संवर्धन के लिए उठाये गये कदम थे।

25. आर.के. मर्टन के अनुसार, यदि न तो लक्ष्यों को सांस्कृतिक रूप से अनुमोदित किया जाता है और न ही संस्थागत मानकों को अपनाते हैं, इसको कहा जाता है–
(a) नवीकरण (b) विधिवाद
(c) निवर्तनवाद (d) विद्रोह

उत्तर (c) - आर. के. मर्टन के अनुसार यदि न तो लक्ष्यों को सांस्कृतिक रूप से अनुमोदित किया जाता है और न ही संस्थागत मानकों को अपनाते हैं, तो इसे निवर्तनवाद कहा जाता है। ऐसा व्यक्ति या तो मादक पदार्थों का सहारा लेता है या उसे शराब की लत होती है। इस प्रकार वह व्यक्ति गैर उत्पादक जीवन शैली को भोगता है।

26. भारत में ग्रामीण समाज के अध्ययन के लिए किसने ऐतिहासिक - मार्क्सवादी दृष्टिकोण प्रयोग किया है?
(a) एम.एन. श्रीनिवास (b) एस.सी. दुबे
(c) राम कृष्ण मुखर्जी (d) योगेन्द्र सिंह

उत्तर (c) - भारत में ग्रामीण समाज के अध्ययन के लिए ऐतिहासिक – मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य का दृष्टिकोण रामकृष्ण मुखर्जी के द्वारा हुआ है, और इन्होंने भारतीय समाज का अध्ययन समग्र रूप में प्रयोग किया है।

27. निम्नलिखित में से कौन-सा औद्योगिक लोकतंत्र का प्रकार नहीं है?
(a) स्वायत्त कार्य समूह

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) सहनिर्धारण
(c) उत्पादक सहकारी संस्थाएँ
(d) कामगारों का स्व-प्रबंधन

उत्तर (a) - औद्योगिक लोकतंत्र में मजदूर कार्यस्थल पर निर्णय, सत्ता एवं उत्तरदायित्व में भागीदारी निभाते हैं अर्थात् प्रबन्धन में सहकारी होते हैं। स्वायत्त कार्य समूह मजदूर की प्रबंधन भागीदारी नहीं बल्कि किसी समूह द्वारा किसी कार्य भाग में स्वायत्त होकर काम करना है। यह समूह उद्योग के ही नीचे स्वायत्त रूप से अपना कार्य करता है।

28. ब्रिटिश काल के दौरान ग्रामीण बंगाल में ग्रामीण वर्ग संरचना का अध्ययन करते हुए किसने यह निष्कर्ष निकाला कि 'भारतीय ग्रामीण समाज न तो स्थिर था और न ही समानतावादी था'?
(a) एन.के. बोस (b) आन्द्रे बैतेई
(c) राम कृष्ण मुखर्जी (d) डी.एन. धनागरे

उत्तर (c) - रामकृष्ण मुखर्जी- ब्रिटिश काल के दौरान ग्रामीण बंगाल में ग्रामीण वर्ग संरचना का अध्ययन करते हुए रामकृष्ण मुखर्जी ने यह निष्कर्ष निकाला कि 'भारतीय ग्रामीण समाज न तो स्थिर था और न ही समानतावादी था।'

29. निम्नलिखित में से कौन-सी औद्योगिक समाज की विशेषता नहीं है?
(a) श्रमिक का वर्गीकरण विभेदीकरण पर निर्भर करता है।
(b) घटती हुई असमानताएँ
(c) मध्यम वर्गों का उदय
(d) शिक्षा का विस्तार

उत्तर (b) - औद्योगिक समाज एक जटिल समाज होता है। इसमें मशीनरी ऊर्जा का प्रयोग किया जाता है। यह एक विशेष प्रकार की जीवन-शैली को जन्म देता है जो उत्पादन के ढंग के अनुरूप हो, इसके वजह से समाज में असमानताओं की मात्रा बढ़ती जाती है।

30. भारतीय कृषि में किसने पूँजीवादी उत्पादन के तरीके की पहचान की है?
(a) टी.के. ओमन (b) उत्सा पटनायक
(c) आन्द्रे बिताई (d) डी.एन. धनागरे

उत्तर (b) भारतीय कृषि में उत्सा पटनायक ने पूँजीवादी उत्पादन के तरीके की पहचान की है ।

31. औद्योगिक विवाद अधिनियम किस वर्ष में पारित किया गया था?
(a) 1936 (b) 1947
(c) 1948 (d) 1952

उत्तर (b) - औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 में पारित किया गया। यह मुख्यतः औद्योगिक विवाद की रोकथाम और निपटारों के लिए बनाया गया है। जिससे उससे जुड़े समस्त विवादों का त्वरित, सुलभ निपटारा हो सके।

32. किसने यह तर्क दिया है कि पंचायती राज और अन्य प्रजातंत्रिक प्रक्रियाओं में भाग लेते हुए ग्रामीण भारत में सामाजिक असमानताओं में परिवर्तन आया है?
(a) बिखरी असमानताओं से संचित असमानताओं की ओर
(b) संचित से बिखरी असमानताओं की ओर
(c) जाति से वर्ग असमानता
(d) वर्ग से जाति असमानता

उत्तर (b)

33. औद्योगिक क्रान्ति के दौरान ग्रेट ब्रिटेन में औद्योगीकरण किस उद्योग के माध्यम से हुआ?
(a) लौह एवं इस्पात उद्योग (b) सूती कपड़ा उद्योग
(c) खनन उद्योग (d) ऊन उद्योग

उत्तर (b) - औद्योगिक क्रान्ति के दौरान ग्रेट ब्रिटेन में औद्योगिकीकरण सूती कपड़ा उद्योग से हुआ। इसीलिए बड़े पैमाने पर उत्पादन के उद्देश्य से कच्चे माल, श्रम और उत्पादन की तलाश में इसने भारत की ओर रुख किया।

34. सूची–I का सूची–II से सुमेलित करें और निम्नलिखित कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

सूची–I	सूची–II
A. न्यासिता अवधारणा	(i) पं.जे. एल. नेहरू
B. भूदान आंदोलन	(ii) पी. जे. कुरियन
C. हरित क्रान्ति	(iii) एम. के. गांधी
D. श्वेत क्रान्ति	(iv) विनोवा भावे
	(v) एम.एस. स्वामीनाथन

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(v)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

न्यासिता अवधारणा	- एम. के. गांधी
भूदान आंदोलन	- विनोबा भावे
हरित क्रान्ति	- एम. एस. स्वामीनाथन
श्वेत क्रान्ति	- पी. जे. कुरियन

35. निम्नलिखित में से किसने अविकसित के बजाय अल्पविकसित शब्द का इस्तेमाल किया है?
(a) फ्रैंक (b) समीर अमीन
(c) शुम्पिटर (d) मृडाल गुणार

उत्तर (a) फ्रैंक ने अविकसित के बजाय अल्पविकसित शब्द का प्रयोग किया ।

36. आर्थिक विकास का निर्भरता सिद्धांत का लैटिन अमेरिका में पहली बार किस वर्ष में प्रतिपादन किया गया?
(a) 1947 (b) 1950
(c) 1955 (d) 1960

उत्तर (b) - आर्थिक विकास का निर्भरता सिद्धांत का लैटिन अमेरिका में पहली बार 1950 में प्रतिपादन किया गया। इनके अनुसार, संसोधन का प्रवाह गरीब और अविकसित राज्यों से समृद्ध राज्य, गरीब राज्य की कीमत पर और भी अमीर बन जाते हैं।

37. जनसंख्या की स्वाभाविक वृद्धि से क्या तात्पर्य है?
(a) मृत्यु से जन्म की अधिकता
(b) उत्प्रवासन से आप्रवास की अधिकता
(c) बहिर्प्रवसन से आन्तरिक प्रवसन की अधिकता
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a) - जनसंख्या की स्वाभाविक वृद्धि से तात्पर्य बिना बहिर्प्रवसन व आन्तरिक प्रवसन को ध्यान में रखते हुए मृत्यु से जन्म की अधिकता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

38. निम्नलिखित में से किसने आर्थिक विकास के चरणों को पांच चरणों यथा परम्परागत समाज; उड़ान भरने (टेक ऑफ) के लिए पूर्व शर्तें; उड़ान भरना (टेक ऑफ); परिपक्वता में वर्गीकृत किया?

(a) वाल्ट रोस्टो (b) मैक्स वेबर
(c) कार्ल मार्क्स (d) ए.जी. फ्रैंक

उत्तर (a) - वाल्ट रोस्टो के अनुसार पारम्परिक समाज कृषि आधारित अर्थव्यवस्था है उनके अनुसार उड़ान भरने की तैयारी में यहाँ उत्पादन शुरू होता है, उड़ान भरने (टेक ऑफ) के लिए पूर्व शर्तें, उड़ान भरना (टेक ऑफ), परिपक्वता की ओर अग्रसर में रहने का स्तर ऊँचा उठाता है। परिपक्वता की विशेषता बड़े पैमाने पर उत्पादन और उपभोक्तावाद है।

39. निम्नलिखित को सुमेलित करें :

सूची – I (लेखक)	सूची – II (सिद्धांत)
A. के. डेविस	(i) सामाजिक केशिकत्व (सोशल कैपिलैरिटी)
B. जे.सी. काल्डवेल	(ii) सामाजिक रचना और उर्वरता
C. एल. ड्युमोंट	(iii) अंतःक्रिया मॉडल
D. आर. हिल, के. बैक एवं एम.जे. स्टाइकोस	(iv) धन प्रवाह सिद्धांत

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(d)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)	(सिद्धान्त)
के. डेविस	- सामाजिक संरचना और उर्वरता
जे.सी. काल्डवेल	- धन प्रवाह सिद्धान्त
एल. ड्युमोंट	- सामाजिक केशकत्व (सोशल कैपिलैरिटी)
आर. हिल, के. बैक एवं एम.जे. स्टाईकोस	- अतः क्रिया मॉडल

40. वह विज्ञान जो वृद्धावस्था की जनसंख्या का अध्ययन करता है, कहलाता है :

(a) जेरनटोलॉजी (b) सोशल वर्क
(c) सोशल बायोलॉजी (d) जिनीओलॉजी

उत्तर (a) - जेरनटोलॉजी वह विज्ञान है जो वृद्धावस्था की जनसंख्या का अध्ययन करता है। बूढ़े होने की प्रक्रिया, वृद्धावस्था तथा वयोवृद्धों की समस्याओं के अध्ययन करने वाली ज्ञान की शाखा जरा विज्ञान कहलाती है। पश्चिमी देशों में सन् **1960** से वृद्धों की समस्याओं और उनके निदान पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा।

41. दो कथन दिए गए हैं जिनमें से एक अभिकथन (A), है और दूसरा तर्क (R) है :

अभिकथन (A) : महिला एवं पुरुष संबंध से तात्पर्य पुरुष एवं महिला की सापेक्षिक स्थिति एवं उनके संबंधों से है जो सामाजिक रूप से निर्मित होते हैं।

तर्क (R) : मादा एवं नर की गुणता का निर्माण सामाजिक संबंधों के इतिहास के माध्यम से किया जाता है।

कोड :

(a) (A) गलत है और (R) सही है।
(b) (A) सही है, और (R) गलत है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

उत्तर (d) - महिला एवं पुरुष संबंध से तात्पर्य पुरुष एवं महिला की सापेक्षित स्थिति एवं उनके संबंधों से है जो सामाजिक रूप से निर्मित होते हैं। मादा एवं नर की गुणवत्ता का निर्माण सामाजिक संबंधों के इतिहास के माध्यम से किया जाता है, प्राचीन काल से ही लिंग असमानता आदमी के आरम्भ काल से जुड़ा हुआ है। इसलिए लिंग आधारित अवधारणाएँ समय, काल, परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है।अतः अभिकथन (A) तथा तर्क (R) दोनों सत्य है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

42. वह परिभाषिक शब्द जो जनसंख्या, संसाधन और पर्यावरण से संबंधित है, को सामान्यतया किस रूप में जाना जाता है?

(a) जनसंख्या विस्फोट (b) जनांकिकी संक्रमण
(c) सतत् विकास (d) अनियमित विकास

उत्तर (c) - सतत् विकास एक प्रक्रिया है। जो जनसंख्या, संसाधन, और पर्यावरण से सम्बन्धित है और उसके बढ़ने और विकास में सहायक होता है।

43. दो कथन दिए गए हैं जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है :

अभिकथन (A) : सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों, में उन्नति ने महिलाओं में डिजिटल डिवाइड को अस्थगित किया है।

तर्क (R) : शहरी महिलाएँ सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों, का जो ग्रामीण महिलाओं की पहुँच से बाहर है, के प्रचार-प्रसार, हिमायत एवं ई-वाणिज्य का प्रभावी उपयोग कर रही हैं।

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें :

(a) (A) गलत है और (R) सही है।
(b) (A) सही है, और (R) गलत है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं, तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर (c) - सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों में उन्नति ने महिलाओं में डिजिटल डिवाइड को आस्थगित किया है। एक तरफ शहरी महिलाएं सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों का प्रभावी रूप से उपयोग कर रही हैं वही ग्रामीण महिलाओं की पहुँच से बाहर है के प्रचार-प्रसार, हिमायत एवं ई–वाणिज्य का प्रभावी उपयोग कर रही है।

44. निम्नलिखित को सुमेलित करें :

सूची–I (अवधारणा)	सूची–II (लेखक)
A. केन्द्रित अंतःक्रिया	(i) ई. गॉफमैन
B. परावर्तक क्रिया एवं अंतःक्रिया	(ii) ए. शुट्ज
C. संप्रेषण क्रिया	(iii) जे. हैबरमास
D. वि - संस्थानीकरण (डिइंस्टीट्यूलाइजेशन)	(iv) टी. लकमैन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें :
कूट :

	A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)		**(लेखक)**
केन्द्रित अंतःक्रिया	-	ई. गॉफमैन
परावर्तक क्रिया एवं अन्तःक्रिया	-	ए. शुट्ज
सम्प्रेषण क्रिया	-	जे. हेबरमास
विसंस्थानीकरण (डीइंस्टीट्यूलाइजेशन)	-	टी. लकमैन

45. पुस्तक ''ट्राइब, कास्ट एवं नेशन्स'' के लेखक कौन हैं?

(a) आर. नेसफील्ड (b) एफ.जी. बेली
(c) एल.पी. विद्यार्थी (d) बैडेन पॉवेल

उत्तर (b) पुस्तक	**वर्ष**	**लेखक**
ट्राइब कास्ट एण्ड नेशन	(1960)	एफ.जी. बेली
सीक्रेट काम्प्लेक्स ऑफ हिन्दू गया	(1961)	एल. पी. विद्यार्थी
इण्डिया सेमोरीज	(1915)	बैडेन पॉवेल

46. सूची–I में दिए गए मदों को सूची–II के साथ सुमेलित करें।

सूची–I (नारीवादी विचारधारा)	**सूची–II (उद्देश्य)**
A. उदार नारीवाद	(i) दमन की बहुव्यवस्था प्रणालियां जैसे जाति, वर्ग एवं लिंग को संबोधित करना
B. सामाजवादी नारीवाद	(ii) समाज की समग्र पुनर्व्यवस्था के लि आह्वान
C. उग्र नारीवाद	(iii) वर्तमान संरचना एवं विचारधाराओं का विध्वंस
D. उत्तर आधुनिक नारीवाद	(iv) वर्तमान संरचना में परिवर्तन किए बिना वर्तमान प्रथाओं में सुधार लाना

दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें :
कूट :

	A	B	C	D
(a)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(b)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(c)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(d)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(नारीवाद विचारधारा)		**(उद्देश्य)**
उदार नारीवाद-	-	वर्तमान संरचना में परिवर्तन किए बिना वर्तमान प्रथाओं में सुधार लाना
समाजवादी संरचना	-	दमन की बहुव्यवस्था प्रणालियाँ जैसे जाति वर्ग, एवं लिंग को सम्बोधित करना
उग्र नारीवाद	-	समाज की समग्र पुर्नव्यवस्था के लिए आह्वान

47. निम्नलिखित में से कौन-सा कार्य राष्ट्रीय महिला आयोग का नहीं है?

(a) महिलाओं से संबंधित मामलों के संबंध में आंकड़ों का संग्रहण
(b) महिला विकास संबंधी नीति की समीक्षा
(c) महिला संबंधी नीतियों एवं कानूनों की समीक्षा
(d) यदि सूचना दी जाती है तो महिलाओं के प्रति भेदभाव की जाँच करना

उत्तर (a) महिलाओं से संबंधित मामलों के संबंध में आंकड़ों का संग्रहण राष्ट्रीय महिला आयोग का कार्य नहीं है राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन 1992 में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार से लड़ने के लिए किया गया।

48. दो कथन दिए गए हैं जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है :

अभिकथन (A) : इंटरनेट की परम्परागत अपराधों की तुलना में व्यापक प्रभाव पड़ने की संभावना है

तर्क (R) : परम्परागत अपराधों में केवल दो पक्षकार अर्थात् अपराधकर्ता और पीड़ित प्रत्यक्षतः घटना स्थल पर मौजूद होते हैं परन्तु साइबर अपरोधों में ज्यादा लोग प्रभावित हो सकते हैं।

दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें :

(a) (A) गलत है और (R) सही है।
(b) (A) सही है, और (R) गलत है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

उत्तर (d)- (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है, क्योंकि कम्प्यूटर और इण्टरनेट की पहुँच व्यापक है, अतः इनके माध्यम से किए गये अपराध अधिक लोगों को प्रभावित करते हैं।

49. निम्नलिखित में से कौन-सा एक शहरी गंदी बस्ती की समस्या नहीं है?

(a) अपर्याप्त जल की आपूर्ति
(b) निर्धनता
(c) सफेद पोश अपराध
(d) आवासीय इकाइयों की अधिक संख्या

उत्तर (c)– सफेदपोश अपराध, शहरी गंदी बस्ती की समस्या नहीं है, क्योंकि यह आर्थिक रूप से प्रेरित अहिंसक अपराध है जो व्यापार और सरकार के पेशेवरों द्वारा किये जाते हैं। जबकि अपर्याप्त जल की आपूर्ति, निर्धनता, और आवासीय इकाइयों की अधिक संख्या एक शहरी गंदी बस्ती की समस्या है।

50. निम्नलिखित में से किसने आमने-सामने की अंतःक्रिया के विश्लेषण को 'अंतः क्रिया व्यवस्था' के रूप में परिभाषित किया?

(a) ई. गॉफमैन (b) एच. गारफिंकल
(c) टी. लकमैन (d) एम. फुको

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (a) – गॉफमैन सूक्ष्म विश्लेषण के प्रणेता हैं सूक्ष्म और वृहत को जोड़ने का प्रयास जिस तरह गॉफमैन ने किया है वह अनन्य है। गॉफमैन पारस्परिक क्रिया और मानवजातीय विधि को जोड़ने वाले शक्तिशाली सिद्धांतवेत्ता हैं।

51. महिला-पुरुष शक्ति संबंध की संरचना का आधार निम्नलिखित में से कौन-सा है?
(a) महिला-पुरुष पद सोपान
(b) महिला-पुरुष असमानता
(c) महिला-पुरुष भेदभाव
(d) महिला-पुरुष रूढ़िबद्ध धारणाएँ

उत्तर (a) – महिला-पुरुष शक्ति सम्बन्ध की संरचना का आधार महिला-पुरुष पद सोपान है, और इसका अनुसरण करना समाज के हर सदस्यों के लिए अपरिहार्य होता है।

52. निम्नलिखित में से कौन महिला सशक्तिकरण उपागम से संबद्ध है?
(a) साम्या और गरीबी विरोधी उपागम
(b) सामाजिक-आर्थिक हस्तक्षेप के अभिकल्पन एवं कार्यान्वयन में महिलाओं की सरोकारों को प्राथमिकता देना
(c) नीचे से ऊपर की ओर उपागम जो कि संरचना में लैंगिक संवेदनशीलता रूपान्तरण का आह्वान (आह्वान) करती है
(d) ऊपर से नीचे की ओर उपागम

उत्तर (c) – नीचे से ऊपर की ओर उपागम जो कि संरचना में लैंगिक संवेदनशीलता रूपान्तरण का आह्वान करती है। इसलिए महिला सशक्तिकरण उपागम से सम्बन्ध है। बादाम, पिश्ता आदि खिलाकर महिलाओं को सशक्त नहीं किया जा सकता है बल्कि उनको आदर, और नैसर्गिक समानता प्रदान करने से ही उनकी प्रस्थितियों में सुधार अपेक्षित है।

53. किसने कहा कि तीसरी दुनिया के देशों की समस्याएँ यूरोप और संयुक्त राज्य अमरीका के साम्राज्यवाद और व्यापार प्रभुत्व द्वारा सृजित हैं?
(a) समीर अमीन (b) रोस्टो
(c) फ्रैंक (d) शुम्पिटर

उत्तर (c) फ्रैंक ने कहा कि तीसरी दुनिया के देशों की समस्यायें यूरोप और संयुक्त राज्य अमरीका के साम्राज्यवाद और व्यापार प्रभुत्व द्वारा सृजित हैं ।

54. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन स्वचालन के बारे में सही नहीं है?
(a) यह हस्तान्तरण को कम करता है
(b) यह कामगार और प्रबंधन के बीच द्वंद्व बढ़ाता है
(c) यह वर्ग सचेतता में कमी लाता है
(d) यह अंतर निर्भरता को बढ़ाता है

उत्तर (b) स्वचालन की विशेषता हस्तांतरण को कम करना, वर्ग संचेतता में कमी लाना तथा अन्तर्निर्भरता को बढ़ाना है ना कि कामगार और प्रबंधन के बीच द्वन्द्व बढ़ाना।

55. किसने यह तर्क दिया है कि कृषि संबंधी आंदोलन व्यवस्था में असमानता की मनोवैज्ञानिक अवधारणा पर आधारित हैं?
(a) के. गफ (b) डी.एन. धनागरे
(c) के.सी. अलेक्जेंडर (d) के.एल. गांगुली

उत्तर (c) के. सी. अलेक्जेंडर ने यह तर्क दिया है कि कृषि संबंधी आंदोलन व्यवस्था में असमानता की मनोवैज्ञानिक अवधारणा पर आधारित हैं

56. भारत में औद्योगीकरण ने प्रमुख नदियों को प्रदूषित किया है, जिसके कारण निम्नलिखित में से क्या-क्या हुआ है?
(A) जलजनित रोगों में वृद्धि
(B) जलीय जीवन पर हानिकारक प्रभाव
(C) मृदा का विलवणीकरण (डिसैलिनेशन ऑफ सॉइल)
(D) पारिस्थितिकीय का असंतुलन
दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें :
(a) (a), (c) एवं (d) (b) (b), (c) एवं (d)
(c) (a), (b) एवं (c) (d) (a), (b) एवं (d)

उत्तर (d) - मृदा का विलवणीकरण का अर्थ है मिट्टी से नमक का हटना। इसके लिए नदियों का प्रदूषण जिम्मेदार नहीं है।

57. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म भारत में आधुनिकीकरण के बारे में सही है?
(a) प्रसार एवं संस्कृति संक्रमण
(b) उद्विकास एवं संस्कृति संक्रमण
(c) उद्विकास एवं प्रसार
(d) उद्विकास एवं पुनर्सृजन

उत्तर (a) - प्रसार एवं संस्कृति संक्रमण भारत में आधुनिकीकरण के सन्दर्भ में एकदम सही है। जैसे हिन्दू लोग अपने सांस्कृतिक एकान्तीकरण का युक्तिकरण धार्मिक आधारों पर कर सकते हैं अथवा ब्राह्मण जाति अपनी कल्पित जैविक श्रेष्ठता के आधार पर अपने जीवन-ढंगों को दूसरी जातियों से विलग रखने में अड़ी रह सकती है। इन सबका कारण, प्रसार स्रोत एवं संस्कृति संक्रमण है।

58. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है :
अभिकथन (A) : दुर्खीम के अनुसार, परार्थवादी आत्महत्या इस मानसिकता से उत्पन्न होती है कि दूसरा जीवन इस जीवन से अच्छा है।
तर्क (R) : जब मनुष्यों के बीच निकटतम संबंध अधिक पाए जाते हैं उस समय लोगों का यह विश्वास होता है कि आत्महत्या सभी की भलाई के लिए अच्छी है।
नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें :
(a) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।
(b) (A) गलत है, और (R) भी गलत है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर (c) - दुर्खीम ने अपनी पुस्तक "दि सुसाइड" में आत्महत्या के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की है। परार्थवादी आत्महत्या इस मानसिकता से उत्पन्न होती है कि दूसरा जीवन इस जीवन से अच्छा है। इस प्रकार स्पष्ट होता है कि (R) जब मनुष्यों के बीच निकटतम संबंध अधिक पाये जाते हैं उस समय लोगों का यह विश्वास होता है कि आत्महत्या सभी की भलाई के लिए अच्छी है।

59. भारत में उच्च शिक्षा के आधुनिकीकरण के प्रभावों का अध्ययन किसने किया है?
(a) ए. आर. देसाई (b) योगेन्द्र सिंह
(c) एस. एल. शर्मा (d) आई.पी. देसाई

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (c) - के.एल. शर्मा ने अपनी किताब "Modernizing Effect of University" में उच्च शिक्षा के अच्छे-बुरे नतीजों को दर्शाने का प्रयत्न किया है।

60. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है :

अभिकथन (A) : विचलन उपसंस्कृति गरीबी, अवसरों की कमी एवं बेरोज़गारी की समस्याओं के कारण है।

तर्क (R) : संबद्ध समूहों की सामाजिक परिस्थितियाँ विचलन उपसंस्कृति के निर्माण को प्रोत्साहित करती है।

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) गलत है और (R) सही है।
(d) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।

उत्तर (b)–A और R सही है, तथा R, A की व्याख्या है। सामाजिक कुपरिस्थितियाँ जैसे गरीबी, बेरोजगारी आदि व्यक्तियों को विकृत व्यवहार जैसे चोरी, जेब काटना, डकैती जैसे बुरे कार्यो की ओर की ओर प्रोत्साहित करती है।

61. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा घरेलू हिंसा के संबंध में सही नहीं है?

(a) यह गरीबी का प्रतिभास है।
(b) यह एक सार्वभौमिक प्रतिभास है।
(c) यह संस्कृति विशिष्ट नहीं है।
(d) यह पुरुषों और महिलाओं दोनों से संबंधित है।

उत्तर (a) घरेलू हिंसा गरीबी का प्रतिभास नहीं है क्योंकि यह सभी तरह की संस्कृति में और वर्गों में समान रूप से पाया जा सकता है। यह किसी लिंग तक सीमित न होकर, महिला तथा पुरुष दोनों के सन्दर्भ में हो सकती है।

62. किसका शोध दक्षिण एशियाई इतिहास के प्रमुख औपनिवेशक और राष्ट्रवादी परिप्रेक्ष्यों से अलग करता है जो कि अधीनस्थ समूहों के इतिहास के अतिरिक्त विशिष्ट वर्ग के इतिहास को अभिपुष्ट करता है?

(a) ए. आर. देसाई (b) बी. आर. अम्बेडकर
(c) डेविड हार्डिमैन (d) सुरजीत सिन्हा

उत्तर (c) डेविड हार्डिमेन का शोध दक्षिण एशियाई इतिहास के प्रमुख औपनिवेशक और राष्ट्रवादी परिप्रेक्ष्यों से अलग करता है जो कि अधीनस्थ समूहों के इतिहास के अतिरिक्त विशिष्ट वर्ग के इतिहास को अभिपुष्ट करता है। डेविड हार्डिमैन अधीनस्थों के समाजशास्त्री समझे जाते हैं।

63. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है :

अभिकथन (A) : लैंगिक असमानता असमान शक्ति संबंधों के द्वारा उत्पन्न होती है।

तर्क (R) : असमान शक्ति व्यक्तित्वों में भिन्नता के द्वारा उत्पन्न होते हैं।

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

उत्तर (c) - A सही है परन्तु R गलत है क्योंकि असमान शक्ति केवल भिन्नता से नहीं बल्कि यह एक सामाजिक उत्पाद है। जबकि लैंगिक असमानता का कारण पुरुष के पास सामाजिक रूप से ज्यादा शक्ति का होना है।

64. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित से सही उत्तर चिह्नित करें :

सूची-I (संकल्पनाएँ)	सूची-II (चिंतक)
A. कल्चरल डायवर्सिटी	(i) बी.आर. अम्बेडकर
B. सोशल जस्टिस	(ii) एल. डॉमोन्ट
C. प्योरिटी एंड पोलयूशन	(iii) ए. आर. देसाई
D. फ्रीडम मूवमेंट	(iv) डी. पी. मुखर्जी

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(d)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(संकल्पनाएँ)		(चिंतक)
कल्चरल डायवर्सिटी	-	डी. पी. मुकर्जी
सोशल जस्टिस	-	बी.आर. अम्बेडकर
प्योरिटी एंड पॉल्यूशन	-	एल. ड्यूमा
फ्रीडम मूवमेंट	-	ए. आर. देसाई

65. 'पीजेंट्स एंड पीजेंट सोसायटीज़' नामक पुस्तक किसके द्वारा लिखी (संपादित) की गई है?

(a) ऐरिक उल्फ (b) टी. शेनिन
(c) डेनियल थॉरनर (d) मेकिम मेरियट

उत्तर (b)– टी. शेनिन ने इस किताब में कृषि समाज के बीच बढ़ती विषमताओं और कृषि यन्त्रों में नित नये परिवर्तन से उपजी सामाजिक पहलू को दर्शाया है।

66. निम्नलिखित में से यह किसकी राय है कि 'कोलोनाइज़ेशन' और 'हाउसवाइफाइज़ेशन' के दोहरी प्रक्रिया के माध्यम से वैश्विक अर्थव्यवस्था विकसित हुई है। इसने 'हाउसवाइफ' को आर्थिक रूप से वंचित वर्ग बना दिया है?

(a) मेरिया माइन्स (b) श्यूमिपीटर
(c) नीरा देसाई (d) रोज़मैरी प्रिंगल

उत्तर (a) मेरिया माइन्स की राय है कि 'कोलोनाइजेशन' और 'हाउसवाइफाइज़ेशन' के दोहरी प्रक्रिया के माध्यम से वैश्विक अर्थव्यवस्था विकसित हुई है। इसने 'हाउसवाइफ' को आर्थिक रूप से वंचित वर्ग बना दिया है।

67. निम्नलिखित में से कौन एक जातियों के बीच संरचनात्मक दूरियाँ बनाए रखने में सहायक है?

(a) आर्थिक स्थिति (b) राजनीतिक शक्ति
(c) भूमि स्वामित्व (d) पवित्रता एवं प्रदूषण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (d)– पवित्रता एवं प्रदूषण जातियों के बीच संरचनात्मक दूरियां बनाने का कार्य करती है। यह एक विस्तृत, युक्तायुक्त और औपचारिक व्यवस्था है। जातियाँ सैकड़ों हैं। पर ये एक संरचना को इसलिए बनाते हैं इनमें जुड़ाव, विरोध, या प्रतिकूलत (opposition) के तत्व हैं। एक तरफ शुद्ध है दूसरी तरफ अशुद्ध है।

68. 'फिनोमिनोलॉजी ऑफ माइंड' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) कार्ल मार्क्स (b) जी. डब्ल्यू. एफ. हिगल
(c) पीटर बर्जर (d) एन. लकमैन

उत्तर (b)

फिनोमिनोलॉजी ऑफ माइंड	– जी. डब्ल्यू. एफ. हीगल
द होली फैमिली	– कार्ल मार्क्स
इनविटेशन टू सोशियोलौजी	– पीटर बर्जर
ए ह्यूमनेस्टिक पर्सपेक्टिव	– एन. लकमैन

69. निम्नलिखित में से किसने मार्क्सवादी सिद्धांत को यह कहते हुए आलोचना की है कि मार्क्सवादी सिद्धांत में नई सामाजिक परिस्थितियों का आकलन नहीं किया था जो मार्क्स अपने काल में अनुमान नहीं लगा सके थे?

(a) आलोचनात्मक सिद्धांत
(b) उत्तर–आधुनिक सिद्धांत
(c) नव–मार्क्सवादी सिद्धांत
(d) उत्तर–संरचनात्मकवाद सिद्धांत

उत्तर (c) नवमार्क्सवादी सिद्धांत ने मार्क्सवादी सिद्धान्त को यह कहते हुए आलोचना की है कि मार्क्सवादी सिद्धान्त में नयी सामाजिक परिस्थितियों का आकलन नहीं किया था जो मार्क्स अपने काल में अनुमान नहीं लगा सके थे। मार्क्स एक प्रसिद्ध समाजशास्त्री थे, जिन्होंने सामाजिक यथार्थता को देखने का एक विशिष्ट परिप्रेक्ष्य चुना और इसी आधार पर सामाजिक प्रघटनाओं का अध्ययन विश्लेषण और निरूपण किया।

70. 'दि एन्टिनोमीज़ ऑफ क्लासिकल थॉट' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) एरोन (b) हेबरमास
(c) अलथूज़र (d) एलेक्ज़ेंडर

उत्तर (d)

दि एन्टिनोमीज़ ऑफ क्लासिकल थॉट	- एलेक्जेण्डर
द स्ट्रक्चर ट्रांसफार्मेशन ऑफ द पब्लिक एफेयर	- हेबरमास
एस्से इन सेल्फ क्रिटिसिज्म	- अल्थूजर

71. निम्नलिखित संकल्पनाओं में से कौन-सी नृजातिवादी-सिद्दांत से संबंधित नहीं है?

(a) सूची बनाने की योग्यता (इंडेक्सकैलिटी)
(b) परावर्तनीयता
(c) सुगम ज्ञान भंडार
(d) दस्तावेज़ी सिद्धांत

उत्तर (c) नृजाति समूह जनसंख्या का वह भाग होता है जो परिवार को पद्धति, भाषा, मनोरंजन, प्रथा धर्म, संस्कृति एवं उत्पत्ति आदि के आधार पर अपने को दूसरे से पृथक समझता है।
सुगम्य ज्ञान भण्डार नृजातिवादी सिद्धान्त से सम्बन्धित नहीं है।

72. 'बीमारू' राज्यों की संकल्पना किसने की थी?

(a) के. श्रीनिवासन (b) जे. आर. रेले
(c) आशीष बोस (d) एस. चन्द्रशेखर

उत्तर (c) – 'बीमारू' राज्यों की संकल्पना आशीष से जुड़ा है। BIMARU का अर्थ है BIHAR, MADHYA PRADESH, RAJASTHAN तथा UTTAR PRADESH यह विचार आशीष बोस ने 1980 के मध्य में दिया।

73. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है :

अभिकथन (A) : जे. सी. एलेक्ज़ेंडर नए वामपंथी मार्क्सवाद से असंतुष्ट थे।

तर्क (R) : नव वामपंथ हिंसा की ओर अग्रसर थे जिससे एलेक्ज़ेंडर डर गए थे।

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

उत्तर (a) - A और R सही है और R, A की सही व्याख्या है। जे. सी. एलेक्ज़ेडर नए वामपंथी मार्क्सवाद से असन्तुष्ट थे। क्योंकि नव वामपंथ हिंसा की ओर अग्रसर थे जिससे एलेक्जेण्डर डर गये थे।

74. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है :

अभिकथन (A) : शिक्षा, समाजीकरण का पर्यायवाची है।

तर्क (R) : समाजीकरण वह एक प्रक्रिया है जिससे व्यक्ति अपने अन्दर सामाजिक मूल्यों एवं मानकों को समाहित करता है।

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

उत्तर (a) - A और R दोनों सही है तथा (R), (A) की व्याख्या है शिक्षा समाजीकरण का पर्यायवाची ही नहीं बल्कि उसका एक हिस्सा है। यह एक सामाजिकबद्ध प्रक्रिया है जिससे व्यक्ति अपने अन्दर सामाजिक मूल्यों एवं मानकों को समाहित करता है।

75. भारत में, जनसंख्या के आयु वितरण से संबंधित जनगणना आँकड़े सामान्यतः निम्न से प्रभावित होते हैं

(a) डिजिटल वरीयता (b) कम जानकारी देना
(c) अधिक जानकारी देना (d) कोई जानकारी नहीं देना

उत्तर (a) – भारत में जनसंख्या के आयु वितरण से सम्बन्धित जनसंख्या आँकड़े सामान्यतः डिजिटल वरीयता से प्रभावित होते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कई अनपढ़ लोगों को अपनी सही उम्र के बारे में नहीं पता है, अतः वह गणना को सुविधाजनक बनाने के लिए 0 या 05 के साथ समाप्त होने वाली अनुमानित उम्र दे देते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2015

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. समाजशास्त्र को माना जाता है :

(a) मानकीय विज्ञान (b) वस्तुपरक विज्ञान
(c) सामान्य विज्ञान (d) विज्ञान बिल्कुल नहीं

उत्तर (a)– सामान्य रूप से किसी वस्तु अथवा विषय के बारे में व्यवस्थित एवं क्रमबद्ध ज्ञान को ही विज्ञान कहते हैं।
समाजशास्त्र भी समाज एवं सामाजिक सम्बन्धों के बारे में व्यवस्थित एवं क्रमबद्ध ज्ञान प्राप्त करता है। अतः हम कह सकते हैं कि समाजशास्त्र भी एक विज्ञान है।
आयोग द्वारा जारी संशोधित उत्तर कुंजी में इस प्रश्न को सही नहीं माना गया है।

2. निम्नलिखित में से किसने 'प्रत्यक्षवाद' की अवधारणा प्रस्तुत की?

(a) कार्ल मार्क्स (b) सी. एच. कूले
(c) अगस्त कॉम्टे (d) एमाइल दुर्खाइम

उत्तर (c)–अगस्ट कॉम्टे को प्रत्यक्षवाद का जन्मदाता और समाजशास्त्र का पिता कहा जाता है। प्रत्यक्षवाद के दर्शन के अनुसार केवल वही ज्ञान प्रमाणिक ज्ञान है, जो ज्ञानेन्द्रियों से प्राप्त अनुभव पर आधारित हो। इसे एक दर्शन शाखा का पद देने का श्रेय आगस्त कॉम्टे को है। कॉम्टे ने ही सोशियोलॉजी शब्द की रचना की थी।

3. समाजशास्त्र की पद्धतियों में शामिल हैः

(a) आदर्श पद्धति (b) तुलनात्मक पद्धति
(c) सांख्यिकी पद्धति (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d)–पद्धति का अर्थ है किसी काम को करने का सर्वथा उपर्युक्त ढंग । समाजशास्त्र भी एक विज्ञान है। अतः इसके अध्ययन में भी कुछ पद्धतियों का प्रयोग किया जाता है। पारसंस के अनुसार 'यह न तो पूर्णतः वैज्ञानिक है और न ही यह पूर्णतः एक दार्शनिक शाखा है। समाजशास्त्र की सर्वमान्य पद्धतियां निम्नलिखित है।
1. वैज्ञानिक या प्रयोगात्मक पद्धति, 2. ऐतिहासिक पद्धति,
3. तुलनात्मक पद्धति, 4. प्रतिकूल निगमन पद्धति,
5. आदर्शपद्धति, 6. सांख्यिकी पद्धति,
7. समाजमिति पद्धति, 8. सामाजिक सर्वेक्षण पद्धति,
9. प्रकरण-अध्ययन पद्धति

4. समुदाय का उदाहरण :

(a) ट्रेड यूनियन (b) वर्ण
(c) राजनीतिक दल (d) जनजातीय समूह

उत्तर (d)–समुदाय शब्द का प्रयोग बहुधा व्यक्तियों के ऐसे समूह, सामाजिक साहचर्य के एक ऐसे रूप के लिए किया गया है जिसके सदस्य एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में रहते हैं और जिनमें पारस्परिक एकत्व की भावना (हम की भावना) अर्न्तपरस्परिकता, साझा संस्कृति तथा संगठित क्रियाकलापों की विशेषताएँ होती है।

5. निम्नलिखित में से कौन सामाजिक संस्था का उदाहरण है?

(a) जाति (b) परिवार
(c) विवाह (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d)–संस्था शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग स्पेन्सर ने अपनी पुस्तक 'फर्स्ट प्रिंसिपल' में किया। बाद में समनर ने 1906 में अपनी पुस्तक फोकवेज में इसको वैज्ञानिक एवं व्यापक अर्थों में प्रयोग किया। स्पेन्सर के अनुसार संस्था निश्चित सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु निर्मित भूमिकाओं एवं प्रस्थितियों का एक पुँज है।

6. निम्नलिखित में से किसने ''सोशल स्ट्रक्चर ऑफ वैल्यूज'' पुस्तक लिखी थी?

(a) एम. एन. श्रीनिवासन (b) राधाकमल मुखर्जी
(c) एस. सी. दुबे (d) योगेन्द्र सिंह

उत्तर (b)–राधा कमल मुखर्जी भारत में मूल्यों के समाजशास्त्र के जनक माने जाते हैं। मूल्यों के सन्दर्भ में प्रो0 मुखर्जी ने लगभग सभी कृतियों में कुछ न कुछ लिखा है इस सन्दर्भ में दो कृतियाँ महत्वपूर्ण हैं- दी सोशल स्ट्रक्चर आफ वैल्यूज, द डेफिनेशन ऑफ वैल्यूज ।

7. निम्नलिखित में से किसने सामाजिक संरचना की परिभाषा इस प्रकार की है :
व्यक्तियों की परस्पर सापेक्षिक भूमिकाएँ निभाने की क्षमता से उत्पन्न संबंध मूर्त जनसंख्या और इसके व्यवहार, प्रतिरूप या नेटवर्क (या प्रणाली) का अमूर्त रूप है :

(a) सी. डब्ल्यू. मिल्स (b) एस. एफ. नाडेल
(c) एच. गर्थ (d) आर. के. मर्टन

उत्तर (b)–नाडेल ने अपने विशिष्ट संरचनावादी सिद्धाँत से मानवशास्त्र और समाजशास्त्र दोनों को प्रभावित किया है। व्यक्तियों की परस्पर सापेक्षिक भूमिकाएँ निभाने की क्षमता से उत्पन्न संबंध मूर्त जनसंख्या और इसके व्यवहार, प्रतिरूप या नेटवर्क (या प्रणाली) का अमूर्त रूप है।

8. निम्नलिखित में से किसने कहा कि '' सामाजिक परिवर्तन अनुकूलन की स्वाभाविक प्रक्रिया का परिणाम है''?

(a) डार्विन (b) स्पेन्सर
(c) मार्क्स (d) हेगेल

उत्तर (b)–समाजशास्त्र के क्षेत्र में अगस्त काम्ट के कार्य को आगे बढ़ाने का श्रेय ब्रिटिश दार्शनिक एवं सामाजिक विचारक हरबर्ट स्पेन्सर को दिया जाता है। स्पेंसर ने भौतिक विश्व, जैविक सजीवों, मानव मन तथा मानवीय संस्कृति व समाजों की क्रमिक विकास के रूप में उत्पत्ति की एक सर्व समावेशक अवधारणा विकसित थी। उन्होंने कहा कि ''सामाजिक परिवर्तन अनुकूलन की स्वाभाविक प्रक्रिया का परिणाम है।''

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

9. **सूची-I में दिए गए मदों का सूची-II में दिए गए मदों से मिलान कीजिए :**

सूची-I (पुस्तकें)	सूची-II (लेखक)
(A) व्हाइट कॉलर : द अमेरिकन मिडल क्लास	(i) जी.पी.मर्डाक
(B) द रूलिंग क्लास	(ii) विक्टर. एस., डीसूजा
(C) सोशल स्ट्रक्चर	(iii) जी. मोस्का
(D) सोशल स्ट्रक्चर ऑफ ए प्लान्ड सिटी	(iv) सी.डब्ल्यू. मिल्स

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(d)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

उत्तर (b)–सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तकें)		(लेखक)
व्हाइट कॉलर : द अमेरिकन मिडल क्लास	–	सी. डब्ल्यू. मिल्स
द रूलिंग क्लास	–	जी. मोस्का
सोशल स्ट्रक्चर	–	जी. पी. मर्डाक
सोशल स्ट्रक्चर ऑफ ए प्लान्ड सिटी	–	विक्टर. एस. डीसूजा

10. **सूची-I में दिए गए मदों को सूची-II में दिए गए मदों से सुमेलित कीजिए :**

सूची-I (अवधारणाएँ)	सूची-II (रचनाकार)
(A) उग्रवादी और औद्योगिक समाज	(i) टॉनिज
(B) लघु समाज	(ii) एच. स्पेन्सर
(C) यांत्रिक और सावयवी एकता	(iii) आर. रैडफील्ड
(D) गेमिनशाफ्ट और गैसेल्सशाफ्ट	(iv) ई. दुर्खाइम

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (c)–सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणायें)		(रचनाकार)
उग्रवादी और औद्योगिक समाज	-	एच. स्पेन्सर
लघु समाज	-	आर. रेडफील्ड
यांत्रिक और सावयवी एकता	-	ई. दुर्खीम
गैमाइनशाफ्ट और	-	टॉनीज

11. **'सोशियोलॉजी ऑफ इकोनॉमिक लाईफ' के लेखक है:**
(a) वेबर (b) पारसन्स
(c) मर्टन (d) स्मेलसर

उत्तर (d)–पारसंस की बातों को आगे बढ़ाने में स्मेलसर का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने अपनी पुस्तक Social Change in the Industrial Revolution (1959) sociology explanation तथा sociology of economic life में The theory of collective behavior में कई मुद्दों को चर्चा की है।

12. **मातृपितृ संबंधी का अभिप्राय निम्नलिखित के माध्यम से नातेदारी है :**
(a) मातृ वंशानुक्रम (b) पितृ वंशानुक्रम
(c) दोनों (a) और (b) (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c)–मातृपितृ संबंधी का अभिप्राय एक ही पूर्वज या पूर्वजा के वंशज समस्रोतीय बंधु या संपिण्ड कहलाते हैं। यदि यह समान पूर्वज पुरूष हो, तब इन वंशजों को पितृबंधु या पितृरेखीय स्वजन कहा जाता है। यदि समान पूर्वज कोई स्त्री हो, तब इनको मातृ बंधु या मातृरेखीय स्वजन कहते हैं।

13. **निम्नलिखित में से किसने राज्य को "बुर्जुआ के सामान्य कार्यों के प्रबन्धन के लिए समिति" माना है?**
(a) रॉबर्ट ए. डाहल (b) वी. पैरेटो
(c) के. मार्क्स (d) सी. डब्ल्यू. मिल्स

उत्तर (c)–सामाजिक विज्ञानों में इस शब्द का प्रचलन अधिकांशतः कार्ल मार्क्स के लेखनों द्वारा हुआ है। आजकल बुर्जुआ शब्द का प्रयोग पूँजीवादी समाजों में उत्पादन के साधनों के मालिकों के लिए किया जाता है। उन्होंने राज्य की समस्त बुर्जुआ को सामान्य कार्यों के प्रबन्धन के लिए समिति माना है।

14. **निम्नलिखित में से किसकी सहायता से जैव प्राणी सामाजिक प्राणी में परिवर्तित होता है?**
(a) समाजीकरण (b) पुनः समाजीकरण
(c) विसमाजीकरण (d) पूर्वभासी समाजीकरण

उत्तर (a)–सामाजिक सीख की बहुप्रक्रिया जिसके द्वारा एक जैविकीय प्राणी सामाजिक प्राणी के रूप में परिवर्तित होता है, समाजीकरण की प्रक्रिया कहलाती है। समाजीकरण के माध्यम से मनुष्य समाज के विभिन्न व्यवहार, रीति-रिवाज, गतिविधियाँ इत्यादि सीखता है। समाजीकरण के माध्यम से ही वह संस्कृति को आत्मसात करता है।

15. **निम्नलिखित में से कौन-सा समाजीकरण का माध्यम नहीं है?**
(a) परिवार (b) सम समूह
(c) पुलिस (d) विद्यालय

उत्तर (c)–पुलिस समाजीकरण का माध्यम नहीं है। जबकि परिवार, सम समूह, तथा विद्यालय समाजीकरण का माध्यम है परिवार समाजीकरण का एक स्थायी साधन माना जाता है।
सम समूह तथा विद्यालय की समाजीकरण का एक सशक्त माध्यम है।

16. **समाजीकरण की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होती है यदि अधिकरण का व्यवहार :**
(a) बोध पर आधारित हो
(b) सहानुभूति पर आधारित हो
(c) अनुभूति पर आधारित हो
(d) उपर्युक्त सभी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (d)—समाजीकरण की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होती है यदि अधिकरण का व्यवहार बोध, सहानुभूति और अनुभूति पर आधारित है।

बोगार्डस के अनुसार, "सामाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति एक दूसरे पर निर्भर रहकर व्यवहार करना सीखता है। और इसके द्वारा व्यक्ति अपनी प्रथाओं, परम्पराओं संगीत, कला, भाषा आदि से परिचित होता है और ये संस्थाये उसके व्यक्तित्व के विकास में योग देती है।

17. निम्नलिखित में से किसका यह कहना है कि सामाजिक स्तरीकरण समाज की प्रकार्यात्मक आवश्यकता है?

(a) योगेन्द्र सिंह (b) आन्द्रे बैतेई
(c) आर. कॉलिन्स (d) के. डेविस

उत्तर (d)—के. डेविस
सामाजिक स्पष्टीकरण के प्रमुख तीन सिद्धान्त है
(a) प्रकार्यवादी सिद्धान्त
(b) संघर्षवादी सिद्धान्त
(c) संकलनवादी सिद्धान्त ।
प्रकार्यवादी सिद्धान्त का प्रतिपादन सर्वप्रथम वर्ष 1945 में डेविस व मूरे ने अपनी पुस्तक "Some Principal Stratification" में किया।
उक्त कथन "सामाजिक स्तरीकरण समाज की प्रकार्यात्मक आवश्यकता है" के. डेविस जी का है।

18. जातीय आधार पर स्तरीकरण है :

(a) प्रदत्त (b) अर्जित
(c) मुक्त (d) न तो मुक्त और न ही संवृत्त

उत्तर (a)—जातीय आधार पर प्रदत्त स्तरीकरण है। प्रदत्त प्रस्थिति के अन्तर्गत वे सामाजिक पद आते हैं जो समाज द्वारा परिभाषित व्यक्तिगत नियंत्रण से परन्तु समाज द्वारा जन्म के समय ही सौंपे जाते है।

19. संस्कृतिकरण का परिणाम है :

(a) जाति प्रणाली में संरचनात्मक परिवर्तन
(b) किसी जाति की सांस्कृतिक गतिशीलता
(c) जातीय विचारधारा में परिवर्तन
(d) धार्मिक प्रणाली में परिवर्तन

उत्तर (b)—किसी जाति की सांस्कृतिक गतिशीलता संस्कृतिकरण का परिणाम है। संस्कृतिकरण भारत में देखा जाने वाला विशेष तरह का सामाजिक परिवर्तन है। इसका मतलब है वह प्रक्रिया जिसमें जाति व्यवस्था में निचले पायदान पर स्थित जातियाँ ऊँचा उठने का प्रयास करती है। यह अवधारणा एम.एन.श्रीनिवास ने दी है।

20. परिवर्तन का कौन- सा प्रतिरूप यह सुझाव देता है कि परिवर्तन संघर्ष और समाधान के माध्यम से होता है?

(a) उद्विकास (b) द्वंद्वात्मक
(c) चक्रीय (d) प्रगतिशील

उत्तर (b)—अंग्रजी के शब्द 'डाइलेक्टिक' का साधारण अर्थ वाद विवाद या तर्क-वितर्क करना है "प्राचीन काल में विद्वानों द्वारा यह विश्वास किया जाता था कि चिंतन की प्रक्रिया में विरोधों अथवा विपरीत मतों का प्रकट होना सत्य तक पहुँचने का एक संकेत है। परिवर्तन का द्वंद्वात्मक प्रतिरूप यह सुझाव देता है कि परिवर्तन संघर्ष और समाधान के माध्यम से होता है।

21. सामाजिक परिवर्तन के निम्नलिखित सामाजिक विचारकों में से कौन-सा अलग है?

(a) जूलियन स्टेवार्ड (b) ए. कॉम्टे
(c) के. मार्क्स (d) सैंट-साइमन

उत्तर (a)—सामाजिक परिवर्तन के सामाजिक विचारकों में ए. कॉम्प्ट, के. मार्क्स, सेंटसाइमन आदि आते हैं जबकि जूलियन स्टीवर्ड, लेस्ली वाइट के नाम नव-उद्विकास वादियों में आते है। जूलियन स्टीवर्ड ने उद्विकास के एकमार्गी सिद्धान्त के स्थान पर बहुमार्गी सिद्धान्त प्रस्तुत किया था।

22. यह किसका मत था कि क्रांतियाँ इतिहास की वाहक है?

(a) ई. कॉंट (b) के. मार्क्स
(c) हेगेल (d) ऐन्जिल्स

उत्तर (b)—कार्ल मार्क्स वैज्ञानिक साम्यवाद के जनक थे। और उनका विचार था कि आदमी का अमानवीय शोषण और दमन के खिलाफ विद्रोह करना ही क्रान्ति है। इसीलिए क्रान्तियाँ इतिहास की वाहक हैं।

23. समाजशास्त्र एवं सामाजिक मानवशास्त्र में संरचनावाद का प्रणेता किसे कहा जाता है?

(a) एन्थोनी गिड्डेन्स (b) सी. लेवी- स्ट्रास
(c) एल. अल्थूजर (d) ए. आर. रैडक्लिफ-ब्राउन

उत्तर (b)—सी. लेवी स्ट्रास संरचनात्मक मानवशास्त्र के प्रणेता तथा बीसवीं शताब्दी के अत्यन्त प्रखर एवं सैद्धान्तिक रूप से उद्भव फ्रांसीसी दार्शनिक थे। स्ट्रास के संरचनावाद की जड़ें मानव चिंतन की प्रक्रियाओं (मानसिक संरचनाओं) में गढ़ी हैं।

24. किसने मानव मस्तिष्क के अध्ययन के संदर्भ में द्वि-वर्गीकरण प्रणालियों का निरूपण किया ?

(a) सिगमंड फ्रायड (b) एच. एच. हाइमैन
(c) क्लॉड लेवी-स्ट्रास (d) बी. मलिनोवस्की

उत्तर (c)— 'संरचनात्मक मानवशास्त्र' के प्रणेता तथा बीसवीं शताब्दी के अत्यन्त प्रखर एवं सैद्धान्तिक रूप में उद्भट फ्रांसीसी दार्शनिक मानवशास्त्री क्लाड लेवी-स्ट्रास मुख्य रूप में भाषा, मिथक, भाषाशास्त्र तथा नातेदारी संबंधी जनजातीय समाजों के अपने अध्ययनों के लिए जाने जाते हैं। अन्त में लेवी-स्ट्रास आग्रहपूर्वक कहते हैं। कि स्वर की व्यवस्था और बन्धुत्व व्यवस्था अपने अंतिम चरण में मस्तिष्क की संरचनाओं की उपज है। लेकिन यह उपज किसी भी तरह से चेतन प्रक्रिया का परिणाम नहीं है। इसके बजाय यह मस्तिष्क की अचेतन व तार्किक संरचना का परिणाम है। इस प्रकार, संरचनाओं की यह व्यवस्था मस्तिष्क की तार्किक संरचना के परिणाम स्वरूप पैदा होती है।

25. सामाजिक संरचना के सिद्धान्त में किसने भूमिकाओं को 'निर्णायक, पर्याप्त रूप से संगत और परिधीय' के रूप में वर्गीकृत किया है?

(a) एस. एफ. नाडेल (b) जी. पी. मरडॉक
(c) टालकॉट पार्सन्स (d) हरबर्ट स्पेन्सर

उत्तर (a)—एस. एफ. नाडेल ने अपने विशिष्ट संरचनावादी सिद्धाँत से मानवशास्त्र और समाजशास्त्र दोनों को प्रभावित किया है । नाडेल के अनुसार किसी वस्तु या सत्ता के हिस्सों के औपचारिक संबंधों को संरचना कहते हैं। और उन्होंने सामाजिक संरचना के सिद्धाँत में भूमिकाओं को निर्णायक पर्याप्त रूप से संगत और परिधीय के रूप में वर्गीकृत किया।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

26. निम्नलिखित सूचियों का मिलान करें :

सूची-I (कृतियां)	सूची-II (लेखक)
(A) स्ट्रक्चर एन्थ्रोपोलॉजी	(i) एस. एफ. नाडेल
(B) स्ट्रक्चर एंड फंक्शन इन सोसायटी	(ii) सी. वी. लेवी-प्रीमिटिव स्ट्रास
(C) थ्योरी ऑफ सोशल स्ट्रक्चर	(iii) जेम्स फ्रेज़र
(D) गोल्डन बॉव	(iv) ए.आर. रैडक्लिफ-ब्राउन

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(c)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(d)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

उत्तर (c)–सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(कृतियाँ)		(लेखक)
स्ट्रक्चरल एन्थ्रोपोलॉजी	–	सी.वी.लेवी-स्ट्रॉस
स्ट्रक्चर एंड फंक्शन इन प्रीमिटिव सोसायटी	–	ए. आर.रेडक्लिफ ब्राउन
थ्योरी ऑफ सोशल स्ट्रक्चर	–	एस. एफ. नाडेल
गोल्डन बॉव	–	जेम्स फ्रेज़र

27. श्रम के विभाजन के संबंध में अपने विचारों को व्यक्त करते हुए दुर्खाईम ने किस सिद्धांत का प्रतिपादन किया?

(a) डार्विन का सिद्धान्त (b) केनन का सिद्धान्त
(c) मार्क्स का सिद्धान्त (d) स्पेन्सर का सिद्धान्त

उत्तर (a)– रॉबर्ट जी. पेरिन ने अपने एक पत्रिका लेख में 'इमाइल दुर्खीम का श्रमविभाजन और हरबर्ट स्पेंसर की छाया' (Emile Durkheim's Division of Labour and the Shadow of Herbort Spencer) में व्यक्त किया है कि दुर्खीम का श्रमसिद्धान्त उच्चतर समाजों में स्पेंसर के सिद्धान्त से सम्बन्धित है। यद्यपि दुर्खीम अपने सिद्धान्त की शुरुआत स्पेंसर के सिद्धान्त के खण्डन से करते हैं लेकिन दोनों अन्तर की जगह समानता अधिक दिखाते हैं। दोनों ही श्रमविभाजन का कारण बढ़ती जनसंख्या घनत्व एवं बढ़ती प्रतिस्पर्धा को मानते है।

28. वर्स्टहेन उपागम के साथ किसका नाम जुड़ा हुआ है?

(a) ई. दुर्खीम (b) एफ. टॉनिज
(c) मैक्स वेबर (d) डब्ल्यू. जी. समनर

उत्तर (c)– मैक्स वेबर की प्रतिष्ठा समाजशास्त्रीय साहित्य में बहुत ऊँची है, वेबर के अनुसार "वेर्स्टहेन एक प्रकार की अन्तः प्रज्ञा है यह एक प्रकार का सहज बोध है जिसे व्यक्ति जानता तो है किन्तु वह उसे लिखित रूप में प्रस्तुत करने में असमर्थ अनुभव करता है और जिसका वैज्ञानिक रूप में लेखा-जोखा देना उसके लिए मुश्किल होता है।

29. निम्नलिखित में से किसने 'आत्म तुष्टि भविष्यकथन' के संबंध में लिखा है ?

(a) टी. पार्सन्स (b) आर. के मर्टन
(c) मैक्स वेबर (d) वी. पैरेटो

उत्तर (b)– 'आत्म तुष्टि भविष्यकथन' (Self Fulflling Prophecy) के संबंध में आर. के. मर्टन द्वारा लिखा गया है। सामाजिक जीवन के प्रति मर्टन का एक सामान्य दृष्टिकोण यह रहा है कि व्यक्तियों के रूप में मानव जो चुनाव करते हैं, उनका निर्धारण सामाजिक रूप में होता है। इसमें कुछ सीमा तक व्यक्ति की रचनात्मकता और आत्म-निर्णय काम करता है।

30. किसने धर्म और जादू को पवित्र तथा विज्ञान को अपवित्र के रूप में वर्गीकृत किया है?

(a) मॉर्गन (b) मैलिनोवस्की
(c) रैडक्लिफ-ब्राऊन (d) दुर्खीम

उत्तर (b)–धर्म और जादू के सम्बन्ध में मैलिनोवस्की के विचार भी अपने-आप में मौलिक है और इनके (धर्म व जादू) प्रकार्यात्मक पक्ष को उजागर करते हैं धर्म, किसी न किसी अलौकिक शक्ति में विश्वास है। उन्होंने स्पष्ट किया है धर्म एक सामाजिक कृत्य है जबकि जादू एक वैयक्तिक कृत्य है। इन दोनों में एक अन्तर यह भी है, धर्म में अलौकिक शक्ति के प्रति धार्मिक व्यक्ति के मन में भय, श्रद्धा भक्ति और पवित्रता की भावना होती है परन्तु जादू में जादूगर प्राकृतिक शक्तियों को श्रद्धा और सम्मान की दृष्टि से नहीं देखता। इसलिए धर्म को पवित्र तथा विज्ञान को अपवित्र के रूप में वर्गीकृत किया है।

31. निम्नलिखित में से किसने मानव समाज को गतिशील सन्तुलन के रूप में माना है?

(a) टी. पार्सन्स (b) आर. के. मर्टन
(c) मैक्स वेबर (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (a)–अमेरिका निवासी टालकाट पारसंस उन प्रख्यात समकालीन समाजशास्त्रियों में से एक है जिन्होंने समाजशास्त्रीय ज्ञान को विस्तृत परिशुद्ध व परिमार्जित करने में अपना अमूल्य योगदान दिया है। इसलिए पारसंस ने मानव समाज को गतिशील संतुलन के रूप में माना है।

32. किसने क्रिया को तार्किक और अतार्किक श्रेणियों में वर्गीकृत किया है?

(a) मैक्स वेबर (b) टी. पार्सन्स
(c) वी. परेटो (d) जी.एच. मीड

उत्तर (c)– विलफ्रेडो परेटो इटली का एक इंजीनियर, गणितशास्त्री, अर्थशास्त्री और समाजशास्त्री था। परेटो तटस्थ सिद्धाँत के प्रणेता भी थे। पेरेटो के मतानुसार तर्क संगत क्रियाओं का आधार सामान्यतः वस्तुनिष्ठ होता है जबकि अतर्क संगत क्रियाओं का आधार व्यक्तिनिष्ठ होता है।

33. सांकेतिक अन्योन्य क्रियावाद एक समाजशास्त्रीय परिदृश्य है जो निम्नलिखित में से किस पर बल देता है?

(a) समष्टि स्तर सामाजिक अन्योन्य क्रिया
(b) व्यष्टि स्तर सामाजिक अन्योन्य क्रिया
(c) सामाजिक और गैर-सामाजिक अस्तित्वों के बीच परस्पर अन्तः क्रियायें
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (b)–सांकेतिक अन्योन्य क्रियावाद अमरीकी सामाजिक मनोविज्ञान का एक सिद्धाँत है जो समाज के संबंधों का अध्ययन सामाजिक कर्ताओं के होने वाले सांकेतात्मक सम्प्रेषण (संचार) की

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रक्रिया के सन्दर्भ में करता है। Symbolic Introductionism शब्द की रचना 1937 में हरबर्ट ब्लूमर ने की है। सांकेतिक अन्योन्य क्रियावाद व्यष्टि स्तर सामाजिक अन्योन्य क्रिया पर जोर देता है।

34. किसने किसी वर्ग की संभावित स्व-जागरूकता से वास्तविक स्व-जागरूकता की ओर संचलन को दर्शाने के लिए 'स्वयं में वर्ग' और 'स्वयं के लिए वर्ग' के बीच भेद किया है?

(a) कार्ल मार्क्स (b) आर. डेहरेनडॉर्फ
(c) एल. ए. कोजर (d) आर. कॉलिन्स

उत्तर (a)—कार्ल मार्क्स वैज्ञानिक साम्यवाद के जनक हैं। मार्क्स और एंजिल्स ने जर्मन आइडियोलाजी में भी एक स्थान पर वर्ग की व्याख्या की है। उनकी यह निश्चित धारणा है कि पूँजीवादी समाज की बहुत बड़ी विशेषता वर्ग है इसी पुस्तक में उन्होंने दो नयी अवधारणाएँ रखी है अपने आप में वर्ग (Class in itself) और अपने लिए वर्ग क्लास फार इट सेल्फ (Class for itself) जब एक धन्धे में काम करने वाले लोग संगठित हो जाते हैं और उनमें यह चेतना आ जाती है कि हम एक ही पेशे में है तो इस तरह का समूह अपने आप में वर्ग है दूसरी ओर अलग-अलग धन्धों में काम करने वाले व्यक्तियों की हैसियत सामान्य कामगार की होती है तो वे इस सामान्यता के आधार पर चेतना और संगठन बना लेते है तो अपने लिए वर्ग है।

35. संघर्ष और सामंजस्य दोनों पर विचार करना एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, निम्नलिखित में से किसने यह महसूस किया कि दोनों पक्षों को संभालना कठिन था

(a) आर. डेहरेनडॉर्फ (b) एल. ए. कोज़र
(c) जी. सिमेल (d) के. मॉर्क्स

उत्तर (a)—जर्मनी में पैदा हुए समाजशास्त्री राल्फ डेहरेनडार्फ जो ब्रिटेन में लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स संस्थान के निदेशक थे, इन्होंने महसूस किया कि दोनों पक्षों का संभालना कठिन था।
इसलिए संघर्ष और सामंजस्य दोनो पर विचार करना एक ही सिक्के के दो पहलू हैं ।

36. निम्नलिखित में से किसने यह स्पष्ट किया कि संघर्ष का केन्द्र बिन्दु सैद्धान्तिक नहीं होना चाहिए अपितु इसका केन्द्र बिन्दु यथार्थवादी आधार पर सामाजिक जीवन में मुख्य प्रक्रिया पर होना चाहिए?

(a) एल. ए. कोसव (b) आर. कोलिन्स
(c) आर. डेहरेनडॉर्फ (d) जी. सिमेल

उत्तर (b)—आर० कोलिन्स का जन्म अमेरिका में हुआ है। वे संघर्ष सिद्धाँत के प्रमुख हस्ताक्षर है। कालिंस ने संघर्ष का मूल कारण शक्ति के स्रोतों को माना है। जो व्यक्ति और समूहों में निहित है। कालिंस का संघर्ष सिद्धाँत सामाजिक संस्तरण पर आधारित है। वे मानते हैं कि सामाजिक संस्तरण एक ऐसी संस्था है जिसका जीवन के अनेक पक्षों-सम्पदा, राजनीति, व्यवसायों, परिवारों, क्लबों समुदायों और जीवन-शैलियों आदि से संबंध होते हैं। उन्होंने माना कि संघर्ष का केन्द्र बिन्दु सैद्धान्तिक नहीं होना चाहिए अपितु इसका केन्द्र बिन्दु यथार्थवादी आधार पर सामाजिक जीवन में मुख्य प्रक्रिया पर होना चाहिए।

37. "द आइडिया ऑफ सोशल साईसेंज" पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) पी. विंच (b) रॉबर्ट रैडफील्ड
(c) ए. आर. लॉउच (d) मैलिनोवस्की

उत्तर (a)—पी० विंच 'द आइडिया आफ सोशल साइंसेस' पुस्तक के लेखक हैं।

38. निम्नलिखित में से किस समाजशास्त्री के लेखन में 'अंतर-व्यक्तिनिष्ठता' की अवधारणा का उपयोग किया गया है?

(a) एडमंड हस्सर्ल (b) पीटर बर्गर
(c) हेरोल्ड गार्फिंकेल (d) अल्फ्रेड शुट्ज

उत्तर (d)—अल्फ्रेड शुट्ज प्रघटनावाद के जनक हैं। शुट्ज ने चेतना से हटकर अन्तः विषयपरकता (Intersubjectivity) जीवन-जगत (Life World) और हम तथा वे के सम्बन्धों को अपने अध्ययन-विवेचन का केन्द्र बनाया और अपने लेखनी में अंतर-व्यक्ति निष्ठता की अवधारणा का प्रयोग किया है।

39. निम्नलिखित में से किसके द्वारा 'मूल्य-निर्णय' और 'मूल्य-संदर्भ' के बीच अंतर किया गया है?

(a) हरबर्ट स्पेन्सर (b) कॉर्ल मेनहाईम
(c) मैक्स वेबर (d) ए. आर. रैडक्लिफ-ब्राऊन

उत्तर (c)—मैक्स वेबर की प्रतिष्ठा समाजशास्त्रीय साहित्य में बहुत ऊँची है आधुनिक समाजशास्त्र को उन्होंने बहुत कुछ दिया किंग्सले डेविस तो यहाँ तक कहते हैं कि मैक्स वेबर आधुनिक समाजशास्त्र के जनक थे। उन्होंने कहा कि क्या वांछनीय तथा मूल्यवान है इसके संबंध में लिया गया निर्णय ही मूल्य निर्णय कहलाता है। वेबर ने मूल्य-निर्णय और मूल्य-सन्दर्भ में अन्तर स्पष्ट किया था।

40. समान रूचि के क्षेत्र में आँकड़ें संग्रहण करने की बहु-पद्धतियों के उपयोग -------कहा जाता है।

(a) क्षेत्रीय अनुसंधान (b) नृजाति वर्णन
(c) त्रिभुजन (d) विचरण

उत्तर (c)—त्रिभुजन उस विधि का नाम है जिसमें सर्वेक्षण के लिए दिए गए क्षेत्र को त्रिकोणीय टुकड़ों के जाल के रूप में बॉटकर सर्वेक्षण को सरलतापूर्वक कर लिया जाता है।

41. यादृच्छिक प्रतिदर्श के तौर पर योग्य (अर्ह) होने हेतु--------।

(a) अनुसंधानकर्ता को विषय का पूर्व परीक्षण करना चाहिए
(b) अनुसंधानकर्ता को मार्गदर्शी अध्ययन करना चाहिए
(c) कम से कम सौ लोगों का चयन करना चाहिए
(d) जनसंख्या के प्रत्येक सदस्य को चयनित किए जाने का समान अवसर मिलना चाहिए।

उत्तर (d)—यादृच्छिक प्रतिदर्श के तौर पर योग्य (अर्ह) होने हेतु जनसंख्या के प्रत्येक सदस्य को चयनित किये जाने का समान अवसर मिलना चाहिए।

42. निम्नलिखित में से किसने सर्वप्रथम "सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में सर्वेक्षण पद्धति" का उपयोग किया?

(a) चार्ल्स बूथ (b) विलियम जे. गूडे
(c) सी. ए. मोज़र (d) जहोडा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (a)—चार्ल्स बूथ ने सर्वप्रथम सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया।

43. निम्नलिखित में से किस अनुसंधान विधि का उपयोग संचार सामग्री के वस्तुनिष्ठ, मात्रात्मक और व्यवस्थित अध्ययन के लिए सर्वाधिक उपयुक्त रूप से किया जा सकता है?

(a) अवलोकन (b) साक्षात्कार अनुसूची
(c) मौखिक इतिहास (d) विषयवस्तु विश्लेषण

उत्तर (d)—अन्तर्वस्तु विश्लेषण शोध की एक विधि एक तकनीक है जिसके द्वारा संचार के लिखित, मौखिक अथवा दृश्यात्मक साधनों में व्यक्त अर्न्तवस्तु के वस्तुपरक, व्यवस्थित एवं परिणात्मक विश्लेषण किया जाता है।

44. आंद्रे बैतेई ने अपने अध्ययन 'कास्ट,क्लास एंड पावर' के लिये क्षेत्रीय अध्ययन कहाँ पर किया?

(a) रामपुरा (b) श्रीपुरम
(c) खालापुर (d) किशनगढ़ी

उत्तर (b)—आन्द्रे बेतेई ने अपने अध्ययन "कास्ट क्लास एण्ड पॉवर" के लिए क्षेत्रीय अध्ययन श्रीपुरम गाँव का किया जो तमिलनाडु के तन्जौर जिले में है।

45. निम्नलिखित में से कौन 'स्ट्रीट कॉर्नर सोसाइटी' पुस्तक का लेखक है?

(a) एफ. एम. थ्रैशर (b) डब्ल्यू. एफ. व्हाइट
(c) जी. सी. होमन्स (d) आर. रैडफील्ड

उत्तर (b)—डब्ल्यू.एफ.व्हाईट एक मूर्धन्य समाजशास्त्री हैं। जो सबसे चर्चित पुस्तक 'स्ट्रीट कॉर्नर सोसायटी' के लेखक हैं।

46. निम्नलिखित में से माध्यमिका की गणना हेतु 'वर्ग अंतराल' की धारणा है :

(a) सभी आवृत्तियाँ वर्ग अंतराल की वास्तविक सीमाओं के बीच फैली हैं
(b) सभी आवृत्तियाँ वर्ग अंतराल के मध्यबिन्दु पर संकेन्द्रित हैं
(c) सभी आवृत्तियाँ वर्ग अंतराल की उच्च सीमा पर संकेन्द्रित हैं
(d) सभी आवृत्तियाँ वर्ग अंतराल की निम्न सीमा पर संकेन्द्रित हैं

उत्तर (a)—माध्यमिका की गणना हेतु वर्ग अंतराल की धारणा सभी आवृत्तियाँ वर्ग अन्तराल की वास्तविक सीमाओं के बीच फैली हैं।

47. निम्नलिखित में से आई.क्यू.आर. (अंतश्चतुर्थक रेंज) से अभिप्राय है :

(a) प्रथम संगरोध बिन्दु से द्वितीय संगरोध बिन्दु तक विचलन
(b) द्वितीय संगरोध बिन्दु से तृतीय संगरोध बिन्दु तक विचलन
(c) प्रथम संगरोध बिन्दु से तृतीय संगरोध बिन्दु तक विचलन
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (c)— आई.क्यू.आर. (अंतश्चतुर्थक रेंज) से अभिप्राय है - प्रथम संगरोध बिन्दु से तृतीय संगरोध बिन्दु तक विचलन। यह विक्षेप की प्रारम्भिक माप है।

48. वैधता का अभिप्राय है :

(a) आंकड़े एकत्र करने के मापदण्ड अथवा विधि किस सीमा तक वास्तविक होने की गुणवत्ता रखते हैं।
(b) आंकड़े एकत्र करने की विधि किस सीमा तक सटीक होने की गुणवत्ता रखते हैं।
(c) दोनों (a) और (b)
(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तर (c)—वैधता से अभिप्राय आँकड़े एकत्र करने के मापदण्ड अथवा विधि किस सीमा तक वास्तविक होने की गुणवत्ता रखते है तथा आँकड़े एकत्र करने की विधि किसी सीमा तक सटीक होने की गुणवत्ता रखते है, होता है।

49. निम्नलिखित में से कौन "डीस्कूलिंग सोसाईटी" का लेखक है?

(a) इ. दुर्खीम (b) इवान इलिच
(c) किंग्सलेव डेविस (d) कृष्ण कुमार

उत्तर (b)—वियना (आस्ट्रिया) निवासी इवान इलिच ने अपना प्रारंभिक जीवन एक कैथोलिक पादरी के रूप में प्रारम्भ किया था। इलिच ने "डीस्कूलिंग सोसाइटी" लिखी जिसमें उन्होंने अपार ख्याति अर्जित की। इस पुस्तक का अत्यंत सरल और विस्तृत रूप में यह संदेश था कि अधिकांश सीखना आकस्मिक होता है यहाँ तक कि अधिकांश अभिप्राय सीखना भी पूर्व निश्चित कार्यक्रम के अनुसार नहीं होता है।

50. इस तथ्य पर किसने बल दिया कि व्याख्यात्मक प्रक्रिया और वह संदर्भ जिसमें यह व्याख्या की जाती है कि व्यक्ति द्वारा अर्थ के प्रयोग और अभिप्राय के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व हैं?

(a) जी. एच. मीड (b) वी. परेटो
(c) मैक्स वेबर (d) एच. ब्लूमर

उत्तर (d)—प्रतीकात्मक अन्तः क्रिया सिद्धाँत के विकास में हरबर्ट ब्लूमर एक मील के पत्थर हैं। वे ऐसे हस्ताक्षर हैं जिन्होंने प्रतीकात्मक सिद्धाँत को उसकी वर्तमान ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। वे हरबर्ट मीड के शिष्य थे। उन्होंने निर्वचन की भूमिका को महत्वपूर्ण स्थान दिया है। ब्लूमर का कहना है कि तीन आधार वाक्यों में प्रतीकों का अभिप्राय बहुत महत्वपूर्ण है सामान्यतः मनुष्य वस्तुओं का जो अर्थ निकालते हैं उसी के अनुरूप कार्य करते हैं। आधार-वाक्य में दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि व्यक्ति जो अभिप्राय निकालता है अथवा जो अर्थ समझता है, वस्तुओं के जो भी अर्थ होते हैं अभिप्राय और निर्वचन होते हैं उन्हें स्वयं व्यक्ति तय करता है जो अभिप्राय वह ठीक समझता है वही उसके लिए सही है। उन्होंने इस तथ्य पर बल दिया कि व्यक्ति द्वारा अर्थ के प्रयोग और अभिप्राय के निर्माण अत्यन्त महत्वपूर्ण तत्व है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2015
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्नांकित में से किसने अपने सिद्धांत में 'निर्देशात्मकता' और 'निजवाचकता' की अवधारणाओं का प्रयोग किया है?

(a) हैरोल्ड गारफिंकल (b) थॉमस लकमैन
(c) अल्फ्रेड शुट्ज (d) इर्विंग गॉफमैन

उत्तर (a)–गारफिंकल पहले विचारक थे, जिन्होंने लोक जनविधि (ethnomethodology) सिद्धाँत को प्रतिपादित किया, उनके गुरु अल्फ्रेड शुट्ज थे गारफिंकल अपने सिद्धांत में निर्देशात्मक और निजवाचकता की अवधारणाओं का प्रयोग किया है।

2. निम्नलिखित में से किसे निम्नांकित के रूप में वर्णित किया जा सकता है, ''दर्शनशास्त्र की एक प्रणाली जो व्यक्ति और उसके चेतन अनुभवों से शुरू होती है और पूर्व धारणाओं, पूर्वाग्रहों और कट्टर दार्शनिक मतों से बचने की कोशिश करती है''?

(a) पारिस्थितिकी (b) घटना क्रिया विज्ञान
(c) नृजाति पद्धति शास्त्र (d) नाट्य शास्त्र

उत्तर (b)–फिनोमिनोलॉजी शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग प्रसिद्ध दार्शनिक हीगल की कृति 'फिनोमिनालॉजी आफ माइन्ड' (1807) में देखने को मिलता है। किन्तु आधुनिक काल में गवेषणा की एक दार्शनिक विधि के रूप में इसका विकास जर्मन दार्शनिक एडमण्ड हुस्सर्ल ने किया है। किसी घटना के बारे में पूर्वाग्रहों, पूर्व मान्यताओं एवं दार्शनिक बोध से अप्रभावित व्यक्ति के प्रत्यक्ष अनुभव को जानने की विद्या को प्रघटनाशास्त्र कहते हैं। बीसवीं सदी के यूरोपीय दर्शन पर गहरा प्रभाव डालने वाले घटना क्रिया शास्त्र के अनुसार वस्तुएँ अपना तात्पर्य उन्हें देखने वाले व्यक्ति की चेतना में स्थित बोध के जरिए प्राप्त करती है।

3. नृजाति पद्धति शास्त्र पर अपने कार्य में गारफिंकल ने निम्नांकित में से किस विधि का प्रयोग नहीं किया है?

(a) लेखा परीक्षा परंपरायें
(b) इत्यादी (एट सेट्रा) सिद्धांत
(c) वृत्त चित्र विधि
(d) संग्रहण आख्यान

उत्तर (d)–गारफिन्कल ने स्टडीज इन एथनोमेथोडोलॉजी पुस्तक को जब प्रकाशित किया तो यह स्पष्ट हो गया कि उन्होंने जनविधि पर किसी एक निश्चित सिद्धाँत का प्रतिपादन किया है। उन्होंने इस सिद्धाँत के निम्न विशेषताओं को बतलाया जो निम्नवत् है। (1) लोगों में वास्तविकता के प्रति अनुभूति, (2) पारस्परिक क्रियाएँ आत्म वाचक होती हैं।, (3) निर्देशिका का अर्थ, (4) वास्तविकता के बारे में सामान्य साझेदारी, (5) जनविधि सिद्धाँत की निरन्तरता ।

4. निम्नांकित सूची को सुमेलित करें :

	सूची-I (लेखक)		सूची-II (पुस्तक)
(A)	अल्फ्रेड शुट्ज	(i)	प्रेजेंटेशन ऑफ सेल्फ इन एवरीडे लाईफ
(B)	पीटर बर्गर और थॉमस लकमैन	(ii)	द फिनोमेनोलॉजी ऑफ द सोशल वर्ल्ड
(C)	हैरोल्ड गारफिंकेल	(iii)	द सोशल कंसट्रक्शन ऑफ रियलिटी
(D)	इर्विंग गॉफमैन	(iv)	स्टडीज़इन एथनोमेथडोलॉजी

नीचे दिए गए कूटों में से **सही** उत्तर का चयन करें :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (c)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)		(पुस्तक)
अल्फ्रेड शुट्ज	-	द फिनोमिनोलॉजी ऑफ द सोशल वर्ड
पीटर बर्गर और थॉमस लकमैन	-	द सोशल कंस्ट्रक्शन ऑफ रियलिटी
हैरोल्ड गारफिंकेल	-	स्टडीज़ इन एथनोमेथडोलॉजी
इर्विंग गॉफमैन	-	प्रेजेंटेशन ऑफ सेल्फ इन एव्रीडे लाईफ

5. सामाजिक मूल्यांकन का वह दृष्टिकोण जिसमें नाट्यशाला रोजमर्रा के जीवन से एक समानता का आधार होती है, किसके रूप में जाना जाता है?

(a) प्रयोजनवाद (b) नाट्यशास्त्र
(c) धर्मशास्त्र (d) जराविज्ञान

उत्तर (b)–गाफमैन 1960 तथा 1970 में एक प्रभावशाली सूक्ष्म समाजशास्त्री रहे। ये अमेरिका के रहने वाले थे। वे पारस्परिक क्रिया सिद्धाँतवेत्ता थे। गॉफमैन अभिनयशास्त्र के प्रतिपादक थे। सामाजिक मूल्यांकन का वह दृष्टिकोण जिसमें नाट्यशास्त्र रोजमर्रा के जीवन में एकसमानता का आधार होती है जिसे नाट्यशास्त्र के रूप में जाना जाता है।

6. द्वंद्वात्मक प्रक्रिया के क्षणों के रूप में वर्णित बर्गर और लकमैन के सिद्धांत की मुख्य अवधारणायें है:

(a) बहिःकरण, विषयीकरण, आभ्यंतीकरण
(b) विषयीकरण, आभ्यंतीकरण विषयनिष्ठता
(c) आभ्यंतीकरण, विषयनिष्ठता, बहिःकरण
(d) बहिःकरण, समावेशन, आभ्यंतीकरण

उत्तर (a)–बर्जर और लकमैन अमेरिकी समाजशास्त्री हैं जिनकी रूचि ज्ञान के समाजशास्त्र में रही है किन्तु प्रघटनाशास्त्र एवं एथनोमेथडोलॉजी के क्षेत्र में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान है। द्वन्दात्मक प्रक्रिया क्षणों के रूप में वर्णित बर्गर और लकमैन के सिद्धाँत की मुख्य अवधारणायें बहिःकरण विषयीकरण, आभ्यंतीकरण है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

7. लुई अल्थूजर ने निम्नांकित में से किन विचारों का विरोध किया है?
(a) मार्क्सवाद के अन्तर्गत मानवतावादी आंदोलन
(b) मार्क्सवाद के अन्तर्गत मानवतावादी और हिगेलवादी आंदोलन
(c) मार्क्सवाद के भीतर मानवतावादी श्रमिक आंदोलन
(d) मार्क्सवाद के भीतर श्रमिक-हिगेलवादी आंदोलन

उत्तर (b)–लुईस एल्थूजर बीसवीं शताब्दी का सबसे अधिक मौलिक और प्रभावशाली मार्क्सवादी सामाजिक दार्शनिक मानते हैं। उन्हें नव-मार्क्सवादी या नव संघर्षवादी भी समझा जाता है। वास्तव में लुई अल्थूजर नव मार्क्सवाद का प्रणेता समझा जाता है। लुई अल्थूजर ने मार्क्सवाद के अन्तर्गत मानवतावादी और हिगेलवादी आन्दोलन के विचारों का विरोध किया था।

8. हेबरमॉस के विचारों के अनुसार आधुनिक समाजों में विज्ञान और तकनीकी तार्किकता निम्न में से किसके रूप में कार्य करता है?
(a) मानव लक्ष्यों के बारे में मौलिक प्रश्न उठाना
(b) विचारधारायें
(c) अज्ञानता के विरूद्ध तर्क
(d) दमन के विरूद्ध तर्क

उत्तर (b)–हेबरमास को तार्किकता के आलोचक तथा भाष्य विज्ञान एवं सम्प्रेषणात्मक क्रिया के महत सिद्धाँत के समर्थक एवं पैरोकार, जर्मन दार्शनिक और सामाजिक विचारक युरगेन हेबरमॉस ने आजकल अपने विचारों से सभी मानवीय विज्ञानों में धूम मचा रखी है। हेबरमॉस के विचारों के अनुसार आधुनिक समाजों में विज्ञान और तकनीकी तार्किकता रूप में कार्य विचारधारायें कार्य करती हैं।

9. हेबरमास ने वैज्ञानिक ज्ञान के किन तीन स्वरूपों की पहचान की ?
(a) अनुभविक - विश्लेषणात्मक
(b) नैतिक - दार्शनिक
(c) हर्मेन्यूटिक - अन्वेषण
(d) आलोचनात्मक और मुक्तिदायी
निम्नांकित दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें:
(a) (a), (b), (c)
(b) (b), (c) (d)
(c) (a), (b), (d)
(d) (a), (c), (d)

उत्तर (d)– हेबरमॉस एक जर्मन समाजशास्त्री हैं। इनका सरोकार फ्रैंकफर्ट सम्प्रदाय से रहा है। इन पर कार्लमार्क्स का प्रभाव बहुत अधिक था लेकिन वे उनके आलोचक भी थे। हेबरमास ने वैज्ञानिक ज्ञान के तीन स्वरूपों की पहचान की है जो निम्नवत है। (1) अनुभविक-विश्लेषणात्मक, (2) हर्मेन्यूटिक अन्वेषण, (3) आलोचनात्मक और मुक्तिदायी

10. एल. अल्थूज़र के अनुसार ''उत्पादन की विधि में सम्मिलित होती हैं जटिल अभिव्यक्ति की --------।
(a) केवल आर्थिक परिपाटियाँ
(b) केवल राजनैतिक परिपाटियाँ
(c) आर्थिक, राजनैतिक और विचारधारात्मक परिपाटियाँ
(d) आर्थिक एवं राजनैतिक परिपाटियाँ

उत्तर (c)–एल. अल्थूजर को नव मार्क्सवाद का प्रणेता समझा जाता है। उनके अनुसार उत्पादन की विधि में जटिल अभिव्यक्ति की आर्थिक, राजनैतिक और विचारधारात्मक परिपाटियाँ सम्मिलित होती हैं।

11. किसने 'आधुनिकता को एक असमाप्त परियोजना' माना है?
(a) जे. डेरिडा (b) ए. गिडेन्स
(c) एल. अल्थूजर (d) जे. हेबरमॉस

उत्तर (d)–जे0 हेबरमास (J. habur mass) ने आधुनिकता को एक असमाप्त परियोजना माना है।

12. युवक मार्क्स और परिपक्व मार्क्स के 'ज्ञान मीमांसीय अंतराल' की अवधारणा को किसने लोकप्रिय बनाया?
(a) एल. अल्थूज़र (b) जे. हेबरमॉस
(c) जे. सी. अलेक्जेंडर (d) आर. डेहरेनडॉर्फ

उत्तर (a)–एल0 अल्थूजर ने युवा मार्क्स और परिपक्व मार्क्स के 'ज्ञान मीमांसीय अन्तराल' की अवधारणा को जबरदस्त लोकप्रिय बनाया।

13. निम्नांकित में से कौन मिशेल फूको की रचना नहीं है?
(a) फार्म्स ऑफ टॉक
(b) हिस्ट्री ऑफ सेक्सुअलिटी
(c) मैडनेस एंड सिविलाइजेशन
(d) डिसीप्लिन एंड पनिश

उत्तर (a)– फार्म्स ऑफ टॉक फूको की रचना नहीं है। यह गॉफमैन की रचना है। फूको की रचनाएँ निम्न प्रकार है–
(i) मैडनेस एण्ड सिविल सेशन
(ii) दि बर्थ आफ दि क्लीनिक
(iii) डिसिप्लीन एण्ड पनिश
(iv) हिस्ट्री ऑफ सेक्सुअलिटी
(v) दि आर्कियोलाजी ऑफ नॉलेज

14. निम्नांकित में से कौन सी अवधारणा डेरिडा ने नहीं दी है?
(a) सांस्कृतिक पूंजी (b) परावाक उन्मुखता
(c) विसंरचनावाद (d) विभेद

उत्तर (a)–जेम्स डेरिडा उत्तर- आधुनिकवाद के विचारक समझे जाते हैं। वे विखण्डन के सिद्धाँत के जनक हैं। उनकी प्रमुख अवधारणाएँ विसंरचनावादी परावाक उन्मुखता, विभेद, व्याकरण शास्त्र आदि हैं। सांस्कृतिक पूँजी सिद्धान्त पियरे बोरद्यू का है।

15. निम्नांकित सूची को सुमेलित करें :

सूची-I (लेखक)	सूची-II (पुस्तक)
(A) एंथोनी गिडेन्स	(i) फॉर मार्क्स
(B) मिशेल फूको	(ii) द कांस्टीट्युशन ऑफ सोसाइटी
(C) जैक्स दैरिदा	(iii) द आर्डर ऑफ थिंग्स
(D) लुईस अल्थुज़र	(iv) राइटिंग एंड डिफरेंस

नीचे दिए गए कूटों में से **सही** उत्तर का चयन करें :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर (b)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)	(पुस्तक)
एंथोनी गिडेन्स	- द कांस्टीट्युशन ऑफ सोसाइटी
मिशेल फूको	- द आर्डर ऑफ थिंग्स
जेम्स डेरिडा (दैरीदा)	- राइटिंग एंड डिफरेन्स
लुईस अल्थूजर	- फॉर मार्क्स

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

16. निम्नलिखित में से कौन फूकों की रचनाओं में महत्वपूर्ण पद्धतिशास्त्रीय अवयव का निर्माण करता है?
(a) संरचनाकरण सिद्धांत (b) पुरातत्व ज्ञान
(c) सांवृतिक परिप्रेक्ष्य (d) सांकेतिक अन्योन्यक्रियावाद

उत्तर (b)–फूकों की रचनाओं में पुरातत्व ज्ञान महत्वपूर्ण पद्धतिशास्त्रीय अवयव का निर्माण करता है।

17. गिडेन्स संरचनाकरण के अपने सिद्धांत में किस अवधारणा का प्रयोग करता है?
(a) द्वैत विश्लेषण का (b) दोहरी भूमिका का
(c) संरचना द्वैत का (d) संरचनात्मक द्वैतवाद का

उत्तर (c)–एन्थोनी गिडेन्स ने एक सिद्धांतकार के रूप में मूर्धन्य विचारक की तरह काम किया है। एक विचारक की दृष्टि से उनके दो सिद्धाँत अत्यधिक लोकप्रिय है। पहला सिद्धाँत तो संरचनाकरण का है। और दूसरा विलम्बित आधुनिकता का। गिडेन्स ने संरचनाकरण में संरचना और सामाजिक क्रिया को आपस में जोड़ते हैं।

18. किनके लिए, सही अर्थ में संकेत को अनिवार्यतः किन्तु अपर्याप्त रूप से हमेशा 'विलोपन के अधीन' होना चाहिए?
(a) लुईस अल्थूजर (b) मिशेल फूको
(c) एन्थोनी गिडेन्स (d) जैक्स डेरिडा

उत्तर (d)– जैक्स डेरिडा अल्जीरिया में जन्में फ्रांसीसी दार्शनिक थे। जिन्हें विरचना के सिद्धान्त के लिए जाना जाता है। डेरिडा उत्तर-आधुनिकवाद के विचारक समझे जाते हैं। उनका विचार था कि संकेत को अनिवार्यतः किन्तु अपर्याप्त रूप से हमेशा विलोपन के अधीन होना चाहिए।

19. निम्नलिखित सूचियों को सुमेलित करें :

सूची-I (पुस्तकें)	सूची-II (लेखक)
(A) हिन्दू व्यू ऑफ लाइफ	(i) जवाहरलाल नेहरू
(B) डिस्कवरी ऑफ इंडिया	(ii) एस. राधाकृष्णन
(C) हिन्दू सोशल ऑर्गेनाइजेशन	(iii) डी. जी. मंडेलबाम
(D) सोसाइटी इन इंडिया	(iv) पी. एच. प्रभु

नीचे दिए गए कूटों में से सहीं उत्तर का चयन करें :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(c)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (a)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तकें)	(लेखक)
हिन्दू व्यू ऑफ लाइफ	एस. राधाकृष्णन
डिस्कवरी ऑफ इंडिया	जवाहरलाल नेहरू
हिन्दू सोशल ऑर्गेनाइजेशन	पी. एच. प्रभु
सोसाइटी इन इंडिया	डी. जी. मंडेलबाम

20. निम्नलिखित में से कौन जाति व्यवस्था की विशेषता नहीं है?
(a) पदानुक्रम (b) वंशागत पेशा
(c) बहिर्विवाह (d) अस्पृश्यता

उत्तर (c)–जाति एक वंशानुगत बन्द संगठन है जाति व्यवस्था की प्रमुख विशेषता पदानुक्रम, वंशागत पेशा, अस्पृश्यता प्रमुख है। जाति बर्हि विवाह नहीं अपितु अर्न्तविवाही समूह है।

21. निम्नलिखित में से किन गुणों को भारतीय सामाजिक सोपानिकी का कारण माना जाता है?
(a) सत्व (b) रज
(c) तमस (d) वर्ण
नीचे दिए गए कूटों में से **सहीं** उत्तर का चयन करें :
(a) (a) (b) (d)
(b) (a) (b) (c)
(c) (a) (c) (d)
(d) (a) (c)

उत्तर (b)– भारतीय सामाजिक सोपानिकी का प्रमुख कारण सत्व, रज, तमस है। जिसके द्वारा भारतीय समाज स्वास्थ्य को प्रतिबिम्बित करती है।

22. ''जाति गंगा के मैदान में पोषित भारतीय-आर्य संस्कृति का ब्राह्मण बालक है और इसलिए भारत के अन्य भागों में अन्तरित है''। यह कथन किसका है?
(a) डी. पी. मुखर्जी (b) एम. एन. श्रीनिवास
(c) जी. एस. घुर्ये (d) एल. ड्यूमोंट

उत्तर (c)–जी0 एस0 घुर्ये भारतीय समाजशास्त्र के जनक थे। उनके अनुसार ''जाति गंगा के मैदान में प्रेषित भारतीय आर्य संस्कृति का ब्राह्मण बालक है और इसलिए भारत के अन्य भागों में अन्तरित है।

23. निम्नलिखित में से किसने अपने अनुसंधान कार्य के लिए भारत के पूर्वोत्तर फ्रंटियर अभिकरण में व्यापक क्षेत्रीय कार्य किया ?
(a) एन. के बोस (b) डी. हार्डीमैन
(c) सुरजीत सिन्हा (d) डी. पी. मुखर्जी

उत्तर (a)–मूर्धन्य भारतीय मानवशास्त्रीय निर्मल कुमार बोस की गणना प्रारंभिक अग्रणी मानवशास्त्रियों में की जाती है। वे मानवशास्त्र के साथ-साथ गाँधीवादी विचारक थे। उन्होंने अपने अनुसंधान में भारत में पूर्वोत्तर फ्रंटियर अभिकरण में व्यापक क्षेत्रीय कार्य किया।

24. निम्नलिखित सूचियों को सुमेलित करें :

सूची-I (परिप्रेक्ष्य)	सूची-II (विचारक)
(A) पुस्तक दृष्टि	(i) सुरजीत सिन्हा
(B) क्षेत्र दृष्टि	(ii) डेविड हार्डीमैन
(C) सभ्यतात्मक दृष्टि	(iii) जी. एस. घुर्ये
(D) उपाश्रित दृष्टि	(iv) एस.सी. दूबे

दिए गए कूटों से **सहीं** उत्तर का चयन करें :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (a)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(परिप्रेक्ष्य)	(विचारक)
(a) पुस्तक दृष्टि	जी. एस. घुर्ये
(b) क्षेत्र दृष्टि	एस. सी. दूबे
(c) सभ्यतात्मक दृष्टि	सुरजीत सिन्हा
(d) उपाश्रित दृष्टि	डेविड हार्डीमैन

25. निम्नलिखित में से किसने जाति व्यवस्था का गुणात्मक एवं अन्योन्यक्रियात्मक विश्लेषण किया ?
(a) एल. ड्यूमोंट (b) सुरजीत सिन्हा
(c) एम. एन. श्रीनिवास (d) डी. पी.मुकर्जी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b)—सुरजीत सिन्हा राबर्ट रेडफील्ड के प्रिय शिष्य थे। सिन्हा का प्रमुख कार्य भूमिका - हिन्दू अन्तर्क्रिया पर रहा है जिसके आधार पर उन्होंने जनजाति-सततता, जनजाति-राजपूत सततता, भूमिका - क्षेत्रीय सततता जैसी कई अवधारणाओं को विकसित किया है। उन्होंने जाति व्यवस्था का गुणात्मक एवं अन्योन्य क्रियात्मक विश्लेषण किया।

26. निम्नलिखित में से किसने उड़ीसा की ज्वांग जनजातियों के बीच क्षेत्र अनुसंधान किया ?

(a) जी. एस. घुर्ये (b) एन. के. बोस
(c) डेविड हार्डीमैन (d) सूरजीत सिन्हा

उत्तर (b)—निर्मल कुमार बोस प्रथम पीढ़ी के मानव शास्त्रियों एवं समाजशास्त्रियों में से एक है। उनकी गणना गाँधीवादी विचारकों में की जाती है। उनको सभ्यतावादी उपागम का प्रमुख माना जाता है। उन्होंने उड़ीसा की ज्वांग जनजातियों के बीच क्षेत्र अनुसंधान किया।

27. नृजातीयता से तात्पर्य है :

(a) अर्जित सामाजिक-सांस्कृतिक विशेषता
(b) वंशागत सामाजिक-सांस्कृतिक विशेषता
(c) वंशागत राजनीतिक स्थिति एवं अर्जित आर्थिक विशेषता
(d) वंशागत एवं अर्जित सामाजिक-सांस्कृतिक विशेषता

उत्तर (b)—नृजातीयता एक ऐसी विशिष्ट एवं पृथक सामाजिक-सांस्कृतिक श्रेणी है जिसकी रचना समान भाषा , धर्म, प्रजाति और संस्कृति जैसे गुणों से होती है। 'एथनिक' शब्द ग्रीक शब्द एथनिकोज से बना है जिसका तात्पर्य राष्ट्र से है।

28. ''निर्धनता की संस्कृति'' अवधारणा किसके द्वारा लागू किया गया?

(a) ऑस्कर लेविस (b) माइकल हैरिंगटन
(c) वाल्टर बी. मिलर (d) केनेथ लिट्स

उत्तर (a)—गरीबी की संस्कृति की अवधारणा के रचनाकार अमेरिकी मानवशास्त्री ऑस्कर लेविस ने विश्व के समाजशास्त्र और मानवशास्त्र में अपना नाम एक विशिष्ट रूप में दर्ज किया है। वे भारत में भी सन् 1951 में आये और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गांव रामपुरा का अध्ययन किया और ग्रामीण सर्वदेशीयता की अवधारणा को विकसित किया।

29. आशीष बोस अपनी किस अवधारणा के लिए सुप्रसिद्ध हैं?

(a) जनसांख्यिकीय संक्रमण (b) जनसंख्या विस्फोट
(c) बिमारू राज्य (d) सतत् विकास

उत्तर (c)—आशीष बोस बीमारू राज्य के अवधारणा के लिए सुप्रसिद्ध है। बीमारू राज्य के अन्तर्गत बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश आते है।
आशीष बोस ने इन राज्यों का अध्ययन करके बतलाया कि आजादी के इतने वर्षों के बाद भी आधारभूत संरचनाओं का सर्वांगीण विकास नहीं हो पाया है।

30. निम्नलिखित में से किस प्रकार की विकासात्मक परियोजनाओं में न्यूनतम संख्या में व्यक्तियों को विस्थापित किया गया?

(a) बाँध
(b) वन्यजीव अभ्यारण्य और उद्यान
(c) औद्योगिक प्रतिष्ठान
(d) खान

उत्तर (b)—वन्य जीव अभ्यारण्य और उद्यान विकासात्मक परियोजनाओं में न्यूनतम संख्या में व्यक्तियों को विस्थापित किया गया है। वन्यजीव को संरक्षित करके विलुप्त होने वाले जीवों को रेखांकित कर उनकों अस्तित्व में बनाये रखना वन्यजीव अभ्यारण्य और उद्यान के द्वारा सम्भव हुआ है।

31. नीचे दिए गए दो वक्तव्यों में एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है। नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें :

अभिकथन (A): उच्चतर दर पर सकल घरेलू उत्पाद (जी. डी. पी.) की वृद्धि सामाजिक विकास का एक सही संकेत नहीं है

तर्क (R): यह सिर्फ सकल घरेलू उत्पाद (जी. डी. पी.) में वृद्धि का संकेत देता है लेकिन यह विभिन्न स्तरों पर इसके वितरण का प्रतिरूप नहीं है।

कूटः

(a) दोनों (A) और (R) सही हैं लेकिन (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) दोनों (A) और (R) सही हैं लेकिन (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

उत्तर (a)— दोनों (A) और (R) सही हैं लेकिन (R) (A) की सही व्याख्या है। जी.डी.पी. किसी खास अवधि के दौरान वस्तु और सेवाओं के उत्पादन की कुल कीमत है। जी.डी.पी. यह नहीं दिखाता कि किस सामाजिक मद में कितना उत्पादन/विकास हो रहा है। जी.डी.पी. का आँकड़ा बढ़ने/घटने से आर्थिक विकास दर का पता चलता है।

32. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें से एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है।

अभिकथन (A): झुग्गी निवासियों की संख्या एक अभिकरण से दूसरे अभिकरण के दौरान भिन्न होती है।

तर्क (R): क्योंकि ये सभी झुग्गियों की अलग-अलग परिभाषाओं का अनुसरण करते हैं।

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें :

कूटः

(a) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) दोनों (A) और (R) सही हैं लेकिन (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

उत्तर (a)— अभिकथन (A) तथा तर्क (R) दोनों सही हैं तथा तर्क (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

33. निम्नलिखित में से किस 'विशेष श्रेणी राज्य' की 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान राज्य घरेलू उत्पादों में सर्वाधिक वृद्धि दर रही है?

(a) अरूणाचल प्रदेश (b) सिक्किम
(c) उत्तराखंड (d) हिमाचल प्रदेश

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b)—सिक्किम को विशेष श्रेणी राज्य के अन्तर्गत रखा जाता है। इस राज्य में 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान राज्य घरेलू उत्पादों में सर्वाधिक वृद्धि दर रहीं है। इसका प्रमुख कारण G.D.P. में वृद्धि। उच्चदर पर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि आर्थिक विकास का एक सही संकेत है।

34. महिलाओं का घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम निम्नलिखित में से किस वर्ष में पारित हुआ था ?

(a) 1988 (b) 2001
(c) 2004 (d) 2005

उत्तर (d)—महिलाओं का घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम वर्ष 2005 में पारित हुआ था। व्यापक रूप से व्याप्त घरेलू हिंसा की प्रक्रिया से निपटने के लिए संसद घरेलू हिंसा संरक्षण अधिनियम 2005 प्रस्तुत किया गया। इस अधिनियम के अनुसार संरक्षण अधिकारी घरेलू हिंसा से पीड़ित व्यक्ति को हिंसा से संरक्षण के लिए आश्रय स्थल, स्वास्थ्य सेवा तथा कानूनी सहायता प्रदान करने में मदद करेगी।

35. निम्नलिखित में से 'विसामान्यता का अनुकरण सिद्धांत' किसके द्वारा प्रतिपादित किया गया?

(a) एच. एस. बेकर (b) जी. टार्ड
(c) ई. दुर्खीम (d) एस. कोहेन

उत्तर (b)—ईमाइल दुर्खीम के समकालीन फ्रांसीसी अपराधशास्त्री गबरेल टार्डे को मोटे रूप में सामाजिक मनोविज्ञान के संस्थापकों में से माना जाता है। दुर्खीम से भिन्न टार्डे एक सामाजिक व्यक्तिनिष्ठ थै उनके लिए व्यक्ति ही यथार्थ है। उनके अनुसार सभी सामाजिक घटनाएँ अन्ततः ऐसे दो व्यक्तियों के बीच उत्पन्न होती है जिनके विश्वास और इच्छाएँ समान होती हैं और दोनों ही व्यक्ति अन्तःक्रिया के द्वारा एक दूसरे का अनुकरण करते हैं। और उनका सर्वाधिक लोकप्रिय सिद्धाँत विसामान्यता का अनुकरण सिद्धाँत है। और यह सिद्धाँत उनके द्वारा प्रतिपादित है।

36. नामपत्रण सिद्धांत में प्रमुख संकल्पना है :

(a) स्वीकरण (स्वीकारोक्ति) (b) कलंक
(c) प्रेरणा (d) आकांक्षा

उत्तर (b)—सांकेतिक अन्तःक्रियावादी हावर्ड एस0बेकर शिकागो सम्प्रदाय की परम्परा के समकालीन प्रतिनिधि अमेरिकी समाजशास्त्री हैं। बेकर ने कई भिन्न क्षेत्रों जैसे अपचार, युवा उपसंस्कृति, अपराध का लैबलिंग सिद्धाँत, शिक्षा तथा कला का उत्पादन, फिजिशियन का सामाजीकरण अनुभव आदि पर काम किया। नाम पत्रण सिद्धाँत में प्रमुख संकल्पना कलंक है।

37. स्वजन-पक्षपात, पक्षपात और सत्ता का दुरूपयोग' सभी, निम्नलिखित में से, किसके उदाहरण हैं?

(a) सामाजिक असमानता (b) भ्रष्टाचार
(c) सफेद पोश अपराध (d) संघर्ष

उत्तर (b)—भ्रष्टाचार ऐसे आचरण को कहा जाता है जिसमें निजी लाभ के लिये सामाजिक मानदण्डों की अवहेलना या खुल्लम-खुल्ला कानूनों का उल्लंघन कर सार्वजनिक शक्ति या सत्ता का दुरूपयोग किया गया हो। रिश्वतखोरी भाई-भतीजावाद, पक्षपात, सार्वजनिक धन की हेरा-फेरी आदि भ्रष्टाचार के ही विभिन्न स्वरूप है। इस प्रकार स्पष्ट होता है कि स्वजन-पक्षपात, पक्षपात और सत्ता का दुरूपयोग सभी भ्रष्टाचार के उदाहरण हैं।

38. मार्क्स के परिप्रेक्ष्य में पूँजीवादी समाज में गरीबी को निम्नलिखित में से किन संदर्भो में समझा जा सकता है?

(1) पूँजीवादी अर्थव्यवस्था द्वारा उत्पन्न असमान व्यवस्था।
(2) उत्पादन के साधनों से युक्त व्यक्तियों के हाथों में संकेन्द्रित धन व्यवस्था।
(3) सिर्फ अपने श्रम पर निर्भर कामगार वर्ग को खुले बाजार में मजदूरी के लिए विक्रय पर निर्भर रहना चाहिए।
(4) कामगार वर्ग अपने श्रम की बकाया मज़दूरी प्राप्त करेगा।

नीचे दिए गए कूटों में से **सही** उत्तर का चयन करें :

(a) (1) (2) (4)
(b) (1) (2) (3)
(c) (1) (4) (3)
(d) (2) (3) (4)

उत्तर (b)—मार्क्स के परिप्रेक्ष्य में पूँजीवादी समाज में गरीबी की पूँजीवादी अर्थव्यवस्था द्वारा उत्पन्न असमान व्यवस्था उत्पादन के साधनों से युक्त व्यक्तियों के हाथ में सकेन्द्रीय धन व्यवस्था एवं सिर्फ अपने श्रम पर निर्भर कामगार वर्ग को खुले बाजार में मजदूरी के लिए विक्रय पर निर्भर रहना चाहिए, के संदर्भ में समझा जा सकता है।

39. निम्नलिखित लेखकों के चार युग्मों में से कौन सा एक अपराध और विसामान्यता के अध्ययन से सम्बद्ध नहीं है?

(a) सदरलैंड और क्रेसी (b) इंलियट और मैरिल
(c) कोजर और रोजनबर्ग (d) बर्न्स और टीटर

उत्तर (c)—कोजर और रोजनबर्ग अपराध और विसामान्यता के अध्ययन से सम्बद्ध नहीं है। बल्कि कोजर और रोजनबर्ग संघर्षवादी उपागम से जुड़े है।

40. ''भारत में, परंपरा के विशिष्ट प्रतीक, जाति संगठन, जो अन्यथा परंपरा के विशेष प्रतीक है, राजनैतिक आधुनिकता के लक्ष्य प्राप्त करने में सफल रहे हैं'' निम्नलिखित में से किसने 'परंपरा की आधुनिकता' के इस तथ्य को बताया है?

(a) एडवर्ड शिल्स (b) एम. फीदर स्टोन
(c) लॉयोड आई. रूडोल्फ (d) जेम्सन फ्रैडरिक

उत्तर (c)—लायोड आई0 रूडोल्फ ने ''भारत में, परम्परा के विशिष्ट प्रतीक, जाति संगठन जो अन्यथा परम्परा के विशेष प्रतीक है राजनैतिक आधुनिकता के लक्ष्य प्राप्त करने में सफल रहें हैं।'' 'परम्परा की आधुनिकता' (Modernity of Tradition) के इस तथ्य को लॉयोड आईं रुडोल्फ ने बताया है।

41. ''सांदर्भिक रूप में संस्कृतिकरण जाति की सांस्कृतिक गतिशीलता की एक धीमी और गैर-प्रभावशाली प्रक्रिया है'' यह कथन किसका है?

(a) एम. एन. श्रीनिवास (b) योगेन्द्र सिंह
(c) एस. सी. दुबे (d) डी. पोकोक

उत्तर (b)—योगेन्द्र सिंह जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के ''सेन्टर फार द स्टडी ऑफ सोशियल सिस्टम'' में समाजशास्त्र के एमरीटस प्रोफेसर है। उनके अनुसार ''सांदर्भिक रूप में संस्कृतिकरण जाति की सांस्कृतिक गतिशीलता की एक धीमी और गैर-प्रभावशाली प्रक्रिया है।

42. निम्नलिखित में से किसने ग्रामीण और शहरी-भारत में परिवर्तनों को मूल्यांकित करने के लिए भारत में परंपराओं का छः स्तरीय वर्गीकरण दिया है?

(a) एम. एन. श्रीनिवास (b) एस. सी. दुबे
(c) मैकिम मैरियट (d) आर. रैडफील्ड

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b)–मूल रूप में राजनीति विज्ञान में दीक्षित श्यामाचरण दुबे ने मध्यप्रदेश की स्थानान्तरित कृषि करने वाली कुमार नामक आदिवासी जनजाति का अध्ययन कर मानव विज्ञान और समाजशास्त्रीय जगत में प्रवेश किया। ग्रामीण और शहरी-भारत में परिवर्तनों को मूल्यांकित करने के लिए भारत में परम्पराओं का छः स्तरीय वर्गीकरण दिया है।

43. 'भारत में राष्ट्रवाद ब्रिटिश उपनिवेशवाद द्वारा सृजित भौतिक दशाओं का एक उत्पाद है और ब्रिटिश-पूर्व के भारत में इसका अस्तित्व नहीं था', यह निम्नांकित में से किसका कथन है?

(a) डी. नारायण (b) ए. आर. देसाई
(c) डी. पी. मुखर्जी (d) टी. के. ऊम्मन

उत्तर (b)–ए0 आर0 देसाई मार्क्सवाद विचारधारा के प्रति आजन्म प्रतिबद्ध रहे भारतीय समाजशास्त्रीय हैं। उनकी गणना बम्बई वि0 वि0 के प्रथम पंक्ति और देश के अग्रणी समाजशास्त्रियों में की जाती है। उनका कथन था कि भारत में राष्ट्रवाद ब्रिट्रिश उपनिवेशवाद द्वारा सृजित भौतिक दशाओं का एक उत्पाद है और ब्रिट्रिश -पूर्व के भारत में इसका अस्तित्व नहीं था।

44. निम्नलिखित में से किसने भारतीय परिवार को बारह श्रेणियों में वर्गीकृत किया है?

(a) के. एम. कपाड़िया (b) आई. पी. देसाई
(c) पी. एम. कोलेन्डा (d) आई. कार्वे

उत्तर (c)– पी0 एम0 कोलेण्डा ने सहनिवास और सहभोजन दोनों को संयुक्तता के आवश्यक तत्व मानते हैं। कोलेण्डा ने भारतीय परिवार को बारह श्रेणियों में वगीकृत किया है।

45. निम्नलिखित में किसने प्रतिपादित किया कि वैश्विक बाज़ारीकरण वैश्वीकरण का मुख्य संचालक है?

(a) हैल्ड (b) ओहमे
(c) हर्स्ट (d) थॉम्पसन

उत्तर (b)–ओहमे ने प्रतिपादित किया कि वैश्विक बाजारीकरण वैश्वीकरण का मुख्य संचालक है।

46. वर्ष 1993 में लिखित 'मैक्डोनलाइजेशन ऑफ सोसायटी' पुस्तक के रचनाकार निम्नलिखित में से कौन हैं?

(a) जी. रिट्ज़र (b) बी. स्मार्ट
(c) ए. गिडेन्स (d) आई. वालरस्टीन

उत्तर (a)–जी. रिट्जर 1993 में लिखित "मैक्डोन लाइजेशन ऑफ सोसायटी" पुस्तक के रचनाकार है।

47. जिस प्रक्रिया में वैश्वीकरण, विशेषीकरण तथा स्थानीकरण के सभी रूपों के लिए अनुकूल स्थिति भी सृजित करता है, उसे निम्नलिखित के नाम से जाना जाता है :

(a) सार्वभौमिकीकरण
(b) संकीर्णतावाद (स्थानीयकरण)
(c) भूमण्डलीकरण (वैश्वीकरण)
(d) अन्तर्राष्ट्रीयकरण

उत्तर (c)– जिस प्रक्रिया में वैश्वीकरण, विशेषीकरण तथा स्थानीकरण के सभी रूपों के लिए अनुकूल स्थिति भी सृजित करता है, उसे भूमण्डलीकरण (वैश्वीकरण) के नाम से जाना जाता है। यह विश्व स्तर पर सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक अन्तःक्रिया द्वारा एकीकरण करता है।

48. निम्नलिखित में से किसने यह कहा है कि "वैश्वीकरण में आधुनिकता और उत्तर-आधुनिकता दोनों सम्मिलित है"?

(a) वालरस्टीन (b) वाटर्स
(c) गिडेन्स (d) रॉबर्टसन

उत्तर (d)–राबर्टसन ने कहा है कि वैश्वीकरण में आधुनिकता और उत्तर-आधुनिकता दोनों में सम्मिलित है।

49. कृषक समाज के लक्षण होते हैं :

(1) समजातीयता
(2) पारिवारिक श्रम
(3) अल्प राजनीतिक मूल्यांकन
(4) विशिष्ट श्रम- विभाजन

नीचे दिए गए कूटों में से **सही** उत्तर का चयन करें :

(a) (1) (2) (3)
(b) (1) (2) (4)
(c) (2) (3) (4)
(d) (2) (3) (1)

उत्तर (a)– कृषक समाज की अवधारणा का जनक राबर्ट रैडफील्ड को माना जाता है। रेडफील्ड के अनुसार, वे ग्रामीण जो अपने जीवन निर्वाह के लिए कृषि पर निर्भर है तथा जीने का ढंग एक समान हो, कृषक समाज कहलाते हैं।

50. स्वतंत्रता से पूर्व भारत में प्रचलित सामान्य पट्टेदारी व्यवस्थाएँ थी :

(1) जमींदारी व्यवस्था (2) रैयतवाड़ी व्यवस्था
(3) महलवाड़ी व्यवस्था (4) साझेदारी व्यवस्था

नीचे दिए गए कूटों में से **सही** उत्तर का चयन करें :

(a) (1) (2) (4)
(b) (2) (4) (3)
(c) (1) (2) (3)
(d) (2) (4)

उत्तर (c)– स्वतंत्रता से पूर्व भारत में प्रचलित सामान्य पट्टेदारी व्यवस्थायें जमींदार, रैयतवाड़ी एवं महलवाड़ी भारत के विभिन्न राज्यों में प्रचलित थी।

51. भारत के किस राज्य में सबसे पहले जमींदारी प्रथा उन्मूलन अधिनियम पारित किया गए?

(a) बिहार (b) उत्तर प्रदेश
(c) राजस्थान (d) कर्नाटक

उत्तर (b)–भारत में जमींदारी प्रथा उन्मूलन अधिनियम सर्वप्रथम उत्तर प्रदेश में पारित किया गया। भारत में स्वतंत्रता के पूर्व तक कृषकों को भूमि पर कोई वैधानिक अधिकार प्राप्त नहीं थे। उस समय ब्रिटिश सरकार ने भूमि का एक स्थायी बन्दोबस्त कर रखा था। जिसके अन्तर्गत देश के अधिकांश भागों में एक गाँव की सम्पूर्ण भूमि किसी जमींदार के नियन्त्रण में रहती थी। उस व्यवस्था को जमींदारी कहते हैं।

52. किसने यह तर्क दिया कि 'श्रम शोषण के मद्दे नजर, भारतीय कृषक समाज ने वास्तव में वर्ग चरित्र का रूप ले लिया है?

(a) राजेन्द्र सिंह (b) वर्जीनियस खा खा
(c) आर. के. जैन (d) उत्सा पटनायक

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (d)—उत्सा पटनायक के अनुसार 'श्रम शोषण के मद्देनजर भारतीय कृषक समाज ने वास्तव में वर्ग चरित्र का रूप ले लिया है।

53. ऐतिहासिक आँकड़ों और आनुभविक आँकड़ों दोनों का उपयोग करते हुए, भारतीय ग्रामीण समाज की वर्ग-संरचना में गतिकी का अध्ययन निम्नलिखित में से किसने किया?

(a) एस. सी. दुबे (b) ऑस्कर लुईस
(c) रामकृष्ण मुखर्जी (d) ए. आर. देसाई

उत्तर (c)—रामकृष्ण मुखर्जी ने भारतीय ग्रामीण समाज की वर्ग संरचना में गतिकी का अध्ययन ऐतिहासिक आंकड़ों और आनुभविक आँकड़ों दोनों का उपयोग करते हुए किया।

54. किसने यह तर्क दिया था कि 'हरित क्रांति के बाद कृषि व्यवस्था में सम्बद्ध श्रमिक बहुत हद तक संगठित क्षेत्र के स्थायी रोजगार की तरह ही था'?

(a) पॉल ब्रास (b) जी. एस. भल्ला
(c) ए. रूद्रा (d) जे. मोहन राव

उत्तर (c)—ए0 रूद्रा ने कहा कि हरित क्रान्ति के बाद कृषि व्यवस्था में सम्बद्ध श्रमिक बहुत हद तक संगठित क्षेत्र के स्थायी रोजगार की तरह ही था।

55. ट्रेड यूनियन विभिन्न प्रकार के कार्य करता है जिनका संबंध होता है :

(a) औद्योगिक संगठन से
(b) ट्रेड यूनियन संबंधी कार्यकलापों से
(c) समाज-कल्याण संबंधी कार्यकलापों से
(d) उपर्युक्त सभी से

उत्तर (d)—कर्मचारियों (श्रमिकों) का ऐसा कोई भी संगठन जिसकी स्थापना इसीलिए की जाती कि श्रम बाजार में व्यक्तिगत सौदेबाजी के स्थान पर सामूहिक सौदेबाजी कर सकें। ऐसे संगठन सामान्यतः निरन्तर इस बात के लिये प्रयासरत रहते हैं कि वेतन (मजदूरी) तथा श्रमिक दशाओं के बारे में समझौते के आधार पर जो नियम बनाये गये हैं उन्हें बराबर सभी सदस्यों पर लागू किया जाये। आजकल कई श्रमिक संगठनों के इनके अतिरिक्त सामाजिक और राजनैतिक उद्देश्य भी होते हैं। कुछ श्रमिक संगठनों ने तो पेशेवर संगठन का रूप धारण कर लिया है। वैश्वीकरण और उदारीकरण की प्रक्रियाओं ने श्रमिक संगठनों के महत्व पर तीव्र प्रहार किया है।

56. औद्योगिक कामगारों की थकान को कम किया जा सकता है :

(a) काम के घण्टों को बढ़ा करके
(b) कार्यस्थल पर अनुकूल परिवेश उपलब्ध कराकर
(c) उपर्युक्त (a) और (b) दोनों के द्वारा
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (b)—औद्योगिक कामगारों के कार्यस्थल पर अनुकूल परिवेश उपलब्ध कराकर थकान को कम किया जा सकता है। कामगारों को खुश करके उनसे गुणात्मक क्षमता की प्रस्फुटिक करवा सकते हैं। इस प्रकार उत्पादकता में वृद्धि सम्भव हो सकता है।

57. भारत में सामूहिक सौदेबाजी को कानूनी मान्यता निम्नलिखित में से किसके तहत प्रदान की गई ?

(a) आद्योगिक विवाद अधिनियम
(b) भारतीय ट्रेड यूनियन अधिनियम
(c) कारखाना अधिनियम
(d) औद्योगिक रोजगार अधिनियम

उत्तर (a)—भारत में सामूहिक सौदेबाजी को कानूनी मान्यता, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 के तहत प्रदान की गई।

58. निम्नलिखित में से कौन विश्व व्यवस्था सिद्धान्त का अंग नहीं है?

(a) सर्वप्रमुख देश (b) परिधीय देश
(c) विश्वस्तरीय शहर (d) अर्द्ध-परिधीय देश

उत्तर (c)—विश्व व्यवस्था से वालरस्टीन का तात्पर्य एक ऐसी अन्तर -सामाजिक व्यवस्था से है जो आत्मनिर्भर श्रम-विभाजन द्वारा निर्मित होती है। यहाँ 'विश्व' शब्द का अर्थ ''आत्मनिर्भरता'' से है और ''व्यवस्था'' का तात्पर्य ''कुछ सीमा तक आन्तरिक सम्बद्धता''से है, इस व्यवस्था में आर्थिक पक्ष तो एक-दूसरे से जुड़ा होता है किन्तु राजनीतिक पक्ष में स्वतंत्र होती है अर्थात समस्त विश्व के देश राजनीतिक रूप में अलग-अलग रहते हुए (राष्ट्र राज्यों) भी आर्थिक आधार पर वे एक-दूसरे से मूक सहमति द्वारा आपस में बंधे होते हैं। इस सिद्धान्त का मूलतः विकास अमरीकी समाजशास्त्री एवं इतिहासकार इम्मान वो स्टोन तथा उनके सहायोगियों (1974) द्वारा किया गया है। इस प्रकार स्पष्ट होता है। विश्व व्यवस्था सिद्धाँत का अंग विश्वस्तरीय शहर नहीं है।

59. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें से एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है :

अभिकथन (A): वालरस्टीन के अनुसार, प्रमुख देश प्रभावी पूंजीवादी देश हैं।

तर्क (R): क्योंकि वे सस्ते श्रम और कच्चे माल के लिए परिधीय देशों का शोषण करते हैं।

कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

उत्तर (a)—वालरस्टीन के अनुसार- प्रमुख देश प्रभावी पूँजीवादी देश है क्योंकि वे सस्ते श्रम और कच्चे माल के लिए परिधीय देशों का शोषण करते हैं।

60. निम्नलिखित में से कौन मानव विकास सूचकांक का संकेतक नहीं है?

(a) जीवन प्रत्याशा (b) शिक्षा-घटक
(c) प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय (d) शहरीकरण का स्तर

उत्तर (d)—मानव विकास सूचकांक का संकेतक शहरीकरण का स्तर नहीं है। बल्कि जीवन प्रत्याशा शिक्षा घटक और प्रति व्यक्ति राष्ट्र आय से सम्बन्धित है। बहुआयामी विकास की ओर तेजी से आगे बढ़ रही दुनिया में राष्ट्रों के मानव संसाधन उनकी रीढ़ है। ऐसे में प्रत्येक राष्ट्र अपने मानव संसाधन के संपोषणीय एवं सृजनात्मक विकास के लिए प्रयासरत रहता है। लेकिन प्रायः यह देखा जाता है कि राष्ट्र विकास का एक आयामी दृष्टिकोण अपनाते हुए भौतिक एवं आर्थिक विकास पर जोर देते हैं।

61. निम्नलिखित में से कौन सहस्राब्दि विकास लक्ष्य (मिलेनियम डेवलपमेन्ट गोल) नहीं है?

(a) भीषण गरीबी का उन्मूलन
(b) गरीबी के लिए आवास
(c) बाल मृत्यु दर में कमी
(d) पर्यावरण सततता सुनिश्चित करना

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b)—सहस्राब्दि विकास लक्ष्य (मिलेनियम डेवलपमेंट गोल) गरीबी के लिए आवास नहीं है बल्कि इसके अन्तर्गत भीषण गरीबी का उन्मूलन बाल मृत्युदर में कमी और पर्यावरण सततता सुनिश्चित करना और मानव का सर्वांगीण विकास से जुड़ा है। सहस्राब्दि विकास का मुख्य लक्ष्य मान निर्धनता की समाप्ति हेतु देशों के मध्य समझौता है।

62. मानव विकास सूचकांक का विकास किसके द्वारा किया गया था?

(a) महबूब उल हक (b) समीर अमीन
(c) ए. जी. फ्रैंक (d) आई. वालरस्टीन

उत्तर (a)—मानव विकास सूचकांक की अवधारणा का विकास पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब-उल-हक तथा नोबल पुरस्कार विजेता भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक अर्थशास्त्री अमर्त्यसेन ने किया था।

63. जीवन सारणी (लाइफ टेबल) का निर्माण-------- की मदद से किया जाता है।

(a) शिशु मृत्यु दर (b) अपरिष्कृत मृत्यु दर
(c) आयु-विशिष्ट मृत्यु दर (d) आयु-लिंग पिरामिड

उत्तर (c)—जीवन सारणी का निर्माण आयु-विशिष्ट मृत्यु दर की मदद से किया जाता है।

64. वह सिद्धान्त जो जनसंख्या में वृद्धि को विकास के चरणों से जोड़ता है, -----के रूप में जाना जाता है।

(a) धन का प्रवाह सिद्धान्त
(b) माल्थस का सिद्धान्त
(c) जनसंख्या संक्रमण का सिद्धान्त
(d) सामाजिक कोशिका सिद्धान्त

उत्तर (c)—दो जनांकिकी क्षेत्रों में होने वाले ऐसे जनसंख्या परिवर्तन को जनांकिकी संक्रमण का नाम दिया गया है। जिसमें प्रथम क्षेत्र में प्रजनन क्षमता और नैतिकता दोनों के स्तर उच्च होते हैं तथा द्वितीय में प्रजनन क्षमता और नैतिकता दोनों के स्तर निम्न होते है। प्रथम को पारम्परिक संक्रमण और द्वितीय को आधुनिक संक्रमण भी कहा जाता है। सरल शब्दों में कहा जाय तो वह सिद्धाँत जो जनसंख्या में वृद्धि को विकास के चरणों से जोड़ता है जनसंख्या संक्रमण का सिद्धाँत के रूप में जाना जाता है।

65. 'परिवार नियोजन के परें' अवधारणा का प्रवर्तन निम्न में से किसके द्वारा किया गया था?

(a) के. डेविस (b) जे. सी. काल्डवेल
(c) डी. जे. बॉग (d) बी. बेरेलॅसन

उत्तर (d)—'परिवार नियोजन के परे' अवधारणा का प्रर्वतन बी0 बेरेलसन ने किया था। परिवार नियोजन का सफल अनुपालन भारत ने अपनाया था। भारत में जनसंख्या वृद्धि के खतरों को महसूस करते हुए स्वतंत्रता के बाद सन् 1952 से ही परिवार नियोजन कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया ।

66. परिवार नियोजन कार्यक्रम को लागू करने में निम्नलिखित विभिन्न कार्यनीतियाँ अपनायी गयी हैं :

(1) विस्तार उपागम
(2) नैदानिक उपागम
(3) समेकित उपागम
(4) प्रजनन तथा शिशु स्वास्थ्य रक्षा उपागम

उपर्युक्त अनुक्रमों को क्रम में व्यवस्थित कीजिए तथा **नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :**

(a) (2) (1) (3) (4)
(b) (1) (2) (3) (4)
(c) (2) (3) (1) (4)
(d) (4) (1) (2) (3)

उत्तर (a)—परिवार नियोजन कार्यक्रम लागू करने में विस्तार उपागम नैदानिक उपागम, विस्तार उपागम, समेकित उपागम तथा प्रजनन तथा शिशु स्वास्थ्य रक्षा उपागम का अनुप्रयोग किया गया जिसके माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण अंकुश लगाया जा सकता है। समान्यतः परिवार नियोजन तथा जन्म निरोध समानार्थी समझने की भूल भी जाती है परिवार नियोजन का तात्पर्य नियोजित पितृत्व से है, जिसमें जन्म निरोध को अन्य पारिवारिक समस्याओं के समाधान के साधन के रूप में स्वीकार किया जाता है।

67. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये तथा नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए:

	सूची-I (पुस्तक)		सूची-II (लेखक)
(A)	ग्लोबलाइजेशन	(i)	ए. गिड्डेन्स
(B)	ग्लोबल कल्चर	(ii)	आई. वालरस्टीन
(C)	हिस्टोरिकल कैपिटलिज़्म	(iii)	एम. फेदरस्टोन
(D)	द ट्रांसफार्मेशन ऑफ इन्टीमेसी	(iv)	आर. राबर्टसन
		(v)	ए. जी. फ्रैंक

कूटः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(v)	(ii)	(iii)	(i)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(iv)	(ii)	(iii)	(v)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (b)—

पुस्तक		लेखक
ग्लोबलाइजेशन	–	आर. राबर्टसन
ग्लोबल कल्चर	-	एम. फेदरस्टोन
हिस्टोरिकल कैपिटलिज़्म	-	आई. वालरस्टीन
द ट्रांसफार्मेशन ऑफ इन्टीमेसी	-	ए. गिडेन्स

68. किसने चरण अप्रवास की अवधारणा प्रारम्भ की?

(a) रवेन्स्टेन (b) डी. जे. बौग
(c) के. डेविस (d) आशीष बोस

उत्तर (a)—चरण अप्रवास की अवधारणा रेवेन्स्टेन द्वारा प्रारम्भ की गई। उन्होंने अपनी पुस्तक 'लॉ ऑफ माइग्रेशन' में 'स्टेप माइग्रेशन का सिद्धान्त' दिया है।

69. सामाजिक कोशिका सिद्धान्त का प्रवर्तन किसने किया?

(a) एल. ड्युमोंट (b) जे. सी. काल्डवेल
(c) के. डेविस (d) एफ. नोटस्टीन

उत्तर (a)—फ्रांसीसी विचारक लुईस ड्यूमां को सामाजिक कोशिका सिद्धाँत का प्रणेता कहा जाता है। लूई ड्यूमा द्वारा प्रस्तुत 'सामाजिक केशिकत्व अथवा सामाजिक केशाकर्षण सिद्धाँत में यह विचार व्यक्त किया गया कि जैसे-2 किसी समाज का विकास होता है तथा व्यक्ति अपनी सामाजिक आर्थिक दशाओं के बीच पहले की तुलना में उच्च स्तर की ओर बढ़ता है सन्तानोत्पत्ति के प्रति उसकी रूचि कम होने लगती है सामाजिक विकास के साथ अधिकांश व्यक्ति अपने परिवार या समूह के विकास एवं सफलता के लिए अधिक व्यस्त रहने लगते हैं। इसके फलस्वरूप जनसंख्या वृद्धि दर कम हो जाती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

70. यह किसने कहा था, ''मातृ तंत्र की समाप्ति महिला जाति की वैश्विक ऐतिहासिक पराजय थी''?

(a) जीन-पॉल सात्रे
(b) नैन्सी चोडोरोव
(c) एडम स्मिथ
(d) फ्रेडरिक एन्जेल्स

उत्तर (d)–अठ्ठारहवीं शताब्दी के जर्मन दार्शनिक, समाजवादी,उद्योगपति और मार्क्सवाद के सह-प्रतिवादक फ्रेडरिक एंजेल्स को अधिकांशतः आधुनिक साम्यवाद की विचारधारा के प्रमुख प्रर्वतक कार्ल मार्क्स के एक प्रमुख सहयोगी एवं घनिष्ठ मित्र के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा था ''मातृ तंत्र की समाप्ति महिला जाति की वैश्विक ऐतिहासिक पराजय थी।''

71. भारत में महिला के 'कल्याण से विकास' उपागम में परिवर्तन कब हुआ?

(a) द्वितीय पंचवर्षीय योजना में
(b) पाँचवीं पंचवर्षीय योजना में
(c) छठी पंचवर्षीय योजना में
(d) नौवीं पंचवर्षीय योजना में

उत्तर (c)–छठी पंचवर्षीय योजना (1980-85ई.) का प्रारम्भ रोलिंग प्लान (1978-83) जो जनता पार्टी सरकार द्वारा बनायी गयी थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीबी उन्मूलन और रोजगार में वृद्धि थी। पहली बार गरीबी उन्मूलन पर विशेष जोर दिया गया। इसी योजना के अन्तर्गत भारत में महिला के कल्याण के विकास' उपागम में परिवर्तन छठी पंचवर्षीय योजना में हुआ।

72. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये :

सूची-I (लेखक)	सूची-II (विषय)
(A) शर्मिला रेगे	(i) महिला तथा पंचायती राज
(B) सुशीला कौशिक	(ii) दहेज
(C) मधु किश्वर	(iii) महिला तथा नातेदारी
(D) लीला दुबे	(iv) दलित महिला

नीचे दिये कूट की सहायता से **सही** उत्तर का चयन कीजिए :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (a)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)		(विषय)
शर्मिला रेगे	-	दलित महिला
सुशीला कौशिक	-	महिला तथा पंचायती राज
मधु किश्वर	-	दहेज
लीला दूबे	-	महिला तथा दावेदारी

73. पुस्तक ''द फीमेल यूनक'' के लेखक कौन हैं?

(a) सिमोन द बुआर (b) जर्मेन ग्रीर
(c) काते मिलेट (d) बेट्टी फ्रीडेन

उत्तर (b)– पुस्तक 'द फीमेल यूनक' के लेखक जर्मेन ग्रीर है।

74. किस वर्ष को 'महिला सशक्तिकरण वर्ष' घोषित किया गया?

(a) 1999 (b) 2001
(c) 2005 (d) 1998

उत्तर (b)–महिला सशक्तिकरण की विचारणा की शुरूआत सन् 1980 के दशक में दोहरे उद्देश्य को लेकर हुई थी । इसका पहला उद्देश्य तत्कालीन असमान राजनीतिक आर्थिक और सामाजिक संरचना को चुनौती देना था। और दूसरा इससे जुड़ी अनिवार्य उद्देश्य में आमूलचूल रूपान्तरण करने का रहा है। सन् 1990 के आसपास विकास की कुछ मुख्य धारा संस्थाओं ने इस धारणा को विकास के एक वैकल्पिक उपागम के रूप में अपना लिया। गीता सेन और करन ग्राउने ने सन 1987 में अपनी पुस्तक में विकास संकट और वैकल्पिक दृष्टियाँ (परिप्रेक्ष्य) में सर्वप्रथम एम्पाउर मैण्ट शब्द का प्रयोग किया है। बाद में विकासात्मक समाजशास्त्रियों और महिलाओं के जीवन में सुधार में रूचि रखने वाले विद्वानों ने इसका प्रयोग लिंग सम्बन्धों में किया। भारत में महिला सशक्तिकरण वर्ष 2001 में घोषित किया गया।

75. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये :

सूची-I (पुस्तक)	सूची-II (लेखक)
(A) सोशल फ्रेमवर्क ऑफ ऐन इन्डस्ट्री	(i) ई. आर. रामास्वामी
(B) वर्कर्स, फैक्ट्रीज एण्ड सोशल चेंज इन इंडिया	(ii) जैन ब्रीमैन
(C) फुट लूज लेबर : वर्किंग इन इंडियाज इन्फार्मल सेक्टर	(iii) रिचर्ड डी. लम्बेर्ट
(D) वर्कर्स कन्सियसनेस एण्ड ट्रेड यूनियन रिसपांस	(iv) एन. आर. सेठ

नीचे दिये कूट से **सही** उत्तर का चयन कीजिए :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(c)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

उत्तर (a)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तक)		(लेखक)
सोशल फ्रेमवर्क ऑफ ऐन	-	एन. आर.सेठ इन्डस्ट्री
वर्कर्स, फैक्ट्रीज एण्ड सोशल चेंज इन इंडिया	-	रिचर्ड डी. लम्बेर्ट
फुट लूज लेबर : वर्किंग इन इंडियाज इन्फार्मल सेक्टर	-	जैन ब्रीमैन
वर्कर्स कन्सियसनेस एण्ड ट्रेड यूनियन रिसपांस	-	ई. आर. रामास्वामी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2016

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश– इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु–विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन समाजशास्त्रीय कल्पना के बारे में सी. राइट मिल्स के विचार को निरूपित करता है?

(a) सामाजिक जगत को सामाजिक तथ्य के रूप में देखना
(b) शास्त्रीय सिद्धान्तवादियों के बीच मतभेदों को समझना
(c) निजी समस्याओं और सामाजिक मुद्दों को एक साथ लाना
(d) व्यक्ति आधारित स्पष्टीकरण से बचना

उत्तर (c) – निजी समस्याओं और सामाजिक मुद्दों को एक साथ लाना यह कथन समाजशास्त्रीय कल्पना के बारे में सी. राइट मिल्स के विचार को निरुपित करता है। समाजशास्त्रीय कल्पना (The Sociological Imagination) एक समाजशास्त्रीय दृष्टि है, विश्व को देखने का एक नज़रिया है जिसके द्वारा व्यक्तिगत आभासी समस्याओं और महत्वपूर्ण सामाजिक मसलों के बीच सम्बन्धों को देखा-परखा जा सकता है।

2. निम्नलिखित में से किसका कथन है कि समाजशास्त्र सामूहिक प्रतिनिधित्व का अध्ययन है?

(a) वेबर (b) दुर्खाईम
(c) कॉम्ट (d) स्पेन्सर

उत्तर (b) – दुर्खीम को पहला अकादमिक समाजशास्त्री माना जाता है दुर्खीम ने सामूहिक प्रतिनिधान की (Collective Representation) की अवधारणा का प्रयोग केवल श्रम विभाजन पुस्तक में ही किया हो ऐसा नहीं है इस अवधारणा का उल्लेख उन्होंने सामाजिक तथ्यों और धर्म के समाजशास्त्र में भी किया है। इस अवधारणा के सम्बन्ध अपने मूल में सावयवी समाज के साथ है। सामूहिक प्रतिनिधान एक प्रकार से सावयवी समाज की सांझी संस्कृति (Composite culture) होती है। अतः सीमित अर्थों में सामूहिक प्रतिनिधान सावयवी समाज की वे सामान्य संस्थाएँ है जो साधारण जनजीवन का प्रतिनिधित्व करती है। जो स्थान यांत्रिक समाज में सामूहिक चेतना का है, वही स्थान सावयवी समाज में सामूहिक प्रतिनिधान का है।

3. मैक्स वेबर के अनुसार आदर्श प्रारूप है–

(a) प्रदत्त समाज में सर्वाधिक सामान्य परिस्थिति
(b) एक आदर्श समाज का दार्शनिक प्रतिरूप
(c) सामाजिक प्रघटना को समझने का अवधारणात्मक या विश्लेषणात्मक साधन
(d) सामाजिक शोधकर्ता के द्वारा संगृहीत सांख्यिकीय साक्ष्य

उत्तर (c) – इमाईल दुर्खीम सहित मैक्स वेबर को आधुनिक समाजशास्त्र को विशिष्ट सामाजिक विज्ञान के रूप में प्रतिष्ठित करने वाला प्रवर्तक समाजशास्त्री माना जाता है वेबर ने समाजशास्त्र को एक निवर्चनात्मक और अन्तर्निरीक्षणात्मक विज्ञान बनाने पर बल दिया। किसी घटना, वस्तु अथवा वर्ग-विशेष की समस्त आवश्यक विशेषताओं का सम्पूर्ण अथवा लगभग सम्पूर्ण रूप से चित्रण करने की विधि आदर्श–प्रारूप के नाम से जानी जाती है।

4. किसके अनुसार आत्मसात् किए गए 'साझा मूल्य' किसी भी समाज के सामाजिक एकीकरण में निर्णायक भूमिका निभाने वाले माने जाते हैं?

(a) टी. पार्सन्स (b) बी. मैलिनॉवस्की
(c) ई. दुर्खाईम (d) आर.के. मर्टन

उत्तर (a) – पारसन्स ने अपनी कृति "The Social System" में सामाजिक व्यवस्था की व्याख्या को दो आधारों पर प्रस्तुत किया है। (1) संरचनात्मक घटक, इसके अन्तर्गत क्रिया, प्रस्थिति एवं भूमिकाकर्त्ता, सामूहिकता, प्रतिमान पोषण के अभिकरण और संस्थात्मीकरण निहित है। (2) प्रकार्यात्मक घटक, इसके अन्तर्गत अनुकूलन, लक्ष्य प्राप्ति, एकीकरण, प्रतिमान संरक्षण, सामाजीकरण एवं सामाजिक नियंत्रण सम्मिलित है। पारसन्स के अनुसार आत्मसात् किए गए 'साझा मूल्य' किसी भी समाज के सामाजिक एकीकरण में निर्णायक भूमिका निभाने वाले माने जाते हैं।

5. रॉबर्ट रेडफील्ड के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सी एक लघु समुदाय की विशेषता नहीं है?

(a) विशिष्टता (b) सजातीयता
(c) स्थान (d) आत्म निर्भरता

उत्तर (c) – अमेरिकी मानवशास्त्री राबर्ट रेडफील्ड को मैक्सिको के टेपोजलॉन गाँव के अध्ययन के आधार पर लोक समाज (Folksociety) और लोक नगरीय (सातत्यता) नैरन्तर्य और कृषक समाज तथा कई अन्य अवधारणाओं को विकसित करने का श्रेय जाता है। लघु समुदाय की विवेचना सर्वप्रथम राबर्ट रेडफील्ड ने प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपनी पुस्तक 'द लिटिल कम्यूनिटी' में अपने अध्ययन के आधार पर लघु समुदाय की अवधारणा को स्पष्ट किया। उनके अनुसार मानवता के सम्पूर्ण इतिहास में मानवीय निवास का सबसे स्पष्ट स्वरूप लघु समुदाय के रूप में ही विद्यमान रहा है। उन्होंने लघु समुदाय की चार विशेषता बतलाई है।
(1) लघुता (2) विशिष्टता (3) समरूपता (4) आत्मनिर्भरता

6. सूची–I में दिए गए मदों को सूची–II में दिए गए मदों से सुमेलित कीजिए–

सूची–I (पुस्तकें)	सूची–II (लेखक)
(A) पैटर्न्स ऑफ कल्चर	i. टी.एस.इलियट
(B) प्रिमिटिव कल्चर	ii. ई.बी.टायलर
(C) ए.साइन्टिफिक थ्योरी ऑफ कल्चर	iii. रूथ बेनेडिक्ट
(D) नोट्स टुवर्ड्स द डेफिनिशन ऑफ कल्चर	iv. बी. मैलिनॉवस्की

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	iii	ii	iv	i
(c)	ii	iii	iv	i
(d)	iv	i	ii	iii

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (b)–सुमेलित सूची इस प्रकार है–

पुस्तकें		लेखक
पैटर्न्स ऑफ कल्चर	–	रूथ बेनेडिक्ट
प्रिमिटिव कल्चर	–	ई.बी.टायलर
ए.साइन्टिफिक थ्योरी ऑफ कल्चर	–	बी. मैलिनॉवस्की
नोट्स टुवर्ड्स द डेफिनिशन ऑफ कल्चर	–	टी.एस.इलियट

7. निम्नलिखित में से कौन-सी एकसमुदाय की विशेषता नहीं है?

(a) भूभाग (b) सामाजिक संबंधों का समूह
(c) हम की भावना (d) भाषा

उत्तर (d) – सामान्य बोलचाल की भाषा में समुदाय शब्द का प्रयोग वर्ग, जाति, भाषा विशेष के व्यक्तियों को सम्बोधित करने के लिए कर दिया जाता है। समुदाय एक ऐसा समूह है जिसमें कुछ मात्रा तक हम की भावना होती है तथा वह एक निश्चित क्षेत्र में निवास रहता है। समुदाय के आवश्यक तत्व निम्नलिखित है। (1) मनुष्यों का समूह (2) निश्चित क्षेत्र या भू–भाग (3) सामुदायिक भावना (4) हम की भावना (5) स्वतः विकास (6) समाजिक पूर्णता

8. सामाजिक प्रतिमान के रूप में बारम्बार होने वाले प्रस्थिति के परिवर्तन को कहा जाता है–

(a) प्रस्थिति समूह (b) प्रस्थिति संघर्ष
(c) सामाजिक प्रस्थिति (d) प्रस्थिति क्रम

उत्तर (d) – सामाजिक प्रतिमान एक व्यक्ति द्वारा उत्तरोत्तर अनुक्रम में धारणा की गई प्रस्थितियों की शृंखला को प्रस्थिति क्रम कहते हैं। एक व्यक्ति अपने जीवन-काल में एक के बाद एक अनेक प्रस्थितियों को धारण करता चला जाता है यह प्रक्रिया –अनुक्रम की द्योतक है जैसे बालक, युवा, पौढ़, तथा वृद्ध की प्रस्थितियाँ एक के बाद चलती रहती है।

9. जब किसी भूमिका को निभाने वाला भूमिका से आत्मगत तटस्थता को अपनाता है तो इसे कहा जाता है–

(a) भूमिका – संघर्ष (b) भूमिका – ग्रहण
(c) भूमिका – दूरी (d) भूमिका – अंगति

उत्तर (c) – कर्ता द्वारा सामाजिक दबावों के कारण सम्पन्न की जाने वाली वास्तविक भूमिका तथा उस भूमिका जिसकी निर्मित उसके 'स्व' द्वारा हुई है के बीच उत्पन्न हुई भूमिका दूरी कहलाती है। इस अवधारणा का सर्वप्रथम प्रयोग ई गॉफमैन ने भूमिका सिद्धान्त के संदर्भ में किया है।

10. यह किसका कथन है कि भूमिका प्रस्थिति का गतिशील पहलू है, जहाँ 'प्रस्थिति' का संबंध प्रतिष्ठा से और 'भूमिका' का संबंध निष्पादन से है?

(a) राल्फ लिंटन (b) आर.के. मर्टन
(c) मैक्स वेबर (d) पी.एल.केन्डाल

उत्तर (a) –संस्कृति और व्यक्तित्व वैचारिक सम्प्रदाय के अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के अमरीकी मानवशास्त्री राल्फ लिंटन मूलरूप में एक पुरातत्वशास्त्री थे। उनके अनुसार भूमिका प्रस्थिति का गतिशील पहलू है जहाँ प्रस्थिति का संबंध प्रतिष्ठा से और भूमिका का संबंध निष्पादन से है।

11. भूमिका संबंधों की शृंखला, जो व्यक्तियों को विशेष सामाजिक प्रस्थिति पर होने के कारण मिलती है, को मर्टन ने क्या कहा है?

(a) बहुल भूमिकाएँ (b) भूमिका समूह
(c) भूमिका नेटवर्क (d) प्रस्थिति भूमिका

उत्तर (b) – एक विशिष्ट सामाजिक प्रस्थिति के साथ जुड़ी हुई भूमिकाओं के समुच्चय को भूमिका–पुंज कहते हैं। किसी भी समाजिक प्रस्थिति में एक व्यक्ति अनके सामाजिक सम्बन्धों से घिरा होता है जो कि व्यक्तियों के लिए उस सामाजिक प्रस्थितियों में सर्वथा अथवा सामान्यतः आवश्यक होते हैं। इस अवधारणा का प्रयोग आर०के० मर्टन ने किया है। इस प्रकार सभी भूमिकाओं के साथ जुड़े दायित्वों का ताना-बाना ही भूमिका पुंज कहलाता है।

12. निम्नलिखित में से कौन-सी प्राथमिक समूह की विशेषताएँ नहीं है?

(1) अपने मानक/नियम
(2) आयु
(3) लिंग
(4) आमने सामने की अन्तर्क्रिया

कूटः

(a) 1 और 2 (b) 1 और 4
(c) 2 और 4 (d) 2 और 3

उत्तर (d) – प्राथमिक समूह का सर्वप्रथम प्रयोग चार्ल्स कूले ने सन् 1909 में किया। कूले ने लिखा है कि प्राथमिक समूह से मेरा तात्पर्य ऐसे समूह से है। जिनमें घनिष्ठ आमने-सामने के सम्बन्ध तथा सहयोग पाया जाता है। जो विशेषताएँ निम्नवत है। (1) शारीरिक समीयता (2) समूह की लघुता (3) सम्बन्ध की अवधि उद्देशैली समानता सम्बन्ध वैयक्तिक होते है। सम्बन्ध सम्पूर्ण होते है।

13. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

	सूची–I (संकल्पना)	सूची–II (प्रतिपादक)
(A)	मिलिटेंट एण्ड इन्डस्ट्रियल सोसाइटी	i. ई. दुर्खीम
(B)	मैकेनिकल एण्ड ऑर्गेनिक सॉलिडैरिटी	ii. एच.स्पेन्सर
(C)	फोक-अर्बन कंटिन्यूम	iii. एफ. टॉनीज
(D)	जेमिनशाफ्ट एण्ड जेसेलशाफ्ट	iv. आर. रेडफील्ड

	A	B	C	D
(a)	ii	i	iii	iv
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	i	ii	iv	iii
(d)	iv	iii	i	ii

उत्तर (b) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(संकल्पना)	(प्रतिपादक)
मिलिटेंट एण्ड इन्डस्ट्रियल सोसाइटी	- एच.स्पेन्सर
मैकेनिकल एण्ड ऑर्गेनिक सॉलिडैरिटी	- ई. दुर्खीम
फोक-अर्बन कंटिन्यूम	- आर. रेडफील्ड
जेमिनशाफ्ट एण्ड जेसेलशाफ्ट	- एफ. टॉनीज

14. नीचे दो कथन दिये गये हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है–

अभिकथन (A) : सभी सामूहिक सामाजिक नेटवर्क हैं।

तर्क (R) सभी नेटवर्क सामाजिक समूह नहीं है।

नीचे दिए गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

कूट–

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।

उत्तर (b) (A) और (R) दोनों सही है, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

15. एक धार्मिक पंथ में सत्ता का प्रकार है–
(a) परम्परागत (b) नौकरशाही
(c) बुद्धि संगत (d) विधिक

उत्तर (a) –भारतीय समाज में ब्राह्मणों या जातीय पंचों की सत्ता को इस श्रेणी में रखा गया है इसलिए एक धार्मिक पंथ में सत्ता का प्रकार परम्परागत है। मैक्सवेबर ने सत्ता के तीन बुनियादी प्ररुपों में भेद किया है जो तीन प्रकार की हैं- (i) वैधानिक सत्ता (राज्य द्वारा प्रतिपादित नियमों के आधार पर), (ii) करिश्मायी सत्ता (करामात या विलक्षणता के आधार पर), (iii) परम्परात्मक सत्ता (परम्परा द्वारा स्वीकृत मान्यता के आधार पर)। भारतीय गाँवों में पायी जाने वाली पंचायत में 'पंचों' की सत्ता परम्परागत है।

16. एक जीव के रूप में एक व्यक्ति के पास जन्म के समय क्या नहीं होता है जो समाजीकरण की प्रक्रिया में प्रासंगिक होता है?
(a) मूल प्रवृत्ति (b) क्षमताएँ
(c) प्रतिवर्त (d) मनोवृत्ति

उत्तर (d) – साधारणतः इस शब्द का प्रयोग किसी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के समूह के व्यवहार द्वारा प्रदर्शित ऐसी सीखी हुई प्रवृत्ति के लिए किया जाता है जिसके द्वारा किसी वस्तु तथा वस्तुओं के वर्ग का मूल्यांकन एक विशिष्ट एवं स्थायी रूप में किया जा सकता है। इस प्रकार स्पष्ट होता है कि एक जीव के रूप में एक व्यक्ति के पास जन्म के समय मनोवृत्ति की उपस्थित नगण्य होता है।

17. निम्नलिखित में से कौन 'माइन्ड, सेल्फ एण्ड सोसाइटी' का लेखक है?
(a) टालकॉट पार्सन्स (b) मार्गरेट मीड
(c) जॉर्ज एच.मीड (d) गार्डनर मर्फी

उत्तर (c) – अमेरिका के शिकागों वैचारिक परम्परा के एक अग्रणी दार्शनिक और अन्तःक्रियावादी मीड को समाजशास्त्र के क्षेत्र में एक नवीन परम्परा की आधारशिला रखने का गौरव प्राप्त है। मीड की बहुप्रसिद्ध पुस्तक 'माइण्ड सेल्फ एण्ड सोसाइटी' जो सन 1934 में उनक मृत्यु के बाद प्रकाशित हुई।

18. किसकी रचनाओं में सामाजिक स्तरीकरण के प्रकार्यात्मक सिद्धान्त का प्रतिपादन किया गया था?
(a) डेविस एण्ड ब्लैक (b) डेविस एण्ड मूर
(c) पार्सन्स एण्ड बेल्स (d) वाइजर एण्ड वाइजर

उत्तर (b) – डेविस एवं मूर ने सामाजिक स्तरीकरण की घटना को प्रकार्यवादी मान्यताओं के सन्दर्भ में प्रस्तुत किया है और इसे एक अभिप्रेरणात्मक क्रियाविधिकी के रूप में दर्शाया है जो समाज के योग्य सदस्यों को समाज के महत्वपूर्ण कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पादित करने हेतु प्रेरित करती है। किंग्सले डेविस और मूर ने अपनी पुस्तक "सम प्रिंसिपल्स ऑफ स्ट्रैटीफिकेशन" में स्तरीकरण सम्बन्धी स्तरीकरण के प्रकार्यात्मक सिद्धान्त का प्रतिपादन किया गया था।

19. एक परिवार में, दादा एक गाँव में कुम्हार था और पिता ने शहर के एक स्कूल में शिक्षण कार्य किया और अब पुत्र महानगर में बहुराष्ट्रीय कंपनी में एक इंजीनियर है। यह दर्शाता है–
(a) सांस्कृतिक गतिशीलता
(b) क्षैतिज गतिशीलता
(c) एक पीढ़ी के अन्तर्गत गतिशीलता
(d) अंतर–पीढ़ी गतिशीलता

उत्तर (d) – एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी की सामाजिक प्रस्थिति में होने वाला उदग्र परिवर्तन अन्तर -पीढ़ीगत गतिशीलता कहलाता है। उर्ध्वगामी अथवा अधोगामी गतिशीलता का अध्ययन करते समय सामान्यतः पुत्र की व्यावसायिक प्रस्थिति की तुलना उसके पिता की व्यावसायिक प्रस्थिति से की जाती है।

20. निम्नलिखित में से कौन-सा विचार सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्राचीन विचार है?
(a) चक्रीय (b) रैखिक
(c) उद्विकासवादी (d) द्वन्द्वात्मक

उत्तर (c) – उद्विकासवादी अवधारणा बहुत प्राचीन है। क्योंकि सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्राचीन विचार है। किसी निश्चित दिशा में अन्तर एवं क्रमिक बदलाव को (एक अवस्था से दूसरी अवस्था में) उद्विकासीय परिवर्तन कहते हैं। समाजशास्त्र और मानवशास्त्र में उदविकासीय सिद्धान्त की शुरूआत हरबर्ट स्पेन्सर के लेखनों से हुई, किन्तु बाद में कार्ल मार्क्स, फ्रेडरिक ऐंजिल्स, इमाइल दुर्खीम, वी० जॉर्डन चाइल्ड और पारसंस जैसे भिन्न प्रकार के लेखकों द्वारा भी इस सिद्धान्त को किसी न किसी रूप में स्वीकार कर लिया गया।

21. निम्नलिखित में से किसने कहा कि क्रांतियाँ इतिहास की इंजन है?
(a) जी.डब्ल्यू.एफ.हीगेल (b) ए. कॉम्ट
(c) के. मार्क्स (d) एफ.एन्जेल्स

उत्तर (c) – कार्ल मार्क्स वैज्ञानिक साम्यवाद के जनक माने जाते हैं। उन्नीसवीं सदी के एक स्वतन्त्र विचारक और राजनीतिक आन्दोलन कार्ल मार्क्स के एक मूर्धन्य सामाजिक सिद्धान्तकार थे। उन्होंने कहा था कि क्रान्तियाँ इतिहास की इंजन हैं।

22. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची–I	सूची–II
(A) लॉ ऑफ थ्री स्टेजेज	i. टॉयलर
(B) ऑर्गेनिक एनालॉजी	ii. दुर्खाईम
(C) डिवीजन ऑफ लेबर	iii. कॉम्ट
(D) प्रिमिटिव कल्चर	iv. स्पेन्सर

	A	B	C	D
(a)	iii	iv	ii	i
(b)	ii	iii	iv	i
(c)	i	iii	ii	iv
(d)	iv	iii	ii	i

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–
लॉ ऑफ थ्री स्टेजेज - कॉम्ट
ऑर्गेनिक एनालॉजी - स्पेन्सर
डिवीजन ऑफ लेबर - दुर्खीम
प्रिमिटिव कल्चर - टॉयलर

23. सामाजिक संरचना के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में 'अस्तित्व की आवश्यक दशाओं' वाक्यांश का प्रयोग किसने किया?
(a) एस.एफ. नाडेल (b) सी.लेवी. स्ट्रॉस
(c) ए.आर. रेडक्लिफ–ब्राउन (d) आर.के. मर्टन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (c) – ए.आर. रेडक्लिफ–ब्राउन सुप्रसिद्ध ब्रिटिश मानवशास्त्री सामाजिक मानव शास्त्र के प्रमुख संस्थापकों में से रहे हैं। उन्होंने सामाजिक संरचना के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में 'अस्तित्व की आवश्यक दशाओं' वाक्यांश का प्रयोग किया।

24. निम्नलिखित में से कौन इस विचार का समर्थन करता है कि सामाजिक संरचना लगभग स्थिर और अपरिवर्तनीय है जबकि इसका गुणात्मक स्वरूप गतिशील और परिवर्तनीय है?

(a) ए.आर. रैडक्लिफ–ब्राउन (b) एस.एफ.नाडेल
(c) बी. मैलिनॉवस्की (d) सी. लेवी–स्ट्रॉस

उत्तर (b) – प्रसिद्ध मानवशास्त्री रेडक्लिफ ब्राउन के निकट सहयोगी सिद्धान्त से मानवशास्त्र और समाजशास्त्र दोनों को प्रभावित किया है उन्होंने कहा कि सामाजिक संरचना लगभग स्थिर और अपरिवर्तनीय है जबकि इसका गुणात्मक स्वरूप गतिशील और परिवर्तनीय है।

25. सूची–I में दिए गए मदों को सूची–II में सुमेलित कीजिए।

सूची–I (संकल्पनाएँ)	सूची–II (प्रतिपादक)
(A) सोशल–मॉर्फोलॉजी (सामाजिक–आकारिकी)	i. लेवी–स्ट्रॉस
(B) रेसिप्रोसिटि (परस्परता)	ii. फर्डिनैन्ड दि सॉसर
(C) एलायंस थ्योरी (गठबन्धन सिद्धान्त)	iii. रेडिक्लिफ–ब्राउन
(D) स्ट्रक्चरल–लिंग्विस्ट (संरचनात्मक भाषाविद)	iv. मार्सल मॉस

	A	B	C	D
(a)	iii	ii	iv	i
(b)	ii	iii	i	iv
(c)	iii	iv	i	ii
(d)	iv	iii	ii	i

उत्तर (c) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(संकल्पनाएँ)		(प्रतिपादक)
सोशल–मॉर्फोलॉजी (सामाजिक–आकारिकी)	-	रेडिक्लिफ–ब्राउन
रेसिप्रोसिटी (परस्परता)	-	मार्सल मॉस
एलायंस थ्योरी (गठबन्धन सिद्धान्त)	-	लेवी स्ट्रॉस
'स्ट्रक्चरल–लिंग्विस्ट' (संरचनात्मक भाषाविद्)	-	फर्डिनैन्ड दि सॉसर

26. निम्नलिखित में से किसने नातेदारी संरचनाओं के अपने अध्ययन में 'यांन्त्रिक' और 'सांख्यिकीय' प्रतिरूप प्रस्तुत किए हैं–

(a) सी.लेवी–स्ट्रॉस (b) जेम्स फ्रेज़र
(c) ए.आर. रेडक्लिफ–ब्राउन (d) एस.एफ. नाडेल

उत्तर (a) – संरचनात्मक मानवशास्त्र के प्रणेता तथा बीसवीं शताब्दी के अत्यन्त प्रखर एवं सैद्धान्तिक रूप से उद्भित फ्रांसीसी दार्शनिक मानवशास्त्री क्लाड लेवी-स्ट्रॉस मुख्य रूप में भाषा, मिथक, भाषा शास्त्र तथा नातेदारी संबंधी जनजातीय समाजों के अपने अध्ययनों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने नातेदारी संरचनाओं के अपने अध्ययन में यांत्रिक और सांख्यिकी प्रतिरूप प्रस्तुत किया।

27. निम्नलिखित में से किसने सामाजिक व्यवस्था में प्रगामी विकास की प्रक्रिया में गतिमान संतुलन की बात की है?

(a) टी. पार्सन्स (b) आर.के. मर्टन
(c) मैक्स वेबर (d) बी. मैलिनॉवस्की

उत्तर (a) – पारसंस की गणना एक दिग्गज आधुनिक अमेरिकी अग्रणी समाजशास्त्रियों में की जाती है। उन्होंने सामाजिक व्यवस्था में प्रगामी विकास की प्रक्रिया में गतिमान संतुलन की बात की है।

28. ई. दुर्खीम के लिए नैतिक घनत्व का अर्थ है–

(a) व्यक्तियों की संख्या में मात्र वृद्धि
(b) नैतिक रूप से कार्य कर रहे व्यक्ति
(c) संयम अनुभव करने वाले व्यक्ति
(d) व्यक्तियों के बीच अधिक अन्तर्क्रिया

उत्तर (d) – दुर्खीम को आधुनिक समाजशास्त्र विषय के संस्थापकों में से एक अग्रणी प्रवर्तक माना जाता है। दुर्खीम को पहला अकादमिक समाजशास्त्री माना जाता है। ई0 दुर्खीम के लिए नैतिक घनत्व का अर्थ व्यक्तियों के बीच अधिकाधिक उनके बीच में पाये जाने वाला अन्तःक्रिया है।

29. 'स्वतः साधक भविष्योक्ति' की संकल्पना की व्याख्या किसने की थी?

(a) मैक्स बेवर (b) आर.के. मर्टन
(c) टी.पार्सन्स (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (b) – आर0के0 मर्टन ने स्वतः साधक भविष्योक्ति की संकल्पना की व्याख्या की थी। इसके अनुसार हमारे विश्वास और आशाएं हमारे व्यवहार को अचेतन द्वारा प्रभावित करती हैं।

30. 'ट्रोबि–यांड आइलैंडर्स' का अध्ययन किसने किया?

(a) ए.आर. ब्राउन (b) जे.फ्रेजर
(c) बी. मैलिनॉवस्की (d) ई. दुर्खाईम

उत्तर (c) – मानवशास्त्र में प्रकार्यवादी सिद्धान्त के एक प्रमुख हस्ताक्षर पोलैण्ड निवासी ब्रॉनिस्ला केस्पर मैलिनोवस्की मूलतः भौतिक शास्त्री और मनोविज्ञानशास्त्र में दीक्षित थे। मैलिनोवस्की प्रकार्यवादी सिद्धान्त के प्रणेताओं में से रहे है। मैलिनोवस्की ने ट्रोबि-यांड द्वीपवासियों के विभिन्न पक्षों का अध्ययन कर कई शोध प्रबन्ध लिखे हैं।

31. ''द जनरलाइज्ड अदर'' की संकल्पना के प्रवर्तक थे–

(a) जी.एच. मीड (b) एच. ब्लूमर
(c) वी. परेटो (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a) – अमेरिका के शिकागो वैचारिक परम्परा के एक अग्रणी दार्शनिक और अन्तःक्रियावादी जार्ज हरबर्ट मीड को समाजशास्त्री के क्षेत्र में नवीन परम्परा की आधार शिला रखने का गौरव प्राप्त है। यह परम्परा (उपागम) उनकी मृत्यु के बाद ''सामाजिक अन्तक्रियावाद के नाम से जानी जाती है। वे 'द जनरलाइज्ड अदर' की संकल्पना के प्रवर्तक थे।

32. मैक्स वेबर ने किसकी उपस्थिति या अनुपस्थिति के रूप में शक्ति और सत्ता में विभेद किया है?

(a) अनुक्रम (b) तर्कसंगतता
(c) वैधता (d) नौकरशाही

उत्तर (c) –मैक्स वेबर ने शक्ति और वैधता के आपसी संबंधों के अपने विश्लेषण में दो प्रकार की शक्तियाँ तथा तथ्यात्मक शक्ति और आदेश की सत्तावादी शक्ति बताई है और उन्होंने वैधता के आधार पर उपस्थिति या अनुपस्थिति के रूप में शक्ति और सत्ता में विभेद किया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

33. अभिजात्य वर्ग के सिद्धान्त का सबसे पहले विकास किन्होंने किया?
(a) परेटो और मोस्का (b) मिल्स और डेविड लेन
(c) परेटो और मिल्स (d) मोस्का और मिशेल

उत्तर (a) – परेटो और मोस्का ने अभिजात वर्ग के सिद्धान्त का सबसे पहले विकास किया था। अभिजात सिद्धान्त का सर्वप्रथम मोस्का तथा परेटो की कृतियों के देखने को मिलता है। परेटो सम्भवतः पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने ऐलीट शब्द का प्रयोग किसी समाज के उन कुछ व्यक्तियों के लिए किया जो बहुत से व्यक्ति पर शासन करते हैं।

34. ''द मेथोडोलॉजिकल पोजीशन ऑफ सिम्बॉलिक इन्टरऐक्शनिज्म'' पुस्तक के लेखक थे–
(a) एच.ब्लूमर (b) सी.एच.कूले
(c) ई. गॉफ्मैन (d) जी.एच. मीड

उत्तर (a) – ब्लूमर प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावादी परम्परा के प्रवर्तक थे। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'द मेथोडोलॉजिकल पोजीशन ऑफ सिम्बॉलिक इण्टर ऐक्शनिज्म' है।

35. संघर्ष के प्रकार्यवाद उपागम का प्रतिपादन किसने किया था?
(a) आर. डाहरेन्डॉर्फ (b) एल.ए. कोजर
(c) कार्ल मॉर्क्स (d) आर. कॉलिन्स

उत्तर (b) – लेविस कोजर विश्लेषणात्मक संघर्ष सिद्धान्त वेत्ताओं की कोटि के समाजशास्त्री हैं और उन्होंने संघर्ष के प्रकार्यवाद उपागम का प्रतिपादन किया था। कोजर ने बुनियादी रूप में संघर्ष के दो प्रकार बताये हैं –(1) वास्तविक और (2) अवास्तविक।

36. कार्ल मार्क्स के अनुसार सामाजिक परिवर्तन के पाँच महान साधन कौन से हैं जो उत्तरवर्ती रूप से मानव समाज की गत्यात्मकता को साकार करते हैं–
(1) दासत्व (2) प्राथमिक साम्यवाद
(3) पूँजीवाद (4) सामन्तवाद
(5) सामजवाद
उसने इन अवस्थाओं को किस क्रम में रखा?
(a) 1, 2, 3, 4, 5 (b) 2, 1, 3, 4, 5
(c) 2, 1, 4, 3, 5 (d) 1, 2, 5, 3, 5

उत्तर (c) – कार्ल मार्क्स वैज्ञानिक साम्यवाद के जनक थे। कार्ल मार्क्स के अनुसार सामाजिक परिवर्तन के पाँच महान साधन है जो उत्तरवर्ती रूप से मानव समाज की गत्यात्मकता को साकार करते हैं। (1) प्राथमिक साम्यवाद (2) दासत्व (3) सामन्तवाद (4) पूँजीवाद (5) समाजवाद।

37. नीचे दो कथन दिए गए हैं– एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है–
अभिकथन (A) : अवलोकन कभी–कभी हमें सामाजिक प्रघटना के बारे में बेहतर निष्कर्ष प्रदान करता है।
तर्क (R) : अवलोकन एक विधि है जिसमें कोई भी पक्षपात सम्मिलित नहीं होता है।
नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए–
कूट–
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, किन्तुं (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।

उत्तर (b) चूंकि अवलोकन में कानों तथा वाणी की अपेक्षा चक्षुओं (आखों) का प्रयोग किया जाता है, साथ ही यह कारण तथा परिणाम में परिशुद्ध निरीक्षण तथा प्रघटना पर ध्यान देता है। इसी कारण अवलोकन सामाजिक प्रघटना के बारे में बेहतर निष्कर्ष प्रदान करता है। अतः कथन (A) सही है। मोजर तथा काल्टन ने कहा है कि अवलोकन को स्पष्ट वैज्ञानिक अन्वेषण की शास्त्रीय पद्धति कहा जा सकता है। अतः इस विधि में पक्षपात की कोई सम्भावना नहीं है। अतः तर्क (R) भी सही है। परन्तु कथन (A) का तर्क (R) की व्याख्या के साथ किसी भी प्रकार का सम्बन्ध नहीं है। जबकि कथन और तर्क दोनों सही हैं।

38. मार्क्स की व्याख्या के अनुसार सही तर्कसंगत क्रम की पहचान कीजिए–
(a) स्वयं में वर्ग, स्वयं के लिए वर्ग, सामाजिक रूपान्तरण, वर्ग संघर्ष
(b) स्वयं में वर्ग, स्वयं के लिए वर्ग, वर्ग संघर्ष, सामाजिक रूपान्तरण
(c) स्वयं में वर्ग, वर्ग संघर्ष, स्वयं के लिए वर्ग, सामाजिक रूपान्तरण
(d) स्वयं के लिए वर्ग, वर्ग संघर्ष, स्वयं में वर्ग, सामाजिक रूपान्तरण

उत्तर (b) – मार्क्स के व्याख्या के अनुसार तर्कसंगत क्रम इस प्रकार है– स्वयं में वर्ग, स्वयं के लिए वर्ग, वर्ग संघर्ष तथा सामाजिक रूपान्तरण।

39. यह किसने कहा है कि ''मानव कार्यकलाप को केवल अंदर से ही देखा और समझा जा सकता है''?
(a) मैक्स वेबर (b) डब्ल्यू डिल्थे
(c) ई. दुर्खीम (d) पी. सोरोकिन

उत्तर (b) – डिल्थे आदर्शात्मक सम्प्रदाय के जनक हैं और वे कहते हैं कि मानव कार्यकलाप को केवल अन्दर से ही देखा और उसे समझा भी जा सकता है। डिल्थे मुख्य रूप से प्राकृतिक और सामाजिक घटनाओं में अन्तर स्पष्ट किये जाने वाले अपने विचारो के लिए जाने जाते है।

40. यह विचार किसने किया है कि 'अवलोकन, वर्गीकरण और अप्रत्यक्ष प्रयोग की दृष्टि से सामाजिक प्रघटना को प्राकृतिक प्रघटना जैसा माना जा सकता है?
(a) इमाईल दुर्खीम (b) ए.आर. रेडक्लिफ–ब्राउन
(c) (1) और (2) दोनों (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (b) – इमाईल दुर्खीम और ब्राउन दोनों ने समाजशास्त्र को वैज्ञानिक बनाने का सराहनीय कार्य किया था और उनका विचार था कि अवलोकन वर्गीकरण और अप्रत्यक्ष प्रयोग की दृष्टि से सामाजिक प्रघटना जैसा माना जा सकता है।

41. भारतीय समाजशास्त्रियों में से किसने सामाजिक प्रघटना के अध्ययन के समेकित उपागम की वकालत की है?
(a) डी.पी. मुकर्जी (b) जी.एस. घुर्ये
(c) राधा कमल मुखर्जी (d) राम कृष्ण मुखर्जी

उत्तर (c) – भारत में राधा कमल मुखर्जी मूल्य सिद्धान्त के प्रणेता थे। वे भारत के प्रथम समाजशास्त्र के प्रोफेसर थे। उन्होंने सामाजिक प्रघटना के अध्ययन के समेकित उपागम की पुरजोर वकालत की है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

42. निम्नलिखित में से किसने पहली बार भारत में 'एक औद्योगिक नगर का सर्वेक्षण' किया तथा सांख्यिकीय अवधारणाओं और साधनों का प्रयोग किया?

(a) डी.एन. मजूमदार (b) एम.एन. श्रीनिवास
(c) वी.एस. डिसूजा (d) एस.सी. दुबे

उत्तर (a) – लखनऊ वि0वि0 में एक स्वतंत्र विषय के रूप में मानवशास्त्र विभाग की स्थापना करने वाले जाने-माने विद्वान धीरेन्द्र नाथ मजूमदार भारत के अग्रणी समाजशास्त्रियों और मानवशास्त्रियों की प्रथम पंक्ति में रहे हैं। उन्होंने पहली बार भारत में एक औद्योगिक नगर का सर्वेक्षण किया तथा सांख्यिकीय अवधारणाओं और साधनों का प्रयोग किया।

43. किसके बारे में यह कहा जाता है कि उसने यू.एस.ए. में 'एक स्ट्रीट कॉर्नर सोसाइटी' के अध्ययन में सहभागी अवलोकन विधि का प्रयोग किया था?

(a) बी. मैलिनॉवस्की (b) डब्ल्यू एच. व्हाइट
(c) पॉल एफ. लाजार्स फील्ड (d) आर.के. मर्टन

उत्तर (b) – डब्ल्यू.एफ. व्हाइट एक मूर्धन्य समाजशास्त्री थे। उन्होंने यू0एस0ए0 में एक स्ट्रीट कार्नर सोसाइटी के अध्ययन में सहभागी अवलोकन विधि का प्रयोग किया था।

44. सूची–I और सूची–II को सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए–

सूची–I (पुस्तकें)	सूची–II (लेखक)
(A) दि मेथडोलॉजी ऑफ दि सोशल साइन्सेज	i. जॉन मज
(B) दि रूल्स ऑफ सोशियोलॉजिकल मैथड	ii. जहोडा और अन्य
(C) दि टूल्स ऑफ सोशल साइन्स	iii. इमाईल दुर्खीम
(D) मेथड्स इन सोशल रिलेशन्स	iv. पी.वी. यंग
	v. मैक्स वेबर

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	v	iv	iii	ii
(c)	iv	iii	ii	i
(d)	v	iii	i	ii

उत्तर (d) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तकें)	(लेखक)
दि मेथडोलॉजी ऑफ दि सोशल साइन्सेज	- मैक्स वेबर
दि रूल्स ऑफ सोशियोलॉजिकल मेथड	- इमाईल दुर्खीम
दि टूल्स ऑफ सोशल साइन्स	- जॉन मज
मेथड्स इन सोशल रिलेशन्स	- जहोडा और अन्य

45. जनगणना किसका उदाहरण है?

(a) व्याख्यात्मक शोध का (b) अन्वेषणात्मक शोध का
(c) विवरणात्मक शोध का (d) नैदानिक शोध का

उत्तर (c) – जब किसी अन्वेषण का उद्देश्य घटनाओं संगठनों संस्थानों अथवा किसी स्थिति विशेष का वर्णन करना मात्र होता है तब इस प्रकार का अध्ययन वर्णनात्मक शोध अनुसंधान कहलाता है। इस प्रकार के शोध 'क्यों' के प्रश्न का उत्तर देने की अपेक्षा 'क्या' का उत्तर देती है। जनमत सर्वेक्षण इसमें अच्छा उदाहरण है।

46. निम्नलिखित में से कौन सा एक औसत का माप गुणात्मक आंकड़ों पर लागू किया जा सकता है?

(a) माध्य (b) मध्य
(c) बहुलक (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (c) – औसत का एक प्रकार जिसकी परिभाषा प्राप्त को अथवा माप के ऐसे मूल्य के रूप में की जाती है जो किसी समंक माला में सर्वाधिक बार आता है दूसरे शब्दों में श्रेणी में सर्वाधिक आने वाले मूल्य को भूयिष्ठिक या बहुलक कहते हैं।

47. मानक विचलन किसका माप है?

(a) बहुलक के इर्द-गिर्द प्रकीर्णन
(b) माध्य के इर्द-गिर्द प्रकीर्णन
(c) बहुलक और माध्य के इर्द–गिर्द प्रकीर्णन
(d) माध्यिका और बहुलक के इर्द–गिर्द प्रकीर्णन

उत्तर (b) – माध्य वह मूल्य है जो किसी संख्यात्मक पदों की श्रेणी के समस्त पदों के मूल्य के योग में श्रेणी के पदों की संख्या का भाग देने से प्राप्त होता है। यह गणितीय माध्य है तथा इसे औसत भी कहा जाता है। इसलिए मानक विचलन माध्य के इर्द–गिर्द प्रकीर्णन है।

48. व्यक्ति अध्ययन का उद्देश्य है–

(a) एक इकाई का गुणात्मक विश्लेषण
(b) एक इकाई का मात्रात्मक विश्लेषण
(c) गुणात्मक और मात्रात्मक विश्लेषण दोनों
(d) एक इकाई के सभी पहलुओं का गुणात्मक एवं विस्तृत विश्लेषण

उत्तर (d) – व्यक्ति अध्ययन का उद्देश्य है एक इकाई के सभी पहलुओं का गुणात्मक एवं विस्तृत विश्लेषण है।

49. ऐतिहासिक शोध की एक पद्धति, जिसमें जीवित व्यक्तियों की स्मृतियों का संग्रह किया जाता है, को कहा जाता है–

(a) व्यक्ति अध्ययन (b) विषय वस्तु विश्लेषण
(c) मौखिक इतिहास (d) ऊहात्मक इतिहास

उत्तर (c) – मौखिक इतिहास विधि में वयोवृद्ध व्यक्तियों से साक्षात्कार किया जाता है और उन घटनाओं के बारे में जानकारी एकत्रित की जाती है जो उनकी बाल्यावस्था, किशोरावस्था, युवावस्था और प्रौढ़ावस्था में घटी होती है। इस प्रकार इस विधि द्वारा विगत् के इतिहास का लेखन कर जीवन इतिहास की रचना की जाती है।

50. किस पद्धति में साधारणतया पूर्व–निर्धारित श्रेणियों के समूह के विशेष मदों के आपतन की गणना सम्मिलित है?

(a) व्यक्ति अध्ययन (b) विषय विश्लेषण
(c) (1) और (2) दोनों (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c) – विषय विश्लेषण शोध की एक विधि, एक तकनीक है जिसके द्वारा संचार के लिखित, मौखिक अथवा दृश्यात्मक साधनों में व्यक्त अन्तर्वस्तु के वस्तुपरक, व्यवस्थित एवं परिमाणात्मक विश्लेषण किया जाता है। इस विधि की शुरूआत (Begining) सन् 1930 में जुलियन वुडवार्ड ने शुरूआत की थी। इसके द्वारा पूर्व निर्धारित श्रेणियों के समूहों के विशेष मदों के आपतन की गणना की जाती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2016
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक है। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित में से किसका यह विचार है कि लोग दूसरों की चेतना को समझते हैं जबकि वे स्वयं अपने चेतना-प्रवाह में रहते हैं?
(a) इर्विंग गॉफमैन (b) अल्फ्रेड शुट्ज
(c) पीटर बर्गर (d) माइकल फुको

उत्तर (b) – अल्फ्रेड शूट्ज का विचार है कि लोग दूसरों की चेतना को समझते हैं जबकि वे स्वयं अपने चेतना-प्रवाह में रहते हैं। शूट्ज का कहना है कि रोजमर्रा के विश्व में जब तक समस्त कार्य-व्यापार कुछ निश्चित तौर-तरीकों के अनुसार आसानी से चलता रहता है, तब तक अपेक्षाकृत चेतना का कोई महत्व नहीं होता और कर्त्तागण इस बात पर बहुत कम ध्यान देते हैं कि उनके मस्तिष्क में तथा दूसरों के मस्तिष्क में क्या हो रहा है।

2. निम्नलिखित में से किस एक संकल्पना का प्रयोग इर्विंग गॉफमैन ने अपने उपागम में नहीं किया है?
(a) प्रभाव प्रबंधन (b) अग्र मंच (फ्रंट स्टेज)
(c) टीम (d) विवरण

उत्तर (d) – अभिनयशास्त्रीय उपागम (Dramaturgy Approach) एक समाजशास्त्रीय विधि है जिसे सूक्ष्म समाजशास्त्र में रोजाना की सामाजिक अन्तःक्रिया के हिसाब-किताब के लिए प्रयोग किया जाता है। समाजशास्त्र में इसका प्रयोग वर्ष 1959 में गॉफमैन ने अपनी पुस्तक 'The Presentation of Self in Everyday Life' में किया। अपनी इस पुस्तक में गॉफमैन ने सामाजिक जीवन का विश्लेषण करने के लिए रंगमंच की उपमा का प्रयोग किया। इसके लिए उन्होंने प्रदर्शन, टीम, अग्रमंच (Front Stage), पश्च मंच (Back Stage), क्षेत्र, संवाद, प्रभावी प्रबंधन, वाह्य कथ्य, श्रोतागण, अभिनेता, अभिनय, भूमिका आदि शब्दों का प्रयोग प्रचुर मात्रा में किया है। विवरण का प्रयोग इर्विंग गॉफमैन ने अपने उपागम में नहीं किया है।

3. निम्नलिखित सूचियों को सुमेलित कीजिए:

सूची-I (संकल्पनाएँ)	सूची-II (प्रतिपादक)
(A) ब्रीचिंग एक्सपेरीमेंट	i. इर्विंग गॉफमैन
(B) लाइफ वर्ल्ड	ii. पी.बर्गर और जे. लकमैन
(C) ड्रामाटर्जी	iii. एच. गार्फिन्केल
(D) सोशल कन्स्ट्रक्शन	iv. अल्फ्रेड शुट्ज

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :
कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	i	iv	ii	iii
(b)	ii	iii	i	iv
(c)	iv	iii	ii	i
(d)	iii	iv	i	ii

उत्तर (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(संकल्पनाएँ)	(प्रतिपादक)
ब्रीचिंग एक्सपेरीमेंट	- एच. गार्फिन्केल
लाइफ वर्ल्ड	- अल्फ्रेड शुट्ज
ड्रामाटर्जी	- इर्विंग गॉफमैन
सोशल कन्स्ट्रक्शन	- पी.बर्गर और जे. लकमैन

4. एक सैद्धान्तिक उपागम जो उन पद्धतियों, जो सामाजिक समूहों के सदस्य सामाजिक वास्तविकता के अपने भाव के निर्माण में लगाते हैं, को उजागर करने के लिए बढ़ता है, को कहते हैं:
(a) नृजाति प्रणाली विज्ञान (b) नृजाति वर्णन
(c) दृश्यघटना विज्ञान (d) मनोविज्ञान

उत्तर (a) – नृजाति प्रणाली विज्ञान का प्रमुख कार्य यह जानना है कि किसी समाज के व्यक्ति किस प्रकार सामाजिक अन्तः क्रियाओं के दौरान संकेतांक अभिव्यक्तियों को अर्थ प्रदान करते हैं इस प्रकार स्पष्ट होता है कि एथनोमेथडोलॉजी का अर्थ उन विधियों के अध्ययन से है जिनका प्रयोग लोग रोजमर्रा के सामाजिक जीवन में अर्थों और व्यवस्था की रचना करने में करते हैं।

5. निम्नलिखित में से कौन दैनिक जीवन और संस्थाओं के सामाजिक निर्माण में सामान्य-बुद्धि ज्ञान की भूमिका का विवरण प्रस्तुत करता है?
(a) बर्गर और लकमैन (b) हसर्ल और शुट्ज
(c) पार्सन्स और मर्टन (d) डेविस और मूर

उत्तर (b) – बर्गर तथा लकमैन अमेरिकन समाजशास्त्री हैं और वे दैनिक जीवन और संस्थाओं के सामाजिक निर्माण में सामान्य बुद्धि ज्ञान की भूमिका का विवरण प्रस्तुत करते हैं और यथार्थ की सामाजिक संरचना की व्याख्या करते हुऐ बर्गर एवं लकमैन कहते हैं कि कुछ सामाजिक घटनाएँ ऐसी होती हैं जिनका दायरा केवल विचारों के संसार तक होता है। ऐसी घटनाओं का कोई भौतिक अस्तित्व नहीं होता। मानदण्ड मूल्य और संस्कृति के कई अन्य तत्व ऐसी ही मानसिक प्रक्रियाएँ हैं जो समाजशास्त्रीय घटनाओं की श्रेणी में आती हैं। वे मानसिक प्रक्रियाएँ ही यथार्थ की सामाजिक संरचनाएँ हैं। समाज को ही शब्दों की रचना व स्रोत मानते हैं।

6. यह किसका कथन है कि ''वैचारिक अधि-संरचना अर्थव्यवस्था का मात्र प्रतिबिम्ब नहीं है अपितु अंशतः इसके अस्तित्व की शर्त भी है''?
(a) एल.अल्थुजर (b) ए. गिड्डेन्स
(c) के. मार्क्स (d) जे. हैबरमास

उत्तर (a) – एल. अल्थूजर नव-मार्क्सवाद का प्रणेता माना जाता है। अल्थूजर को हम बीसवीं शताब्दी का सबसे अधिक मौलिक और प्रभावशाली मार्क्सवादी सामाजिक दार्शनिक मानते हैं। अल्थूजर ने मार्क्स के आर्थिक निर्धारणवाद को अस्वीकार किया और कहा कि समाज की संरचना के तीन स्तर होते हैं आर्थिक राजनीतिक और वैचारिक। इस प्रकार वैचारिक अधिसंरचना अर्थव्यवस्था का मात्र प्रतिबिम्ब नहीं है अपितु अंशतः इसके अस्तित्व की शर्त भी है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

7. निम्नलिखित सूचियों को सुमेलित कीजिए:

सूची-I (परिपेक्ष्य)	सूची-II (चिन्तक)
(A) स्ट्रक्चरल मार्क्सिस्ट (संरचनात्मक मार्क्सवादी)	i. जे. अलेक्जेंडर
(B) क्रिटिकल थ्योरिस्ट (आलोचनात्मक सिद्धान्तवादी	ii. ए.गिड्डेन्स
(C) निओ-फंक्शनलिज्म (नव-प्रकार्यवाद)	iii. एल.अल्थुजर
(D) स्ट्रक्चरेशन थ्योरिस्ट (संरचनासृजन सिद्धान्तवादी)	iv. जे. हैबरमास

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	i	iv	iii	ii
(b)	iii	ii	i	iv
(c)	iii	iv	i	ii
(d)	ii	iii	i	iv

उत्तर (c) सुमेलित–

(परिपेक्ष्य)	(चिन्तक)
स्ट्रक्चरल मार्क्सिस्ट (संरचनात्मक मार्क्सवादी)	- एल.अल्थूजर
क्रिटिकल थ्योरिस्ट (आलोचनात्मक सिद्धान्तवादी)	- जे. हैबरमास
निओ-फंक्शनलिज्म (नव-प्रकार्यवाद)	- जे. अलेक्जेंडर
स्ट्रक्चरेशन थ्योरिस्ट (संरचनासृजन सिद्धान्तवादी)	- ए.गिड्डेन्स

8. निम्नलिखित में से कौन 'लेजिटिमेशन क्राइसिस' नामक पुस्तक का लेखक है?

(a) जे. अलेक्जेंडर (b) जे. हैबरमास
(c) एल.अल्थूजर (d) एच.गार्फिन्केल

उत्तर (b) – 'लेजिटिमेशन क्राइसिस' (1976) नामक पुस्तक के लेखक जे. हैबरमास हैं। इस पुस्तक में उन्होंने व्यक्त किया है कि पूँजीवादी समाज पूर्णतः विरोधाभासों, संकटों और विकृत ज्ञान से भरा हुआ है। उनके अनुसार लोगों का प्रशासन, संस्था एवं नेतृत्व के ऊपर विश्वास (वैधता) की कमी आयी है। इसे ही उन्होंने पूँजीवादी समाज का 'वैधता संकट' कहा है।

9. निम्नलिखित में से किसने नवप्रकार्यात्मकवाद की परिभाषा,'प्रकार्यात्मक सिद्धान्त का आत्म आलोचक तत्व जो प्रकार्यात्मकवाद के बौद्धिक क्षेत्र का इसके सैद्धान्तिक केंद्र को अक्षुण्ण रखते हुए विस्तार करने का प्रयास करता है' के रूप में की है?

(a) टी. पार्सन्स और ई. शिल्स
(b) जे. अलेक्जेंडर और पी. कोलोमी
(c) जे. अलेक्जेंडर और जे. टर्नर
(d) पी. कोहेन और ए.गोल्डनर

उत्तर (b)–अलेक्जेण्डर और कॉलमी (1990) ने पुराने संरचनात्मक प्रकार्यवाद के बारे में गहराई रूप से लिखा और नव प्रकार्यवाद में अन्तर को भी स्पष्ट किया। उन्होंने बताया नव प्रकार्यवाद की जड़े पार्सन्स के संरचनात्मक-प्रकार्यवाद में गड़ी हुई है। इन्हीं जड़ों के आधार पर पुनर्निर्मित रचना को नव प्रकार्यवाद का नाम दिया गया है।

10. किसके अनुसार जीवन जगत 'व्याख्यापरक पैटर्न का सांस्कृतिक रूप से सम्प्रेषित और भाषाई रूप से संगठित संग्रह' है?

(a) जे. हैबरमास (b) ए. शुट्ज
(c) एम.वेबर (d) एच.गार्फिन्केल

उत्तर (a) – 'The Theory of Communicative Action' जें. हैबरमास ने लिखा है कि, जीवन जगत 'व्याख्यापरख पैटर्न का सांस्कृतिक रूप से सम्प्रेषित और भाषाई रूप से संगठित' है।

11. निम्नलिखित सूचियों को सुमेलित कीजिए:

सूची-I (संकल्पनाएँ)	सूची-II (प्रतिपादक)
(A) नवप्रकार्यवाद क्रिया तथा व्यवस्था पर लगभग बराबर ध्यान देता है।	i. एल. अल्थूजर
(B) अविकृत संप्रेषण	ii. जे. अलेक्जेण्डर
(C) संरचना की द्वैधता	iii. जे. हैबरमास
(D) अतिनिर्धारण	iv. ए. गिडेन्स

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	ii	iv	iii	i
(b)	i	ii	iii	iv
(c)	iii	iv	i	ii
(d)	ii	iii	iv	i

उत्तर (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(संकल्पनाएँ)		(प्रतिपादक)
नवप्रकार्यवाद क्रिया तथा व्यवस्था पर लगभग बराबर ध्यान देता है।	–	जे. अलेक्जेण्डर
अविकृत संप्रेषण	–	जे. हैबरमास
संरचना की द्वैधता	–	ए. गिडेन्स
अतिनिर्धारण	–	एल. अल्थूजर

12. एक फ्रांसीसी दार्शनिक ने मानव भाषा को क्रियापद्धति बनाकर सामाजिक चिंतन पर अत्यधिक प्रभाव डाला है। वह कौन है?

(a) ए. गिड्डेन्स (b) जे. डैरिडा
(c) एम.फुको (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (b) – डरिडा उत्तर-आधुनिकतावाद के विचारक समझे जाते हैं और वे विखण्डन के सिद्धांत के जनक हैं। दरिदा ने भाषा के स्थान पर लेखन (राइटिंग) पर जोर दिया है और वे मानव भाषा को क्रिया पद्धति बनाकर सामाजिक चिंतन पर अत्यधिक प्रभाव डाला है जो यथार्थ है।

13. निम्नलिखित में से अपने सिद्धान्त में संरचना और अभिकरण, जिसमें प्रमुखता किसी को भी नहीं दी गई है, के परस्पर-संबंध के विवरण को आगे बढ़ाता है?

(a) ए. गिड्डेन्स (b) जे. डेरिडा
(c) जे. हैबरमास (d) जे. अलेक्जेंडर

उत्तर (a) – ए. गिड्डेन्स के संरचनाकरण सिद्धान्त में संरचना और अभिकरण जिसमें प्रमुखता किसी को भी नहीं दी गई है, के परस्पर सम्बन्ध का विवरण देखने को मिलता है। गिड्डेन्स के सिद्धान्त की मुख्य बात यह है कि उन्होंने अभिकरण संरचना को द्वयात्मकता के रूप में देखा है। वे कहते है कि अभिकरण और संरचना को एक-दूसरे से अलग नही किया जा सकता है। यह दोनों एक-दूसरे अन्तर्हित है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

14. तर्क, भाषा ज्ञान और शक्ति जिसने सामाजिक सिद्धान्तों में अत्यधिक योगदान किया के विमर्श में निम्नलिखित में से किसका योगदान है?

(a) जे. डेरिडा (b) एल.अल्थूजर
(c) एम.फूको (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c) – फूको उत्तर-आधुनिकता के प्रणेता थे। फूको ने इस प्रबन्ध को आगे बढ़ाया और स्थापित किया जिसके पास ज्ञान है उसके पास शक्ति है। वे कहते हैं कि उत्तर- आधुनिकता समाज में ज्ञान उत्पादन का साधन है अर्थ हुआ अधिक ज्ञान अधिक उत्पादन शक्ति और तर्क भाषा, ज्ञान और शक्ति के द्वारा सामाजिक सिद्धांतों में अत्यधिक योगदान किया।

15. बृहत् आख्या के 'लोगो-केन्द्रित' निर्माण के परित्याग को कहा जाता है:

(a) अधि आख्या (b) विधिसम्मतन
(c) प्रोक्ति (d) विसंबंधन

उत्तर (d) – डेरिडा का समस्त विखण्डनवादी परिप्रेक्ष्य एक तरह से प्लेटो के समय से चले आ रहे शब्द केन्द्रवाद के प्रति विद्रोही तेवर के परिणाम है। क्या सही क्या गलत क्या सत्य, क्या सुन्दर है इन्हें उद्घटित करने हेतु विचारों की एक सार्वभौमिक प्रणाली की खोज ही लोगोसेन्ट्रिज्म है। संक्षेप में, डेरिडा लोगोसेन्ट्रिज्म चाहते हैं।

16. चिन्तन का एक तरीका जो सत्य को सार्वभौमिक तर्क-वाक्यों पर लागू करता है, को कहा जाता है:

(a) हैबिटस (b) लोगो केन्द्रित
(c) अनुरूपण (d) अतिवास्तविक

उत्तर (b)

17. निम्नलिखित में से किसके अनुसार संकेतक का संकेतित से कोई स्थिर संबंध नहीं है?

(a) जे. डेरिडा (b) एम. फूको
(c) ए. गिड्डेन्स (d) जे. हैबरमास

उत्तर (a) – मूल रूप में दर्शनशास्त्री जैक डेरिडा उत्तर-संरचनावाद और उत्तर आधुनिकता के एक प्रमुख समकालीन हस्ताक्षर और फ्रान्स के एक अग्रणी चिन्तक हैं। अपने उत्तर-संरचनावाद और उत्तर-आधुनिकता के विचारों के सन्दर्भ में डेरिडा ने कई नई अवधारणायें प्रणीत की हैं, उनमें प्रमुख हैं– विखण्डनवाद या विरचनावाद, भेद, विकेन्द्रण और आने वाले लोकतंत्र के प्रति आशा भरा विश्वास आदि। इनके अनुसार संकेत का संकेतित से कोई स्थिर संबंध नहीं है।

18. निम्नलिखित में से कौन सा भारत में विविधता का स्रोत नहीं है?

(a) धर्म (b) भाषा
(c) राष्ट्रीय प्रतीक (d) संस्कृति

उत्तर (c) – भारत एक विविधताजनित समाज है इसके विभिन्न प्रकार के धर्म, जाति, प्रजाति, भाषा, खान-पान, का निश्चित युक्त समाज हैं जिसमें विभिन्न उपसंस्कृतियों का मिलाजुला रूप है जो भारतीय संस्कृति का निर्माण करते हैं। इसलिए राष्ट्रीय प्रतीक एक भावना से जुड़ा है। राष्ट्रीय प्रतीक भारत में एकता का स्रोत है, विविधता का नहीं।

19. मिल्टन सिंगर और मैकिम मैरियट ने किन संकल्पनाओं का प्रयोग करके भारत में सामाजिक परिवर्तन का अध्ययन किया?

(a) पश्चिमीकरण और आधुनिकीकरण
(b) लघु और बृहत् परम्परा
(c) संरचना और प्रकार्य
(d) औद्योगीकरण और भूमंडलीकरण

उत्तर (b) – सिंगर एवं मैरियट ने लघु और बृहत् परंम्परा का प्रयोग करके भारत में सामाजिक परिवर्तन का अध्ययन किया उनके अनुसार जब लघु परम्परा के तत्व बृहत् परम्परा में प्रवेश करते हैं इसे Universalization एवं बृहत् परम्परा तत्व जिस प्रक्रिया द्वारा लघु परम्परा का अंग बनाते है। उसे संर्कीणीकरण (gorochilization) कहते हैं।

20. विगत में, निम्नलिखित विदेशी यात्रियों में से किसने यह पाया और लिखा कि विविधता में एकता भारत की आत्मतादात्म्य का अंग बन चुका है?

(a) मेगस्थनीज़ (b) ह्वेनसांग
(c) अलबरूनी (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d) –

21. भारत की जनसंख्या में छः प्रमुख तर्कणापरक तत्वों का सर्वाधिक अधिकारिक और व्यापक रूप से स्वीकार्य वर्गीकरण किसके द्वारा किया गया है?

(a) बी.एस.गुहा (b) जी.एस. घुर्ये
(c) एल.पी. विद्यार्थी (d) इरावती कर्वे

उत्तर (a) –भारत की जनसंख्या में छः प्रमुख तर्कणापरक तत्वों (भारतीय प्रजातियों) का सर्वाधिक आधिकारिक और व्यापक रूप से स्वीकृत वर्गीकरण बी.एस. गुहा द्वारा किया गया है जो निम्नलिखित प्रकार है- (i) नीग्रीटो (ii) प्रोटो- ऑस्ट्रोलायड (iii) मंगोलायड (iv) भूमध्य-सागरीय (v) पश्चिमी चौड़े शीर वाले तथा (vi) नार्डिक।

22. नीचे दो कथन दिये गये हैं अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है।

अभिकथन (A) : मध्य भारत में जनजातीय पट्टियाँ बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण की प्रक्रिया में है।

तर्क (R) : यह जनजातीय अर्थव्यवस्था में विविधीकरण का संकेत करता है जिससे जनजातीय संस्कृति में बुनियादी परिवर्तन होते हैं।

कूट:

(a) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, पर (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, पर (R) सही है।

उत्तर (a) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

23. यह कथन निम्नलिखित में से किसका है कि भारतीय राष्ट्रवाद नई भौतिक दशाओं और सामाजिक शक्तियों, जिनका प्रादुर्भाव अंग्रेजों की विजय के द्वारा भारतीय समाज में हुआ था, का परिणाम था?

(a) रामकृष्ण मुखर्जी (b) आर. मुखर्जी
(c) ए.आर. देसाई (d) डी.पी. मुकर्जी

उत्तर (c) – ए. आर. देशाई की प्रथम प्रमुख रचना 'भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि' है। इस कृति में उन्होंने मार्क्सवाद के आधार पर राष्ट्रीय आन्दोलन की व्याख्या की है। मार्क्सवादी विचारधारा के प्रति आजन्म प्रतिबद्ध रहे भारतीय समाजशास्त्री अक्षय

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कुमार रमनलाल देसाई की गणना बम्बई विश्वविद्यालय के प्रथम पंक्ति और देश के अग्रणी समाजशास्त्रियों में की जाती है। भारतीय राष्ट्रवाद भौतिक दशाओं और सामाजिक शक्तियों, जिनका प्रादुर्भाव अंग्रेजों की विजय के द्वारा भारतीय समाज में हुआ था।

24. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I (उपागम)	सूची-II (प्रतिपादक)
(A) द्वंद्वात्मक उपागम	i. एस.सी.दुबे
(B) प्रकार्यात्मक उपागम	ii. जी.एस. घुर्ये
(C) भारतीय विद्या उपागम	iii. एन.के.बोस
(D) सभ्यात्मक उपागम	iv. डी.पी. मुकर्जी

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	i	iv	iii	ii
(b)	iv	i	ii	iii
(c)	iv	iii	i	ii
(d)	iii	i	iv	ii

उत्तर (b) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(उपागम)	(प्रतिपादक)
द्वंद्वात्मक उपागम	- डी.पी. मुकर्जी
प्रकार्यात्मक उपागम	- एस.सी.दुबे
भारतीय विद्या उपागम	- जी.एस. घुर्ये
सभ्यात्मक उपागम	- एन.के.बोस

25. भारतीय समाज के बारे में यह कथन किसका है कि ''राज्य व्यवस्था, एक प्रमुख परम्परा में, निरपेक्ष मूल्य की दृष्टि से अपेक्षाकृत स्वायत्त है''?

(a) एम.एन. श्रीनिवास (b) एल. ड्यूमों
(c) एम. मैरियट (d) पी. कोलेन्डा

उत्तर (b) – लुई ड्यूमॉ को फ्रांस में भारत का विशेषज्ञ कहा जाता है। फ्रांसीसी मानवशास्त्री लुई ड्यूमॉ भारत के समाजशास्त्र और मानवशास्त्र के क्षेत्र में जाति व्यवस्था तथा संस्तरण के अपने विश्लेषण और 'कान्ट्रिब्यूशन्स टू इन्डियन सोशियोलॉजी' नामक पत्रिका के एक संस्थापक सह सम्पादक के लिए विशेषतः जाने जाते हैं। भारत एक ऐसा धार्मिक समाज है जो जाति व्यवस्था की शुद्ध संस्तरण व्यवस्था से परिचित है और उनका कहना है कि राज्य व्यवस्था एक प्रमुख परम्परा में निरपेक्ष मूल्य की दृष्टि से अपेक्षाकृत स्वायत्त है।

26. निम्नलिखित में से किसने दक्षिण एशियाई समाजों के उर्ध्वमुखी और अधोमुखी गतिशीलताओं के लिए छः दशाएँ बताई हैं?

(a) टी. बी. बोटोमोर (b) के. डेविस
(c) आर. बेनडिक्स (d) जी. मिर्डाल

उत्तर (d) – गुन्नार मिर्डल ने बहुत ही चर्चित पुस्तक 'एशियन ड्रामा' का लेखन कार्य किया था। उन्होंने दक्षिण - एशियाई समाजों के उर्ध्वमुखी और अधोमुखी गतिशीलता के लिए छः दशाओं का उल्लेख किया था।

27. नीचे दो कथन दिये गये हैं एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है।

अभिकथन (A) : भारत में आधुनिकीकरण एक प्रवृत्ति को स्पष्ट करता है जिसमें परम्परागत भूमिका संरचनाएँ आधुनिक भूमिका संरचनाओं के समक्ष झुक रही है।

तर्क (R) : भारत में लोग आधुनिकता के स्थान पर परम्परा के सुस्पष्ट मूल्यों को प्रायः सुरक्षित रखते हैं।

नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर चुनिए:

कूटः

(a) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, पर (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, पर (R) सही है।

उत्तर (b) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

28. निम्नलिखित में से यह निष्कर्ष किसका है कि ग्रामीण समाज में सामाजिक विषमताएँ 'संचयी विषमताओं से बिखरी विषमताओं' में रूपान्तरित हो गई हैं?

(a) एम.एन. श्रीनिवास (b) एफ.जी. बेली
(c) आन्द्रे बैतेई (d) योगेन्द्र सिंह

उत्तर (c) – समाजशास्त्र में उन्हें स्तरीकरण और तुलनात्मक विधि का प्रणेता समझा जाता है। स्तरीकरण में उन्होंने जाति व्यवस्था को नये सन्दर्भ में रखा। आज जातियों का राजनीतिकरण हो गया है और अन्त में यह निष्कर्ष लिखते हैं कि ग्रामीण समाज में सामाजिक विषमताएँ संचयी विषमताओं से बिखरी विषमताओं में रूपान्तरित हो गयी हैं।

29. आपके अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा अंतर-पीढ़ी संघर्ष का कारण है?

(a) भूमि-वितरण प्रणाली
(b) नगर प्रवास
(c) समय के बदलने केक साथ मूल्यों में परिवर्तन
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c) – समाज में अन्तर-पीढ़ी गतिशीलता संघर्ष का कारण समय के बदलने के साथ मूल्यों में परिवर्तन है।

30. ''जेंडर' सामाजिक रूप से रचित है जबकि 'सेक्स' जैविक रूप से प्रदत्त है।'' यह कथन किसका कहा जा सकता है?

(a) नारीवाद की पहली लहर (b) नारीवाद की दूसरी लहर
(c) प्रकार्यवाद का अभ्युदय (d) भूमंडलीकरण का प्रभाव

उत्तर (b) – महिलावादियों में द्वितीय लहर ने ही वास्तव में नारी मुक्ति आन्दोलन की नींव रखी। यह एक प्रकार से ढीले-ढाले प्रकार का आन्दोलन था। इस प्रकार स्पष्ट होता है कि महिलाओं की प्रस्थिति में सुधार की प्रक्रिया में आमूलचूल में परिवर्तन हुआ है। नारीवाद की दूसरी लहर का मानना है कि जेण्डर समाजिक रूप से रचित है जबकि सेक्स जैविक रूप से प्रदत्त है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

31. वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों की संख्या कितनी है?
(a) 68.00 मिलियन (b) 65.47 मिलियन
(c) 59.31 मिलियन (d) 170 मिलियन

उत्तर (a) – वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों की संख्या लगभग 65.47 मिलियन थी।

32. किस प्रकार के विकास ने भारत में अधिकतम संख्या में व्यक्तियों को विस्थापित किया है?
(a) खान (b) बाँध
(c) औद्योगिक विकास (d) वन्यजीव अभयारण्य

उत्तर (c) – औद्योगिक विकास के फलस्वरूप भारत की जनसंख्या का विस्थापन काफी मात्रा में हुआ है।

33. 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान किस राज्य में सकल घरेलू उत्पाद दर में अधिकतम वृद्धि रही है?
(a) गुजरात (b) बिहार
(c) पंजाब (d) महाराष्ट्र

उत्तर (b) – 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान राज्य में सकल घरेलू उत्पाद दर में अधिकतम वृद्धि बिहार में हुआ हैं।

34. नीचे दो कथन दिये गये हैं एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है।
अभिकथन (A) : नगरीय भारत में मलिन बस्ती में रहने वाले लोगों की संख्या अलग-अलग एजेन्सी के अनुसार अलग-अलग है।
तर्क (R) : उनमें से सभी ने मलिन बस्तियों की परिभाषा करने में भिन्न- भिन्न मापदण्डों का अनुसरण किया।
नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर चुनिए:
कूट:
(a) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, पर (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, पर (R) सही है।

उत्तर (a) – चूँकि सभी एजेन्सियाँ मलिन बस्ती को परिभाषित करने के लिए भिन्न-भिन्न मापदण्डों का प्रयोग करती हैं, जिसके फलस्वरूप मलिन बस्ती में रहने वाले लोगों की संख्या उनके अनुसार अलग-अलग बनायी जाती है। अतः अभिकथन (A) तथा तर्क (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

35. निम्नलिखित में से किस राज्य की जनसंख्या सबसे कम है?
(a) हरियाणा (b) गुजरात
(c) जम्मू और कश्मीर (d) हिमाचल प्रदेश

उत्तर (d) –उपर्युक्त में हिमाचल प्रदेश में सबसे कम जनसंख्या है।

36. यह किसका कथन है कि अपराध सामान्य व्यवहार है?
(a) लोवेल जे. कार (b) डेविड अब्राहमसन
(c) अल्बर्ट के. कोहेन (d) इमाईल दुर्खीम

उत्तर (d) – दुर्खीम समाजशास्त्र के वास्तविक जनक है और उन्होंने अपराध को सामान्य व्यवहार माना है। उनका कहना कि अपराध भी समाज का अनुरक्षण करती है।

37. अवयस्कों द्वारा की गई अवैध गतिविधियाँ हैं:
(a) संगठित अपराध (b) असंगठित अपराध
(c) किशोर अपराधवृत्ति (d) पेशेवर अपराध
नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर चुनिए:
कूट:
(a) (a) और (c)
(b) (a), (c) और (d)
(c) (a), (b) और (c)
(d) (a), (b), (c) और (d)

उत्तर (a) कानून की दृष्टि में एक खास आयु के बालक द्वारा समाज की रीति-रिवाजों, प्रथाओं एवं मान्यताओं का उल्लंघन ही बाल अपराध है। 1986 के Juvenil Justice Act के अनुसार बाल अपराधियों की अधिकतम आयु लड़कों के लिए 16 वर्ष तथा लड़कियों के लिए 18 वर्ष है। बाल अपराधी की न्यूनतम आयु 7 वर्ष है। इस प्रकार 7 वर्ष से कम आयु के बालक द्वारा किया गया अपराध कोई अपराध नहीं माना जाएगा।
हावर्ड बेकर ने बाल अपराध के चार प्रकार बतायें है-
1. व्यक्तिगत बाल अपराध
2. समूह द्वारा समर्थित बाल अपराध
3. संगठित बाल अपराध
4. परिस्थितिवश बाल अपराध

38. सूची - I और को सूची - II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए:

सूची-I (सिद्धान्त)	सूची-II (समाजशास्त्री)
(A) शास्त्रीय सिद्धान्त	i. लैम्ब्रोसो
(B) भौगोलिक सिद्धान्त	ii. सदरलैंड
(C) प्ररूपी सिद्धान्त	iii. क्वेटलेट
(D) समाजशास्त्रीय सिद्धान्त	iv. बकारिया

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :
कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	i	iv	iii	ii
(b)	iii	iv	ii	i
(c)	iv	iii	i	ii
(d)	iv	ii	i	iii

उत्तर (c) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(सिद्धान्त)	(समाजशास्त्री)
शास्त्रीय सिद्धान्त	- बकारिया
भौगोलिक सिद्धान्त	- क्वेटलेट
प्रारूपी सिद्धान्त	- लैम्ब्रोसो
समाजशास्त्रीय सिद्धान्त	- सदरलैंड

39.निम्नलिखित में से किसका यह विचार है कि विसामान्यता प्रकार्यात्मक और निश्चयात्मक हो सकती है?
(a) इ. दर्खीम (b) ए.के. कोहेन
(c) (1) और (2) दोनों (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c) – ई. दुर्खीम और ए.के.कोहेन ने समाजशास्त्र को वैज्ञानिक बनाने का सराहनीय कार्य किया था उनका विचार था कि विसामान्यता प्रकार्यात्मक और निश्चयात्मक हो सकता है।

40. 'शिकागो स्कूल' ने विसामान्यता की समस्या के समाधान का अध्ययन किस एक दृष्टिकोण से किया है?
(a) पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण से
(b) मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से
(c) आर्थिक दृष्टिकोण से
(d) जनसांख्यिकीय दृष्टिकोण से

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (a) – अमेरिका में सर्वप्रथम वर्ष 1892 में शिकागो विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग की स्थापना हुई। इस सम्प्रदाय के संस्थापक एल्विन स्मॉल रहे हैं। पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण ने ही विसामान्यता की समस्या के समाधान का अध्ययन किया।

41. बहुसंस्कृतिवाद का संबंध किससे है?

(a) संस्कृतियों के संबंध में अधिमानी निर्णय
(b) सांस्कृतिक विलम्बता का सिद्धान्त
(c) सभी संस्कृतियाँ समान हैं।
(d) कुछ संस्कृतियाँ अधिक प्रमुख हैं।

उत्तर (c) – एक ऐसा समाज जो सांस्कृतिक रूप में विषमांगिक हो जिसमें एकाधिक संस्कृति के लोग रहते हों और जहाँ सहअस्तित्व में विश्वास किया जाता हो बहु सांस्कृतिक समाज कहते हैं। बहुसंस्कृतिवाद का संबंध सभी संस्कृतियों को समान समझने से है।

42. निम्नलिखित में से किस प्रकार के अपराधियों की चर्चा सदरलैंड ने अपनी रचना 'प्रिंसिपल ऑफ क्रिमिनोलॉजी' में की है।

(a) निम्न वर्ग के अपराधी (b) सफेदपोश अपराधी
(c) आर्थिक अपराधी (d) राजनीतिक अपराधी

उत्तर (b) – अमेरिकी समाजशास्त्री एडविन एच.सदरलैण्ड को अपराधशास्त्र के शोध-गवेषणा के विशिष्ट क्षेत्र के रूप में प्रस्थापित करने के लिए श्रेय दिया जाता है। उनका मानना है कि श्वेतवसन अपराध ऐसे अपराध है जो उच्च सामाजिक आर्थिक प्रस्थिति वाले व्यक्तियों द्वारा अपने पेशे-धन्धे की क्रियाकलापों के दौरान अपराधिक कानूनों के उल्लंघन करके किया जाता है।

43. नीचे दो कथन दिये गये हैं एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है।

अभिकथन (A) : भारतीय संदर्भ में लोकतंत्रीकरण और लौकिकीकरण की प्रक्रिया ने पुराने समाज और नए राज्य के अंतर्विरोधों को प्रकट कर दिया है।

तर्क (R) : यह परम्परागत रूप से हाशिए पर स्थित समुदायों के सशक्तिकरण की ओर इंगित करता है परंतु इसका अभिप्राय संसाधनों का विषम वितरण भी हैं।

नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर चुनिए:

कूटः

(a) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, पर (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, पर (R) सही है।

उत्तर (a) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

44. यह दलील किसने दी है कि भूमंडलीकरण को मात्र पश्चिमीकरण के रूप में नहीं समझा जा सकता है, यह एक प्रक्रिया है जिसमें सांस्कृतिक बहुलतावाद में भी वृद्धि हो सकती है?

(a) आई. वालरस्टीन (b) एन्थेनी गिड्डेन्स
(c) डब्ल्यू. टी. रिट्जर (d) योगेन्द्र सिंह

उत्तर (b) – ग्रेट ब्रिटेन के सर्वाधिक चर्चित आधुनिक सामाजिक सिद्धांतकार एंथनी गिडेन्स की गणना आजकल विश्व के गिने-चुने सर्वाधिक प्रभावशाली सिद्धांतकारों में की जाती है। उन्होंने कहा है कि भूमण्डलीकरण को मात्र पश्चिमीकरण के रूप में नहीं समझा जा सकता है यह एक प्रक्रिया है जिससे सांस्कृतिक बहुलतावाद में वृद्धि हो सकती है।

45. यह तर्क किसने दिया है कि भारतीय समाज का आनुभाविक समाजशास्त्र संभव नहीं है?

(a) जी.एस. घुर्ये (b) डी.पी. मुकर्जी
(c) ए.के.सरन (d) एम.एन. श्रीनिवास

उत्तर (c) – प्रोफेसर ए.के. सरन भारत के मूर्धन्य समाजशास्त्रीय हैं उनका कहना है कि भारतीय समाज का आनुभविक समाजशास्त्र सम्भव नहीं है। इसका तात्पर्य हुआ कि आनुभविक या अनुभवमूलक विज्ञान से तात्पर्य ऐसे ज्ञान एवं विश्वासों से है जिन्हें अवलोकन निरीक्षण-परीक्षण तथा व्यवस्थित प्रयोगों द्वारा प्राप्त किया जाता है उन्ही तथ्यों को आनुभविक कहा जाता है जिनका सत्यता का परीक्षण ज्ञानोदयों द्वारा सम्भव है।

46. यह किसका विचार है कि भारतीय समाज में परिवर्तन को भी समझने के लिए इसकी परम्पराओं का अध्ययन अनिवार्य है?

(a) इरावती कर्वे (b) डी.पी. मुकर्जी
(c) एन.के. बोस (d) राधाकमल मुखर्जी

उत्तर (b) – डी0पी0 मुकर्जी का विचार है कि भारतीय समाज में परिवर्तन को भी समझने के लिए इसकी परम्पराओं का अध्ययन अनिवार्य है। मुकर्जी के अनुसार परम्परा आधुनिकता को नकारती नहीं है अपितु ये दोनों एक-दूसरे के सहयोग से पल्लवित होती हैं।

47. किस विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति के अंतर्गत विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार प्रणाली की शुरूआत की गई है?

(a) विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति, 1958
(b) विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति, 2013
(c) विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति, 2003
(d) विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति, 1983

उत्तर (b) – विज्ञान और प्रौद्योगिकी–नीति 2013 के अन्तर्गत प्रौद्योगिकी और नवाचार प्रणाली की शुरूआत की गई है।

48. सूची-I और को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए:

सूची-I (रचनाएँ)	**सूची-II (लेखक/संपादक)**
(A) इंडियन विलेज	i. मैकिस मैरियट
(B) विलेज इंडिया	ii. एस.सी. दुबे
(C) दि इंडियन विलेज कम्युनिटी	iii. एच.एस. मेन
(D) विलेज कम्युनिटीज इन दि ईस्ट एण्ड वेस्ट	iv. बी. एच. बाडेन-पॉवेल

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	i	iii	ii	iv
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	iv	i	iii	ii
(d)	i	ii	iv	iii

उत्तर (b) – सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(रचनाएँ)	**(लेखक/संपादक)**
इंडियन विलेज	– एस.सी. दुबे
विलेज इंडिया	– मैकिम मैरियट

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

दि इंडियन विलेज कम्युनिटी	– बी. एच. बाडेन-पॉवेल
विलेज कम्युनिटीज इन दि ईस्ट एण्ड वेस्ट	– एच.एस. मेन

49. निम्नलिखित में से किसने 'पीजेन्ट्स सोसाइटीज' नामक पुस्तक लिखीं/ संपादित की हैं?

(a) टी. शानिन (b) एस.सी.दुबे
(c) मॉरिस ओपलर (d) एरिक वोल्फ

उत्तर (a) – टी. शानिन एक ग्रामीण समाजशास्त्र से सम्बन्धित विद्वान थे। उन्होंने 'पीजेण्ट्स एण्ड पीजेण्ट्स सोसायटी' नामक पुस्तक की रचना की है।

50. भारतीय संविधान में 73वें संशोधन के द्वारा निम्नलिखित में से किन वर्गों को आरक्षण दिया गया है?

(a) अ.जा. और अ.ज.जा. (b) महिलाएँ
(c) दोनों (1) और (2) (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c) – भारतीय संविधान में 73वें संसोधन के द्वारा ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं को आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

51. निम्नलिखित में से किसने यह तर्क दिया कि हरित क्रांति व्यवस्था में संलग्न श्रमिक संगठित क्षेत्र में स्थायी रोजगार की भांति था?

(a) अशोक रूद्र (b) जे. मोहन राव
(c) वाई. सिंह (d) ऑस्कर लेविस

उत्तर (a) – भारत में हरित क्रान्ति की शुरुआत सन् 1966-67 से हुई। हरित क्रान्ति का श्रेय नोबल पुरस्कार से सम्मानित नार्मन बोरलॉग तथा भारत में हरित क्रान्ति लाने का श्रेय एस.स्वामीनाथन को जाता है। अशोक रूद्र के अनुसार, हरित क्रान्ति कृषि व्यवस्था में संलग्न श्रमिक संगठित क्षेत्र में स्थायी रोजगार की भाँति था।

52. नवीन ग्रामीण अध्ययनों के अनुसार वर्तमान में किसने कृषक/खेतिहर आंदोलनों का नेतृत्व किया?

(a) श्रमिक वर्ग / भूमिहीन श्रमिक
(b) गैर-कृषि श्रमिक
(c) पर्याप्त भूमि के स्वामी
(d) ग्रामीण विकास कार्यक्रमों से लाभ उठाने वाले
(e) मध्य-स्तर जाति समूह

नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर चुनिए:

कूटः

(a) (a), (b), (c) (b) (b), (c), (d)
(c) (c), (d), (e) (d) (e), (a), (c)

उत्तर (c) नवीन ग्रामीण अध्ययनों के अनुसार वर्तमान में कृषक खेतीहर आन्दोलनों का नेतृत्व पर्याप्त भूमि के स्वामी ग्रामीण विकास कार्यक्रमों से लाभ उठाने वाले और मध्य स्तर जाति ने किया। श्रमिक वर्ग और गैर कृषि श्रमिक सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक आदि दृष्टि पिछड़े होने के कारण खेतीहर आन्दोलनों से सरोकार नहीं रख पाये।

53. वर्ष 1958 में सेठ और मेयर के द्वारा किए गए भारत के औद्योगिक समाज के अध्ययन से पता चला कि:

(a) भारतीय कर्मकारों का कारखाना के प्रति दृष्टिकोण विकसित देशों के कर्मकारों के दृष्टिकोण से भिन्न था।
(b) भारतीय कर्मकारों का कारखाना के प्रति दृष्टिकोण विकसित देशों के कर्मकारों के दृष्टिकोण से भिन्न नही था।
(c) इस अध्ययन से भारतीय कर्मकारों का सशक्तीकरण प्रकट हुआ।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (b) – वर्ष 1958 में सेठ और मेयर के द्वारा किये गये भारत के औद्योगिक समाज के अध्ययन से पता चला कि भारतीय कर्मकारों का कारखाना के प्रति दृष्टिकोण विकसित रेशों के कर्मकारों के दृष्टिकोण से भिन्न नहीं था।

54. औद्योगिक समाजशास्त्र का अभ्युदय किसके जन्म के साथ संबंधित है?

(a) वैज्ञानिक प्रबन्धन सिद्धान्त
(b) कार्मिक प्रबन्धन सिद्धान्त
(c) मानव संबंध उपागम
(d) संरचनात्मक उपागम सिद्धान्त

उत्तर (c) – औद्योगिक समाजशास्त्र का अभ्युदय मानव संबंध उपागम के जन्म के साथ संबंधित है। औद्योगिक संबंधों के सन्दर्भ में एक ऐसा दृष्टिकोण जिसके अनुसार कर्मचारी श्रमिक को रोबोट न मानकर एक सामाजिक एवं बुद्धिमान मानव माना जाता है। इस उपागम के प्रवर्तन का श्रेय ब्रिटिश मनोवैज्ञानिक सी.एस. मेयर्स को जाता है।

55. यह कथन किसका है कि पूंजीवाद के कारण कर्मकार का अपने काम के प्रति मोहभंग हुआ है?

(a) मार्क्स (b) वेबर
(c) गिड्डेन्स (d) पार्सन्स

उत्तर (b) – बेबर का कथन है कि पूँजीवाद के कारण कर्मकार का अपने काम के प्रति मोहभंग हुआ है। वेबर ने 'तार्किककरण/युक्तिकरण' को पूँजीवादी समाज की एक प्रमुख प्रवृत्ति के रूप में प्रस्तुत किया है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा मानवीय सम्बन्धों के प्रत्येक क्षेत्र में परिकलन, गणना और नियोजन का प्रयोग किया जाता है।

56. निम्नलिखित में से "न्यू टेक्नोलॉजी एण्ड दि वर्कर्स रिस्पॉन्स" नामक पुस्तक का लेखक कौन है?

(a) के.सी. अग्रवाल (b) ए.के. बागची
(c) एन.के. बनर्जी (d) एन.आर. सेठ

उत्तर (b) – ए.के. बागची औद्योगिक समाजशास्त्र से सम्बन्धित है। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'न्यू टेक्नोलॉजी एण्ड दी वर्कर्स रिस्पॉन्स' नामक पुस्तक की रचना की थी।

57. भारत में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया ने सृजन किया है:

(a) सभी संस्कृतियों का विलयन
(b) अस्मिता और नृजातीयता का दावा
(c) प्रभु जाति का सशक्तीकरण
(d) प्रभु जाति का हारिए पर जाना

उत्तर (b) – भारत में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया ने 'अस्मिता और नृजातीयता का दावा' सृजन किया है।

58. निम्नलिखित में से कौन मानव विकास सूचकांक का द्योतक नहीं है?

(a) जीवन प्रत्याशा (b) शिक्षा
(c) राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय (d) नगरीकरण का स्तर

उत्तर (d) मानव विकास सूचकांक (H.D.I.)- UNDP द्वारा प्रकाशित H.D.I. का प्रतिपादन पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब-उल-हक द्वारा किया गया। वर्ष 2010 में इसके अंतर्गत तीन प्रतिमानों को शामिल किया गया-

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

1. जीवन प्रत्याशा सूचकांक (1/3)
2. शिक्षा सूचकांक (1/3)
3. आय सूचकांक(1/3)
ध्यातव्य है कि सूचकांक का मान 0 से 1 के मध्य होता है। जिस देश के सूचकांक का मान जितना अधिक होता है, वह देश मानव विकास सूचकांक की श्रेणी में उच्चस्थ रहता है। अर्थात् उतना ही उच्च श्रेणी प्राप्त होती है।

59. नीचे दो कथन दिये गये हैं एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है।
अभिकथन (A) : आई. वैलीस्टीन के अनुसार क्रोड देश प्रमुख पूँजीवादी देश हैं।
तर्क (R) : क्योंकि वे सस्ते श्रम और कच्चे माल के लिए परिधीय देशों का शोषण करके विकसित हुये हैं।
नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर चुनिए:
कूटः
(a) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, पर (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, पर (R) सही है।

उत्तर (a) – पूँजीवाद की धारणा का प्रयोग सामान्यतः उत्पादन और वितरण की एक ऐसी आर्थिक व्यवस्था के लिए किया जाता है जिसमें आर्थिक जीवन का अधिकांश भाग, विशेषतः उत्पादित वस्तुओं का स्वामित्व और विनियोजन निजी तौर पर आर्थिक प्रतिस्पर्धा की प्रक्रिया और लाभ की प्रकट इच्छा द्वारा संचालित होता है। आई वैलीस्टीन के अनुसार, क्रोड देश प्रमुख पूँजीवादी देश हैं। क्योंकि वे सस्ते श्रम व कच्चे माल के लिए परिधीय देशों का शोषण करके विकसित हुए हैं।

60. विश्व प्रणाली सिद्धान्त के संबंध में निम्नलिखित में से कौन एक विषम है?
(a) क्रोड (b) परिधीय
(c) विश्व स्तरीय नगर (d) अर्ध परिधीय

उत्तर (c) – विश्व प्रणाली सिद्धान्त श्रम विभाजन का अन्तर क्षेत्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सिद्धान्त है। यह विश्व के देशों को कोर/क्रोड (Core), अर्द्ध परिधीय (Semi periphery), परिधीय (Periphery) में बाँटता है। इस सिद्धान्त के सम्बन्ध में विश्व स्तरीय नगर विषम है।

61. आधुनिकीकरण विकास को किस दृष्टि से देखता है?
(a) क्रांतिकारी (b) विकासवादी
(c) सहसा (d) बलपूर्वक

उत्तर (b) – आधुनिकीकरण विकासवादी दृष्टिकोण से देखता है। इसका सम्बन्ध सभ्यता से है। यह राजनीतिक, सांस्कृतिक सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास की ऐसी मिली जुली पारस्परिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा ऐतिहासिक तथा आधुनिक अविकसित समाज अपने आपको विकसित करने में प्रयत्नशील है।

62. निम्नलिखित में से किस प्रक्रिया के साथ विकास का संबंध है?
(a) उत्पादकता में वृद्धि करना
(b) जीवन यापन के स्तर को ऊपर उठाना
(c) दीर्घ जीवन प्रत्याशा
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (d) यदि समाज में कोई परिवर्तन सकारात्मक होता है तो उसे विकास कहते हैं। विकास सदैव सकारात्मक होता है। इसे समाज द्वारा निर्धारित लक्ष्यों, मूल्यों या मानदण्डों द्वारा प्राप्त किया जाता है। विकास का सम्बन्ध उत्पादन में वृद्धि करना, जीवन यापन के स्तर को ऊपर उठाना, दीर्घ जीवन प्रत्याशा इत्यादि से है।

63. नीतियाँ जिनका उद्देश्य प्रजनन क्षमता पर प्रभाव डालना है को कहा जाता है:
(a) जन्मदर समर्थक (b) जन्मदर विरोधी
(c) (a) और (b) दोनों (d) उपर्युक्त कोई नहीं

उत्तर (c) – नीतियाँ जिनका उद्देश्य प्रजनन क्षमता पर प्रभाव डालना है। ये जन्मदर समर्थक और जन्मदर विरोधी दोनों हैं।

64. प्रथम राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एन.एफ. एच. एस.) किन वर्षों के दौरान किया गया था?
(a) 1992-93 (b) 1998 - 99
(c) 1995 - 96 (d) 2000 - 01

उत्तर (a) – प्रथम राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ सर्वेक्षण 1992-93 के वर्षो के दौरान किया गया था।

65. अपने देश में विभिन्न कारणों से उच्च स्त्री मृत्युदर के सांख्यिकी प्रभाव के संदर्भ में मिसिंग वूमेन' की संकल्पना का प्रतिपादन निम्नलिखित में से किसने किया था?
(a) आशीष बोस (b) अमर्त्य सेन
(c) प्रवीण विसारिया (d) जे. आर. रेले

उत्तर (b) – अमर्त्य सेन जो अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार द्वारा, सुशोभित है उन्होंने अपने देश में विभिन्न कारणों से उच्च स्त्री मृत्युदर के सांख्यिकी प्रभाव के सन्दर्भ में 'मिसिंग वूमेन' की संकल्पना का प्रतिपादन किया था। उनके अनुसार वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कई देशों में कम हो रही है।

66. हमारे देश में दोहरी रिपोर्टिंग प्रणाली निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?
(a) जनगणना
(b) राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण
(c) अनिवार्य पंजीयन प्रणाली
(d) जनसंख्या रजिस्टर

उत्तर (c) – हमारे देश में दोहरी रिपोर्टिंग प्रणाली अनिवार्य पंजीयन प्रणाली से सम्बन्धित है क्योंकि हमारा देश लोकतान्त्रिक देश है। यहाँ अनिवार्य रूप से भारत के 18वीं वर्ष से लेकर सभी नागरिकों को मतदान देने का अधिकार संवैधानिक है।

67. भारत में आंतरिक प्रवसन का निम्नलिखित में से कौन एक प्रमुख स्वरूप है?
(a) ग्रामीण - नगरीय (b) नगरीय - नगरीय
(c) नगरीय - ग्रामीण (d) जनसंख्या - ग्रामीण

उत्तर (d) – किसी एक भौगोलिक/राष्ट्रीय क्षेत्र से दूसरे भौगोलिक राष्ट्रीय क्षेत्र में सापेक्षतः स्थायी गमन की प्रक्रिया प्रवसन के नाम से जानी जाती है। इसके अतिरिक्त प्रवसन का एक दूसरा रूप भी है। जिसे आन्तरिक प्रवसन कहते हैं। इस प्रकार के प्रवसन में एक ही देश में एक स्थान से दूसरे स्थान जैसे गाँव से शहर की ओर निष्क्रमण अथवा शहर के मध्य क्षेत्र से उपनगरों की ओर गमन की प्रक्रियाएँ भी सम्मिलित की जाती हैं।

68. भारत में किस वर्ष जनन और बाल स्वास्थ्य उपागम पहली बार अपनाया गया था?
(a) 1995 (b) 2000
(c) 1990 (d) 2005

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (a) – भारत में वर्ष 1995 में जनन और बाल स्वास्थ्य उपागम पहली बार अपनाया गया था।

69. 'माल्थसियन नियंत्रण' को अन्यथा कहा जाता है
(a) निवारणात्मक नियंत्रण
(b) सकारात्मक नियंत्रण
(c) परिवार नियोजन से आगे
(d) विकास सर्वोत्तम गर्भ-निरोधक है

उत्तर (b) – माल्थस जनसंख्या के परिसीमन संबंधी अपने विचारों के लिए ख्यात रहे एक प्रारम्भिक राजनीतिक अर्थशास्त्री थे। उनका मानना था जनसंख्या में वृद्धि दर गुणोत्तर रूप में (ज्यामितीय) होती है किन्तु संसाधनों की अपर्याप्तता द्वारा नियंत्रित किया जाता है यह नियंत्रण दो रूपों में कार्य करता है–
1. सकारात्मक नियंत्रण
2. निरोधात्मक नियंत्रण

70. निम्नलिखित पुस्तकों में महिलाओं को प्रभावित करने वाला समान मुद्दा क्या है?
(i) दि अदर साइड ऑफ साइलेन्स : वॉयसेस फ्रॉम दि पार्टिशन ऑफ इंडिया
(ii) बोर्डर्स एण्ड बाउन्ड्रीज : वूमन इन इंडियाज पार्टीशन
नीचे दिए गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजियेः
कूट :
(a) द्वंद्व / संघर्ष (b) स्वास्थ्य
(c) विधि (d) शिक्षा

उत्तर (a) The other side of silence: voices from The partition of India पुस्तक के लेखक Urvashi Butalio हैं एवं Borders and Boundaries: Women in India's Partition के लेखक Kamala Bhasin and Ritu Menon हैं। उपर्युक्त दोनों पुस्तकों में महिलाओं को प्रभावित करने वाला मुद्दा द्वंद्व/संघर्ष है।

71. 'नरेटिव्स फ्रॉम दि वूमेन्स स्टडीज फैमिली : रिक्रिएटिंग नॉलेज' नामक पुस्तक किसके बारे में हैं?
(a) पंचायती राज संस्थाएँ
(b) महिलाओं के विरूद्ध हिंसा
(c) महिलाएँ और स्वाथ्य मुद्दे
(d) महिला अध्ययन केंद्र

उत्तर (d) – देवकी जैन तथा पॉम राजपूत द्वारा लिखित 'नरेटिव्स फ्रॉम द वूमेन्स स्टडीज फैमिलीः रिक्रिएटिंग नॉलेज' नामक पुस्तक महिलाओं के विरूद्ध हिंसा से सम्बन्धित है। जिसमें महिला अध्ययन केन्द्र की चर्चा की गई है।

72. ''द हिस्ट्री ऑफ डूईंग : ऐन इलस्ट्रेटेड अकाउंट ऑफ मूवमेंट्स फॉर वूमेन्स राइट्स एण्ड फमिनिज्म इन इंडिया'' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?
(a) राधा कुमार (b) मधु किश्वर
(c) करीया कपाड़िया (d) मैरी जॉन

उत्तर (a) – डॉ. राधा कुमार एक भारतीय नारीवादी लेखिका ओर शिक्षाविद् हैं। वे जातीय संघर्ष एवं शान्ति बहाली विषयों की विशेषज्ञ भी मानी जाती हैं। 28 अप्रैल, 2016 को संयुक्त राष्ट्र यूनिवर्सिटी ने उन्हें यू.एन. यूनिवर्सिटी काउंसिल में सदस्य के रूप में नियुक्त किया।
''द हिस्ट्री ऑफ डूईंगः ऐन इलस्ट्रेटेड अकाउण्ट ऑफ मूवमेण्ट्स फॉर वूमेन्स राइट्स एण्ड फेमिनिज्म इन इण्डिया'' नामक पुस्तक के लेखक राधा कुमार हैं।

73. सूची - I को सूची - II के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I (केस)	सूची-II (मुद्दे)
(A) चिपको आंदोलन	i. भरण-पोषण
(B) शाह बानो केस	ii. स्वास्थ्य सहायिका
(C) मथुरा केस	iii. पर्यावरण
(D) आशा	iv. बलात्कार

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :
कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	iv	iii	ii	i
(c)	iii	i	iv	ii
(d)	ii	i	iii	iv

उत्तर (c) – सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(केस)	(मुद्दे)
चिपको आंदोलन	–पर्यावरण
शाह बानो केस	–भरण-पोषण
मथुरा केस	–बलात्कार
आशा	–स्वास्थ्य सहायिका

74. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I (लेखक)	सूची-II (मुद्दे)
(A) फ्लेविया एग्नेय	i. भूमि
(B) बीना अग्रवाल	ii. विधि
(C) सुशीला कौशिक	iii. दहेज
(D) मधु किश्वर	iv. पंचायती राज

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :
कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	iii	iv	ii	i
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	i	ii	iii	iv
(d)	iv	iii	ii	i

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)	(मुद्दे)
फ्लेविया एग्नेय	– विधि
बीना अग्रवाल	– भूमि
सुशीला कौशिक	– पंचायती राज
मधु किश्वर	– दहेज

75. निम्नलिखित में से किसे भारत में विधवाओं पर कार्य के लिए जाना जाता है?
(a) पाम राजपूत (b) मार्था अल्टर चेन
(c) उरसुला शर्मा (d) बंदना शिवा

उत्तर (b) – भारत में विधवाओं पर अनेकों शोध हुए हैं फिर मार्था अल्टर चेन का कार्य विधवाओं पर सर्वोत्कृष्ट की। वर्तमान समय में विधवाओं के विचारों और पोशाकों में आमूलचूल परिवर्तन परिलक्षित हो रहा है। इसका प्रमुख कारण सिनेमा जगत है जो उनके सकारात्मक पक्षों को उजागर कर रहा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जनवरी-2017
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किसने यह कहा है कि समाज का इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास है ?
(a) इमाईल दुर्खीम (b) जॉर्ज हरबर्ट मीड
(c) इर्विंग गॉफमैन (d) कार्ल मार्क्स

उत्तरः (d) कम्युनिस्ट घोषणापत्र (1848) में मार्क्स और एंगेल्स ने लिखा है, "अभी तक के सभी समाजों का इतिहास वर्ग-संघर्ष का इतिहास है।" कम्युनिष्ट घोषणापत्र लंदन से फरवरी 1848 में प्रकाशित हुई थी। यह वैज्ञानिक कम्युनिज्म का कार्यक्रम सम्बन्धी दस्तावेज है।

2. निम्नलिखित में से किसने समाजशास्त्र में 'सामूहिक प्रतिनिधित्व' की अवधारणा का प्रतिपादन किया है ?
(a) इमाईल दुर्खीम (b) मैक्स वेबर
(c) अगस्त कॉम्त (d) कार्ल मार्क्स

उत्तरः (a) दुर्खीम को आधुनिक समाजशास्त्र का संस्थापक और समाज वैज्ञानिक शब्दावली में दुनिया का पहला अधिकारिक समाजशास्त्री माना जाता है। इमाइल दुर्खीम ने सामूहिक प्रतिनिधित्व की अवधारणा का प्रतिपादन किया है। समाज द्वारा मान्य उन विचारों, धारणाओं, भावनाओं तथा प्रतीकों को सामूहिक प्रतिनिधान की संज्ञा दी जाती है जो सामूहिक रूप से समस्त समूह का प्रतिनिधित्व करते हैं।
जैसे- राष्ट्रीय झंडा, धार्मिक पुस्तकें। इनकी पुस्तकें ये है- The division of labour in society, The rules of Sociological Method, Sucied.

3. एक समाज जो आधुनिकीकरण द्वारा लाए गए सामाजिक परिवर्तन को निराशावादी रूप में निरूपित करता है, उसे कहते हैं :
(a) वैश्विक समाज (b) स्थानीय समाज
(c) जन समाज (d) नागरिक समाज

उत्तरः (c) समाज परिपाटियों, कार्यविधियों, सत्ता पारम्परिक सहयोग अनेक समूहों एवं वर्गों, मानवीय व्यवहारों के नियंत्रणों और स्वतंत्राओं की एक व्यवस्था है। परन्तु वह समाज जो आधुनिकीकरण द्वारा लाये गये सामाजिक परिवर्तन को निराशावादी रूप में निरूपित करता है, जन समाज कहलाता है।

4. किसी भी सामाजिक व्यवस्था जिसमें बहुसंख्या का व्यवहार प्रतिमानों और भूमिकाओं से संचालित होता है को कहा जाता है।
(a) साहचर्य (b) समुदाय
(c) संस्था (d) संस्कृति

उत्तरः (c) **संस्था-**समाज वैज्ञानिक के मतानुसार संस्थायें, व्यक्तियों एवं समूहों के बीच सम्बन्धों को नियंत्रित करने वाले नियमाचारों तथा कार्यविधियों का एक स्थायी एवं स्वीकृत प्रतिमान होती है। परिवार, धर्म, राज्य कानून आदि इसके कुछ उदाहरण है।
संस्था शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम हरबर्ट स्पेंसर ने अपनी पुस्तक 'First Principals' में किया था।
समिति /साहचर्य - एक ऐसे समूह को समिति कहते है जिसकी रचना जानबूझकर किन्हीं विशिष्ट उद्देश्यों या क्रियाओं को पूरा करने के लिए की जाती है।
समुदाय -समुदाय शब्द का प्रयोग बहुधा व्यक्तियों के एक ऐसे समूह, सामाजिक साहचर्य के एक ऐसे रूप के लिए किया गया है जिसके सदस्य एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में रहते हैं, और जिनमें पारस्परिक एकत्व की भावना (हम की भावना), अन्तर्पारस्परिकता, साझा संस्कृति तथा संगोष्ठी क्रियाकलापों की विशेषतायें होती हैं।
संस्कृति-संस्कृति हमारे रहन-सहन तथा सोचने समझने की शैली में, हमारे प्रतिदिन की बातचीत में कला साहित्य, धर्म, मनोरंजन तथा आमोद प्रमोद में हमारे स्वभाव की अभिव्यक्ति है।

5. भाषा और ज्ञान जैसे उपयुक्त सांस्कृतिक संसाधनों की कमी को कहा जाता है :
(a) सांस्कृतिक भौतिकवाद (b) सांस्कृतिक वंचन
(c) सांस्कृतिक लक्षण (d) सांस्कृतिक बहुलवाद

उत्तरः (b)

6. निम्नलिखित में से किसका यह कथन है कि "मनुष्य का अनोखापन उसकी संस्कृति के आधिपत्य में निहित होता है"?
(a) आर. एम. मैकाइवर (b) ई. दुर्खीम
(c) आर. बेनेडिक्ट (d) के. डेविस

उत्तरः (d) समाजशास्त्र के आम पाठकों के बीच किंग्सले डेविस विशेष रूप में अपनी पुस्तक 'मानव समाज' (Human Society) (1936) के लिए ही जाने जाते हैं। इनके अनुसार मनुष्य में अनोखापन उसकी संस्कृति के अधिपत्य में निहित होता है।

7. निम्नलिखित में से कौन सी प्रदत्त प्रस्थिति नहीं है ?
(a) लिंग (b) आयु
(c) व्यवसाय (d) नातेदारी

उत्तरः (c) रॉल्फ लिंटन ने अपनी पुस्तक 'The study of Man' में भूमिका और प्रस्थिति के बारे में बताया है इन्होनें बताया कि सामाजिक व्यवस्था के अन्तर्गत किसी व्यक्ति को एक समय विशेष में जो स्थान प्राप्त होता है उसी को उस व्यक्ति की सामाजिक प्रस्थिति कहा जाता है।
इन्होनें दो प्रकार की प्रस्थिति की चर्चा की है-
1. प्रदत्त प्रस्थिति- वह प्रस्थिति जो व्यक्ति को मात्र जन्म के आधार पर प्राप्त हो जाती है, प्रदत्त प्रस्थिति कहलाती है। लिंग, आयु, नातेदारी, जाति, प्रजाति आदि कारक प्रदत्त प्रस्थिति के मुख्य निर्धारक तत्व है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

2. अर्जित प्रस्थिति-किसी सामाजिक व्यवस्था में वह पद जो एक व्यक्ति प्रयासों, बहुधा प्रतिस्पर्धा, विशिष्ट योग्यता, ज्ञान एवं निपुणताओं, द्वारा प्राप्त करता है, अर्जित प्रस्थिति कहलाती है। डॉक्टर, इंजीनियर, अध्यापक, कलेक्टर, व्यवसाय आदि अर्जित प्रस्थिति के उदाहरण है।

8. निम्नलिखित में से कौन सा उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जिसका विशेष भूमिका में व्यवहार एक प्रतिमान प्रदान करता है और जिसके आधार पर दूसरा व्यक्ति उसी भूमिका के निर्वहन में अपना व्यवहार करता है ?

(a) आदर्श भूमिका (b) भूमिका प्रतिरूप
(c) इन्द्रियगोचर भूमिका (d) आत्मसात् भूमिका

उत्तर: (b) भूमिका प्रतिरूप से तात्पर्य ऐसे किसी 'महत्वपूर्ण अन्य' व्यक्ति से है जिससे प्रेरित होकर एक व्यक्ति अपने व्यवहार को एक आकार अथवा एक स्वरूप देता है। यह जरूरी नहीं कि भूमिका प्रतिरूप वाले व्यक्ति को वह व्यक्तिगत रूप से जानता ही है। भारत अन्य स्थानों पर फिल्म के नायक एवं नायिकाओं के अलावा क्रिकेट के खिलाड़ी आधुनिक युवा-युवतियों के भूमिका आदर्श बने हुए हैं।

9. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर दीजिए :

सूची - I (लेखक)	सूची - II (समूहों का वर्गीकरण)
(A) मिलर	i. समुदाय-समिति
(B) टॉनीज	ii. ऊर्ध्व-क्षैतिज
(C) पार्क और बर्गेस	iii. आनुवांशिक-संचयन
(D) गिडिंग्स	iv. क्षेत्रीय-गैर क्षेत्रीय
	v. सकारात्मक- नकारात्मक

कूट

	A	B	C	D
(a)	i	iii	ii	v
(b)	i	ii	iii	iv
(c)	ii	i	iv	iii
(d)	iv	iii	v	i

उत्तर: (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)		(समूहों का वर्गीकरण)
मिलर	-	ऊर्ध्व-क्षैतिज
टॉनीज	-	समुदाय-समिति
पार्क एवं बर्गेस	-	क्षेत्रीय-गैर-क्षेत्रीय
गिडिंग्स	-	आनुवांशिक संचयन

10. यह टिप्पणी किसकी है कि 'समाज में प्रत्येक व्यक्ति की अपरिहार्य रूप से अनेक प्रस्थिति होती है और इनमें से प्रत्येक प्रस्थिति से एक भूमिका जुड़ी होती है' ?

(a) आर. के. मर्टन (b) आर. लिंटन
(c) टी. न्यूकॉम्ब (d) डब्ल्यू. एफ. ऑग्बर्न

उत्तर: (b) 'सांस्कृतिक एवं व्यक्तित्व' वैचारिकी सम्प्रदाय के अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के अमरीकी मानवशास्त्री राल्फ लिंटन मूलभूत में एक पुरातत्वशास्त्री थे। इनके अनुसार समाज में प्रत्येक व्यक्ति की अपरिहार्य रूप से अनेक प्रस्थिति होती है। और इनमें से प्रत्येक स्थिति से जुड़ी एक भूमिका होती है।
उपर्युक्त परिभाषा से स्पष्ट होता है कि प्रस्थिति किसी व्यक्ति का सामाजिक पद है। समाज में व्यक्ति केवल एक ही प्रस्थिति प्राप्त नहीं करता बल्कि एक समय में अथवा भिन्न-भिन्न अवसरों पर अनेक प्रस्थितियाँ प्राप्त करता है तथा अपनी योग्यता और कुशलता के अनुसार सभी प्रतिस्थितियों में एकरूपता, समीपता, सहयोग और पारस्परिकता बनायें रखने का प्रयत्न करता है।

11. निम्नलिखित में से किसने अंतः समूह और बाह्य समूह के बीच विभेद किया था ?

(a) जी. सिमेल (b) पी. सोरोकिन
(c) डब्ल्यू. जी. समनर (d) एच. स्पेन्सर

उत्तर: (c) एक प्रारम्भिक अमेरिकी समाजशास्त्री तथा अर्थशास्त्री 'विलियम ग्राहम समनर' का नाम प्रमुख रूप से जनरीतियों के अध्ययन से जुड़ा है। जनरीतियों का विश्लेषण करते हुए उन्होंने कहा कि नैतिक रूप से तटस्थ उपयुक्त जनरीतियाँ, रूढ़ियाँ और संस्थायें (विभिन्न सामूहिक आदतें) होती हैं जो 'प्रयत्न और भूल के आधार पर किसी विशिष्ट समय और परिस्थिति में सबसे उपयुक्त स्वीकार कर ली जाती है। समनर को ही 'इन ग्रुप' (अन्तः समूह) 'आउट ग्रुप (बाह्य समूह) और 'इथनो सेन्ट्रिज्म' (समूह केन्द्रिकता) की अवधारणायें गढ़ने का श्रेय प्राप्त है।

12. निम्नलिखित में से किसने समूहों को 'द्विक' और 'त्रिक' में वर्गीकृत किया है?

(a) सोरोकिन (b) समनर
(c) सिमेल (d) गिडिंग्स

उत्तर: (c) मैक्स वेबर के समकालीन जर्मन समाजशास्त्री और मूलतः दार्शनिक जार्ज सिमेल की गणना समाज शास्त्र के दिग्गजों में की जाती है। इन्होंने समूह को दो वर्गों में विभाजित किया है।
द्वितीयक समूह-घनिष्ठता विहीन अनुभवों को प्रदर्शित करने वाले समूह द्वितीयक समूह कहलाते हैं।
त्रिक समूह- ऐसा समूह जो तीन व्यक्तियों या तीन दलों/संगठनों से मिलकर बनता है, त्रिक समूह कहलाता है।

13. निम्नलिखित में से किसने यह कहा है कि विवाह की जड़ें परिवार में है न कि परिवार की जड़े विवाह में हैं ?

(a) किंग्स्ले डेविस (b) जी.पी.मर्डाक
(c) ई. वेस्टरमार्क (d) सी. लेवी-स्ट्रॉस

उत्तर: (c) एडवर्ड एलेक्जेण्डर वेस्टरमार्क एक फिनिश समाजशास्त्री, मानवशास्त्री और दार्शनिक थे। वेस्टरमार्क अपनी सुप्रसिद्ध पुस्तक मानवीय विवाह का इतिहास (History of Human Marriage) में व्यक्त किया है कि- विवाह की जड़े परिवार में हैं ना कि परिवार की जड़ें विवाह में है। इन्होंने यह भी कहा कि -''एक विवाह ही विवाह का एकमात्र सच्चा रूप है, रहा है और रहेगा।''

14. 'तारावाड' है एक प्रकार का :

(a) नातेदारी प्रयोग (b) आवास का नियम
(c) विस्तारित परिवार (d) एक समुदाय

उत्तर: (c) विस्तारित परिवार एक ऐसा परिवार संकुल है जिसमें कई पीढ़ियाँ एक साथ एक घर में रहती हैं तथा जिस परिवार की रचना दो या अधिक नाभिक परिवारों द्वारा होती है और जो अकेली आर्थिक इकाई के रूप में काम करता है। केरल में पायी जाने वाली नायर जाति में तारावाड परिवार पाया जाता है जो एक विस्तारित परिवार का एक उदाहरण है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

15. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची- I (लेखक)	सूची- II (पुस्तकें)
A. जी.पी. मर्डाक	i. द रिलिजियन ऑफ इंडिया : द सोशियोलॉजी ऑफ हिन्दुइज्म एण्ड बुद्धिज्म
B. के. एम. कपाड़िया	ii. शॉर्ट हिस्ट्री ऑफ मैरिज
C. ई. वेस्टरमार्क	iii. मैरिज एंड फैमिली इन इंडिया
D. मैक्स वेबर	iv. सोशल स्ट्रक्चर

कूट

	A	B	C	D
(a)	iv	iii	i	ii
(b)	i	ii	iv	iii
(c)	iv	iii	ii	i
(d)	ii	iii	iv	i

उत्तरः (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)		(पुस्तकें)
जी.पी. मर्डाक	–	सोशल स्ट्रक्चर
के. एम. कपाड़िया	–	मैरिज एंड फैमिली इन इंडिया
ई. वेस्टरमार्क	–	शॉर्ट हिस्ट्री ऑफ मैरिज
मैक्स वेबर	–	द रिलिजियन ऑफ इंडिया : द सोशियोलॉजी ऑफ हिन्दुइज्म एण्ड बुद्धिज्म

16. सूची-I और सूची- II को सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची- I (अवधारणा)		सूची- II (लेखक)
A. प्राथमिक समूह	-	फ्रायड
B. सामान्यीकृत अन्य	-	कूले
C. परा-अहं	-	दुर्खीम
D. सामूहिक चेतना	-	मीड

कूट

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iv	iii
(b)	iii	iv	ii	i
(c)	ii	iv`	i	iii
(d)	iv	iii	i	ii

उत्तरः (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)		(लेखक)
प्राथमिक समूह	-	कूले
सामान्यीकृत अन्य	-	मीड
परा-अहं	-	फ्रायड
सामूहिक चेतना	-	दुर्खीम

17. निम्नलिखित में से कौन सा कथन समाजीकरण के संबंध में सही है ?

(a) चुनाव प्रक्रिया (b) समय लेने की प्रक्रिया
(c) नीति निर्माण प्रक्रिया (d) भूमिका ग्रहण प्रक्रिया

उत्तरः (d) सामाजीकरण एक सामाजिक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा हम समाज में रहना और उसके सक्रिय सदस्य बनना सीखते हैं। इस प्रक्रिया में समाज के मानदण्डों एवं मूल्यों के साथ-साथ अपनी सामाजिक भूमिकाओं (पति/पत्नी,माता/पिता,मित्र, नागरिक आदि) के सम्पादन करने की कला सीखने सम्बन्धी दोनों बातें सम्मिलित होती है। भूमिका ग्रहण प्रक्रिया समाजीकरण के सम्बंध में सही है।

18. इमाईल दुर्खीम के समाजीकरण के सिद्धान्त में निम्नलिखित में से कौन सी महत्वपूर्ण अवधारणा है ?

(a) भूमिका निष्पादन
(b) दूसरे को प्रतिबिम्बित करना
(c) सामूहिक चेतना
(d) श्रम का विभाजन

उत्तरः(c) इमाईल दुर्खीम (1858-1917) को समाजशास्त्र में प्रकार्यवादी परिप्रेक्ष्य' (फंक्शनलिस्ट पर्स्पेक्टिव) के शुरुआत करने का श्रेय दिया जाता है। सामाजीकरण के सिद्धान्त में सामूहिक विवेक या चेतना इमाईल दुर्खीम के समाजशास्त्र की एक प्रमुख अवधारणा है। सामूहिक चेतना समाज के सामान्य सदस्यों के साझा विश्वासों और भावनाओं का एक समूह है।

19. पियरे बोर्डियू का सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य पूँजी की अवधारणा का प्रयोग करता है । निम्नलिखित में से कौन उसकी अवधारणा का भाग नहीं है ?

(a) आर्थिक पूँजी (b) राजनीतिक पूँजी
(c) सामाजिक पूँजी (d) सांस्कृतिक पूँजी

उत्तरः(b) पियरे बोर्डियू एक फ्रांसीसी समाजशास्त्री हैं जिनका सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य पूँजी की अवधारणा का प्रयोग करता है जिसमें उन्होंने आर्थिक पूँजी, सामाजिक पूँजी तथा सांस्कृतिक पूँजी की चर्चा की है।

20. व्यक्ति की पहचान जैसे वर्ग, नृजातीयता, लिंग, निःशक्तता और स्थान के विभिन्न पहलुओं के वर्णन के लिए किस पद का प्रयोग किया जाता है।

(a) अन्तरनुभागीयता (b) आरोपण
(c) मेधातंत्र (d) गतिशीलता

उत्तरः(a) व्यक्ति की पहचान जैसे वर्ग, नृजातीयता, लिंग, निःशक्तता और स्थान के विभिन्न पहलुओं के वर्णन के लिए अन्तरनुभागीयता पद का प्रयोग किया जाता है। इस पद का प्रयोग सर्वप्रथम के. डब्ल्यू क्रैनशा ने किया। इनका मानना है कि किसी व्यक्ति की पहचान उसकी कई पहचानों के परिणाम से उपजती है।

21. निम्नलिखित में से किसने जाति स्तरण की संकल्पना चार प्रकारों, सांस्कृतिक सार्वभौमिक, विशिष्टता, संरचनात्मक सार्वभौमिक और संरचनात्मक विशिष्टता में की है ?

(a) आन्द्रे बेते (b) ई. आर. लीच
(c) योगेन्द्र सिंह (d) ए. सी. मेयर

उत्तरः(c) योगेन्द्र सिंह ने जाति स्तरण की संकल्पना चार प्रकारों– (i) सांस्कृतिक सार्वभौमिक, (ii) विशिष्टता, (iii) संरचनात्मक सार्वभौमिक और (iv) संरचनात्मक विशिष्टता में की है। उनका आधुनिकीकरण, सामाजिक विषमता और अहिंसा के समाजशास्त्र के क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान है।

22. सूची-I और सूची- II को सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सुमेलित–

(पुस्तकें)	(लेखक)
A. डायनामिक्स ऑफ कल्चरल चेंज	i. एम. एन. श्रीनिवास
B. सोशल चेंज इन मॉडर्न इंडिया	ii. बी. मैलिनोवस्की
C. इंडियाज चेन्जिंग विलजेज	iii. योगेन्द्र सिंह
D. मॉडर्नाइजेशन ऑफ इंडियन ट्रेडिशन	iv. एस.सी. दुबे

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट

	A	B	C	D
(a)	ii	i	iv	iii
(b)	i	ii	iv	iii
(c)	iv	ii	iii	i
(d)	iii	ii	i	iv

उत्तरः (a) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

(पुस्तकें)		**(लेखक)**
डायनामिक्स ऑफ कल्चरल चेंज	-	बी. मैलिनोवस्की
सोशल चेंज इन मॉडर्न इंडिया	-	एम. एन. श्रीनिवास
इंडियाज चेन्जिंग विलेजेज	-	एस.सी. दुबे
मॉडर्नाइजेशन ऑफ इंडियन ट्रेडिशन	-	योगेन्द्र सिंह

23. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है :

अभिकथन (A): सामाजिक परिवर्तन अनिवार्य है।

तर्क (R) : विभिन्न प्रकार की बाह्य और आंतरिक शक्तियाँ होती हैं जो व्यवस्था के अंदर एक-दूसरे के साथ काम करती हैं।

निम्नलिखित कूटों में से सही उत्तर दीजिए :

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सहीं हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सहीं हैं किंतु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सहीं है, किंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

उत्तरः (a) किसी समाज की सामाजिक स्थापना (सामाजिक सम्बन्धों का तानाबाना) अथवा सामाजिक संगठन (संस्थाओं और सामाजिक भूमिकाओं) अथवा समाज के अन्य उपादानों में समय अन्तराल के साथ होने वाले बदलाव और परिष्करण की प्रक्रिया को समाजिक परिवर्तन कहते हैं। सामाजिक परिवर्तन एक अनिवार्य प्रक्रिया है। प्रक्रिया को संतुलन बनाये रखने के लिए एक अन्तर्निहित व्यवस्था होती है। प्रक्रिया के इस संतुलन को बाह्य और आंतरिक रूप के अतिरिक्त अन्य प्रणालियों के साथ सम्बन्धों को बनाये रखती है। अतः अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सही है तथा R, A की सही व्याख्या है।

24. सूची-I और सूची- II को सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

	सूची- I (अवधारणा)		**सूची- II (चिन्तक)**
A.	सांस्कृतिक संरचना और सांस्कृतिक क्रिया	i.	के. मार्क्स
B.	अहिंसा	ii.	एम. एन. श्रीनिवास
C.	संस्कृतिकरण	iii.	एम. के. गांधी
D.	वर्ग चेतना	iv.	आर. रेडफील्ड और एम. सिंगर

कूट

	A	B	C	D
(a)	iv	iii	ii	i
(b)	iii	iv	i	ii
(c)	ii	i	iv	iii
(d)	i	ii	iii	iv

उत्तरः (a) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

(अवधारणा)		**(चिन्तक)**
सांस्कृतिक संरचना और सांस्कृतिक क्रिया	–	आर. रेडफील्ड और एम. सिंगर
अहिंसा	–	एम. के. गांधी
संस्कृतिकरण	–	एम. एन. श्रीनिवास
वर्ग चेतना	–	कार्ल मार्क्स

25. यह किसने कहा है कि मानव विज्ञान एक प्राकृतिक विज्ञान है और बहुधा प्राकृतिक विज्ञान की पद्धतियों का प्रयोग कर मानव समाज का अध्ययन करता है ?

(a) बी. मैलिनोवस्की (b) ए. आर. रेडक्लिफ-ब्राउन
(c) सी. लेवी-स्ट्रॉस (d) जॉन डेवी

उत्तरः (b) ए.आर.रेडक्लिफ ब्राउन- ये सा० मानवशास्त्र के प्रमुख संस्थापकों में से रहे हैं। ये प्रकार्यात्मक विचारधारा के लिए जाने जाते हैं। ए.आर. रेडक्लिफ ब्राउन ने कहा कि मानव विज्ञान एक प्राकृतिक विज्ञान है और बहुधा प्राकृतिक विज्ञान की पद्धतियों का प्रयोग कर मानव विज्ञान समाज का अध्ययन करता है।

26. निम्नलिखित में से कौन सामाजिक संबंधों के आधार पर 'भूमिकाओं' की बात करता है ?

(a) ए. आर. रेडक्लिफ-ब्राउन (b) आर. के. मर्टन
(c) एस. एफ. नाडेल (d) सी. लेवी-स्ट्रॉस

उत्तरः (c) ब्रिटिश मानवशास्त्री सीगफ्राइड फ्रैडरिक नडेल (एस.एफ. नडेल) ने अपने संरचनावादी सिद्धान्त से मानवशास्त्र और समाजशास्त्र दोनों को प्रभावित किया है। इन्होनें भूमिका को दो भागों में बाँटा है-

1. संबंधात्मक भूमिका- संबंधात्मक भूमिका हमेशा पूरक भूमिका से जुड़ी होती है जैसे- किसी व्यक्ति का पिता के रूप में भूमिका तभी सम्भव होती है जब उसकी कोई सन्तान हो।

2. गैर संबंधात्मक भूमिका- कुछ ऐसी भूमिकाएं होती है जिनके पूरक भूमिकाओं की आवश्यकता नहीं होती है जैसे- कवि, साधु की भूमिका।

इनके अनुसार, 'भूमिकाओं' के सम्पादन के आधार पर निर्मित सम्बन्धों के द्वारा ही समाज में व्यवस्था बनी रहती है।

27. निम्नलिखित में से किसके अनुसार संस्कृति को सिद्धान्तों को मूर्त रूप प्रदान करने वाला कहा जाता है जो मानवीय मस्तिष्क की अनिवार्य विशेषताओं को प्रतिबिम्बित करता है-'दोहरा वर्गीय प्रणाली' ?

(a) एस. एफ. नाडेल (b) ए.आर. रेडक्लिफ-ब्राउन
(c) आर. के. मर्टन (d) सी. लेवी-स्ट्रॉस

उत्तरः (d) क्लौड लेवीस्ट्रास फ्रांसीसी मानव विज्ञान और नस्ल विज्ञान थे। उन्हें आधुनिक मानव विज्ञान का पिता कहा जाता है। लेवी स्ट्रॉस ने मानव की चिन्तन प्रक्रियाओं के आधार पर मानव मस्तिष्क को समझने का यत्न किया है। इनके अनुसार संस्कृति के सिद्धान्तों को मूर्त रूप प्रदान करने वाला कहा जाता है जो मानवीय मस्तिष्क की अनिवार्य विशेषताओं को प्रतिबिम्बित करता है।

28. सूची-I और सूची- II को सुमेलित कीजिए :

	सूची- I (पुस्तकें)		**सूची- II (लेखक)**
A.	द थ्योरी ऑफ सोशल स्ट्रक्चर	i.	आर. के मर्टन
B.	सोशल थ्योरी एंड सोशल स्ट्रक्चर	ii.	सी. लेवी-स्ट्रॉस

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

C. स्ट्रक्चर एंड फंक्शन इन प्रिमिटिव सोसाइटी — iii. एस. एफ. नाडेल
D. स्ट्रक्चरल एन्थ्रोपोलोजी — iv. ए. आर. रेडक्लिफ-ब्राउन

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर दीजिए।

कूट

	A	B	C	D
(a)	iv	iii	ii	i
(b)	iii	i	iv	ii
(c)	ii	i	iv	iii
(d)	i	ii	iii	iv

उत्तरः (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तकें)	**(लेखक)**
द थ्योरी ऑफ सोशल स्ट्रक्चर	- एस.एफ. नाडेल
सोशल थ्योरी एंड सोशल स्ट्रक्चर	- आर. के मर्टन
स्ट्रक्चर एंड फंक्शन इन प्रिमिटिव सोसाइटी	- ए.आर. रेडक्लिफ ब्राउन
स्ट्रक्चरल एन्थ्रोपोलॉजी	- सी. लेवी-स्ट्रॉस

29. मैलिनोवस्की को निम्नलिखित में से किसके महत्त्व पर बल देने के लिए सबसे अधिक जाना जाता है ?

(a) मौखिक इतिहास (b) विषयवस्तु विश्लेषण
(c) नृजाति वर्णन (d) वर्णन

उत्तरः (c) मैलिनोवस्की प्रकार्यवादी सिद्धान्त के प्रणेताओं में से रहें हैं। उनके इस सिद्धान्त की अभिव्यक्ति स्पष्टतः हमें उनकी पुस्तक "संस्कृति के एक वैज्ञानिक सिद्धान्त" में देखने को मिलती है। इन्हें नृजाति वर्णन पर अधिक महत्व देने के लिए जाना जाता है।

30. व्यक्तियों के द्वारा सभी क्रियाओं के सम्मुख विद्यमान और सभी सामाजिक परिस्थितियों में सम्मिलित बुनियादी 'द्विविधाओं' की व्याख्या के लिए किस पद का प्रयोग किया जाता है ?

(a) सामाजिक क्रियाएँ (b) मूल्य अभिमुखीकरण
(c) प्रतिमान चर (d) प्रकार्यात्मक पूर्व अपेक्षाएँ

उत्तरः (c) सामाजिक संबंधों के द्विभाजन की एक विशिष्ट योजना प्रतिमान चर के नाम से जानी जाती है।इस योजना के प्रस्थापक विद्वान टालकॉट पारसंस रहे हैं। मूलतः यह योजना कर्ताओं द्वारा सम्पन्न की जाने वाली अन्तःक्रियाओं के विभिन्न रूपों का अमूर्त प्रदर्शन है। पारसन्स ने परवर्ती प्रतिमान के पाँच जोड़ों की योजना प्रस्तुत की है, यथा (i) सार्वलौकिक बनाम विशिष्टतावादी (ii) जन्मपरक बनाम उपलब्धिकरण (iii) भावनात्मक बनाम भावात्मक तटस्थता (iv) आत्महित बनाम सामूहिक हित (v) एक पक्षीय बनाम बहुपक्षीय।

31. दुर्खीम के प्रकार्यवाद के केंद्र में सामाजिक संगठन के किन रूपों के बीच विभेद था ?

(a) सामान्य और व्याधिकीय
(b) सामान्य और स्वस्थ
(c) औसत और असामान्य
(d) बलात् और अप्रतिमानित

उत्तरः (a) सावयवी सादृश्यता पर आधारित एक सिद्धान्त जिसके अनुसार यह माना जाता है कि समाज एक ऐसी संगठित एवं आत्म अनुरक्षित व्यवस्था (प्रणाली) है। जिसमें विरोधी परिवेश की स्थिति में भी संतुलन बना रहता है,प्रकार्यवाद कहलाता है। समाजशास्त्र में प्रकार्यवाद का प्रारम्भ स्पेंसर से माना जाता है किन्तु इसे वैज्ञानिक रूप देने का श्रेय दुर्खीम को है उन्होनें अपनी पुस्तक "The division of Labour in Society" तथा " The Rules of Sociological Method" में प्रकार्यवाद की विवेचना की है। दुर्खीम के प्रकार्यवाद के केन्द्र में सामाजिक संगठन सामान्य और व्याधिकीय जैसे दो रूपों के बीच में विभेद था।

32. मर्टन के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा क्रम सही है?

(a) नवप्रवर्तन, पश्चगमनवाद, कर्मकांडवाद, विद्रोह
(b) कर्मकांडवाद, विद्रोह, नवप्रवर्तन, पश्चगमनवाद
(c) विद्रोह, पश्चगमनवाद, कर्मकांडवाद, नवप्रवर्तन
(d) नवप्रवर्तन, कर्मकांडवाद, पश्चगमनवाद, विद्रोह

उत्तरः (d) सन् 1950 के दशक में मर्टन ने भूमिका पुंज, प्रस्थिति पुंज तथा भूमिका आदर्श की अवधारणायें निर्मित कर सामाजिक संरचना के समाजशास्त्रीय सिद्धान्त में महत्वपूर्ण योगदान किया । आर. के. मर्टन ने व्यक्तिगत अनुकूलन की योजना में कुछ अवधारणायें प्रस्तुत की जिनका क्रम इस प्रकार है–
नवप्रवर्तन, कर्मकाण्डवाद, पश्चगमनवाद तत्पश्चात विद्रोह ।

33. "वैज्ञानिक ने जिन समस्याओं को अध्ययन करने और उनके प्रत्ययीकरण के लिए चुना उनका निर्धारण वैज्ञानिकों के मूल्यों के द्वारा हुआ था।" मैक्स वेबर के अनुसार यह कथन किसे संदर्भित करता है ?

(a) मूल्य निर्णय (b) मूल्य तटस्थता
(c) मानकीय मूल्य (d) मूल्य प्रासंगिकता

उत्तरः (d) उपरोक्त कथन मूल्य प्रासंगिकता को संदर्भित करता है। वेबर के अनुसार प्रासंगिकता तीन स्तर पर कार्य करती है–
(1) दार्शनिक व्याख्या ग्रन्थों और दस्तावेज़ों के अर्थ को निश्चित करती है।
(2) नैतिक व्याख्या शोध की वस्तु को एक मूल्य प्रदान करती है।
(3) तार्किक व्याख्या के द्वारा समाजशास्त्री कारणात्मक विश्लेषण के सन्दर्भ में घटनाओं के बीच अर्थपूर्ण संबंध स्थापित करने का यत्न करते हैं।

34. सूची-I और सूची- II को सुमेलित कीजिए :

सूची- I (लेखक)	**सूची- II (अवधारणाएँ)**
A. मैक्स वेबर	i. अभिजात्य संचरण
B. वी. पैरेटो	ii. प्रतीकात्मक अंतः क्रियावाद
C. जी. एच. मीड	iii. व्याख्यात्मक बोध
D. हरबर्ट ब्लूमर	iv. स्व

निम्नलिखित कूटों से सही उत्तर चुनिए :

कूट

	A	B	C	D
(a)	iii	i	iv	ii
(b)	i	ii	iii	iv
(c)	iii	iv	i	ii
(d)	ii	i	iii	iv

उत्तरः (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)	**(अवधारणाएँ)**
मैक्स वेबर	- व्याख्यात्मक बोध
वी. पैरेटो	- अभिजात्य संचरण
जी. एच. मीड	- स्व
हर्बर्ट ब्लूमर	- प्रतीकात्मक अंतः क्रियावाद

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

35. मार्क्स के अनुसार 'जब लोग दूसरे वर्गों के साथ अपने द्वंद्वात्मक संबंधों के प्रति जागरूक हो जाते हैं' तब इसका परिणाम होता है :

(a) स्वयं में वर्ग (b) श्रम-विभाजन
(c) स्वयं के लिए वर्ग (d) नेतृत्व का विकास

उत्तर: (c) 'स्वयं के लिए वर्ग' का तात्पर्य वर्ग चेतना की उस अवस्था से लगाया जाता है जब वर्ग चेतना का विकास स्थानीय स्तर से बृहद स्तर पर फैल जाती है अर्थात् इस अवस्था में श्रमिक पूरी तरह से अपने हितों के प्रति जागरूक हो जाता है और वर्ग संगठनों का निर्माण करता है।

स्वयं के लिए वर्ग की अवस्था ही भारत में वर्ग चेतना की पराकाष्ठा होती है और यहीं से वर्ग संघर्ष के लिए श्रमिक पूरी तरह से तैयार हो जाता है।

मार्क्स की वर्ग की अवधारणा मुख्य रूप से अर्थ एवं वर्ग चेतना के द्वारा ही पारिभाषित होती है जो ऐतिहासिक रूप से भिन्न उत्पादन प्रणालियों में भिन्न स्वरूपों में विद्यमान होती है।

36. निम्नलिखित में से किसने यह कहा कि 'यदि संरचनाएँ अनम्य होती हैं तो संघर्ष अप्रकार्यात्मक होता है':

(a) के. मार्क्स (b) एल. ए. कोज़र
(c) ई. दुर्खीम (d) जे. सी. अलेक्जेंडर

उत्तर: (b) **कोजर-** एक ऐसे समाजशास्त्री है जिनके विचार में प्रकार्यवाद एवं संघर्ष संबंधी दोनों सिद्धातों के तत्व मौजूद है। इसलिए टर्नर ने उन्हें संघर्षमूलक प्रकार्यवादी कहा है। कोजर ने अपनी ये विचारधारा अपनी पुस्तक (The Function of Social Conflict) में लिखा हैं कोजर के अनुसार यदि संरचनाएँ कठोर (अनम्य) हो तो संघर्ष अप्रकार्यात्मक होता है। सामाजिक संघर्ष के दो सम्भावित परिणाम होते हैं 1. संगठनात्मक (प्रकार्यात्मक) परिणाम 2. विघटनात्मक (अप्रकार्यात्मक) परिणाम।

37. डेहरेन्डॉर्फ के अनुसार, 'समान-भूमिका हितों के साथ श्रेणियों के पद्धारकों के समूह' को कहा जाता है :

(a) हित समूह (b) संघर्ष समूह
(c) अर्ध समूह (d) प्राथमिक समूह

उत्तर: (c) **डेहरेन्डॉर्फ के अनुसार**, 'समान-भूमिका हितों के साथ श्रेणियों के पद्धारकों के समूह' को अर्द्ध समूह कहा जाता है ।

इन्होंने तीन समूहों के बारे में चर्चा की है- अर्द्ध समूह-हित समूह और संघर्ष समूह। वे कहते हैं कि संघर्ष का विश्लेषण करते समय व्यक्त और अव्यक्त हितों के साथ-साथ इन समूहों का भी विश्लेषण किया जाना चाहिए। प्राथमिक समूह की अवधारणा का प्रयोग 'चार्ल्स कूले' ने सन् 1909 में किया।

38. निम्नलिखित में से कौन 'रूल्स ऑफ सोशियोलॉजिकल मेथड' नामक पुस्तक के लेखक हैं?

(a) मैक्स वेबर (b) अगस्त कॉम्त
(c) इमाईल दुर्खीम (d) कार्ल मार्क्स

उत्तर: (c) 'रूल्स ऑफ सोशियोलॉजिकल मेथड' नामक पुस्तक के लेखक इमाईल दुर्खीम है। इनकी अन्य पुस्तकें निम्नलिखित हैं-

द डिवीजन ऑफ लेबर इन सोसाइटी, सुसाइड : ए स्टडी इन सोशियोलॉजी' द एलीमेन्ट्री फार्म्स ऑफ द रिलिजियस लाईफ, ऑन इन्स्टीट्युशनल एनालिसिस, प्रीमिटिव क्लासीफिकेशन

39. सूची-I और सूची- II को सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर दीजिए :

सूची- I (अवधारणाएँ)	सूची- II (समाजशास्त्री)
A. वर्स्टेहेन	i. अगस्त कॉम्टे
B. ऐतिहासिक भौतिकवाद	ii. इमाईल दुर्खीम
C. प्रत्यक्षवाद	iii. मैक्स वेबर
D. अप्रत्यक्ष प्रयोग	iv. कार्ल मार्क्स

कूट

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	iv	i	ii	iii
(c)	ii	iii	iv	i
(d)	iii	iv	i	ii

उत्तर: (d) **सुमेलित सूची इस प्रकार है–**

(अवधारणाएँ)		(समाजशास्त्री)
वर्स्टेहेन	-	मैक्स वेबर
ऐतिहासिक भौतिकवाद	-	कार्ल मार्क्स
प्रत्यक्षवाद	-	अगस्त कॉम्टे
अप्रत्यक्ष प्रयोग	-	इमाईल दुर्खीम

40. किसने, 'ऐतिहासिक उपागम जो सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाओं के बारे में सामान्यीकरण को भी संभव करता है,'

(a) सी. एच. कार (b) मैक्स वेबर
(c) आर्नोल्ड जे. टॉयनबी (d) कार्ल मार्क्स

उत्तर: (b) मैक्स वेबर एक जर्मन समाजशास्त्री और राजनीतिक अर्थशास्त्री थे। मैक्स वेबर के अनुसार ऐतिहासिक उपागम जो सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाओं के बारे में सामान्यीकरण को भी संभव करता है। इस उपागम में ऐतिहासिक दस्तावेजों, अभिलेखों तथा अन्य लिखित अथवा पुरातात्विक स्रोतों का प्रयोग शोध की अपरिष्कृत सामग्री के रूप में किया जाता है। इस विधि के दूसरे रूप के दर्शन हमें मार्क्स एवं वेबर की कृतियों में होते है।

41. अलग-अलग समय बिन्दुओं पर समान चयनित जनसंख्या से आँकड़ों के संग्रहण के लिए बनी सर्वेक्षण रूपरेखा को कहा जाता है :

(a) कोहर्ट सर्वेक्षण (b) प्रति-वर्गीय सर्वेक्षण
(c) अनुदैर्ध्य सर्वेक्षण (d) प्रायोगिक सर्वेक्षण

उत्तर: (c) अलग-अलग समय बिन्दुओं पर समान चयनित जनसंख्या से आँकड़ों के संग्रहण के लिए बनी सर्वेक्षण रूपरेखा को अनुदैर्ध्य सर्वेक्षण कहा जाता है। अनुदैर्ध्य सर्वेक्षण तुलना करने के लिए समयावधि के दौरान खास जनसमुदाय पर आँकड़े एकत्रित करता है।

42. वह परिकल्पना जो सुझाती है कि अध्ययन के अंतर्गत चयनित परिवर्त्यों के बीच कोई संबंध नहीं है, को कहा जाता है :

(a) संघर्ष परिकल्पना (b) सुख परिकल्पना
(c) अमान्य परिकल्पना (d) विपरीत परिकल्पना

उत्तर: (c) नल अर्थात् शून्य परिकल्पना जिसे अमान्य परिकल्पना भी कहा जाता है, जिसके द्वारा दो परिवर्त्यों के बीच शून्य सम्बन्धों को प्रकट किया जाता है। शून्य सम्बन्धों से तात्पर्य किसी प्रकार के सन्दर्भ न होने से है। इस प्राक्कल्पना को नकारात्मक या रिक्त प्राकल्पना भी कहते हैं, क्योंकि इसके द्वारा दो चरों या परिवर्त्यों के बीच किसी भी प्रकार के सार्थक सम्बन्धों को नकारा (अस्वीकारा) जाता है। यह एक सरल एवं निर्देश रहित प्राक्कल्पना होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

43. निम्नलिखित में से किसने यह कहा, ''मैने असहभागी के रूप में शोध आरम्भ किया। जैसे ही मैं समुदाय में स्वीकार्य हो गया, मैंने स्वयं को गैर-प्रेक्षक सहभागी बनता पाया'' ?

(a) बी. मैलिनोवस्की (b) ई. दुर्खीम
(c) विलियम एफ. व्हाइट (d) एन. एन्डर्सन

उत्तरः (c) विलियम एफ. व्हाइट ने कहा कि मैने असहभागी के रूप में शोध आरम्भ किया जैसे ही समुदाय में स्वीकार्य हो गया, मैने स्वयं को गैर-प्रेक्षक सहभागी बनता पाया।

असहभागी अवलोकन में शोधकर्ता अध्ययन किये जाने वाले समूह की क्रियाओं का अध्ययन उनकी जानकारी के साथ, किन्तु उनकी क्रियाओं में बिना भाग लिये हुए मात्र एक तटस्थ दर्शक के रूप में देखता परखता है।

44. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है :

अभिकथन (A) : गुणात्मक पद्धतियों को बहुधा विश्वसनीयता के वही मानक पूरे करने में विफल रहने के लिए आलोचना की जाती है।

तर्क (R) : गुणात्मक पद्धतियों में आँकड़ों के संग्रह के लिए प्रयुक्त प्रक्रियाएँ यथातथ्य और सटीक होती हैं।

निम्नलिखित कूटों से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सहीं हैं तथा (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सहीं हैं किंतु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सहीं है, किंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

उत्तरः (c) गुणात्मक पद्धति के अन्तर्गत संख्यात्मक इकाइयों की अपेक्षा श्रेणियों को प्रदर्शित करने वाले चर का अध्ययन किया जाता है। ऐसे चरों के विभेद में अंकों अथवा संख्याओं का प्रयोग नहीं किया जाता। जिसके फलस्वरूप गुणात्मक पद्धतियों में आँकड़ों के संग्रह के लिए प्रयुक्त प्रक्रियायें यथार्थ और सटीक नहीं होती। यही कारण है कि गुणात्मक पद्धतियों की बहुधा विश्वसनीयता के वहीं मानक पूरे करने में विफल रहने के लिए आलोचना की जाती है।

45. लिपिबद्ध मानव सम्प्रेषण जैसे पुस्तकें, वेबसाइट्स, चित्रों, कानूनों के अध्ययन को कहा जाता है :

(a) विषयवस्तु विश्लेषण (b) लक्षण विषयक
(c) पुस्तकीय दृष्टिकोण (d) नृजातीय वर्णन

उत्तरः (a) - विषयवस्तु विश्लेषण जिसे अन्तर्वस्तु विश्लेषण या सामग्री या विषय विश्लेषण भी कहा जाता है। यह शोध की एक विधि, एक तकनीकी है जिसके द्वारा संचार के लिखित मौखिक अथवा दृश्यात्मक साधनों में व्यक्त अन्तर्वस्तु के वस्तुपरक, व्यवस्थित एवं परिमाणात्मक विश्लेषण किया जाता है। विषयवस्तु विश्लेषण के अन्तर्गत पुस्तकें, वेबसाइट, चित्रों तथा कानूनों का अध्ययन किया जाता है।

46. किस गुणात्मक उपागम में प्राथमिक लक्ष्य व्यक्ति के आंतरिक जगत के अनुभवों तक पहुँचना होता है ?

(a) एकल अध्ययन (b) नृजाति वर्णन
(c) प्रघटना विज्ञान (d) ग्राउन्डेड सिद्धान्त

उत्तरः (c) किसी घटना के बारे में पूर्वाग्रहों, पूर्व मान्यताओं एवं दार्शनिक बोध से अप्रभावित व्यक्ति के प्रत्यक्ष अनुभवों को जानने की विधा को प्रघटना विज्ञान कहलाती है।

47. प्रसामान्य वितरण में माध्य, माध्यिका और बहुलक कहाँ अवस्थित होते हैं ?

(a) सभी तीनों केन्द्र में
(b) माध्य केंद्र की बाईं ओर, माध्यिका केंद्र में और बहुलक केन्द्र के दाईं ओर
(c) माध्य केंद्र में, माध्यिका की बाईं ओर, बहुलक की दाईं ओर
(d) तीनों में से कोई भी केंद्र में अवस्थित नहीं होता।

उत्तरः (a) प्रसामान्य वितरण में माध्य, माध्यिका और बहुलक सभी तीनों केन्द्र में अवस्थित होते हैं।

48. निम्नलिखित औसतों में से कौन सा एक गुणात्मक चरों पर लागू हो सकता है ?

(a) माध्य (b) बहुलक (c) माध्यिका (d) ज्यामितीय माध्य

उत्तरः (b) औसत का एक प्रकार जिसकी परिभाषा प्राप्तांकों अथवा माप के ऐसे मूल्य के रूप में की जाती है जो किसी समंक माला में सर्वाधिक बार आता है। दूसरे शब्दों में श्रेणी में सर्वाधिक आने वाले मूल्य को बहुलक या भूयिष्ठिक कहते हैं। बहुलक गुणात्मक चरों पर भी लागू हो सकता है।

49. सहसंबंध गुणांक निम्नलिखित में से किन दो चरों के बीच संबंध को मापता है?

(a) एक गुणात्मक और एक मात्रात्मक चर
(b) दोनों गुणात्मक चर
(c) दोनों मात्रात्मक चर
(d) दो से अधिक गुणात्मक चर

उत्तरः (c) प्रसिद्ध जीवशास्त्री एवं सांख्यिकीविद् श्री कार्ल पियर्सन द्वारा प्रस्तुत सहसंबंध के सूत्र में सह समसम्बन्ध का गुणांक दो मात्रात्मक चरों के बीच सम्बन्ध को मापता है।

माना दो मात्रात्मक चर x तथा y है तो पियर्सन का सहसम्बन्ध का गुणांक (γ) का सूत्र-

$$\gamma = \frac{\sum dxdy}{N\sigma x\sigma y}$$

यहाँ γ = सह-सम्बन्ध गुणांक
dx = x श्रेणी के किसी प्राप्तांक की उस श्रेणी के माध्य से विचलन (x-Mx)
dy = y श्रेणी के किसी प्राप्तांक की उस श्रेणी से विचलन (y-My)
N = मात्रात्मक श्रेणी में पदों की संख्या

50. सामाजिक शोध में विश्वसनीयता में सम्मिलित होता है:

(A) संग्रहित आँकड़ों की विश्वसनीयता
(B) आँकड़ों के संग्रह के लिए प्रयुक्त परीक्षण या माप
(C) संगति और साहचर्य का परीक्षण
(D) वह माप जो दोहराए जाने पर भी वही परिणाम देता है।

नीचे दिए गये कूटों में से सही उत्तर दीजिये :

(a) A, B और C (b) B, C और D
(c) A, C और D (d) A, B और D

उत्तरः (d) सामाजिक शोध वह वैज्ञानिक विधि है जिसके द्वारा सामाजिक घटनाओं व समस्याओं के कारणों, अन्त:संबंधों तथा अन्तर्निहित प्रक्रियाओं का अध्ययन, विश्लेषण व निरूपण किया जाता है। सामाजिक शोध के अन्तर्गत संग्रहित आँकड़ों की विश्वसनीयता, आँकड़ों के संग्रह के लिए प्रयुक्त परीक्षण या माप तथा वह माप जो दोहराये जाने पर भी वही परिणाम दे, सम्मिलित होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जनवरी-2017

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किसका, अपनी पद्धति में, 'जिस तरह से लोग दूसरों की चेतना को समझते हैं जबकि वे चेतना की अपनी ही धारा में रहते हैं', से सरोकार था ?

(a) एम. रोजर्स (b) अल्फ्रेड शुट्ज
(c) जे. डगलस (d) जॉर्ज रिट्जर

उत्तर : (b) प्रसिद्ध प्रघटनाशास्त्री 'हसर्ल के शिष्य' रहे शुट्ज ने अस्तित्ववादी विचारकों और समाजशास्त्रियों के विश्व को देखने के नजरिये के बीच के अन्तर को पाटने का काम किया। प्रघटनाशास्त्र जिसके प्रवर्तक हसर्ल माने जाते हैं, शुट्ज ने हसर्ल के दार्शनिक विचारों को नया रूप देकर उनके 'प्रघटनाशास्त्र के दर्शन को' 'समाजशास्त्रीय प्रघटनाशास्त्र' में बदल दिया। इस प्रकार शुट्ज का प्रघटनाशास्त्र हर्सल के प्रघटनाशास्त्र से भिन्न है। हसर्ल का प्रघटनाशास्त्र पारलौकिक स्व को समझने पर जोर देते हुए अन्दर से बाहर की अन्तर्विषयपरकता को जानने की बात करता है, जबकि शुट्ज इस बात पर बल देते हैं कि लोग अपनी चेतना की धारा में रहते हुए भी दूसरों की चेतना को समझ सकते हैं।

2. निम्नलिखित उपागमों में से कौन सा मुख्यतः 'चेतना' पर ध्यान केन्द्रित करता है ?

(a) नृजाति पद्धति विज्ञान (b) तुलनात्मक पद्धति
(c) प्रघटना विज्ञान (d) प्रकार्यवाद

उत्तर : (c) दर्शनशास्त्र की एक विधि के रूप में प्रघटनाशास्त्र का मूल विषय चेतना के बारे में व्यवस्थित रूप में जानकारी प्राप्त करना या गवेषणा करना है।

किसी घटना के बारे में पूर्वाग्रहों, पूर्व मान्यताओं एवं दार्शनिक बोध से अप्रभावित व्यक्ति के प्रत्यक्ष अनुभव को जानने की विधा को प्रघटनाशास्त्र कहते हैं।

3. 'द सोशल कन्स्ट्रक्शन ऑफ रियलिटी' नामक पुस्तक किसने लिखी है ?

(a) टी. लकमैन और रेनहार्ड बेन्डिक्स
(b) पीटर बर्गर और टी. लकमैन
(c) रूथ बेनेडिक्ट और पीटर बर्गर
(d) रेनहार्ड बेन्डिक्स और रूथ बेनेडिक्ट

उत्तर : (b) 'यथार्थ की सामाजिक रचना' (सोशल कंस्ट्रक्शन ऑफ रियलिटी 1967) पुस्तक पीटर बर्गर ने थॉमस लकमैन के साथ लिखी है यह पुस्तक ज्ञान के समाजशास्त्र को उजागर करती है जिसमें घटनाक्रियावादी परिप्रेक्ष्य को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का प्रयास किया है। यथार्थ की सामाजिक संरचना की व्याख्या करते हुए बर्गर और लकमैन कहते हैं कि "कुछ सामाजिक घटनायें ऐसी होती हैं जिनका दायरा केवल विचारों के संसार तक होता है। ऐसी घटनाओं का कोई भौतिक अस्तित्व नहीं होता। मानदण्ड, मूल्य और संस्कृति के कई अन्य तत्व, ऐसी ही मानसिक प्रक्रियायें हैं जो समाजशास्त्रीय घटनाओं की श्रेणी में आती हैं। ये मानसिक प्रक्रियायें ही सामाजिक संरचनायें है।

4. 'दिन-प्रतिदिन के जीवन और संस्था की सामाजिक रचना में सामान्य बुद्धि ज्ञान की भूमिका' का विवरण कौन प्रस्तुत करता है ?

(a) पीटर बर्गर (b) जॉर्ज लूकास
(c) मैक्स वेबर (d) इर्विंग गॉफमैन

उत्तर : (a) 'दिन-प्रतिदिन के जीवन और संस्था की सामाजिक रचना में सामान्य बुद्धि ज्ञान की भूमिका' का विवरण पीटर बर्गर ने प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपनी व्याख्याओं द्वारा सामाजिक संरचना की दमनात्मक शक्तियों का मानवीय स्वायत्ता के साथ सामंजस्य बैठाने का प्रयास किया है।

5. नृजाति पद्धति विज्ञान के विशेष उपागम का संस्थापक किसे कहा जाता है ?

(a) अल्फ्रेड शुट्ज (b) हैरॉल्ड गार्फिन्केल
(c) इर्विंग गॉफमैन (d) जॉन. के. गाल्ब्रेथ

उत्तर : (b) 'एथनोमेथडोलॉजी' शब्द के आविष्कारक अमेरिकी समाजशास्त्री 'हैरॉल्ड गारफिंकल' (1917-2011) ने प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद के सामान्य ढाँचे में नृजातीय पद्धति शास्त्र (लोक विधि विज्ञान) के नये उपागम को विकसित किया। इस उपागम का प्रयोग गारफिंकल ने अपनी पुस्तक 'स्टडीज इन एथनोमेथडोलॉजी' (1967) में की है। शाब्दिक रूप में 'एथनो' से तात्पर्य सांस्कृतिक समूह से है और 'मेथडोलॉजी' का अर्थ अध्ययन की विधियों से है। अतः सरल शब्दों में 'एथनोमेथडोलॉजी' का अर्थ उन विधियों के अध्ययन से है जिनका प्रयोग लोग रोजमर्रा के सामाजिक जीवन में अर्थों और व्यवस्था की रचना करने में करते हैं।

6. सूची-I और सूची- II को सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची- I (अवधारणाएँ)	सूची- II (चिन्तक)
A. विनिमय	i. इर्विंग गॉफमैन
B. नाट्यकला	ii. पी. एम. ब्लाउ
C. अंतः आत्मनिष्ठता	iii. एच. गार्फिन्केल
D. निर्देशकता	iv. अल्फ्रेड शुट्ज

कूट

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	iii	iv	ii	i
(c)	iv	i	iii	ii
(d)	ii	i	iv	iii

उत्तर : (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणाएँ)		(चिन्तक)
विनिमय	-	पी. एम. ब्लाउ
नाट्यकला	-	इर्विंग गॉफमैन
अंतः आत्मनिष्ठता	-	अल्फ्रेड शुट्ज
निर्देशकता	-	एच. गार्फिन्केल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

7. किसके अनुसार विचारधारा को मात्र 'मिथ्या चेतना' के रूप में नहीं अपितु वास्तविक सामाजिक संबंधों के महत्वपूर्ण अंग के रूप में देखना चाहिए ?

(a) हैबरमास (b) अल्थूजर
(c) एडोर्नो (d) गिड्डेन्स

उत्तर : (b) बीसवीं शताब्दी के सर्वाधिक मौलिक और प्रखर फ्रांसीसी नव-मार्क्सवादी सामाजिक दार्शनिक एवं चिंतक लुई अल्थूजर (1918-1990) ने मानविकी और सामाजिक विज्ञानों में एक करिश्माई किन्तु अत्यन्त विवादास्पद सिद्धान्तकार के रूप में अपनी छाप अंकित की है। अल्थ्यूजर के सबसे विवादास्पद विचार 'सैद्धान्तिक मानववाद' (व्यक्ति और समाज के संबंधों) के बारे में हैं। उनके अनुसार, व्यक्तियों की विचारधारा को सामाजिक सम्बंधों की संरचनाओं के प्रतिनिधियों या निर्माण करने वालों के रूप में देखा जाना चाहिए।

8. प्रकार्यवाद से भिन्न नवप्रकार्यवाद मोटे तौर पर किस पर समान ध्यान देता है ?

(a) क्रिया और व्यवस्था (b) क्रिया और प्रतिक्रिया
(c) धारणा और प्रथा (d) कर्ता और परिस्थिति

उत्तर : (a) नव प्रकार्यवाद प्रकार्यवादी सिद्धान्त की एक आत्म आलोचनात्मक धारा है जो इसकी सैद्धान्तिक आत्मा को बनाये रखते हुए प्रकार्यवाद के बौद्धिक क्षेत्र में विस्तार करना चाहती है। यह क्रिया और व्यवस्था पर समान रूप से ध्यान देता है।

9. अल्थूजर ने यह विचार सम्प्रेषित करने के लिए कि समाज में बड़े परिवर्तन जटिल होते हैं और बढ़ते हैं, किस पद का प्रयोग किया ?

(a) बाहुल्य (b) अतिनिर्धारण
(c) अन्तर्विरोध (d) अपचयवाद

उत्तर : (b) नव-मार्क्सवादी दार्शनिक एवं चिंतक लुई अल्थूजर की दृष्टि में बड़े स्तर पर होने वाले ऐतिहासिक बदलाव हमेशा आकस्मिक होते हैं, और हमेशा किसी सामाजिक प्रणाली को प्रभावित करने वाले अनेकानेक विरोधों के अति निर्धारण या संघनन की प्रक्रिया का अपवादिक परिणाम होते हैं।

10. निम्नलिखित में से किसे 'आलोचनात्मक सिद्धान्तकार' कहा जा सकता है ?

(a) अलेक्जेंडर (b) हेबरमास
(c) अल्थूजर (d) बोर्ड्यू

उत्तर : (b) प्राविधिकीय तार्किकता के आलोचक तथा भाष्य विज्ञान एवं सम्प्रेषणात्मक क्रिया के महत सिद्धान्त के समर्थक एवं पैरोकार, जर्मन दार्शनिक और सामाजिक विचारक युरगेन हेबरमास अपने आलोचनात्मक सिद्धान्त के लिए जाने जाते हैं। यह सम्प्रदाय आलोचनात्मक सिद्धांत के लिये जाना जाता है। इनकी प्रमुख पुस्तकें ये हैं-
- Theory of practice (1963)
- Knowledge and Human interests
- Ligitimation Crises
- Communication and the Evolution of Society

11. अलेक्जेंडर के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सी संरचनात्मक-प्रकार्यवाद से संबंधित समस्या नहीं है जिससे नवप्रकार्यवाद को निपटने की आवश्यकता है ?

(a) व्यक्तिवाद विरूद्ध (b) रूढ़िवाद
(c) आदर्शवाद (d) बहुआयामवाद

उत्तर : (d) 'नव प्रकार्यवाद' 'संरचनात्मक-प्रकार्यवाद' का ही एक रूप है। इसके विकास में अलेक्जेंडर का विशेष योगदान है। अलेक्जेंडर ने पुराने संरचनात्मक-प्रकार्यवाद की जो समस्याएं बतायी हैं और जिन्हें नव-प्रकार्यावाद को दूर करना वे हैं– "व्यक्तिवाद-विरोध", "परिवर्तन का विरोध", "रूढ़ीवाद", "आदर्शवाद", "आनुभविकता विरोधी अभिनति" आदि। अतः "बहुआयामवाद" संरचनात्मक-प्रकार्यवाद से सम्बन्धित समस्या नहीं है।

12. निम्नलिखित में से कौन 'वैधता दावों' की रचना की प्रक्रिया में 'अभिव्यक्तिशील क्रिया' की अवधारणा का प्रयोग करता है

(a) टर्नर (b) अल्थूजर
(c) हेबरमास (d) गिड्डेन्स

उत्तर : (c) जिसे हम हेबरमास का आलोचनात्मक या नव मार्क्सवादी सिद्धान्त कहते हैं, वह वस्तुतः अभिव्यक्ति का तार्किक सिद्धान्त है। हेबरमास युक्ता-युक्त उद्देश्यपरक क्रिया और अभिव्यक्ति शील क्रिया में अन्तर करते हैं। युक्ता-युक्त उद्देश्यपरक क्रिया का रुझान भौतिक पर्यावरण के प्रति होता है जबकि अभिव्यक्तिशील क्रिया हम सामान्यतया कार्य और श्रम के अर्थ में लेते हैं यही हेबरमास की व्याख्या और उनका सिद्धान्त है। यह सिद्धांत उनकी पुस्तक 'तार्किक समाज की ओर' में है।

13. डेरिडा द्वारा प्रयुक्त 'भिन्नता' की अवधारणा दो अर्थों को संदर्भित करती है। निम्नलिखित में से कौन-सा जोड़ा सही है ?

(a) मतभेद और लंबा करना (b) दूरी और निकटता
(c) आस्थगित और विलंब (d) मतभेद और आस्थगित

उत्तर : (d) फ्रांस के समाजशास्त्री जेक्स डेरिडा ने उत्तर संरचनावाद व उत्तर आधुनिकता के बारे में अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किये। अपने उत्तर-संरचनावाद और उत्तर आधुनिकता के विचारों के सम्बन्ध में डेरिडा ने कई नई अवधारणायें प्रणीत की हैं उनमें प्रमुख हैं : विखण्डनवाद या विरचनावाद, भेद, विकेन्द्रण और आने वाले लोकतंत्र के प्रति आशय भरा विश्वास आदि। डेरिडा द्वारा प्रस्तुत भिन्नता (भेद) की अवधारणा दो अर्थों मतभेद और आस्थगित को संदर्भित करती है।

14. गिड्डेन्स का संरचनाकरण सिद्धान्त जो आधुनिकता को गतिवाद प्रदान करता है का महत्वपूर्ण पहलू है :

(a) आधुनिक संस्थाएँ (b) जीवन जगत
(c) समय और स्थान दूरीकरण (d) आत्म-तादात्म्य

उत्तर : (c) ब्रिटिश समाजशास्त्री एन्थोनी गिडेन्स ने समाजशास्त्री सिद्धान्त में काफी लेखन कार्य किया है। उनकी प्रमुख रूचि शास्त्रीय सिद्धान्त पूँजीवाद, सामाजिक वर्ग तथा सामाजिक परिवर्तन में रही है। उनका सबसे प्रमुख कार्य संरचनाकरण का सिद्धान्त रहा है। गिडेन्स का विचार है कि सामाजिक क्रियायें समय एवं स्थान में घटती हैं इसलिए गिडेन्स ने अपने संरचनाकरण सिद्धान्त को अप्रकार्यवादी घोषणा पत्र कहा है।

15. सूची-I और सूची- II को सुमेलित कीजिए :

सूची- I (चिन्तक)	सूची- II (अवधारणा)
A. फूको	i. संरचनाकरण
B. हेबरमास	ii. परावाक् उन्मुखता
C. गिड्डेन्स	iii. सार्वजनिक क्षेत्र
D. डेरिडा	iv. सर्वोत्दृश्य

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

निम्नलिखित कूटों से सही उत्तर दीजिए।
कूट

	A	B	C	D
(a)	iii	ii	i	iv
(b)	iv	iii	i	ii
(c)	i	ii	iii	iv
(d)	i	iii	ii	iv

उत्तर : (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(चिन्तक)		(अवधारणा)
फूको	-	सर्वोत्दृश्य
हेबरमास	-	सार्वजनिक क्षेत्र
गिड्डेन्स	-	संरचनाकरण
डेरिडा	-	परावाक् उन्मुखता

16. गिड्डेन्स के अनुसार 'संरचना' किसे संदर्भित करता है ?
(a) नियम और संसाधन (b) सामाजिक संबंधों का जाल
(c) एक निश्चित प्रतिमान (d) प्रतिमान और मूल्य

उत्तर : (a) गिड्डेन्स के अनुसार सामाजिक संरचना भौतिक संरचना के समान नहीं होती, अपितु सामाजिक संरचना का निर्माण समाजिक जीवन के रोजमर्रा के कार्यकलापों के द्वारा कर्ताओं द्वारा नियमाचारों और संसाधनों के ज्ञानपूर्वक प्रयोग द्वारा होता है। संरचना निर्माण के संदर्भ में गिडेन्स ने 'संरचना की द्वयात्मकता' का अपनी प्रमुख धारणा का प्रयोग कर द्वैतवाद की धारणा को नकारा है। इसी धारणा के द्वारा उन्होंने प्रकार्यवाद और प्रकृतिवाद दोनों का भी विरोध किया है।

17. निम्नलिखित में से किसने अपने लेखनों में 'प्रवचन' की अवधारणा का विकास किया है ?
(a) जे. अलेक्जेंडर (b) ए. गिड्डेन्स
(c) एम. फूको (d) जे. डेरिडा

उत्तर : (c) विमर्श (Discourse) फूको के विश्लेषण की मुख्य अवधारणा है। इसका सामान्य अर्थ प्रवचन या भाषण है, किन्तु फूको में इसका प्रयोग इस सामान्य अर्थ से कुछ हटकर किया है। उन्होंने इसका प्रयोग किसी विषय के बारे में 'विशिष्ट ज्ञान' के सन्दर्भ में किया है। यह ''विशेषताओं का शब्दावली'' को इंगित करने वाला एक शब्द है उदाहरणार्थ जब चिकित्सा या कानून क्षेत्र का विशेषज्ञ अपने विषय पर लिखता या बोलता है तब यह माना जाता है कि उसे अपने 'ज्ञान पर अधिकार' है।

18. निम्नलिखित में से किसने भारत का पहला वैज्ञानिक प्रजातीय वर्गीकरण करने का प्रयास किया ?
(a) डी. एन. मजूमदार (b) हरबर्ट रिज्ले
(c) मैक्स मूलर (d) एल. पी. विद्यार्थी

उत्तर : (b) सर हरबर्ट रिजले ने सर्वप्रथम प्रजातीय सिद्धान्त को प्रतिपादित किया था उसके बाद मैकाइवर, मैक्स वेबर, कौबर तथा भारतीय समाजशास्त्रीय एस. सी. राय, एन. के. दत्ता, घुर्ये तथा मजूमदार ने भी पुरजोर समर्थन किया।

19. निम्नलिखित में से किस में 'गोटुल' पाया जाता है ?
(a) भील (b) मुरिया
(c) हो (d) भोटिया

उत्तर : (b) मुरिया गोंड जनजाति में पाया जाने वाला युवागृह 'गोटुल' कहलाता है। वेरियर एल्विन ने अपनी पुस्तक 'The Muria and Their Ghotul' में लिखा है कि 'गोटुल' मुरिया जनजाति के सामाजिक और धार्मिक जीवन का केन्द्र है। गोटुल में जाने वाले लड़कों को 'चेलिक' तथा लड़कियों को 'मोटियारी' कहते हैं।

20. निम्नलिखित में से कौन-सा अनुच्छेद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए बने भारत के संविधान के उपबंधों के कार्यान्वयन हेतु राज्यों को सहायता का प्रावधान करता है ?
(a) 275 (b) 238
(c) 224 (d) 339

उत्तर : (a) अनुच्छेद – 275 अनुसूचित जाति और जनजाति के कल्याण के लिए बने भारत के संविधान के उपबंधों के कार्यान्वयन हेतु राज्यों को सहायता का प्रावधान करता है। अनु0 224 अपर और कार्यकारी न्यायाधीशों की नियुक्ति, अनु0 339 अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन और अनुसूचित जाति के कल्याण के बारे में संघ का नियंत्रण।

21. निम्नलिखित में से कौन-सी जनजाति मातृ-स्थानिक और मातृवंशीय है ?
(a) कादर (b) टोडा
(c) खासी (d) मिजो

उत्तर : (c) खासी जनजाति मातृ-स्थानिक और मातृ-वंशीय है। यह असम में निवास करती है। इसके अतिरिक्त मालावार के नायरों और असम की गारों जनजाति में मातृ-सत्तात्मक परिवार पाया जाता है।

22. निम्नलिखित जनजातियों में से किनका अध्ययन सुरजीत सिन्हा के द्वारा किया गया था ?
(a) भूमिज (b) भील
(c) उरिया (d) मारिया गोंड
निम्नलिखित कूटों में से सही उत्तर चुनिए :
(a) A और B (b) A और C
(c) A और D (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (c) सुरजीत सिन्हा का जन्म 1926 ई. में हुआ था। वह राबर्ट रेडफील्ड के शिष्यों में से एक हैं। उनका प्रमुख कार्य भूमिज हिन्दू अन्तर्क्रिया पर है, इन्होंने भारतीय समाज का अध्ययन करने के लिए सभ्यता परिप्रेक्ष्य को अपनाया। इन्होंने अपने अध्ययन में दो जनजातियों भूमिज तथा मारिया गोंड को चुना।

23. सूची-I और सूची- II को सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची- I	सूची- II
A. जाटव	i. राजस्थान
B. भील	ii. कश्मीर
C. इरावा	iii. उत्तर प्रदेश
D. बक्करवाल	iv. केरल

कूट

	A	B	C	D
(a)	ii	iii	iv	i
(b)	iv	iii	ii	i
(c)	i	iv	iii	ii
(d)	iii	i	iv	ii

उत्तर : (d) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

जाटव	उत्तर प्रदेश
भील	राजस्थान
इरावा	केरल
बक्करवाल	कश्मीर

24. निम्नलिखित में से कौन समाजशास्त्र के भारतीयकरण से संबंधित हैं :
(a) जी. एस.घुर्ये, ए. के. सरन, डी. पी. मुकर्जी
(b) जी. एस. घुर्ये, टी. के. ऊम्मन, ए. के. सरन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) जी. एस. घुर्ये, ए. आर. देसाई, डी. पी. मुकर्जी
(d) जी. एस. घुर्ये, टी. के. ऊम्मन, ए. आर. देसाई

उत्तर : (a) जी. एस.घुर्ये, ए. के. सरन, डी. पी. मुकर्जी समाजशास्त्र के भारतीयकरण से संबंधित हैं। जीवन के विविध क्षेत्रों में भारतीयता की पुनः प्रतिष्ठा करना ही भारतीयकरण कहलाता है। भारतीयता से तात्पर्य उस विचार या भाव से है। जिसमें भारत से जुड़ने का बोध होता हो या भारतीय तत्वों की झलक हो या जो भारतीय संस्कृति से सम्बन्धित हो।

25. सूची-I और सूची- II को सुमेलित कीजिए :

सूची- I (परिप्रेक्ष्य)		सूची- II (चिन्तक)
A. पुस्तकीय विचार	i.	सुरजीत सिन्हा
B. क्षेत्र आधारित विचार	ii.	डेविड हार्डीमैन
C. सभ्यता संबंधी विचार	iii.	जी. एस. घुर्ये
D. उपाश्रित विचार	iv.	एस. सी. दूबे

निम्नलिखित कूटों में से सही उत्तर चुनिए :

कूट

	A	B	C	D
(a)	iii	ii	iv	i
(b)	ii	i	iv	iii
(c)	iii	iv	i	ii
(d)	iv	iii	ii	i

उत्तर : (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(परिप्रेक्ष्य)		(चिन्तक)
पुस्तकीय विचार	-	जी. एस. घुर्ये
क्षेत्र आधारित विचार	-	एस. सी. दूबे
सभ्यता संबंधी विचार	-	सुरजीत सिन्हा
उपाश्रित विचार	-	डेविड हार्डीमैन

26. प्रौद्योगिकीय विकास और भौगोलिक तथा सामाजिक पृथक्करण की सीमा जनजातीय समुदायों को एक दूसरे से अलग करने के लिए प्रयुक्त किए गए मानदंड हैं। यह कथन किसका है ?
(a) एन. के. बोस (b) सुरजीत सिन्हा
(c) डी.पी. मुकर्जी (d) जी. एस. घुर्ये

उत्तर : (a) मूर्धन्य मानवशास्त्री निर्मल कुमार बोस (एन. के. बोस) की गणना प्रारम्भिक अग्रणी मानवशास्त्रियों में की जाती है। वे मानवशास्त्री के साथ-साथ गाँधीवादी विचारक भी थे। इनके अनुसार प्रौद्योगिकीय विकास और भौगोलिक तथा सामाजिक पृथक्करण की सीमा जनजातीय समुदायों को एक दूसरे से अलग करने के लिए प्रयुक्त किये गये मानदण्ड है।

27. निम्नलिखित में से कौन भारतीय समाज का अध्ययन करने में उपाश्रित परिप्रेक्ष्य का प्रयोग करने के लिए विख्यात हैं ?
(a) डी. पी. मुकर्जी (b) वाई.बी. दामले
(c) गेल ओमवेट (d) एन.के. बोस

उत्तर : (c) 1980 के दशक में उपाश्रय अध्ययन समूह का गठन किया गया था। इस सिद्धान्त का उद्देश्य दक्षिणपंथी पूर्वाग्रहों को सही करना था, जोकि दक्षिण एशियाई अध्ययनों में शैक्षणिक कार्यों में सबसे अधिक पाया जाता था। रंजीत गुहा, गायत्री प्रेविक, पार्थ चटर्जी,शाहिद अमीन, डेविड अर्नाल्ड, डेविड हार्डीमैन आदि इस समूह के विद्वान थे। गेल ओमवेट भारतीय समाज का अध्ययन, करने में उपाश्रित परिप्रेक्ष्य का प्रयोग करने के लिए विख्यात हैं।

28. गिड्डेन्स ने समकालीन संकट के लिए किस पद का प्रयोग किया है ?
(a) विनिर्मित अनिश्चितताएँ (b) अस्थिर समाज
(c) कल्पित राष्ट्रवाद (d) बंद सीमाएँ

उत्तर : (a) गिड्डेन्स ने समकालीन संकट के लिए 'विनिर्मित अनिश्चितता' पद का प्रयोग किया है। उनका विचार है कि इसके कारण हमारा वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास के साथ सम्बन्ध नियमित रूप से प्रभावित हुआ है।

29. संरचनात्मक प्रकार्यवाद परिप्रेक्ष्य की मुख्य सीमा यह है कि वह-
(a) अविश्वसनीयता के संकट से ग्रस्त है।
(b) आनुभाविक साक्ष्य पर आधारित नहीं है।
(c) क्षेत्र आधारित कार्य के समय वर्तमान में उपलब्ध केवल स्थैतिक चित्र पर ही विचार करता है।
(d) क्षेत्र आधारित कार्य को महत्व प्रदान करता है।

उत्तर : (c) सामाजिक घटनाओं को समाज की संरचना तथा इसके भागों के प्रकार्यात्मक संबंधों के सन्दर्भ में विश्लेषण हेतु प्रयोग किये जाने वाले एक सैद्धान्तिक तथा पद्धति मूलक परिप्रेक्ष्य संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य कहलाता है। यह परिप्रेक्ष्य क्षेत्र आधारित कार्य के समय वर्तमान में उपलब्ध केवल स्थैतिक चित्र पर ही विचार करता है।

30. निम्नलिखित में से किसने 'निर्धनता की संस्कृति' की अवधारणा दी है ?
(a) ऑस्कर लेविस (b) गुन्नार मिरडाल
(c) एम. एन. श्रीनिवास (d) एम. मैरियट

उत्तर : (a) 'निर्धनता की संस्कृति' (Cultural of Powerty) की अवधारणा ऑस्कर लेविस ने दी है। उनका मानना है कि यह उपसंस्कृति के रूप में मूल्यों की वह व्यवस्था है जो गरीबी को स्थायी करती है।

31. हमारे देश में बाल श्रम वास्तव में प्रचलित है :
(a) सेवा क्षेत्र के औपचारिक संगठन में
(b) औपचारिक उत्पादक इकाइयों में
(c) सॉफ्टवेयर इकाइयों में
(d) कुटीर उद्योगों में

उत्तर : (d) हमारे देश में बाल श्रम वास्तव में कुटीर उद्योगों में प्रचलित है। बाल श्रम (निषेध एवं नियमन) अधिनियम, 1986 (संशोधन विधेयक 2016) के अनुसार 14 वर्ष से कम उम्र के बालकों के लिए परिवार से जुड़े व्यवसाय को छोड़कर विभिन्न क्षेत्रों में काम करने पर पूर्ण रोक का प्रावधान किया गया है। यह संगठित और असंगठित क्षेत्र दोनों पर लागू होता है। इसके अलावा 14 से 18 वर्ष तक के किशोरों को स्वास्थ्य के लिए खतरनाक माने जाने वाले उद्योगों को छोड़कर दूसरे कारोबार में कुछ शर्तों के साथ काम की छूट है।

32. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है ।

अभिकथन (A) : विलीनता का सिद्धान्त भारत में राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया के लिए सही सिद्ध नहीं होता है।

तर्क (R) : देश में सांस्कृतिक एकीकरण से पूर्व राजनीतिक एकीकरण हुआ।

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सहीं हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सहीं हैं किंतु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

उत्तर : (a) विलीनता से तात्पर्य विभिन्न संस्कृति, लोग तथा विचारों के आदान प्रदान स्थल से है जो भारत में राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया के लिए सही सिद्ध नहीं होता है विलीनता के परिणामस्वरूप देश में सांस्कृतिक एकीकरण के पहले राजनीतिक एकीकरण हुआ। अतः अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सत्य है तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।

33. निम्नलिखित में से कौन सा भारत में नृजातीय राष्ट्रवाद का कारण नहीं है
(a) संसाधनों का विषम वितरण
(b) लोकतंत्रीकरण की प्रक्रिया
(c) जन शिक्षा
(d) महिलाओं का सशक्तीकरण

उत्तर : (d) नृजातिकता एक ऐसी विशिष्ट एवं पृथक सामाजिक सांस्कृतिक श्रेणी है जिसकी रचना समान भाषा धर्म, प्रजाति और संस्कृति (खान-पान,पहनावा) जैसे गुणों से होती है। जिसके परिणाम स्वरूप संसाधनों का विषम वितरण, लोकतंत्रीकरण की प्रक्रिया तथा जन शिक्षा का प्रचार-प्रसार होता है। महिलाओं का सशक्तीकरण नृजाति राष्ट्रवाद का कारण नहीं है।

34. निम्नलिखित में से किसने विशेषकर राजस्थान में और देश के दूसरे भागों में भी सूचना के अधिकार के लिए गरीबों को संगठित किया ?
(a) मृदुला मुखर्जी (b) अरुणा राय
(c) पुपुल जयकर (d) कृष्ण भाटिया

उत्तर : (b) मजदूर किसान शक्ति संगठन की संस्थापिका एवं अध्यक्ष अरूणाराय ने सन् 1968 से 1975 तक भारतीय प्रशासनिक सेवा में कार्य किया। उनके योगदान के लिए उन्हें मैग्सेसे पुरस्कार एवं मेवाड़ सेवाश्री आदि पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। वे राजस्थान के निर्धन लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए विशेष रूप से जानी जाती हैं। भारत में सूचना का अधिकार लागू करने के लिए उनके प्रयत्न एवं योगदान उल्लेखनीय है।

35. दिल्ली में नियोजित कालोनियों में रहने वाली जनसंख्या का प्रतिशत कितना है ?
(a) 33.08 (b) 23.7
(c) 55.0 (d) 73.0

उत्तर : (b) दिल्ली में नियोजित कालोनियों में रहने वाली जनसंख्या का 23.7 प्रतिशत है।

36. वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में कितने कस्बे हैं ?
(a) 7935 (b) 8112
(c) 5161 (d) 7703

उत्तर : (*) वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में शहर-कस्बों की कुल संख्या 7936 है जबकि वर्ष 2001 की जनगणना में शहर-कस्बों की कुल संख्या 5161 थी।

37. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है।
अभिकथन (A) : नगरों के मध्यभाग में रहने वाले मलिन बस्ती के निवासियों को कब्जे के नाम पर जल्दी-जल्दी जड़ से उखाड़ा और विस्थापित किया जाता है।
तर्क (R) : वर्तमान नव-उदार बाजारों में शहरी स्थानीय निकायों के लिए अधिक राजस्व अर्जित करने हेतु नगरों के केन्द्रीय स्थल अधिक मूल्यवान हैं।

कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सहीं हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सहीं हैं किंतु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सहीं है, किंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

उत्तर : (a) गन्दी बस्तियाँ प्रायः सभी बड़े-बड़े नगरों में विकसित हुई हैं। चूँकि वर्तमान नव-उदार बाजारों में शहरी स्थानीय निकायों के लिए अधिक राजस्व अर्जित करने हेतु नगरों के केन्द्रीय स्थल अधिक मूल्यवान है इसलिए मध्यभाग में रहने वाले मलिन बस्ती के निवासियों को कब्जे के नाम पर जल्दी-जल्दी जड़ से उखाड़ और विस्थापित किया जाता है।

38. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है।
अभिकथन (A) : वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार शहरी जनसंख्या में कुल वृद्धि ग्रामीण जनसंख्या में वृद्धि से अधिक हुई थी।
तर्क (R) : जनसंख्या कस्बों (सेंसस टाउनस्) की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है।
नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सहीं हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सहीं हैं किंतु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

उत्तर : (a) जनगणना 2011 के अनुसार, कस्बों में जनसंख्या अत्यधिक तेजी से बढ़ी है जिसके फलस्वरूप शहरी जनसंख्या में ग्रामीण जनसंख्या की अपेक्षा अधिक वृद्धि हुई है अतः अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सही है तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।

39. निम्नलिखित में से किसने यह कहा है कि ''अधिकतर शक्तिशाली अमरीकी व्यापारिक उद्यमों में से कुछ वस्तुतः 'आदतन अपराधी' थे''?
(a) हरमन मैनहीम (b) ई. एच. सरदरलैंड
(c) जॉन मैक (d) इलियट और मेरिल

उत्तर : (b) अमेरिकी समाजशास्त्री एडविन एच. सदरलैण्ड को अपराधशास्त्र के शोध गवेषणा के विशिष्ट क्षेत्र के रूप में प्रस्थापित करने के लिए श्रेय दिया जाता है। इनके अनुसार, अधिकतर शक्तिशाली अमरीकी व्यापरिक उद्यमों में से कुछ वस्तुतः आदतन अपराधी थे।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

40. आधुनिक अपराध विज्ञान का सरोकार निम्नलिखित में से किसके उपाय खोजने से है ?

(a) अपराध और अपचारिता को कम करना
(b) अपराधियों के लिए सफलतापूर्वक उपचार
(c) अपराध का पता लगाना
(d) (1) और (2) दोनों

उत्तर : (d) अपराधियों से सम्बन्धित लक्षणों की नियमितताओं, समानताओं, प्रतिमानों तथा इनके कारणात्मक कारकों के साथ-साथ अपराध एवं अपराधी दोनों के प्रति समाज की प्रतिक्रियाओं को जानने, अध्ययन एवं विश्लेषण करने वाले विज्ञान को अपराधशास्त्र कहते हैं। आधुनिक अपराधशास्त्र के अन्तर्गत अपराध और अपचारिता को कम करना तथा अपराधियों के लिए सफलतापूर्वक उपचार करना है।

41. निम्नलिखित में से कौन सा घरेलू - हिंसा का रूप नहीं है?

(a) दहेज मृत्यु (b) यौन उत्पीड़न
(c) अपहरण (d) पत्नी की पिटाई करना

उत्तर : (c) घरेलू हिंसा अधिनियम, (2005) भारत की संसद द्वारा पारित एक अधिनियम है जिसका उद्देश्य घरेलू हिंसा से महिलाओं को बचाना है। इस अधिनियम को 26 अक्टूबर, 2006 को लागू किया गया। इस कानून के तहत घरेलू हिंसा के दायरे में अनेक प्रकार की हिंसा और दुर्व्यवहार आते हैं। किसी भी घरेलू सम्बन्ध या नातेदारी में किसी प्रकार का व्यवहार, आचरण या बर्ताव जिससे आपके स्वास्थ्य, सुरक्षा, जीवन या किसी अंग को कोई क्षति पहुँचती है या मानसिक या शारीरिक हानि होती है, घरेलू हिंसा है। अपहरण घरेलू हिंसा के अन्तर्गत नहीं है।

42. आर. के. मर्टन के अनुसार मादक द्रव्य के व्यसनियों के द्वारा किस पथ का अनुसरण किया जाता है ?

(a) कर्मकांडवाद (b) निराशा
(c) अस्वीकरणवाद (d) पश्चगमनवाद

उत्तर : (d) जब एक व्यक्ति समाजोनुमोदित लक्ष्यों और उन्हें प्राप्त करने के लिए संस्थागत साधनों दोनों को अस्वीकार कर किसी अन्य स्थिति को अपना लेता है (मद्यव्यसनी बन जाना, मादक दवाओं का सेवन करना, साधु संन्यासी बन जाना) तब उसकी यह स्थिति पश्चगमनवाद अथवा पलायनवादिता का द्योतक है।

43. निम्नलिखित में से किसने विभिन्न सामाजिक समूहों में समूह की विशेषताओं से आत्महत्या की दरों को जोड़कर आत्महत्या के सामाजिक कारणों की खोज करने का प्रयास किया ?

(a) ई. एच. सदरलैंड (b) ई. दुर्खीम
(c) मैक्स वेबर (d) आर. के. मर्टन

उत्तर : (b) ई. दुर्खीम ने अपनी महत्वपूर्ण पुस्तक 'द सुसाइड' में आत्महत्या की व्याख्या करते हुए कहा कि आत्महत्या जो ऊपरी तौर पर एक व्यक्तिगत तथ्य और मानसिक कारकों का परिणाम नजर आती है, उसका निर्धारण अन्ततः समाज द्वारा होता है। इसके अनुसार आत्महत्या की क्रिया व्यक्तिगत निर्णय की अपेक्षा सामाजिक एकजुटता के विभिन्न स्वरूपों से प्रभावित होती है।

44. वैश्वीकरण के दृष्टिगत भारतीय अर्थव्यवस्था ने :

(a) विकास के समाजवादी पथ के प्रति कटिबद्धता को दोहराया है।
(b) मिश्रित आर्थिक पथ को दोहराया है।
(c) आत्म-निर्भरता के गाँधीवादी मॉडल को दोहराया है।
(d) आर्थिक नव-उदारतावाद के लिए दरवाजा खोल दिया है।

उत्तर : (d) वैश्वीकरण के दृष्टिगत भारतीय अर्थव्यवस्था ने आर्थिक नव-उदारवाद के लिए दरवाजा खोल दिया है। भारत में आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत वर्ष 1991 में हुई।

45. निम्नलिखित में से कौन-सा 'विज्ञान नीति-2003' का उद्देश्य नहीं है ?

(a) विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगतियों का प्रयोग कर राष्ट्रीय रणनीति और सुरक्षा संबंधी उद्देश्यों को पूरा करना ।
(b) अनुसंधान और विकास में निवेश के लिए निजी पक्ष को आमंत्रित करना ।
(c) विश्वविद्यालयों और अन्य अकादमिक निकायों में वैज्ञानिक शोध का पोषण करना।
(d) सभी विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं का सशक्तिकरण ।

उत्तर : (b) प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने कोलकाता में भारतीय विज्ञान कांग्रेस के शताब्दी अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष 2013 प्रस्तुत की और इसकी पहली प्रति राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी को भेंट की थी। विज्ञान नीति-2013 का यह संदेश था कि विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष को लोगों के त्वरित सतत और समावेशी विकास पर ध्यान देना चाहिए। इस नीति का केन्द्र बिन्दु यह था कि यह नीति लोगों के लिए है तथा लोग इस नीति के लिए है। अनुसंधान और विकास में निवेश के लिए निजी पक्षों को आमंत्रित करना इस नीति का उद्देश्य नहीं अपितु इस नीति की अपेक्षायें थी।

46. देशों में जोड़कर वैश्वीकरण का परिणाम हुआ है :

(a) उत्पादकों में कम प्रतिस्पर्धा
(b) उत्पादकों के बीच अधिक प्रतिस्पर्धा
(c) देश को दूसरों पर निर्भर बनाना
(d) उत्पादकों के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं

उत्तर : (b) 1991 में आर्थिक सुधार को अपनाकर भारतीय अर्थव्यवस्था में कई सुधार किये गये और बाधाओं को हटाकर अर्थव्यवस्था को विश्व के लिए खोला गया। वैश्वीकरण के परिणाम स्वरूप अर्थव्यवस्था के विकास दर में वृद्धि, अतीत में प्राप्त लाभों का समायोजन एवं उत्पादन इकाइयों में बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा आदि है।

47. निम्नलिखित में से किसने भारतीय परम्पराओं का 'सिक्स फोल्ड' (छः आयामी) वर्गीकरण प्रस्तुत किया है?

(a) एम. एन. श्रीनिवास (b) मैकिम मैरियट
(c) मिल्टन सिंगर (d) एस. सी. दूबे

उत्तर : (d) एस.सी. दूबे भारतीय समाजशास्त्री और साहित्यकार हैं अपने शोध कार्य को और अधिक विस्तार देने के लिए उन्होंने अंग्रेजी में (Indian Village) लिखी। परम्परा और आधुनिकीकरण के सन्दर्भ में एस. सी. दूबे (श्यामाचरण दूबे) ने मैकिम मैरिएट के परम्परा के द्विभाजन-लघु एवं वृहत्त परम्परा को अस्वीकार करके उसके स्थान पर भारत में कार्यशील छः प्रमुख परम्पराओं का उल्लेख किया है। ये परम्परायें हैं- शास्त्रीय परम्परा, उभरती हुई राष्ट्रीय परम्परा, प्रादेशिक परम्परा, स्थानीय परम्परा, पश्चिमी परम्परा और स्थानीय उपसांस्कृतिक परम्परा। अपनी बाद की कृतियों में दूबे ने आधुनिकीकरण की समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए इसका विश्लेषण सामाजिक विचारण, सामाजिक संरचना और शक्ति संबंधों के सन्दर्भ में किया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

48. निम्नलिखित में से कौन भारतीय समाज की लघु परम्परा के विख्यात सदस्य हैं ?

(a) लोक कलाकार (b) शिक्षक
(c) अभिजात्य (d) कुलीन

उत्तर : (a) लघु परम्परा से तात्पर्य ऐसे विचारों से है जिनका उद्‌गम गाँवों (स्थानीय संस्कृति) में होता है। इस प्रकार की परम्परा का विकास ग्रामीण समुदायों में रहने वाले अप्रबुद्ध एवं सामान्यजनों के बीच स्वतः होता है। महत परम्परा की भाँति लघु परम्परा के परिष्करण करने तथा सजाने-संवारने का कोई सचेतन प्रयास नहीं किया जाता और न ही इसकी अधिक छानबीन ही की जा सकती है। इसे लोक परम्परा के नाम से भी जाना जाता है तथा लोक कलाकार इसके विख्यात सदस्य होते हैं।

49. ''भारत में राष्ट्रवाद ब्रिटिश उपनिवेशवाद द्वारा उत्पन्न भौतिक दशा का परिणाम है।'' यह कथन निम्नलिखित मे से किसका है ?

(a) डेविड ई. एप्टर (b) आर. बेन्डिक्स
(c) टी. के. ऊम्मन (d) ए. आर. देसाई

उत्तर : (d) मार्क्सवादी विचारधारा के प्रति आजन्म प्रतिबद्ध रहे भारतीय समाजशास्त्री अक्षय कुमार रमण लाल देसाई की गणना मुम्बई विश्वविद्यालय के प्रथम पंक्ति और देश के अग्रणी समाजशास्त्रियों में की जाती है।

देसाई ने अपनी प्रमुख कृति 'भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि' न केवल अपने मार्क्सवादी शैक्षिक परिप्रेक्ष्य के कारण एक नवीन प्रवृत्ति स्थापित करने वाला एक गौरव ग्रन्थ रहा है अपितु इसे भारत में समाजशास्त्र का इतिहास के साथ समागम करने वाली एक उत्कृष्ट प्रथम कृति कहा जा सकता है इनके अनुसार, भारत में राष्ट्रवाद ब्रिटिश उपनिवेशवाद द्वारा उत्पन्न भौतिक दशा का परिणाम है।

50. निम्नलिखित में से किसने 'पीजेन्ट्स एंड पीजेन्ट सोसाइटीज' नामक पुस्तक लिखी/ संपादित की है ?

(a) रॉबर्ट रेडफील्ड (b) टी. शानिन
(c) एरिक वुल्फ (d) ऑस्कर लेविस

उत्तरः (b) टी. शानिन एक ब्रिटिश समाजशास्त्री हैं जो समाजशास्त्रीय सिद्धान्त के इतिहास में प्रमुख समाजशास्त्रियों में से एक है। ''पीजैण्ट्स एण्ड पीजैण्ट सोसाइटी'' इनकी प्रसिद्ध पुस्तक हैं। पीजैण्ट सोसाइटी अर्थात् कृषक समुदाय वह समुदाय है जिसमें कृषि आजीविका का साधन मात्र-नहीं अपितु उनकी जीवनशैली का आधार भी होती है। ऐसे समुदाय की प्रमुख विशेषतायें निम्न है- (1) भूमि के प्रतिनिष्ठ एवं श्रद्धा भाव (2) कृषि का सर्वश्रेष्ठ व्यवसाय मानना (3) मेहनती स्वभाव (4) अधिकांशतः आत्मनिर्भर (5) उपयोगी के लिए कृषि, लाभ के लिए नहीं ।

51. सूची-I और सूची- II को सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

सूची- I (अवधारणा)	सूची- II (लेखक)
A. लघु समुदाय	i. आन्द्रे बेतेइ
B. यूनिवर्सलाइजेशन एंड पैरोकियलाइजेशन (सार्वभौमिकीकरण एवं स्थानीयकरण)	ii. ऑस्कर लेविस
C. प्रभु जाति	iii. रॉबर्ट रेडफील्ड
D. क्युमुलेटिव एंड डिस्पर्सड इन्इक्वालिटीज (संचयी एवं तितर-बितर असमानताएँ)	iv. मैकिम मैरियट
	v. एम. एन. श्रीनिवास

कूट :

	A	B	C	D
(a)	i	ii	iii	iv
(b)	ii	iii	iv	v
(c)	iii	iv	v	i
(d)	iv	v	iii	ii

उत्तर : (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)	**(लेखक)**
लघु समुदाय	– राबर्ट रैडफील्ड
यूनिवर्सलाइजेशन एण्ड पैरोकियलाइजेशन (सार्वभौमिकीकरण एवं स्थानीयकरण)	– मैकिम मैरियट
प्रभु जाति	– एम. एन. श्रीनिवास
क्युमुलेटिव एण्ड डिस्पर्सड इनइक्वालिटीज (संचयी एवं तितर-बितर असमानताएँ)	– आन्द्रे बेतेई

52. निम्नलिखित में से किसने भारतीय संदर्भ में किसान आंदोलनों का अध्ययन किया है ?

(a) डेविड हार्डिमैन (b) डी. एन. मजुमदार
(c) डी. एन. धनागरे (d) एस. सी. दुबे

उत्तर : (c) डी. एन. धनागरे (1936-2017) भारतीय समाजशास्त्री और लेखक थे। ये शिवाजी यूनिवर्सिटी, कोल्हापुर के उप कुलपति थे। इनका प्रमुख विषय ग्रामीण समाजशास्त्र तथा किसान आंदोलन रहा है। इन्होंने भारतीय सन्दर्भ में किसान आंदोलन का अध्ययन किया है।

53. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है।

अभिकथन (A) : ग्रामीण भारत में महिलाएँ लोकतांत्रिक संस्थाओं में भागीदारी करके सशक्त अनुभव कर रही हैं।

तर्क (R) : संवैधानिक संशोधनों ने ग्राम्य जीवन की लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की है।

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं किंतु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

उत्तर : (a) चूँकि संवैधानिक संशोधनों में ग्राम्य जीवन की लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की है जिसके फलस्वरूप ग्रामीण भारत में महिलायें लोकतांत्रिक संस्थाओं में भागीदारी करके स्वयं को सशक्त महसूस कर रही हैं। अतः अभिकरण (A) तथा तर्क (R)दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

54. अकिंचनकरण का अर्थ है

(a) लोगों को अकिंचन या गरीब बनाने की प्रक्रिया
(b) अत्यधिक गरीबी या निराश्रितता की स्थिति
(c) न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति की स्थिति
(d) दरिद्रता की स्थिति

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए।
(a) a, b और c (b) b, c और d
(c) a, c और d (d) b, d और a

उत्तर : (d) कंगालीकरण (अकिंचनकरण) एक ऐसी अवधारणा है जिसका प्रयोग भिन्न संदर्भो में भिन्न अर्थों में हुआ है यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा लोग उत्तरोत्तर गरीब बनते जाते है। अतः कंगालीकरण लोगों को अकिंचन या गरीब बनाने की अथवा दरिद्रता की स्थिति को प्रकट करती है।

55. निम्नलिखित में से किसने भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत में औद्योगिक समाजशास्त्र का अध्ययन आरम्भ किया ?
(a) रंगराजन और रामास्वामी (b) मेहता और त्रिपाठी
(c) सेठ और मेयर्स (d) ब्रेमैन और दास

उत्तर : (c) औद्योगिक समाजशास्त्र ज्ञान की एक विशिष्ट शाखा है। जिसमें समाजशास्त्र के ऐसे सिद्धान्तों को विकसित अथवा उनका प्रयोग किया जाता है जो औद्योगिक उत्पादन के ढंग और औद्योगिक जीवन शैली से सम्बंधित होते हैं। इसमें औद्योगिक जीवन से संबंधित पक्षों का अध्ययन किया जाता है। भारत में औद्योगिक समाजशास्त्र के क्षेत्र में डी. आर. गाडगिल, एस. डी. पुनेकर, सेठ तथा मेयर्स, सी. राजगोपालन आदि ने महती कार्य किया है।

56. निम्नलिखित में से कौन -सी नौकरशाही की अनिवार्य विशेषता नहीं है।
(a) मौखिक सम्प्रेषण (b) श्रम का विभाजन
(c) लिखित नियम (d) अवैयक्तिक संबंध

उत्तर : (a) ब्यूरोक्रेसी (अधिकारी तंत्र या कर्मचारीतंत्र) संस्तरणात्मक प्रकार का एक संगठन है जिसमें वृहद स्तर पर प्रशासकीय कार्यों की युक्तिसंगतता और औपचारिकता के आधार पर सम्पादित करने हेतु पिरामिडीय (पद-सौपानीय) रूप में व्यक्तियों के कार्यों का समन्वय किया जाता है। मौखिक सम्प्रेषण नौकरशाही की अनिवार्यता विशेषता नहीं है।

57. मैक्स वेबर के अनुसार पूँजीवादी व्यवस्था में 'विसंबंध' (अलगाव) निम्नलिखित में से किसे संदर्भित करता है?
(a) व्यक्ति की अपने कार्य से विरक्ति
(b) एक कर्मकार की अभ्रान्ति
(c) नेमी कार्य से मुक्ति
(d) काम से लगाव

उत्तर : (b) अलगाव सामाजिक विज्ञानों की एक बहुचर्चित अवधारणा है जिसका प्रयोग कई भिन्न अर्थों और परिप्रेक्ष्यों में हुआ है। अत्यन्त सामान्य अर्थों में, अलगाव से तात्पर्य व्यक्तियों का एक दूसरे से अथवा किसी विशिष्ट स्थिति या प्रक्रिया से विमुखता या विरक्ति है। मैक्स वेबर के अनुसार पूँजीवादी व्यवस्था में अलगाव एक कर्मकार की अभ्रान्ति को सन्दर्भित करता है।

58. पहले श्रम संबंधी राष्ट्रीय आयोग ने संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों की श्रम समस्याओं के संबंध में अपनी रिपोर्ट कब प्रस्तुत की थी ?
(a) 2002 (b) 1969
(c) 1952 (d) 2006

उत्तर : (b) प्रथम राष्ट्रीय श्रम आयोग की स्थापना भारत सरकार ने 1966 में किया। श्री पी.वी. गजेन्द्र गाडकर की अध्यक्षता में देश के मालिकों तथा श्रमिकों के मध्य अच्छे सम्बन्धों को प्रोत्साहन देने की दिशा में इस आयोग को स्थापित किया इसमें विशेष विषयों तथा कुछ महत्वपूर्ण उद्योगों की श्रम सम्बन्धी समस्याओं के अध्ययन के लिए 37 अध्ययन दल व समितियाँ नियुक्ति की थी। आयोग ने अपनी रिपोर्ट अगस्त 1969 में सरकार को दी।

59. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन 'उत्तर-औद्योगिक नगर' को समझने से संबंधित है ?
(a) एक नगर में कुछ हजार लोग इसकी सीमाओं के अंदर रहते हैं और इसकी विशेषता अपेक्षाकृत बंद वर्ग व्यवस्था और सीमित गतिशीलता होती है।
(b) एक नगर जिसमें अर्थव्यवस्था में वैश्विक वित्त और सूचना के इलैक्ट्रनिक प्रवाह की प्रधानता होती है।
(c) एक नगर जिसमें समुचित आधारभूत संरचना की कमी है। और जहाँ पर्यटकों की भीड़ होती है।
(d) एक नगर जो कि देश के शासक अभिजात्य को स्थापित करने के लिए नया-नया बसाया गया है।

उत्तर : (b) एक नगर जिसमें अर्थव्यवस्था में वैश्विक वित्त और सूचना के इलेक्ट्रानिक प्रवाह की प्रधानता होती है। 'उत्तर औद्योगिक नगर' को समझने से सम्बन्धित है। यहाँ सेवाक्षेत्र की प्रधानता होती है।

60. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है।
अभिकथन (A) : भारत में अधिसंख्य तटीय राज्य अत्यधिक नगरीकृत हैं।
तर्क (R) : उनकी दूसरे देशों के साथ पहले अन्तर्क्रिया हुई थी।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं किंतु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

उत्तर : (a)

61. मानव विकास सूचकांक का विकास निम्नलिखित में से किसके द्वारा किया गया था ?
(a) डॉ. मनमोहन सिंह (b) डॉ. महबूब उल हक
(c) डॉ. आशीष बोस (d) डॉ. मोंटेक सिंह अहलूवालिया

उत्तर : (b) मानव विकास सूचकांक (HDI) : यह पाकिस्तानी अर्थशास्त्री स्व0 महबूब-उल-हक द्वारा विकसित किया गया सूचकांक है। प्रो0 अर्मत्य सेन इसके विकास में उनके मुख्य सहायक थे। यह सूचकांक संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (United Nations Development Programme- UNDP) द्वारा 1990 में पहली बार प्रयोग में लाया गया। HDI के अध्ययन का उद्देश्य विभिन्न देशों में मानव विकास के क्षेत्र में प्राप्त होने वाली उपलब्धियों का आकलन करना व इस संदर्भ में दिशा-निर्देशन करना है। इस सूचकांक में प्रति व्यक्ति आय के साथ-साथ जीवन-प्रत्याशा, शिक्षा, साक्षरता, स्वास्थ सुविधा जैसे सामाजिक सूचक भी रखे गए हैं। इस सूचकांक से पता चलता है कि कोई देश विकसित है, विकासशील हैं, अथवा अविकसित है

62. निम्नलिखित में से कौन-सा सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों का सूचक नहीं है ?
(a) अत्यधिक गरीबी और भूख का उन्मूलन
(b) सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा का लक्ष्य प्राप्त करना

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) बाल मृत्युदर को कम करना
(d) सभी के लिए आश्रय

उत्तर : (d) संयुक्त राष्ट्र ने 6 जुलाई, 2015 को सहस्राब्दि विकास लक्ष्य रिपोर्ट-2015 जारी किया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी यह रिपोर्ट आर्थिक और सामाजिक मामलों के संयुक्त राष्ट्र विभाग द्वारा तैयार सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों की दृष्टि में वैश्विक और क्षेत्रीय प्रगति की वार्षिक आकलन है। सभी के लिए आश्रय सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों का सूचक नहीं है। संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दि विकास लक्ष्य ने विश्व को अब तक के इतिहास का सफल गरीबी उन्मूलन अभियान दिया है, जिससे एक अरब से अधिक लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकालने, भूख की समस्या कम करने में सहायता मिली और अधिक लड़कियों को स्कूल भेजना सम्भव हुआ।

63. निम्नलिखित में से कौन 'एशियन ड्रामा' नामक पुस्तक के लेखक हैं ?
(a) ए.जी. फ्रैंक (b) जी. मिरडाल
(c) समीर अमीन (d) आशीष नंदी

उत्तर : (b) विश्व प्रसिद्ध पुस्तक 'एशियन ड्रामा' के जनक मिर्डल ने विकास सम्बंधी समस्याओं का अवलोकन विभिन्न देशों की क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय असमानताओं के सन्दर्भ में किया है। प्रो. मिर्डल का कहना है कि विकास का परिणाम चक्रीय प्रक्रिया को उत्पन्न करता है।

64. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है।
अभिकथन (A) : विकास विषम विकास के लिए उत्तरदायी है।
तर्क (R) : विकास सदैव ही पिछड़े क्षेत्रों की कीमत पर होता है।
नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं किंतु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

उत्तर : (a) विकास परिवर्तन की एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक देश के अधिकाधिक नागरिक उच्च भौतिक रहन सहन के स्तर, स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन प्राप्त करने के साथ-साथ अधिकाधिक मात्रा में शिक्षित होने का प्रयास करते हैं।

65. निम्नलिखित में से कौन-सा विकास के पराश्रितता सिद्धान्त का अंग नहीं है ?
(a) केंद्र-परिधि (b) अल्प विकास
(c) क्रोड (d) स्मार्ट सिटी

उत्तर : (d) स्मार्ट सिटी विकास के पराश्रितता के सिद्धान्त का अंग नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में पराश्रितता का सिद्धान्त (Dependency Theory) यह है कि संसाधन, निर्धन एवं अल्प-विकसित देशों (परिधि/Periphery) से धनी देशों (केन्द्र या कोर/Core) की ओर प्रवाहित होते है तथा निर्धन देशों को और गरीब करते हुए धनी देशों को और धनी बनाते हैं।

66. निम्नलिखित में से किसके अंग के रूप में महत्वपूर्ण सांख्यिकी के विश्वसनीय अनुमानों के लिए भारत में द्वैध रिपोर्ट प्रणाली का प्रयोग किया जा रहा है ?
(a) प्रतिदर्श पंजीकरण प्रणाली
(b) राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण
(c) जनसंख्या रजिस्टर
(d) राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण

उत्तर : (a) प्रतिदर्श पंजीकरण प्रणाली के रूप में महत्वपूर्ण सांख्यिकी के विश्वसनीय अनुमानों के लिए भारत में द्वैध रिपोर्ट प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है।

67. "सेव प्लैनेट-अर्थ" का नारा पहली बार कहाँ दिया गया था ?
(a) रियो-पृथ्वी शिखर सम्मेलन
(b) जकार्ता शिखर सम्मेलन
(c) कोपेनहेगन शिखर सम्मेलन
(d) ब्राजील शिखर सम्मेलन

उत्तर : (a) पर्यावरण में प्रदूषण के कारण पूरी पृथ्वी प्रदूषित हो रही है। वैज्ञानिकों और पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि यही स्थिति बनी रही तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जिनमें पृथ्वी पर प्राणियों और वृक्षों का बने रहना कठिन होगा। इस प्रकार से भविष्य में मानव सभ्यता का जीवन ही खतरे में पड़ रहा है इसको मद्दे नजर रखते हुए सन् 1992 में ब्राजील के रियों डी. जेनेरियो शहर में विश्व के 172 देशों ने पृथ्वी सम्मेलन का आयोजन किया था। जकार्ता शिखर सम्मेलन 7 मार्च 2017 को सम्पन्न हुआ जिसका उद्देश्य शांति सुनिश्चित करना था। कोपेनहेगन शिखर सम्मेलन 7 दिसंबर 2009 को जलवायु परिवर्तन पर हुआ।

68. निम्नलिखित में से किसने सोपान प्रवसन के सिद्धान्त का विकास किया है ?
(a) रेवेन्स्टीन (b) डी. जे. बॉग
(c) ई. एस. ली (d) के. डेविस

उत्तर : (a) मूलतः छोटे प्रवास स्थल से बड़े प्रवास स्थलों की ओर कई चरणों में अग्रसर होना क्रमिक प्रव्रजन कहलाता है, जैसे गाँव से पहले कस्बा, कस्बे से छोटा नगर, छोटे नगर से बड़े नगर और बड़े नगर से महानगरों की ओर संक्रमण क्रमिक प्रव्रजन (सोपान प्रवसन) का द्योतक है। इस सिद्धान्त का विकास रेवेन्स्टीन ने किया है।

69. निम्नलिखित में से किस वर्ष भारत में 'प्रजनन और बाल स्वास्थ्य परियोजना' का पहला चरण प्रारम्भ किया गया था ?
(a) 1995 (b) 2000
(c) 2005 (d) 1997

उत्तर : (d) 'प्रजनन और बाल स्वास्थ्य परियोजना' का पहला चरण सन् 1997 में शुरू किया गया। बाल स्वास्थ्य का अर्थ गर्भधारण से जन्म और इसके पाँच साल की उम्र की देखभाल है। पाँच साल की उम्र के बाद बच्चों के स्वास्थ्य पर स्कूल स्वास्थ्य प्रोग्रामर टीम नजर रखती है। मातृ शिशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता स्कूल स्वास्थ्य टीम में सदस्य हो भी सकते हैं और नहीं भी हो सकते हैं।

70. किसी दी गई जनसंख्या में जन्म के समय शिशु का कम वजन और गर्भ की क्षति निम्नलिखित में से मुख्यतया किस कारण से होती है ?
(a) अपर्याप्त स्वास्थ्य देखरेख
(b) स्त्री निरक्षरता
(c) मातृ कुपोषण
(d) परम्परागत प्रथाएँ

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर : (c) शरीर के लिए आवश्यक संतुलित आहार के लम्बे समय तक नहीं मिलना कुपोषण है। कुपोषण के कारण बच्चों और महिलाओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। जिससे वे आसानी से कई तरह की बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। उचित पोषण के अभाव में गर्भवती मातायें स्वयं तो रोगग्रस्त होती ही हैं साथ ही होने वाले बच्चे को भी कमजोर और रोगग्रस्त बनाती है। जन्म के समय शिशु का वजन कम होना और गर्भ की क्षति मातृ कुपोषण के कारण होती है।

71. सूची-I और सूची- II को सुमेलित कीजिए :

सूची- I (लेखक/संपादक)	सूची- II (मुद्दे)
A. रीता मनचंदा	i. विधवाओं की दशा
B. वंदना शिवा	ii. भारत में महिला आंदोलन
C. नीरा देसाई	iii. द्वंद्व में महिलाएँ
D. मार्था ए. चिन	iv. पारिस्थितिकी नारीवाद (इकोफमिनिज्म)

कूट :

	A	B	C	D
(a)	iii	iv	ii	i
(b)	i	ii	iii	iv
(c)	ii	iv	i	iii
(d)	iv	iii	ii	i

उत्तर : (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक/संपादक)	(मुद्दे)
रीता मनचंदा	- द्वंद्व में महिलाएँ
वंदना शिवा	- पारिस्थितिकी नारीवाद (इकोफमिनिज्म)
नीरा देसाई	- भारत में महिला आंदोलन
मार्था ए. चिन	- विधवाओं की दशा

72. उच्चतम न्यायालय दिशानिर्देशों के अनुसार निम्नलिखित लिंग-संबंधी मुद्दों में से कौन-सा वर्ष 2013 में एक अधिनियम बना ?

(a) दहेज मृत्यु
(b) ऑनर किलिंग (झूठे सम्मान के लिए हत्या)
(c) कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न
(d) घरेलू हिंसा

उत्तर : (c) उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार लिंग सम्बन्धी मुद्दों में से कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम वर्ष 2013 में बना। जिन संस्थाओं में 10 से अधिक लोग काम करते है, उन पर यह अधिनियम लागू होता है।

73. निम्नलिखित सूचियों को सुमेलित कीजिए :

(लेखक/संपादक	(पुस्तकें)
A. करिन कपाड़िया	i. ए फील्ड ऑफ वन्स ओन : जेंडर एंड लैंड राइट्स इन साउथ एशिया
B. लीला दुबे	ii. स्पींकिंग पीस : वूमेन्स वॉयस फ्रॉम कश्मीर
C. वीणा अग्रवाल	iii. वूमेन एंड किन्शिप : कंपेरेटिव पर्सपेक्टिव ऑन जेंडर इन साउथ एंड साउथ-ईस्ट एशिया
D. उर्वशी बुटालिया	iv. शिवा एंड हर सिस्टर्स : जेंडर, कास्ट एंड क्लास इन रूरल साउथ एशिया

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए :

कूट

	A	B	C	D
(a)	iii	ii	i	iv
(b)	iv	iii	i	ii
(c)	iii	i	iv	ii
(d)	i	iv	iii	ii

उत्तर : (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक/संपादक)	(पुस्तकें)
करिन कपाड़िया	- शिवा एंड हर सिस्टर्स : जेंडर, कास्ट एंड क्लास इन रूरल साउथ एशिया
लीला दुबे	- वूमेन एंड किन्शिप : कंपेरेटिव पर्सपेक्टिव ऑन जेंडर इन साउथ एंड साउथ-ईस्ट एशिया।
वीणा अग्रवाल	- ए फील्ड ऑफ वन्स ओन : जेंडर एंड लैंड राइट्स इन साउथ एशिया
उर्वशी बुटालिया	- स्पींकिंग पीस : वूमेन्स वॉयस फ्रॉम कश्मीर

74. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है ?

	(लेखक)		(पुस्तकें/लेख)
(a)	लीला दुबे	-	मैट्रीलिनी एण्ड इस्लाम
(b)	के. सारदामनी	-	मैट्रीलिनी ट्रांसफार्मड
(c)	टी. नांगब्री	-	जेंडर एंड खाली फैमिली स्ट्रक्चर
(d)	एफ. एग्नीस	-	लॉ एंड जेंडर इनइक्वालिटी

उत्तर : (*) सभी विकल्प सुमेलित हैं।

75. निम्नलिखित में से किसके लिए, 'पितृतंत्र जाति से कम कष्टप्रद नहीं है'?

(a) स्वनियोजित महिला संघ
(b) दलित महिला संगठन
(c) मानव अधिकार आंदोलन
(d) शांति की पुनर्स्थापना के लिए गठजोड़

उत्तर : (b) भारतीय समाज की सबसे निचली सीढ़ी पर खड़ी दलित स्त्री ने समाज की वर्जनाओं निषेधाज्ञाओं को लांघते हुए ब्राह्मणवादी व्यवस्था के मुख्य आधार स्तम्भ पितृसत्वा, धर्म और जातीयता को हमेशा कड़ी टक्कर दी है चाहे वह चिंतन का क्षेत्र हो अथवा संघर्ष का इस संगठन के अनुसार पितृतंत्र जाति से कम कष्टप्रद नहीं है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, नवम्बर-2017

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्नलिखित में से किसने समाजशास्त्र की परिभाषा सामूहिक प्रतिनिधित्व के क्रमबद्ध अध्ययन के रूप में दी है?

(a) कार्ल मार्क्स (b) इमाईल दुर्खाईम
(c) अगस्ट कॉम्त (d) मैक्स वेबर

Ans. (b) : इमाईल दुर्खीम ने समाजशास्त्र की परिभाषा सामूहिक प्रतिनिधित्व के क्रमबद्ध अध्ययन के रूप में दी है। समाज द्वारा मान्य उन विचारों, धारणाओं, भावनाओं तथा प्रतीकों को सामूहिक प्रतिनिधान की संज्ञा दी जाती है जो सामूहिक रूप से समस्त समूह का प्रतिनिधित्व करते हैं। दुर्खीम के अनुसार, सामूहिक प्रतिनिधित्व 'सामूहिक चेतना' की स्थित है जिसकी प्रकृति वैयक्तिक चेतना से भिन्न है।

2. निम्नलिखित में से यह किसकी परिभाषा है कि, ''समुदाय सामाजिक जीवन जीने का एक स्थान है जिसमें कुछ सीमा तक सुसंगति पायी जाती है?''

(a) आर.एम. मैकाइवर और सी.एच. पेज
(b) किम्बैल यंग और डब्ल्यू. एफ. ऑगबर्न
(c) हेनरी जोन्हान
(d) किंग्स्ले डेविस

Ans. (a) : आर.एम. मैकाइवर और सी.एच. पेज का मानना है कि, ''समुदाय सामाजिक जीवन का ऐसा क्षेत्र है जिसमें सामाजिक सम्बद्धता कुछ मात्रा में पायी जाती है।''

3. निम्नलिखित में से किसने ''अनिवार्यतः समन्वित संघ'' की अवधारणा को प्रतिपादित किया गया है?

(a) कोज़र (b) डेहरेनडॉर्फ
(c) कोलिन्स (d) मार्क्स

Ans. (b) : डेहरेनडॉर्फ द्वारा ''अनिवार्यतः समन्वित संघ'' की अवधारणा को प्रतिपादित किया गया है। उन्होंने सिद्ध किया कि अंतर्निहित सभी सामाजिक व्यवस्था अनिवार्य रूप से समन्वित संघ है। इसे शक्ति सम्बन्धों के आधार पर संगठनात्मक समूहों के रूप में वर्णित किया गया है। वही लोग सत्ता की स्थितियों में घूमते है, और इसलिए उनके आदर्श सामाजिक व्यवस्था को आधार देते है। ये लोग सरकार, निगम और लॉबिस्ट पदों के माध्यम इस अधिकार को प्राप्त करते हैं।

4. 'पुरस्कार और दंड भूमिका प्रत्याशा से सम्बन्धित हैं।' जिसे जाना जाता है:

(a) लोकरीति (मोर्स) (b) लोकाचार (फोकवेज)
(c) मानदंड (d) संस्वीकृति (Sanctions)

Ans. (d) : कुछ विशिष्ट प्रकार के व्यवहारों को प्रोत्साहित अथवा हतोत्साहित करने हेतु व्यक्ति को दिये जाने वाले दण्ड अथवा पुरस्कार की व्यवस्था को संस्वीकृति कहते हैं। सकारात्मक संस्वीकृति में बहुधा प्रशंसा करना, पदक प्रदान करना, साधुवाद देना आदि सम्मिलित होते हैं। इसके विपरीत नकारात्मक संस्वीकृति में अस्वीकृति की मात्र झलक व्यक्ति के अंह को चोट पहुँचा सकती है। कारावास, देश निकाला, अर्थदण्ड नकारात्मक अनुशास्तियों के उदाहरण हैं। नकारात्मक स्वीकृतियाँ औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार की हो सकती हैं।

5. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (अवधारणाएँ)	सूची-II (अर्थ)
(A) समुदाय	(i) जाति
(B) संस्था	(ii) साझा मूल्य
(C) संघ	(iii) श्रमिक संघ
(D) संस्कृति	(iv) हम की भावना

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर चुनिये :.

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(c)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(d)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)

Ans. (c) : समुचित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणाएँ)		(अर्थ)
समुदाय	-	हम की भावना
संस्था	-	जाति
संघ	-	श्रमिक संघ
संस्कृति	-	साझा मूल्य

6. निम्नलिखित में से किसने पारम्परिक एवं आधुनिक समाजों को समझने में क्रमशः 'प्रस्थिति और संविदा' की अवधारणाओं का उपयोग किया है?

(a) आर. लिन्टन (b) हेनरी मेन
(c) आर. के. मर्टन (d) एस. एफ. नाडेल

Ans. (b) : उद्विकासीय सिद्धान्त के सुप्रसिद्ध अनुसरणकर्ता विद्वान सर हेनरी जेम्स समनर मेन तुलनात्मक न्यायशास्त्र के प्रणेता रहे हैं। अपनी दो सर्वाधिक चर्चित पुस्तकों यथा Ancient Law (1861) और Populer Government (1885) में उन्होंने उद्विकासीय सिद्धान्त का समर्थन करते हुए कहा कि मानवीय समाजों का इतिहास उत्तरोत्तर प्रगति को प्रकट करता है, अर्थात् नातेदारी के आधार पर गठित प्रदत्त स्थिति वाले समाज धीरे-धीरे कानून सम्मत अनुबंधो या समझौतों पर आधारित आधुनिक प्रकार के उन्नत समाजों में बदलते जाते हैं।

7. निम्नलिखित में से यह किसका तर्क है कि 'सम्मान की किसी विशिष्ट सकारात्मक अथवा नकारात्मक सामाजिक आकलन के पदों में' प्रस्थिति समूह की पहचान की जा सकती है?

(a) राल्फ लिन्टन (b) मैक्स वेबर
(c) एस.एफ. नाडेल (d) ए.के. रोसी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : मैक्स वेबर- (21 अप्रैल 1864- 14 जून 1920) ने समाजशास्त्र को एक व्याख्यात्मक और अन्तर निरीक्षणात्मक विज्ञान बनाने पर बल दिया है उन्होंने कहा कि समाजशास्त्र वह विज्ञान है जो कि सामाजिक क्रिया का निर्वचनात्मक बोध कराने का प्रयत्न करता है। उन्होंने प्रारूपवादी पद्धति (Topalogical Approch) का आरम्भ तथा सिद्धान्त में आदर्श प्रारूप का सिद्धान्त सत्ता की आवधारणा, नौकरशाही, धर्म का समाजशास्त्र, प्रस्थिति समूह तथा जर्मन भाषा में वर्स्टहेन का अध्ययन किया है।

8. सामाजिक संरचना के अपने सिद्धान्त में किसने 'भूमिका' का वर्गीकरण 'मूलभूत', 'पर्याप्ततः प्रासंगिक' और 'परिधीय' के रूप में किया है?

(a) ए. आर. रैडक्लिफ-ब्राउन (b) एस.एफ. नाडेल
(c) जी. पी. मर्डाक (d) सी. लेवी- स्ट्रॉस

Ans. (b) : एस. एफ. नाडेल के अनुसार, ''भूमिकाओं के सम्पादन के आधार पर निर्मित संबंधों के द्वारा ही समाज में व्यवस्था बनी रहती है। समाज इनके द्वारा क्रमबद्ध रहता है। अतः संबंधों की उपस्थिति तथा संकलन मात्र से सामाजिक संरचना का निर्माण नहीं होता, अपितु जिस क्रम-विन्यास में ये सम्बंध प्रकट होते हैं या अभिव्यक्त होते हैं, उसे सामाजिक संरचना कहते हैं। इन्होंने सामाजिक संरचना के अपने सिद्धान्त में भूमिका को 'मूलभूत' पर्याप्ततः प्रासंगिकता' तथा परिधीय के रूप में वर्गीकृत किया है।

9. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (लेखक)	सूची-II (ग्रंथ)
(A) जी. सिमेल	(i) सोशल ऑर्गनाइजेशन
(B) सी.एच. कूले	(ii) द मेट्रोपॉलिस एंड मेन्टल लाइफ
(C) आर. फर्थ	(iii) द ह्यूमन ग्रुप्स
(D) जी. सी. होमन्स	(iv) ह्यूमन टाइम्स

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर चुनिये :.

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

Ans. (a) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)	(ग्रन्थ)
जी. सिमेल	- द मेट्रोपॉलिस एण्ड मेन्टल लाइफ
सी. एच. कूले	- सोशल ऑर्गनाइजेशन
आर. फर्थ	- ह्यूमन टाइम्स
जी. सी. होमन्स	- द ह्यूमन ग्रुप्स

10. यह किसका कथन है कि धार्मिक अनुष्ठानों का प्रकार्य समाज के सदस्यों पर समाज की नैतिक श्रेष्ठता की अभिपुष्टी करना है?

(a) जेम्स फ्रेजर (b) इमाईल दुर्खाइम
(c) ए.आर. रैडक्लिफ-ब्राउन (d) बी. मैलिनॉवस्की

Ans. (b) : 'The Elementary forms of the Religious Life' में दुर्खीम ने अनुष्ठान की प्रकार्यात्मक व्याख्या किया है। धर्म की ही तरह वह अनुष्ठान को भी समाज की सामूहिकता का प्रतीक मानते हैं। उन्होंने धर्म के सामाजिक महत्व के साथ उसकी नैतिक शक्ति पर बल दिया है। अनुष्ठान की यह नैतिक शक्ति समाज के हर सदस्य के ऊपर प्रभावी है।

11. नीचे दो कथन दिये गये हैं, एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है :

अभिकथन (A): सजातीय विवाह आज भी भारतीय समाज में प्रचलित है।

तर्क (R): अधिकांशतः लोग अपनी जाति में ही विवाह करना पसंद करते हैं।

नीचे दिऐ गये कूट से सही उत्तर चुनिये :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : सजातीय विवाह आज भी भारतीय समाज में प्रचलित है क्योंकि अधिकाशतः लोग अपनी जाति में ही विवाह करना पसन्द करते है। हालांकि विवाह के अन्य स्वरूप भी हैं (अनुलोम, प्रतिलोम, गांधर्व विवाह), परन्तु समाजिक तौर पर सजातीय विवाह को ही मान्यता प्राप्त हैं। अतः कथन (A) व तर्क (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

12. 'सोशियोलॉजी ऑफ इकॉनॉमिक लाईफ' नामक पुस्तक किसने लिखी है?

(a) वेबर (b) स्मेल्सर
(c) पारसन्स (d) मर्टन

Ans. (b) : नील जोसेफ स्मेल्सर ने बर्कले के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के एमेरिटस प्रोफेसर थे। उनका शोध सामूहिक व्यवहार, समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, आर्थिक समाजशास्त्र, शिक्षा का समाजशास्त्र, सामाजिक परिवर्तन और तुलनात्मक विधियों पर रहा है। जीवन भर के कई उपलब्धियों में से निकाली गयी निचोड़ के आधार पर स्मेल्सर ने आर्थिक समाजशास्त्र की नींव रखी। उन्होंने ''सोशियोलॉजी ऑफ इकोनॉमिक लाईफ'' नामक पुस्तक लिखी।

13. समाजीकरण इसको भी कहा जाता है:

(a) परसंस्कृति-ग्रहण (b) सांस्कृतिक प्रसार
(c) संस्कृति-ग्रहण (d) उपर्युक्त सभी

Ans. (c) : सामाजीकरण संस्कृतिग्रहण की सामान्य प्रक्रिया है जिसके द्वारा लोग अपनी संस्कृति के विश्वासों, अभिवृत्तियों, मूल्यों और प्रथाओं आदि को ग्रहण करते है।

14. यह किसने कहा है, ''जाति भारतीय समाज में एक संस्थागत सामाजिक स्तरीकरण का निर्माण करता है परंतु वर्ग से जुड़े सिद्धान्त की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होती है''?

(a) आन्द्रे बेतेई (b) योगेन्द्र सिंह
(c) दीपांकर गुप्ता (d) एम.एस.ए. राव

Ans. (b) : योगेन्द्र सिंह ने अपनी पुस्तक ''सोशल स्ट्रैटीफिकेशन एण्ड सोशल चेन्ज इन इण्डिया'' में कहा है कि जाति भारतीय समाज में एक संस्थागत सामाजिक स्तरीकरण का निर्माण करता है परन्तु वर्ग से जुड़े सिद्धान्त की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं।

15. समाजीकरण है ....

(a) किसी समाज के लिए पूर्वापेक्षा
(b) किसी सामाजिक जीवन के लिए अनिवार्य

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) सामाजिक रूपों का सांस्कृतिक और सामाजिक पुनरुत्पादन
(d) संस्कृति का प्रसार

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर चुनिये:

(a) (a), (b), (c) (b) (b) (b), (d)
(c) (c), (d), (a) (d) (d), (a), (b)

Ans. (a) : समाजीकरण मात्र एक तरफा चलने वाली प्रक्रिया नहीं है, जिसमें व्यक्ति समाज के साथ तालमेल बिठाना सीखता है, अपितु समाज व्यक्ति की सामाजिक भूमिकाओं और दायित्वों को पुर्नपरिभाषित करता है। वास्तव में सीख की इस प्रक्रिया में समाज और व्यक्ति दोनो की भागीदारी होती है। व्यक्ति सीखने का प्रयत्न करता है और समाज व्यक्ति के इस प्रयास में सहयोग (समुचित परिवेश उपलब्ध करना) करता है। अतः समाजीकरण किसी समाज के लिए पूर्वापेक्षा, सामाजिक जीवन के लिए अनिवार्य तथा सामाजिक रूपों का सांस्कृतिक एवं सामाजिक पुनरुत्पादन है।

16. समाजीकरण के संज्ञानात्मक विकास का सिद्धान्त किसने प्रतिपादित किया है?

(a) मार्क्स (b) फ्रायड
(c) पियाजे (d) कूले

Ans. (c) : जीन पियाजे स्विटजरलैंड के एक चिकित्सा मनोविज्ञानी थे। जो बाल विकास पर किये गये अपने कार्यो के कारण प्रसिद्ध हैं। जीन पियाजे ने समाजीकरण के संज्ञानात्मक विकास का सिद्धान्त प्रतिपादित किया। इन्होंने निष्कर्ष निकाला कि व्यक्ति संज्ञानात्मक विकास के कई क्रमिक स्तरों से गुजरते हैं। इन्होंने इसकी चार अवस्थायें बताई हैं-

पहली अवस्था (संवेदी चालक अवस्था)- जन्म से 2 वर्ष तक
दूसरी अवस्था (पूर्व संचालनात्मक अवस्था)- 2 वर्ष से 7 वर्ष तक
तीसरी अवस्था (मूर्त संचालनात्मक अवस्था)- 7 वर्ष से 11या 12 वर्ष तक
चतुर्थ अवस्था (अमूर्त संचालनात्मक अवस्था)- 12 वर्ष से अधिक

17. समाजीकरण के किसके सिद्धान्त में यह दर्शाया गया है कि 'समाजीकरण पारिवारिक संबंधों के माध्यम से नैतिक और वैयक्तिक पहचान प्राप्त करने की एक प्रक्रिया है'?

(a) पियाजे (b) फ्रायड
(c) दुर्खाइम (d) मीड

Ans. (b) : फ्रायड ऑस्ट्रिया के तंत्रिका विज्ञानी तथा मनोविश्लेषण के संस्थापक थे। इनके अनुसार "समाजीकरण पारिवारिक सम्बंधों के माध्यम से नैतिक और वैयक्तिक पहचान प्राप्त करने की एक प्रक्रिया है।" फ्रायड ने अपनी पुस्तक "द इगो एण्ड द इड" में गत्यात्मक पक्ष के तीन अवस्थाओं का वर्णन किया है- इदं, अहम्, पराअहम्।

18. पदानुक्रम में विभिन्न स्तरों के बीच व्यक्तियों का संचलन कहलाता है:

(a) सामाजिक पदानुक्रम (b) सामाजिक गतिशीलता
(c) उपरिमुखी गतिशीलता (d) निम्नमुखी गतिशीलता

Ans. (b) : सामाजिक गतिशीलता सामाजिक प्रस्थिति को प्रभावित करती है। इसके द्वारा व्यक्ति की प्रस्थिति में परिवर्तन लाया जाता है। वर्ष 1927 में प्रकाशित पुस्तक 'सोशल मोबिलिटी' में सोरोकिन द्वारा सर्वप्रथम सामाजिक गतिशीलता का व्यवस्थित वर्णन किया गया है।

19. यह किसका कथन है कि, यद्यपि आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्तर स्वतंत्र हैं, परन्तु वे स्तरीकृत समाज में दिन प्रतिदिन के जीवन की स्थिति में एक दूसरे से संधियुक्त होते हैं?

(a) डेविस (b) मार्क्स
(c) मूर (d) वेबर

Ans. (d) : वेबर कथन है कि, यद्यपि आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्तर स्वतंत्र हैं, परन्तु वे स्तरीकृत समाज में दिन प्रतिदिन के जीवन की स्थिति में एक दूसरे से संधियुक्त होते हैं।

20. निम्नलिखित में से यह किसका कथन है कि "स्तरीकरण किसी समाज की आवश्यकता हेतु सार्वभौमिक रूप से आवश्यक है ताकि महत्वपूर्ण सामाजिक पदों को भरे जाने हेतु व्यक्तियों को प्रेरित किया जा सके"?

(a) मार्क्स (b) डेविस और मूर
(c) वेबर (d) बेन्डिक्स और लिपसेट

Ans. (b) : प्रश्नगत कथन डेविस और मूर का है। डेविस ने अपने सभी अध्ययनों में 'प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य' का प्रयोग किया है तथा मूर ने तुलनात्मक और ऐतिहासिक समाजशास्त्र के क्षेत्र में प्रमुख योगदान है। इनकी बुक प्रिंसिपल ऑफ स्ट्रैटिफिकेशन है।

21. यह किसका विचार है कि क्रांति इतिहास का इंजन है?

(a) ई. काम्ट (b) के. मार्क्स
(c) जी. डब्ल्यू.एफ. हीगेल (d) एफ. एन्जिल्स

Ans. (b) : कार्ल मार्क्स के अनुसार क्रान्ति इतिहास का इंजन है। इन्होंने द्वन्द्ववाद, ऐतिहासिक भौतिकवाद, अलगाववाद, आर्थिक निर्धारणवाद अतिरिक्त मूल्य का सिद्धान्त आदि अवधारणाये प्रस्तुत की है।" कार्ल मार्क्स जर्मनी के एक मूर्धन्य समाजशास्त्री है।

22. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (कृति)	सूची-II (लेखक)
(A) डायनामिक्स ऑफ कल्चरल चेंज	(i) जी. मिरडाल
(B) एनालिसिस ऑफ सोशल चेंज	(ii) पी.सी. लॉयड
(C) अफ्रीका इन सोशल चेंज	(iii) बी. मैलिनॉवस्की
(D) एशियन ड्रामा	(iv) जी. विल्सन
	(v) डब्ल्यू.एफ. ऑगबर्न और एम.एफ. निमकॉफ

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर चुनिये :.

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(b)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(iii)	(i)	(v)

Ans. (a) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

डायनामिक्स ऑफ कल्चरल चेंज - बी. मैलिनोवस्की
एनालिसिस ऑफ सोशल चेंज - जी. विल्सन और एम.एफ. निमकॉफ
अफ्रीका इन सोशल चेंज - पी.सी. लॉयड
एशियन ड्रामा - जी. मिर्डल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

23. वह कौन-सा सैद्धान्तिक उपागम है जिसमें समाजों की अवधारणा 'सामाजिक व्यवस्था' के रूप में की जाती है तथा 'सामाजिक संरचना' के विशिष्ट लक्षणों की व्याख्या इन व्यवस्थाओं के अनुरक्षण में उसके योगदान के पदों में की जाती है?

(a) संरचनावाद (b) प्रकार्यवाद
(c) संरचनात्मक-विभेदीकरण (d) संरचनात्मक-प्रकार्यवाद

Ans. (d) : सामाजिक संरचना तथा प्रकार्य के सम्बन्ध में दो तरह की विचारधाराएँ हैं। पहली विचारधारा के अनुसार सामाजिक संरचना और प्रकार्य के बीच घनिष्ठ सम्बन्ध है। दूसरी विचारधारा का कहना है कि सामाजिक संरचना और प्रकार्य के बीच कोई सम्बन्ध नहीं है क्योंकि सामाजिक संरचना कोई व्यवस्था नही बल्कि इकाइयों की क्रमबद्धता है।

24. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (लेखक)	सूची-II (ग्रंथ)
(A) एस.एफ. नाडेल	(i) स्ट्रक्चर एण्ड फंक्शन इन प्रिमिटिव सोसाइटी
(B) ए.आर.रैडक्लिफ-ब्राउन	(ii) ए सांइटिफिक थ्योरी ऑफ कल्चर एण्ड अदर एस्सेज
(C) बी. मैलिनॉवस्की	(iii) स्ट्रक्चरल एन्थ्रोपोलॉजी
(D) सी. लेवी स्ट्रॉस	(iv) द थ्योरी ऑफ सोशल स्ट्रक्चर

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर चुनिये :.

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

Ans. (d) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)	**(ग्रन्थ)**
एस.एफ. नाडेल	- द थ्योरी ऑफ सोशल स्ट्रक्चर
ए.आर.रैडक्लिफ-ब्राउन	- स्ट्रक्चर एण्ड फंक्शन इन प्रिमिटिव सोसाइटी
बी. मैलिनोवस्की	- ए साइंटिफिक थ्योरी ऑफ कल्चर एण्ड अदर एस्सेज
सी. लेवी स्ट्रॉस	- स्ट्रक्चरल एन्थ्रोपोलॉजी

25. निम्नलिखित में से किसके अनुसार संस्कृति उन सिद्धान्तों को मूर्त रूप देती है जो मानव मन की आवश्यक विशेषताओं 'द्विआधारी वर्गीकरणीय व्यवस्थाओं'- को प्रतिबिंबित करते हैं?

(a) ए.आर. रैडक्लिफ-ब्राउन (b) एस.एफ. नाडेल
(c) सी. लेवी- स्ट्रॉस (d) टालकॉट पारसन्स

Ans. (c) : सी. लेवी स्ट्रास फ्रांसिसी मानव विज्ञानी थे। उनके अनुसार संस्कृति उन सिद्धान्तों को मूर्त रुप देती है जो मानव मन की आवश्यक विशेषताओं 'द्विआधारी वर्गीकरणीय व्यवस्थाओं' को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने कहा कि अभी तक इनकी खोज का सार या निष्कर्ष उनकी 'द्विभाजी विपरीतता (बाइनरी अपॉजिशन) की धारणा है। अर्थात् विश्व की रचना द्विभाजनों से हुई है या मानव संस्कृति की रचना द्विआधारी विरोधों से हुई है। क्लाड लेवी-स्ट्रॉस संरचनात्मक मानवशास्त्र के प्रणेता थे।

26. निम्नलिखित में से किसने 'तुलनात्मक विधि' नामक मानवशास्त्र के एक रूपांतर का समर्थन किया है?

(a) ई. दुर्खीम (b) ए.आर. रैडक्लिफ ब्राउन
(c) बी. मैलिनॉवस्की (d) एफ. बोआज

Ans. (b) : बी. मैलिनोवस्की के समकालीन सुप्रसिद्ध ब्रिटिश मानवशास्त्री अल्फ्रेड रेजिनाल्ड रेडक्लिफ ब्राउन सामाजिक मानवशास्त्र के प्रमुख संस्थापकों में से रहे हैं। रेडक्लिफ ब्राउन पर प्रसिद्ध समाजशास्त्री इमाईल दुर्खीम के विचारों का प्रभाव पड़ा है। दुर्खीम की भांति ब्राउन ने भी समाज की संरचना और विभिन्न संस्थाओं के प्रकार्यों की महत्ता पर बल दिया है। अध्ययन के लिए ब्राउन ने तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य को अपनाया है।

27. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन मैलिनॉवस्की के अनुसार सही नहीं है?

(a) मैलिनॉवस्की मुख्य रूप से शारीरिक तथा मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं के पदों में प्रकार्य के बारे में बताता है।
(b) मैलिनॉवस्की को प्रकार्यवादी नहीं कहा जा सकता क्योंकि, उनका अनुभूतिमूलक यथार्थ से मोह था।
(c) मैलिनॉवस्की का मानवशास्त्र में शक्तिशाली प्रभाव बना हुआ है।
(d) मैलिनॉवस्की सावधानी पूर्वक किये गये क्षेत्रीय अनुसंधान में सतत उपस्थित नज़र आते हैं।

Ans. (b) : मैलिनोवस्की प्रकार्यवादी सिद्धान्त के प्रणेताओं में से एक रहे हैं। उनके इस सिद्धान्त की अभिव्यक्ति स्पष्टतः हमें उनकी पुस्तक 'संस्कृति के एक वैज्ञानिक सिद्धान्त' (1944) में देखने को मिलती है।

28. आर. के. मर्टन के लिए निम्नलिखित में से संदर्भ समूह के निर्माण हेतु कौन सा आधार है?

(a) सापेक्ष समानता (b) सापेक्ष असमानता
(c) सापेक्ष वंचन (d) सापेक्ष जटिलता

Ans. (c) : सापेक्ष वंचन अवधारणा का सर्वप्रथम प्रयोग सेम्युअल स्टाऊफर ने अमरीकी सिपाहियों के अपने अध्ययन में किया है। बाद में आर. के. मर्टन (1950) ने इसमें संशोधन कर इसे सन्दर्भ समूह के साथ जोड़ दिया। समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य में सापेक्षिक वंचन या हीनता एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति अपनी परिस्थितियों को दूसरे व्यक्तियों (सन्दर्भ-समूह) की तुलना में हीन एवं कमजोर अनुभव करता है। एक लखपति द्वारा अपने करोड़पति साथियों के समक्ष अपने आपको हीन समझने का अहसास इस स्थिति का परिचायक है।

29. दुर्खाइम का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पद्धति शास्त्रीय योगदान है :

(a) प्रकार्यात्मक विश्लेषण
(b) आदर्शक व्यवहार का अध्ययन
(c) संरचनात्मक सूत्र प्रतिपादन
(d) निराधार कल्पना और अनुमान (कंजक्चर एण्ड गैस)

Ans. (a) : दुर्खीम को समाजशास्त्र में प्रकार्यवादी परिप्रेक्ष्य के शुरुआत करने का श्रेय दिया जाता है। दुर्खीम ही पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने 'सामाजिक प्रकार्य' की अवधारणा का प्रयोग एक सुस्पष्ट सिद्धान्त के रूप में किया है, यद्यपि इनके पहले प्रकार्य की

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

अवधारणा का प्रयोग हरबर्ट स्पेंसर की कृतियों में हुआ है। अपनी पुस्तक ''समाजशास्त्रीय पद्धति के नियम-1895' में इसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने लिखा है कि 'घटनाओं को एक स्वतंत्र इकाई के सन्दर्भ में देखे जाने की अपेक्षा उन्हें किसी कार्य प्रणाली के अन्तर्सम्बन्धित भागों के सन्दर्भ में देखा जाना चाहिए।'

30. सामाजिक व्यवस्था के बारे में टालकॉट पार्सन्स का विश्लेषण निम्नलिखित में से किस सिद्धान्त पर आधारित है?

(a) समस्थिति (हामिओस्टैसिस) (b) प्रकट प्रकार्य
(c) डार्विन के सिद्धान्त (d) भौतिक नियम

Ans. (a) : सामाजिक व्यवस्था के बारे में टालकॉट पारसन्स का विश्लेषण समस्थिति सिद्धान्त पर आधारित है। पारसंस ने सामाजिक व्यवस्था के तीन लक्षण बताये हैं- विभिन्न भागों में पारस्परिक निर्भरता, व्यवस्था में एक सीमा तक स्थायित्व, तथा व्यवस्था में परिवर्तन।

31. मैक्स वेबर के अनुसार, सामाजिक विज्ञानों में निम्नलिखित में से कौन-सा अवश्य होना चाहिए?

(a) मूल्य पूर्वाग्रह (b) मूल्य निर्णय
(c) मूल्य प्रासंगिकता (d) मूल्य स्वतंत्रता

Ans. (c) : सामाजिक विज्ञानों में वस्तुओं को उनके साथ जुड़े अर्थ और मूल्यों के आधार पर अन्तर किया जाता है। वेबर के अनुसार सामाजिक और ऐतिहासिक विज्ञानों में मूल्य प्रासंगिकता तथ्यों के चयन को निर्धारित करती है। इसके लिए अध्ययन किये जाने वाली घटना या स्थिति में अन्तर्निहित मूल्यों को स्पष्ट किया जाता है। वेबर ने बतलाया कि मूल्य प्रासंगिकता तीन स्तर पर कार्य करती है-
(1) दार्शनिक व्याख्या ग्रन्थों एवं दस्तावेजों के अर्थ को निश्चित करती है।
(2) नैतिक व्याख्या शोध की वस्तु को एक मूल्य प्रदान करती है।
(3) तार्किक व्याख्या के द्वारा समाजशास्त्री कारणात्मक विश्लेषण के सन्दर्भ में घटनाओं के बीच अर्थपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने का यत्न करते हैं।

32. मीड की कृति में संपूर्ण समुदाय की मनोवृत्ति अथवा किसी खेल में पूरी टीम की मनोवृत्ति को निम्न में से क्या पद कहा जाता है?

(a) आत्म प्रत्यक्षण (b) सामान्यीकृत अन्य
(c) सामाजिक कृत्य (d) ऐंद्रिय उद्दीपन

Ans. (b) : मीड ने सामान्यीकृत अन्य (Generalized other) की अवधारणा को प्रस्तुत किया। सामान्यकृत अन्य से तात्पर्य सम्पूर्ण समुदाय के व्यक्ति के प्रति बनाए गए संगठित मनोवृत्तियों से है जिसके द्वारा एक व्यक्ति अपने स्व की धारणा में महत्वपूर्ण सामुदायिक भावों को आत्मसात करता है। इनकी पुस्तक माइंड, सेल्फ एंड सोसायटी है।

33. निम्नलिखित में से कौन सा ब्लूमर के प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद का मूलभूत सिद्धान्त नहीं है?

(a) मनुष्य के पास सोचने की क्षमता है जबकि निम्न कोटि के जानवरों के पास यह क्षमता नहीं है।
(b) सोचने की क्षमता का निर्माण सामाजिक अन्तःक्रिया से होता है।
(c) अर्थ तथा प्रतीक लोगों को भिन्न मानवीय कार्य तथा अन्योन्यक्रिया सुनिश्चितपूर्वक करने को अनुमत करते हैं।
(d) अन्तःक्रिया की अवधि में लोग कोई रूपान्तर अथवा परिवर्तन करने में असमर्थ होते हैं।

Ans. (d) : प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद (सिम्बॉलिक इण्टर एक्शनिज्म) शब्द की रचना हर्बर्ट ब्लूमर ने की। इस सिद्धान्त के चार प्रमुख आधार हैं-
(1) मानव प्राणी विशिष्ट रूप में संकेत प्रयोगकर्त्ता प्राणी है।
(2) अन्तःक्रियावादी सामाजिक विश्व को गतिशील एवं एक द्वन्द्वात्मक तानाबाना मानते हैं।
(3) अन्तःक्रियावादी सामाजिक विश्व की अन्तःक्रियात्मक प्रकृति पर बल देते हैं।
(4) अन्तःक्रियावादी प्रतीकों के पीछे छुपी हुई प्रक्रियाओं और अन्तःक्रियाओं की खोज करते हैं ताकि वे सामाजिक जीवन के अन्तर्निहित प्रतिमानों और स्वरुपों का निर्धारण कर सकें।
अतः विकल्प (d) प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद का मूलभूत सिद्धान्त नहीं है।

34. निम्नलिखित में से किसने अपने सिद्धान्त में 'अवशिष्ट' (रेसिड्यूज) तथा 'व्युत्पत्ती' (डेरिवेटिव्ज) की अवधारणा प्रतिपादित की?

(a) सी.एच. मीड (b) जी. मोस्का
(c) सी. डब्ल्यू. मिल्स (d) वी. परेटो

Ans. (d) : परेटो ने अतार्किक क्रिया के दो प्रकार बतायें है, अवशिष्ट चालक (रेजिड्यूज्ड) तथा भ्रान्त तर्क (डेरिवेटिब्ज)। मानव के अतार्किक और बुद्धिहीन व्यवहारों को प्रेरित करने वाली भावनाओं व उद्देश्यों को परेटो ने अवशिष्ट चालक कहा है। उन्होंने अवशिष्ट चालक के छः प्रमुख रूप बतायें हैं- 1. सम्मिलन के चालक, 2. समूह स्थायित्व के चालक, 3. सामाजिकता के चालक, 4. कामवासना के चालक, 5. व्यक्तित्व निर्माण के चालक, 6. बाह्य क्रियाओं द्वारा भावनाओं की अभिव्यक्ति के चालक।

35. मार्क्स के अनुसार, पूँजीवादी समाज में मजदूर निम्नलिखित में से किससे विसंबंधित हो जाते हैं?

(A) उत्पादक कार्यकलाप
(B) साथी मजदूर
(C) उत्पाद
(D) अपनी प्रजाति (स्पीसीज बीइंग)
(E) परिवार के सदस्य

नीचे दिए गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (A), (B), (C), (E) (b) (A), (D), (E)
(c) (B), (C), (D) (d) (A), (B), (C), (D)

Ans. (d) : अत्यन्त सामान्य अर्थों में अलगाव से तात्पर्य व्यक्तियों का एक दूसरे से अथवा किसी विशिष्ट स्थिति या प्रक्रिया से विमुखता या विरक्ति है। कार्ल मार्क्स ने अलगाव ग्रस्त की चार विशेषतायें बताई है : (1) एक पशु की अपेक्षा एक मानव प्राणी के रूप में कामगार का अपनी जाति सत्व से अलगाव, (2) आपस में अपने सहकर्मी से अलगाव (3) उत्पादित वस्तु से कामगार का अलगाव (4) कामगार का अपने उत्पादन कार्य से अलगाव।

36. निम्नलिखित में से किसके अनुसार, 'सामाजिक संरचनाओं को पुनरावर्ती सूक्ष्म अन्योन्यक्रिया के प्रतिमान में अनुभाविक रूप से परिवर्तित किया जा सकता है'?

(a) के. मार्क्स (b) एल.ए. कोजर
(c) आर. कॉलिन्स (d) एस.एफ. नाडेल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : रैन्डाल कॉलिन्स ने अपने लेख "On the micro foundations of macro sociology" के अन्तर्गत एक उन्मेष को सूक्ष्म-व्यापक सम्बन्ध के मुद्दे पर जागृत किया। कॉलिन्स ने अपने इस दृष्टिकोण को " Radical micro sociology" के अन्तर्गत रखा और इसे Interaction Ritual chains अर्थात अन्तःक्रिया मूलक आवश्यक बंधन के रूप में देखने का प्रयास किया। इनका तर्क है कि सामाजिक संरचनाओं को पुनरावर्ती सूक्ष्म अन्योन्यक्रिया के प्रतिमान में अनुभाविक रूप से परिवर्तित किया जा सकता है।

37. डैहरेनडॉर्फ ने अपने द्वन्द्व के सिद्धान्त में तीन प्रकार के समूहों में भेद बताया है, वे हैं:

(a) अर्ध, रुचि, संघर्ष (b) अर्ध, मध्यवर्ती, संघर्ष
(c) रुचि, अप्रकट, प्रकट (d) संघर्ष, सर्वसम्मत, अर्ध

Ans. (a) : डेहरेनडार्फ ने अचेतन भूमिका प्रत्याशाओं को अव्यक्त हित कहा है तथा जब हित चेतन भूमिका स्थिति में आ जाता है तब यह व्यक्त हित बन जाता है। इसी सन्दर्भ में डार्फ ने तीन समूह बताए हैं– (1) अर्द्ध समूह (2) हित समूह (3) संघर्ष समूह।

38. "द फंक्शन्स ऑफ सोशल कॉन्फ्लिक्ट" नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) जेफ्रे अलेक्जेन्डर (b) लेविस ए. कोज़र
(c) रैन्डाल कॉलिन्स (d) राल्फ डैहरेनडॉर्फ

Ans. (b) : लेविस कोजर (1913-2003) न्यूयार्क विश्वविद्यालय के स्टेट यूनिवर्सिटी में समाजशास्त्र के प्रतिष्ठित एमेरिटस प्रोफेसर थे। वह एक जर्मन अमेरिकी समाजशास्त्री थे, कोजर ने अपनी पुस्तक 'The Function of Social Conflict' में संघर्ष की प्रकार्यात्मक समीक्षा प्रस्तुत की जिसमें सामाजिक संघर्ष के प्रकार्यों पर सूक्ष्म समेकित अध्ययन किया है। कोजर ने दो प्रकार के संघर्षो का उल्लेख किया है–
(i) वास्तविक या यथार्थतात्मक संघर्ष
(ii) अवास्तविक या अयथार्थतात्मक संघर्ष

39. यह किसका तर्क है कि पद्धतिकीय रूप से सामाजिक तथ्यों के साथ वस्तुओं की तरह व्यवहार किया जा सकता है?

(a) वेबर (b) कॉम्त
(c) दुर्खाइम (d) रैडक्लिफ-ब्राउन

Ans. (c) : किसी भी ऐसी घटना को सामाजिक तथ्य की श्रेणी में रखा जा सकता है जिसका आनुभविक आधार पर सत्यापन सम्भव है। सामाजिक तथ्य की अवधारणा समाजशास्त्र में दुर्खीम की देन है जिसकी तीन प्रमुख विशेषताएँ पायी जाती हैं: (1) बाह्यता (2) बाध्यता तथा (3) अपरिहार्यता या सामान्यता।

40. सामाजिक अनुसंधान में वस्तुपरकता का क्या अर्थ है?

(A) बाह्य संसार का वर्णन
(B) आंतरिक संसार का वर्णन
(C) यथा विद्यमान संसार का निरूपण
(D) हमारी अवधारणाओं से स्वतंत्र

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) (A), (B), (C) (b) (B), (C), (D)
(c) (B), (A), (D) (d) (A), (C), (D)

Ans. (d) : वस्तुपरकता घटनाओं के अध्ययन का एक मानसिक दृष्टिकोण है जिसके अनुसार एक व्यक्ति घटना से सम्बन्धित तथ्यों को पूर्वाग्रह अथवा भावनाओं की अपेक्षा साक्ष्य एवं तर्क के आधार पर निष्पक्ष, तटस्थ तथा सभी प्रकार की अभिनतियों एवं पूर्वधारणाओं से मुक्त होकर देखता-परखता है। सामाजिक अनुसंधान में वस्तुपरकता का अर्थ है बाह्य संसार का वर्णन, यथा विद्यमान संसार का निरूपण तथा हमारी अवधारणाओं से स्वतंत्र।

41. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (अवधारणा)	सूची-II (समाजशास्त्री)
(A) समझना (वर्स्टेहेन)	(i) कॉम्त
(B) सामाजिक तथ्य	(ii) दुर्खीम
(C) तीन चरणों का नियम	(iii) रैडक्लिफ-ब्राउन
(D) समाज का प्राकृतिक विज्ञान	(iv) वेबर

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर चुनिये :.

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(d)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

Ans. (d) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)	(समाजशास्त्री)
समझना (वर्स्टेहेन)	- वेबर
सामाजिक तथ्य	- दुर्खीम
तीन चरणों का नियम	- कॉम्त
समाज का प्राकृतिक विज्ञान	- ब्राउन

42. यह किसका कथन है कि "मानव अध्ययन का सरोकार व्यक्तित्व और संस्कृति के प्ररूपों के निर्माण से होना चाहिए"?

(a) वेबर (b) डिल्थे
(c) कार-सौंडर्स (d) रिकर्ट

Ans. (b) : समाजशास्त्र में निर्वचनात्मक (व्याख्यात्मक) परम्परा के एक महान अग्रदूत 'विलहेम डिल्थे' एक जर्मन दार्शनिक और इतिहासकार थे। इनके अनुसार, "मानव इतिहास और संस्कृति के संसार की रचना मानवीय जीवन अनुभव की 'अभिव्यक्तियों' द्वारा होती है। जिन्हें प्राकृतिक विज्ञानों की विधियों से भिन्न प्रकार की विधियों से खोजा और समझा जाना चाहिए। डिल्थे मुख्य रुप से प्राकृतिक और सामाजिक घटनाओं में अन्तर स्पष्ट किये जाने वाले अपने विचारों के लिए जाने जाते हैं। उनका कथन है कि "मानव अध्ययन के सरोकार व्यक्तित्व और संस्कृति के प्रारूपों के निर्माण से होना चाहिए।"

43. किसी विशेष समय बिंदु पर आंकड़ा संग्रहण वाला अध्ययन अभिकल्प कहलाता है:

(a) सहगण अध्ययन (कोहोर्ट स्टडी)
(b) प्रवृत्ति अध्ययन
(c) प्रतिनिध्यात्मक अध्ययन
(d) देशांतरिक अध्ययन

Ans. (c) : किसी विशेष समय बिन्दु पर आंकड़ा संग्रहण वाला अध्ययन अभिकल्प प्रतिनिध्यात्मक अध्ययन कहलाता है। प्रतिनिध्यात्मक उपागम को समकालीन उपागम भी कहते हैं। इसके अन्तर्गत विभिन्न आयु के बालकों के विकास, प्रत्यक्षीकरण, स्मृति आदि का तुलनात्मक अध्ययन एक समूह में ही किया जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

44. किसी यादृच्छिक प्रतिदर्श के रूप में विशेषक की पूर्व शर्त है :

(a) अनुसंधानकर्ता को उत्तरदाता का पूर्वपरीक्षण करना चाहिए।
(b) अनुसंधानकर्ता को मार्गदर्शी अध्ययन अवश्य करना चाहिए।
(c) किसी प्रदत्त जनसंख्या में से कम से कम 100 उत्तरदाताओं को चयन किया जाना चाहिये।
(d) जनसंख्या के प्रत्येक सदस्य को चयन किये जाने का समान अवसर अवश्य दिया जाना चाहिए।

Ans. (d) : प्रतिदर्श की वह विधि जिसमें इकाइयों का चुनाव पूर्णतः संयोग अथवा दैविक इच्छा पर निर्भर करता है, यादृच्छिक प्रतिदर्श कहलाता है। इस विधि में प्रत्येक इकाई का चुनाव स्वतंत्र रूप में किया जाता है, अर्थात् एक इकाई के चुनाव की संभावना को प्रभावित नहीं करता है। यही नहीं, यह विधि किसी समग्र में से प्रत्येक इकाई को प्रतिदर्श में सम्मिलित किये जाने का समान अवसर देती है।

45. यह किसका कथन है, "मैंने अपना शोध असहभागी प्रेक्षक के रूप में प्रारम्भ किया था। जैसे ही मैं समुदाय में स्वीकृत हुआ, मैंने स्वयं को लगभग गैर-प्रेक्षक सहभागी के रूप में पाया"?

(a) बी. मैलिनॉवस्की (b) ई. दुर्खाइम
(c) विलियम एफ. व्हाइट (d) एन. एण्डर्सन

Ans. (c) : विलियम एफ. ह्वाइट ने अपनी पुस्तक "स्ट्रीट कॉर्नर सोसायटी" में लिखा है कि "मैनें अपना शोध असहभागी प्रेक्षक के रूप में प्रारम्भ किया था। जैसे ही मैं समुदाय में स्वीकृत हुआ, मैने स्वयं को लगभग गैर- प्रेक्षक सहभागी के रूप में पाया।"

46. जब एक चर गुणात्मक तथा दूसरा चर मात्रात्मक हो, तो उन दोनों के बीच सह परिवर्ती ज्ञात करने के लिए किस मापन का उपयोग किया जाएगा?

(a) युल्स क्यू 'Q' (b) फाई गुणांक 'ϕ'
(c) रैंक सहसंबंध 'r' (d) काई-स्क्वॉयर (X^2)

Ans. (d) : सन् 1900 ई. में इस परीक्षण को वैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत करने का श्रेय कार्ल पियर्सन को जाता है। इस परीक्षण के अंतर्गत काई स्क्वॉयर (X^2) एक गुणात्मक तथा दूसरे मात्रात्मक चरों के बीच सह परिवर्तन की मात्रा की माप कर सकता है।

47. जब एक सामाजिक अनुसंधान में दो भिन्न-भिन्न अवसरों पर उन्हीं व्यक्तियों द्वारा वही परीक्षण पूरा किया जाता है, तो यह कहलाता है :

(a) सामान्य विश्वसनीयता
(b) वैकल्पिक रूप विश्वसनीयता
(c) परीक्षण-पुनर्परीक्षण विश्वसनीयता
(d) विभक्तार्ध विश्वसनीयता

Ans. (c) : जब एक सामाजिक अनुसन्धान में दो भिन्न-भिन्न अवसरों पर उन्हीं व्यक्तियों द्वारा वही परीक्षण पूरा किया जाता है। तो उसे परीक्षण- पुनर्परीक्षण विश्वसनीयता कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह देखा जाता है कि परिणाम पूर्व जैसा ही है।

48. निम्नलिखित में से किस स्थिति में किसी परीक्षण को वैध माना जाता है?

(a) यह उसी को मापता हो जिसकी माप के लिये यह विनिर्दिष्ट है।
(b) अवलोकनों से अपेक्षित आंकड़े प्राप्त हुए हैं।
(c) आंकड़ों की गुणवत्ता सही है।
(d) यह अनियोजित तथ्यों की माप के लिए अपेक्षित हों।

Ans. (a) : किसी परीक्षण को वैध तभी माना जाता है जब वह उसी को मापता हो जिसकी माप के लिए वह विनिर्दिष्ट हो। गैरेट के अनुसार, "किसी परीक्षण या मापन उपकरण की वैधता इस बात पर निर्भर करती है कि वह कितनी शुद्धता से उस गुण का मापन करता है जिसके लिए उसे बनाया गया है।

49. निम्नलिखित में से किस औसत के साथ बीजगणितीय रूप से हेर-फेर नहीं किया जा सकता है?

(a) माध्य (b) माध्यिका
(c) बहुलक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : बहुलक या भूयिष्ठिक के साथ बीजगणितीय रूप में हेरफेर नहीं किया जा सकता है।
बहुलक औसत का एक प्रकार है जिसकी परिभाषा प्राप्तांकों अथवा माप के ऐसे मूल्य के रूप में की जाती है जो किसी समंक माला में सर्वाधिक बार आता है। दूसरे शब्दों में श्रेणी में सर्वाधिक आने वाले मूल्य को भूयिष्ठिक या बहुलक कहते हैं।
माध्यिका एक समंक माला का वह चर मूल्य है जो समूह को बराबर भागों में इस प्रकार बाँटता है कि एक भाग के सारे मूल्य दूसरे भाग से कम होते हैं। यह एक स्थिति मूलक माध्य है।
माध्य वह मूल्य है जो किसी संख्यात्मक पदों की श्रेणी के समस्त पदों के मूल्य के योग में श्रेणी के पदों की संख्या का भाग देने से प्राप्त होता है।

50. प्रयोगात्मक अभिकल्प वाला अध्ययन :

(a) सामाजिक विज्ञान शोध में बहुत सामान्य है।
(b) विरले होता है परन्तु सामाजिक विज्ञान शोध में संभव है।
(c) सामाजिक विज्ञान शोध में असंभव है।
(d) सामाजिक शोध में सबसे सरल है।

Ans. (b) : सामाजिक विज्ञानों में प्रयोगशालायी पद्धति की अपनी कुछ सीमायें हैं। इसका प्रयोग प्राकृतिक विज्ञानों की भाँति मुक्त हस्त रूप से नहीं किया जा सकता। प्रायोगिक परिस्थितियों का प्रयोज्यों पर प्रभाव की समस्या के साथ-साथ वास्तविक प्रायोगिक परिस्थितियों का निर्माण करना सामाजिक विज्ञानों में टेढ़ी खीर है। अतः प्रयोगात्मक अभिकल्प वाला अध्ययन सामाजिक शोध में संभव तो है परन्तु दुर्लभ (विरले) है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, नवम्बर-2017
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

1. प्रघटनाविज्ञान का प्रमुख शिल्पकार किसे माना जाता है?
(a) पी.एल. बर्गर (b) अल्फ्रेड शूट्ज
(c) एंथोनी गिड्डेंस (d) मैक्स वेबर

Ans. (b) : अल्फ्रेड शूट्ज को प्रघटना शास्त्र का प्रमुख शिल्पकार माना जाता है। इन्होंने अपने सिद्धान्त में सामाजिक जगत, जीवन जगत, अन्तःक्रियावाद तथा हम वे सम्बन्ध का अध्ययन किया है। प्रघटनाशास्त्र का सृजन सर्वप्रथम हुसर्ल द्वारा किया गया है।

2. शुट्ज के अनुसार, वेबर ने निम्न में से किसके बारे में नहीं कहा है?
(a) एक कर्ता का अभिप्राय कैसे निर्मित होता है
(b) वे स्वयं और अन्य के बीच के अनूठे और बुनियादी सम्बन्धों को पहचान करने का प्रयास नहीं करते।
(c) (a) और (b) दोनों
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : सामान्यतः प्रघटनाशास्त्रीय दार्शनिको ने 'चेतना' को अपने अध्ययन अनुसंधान का केन्द्र बनाया है किन्तु शूट्ज ने चेतना से हटकर अन्तःविषयपरकता, जीवन-जगत (लाइफ वर्ल्ड) और स्वयं तथा वे के सम्बन्धों को अपने अध्ययन विवेचन का केन्द्र बनाया है। शूट्ज के अनुसार, "वेबर स्वयं तथा अन्य के बीच के अनूठे और बुनियादी सम्बन्धों को पहचान करने का प्रयास नहीं करते।" शूट्ज ने क्रिया सिद्धान्त की समस्याओं और "वर्स्टहेन पद्धति" को स्पष्ट करने के साथ-साथ इसे आगे बढ़ाने हेतु काफी काम किया।

3. निम्न में से किसने अपने सिद्धांत में दैनिक जीवन और संस्थाओं की सामाजिक संरचना में सामान्य ज्ञान की भूमिका पर प्रकाश डाला है?
(a) पीटर बर्गर (b) अल्फ्रेड शुट्ज
(c) हेनरी बर्गसन (d) इर्विंग गाफमैन

Ans. (a) : पीटर बर्गर ने अपने सिद्धान्त में दैनिक जीवन एवं संस्थाओं की सामाजिक संरचना में सामान्य ज्ञान की भूमिका पर प्रकाश डाला है जिसमें इन्होंने बताया कि समाज मानव जनित है। अपनी पुस्तक "The Social Construction of Reality" (यथार्थ की सामाजिक रचना) में इन्होंने सामाजिक संरचना की व्याख्या की है।

4. हैरॉल्ड गारफिंकेल ने निम्न में से किसको मूलभूत समाजशास्त्रीय प्रघटना माना है?
(a) संस्थाओं द्वारा निर्मित सामाजिक तथ्य
(b) सामाजिक तथ्यों की वस्तुनिष्ठता को सदस्यों की उपलब्धि के रूप में मानना
(c) सामाजिक क्रियाओं की वस्तुनिष्ठता को मानना
(d) सदस्यों द्वारा उपलब्धि और मूल्यों से सामाजिक क्रियाओं का निर्मित होना

Ans. (b) : 'एथनोमेथडोलॉजी' शब्द के आविष्कारक (रचनाकार) अमरीकी समाजशास्त्री हेरॉल्ड गारफिकेंल ने प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद के सामान्य ढाँचे में नृजातीयपद्धतिशास्त्र (लोक विधि विज्ञान) के नये उपागम को विकसित किया है। इन्होने समाजशास्त्रीय प्रघटना को सामाजिक तथ्यों की वस्तुनिष्ठता को सदस्यों की उपलब्धि के रूप में माना है। इनकी प्रमुख अवधारणायें निम्नवत हैं-
(i) प्रलेखन विधि
(ii) सन्दर्भिता
(iii) प्रतीकात्मक व्यवहार

5. गारफिंकेल के अनुसार नृजाति प्रणाली के बारे में निम्न में से कौन एक प्रमुख बिंदु है:
(a) वे आत्मवाचक रूप से उत्तरदायी होते हैं
(b) नृजाति शास्त्री विवरण प्रदान करते हैं
(c) वे वस्तुनिष्ठ और व्यक्तिनिष्ठ वास्तविकता के लिए उत्तरदायी होते हैं
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : गारफिंकेल के अनुसार, एथनोमेथडोलॉजी से तात्पर्य व्यक्तियों के ऐसे सहज ज्ञान की खोज से है जिसके द्वारा वे रोजमर्रा की अपनी अन्तःक्रियाओं के बारे में सोच विचार करते हैं और उनका अर्थ निकालते हैं अर्थात् व्यक्ति आत्मवाचक रूप से उत्तरदायी होते हैं।

6. सूची-I को सूची-II से सुमेलित करें :

सूची-I (कृतियाँ)	सूची-II (लेखक)
(A) प्रेजेंटेशन ऑफ सेल्फ इन एव्री डे लाइफ	(i) पीटर बर्गर
(B) द सोशल कंस्ट्रक्शन ऑफ रियलिटी	(ii) हैरॉल्ड गारफिंकेल
(C) द फिनॉमोनॉलॉजी ऑफ द सोशल वर्ल्ड	(iii) इर्विंग गॉफमैन
(D) स्टडीज इन एथनोमेथडोलॉजी	(iv) अल्फ्रेड शुट्ज
	(v) जॉर्ज लुकाक्स

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(c)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(d)	(iv)	(i)	(iii)	(v)

Ans. (c) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(कृतियाँ)	(लेखक)
प्रेजेण्टेशन ऑफ सेल्फ इन एव्री डे लाइफ	- ई. गॉफमैन
द सोशल कंस्ट्रक्शन ऑफ रियलिटी	- पीटर बर्गर
द फेनॉमेनॉलॉजी ऑफ द सोशल वर्ल्ड	- अल्फ्रेड शुट्ज
स्टडीज इन एथनोमेथडोलॉजी	- गारफिंकेल

7. निम्न में से कौन सी अवधारणा अल्थूजर के सिद्धांत से संबंधित नहीं है?
(a) परहितवाद (अल्टुइज्म)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) ज्ञानमीमांसीय घटना (एपिस्टेमोलॉजिकल ब्रेक)
(c) दमनकारी राज्य तंत्र
(d) विचारधारा

Ans. (a) : परार्थवाद (परहितवाद) जिसे परोपकारिता या अन्योन्सर्ग भी कहते हैं, यह एक ऐसी प्रवृत्ति है जिसके द्वारा एक व्यक्ति यह अनुभव करता है कि दूसरों की आवश्यकतायें उसके स्वयं की आवश्यकताओं से अधिक महत्वपूर्ण हैं। अतः वह दूसरों की आवश्यकताओं की बलवेदी पर अपनी आवश्यकताओं को उत्सर्ग कर देता है। इमाईल दुर्खीम ने इसका प्रयोग कुछ समाजों में आत्महत्या के प्रतिमानों के एक प्रकार के रूप में किया हैं।

8. अलेक्जेंडर के अनुसार निम्न में से कौन सी संरचनात्मक प्रकार्यवाद से संबंधित समस्या नहीं है?
(a) प्रति-व्यक्तिवाद (b) रूढ़िवाद
(c) एकीकरण (d) आदर्शवाद

Ans. (c) : अलेक्जेण्डर की गणना नववामपंथी मार्क्सवादियों और नवप्रकार्यवादियों दोनों में की जाती है। इन्होंने पुराने संरचनात्मक प्रकार्यवाद की जो समस्यायें बताई हैं और जिन्हे नवप्रकार्यवाद को दूर करना है वे हैं- "व्यक्तिवाद विरोध, परिवर्तन का विरोध, रुढ़िवाद, आदर्शवाद तथा अनुभाविकता विरोधी अभिनति आदि।" अलेक्जेण्डर ने एकीकरण को संरचनात्मक प्रकार्यवाद से सम्बंधित समस्या नही माना है।

9. निम्न में से किसके अनुसार 'आदर्श कथन परिस्थिति' में बिना किसी अनुचित प्रभुत्व के सभी पक्षों को संवाद करने का समान अवसर प्राप्त होता है?
(a) जे. देरीदा (b) एल. अल्थूज़र
(c) एम. फूको (d) जे. हेबरमास

Ans. (d) : प्रश्नगत कथन जे. हेबरमास का है। हेबरमास जर्मनी के सुप्रसिद्ध फ्रैंकफर्ट सम्प्रदाय की द्वितीय पीढ़ी के अत्यन्त प्रखर एवं अग्रणी विद्वान हैं। उनकी प्रमुख रुचि सामान्य समाज के सन्दर्भ में और विशेष रूप में पूँजीवाद के सन्दर्भ में ज्ञान की भूमिका की खोज में रही है। 1981 में प्रकाशित "द थ्योरी ऑफ कम्यूनिकेटिव एक्शन' में उन्होंने सम्प्रेषण और संचार पर बल दिया।

10. सूची-I को सूची-II से सुमेलित करें और सूचियों के नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें :

सूची-I (कृतियाँ)	सूची-II (लेखक)
(A) अतिनिश्चय	(i) अलेक्जेंडर
(B) संरचनाकरण	(ii) गिड्डेन्स
(C) नव-प्रकार्यवाद	(iii) हेबरमास
(D) अविकृत संवाद	(iv) अल्थूज़र

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(c)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

Ans. (b) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(कृतियाँ)	(लेखक)
अतिनिश्चय	- अल्थूजर
संरचनाकरण	- गिड्डेन्स
नव प्रकार्यवाद	- अलेक्जेण्डर
अविकृत संवाद	- हेबरमास

11. निम्न में से कौन से फ्रैंकफर्ट स्कूल से संबंधित नहीं है?
(a) जे. अलेक्जेंडर (b) एल. अल्थुज़र
(c) जे. हेबरमास (d) ए. गिड्डेन्स
(e) एच. मार्कूस्
नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।
(a) (a), (b) (b) (a), (b), (e)
(c) (c), (e) (d) (c), (d)

Ans. (*) : तत्कालीन पूंजीवादी समाज की कमजोरियों को उजागर करने तथा क्लासिक सिद्धान्तों की समीक्षा करने के उद्देश्य को लेकर वर्ष 1923 में पश्चिमी जर्मनी के फ्रैंकफर्ट विश्वविद्यालय ने फैलिक्स जे. वैल की प्रेरणा से एक 'सामाजिक अनुसंधान संस्थान' की स्थापना की जो बाद में 'फ्रैंकफर्ट स्कूल' के नाम से विख्यात हुआ इसके प्रमुख अध्ययन के विषय ज्ञानमीमांसा मार्क्सवाद और संस्कृति रहे हैं। इस सम्प्रदाय से सम्बन्धित विद्वान लुकाक्स, हेबरमास, होखाइमर, एडोर्नो, हर्बर्ट मार्कूस, वाल्टर बैंजामिन, एरिक फ्रॉम आदि हैं। जबकि अलेक्जेण्डर की गणना नववामपंथी मार्क्सवादी और नवप्रकार्यवादी, अल्थूजर की गणना नवमार्क्सवादी तथा गिड्डेन्स की गणना संरचनाकरण के सिद्धान्त में की जाती है।

12. निम्न में से कौन सी मिशेल फूको की रचना नहीं है?
(a) डिसिप्लीन एंड पनिश
(b) रीडिंग कैपिटल
(c) द ऑर्डर ऑफ थिंग्स
(d) मैडनेस एंड सिविलाइजेशन

Ans. (b) : रीडिंग कैपिटल मिशेल फूको की नहीं अपितु लुईस अल्थूजर की कृति है। मिशेल फूको की प्रमुख कृतियाँ निम्नवत हैं-
डिसिप्लिन एण्ड पनिश
द आर्डर आफ थिंग्स
मैडनेस एवं सिविलाइजेशन
द बर्थ ऑफ द क्लिनिक
द आर्कियोलॉजी ऑफ नॉलेज
द हिस्ट्री ऑफ सेक्युअलिटी (I, II, III)

13. संरचनाकरण के सिद्धांत में गिड्डेन्स निम्न में से किस पर केन्द्रित करते हैं?
(a) संरचनात्मक द्वैतवाद (b) संरचना द्वैत (डुअलिटी)
(c) द्विभाजी संबंध (d) द्विचर प्रतियोग

Ans. (b) : संरचना निर्माण के संदर्भ में गिडेन्स ने 'संरचनाकरण की द्वयात्मकता की अपनी प्रमुख अवधारणा का प्रयोग कर द्वैतवाद की धारणा को नकारा है। इसी धारणा के द्वारा उन्होंने प्रकार्यवाद एवं प्रकृतिवाद दोनों का भी विरोध किया है। द्वैतवाद एक तात्विक सिद्धान्त है जो दो स्वतंत्र सत्ताओं (जैसे मन और शरीर) पर जोर देता है। ये स्वतंत्र सत्तायें न तो एक दूसरे में तिरोहित हो सकती हैं और न ही इनमें किसी प्रकार का परिवर्तन होना सम्भव होता है परन्तु संरचना की द्वयात्मकता द्वैतवाद के स्थान पर द्वयात्मकता (डुअलिटी) की बात करता है। यह व्यक्ति या समाज नही अपितु व्यक्ति और समाज की धारणा को प्रतिस्थापित करता है।

14. निम्न में से कौन सा कथन असत्य है?
(a) 'विसंरचना' पद विशेष रूप से जैक्स डेरिडा के कार्यों से संबंधित है।
(b) 'विसंरचना' एक उत्तर संरचनावादी बौद्धिक आंदोलन है जो मुख्यतः फ्रांस और अमेरिका में 1960 के दशक से प्रभावी रहा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) 'विसंरचना' द्विपर अवधारणात्मक प्रणालियों का समर्थन करता है जिसमें सोपानिक परिवेश में एक अवधारणा की प्रधानता होती है।
(d) डेरिडा प्रत्यक्षवाद और प्रघटनाविज्ञान दोनों की समालोचना करते हैं।

Ans. (c) : विखंडन (विसंरचना) अर्थात भाषा का आत्म विश्लेषण। शब्दों की पूर्वग्रस्तता को हटाना ही विखण्डन है। विखण्डन, शब्दों के अर्थ को समझने की एक ऐसी विधि या एक उपागम है, जिसमें शब्दों को एक दूसरे के साथ जोड़कर अर्थ निकाला जाता है। डेरिडा के अनुसार विखण्डन एक ऐसा शब्द है जिसका मंतव्य किसी ग्रंथ या पाठ के अन्तर्निहित अर्थ और विचारों को उजागर करना है।

15. फूको के मतानुसार ऐतिहासिक प्रलेख एक माध्यम है जिससे कोई समाज प्रलेखन पुंज विकसित करता है और उसे मान्यता प्रदान करता है। इसे जाना जाता है:
(a) प्रोक्ति विश्लेषण (b) औद्योगिक पुराताव
(c) ज्ञान का पुरातत्व (d) प्राग-इतिहास

Ans. (c) : फूको- (1926-1984) के अनुसार जिस व्यक्ति के पास जितना अधिक ज्ञान है उसके पास शासन करने की उतनी ही शक्ति है। उन्होंने पागलपन, भाषा, ज्ञान और शक्ति पर अध्ययन किया। उनके अनुसार ऐतिहासिक प्रलेख एक माध्यम है जिससे कोई समाज प्रलेखन पुंज विकसित करता है और उसे मान्यता प्रदान करता है, ज्ञान के पुराताव से जाना जाता है।

16. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (अवधारणा)	सूची-II (प्रतिपादक)
(A) ज्ञान और सत्ता	(i) जे. अलेक्जेंडर
(B) संकेतक और संकेतित	(ii) एम. फूको
(C) नियम और संसाधन	(iii) जे. डेरिडा
(D) क्रिया और व्यवस्था	(iv) ए. गिड्डेन्स

कूट :.

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

Ans. (a) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणा)		(प्रतिपादक)
ज्ञान और सत्ता	-	एम. फूको
संकेतक और संकेतित	-	जे डेरिडा
नियम और संसाधन	-	ए. गिडेन्स
क्रिया और व्यवस्था	-	जे. अलेक्जेण्डर

17. भारत के नृविज्ञानी सर्वेक्षण द्वारा आयोजित 'पीपुल ऑफ इंडिया' परियोजना द्वारा भारत में कितने समुदायों की पहचान की गई है?
(a) 3000-4000 (b) 4000-5000
(c) 5000-6000 (d) 6000-7000

Ans. (b) : भारतीय प्रशासनिक सेवा में एक जनजातीय इतिहासकार और अधिकारी कुमार सुरेश सिंह, जिन्होंने एन एस आई के महानिदेशक सहित पदों पर पदभार संभाला। 'पीपुल ऑफ इण्डिया' के तहत इनका उद्देश्य भारत के सभी समुदायों के बीच मतभेदों और सम्बन्धों के मानव विज्ञान के अन्तर्गत अध्ययन करना था। इस परियोजना के अन्तर्गत अक्टूबर 1985 से 1994 के बीच क्षेत्रीय कार्यकाल के दौरान 4694 समुदायों की पहचान की गयी।

18. भारत में त्रिभाषी-सूत्र की संस्तुति निम्न में से किसने की थी?
(a) भाषा आयोग (b) राष्ट्रीय एकता आयोग
(c) राज्य पुनर्गठन आयोग (d) ज्ञान आयोग

Ans. (*) : सन 1956 में अखिल भारतीय शिक्षा परिषद ने इसे मूल रूप में अपनी संस्तुति के रूप में मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन में रखा था और मुख्यमंत्रियों ने इसका अनुमोदन भी कर दिया था। 1968 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इसका समर्थन किया गया और पुनः अनुमोदित किया गया। सन 1992 में संसद ने इसके कार्यान्वयन की संस्तुति कर दी थी।

19. भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध भाषाओं की वर्तमान में संख्या है:
(a) 20 (b) 18
(c) 22 (d) 19

Ans. (c) : भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध भाषाओं की संख्या वर्तमान में 22 है।

20. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए।

सूची-I (आंदोलन का प्रकार)	सूची-II (आंदोलन का नाम)
(A) नृजातीय	(i) नागा आंदोलन
(B) सुधारवादी	(ii) झारखंड आंदोलन
(C) अलगाववादी	(iii) बिरसा मुंडा आंदोलन
(D) उपराष्ट्रवादी	(iv) भगत आंदोलन

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(b)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

Ans. (d) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(आंदोलन का प्रकार)	(आंदोलन का नाम)
नृजातीय	- बिरसा मुंडा आन्दोलन
सुधारवादी	- भगत आन्दोलन
अलगाववादी	- नागा आन्दोलन
उपराष्ट्रवादी	- झारखंड आन्दोलन

21. निम्न में से कौन से कथन सत्य हैं?
(A) जनजातीय अर्थव्यवस्था में प्रायः बाजार तंत्र होता है।
(B) पारस्पारिकता और पुनर्वितरण जनजातीय अर्थव्यवस्था में प्रचलित समाकलनात्मक प्रतिमान सृजित करते हैं।
(C) जनजातीय उत्पादन संविदात्मक और स्वैच्छिक होता है।
(D) सामाजिक और आर्थिक संस्थाओं का संयोजन आदिम जीवन पद्धति की एक मुख्य विशेषता है।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनें :
(a) A और D (b) B और D
(c) A, B और D (d) A, B और C

Ans. (b) : जनजाति परिवारों अथवा परिवार समूहों का एक ऐसा संकलन है जिसका एक सामान्य नाम, विशिष्ट भाषा, समाजव्यवस्था, संस्कृति और उत्पत्ति सम्बंधी एक पुराकथा होती है,

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

तथा जो एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में निवास करते हैं जनजातीय अर्थव्यवस्था में पारस्परिकता और पुनर्वितरण प्रचलित समाकलनात्मक प्रतिमान सृजित करते हैं तथा सामाजिक और आर्थिक संस्थाओं का संयोजन आदिम जीवन पद्धति की मुख्य विशेषता है।

22. सुरजीत सिन्हा का कार्य मुख्यतः निम्न में से किस पर आधारित हैं?

(a) जनजाति-जाति सांतत्यक (b) जनजातीय आंदोलन
(c) क्षेत्र अध्ययन (d) धर्म का समाजशास्त्र

नीचे दिए गए कूट से ही उत्तर चुनिये:

(1) (a), (b) (2) (b), (c), (d)
(3) (a), (c), (d) (4) उपर्युक्त सभी

Ans. (*) : सुरजीत सिन्हा एक भारतीय मानवशास्त्री थे। उन्होंने बंगाल और बिहार के भूमिज जनजाति पर व्यापक क्षेत्र में काम किया। उनका काम निम्नलिखित विषयों पर केन्द्रित है–
(i) जनजाति-जाति और जनजाति-कृषक निरंतरता
(ii) आर्थिक पहल के स्तर और जातीय समूह
(iii) आदिवासी आंदोलन
(iv) धर्म का समाजाशास्त्र
(v) भारत के लोगों पर क्षेत्र अध्ययन

23. वह उपागम जो विभिन्न जातियों के लोगों की अधीनता की दशाओं के माध्यम से समाज को समझता है, कहलाता है।

(a) भारतीय विधा उपागम (b) सभ्यतागत उपागम
(c) उपाश्रिता उपागम (d) संघर्षवादी उपागम

Ans. (c) : उपाश्रित अध्ययन समूह का निर्माण 1980 के दशक में हुआ था। इसका प्रमुख लक्ष्य अभिजात पूर्वाग्रह को दुरुस्त करना था जो दक्षिण एशियाई अध्ययनों के अधिकतर अकादमिक कार्यों में दिखाई देता रहा है। रंजीत गुहा, गायत्री स्पीवक, पार्थ चटर्जी, शाहिद अमीन, सुमीत सरकार, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, डेविड अरनॉल्ड डेविड हार्डी मैन इस समूह के प्रमुख विद्वान हैं।

24. एल. ड्युमा के अनुसार निम्न में से कौन जातियों के बीच संरचनात्मक दूरी बनाये रखने में सहायक है?

(a) भूमि स्वामित्व (b) आर्थिक प्रस्थिति
(c) शुद्धता और प्रदूषण (d) राजनीतिक सत्ता

Ans. (c) : फ्रांसीसी मानवशास्त्री लूईस ड्युमा भारत के समाजशास्त्र और मानवशास्त्र के क्षेत्र में जाति व्यवस्था तथा संस्तरण के अपने विश्लेषण और ''कांन्ट्रिब्यूशन्स टू इण्डियन सोशियोलॉजी' नामक पत्रिका के एक संस्थापक सह संपादक के लिए विशेषकर जाने जाते थे। उन्होंने जाति व्यवस्था को भारतीय समाज की एक आधारभूत संस्था माना है। जाति व्यवस्था का अपना समस्त विश्लेषण ड्युमा ने पवित्रता और अपवित्रता (शुचिता-अशुचिता) की विचारधारा पर आधारित संस्तरण और पृथक्करण के मूल्यों के आधार पर किया। व्यवसायों एवं जाति समूहों के अनुक्रम को निश्चित करने के लिए उन्होंने पवित्रता के स्तर को एक मात्र मापदण्ड माना है।

25. निम्न में से किसने जाति प्रथा का गुणारोपणात्मक और अन्योन्यक्रियात्मक विश्लेषण किया?

(a) एल. ड्युमा (b) सुरजीत सिन्हा
(c) एम.एन. श्रीनिवास (d) डी. पी. मुकर्जी

Ans. (a) : एल. ड्युमा ने जाति प्रथा का गुणात्मक और अन्योन्यक्रियात्मक विश्लेषण किया है। सन् 1970 में अंग्रेजी में प्रकाशित उनकी 'होमो हाइरार्किक्स'' नामक भारी भरकम पुस्तक ने उन्हे अन्तर्राष्ट्रीय जगत में एक अग्रणी समाजशास्त्री के रूप में प्रस्थापित करने में प्रमुख योगदान किया है। ड्युमा ने अपनी इस पुस्तक में जाति के इतिहास तथा उद्गम सम्बंधी सिद्धान्तों से लेकर सामाजिक संस्तरण वर्ण व्यवस्था, अन्तःजातीय विवाह, अस्पृश्यता, खान-पान सम्बन्धी निषेध जैसे विषयों पर अपने विचार प्रकट किये हैं।

26. निम्न में से किसका यह मानना था कि जनजातियों को सांस्कृतिक स्वायत्तता होनी चाहिए?

(a) एन.के. बोस (b) डी.पी. मुकर्जी
(c) सुरजीत सिन्हा (d) जी.एस. घूर्ये

Ans. (c) : सुरजीत सिन्हा ने कुछ समाज वैज्ञानिकों के इस विचार से असहमति प्रकट की है कि भारत में जनजातियाँ धीरे-धीरे जाति व्यवस्था में विलीन हो रही है। उन्होंने लिखा है कि जनजातियाँ पारिस्थितिकी, जननांकिकी, अर्थव्यवस्था, राजनीतिक और सामाजिक व्यवहार में नृजातिक समूहों से पृथक हैं। उनकी यह ऐतिहासिक छवि ही जनजातियों को हिन्दू जनजातियों से अलग करती है और उन्हे जनजातीय पहचान देती है। इसीलिए इनका मानना था कि जनजातियों को सांस्कृतिक स्वायत्तता होनी चाहिए।

27. ''गरीबी हटाओः स्ट्रैटजी ऑप्शन्स'' पुस्तक के लेखक हैं :

(a) इंदिरा गांधी (b) एम.एल. दॉंतवाला
(c) थॉमस ग्लैडविन (d) एस. बागची

Ans. (b) : इन्दिरा गाँधी- माई टुथ
एम.एल. दॉंतवाला – गरीबी हटाओः स्ट्रैटजी आप्शनस
थॉमस ग्लैडविन – ईस्ट इज ए बिग बर्ड
एस. बागची – द प्रोफेशनल

28. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए।

सूची-I (लेखक)	सूची-II (मुद्दे)
(A) एम.एन. श्रीनिवास	(i) समाजों का उद्विकास
(B) टी. पार्सन्स	(ii) स्वतंत्र भारत में राष्ट्र निर्माण
(C) रजनी कोठारी	(iii) राष्ट्र निर्माण और नागरिकता
(D) राइनहार्ड बेंडिक्स	(iv) राज्य और राष्ट्र निर्माण

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

Ans. (b) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)	(मुद्दे)
एम. एन. श्री निवास	- स्वतन्त्र भारत में राष्ट्र निर्माण
टी. पारसंस	- समाजों का उद्विकास
रजनी कोठरी	- राज्य और राष्ट्र निर्माण
राइनहार्ड बेंडिक्स	- राष्ट्र निर्माण और नागरिकता।

29. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A): क्षेत्रीय, नृजातीय और धार्मिक असामंजस्य राष्ट्र निर्माण में बाधा पहुँचाते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

तर्क (R): राजनैतिक अभिजात्यवर्ग की रुचि वोट बैंक बनाने के लिए असामंजस्य पैदा करने में होती है।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें:

(a) (A) तथा (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : साम्प्रदायिकता, भाषावाद, क्षेत्रीयता, जातिवाद, रंगभेद, दूषित शिक्षा प्रणाली, नैतिक पतन एवं भ्रष्टाचार तथा दूषित राजनीति ये सभी कारक राष्ट्र निर्माण में बाधा पहुँचाते हैं तथा राजनैतिक अभिजात्य वर्ग की रुचि वोट बैंक बनाने के लिए असामंजस्य पैदा करने में होती है। अतः कथन A व कारक R दोनों सत्य है तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।

30. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत के किस राज्य में मलिन बस्ती निवासियों की संख्या सबसे अधिक है?

(a) तमिलनाडु (b) पश्चिम बंगाल
(c) महाराष्ट्र (d) बिहार

Ans. (c) : भारतीय राज्यों में आमतौर पर अधिक मलिन बस्तियाँ है। मलिन बस्तियों में 11 मिलियन लोगों के साथ महाराष्ट्र में सबसे अधिक आबादी है उसके बाद आंध्रप्रदेश में मलिन बस्ती निवासियों की संख्या 1 करोड़ है।

31. कौन सा राज्य अपनी कुल आबादी के हिस्से के रुप में भारत की जनसंख्या वृद्धि की प्रतिशतता में सबसे ज्यादा योगदान करता है?

(a) उत्तर प्रदेश (b) बिहार
(c) मध्य प्रदेश (d) राजस्थान

Ans. (b) : बिहार की कुल जनसंख्या 2001 की जनगणना की तुलना में कुल 2 करोड़ 8 लाख 6 हजार 128 व्यक्तियों की बढ़ोत्तरी के साथ 2011 में 10 करोड़ 38 लाख 4 हजार 637 पहुँच गयी है। अपनी कुल आबादी के हिस्से के रूप में भारत की जनसंख्या वृद्धि की प्रतिशतता में सबसे ज्यादा योगदान बिहार का है। बिहार वह भारतीय राज्य है जिसे उत्तरी पूर्वी भारत का हिस्सा माना जाता है। यह भारत का 13वाँ सबसे बड़ा राज्य है। जिसका क्षेत्रफल 94,163 किमी^{2} (36,357 वर्गमील) है। आबादी के अनुसार यह भारत का तीसरा सबसे बड़ा राज्य है।

32. किसने जनसंख्या के निश्चयात्मक और निवारक निरोध की बात की?

(a) के.डेविस (b) डेविस ग्लास
(c) रॉबर्ट माल्थस (d) फ्रैंक नोटेस्टीन

Ans. (c) : मॉल्थस के अनुसार "जनसख्या में वृद्धि गुणोत्तर रूप (ज्यामितीय) में होती है, किन्तु संसाधनों में वृद्धि अंकगणितीय रूप से होती है। इन्होंने जनसंख्या नियंत्रण के दो रूप बताये हैं-

(i) सकारात्मक नियंत्रण- इसमें बीमारी, भूख, बाढ़ अकाल, युद्ध आदि के कारण मृत्यु को सम्मिलित किया गया है।

(ii) निरोधात्मक नियंत्रण- इनमें विलम्ब विवाह, ब्रह्मचर्य, परिवार नियोजन आदि को सम्मिलित किया है।

33. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में कितने महानगर है?

(a) 35 (b) 43
(c) 53 (d) 51

Ans. (c) : ऐसे नगर जिनकी संख्या 10 लाख या उससे अधिक हो उसे महानगर कहते हैं। भारत में इंदौर, पणजी, दिल्ली तथा कोलकाता जैसे शहर महानगर की श्रेणी में शामिल है। 2011 की जनसंख्या के अनुसार भारत में 53 महानगर है।

34. दुर्खाइम ने आत्महत्याओं को निम्न में से क्या माना?

(a) सामान्य (b) असामान्य
(c) वैध (d) अवैध

Ans. (a) : दुर्खीम ने अपनी पुस्तक 'Lee Suicide' में लिखा है कि आत्महत्या एक सामाजिक तथ्य है। उन्होंने कहा है कि आत्महत्या एक सामाजिक घटना है जो सभी समाजों में पायी जाती है तथा समाज में क्रियाशील भी रहते है। अर्थात दुर्खीम ने आत्महत्या को एक सामान्य घटना माना है।

35. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) कहा गया और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A): जनगणना अनुमान के अनुसार भारत में लगभग एक चौथाई पुरुष और महिलाओं की आबादी का पाँचवाँ हिस्सा अविवाहित रह जाता है।

तर्क (R): भारत में लिंगानुपात निम्न है।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें:

(a) (A) तथा (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans. (b) : भारत में लिंगानुपात एक गम्भीर समस्या है 2011 की जनगणना के अनुसार 1000 पुरुषों पर 943 महिलायें है जो निम्न है। जनगणना अनुमान के अनुसार भारत में लगभग एक चौथाई पुरुष और महिलाओं की आबादी का पाँचवाँ हिस्सा अविवाहित रह जाता है यह कथन सत्य है परन्तु लिंगांनुपात महिलाओं की अविवाहित होने का कारण नहीं है। अतः कथन A व कारक R दोनों सत्य है परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

36. नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एन.सी.आर.बी.) के आंकड़ों के अनुसार मादक द्रव्यों से सम्बंधित आत्महत्याओं की सर्वाधिक दर भारत के किस प्रान्त में पाई गई है?

(a) पंजाब (b) आन्ध्र प्रदेश
(c) केरल (d) महाराष्ट्र

Ans. (c) :

केरल	- 14.2%
महाराष्ट्र	- 12.2%
आन्ध्र प्रदेश	- 2%
पंजाब	- 1.4%

37. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A): भारतीय जेलों में अपराधियों का बहुत बड़ा हिस्सा पुरुष है।

तर्क (R): सामान्यतः महिलायें अपराध का शिकार होती हैं और वे अपराध करने में शामिल नहीं होती हैं।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें:

(a) (A) तथा (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) (A) तथा (R) दोनों सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans. (c) : यद्यपि भारतीय जेलों में अपराधियों का बहुत बड़ा हिस्सा पुरुष का है लेकिन महिलायें भी अपराधों में शामिल हैं। अतः कारक R असत्य है कि केवल महिलाओं पर अपराध हो रहा है तथा महिलायें अपराध में शामिल नहीं होती।

38. समकालीन एन.एस.एस.ओ. सर्वेक्षण के अनुसार भारत में मादक पदार्थों का प्रयोग करने वालों की सबसे अधिक प्रतिशतता किस धार्मिक समूह में है?
(a) सिख (b) इसाई
(c) हिंदू (d) बौद्ध

Ans. (b) : राष्ट्रीय प्रतिदर्श (नमूना) सर्वेक्षण संगठन भारत सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय के अधीन एक संगठन है अब इसका नाम राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय हो गया है। यह भारत का सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण करने वाला सबसे बड़ा संगठन है। इसकी स्थापना 1950 में की गयी थी। इस सर्वेक्षण के अनुसार भारत में मादक पदार्थों का प्रयोग करने वाले की सबसे अधिक प्रतिशतता इसाई धार्मिक समूह में है।

39. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।
अभिकथन (A): मादक पदार्थों का व्यसन निम्न आय समूहों में अधिक प्रचलित होता है।
तर्क (R): वे अधिक तनावग्रस्त होते हैं और उनके जीवन में सामाजिक आर्थिक समस्यायें अनेक होती हैं।
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें:
(a) (A) तथा (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : चूँकि निम्न आय समूह अधिक तनावगस्त होते हैं और उनके जीवन में सामाजिक आर्थिक समस्यायें अनेक होती हैं इसलिए मादक पदार्थो का व्यसन निम्न आय समूहों में अधिक प्रचलित होता है। अतः कथन A व कारण R दोनों सत्य है तथा कारण R, A का सही स्पष्टीकरण है।

40. ''नेशन बिल्डिंग एंड सिटिजनशिप'' पुस्तक किसने लिखी है?
(a) रेनहार्ड बेंडिक्स (b) वेंडेल बेल
(c) डब्ल्यू. जे. फोल्ज (d) सी. जे. फ्रेडरिक

Ans. (a) : जर्मनी में पैदा हुए अमेरिका के प्रवासी समाजशास्त्री रेनहार्ड (राइनहार्ड) बेनडिक्स मुख्य रूप से मैक्स वेबर के अपने विश्लेषण और तुलनात्मक एवं एतिहासिक समाजशास्त्र के क्षेत्र में किये गये अपने अध्ययनों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 'नेशन बिल्डिंग एण्ड सिटिजनशिप-1964' नामक अपने ग्रंथ में टी. एच. मार्शल की धारणा का विश्लेषण करते हुए कहा कि आधुनिक समाज में कामगार वर्ग के घुलन-मिलन और ठीक प्रकार से समन्वय के लिए उसे राजनीतिक अधिकार (नागरिकता) दिये जाने चाहिए।

41. निम्न में से किसने भारतीय समाज के अध्ययन में रॉबर्ट रैडफिल्ड की 'लघु एवं बृहत परम्पराओं की अवधारणा' का अनुप्रयोग किया है?
(a) मिल्टन सिंगर (b) एम.एन. श्रीनिवास
(c) एस.सी. दुबे (d) योगेश अटल

Ans. (a) : रेडफील्ड की 'लघु एवं वृहत् परम्पराओं की अवधारणा' का अनुप्रयोग मिल्टन सिंगर ने भारतीय समाज के अध्ययन में किया और बताया कि परम्परा के इन दोनों स्तरों पर निरन्तर अन्तःक्रिया होती रहती है।

42. योगेन्द्र सिंह के अनुसार उप-सांस्कृतिक पश्चिमीकरण है :
(a) परसंस्कृतिग्रहण की एक संकलक और खंडात्मक प्रक्रिया है।
(b) सांस्कृतिक आत्मसातकरण की एक संकलक और खंडात्मक प्रक्रिया है।
(c) सांस्कृतिक पश्चता की एक संकलक और खंडात्मक प्रक्रिया है।
(d) सांस्कृतिक समीक्षा की एक संकलक और खंडात्मक प्रक्रिया है।

Ans. (a) : योगेन्द्र सिंह के अनुसार उप-सांस्कृतिक पश्चिमीकरण परसंस्कृतीग्रहण की एक संकलक और खण्डात्मक प्रक्रिया है।

43. किसने कहा है कि ''धर्मनिरपेक्षता भारतीय समाज के आधुनिकीकरण की एक उप-प्रकिया है''?
(a) ए. आर. देसाई (b) योगेन्द्र सिंह
(c) टी. के. ओमन (d) एम. एन. श्रीनिवास

Ans. (b) : योगेन्द्र सिंह के अनुसार, ''धर्मनिरपेक्षता भारतीय समाज के आधुनिकीकरण की एक उपप्रक्रिया है। धर्मनिरपेक्षता एक ऐसे सिद्धान्त पर आधारित सामाजिक नैतिकता की एक व्यवस्था है जिसमें धर्म के नैतिकता के मापदण्ड तथा व्यवहार के निर्धारण के लिए बिना हस्तक्षेप के वर्तमान जीवन तथा सामाजिक कल्याण की भावना पर बल दिया जाता है।

44. वैश्वीकरण पर विचार करते हुए निम्न में से किसने 'नेटवर्क सोसायटी' को महत्व दिया है?
(a) मैन्युअल केस्टेल्स (b) जिग्मंट बौमैन
(c) जुर्गन हेबरमॉस (d) उल्रिच बैक

Ans. (a) : वैश्वीकरण के इस युग में शिक्षा या निजीकरण एक महत्वपूर्ण चुनौती है। वैश्वीकरण का अर्थ है अर्थव्यवस्था तथा समाजों का समन्वयीकरण। इसके अन्तर्गत सूचना का प्रवाह विचारों, तकनीकी सेवाओं पूँजी, वित्त तथा व्यक्तियों के पारस्परिक सम्बन्ध में सम्मिलित है। इसके सम्बन्ध में मैन्युअल केस्टेल्स ने 'नेटवर्क सोसायटी' को महत्व दिया है। इनकी पुस्तक ''द राइज ऑफ नेटवर्क सोसाइटी'' है।

45. ''जिस प्रकार कार्य और उत्पादन ने सामाजिक संसक्ति की धुरी और व्यष्टिपरक पहचान का स्रोत दोनों के रूप में उपभोग को स्थान दिया है, वह उत्तर-आधुनिकता का केंद्रीय तत्व है।'', निम्न में से कौन वैश्वीकरण का विचार करते हुए इस प्रकार का समर्थन करते हैं?
(a) एंथोनी गिड्डेंस (b) जुर्गन हेबरमास
(c) जिग्मंट बौमैन (d) मैन्युअल केस्टेल्स

Ans. (c) : जिग्मंट बौमैन (19 नवम्बर 1925- 9 जनवरी 2017) एक पोलिश समाजशास्त्री और दार्शनिक थे। इन्होंने अपनी पुस्तक 'पोस्टमॉडर्निटी एण्ड कंज्यूमेरिज्म' में वैश्वीकरण का विचार करते हुए उक्त कथन का विवरण किया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

46. निम्न में से किसने 'द राइज आफ द नेटवर्क सोसायटी' शीर्षक पुस्तक लिखी है?

(a) कोहेन, आई. (b) शील, डी
(c) कॉलिंस, पी हिल्स (d) केस्टेल्स, मैन्युअल

Ans. (d) : मैनुअल कैस्टेल्स ऑलिवान (जन्म 1942) एक स्पेनिश समाजशास्त्री हैं जो विशेष रूप से सूचना समाज, संचार और वैश्वीकरण पर शोध से जुड़े है। इनका अध्ययन क्षेत्र समाजशास्त्र शहरी नियोजन एवं संचार रहा है। इनकी प्रमुख कृतियाँ निम्नवत हैं–
द राइज ऑफ द नेटवर्क सोसायटी
मोबाइल कम्यूनिकेशन एण्ड सोसायटी
द इण्टरनेट गैलेक्सी
कम्यूनिकेशन पावर

47. प्रारंभिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण योजना (युनिवर्सलाइजेशन ऑफ एलिमेंटरी एजुकेशन स्कीम) (युईई) के अंतर्गत निम्न में से कौन सी योजना शामिल नहीं की गई है?

(a) एस.पी.क्यू.ई.एम. (मदरसों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की योजना)
(b) ई.जी.एस./ए.आई.ई. (शिक्षा गारंटी योजना/वैकल्पिक और नवोन्मेषी शिक्षा)
(c) के.जी.बी.वी (कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय)
(d) एस.एस.ए. (सर्व शिक्षा अभियान)

Ans. (a) : प्रारम्भिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण योजना के अन्तर्गत एस. पी. क्यू. ई. एम. (मदरसों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की योजना) शामिल नही की गयी है। मदरसा शिक्षा बोर्ड उत्तर प्रदेश, अल्पसंख्यक कल्याण व मुस्लिम वक्फ विभाग द्वारा अब मदरसों में आधुनिक व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने की तैयारी शुरू कर दी गयी है। यू.ई.ई. के अन्तर्गत ई.जी.एस./ए.आई.ई., के.जी. बी. वी. तथा एस. एस. ए. योजना को शामिल किया गया है।

48. निम्न में से किसके मतानुसार ''भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्ष विचारों का यह निहितार्थ नहीं है कि सार्वजनिक जीवन और प्रमुख भारतीय समुदायों के बीच संबंधों में इसके प्रतिमानों के प्रति वास्तविक अनुरुपता है''?

(a) एस.सी. दुबे (b) एम.एन. श्रीनिवास
(c) योगेंद्र सिंह (d) अजित के. डांडा

Ans. (c) : प्रश्नगत कथन प्रसिद्ध भारतीय समाजशास्त्री योगेन्द्र सिंह जी के हैं। इनकी प्रमुख कृतियाँ हैं-
मॉडर्नाइजेशन ऑफ इण्डियन ट्रेडिशन
ट्रेडिशन ऑफ नॉन वॉयलेन्स
इण्डियन सोशियोलॉजी
सोशल चेन्ज इन इण्डिया
आइडियोलॉजी एण्ड थ्योरी इन इण्डियन सोशियोलॉजी

49. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए।

सूची-I (लेखक)	सूची-II (पुस्तक)
(A) अप्पादुराई, अर्जुन	(i) स्टोलेने हारवेस्ट
(B) फ्रेंक, ए.जी.	(ii) रिओरिएंटः ग्लोबल इकॉनमी
(C) मिर्डल, जी	(iii) मॉडर्निटी एट लार्ज
(D) शिवा, वंदना	(iv) एशिअन ड्रामा

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करेंः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

Ans. (d) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)	(पुस्तक)
अप्पादुराई, अर्जुन	- मॉडर्निटी एट लार्ज
फ्रेंक, ए.जी.	- रिओरिएंटः ग्लोबल इकॉनमी
मिर्डल, जी	- एशिअन ड्रामा
शिवा, वंदना	- स्टोलेने हारवेस्ट

50. ''उत्तर-हरित क्रांति काल में किसानों ने श्रमिकों को अनुशासित करने के लिए और श्रमिक बाजार के वियोजन/संयोजन के लिए ऋण और आसंजन के तंत्र का प्रयोग किया जिससे श्रमिकों का विसर्वहाराकरण हुआ।'' यह किसका कथन हैः

(a) पॉल ब्रास (b) टॉम ब्रास
(c) आंद्रे बेतेई (d) ए. आर. देसाई

Ans. (b) : टॉम ब्रास ने किसान अध्ययन पर व्यापक रूप से लिखा है। इन्होने नवउदारवाद का समर्थन किया है। प्रश्नगत कथन उन्होंने अपनी पुस्तक ''लेबर रेजिम चेन्ज इन द ट्वेन्टी फर्स्ट सेंचुरी में व्यक्त किया है। इनकी अन्य प्रमुख पुस्तकें निम्नवत है- कैपिटलिज्म, प्रिमिटिव एक्युमुलेशन एण्ड अनफ्री लेबर निओलिबरलिज्म और द राइज ऑफ (पीजेण्ट) नेशन्स विद इन द नेशन

51. उस आंदोलन का नाम बतायें जिसकी जड़े सामुदायिक और आर्थिक हैं?

(a) नक्सलवादी आंदोलन (b) तेभागा आंदोलन
(c) तेलंगाना आंदोलन (d) मोपला आंदोलन

Ans. (d) : केरल के मोपला मुसलमानों द्वारा वर्ष 1921 में हिन्दुओं एवं ब्रिटेनियों के विरुद्ध किया गया विद्रोह मोपला विद्रोह कहलाता है। यह विद्रोह कृषि जन्य असंतोष था लेकिन धीरे-धीरे यह साम्प्रदायिक में बदल गया अर्थात् मोपला आंदोलन की जड़े सामुदायिक और आर्थिक दोनों है।

52. 'द पंजाब पीजेंट इन प्रॉसपेरिटी एंड डेब्टः विजडम एंड वेस्ट इन पंजाब विलेज' पुस्तक के लेखक है :

(a) बेडेन- पॉवेल (b) एफ.जी. बेली
(c) मैल्कॉम एल. डार्लिंग (d) आई. नटराजन

Ans. (c) : सर मैल्कम लाइल डार्लिंग (10 दिसम्बर 1880-1 जनवरी 1969) भारतीय सिविल सेवा के सदस्य थे, जिन्हें 1904 में पंजाब के ब्रिटिश आयुक्त के सहायक आयुक्त पद पर नियुक्त किया गया था। ये कृषि विषय के विशेषज्ञ थे। इनकी प्रमुख कृतियाँ निम्नवत हैं-
द पंजाब पीजैण्ट इन प्रॉसपेरिटी एण्ड डेब्ट (1925)
विजडम एण्ड वेस्ट इन द पंजाब विलेज (1934)
अप्रेन्टिस टू पॉवरः इण्डिया (1966)

53. उपज में भूस्वामी के हिस्से की आधे भाग से एक तिहाई भाग एक कटौती का संघर्ष निम्न में से किससे संबंधित है?

(a) तेलंगाना आंदोलन (b) तेभागा आंदोलन
(c) किसान सभा आंदोलन (d) मोपला विद्रोह आंदोलन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : तेभागा आन्दोलन- तेभागा आंदोलन बंगाल का प्रसिद्ध किसान आंदोलन था। वर्ष 1946 ई. का यह आन्दोलन सर्वाधिक सशक्त आन्दोलन था, जिसमें किसानों ने 'फ्लाइड कमीशन' की सिफारिश के अनुरूप लगान की दर घटाकर एक तिहाई करने के लिए संघर्ष शुरू किया था। यह आन्दोलन जोतदारों के विरुद्ध बंटाईदारों का आंदोलन था। इस आन्दोलन के महत्वपूर्ण नेता कम्पाराम सिंह एवं 'भवर सिंह थे। उपरोक्त अन्य आंदोलन की तिथियाँ निम्नवत हैं-

तेलंगाना आंदोलन- आंध्रप्रदेश (1945- 52)

मोपला विद्रोह आंदोलन- (1920-1921)

किसान सभा- (1919-1922)

54. निम्न में से किस ने ''पोस्ट इंडस्ट्रियल सोसायटी'' पद का प्रवर्तन किया?

(a) जे. बर्नहम (b) जे. के. गॉलब्रेथ

(c) डेनियल बेल (d) आर. डहेरेनडॉर्फ

Ans. (c) : पोस्ट इण्डस्ट्रियल सोसायटी पद का प्रवर्तन डेनियल बेल ने किया। इनके अनुसार, ''उत्तर औद्योगिक समाज का तात्पर्य एक ऐसे समाज से है जहाँ केन्द्रीय महत्व के रूप में सम्पत्ति एवं धन-सम्पदा का स्थान ज्ञान लेता जा रहा है और यही शक्ति व सत्ता का मुख्य स्रोत बनता जा रहा है।''

55. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A): एक औद्योगिक समाज में आत्महत्या की दर कृषक समाज की तुलना में काफी अधिक होती है।

तर्क (R): श्रम विभाजन में बढ़ोत्तरी के साथ व्यक्ति की स्वायत्तता बढ़ती है।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिये :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans. (b) : श्रम विभाजन से तात्पर्य किसी भी स्थाई संगठन में मिलजुल कर काम करने वाले व्यक्तियों, या समूहों द्वारा भिन्न किन्तु समन्वयात्मक क्रियाओं के सम्पादन से है। श्रम विभाजन में बढ़ोत्तरी के साथ व्यक्ति में स्वायत्तता आती है तथा सरल समाज में श्रम विभाजन कम तथा औद्योगिक समाज में श्रम विभाजन अधिक पाया जाता है। यह कथन भी सत्य है कि औद्योगिक समाज में आत्महत्या की दर सरल समाजों की अपेक्षा अधिक है। लेकिन दूसरा कारण अंजानपन निर्वैयक्तिकता प्राथमिक सम्बन्धों तथा प्राथमिक नियंत्रण प्रणाली का ह्रास, द्वितीयक समूहों की दिन प्रतिदिन बढ़ती हुई भूमिका आदि रहे हैं।

56. ग्रामीण नगरीय प्रवसन जिसके कारण भारत में तीव्र नगरीकरण और औद्योगीकरण हुआ मुख्य रूप से यह किसका परिणाम है?

(a) निर्धनता के कारण विकर्षित करने वाले कारक

(b) नगरीय क्षेत्रों में समृद्धि के कारण आकर्षित करने वाले कारक

(c) विकर्षित करने और आकर्षित करने वाले दोनों कारक

(d) ग्रामीण क्षेत्रों के समृद्धि से विकर्षित करने वाले कारक

Ans. (c) : ग्रामीण नगरीय प्रवसन के प्रमुख कारक विकर्षित और आकर्षित थे जिसके फलस्वरूप भारत में तीव्र नगरीकरण और औद्योगीकरण हुआ। प्रवसन किसी एक भौगोलिक/राष्ट्रीय क्षेत्र से दूसरे भौगोलिक या राष्ट्रीय क्षेत्र में सापेक्षतः स्थाई गमन करने की प्रक्रिया है।

57. जब नगरीय क्षेत्रों में प्रवसन नगर में औद्योगीकरण की दर से अधिक हो जाता है, तो यह स्थिति है:

(a) नगरवाद (b) अति-नगरीकरण

(c) सांस्कृतिक पश्चता (विलम्बना) (d) उद्योगवाद

Ans. (b) : नगरवाद के लक्षणों (विचारों एवं व्यवहारों के रूप) के विकास एवं प्रसार की प्रक्रिया नगरीकरण कहलाती है। कुछ विद्वानों ने ग्रामीण जनसंख्या के नगर की ओर निष्क्रमण की प्रक्रिया को नगरीकरण का नाम दिया है। जब नगरीय क्षेत्रों में प्रवसन नगर में औद्योगीकरण की दर से अधिक हो जाता है तो वह स्थिति अति नगरीकरण कहलाती है।

58. थॉर्स्टीन वेबलेन ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक ''द थ्योरी ऑफ लीजर क्लास'' में अवकाश वर्गों का वर्गीकरण किया है :

(a) दासों और मुक्त मनुष्य में

(b) बुर्जआ और सर्वहारा में

(c) जंगली, बर्बर और सभ्य में

(d) सही और निर्धन जनता में

Ans. (b) : थॉर्स्टीन वेबलन ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक ''द थ्योरी ऑफ लीजर क्लास'' में अवकाश वर्गों का वर्गीकरण किया है। जिसकी प्रमुख विशेषता दृष्टि-आकर्षक उपभोग तथा दृष्टि-आकर्षक विलास है। वेबलन ने समाज को दो स्पष्ट वर्गों (बुर्जुआ और सर्वहारा) में देखा है- एक तो वह वर्ग जो कि अपनी आर्थिक शक्ति के आधार पर अनुत्पादक होते हुए भी विलासी बने रहते हैं और दूसरा वह वर्ग जो कि उत्पादक कार्य में तल्लीन रहते हुए भी मनमाने तरीके पर या इच्छानुसार वस्तुओं का उपभोग नहीं कर पाते हैं।

59. यह किसने कहा कि प्रमाणिक विकास के तीन आधारभूत सिद्धान्त हैं: न्याय, धारणीयता और समावेशन?

(a) डुडले सीयर्स (b) डेविड कोर्टेन

(c) ए. गुन्दर फ्रैंक (d) अमर्त्य सेन

Ans. (b) : डेविड सी कॉर्टन (जन्म - 1937) एक अमेरिकन लेखक हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के पूर्व प्रोफेसर, राजनीतिक कार्यकर्ता कार्परेट वैश्वीकरण के प्रमुख आलोचक तथा मनोविज्ञान और व्यवहार प्रणाली के छात्र प्रशिक्षण और झुकाव से है। उनका सबसे प्रसिद्ध प्रकाशन है व्हेन कार्पोरेशन रूल द वर्ल्ड (1995 और 2001)। इन्होंने प्रमाणिक विकास के तीन आधारभूत सिद्धान्त दिये हैं- (i) न्याय (ii) धारणीयता (iii) समावेशन।

60. निम्नलिखित में से किस सिद्धान्त ने यह तर्क दिया कि, ''निर्धनता, श्रम के पर्याप्त कठोर विभाजन जिसने धनी का पक्ष लिया तथा निर्धन को हाशिए पर धकेला के अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था के विकास का एक प्रत्यक्ष परिणाम है''?

(a) विश्व व्यवस्था सिद्धान्त (b) उदारवाद

(c) नव-उदारवाद (d) उत्तर-आधुनिकतावाद

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : विश्व व्यवस्था सिद्धान्त ने तर्क दिया है कि "निर्धनता श्रम के पर्याप्त कठोर विभाजन जिसने धनी का पक्ष लिया तथा निर्धन को हाशिए पर धकेला के अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक आर्थिक अर्थव्यवस्था के विकास का एक प्रत्यक्ष परिणाम है।"

61. निम्नलिखित में से कौन-सा गांधीवादी विकास का दृष्टिकोण है?

(a) भौतिक समृद्धि की तुलना में स्वविकास
(b) मुक्त बाजारों को विकास
(c) केन्द्रीकृत नियोजन
(d) ग्रामों और कुटीर उद्योगों का विकास

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) (a) और (d) (b) (b) और (c)
(c) (d) और (c) (d) (b) और (d)

Ans. (a) : गाँधीवाद 'महात्मा गाँधी' के आदर्शो, विश्वासों एवं दर्शन से उद्भूत विचारों के संग्रह को कहा जाता है, जो स्वतंत्रता संग्राम के सबसे बड़े राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेताओं में से थे। गाँधीवादी विकास के दृष्टिकोण निम्नवत है-
- भौतिक समृद्धि की तुलना में स्वविकास
- ग्रामों एवं कुटीर उद्योगों का विकास
- साध्य एवं साधन में एकता
- सविनय अवज्ञा आदि गाँधीवादी विकास के प्रमुख दृष्टिकोण हैं।

62. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए:

सूची-I (अवधारणा)	सूची-II (प्रतिपादक)
(A) स्व विकास	(i) जी. वाट्सन
(B) विश्व व्यवस्था सिद्धान्त	(ii) महबूब उल हक
(C) उदार	(iii) आई. वार्ल्सटीन
(D) मानव विकास	(iv) एम. के. गांधी

कूट:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(b)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

Ans. (a) : सुमेलित-

अवधारणा	**(प्रतिपादक)**
स्व विकास	- एम. के. गाँधी
विश्व व्यवस्था सिद्धान्त	- आई वार्ल्सटीन
उदार	- जी वाट्सन
मानव विकास	- महबूब उल हक

63. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (A) है और दूसरे तर्क (R) है।

अभिकथन (A): क्रोड का विकास सदैव इसकी परिधि और अर्धपरिधि के शोषण के द्वारा होता है।

तर्क (R): व्यापार की शर्ते क्रोड द्वारा निर्धारित होती हैं।

नीचे दिये कूट से सही उत्तर चुनिए।

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

64. जनगणना आंकड़ों से जन्म और मृत्यु दरों तथा स्वाभाविक वृद्धि की दरों का अनुमान लगाने की सर्वोत्तम पद्धति किसके द्वारा प्रदान की गई थी?

(a) के. सी. जकारिया (b) सी. चन्द्रशेखरन
(c) जे. आर. रेले (d) के. डेविस

Ans. (c) : जे. आर. रेले द्वारा जारी जनगणना के आकड़ों से जन्म और मृत्यु दरों तथा स्वाभाविक वृद्धि की दरों को अनुमान लगाने की सर्वोत्तम एवं उचित पद्धति प्रदान की गयी थी।

65. भारत में दोहरी रिपोर्टिंग प्रणाली के पद्धतिविज्ञान का संबंध है :

(a) महत्वपूर्ण पंजीकरण प्रणाली से
(b) राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण से
(c) प्रतिदर्श पंजीकरण प्रणाली से
(d) जनगणना से

Ans. (c) : भारत में दोहरी रिपोर्टिंग प्रणाली के पद्धतिविज्ञान का सम्बन्ध प्रतिदर्श पंजीकरण प्रणाली (SRS) से है। यह प्रणाली राष्ट्रीय और राज्य स्तरों पर जन्मदर, मृत्युतर तथा अन्य प्रजनन एवं शिशु मृत्युदर आदि संकेतकों के विश्वसनीय वार्षिक अनुमानों को उपलब्ध कराने हेतु बड़े पैमाने का जनसांख्यिकी सर्वेक्षण है।

66. एक प्रदत्त प्रवसन अंतराल जिसमें उद्गम का समान क्षेत्र है और गन्तव्य का समान क्षेत्र है के दौरान निवास परिवर्तन की कुल संख्या को जाना जाता है:

(a) सकल प्रवसन (b) शुद्ध प्रवसन
(c) बाह्य प्रवसन (d) प्रवसन धारा

Ans. (d) : वह क्षेत्र या स्थान जहाँ से प्रवासी कुछ नये स्थानों पर चले जाते हैं, उद्गम क्षेत्र कहलाते हैं। प्रवसन धारा किसी दिये गये प्रवसन अंतराल के दौरान किये गये कदमों की कुल संख्या है जिसमें मूल का एक समान क्षेत्र और गंतव्य का एक समान क्षेत्र होता है। व्यवहारिक रूप से यह आमतौर पर प्रवासियों का एक समूह होता है जिसमें उत्पत्ति का एक सामान्य क्षेत्र होता है और गंतव्य का भी एक समान क्षेत्र होता है।

67. अप्रत्यक्ष जन्मवादी-रोधी नीतियों का उदाहरण कौन-सा है?

(a) विवाह की आयु को बढ़ाना
(b) प्रोत्साहनों का प्रावधान
(c) गर्भपात को उदार बनाना
(d) गर्भनिरोधकों की व्यवस्था

Ans. (b) : प्रोत्साहनों का प्रावधान अप्रत्यक्ष जन्मवादी रोधी नीतियों का एक उदाहरण है।

68. भारत में चिकित्सीय गर्भपात अधिनियम किस वर्ष पारित किया गया था?

(a) 1982 (b) 1972
(c) 1985 (d) 1975

Ans. (*) : भारत में चिकित्सीय गर्भपात अधिनियम वर्ष 1971 में पारित किया गया था।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

69. संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राज्यों द्वारा विश्व जनसंख्या कार्य योजना का प्रारूप कहाँ तैयार और स्वीकार किया गया था?

(a) मेक्सिको सम्मेलन (b) बुखारेस्ट सम्मेलन
(c) काहिरा सम्मेलन (d) कोपेनहेगेन शिखर सम्मेलन

Ans. (b) : तीसरे विश्व जनसंख्या सम्मेलन (19 से 30 अगस्त 1974) में बुखारेस्ट, रोमानिया में आयोजित किया गया था इसमें 135 देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया था। संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राज्यों द्वारा विश्व जनसंख्या कार्य योजना का प्रारूप इसी बुखारेस्ट सम्मेलन में तैयार और स्वीकार किया गया था।

70. कौन-सा नारी-वादी सिद्धान्त यह तर्क देता है कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था महिलाओं के उत्पीड़न का प्रमुख और सार्वभौमिक कारण है और पुरुषों को दी गई शक्ति समस्या का मूल कारण है:

(a) सांस्कृतिक नारीवाद (b) उदारवादी नारीवाद
(c) अतिवादी नारीवाद (d) समाजवादी नारीवाद

Ans. (c) : जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों के बराबर स्त्रियों के अधिकारों के समर्थन से उत्पन्न हुए सामाजिक आंदोलन को महिलावाद या नारीवाद का नाम दिया गया है। नारीवाद को मोटे रूप में तीन रूपों में व्याख्या की गयी है- उदारवादी, मार्क्सवादी और रेडिकल (अतिवादी)। अतिवादी नारीवाद के अनुसार लिंग असमानता न तो अज्ञान तथा स्वतंत्रता के अभाव के कारण है और न ही पूंजीवाद के कारण है, अपितु यह तो पुरुषों द्वारा स्त्रियों पर प्रभुत्व, नियंत्रण और शोषण के उनके सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल है।

71. निम्नलिखित में से किसने बालिका के समाजीकरण के लिए महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में शिक्षा पर मुख्य रूप से ध्यान केन्द्रित किया है?

(a) एफ. एगनेस (b) पोलिन कोलेन्डा
(c) आई. अग्निहोत्री (d) करुना चानना

Ans. (d) : करुना चानना ने अपनी पुस्तक "वूमन, एजूकेशन एण्ड फैमिली स्ट्रक्चर इन इण्डिया' में बालिका के समाजीकरण के लिए महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में शिक्षा पर मुख्य रूप से ध्यान केन्द्रित किया है।

72. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए:

सूची-I (लेखक)	**सूची-II (मुद्दे)**
(A) शर्मिला रेगे	(i) वैधव्य
(B) उर्वशी बुटालिया	(ii) दलित महिलाएँ
(C) मार्था ए. चेन	(iii) लिंग और भूमि अधिकार
(D) बीना अग्रवाल	(iv) महिला और संघर्ष

कूटः

	(A)	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

Ans. (a) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)		**(मुद्दे)**
शर्मिल रेगे	-	दलित महिलाएँ
उर्वशी बुटालिया	-	महिला और संघर्ष
मार्था ए. चेन	-	वैधव्य
बीना अग्रवाल	-	लिंग और भूमि अधिकार

73. निम्नलिखित में से कौन-सी कृति लीला दुबे की नहीं?

(a) रिफ्लेक्शन्स ऑन द वूमन्स मूवमेंट इन इंडिया
(b) वूमेन एंड किन्शिप
(c) एन्थ्रोपोलोजिकल एक्सप्लोरेशन्स इन जेन्डर
(d) मैट्रिलिनी एंड इस्लाम

Ans. (a) : लीला दुबे एक प्रसिद्ध मानव विज्ञानी और नारीवादी विद्वान थीं। यह मानवविज्ञान और समाजशास्त्री श्यामाचरण दुबे की पत्नी थी और शास्त्रीय गायिका सुमामती मुराटकर की छोटी बहन थी। लीला दुबे द्वारा Women and Kinship, Antropological Explorations in Gender, Matriliny and Islam, Migrant Labour, गुलाम भारत एवं आजाद भारत का जिला कलेक्टर आदि पुस्तकों का लेखन किया गया है। रिफ्लेक्शन्स ऑन द वूमेन्स मूवमेण्ट इन इंडिया पुस्तक के लेखक गैब्रिले डायट्रिच है।

74. भारत में वर्ष 2001 को किस वर्ष के रूप में घोषित किया था?

(a) महिला अध्ययन के विकास का वर्ष
(b) महिला और पंचायती राज वर्ष
(c) बालिका शिक्षा वर्ष
(d) महिला सशक्तीकरण वर्ष

Ans. (d) : भारत में वर्ष 2001 को महिला सशक्तीकरण वर्ष के रूप में किया गया था। महिला सशक्तीकरण के अन्तर्गत महिलाओं से जुड़े सामाजिक आर्थिक, राजनैतिक और कानूनी मुद्दों पर संवेदनशीलता और सरोकार व्यक्त किया जाता है। सशक्तिकरण की प्रक्रिया में समाज को पारम्परिक पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण के प्रति जागरूक किया जाता है।

75. निम्नलिखित समाजशास्त्रियों में से किसने दुखः प्रकट किया है कि एक संस्था के रुप में जाति की बाधक भूमिका तथा प्रतिक्रियावादी महत्व अभी भी भारतीय अर्थव्यवस्था के छात्रों द्वारा बहुत ही अपर्याप्त रूप से समझा गया है?

(a) ए. आर. देसाई (b) डी. पी. मुखर्जी
(c) एम. एन. श्रीनिवास (d) लुईस ड्यूमा

Ans. (a) : ए. आर. देसाई ने अपनी पुस्तक "सोशल बैकग्राउण्ड ऑफ इण्डियन नैशनलिज्म" में कहा कि " एक संस्था के रूप में जाति की बाधक भूमिका तथा प्रतिक्रियावादी महत्व अभी भी भारतीय अर्थव्यवस्था के द्वारा बहुत ही अपर्याप्त रूप से समझा जाता है।
जिन्होंने अपने सामाजिक अध्ययन में लगातार डायलेक्टिक इतिहासिक प्रारूप की वकालत की और उसे लागू किया है, वे हैं – ए.आर.देसाई। देसाई ने मार्क्स और एंजेल्स के कार्यो और लियोन ट्राटस्की के लेखों का अध्ययन किया, जिनके द्वारा वे अत्यंत प्रभावित हुये।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जुलाई-2018
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल (परीक्षा तिथि : 8 जुलाई, 2018)

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **सौ (100)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

1. निम्नलिखित में से किसने यह तर्क दिया है कि जो व्यक्ति उपयुक्त नहीं स्थापित हो सके वे आगे बढ़ने के पात्र नहीं हैं?

(a) अगस्त कॉस्ट (b) हरबर्ट स्पेंसर
(c) इमाईल दुर्खाईम (d) मैक्स वेबर

Ans. (b) : प्रश्नगत तर्क हरबर्ट स्पेंसर का है। उनके अनुसार सामाजिक संरचना और सामाजिक संस्थाओं में भी परिवर्तन की उद्विकासीय प्रवृत्ति होती है। इस सन्दर्भ में ही उन्होंने 'योग्यतम की उत्तरजीविता' के मुहावरे की रचना की। उन्होंने ही सर्वप्रथम यह प्रस्थापित किया कि मानवीय समाजों में भी प्राकृतिक नियमों के सिद्धांतों के अनुसार उद्विकास होता है। जिस प्रकार प्राकृतिक प्रवरण के सिद्धांत के अनुसार कुछ बलिष्ठ जीव बच जाते हैं, वे जीवित रहते हैं और उनकी वृद्धि होती है, उसी प्रकार के समाज जो अपने परिवेश के अनुरूप अपने आपको ढालकर तालमेल बिठाने में सफल रहते हैं, वे समाज जीवित रहते हैं और लम्बी अवधि तक ऐसे समाज चलते हैं। इसके विपरीत वे समाज जो अपने परिवेश के अनुरूप अनुकूलन करने या प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थ रहते हैं, उनमें असंगतियां उत्पन्न हो जाती हैं और अन्ततः ये समाज नष्ट होकर लुप्त हो जाते हैं।

2. किस सामाजिक परिप्रेक्ष्य में कल्पित किया गया है कि "अधिकतर मानवीय परितोषण दूसरे लोगों की क्रियाओं से उत्पन्न होता है।"?

(a) प्रतीकात्मक अंत:क्रियावादी (b) आदान-प्रदान
(c) शोषी (d) संरचनात्मक

Ans. (b) : सामाजिक परिप्रेक्ष्य में कल्पित किया गया है कि अधिकतर माननीय परितोषण दूसरे लोगों की क्रियाओं से उत्पन्न होता है जिसे आदान-प्रदान कहते हैं।

3. निम्नलिखित में से कौन-सी एक समुदाय की विशिष्टता नहीं हैं?

(a) विशिष्ट स्थान
(b) ऐतिहासिक विरासत
(c) सामान्य विशेषताओं को साझा करने वाले एक सामाजिक, धार्मिक, व्यावसायिक या अन्य समूह
(d) कई क्षेत्रों में फैले स्थानों के छोटे-छोटे खंड

Ans. (d) : समाजशास्त्रीय साहित्य में, समुदाय शब्द का प्रयोग बहुधा व्यक्तियों के एक ऐसे समूह, सामाजिक साहचर्य के एक ऐसे रूप के लिए किया गया है जिसके सदस्य एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में रहते हैं और जिनमें पारस्परिक एकत्व की भावना (हम की भावना), अन्तर्पारस्परिकता, साझा संस्कृति तथा संगठित क्रियाकलापों की विशेषतायें होती हैं, परन्तु कई क्षेत्रों में फैले छोटे-छोटे खण्ड समुदाय की विशेषता नहीं है।

4. अधिगत और सहभाजित (साझा) वे सांस्कृतिक उत्पाद हैं, जो एक दिए गए समाज में निश्चित प्रकार के व्यवहार का औचित्य ठहराते हैं, क्या कहलाते हैं?

(a) आदर्शक (b) मूल्य
(c) संस्कृति (d) प्रथा

Ans. (b) : मूल्य वे सांस्कृतिक अथवा व्यक्तिगत धारणायें एवं आदर्श हैं जिनके द्वारा वस्तुओं और घटनाओं की एक दूसरे के साथ तुलना की जाती है। ये वे कसौटियाँ और व्यवहार के पैमाने हैं जिनके आधार पर अच्छे बुरे, वांछित-अवांछित, सही-गलत, करणीय और अकरणीय का निर्णय किया जाता है।

5. एक सामाजिक प्रतिवेश में यदि लोग अभिग्रहण करते हैं कि उनकी स्वयं की संस्कृति, समूह और व्यवहार दूसरों की तुलना में अधिक श्रेष्ठ हैं तो उसे किस रूप में जाना जाता है?

(a) नृजातिकेंद्रिकतावाद (b) अज्ञातकेंद्रिकतावाद
(c) स्वकेंद्रिकतावाद (d) राष्ट्रीयता

Ans. (a) : एक सामाजिक प्रतिवेश में यदि लोग अभिग्रहण करते हैं कि उनकी स्वयं की संस्कृति, समूह और व्यवहार की तुलना में अधिक श्रेष्ठ है तो उसे 'नृजाति केन्द्रिकतावाद' के रूप में जाना जाता है। इस अवधारणा का सर्वप्रथम प्रयोग डब्ल्यू.जी. समनर (1906) ने अन्तः समूह और बाह्य समूह के बीच ऐसी पक्षपातपूर्ण मनोवृत्तियों को समझाने के लिए किया जिनके द्वारा हम अपने रीति-रिवाजों व्यवहारों-प्रतिमानों और विश्वासों को बिना किसी तर्क-वितर्क के अच्छा और उच्च ठहराते हैं।

6. विश्वासों और मूल्यों का वह समुच्चय (सेट) क्या कहलाता है जो समाज की प्रभावी संस्कृति को अस्वीकृत करे और एक वैकल्पिक व्यवस्था को विहित करे?

(a) उपसंस्कृति (b) जड़-संस्कृति
(c) प्रति-संस्कृति (d) सांस्कृतिक समष्टि

Ans. (c) : विश्वासों और मूल्यों का वह समुच्चय (सेट) प्रतिसंस्कृति कहलाता है जो समाज की प्रभावी संस्कृति को अस्वीकृत करता है। प्रतिसंस्कृति की अवधारणा मिल्टन सिंगर की है इसे विरोधी संस्कृति भी कहते हैं। जब कोई उपसंस्कृति मुख्य संस्कृति को चुनौती देने लगती है उसका विरोध करने लगती है तो वही उपसंस्कृति अथवा प्रति-संस्कृति कही जाती है।
जैसे-संमलैंगिक विवाह, हिप्पी संस्कृति, अघोरी संस्कृति इत्यादि सभी संस्कृति को चुनौती देती हैं तथा ये प्रति संस्कृत के उदाहरण भी हैं।
नोट-उपसंस्कृति को सामाजिक मान्यता प्राप्त होता है जब कि प्रति संस्कृति को सामाजिक मान्यता प्राप्त नहीं होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

7. एक व्यक्ति एक विद्यालय शिक्षक है, वह उप-प्राचार्य है, स्थानीय क्लब का सदस्य है और ग्राम पंचायत का अध्यक्ष है। ये सभी स्थितियां मिलकर उसकी किस प्रस्थिति का निर्माण करती हैं?

(a) प्रस्थिति (b) प्रस्थिति समुच्चय
(c) बहुल प्रस्थितियाँ (d) प्रस्थिति अनुक्रम

Ans. (c) : बहुल प्रस्थिति की अवधारणा 'राल्फ लिंटन' ने दिया है। व्यक्ति एक साथ कई परिस्थितियाँ धारण किये होता है जिनमें सम्मिलित रूप को ही लिंटन बहुल परिस्थिति कहते हैं। जैसे- एक व्यक्ति का डॉक्टर, पुत्र, पिता, भाई के रूप में प्रस्थितियाँ। राल्फ लिन्टन इसे गुच्छेदार प्रस्थिति (Cluster study) भी कहते हैं।

8. भूमिका-द्वंद्व के संरचनात्मक सिद्धांत का प्रतिपादन किसने किया है?

(a) ए.आर. रेडक्लिफ-ब्रॉउन (b) आर.के. मर्टन
(c) टालकॉट पार्सन्स (d) जी.पी. मर्डोक

Ans. (b) भूमिका द्वन्द्व के संरचनात्मक सिद्धांत का प्रतिपादन आर.के. मर्टन ने किया है। भूमिका द्वंद्व से तात्पर्य दो या दो से अधिक ऐसी भूमिकाओं के बीच असंगतता अथवा विरोधाभास की स्थिति, जिनके सम्बन्ध में एक व्यक्ति से किसी विचाराधीन स्थिति में सम्पादन किये जाने की आशा की जाती है। मर्टन ने समाजशास्त्र में कई भिन्न विषयों का आलोचनात्मक परीक्षण कर अपना योगदान दिया है। इनमें से उनके कुछ प्रमुख विषय सामाजिक संरचना, प्रकार्यवादी परिप्रेक्ष्य, विचलन और एनॉमी, जनसंचार, भूमिका सिद्धांत, कर्मचारी तंत्र, मध्यवर्ती सिद्धांत और केन्द्रित साक्षात्कार रहा है।

9. यह किसने माना है कि सामाजिक संरचना भूमिकाओं की आंतरिक संरचना के माध्यम से बनती है?

(a) ए.आर. रैडक्लिफ-ब्रॉउन (b) आर.के. मर्टन
(c) आर. लिन्टन (d) एस.एफ. नाडेल

Ans. (d) : ब्रिटिश मानवशास्त्री सीगफ्राइड फ्रैडरिक नाडेल (एस.एफ. नाडेल) ने अपने विशिष्ट संरचनावादी सिद्धांत से मानवशास्त्र और समाजशास्त्र दोनों को प्रभावित किया है। उन्होंने सामाजिक संरचना का विस्तृत विवेचन अपनी पुस्तक "The Theory of Social Structure" में किया है तथा यह माना कि सामाजिक संरचना भूमिकाओं की आन्तरिक संरचना के माध्यम से बनी है।

10. किसने 'भूमिका संबंधों के संक्षिप्तिकरण' को भूमिका विन्यास में भूमिकाओं को व्यक्त करने के एक तंत्र के रूप में प्रतिपादित किया है?

(a) टालकॉट पार्सन्स (b) एस.एफ. नाडेल
(c) सी. लेवी स्ट्रॉस (d) आर.के. मर्टन

Ans. (d) आर.के. मर्टन ने 'भूमिका संबंधों के संक्षिप्तीकरण' को भूमिका विन्यास में भूमिकाओं को व्यक्त करने के एक तंत्र के रूप में प्रतिपादित किया है। एक विशिष्ट सामाजिक प्रस्थिति के साथ जुड़ी हुई भूमिकाओं के समुच्चय को भूमिका विन्यास कहते हैं। किसी भी सामाजिक प्रस्थिति में एक व्यक्ति अनेक सामाजिक सम्बन्धों से घिरा होता है जो कि व्यक्तियों के लिए उस सामाजिक प्रस्थितियों में सर्वदा अथवा सामान्यतः आवश्यक होते हैं। इस अवधारणा का प्रयोग आर.के मर्टन ने किया है। मर्टन के अनुसार, "भूमिका विन्यास (पुंज) से मेरा तात्पर्य भूमिका-सम्बन्धों के उस तानेबाने से है जिसमें एक व्यक्ति एक विशिष्ट सामाजिक प्रस्थिति को धारण करने के कारण बंधा होता है।"

11. समूहों के एकसंयुज, द्विसंयुज और त्रिक में वर्गीकरण का श्रेय किसको दिया जाता है?

(a) पी.ए. सोरोकिन (b) जी. सिमेल
(c) डब्ल्यू.जी. समनर (d) जी. हासेन

Ans. (b) व्यक्तियों का एक ऐसा संकलन या संग्रह (दो या दो से अधिक) जिनमें इस संग्रह की सदस्यता (औपचारिक/अनौपचारिक) और अन्तर्क्रिया के प्रति चेतना होती है, समूह कहलाता है। समूह के एकसंयुज, द्विसंयुज और त्रिक में वर्गीकृत करने का श्रेय सिमेल को है।

12. निम्नलिखित में से कौनसा सुमेलित नहीं हैं?

(a) समनर - अंतः-समूह और बहिःसमूह
(b) मीड - महात्वपूर्ण अन्य
(c) गिड्डिंग्स - समस्तरीय और विषमस्तरीय (उदग्रस्तरीय) समूह
(d) कूले - प्राथमिक एवं द्वितीयक समूह

Ans. (c) समस्तरीय और विषमस्तरीय (उदग्रस्तरीय) समूह की अवधारणा पी.ए. सोरोकिन ने दिया है।

13. किसने वर्गों को श्रम के विभाजन द्वारा सृजित और आनुवंशिकता द्वारा अनुरक्षित व्यावसायिक समूहों के रूप में परिभाषित किया है?

(a) कार्ल मार्क्स (b) जी. शुमोलर
(c) ई. दुर्खाईम (d) जी. फ्रीडमैन

Ans. (b) : श्रम विभाजन से तात्पर्य किसी भी स्थाई संगठन में मिल-जुलकर काम करने वाले व्यक्तियों या समूहों द्वारा भिन्न, किन्तु समन्वयात्मक क्रियाओं के सम्पादन से है। जी. शुमोलर ने वर्गों को काम के विभाजन द्वारा सृजित और आनुवंशिकता द्वारा अनुरक्षित व्यवसायिक समूहों के रूप में परिभाषित किया है।

14. प्रत्याशित समाजीकरण निम्नलिखित में से किसके कारण घटित होता है?

(a) परिवार व्यवहार (b) शिक्षापरक व्यवहार
(c) क्रीड़ा-समूह व्यवहार (d) संदर्भ समूह व्यवहार

Ans. (d) सामान्यतः एक ऐसे समूह को सन्दर्भ समूह की संज्ञा दी जाती है जिसके साथ एक व्यक्ति अपना समीकरण बिठाता है या तादात्मीकरण करता है अथवा एकीकरण बिठाने की आकांक्षा रखता है तथा जिसके अनुसार एक व्यक्ति अपने मूल्यों, विश्वासों, मनोवृत्तियों को ढालने का प्रयास करता है और उसी के अनुरूप अपने व्यवहार को निर्देशित करता है। यही प्रक्रिया प्रत्याशित (पूर्वाभासी) समाजीकरण में देखने को मिलता है जो किसी भावी सामाजिक भूमिका से सम्बन्धित दायित्वों, अधिकारों, अपेक्षाओं, मनोभावनाओं तथा व्यवहारों को सीखने तथा उसके लिए तैयारी करने की प्रक्रिया कहलाती है अर्थात् यह कहा जा सकता है कि प्रत्याशित समाजीकरण सन्दर्भ समूह व्यवहार के कारण घटित होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

15. कौन समुदाय के भीतर सामाजिक वर्गों के विभेदीकरण के द्वारा राज्य के आविर्भाव की बात कहते हैं?

(a) एफ. ओपनहेमर (b) कार्ल मार्क्स
(c) पीटर एम. ब्लाऊ (d) मैक्स वेबर

Ans. (b) : कार्ल मार्क्स समुदाय के भीतर सामाजिक वर्गों के विभेदीकरण के द्वारा राज्य के आविर्भाव की बात कहते हैं। कार्ल मार्क्स के प्रमुख सिद्धांत ऐतिहासिक भौतिकवाद, द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद, वर्ग संघर्ष, आर्थिक निर्धारणवाद आदि रहे हैं।

16. 'एक तथ्य जो अन्य सभी से परे अलग दिखता है, वह यह है कि चारों तरफ पति, पत्नी और अपरिपक्व बच्चे, समुदाय के बाकी लोगों के अतिरिक्त, एक इकाई का निर्माण करते हैं', यह किसने कहा है?

(a) आर.एच. लोवी (b) के.एम. कपाडिया
(c) के. डेविस (d) जी.पी. मर्डोक

Ans. (a) : प्रश्नगत कथन रॉबर्ट एच. लोवी ने अपनी पुस्तक "Primitive Society (1920)" में व्यक्त किया है। अपनी अन्य दो प्रमुख पुस्तकों "The Origin of the State" तथा "Social Organization" में राज्य के विकास सम्बन्धी मॉर्गन के अनुमानात्मक सिद्धांतों का खंडन किया है।

17. निम्नलिखित में से कौन-सी प्रक्रिया समाजीकरण के समतुल्य मानी जाती है?

(a) परसंस्कृतिग्रहण (b) समंजन
(c) संस्कृतिग्रहण (d) लामबंदी

Ans. (c) : संस्कृतिग्रहण (Enculturation) की अवधारणा हर्षकोविट्स ने दी है। अपनी संस्कृति को सीखना, विशेषकर अचेतन अवस्था में सीखने की प्रक्रिया को सह-संस्कृतिग्रहण कहते हैं। जैसे-एक बच्चे को अपनी संस्कृति को सीखना।

18. बाल्यावस्था पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ एक वयस्क सामाजिक प्राणी बनने में निहित प्रक्रिया क्या कहलाती है?

(a) प्राथमिक समाजीकरण
(b) द्वितीयक समाजीकरण
(c) पुनर्समाजीकरण
(d) प्रत्याशित समाजीकरण

Ans. (a) : समाजीकरण एक सामाजिक-मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा हम समाज में रहना और उसके सक्रिय सदस्य बनना सीखते हैं। इस प्रक्रिया में समाज के मानदण्डों एवं मूल्यों के साथ-साथ अपनी सामाजिक भूमिकाओं (पति/पत्नी, माता/पिता, मित्र, नागरिक आदि) के सम्पादन करने की कला सीखने सम्बन्धी दोनों बातें सम्मिलित होती हैं। बाल्यावस्था पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ एक वयस्क सामाजिक प्राणी बनने में निहित प्रक्रिया प्राथमिक समाजीकरण कहलाती है।

19. निम्नलिखित में से किन्होंने मार्क्सवादी ढांचे के भीतर मध्यम वर्ग के सिद्धांत का प्रतिपादन किया?

(a) आर. कोलिन्स (b) एल.ए. कोज़र
(c) आर. डैहरेनडॉर्फ (d) जी. सिमेल

Ans. (c) : किसी समाज की आर्थिक तथा सामाजिक स्तरीकरण की व्यवस्था का वह भाग जिसका स्तर न तो अत्यधिक निम्न होता है और न ही अत्यधिक ऊँचा मध्यम वर्ग कहलाता है। यह सामाजिक वर्ग कुलीन वर्ग तथा कामगार वर्ग द्वारा बने सामाजिक माप के दो छोर बिन्दुओं के मध्य में स्थित होता है। इस वर्ग में मुख्यतः सफेद पोश कार्मिकों तथा निम्न स्तर के प्रबंधकीय व्यवसायों में कार्यरत व्यक्तियों को सम्मिलित किया जाता है। मार्क्सवादी ढाँचे के भीतर मध्यम वर्ग के सिद्धांत का प्रतिपादन आर. डेहरेनडॉर्फ ने किया।

20. किसने सामाजिक गतिशीलता को दो तरीकों- ''सामाजिक आरोहण'' और ''सामाजिक अधोगमन''- में वर्गीकृत किया है?

(a) पी.एम. ब्लाऊ (b) एस.एम. मिलर
(c) पी.ए. सोरोकिन (d) एस.एम. लिपसेट

Ans. (c) : दिशा के आधार पर सोरोकिन ने सामाजिक गतिशीलता को दो भागों में विभाजित किया-

(i) सामाजिक आरोहण (ii) सामाजिक अधोगमन।

सामाजिक आरोहण (Social Climbing)-इसे ऊर्ध्वगामी गतिशीलता भी कहते हैं। जब एक व्यक्ति या समूह ऊपर की ओर गमन करता है तो उसे ऊर्ध्वगामी कहते हैं। जैसे-एक क्लर्क का शिक्षक बन जाना, एक कृषि श्रमिक का बिजली मिस्त्री बन जाना, एक भूमिहीन का भूमिपति बन जाना, शिक्षक का आई.ए.एस. बन जाना। ये सभी ऊर्ध्वगामी सामाजिक गतिशीलता हैं।

सामाजिक अधोगमन (Social Seking)-इसे अधोगामी गतिशीलता भी कहते है जब परिवर्तन की दिशा नीचे तरफ हो तो अधोगामी गतिशीलता होती है।

जैसे-दरोगा का लाईन हाजिर हो जाना, नौकरी से सस्पेंड या बर्खास्त होना, एक बिजली मिस्त्री का कृषि श्रामिक होना इत्यादि। ये सभी अधोगमी गतिशीलता के उदाहरण हैं।

21. 'एक्स' एक कार्यालय में लिपिक हैं, उनके पिता एक पुलिस निरीक्षक थे और उनके दादा न्यायाधीश थे। यह किस प्रकार का परिवर्तन है?

(a) समस्तरीय गतिशीलता
(b) विषमस्तरीय गतिशीलता
(c) विषमस्तरीय अधोमुखी गतिशीलता
(d) विषमस्तरीय उपरिमुखी गतिशीलता

Ans. (c) : जब प्रस्थिति एवं भूमिका में परिवर्तन के साथ-साथ सामाजिक वर्ग प्रस्थिति में भी बदलाव आ जाता है, तब इसे शीर्ष सामाजिक गतिशीलता कहते हैं। यह ऊर्ध्वमुखी अथवा अधोमुखी दोनों में से किसी भी ओर हो सकती है। प्रश्नगत कथन में यह गतिशीलता उच्च से निम्न की ओर विस्थापित हो रही है। अतः इस प्रकार की गतिशीलता विषमस्तरीय अधोमुखी गतिशीलता का उदाहरण है।

22. निम्नलिखित में से किसने स्तरीकरण के प्रकार्यात्मक एवं संघर्षात्मक सिद्धांत के साथ सामंजस्य स्थापित किया है?

(a) सेलिया एस. हेलर (b) जोसेफ टी. हॉवेल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) जी. लेन्स्की (d) विल्बर्ट ई. मूर

Ans. (c) जी. लेंस्की ने स्तरीकरण के प्रकार्यात्मक एवं संघर्षात्मक सिद्धांत के साथ सामंजस्य स्थापित किया है।

23. निम्नलिखित में से किसका यह मानना है कि सामाजिक परिवर्तन के दौर में इतिहास संस्कृति के दो प्रकारों–अनुभविक और संप्रत्ययात्मक के बीच आगा-पीछा करता है?

(a) कॉम्ट (b) स्पेंसर
(c) हॉबहाउस (d) सोरोकिन

Ans. (d) : प्रश्नगत कथन पी.ए. सोरोकिन का है। उनका प्रमुख योगदान सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक गतिशीलता के क्षेत्र में रहा है। सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में उन्होंने 'चक्रिक सिद्धांत' को प्रणीत किया। जिसके अनुसार यह माना जाता है कि समाज का विकास तीन प्रकार की मानसिकताओं (संस्कृतियों) के बीच होता है, यथा- ऐन्द्रियक, विचारणात्मक या भावनात्मक तथा आदर्शात्मक। सोरोकिन का सामाजिक परिवर्तन का सिद्धांत संस्कृति केन्द्रित है। उनके अनुसार, **परिवर्तन सांस्कृतिक दशाओं के बीच उतार-चढ़ाव है।**

24. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करिए।

सूची-I (कृतियां)	सूची-II (समाजशास्त्री)
(1) स्ट्रक्चरल एंथ्रोपोलॉजी	(i) ए.आर. रेडक्लिफ-ब्रॉउन
(2) दी थ्योरी ऑफ सोशल स्ट्रक्चर	(ii) आर.के. मर्टन
(3) स्ट्रक्चर एण्ड फंक्शन इन प्रीमिटिव सोसायटी	(iii) एस.एफ. नाडेल
(4) सोशल थ्योरी एण्ड सोशल स्ट्रक्चर	(iv) सी. लेवी-स्ट्रॉस
	(v) टालकॉट पार्सन्स

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें :

	(1)	(2)	(3)	(4)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(c)	(v)	(iv)	(ii)	(iii)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

Ans. (d) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(कृतियाँ)		(समाजशास्त्री)
स्ट्रक्चरल एंथ्रोपोलॉजी	-	सी. लेवी-स्ट्रॉस
दी थ्योरी ऑफ सोशल स्ट्रक्चर	-	एस.एफ. नाडेल
स्ट्रक्चर एण्ड फंक्शन इन प्रीमिटिव सोसायटी	-	ए.आर. रेडक्लिफ-ब्रॉउन
सोशल थ्योरी एण्ड सोशल स्ट्रक्चर	-	आर.के. मर्टन

25. किसने अफ्रीकी जनजातियों : चोक्टाह और ओमाहा की नातेदारी प्रणाली की संरचना का अध्ययन किया है?

(a) ई.बी. टॉयलर (b) ए.आर. रेडक्लिफ-ब्रॉउन
(c) इवांस प्रिचार्ड (d) बी. मैलिनॉवस्की

Ans. (b) : अल्फ्रेड रेजिनाल्ड रेडक्लिफ ब्राउन सामाजिक मानवशास्त्र के प्रमुख संस्थापकों में से रहे हैं। उन्होंने इंग्लैण्ड, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अफ्रीका और आस्ट्रेलिया में इस विषय का अध्यापन किया तथा अध्ययन के लिए तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य को अपनाया। ब्राउन ने अफ्रीकी जनजातियों चोक्टाह तथा ओमाहा की नातेदारी प्रणाली की संरचना का अध्ययन किया।

26. निम्नलिखित में से कौन 'मिथक की संरचना' के अध्ययन से संबंधित हैं?

(a) सी. लेवी-स्ट्रॉस (b) जेम्स फ्रेजर
(c) बी. मैलिनॉवस्की (d) ए.एल. क्रोबर

Ans. (a) : सी. लेवी-स्ट्रॉस 'मिथक की संरचना' के अध्ययन से संबंधित हैं। कोई धार्मिक या पवित्र कथा जिसकी अन्तर्वस्तु किसी प्राकृतिक अधिभौतिक या सांस्कृतिक घटना के उद्भव या रचना को दर्शाती है, मिथक कहलाती है। मिथक किसी सांस्कृतिक अथवा उपसंस्कृति की किसी अलौकिक या विलक्षण घटना का वर्णन करने वाले अत्यधिक प्रतीकात्मक विवरण होते हैं। लेवी स्ट्रॉस ने इन्हें संरचनात्मक भाषा विज्ञान की दृष्टि से संकेतों की व्यवस्था माना है। उन्होंने मिथकों को वैधता प्रदान करने वाली और सामाजिक व्यवस्थाओं की व्याख्या करने वाली संस्थाओं के रूप में स्वीकार किये जाने के प्रति अपनी असहमति प्रकट की है। उनके अनुसार मिथकों का प्रमुख प्रकार्य संज्ञानात्मक है अर्थात् मस्तिष्क की आधारभूत विचारात्मक श्रेणियों की व्याख्या करना है।

27. दुर्खाईम के अनुसार आधुनिक समाज का कौन-सा अनुक्रम सही है।

(a) विभेद, उच्च श्रेणी की अंतर्निर्भरता, उच्च नैतिक घनत्व, दमनकारी प्रतिबंध, सामूहिक चेतना की अल्प मात्रा।
(b) सादृश्य, उच्च श्रेणी की अंतर्निर्भरता, अल्प नैतिक घनत्व, क्षतिपूरक प्रतिबंध, सामूहिक चेतना की उच्च मात्रा।
(c) विभेद, उच्च श्रेणी की अंतर्निर्भरता, उच्च नैतिक घनत्व, क्षतिपूरक प्रतिबंध, सामूहिक चेतना की अल्प मात्रा।
(d) विभेद, निम्न श्रेणी की अंतर्निर्भरता, उच्च नैतिक घनत्व, दमनकारी प्रतिबंध, सामूहिक चेतना की अल्प मात्रा।

Ans. (c) : दुर्खीम ने श्रम विभाजन सिद्धांत के आधार पर यांत्रिक एवं सावयवी समाज का उल्लेख किया है। उनके अनुसार आधुनिक समाज का अनुक्रम इस प्रकार है- विभेद, उच्च श्रेणी की अंतर्निर्भरता, उच्च नैतिक घनत्व, क्षतिपूरक प्रतिबंध, सामूहिक चेतना की अल्प मात्रा।

28. निम्नलिखित में से किसने यह तर्क दिया कि सभी संरचनाएँ सामाजिक प्रणाली के कार्यकरण के लिए अपरिहार्य नहीं हैं?

(a) पार्सन्स (b) गिड्डेन्स
(c) मर्टन (d) सिमेल

Ans. (c) : संरचना शब्द का प्रयोग सामान्यतः किसी रचना (समष्टि) की इकाईयों, अंगों तथा अवयवों के ऐसे प्रतिमानित सम्बन्धों के लिए किया जाता है जो अपेक्षाकृत स्थिर एवं स्थाई होते हैं। अतः

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

किसी वृहत रचना के विभिन्न भागों अथवा निर्माणक तत्वों के आपसी संबंधों में जो एक व्यवस्था अथवा संगठन होता है, उसे संरचना कहते हैं। मर्टन के अनुसार सभी संरचनायें सामाजिक प्रणाली के कार्यकरण के लिए अपरिहार्य नहीं हैं।

29. निम्नलिखित में से किसने कल्पित किया कि कोई भी समाज अपनी संरचना और प्रकार्य दोनों दृष्टियों से अलग-अलग होने वाली उप-प्रणालियों की ऐसी शृंखला से बना होता है जिसका समूचे समाज के लिए महत्व होता है?

(a) मर्टन (b) पार्सन्स
(c) दुर्खाईम (d) गिड्डेन्स

Ans. (b) : प्रश्नगत कथन टालकॉट पार्सन्स का हैं। उनकी प्रमुख रूचि समाज में व्यवस्था बनाये रखने की समस्या को जानने और खोजने में थी, अर्थात् वे कौन से तत्व हैं जो सामाजिक प्रणाली (व्यवस्था) को बाँधे रखती है। संरचनात्मक प्रकार्यवाद (आदर्शवादी प्रकार्यवाद), सामाजिक व्यवस्था, स्वैच्छिक सिद्धांत, सामाजिक क्रिया आदि पार्सन्स द्वारा दिये गये कुछ प्रमुख सिद्धांत हैं।

30. निम्नलिखित में से किसने अपने विकासवादी चरणों में समाजों के चार प्रकारों – सरल, यौगिक, दुगुने यौगिक और तिगुने यौगिक को अभिचिह्नित किया है?

(a) हर्बर्ट स्पेंसर (b) अगस्त कॉम्टे
(c) लियोनार्ड टी. हॉबहाउस (d) इमाईल दुर्खाईम

Ans. (a) : स्पेंसर ने मानव समाज को एक ऐसे जीवित, निरंतर बढ़ते हुए सावयव (जीव) के रूप में व्याख्या की जो धीरे-धीरे सरल से जटिल व्यवस्था का रूप ले लेता है। इन्होंने अपने विकासवादी चरणों में समाज के चार प्रकारों - सरल, यौगिक, दुगुने यौगिक, तिगुने यौगिक को अभिचिन्हित किया है।

31. मीड के अनुसार ''सामान्यीकृत अन्य'' और ''महत्वपूर्ण अन्य'' किनके सर्जक हैं?

(a) मैं (b) मुझे
(c) अहम् (d) पराहम्

Ans. (b) : समाजशास्त्र के क्षेत्र में मीड का 'मैं' और 'मुझे' के सिद्धांत ने बालक के समाजीकरण की प्रक्रिया की एक नये ढंग से व्याख्या की है। उनके अनुसार, 'मैं' व्यक्ति के जैविकीय पक्ष को अभिव्यक्त करता है तथा इसके विपरीत 'मुझे' सामाजिक स्वचेतन व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। अर्थात् 'सामान्यीकृत अन्य' तथा 'महत्वपूर्ण अन्य' 'मुझे' के सर्जक हैं।
Source : Sociologial Thinkers and Theorists-Rawat

32. किसने इस बात पर जोर दिया कि निर्वचनात्मक प्रक्रिया और वह संदर्भ, जिसमें इसे किया जाता है, व्यक्ति द्वारा अर्थ एवं स्वयं रचना के अनिवार्य तत्व हैं?

(a) जी.एच. मीड (b) वी. परेटो
(c) मैक्स वेबर (d) एच. ब्लूमर

Ans. (d) इन्टरप्रिटेशन (निर्वचनात्मक) शब्द का प्रयोग कई अर्थों में किया जाता है। एक अर्थ में, किसी भी कथन को 'इन्टरप्रिटेशन' या व्याख्या कहा जा सकता है। जैसे जब मैं अपने सामने पड़ी वस्तु को प्रसाधन टेबल कहने के स्थान पर लेखन टेबल कहता हूँ, तब वास्तव में मेरा यह कथन अपने कई ऐन्द्रियक अनुभवों के आधार पर निर्मित व्याख्या ही है। प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद के जनक ब्लूमर ने इस बात पर जोर दिया कि निर्वचनात्मक प्रक्रिया और वह सन्दर्भ जिसमें इसे किया जाता है, व्यक्ति द्वारा अर्थ एवं स्वयं रचना के तत्व हैं।

33. निम्नलिखित में से किन्होंने दो प्रकारो के संघर्ष, नामतः यथार्थवादी और अयथार्थवादी के बीच विभेद किया?

(a) कार्ल मार्क्स (b) एल.ए. कोज़र
(c) जी. सिमेल (d) आर. डैहरेनडॉर्फ

Ans. (b) : 'संघर्ष प्रकार्यवाद के सिद्धांत' का प्रवर्तक एल. ए. कोजर को माना जाता है। उनके विचारों में प्रकार्यवाद (Functionalism) तथा संघर्ष (Conflict) सम्बन्धी दोनों सिद्धांतों के तत्व मौजूद हैं। कोजर ने अपने सिद्धांत में सामाजिक संघर्ष के प्रकार्यात्मक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए यथार्थवादी एवं अयथार्थवादी संघर्ष के बीच विभेद किया है।

34. इस बात पर विचार करके कि संघर्ष और मतैक्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, किसने यह अनुभव किया कि दोनों ही पहलुओं को संभालना कठिन है?

(a) कार्ल मार्क्स (b) एल.ए. कोज़र
(c) जी. सिमेल (d) आर. डैहरेनडॉर्फ

Ans. (d) : आर. डेहरेनडॉर्फ ने अपने संघर्ष सिद्धांत की प्रस्तुति के पूर्व उन्होंने पश्चिमी सोच पर आधारित समाज सम्बन्धी एक दूसरे के विरोधी दो मॉडल्स यथा मतैक्य मॉडल (Consensus Model) तथा बाध्यतामूलक मॉडल (Coaration Model) का सविस्तार वर्णन विश्लेषण किया है। डेहरेनडॉर्फ मानते हैं कि समाज के दो चेहरे हैं यथा संघर्ष एवं मतैक्यता (सामंजस्य)। इन दोनों के बिना समाज का अस्तित्व संभव नहीं है। ये दोनों एक-दूसरे की पूर्णावश्यकतायें हैं। ये दोनों विकल्प न होकर एक-दूसरे के पूरक हैं। संघर्ष तब तक उत्पन्न नहीं हो सकता जब तक पहले थोड़ी बहुत मतैक्यता ना हो। इसी प्रकार, संघर्ष अन्ततः मतैक्यता और एकीकरण की ओर अग्रसर करता है तथा इन दोनों ही पहलुओं को संभालना कठिन है।

35. अनुक्रम चार्ट के अधोलिखित सोपानों का एक शोध परियोजना का संचालन करने में कौन-सा क्रम सही व्यवस्थित है?

(1) परिकल्पना का निरूपण।
(2) साहित्य एवं अवधारणाओं की समीक्षा।
(3) समस्या की पहचान एवं संकल्पना निर्धारण।
(4) निष्कर्ष एवं सामान्यीकरण।

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन करो :

(a) (1), (3), (2) और (4) (b) (2), (3), (4) और (1)
(c) (3), (2), (1), और (4) (d) (4), (1), (3) और (2)

Ans. (c) : शोध परियोजना संचालन करने का क्रम इस प्रकार है-
- समस्या की पहचान एवं संकल्पना निर्धारण
- साहित्य एवं अवधारणाओं की समीक्षा
- परिकल्पना का निरूपण
- निष्कर्ष एवं सामान्यीकरण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

36. विज्ञानों के अनुक्रम के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा विषयों का सही अनुक्रम है?
(a) समाजशास्त्र, जीव विज्ञान, गणित और भौतिकी
(b) गणित, भौतिकी, जीव विज्ञान और समाजशास्त्र
(c) भौतिकी, गणित, जीव विज्ञान और समाजशास्त्र
(d) जीव विज्ञान, गणित, भौतिकी एवं समाजशास्त्र

Ans. (b) : ऑगस्त कॉम्ट द्वारा प्रस्तुत विज्ञानों के संस्तरण का सही क्रम इस प्रकार है-
गणित - खगोल विज्ञान - भौतिक विज्ञान - रसायन विज्ञान - जीव विज्ञान - समाजशास्त्र।

37. किसका यह मानना था कि समाज का अध्ययन मूल्य से मुक्त नही हो सकता?
(a) दुर्खाईम (b) मार्क्स
(c) मेंडल (d) बेबर

Ans. (d) : मैक्स वेबर के अनुसार, समाजशास्त्र सामाजिक क्रिया की व्याख्यात्मक समझ है और यह व्याख्या मूल्य निर्वचन (स्पष्टीकरण) पर आधारित होती है अर्थात् समाज का अध्ययन मूल्य से मुक्त नहीं हो सकता। वेबर ने मूल्य से सम्बन्धित विचार अपनी पुस्तक "The Methodology of Social Science" में व्यक्त किया है।
Source : Advanced Encyclopedia of Sociology-Rawat

38. निम्नलिखित में से कौन-सी एक पद्धति प्रायिकता निदर्शन के रूप में जानी जाती है?
(a) दी गई सकलता से स्कंध-वस्त्र (टिप्पेट्स) संख्याओं द्वारा चयनित निदर्श।
(b) उन लोगों से चयनित एक निदर्श जो उपलब्ध हैं।
(c) शोध के प्रयोजन पर विचार करते हुए चयनित निदर्श।
(d) उत्तरदाताओं की विभिन्न श्रेणियों पर विचार करते हुए चयनित एक निदर्श।

Ans. (a) : प्रतिचयन का वह रूप जिसमें समग्र में से प्रत्येक इकाई को चुने जाने की संभावना ज्ञात होती है या निर्धारित की जा सकती है संभावनामूलक (प्रायिकता) प्रतिचयन (निदर्शन) कहलाता है। साधारण दैव प्रतिचयन, स्तरित दैव प्रतिचयन, बहुचरणीय दैव प्रतिचयन क्षेत्र अथवा संभाग प्रतिचयन आदि सभी संभावनामूलक प्रतिचयन विधियाँ हैं। दी गयी सफलता से टिप्पेट्स संख्याओं द्वारा चयनित निदर्श प्रायिकता निदर्शन के रूप में जानी जाती हैं।

39. निम्नलिखित में से किस पद्धति में अत्यधिक सुपरिचितता के कारण प्रेक्षण की तीव्रता को गंवाने की आशंका है?
(a) साक्षात्कार विधि (b) प्रश्नावली विधि
(c) सहभागी प्रेक्षण विधि (d) प्रेक्षण विधि

Ans. (c) : प्रेक्षण (अवलोकन) विधि का एक रूप जिसमें शोधकर्ता अध्ययन किये जाने वाले समूह की गतिविधियों और कार्यकलापों में समूह के एक आन्तरिक समूह के रूप में भाग लेते हुए उनका अध्ययन करता है, सहभागिक प्रेक्षण (अवलोकन) कहलाता है। यद्यपि सामान्यतः इसे गुणात्मक शोध माना जाता है, फिर भी कभी-कभी इसका रूप परिमाणात्मक बन जाता है। इस विधि में यदि शोधकर्ता अध्यित समुदाय में अधिक घुल-मिल जाता है और एक 'देशी व्यक्ति' बन जाता है, तब ऐसी स्थिति में वस्तुपरकता के खोने का भय रहता है। अतः व्यक्तिपरकता और वस्तुपरकता में पर्याप्त संतुलन बनाये रखना इस विधि की एक प्रमुख समस्या है।

40. निम्नलिखित में से कौन-सा परिप्रेक्ष्य बाहरी के रूप में प्रेक्षित संस्कृति के बारे में प्रश्न उठाने के लिए वस्तुपरकता बरकरार रखते हुए शोध का सुकर करता है?
(a) व्यवहारपरक परिप्रेक्ष्य
(b) व्यवस्थापरक परिप्रेक्ष्य
(c) व्यक्तिक अध्ययन परिप्रेक्ष्य
(d) सहभागी क्रिया प्ररिपेक्ष्य

Ans. (a) व्यवहारपरक परिप्रेक्ष्य बाहरी के रूप में प्रेक्षित संस्कृति के बारे में प्रश्न उठाने के लिए वस्तुपरकता बरकरार रखते हुए शोध का सुकर करता है। व्यवहारपरक सिद्धांत निश्चित रूप से एक ऐसी दिशा की ओर संकेत करता है जहाँ विद्वानों को प्रेक्षण एवं अनुभव पर आधारित अपने निष्कर्षों पर संदेह हो सकता है।

41. प्रभाववादी विकृति की संभावना कम करने के लिए अभिलेखों पर मात्रात्मक पद्धति में किस तकनीक का उपयोग किया जाता है?
(a) विषय-वस्तु विश्लेषण (b) व्यक्तिक अध्ययन
(c) प्रश्नावली (d) प्रेक्षण

Ans. (a) : विषय-वस्तु शोध की एक विधि है, जिसके द्वारा संचार के लिखित मौखिक अथवा दृश्यात्मक साधनों में व्यक्त अन्तर्वस्तु के वस्तुपरक व्यवस्थित एवं परिमाणात्मक विश्लेषण किया जाता है। इस विधि के द्वारा सम्प्रेषण की विषयु-वस्तु को वर्गीकरण के नियमों के वस्तुपरक तथा व्यवस्थित प्रयोग द्वारा परिमाणात्मक तथ्यो में परिणित किया जाता है जिससे उसके आधार पर तुलना की जा सके।

42. किसने, ''जीवन-वृत्त'' दृष्टिकोण का एक वैभिन्न्य, जिसे ''साहित्यिक लोकगाथा'' कहा जाता है, विकसित किया है?
(a) थॉमस और जैनानिकी (b) डॉल्बी-स्टॉह्ल
(c) बर्टम (d) फ्रीमैन

Ans. (a) : थॉमस और जैनानिकी ने 'जीवन-वृत्त' दृष्टिकोण का एक वैभिन्य जिसे 'साहित्यिक लोकगाथा' कहा जाता है, विकसित किया है।

43. सामाजिक अन्वेषण के क्षेत्र में वैयक्तिक अध्ययन पद्धति का प्रचलन प्रारंभ करने का श्रेय किसको जाता है?
(a) जी.डब्ल्यू. ऑलपोर्ट (b) राबर्ट रेडफील्ड
(c) ऑस्कर लेविस (d) फ्रेडरिक लेप्ले

Ans. (d) : किसी एक प्रकरण (केस) के गहन, सूक्ष्म एवं सर्वांगीण अध्ययन को वैयक्तिक अध्ययन कहते हैं। यह उपागम सर्वेक्षण-शोध से भिन्न है जिसमें परिमाणात्मक विश्लेषण को महत्व दिया जाता है। इस उपागम को प्रारम्भ करने का श्रेय फ्रेडरिक लेप्ले को जाता है।

44. सामाजिक अनुसंधान में वैधता निम्नलिखित में से किसका सूचक है?
(a) जिस सीमा तक एक मापन सत्य होने की गुणवत्ता रखता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) एक परीक्षण उसका मापन करने के अभिप्रेत होता है जिसका मापन करने के लिए वह निर्धारित है।
(c) (a) और (b) दोनों।
(d) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं।

Ans. (c) : किसी परीक्षण को वैध तभी माना जाता है जब वह उसी को मापता हो जिसकी माप के लिए वह निर्दिष्ट हो। गैरेट के अनुसार, ''किसी परीक्षण का मापन उपकरण की वैधता इस बात पर निर्भर करती है कि वह कितनी शुद्धता से उस गुण का मापन करता है जिसके लिए उसे बनाया गया है।''

45. जब वही परीक्षण दो भिन्न-भिन्न अवसरों पर उन्हीं लोगों द्वारा पूरा किया जाता है तो उसे क्या कहा जाता है?
(a) वैकल्पिक आकार विश्वसनीयता
(b) विभक्तार्थ विश्वसनीयता
(c) परीक्षण-पुनर्परीक्षण विश्वसनीयता
(d) दोहरी विश्वसनीयता

Ans. (c) : तथ्य संकलन की किसी भी विधि, उपकरण अथवा पैमाने को तब विश्वसनीय कहा जाता है जब समान दशाओं में वह एक ही परिणाम प्रस्तुत करे। दूसरे शब्दों में एक विधि अथवा पैमाना तभी विश्वसनीय होगा जब उसे एक ही प्रतिदर्श पर बार-बार प्रयोग करने के उपरान्त भी प्रत्येक बार समान परिणाम प्रकट करता हो। विश्वसनीयता की परख के लिए परीक्षण-पुनर्परीक्षण विधि, बहुस्वरूपीय विधि तथा अर्द्धक विधि का प्रयोग किया जाता है। जब वही परीक्षण दो भिन्न-भिन्न अवसरों पर उन्हीं लोगों द्वारा पूरा किया जाता है तो उसे परीक्षण-पुनर्परीक्षण विश्वसनीयता कहा जाता है।
Source : Advanced Encyclopedia of Sociology-Rawat

46. एक केन्द्रीय प्रवृत्ति (यथा $\bar{X}$ अथवा Md) से विचलनों के वर्गों का योग क्या कहलाता है?
(a) माध्य विचलन (b) प्रसरण (वैरिएंस)
(c) मानक विचलन (d) विचलन अनुपात

Ans. (b) : एक केन्द्रीय प्रवृत्ति (यथा $\bar{X}$ अथवा Md) से विचलनों के वर्गों का योग प्रसरण (वैरिएंस) कहलाता है।

47. एक पंक्ति-व्यूह में एक मान इस तरह का है कि आधी मदें ऊपर और आधी उसके नीचे हैं। इस मान को क्या कहा जाता है?
(a) बहुलक (b) माध्य
(c) माध्यिका (d) ज्यामितीय माध्य

Ans. (c) : एक पंक्ति-व्यूह में एक मान इस तरह का है कि आधी मदें ऊपर और उसके नीचे हैं। इस मान को माध्यिका कहा जाता है। माध्यिका एक समंक मात्रा का वह चर मूल्य है जो समूह को बराबर भागों में इस प्रकार बाँटता है कि एक भाग से सारे मूल्य दूसरे भाग से कम होते हैं। यह एक स्थिति मूलक माध्यिका है।

(48-50) नीचे दिए गए उद्धरण को पढ़ें :

समकालीन समाजशास्त्र के प्रति मैक्स वेबर के सर्वाधिक ज्ञात योगदानों में से एक, आदर्श प्ररूप पद्धति है। उनका मानना था कि यह समाजशास्त्रियों का उत्तरदायित्व है कि वे ऐसे अवधारणात्मक साधन विकसित करें जिसकों बाद में इतिहासवेत्ताओं और समाजशास्त्रियों द्वारा उपयोग किया जा सकें। ऐसा अवधारणात्मक साधन आदर्श प्ररूप था। एक आदर्श प्ररूप की विरचना एक या अधिक दृष्टिकोणों के एकपक्षीय आघातन के द्वारा और बड़ी संख्या में विसरित, विविक्त, कमोबेश उपस्थित और कभी-कभी अनुपस्थित, ठोस व्यक्तिक घटनाएँ, जो उन एकपक्षीय प्रबलित दृष्टिकोणों के अनुसार एक एकीकृत विश्लेषणात्मक रचना में व्यवस्थित किए गए हैं, के संश्लेषण के द्वारा होती है... अपनी अवधारणात्मक शुद्धता में, यह मानसिक रचना...वास्तविकता में अनुभविक रूप से कहीं भी नहीं पाई जा सकती। यह अनिवार्यतः आनुभविक शोध करने में और सामाजिक जगत के विशिष्ट पहलू को समझने में सहायक एक मापक दण्ड है।

उपरोक्त उद्धरण की आपकी समझ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

48. वेबर के अनुसार निम्नलिखित में से किसमें आदर्श प्ररूप के पहलू अंतर्विष्ट नहीं हैं?
(a) मानसिक रचना, एकपक्षीय आघातन द्वारा विरचित, दृष्टिकोण, वास्तविकता में विद्यमान
(b) मानसिक रचना, एकपक्षीय आघातन द्वारा विरचित, दृष्टिकोण, वास्तविकता में आनुभविक रूप से कहीं भी नहीं पाई जा सकती।
(c) आधारणात्मक साधन, अनेक ठोस अलग-अलग घटना के संश्लेषण द्वारा विरचित, नैतिकता से संबंधित।
(d) यह शोध करने में सामाजिक जगत के सभी पहलुओं को समझने में सहायक मापक दण्ड है।

Ans. (b) : 'मानसिक रचना, एक पक्षीय आघातन द्वारा विरचित, दृष्टिकोण, वास्तविकता में आनुभविक रूप से कहीं भी नहीं पायी जा सकती, इस कथन में आदर्श प्ररूप के पहलू अंतर्विष्ट नहीं हैं।

49. निम्नलिखित में से कौन-सा आदर्श प्ररूप के निरूपण का प्रयोजन नहीं है?
(a) अनुभविक शोध करने में सहायक।
(b) कारणवाचक व्याख्या सुकर करना।
(c) सामाजिक समस्याओं का समाधान करना।
(d) तुलनात्मक विश्लेषण करने में सहायता पहुँचाता है।

Ans. (c) : सामाजिक समस्याओं का समाधान करना आदर्श प्ररूप के निरूपण का प्रयोजन नहीं हैं

50. यदि समाज विज्ञानी वेबर की आदर्श प्ररूप पद्धति का उपयोग करते हैं तो उन्हें क्या लाभ होंगे?
(a) यह पद्धति उपयोगी है और यहाँ तक कि गुणवत्तापूर्ण शोध करने में भी सहायक है।
(b) इसका प्रकार्य इसकी अपसारिताएं और सादृश्य कारणता स्थापित करने के लिए अनुभविक वास्तविकता के साथ तुलना करना है।
(c) यह पद्धति किसी के द्वारा भी लागू की जा सकती है।
(d) केवल समाजशास्त्री इस पद्धतिपरक साधन को लागू कर सकते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : दिये गये उद्धरण के अन्त में लिखा है कि आदर्श प्ररूप अनिवार्यतः आनुभविक शोध करने में और सामाजिक जगत के विशिष्ट पहलू को समझने में सहायक एक मापक है अर्थात् आदर्श प्ररूप का प्रकार्य इसकी अपसारितायें और सदृश्य कारणता स्थापित करने के लिए आनुभविक वास्तविकता के साथ तुलना करना है।

51. अल्फ्रेड शुट्ज के अनुसार सामाजिक जगत का एक पहलू, जिसे 'जीवन-जगत' कहा जाता है, क्या है?
(a) आदेशक रूप से समन्वित साहचर्य।
(b) एक सामाजिक व्यवस्था।
(c) एक आत्मनिष्ठविषयिक जगत।
(d) एक वस्तुपरक वास्तविकता।

Ans. (c) : अल्फ्रेड शुट्ज को समाजशास्त्रीय प्रघटनाशास्त्र का जनक माना जाता है। सामान्यतः प्रघटनाशास्त्रीय दार्शनिकों ने 'चेतना' को अपने अध्ययन अनुसंधान का केन्द्र बनाया है, किन्तु शुट्ज ने चेतना से हटकर अन्तःविषयपरकता या आत्मनिष्ठ विषयिक (Enter Subjectivity), जीवन जगत और हम तथा वे के सम्बन्धों को अपने अध्ययन विवेचन का केन्द्र बनाया है।

52. निम्नलिखित में से कौन-सा परिप्रेक्ष्य समाज के सदस्यों द्वारा अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन का अर्थ समझने के लिए प्रयुक्त पद्धतियों पर ध्यान केन्द्रित करता है?
(a) प्रघटनाविज्ञान (b) नृजाति प्रणाली विज्ञान
(c) प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद (d) व्यवहारवाद

Ans. (b) : 'एथनोमेथडोलॉजी' शब्द के आविष्कारक (रचनाकार) अमरीकी समाजशास्त्री हेरॉल्ड गारफिंकेल ने प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद के सामान्य ढाँचे में नृजातीय पद्धति शास्त्र (लोक विधि विज्ञान) के नये उपागम को विकसित किया। नृजाति-पद्धति शास्त्र का मुख्य उद्देश्य उन विधियों का पता लगाना रहा है जो व्यक्ति प्रतिदिन के जीवन में अपनी क्रियाओं का विवेचन करने तथा उनका अर्थ ढूँढ़ने में किया करते हैं।

53. गॉफमैन की कृति, 'प्रजेंटेशन ऑफ सेल्फ इन एव्रीडे लाइफ' का केन्द्रीय परिप्रेक्ष्य क्या है?
(a) नाट्यकता (b) प्रघटनाविज्ञान
(c) प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद (d) नव-प्रकार्यवाद

Ans. (a) : गॉफमैन की कृति 'The Presentation of Everyday Life' का केन्द्रीय परिप्रेक्ष्य अभिनय शास्त्रीय उपागम है। अपनी इस कृति में गॉफमैन ने सामाजिक जीवन का विश्लेषण करने के लिए रंगमंच की उपमा का प्रयोग किया है। वे यह मानते हैं कि मानव का सामाजिक व्यवहार बहुत कुछ रूप में रंगमंचीय अभिनय से मिलता जुलता है। सामाजिक जीवन के रंगमंच पर कर्तागण अपनी-अपनी छवि बनाते हैं और दर्शकगण के सामने अपनी-अपनी क्रियायें करते हैं और दूसरे कर्तागणों के लिए स्वयं दर्शकगण बन जाते हैं।

54. किस कृति में यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि सभी प्रकार के ज्ञान सामाजिक रूप से रचित होते हैं और विशेष व्यवहारिक समस्याओं के प्रति उन्मुख होते हैं?
(a) फेनोमेनोलॉजी ऑफ माइंड
(b) स्टडीज इन एथनोमेथोडोलॉजी
(c) दी फेनोमेनोलॉजी ऑफ दी सोशल वर्ल्ड
(d) दी सोशल कन्स्ट्रक्शन ऑफ रियलिटी

Ans. (d) : पी. बर्गर तथा थॉमस लुकमॉन की पुस्तक 'The Social Construction of Reality' में यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि सभी प्रकार के ज्ञान सामाजिक रूप से रचित होते हैं और विशेष व्यावहारिक समस्याओं के प्रति उन्मुख होते हैं।

55. निम्नलिखित में से किसके विचार 'विधिसम्मतन संकट' के साथ बुने गए है?
(a) जे. हैबरमॉस (b) एल. अल्थूसर
(c) जे. अलेक्जेंडर (d) ए. शुल्ट्ज

Ans. (a) : हैबरमॉस के विचार 'विधिसम्मतन संकट' के साथ बुने गए है। उन्होंने आधुनिक पूँजीवादी समाज में वैधकरण विधिसम्मतन की समस्या का सूक्ष्म एवं सारगर्भित विश्लेषण किया है। उनके अनुसार, पूँजीवादी समाज पूर्णतः विरोधाभासों, संकटों और विकृत ज्ञान से भरा हुआ है। इस प्रकार के विचार हैबरमॉस ने अपनी पुस्तक 'वैधकरण का संकट' (Legitimation crises) में व्यक्त किये हैं।

56. "सामाजिक रचना" की अल्थूजर की संकल्पना के तीन मुख्य तत्व हैं। निम्नलिखित कूटों में से सही तत्वों को चिह्नित करें:
(a) समाज, राज-व्यवस्था और विचारधारा।
(b) राज-व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और संस्कृति।
(c) अर्थ-व्यवस्था, राज-व्यवस्था और विचारधारा।
(d) समाज, संस्कृति और व्यक्तित्व।

Ans. (c) : फ्रांसीसी नवमार्क्सवादी अल्थूजर ने अपनी संकल्पना 'सामाजिक रचना' में तीन मुख्य तत्व समाज, संस्कृति और व्यक्तित्व को शामिल किया है।

57. निम्नलिखित में से किसने "अतिनिर्धारण" अवधारणा का प्रतिपादन किया है?
(a) एल. अल्थूसर (b) जे. हैबरमॉस
(c) आल्फ्रेड शुल्ट्ज (d) पीटर बर्गर

Ans. (a) : अल्थूजर ने अपनी पुस्तक "Reading Capital" में मार्क्स के इतिहास और समाज के बाद के दृष्टिकोण (प्रौढ़ मार्क्स) के संदर्भ में मार्क्स की मुख्य अवधारणाओं की सर्जरी की है तथा इसी पुस्तक में उन्होंने अतिनिर्धारणवाद अवधारणा का प्रतिपादन किया है।

58. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें :

सूची-I (पुस्तक)	**सूची-II (लेखक)**
(A) दी कॉन्स्टीट्यूशन ऑफ सोसायटी	(i) जैकुअस देरिदा
(B) दी स्ट्रक्चरल ट्रांसफार्मेशन ऑफ दी पब्लिक स्फियर	(ii) मिशेल फूको
(C) डिसीप्लीन एण्ड पनीश	(iii) जुर्गन हैबरमॉस
(D) राइटिंग एण्ड डिफरेंस	(iv) एंथनी गिड्डेन्स
	(v) एल. अल्थूजर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(v)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(d)	(iv)	(v)	(iii)	(ii)

Ans. (a) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(पुस्तक)		(लेखक)
दी कॉन्स्टीट्यूशन ऑफ सोसायटी	-	एंथनी गिड्डेन्स
दी स्ट्रक्चरल ट्रांसफार्मेशन ऑफ दी पब्लिक स्फियर	-	जुर्गन हैबरमॉस
डिसीप्लीन एण्ड पनीश	-	मिशेल फूको
राइटिंग एण्ड डिफरेंस	-	जैकुअस देरिदा

59. निम्नलिखित में से कौन-सी मिशेल फूको की कृति नहीं है?

(a) मैडनेस एण्ड सिविलाइजेशन
(b) क्राइसेस इन दी वर्ल्ड इकोनोमी
(c) दी आर्डर ऑफ थिंग्स
(d) हिस्ट्री ऑफ सेक्सुअलिटी

Ans. (b) : 'Crisis in the World Economy' कृति मिशेलफूको की नहीं है। इस पुस्तक के लेखक ऐन्द्रे गुण्टर फ्रैंक हैं।

60. "समय और काल के परे पूर्व-विद्यमान संरचना और व्यक्तिक अभिकरण (एजेंसी) की अंत:क्रिया के परिणाम के रूप में सामाजिक संबंधों के संरचना-निर्धारण" को किस रूप में वर्णित किया जा सकता है?

(a) संरचनावाद (b) संरचनात्मक-प्रकार्यवाद
(c) उत्तर-संरचनावाद (d) संरचनाकरण

Ans. (d) : "समय और काल के परे पूर्व-विद्यमान संरचना और व्यक्तिक अभिकरण (एजेंसी) की अंत:क्रिया के परिणाम के रूप में सामाजिक संबंधों के संरचना-निर्धारण" को संरचनाकरण के रूप में वर्णित किया जा सकता है। गिडेन्स द्वारा प्रतिपादित सरंचनाकरण का यह सिद्धान्त 'द्वैतवाद' के स्थान पर 'द्वयात्मकता' की बात करता है। सामाजिक संरचना का अस्तित्व ही मानवीय क्रिया पर निर्भर करता है और मानवीय क्रिया के लिए सामाजिक संरचना का होना जरुरी है। अतः दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं।

61. किसके लिए वास्तविकता के स्थानीय ब्यौरे भव्य आख्यानों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण हैं?

(a) प्रघटनाविज्ञानी (b) प्रकार्यतावादी
(c) उत्तर-आधुनिकतावादी (d) मार्क्सवादी

Ans. (c) : उत्तर आधुनिकतावादी सिद्धांत ऐसे भव्य एवं महावृत्तान्तों के स्वरूपों को अस्वीकारता है जो अधिकांशतः शास्त्रीय (पारम्परिक) एवं समाजशास्त्रीय सिद्धांत की विशेषतायें रही हैं। उत्तर-आधुनिकतावाद के लिए वास्तविकता के स्थानीय ब्यौरे भव्य आख्यानों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण हैं।

62. भारत में विविधता के स्रोतों में क्या-क्या सम्मिलित हैं?

(a) नृजातीय उद्गम (b) जातियाँ
(c) धर्म (d) भाषाएं

नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन करें:

कूट :

(a) (a), (b) और (d) (b) (c) और (d)
(c) (b), (c) और (d) (d) (a), (b), (c) और (d)

Ans. (d) : प्रश्न में दिये गये सभी विकल्प यथा नृजातीय उद्गम, जातियाँ, धर्म और भाषायें ये सभी भारत में विविधता के स्रोतों में सम्मिलित है।

63. एन.के. बोस के अनुसार भारतीय सभ्यता का विकास किसका परिणाम हैं?

(a) बारम्बार हुए युद्धों के अनुभव जिनके परिणामस्वरूप राष्ट्रीयता की भावना उत्पन्न हुई।
(b) सापेक्षिक रूप से शांतिपूर्ण स्थितियों में सांस्कृतिक बहुलतावाद का एक प्रतिरूप।
(c) भारत में समुदाय अपनी विशिष्ट सत्ताओं का निर्माण नहीं करते हैं।
(d) संस्कृति की विविधता किन्तु सभी समुदायों की अंतर्निर्भरता के लिए आर्थिक सगठन को प्रोत्साहित करना।

कूट :

(a) केवल (b) (b) (b), (c) और (d)
(c) (a) और (c) (d) (b) और (d)

Ans. (d) : भारतीय सभ्यता के लम्बे इतिहास की खोजबीन करते हुए एन.के. बोस ने निष्कर्षतः यह प्रतिपादित किया है कि भारत में कई स्तरों पर भिन्नता होते हुए भी इसमें एकता के मूल तत्व मौजूद हैं। उन्होंने माना कि सापेक्षिक रूप से शांतिपूर्ण स्थितियों में सांस्कृतिक बहुलतावाद तथा संस्कृति की विविधता किन्तु सभी समुदायों की अन्तनिर्भरता के लिए आर्थिक संगठन को प्रोत्साहन का परिणाम ही भारतीय सभ्यता का विकास है।

64. भारत में किसे समाजशास्त्र को इतिहासपरतवाद और संस्कृतिविज्ञान की छाया से बाहर निकालने का श्रेय दिया जाता है?

(a) एम.एन. श्रीनिवास (b) ए.आर. देसाई
(c) जी.एस. घुरिये (d) पी.एन. प्रभु

Ans. (a) : एम. एन. श्रीनिवास को इतिहासपरतवाद और संस्कृतिविज्ञान की छाया से बाहर निकालने का श्रेय दिया जाता है। संस्कृतीकरण, प्रभुजाति, पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण, लौकिकीकरण तथा फैलाव आदि एम. एन. श्रीनिवास द्वारा व्यक्त प्रमुख अवधारणायें हैं।

65. किसने इस बात पर जोर दिया कि यह पर्याप्त नहीं है कि एक भारतीय समाजशास्त्री एक समाजशास्त्री बने अपितु उससे पहले एक भारतीय बने?

(a) रंजीत गुहा (b) डी.पी. मुखर्जी
(c) एन.के. बोस (d) सुरजीत सिन्हा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : उपरोक्त कथन डी. पी. मुखर्जी का है। उन्होंने भारतीय इतिहास का द्वन्द्वात्मक प्रक्रिया द्वारा विश्लेषण किया है। मुखर्जी मार्क्सवादी थे परन्तु वे मार्क्सवादी की जगह खुद को मार्क्सशास्त्री कहलाना अधिक पसंद करते थे। इनकी कुछ प्रमुख कृतियाँ इस प्रकार है-
Personality and the Social Science, 1924
Basic Consepts in Sociology, 1932
Modern Indian Culture, 1942
Source : Sociologial Thinkers and Sociologists-Rawat

66. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में निरूपित किया गया है।

अभिकथन (A) : भारत में क्षेत्रीयतावाद स्वतंत्रता के बाद से निरंतर उभार पर रहा है।

कारण (R) : बड़े या छोटे सभी क्षेत्र संकीर्ण दृष्टिकोण के साथ अपने क्षेत्रीय हितों की रक्षा करना चाहते हैं।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें:

कूट :
(a) **(A)** और **(R)** दोनो सही है और **(R), (A)** की सही व्याख्या है।
(b) **(A)** और **(R)** दोनो सही है लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।
(c) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।
(d) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

Ans. (a) : क्षेत्र विशेष के प्रति अंधनिष्ठा का यह भाव है कि एक व्यक्ति के लिए उसकी संस्कृति, भाषा और इतिहास अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा श्रेष्ठ है तथा दूसरे क्षेत्रों के प्रति विरोध, विद्वेष और घृणा प्रकट करना क्षेत्रवाद का द्योतक है। भारत में क्षेत्रीयतावाद स्वतंत्रता के बाद से निरंतर उभार पर रहा है क्योंकि बड़े या छोटे सभी क्षेत्र संकीर्ण दृष्टिकोण के साथ अपने क्षेत्रीय हितों की रक्षा करना चाहते हैं।

67. कौन भारतीय मलिन बस्तियों में 'सामाजिक सांस्कृतिक उपांतितता' के प्रस्तावक हैं?
(a) ए.आर. देसाई (b) ऑस्कर लेविस
(c) विक्टर एस. डिसूजा (d) पी.डी. विबे

Ans. (c) : भारतीय मलिन बस्तियों में 'सामाजिक-सांस्कृतिक उपांतितता' के प्रस्तावक विक्टर एस. डिसूजा हैं।

68. किस प्रकार की निर्धनता कायिक उत्तरजीविता को बनाए रखने के लिए जरूरी बुनियादी संसाधनों के अभाव का द्योतक है?
(a) परम निर्धनता (b) सांस्कृतिक निर्धनता
(c) व्यक्तिनिष्ठ निर्धनता (d) बाह्यतामूलक निर्धनता

Ans. (a) : एक ऐसी दशा जिसमें सामान्यतः भौतिक, किन्तु कभी-कभी सांस्कृतिक संसाधनों का अभाव भी होता है, गरीबी कहते हैं। परन्तु जब कायिक उत्तरजीविता को बनाये रखने के लिए जरूरी बुनियादी संसाधनों का अभाव होता है तो वह परम निर्धनता (Absolute Poverty) कहलाती है।

69. कायाकल्प और शहरी परिवर्तन हेतु अटल मिशन (अमृत) का शुभारंभ कब किया गया था?
(a) 2 अक्टूबर, 2015 (b) 25 जून, 2015
(c) 15 अगस्त, 2015 (d) 26 जनवरी, 2015

Ans. (b) : कायाकल्प और शहरी परिवर्तन हेतु अटल मिशन (अमृत) का शुभारम्भ 25 जून, 2015 को किया गया जिसका उद्देश्य छोटे शहरों व कस्बों को या फिर शहरों के कुछ अनुभागों को चुनकर वहाँ बुनियादी सुविधायें स्थापित करना है।

70. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में निरूपित किया गया है।

अभिकथन (A) : पारिस्थितिक निम्नीकरण के परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रदूषण होता है।

कारण (R) : वनोन्मूलन, बड़े बांधों का निर्माण और अन्य विकासात्मक कार्यकलाप पारिस्थितिक निम्नीकरण के लिए उत्तरदायी है।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें:

कूट :
(a) **(A)** और **(R)** दोनो सही हैं और **(R), (A)** की सही व्याख्या है।
(b) **(A)** और **(R)** दोनो सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।
(c) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।
(d) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

Ans. (b) : अभिकथन A तथा कारण R दोनों सत्य हैं परन्तु कारण R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है क्योंकि केवल पारिस्थितिक निम्नीकरण ही पर्यावरण प्रदूषण का कारक नहीं है। इसके अतिरिक्त भी कई ऐसे कारक हैं जो पर्यावरण में प्रदूषण के लिए जिम्मेदार हैं।

71. निम्नलिखित में से किसने यह तर्क प्रस्तुत किया कि विसामान्यता 'विकृत व्यक्तित्वों' के परिणामस्वरूप नहीं, अपितु समाज की अपनी संस्कृति और संरचना से ही उत्पन्न होती है।
(a) ए.के. कोहन (b) आर.के. मर्टन
(c) ई.एम. लेमर्ट (d) जॉन मैक

Ans. (b) : ऐसे संस्थागत अपेक्षाओं के उल्लंघन किये जाने वाले व्यवहार को विपथगमन या विचलन (विसामान्यता) कहते हैं जिसे किसी समाज में वैध माना जाता है और अपनाया जाता है। मर्टन के अनुसार विसामान्यता 'विकृत व्यक्तियों' के परिणामस्वरूप नहीं, अपितु समाज की अपनी संस्कृति और संरचना से ही उत्पन्न होती है। ई.एम. लेमर्ट ने दो प्रकार के विचलन की चर्चा की है - प्राथमिक विचलन और द्वितीयक विचलन।

72. निम्नलिखित मे से कौन वह प्रथम समाजशास्त्री थे जिसने 'श्वेत वस्त्र अपराध' का सुव्यवस्थित रूप से अध्ययन किया?
(a) एम.बी. क्लिनार्ड (b) डब्ल्यू.जी. कार्सन
(c) ई.एच. सदरलैंड (d) ए. कोहन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : ई. एच. सदरलैण्ड प्रथम समाजशास्त्री थे जिसने 'श्वेत वस्त्र अपराध' का सुव्यवस्थित रूप से अध्ययन किया। इनको अपराधशास्त्र के जनक के रूप में जाना जाता है। वर्ष 1939 में इस सम्बंध में उन्होंने सर्वप्रथम 'श्वेतवसन अपराध' की अवधारणा प्रस्तुत की और कहा कि श्वेतवसन अपराध ऐसे अपराध हैं जो उच्च सामाजिक-आर्थिक प्रस्थिति वाले व्यक्तियों द्वारा अपने पेशे धंधे की क्रियाकलापों के दौरान अपराधिक कानूनों के उल्लंघन करके किये जाते हैं।

73. किस वर्ष 'स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम' का अधिनियमन किया गया था?

(a) 1987 (b) 1985
(c) 1989 (d) 1998

Ans. (b) : वर्ष 1985 को 'स्वापक औषधि अधिनियम' और मनःप्रभावी पदार्थ का अधिनियमन किया गया था। इस अधिनियम की धारा 71 के अंतर्गत सरकार को नशीली दवा के आदी लोगों की पहचान, इलाज और पुनर्वास केन्द्र की स्थापना करने का अधिकार प्राप्त है।

74. भारत में, परम्परा अनिवार्यतया आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को धीमा नहीं करती है। किसने इस परिघटना को 'परम्परा की आधुनिकता' कहा?

(a) लॉयड आई, रुडोल्फ (b) मिल्टन सिंगर
(c) एलन आर. बील्स (d) मकिम मैरियट

Ans. (a) : 'भारत में परम्परा अनिवार्यतया आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को धीमा नहीं करती है।' इस परिघटना को लॉयड आई रूडोल्फ ने 'परम्परा की आधुनिकता' कहा।

75. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में निरूपित किया गया है।

अभिकथन (A) : भारत में अधिकतर विकसित राज्य एक-दूसरे से सटे हुए हैं।

कारण (R) : वे दूसरे राज्यों की तुलना में अधिक शहरीकृत भी हैं।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें:

कूट :

(a) **(A)** और **(R)** दोनो सही हैं और **(R), (A)** की सही व्याख्या है।
(b) **(A)** और **(R)** दोनो सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।
(c) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।
(d) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

Ans. (b) : अभिकथन (A) और कारण (R) दोनो सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

76. निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है?

(a) लिंग और भूमि अधिकार - बीणा अग्रावाल
(b) लैंगिक असमानता और कानून - फ्लेविया एग्नेस
(c) महिलाएं और नातेदारी - लीला दुबे
(d) महिलाएं और संघर्ष - करुणा चानना

Ans. (d) : करुणा चानना का सम्बन्ध महिलायें और संघर्ष से नहीं अपितु महिला शिक्षा से है।

77. निम्नलिखित में से कौन सी भारतीय संविधान द्वारा यथा-अंगीकृत धर्मनिरपेक्षता की एक विशेषता नहीं है?

(a) सभी के लिए धर्म की वैयक्तिक एवं सामूहिक स्वतंत्रता की गारंटी।
(b) सार्वजनिक रोजगार और शिक्षा में धर्म के आधार पर राज्य द्वारा कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा।
(c) राज्य को धार्मिक लक्ष्यों के प्रति आवश्यक रूप से तटस्थ होना चाहिए।
(d) व्यावसायिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं में धर्म के आधार पर स्थानों का आरक्षण होगा।

Ans. (d) : विकल्प (d) भारतीय संविधान द्वारा यथा-अंगीकृत धर्मनिरपेक्षता की विशेषता नहीं है। भारतीय संदर्भ में, लौकिकवाद या धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य सभी धर्मों को उनके विकास जो प्रथाओं के पालन सम्बन्धी समान स्तर प्रदान करना है तथा सभी धर्मों के प्रति समभाव अर्थात् राज्य के सभी धर्मों से बराबर की दूरी को दर्शाता है।

78. ''विश्वव्यापी सामाजिक संबंधों का तीव्रण, जो विशिष्ट स्थानों को इस तरीके से जोड़ता है कि स्थानीय घटनाएं मीलों दूर घटने वाली घटनाओं द्वारा और विलोमतः भी निर्धारित होती हैं'', किस अवधारणा से संबंधित है?

(a) आधुनिकीकरण (b) वैश्वीकरण
(c) पाश्चात्यीकरण (d) उपर्युक्त नहीं

Ans. (b) : प्रश्नगत कथन वैश्वीकरण की अवधारणा से सम्बन्धित है। मोटे रूप में वैश्वीकरण विश्व स्तर पर क्रियाशील एक ऐसी प्रक्रिया है जो समय और स्थान की सीमा को तोड़ते हुए समुदायों और संगठनों को अन्योन्याश्रितता और अन्तर्पारस्परिकता के सम्बंधों में बाँधती है। यह वैश्विक स्तर पर आंदोलन एवं घुलन-मिलन, सम्पर्कों और अनुबंधों तथा स्थाई सांस्कृतिक अन्तर्क्रिया और आदान-प्रदान की एक प्रक्रिया है।

79. निम्नलिखित में से कौन ब्रिटिश शासन के दौरान और उसके बाद भारत में प्रचलन में लाए गए आधुनिकीकरण का संघटक नहीं था?

(a) सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार
(b) शिक्षा के पाश्चात्य रूप का विस्तार
(c) शहरीकरण और औद्योगिकीकरण
(d) ग्राम समुदायों का समेकन

Ans. (d) : विकल्प (d) ब्रिटिश शासन के दौरान और उसके बाद भारत में प्रचलन में लाये गये आधुनिकीकरण का संघटक नहीं था। आधुनिकीकरण राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास की एक ऐसी मिली-जुली पारस्परिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा ऐतिहासिक तथा आधुनिक अविकसित समाज अपने आपको विकसित करने में प्रयत्नशील है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

80. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R)।

अभिकथन (A) : वैश्वीकरण ने सरकारी क्षेत्र और गैर-सरकारी क्षेत्र दोनों को इस बात के लिए बाध्य कर दिया है कि वे विज्ञान के विकास में एक-दूसरे के साथ सहयोग करें।

कारण (R) : उपर्युक्त दोनों के बीच सहयोग से बाजार प्रतिस्पर्धा का सामना करने में सहायता मिलती है।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(a) **(A)** सही है, लेकिन **(R)** गलत है।
(b) **(A)** और **(R)** दोनो सही हैं।
(c) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।
(d) **(A)** और **(R)** दोनों गलत हैं।

Ans. (b) : अभिकथन A व कारण R दोनों सत्य हैं।

81. सूची-I और सूची-II को सुमेलित करें और सूचियों के नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें :

सूची-I (आंदोलन)	सूची-II (वर्ष)
(A) चम्पारण सत्याग्रह	(i) 1855
(B) बारदोली सत्याग्रह	(ii) 1918
(C) कैरा सत्याग्रह	(iii) 1917
(D) संथाल विश्वेह	(iv) 1929

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(b)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

Ans. (b) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(आंदोलन)		(वर्ष)
चम्पारण सत्याग्रह	–	1917
बरदोली सत्याग्रह	–	1929
कैरा सत्याग्रह	–	1918
संथाल विद्रोह	–	1855

82. किसने अधिशेष मूल्य का सिद्धांत दिया है?

(a) मिशेल फुको
(b) नील जे. स्मेलसर
(c) कार्ल मार्क्स
(d) मैक्स वेबर

Ans. (c) : मार्क्स के अनुसार प्रत्येक वस्तु के मूल्य का निर्धारण कर्ता श्रमिक का श्रम है तथा जिस कीमत पर वह बाजार में बिकती है, उसमें बहुत अंतर होता है। मार्क्स इस अंतर को वस्तु का अतिरिक्त मूल्य (अधिशेष मूल्य) मानता है जिसे बिना कुछ किये पूँजीपति बीच में ही हड़प जाता है। मार्क्स ने अतिरिक्त मूल्य के सिद्धांत द्वारा तीन नियमों का प्रतिपादन किया है- पूंजी का संचय सिद्धांत, पूंजी के केन्द्रीकरण का सिद्धांत तथा कष्टों की वृद्धि का सिद्धांत।

83. निम्नलिखित में से कौन-सा विद्रोह फसल में जोतदार के अधिकारों को आधे से कम करके एक तिहाई करने और गरीब बटाईदार किसानों के अधिकारों में संगत बढ़ोत्तरी करने की माँग के साथ शुरू हुआ?

(a) तेलंगाना
(b) तेभागा
(c) नक्सलबाड़ी
(d) सर्वोदय

Ans. (b) : तेभागा आन्दोलन बंगाल का प्रसिद्ध किसान आंदोलन था। वर्ष 1946 ई. का यह आन्दोलन सर्वाधिक सशक्त आन्दोलन था, जिसमें किसानों ने 'फ्लाइड कमीशन' की सिफारिश के अनुरूप लगान की दर घटाकर एक-तिहाई करने के लिए संघर्ष शुरू किया था। यह आन्दोलन जोतदारों के विरुद्ध बटाईदारों का था। इस आन्दोलन के महत्वपूर्ण नेता 'कम्पाराम सिंह' एवं 'भवन सिंह' थे।

84. पारम्परिक भारतीय समाज में जजमानी प्रथा निम्नलिखित में से किस पर आधारित थी?

(a) नकद अर्थव्यवस्था
(b) वस्तु-विनिमय अर्थव्यवस्था
(c) उपहार विनिमय
(d) बाज़ार प्रणाली

Ans. (b) : पारम्परिक भारतीय समाज में जजमानी प्रथा, वस्तु विनिमय अर्थव्यवस्था पर आधारित थी। जजमानी व्यवस्था का सर्वप्रथम एक व्यवस्थित अध्ययन डब्ल्यू.एच.आर. वाइजर द्वारा किया गया जिसमें उन्होंने उत्तरी भारत के एक गाँव की विभिन्न जातियों के बीच जजमान कमीन के सम्बंधों की जाँच-पड़ताल की है। जजमानी व्यवस्था में जजमान (संरक्षक) और कमीन (सेवादारों) के बीच वस्तु एवं सेवाओं का आदान-प्रदान होता है।

85. किसने निम्नलिखित कथन दिया?

वैश्विकरण एक जटिल बहुआयामी प्रक्रिया है जिसमें वैश्विक और स्थानीय के बीच एक द्वंद्वात्मक संबंध निहित है .... साथ ही यह नई वैश्विक असमानताओं और स्तरीकरण की ओर ले जाता है।

(a) कार्ल मार्क्स
(b) एंथनी गिड्डेन्स
(c) मॉरिस जिन्सबर्ग
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : प्रश्नगत कथन एंथोनी गिड्डेन्स का है जिन्होंने संरचनाकरण तथा जगरनॉट जैसी अवधारणाओं को प्रतिपादित किया है। गिड्डेन्स कहते हैं कि वैश्वीकरण ऊबड़-खाबड़ विकास की एक ऐसी प्रक्रिया है जो तोड़ने के साथ-साथ जोड़ती भी है।

86. किसकी कृति से कहा जाता है कि औद्योगिक समाजशास्त्र का सामान्य रूप में और विशेष रूप से यू.एस.ए. में आविर्भाव हुआ?

(a) मेयर
(b) वार्नर
(c) मेयो
(d) गैलरमैन

Ans. (c) : औद्योगिक जगत में अपने प्रसिद्ध कृति 'हॉथ्रोन अध्ययन' के फलस्वरूप एल्टन मेयो को आधुनिक औद्योगिक समाजशास्त्र का प्रवर्तक माना जाता है। उन्होंने अपनी इस कृति में उल्लेख किया है कि औद्योगिक समाजशास्त्र का सामान्य रूप में और विशेष रूप से यू.एस.ए. में आविर्भाव हुआ।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

87. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में निरूपित किया गया है।

अभिकथन (A) : औद्योगिकीकरण परिवार में कमजोर जुड़ाव (बंधन) की ओर ले जाता है जिसके परिणामस्वरूप एकांकी परिवार संरचना बनती है।

कारण (R) : उद्योग व्यापक रूप में युवा प्रवासी श्रमिकों को रोजगार देती हैं जो दूरवर्ती स्थानों से आते हैं।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें:

कूट :

(a) **(A)** और **(R)** दोनो सही हैं और **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(b) **(A)** और **(R)** दोनो सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(c) **(A)** सही है लेकिन **(R)** गलत है।

(d) **(A)** गलत है लेकिन **(R)** सही है।

Ans. (a) : उद्योग व्यापक रूप में युवा प्रवासी श्रमिकों को रोजगार देती हैं जो दूरवर्ती स्थानों से आते हैं यही कारण है कि औद्योगिकीकरण परिवार में कमजोर जुड़ाव (बंधन) की ओर ले जाता है जिसके परिणामस्वरूप एकांकी परिवार संरचना बनती है। अतः अभिकथन A और कारण R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

88. किसने अनुभविक अध्ययन के आधार पर तर्क प्रस्तुत किया कि अनौपचारिक संबंध नौकरशाही में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं?

(a) आर.के. मर्टन (b) टी.बी. बॉटोमोर
(c) पी.एम. ब्लाऊ (d) मैक्स वेबर

Ans. (c) : अमरीकी समाजशास्त्री पी. एम. ब्लाऊ ने अनुभविक अध्ययन के आधार पर तर्क प्रस्तुत किया कि अनौपचारिक संबंध नौकरशाही में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये प्रमुख रूप से औपचारिक संगठनों, सामाजिक गतिशीलता, व्यवसायिक संरचना और विनिमय सिद्धांत के प्रति किये गये अपने योगदानों के लिए जाने जाते हैं। ब्लाऊ ने सामाजिक विनिमय का विश्लेषण करने के लिए नौकरशाही की गतिविधियों और कार्यकलापों का सूक्ष्म अवलोकन किया है।

89. विकास के 'आर्थिक वृद्धि प्रारूप' का किससे सरोकार नहीं है?

(a) जी.एन.पी. (b) प्रति व्यक्ति आय
(c) पूँजी संचय (d) संधारणीयता

Ans. (d) : आर्थिक वृद्धि प्रारूप का सरोकार संधारणीयता से नहीं है। संधारणीयता की संकल्पना मानव पर्यावरण सम्बन्धों के एक सरल सिद्धांत पर आधारित है कि हमारे अस्तित्व के बने रहने के लिए मानव कल्याण के लिए जो भी जरूरत की चीजें हैं वे किसी न किसी रूप में हमें अपने प्राकृतिक पर्यावरण से प्राप्त होती हैं।

90. स्वतंत्र भारत में विकास के किस मॉडल का अनुसरण किया गया है?

(a) पूँजीवादी मॉडल (b) समाजवादी मॉडल
(c) मिश्रित अर्थव्यवस्था (d) बाज़ार अर्थव्यवस्था

Ans. (c) : स्वतंत्र भारत में विकास के मिश्रित अर्थव्यवस्था मॉडल का अनुसरण किया गया है। मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र एक साथ पूरक घटकों के रूप में कार्य करते है। दोनों क्षेत्रों का कार्य क्षेत्र सरकार द्वारा निर्धारित कर दिया जाता है। सामाजिक हित में सरकार निजी क्षेत्र की क्रियाओं में भी प्रत्यक्ष हस्तक्षेप करती है। इस प्रकार मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र सरकार की नीतियों द्वारा नियंत्रित होता है। इसीलिए ए.पी. लर्नर ने मिश्रित अर्थव्यवस्था को नियंत्रित अर्थव्यवस्था (Controlled Economy) कहा है।

91. किसने वाक्यांश, 'अल्पविकसित का विकास' गढ़ा?

(a) ए.आर. देसाई (b) जी. मिरडल
(c) समीर अमीन (d) ए.जी. फ्रैंक

Ans. (d) : ए. जी. फ्रैंक ने वाक्यांश, 'अल्पविकसित का विकास' गढ़ा। वे एक जर्मन-अमेरिकी आर्थिक इतिहासकार और समाजशास्त्री थे जिन्होंने 1970 के बाद निर्भरता सिद्धांत को बढ़ावा दिया। उन्होंने राजनीतिक अर्थव्यवस्था पर कुछ मार्क्सवादी अवधारणाओं को नियुक्त किया लेकिन मार्क्स के आर्थिक इतिहास को खारिज कर दिया। 'The Development of Underdevelop-ment' इनकी प्रमुख पुस्तक है।

92. निम्नलिखित में से कौन मानव विकास सूचकांक का संकेतक नहीं है?

(a) आयु संभाविता (b) शिक्षा
(c) राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय (d) शहरीकरण का स्तर

Ans. (d) : शहरीकरण का स्तर मानवविकास सूचकांक का संकेतक नहीं है। आयु संभाविता, राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय एवं शिक्षा तीनों मानव विकास सूचकांक का संकेतक है जबकि शहरीकरण का स्तर सामाजिक विकास को दर्शाता है।

93. निम्नलिखित में से उस समिति की पहचान करें जिसका भारत सरकार ने शहरी मलिन बस्तियों में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए सेवा डिलीवरी दृष्टिकोण प्रणाली का संगठन करने और इसमें सुधार लाने के लिए तौर-तरीकों का सुझाव देने के लिए 1982 में गठन किया गया था?

(a) करतार सिंह समिति (b) श्रीवास्तव समिति
(c) कृष्णन समिति (d) भोरे समिति

Ans. (c) : वर्ष 1982 में कृष्णन समिति का गठन किया गया था। जिसका उद्देश्य शहरी मलिन बस्तियों में प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल प्रदान करने के लिए सेवा डिलीवरी दृष्टिकोण प्रणाली का संगठन करने तथा इसमें सुधार लाने के लिए तौर-तरीकों का सुझाव देना था।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

94. किसने सामाजिक उत्थानशीलता के रूप में जनन क्षमता के अध्ययन के लिए समाजशास्त्रीय व्याख्याएँ दी हैं?

(a) आर्सेन डुमोंट (b) के. डेविस
(c) डेविड ग्लास (d) जे. हाउथार्न

Ans. (a) : आर्सेन ड्यूमॉन्ट ने सामाजिक उत्थानशीलता के रूप में जनन क्षमता के अध्ययन के लिए समाजशास्त्रीय व्याख्यायें दी हैं।

95. महिलाएं उन्हें जन्में जीवित बच्चों की संख्या के अनुसार वर्गीकृत की जाती हैं। इसे किस रूप में संदर्भित किया जाता है?

(a) जन्म क्रम (b) जनन क्षमता
(c) परिवार का आकार (d) समता

Ans. (d) : समता का अर्थ संतुलन अथवा बराबरी से है। जब महिलायें जिन्हें जन्में जीवित बच्चों की संख्या के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है तो यह समता को संदर्भित करता है।

96. 2011 की यू.एन.डी.पी. की मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार 'लैंगिक असमानता सूचकांक' की दृष्टि से दुनिया के 187 देशों में से भारत का कौन-सा स्थान है?

(a) 100 (b) 132
(c) 145 (d) 157

Ans. (b) 2011 की यू.एन.डी.पी. की मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार 'लैंगिक असमानता सूचकांक' की दृष्टि से दुनिया के 187 देशों में से भारत का 132वाँ स्थान है

97. सूची-I को सूची-II को सुमेलित करें।

सूची-I (पुस्तक)	सूची-II (लेखक)
(A) स्टेईन एलाइव : वीमेन, इकोलोजी एण्ड सरवाइवल इन इंडिया	(i) गेल ओमवेट
(B) विलेज, क्रास्ट, जेंडर एण्ड मेथड : एसेज इन इंडियन सोशल एंथ्रोपोलॉजी	(ii) वंदना शिवा
(C) वायलेंस अगेन्स्ट वीमेनः न्यू मूवमेंट्स एण्ड न्यू थ्योरीज इन इंडिया	(iii) मार्था ए. चेन
(D) परपीचूअल मूर्निगः विडोहुड इन रूरल इंडिया	(iv) एम.एन. श्रीनिवास

नीचे किए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें :

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(d)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

Ans. (c) सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(पुस्तक)	(लेखक)
स्टेईन एलाइव : वीमेन इकोलॉजी एण्ड सर्वाइवल इन इंडिया	- वंदना शिवा
विलेज, कास्ट, जेंडर एण्ड मेथड : एसेज इन इंडियन सोशल एंथ्रोपोलॉजी	- एम.एन. श्रीनिवास
वायलेंस अगेन्स्ट वीमेनः न्यू मूवमेंट्स एण्ड न्यू थ्योरीज इन इंडिया	- गेल ओमवेट
परपीचूअल मूर्निगः विडोहुड इन रूरल इंडिया	- मार्था ए. चेन

98. 'जननी सुरक्षा योजना' भारत सरकार की योजना है। इसका किस उद्देश्य के साथ शुभारंभ किया गया था?

(a) मातृ एवं नवजात शिशुओं की मृत्यु दर में कमी लाना।
(b) लड़कियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार लाना और उनकी विरत (ड्रॉप-आउट) दरों में कमी लाना।
(c) लड़कियों को खेल एवं बाह्य कार्यकलापों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।
(d) लड़कियों के पोषणपरक अंतर्ग्रहण और उनके समग्र स्वास्थ्य में सुधार लाना।

Ans. (a) : जननी सुरक्षा योजना भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रायोजित योजना है जिसका प्रारम्भ 12 अप्रैल, 2005 में किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य मातृ एवं नवजात शिशुओं की मृत्यु दर में कमी लाना है।

99. कौन-सा नारीवादी सिद्धान्त इस विश्वास के द्वारा अभिलक्षित होता है कि पितृतंत्र महिलाओं के उत्पीड़न का प्रमुख एवं सार्वदेशिक कारण है?

(a) समाजवादी नारीवाद (b) उदारवादी नारीवाद
(c) सांस्कृतिक नारीवाद (d) क्रांतिकारी नारीवाद

Ans. (d) : क्रांतिकारी नारीवाद सिद्धान्त इस विश्वास के द्वारा अभिलक्षित होता है कि पितृतंत्र महिलाओं के उत्पीड़न का प्रमुख एवं सार्वदेशिक कारण है। नारीवाद की मोटे रूप में तीन रूपों में व्याख्या की गयी है यथा उदारवादी, मार्क्सवादी तथा रेडिकल (क्रान्तिकारी)। रेडिकल परिप्रेक्ष्य के अनुसार लिंग असमानता न तो अज्ञान तथा स्वतंत्रता के अभाव के कारण है और न ही पूँजीवाद के कारण है, अपितु यह तो पुरुषों द्वारा स्त्रियों पर प्रभुत्व नियंत्रण और शोषण के उनके सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल है।

100. भाषाई विविधता का क्या अर्थ है?

(a) अधिक लोगों का एक भाषा में बोलना।
(b) अधिक लोगों का दो भाषाओं में बोलना।
(c) लोगों द्वारा बोली जाने वाली अनेक भाषाएं।
(d) विभिन्न देशों की भाषाएं।

Ans. (c) : भाषाई विविधता का अर्थ लोगों द्वारा बोली जाने वाली अनेक भाषायें हैं। भारत दुनिया के उन अनूठे देशों में से एक है जहाँ भाषाओं में विविधता की विरासत है। भारत के संविधान ने 22 आधिकारिक भाषाओं को मान्यता दी है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी नेट/जेआरएफ पुनर्परीक्षा, जुलाई-2018

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल [परीक्षा तिथि : 22 July 2018]

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **सौ (100)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

1. निम्नलिखित में से किसने वस्तुपरक समाज विज्ञान को नकारा और माना कि सिद्धांत को समाजवादी व्यवहार से अलग नहीं किया जा सकता?

(a) फ्रैडरिक एन्जेल्स (b) कार्ल मार्क्स
(c) लुई अल्थूजर (d) मिशेल फूको

Ans. (b) : कार्ल मार्क्स 'क्रान्तिकारी साम्यवाद' और समाज में विशेषतः 'ऐतिहासिक भौतिकवाद' के अपने सिद्धान्त के लिए जाने जाते हैं। इन्होंने वस्तुपरक समाज विज्ञान को नकारा और माना कि सिद्धान्त को समाजवादी व्यवहार से अलग नहीं किया जा सकता।

2. वह व्यवस्था जो व्यक्तियों के व्यवहार को उनके आदेशक चरित्र के माध्यम से क्रमबद्ध और संरचित करती है, उसे किस शब्द रूप में निरूपित किया गया है?

(a) एक संस्था (b) एक सामाजिक संरचना
(c) एक सामाजिक व्यवस्था (d) एक संस्कृति

Ans. (a) : वह व्यवस्था जो व्यक्तियों के व्यवहार को उनके आदेशक चरित्र के माध्यम से क्रमबद्ध और संरचित करती है, उसे एक संस्था के रूप में निरूपित किया गया है। संस्था व्यक्तियों एक समूहों के बीच सम्बन्धों को नियन्त्रित करने वाले नियमाचारों तथा कार्यविधियों का एक स्थाई एवं स्वीकृत प्रतिमान होती है। इस अर्थ में, एक संस्था एक प्रकार की महा प्रथा (सुपर कस्टम) है जिसमें अनेक जनरीतियों, रुढ़ियों और व्यवहार के प्रतिमान होते हैं जो प्रमुख सामाजिक हितों की रक्षा करते हैं। परिवार, धर्म, राज्य, कानून आदि इसके कुछ उदाहरण है।

3. व्यवहार के संगठित रूपों और उनकी पुनरावृत्ति को किस रूप में जाना जाता है?

(a) प्रथा (b) मूल्य
(c) संस्कृति (d) सांस्कृतिक पश्चता

Ans. (a) : व्यवहार के संगठित रूपों और उनकी पुनरावृत्ति को प्रथा के रूप में जाना जाता है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चले आ रहे सामाजिक मान्यता प्राप्त सोचने-विचारने और व्यवहार करने के ढंग को प्रथा कहते हैं। यह व्यवहार पारम्परिक होता है। सामाजिक अस्वीकृति के कारण इस प्रकार के व्यवहार का उल्लंघन करना प्रायः अनुचित माना जाता है।

4. निम्नलिखित में से किसने संस्कृति को तत्त्वतः मानवीय समाज के प्रति एक अनुक्रिया के रूप में माना है?

(a) रेडफील्ड (b) रेडक्लिफ-ब्रॉउन
(c) मैलिनोवस्की (d) हर्सकोविट्स

Ans. (c) : मैलिनोवस्की ने संस्कृति को तत्वतः मानवीय समाज के प्रति एक अनुक्रिया के रूप में माना है। वे प्रकार्यवादी सिद्धान्त के प्रणेताओं में से रहे हैं। उनके इस सिद्धान्त की अभिव्यक्ति स्पष्टतः हमें उनकी कृति 'संस्कृति एक वैज्ञानिक सिद्धान्त' में देखने को मिलती है। उनके अनुसार, 'समस्त मानव संस्कृति का कार्य मूलतः मानव की मौलिक एवं आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। सभी सांस्कृतिक तत्व किसी न किसी रूप में किसी समाज में व्यक्ति की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

5. समिति के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा सही नहीं है?

(a) लोगों का एक समूह
(b) लोगों को अवश्यतया संगठित होना चाहिए
(c) उनके पास अनुशीलन करने के लिए एक विशिष्ट प्रकृति का एक सामान्य प्रयोजन अवश्य होना चाहिए
(d) समिति में आवश्यक रूप से अंतःनिर्मित प्रयोजन होता है

Ans. (d) : एक ऐसे समूह को समिति कहते हैं जिसकी रचना जानबूझकर किन्ही विशिष्ट उद्देश्यों या क्रियाओं को पूरा करने के लिए की जाती है। समिति का निर्माण हितों की तार्किक साझा स्वीकृति के आधार पर होता है। इस प्रकार समूहों की सदस्यता ऐच्छिक होती है। समितियाँ सनातन नहीं होतीं, अपितु उद्देश्यों की पूर्ति के साथ ही प्रायः समाप्त हो जाती हैं। विकल्प (d) समिति के सम्बंध में सही नहीं है।

Source : 'Advanced Encyclopedia of Sociology'

6. किसने 'प्रस्थिति और भूमिका' की अवधारणाओं का प्रतिपादन किया है?

(a) आर.के. मर्टन (b) मैक्स वेबर
(c) आर. लिन्टन (d) हेनरी मेन

Ans. (c) : आर. लिन्टन ने 'प्रस्थिति एवं भूमिका' की अवधारणाओं का प्रतिपादन किया है।

सर्वप्रथम लिंटन ने अपनी पुस्तक 'The study of Man' (1936) में इसका उल्लेख किया है। सामाजिक व्यवस्था के अन्तर्गत किसी व्यक्ति को एक समय विशेष में जो स्थान प्राप्त होता है उसी को उस व्यक्ति की एक सामाजिक प्रस्थिति कहा जाता है। जबकि भूमिका के अन्तर्गत उन सभी अभिवृत्तियों, सामाजिक मूल्यों और व्यवहारों को सम्मिलित करते हैं जो किसी विशेष प्रस्थिति से सम्बन्धित व्यक्ति या व्यक्तियों को समाज द्वारा प्रदान किया जाता है।

7. एक मेडिकल छात्र एम.बी.बी.एस. उत्तीर्ण करता हैं। फिर वह रेजीडेंट डॉक्टर बन जाता है। तदुपरांत वह एम.एस. (मास्टर ऑफ सर्जरी) बनता है और अंत में

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

एक पूल ऑफिसर। एक व्यक्ति द्वारा अर्जित की गई ये प्रस्थितियाँ एक साथ मिलकर क्या कही जाती हैं?

(a) अनेक प्रस्थितियाँ (b) बहुल भूमिकाएँ
(c) बहुल प्रस्थितियाँ (d) प्रस्थिति अनुक्रम

Ans. (d) : प्रस्थिति अनुक्रम की अवधारणा आर. के. मर्टन ने दी है। एक व्यक्ति द्वारा उत्तरोत्तर अनुक्रम में धारण की गयी प्रस्थितियों को प्रस्थिति अनुक्रम कहते हैं।

8. सामाजिक भूमिका क्या है?

(i) प्रस्थिति का गतिशील पहलू
(ii) एक प्रस्थिति का कार्य-निष्पादन
(iii) एक व्यक्ति की प्रस्थिति से जुड़े कुछ कार्यकलाप
(iv) प्रस्थिति का अधिभोग करने के नाते अपेक्षित कार्रवाइयाँ

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i), (ii) और (iii) (b) (ii), (iii) और (iv)
(c) (i), (iii) और (iv) (d) (i), (ii) और (iv)

Ans. (d) : प्रस्थिति का गतिशील पहलू, एक प्रस्थिति का कार्य निष्पादन तथा प्रस्थिति का अधिभोग करने के नाते अपेक्षित कार्रवाईयाँ सामाजिक भूमिका है। किसी विशिष्ट समूह अथवा सामाजिक स्थिति में किसी विशिष्ट पद-प्रस्थिति के साथ जुड़े हुए तथा किन्हीं विशिष्ट दायित्वों एवं अधिकारों में आबद्ध व्यवहार प्रतिमान को भूमिका कहते हैं। सरल शब्दों में, भूमिका किसी एक सामाजिक प्रस्थिति के साथ जुड़े हुए विचारों का एक ऐसा समूह है जो किसी दूसरे की पद-प्रस्थिति के साथ उसके सम्बंधों को परिभाषित करता है। इन विचारों में भूमिका से जुड़े हुए विश्वास, मूल्य मानदण्ड और मनोवृत्तियाँ सभी सम्मिलित होती हैं।

9. किसने सुझाया है कि प्रस्थिति में असंगतियाँ, विशेषकर जब वे गंभीर हों, राजनीतिक आमूल परिवर्तनवाद से जुड़ी होती हैं?

(a) मर्टन (b) लिन्टन
(c) लेन्स्की (d) वेबर

Ans. (c) : लेंस्की के अनुसार, प्रस्थिति में असंगतियाँ, विशेषकर जब वे गंभीर हों, राजनीतिक आमूल परिवर्तनवाद से जुड़ी होती हैं। एक समाज वैज्ञानिक की दृष्टि में प्रस्थिति वह सामाजिक पद है जो इसके धारक के व्यक्तिगत गुणों अथवा सामाजिक सेवाओं के अतिरिक्त उसके आदर, प्रतिष्ठा, प्रभाव, अधिकार एवं कर्तव्य की सीमाओं का निर्धारण करता है।

10. किसका यह मत था कि समूह का आकार, समजातीयता और संपृथकन समूह के व्यवहार पर प्रभाव डालते हैं?

(a) पीटर एम. ब्लाऊ (b) किंग्सले डेविस
(c) आर.के. मर्टन (d) जी.सी. होमन्स

Ans. (d) : अमेरिकी समाजशास्त्र होमंस मुख्यतः अपने विनिमय सिद्धान्त, लघु समूहों के अध्ययन और सामाजिक जीवन की प्रकृति सम्बंधी अपने विचारों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी पुस्तक 'The Human Group' में व्यक्त किया है कि समूह का आकार, समजातीय और संपृथकन समूह के व्यवहार पर प्रभाव डालते हैं।

11. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए।

सूची I (विचारक)	सूची II (समूहों का वर्गीकरण)
(A) कूले	(i) गेमेनशाफ्ट
(B) टॉनीज़	(ii) प्राथमिक एवं द्वितीयक
(C) पार्क एव बर्गेस	(iii) आनुवंशिक एवं समागम
(D) गिड्डिंग्स	(iv) प्रादेशिक एवं अपादेशिक
	(v) सकारात्मक एवं नकारात्मक

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iii)	(ii)	(v)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(d)	(iv)	(iii)	(v)	(i)

Ans. (c) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(विचारक)	(समूहों का वर्गीकरण)
कूले	–प्राथमिक एवं द्वितीयक
टॉनीज़	–गेमेनशाफ्ट
पार्क एव बर्गेस	–प्रादेशिक एवं अपादेशिक
गिड्डिंग्स	–आनुवंशिक एवं समागम

12. निम्नलिखित में से कौन 'दी लिटिल कम्युनिटी' के लेखक हैं?

(a) एच.एस. मेन (b) एस.सी. दुबे
(c) मैकिम मैरियट (d) आर. रेडफील्ड

Ans. (d) : रॉबर्ट रेडफील्ड ने मैक्सिको के गाँवों का अध्ययन करके 'The Little Community' नामक पुस्तक लिखी जिसमें उन्होंने ग्रामीण समुदाय को 'लघु समुदाय' कहा।

13. किसने जादू और धर्म के बीच विभेद किया?

(a) आगस्त कॉम्त (b) मैक्स वेबर
(c) जे.जी. फ्रेज़र (d) ए.आर. रेडक्लिफ-ब्रॉउन

Ans. (c) : जॉर्ज फ्रेजर ने अपनी पुस्तक 'द गोल्डन बाउ' में जादू और धर्म के बीच विभेद किया है। फ्रेजर के अनुसार ज्ञान का विकास पहले जादू, बाद में धर्म और इसके बाद में विज्ञान के क्रम में हुआ है।

14. निम्नलिखित में से कौन-से समाजीकरण के अभिकरण हैं?

(i) परिवार (ii) समसमूह
(iii) विद्यालय (iv) भीड़

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i), (ii) और (iii) (b) (ii), (iii) और (iv)
(c) (i), (iii) और (iv) (d) (i), (ii) और (iv)

Ans. (a) : समाजीकरण तीन प्रक्रियाओं यथा सहसंस्कृतीकरण, मनोवेग नियोजन और भूमिका प्रशिक्षण के मेल से बनी एक अवधारणा है। समाजीकरण एक सामाजिक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

जिसके द्वारा हम समाज में रहना और उसके सक्रिय सदस्य बनना सीखते हैं। इस प्रक्रिया में समाज के मानदण्डों एवं मूल्यों के साथ-साथ अपनी सामाजिक भूमिकाओं (पति/पत्नी, माता/पिता, मित्र, नागरिक आदि) के सम्पादन करने की कला सीखने सम्बंधी दोनों बातें सम्मिलित होती हैं। परिवार, समुदाय, समसमूह और शिक्षण संस्था का सामाजिक सीख की इस प्रक्रिया में विशेष भूमिका होती है।

15. वे अधिक सामान्य प्रक्रियाएँ, जिनके द्वारा संस्कृति वयस्क समसमूह और संचार आदि के माध्यम से संचरित होती हैं, किस नाम से जानी जाती हैं?

(a) प्राथमिक समाजीकरण (b) द्वितीयक समाजीकरण
(c) पुनर्समाजीकरण (d) वि-समाजीकरण

Ans. (b) : वे अधिक सामान्य प्रक्रियाएँ, जिनके द्वारा संस्कृति वयस्क समसमूह और संचार आदि के माध्यम से संचरित होती हैं, द्वितीयक समाजीकरण के नाम से जानी जाती हैं। प्राथमिक समाजीकरण परिवार, मित्र समूह, पड़ोस, नातेदारी व आरम्भिक स्कूली शिक्षा के माध्यम से होता है, जो व्यक्ति के मूल्यों एवं जीवन पर सामान्य परिप्रेक्ष्य निर्धारित करता है।

16. समाजीकरण के अपने सिद्धांत में किसने सामाजिक कौशलों और भाषाई संचार के विकास पर ध्यान केन्द्रित किया है जिनके माध्यम से सामाजिक और भौतिक परिवेश का निर्वचन किया जाता है?

(a) बर्नस्टीन (b) पियाज़े
(c) फ्रॉयड (d) दुर्खाईम

Ans. (a) : बेसिल बर्नस्टीन ने अपनी पुस्तक Class, Codes and Control' में समाजीकरण के अपने सिद्धान्त में सामाजिक कौशलों और भाषाई संचार के विकास पर ध्यान केन्द्रित किया है जिनके माध्यम से सामाजिक और भौतिक परिवेश का निर्वचन किया जाता है।

17. समाजीकरण के संदर्भ में सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए।

सूची I (अवधारणाएँ)	सूची II (समाजशास्त्री)
(A) संज्ञानात्मक विकास	(i) फ्रॉयड
(B) नैतिक एवं व्यक्तिगत पहचान का उपार्जन	(ii) दुर्खीम
(C) आत्म संकल्पना एवं सामाजिक अस्मिता	(iii) पियाज़े
(D) नैतिक श्रेणियों का आभ्यंतरीकरण	(iv) वेबर
	(v) मीड

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(c)	(iii)	(i)	(v)	(ii)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

Ans. (c) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(अवधारणाएँ)		(समाजशास्त्री)
संज्ञानात्मक विकास	–	पियाजे
नैतिक एवं व्यक्तिगत पहचान का उपार्जन	–	फ्रॉयड
आत्म संकल्पना एवं सामाजिक अस्मिता	–	मीड
नैतिक श्रेणियों का आभ्यंतरीकरण	–	दुर्खीम

18. निम्नलिखित में से किसने कहा है कि बाज़ार स्थिति वर्ग रचना का एक महत्वपूर्ण स्रोत है?

(a) मार्क्स (b) वेबर
(c) ट्यूमिन (d) अल्थुसर

Ans. (b) : मैक्स वेबर ने कहा है कि बाजार स्थिति वर्ग रचना का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। वेबर के अनुसार उत्पादन के साधनों के साथ व्यक्तियों के सम्बंधों के आधार पर वर्ग को परिभाषित नहीं किया जा सकता जैसा कि मार्क्स ने किया है। मार्क्स ने उत्पादन के आधार पर बुर्जुआ (पूँजीवादी) तथा सर्वहारा (कामगार) वर्गों का निर्धारण किया है। वेबर ने इसके विपरीत, वर्गों के निर्धारण में बाजार में साझा पद प्रस्थिति को महत्व दिया है।

19. निम्नलिखित में से किसने कहा है कि सामाजिक गतिशीलता के संदर्भ में सभी समाजों में 'चयन अभिकरण' होते हैं?

(a) पी.एम. ब्लाऊ (b) एस.एम. मिलर
(c) आर. बेंडिक्स (d) पी.ए. सोरोकिन

Ans. (d) : पी.ए. सोरोकिन ने अपनी पुस्तक सामाजिक गतिशीलता (Social Mobility) में कहा है कि सामाजिक गतिशीलता के सन्दर्भ में सभी समाजों में 'चयन अभिकरण' होते हैं।

20. निम्नलिखित में से किसका यह कहना है कि "सबसे महत्वपूर्ण स्थान सबसे योग्यता-प्राप्त व्यक्तियों द्वारा भरे जाते हैं?"

(a) ट्यूमिन (b) बेंडिक्स एवं लिपसेट
(c) डेविस एवं मूरे (d) लेन्सकी

Ans. (c) : डेविस एवं मूरे ने अपनी पुस्तक "Some Principles of Stratification' में लिखा है कि सबसे महत्वपूर्ण स्थान सबसे योग्यता-प्राप्त व्यक्तियों द्वारा भरे जाते हैं।

21. निम्नलिखित में से किसने तर्क दिया है कि "सामाजिक गतिशीलता प्रतिभा को बढ़ावा देती है और एक सुरक्षा कवच के रूप में काम करती है"?

(a) बेंडिक्स (b) लिपसेट
(c) ट्यूमिन (d) सोरोकिन

Ans. (d) : सोरोकिन ने तर्क दिया है कि "सामाजिक गतिशीलता प्रतिभा को बढ़ावा देती है और एक सुरक्षा कवच के रूप में काम करती है।" इनका प्रमुख योगदान सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक गतिशीलता के क्षेत्र में रहा है। उन्होंने अपनी पुस्तक 'सामाजिक गतिशीलता' (Social mobility) में शीर्ष और क्षैतिज गतिशीलता की प्रकृति, कारणों एवं परिणामों विस्तृत विश्लेषण किया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

22. किसने कहा है कि सामाजिक रूपांतरण की अवधि में मानवीय इतिहास ने 21 संस्कृतियों को देखा है जो सभी समाजों में बारम्बार घटित हुए हैं?

(a) ओसवाल्ड स्पेंगलर (b) अरनॉल्ड टॉयनबी
(c) पिट्रिम सोरोकिन (d) हर्बर्ट स्पेंसर

Ans. (b) : अरनॉल्ड टॉयनबी ने कहा है कि सामाजिक रुपान्तरण की अवधि में मानवीय इतिहास ने 21 संस्कृतियों को देखा है जो सभी समाजों में बारम्बार घटित हुए हैं।

23. किसने तर्क दिया है कि संस्कृतीकरण प्रक्रिया ने 'पवित्र' दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया है और पाश्चात्यीकरण प्रक्रिया ने धर्मनरिपेक्ष दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया है?

(a) योगेन्द्र सिंह (b) एम.एस.ए. राव
(c) एस.सी. दुबे (d) एम.एन. श्रीनिवास

Ans. (d) : संस्कृतीकरण, प्रभु जाति, पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण, लौकिकीकरण, फैलाव के प्रतिपादक एम.एन. श्रीनिवास का तर्क है कि संस्कृतीकरण प्रक्रिया ने 'पवित्र' दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया है और पाश्चात्यीकरण प्रक्रिया ने धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया है।

24. निम्नलिखित में से किसने डार्विनवादी मत को स्वीकार किया कि प्राकृतिक चयन की प्रक्रिया, ''योग्यतम की उत्तरजीविता'', सामाजिक जगत में घटित हुई?

(a) हर्बर्ट स्पेंसर (b) आगस्त कॉम्त
(c) इमाईल दुर्खाईम (d) कार्ल मार्क्स

Ans. (a) : स्पेंसर डार्विनवाद से प्रभावित होकर मानव समाज की एक ऐसे जीवित, निरंतर बढ़ते हुए सावयव (जीव) के रूप में व्याख्या की जो धीरे-धीरे सरल से एक जटिल व्यवस्था का रूप ले लेता है। अपनी जटिल व्यवस्था को बनाये रखने के लिए इसमें संसाधनों के लिए अत्यधिक प्रतिस्पर्धा उत्पन्न हो जाती है। जिसे स्पेंसर ने 'योग्यतम की उत्तरजीविता' का नाम दिया।

25. निम्नलिखित में से किसने कहा है कि रूपांतरण की प्रक्रिया की अवधि में समाज तीन चरणों-ईश्वरपरक, तत्त्वमीमांसा और प्रत्यक्षवादिता-के माध्यम से गुज़रा है?

(a) हर्बर्ट स्पेंसर (b) इमाईल दुर्खाईम
(c) आगस्ट कॉम्त (d) जॉर्ज सिमेल

Ans. (c) : प्रत्यक्षवाद (पॉजिटिविज्म) और 'प्रत्यक्षवादी दर्शन' के जन्मदाता ऑगस्त कॉम्ट को 'समाजशास्त्र का पिता' कहा जाता है। कॉम्ट का सामाजिक विज्ञानों को प्रमुख योगदान उनका 'मानव प्रगति का नियम' है जो ज्ञान के विकास पर आधारित है। इस नियम के अनुसार यह माना जाता है कि हमारे प्रत्येक अग्रणी विचार, हमारे ज्ञान की प्रत्येक शाखा, हमारा समस्त मानवीय बौद्धिक विकास तीन विभिन्न सैद्धान्तिक स्तरों के क्रमिक रूप से गुजरता है। ये तीन स्तर– 1. धर्मशास्त्रीय या काल्पनिक, 2. तत्वमीमांसीय या अमूर्त तथा 3. प्रत्यक्षात्मक या वैज्ञानिक हैं।

26. संरचनावाद की सबसे उल्लेखनीय विशेषता यह है कि यह मानवीय समाज में सार्वभौम तत्वों की खोज करने का प्रयास करता है। सोच के इस प्रकार में लेवी-स्ट्रॉस द्वारा किस तत्व पर जोर दिया गया है?

(a) मानवीय मन स्वयं ही (b) मानवीय संबंधों
(c) मनोवैज्ञानिक अपचयन (d) मानवीय उद्विकास

Ans. (a) : मानव मस्तिष्क (Human Mind) कैसे कार्य करता है, इस सम्बन्ध में लेवी स्ट्रॉस ने नृजातीय तथ्यों के आधार पर जिस सिद्धान्त की रचना की है, उसे ही 'संरचनावाद' का नाम दिया गया है। उनके अनुसार, मानव का मस्तिष्क जगत को दो विरोधी युग्मों में संगठित करता है और इसी प्रारम्भिक बिन्दु से सुसंगत सम्बंधों की व्यवस्थाओं का विकास होता है। ये विचार ही उनके 'द्विभाजी विपरीतता' (बाइनरी ऑपजिशन) के सिद्धान्त का आधार बने हैं। स्ट्रॉस की संरचनावाद की जड़ें मानव चिंतन की प्रक्रियाओं (मानसिक संरचनाओं) में गड़ी हैं।

27. किसका यह अभिमत है कि सामाजिक संरचना मूलतः 'व्यक्ति से व्यक्ति' के संबंधों के द्वारा विरचित होती है?

(a) ए.आर. रेडक्लिफ-ब्रॉउन (b) एस.एफ. नाडेल
(c) सी. लेवी-स्ट्रॉस (d) जी.पी. मर्डोक

Ans. (a) : रेडक्लिफ ब्राउन ने अपनी पुस्तक 'Structure and Function in Primitine Society' में लिखा है कि सामाजिक संरचना मूलतः 'व्यक्ति से व्यक्ति' के सम्बंधों के द्वारा विरचित होती है।

28. किसने यह तर्क दिया है कि मानवीय समाज का सैद्धांतिक विज्ञान, प्राकृतिक विज्ञान की तरह ही संभव है?

(a) ए.आर. रेडक्लिफ-ब्रॉउन (b) इवांस-प्रिचार्ड
(c) ए.एम. कार्र-सौंडर्स (d) एच.ए. होजेज़

Ans. (a) : बी. मैलिनोवस्की के समकालीन सुप्रसिद्ध ब्रिटिश मानवशास्त्री रेडक्लिफ-ब्राउन सामाजिक मानवशास्त्र के प्रमुख संस्थापकों में से रहे हैं। इन्होंने अपनी पुस्तक Method in Social Anthropology' (1958) में लिखा है कि मानवीय समाज का सैद्धान्तिक विज्ञान, प्राकृतिक विज्ञान की तरह ही सम्भव है।

29. निम्नलिखित में से किसने तर्क दिया कि संस्कृति समग्र रूप में समाज की तुलना में व्यक्तियों की आवश्यकताओं की पूर्ति अधिक करती है?

(a) मैलिनोवस्की (b) रेडक्लिफ-ब्रॉउन
(c) दुर्खाईम (d) ऑगबर्न

Ans. (a) : मैलिनोवस्की ने तर्क दिया कि संस्कृति समग्र रूप में समाज की तुलना में व्यक्तियों की आवश्यकताओं की पूर्ति अधिक करती है। वे प्रकार्यवादी सिद्धान्त के प्रणेताओं में से एक रहे हैं। उनके इस सिद्धान्त की अभिव्यक्ति स्पष्टतः हमें उनकी पुस्तक 'A Scientific Theory of Culture' (1944) में देखने को मिलती है। उनके अनुसार, समस्त मानव संस्कृति का कार्य मूलतः मानव की मौलिक एवं आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। सभी सांस्कृतिक तत्व किसी न किसी रूप में किसी समाज में व्यक्ति की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

30. दुर्खाईम के अनुसार एक दिए गए समाज में कई प्रकार के सामाजिक तथ्य हैं लेकिन वे अपने आप को प्रतीकात्मक रूपों में नहीं प्रस्तुत करते हैं। उनके लिए दुर्खाईम ने किस पद (शब्द) का उपयोग किया?

(a) विकृत स्थिति (b) सामाजिक धाराएँ
(c) सामूहिक चेतना (d) गतिशील घनत्व

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : सामाजिक तथ्य विचारने, अनुभव करने और व्यवहार करने के वे तरीके हैं जो व्यक्ति के अस्तित्व के परे होते हैं तथा जिनमें बाध्यता या दबाव की शक्ति होती है जिसके द्वारा वे व्यक्ति पर नियंत्रण स्थापित करते हैं। दुर्खीम ने उन सामाजिक तथ्यों को सामाजिक धारायें कहा है जो अपने आप को प्रतीकात्मक रूपों में नहीं प्रस्तुत करते हैं।

31. निम्नलिखित में से किसका प्रकार्यात्मक सिद्धान्त सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यक्तित्व व्यवस्थाओं पर आधारित है?

(a) मर्टन (b) सिमेल
(c) एलेक्जेंडर (d) पार्सन्स

Ans. (d) : पार्सन्स ने अपनी पुस्तक ने अपनी पुस्तक 'The Structure of Social Action' में सामाजिक व्यवस्था के अतिरिक्त तीन अन्य व्यवस्थाओं की भी उपस्थिति दर्ज की है। ये व्यवस्थायें हैं–(i) व्यक्तित्व व्यवस्था (स्वयं कर्ता) (ii) सांस्कृतिक व्यवस्था (प्रस्थिति और भूमिका से जुड़े मानदण्ड जो मूल्यों को सुसंगत बनाते हैं) तथा (iii) भौतिक पर्यावरण (सामाजिक व्यवस्था) जिसके साथ समाज को समायोजन करना होता है।

32. निम्नलिखित में से किसने यह कहा है कि कोई वस्तु जिसका संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक विश्लेषण किया जा सकता है, उसे "एक मानकीकृत (प्रतिरूपित एवं पुनरावृत्तिक) मद (आइटम) का अवश्य निरूपण" करना चाहिए?

(a) टी. पार्सन्स (b) आर.के. मर्टन
(c) ई. दुर्खाईम (d) जेफ्री सी. एलेक्जेंडर

Ans. (b) : राबर्ट के. मर्टन का मानना है कि कोई वस्तु जिसका संरचनात्मक प्रकार्यात्मक विश्लेषण किया जा सकता है, उसे "एक मानकीकृत (प्रतिरुपित एवं पुनरावृत्तिक) मद (आइटम) का अवश्य निरुपण" करना चाहिए। मर्टन ने प्रकार्यात्मक विश्लेषण के सन्दर्भ में निम्न चार अवधारणाओं को विकसित किया है– प्रकार्य, अकार्य, प्रकट प्रकार्य तथा अन्तर्हित प्रकार्य।

33. प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद एक ऐसा समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य है जो किस पर जोर देता है?

(a) सामाजिक और ग़ैर-सामाजिक सत्वों के बीच अंतःक्रियाएँ
(b) बृहत्-स्तरीय सामाजिक अंतःक्रिया
(c) सूक्ष्म-स्तरीय सामाजिक अंतःक्रिया
(d) मध्य श्रेणी स्तर पर अंतःक्रियाएँ

Ans. (c) : प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद (Symbolic Interactionism) शब्द की रचना हर्बर्ट ब्लूमर ने की है। इस सिद्धान्त के चार प्रमुख आधार हैं–1. मानव प्राणी विशिष्ट रूप में संकेत प्रयोगकर्ता प्राणी है। 2. अन्तःक्रियावादी सामाजिक विश्व को गतिशील और एक द्वन्द्वात्मक तानाबाना मानते हैं। 3. अन्तःक्रियावादी सामाजिक विश्व की अन्तःक्रियात्मक प्रकृति पर बल देते हैं। 4. अन्तर्कियावादी प्रतीकों के पीछे छुपी हुई प्रक्रियाओं और अन्तःक्रियाओं की खोज करते हैं ताकि वे सामाजिक जीवन के अन्तर्निहित प्रतिमानों और स्वरूपों का निर्धारण कर सकें। इससे स्पष्ट होता है कि प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद सूक्ष्म-स्तरीय सामाजिक अन्तःक्रिया पर जोर देता है।

34. निम्नलिखित मे से कौन-सा परेटो की तार्किक क्रिया पर लागू होता है?

(a) व्यक्तिनिष्ठ तार्किक क्रिया
(b) वस्तुनिष्ठ तार्किक क्रिया
(c) व्यक्तिनिष्ठ और वस्तुनिष्ठ तार्किक क्रियाएँ
(d) ऐसी क्रियाएँ जो कहीं नहीं ले जाती

Ans. (b) : परेटो ने अपने अध्ययन में समाज में पायी जाने वाली मानवीय क्रियाओं को दो भागों में वर्गीकृत क्रिया है–1. तार्किक क्रिया, 2. अतार्किक क्रिया परेटो के मतानुसार तार्किक क्रियाओं का आधार वस्तुनिष्ठ होता है जबकि अतार्किक क्रियाओं का आधार व्यक्तिनिष्ठ होता है।

35. कौन संघर्ष परिप्रेक्ष्य की व्याख्या करने में दूसरों के बृहत-संघर्ष सिद्धांत की तुलना में अधिक सूक्ष्म-उन्मुख दिशा में अनन्य रूप से आगे बढ़े?

(a) आर. कॉलिन्स (b) कार्ल मार्क्स
(c) एल.ए. कोज़र (d) आर. डैहरेनडॉर्फ

Ans. (a) : डेहरेनडार्फ के वृहत् स्तरीय संघर्ष सिद्धान्त की अपेक्षा कॉलिन्स का सिद्धान्त सूक्ष्म स्तरीय है फिर भी उन्होंने समाजशास्त्र के वृहत् स्तरीय उपागम की पूर्णतः अपेक्षा नहीं की है। उन्होंने संघर्ष को यद्यपि व्यक्तिगत दृष्टिकोण से देखा है, फिर भी उन्होंने इसकी समाजगत दृष्टि की उपेक्षा नहीं की है। वास्तव में कॉलिन्स ने अपने संघर्ष सिद्धान्त में सूक्ष्म और वृहत दोनों स्तरीय दृष्टियों का समन्वय करने का यत्न किया है।

36. किसका संघर्ष सिद्धान्त संघर्ष और परिवर्तन पर मार्क्सवादी अभिमतों की तुलना में संरचनात्मक-प्रकार्यवाद से अधिक मिलता है?

(a) एल.ए. कोज़र (b) आर. कॉलिन्स
(c) आर. डैहरेनडॉर्फ (d) जी. सिमेल

Ans. (c) : डेहरेनडॉर्फ का संघर्ष सिद्धांत और परिवर्तन पर मार्क्सवादी अभिमतों की तुलना में संरचनात्मक-प्रकार्यवाद से अधिक मिलता है क्योंकि उनके सिद्धान्त में मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य की अपेक्षा संरचनात्मक-प्रकार्यवाद सिद्धान्त के तत्व अधिक हैं। प्रणालियों-पदों तथा भूमिकाओं जैसे तत्वों पर जो डेहरेनडॉर्फ के सिद्धान्त में जोर दिया गया है, वह उन्हें संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक सिद्धान्त के साथ जोड़ता है।

37. कौन संरचनात्मक-प्रकार्यवादियों की आलोचना करते हैं और अपने दृष्टिकोण को आमूल परिवर्तनवादी सूक्ष्म-समाजशास्त्र निरूपित करते हैं?

(a) एल.ए. कोज़र (b) आर. कॉलिन्स
(c) ई. गॉफमैन (d) आर. डैहरेनडॉर्फ

Ans. (b) : आर. कॉलिन्स संरचनात्मक-प्रकार्यवादियों की आलोचना करते हैं तथा अपने दृष्टिकोण को आमूल परिवर्तनवादी सूक्ष्म समाजशास्त्र निरूपित करते हैं। कॉलिंस ने अपनी पुस्तक 'Conflict Sociology : Towards An Explanatory Science' (1975) में सूक्ष्म स्तरीय संघर्ष सिद्धान्त को स्पष्ट किया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

38. किसने समाजशास्त्र को 'अधिकतर पद्धतियों और अल्पतम परिणामों वाला विज्ञान' कहा है?

(a) इमाईल दुर्खाईम (b) हेनरी पोइनकेयरी
(c) टी.बी. बॉटोमोर (d) विलियम जे. गुडे

Ans. (b) : हेनरी पोइनकेयरी ने समाजशास्त्र को 'अधिकतर पद्धतियों और अल्पतम परिणामों वाला विज्ञान' कहा है।

39. ''सामाजिक परिघटना सामाजिक तथ्य होते हैं जिनमें विशिष्ट सामाजिक विशेषताएँ और निर्धारक होते हैं।'' यह कथन किसने दिया?

(a) मैक्स वेबर (b) आगस्ट काम्टे
(c) इमाईल दुर्खीम (d) हर्बर्ट स्पेंसर

Ans. (c) : दुर्खीम का कहना है कि, ''सामाजिक परिघटना सामाजिक तथ्य होते हैं जिनमें विशिष्ट सामाजिक विशेषताएँ और निर्धारक होते हैं।'' सामाजिक तथ्य विचारने, अनुभव करने और व्यवहार करने के वे तरीके हैं जो व्यक्ति के अस्तित्व के परे होते हैं तथा जिनमें बाध्यता या दबाव की शक्ति होती है जिसके द्वारा वे व्यक्ति पर नियंत्रण स्थापित करते हैं।

40. किसने कहा है, ''सामाजिक सिद्धान्त तब सर्वश्रेष्ठ तरीके से फलता-फूलता और जीवित बना रहता है जब वह आनुभविक अनुसंधान और/या सार्वजनिक मुद्दों से जुड़ा हुआ हो''?

(a) टर्नर ब्रायन (b) ए.आर. रेडक्लिफ-ब्रॉउन
(c) टॉलकॉट पार्सन्स (d) बी. मैलिनॉवस्की

Ans. (a) : टर्नर ब्रायन ने कहा है, ''सामाजिक सिद्धान्त तब सर्वश्रेष्ठ तरीके से फलता-फूलता और जीवित बना रहता है जब वह आनुभविक अनुसंधान और/या सार्वजनिक मुद्दों से जुड़ा हुआ हो।''

41. शास्त्रार्थमीमांसा (हरमैन्युटिक्स) किससे संबंधित है?

(a) समाजशास्त्रीय शोध का आनुभविक आधार
(b) समाजशास्त्रीय शोध का दर्शनशास्त्रीय आधार
(c) समाजशास्त्रीय शोध का सांख्यिकीय आधार
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : किसी वैचारिक संरचना या पाठ के अर्थों के विवादात्मक विवेचन को भाष्य विज्ञान (शास्त्रार्थ मीमांसा) कहते हैं। संक्षेप में भाष्य विज्ञान का अर्थ निर्णय या व्याख्या का विज्ञान है। यह समाजशास्त्रीय शोध का दर्शनशास्त्रीय आधार है।

42. ऐसे उत्तरदाताओं की पहचान करना जो तदनन्तर शोधवेत्ता को अन्य उत्तरदाताओं के पास भेजते हैं और सापेक्ष रूप से अदृश्य एवं अति-संवेदनशील सामाजिक समूहों तक पहुँचने का एक साधन उपलब्ध कराते हैं, इसे किस रूप में जाना जाता है?

(a) निर्णित निदर्शन (b) सोद्देश्य निदर्शन
(c) हिम गेंद (स्नोबॉल) निदर्शन (d) सुविधानुसार निदर्शन

Ans. (c) : ऐसे उत्तरदाताओं की पहचान करना जो तदनन्तर शोधवेत्ता को अन्य उत्तरदाताओं के पास भेजते हैं और सापेक्ष रूप से अदृश्य एवं अति-संवेदनशील सामाजिक समूहों तक पहुँचने का एक साधन उपलब्ध कराते हैं, इसे हिम गेंद (स्नोबॉल) निदर्शन के रूप में जाना जाता है। इस विधि में शोधकर्त्ता सर्वप्रथम उन व्यक्तियों से साक्षात्कार शुरू करता है जिनसे वह परिचित होता है और जिनके पास विषय से सम्बंधित कुछ जानकारी होती है। ऐसे व्यक्तियों से सम्पर्क स्थापित करने के बाद सूचनादाता कुछ अन्य व्यक्तियों के नाम बता सकते हैं जिनके पास उक्त विषय की अधिक जानकारी हो सकती है। इस प्रकार, यह विधि एक के बाद दूसरे और दूसरे के बाद तीसरे के साथ सम्पर्क से आगे बढ़ती जाती है। यह विधि किसी प्रकार के दंगे-फसाद के बारे में जानकारी एकत्रित करने में उपयोगी हो सकती है।

43. एक जनसंख्या के भीतर एक लक्षण के 'वास्तविक' मान और उस जनसंख्या के भीतर प्रतिदर्श से आकलित मान के बीच के अंतर को किस नाम से जाना जाता है?

(a) मानक त्रुटि (b) निदर्शन त्रुटि
(c) व्यवस्थित त्रुटि (d) मापन त्रुटि

Ans. (b) : एक जनसंख्या के भीतर एक लक्षण के 'वास्तविक' मान और उस जनसंख्या के भीतर प्रतिदर्श से आकलित मान के बीच के अंतर को निदर्शन त्रुटि के नाम से जाना जाता है। कुल सम्रग मूल्य और प्रतिदर्श मूल्य के अन्तर को निदर्शन त्रुटि कहते हैं। दूसरे शब्दों में, यह वह मात्रा है जहाँ प्रतिदर्श की विशेषताएँ तथा कुल समग्र की विशेषताएँ लगभग समान हो जाती है। प्रतिदर्श जितना छोटा होगा निदर्शन त्रुटि उतनी ही बड़ी होगी और प्रतिदर्श के बड़े होने पर यह त्रुटि कम हो सकती है प्रतिदर्श त्रुटि जितनी कम होगी, प्रतिदर्श की परिशुद्धता (प्रतिनिधित्वता) उतनी ही अधिक होगी। सान्धिकीय 'सार्थकता परीक्षण' तथा अन्य विधियों की सहायता से निदर्शन त्रुटि का अनुमान लगाया जा सकता है।

44. लोगों और उनके व्यवहार का उनके प्राकृतिक परिवेशों में प्रत्यक्ष, संकेन्द्रित और अशाब्दिक तकनीकों के माध्यम से अध्ययन करना क्या कहलाता है?

(a) असंरचित साक्षात्कार (b) प्रश्नावली
(c) प्रेक्षण (d) अनुसूची

Ans. (c) : किसी घटना अथवा वस्तु या व्यवस्थित रूप में अध्ययन करने, उसे सूक्ष्म रूप से देखने-परखने तथा उसके आलेखन करने की प्रक्रिया को अवलोकन या प्रेक्षण विधि के नाम से जाना जाता है। यह घटनाओं को भौतिक रूप से देखने के साथ-साथ मानसिक रूप से उनके प्राप्तीकरण की एक विधि है। इस विधि में जिह्वा (शब्दों) और कानों की अपेक्षा चक्षुओं के प्रयोग पर अधिक बल दिया जाता है। इस अध्ययन को वैज्ञानिक उद्देश्यपूर्ण एवं सटीक बनाने के लिए कभी-कभी सूक्ष्मदर्शक यन्त्र एवं दूरबीन, टेप रिकार्डर, वीडियो कैमरा जैसे यन्त्रों का भी प्रयोग किया जाता है।

45. जीवन-वृत्तों पर आधारित सबसे पहले के अध्ययनों में 'दी पोलिश पीज़ैंट इन यूरोप एण्ड अमेरिका' था। उक्त पुस्तक के कौन लेखक है/हैं?

(a) डॉल्बी-स्टेहल (b) डु बाउले
(c) एच. फ्रीमैन (d) थॉमस एण्ड जनैनिकी

Ans. (d) : जनैनिकी ने विलियम आई. थॉमस के साथ मिलकर 'यूरोप और अमेरिका के पोलैण्डवासी कृषक, (The Polish Peasant in Europe and America) नामक एक कालजयी कृति

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

लिखी। अमेरिकी समाजशास्त्र में आज भी इसे एक गौरव ग्रंथ माना जाता है। यह पुस्तक आनुभविक समाजशास्त्रीय सिद्धान्त का एक सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है।

46. विश्वसनीयता एक विधि है जिसमें क्या-क्या निहित हैं?

(i) आँकड़ों की निर्भरता
(ii) परीक्षण की निर्भरता
(iii) असंगतता
(iv) यदि दोहराया जाए तो वही परिणाम मिलते हैं

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i), (ii) और (iii) (b) (ii), (iii) और (iv)
(c) (i), (ii) और (iv) (d) (i), (iii) और (iv)

Ans. (c) : तथ्य संकलन की किसी भी विधि, उपकरण अथवा पैमाने को तब विश्वसनीय कहा जाता है जब समान दशाओं में वह एक ही परिणाम या माप प्रस्तुत करें। दूसरे शब्दों में, एक विधि अथवा पैमाना तभी विश्वसनीय होगा जब उसे एक ही प्रतिदर्श पर बार-बार प्रयोग करने के उपरान्त भी प्रत्येक बार समान परिणाम प्रकट करता हो। विश्वसनीयता की परख के लिए परीक्षण-पुनर्परीक्षण विधि, बहुस्वरूपीय विधि तथा अर्द्धक विधि का प्रयोग किया जाता है। असंगतता विश्वसनीयता की विधि में निहित नहीं है।

47. निम्नलिखित में से कौन-सा केवल परिमाणात्मक चरों पर लागू किया जा सकता है?

(a) सहसंबंध (b) काई-वर्ग (χ^2)
(c) साहचर्य (d) यूल का क्यू (Q)

Ans. (a) सहसंबंध केवल परिमाणात्मक चरों पर लागू किया जा सकता है। सांख्यिकी एवं प्रायिकता के संदर्भ में सहसंबंध (Correlation) का दो सांख्यिकीय चरों के बीच संबंध का माप है जो यह बताता है कि दो चर आपस में कितना संबंधित हैं। सहसंबंध का मान +1 से कम तथा –1 से अधिक होता है।

48. जब आवृत्ति सारणी के दोनों सिरे खुले हों, तो विश्लेषण के लिए निम्नलिखित में से किस औसत का उपयोग किया जा सकता है?

(i) माध्य (ii) माध्यिका
(iii) बहुलक (iv) ज्यामितीय माध्य

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i) और (ii) (b) (ii) और (iv)
(c) (ii) और (iii) (d) (iii) और (iv)

Ans. (c) : जब आवृत्ति सारणी के दोनों सिरे खुले हों, तो विश्लेषण के लिए माध्यिका एवं बहुलक का उपयोग किया जा सकता है। माध्यिका समंक माला का वह चर-मूल्य है जो समूह को बराबर भागों में इस प्रकार बाँटता है कि एक भाग के सारे मूल्य दूसरे भाग से कम होते हैं। यह एक स्थिति मूलक माध्य है। जबकि औसत का एक प्रकार जिसकी परिभाषा प्राप्तांकों अथवा माप के ऐसे मूल्य के रूप में की जाती है जो किसी समंक माला में सर्वाधिक बार आता है बहुलक कहते हैं।

49. जब एक चर गुणात्मक हो और दूसरा परिमाणात्मक हो, तो किस सार्थकता-परीक्षण का उपयोग किया जा सकता है?

(a) टी-परीक्षण (b) काई-वर्ग
(c) सहसंबंध गुणांक (d) प्रसरण

Ans. (b) जब एक चर गुणात्मक हो और दूसरा परिमाणात्मक हो, तो काई-वर्ग का उपयोग किया जा सकता है। सामान्यतः वास्तविक एवं प्रत्याशित आवृत्तियों के मध्य पाये जाने वाले अंतर के विश्लेषणात्मक अध्ययन हेतु जिस परीक्षण का प्रयोग किया जाता है, काई वर्ग परीक्षण कहलाता है। सन् 1900 ई. में इस परीक्षण को वैज्ञानिक ढंग से कार्ल पियर्सन ने किया था।

नीचे दिए गए उद्धरण को पढ़िए और उसकी समझ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों (प्रश्न सं. 50-53) के उत्तर दीजिए।

सहभागी प्रेक्षण के समर्थक तर्क देते हैं कि दूसरी शोध प्रविधियों की तुलना में इसकी संभावना नगण्य है कि समाजशास्त्री उस सामाजिक जगत पर अपनी वास्तविकता अधिरोपित करें जिसे वह समझना चाहता है। इसलिए, यह सामाजिक वास्तविकता का एक वैध चित्र प्राप्त करने का सर्वश्रेष्ठ साधन उपलब्ध कराता है। संरचित साक्षात्कार के साथ, प्रश्नों का एक पूर्व-निर्धारित समुच्चय, जिसका साक्षात्कार देने वाले से उत्तर देने की अपेक्षा की जाती है-या एक डाक प्रश्नावली : मुद्रित प्रश्नों का एक समुच्चय जिसका प्रत्यर्थी से लिखित उत्तर देने के लिए कहा जाता है – सामाजशास्त्री ने पहले ही निर्णय कर लिया होता है कि क्या महत्वपूर्ण है। वर्तमान प्रश्नों के साथ वह उन पर अपनी रूपरेखा और प्राथमिकताएँ थोपता है जिसका वह अध्ययन करना चाहता है। यह कल्पित करके कि प्रश्न उसके प्रत्यर्थियों से सुसंगत हैं, उसने उनके सामाजिक जगत के बारे में पहले से ही कई धारणाएँ बना ली हैं। यद्यपि सहभागी प्रेक्षक पुस्तकीय दृष्टिकोण के आधार पर कुछ पूर्व-कल्पित विचारों के साथ अपने कार्य का प्रारम्भ करते हैं, फिर भी उसके पास कम-से-कम सामाजिक जगत को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर तो है। समय बीतने के साथ-साथ गहन प्रेक्षण से विलियम एफ. व्हाइट को उसका एक चित्र मिला जो उन इतालवी अमेरिकियों के जीवन में महत्वपूर्ण था जिनका उसने अध्ययन किया था। उनके दिनचर्या के प्रति इस ज्ञान के बगैर वे कई अन्य प्राथमिकताओं से अनजान बने रहते यदि उन्होंने केवल साक्षात्कारों का अवलम्ब, लिया होता, तो यह अज्ञानता उन्हें महत्वपूर्ण एवं सुसंगत प्रश्नों को पूछने से रोक देती।

50. उद्धरण की प्रारम्भिक पंक्ति यह निर्दिष्ट करती है कि सहभागी प्रेक्षण निम्नलिखित है :

(a) आँकड़ा संग्रहण की वस्तुनिष्ठ विधि
(b) आँकड़ा संग्रहण की सर्वश्रेष्ठ विधि
(c) एक तरीके से आँकड़ा संग्रहण की अन्य पद्धतियों की तुलना में अधिक वस्तुनिष्ठ
(d) आँकड़ा संग्रहण की एकमात्र स्वीकार्य विधि

Ans. (c) : उद्धरण की प्रारम्भिक पंक्ति यह स्पष्ट करती है कि सहभागी प्रेक्षण एक तरीके से आँकड़ा संग्रहण की अन्य पद्धतियों की तुलना में अधिक वस्तुनिष्ठ है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

51. उद्धरण के अनुसार सहभागी प्रेक्षण आँकड़ा संग्रहण की अन्य पद्धतियों की तुलना में इस दृष्टि से सुस्पष्ट रूप से बेहतर है कि

(a) यह अधिक एकसमान है
(b) यह अधिक परितोषक है
(c) इससे गहरी जानकारी प्राप्त होती है
(d) यह अधिक सटीक है

Ans. (c) : उद्धरण के अनुसार सहभागी प्रेक्षण आँकड़ा संग्रहण की अन्य पद्धतियों की तुलना में इस दृष्टि से सुस्पष्ट रूप से बेहतर है कि इससे गहन जानकारी प्राप्त होती है।

52. सहभागी प्रेक्षण के द्वारा इतालवी अमेरिकियों के अपने अध्ययन के आधार पर व्हाइट ने कौन-सी पुस्तक लिखी?

(a) पार्टिसिपेंट ऑब्जर्वेशन (b) दी इटैलियन अमेरिकन्स
(c) कॉर्नरविल्ले (d) स्ट्रीट कॉर्नर सोसायटी

Ans. (d) : सहभागी प्रेक्षण के द्वारा इतालवी (इटैलियन) अमेरिकियों के अपने अध्ययन के आधार पर ह्वाइट ने 'स्ट्रीट कॉर्नर सोसायटी' नामक पुस्तक लिखी।

53. वह अनिवार्य बिन्दु क्या है जो सहभागी प्रेक्षण को आँकड़ा संग्रहण की अन्य विधियों की तुलना में एक भिन्न विधि बनाता है?

(a) गहन सर्वेक्षण
(b) संरचित साक्षात्कार
(c) सहभागिता करते समय प्रेक्षण करना
(d) सहभागी शोध (पार्टिसिपेटरी रिसर्च)

Ans. (c) : सहभागिता करते समय प्रेक्षण करना सहभागी प्रेक्षण को आँकड़ा संग्रहण की अन्य विधियों की तुलना में एक भिन्न विधि बनाता है। प्रेक्षण विधि का वह रूप जिसमें शोधकर्ता अध्ययन किये जाने वाले समूह की गतिविधियों और कार्यकलापों में समूह के एक आंतरिक समूह के रूप में भाग लेते हुए उनका अध्ययन करता है, सहभागिक प्रेक्षण कहलाता है।

54. अल्फ्रेड शूट्ज के अनुसार जीवन-जगत या 'लेबन्सवेल्ट' क्या है?

(a) एक पवित्र जगत (b) एक वैश्विक स्पेस
(c) एक शहरी कुविस्तार (d) एक अन्तर-आत्मनिष्ठ जगत

Ans. (d) : अल्फ्रेड शूट्ज के अनुसार जीवन-जगत या 'लेबन्सवेल्ट' एक अन्तर-आत्मनिष्ठ जगत है। शूट्ज ने अपने प्रघटनाशास्त्र में सामाजिक जगत का सविस्तार विवेचन किया है, जिसे वे जीवन जगत कहते हैं। उनके अनुसार यह रोजमर्रा के जीवन का संसार है। यह एक ऐसा अन्तर-वैषयिक (अन्तर-आत्मनिष्ठ) जगत है जिसमें व्यक्ति सामाजिक यथार्थ की रचना करते हैं और साथ ही वे उन पूर्वस्थापित सामाजिक एवं सांस्कृतिक संरचनाओं से नियंत्रित होते हैं जिनकी रचना उनके पूर्वजों ने की है।

55. अपनी सुप्रसिद्ध कृति, 'दी सोशल कन्स्ट्रक्शन ऑफ रियलिटी' में बर्गर और लकमैन ने किसके बारे में विचार-विमर्श किया?

(a) समाज, वस्तुनिष्ठ वास्तविकता के रूप में
(b) समाज, व्यक्तिनिष्ठ वास्तविकता के रूप में
(c) समाज, वस्तुनिष्ठ और व्यक्तिनिष्ठ दोनों वास्तविकता के रूप में
(d) समाज, न तो वस्तुनिष्ठ और न ही व्यक्तिनिष्ठ वास्तविकता के रूप में

Ans. (c) : बर्गर तथा लुकमॉन ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'The Social Construction of Reality' में समाज, वस्तुनिष्ठ और व्यक्तिनिष्ठ के बारे में विचार-विमर्श किया है।

56. नृजाति प्रणाली विज्ञान में वह परिस्थिति किस रूप में जानी जाती है जिसमें उन पद्धतियों पर प्रकाश डालते के लिए सामाजिक वास्तविकता का उल्लंघन किया जाता है जिसके द्वारा लोग सामाजिक वास्तविकता का निर्माण करते हैं?

(a) प्रलेखन पद्धति (b) प्रयोग का पालन नहीं करना
(c) निर्देशकता (d) लेखाकरण विधि

Ans. (b) : नृजाति पद्धति शास्त्र का प्रमुख कार्य यह जानना है कि किसी समाज के व्यक्ति किस प्रकार सामाजिक अन्तर्क्रियाओं के दौरान संकेतात्मक अभिव्यक्तियों को अर्थ प्रदान करते हैं। कुछ समाजशास्त्रियों ने इस उपागम को घिसा-पिटा, तुच्छ, व्यक्तिपरकता से ग्रस्त और आत्म आसक्ति में लिप्त उद्योग तक कहा है। अर्थात् यह सिद्धान्त प्रयोग का पालन नही करता है। गिड्डेन्स ने भी इसकी आलोचना करते हुए कहा कि नृजाति पद्धति विज्ञानियों की अध्ययन की विधियों की सत्यता एवं प्रामाणिकता के बारे में भी वही प्रश्न किये जा सकते हैं जो उन्होंने अन्य विधियों के बारे में किये हैं।

57. किसके सैद्धांतिक विचार एक-कारणवाचक निर्धारणवाद को नकारते हैं और व्याख्याएँ प्रस्तुत करने में अबाध-प्रवेशक और बहुलवादी हैं?

(a) जे. हैबरमॉस (b) एल. अल्थुसर
(c) एम. फुको (d) जे.सी. एलेक्जेंडर

Ans. (d) : अलेक्जेण्डर के सैद्धांतिक विचार एक-कारणवाचक निर्धारणवाद को नकारते हैं और व्याख्याएँ प्रस्तुत करने में अबाध-प्रवेशक और बहुलवादी हैं। इनकी गणना नववामपंथी मार्क्सवादियों और नवप्रकार्यवादियों दोनों में की जाती है। अलेक्जेण्डर ने नवप्रकार्यवाद की कुछ विशेषतायें बताई हैं जो निम्नवत हैं–

1. यह किसी भी एककारकीय निर्धारणवाद को अस्वीकार करता है तथा एक स्वतंत्र और बहुलवादी उपागम है।
2. यह क्रिया एवं व्यवस्था दोनों को समान रूप से महत्व देता है।
3. विचलन और सामाजिक नियंत्रण दोनों को सामाजिक व्यवस्थाओं की यथार्थताएँ मानता है।
4. सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यक्तित्व प्रणालियों के भीतर विभेदीकरण की प्रक्रियाओं से उत्पन्न सामाजिक परिवर्तन को भी महत्व देता है।
5. अमूर्तीकरण और सैद्धांतीकरण की स्वतंत्रता के विचार के प्रति प्रतिबद्ध है।
6. संतुलन के साथ-साथ व्यवस्था में तनाव और उससे उत्पन्न संघर्ष के अस्तित्व को भी स्वीकार करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

58. किसने 'व्यवस्था' और 'जीवन-जगत' की धारणाओं को 'सामाजिक एकीकरण' और 'व्यवस्था एकीकरण' के रूप में चिह्नित किया?

(a) जे. हैबरमॉस (b) एल. अल्थूजर
(c) जे. एलेक्जेंडर (d) पीटर बर्गर

Ans. (a) : हैबरमॉस ने अपनी पुस्तक "The Theory of Communicative Action" में 'व्यवस्था' और 'जीवन जगत' की धारणाओं को 'सामाजिक एकीकरण' और 'व्यवस्था एकीकरण' के रूप में चिन्हित किया है।

59. हैबरमॉस ने क्रिया के जिन प्रकारों पर जोर दिया है उनका सही अनुक्रम क्या है?

(a) सम्प्रेषणपरक, नाटकीय विश्लेषणात्मक, प्रयोजनवादिता और आदर्शक
(b) आदर्शक, नाटकीय विश्लेषणात्मक, प्रयोजनवादिता और सम्प्रेषणपरक
(c) प्रयोजनवादिता, आदर्शक, नाटकीय विश्लेषणात्मक और सम्प्रेषणपरक
(d) नाटकीय विश्लेषणात्मक, प्रयोजनवादिता, आदर्शक और सम्प्रेषणपरक

Ans. (c) : हैबरमॉस ने क्रिया के जिन प्रकारों पर जोर दिया है उनका सही अनुक्रम है– प्रयोजनवादिता, आदर्शक, नाटकीय विश्लेषणात्मक और संप्रेषणपरक।

60. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए।

सूची I (लेखक)	सूची II (अवधारणाएँ)
(A) एंथनी गिड्डेन्स	(i) प्रवचन
(B) अल्फ्रेड शुट्ज	(ii) परावाक् उन्मुखता
(C) जैकुअस डेरिडा	(iii) प्ररूपण
(D) मिशेल फूको	(iv) संरचना की द्वैतता

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

Ans. (c) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)		(अवधारणा)
एंथनी गिड्डेन्स	–	संरचना की द्वैतता
अल्फ्रेड शुट्ज	–	प्ररूपण
जैकुअस डेरिडा	–	परावाक् उन्मुखता
मिशेल फूको	–	प्रवचन

61. किसके अनुसार निगरानी आधुनिक समाजों की अनुशासनिक शक्ति और सर्व-व्यापी विशेषता है?

(a) मिशेल फूको (b) एंथनी गिड्डेन्स
(c) थॉमस लकमैन (d) इर्विंग गॉफमैन

Ans. (a) : मिशेल फूको के अनुसार निगरानी आधुनिक समाजों की अनुशासनिक शक्ति और सर्वव्यापी विशेषता है। फूको ने पागलपन और निदानगृह, चिकित्सा और नैदानिक चिकित्सा सेवाओं का जन्म अपराध और दण्डशास्त्र, कामात्मकता और कामात्मकता पर सामाजिक नियंत्रण, स्थापत्य और कारागृह, पागलपन आदि जैसे अनेक विषयों पर एक नवीन दृष्टि से लिखा है। ये सभी विषय शरीर, ज्ञान और शक्ति (सत्ता) के पारस्परिक सम्बंधों की खोज के उनके मूल मुद्दे से जुड़े हुए हैं।

62. किसका सिद्धान्त उस समाज व्यवस्था के सृजन और पुनर्प्रस्तुति पर केन्द्रित है जो संरचना और अभिकर्ताओं दोनों पर आधारित हैं?

(a) एंथनी गिड्डेन्स (b) जुर्गन हैबरमॉस
(c) राल्फ डैहरेनडॉर्फ (d) जैकुअस डेरिदा

Ans. (a) : एंथनी गिड्डेन्स का सिद्धान्त उस समाज व्यवस्था के सृजन और पुनर्प्रस्तुति पर केन्द्रित है जो संरचना और अभिकर्ताओं दोनों पर आधारित हैं। गिड्डेंस के संरचनाकरण सिद्धान्त के अनुसार संरचनाकरण एक प्रक्रिया है जो संरचना के बनने और पुनः बनने की विधा का संकेत देती है। यह प्रक्रिया व्यक्तियों के बीच होने वाली अन्तर्क्रियाओं की सक्रिय प्रक्रियाओं का परिणाम है जिसके द्वारा सामाजिक संरचना का निर्माण और पुनर्निर्माण होता है जबकि प्रक्रियायें इन्हीं संरचनाओं द्वारा निर्देशित और संचालित होती है।

63. जो समाज सापेक्ष रूप से छोटे, निरक्षर, समजातीय और संसक्त हैं, उन्हें क्या कहा जाता है?

(a) ग्रामीण समाज (b) लोक समाज
(c) नगरीय समाज (d) औद्योगिक समाज

Ans. (b) : जो समाज सापेक्ष रूप से छोटे, निरक्षर, समजातीय और संसक्त हैं, उन्हें लोक समाज कहा जाता है। लोक समाज रेडफील्ड (1990) द्वारा दी गई एक अवधारणा है। इसे परिभाषित करते हुए उन्होंने लिखा है कि "यह एक ऐसा समाज है जो अपेक्षाकृत छोटा पृथक्कृत, निरक्षर, सजातीय तथा समूह-एकता के प्रमाद भाव से ओतप्रोत होता है।" ऐसे समाज की सांस्कृतिक परम्पराएँ एक-जैसी होती हैं। और यह लौकिक या धर्म-निरपेक्ष न होकर एक धर्मोन्मुख समाज होता है।

64. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में निरुपित किया गया है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

अभिकथन (A) : उच्च कोटि के श्रम विभाजन का अभाव सभी सरल समाजों की एक सामान्य विशेषता है।

तर्क (R) : एक सरल समाज उच्च कोटि के श्रम विभाजन के बिना जीवित बने रह सकता है।

कूट :

(a) **(A)** और **(R)** दोनो सही हैं और **(R), (A)** की सही व्याख्या है।
(b) **(A)** और **(R)** दोनो सही हैं लेकिन **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।
(c) **(A)** सही है परन्तु **(R)** गलत है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(d) **(A)** गलत है परन्तु **(R)** सही है।

Ans. (a) : अभिकथन A व तर्क R दोनों सही है तथा R, A की सही व्याख्या है।

65. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

अभिकथन (A) : कृषि क्षेत्र विश्व में सबसे बड़ा एकल रोज़गार प्रदाता है।

तर्क (R) : कृषि विश्व में सबसे अधिक श्रम प्रधान कार्यकलाप है।

कूट :

(a) **(A)** और **(R)** दोनो सही हैं और **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(b) **(A)** और **(R)** दोनो सही हैं परन्तु **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(c) **(A)** सही है परन्तु **(R)** गलत है।

(d) **(A)** गलत है परन्तु **(R)** सही है।

Ans. (b) : अभिकथन A व तर्क R दोनों सही हैं परन्तु R, A की व्याख्या नहीं है।

66. ''जाति बहिष्कृत जाति व्यवस्था का उप-उत्पाद है जाति व्यवस्था के ही विनाश के अतिरिक्त कुछ भी जाति बहिष्कृत से मुक्त नहीं कर सकता।'' यह किसका कथन है?

(a) डेविड हार्डिमैन (b) कांचा इल्लैया
(c) बी.आर. आम्बेडकर (d) गैल ओमवेट

Ans. (c) : भारत की जाति व्यवस्था के घोर विरोधी एवं कटु आलोचक भीमराव राम जी अम्बेडकर बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्हें स्वतंत्र भारत के संविधान के निर्माता और दलित-चेतना के प्रतीक पुरूष के रूप में जाना जाता है। उन्होंने अपनी पुस्तक 'Annihilation of Caste' में लिखा है कि 'जाति बहिष्कृत जाति व्यवस्था का उप-उत्पाद है जाति व्यवस्था के ही विनाश के अतिरिक्त कुछ भी जाति बहिष्कृत से मुक्त नही कर सकता।

67. ''शोध वह देखना है जिसे हर किसी ने भी देखा है और फिर वह सोचना है जिसे और किसी ने नहीं सोचा है।'' यह कथन किस पर पूरी तरह लागू होता है?

(a) सुरजीत सिन्हा (b) एन.के. बोस
(c) एम.एन. श्रीनिवास (d) डेविड हार्डिमैन

Ans. (b) : प्रश्नगत कथन एन.के. बोस का है। किसी भी क्षेत्र में नवीन ज्ञान की प्राप्ति अथवा विद्यमान ज्ञान में संशोधन, परिवर्धन अथवा परिमार्जन की दृष्टि से किये गये व्यवस्थित प्रयासों को शोध या अनुसंधान कहते हैं।

68. किसने अनुभव किया कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता आवश्यक रूप से अराजकता नहीं होनी चाहिए अपितु परम्परा की रचनात्मक अभव्यक्ति होनी चाहिए?

(a) ए.आर. देसाई (b) डी.पी. मुखर्जी
(c) जी.एस. घुरिये (d) एस.सी. बोस

Ans. (b) : प्रश्नगत कथन डी.पी. मुखर्जी का है। उन्होंने भारतीय समाज के अध्ययन के लिए परम्पराओं के अध्ययन को आवश्यक बताया है। उनकी प्रमुख कृतियाँ इस प्रकार हैं– Personality and the social science, Basic Consept in Sociology, Modern Indian Culture, On Indian History.

69. किसने पद (शब्द) 'बीमारू' गढ़ा?

(a) एम.के. प्रेमी (b) आशीष बोस
(c) एम.एन. श्रीनिवास (d) योगेन्द्र सिंह

Ans. (b) : बीमारू (BIMARU) शब्द मूलतः भारत के चार राज्यों बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के अंग्रेजी नाम के पहले अक्षर से गढ़ा गया एक शब्द है। इस शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग आशीष बोस ने 1980 के दशक के मध्य में किया था।

70. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

अभिकथन (A) : यह केवल कानून के अंतर्गत समानता नहीं है जो समाज में महिलाओं की प्रस्थिति का निर्धारण करती है।

तर्क (R) : परम्पराएँ और प्रथाएँ भारत में महिलाओं की प्रस्थिति का निर्धारण करती हैं।

कूट :

(a) **(A)** और **(R)** दोनो सही हैं और **(R), (A)** की सही व्याख्या है।

(b) **(A)** और **(R)** दोनो सही हैं परन्तु **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।

(c) **(A)** सही है परन्तु **(R)** गलत है।

(d) **(A)** गलत है परन्तु **(R)** सही है।

Ans. (a) : अभिकथन A व तर्क R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

71. भारत में कौन-सा महानगर आर्थिक रूप से सबसे कम असमानताओं वाला (असमानता के मापन के अनुसार) है?

(a) हावड़ा (b) मुम्बई
(c) बेंगलुरू (d) लुधियाना

Ans. (a) : हावड़ा भारत के पश्चिम बंगाल का एक औद्योगिक शहर है जो आर्थिक रूप से सबसे कम असमानताओं वाला है।

72. निम्नलिखित में से किसे सातवाँ सहस्राब्दि विकास लक्ष्य कहा जाता है?

(a) संधारणीय विकास (b) पारिस्थितिक विकास
(c) महिला विकास (d) औद्योगिक विकास

Ans. (a) : संधारणीय विकास को सातवाँ सहस्राब्दि विकास लक्ष्य कहा जाता है। यह विकास की वह अवधारणा है जिसमें विकास की नीतियाँ बनाते समय इस बात का ध्यान रखा जाता है कि मानव की न केवल वर्तमान आवश्यकताओं की पूर्ति हो, बल्कि अनन्त काल मानव की आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित हो सके। इसमें प्राकृतिक पर्यावरण सुरक्षा पर विशेष बल दिया जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

73. जनगणना-2011 के अनुसार निम्नलिखित में से किस भारतीय राज्य की जनसंख्या की वृद्धि-दर सर्वाधिक है?

(a) पंजाब (b) हरियाणा
(c) महाराष्ट्र (d) गुजरात

Ans. (b) : जनगणना-2011 के अनुसार हरियाणा राज्य की जनसंख्या वृद्धि दर सबसे अधिक है। वर्ष 2001 से 2011 तक 40 लाख के करीब वृद्धि दर्ज की गई। यहाँ की कुल आबादी 2,53,51,462 है। हरियाणा की कुल जनसंख्या भारत की कुल जनसंख्या 2.09% है।

74. अपराध के 'विभेदक साहचर्य के सिद्धान्त' का प्रतिपादन निम्नलिखित में से किसने किया है?

(a) ए. कोहेन (b) हावर्ड बैकर
(c) आर.के. मर्टन (d) ई.एच. सदरलैण्ड

Ans. (d) : अपराध के 'विभेदक साहचर्य के सिद्धान्त' का प्रतिपादन वर्ष 1939 में ई.एच. सदरलैण्ड ने किया था।

75. किसका मत था कि "वस्तुतः यह आप्रवासी नहीं अपितु अमेरिका में पैदा हुआ श्वेत था जो उच्च अपराध दर के लिए मुख्यतः उत्तरदायी था"?

(a) हरमन मैनहीम (b) गॉर्डन रोज़
(c) ई.एच. सदरलैण्ड (d) विलियम एफ. वाईट

Ans. (a) : हरमन मैनहीम एक अपराधशास्त्रीय थे उन्होंने अपनी पुस्तक 'Comperative Criminology' में कहा है कि "वस्तुतः यह आप्रवासी नहीं अपितु अमेरिका में पैदा हुआ श्वेत था जो उच्च अपराध दर के लिए मुख्यतः उत्तरदायी था।"

76. किसने भ्रष्टाचार की "व्यक्तिगत लाभ, जो कि आवश्यक रूप से मौद्रिक न हो, पर विचार करने के परिणामस्वरूप प्राधिकार के दुरुपयोग" के रूप में व्याख्या की है?

(a) कौटिल्य (b) राजाध्यक्ष
(c) डी.जी. बेली (d) के. संथानम

Ans. (c) : प्रश्नगत कथन डी.जी. बेली का है। इलियट एवं मैरिल ने भ्रष्टाचार को परिभाषित करते हुए लिखा है कि, "प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ की प्राप्ति हेतु स्वेच्छा से निश्चित कर्त्तव्यों का पालन न करना ही भ्रष्टाचार है।

77. किसके अनुसार भारत में 150 वर्षों से अधिक ब्रिटिश शासन के परिणामस्वरूप भारतीय समाज तथा संस्कृति में आए परिवर्तन के कारण हुए पश्चिमीकरण के साथ आधुनिकता की शुरुआत हुई?

(a) जी.एस. घुरिये (b) एम.एन. श्रीनिवास
(c) ए.आर. देसाई (d) योगेन्द्र सिंह

Ans. (b) : एम.एन. श्रीनिवास का मानना है कि भारत में 150 वर्षों से अधिक ब्रिटिश शासन के परिणामस्वरूप भारतीय समाज तथा संस्कृति में आए परिवर्तन के कारण हुए पश्चिमीकरण के साथ आधुनिकता की शुरुआत हुई। इन्होंने संस्कृतीकरण, पश्चिमीकरण, प्रभुजाति जैसे महत्वपूर्ण अवधारणा का प्रतिपादक किया है। इनकी प्रमुख कृतियाँ निम्न प्रकार है–

Marriage and Family in Mysore, 1942
Religion and Society Among the Coorgs of South India , 1952
India's Village, 1955
Social Change in Modern India, 1962

78. नए स्वतंत्र भारत के समक्ष राष्ट्र-निर्माण की कौन-सी समस्याएँ थीं?

(a) विविधता को समाहित करते हुए राष्ट्रीय एकता
(b) धर्मनिरपेक्षता बनाए रखने की चुनौती
(c) निःशक्त व्यक्तियों की समस्याओं का दूर करना
(d) भारत संघ में प्रांतीय रजवाड़ों का एकीकरण
(e) लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए आंतरिक भाषायी सीमाएँ बनाना

कूट :

(a) (i), (ii), (iii), (iv), (v) (b) (i), (ii), (v)
(c) (i), (ii), (iv), (v) (d) (ii), (iv), (v)

Ans. (c) : विविधता को समाहित करते हुए राष्ट्रीय एकता, धर्मनिरपेक्षता बनाये रखने की चुनौती, भारत संघ में प्रांतीय रजवाड़ों का एकीकरण तथा लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए आन्तरिक भाषायी सीमायें बनाना आदि ऐसी कई समस्यायें थीं जो स्वतंत्र भारत के समक्ष राष्ट्र निर्माण में बाधक थीं।

79. किसका मत है कि "जैसे-जैसे सांस्कृतिक आधुनिकीकरण की शक्तियाँ बढ़ती हैं उसके साथ-साथ राष्ट्रीय पहचान की भावना भी बढ़ेगी"?

(a) जी.एस. घुरिये (b) आई.पी. देसाई
(c) योगेन्द्र सिंह (d) डी.पी. मुखर्जी

Ans. (c) : योगेन्द्र सिंह एक भारतीय समाजशास्त्रीय हैं उन्होंने अपनी पुस्तक 'Modernization of Indian Tradition' में लिखा है कि "जैसे-जैसे सांस्कृतिक आधुनिकीकरण की शक्तियाँ बढ़ती हैं उसके साथ-साथ राष्ट्रीय पहचान की भावना भी बढ़ेगी।" इनकी अन्य पुस्तकें इस प्रकार हैं–

Essays on Modernization In India.
Indian Sociology
Social change in India.
Modernization of Indian Tradition.

80. "द मैक्डोनाल्डाइज़ेशन ऑफ सोसायटी (1993)" पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) एंथनी गिड्डेन्स (b) जी. रिट्जर
(c) डब्ल्यू. रोस्टो (d) आई. वॉलरस्टाईन

Ans. (b) : "द मैक्डोनाल्डाइज़ेशन ऑफ सोसायटी (1993)" पुस्तक के लेखक जी. रिट्जर हैं। ये एक अमेरिकी समाजशास्त्री, प्रोफेसर और लेखक हैं जिन्होंने वैश्वीकरण, मेटाथ्योरी, खपत के पैटर्न, आधुनिक और उत्तर आधुनिक सामाजिक व्यवस्था पर अध्ययन किया है।

81. भारत सरकार द्वारा प्रारम्भिक रूप से विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति किस वर्ष निरूपित की गई थी?

(a) 2003 (b) 2004
(c) 2005 (d) 2007

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने और नई पहलों की दिशा देने के लिए भारत सरकार द्वारा प्रारम्भिक रूप से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति, वर्ष 2003 में निरुपित की। इस नीति में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रशासन के प्रति व्यवहार, विद्यमान भौतिक एवं ज्ञान संसाधनों के उचित प्रयोग, प्राकृतिक आपदाओं के प्रबंधन एवं उनसे उबरने हेतु नवीन प्रौद्योगिकी एवं प्रणालियों के विकास, नई प्रौद्योगिकी के विकास, बौद्धिक सम्पदा के सृजन एवं प्रबंधन तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लाभों एवं उपयोगों के सम्बंध में जन साधारण के मध्य जागृति उत्पन्न करने की रूपरेखा बनाई जाती है।

82. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

अभिकथन (A) : उच्चतर शिक्षा तथा अनुसंधान का निजीकरण तथा उच्चतर शिक्षा की लोक प्रणाली की उपेक्षा से केवल पश्चिमी प्रभुत्व बढ़ा है।

तर्क (R) : कम योग्यता वाले छात्रों का नामांकन तथा कम वेतन वाले अस्थायी अध्यापकों की नियुक्ति भारत में शिक्षा के गिरते स्तर के लिए उत्तरदायी है।

कूट :

(a) **(A)** सही है, परन्तु **(R)** गलत है।
(b) **(A)** और **(R)** दोनो सही हैं।
(c) **(A)** गलत है, परन्तु **(R)** सही है।
(d) **(A)** और **(R)** दोनों गलत हैं।

Ans. (b) : अभिकथन A व तर्क R दोनों सही हैं।

83. निम्नलिखित में से 'ग्रामीण-शहरी सातत्यक' की अवधारणा किसने दी है?

(a) ई.डब्ल्यू. बर्गेस (b) रॉबर्ट रेडफील्ड
(c) ए.आर. देसाई (d) एम.एन. श्रीनिवास

Ans. (b) : ग्राम और नगरीय द्विभाजन करने की 19वीं सदी के समाजशास्त्र की प्रकृति बहुत सामान्य विशेषताओं पर आधारित थी। बाद में अध्ययनों के आधार पर यह अनुभव किया गया कि ग्राम्यता और नगरीयता में मात्र अंशों का अन्तर होता है और इनमें क्रमिकता होती है। इसी विचार को मूर्त रूप देते हुए मानवशास्त्री रॉबर्ट रेडफील्ड (1930) ने 'लोक-नगरीय नैरन्तर्य'' की अवधारणा को प्रतिपादित किया और कहा कि अत्यन्त छोटे गाँवों (लोक समाजों) और विशाल नगरों के बीच एक निरन्तरता होती है। लोक समाज और नगरीय समाज इस निरन्तरता के 2 छोर हैं किन्तु इन दोनों के बीच कई ऐसे गाँव और नगर होते हैं जिनमें न्यूनाधिक मात्रा में इन दोनों की विशेषतायें होती हैं। जैसे-जैसे हम एक छोटे गाँव से महानगर की ओर बढ़ते जाते हैं वैसे-वैसे नगर अधिक नगरीय, अधिक लौकिक, अधिक व्यक्तिवादी के साथ-साथ उनमें अधिक श्रम-विभाजन बढ़ता जाता है और परिणामतः उनमें सामाजिक-सांस्कृतिक विघटन की मात्रा में भी इज़ाफा होता है।

84. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए।

सूची I (शोधवेत्ता)	सूची II (अध्ययन किया गया गाँव)
(A) एम.एन. श्रीनिवास	(i) शामीरपेट
(B) ए. बेतेई	(ii) रामपुरा
(C) एस.सी. दुबे	(iii) किशन गढ़ी
(D) मैकिम मैरियट	(iv) खालापुर

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iv)	(v)	(iii)
(b)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(c)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(d)	(iv)	(v)	(iii)	(i)

Ans. (c) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(शोधवेत्ता)		(गाँव)
एम.एन. श्रीनिवास	–	रामपुरा
ए. बैतेई	–	खालापुर
एस.सी. दूबे	–	शामीरपेट
मैकिम मैरिएट	–	किशनगढ़ी

85. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

अभिकथन (A) : परम्परागत रूप से निचली (कमीन) जातियाँ जजमानों को कुछ व्यावसायिक, आर्थिक और सामाजिक सेवाएँ देते थे।

तर्क (R) : जजमान उन्हें एक नियत समय अंतराल पर भुगतान करते थे।

कूट :

(a) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं, परन्तु **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।
(b) **(A)** और **(R)** दोनो सही हैं तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।
(c) **(A)** गलत है, परन्तु **(R)** सही है।
(d) **(A)** और **(R)** दोनों गलत हैं।

Ans. (b) : अभिकथन A व तर्क R दोनों सत्य हैं एवं R, A की सही व्याख्या है। जजमानी व्यवस्था का सर्वप्रथम व्यवस्थित अध्ययन डब्ल्यू एच. वाइजर ने किया। जजमानी व्यवस्था वस्तु के बदले सेवा पर आधारित है।

86. भारत में ग्रामीण सामाजिक स्तर-विन्यास के बारे में कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) किसी अन्य समाज की ही भाँति भारत के ग्रामीण समाज का अपने स्वयं का स्तर-विन्यास है जो केवल इसके लिए विशिष्ट है।
(b) ग्रामीण समाज में सामान्यतया व्यक्ति की पहचान उसके गाँव से होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) ग्रामीण समाज में वर्ग किसी व्यक्ति का मुख्य पहचान चिन्ह है।
(d) ग्रामीण सामाजिक स्तर-विन्यास गाँव में जातियों का पर्याय है।

Ans. (c) : भारत में ग्रामीण समाज में सामाजिक स्तर विन्यास के लिए किसी व्यक्ति की पहचान उसके वर्ग से नहीं होती। ग्रामीण समाज में स्वयं का एक स्तर विन्यास है जो विशिष्ट है तथा जातियाँ ग्रामीण समाज में स्तरीकरण के लिए प्रमुख भूमिका अदा करती हैं।

87. सोरोकिन द्वारा दिया गया कौन-सा वक्तव्य सही है?
(a) गाँव और शहर परस्पर संबद्ध समुदाय हैं जिनमें परस्पर-निर्भरता का मजबूत बंधन है।
(b) गाँव और शहर समानान्तर व्यवस्थाएँ हैं और इन दोनों का कभी मेल नहीं हो सकता है।
(c) गाँव और शहर समानान्तर व्यवस्थाएँ हैं जो शनैः शनैः एक-दूसरे की तरफ बढ़ती हैं और अंततः एक में विलीन हो जाती हैं।
(d) गाँव और शहरी व्यवस्थाएँ शनैः शनैः एक-दूसरे से पृथक् हो जाती हैं और अंततः परस्पर-निर्भरता (अन्योन्याश्रिता) का बंधन खतरे में पड़ जाता है।

Ans. (b) : सोरोकिन एवं जिमरमैन द्वारा लिखी गई पुस्तक 'Principal of Rural Urban Sociology' जिसमें उन्होंने कहा है कि– गाँव और शहर समानान्तर व्यवस्थायें हैं और इन दोनों का कभी मेल नही हो सकता। इस पुस्तक में दोनों लेखकों ने गाँव एवं नगर की विशेषताओं के आधार पर एक सुस्पष्ट एवं तर्क संगत द्विभाजन प्रस्तुत किया है।

88. निम्नलिखित में से किसकी उक्त है कि श्रमिकों का बचाव करने में राज्यों की दीर्घकालिक अभिरुचि वस्तुतः श्रम संघ (ट्रेड यूनियन) आंदोलन के लिए हानिकारक थी?
(a) शरित के. भौमिक (b) ई.ए. रामास्वामी
(c) सी.एस. वेंकटा रत्नम (d) एन.आर. शेठ

Ans. (b) : प्रश्नगत कथन ई. ए. रामास्वामी का है।

89. युक्तिमूलकता, जिससे उद्योगों की संगठनात्मक संरचना के अध्ययन को बढ़ावा मिला, का विचार निम्नलिखित में से किनके द्वारा दिया गया था?
(a) ई. दुर्खाईम (b) कार्ल मार्क्स
(c) जॉज सिमेल (d) मैक्स वेबर

Ans. (d) : समाजशास्त्र में विकासवादी नियमों (सिद्धांत) के प्रयोग की सम्भावना के प्रति अपनी असहमति प्रकट करते हुए वेबर ने 'तार्किकीकरण/युक्तिकरण को पूँजीवादी समाज की एक प्रमुख प्रवृत्ति के रूप में प्रस्तुत किया है। युक्तिकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा मानवीय सम्बन्धों के प्रत्येक क्षेत्र में परिकलन, गणना और नियोजन का प्रयोग किया जाता है। वेबर के अनुसार युक्तिमूलकता के कारण ही उद्योगों की संगठनात्मक संरचना के अध्ययन को बढ़ावा मिला।

90. संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा ''ट्रांसफॉर्मिंग आवर वर्ल्ड : द 2030 एजेंडा फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट'' शीर्षक से 2030 विकास एजेंडा निम्नलिखित में से किस तारीख को अंगीकार किया गया?
(a) 26 जून, 2015 (b) 25 सितम्बर,2015
(c) 19 जुलाई, 2014 (d) 1 जनवरी, 2015

Ans. (b) : संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा ''ट्रांसफॉर्मिंग आवर वर्ल्ड : द 2030 एजेंडा फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट'' शीर्षक से 2030 विकास एजेंडा 25 सितम्बर, 2015 को अंगीकार किया गया था।

91. वार्लेन्स्टाइन के वैश्विक प्रणाली सिद्धान्त में निम्नलिखित में से किन तीन संकेन्द्रित वृत्तों का उल्लेख है?
(a) मुख्य, अर्ध-परिधि और परिधि
(b) मुख्य, परिधि और सिरे
(c) केन्द्र, अर्ध-सिरे और सिरे
(d) केन्द्र, अर्ध-परिधि और परिधि

Ans. (a) : अमेरिकी समाजशास्त्री वार्लेस्टाइन 'विश्व व्यवस्था सिद्धांत' के प्रतिपादक हैं। 'विश्व व्यवस्था' से उनका तात्पर्य एक ऐसी सम्पूर्ण सामाजिक व्यवस्था से है जिसकी अपनी कुछ सीमायें हैं तथा साथ ही जिसकी एक निश्चित जीवनावधि होती है अर्थात् जो अनंत काल तक नहीं चलती है। वार्लेस्टाइन ने वैश्विक प्रणाली सिद्धांत में तीन संकेन्द्रित वृत्तों का उल्लेख किया है यथा- मुख्य, अर्द्ध परिधि और परिधि।

92. मानव विकास की सीमा को समझने के लिए निम्नलिखित में से कौन ''अभिक्षमताएँ उपागम'' का प्रयोग करते हैं?
(a) ए.जी. फ्रैंक (b) समीर अमीन
(c) अमर्त्य सेन (d) गुन्नार मिरडाल

Ans. (c) : अमर्त्यसेन एक अर्थशास्त्री हैं जिन्हें वर्ष 1998 में अर्थशास्त्र के नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मानव विकास को समझने के लिए इन्होंने 'अभिक्षमताएं उपागम' का प्रयोग किया है।

93. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
अभिकथन (A) : विकास का गाँधीवादी मॉडल हमारे देश में विद्यमान सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक दशा में उपयुक्त नहीं है।
तर्क (R) : इसमें कुटीर और ग्राम उद्योगों के माध्यम से विकास की बात की गई है।
कूट :
(a) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं, तथा **(R), (A)** की सही व्याख्या है।
(b) **(A)** और **(R)** दोनो सही हैं परन्तु **(R), (A)** की सही व्याख्या नहीं है।
(c) **(A)** सही है, परन्तु **(R)** गलत है।
(d) **(A)** गलत है, परन्तु **(R)** सही है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : अभिकथन A व तर्क R दोनों सत्य हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।

94. ऐसी प्रक्रिया जिसके द्वारा जनसंख्या में बालकों का अनुपात कम हो जाता है और वयस्क व्यक्तियों के अनुपात मे वृद्धि होती है, इसे निम्नलिखित में से किसकी संज्ञा दी जाती है?

(a) जनसंख्या-प्रगति
(b) जनसंख्या ह्रास
(c) जनसंख्या पल्लवन
(d) जनसंख्या-प्रौढ़ता

Ans. (d) : ऐसी प्रक्रिया जिसके द्वारा जनसंख्या में बालकों का अनुपात कम हो जाता है और वयस्क व्यक्तियों के अनुपात में वृद्धि होती है, तो इसे जनसंख्या-प्रौढ़ता की संज्ञा दी जाती है।

95. ''द फर्स्ट एन एस्से ऑन द प्रिंसिपल्स ऑफ पॉपुलेशन'' के लेखक थे?

(a) डी.वी. ग्लास (b) एवरेट एस. ली
(c) डी.जे. बोग (d) टी. माल्थस

Ans. (d) : 'The first An Essay on The Principal of Population' के लेखक थॉमस रॉबर्ट मॉल्थस हैं। इन्होंने बतलाया कि जनसंख्या में वृद्धि गुणोत्तर रूप में होती है, किन्तु संसाधनों में वृद्धि अंकगणितीय रूप से अधिक नहीं होती है।

96. सोपानिक प्रवास की संकल्पना किनके द्वारा दी गई थी?

(a) रैवेन्स्टीन (b) ई.एस. ली
(c) डी.जे. बोग (d) जाचारिया

Ans. (a) : सोपानिक प्रवास की संकल्पना रैवेन्स्टीन द्वारा दी गयी थी। सोपानिक प्रवास मूलतः छोटे प्रवास स्थल से बड़े प्रवास स्थलों की ओर कई चरणों में अग्रसर होता है। जैसे- गाँव से कस्बा, कस्बे से छोटा नगर, छोटे नगर से बड़े नगर तथा बड़े नगर से महानगरों की ओर संक्रमण सोपानिक प्रवसन का द्योतक है।

97. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए।

सूची I (पुस्तक)	सूची II (लेखक)
(A) द फेमिनिन मिस्टीक	(i) एन. ओक्ले
(B) द सेंकण्ड सेक्स	(ii) जमेंन ग्रीअर
(C) सेक्स, जेंडर एण्ड सोसायटी	(iii) बैटी फ्रीडन
(D) द फीमेल यूनॅक	(iv) सिमोन डी बोवोआ

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

Ans. (c) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तक)		(लेखक)
द फेमिनिन मिस्टेक	-	बैटी फ्रीडन
द सेकेण्ड सेक्स	-	सिमोन डी बोवोआ
सेक्स, जेण्डर एण्ड सोसायटी	-	एन. ओक्ले
द फीमेल यूनॅक	-	जीमेन ग्रीअर

98. भारत में अधिनियमित महिलाओं के प्रति अपराध से संबंधित निम्नलिखित अधिनियमों का सही कालक्रम कौन-सा है?

(i) प्रसव-पूर्व नैदानिक तकनीक (पी.एन.डी.टी.) अधिनियम और नियम
(ii) दहेज प्रतिषेध अधिनियम
(iii) घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम
(iv) कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन-उत्पीड़न अधिनियम

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i), (ii), (iii), (iv)
(b) (ii), (iv), (i), (iii)
(c) (iv), (iii), (ii), (i)
(d) (ii), (i), (iii), (iv)

Ans. (d) : महिलाओं के प्रति अपराध से सम्बन्धित अधिनियमों का सही क्रम इस प्रकार है-
दहेज प्रतिषेध अधिनियम (1961), प्रसव पूर्व नैदानिक तकनीक अधिनियम (1994), घरेलू हिंसा अधिनियम (2005), कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन-उत्पीड़न अधिनियम (2013)।

99. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एन.आर.एच.एम.) वर्ष 2005 में भारत में अधिनियमित किया गया, जिसका मुख्य लक्ष्य है।

(a) शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर घटाना
(b) वृद्ध महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार लाना
(c) स्कूली छात्राओं के लिए सफाई सुविधाएँ उपलब्ध कराना
(d) निर्धन परिवार की महिलाओं की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना

Ans. (a) : राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (National Rural Health Mission) एक ग्रामीण भारत के ग्रामीण स्वास्थ्य सुधार के लिए स्वास्थ्य कार्यक्रम है। यह योजना 12 अप्रैल, 2005 को शुरू की गयी। इसका प्रमुख लक्ष्य शिशु मृत्यु दर और मातृ मुत्यु दर में कमी लाना है।

100. एक प्रसिद्ध पुस्तक ''द लेस मेकर्स ऑफ नर्सापुर'' जिसमें भारत के आँध्र प्रदेश में महिला कर्मियों पर वैश्वीकरण के प्रभाव का विश्लेषण किया गया था, के लेखक कौन हैं?

(a) करीन कपाडिया (b) पॉलीन कोलेन्डा
(c) मारिया मीज़ (d) सिल्विया वटुक

Ans. (c) : प्रसिद्ध पुस्तक ''द लेस मेकर्स ऑफ नर्सापुर'' जिसमें भारत के आँध्र प्रदेश में महिला कर्मियों पर वैश्वीकरण के प्रभाव का विश्लेषण किया गया था, के लेखक मारिया मीज़ हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2018
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्नलिखित में से किसने सामाजिक जीवन को समझने के लिए सामाजिक क्रियाओं का चार भागों में वर्गीकरण विकसित किया है?

(a) इमाईल दुर्खाईम (b) टालकॉट पार्सन्स
(c) मैक्स वेबर (d) ऑगस्त कॉम्त

Ans. (c) : मैक्स वेबर ने सामाजिक जीवन को समझने के लिए सामाजिक क्रियाओं का चार भागों में वर्गीकरण विकसित किया है–
- तार्किक क्रिया
- मूल्यांकनात्मक क्रिया
- भावात्मक क्रिया
- परम्परिक क्रिया

2. निम्नलिखित में से किसने अमूर्त और सामान्यीकृत अवधारणाओं के समुच्चय से सामाजिक व्यवस्था का वर्णन करने के लिए समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य का प्रतिपादन किया है?

(a) टालकॉट पार्सन्स (b) इमाईल दुर्खाईम
(c) रॉबर्ट के. मर्टन (d) राल्फ लिन्टन

Ans. (a) : पारसन्स ने अमूर्त और सामान्यीकृत अवधारणाओं के समुच्चय से सामाजिक व्यवस्था का वर्णन करने के लिए समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य का प्रतिपादन किया है। उनके अनुसार कोई भी व्यवस्था तब तक जीवित रह सकती है जब तक वह चार प्रकार्यात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति करती रहती है, जो इस प्रकार है- अनुकूलन, लक्ष्य उपलब्धि, एकीकरण तथा प्रतिमान अनुरक्षण। यह AGIL मॉडल के नाम से जानी जाती है।

3. निम्नलिखित में से कौन यह कहता है कि समाजशास्त्र की आदर्श निरूपणों, भौतिक सामाजिक संगठनों और उनकी घटक क्रियाओं में अंतर पर ध्यान देना चाहिए?

(a) इमाईल दुर्खाईम (b) मैक्स वेबर
(c) कार्ल मार्क्स (d) टालकॉट पार्सन्स

Ans. (b) : मैक्स वेबर का मानना है कि समाजशास्त्र को आदर्श निरूपणों, भौतिक सामाजिक संगठनों और उनकी घटक क्रियाओं में अंतर पर ध्यान देना चाहिए। उनके अनुसार आदर्श प्रारूप 'सब-कुछ' का वर्णन नहीं है, बल्कि यह तो एक सामाजिक घटना या क्रिया के अति महत्वपूर्ण पक्षों का निरूपण है।

4. जब दूसरे लोगों की संस्कृति की निंदा करने की अपेक्षा सांस्कृतिक मतभेदों के प्रति आदर की अभिवृत्ति रखते हैं तो इसे कहा जाता है

(a) सांस्कृतिक विविधता
(b) सांस्कृतिक सापेक्षवाद
(c) नृजातिकेंद्रिकता
(d) सांस्कृतिक सार्वभौमिकताएँ

Ans. (b) : जब दूसरे लोगों की संस्कृति की निंदा करने की अपेक्षा सांस्कृतिक मतभेदों के प्रति आदर की अभिवृत्ति रखते हैं तो इसे सांस्कृतिक सापेक्षवाद कहा जाता है। प्रत्येक संस्कृति अपनी-अपनी विशिष्ट परिस्थितियों के साथ अपने ढंग से समायोजन करती है। अतः किसी एक संस्कृति का मूल्यांकन किसी अन्य संस्कृति के मानदण्डों के अनुसार नही किया जा सकता।

5. किसी विशेष स्थिति में आचरण को निर्देशित करने वाले दिशा-निर्देशों को कहा जाता है

(a) प्रतिमान (b) मूल्य
(c) लोकरीतियाँ (d) रूढ़ियाँ

Ans. (a) : किसी विशेष स्थिति में आचरण को निर्देशित करने वाले दिशा-निर्देशों को प्रतिमान कहा जाता है अर्थात् व्यवहार की ऐसी सांइस अपेक्षाओं या प्रत्याशाओं को मानदण्ड कहते हैं जिन्हें सांस्कृतिक दृष्टि से वांछनीय तथा उपयुक्त माना जाता है।

6. वैन गेनप अपनी किस अवधारणा के लिए विख्यात हैं?

(a) जन्म संस्कार (b) मृत्यु संस्कार
(c) जीवन-यात्रा संस्कार (d) विवाह संस्कारककक

Ans. (c) : वॉन गैनप अपनी जीवन-यात्रा संस्कार की अवधारणा के लिए विख्यात हैं। इनके अनुसार जीवन पथ के संस्कार आपस में जुड़ी हुई निम्न तीन अवस्थाओं को इंगित करते है–
- पृथक्करण
- संक्रमण या अन्तराल
- सम्मिलन

7. भूमिका द्वंद्व एक ऐसी स्थिति है जिसमें एक व्यक्ति, जो किसी विशेष प्रस्थिति में होता है, वह सामना करता है

(i) भूमिका साझेदारों की भिन्न माँगों का
(ii) भूमिका साझेदारों की भिन्न प्रत्याशाओं का
(iii) भूमिका साझेदारों की सदृश माँगों का
(iv) भूमिका साझेदारों की सदृश प्रत्याशाओं का

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए:

कूट :

(a) केवल (i) और (iv) (b) केवल (ii) और (iii)
(c) केवल (iii) और (iv) (d) केवल (i) और (ii)

Ans. (d) : भूमिका द्वंद्व एक ऐसी स्थिति है जिसमें एक व्यक्ति, जो किसी विशेष प्रस्थिति में होता है, वह भूमिका साझेदारों की भिन्न माँगों का एवं भिन्न प्रत्याशाओं का सामना करता है। अर्थात् यह दो या दो से अधिक ऐसी भूमिकाओं के बीच असंगतता अथवा विरोधाभास की स्थिति है जिसके सम्बंध में एक व्यक्ति से किसी विचाराधीन स्थिति में सम्पादन किये जाने की आशा की जाती है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

8. एक व्यक्ति डॉक्टर है, वह अपने मरीजों का उपचार करता है, उन्हें आहार बताता है, कम्पाउंडर द्वारा दवाइयों के वितरण तथा क्लीनिक की सफाई के काम इत्यादि देखता है। डॉक्टर की ये क्रियाएँ बनाती हैं

(a) प्रस्थिति समुच्चय (b) भूमिका समुच्चय
(c) बहुविध प्रस्थितियाँ (d) बहुविध भूमिकाएँ

Ans. (b) : एक विशिष्ट सामाजिक प्रस्थिति के साथ जुड़ी हुई भूमिकाओं के समुच्चय को भूमिका पुंज अथवा समुच्चय (Role Set) कहते है। इस अवधारणा का प्रयोग आर. के. मर्टन ने किया है।

9. निम्नलिखित में से किसने यह कहा कि भूमिका 'प्रस्थिति का गतिशील पहलू' है?

(a) आर. के. मर्टन (b) एम. शैरिफ
(c) आर. लिन्टन (d) एलिस के. रोसी

Ans. (c) : लिटंन ने अपनी पुस्तक 'The Study of Man' में भूमिका एवं प्रस्थिति की अवधारणाओं का उल्लेख किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि भूमिका 'प्रस्थिति का गतिशील पहलू' है।

10. सामाजिक व्यवस्था में किसी स्थिर प्रस्थिति का संबंध किससे है?

(i) विशिष्ट प्रत्याशाओं से
(ii) विशिष्ट अधिकारों से
(iii) असीमित अधिकारों से
(iv) विशिष्ट कर्तव्यों से

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए:

कूट:

(a) केवल (i), (ii) और (iii)
(b) केवल (ii), (iii) और (iv)
(c) केवल (i), (iii) और (iv)
(d) केवल (i), (ii) और (iv)

Ans. (d) : किसी समूह अथवा समाज की संरचना के अन्तर्गत एक निर्दिष्ट समय पर व्यक्ति को प्राप्त पद, प्रतिष्ठा सम्मान उसकी प्रस्थिति है। सामाजिक व्यवस्था में किसी स्थिर प्रस्थिति का सम्बंध विशिष्ट प्रत्याशाओं, अधिकारों तथा कर्तव्यों से है।

11. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची I (लेखक)	**सूची II (समूह के प्रकार)**
(a) मिलर	(i) समुदाय और संघ (समिति)
(b) टॉनीज	(ii) ऊर्ध्व और क्षैतिज
(c) पार्क और डेविस	(iii) आनुवंशिक और एकत्र होना
(d) गिड्डेन्स	(iv) क्षेत्रीय और गैर-क्षेत्रीय
	(v) सकारात्मक और नकारात्मक

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए:

कूट:

	A	B	C	D
(a)	(i)	(iii)	(ii)	(v)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(d)	(iv)	(iii)	(v)	(i)

Ans. (c) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)	**(समूह के प्रकार)**
मिलर	- ऊर्ध्व एवं क्षैतिज
टॉनीज	- समुदाय एवं संघ
पाके एवं डेविस	- क्षेत्रीय एवं गैर क्षेत्रीय
गिडेन्स	- अनुवांशिक एवं एकत्र होगा

12. जब किसी मलिन बस्ती में मुख्यतया या अनन्य रूप से एक ही नृजातीय या प्रजातीय समूह के लोग रहते हैं, तो इसे कहा जाता है

(a) सकेन्द्रण (b) उपबस्ती (मुहल्ला)
(c) झुग्गी-झोंपड़ी (घेटो) (d) बस्ती

Ans. (c) : ऐसे साधनहीन कमजोर व्यक्तियों का समूह जिनका कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में जमावड़ा हो जाता है जहाँ से निकलना उनके लिए प्रायः दुष्कर होता है और वे इसी क्षेत्रों के सिवाय अन्य क्षेत्रो में बसने में समर्थ नहीं होते, ऐसे नगरीय क्षेत्रों को घेटो का नाम दिया गया है।

13. निम्नलिखित में से किसने सबसे पहले संदर्भ समूह की अवधारणा प्रस्तुत की?

(a) एम. शैरिफ (b) एच. एच. हॉयमन
(c) आर. के. मर्टन (d) एस. ए. स्टाऊफ्फर

Ans. (b) : सर्वप्रथम सन्दर्भ समूह की अवधारणा हाइमेन ने वर्ष 1942 में प्रस्तुत की, जिसका व्यवस्थित अध्ययन मर्टन ने किया।

14. निम्नलिखित में से किसने यह कहा है कि बहुपति प्रथा 'एक नृजातीय वर्णन की जिज्ञासा' है?

(a) जी. पी. मर्डाक (b) ली प्ले
(c) डब्ल्यू. जे. गुडे (d) डब्ल्यू. एफ. ऑग्बर्न

Ans. (a) : उपरोक्त कथन जी.पी. मर्डाक का है। बहुपति प्रथा खस एवं टोडा जनजाति में पायी जाती है। एक स्त्री के एक समय में एकाधिक पति होने की प्रथा बहुपति प्रथा कहलाती है।

15. निम्नलिखित में से किसने राज्य की परिभाषा 'एक मानव समुदाय जो किसी दिए गए भूभाग में शारीरिक बल के वैध प्रयोग के एकाधिकार का सफलतापूर्वक दावा करता है', के रूप में की है?

(a) एल. टी. हॉब्हाउस (b) एच. एस. मेन
(c) मैक्स वेबर (d) एफ. एन्जेल्स

Ans. (c) : मैक्स वेबर ने राज्य की परिभाषा 'एक मानव समुदाय जो किसी दिए गए भूभाग में शारीरिक बल के वैध प्रयोग के एकाधिकार का सफलतापूर्वक दावा करता है', के रूप में की है। समाज का वह पक्ष अभिकरण अथवा संस्था राज्य के नाम से जानी जाती है जिसे किसी निर्दिष्ट भू- क्षेत्र पर शारीरिक शक्ति के प्रयोग का वैधानिक एकाधिकार प्राप्त होता है। मैक्स वेबर ने इसे 'वैधानिक हिंसा का अधिकार' कहा है।

16. निम्नलिखित में से किसने इस बात पर बल दिया कि धार्मिक अनुष्ठानों का प्रकार्य समाज की नैतिक श्रेष्ठता की पुष्टि करना होता है?

(a) जे. जी. फ्रेजर (b) ई. दुर्खाईम
(c) मैक्स वेबर (d) ई. बी. टॉयलर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : दुर्खीम ने इस बात पर बल दिया कि धार्मिक अनुष्ठानों का प्रकार्य समाज की नैतिक श्रेष्ठता की पुष्टि करना होता है। उनका मानना है कि धर्म का स्रोत स्वयं समाज है, धार्मिक विचार समाज की विशेषताओं के अतिरिक्त और कुछ नहीं, पवित्र अथवा ईश्वर केवल समाज का मानवीकरण है और धर्म का सामाजिक कार्य (प्रकार्य) सामाजिक एकता की उत्पत्ति, वृद्धि और स्थिरता में हैं।

17. निम्नलिखित में से कौन-से प्राथमिक समाजीकरण के अभिकरण हैं?

(i) परिवार (ii) सम समूह
(iii) स्कूल (iv) जेल

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए:

कूटः

(a) केवल (i), (ii) और (iii)
(b) केवल (ii), (iii) और (iv)
(c) केवल (i), (iii) और (iv)
(d) केवल (i), (ii) और (iv)

Ans. (a) : समाजशास्त्रियों ने समाजीकरण की प्रक्रिया को दो भागों में विभक्त किया है– प्राथमिक समाजीकरण तथा द्वितीयक समाजीकरण। प्राथमिक समाजीकरण परिवार, पड़ोस, नातेदारी, मित्र समूह व आरम्भिक स्कूली शिक्षा के माध्यम से होता है जिसमें बच्चा समाज का सहभागी सदस्य बनने के बारे में बहुत कुछ सीखता है। द्वितीयक समाजीकरण किशोरावस्था से आरम्भ होता है जिसमें व्यक्ति अधिक औपचारिक वातावरण की आवश्यकताओं के अनुसार आचरण करना सीखता है। इस अवस्था में कॉलेज/ विश्वविद्यालय, धार्मिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक संस्थाएं, दफ्तर एवं फैक्ट्री जैसे व्यवसाय-समूह आदि समाज का प्रकार्यात्मक सदस्य बनने में मदद करते हैं।

18. सिग्मण्ड फ्रॉयड का समाजीकरण का सिद्धान्त निम्नलिखित में से किसको सम्मिलित करता है?

(i) परिवार के माध्यम से नैतिक पहचान का अर्जन
(ii) परिवार के माध्यम से स्व-अवधारणा का अर्जन
(iii) परिवार के माध्यम से व्यक्तिगत पहचान का अर्जन
(iv) परिवार के माध्यम से संज्ञानात्मक पहचान का अर्जन

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए:

कूटः

(a) केवल (i) और (ii) (b) केवल (ii) और (iii)
(c) केवल (ii) और (iv) (d) केवल (i) और (iii)

Ans. (d) : मनोवैज्ञानिक फ्रायड ने समाजीकरण के अपने सिद्धान्त को मानसिक क्रियाओं के आधार पर समझाया है उनका मानना है कि समाजीकरण परिवार के माध्यम से नैतिक एवं व्यक्तिगत पहचान कराता है। इन्होंने समाजीकृत आत्म (Sociolized Self) की अवधारणा को स्व के आधार पर इद् (Id) अहम् (Ego) तथा पराहम् (Super Ego) में विभाजित किया है।

19. निम्नलिखित में से कौन समाजीकरण की प्रक्रिया में भाषाई संचार को मुख्यतः सामाजिक कौशल मानता है?

(a) पियाज़े (b) बर्नस्टीन
(c) दुर्खाईम (d) मीड

Ans. (b) : बर्नस्टीन समाजीकरण की प्रक्रिया में भाषाई संचार को मुख्यतः सामाजिक कौशल मानता है। अपनी पुस्तक Class, Codes and Control में वाणी (बोली) के संकेतों (कोड्स) के अपने सिद्धान्त में उन्होंने बताया कि परिवार और विद्यालय के परिवेश में विद्यार्थी कैसे सीखता है, इस पर सामाजिक वर्ग का क्या प्रभाव पड़ता है तथा बाद में उनकी यह उपलब्धि- संभावनाओं और सामाजिक वर्ग की संभावनाओं को कैसे प्रभावित करती है।

20. हिन्दू समाज के वैचारिक आधार के रूप में किसका 'अपवित्रता और पवित्रता' का विचार जाति प्रथा में प्रतिबिम्बित होता है?

(a) मैक्स वेबर (b) लूई ड्यूमा
(c) सेलेस्टिन चार्ल्स ए. बौगले (d) ए. एम. होकार्ट

Ans. (b) : लुईस ड्यूमा ने अपनी पुस्तक (Homo Hierarchicus) में जाति के संस्तरण पर चर्चा की है तथा उसमें जाति आधारित पवित्रता एवं अपवित्रता सम्बंधी विचार प्रतिपादित किया है।

21. सामाजिक स्तरीकरण व्यवस्था इसलिए बनी हुई है क्योंकि उच्चतम स्तर के सदस्य चाहते हैं कि यह व्यवस्था

(a) बदले (परिवर्तन करे) (b) अस्थिर रहे
(c) स्थिर रहे (d) प्रगति करे

Ans. (c) : सामाजिक स्तरीकरण (Social Stratification) समाज को उच्च एवं निम्न वर्गों में विभाजित करने और स्तर निर्माण करने की एक व्यवस्था है। इस व्यवस्था को स्थिर बनाये रखने की मंशा उच्चतम स्तर के सदस्यों की होती है।

22. निम्नलिखित में से यह किसका विचार है कि विभिन्न स्तरों के बीच सहयोग तथा परस्पर-निर्भरता के संबंध हैं?

(a) मार्क्सवादी (b) प्रकार्यवादी
(c) बहुलवादी (d) अंतःक्रियावादी

Ans. (b) : प्रकार्यवादियों का विचार है कि विभिन्न स्तरों के बीच सहयोग तथा परस्पर-निर्भरता के संबंध हैं। समाज के लिए यह आवश्यक है कि व्यवस्था की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु इसकी विभिन्न सामाजिक प्रक्रियाओं का आपस में सहज रूप से तालमेल हो।

23. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

अभिकथन (A): सामाजिक परिवर्तन एक सार्वभौमिक घटना है और यह सर्वकालिक तथा सर्वस्थानिक है।

तर्क (R): सामाजिक परिवर्तन सामाजिक संघर्ष का परिणाम है तथा यह अनिवार्य एवं लाभदायक है।

कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : सामाजिक परिवर्तन एक तटस्थ प्रक्रिया है। यह अच्छाई व बुराई को प्रकट नहीं करती। यह सर्वकालिक व सार्वभौमिक है। सामाजिक संघर्ष के फलस्वरूप परिवर्तन होता है परन्तु सामाजिक परिवर्तन के लिए यही केवल प्रमुख कारक नहीं है।

24. आधुनिकीकरण में सामाजिक परिवर्तन को किस रूप में देखा जाता है?

(a) क्रांतिकारी (b) उद्विकासात्मक
(c) अकस्मात् (d) बलपूर्वक

Ans. (b) : आधुनिकीकरण में सामाजिक परिवर्तन को उद्विकासात्मक रूप में देखा जाता है। इस व्याख्या के समर्थक विद्वान उन्नीसवीं सदी के प्रसिद्ध मानवशास्त्री मॉर्गन और टॉयलर रहे हैं। एक रैखिक उद्विकास के अनुसार यह माना जाता है कि सभी समाजों और संस्कृतियों का विकास एक सार्वभौमिक क्रम में हुआ है।

25. निम्नलिखित में से कौन-सा सामाजिक परिवर्तन के विषय में सबसे पुराना विचार है?

(a) चक्रीय (b) रेखीय
(c) उद्विकासवादी (d) द्वन्द्वात्मक

Ans. (c) : सामाजिक परिवर्तन के विषम में सबसे पुराना विचार उद्विकासवादी है। उद्विकासवाद के समर्थक ऑगस्त कॉम्ट, हॉबहाउस, स्पेंसर एवं मॉर्गन आदि हैं जो कि प्रारम्भिक समाजशास्त्री हैं।

26. यह किसका कथन है कि 'समाज सावयव के समान है'?

(a) एल. एच. मॉर्गन (b) सी. डार्विन
(c) ए. कॉम्ट (d) एच. स्पेंसर

Ans. (d) : स्पेंसर ने सावयवी सिद्धान्त के आधार पर यह समझाने का प्रयत्न किया है कि जिस प्रकार विभिन्न अंगों या इकाइयों से शरीर का निर्माण होता है और जिस प्रकार ये अंग एक-दूसरे से घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित होते हैं, उसी प्रकार समाज रूपी शरीर का निर्माण भी विभिन्न अंगों से हुआ है। जो एक-दूसरे से न केवल सम्बंधित हैं बल्कि साथ ही पारस्परिक रूप से प्रभावित भी करते हैं और एक-दूसरे पर आश्रित भी हैं।

27. निम्नलिखित में से किसने अपने संरचनात्मक सिद्धान्त में समाज के अध्ययन हेतु प्रणालीतंत्रीय प्रतिरूप प्रदान किए हैं?

(a) एस. एफ. नाडेल
(b) ए. आर. रेडक्लिफ-ब्राउन
(c) सी. लेवी-स्ट्रॉस
(d) टालकॉट पार्सन्स

Ans. (c) : सी. लेवी स्ट्रॉस ने अपने संरचनात्मक सिद्धान्त में समाज के अध्ययन हेतु प्रणालीतंत्रीय प्रतिरूप प्रदान किया है। ये मुख्यतः भाषा, मिथक, भाषाशास्त्र तथा नातेदारी संबंधी जनजातीय समाजों के अपने अध्ययनों के लिए जाने जाते हैं।

28. निम्नलिखित में से किसने ब्रिटेन में संरचनात्मक-प्रकार्यवाद को सामाजिक नृविज्ञान में आकार दिया है?

(a) बी. मैलिनॉवस्की तथा हर्बर्ट स्पेंसर
(b) बी. मैलिनॉवस्की तथा ए. आर. रेडक्लिफ-ब्राउन
(c) हर्बर्ट स्पेंसर तथा इवान्स प्रिचार्ड
(d) ए. आर. रेडक्लिफ-ब्राउन तथा जे. ए. बार्नस

Ans. (b) : बी. मैलिनोवस्की और रेडक्लिफ-ब्राउन ने ब्रिटेन में संरचनात्मक-प्रकार्यवाद को सामाजिक नृविज्ञान में आकार दिया है। ये दोनों समाजशास्त्री प्रकार्यवादी विचारधारा के लिए जाने जाते हैं। मैलिनोवस्की की पुस्तक An Introduction of Social Anthropology तथा ब्राउन की पुस्तक Method in Social Anthropology इसी विषय पर आधारित है।

29. यह किसका विचार है कि सामाजिक संरचना के निर्णायक अवयव है 'सतही (सर्फेस) नियम', भूमिकाएँ तथा सामाजिक संस्थाएँ?

(a) एस. एफ. नाडेल (b) सी. लेवी-स्ट्रॉस
(c) ए. आर. रेडक्लिफ-ब्राउन (d) उपर्युक्त सभी

Ans. (a) : नाडेल ने अपनी पुस्तक Theory of Social Structure में सामाजिक संरचना के निर्णायक तत्वों सतही नियम, भूमिकायें तथा सामाजिक संस्था की चर्चा की है।

30. टालकॉट पार्सन्स के अनुसार, सामाजिक व्यवस्था के संरचनात्मक अवयव कौन-कौन से हैं?

(a) लक्ष्य, भूमिकाएँ, मूल्य, प्रस्थितियाँ
(b) भूमिकाएँ, मूल्य, प्रस्थितियाँ, प्रतिमान
(c) मूल्य, प्रतिमान, लक्ष्य, संस्थाएँ
(d) भूमिकाएँ, लक्ष्य, प्रतिमान, मूल्य

Ans. (c) : पारसंस ने सामाजिक व्यवस्था से सम्बंधित एक मॉडल (AGIL) प्रस्तुत किया और बताया कि कोई भी प्रणाली तब तक जीवित रह सकती है, जब तक वह चार प्रकार्यात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति करती रहती है वह है- अनुकूलन, लक्ष्य उपलब्धि एकीकरण तथा प्रतिमान अनुरक्षण।

31. निम्नलिखित में से किसने मैलिनॉवस्की की 'प्रकार्यात्मक अनिवार्यता' के विचार का खंडन करके 'प्रकार्यात्मक विकल्पों' की अवधारणा का प्रतिपादन किया है?

(a) टालकॉट पार्सन्स (b) आर. के. मर्टन
(c) ए. आर. रेडक्लिफ-ब्राउन (d) किंग्सले डेविस

Ans. (b) : मर्टन ने मैलिनोवस्की की 'प्रकार्यात्मक अनिवार्यता' के विचार का खण्डन करके प्रकार्यात्मक विश्लेषण का अपना एक पैराडाइम प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने प्रमुख रूप से प्रकार्य और दुष्प्रकार्य, व्यक्त और अव्यक्त प्रकार्य, बहुप्रकार्य, अकार्य प्रकार्यात्मक विकल्प आदि बातों को सम्मिलित किया।

32. पुस्तक 'क्राइम एण्ड कस्टम इन सैवेज सोसाइटी' के लेखक कौन हैं?

(a) बी. मैलिनॉवस्की (b) जेम्स जी. फ्रेज़र
(c) ए. आर. रेडिक्लिफ-ब्राउन (d) ई. बी. टॉयलर

Ans. (a) : 'Crime and Custom in Savage Society' पुस्तक के लेखक मैलिनोवस्की हैं। इनकी अन्य प्रमुख कृतियाँ इस प्रकार हैं-
The Dynamics of Cultural change, 1945
Argonauts of the Western Pecific, 1922
Sex and Repression in Savage Society, 1927

33. निम्नलिखित में से किसने श्रम-विभाजन के सामाजिक प्रकार्यों के अध्ययन में अपसामान्य रूपों का विचार प्रदान किया है?

(a) एडम स्मिथ (b) इमाईल दुर्खाईम
(c) टालकॉट पार्सन्स (d) कार्ल मार्क्स

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : दुर्खीम श्रम विभाजन को सामाजिक परिवर्तन का प्रमुख कारण मानते हैं। इन्होंने श्रम विभाजन के तीन असामान्य स्वरूपों का उल्लेख किया है- आदर्शहीन श्रम विभाजन, बलात् श्रम विभाजन तथा व्यक्तिगत कार्य की अपर्याप्तता वाला श्रम विभाजन।

34. निम्नलिखित में से कौन प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद में 'वस्तुनिष्ठ सापेक्षवाद को प्रायः संदर्भ की वस्तुनिष्ठ वास्तविकता' मानता है?

(a) जी. एच. मीड (b) एच. ब्लूमर
(c) एम. मीड (d) जी. सिमेल

Ans. (b) : ब्लूमर प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद में 'वस्तुनिष्ठ सापेक्षवाद को प्रायः संदर्भ की वस्तुनिष्ठ वास्तविकता' मानते हैं। उन्होंने अपनी पुस्तक में संवेदनशील अवधारणाओं के निर्माण की बात की जो आनुभविक तथ्यों पर आधारित सिद्धान्तों को जन्म दे।

35. निम्नलिखित में से यह किसका विचार है कि 'सार्थक सामाजिक क्रिया में ऐसी कोई क्रियाविधि हो सकती है जिसमें व्यक्तिनिष्ठ अर्थ क्रिया का मार्गदर्शन करता है'?

(a) टालकॉट पार्सन्स (b) मैक्स वेबर
(c) इरा कोहेन (d) ज्याँ पॉल सार्त्रे

Ans. (b) : वेबर का विचार है कि 'सार्थक सामाजिक क्रिया में ऐसी कोई क्रियाविधि हो सकती है जिसमें व्यक्तिनिष्ठ अर्थ क्रिया का मार्गदर्शन करता है।' उनका मानना है कि किसी क्रिया को सामाजिक क्रिया तभी कहा जा सकता है जबकि इस क्रिया को करने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा लगाये गये व्यक्तिनिष्ठ अर्थ (प्रतीकात्मक अर्थ) के कारण यह क्रिया दूसरे व्यक्तियों के व्यवहार द्वारा प्रभावित हो और उसी के अनुसार उसकी गतिविधि निर्धारित हो।

36. निम्नलिखित में से किस संदर्श के अनुसार, किसी घटना का अर्थ वस्तु में निहित नहीं होता बल्कि यह सामाजिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न होता है?

(a) प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद (b) नृजाति कार्यप्रणाली
(c) प्रघटना विज्ञान (d) सामाजिक क्रिया

Ans. (a) : हरबर्ट ब्लूमर द्वारा प्रतिपादित प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद के अनुसार, किसी घटना का अर्थ वस्तु में निहित नहीं होता बल्कि यह सामाजिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न होता है। इस सिद्धान्त की प्रमुख विशेषता यह है कि अन्तर्कियावादी प्रतीकों के पीछे छुपी हुई प्रक्रियाओं और अन्तर्क्रियाओं की खोज करते हैं ताकि वे सामाजिक जीवन के अन्तर्निहित प्रतिमानों और स्वरूपों का निर्धारण कर सकें।

37. निम्नलिखित में से यह किसका तर्क है कि सामाजिक संरचनाओं को 'पुनरावृत्तीय सूक्ष्म अन्तःक्रिया के प्रतिरूपों (पैटर्न्स)' में आनुभविक रूप से परिणत किया जा सकता है?

(a) एल. ए. कोज़र (b) आर. डहरेनडॉर्फ
(c) आर. कॉलिन्स (d) जे. एस. कोलमैन

Ans. (c) आर. कॉलिन्स का तर्क है कि सामाजिक संरचनाओं को 'पुनरावृत्तीय सूक्ष्म अन्तःक्रिया के प्रतिरूपों (पैटर्न्स)' में आनुभविक रूप से परिणत किया जा सकता है।

38. निम्नलिखित में से किसने सामाजिक स्थितियों का विश्लेषण करते समय 'वस्तुओं की प्रतीकांधभक्ति' (फेटिशिज्म ऑफ कोमोडिटीज़) पद का प्रयोग किया है?

(a) लुकास (b) मार्क्स
(c) अल्थुसर (d) गिड्डेन्स

Ans. (b) : कार्ल मार्क्स ने राजनीतिक अर्थव्यवस्था की समालोचना में कहा कि 'वस्तुओं की प्रतीकांधभक्ति' उत्पादन में शामिल सामाजिक स्थिति की धारणा है न कि लोगों के बीच के संबंधों के रूप में।

39. किसने इस विचार को अस्वीकार किया कि शक्ति में अन्तर पर आधारित हितों के टकराव को कभी दूर किया जा सकता है?

(a) आर. डहरेनडॉर्फ (b) आर. कॉलिन्स
(c) के. मार्क्स (d) एम. वेबर

Ans. (a) : डेहरेनडॉर्फ ने संघर्ष के संरचनात्मक कारणों को ढूढ़ने का यत्न किया है। उनके अनुसार मात्र आर्थिक सम्बंध ही संघर्ष का कारण नहीं है, अपितु सत्ता- शक्ति के सम्बंध भी संघर्ष को जन्म देते हैं। उन्होंने इस कथन को अस्वीकार किया है कि शक्ति में अन्तर पर आधारित हितों के टकराव को कभी दूर किया जा सकता है।

40. निम्नलिखित में से कौन-सा मात्रात्मक तथा गुणात्मक शोध के बीच वैषम्य नहीं है?

(a) भाग लेने वाले शोधार्थी की दूरी बनाम निकटता
(b) सामान्यीकरण बनाम संदर्भीय बोध
(c) दृढ़ विश्वसनीय आँकड़े बनाम समृद्ध, गहन आँकड़े
(d) व्याख्यावादी बनाम नारीवादी

Ans. (d) : विकल्प a, b, c में पहले तथ्य का मूल्यांकन मात्रात्मक में तथा दूसरे तथ्य का मूल्यांकन गुणात्मक शोध के रूप में होता है। व्याख्यावादी बनाम नारीवादी एक विचार है जो केवल कथनात्मक है। इसमें मात्रात्मक प्रथा गुणात्मक शोध के बीच वैषम्य नहीं है।

41. निम्नलिखित में से किसने सामाजिक शोध की विधि के संदर्भ में स्पष्ट रूप से 'प्रकृति' और 'समाज' के बीच विभेद किया है?

(a) मैक्स वेबर (b) जोहन गाल्टंग
(c) डब्ल्यू. डिल्थे (d) इवान्स प्रिचार्ड

Ans. (c) : विलहेम डिल्थे एक जर्मन दार्शनिक तथा इतिहासकार थे जो मुख्य रूप से प्राकृतिक और सामाजिक घटनाओं में अन्तर स्पष्ट किये जाने वाले अपने विचारों के लिए जाने जाते हैं। उनका मानना है कि प्राकृतिक जगत को वैज्ञानिक अवलोकन और वस्तुपरक नियमों द्वारा समझा जा सकता है, किन्तु सामाजिक जगत को केवल अर्थ के संदर्भ में समझा जा सकता है जो स्थिति विशेष में भाग लेने वाले व्यक्ति उस घटना को अंजाम देते हैं।

42. निम्नलिखित भारतीय समाजशास्त्रियों में से किसने सामाजिक परिघटनाओं के अध्ययन के लिए एकीकृत उपागम की पैरवी की है?

(a) डी.पी. मुकर्जी (b) राधाकमल मुखर्जी
(c) रामकृष्ण मुखर्जी (d) आन्द्रे बेतेई

Ans. (b) : भारतीय समाजशास्त्रियों में से आर. के. मुखर्जी ने सामाजिक परिघटनाओं के अध्ययन के लिए एकीकृत (समष्टिगत) उपागम की पैरवी की है। ये प्रमुखतः मूल्यों के सिद्धान्त के रूप में जाने जाते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

43. शोध अभिकथन (रिसर्च डिज़ाइन) क्या है?
(a) शोध करने की एक विधि जो सिद्धान्त पर आधारित नहीं है
(b) परिमाणात्मक या गुणात्मक विधियों के प्रयोग के बीच विकल्प
(c) शोध निष्कर्षों के प्रस्तुतीकरण की शैली
(d) आँकड़ा संकलन और विश्लेषण की रूपरेखा

Ans. (d) : शोध अभिककथन आँकड़ा संकलन और विश्लेषण की रूपरेखा है। सामाजिक शोध का लक्ष्य किसी घटना का यथार्थ चित्रण करना, किसी सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु विकल्पों का पता लगाना तथा कुछ का सामाजिक नियोजन एवं नियोजित परिवर्तन की प्रभावकता का पता लगाना और समाज कल्याण विकास कार्यक्रमों के सफल संचालन में योग देना है।

44. सहभागी और असहभागी अवलोकन का संप्रत्ययात्मक प्ररूप सामाजिक शोध में किसके द्वारा प्रारम्भ किया गया था?
(a) एडवर्ड लिन्डमैन (b) नेल्स एन्डर्सन
(c) डब्ल्यू. एफ. व्हाइट (d) पॉल क्रेसे

Ans. (a) : सहभागी और असहभागी अवलोकन का संप्रत्ययात्मक प्ररूप सामाजिक शोध में लिंडमैन द्वारा प्रारम्भ किया गया था। इन्होंने अपनी पुस्तक Social Discovery में सर्वप्रथम सहभागी अवलोकन शब्द का प्रयोग किया।

45. निम्नलिखित में से किसने 'विषय-वस्तु विश्लेषण' की परिभाषा 'संचार की प्रत्यक्ष विषय-वस्तु के वस्तुनिष्ठ, व्यवस्थित और परिमाणात्मक वर्णन की शोध तकनीक' के रूप में की है?
(a) जॉन मज (b) बी. बेरेलसन
(c) पी. वी. यंग (d) जी. लुन्डबर्ग

Ans. (b) : विषय वस्तु विश्लेषण शोध की एक विधि एक तकनीक है जिसके द्वारा संचार के लिखित, मौखिक अथवा दृश्यात्मक साधनों में व्यक्त अन्तर्वस्तु के वस्तुपरक व्यवस्थित एवं परिमाणात्मक विश्लेषण किया जाता है।

46. वह विधि जिसमें जीवित व्यक्तियों की संस्मृति वर्तमान तथा पुरालेख के लिए संग्रह की जाती है, कहलाती है
(a) जीवन-वृत्त (b) मौखिक-वृत्त
(c) व्यक्तिक अध्ययन (d) विषय-वस्तु विश्लेषण

Ans. (b) : मौखिक इतिहास विधि में वयोवृद्ध व्यक्तियों से साक्षात्कार किया जाता है और उन घटनाओं के बारे में जानकारी एकत्रित की जाती है जो उनकी बाल्यावस्था, किशोरावस्था, युवावस्था और प्रौढ़ावस्था में घटी है और वे इन घटनाओं के प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप में चश्मदीद गवाह रहे हैं।

47. निम्नलिखित में से कौन-से गुणात्मक चर हैं?
(i) आयु (ii) लिंग
(iii) आय (iv) धार्मिक आस्था
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए:
कूट:
(a) केवल (i) और (ii) (b) केवल (iii) और (iv)
(c) केवल (ii) और (iv) (d) केवल (i) और (iii)

Ans. (c) : संख्यात्मक इकाइयों की अपेक्षा श्रेणियों को प्रदर्शित करने वाले परिवर्त्य को गुणात्मक परिवर्त्य कहते हैं। लिंग, धर्म, जाति, प्रजाति, गुणात्मक परिवर्त्य चर हैं। ऐसे चरों में विभेद के लिए अंकों अथवा संख्याओं का प्रयोग नहीं किया जाता।

48. जिस सीमा तक कोई आँकड़ा संग्रह मापनी अथवा विधि सत्य होने की गुणवत्ता रखती है, कहलाती है
(a) विश्वसनीयता (b) वैधता
(c) सहसंबंध (d) साहचर्य

Ans. (b) : किसी शोध विधि अथवा पैमाने की वैधता अथवा प्रमाणिता से तात्पर्य मापे जाने वाले तथ्य की सही-सही माप करने की क्षमता से है। पैमाने की वैधता की जाँच के लिए तार्किक वैधता विधि, पंचों की राय विधि, परिचित समूह विधि, स्वतंत्र मापदण्ड विधि आदि का प्रयोग किया जाता है।

49. निम्नलिखित में से कौन-सा दो चरों के बीच संबंध का सार्थकता स्तर मापने का एक परीक्षण है?
(a) सहसंबंध गुणांक (b) प्रसरण
(c) यूल का Q (d) टी-परीक्षण

Ans. (a) : दो चरों के परस्पर सम्बंधों का सबसे अच्छा माप पियर्सन का सहसम्बंध गुणांक है। यह गुणांक दोनों चरों के सह प्रसरण को उनके मानक विचलनों के गुणनफल से भाग देने से प्राप्त होता है।

50. जब सारणी के दोनों छोर खुले हों, तो उस वितरण से केंद्रीय प्रवृत्ति की किस माप की गणना की जा सकती है?
(a) माध्य (b) माध्यिका और माध्य
(c) माध्यिका और बहुलक (d) माध्य और बहुलक

Ans. (c) जब सारणी के दोनों छोर खुले हों, तो उस वितरण से केंद्रीय प्रवृत्ति की माध्यिका और बहुलक माप की गणना की जा सकती है।

51. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची-I (अवधारणाएँ)	**सूची-II (प्रतिपादक)**
(A) हाथ में ज्ञान का भंडार (स्टॉक ऑफ नॉलेज एट हैंड)	(i) गारफिन्केल
(B) नाटकीय अंतर्क्रिया के उत्पाद के रूप में आत्म (सैल्फ एज ए प्रोडक्ट ऑफ ड्रामैटिक इन्टरएक्शन)	(ii) शुल्ज
(C) लेखाकरण (एकाउंटिंग)	(iii) बर्जर और लकमैन
(D) यथार्थ का सामाजिक निर्माण (सोशल कंस्ट्रक्शन ऑफ रिएलिटी)	(iv) गॉफमैन

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए:
कूट:

	A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणाएँ)		**(प्रतिपादक)**
स्टॉक ऑफ नॉलेज एट हैण्ड	-	शूट्ज
सेल्फ एज ए प्रोडक्ट ऑफ ड्रामैटिक इण्टरएक्शन	-	गॉफमैन
एकाउंटिंग	-	गारफिन्केल
सोशल कंस्ट्रक्शन ऑफ रियलिटी	-	बर्जर एवं लकमैन

52. गारफिन्केल ने व्यवस्था की भावना की व्याख्या करने के लिए निम्नलिखित में से किस शब्द का प्रयोग नहीं किया था?

(a) आदि नियम
(b) स्वतः मान लिए गए नियम
(c) मुलम्मा लगाना (दिखावा करना)
(d) प्रवचन विश्लेषण (डिस्कोर्स एनालिसिस)

Ans. (d) : गारफिन्केल ने व्यवस्था की भावना की व्याख्या करने के लिए प्रवचन विश्लेषण (डिस्कोर्स एनालिसिस) शब्द का प्रयोग नहीं किया था। भाषा के समाजशास्त्रियों (ग्रामशी, सासुरे फूको आदि) ने इस शब्द का प्रयोग भाषा की संरचना, उसके कार्य एवं प्रतिमानों के अर्थ में किया है।

53. शुट्ज ने 'जीवन-जगत' की कतिपय विशेषताओं की दृष्टि से व्याख्या की है। एक गलत को चिह्नित कीजिए।

(a) यह प्रतिदिन के जीवन का जगत है।
(b) यह, वहाँ विद्यमान रहता है।
(c) यह साझा और निजी है।
(d) यह अन्तर्विषयनिष्ठ है।

Ans. (b) : शूट्ज ने जीवन-जगत की कतिपय विशेषताओं की दृष्टि से व्याख्या की है जिसमें उन्होंने बताया कि यह प्रतिदिन के जीवन का जगत है, यह साझा व निजी है तथा यह अन्तर्विषयनिष्ठ है। शुट्ज ने चेतना से हट कर अन्तः विषयपरकता, जीवन जगत और हम तथा वे के सम्बंधों को अपने अध्ययन विवेचन का केन्द्र बनाया है।

54. अलेक्जेन्डर ने संरचनात्मक-प्रकार्यवाद की कुछ समस्याओं को बताया है जिनको नव-प्रकार्यवाद को पार पाना है। निम्नलिखित में से कौन-सा उसके द्वारा नहीं बताया गया है?

(a) रूढ़िवाद (b) व्यक्तिवाद
(c) आदर्शवाद (d) आनुभविक-विरोधी पूर्वाग्रह

Ans. (b) : अलेक्जेण्डर ने संरचनात्मक-प्रकार्यवाद की कुछ समस्याओं को बताया है। जिन्हें नव-प्रकार्यवाद को दूर करना है वे हैं- व्यक्तिवाद- विरोध, परिवर्तन का विरोध, रूढ़िवाद, आदर्शवाद तथा आनुभविकता विरोधी अभिनति आदि।

55. अल्थुसर ने मार्क्स के लेखनों को चार कालों में विभाजित करके क्या प्राप्त किया?

(a) मानववादी मार्क्सवाद को अस्वीकार किया
(b) मार्क्सवाद का सरलीकरण किया
(c) मार्क्सवाद की आलोचना की
(d) मार्क्सवादी विचारों को रेखांकित किया

Ans. (a) : अल्थूजर ने मार्क्स के लेखनों को चार कालों में विभाजित करके मानववादी मार्क्सवाद को अस्वीकार किया। इसे उन्होंने ऐसा 'पूर्ववर्ती वैज्ञानिक चिन्तन' माना जो इतिहास को उत्तरोत्तर मानवीय आत्म-ज्ञान प्राप्त करने के एक रूप में देखता है। प्रारम्भिक मार्क्स (तरुण मार्क्स) के दार्शनिक मानवतावाद को अल्थूजर ने ऐसा 'पूर्ववर्ती वैज्ञानिक चिंतन' मानकर अस्वीकार कर दिया जो इतिहास को उत्तरोत्तर मानवीय आत्म-ज्ञान प्राप्त करने के एक रूप में देखता है।

56. हैबरमास ने समाज के चार प्रकारों में संकटों का विश्लेषण किया है। एक गलत को चिह्नित कीजिए।

(a) आदिम (b) सामन्ती
(c) पूँजीवादी (d) उत्तर-पूँजीवादी

Ans. (b) : हेबरमास ने पूँजीवादी राज्य के चार संकटपूर्ण स्थितियों की पहचान की है। ये है- आर्थिक संकट, विवेक का संकट, वैधता का संकट तथा अभिप्रेरण (Motivation) का संकट।

57. डेरिडा के अनुसार भाषा है

(a) एक व्यवस्थित और स्थिर व्यवस्था
(b) एक अव्यवस्थित और स्थिर व्यवस्था
(c) एक अव्यवस्थित और अस्थिर व्यवस्था
(d) एक व्यवस्थित और अस्थिर व्यवस्था

Ans. (c) : डेरिडा के अनुसार भाषा एक अव्यवस्थित और अस्थिर व्यवस्था है। वे कहते हैं कि शब्दों के सभी अर्थ सापेक्षिक और अल्प कालिक हैं। उनके अनुसार भाषा प्रणाली की नियंत्रणात्मक शक्ति का व्यक्तियों पर प्रभाव पड़ने का सवाल ही उत्पन्न नहीं होता जैसा कि कुछ संरचनावादियों ने माना है।

58. निम्नलिखित में से कौन यह मानता है कि द्वैधताएँ कभी भी समतुल्य नहीं हैं अपितु सोपानिक क्रम में हैं?

(a) अत्थुसर (b) डेरिडा
(c) गिड्डेन्स (d) फूको

Ans. (b) डेरिडा का मानना है कि द्वैधताएं कभी-भी समतुल्य नहीं हैं अपितु सोपानिक क्रम में हैं। उन्होंने बताया है कि परम्परा अनेकों विरोधाभासों और विसंगतियों से भरी पड़ी है। पुरातन और नवीन का सम्बन्ध अरैखिक नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा सम्बन्ध है जिसमें पुरातन और नवीन दोनों के धारणाओं में परिवर्तन आ जाता है।

59. नीचे दो कथन दिए गए है, जिसमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

अभिकथन (A): भारत में इन दिनों ग्रामीण से ग्रामीण प्रवसन अधिक हो रहा है।

तर्क (R): गहन कृषि क्षेत्रों में कृषि के लिए स्थानीय श्रमिक उपलब्ध नहीं हैं।

कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : वर्तमान समय में गहन कृषि क्षेत्रों में कृषि के लिए स्थानीय श्रमिक उपलब्ध न होने के कारण ग्रामीण से ग्रामीण प्रवसन हो रहा है। अतः अभिकथन (A) और तर्क (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

60. फूको निम्नलिखित कथनों में से किसका समर्थन नहीं करता है?

(a) सत्ता विसरित है।
(b) सत्ता व्यापक है।
(c) सत्ता शासन-व्यवस्था में अभिव्यक्त है।
(d) सत्ता विशुद्ध रूप से दमनकारी है।

Ans. (d) : सत्ता विशुद्ध रूप से दमनकारी है इसका समर्थन फूको ने नहीं किया है। उनके अनुसार उत्तर आधुनिक समाज में ज्ञान उत्पादन का एक साधन है। अतः जिसके पास ज्ञान है, उसके पास शक्ति (सत्ता) है। वे ज्ञान को देह, स्मृति, कामना और सत्ता से गहरे रूप में जूड़ा मानते हैं।

61. फूको के निम्नलिखित प्रकाशनों का सही क्रम कौन-सा है?

(i) द बर्थ ऑफ द क्लीनिक
(ii) द केयर ऑफ द सेल्फ
(iii) द यूज ऑफ प्लेजर
(iv) डिसिप्लिन एंड पनिश

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए:

कूट :

(a) (i), (ii), (iv), (iii) (b) (ii), (i), (iii), (iv)
(c) (i), (iv), (ii), (iii) (d) (iv), (i), (ii), (iii)

Ans. (c) : फूकों की कृतियों का सही क्रम है-
द बर्थ ऑफ द क्लीनिक- 1963
डिसिप्लिन एण्ड पनिश- 1975
द यूज ऑफ प्लीजर- 1990
द केयर ऑफ द सेल्फ- 1986

62. यह टिप्पणी किसने की है कि 'भारत की एकता अनिवार्य रूप से धार्मिक एकता है'?

(a) लूई ड्यूमों (b) राधाकमल मुखर्जी
(c) एम. एन. श्रीनिवास (d) डी. पी. मुकर्जी

Ans. (c) श्रीनिवास के अनुसार, 'भारत की एकता अनुवार्य रूप से धार्मिक एकता है।' हिन्दू धर्म चार स्तरों अर्थात् अखिल भारतीय हिंदुत्व, प्रायद्वीपीय हिन्दुत्व, क्षेत्रीय या प्रादेशिक हिन्दुत्व और स्थानीय हिन्दुत्व के रूप में बँटा हुआ है। अखिल भारतीय हिन्दुत्व सारे भारत में फैला हिन्दुत्व है तथा इसकी प्रकृति विशुद्ध संस्कृतनिष्ठ है। उदाहरणार्थ इसकी अभिव्यक्ति हम राम और कृष्ण के जन्मोत्सव में देख सकते है जिन्हें लगभग समस्त भारत में मनाया जाता है।

63. निम्नलिखित में से किसने दो मॉडलों के रूप में 'समरसता' और 'असमरसता' शब्दो का प्रयोग किया है जिसके माध्यम से भारत और पश्चिम में सामाजिक स्तरीकरण की व्यवस्था की तुलना की जा सकती है?

(a) लुई ड्यूमों (b) ए. आर. देसाई
(c) मैक्किम मैरियट (d) आन्द्रे बेतेई

Ans. (d) : आन्द्रे बेतेई ने अपनी पुस्तक 'Harmonic and Disharmonic System' में भारत और पश्चिम में सामाजिक स्तरण व्यवस्था की तुलना हेतु समरसता और असमरसता शब्दों का प्रयोग किया है।

64. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची I (पुस्तकें)	सूची I (लेखक)
(A) द सेकन्ड सेक्स	(i) जे. फ्रीडमैन
(B) फेमिनिज्म	(ii) जे. बटलर
(C) सेक्सुअल पॉलिटिक्स	(iii) एस. डी बोवोयर
(D) जेन्डर ट्रबल	(iv) के. मिलेट

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए:

कूट:

	A	B	C	D
(a)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(b)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

Ans. (a) : सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(पुस्तकें)		(लेखक)
द सेकेण्ड सेक्स	-	एस. डी. बोवोयर
फेमिनिज्म	-	जे. फ्रीडमैन
सेक्सुअल पॉलिटिक्स	-	के. मिलेट
जेण्डर ट्रबल	-	जे. बटलर

65. निम्नलिखित में से किसने भारत में राष्ट्रवाद के उद्भव के अध्ययन में द्वंद्वात्मक उपागम का प्रयोग किया है?

(a) योगेन्द्र सिंह (b) रंजीत गुहा
(c) ए. आर. देसाई (d) एम. एन. श्रीनिवास

Ans. (c) : ए. आर. देसाई ने भारत में राष्ट्रवाद के उद्भव के अध्ययन में द्वन्द्वात्मक उपागम का प्रयोग किया है। देसाई ने अपनी प्रथम कृति 'भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि' (Social Background of Indian Nationalism) में भारत में ब्रिटिश शासन के प्रभाव का सूक्ष्म विश्लेषण किया है तथा भारतीय राष्ट्रवाद के विकास में सामाजिक शक्तियों तथा सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आन्दोलनों की भूमिका भी मूल्यांकन किया है।

66. निम्नलिखित में से कौन-सी एक जनजाति अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह की है?

(a) टोडा (b) जारवा
(c) साओरा (d) भील

Ans. (b) : अण्डमान और निकोबार में पायी जाने वाली जनजातियाँ इस प्रकार हैं- सेंटिनलीज, ओंग, जारवा, ग्रेट अण्डमानी और शोमपेन। अन्य जनजातियाँ एवं उनके निवास स्थान इस प्रकार हैं-

टोडा जनजाति	- तमिलनाडु
साओरा जनजाति	- उड़ीसा
भील जनजाति	- (गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान)

67. धार्मिक ग्रंथों जैसे वेद और उपनिषद् से व्युत्पन्न तथ्यों पर आधारित अध्ययन निम्नलिखित परिप्रेक्ष्यों में से किसका प्रतिनिधित्व करता है?

(a) भारत विद्या परिप्रेक्ष्य
(b) संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य
(c) सभ्यात्मक परिप्रेक्ष्य
(d) ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : भारत विद्या शास्त्र शब्द का प्रयोग भारत विषयक ज्ञान की उस विद्या के लिए किया गया है, जिसमें सूचनाओं (तथ्य सामग्री) को एकत्रित करने के लिए मुख्यतः भारत के पौराणिक (क्लासिकल) ग्रंथो और साहित्य का प्रयोग किया जाता है। इसमें मुख्यतः पौराणिक हिन्दू कानून, श्राद्ध तथा अन्य आध्यात्मिक कर्मकाडों सम्बंधी विवेचन को सम्मिलित किया जाता है।

68. किसने भारतीय सामाजिक स्थिति को समझने के लिए उपाश्रित परिप्रेक्ष्य का प्रयोग किया है?

(a) जी. एस. घुर्ये (b) एन. के. बोस
(c) एल. ड्यूमो (d) डेविड हार्डिमैन

Ans. (d) : डेविड हॉर्डिमैन ने भारतीय सामाजिक स्थिति को समझने के लिए उपाश्रित परिप्रेक्ष्य का उपयोग किया है। उपाश्रित परिप्रेक्ष्य से तात्पर्य दबे कुचले एवं अधीनस्थ लोगों के अध्ययन से है।

69. योजना आयोग के द्वारा क्रमशः ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए निर्धनता रेखा की निर्धारित आय सीमा कितनी थी?

(a) ₹ 28 और ₹ 34 (b) ₹ 26 और ₹ 32
(c) ₹ 20 और ₹ 28 (d) ₹ 30 और ₹ 36

Ans. (*) : भारत में निर्धनता रेखा को परिभाषित करने का प्रयत्न सर्वप्रथम वर्ष 1962 में प्रसिद्ध अर्थशास्त्रियों जैसे गाडगिल, डी.एन. गांगुली, लोकनाथन आदि के एक कार्यदल ने किया था। योजना आयोग द्वारा गठित तेंदुलकर समिति ने क्रमशः ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए निर्धनता रेखा की आय सीमा प्रतिदिन ₹ 27 और ₹ 33 निर्धारित की थी।

70. नीचे दो कथन दिए गए है, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

अभिकथन (A): वर्ष 2004 में दिए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि भारत में संसूचित यौन-उत्पीड़न की दर विश्व में न्यूनतम है।

तर्क (R): अधिकतम मामले उत्पीड़ितों की अनिच्छा के कारण संसूचित नहीं किए जाते हैं।

कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

Ans. (a) : भारत में संसूचित यौन उत्पीड़न की दर विश्व में न्यूनतम होने का कारण समाज के लोक-लाज के भय से उत्पीड़ितों की अनिच्छा के कारण संसूचित नहीं किये जाते हैं। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

71. भारत की जनगणना-2011 के अनुसार किस राज्य में जनसंख्या की वृद्धि दर न्यूनतम है?

(a) पंजाब (b) कर्नाटक
(c) तमिलनाडु (d) केरल

Ans. (d) भारत की जनगणना-2011 के अनुसार केरल राज्य में जनसंख्या की वृद्धि दर न्यूनतम है। न्यूनतम दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर वाले 5 राज्य/केन्द्र प्रशासित क्षेत्र निम्न प्रकार है–

राज्य/केन्द्र प्रशासित		वृद्धि दर (प्रतिशत में)
नगालैण्ड	–	0.6
केरल	–	4.9
लक्षद्वीप	–	6.3
अंडमान और निकोबार द्वीप	–	6.9
गोवा	–	8.2

72. टी. एन. मदान के अनुसार धर्मनिरपेक्षता का कौन-सा आयाम सही नहीं है?

(a) धर्म से राज्य की पृथक्ता
(b) राज्य के द्वारा कुछ समुदायों के साथ पक्षपातपूर्ण व्यवहार
(c) वस्तुनिष्ठ विवेकशीलता के भाव के साथ धार्मिक मान्यताओं को देखना
(d) सभी लोगों के लिए उनके समुदाय के निरपेक्ष न्यायपूर्ण जीवन स्तर सुनिश्चित करना

Ans. (b) : भारतीय सन्दर्भ में लौकिकवाद या धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य सभी धर्मो को उनके विकास तथा प्रथाओं के पालन सम्बंधी समान स्तर प्रदान करना है। सभी धर्मो के प्रति समभाव राज्य की सभी धर्मों से बराबर की दूरी को प्रदर्शित करता है।

73. भारत में सांविधिक शहरों, जिन्होंने अपनी मलिन बस्ती की जनसंख्या (2011 की जनगणना के अनुसार) बताई है, का प्रतिशत कितना है?

(a) 48 (b) 63
(c) 58 (d) 78

Ans. (b) भारत में सांविधिक शहरों, जिन्होंने अपनी मलिन बस्ती की जनसंख्या (2011 की जनगणना के अनुसार) बताई है, का प्रतिशत 63 है। वर्ष 2011 में मुम्बई में लगभग 41.3%, कोलकाता में 29.6%, चेन्नई में 28% तथा दिल्ली में 15% मलिन बस्तियाँ पायी गयी है।

74. नीचे दो कथन दिए गए है, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

अभिकथन (A): विस्थापन निर्धन और निर्बल को कही अधिक निर्धनता के खतरे में डालते है।

तर्क (R): विस्थापन के पश्चात् उनका समुचित पुनर्वास नहीं किया जाता है।

कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

Ans. (a) : विस्थापित किये गये निर्धन लोगों का समुचित पुनर्वास नहीं होता जिसके फलस्वरूप विस्थापन निर्धन और निर्बल लोगों को कहीं अधिक खतरे में डाल देता है। अतः A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

75. वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की श्रेणी I नगरों मे रह रही नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत कितना है?

(a) 65.6 (b) 70.2
(c) 60.1 (d) 55.5

Ans. (b) : वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की श्रेणी I नगरों में रह रही जनसंख्या का प्रतिशत 70.2 है। भारत में कुल नगरीय जनसंख्या 377.1 मिलियन है, जो देश की कुल जनसंख्या का 31.1% है।

76. किस सिद्धान्त के अनुसार, 'व्यवहार विसामान्य होते हैं और ऐसी तभी होता है जब लोग उनको ऐसे ही पहचानते हैं'?

(a) नियंत्रण सिद्धान्त (b) संरचनात्मक तनाव सिद्धान्त
(c) नामपत्रण सिद्धान्त (d) विभेदक साहचर्य सिद्धान्त

Ans. (c) : नामपत्रण सिद्धान्त के अनुसार अपराध एक लेवल मात्र है, इससे अधिक कुछ नहीं है जो व्यक्ति और उसके व्यवहार पर चिपका दिया जाता है। शराबी, चोर, समलैंगिक, पागल, अनब्याही माँ आदि ऐसे ही कुछ लेबल हैं जो जाने-अनजाने में लोगों पर चस्पा कर दिये जाते हैं, चाहे वह ऐसा व्यक्ति हो या न हो।

77. 'विसामान्य' को किसने इस प्रकार परिभाषित किया है, 'एक अथवा अधिक समावयवी कर्ता की ओर से ऐसी प्रवृत्ति जिसमें वह इस प्रकार व्यवहार करता है कि अन्तःक्रिया प्रक्रम का संतुलन बिगड़ जाता है?

(a) आर. के. मर्टन (b) सी. एच. कूले
(c) एच. मीड (d) टी. पार्सन्स

Ans. (d) 'विसामान्य' को टी. पार्सन्स ने इस प्रकार परिभाषित किया है, 'एक अथवा अधिक समावयवी कर्ता की ओर से ऐसी प्रवृत्ति जिसमें वह इस प्रकार व्यवहार करता है कि अन्तःक्रिया प्रक्रम का संतुलन बिगड़ जाता है।

78. आर. के. मर्टन के अनुसार, मादक द्रव्य व्यसनी किस मार्ग का अनुसरण करता है?

(a) कर्मकाण्डवाद (b) हताशा
(c) पश्चगमनता (d) अस्वीकारता

Ans. (c) : आर. के. मर्टन के अनुसार, मादक द्रव्य व्यसनी पश्चगमनता मार्ग का अनुसरण करता है। जब एक व्यक्ति समाजोनुमोदित लक्ष्यों और उन्हें प्राप्त करने के संस्थागत साधनों दोनों को अस्वीकार कर किसी अन्य स्थिति को अपना लेता है। जैसे मद्यव्यसनी बन जाना, मादक दवाओं का सेवन करना तथा साधु बन जाना आदि, तब उसकी यह स्थिति पलायनवादिता (पश्चगमनता) की द्योतक है।

79. यह किसका कथन है कि आत्महत्या की दरें किसी समाज में सामाजिक एकीकरण के प्रकार तथा स्तर से संबंधित है?

(a) जे. डगलस (b) पी. सेन्सबरी
(c) ई. दुर्खाईम (d) ई. मोर्सेल्ली

Ans. (c) : ई. दुर्खीम का कथन है कि आत्महत्या की दरें किसी समाज में सामाजिक एकीकरण के प्रकार तथा स्तर से संबंधित हैं। उन्होंने आत्महत्या की व्यक्तिगत क्रिया को महत्व न देकर आत्महत्या की दर को जानने पर बल दिया है जो उनके अनुसार एक सामाजिक तथ्य है।

80. नीचे दो कथन दिए गए है, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

अभिकथन (A): वर्तमान समय में पारंपरिक भूमिका संरचनाओं का स्थान आधुनिक भूमिका संरचनाएँ ले रही है।

तर्क (R): इन भूमिकाओं के अनुसरणकर्ता प्रायः आधुनिकता के स्थान पर परंपरा के सुनिश्चित मूल्य धारण किए रहते हैं।

कूटः

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परंतु (R) सही है।

Ans. (b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

81. निम्नलिखित में से कौन-सा राष्ट्रवाद पर कोई बहस पैदा नहीं करता है?

(a) तदीयत्व का भाव
(b) धार्मिक भिन्नता का भाव
(c) भाषाई भिन्नता का भाव
(d) कृषि कार्य में वंचित होने का भाव

Ans. (d) : राष्ट्रवाद की धारणा ऐसे मनोभावों और विचारों का एक समूह है जो शारीरिक और सांस्कृतिक रूप से भिन्न समूहों को एक सूत्र में बांधे रखती है। कृषि कार्य में वंचित होने का भाव एक वैयक्तिक घटना है जिसका राष्ट्रवाद से कोई संबंध नहीं है।

82. निम्नलिखित में से कौन-सा एक भारत की विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा नवप्रवर्तन नीति (2013) के लक्ष्यों में सम्मिलित नहीं है?

(a) समाज के सभी वर्गों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने को बढ़ावा देना एवं फैलाना
(b) वर्ष 2020 तक विश्व की शीर्ष पाँच वैज्ञानिक शक्तियों में भारत को स्थापित करना
(c) मजबूत राष्ट्रीय नवप्रर्वतन प्रणाली का निर्माण करना
(d) विश्वविद्यालयों तथा शैक्षणिक संस्थाओं में वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा देना

Ans. (d) : विकल्प (d) भारत की विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा नवप्रवर्तन नीति (2013) के लक्ष्यों में सम्मिलित नहीं है इसके प्रमुख लक्ष्य है–

- समाज के सभी वर्गों में वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना,
- 2020 तक भारत को पाँच बड़ी वैश्विक वैज्ञानिक शक्तियों में खड़ा करना,
- एक सुदृढ़ राष्ट्रीय नमोन्वेष प्रणाली की स्थापना करना, तथा
- अनुसंधान और विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने के लिए माहौल तैयार करना आदि।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

83. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
अभिकथनः शिक्षा के निजीकरण का स्पष्ट उद्देश्य है शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना।
तर्कः अधिकांश राज्य संचालित शैक्षणिक संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में असमर्थ हैं।
कूटः
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

Ans. (b) : (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

84. किस समाजशास्त्री ने सर्वप्रथम प्रथम पंचवर्षीय योजना में सामुदायिक विकास कार्यक्रम (सी.डी.पी.) के कार्यान्वयन का अध्ययन किया था?
(a) एम. एन. श्रीनिवास (b) ए. आर. देसाई
(c) एस. सी. दुबे (d) आर. डी. सिंह

Ans. (c) : एस. सी. दुबे सर्वप्रथम पंचवर्षीय योजना में सामुदायिक विकास कार्यक्रम (CDP) के कार्यान्वयन का अध्ययन किया था। इस अध्ययन के बाद दुबे ने सरकार द्वारा प्रवर्तित सामुदायिक विकास योजनाओं के भारतीय ग्रामों पर पड़ने वाले प्रभावों का गैर-सरकारी स्तर पर मूल्यांकन कर 'भारत के बदलते हुए गाँव' (1958) नामक पुस्तक लिखी।

85. दरिद्रीकरण का आशय है
(i) भीषण गरीबी की स्थिति
(ii) निराश्रितता की स्थिति
(iii) वेश्यावृत्ति की स्थिति
(iv) दरिद्रता की स्थिति
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिएः
कूटः
(a) केवल (i), (ii) और (iii)
(b) केवल (ii), (iii) और (iv)
(c) केवल (i), (iii) और (iv)
(d) केवल (i), (ii) और (iv)

Ans. (d) : कंगालीकरण अथवा दरिद्रीकरण एक ऐसी अवधारणा है जिसका प्रयोग भिन्न संदर्भो में भिन्न अर्थों में हुआ है। मूलरूप में कंगालीकरण का अर्थ किसी व्यक्ति का रोटी-रोजी छिन जाने से है। अतः भीषण गरीबी की स्थिति, निराश्रितता की स्थिति तथा दरिद्रता की स्थिति तीनों कंगालीकरण को दर्शाते हैं।

86. निम्नलिखित में से किसने भारतीय उपमहाद्वीप के विशेष संदर्भ में 'उत्पादन रीति की बहस' की शुरुआत की थी?
(a) उत्सा पटनायक (b) एलिस थॉर्नर
(c) सी. डी. अधिकारी (d) रामकृष्ण मुखर्जी

Ans. (a) उत्सा पटनायक ने भारतीय उपमहाद्वीप के विशेष संदर्भ में 'उत्पादन रीति की बहस' की शुरुआत की थी।

87. स्वतंत्रता के पूर्व भारत में सर्वाधिक प्रचलित भू-धृति व्यवस्थाएँ कौन-सी थीं?
(i) जमींदारी (ii) जोतदारी
(iii) रैयतवारी (iv) महलवारी
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिएः
कूटः
(a) केवल (i), (ii) और (iii)
(b) केवल (ii), (iii) और (iv)
(c) केवल (i), (iii) और (iv)
(d) केवल (i), (ii) और (iv)

Ans. (c) : स्वतंत्रता के पूर्व भारत में सर्वाधिक प्रचलित भू-धृति व्यवस्थायें जमींदारी, रैयतवारी एवं महलवारी थी।
भू-धृति भूमि की उस व्यवस्था को कहते हैं जिसके अन्तर्गत भूमि पर अधिकार रखने वाले व्यक्तियों का वर्गीकरण हो और उनके अधिकारों तथा उनके दायित्वों का उल्लेख हो।

88. जब साध्य के अनुरूप समुचित साधन हों, तो वह कहलाता है
(a) संभार-तंत्र (b) औचित्यकरण
(c) तुल्यकालन (समाकलन) (d) सुमेलन

Ans. (b) : जब साध्य के अनुरूप समुचित साधन हों, तो वह औचित्यकरण कहलाता है। औचित्यकरण की प्रक्रिया रहस्य, उद्देश्य, परम्परा और भावात्मकता के उन्मूलन पर जोर देती है और इसके स्थान पर तार्किक और विवेक सम्मत सोच-विचार को प्रक्षय देती है।

89. यह किसका कथन है, 'उत्पादक श्रम-विभाजन से किसी समाज की सम्पत्ति निर्माण क्षमता बृहत् रूप से बढ़ जाती है'?
(a) एडम स्मिथ (b) कार्ल मार्क्स
(c) ई. दुर्खाईम (d) टी. वेब्लेन

Ans. (a) : प्रश्नगत कथन एडम स्मिथ का है। इन्होंने अपनी पुस्तक 'The Wealth of Nation' में श्रम विभाजन की सारगर्भित व्याख्या की है। उनके अनुसार श्रम-विभाजन श्रमिक की क्षमता में वृद्धि द्वारा उत्पादन में वृद्धि करता है।

90. निम्नलिखित में से यह किसका विचार है कि अलगाव दमनकारी सामाजिक संरचना का परिणाम है?
(a) मैक्स वेबर (b) कार्ल मार्क्स
(c) आर. के. मर्टन (d) ई. दुर्खाईम

Ans. (b) : प्रश्नगत कथन कार्ल मार्क्स का है। मार्क्स ने अलगाव के निम्नांकित चार प्रमुख आर्थिक सामाजिक स्वरूपों का उल्लेख किया है-
1. उत्पादित वस्तुओं के प्रति अलगाव
2. उत्पादन की प्रक्रिया के प्रति अलगाव
3. स्वयं के प्रति अलगाव
4. साथियों और समुदायों के प्रति अलगाव

91. निम्नलिखित में से कौन-सा वेबर के अनुसार नौकरशाही के आदर्श प्रारूप में सन्निहित नहीं है?
(a) लिखित नियम (b) योग्यता के आधार पर भर्ती
(c) राजनीतिक निर्णय (d) पद निर्वैयक्तिक होते हैं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : वेबर के अनुसार नौकरशाही के आदर्श प्ररूप में राजनीतिक निर्णय संनिहित नहीं हैं। आदर्श प्ररूप से तात्पर्य घटना के उन सामान्य लक्षणों से है जो उक्त घटना के अधिकांश दृष्टांतों में विद्यमान होते हैं। वेबर ने इस विधि का प्रयोग नौकरशाही और विश्व के छः धर्मों के अपने अध्ययन में किया है।

92. निम्नलिखित में से कौन-सा विश्व व्यवस्था के सिद्धान्त का भाग नहीं है?
(a) केन्द्र-बिन्दु (कोर)
(b) विश्व श्रेणी का नगर
(c) परिधि
(d) अर्ध-परिधि

Ans. (b) : पूंजीवादी व्यवस्था के एक वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के रूप में उद्भव एवं विकास की व्याख्या करने वाले परिप्रेक्ष्य को विश्व व्यवस्था सिद्धान्त के नाम से जाना जाता है। इस सिद्धान्त का मूलतः विकास ई. वालर्स्टीन ने किया था। विश्व व्यवस्था से वालर्स्टीन का तात्पर्य एक ऐसी अन्तर सामाजिक व्यवस्था से है जो आत्मनिर्भर श्रम-विभाजन द्वारा निर्मित होती है। इसमें उन्होंने केन्द्र बिन्दु परिधि एवं अर्द्ध-परिधि को विश्व व्यवस्था का आधार माना है।

93. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कथनों को पढ़िए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
अभिकथन (A): सभी प्रकार की गरीबी जिसमें भीषण गरीबी भी सम्मिलित है, को दूर करना सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती है।
तर्क (R): गरीबी दूर करना धारणीय विकास के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है।
कूटः
(a) (A) और (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

Ans. (a) (A) और (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

94. यह किसका कथन है कि 'सम्पत्ति की बुद्धिहीन खोज' से 'अधिकार, मानव क्षमता तथा स्वतंत्रता' की ओर बदलाव की आवश्यकता है?
(a) महबूब-उल-हक
(b) अमर्त्य सेन
(c) वी. के. आर. वी. राव
(d) टी. के. ऊम्मन

Ans. (b) : अमर्त्य सेन का कथन है कि 'सम्पत्ति की बुद्धिहीन खोज' से 'अधिकार, मानव क्षमता तथा स्वतंत्रता' की ओर बदलाव की आवश्यकता है।

95. किस वर्ष तक धारणीय विकास लक्ष्य प्राप्त किए जाने है?
(a) 2025
(b) 2022
(c) 2028
(d) 2030

Ans. (d) वर्ष 2030 तक धारणीय विकास लक्ष्य प्राप्त किए जाने हैं। 17 सतत् विकास लक्ष्य और 169 उद्देश्य सतत् विकास के लिए 2030 एजेंडा अंग हैं जिसे सितम्बर, 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की शिखर बैठक में 193 सदस्य देशों ने अनुमोदित किया था। यह एजेंडा 1 जनवरी, 2016 से प्रभावित हुआ।

96. प्रति 100 की जनसंख्या में 60 वर्ष और उससे अधिक की उम्र वाली तथा 0-14 वर्ष की उम्र वाली जनसंख्या का अनुपात कहलाता है
(a) युवा उम्र निर्भरता
(b) जरा उम्र निर्भरता
(c) जरण सूचकांक
(d) निर्भरता अनुपात

Ans. (c) : एजिंग इंडेक्स (जरण सूचकांक) एक विशिष्ट आबादी में 15 वर्ष से कम तथा 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के प्रति 100 व्यक्तियों की संख्या के अनुपात को सन्दर्भित करता है।

97. जनगणना 2011 के अनुसार, भारत के पाँच सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्यों अर्थात् उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश का भाग है
(a) भारत की जनसंख्या का लगभग 40%
(b) भारत की जनसंख्या का 40-45%
(c) भारत की जनसंख्या का 45-50%
(d) भारत की जनसंख्या का 50-55%

Ans. (c) जनगणना 2011 के अनुसार, भारत के पाँच सर्वाधिक जनंसख्या वाले राज्यों अर्थात् उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश का भाग भारत की जनसंख्या का 48.90% है।

98. निम्नलिखित में से किस कारक के परिणामस्वरूप जनसांख्यिकीय खिड़की नहीं खुलती है?
(a) आप्रवासन
(b) प्रजननता में लगातार कमी
(c) श्रम शक्ति में बच्चों का प्रवेश
(d) जरा उम्र अवस्था में जीवन प्रत्याशा में सुधार का अभाव

Ans. (c) : श्रमशक्ति में बच्चों का प्रवेश अवैध है जो बालश्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 में उल्लिखित है अतः इस कारक को जनांकिकी में शामिल नहीं किया जाता।

99. निम्नलिखित में से किसने पहली बार 'जेंडर' शब्द का प्रयोग किया था?
(a) एन्न ओकले
(b) मारिया मीस
(c) मेग स्टेसी
(d) करुणा चानना

Ans. (d) : करुणा चानना ने अपनी पुस्तक 'Education and Women' में सर्वप्रथम जेण्डर शब्द का प्रयोग किया है।

100. निम्नलिखित में से कौन-सा उग्र नारीवादी नहीं है?
(a) जूडिथ बटलर
(b) केट मिलेट
(c) शुलामिथ फायरस्टोन
(d) सिल्विया वाल्बी

Ans. (a) : जूडिथ बटलर उग्र नारीवादी नहीं है। उग्र नारीवाद के अनुसार लिंग असमानता तो अज्ञान तथा स्वतंत्रता के अभाव के कारण है और न ही पूँजीवाद के कारण, अपितु यह तो पुरुषों द्वारा स्त्रियों पर प्रभुत्व नियंत्रण और शोषण के उनके सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल है। इस वाद के समर्थक केट मिलेट, शुलामिथ फायरस्टोन तथा सिल्विया वाल्बी आदि हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2019
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. मूल गुणवत्तापरक और एक मात्रात्मक चर के बीच के संबंध को मापने के लिए किस परीक्षण को प्रयुक्त किया जा सकता है?

(a) सहसंबंध गुणांक (r) (b) फाई गुणांक (ϕ)
(c) काई-स्क्वायर (χ^2) (d) टी-टैस्ट

Ans : (c) मूल गुणवत्तापरक और एक मात्रात्मक चर के बीच के सम्बन्ध को मापने के लिए काई- स्क्वायर (χ^2) परीक्षण को प्रयुक्त किया जा सकता है। सांख्यिकी में इसका प्रयोग सर्वप्रथम **कार्ल पियर्सन** ने किया।

2. किसको संस्कृति प्रकार्यवादी सिद्धांत का जनक माना जाता है?

(a) आर. के. मर्टन (b) बी. मेलिनॉस्की
(c) ए. आर. रैडक्लिफ-ब्राउन (d) एच. स्पेन्सर

Ans : (b) बी. मैलिनोवस्की को संस्कृति प्रकार्यवादी सिद्धान्त का जनक माना जाता है। उनके इस सिद्धांत के अभिव्यक्ति अस्पष्टत: हमें उनकी पुस्तक 'संस्कृति के एक वैज्ञानिक सिद्धांत' (1944) में देखने को मिलती है। उनके अनुसार, समस्त मानव संस्कृति का कार्य मूलतः मानव की मौलिक एवं आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। सभी सांस्कृतिक तत्व किसी न किसी रूप में किसी सामाज में व्यक्ति की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

3. सत्ता का कौन-सा प्रकार अनोखी वैयक्तिक विशेषता पर आधारित है?

(a) पारम्परिक (b) वैयक्तिक
(c) चमत्कारिक (करिश्मैटिक) (d) तार्किक-विधिक

Ans : (c) चमत्कारिक (करिश्माई) सत्ता अनोखी वैयक्तिक विशेषता पर आधारित है जिन्हें कभी-कभी ईश्वरीय देन मानकर स्वीकार किया जाता है। बुद्ध, महावीर, गांधी, ईसा मसीह करिश्माई सत्ता के उदाहरण हैं। मैक्स वेबर ने सत्ता के निम्न तीन प्रकारों का उल्लेख किया है- पारम्परिक सत्ता, करिश्माई सत्ता और तार्किक-वैधानिक सत्ता। पारम्परिक सत्ता का आधार चिर कालिक विश्वास व्यवस्थायें होती हैं। राजा का लड़का राजा होगा, इसका एक अच्छा उदाहरण है। जबकि तार्किक-वैधानिक सत्ता का आधार वैधानिक और तार्किकता के आधार पर बने नियम होते हैं जैसे, कानून आदि।

4. किसने नातेदारी प्रणाली के संबंध में स्वनिमों का उपयोग किया था ?

(a) सी. लेवी. स्ट्रॉस (b) ए. आर. रैडक्लिफ-ब्रॉउन
(c) बी. मेलिनॉस्की (d) एस. एफ. नाडेल

Ans : (a) नातेदारी प्रणाली के संबंध में स्वनिमों का उपयोग संरचनात्मक मानवशास्त्री क्लाड लेवी स्ट्रॉस ने किया था। नातेदारी व्यवस्थाओं के बारे में लेवी-स्ट्रास का मूल विचार रहा है कि मूलभूत नातेदारी संबंध चार प्रकार के होते हैं- भाई-बहन, पति-पत्नी, पिता-पुत्र और मामा-भांजा। उन्होंने नातेदारी व्यवस्था को सम्पूर्ण मानव समाज का 'प्रारम्भिक ढांचा' या 'नातेदारी अणु' कहा है।

5. किसने सामाजिक स्तरीकरण संबंधी वेबर के मॉडल (निदर्श) को जाति पर प्रयुक्त किया है?

(a) एम. एन. श्रीनिवास (b) एस. सी. दूबे
(c) ए. बेतेई (d) जी. एस. घुर्ये

Ans : (c) आन्द्रे बेतेई ने सामाजिक स्तरीकरण संबंधी वेबर के मॉडल को जाति पर प्रयुक्त किया है। जाति एक ऐसे स्तरीकृत सम्बन्ध को व्यक्त करती है जिसमें व्यक्ति जन्म लेता है और जिसमें व्यक्ति का स्थान, उससे संबद्ध अधिकार तथा दायित्व का समूह विशेष में जन्म के आधार पर निर्धारण होता है। मैक्स वेबर ने स्तरीकरण को वर्ग, प्रस्थिति, समूह और शक्ति में विभाजित किया है।

6. जब कोई नव-विवाहित युगल पुरूष के पिता के घर में रहता है, तो इस प्रकार के निवास को कहा जाता है?

(a) पितृ-स्थानिक (b) वैरीलोकल
(c) मातृ-स्थानिक (d) नव-स्थानिक

Ans : (a) जब कोई नव-विवाहित युगल पुरुष के पिता के घर में रहता है, तो इस प्रकार के निवास को पितृ-स्थानिक कहा जाता है। इसके विपरीत जब विवाहोपरान्त पति,पत्नी के माता-पिता के निवास-स्थान पर रहने लगता है तो उसे मातृ-स्थानिक परिवार कहते हैं। जब परिवार में पति-पत्नी विवाह के बाद न पति पक्ष के लोगों के साथ और न ही पत्नी पक्ष के लोगों के साथ रहते हैं, वरन् अपना अलग नया घर बनाकर रहते हैं, तो उसे नव-स्थानिक परिवार कहते हैं।

7. कौन-विचारवादात्मक आधुनिकीकरण (रिफ्लेक्सिव मॉडर्नाइजेशन) से संबंधित है?

(a) एडवर्ड सईद (b) जे. हैबरमास
(c) मेनुएल कासल्स (d) एंथनी गिडन्स

Ans : (d) एंथोनी गिडेन्स विचारवादात्मक आधुनिकीकरण (रिफ्लेक्सिव मॉर्डनाइजेशन) से सम्बन्धित हैं। उनके अनुसार आधुनिकता को गतिशील बनाने में संरचनाकरण के उनके सिद्धान्त के तीन मुख्य पक्ष कार्य करते हैं। ये पक्ष हैंः (i) समय व दूरी की पृथकता, (ii) संबंधों में विस्थापन और (iii) परावर्तकता। गिडेन्स का मानना है कि दूर रहते हुए भी लोग तीव्र संचार साधानों द्वारा न केवल नजदीकियाँ अनुभव करते है, अपितु समय की दूरियाँ भी पट गयी हैं। आधुनिक संचार साधनों ने हमारे स्थानिक संबंधों को विस्थापित कर समस्त विश्व तक फैला दिया है। वे ऐसे समाज को परावर्तक समाज कहते हैं जिसका बिम्ब सभी स्थानों पर समान हो।

8. दुर्खीम ने किस समुदाय में 'टोटेमवाद' की जाँच की थी?

(a) रेड इंडियन (b) ट्रोब्रियांड द्वीपवासी
(c) आस्ट्रेलियाई अरून्टा (d) अफ्रीकी जिप्सी

Ans : (c) दुर्खीम ने आस्ट्रेलियाई अरूण्टा समुदाय में 'टोटेमवाद' की जाँच की थी। दुर्खीम ने पवित्र एवं अपवित्र को समझने के लिए टोटमवाद का सहारा लिया। आपने कहा कि आस्ट्रेलिया की अरूण्टा जनजाति सबसे आदिम जनजाति है, उनमें टोटमवाद प्रचलित है और टोटमवाद ही समस्त धर्मों का प्रारम्भिक स्तर रहा है। टोटम से सम्बन्धित विभिन्न धारणाओं, विश्वासों एवं संगठन को ही टोटमवाद कहा जाता है। आदिवासी यह मानते हैं कि टोटम में अलौकिक शक्ति का निवास है जो उनके सामाजिक जीवन को नियंत्रित करती है। टोटम का सर्वप्रथम उल्लेख वर्ष 1791 में अमरीकन इण्डियन्स के अध्ययन के दौरान जे. लॉग (J. Long) ने किया था।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

9. निम्नलिखित में से किसने हिन्दूवाद के आदर्श प्रारूपिक (आइडियल टिपिकल) सांस्कृतिक विषय का समर्थन किया था?

(a) एम. के गांधी (b) बी. आर.अम्बेडकर
(c) कबीर (d) ऐरियार

Ans : (a) हिन्दूवाद के आदर्श प्रारूपिक सांस्कृतिक विषय का समर्थन एम. के. गांधी ने किया है। इन्होंने निम्नलिखित सिद्धान्त प्रस्तुत किये हैं- सत्य और अहिंसा का सिद्धान्त, सत्याग्रह का सिद्धान्त, स्वराज का सिद्धान्त, सर्वोदय सिद्धान्त, न्यासिता का सिद्धान्त, सदाचार का सामान्य हित सम्बन्धी सिद्धान्त, अपरिग्रह सिद्धान्त, अस्तेय का सिद्धान्त, नैतिकता का सिद्धान्त।

10. शोध के किस चरण के दौरान कूट संकेतन (कोडिंग) आवश्यक है?

(a) प्रतिदर्श (सैम्पल) प्राप्त करने से पहले
(b) आँकड़ों के संग्रहण से पहले
(c) संग्रहित आँकड़ों की सफाई के बाद
(d) आँकड़ों के तालिकाकरण के बाद

Ans : (c) शोध के दौरान कूट संकेतन (कोडिंग) संग्रहित आँकडों की सफाई के बाद आवश्यक है। वैज्ञानिक शोध के प्रमुख चरण निम्नवत हैं-

- सर्वप्रथम किसी एक विषय का चुनाव
- विषय से सम्बद्ध अन्य शोध पुस्तकों का अध्ययन
- अध्ययन से सम्बद्ध इकाइयों को परिभाषित करना
- प्राक्कल्पना का निर्माण
- तथ्यों का सूचना के स्रोत तथा अध्ययन के लिए उपयोगी पद्धतियों का निर्धारण
- तथ्यों का निरीक्षण व संकलन के साथ-साथ आलेखन (Recor ding)
- तथ्यों के संकलन के पश्चात् निश्चित क्रमों तथा श्रेणियों में वर्गीकरण
- प्रयोग सिद्ध निष्कर्षीकरण एवं नियमों का प्रतिपादन

11. किसने शिक्षा को ''पुरानी पीढ़ियों द्वारा उन व्यक्तियों पर प्रयुक्त करने के रूप में परिभाषित किया है जो अभी तक सामाजिक जीवन के लिए तैयार नहीं है''?

(a) आर. एच. लोबी (b) ई. दुर्खीम
(c) डी. पी. मुकर्जी (d) पी. बोर्दियो

Ans : (b) ई. दुर्खीम ने शिक्षा को ''पुरानी पीढ़ियों द्वारा उन व्यक्तियों पर प्रयुक्त करने के रूप में परिभाषित किया है जो अभी तक सामाजिक जीवन के लिए तैयार नही है।'' आप का मत है कि शिक्षा समाज के आदर्श नियमों एवं मूल्यों को पुरानी पीढ़ी से नयी पीढ़ी को हस्तान्तरित करती है। यह व्यक्तियों के सामूहिक जीवन को जोड़ती है।

शिक्षा एक ऐसी संस्था है जिसका उद्देश्य बालक में मानसिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं भौतिक गुणों का विकास करना है जिससे कि वह सम्पूर्ण पर्यावरण के साथ सफल अनुकूलन कर सके।

12. किसने 'समग्र संस्था' शब्दावली को लोकप्रिय बनाया है?

(a) एफ. टोनिज (b) इर्विंग गॉफमैन
(c) टालकॉट पार्सन्स (d) कार्ल मैनहाइम

Ans : (b) इरविंग गॉफमैन ने 'समग्र संस्था' शब्दावली को लोकप्रिय बनाना है। समग्र संस्था कार्य और निवास का वह स्थान है जहाँ अधिक संख्या में समान रूप से स्थित लोग, व्यापक समुदाय से काफी समय के लिए अलग रहते हैं, साथ में जीवन का एक औपचारिक रूप से प्रशासित दौर का नेतृत्व करते हैं।

13. निम्नलिखित में से कौन-सी राज्य की एक आवश्यक विशेषता नहीं है?

(a) भू-क्षेत्र (b) सरकार
(c) सम्प्रभुता (d) सिविल सोसायटी

Ans : (d) सिविल सोसायटी राज्य की एक आवश्यक विशेषता नहीं है। राज्य के लिए भू-क्षेत्र, जनता, सरकार और संप्रभुता का होना अनिवार्य है। राज्य अपने प्रकार्यों को सरकार द्वारा पूरा करता है। सरकार का अर्थ राजा अथवा राजाध्यक्ष, संविधान, व्यवस्थापिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, पुलिस, सेना, दण्ड, कानून, पताका तथा वर्दी के मिले-जुले स्वरूप से है। पताका, वर्दी तथा चिन्ह सरकार के प्रतीक हैं।

14. भारत में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सी. एस. आर.) के प्रयोजनार्थ कारूपोरेट को कृत लाभ का कितना प्रतिशत अनिवार्यतः निवेश करना चाहिए ?

(a) 5% (b) 4%
(c) 3% (d) 2%

Ans : (d) भारत में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सी. एस. आर.) के प्रयोजनार्थ कॉरपोरेट को कृत लाभ का 2 प्रतिशत अनिवार्यतः निवेश करना चाहिए।

नया कंपनी अधिनियम, 2013 सामाजिक मुद्दों का हल निकालने और गरीब तथा वंचित समूहों का समावेशी विकास करने सहित उनके जीवन पर सकारात्मक प्रभाव लाने और इन समूहों को उत्पादक एवं सम्मानजनक जीवन-यापन में मदद करने हेतु कॉरपोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी के मद में लाभ का 2 प्रतिशत का योगदान करने का अनिवार्य प्रावधान करता है। यह अधिनियम 1 अप्रैल, 2014 से प्रभाव में आया।

15. निम्नलिखित में से कौन सी जी. एस. घुर्ये की कृति नहीं है?

(a) क्लास,कास्ट ऐन्ड ऑक्यूपेशन
(b) द शिड्यूल्ड कम्यूनिटी
(c) कास्ट ऐन्ड रेस इन इंडिया
(d) इंडियन साधुज

Ans : (b) द शिड्यूल्ड कम्यूनिटी जी. एस. घुर्ये की कृति नहीं है। घुर्ये की प्रमुख कृतियाँ इस प्रकार हैं-

- Cast and Race in India, (1932)
- Culture and Society, (1945)
- Caste, Class and Occupation, (1961)
- The Scheduled Tribes, (1963)
- The Indian Sadhus, (1964)

16. नातेदारी शब्दावलियाँ विवाह की वरीयताओं और प्रतिषेधों को बहुत हद तक परिलक्षित करती हैं। द्रविड़ विवाह में रिश्तेदारों की कौन-सी श्रेणियों को वरीयता दी जाती है जो शब्दावलियों में परिलक्षित होती है ?

(a) 'सपिण्ड' विवाह के लिए वरीयता
(b) भ्राता-भगिनी संतति विवाह के लिए वरीयता
(c) चचेरे-मौसेरे भाई-बहन के बीच विवाह के लिए वरीयता
(d) प्रतिषेधित भ्राता-भगिनी संतति विवाह और चचेरे-मौसेरे भाई-बहन के बीच विवाह

Ans : (b) नातेदारी शब्दावलियाँ विवाह की वरीयताओं और प्रतिषेधों को बहुत हद तक परिलक्षित करती हैं। द्रविड़ विवाह में रिश्तेदारों की भ्राता-भगिनी संतति विवाह (ममेरे फुफेरे भाई-बहनों में विवाह) के लिए वरीयता दी जाती है। जबकि उत्तर भारत में ऐसे विवाहों को मान्यता नहीं दी गई है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

17. 'विश्व पर्यावरण दिवस, 2018' का विषय क्या था?
(a) लोगों को प्रकृति के साथ जोड़ना
(b) प्लास्टिक प्रदूषण को रोकना
(c) जीवन के लिए जंगली बनना
(d) सात-बिलियन सपने एक ग्रह

Ans : (b) 'विश्व पर्यावरण दिवस, 2018' का विषय प्लास्टिक प्रदूषण को रोकना था। यह 45वाँ विश्व पर्यावरण दिवस था। पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून, 1974 को मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा स्थापित संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) प्रति वर्ष 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' का आयोजन करता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा पर्यावरण के लिए कार्य करना है।
विकल्प में दिये गये अन्य विषयों के वर्ष इस प्रकार हैं-
लोगों को प्रकृति के साथ जोड़ना -2017
जीवन के लिए जंगली बनना -2016
सात बिलियन सपने एक ग्रह -2015

18. निम्नलिखित में कौन-सी कृति आदिकाल से लेकर आधुनिक समाज तक की विकास-प्रक्रिया से संबंधित है?
(a) डिवीजन ऑफ लेबर इन सोसायटी (ई. दुर्खीम)
(b) इकोनॉमी ऐन्ड सोसायटी (मैक्स वेबर)
(c) द हैंडबुक ऑफ इकोनॉमिक सोशियोलॉजी (एन. जे. स्मेल्सर)
(d) द ओरिजिन ऑफ फैमिली, प्राइवेट प्रॉपर्टी ऐन्ड स्टेट (एफ. एजिल्स)

Ans : (a) डिवीजन ऑफ लेबर इन सोसायटी (ई. दुर्खीम) कृति आदिकाल से लेकर आधुनिक समाज तक की विकास प्रक्रिया से संबंधित है। दुर्खीम के अनुसार सबसे प्राचीन समाजों में श्रम-विभाजन स्त्री-पुरुष के भेद पर आधारित था। इस प्रकार के समाजों में यान्त्रिक एकता थी। समाज में लोग जनमत, परम्परा, धर्म और राजा के दबाव में आँख मूदकर यन्त्रवत् कार्य करते रहते थे। परन्तु जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हुआ वैसे-वैसे श्रम-विभाजन जटिल होता गया और विशेषीकरण बढ़ता गया। इस प्रकार श्रम-विभाजन ने आधुनिक समाज में सावयवी एकता व संगठन को उत्पन्न किया।

19. आर्थिक विकास का संरचनागत विभेदीकरण मॉडल किसके द्वारा प्रतिपादित किया गया?
(a) नील जे. स्मेलसर (b) डब्ल्यू. डब्ल्यू. रोस्टो
(c) डेनियल लर्नर (d) ई. एस. रोजर्स

Ans : (a) आर्थिक विकास का संरचनागत विभेदीकरण मॉडल नील. जे. स्मेल्सर द्वारा प्रतिपादित किया गया । यह अवधारणा इतिहास के उद्विकासीय सिद्धान्तों और रचनात्मक-प्रकार्यवाद से जुड़ी हुई है।

20. प्रजनन औषधि में अल्ट्रासाउण्ड प्रौद्योगिकी के कारण भारत में 'गुमशुदा बालिकाओं' की आज वाली स्थिति क्यो आई है जबकि पश्चिमी जगत में यह नहीं है ?
(a) पुत्री का उच्च मूल्य (b) पुत्री के प्रति विरुचि
(c) पुत्र के प्रति विरुचि (d) विवाह के प्रति विरुचि

Ans : (b) प्रजनन औषधि में अल्ट्रासाउण्ड प्रौद्योगिकी के कारण भारत में 'गुमशुदा बालिकाओं' की आज वाली स्थिति पुत्री के प्रति विरूचि के कारण आई है जबकि पश्चिमी जगत में यह नहीं है। इसका प्रमुख कारण दहेज प्रथा है। यही कारण है कि प्रजनन औषधि अल्ट्रासाउण्ड प्रौद्योगिकी का दुरूपयोग कर लिंग परीक्षण किया जाता है और लड़की होने पर गर्भपात करा दिया जाता है जिसके परिणामस्वरूप बालिकाओं का लिंगानुपात में लगातार ह्रास हो रहा है।

21. किसने कहा था कि 'भूमिका प्रस्थिति का गत्यात्मक पहलू है'?
(a) लिंटन (b) लुंडबर्ग
(c) मैक् आइवर (d) हर्सकोविट्ज

Ans : (a) लिंटन ने कहा था कि 'भूमिका प्रस्थिति का गत्यात्मक पहलू है।' उन्होंने अपनी पुस्तक The study of man, 1936 में 'भूमिका' और 'प्रस्थिति' की अवधारणाओं पर प्रकाश डाला है। लिंटन के अनुसार, भूमिका से तात्पर्य किसी विद्यमान प्रस्थिति या पद से जुड़े हुए व्यवहार के नियमों से है। उन्होंने प्रस्थिति के दो रूप बताये हैं- (i) प्रदत्त प्रस्थिति तथा (ii) अर्जित प्रस्थिति।

22. डिजिटल विभाजन निम्नलिखित में से किसमें वृद्धि होने का परिणाम है ?
(a) दूरदर्शन की दर्शक संख्या
(b) उत्पादन में स्वचालित मशीनों का उपयोग
(c) दैनिक जीवन में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी
(d) औद्यागिकीकरण के लिए प्रौद्योगिकी प्रदान करना

Ans : (c) डिजिटल विभाजन दैनिक जीवन में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी में वृद्धि होने का परिणाम है। 'डिजिटल विभाजन' शब्द उन लोगों के बीच का अन्तर दर्शाता है जिनके पास कम्प्यूटर और इंटरनेट तक आसान पहुँच है और जो विभिन्न जनसांख्यिकीय कारकों के कारण नहीं हैं।

23. किसने कहा है कि 'जादू पवित्र है और विज्ञान अपवित्र है'?
(a) बी. मैलिनॉस्की (b) जे. फ्रेजर
(c) ई. दुर्खीम (d) ई. बी. टायलर

Ans : (a) बी. मैलिनोवस्की ने कहा है कि 'जादू पवित्र है और विज्ञान अपवित्र है।' जादू का वर्णन उन्होंने अपनी पुस्तक Coral Gardens and Their Magic, 1935 में किया है। मैलिनोवस्की ने जादू के निम्न दो प्रकार बताये हैं- (i) सफेद जादू तथा (ii) काला जादू। सफेद जादू का उद्देश्य दूसरों को लाभ पहुँचाना होता है जबकि काला जादू दूसरों को हानि पहुँचाने के लिए किया जाता है।

24. किसने परिवार के एक रूप में 'पुनालुअन' का वर्गीकरण किया है?
(a) जी. पी. मरडॉक (b) पी. एन. प्रभु
(c) एल. एच. मॉर्गन (d) के. एम. कपाड़िया

Ans : (c) एल. एच. मॉर्गन ने परिवार के एक रूप में 'पुनालुअन' का वर्गीकरण किया है। इसमें एक परिवार के सभी भाइयों का विवाह दूसरे परिवार की सगी बहनों से होता था। इसमें प्रत्येक व्यक्ति सभी स्त्रियों का पति होता था तथा प्रत्येक स्त्री सभी पुरुषों की पत्नी होती थी। मॉर्गन ही एकमात्र आधुनिक लेखक हैं जिन्होंने मानव परिवार के उद्विकास को योजनाबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का प्रयत्न किया है। परिवार के उद्विकास को आपने निम्नांकित पाँच स्तरों से माना है-
(i) समरक्त परिवार (Consanguine Family)
(ii) पुनालुअन (समूह) परिवार (Punaluan Family)
(iii) सिण्डेश्मियन परिवार (Syndasmian Family)
(iv) पितृ-सत्तात्मक परिवार (Patriarchal Family)
(v) एक-विवाही परिवार (Monogamous Family)

25. किसने इस बात पर बल दिया कि किसी सांस्कृतिक मद का विश्लेषण संस्कृति के परिपथ के माध्यम से किया जा सकता है?
(a) स्टुअर्ट हाल (b) डेविड हेल्ड
(c) मैक्स होर्खाइमर (d) टी. डब्ल्यू. एडोर्नो

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) उपरोक्त कथन **स्टुअर्ट हाल** का है। उनके प्रमुख कार्य राष्ट्रीय संस्कृति, आधुनिकता और वैश्वीकरण से जुड़े विषयों पर है। इनकी प्रमुख कृतियाँ निम्नवत हैं-
- Resisting Through Rituals, (1974)
- Politics and Ideology, (1986)
- Culture, Media, Language, (1986)
- Modernity: An Introduction to Modern Societies, (1996)

26. एल. ड्यूमोन्ट निम्नलिखित में से जाति के किस दृष्टिकोण का प्रतिपादक है?

(a) प्रकार्यात्मक (b) संरचनात्मक
(c) सांस्कृतिक (d) पौराणिक

Ans : (b) एल. डयूमोन्ट (लुई ड्यूमा) जाति के संरचनात्मक दृष्टिकोण का प्रतिपादक है। उन्होंने अपनी पुस्तक Homo Hierarchicus में जातीय संस्तरण पर चर्चा की है। भारत के धर्म और समाज के अध्ययन में ड्यूमा ने समग्रात्मक (हॉलिस्टिक) उपागम और संरचनावादी दृष्टिकोण को अपनाते हुए हिन्दू विश्वासों, मूल्यों और व्यवहारों को केन्द्रीय महत्व दिया है। इसी परिप्रेक्ष्य के अनुसार, उन्होंने जाति-व्यवस्था को भारतीय समाज की एक आधारभूत संस्था माना है। उन्होंने कहा है कि जाति व्यवस्था को समझने के लिए भारतीय पौराणिक ग्रथों में इस बारे में निहित विचार धारा को समझना आवश्यक है।
Source- Sociological Thinkers and Theorists- Rawat

27. सामाजिक रूप से स्वीकार्य व्यवहार क्या होना चाहिए इस बारे में दो या अधिक व्यक्तियों द्वारा साझा की गई अपेक्षाओं द्वारा परिभाषित व्यवहार के एक नियम या मानक को किस रूप में सदर्भित किया जाता है ?

(a) रीति-रिवाज (b) मूल्य
(c) परम्परा (d) नियम

Ans : (d) सामाजिक नियम से आशय समाज में प्रचलित उन परम्पराओं, रीति रिवाजों से है, जिसे समाज द्वारा मान्यता प्राप्त होती है तथा समाज के सभी सदस्यों से उसका पालन करने की अपेक्षा की जाती है इसके अन्तर्गत समाज में सभी सदस्य किसी विषय विशेष के संदर्भ में समान आचरण या व्यवहार करते हैं। सामाजिक नियम मानव के व्यवहार को नियंत्रित करते हैं तथा सामाजिक व्यवस्था को बनाये रखने में सहयोग देते हैं।

28. स्वयं को कम्प्यूटर हैकर से बचाने के लिए आपको निम्नलिखित में से किसे चालू करना चाहिए?

(a) स्क्रिप्ट (b) वी. एल. सी. मीडिया प्लेयर
(c) एन्टीवायरस (d) फायरवॉल

Ans : (d) स्वयं को कम्प्यूटर हैकर से बचाने के लिए फायरवॉल को चालू करना चाहिए। फायरवॉल एक नेटवर्क सुरक्षा प्रणाली है जो पूर्व निर्धारित सुरक्षा नियमों के आधार पर आने तथा जाने वाले नेट ट्रैफिक की निगरानी एवं नियंत्रण करता है।

29. भारतीय दंड संहिता की कौन-सी धारा एल. जी. बी. टी. से संबंधित है?

(a) 376 (b) 377
(c) 487 (d) 497

Ans : (b) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 377 एल. जी. बी. टी. से सम्बन्धित है। इस सेक्सन में भारत में समलैंगिक सम्बन्धों को अपराध करार दिया गया था। एल. जी. बी. टी. का अर्थ लेस्बियन, गे, उभयलिंगी अथवा ट्रांसजेण्डर है, जिसे 6 सितम्बर, 2018 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने धारा 377 को असंवैधानिक घोषित करके समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया है।

30. सूची-I का सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (अवधारणा)	सूची-II (लेखक)
(A) कालनिरपेक्ष समय	(i) डेविड हेल्ड
(B) अतिशय वैश्वीकर्ता (हाइपरग्लोबलाइजेसी)	(ii) एंथनी गिडेन्स
(C) विलंबित आधुनिकता	(iii) इमैनुएल वालर्सटीन
(D) विश्व प्रणाली सिद्धान्त	(iv) मैनुएल कासल्स

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(a) A-(i); B-(ii); C-(iii); D-(iv)
(b) A-(ii); B-(i) ; C-(iv); D-(iii)
(c) A-(iv); B-(i) ; C-(ii); D-(iii)
(d) A-(iii); B-(iv); C-(i); D-(ii)

Ans : (c) सूची-I का सूची-II से सुमेलन इस प्रकार है-

(अवधारणा)	(लेखक)
(A) कालनिरपेक्ष समय	(iv) इमैनुएल कासल्स
(B) अतिशय वैश्वीकर्ता (हाइपर ग्लोबनाइजेसी)	(i) डेविड हेल्ड
(C) विलंबित आधुनिकता	(ii) एंथनी गिडेन्स
(D) विश्व प्रणाली सिद्धान्त	(iii) इमैनुअल वालर्सट्रीन

31. किसने भारतीय गाँवों का 'लघु गणतंत्रों' के रूप में उल्लेख किया है?

(a) लॉर्ड रीपन (b) चार्ल्स मेटकॉफ
(c) लॉर्ड मैकाले (d) जवाहरलाल नेहरू

Ans : (b) चार्ल्स मेटकॉफ ने भारतीय गॉवों का 'लघु गणतंत्रों' के रूप में उल्लेख किया है। इस संबंध में वर्ष 1932 में उन्होंने भारतीय ग्रामीण सुदायों के बारे में लिखा था- ग्रामीण समुदाय छोटे गणराज्य हैं, प्रायः जितनी वस्तुओं की उन्हें आवश्यकता होती है वे सब उनके पास रहती हैं और वह बाह्य संबंधों से अधिकांशतः स्वतंत्र रहते हैं जहाँ और कोई चीज स्थाई नहीं रही, ऐसा प्रतीत होता है, वे स्थाई रहे हैं। एक राजवंश के बाद दूसरा राजवंश लुढ़कता गया, एक क्रान्ति के बाद दूसरी क्रान्ति हुई, किन्तु ग्रामीण समुदाय अपरिवर्तित रहा।

32. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

(a) आधुनिकीकरण विकास का परिणाम है।
(b) विकास प्रगतिशील होता है लेकिन समस्त प्रगति विकास नहीं होती है।
(c) विकास कुछ और नहीं बल्कि नियोजित परिवर्तन है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) (a), (b) और (c) (b) केवल (b) और (c)
(c) केवल (a) और (b) (d) केवल (a) और (c)

Ans : (b) वांछित लक्ष्यों की ओर बढ़ने का नाम ही विकास है जो नियंत्रित परिवर्तन से ही सम्भव है। प्रगति सकारात्मक व नकारात्मक दोनों हो सकती है और सकारात्मक प्रगति ही विकास कहलाती है अतः समस्त प्रगति विकास नहीं हो सकती है।

33. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (अधिनियम और नीतियाँ)	सूची-II (वर्ष)
(A) जैव विविधता अधिनियम	(i) 1972
(B) पर्यावरण संरक्षण अधिनियम	(ii) 2002
(C) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम	(iii) 1986
(D) प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली	(iv) 2016

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(a) A-(i); B-(ii); C-(iii); D-(iv)
(b) A-(ii); B-(i) ; C-(iii); D-(iv)
(c) A-(ii); B-(iii) ; C-(i); D-(iv)
(d) A-(iii); B-(i); C-(iv); D-(ii)

Ans : (c) सूची -I का सूची-II से सुमेलन इस प्रकार है-

(अधिनियम और नीतियाँ)	(वर्ष)
(A) जैव विविधता अधिनियम	(ii) 2002
(B) पर्यावरण संरक्षण अधिनियम	(iii) 1986
(C) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम	(i) 1972
(D) प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली	(iv) 2016

34. टी. पार्सन्स ने कर्ता के निम्नलिखित में से किस अभिप्रेरण पर कार्य नहीं किया है?

(a) संज्ञानात्मक (b) मूल्यांकनकारी
(c) संख्यात्मक (d) तीव्र संवेगों का विमोचन (कैथेक्टिक)

Ans : (c) टी. पारसंस ने कर्ता के संख्यात्मक अभिप्रेरण पर कार्य नहीं किया है। पार्सन्स ने कर्ता के अभिविन्यास (अभिप्रेरण) को दो भागों में विभाजित किया है-
1. उत्प्रेरणात्मक अभिविन्यास 2. मूल्यांकनात्मक अभिविन्यास
ये दोनों अभिविन्यास घनिष्ठ रूप से परस्पर सम्बन्धित हैं। उत्प्रेरणात्मक अभिविन्यास तीन प्रकार के हैं-
1. संज्ञानात्मक 2. भावात्मक 3. मूल्यांकनात्मक
इसी प्रकार मूल्यांकनात्मक अभिविन्यास भी तीन प्रकार के होते हैं-
1. संज्ञानात्क 2. गुणग्राही 3. नैतिक

35. 'व्हाट इज दिस थिंग कॉल्ड साइंस' पुस्तक का लेखक कौन है?

(a) सी. राइट मिल्स (b) ए. एफ. चालमेर्स
(c) वाई. सिंह (d) बी. के. पटनायक

Ans : (b) 'व्हाट इज दिस थिंग कॉल्ड साइंस' (What is this thing called Science) पुस्तक के लेखक ए. एफ चालमेर्स हैं। यह पुस्तक विज्ञान के दर्शन के लिए मार्गदर्शिका है जो विज्ञान के अनुभवहीन अनुभव जन्य खातों की कमियों को रेखांकित करती है और उन्हें प्रतिस्थापित करने के आधुनिक प्रयासों का वर्णन और आकलन करती है।

36. सम्मान बचाने के लिए हत्या (ऑनर किलिंग) निम्नलिखित में किन सामाजिक संस्थाओं की रक्षा के उद्देश्य से की जाती है।

(a) परिवार एवं जाति (b) जाति एवं विधि
(c) विधि एवं विवाह (d) महिला एवं खाप

Ans : (a) सम्मान बचाने के लिए हत्या (ऑनर किलिंग) परिवार एवं जाति जैसी सामाजिक संस्थाओं की रक्षा के उद्देश्य से की जाती है। सम्मान हेतु हत्या (ऑनर किलिंग) वह हत्या है जिसमें किसी परिवार, वंश या समुदाय के किसी सदस्य (आमतौर पर एक महिला) की हत्या उसी परिवार, वंश या समुदाय का एक या एक से अधिक सदस्य (अधिकतर पुरुष) द्वारा की जाती है और हत्यारे (आमतौर पर समुदाय के अधिकतर सदस्य) इस विश्वास के साथ इस हत्या को अंजाम देते हैं कि मरने वाले सदस्यों के कृत्यों के कारण उस परिवार वंश या समुदाय का अपमान हुआ है।

37. किस राज्य में 'अपिको' आन्दोलन प्रारम्भ हुआ था?

(a) केरल (b) कर्नाटक
(c) आन्ध्र प्रदेश (d) तेलंगाना

Ans : (b) कर्नाटक राज्य में 'अपिको' आंदोलन प्रारम्भ हुआ था। पर्यावरण सम्बन्धी जागरूकता का यह आंदोलन अगस्त 1983 में कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ क्षेत्र में शुरू हुआ जो लगातार 38 दिनों तक चलता रहा। अपिको आंदोलन अपने तीन प्रमुख उद्देश्यों में सफल रहा-
(i) मौजूदा वन क्षेत्रों का संरक्षण करने में,
(ii) खाली भूमि पर वृक्षारोपण करने में, तथा
(iii) प्राकृतिक संसाधनों को ध्यान में रखकर उनका सदुपयोग करने में।

38. किस वर्ष तक नई दिल्ली को विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला शहर बनने का अनुमान किया गया है?

(a) 2050 (b) 2040
(c) 2030 (d) 2025

Ans : (a) वर्ष 2050 तक नई दिल्ली को विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला शहर बनने का अनुमान किया गया है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार टोक्यो 3.80 करोड़ के साथ विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला शहर है। वैश्विक शहरीकरण संभावना के वर्ष 2014 के संस्करण में कहा गया कि भारत में वर्ष 2050 तक शहरी आबादी सबसे अधिक बढ़ने की संभावना है। दिल्ली कम से कम वर्ष 2030 तक विश्व का दूसरी सबसे अधिक आबादी वाला शहर बना रह सकता है जिसकी आबादी तेजी से बढ़कर 3.6 करोड़ तक पहुँच जाएगी। यद्यपि टोक्यो शहर की आबादी में गिरावट के संकेत हैं लेकिन फिर भी वर्ष 2030 तक यह विश्व का सबसे बड़ा शहर बना रह सकता है जिसकी आबादी 3.7 करोड़ होगी।

39. निम्नलिखित में से कौन-सा गुणवत्तापरक् शोध के बारे में सही नहीं है?

(a) यह आगमनात्मक उपागम का उपयोग करता है
(b) सकारात्मकवाद को प्राथमिकता देता है
(c) व्याख्या को सम्मिलित करता है
(d) मान्यता निर्णयन (वैल्यू जजमेंट) को सम्मिलित करता है

Ans: (b) गुणवत्तापरक शोध के बारे में यह सकारात्मकतावाद को प्राथमिकता देता है सही नहीं है। गुणवत्तापरक् शोध में केवल तथ्यों को सम्मिलित किया जाता है चाहे वह उस समस्या को सकारात्मक रूप से प्रकट करे अथवा नकारात्मक रूप से।

40. निम्नलिखित में से कॉवेड (Couvade) का सर्वोत्तम वर्णन है

(a) पति रोगी (invalid) का जीवन बिताता है
(b) पति और पत्नी समान तरीके से जीवन बिताता है
(c) नातेदारी का व्यवहार (ए किनशिप यूसेज)
(d) पति और पत्नी के बीच प्रेम और संवेग का संबंध

Ans : (a) कॉवेड (Couvade) का सर्वोत्तम वर्णन है, पति रोगी (invalid) का जीवन बिताता है। कॉवेड (सह प्रसविता) एक प्रथा है जो कुछ आदिवासी जातियों (टोडा तथा खासी) में देखने को मिलती है। इस प्रथा में पुरुष को स्त्री के प्रसवकाल से सम्बंधित उन सभी निषेधों एवं क्रियाओं का पालन करना होता है जिसका पालन उसकी पत्नी प्रसवावस्था में करती है।
Source - Advanced Encyclopedia of Sociology -Rawat

41. 'अवधारणा का प्रचालनीकरण (ऑपरेशनलाइजेशन ऑफ कॉन्सेप्ट)' क्या है?

(a) अवधारणा के आनुभाविक प्रसंगार्थ का संकेत करना
(b) अवधारणा के सिद्धांत से जोड़ना
(c) अवधारणात्मक शोध करना
(d) नई प्रस्थिति का प्रचालन करना

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) अवधारणा के आनुभविक प्रसंगार्थ का संकेत करना अवधारणा का प्रचालनीकरण है।
किसी वस्तु, घटना अथवा प्रक्रिया के वैज्ञानिक प्रेक्षण एवं बोध के आधार पर निर्मित सामान्य विचारों को अभिव्यक्ति करने के लिए जिन विशिष्ट शब्द संकेतों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें वैज्ञानिक शब्दावली में अवधारणा कहा जाता है।

42. एक शून्य परिकल्पना हमें बताती है कि दो चर
(a) एक - दूसरे के साथ आंशिक रूप से संबंधित हैं
(b) एक - दूसरे के साथ सशर्त रूप से संबंधित हैं
(c) एक - दूसरे के साथ संबंधित नहीं हैं
(d) एक - दूसरे के साथ प्रत्यक्ष रूप से संबंधित हैं

Ans : (c) एक शून्य परिकल्पना हमें बताती है कि दो चर एक-दूसरे के साथ संबंधित नहीं हैं। नल अर्थात शून्य एक ऐसी प्राक्कल्पना है जिसके द्वारा दो चरों के बीच शून्य सम्बन्धों को स्पष्ट किया जाता है। शून्य संबंधों से तात्पर्य किसी प्रकार के संबंध न होने से है इस प्राक्कल्पना को नकारात्मक या रिक्त प्राक्कल्पना भी कहते हैं।

43. कौन-सा अध्येता 'गहन विवरण' से संबंधित है?
(a) कार्ल मैनहाइम (b) अल्फ्रेड शुट्ज
(c) इर्विंग गॉफमैन (d) क्लिफोर्ड गीर्ट्ज

Ans : (d) क्लिफोर्ड ग्रीर्ट्ज 'गहन विवरण' से संबंधित अध्येता हैं। 'उत्तर आधुनिकता' की प्रवृत्ति को प्रेरित करने वाले क्लिफोर्ड ग्रीर्ट्ज मानवशास्त्रीय शोध में निर्वचनात्मक विधि (व्याख्यात्मक विधि) के अग्रणी प्रणेता रहे हैं।
इनकी प्रमुख पुस्तकें इस प्रकार हैं-
- The Religion of Java, (1960)
- Agricultural Involution, (1963)
- Old Societies, New states, (1965)
- The Inter pretation of Cultures, (1973)
- Local Knowledge, (1983)

44. 'एन एन्वायर्नमेंटल हिस्ट्री ऑफ द वर्ल्ड' नामक विनिबंध (मोनोग्राफ) का लेखक कौन है ?
(a) रामचन्द्र गुहा (b) एल. फ्यूरबक
(c) फ्रांसिस जिमरमन (d) डोनाल्ड ह्यूज

Ans : (d) 'एन एन्वायर्नमेंटल हिस्ट्री ऑफ द वर्ल्ड' नामक विनिबंध (मोनोग्राफ) का लेखक डोनाल्ड ह्यूज है। पर्यावरण इतिहास समय के माध्यम से मनुष्यों और प्रकृति के पारस्परिक संबंधों का अध्ययन है। अधिक विशेष रूप से यह तीन मुख्य विषयों में विस्तृत है- पर्यावरण मानव इतिहास को कैसे आकार देता है, पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण मानवीय क्रियाओं को कैसे प्रभावित करता है, तथा ये क्रियाएं किस प्रकार पर्यावरणीय परिवर्तन लाती हैं।

45. हैबरमास ने पूंजीवादी समाजों में संकट के किस स्वरूप की चर्चा नहीं की है?
(a) वैधता (b) तार्किकता
(c) अभिप्रेरणा (d) संवेगात्मक

Ans : (d) हैबरमास ने पूँजीवादी समाजों में संकट के संवेगात्मक स्वरूप की चर्चा नहीं की है। इन्होंने पूँजीवादी समाजों में संकट के तीन स्वरूप वैधता, तार्किकता एवं अभिप्रेरणा की चर्चा की है तथा आधुनिक समाज को आहत समाज की संज्ञा दी है। ये जर्मनी के सुप्रसिद्ध फ्रैंकफर्ट संप्रदाय के द्वितीय पीढ़ी के अत्यन्त प्रखर एवं अग्रणी विद्वान हैं। इनकी प्रमुख पुस्तकें इस प्रकार हैं-
- Theory and Practice, (1963)
- Knowledge and Human Interests, (1868)
- Legitimation Crises, (1972)

46. विश्व में चारों ओर शक्तिशाली वित्तीय संस्थाओं द्वारा नव-उदारवाद को थोपा गया है। निम्नलिखित में से कौन-सी एक ऐसी संस्था है?
(a) अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आइ. एल. ओ.)
(b) संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को)
(c) अंतर-अमेरिका विकास बैंक (आइ. डी. बी.)
(d) ब्रिक्स

Ans : (c) विश्व में चारों ओर शक्तिशाली वित्तीय संस्थाओं द्वारा नव-उदारवाद को थोपा गया है। अंतर-अमेरिका विकास बैंक (आइ. डी. बी.) लैटिन अमेरिका और कैरेबियन के लिए विकास के वित्त पोषण का सबसे बड़ा स्रोत है। वर्ष 1959 में स्थापित आई. डी. बी. लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई सरकारों और राज्य निगमों सहित सरकारी एजेंसियों के लिए ऋण देकर आर्थिक विकास, सामाजिक विकास और क्षेत्रिय एकीकरण में योगदान करता है।

47. नीचे दो कथन दिये गये हैं जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है :

अभिकथन (A) : 2001-2011 के दशक में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों की जनसंख्या में समग्र वृद्धि (एब्सोल्यूट इनक्रीज) अधिक है।
तर्क (R) : यह प्रवसन (प्रवास) के कारण है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है
(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है

Ans : (b) 2001 - 2011 के दशक में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों की जनसंख्या में समग्र वृद्धि केवल प्रवसन का कारण नहीं है अपितु शहरी जनसंख्या में जन्मदर अधिक व मृत्युदर का कम होना भी है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

48. शोध में 'नृजातीय रूपक कथा' (इथनोग्राफिक एलिगोरी)' का क्या अर्थ है ?
(a) सांस्कृतिक संव्यवहार में निहित अर्थ को प्रकट करना
(b) बड़े पैमाने पर संख्यात्मक आँकड़ों का विश्लेषण करना
(c) अध्ययन किए गए जनसंख्या के प्रकार की व्याख्या करना
(d) एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र की तुलना करना

Ans : (a) शोध में 'नृजातीय रूपक कथा' (एथनोग्राफिक एलिगोरी)' का अर्थ सांस्कृतिक संव्यवहार में निहित अर्थ को प्रकट करना है। एथेनोग्राफी से तात्पर्य समाज के प्रथानुगत व्यवहारों, विश्वासों एवं मनोवृत्तियों का विस्तृत वर्णनात्मक लेखा-जोखा तैयार करना है।

49. किसने भारत में 'वोट बैंक' शब्दावली की रचना की थी?
(a) एम. एन. श्रीनिवास (b) रजनी कोठारी
(c) गिरीश कुमार (d) द्वीपांकर गुप्ता

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) भारत में 'वोट बैंक' शब्दावली की रचना एम. एन. श्रीनिवास ने अपनी 'संस्कृतीकरण' तथा 'प्रभुजाति' की अवधारणा के सन्दर्भ में वर्ष 1955 में अपने मैसूर विलेज के द सोशल सिस्टम नामक पत्र में किया था। आधार पर व्यक्त किया है। यद्यपि उनकी वोट बैंक की अवधारणा समाज-विज्ञान में जगह नहीं बना पायी परन्तु राजनीति एवं मीडिया जगत में इस शब्द का प्रयोग प्रायः किया जाता है। वोट बैंक की अवधारणा हेतु उन्होंने कहा कि जिसकी एक क्षेत्र विशेष में संख्या अन्य जातियों की अपेक्षा काफी अधिक होती है।

50. पारम्परिक घरानों और संगीतज्ञों का कौन-सा युग्म सही ढंग से सुमेलित नहीं है?

(a) बनारस घराना : गिरिजा देवी
(b) ग्वालियर घराना : मोगुबाई कुर्डिकर
(c) जयपुर घराना : किशोरी अमोनकर
(d) पटियाला घराना : बड़े गुलाम अली खाँ

Ans : (b) प्रश्न का विकल्प (b) युग्म सही नहीं है। ग्वालियर घराना भारत के सबसे पुराने घरानों में से एक है। यह ख्याल नामक शास्त्रीय संगीत से संबंधित है। हद्दू खाँ, हस्सू खाँ और नत्थू खाँ के दादा नत्थन पीरबख्श को इस घराने का जन्मदाता कहा जाता हैं। मोगुबाई कुर्डिकर जयपुर घराने से सम्बन्धित थीं जो किशोरी अमोनकर की माँ थीं।

51. किस समुदाय की जनसंख्या का बहुमत स्वदेश के बजाए प्रवासियों के रूप में रह रहा है?

(a) यहूदी (b) भारतीय
(c) चीनी (d) कैनेडाइ

Ans : (a) यहूदी समुदाय की जनसंख्या का बहुमत स्वदेश के बजाए प्रवासियों के रूप में रहा है।

52. किस प्रकार के शोध में आँकड़ों के संग्रहण के दौरान आँकड़ों का विश्लेषण एक सतत प्रक्रिया होती है?

(a) गुणवत्तापरक (b) मात्रात्मक
(c) सर्वेक्षण (d) प्रयोगात्मक

Ans : (a) गुणवत्तापरक शोध में आँकड़ों के संग्रहण के दौरान आँकड़ों का विश्लेषण एक सतत प्रक्रिया होती है। गुणात्मक शोध गैर-संख्यात्मक आँकड़ा एकत्र करने के लिए अवलोकन का एक वैज्ञानिक तरीका है। इस प्रकार का शोध अर्थ, अवधारणाओं की परिभाषाओं, विशेषताओं, रूपकों, प्रतीकों और चीजों के विवरण को संदर्भित करता है। गुणात्मक अनुसंधान या शोध दृष्टिकोण कई शैक्षणिक विषयों में नियोजित होते हैं जो विशेष से सामाजिक और प्राकृतिक विज्ञान के मानवीय तत्वों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं।

53. नीतियों का ऐसा समुच्चय, जो बाजार के शासन, सामाजिक सेवाओं के लिए सरकारी खर्च में कटौती करने, अविनियमन, शुद्धताचारीकरण और लोकहित या समुदाय के बहिष्करण पर बल देता है, की संकल्पना निम्नलिखित में से किस रूप में की गई है?

(a) नव-मार्क्सवाद (b) नव-प्रकार्यवाद
(c) नव-उदारवाद (d) फोर्डिज्म

Ans : (c) नीतियों का ऐसा समुच्चय, जो बाजार के शासन, सामाजिक सेवाओं के लिए सरकारी खर्च में कटौती करने, अविनियमन, शुद्धताचारीकरण और लोकहित या समुदाय के बहिष्करण पर बल देता है, की संकल्पना नव-उदारवाद के रूप में की गई है। क्लासिकल उदारवाद एक नये रूप में नव-उदारवाद के रूप में उभरकर सामने आया है। जो राज्य की भूमिका को कमतर करने की वकालत करता है। इस विचारधारा के अनुसार अब बाजार इतना बड़ा और अनुभवशील हो चुका है कि उसमें राज्य का हस्तक्षेप उसकी उत्पादकता पर असर डालता है। राज्य को केवल कानून व्यवस्था ही देखना चाहिए बाकि सभी मानवीय आयाम निजी हाथों को सौंपना चाहिए ताकि व्यक्ति को चयन का विकल्प अधिक से अधिक मिल सके।

54. निम्नलिखित में से कौन-सा शहर 'पेन्शन भोगियों के स्वर्ग से भारत की सिलिकॉन वैली' के रूप में परिवर्तित हो गया है?

(a) हैदराबाद (b) पुणे
(c) बेंगलुरु (d) गुरुग्राम

Ans : (c) बेंगलुरु शहर 'पेंशन भोगियों के स्वर्ग से भारत की सिलिकॉन वैली' के रूप में परिवर्तित हो गया है। हालाँकि, मूल सिलकॉन वैली, कैलिफोर्निया के दक्षिणी सैन फ्रांसिसको खाड़ी क्षेत्र में स्थित है जो ऐप्पल, फेसबुक तथा गूगल जैसी कई स्टार्ट-अप और वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों का घर है। इसी तरह बेंगलुरु भी विप्रो, इन्फोसिस और कॉग्निजेंट जैसी इन्फोटेक कंपनियों के मुख्यालय का घर है।

55. निम्नलिखित में से कौन-सी एक सूचना प्रौद्योगिकी के उन सभी रूपों को, जिनमें संचार सम्मिलित होता है, का वर्णन करती है ?

(a) इलेक्ट्रॉनिक संचार प्रौद्योगिकी
(b) अंतर-वैयक्तिक संचार प्रौद्योगिकी
(c) जन-संचार प्रौद्योगिकी
(d) कार्यालयी संचार प्रौद्योगिकी

Ans : (b) इलेक्ट्रॉनिक संचार प्रौद्योगिकी सूचना प्रौद्योगिकी के उन सभी रूपों को, जिनमें संचार सम्मिलित होता है, का वर्णन करती है। सूचना प्रौद्योगिकी आँकड़ों की प्राप्ति, सूचना संग्रह, सुरक्षा परिवर्तन,आदान प्रदान, अध्ययन, डिजाइन आदि कार्यों तथा इन कार्यों के निष्पादन के लिए आवश्यक कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों से सम्बन्धित है। जब व्यक्ति एक दूसरे से बातचीत करता है तो इसे अन्तर-वैयक्तिक संचार कहते हैं। संदेश प्रेषक और संदेश ग्राहक की निकटता इस प्रकार के संचार की सबसे बड़ी विशेषता मानी जाती है।

56. भू-सम्पत्ति प्रणाली (एस्टेट सिस्टम) प्रायः किससे अधिक संबंधित है?

(a) प्राचीन समाज (b) समाजवाद
(c) सामंतवाद (d) पूंजीवाद समाज

Ans : (c) भू-सम्पत्ति प्रणाली (एस्टेट सिस्टम) सामंतवाद से अधिक संबंधित है। कार्ल मार्क्स ने ऐतिहासिक भौतिकवाद में समाज के पाँच प्रकारों की चर्चा की है। यथा- प्राचीन समाज, दासत्व समाज सामंतवादी समाज, पूंजीवाद समाज तथा समाजवादी समाज।
सामंतवादी समाज भू-सम्पत्ति प्रणाली पर आधारित थी। जिसमें शोषक वर्ग भूस्वामी होता था तथा शोषित वर्ग भूमिहीन कृषक।

57. निम्नलिखित में से कौन-सा वेबर की नौकरशाही लक्षण नहीं है ?

(a) विशेषीकरण (b) पदानुक्रम
(c) पदावधि (d) आरक्षण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) आरक्षण वेबर की नौकरशाही का लक्षण नहीं है। जर्मन समाजशास्त्री वेबर ने नौकरशाही के प्रमुख लक्षण बताये हैं-कानून तथा नियमों द्वारा निर्धारित कार्यालय के कार्यों का एक निश्चित क्षेत्र, लिखित प्रलेखों पर आधारित गोपनीय प्रशासन व्यवस्था, प्रशासन का प्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा नियमानुसार संचालन, तकनीकी योग्यता के आधार पर अधिकारियों का चुनाव, स्पष्ट रूप में परिभाषित सत्ता क्षेत्र, कार्यालय के कार्यकलापों का निजी मामलों से पृथकता; अधिकारियों की वरिष्ठता तथा योग्यता के आधार पर पदोन्नति और निश्चित वेतन व्यवस्था आदि।

58. किसके अनुसार हैबिट्स अतीत के अनुभवों का परिणाम है, लेकिन यह सदैव एक सक्रिय सृजनात्मक तरीके में उनके अनुभवों का संचरण करता है?

(a) एच. गारफिन्केल (b) ए. गिडन्स
(c) ई. लीच (d) पी. बोर्दियो

Ans : (d) पी बोर्डियू के अनुसार हैबिट्स अतीत के अनुभवों का परिणाम है, लेकिन यह सदैव एक सक्रिय सृजनात्मक तरीके में उनके अनुभवों का संचरण करता है। बोर्डियू ने अपने लेखनों में मुख्यतः तीन अवधारणाओं 'हैबिट्स', 'क्षेत्र' तथा 'सांस्कृतिक पूँजी' का प्रयोग किया है। हैबिट्स (अभ्यस्त व्यवहार) से तात्पर्य ऐसी प्रथाओं, मूल्यों और नैसर्गिक चित्तवृत्तियों के समूह से है जिनका प्रयोग एक व्यक्ति रोजमर्रा के व्यवहार में करता है।

59. भारत में 'सामाजिक वानिकी' शब्द का प्रयोग पहली बार कब किया गया ?

(a) 1972 (b) 1976
(c) 1978 (d) 1979

Ans : (b) भारत में 'सामाजिक वानिकी' शब्द का प्रयोग पहली बार वर्ष 1976 में किया गया। सामाजिक वानिकी से अर्थ खाली पड़े स्थानों पर फलदार वृक्ष लगाने से है। जिससे पर्यावरण की सुरक्षा के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की वृद्धि हो। राष्ट्रीय कृषि आयोग ने वर्ष 1976 में ईंधन, चारा लकड़ी और छोटे-मोटे वन उत्पादों की पूर्ति करने वाले पेड़ लगाने के कार्यक्रम के लिए सामाजिक वानिकी शब्द का प्रयोग किया था।

60. 'पीजेन्ट्स और पीजेन्ट सोसायटीज' का लेखक/सम्पादक कौन है ?

(a) एरिक वुॅल्फ (b) ऑस्कर लेविस
(c) रॉबर्ट रेडफील्ड (d) थिओडोर शेनिन

Ans : (d) 'पीजेन्ट्स और पीजेन्ट सोसायटीज' (Peasants and Peasant Societies) पुस्तक के लेखक थिओडोर शैनिन हैं। इनकी अन्य प्रमुख पुस्तकें इस प्रकार हैं-
- The Awkward Class, (1972)
- The Roots of otherness, (1985)
- Late Marx and the Russian Roads, (1985)

61. नातेदारी अध्ययनों में सहबंध सिद्धान्त इनमें से किस विद्वान के साथ सम्बद्ध है?

(a) कैथलीन गॉफ (b) पौलिन कोलेंडा
(c) सी. लेवी-स्ट्रॉस (d) ए. आर. रेडक्लिफ- ब्राउन

Ans : (c) नातेदारी अध्ययनों में सहबंध सिद्धान्त सी. लेवी-स्ट्रॅास नामक विद्वान के साथ सम्बद्ध है। सहबन्ध सिद्धान्त या विवाह सिद्धान्त (अलाएन्स थ्योरी) विवाह नियमों, अर्थात् कौन किसके साथ विवाह कर सकता है और किसके साथ नहीं, पर बल देता है। फ्रैन्च भाषा में विवाह के लिए 'अलाएन्स' शब्द का प्रयोग किया जाता है। स्ट्रॉस ने नातेदारी सम्बधों में वंश के स्थान पर विवाह की संरचनात्मक और संगठनात्मक महत्ता को रेखांकित किया है। उन्होनें अपनी प्रख्यात पुस्तक 'The Elementary Structure of kinship' में 'विवाह सिद्धान्त' के प्रमुख तत्वों की चर्चा की है।

62. सूची -I को सूची - II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (लेखक)	सूची-II (योगदान)
(A) मैक्स वेबर	(i) इंटरैक्शन रिचुअल
(B) ई. गॉफमैन	(ii) द नेशन स्टेट ऐन्ड वॉयलेन्स
(C) ए. गिडेन्स	(iii) द रिलिजन ऑफ इंडिया
(D) डेविड हेल्ड	(iv) मॉडल्स ऑफ डेमोक्रेसी

दिए गए विकल्प में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(a) A-(i); B-(iv); C-(iii); D-(ii)
(b) A-(iii); B-(iv) ; C-(ii); D-(i)
(c) A-(iii); B-(i) ; C-(ii); D-(iv)
(d) A-(iv); B-(i); C-(ii); D-(iii)

Ans : (c) सूची-I का सूची-II से सुमेलन इस प्रकार है-

(लेखक)	(योगदान)
(A) मेक्स वेबर	(iii) द रिलिजन ऑफ इंडिया
(B) ई. गॉफमैन	(i) इंटरैक्शन रिचुअल
(C) ए. गिडेन्स	(ii) द नेशन स्टेट एण्ड वॉयलेंस
(D) डेविड हेल्ड	(iv) मॉडल्स ऑफ डेमोक्रेसी

63. निम्नलिखित में से कौन-सा सर्वेक्षण शोध के बारे में सही नहीं है?

(a) इसमें प्रश्नावली का उपयोग किया जाता है
(b) इसमें अधिक बड़ी जनसंख्या से प्राप्त एक प्रतिदर्श (सैम्पल) का अध्ययन किया जाता है
(c) इसमें समय के एक एकल बिन्दु का संदर्भ होता है
(d) इसमें नियंत्रण चर सम्मिलित होता है

Ans : (d) सर्वेक्षण शोध क्षेत्र कार्य के द्वारा सामग्री संकलन की एक ऐसी विधि है जिसके द्वारा व्यक्तिगत साक्षात्कार या दूरभाष के द्वारा अथवा डाक प्रश्नावली के माध्यम से लोगों से शोध प्रश्नों के बारे में जानकारी एकत्रित कर निष्कर्ष निकाले जाते हैं।
इस शोधविधि का उपयोग अधिक बड़ी जनसंख्या से प्राप्त एक सैम्पल का अध्ययन किया जाता है। इसमें नियंत्रण चर सम्मिलित नहीं होता।

64. सर्वनाश और आधुनिकता के संबंध में किसने टिप्पणी की थी?

(a) जिगमैन बॉमन (b) नॉर्बर्ट इलियास
(c) अर्नेस्ट गेलनर (d) बेंजामिन ग्रेग

Ans : (a) सर्वनाश और आधुनिकता के संबंध में टिप्पणी जिगमैन बॉमन ने की थी।

65. 'द हिस्ट्री ऑफ सेक्सुअलिटी' (3वॉल्यूम) का लेखक कौन है?

(a) पॉल रैबिनो (b) मिशेल फुको
(c) पीटर ब्राउन (d) सेन्ट ऑगस्टिन

Ans : (b) 'द हिस्ट्री ऑफ सेक्सुअलिटी' (3वॉल्यूम) पुस्तक के लेखक मिशेल फूको हैं। इन्होंने अपनी इस पुस्तक में शक्ति और ज्ञान के सम्बन्धों के माध्यम से देह (शरीर) के नियंत्रण की विषय वस्तु को विश्लेषण का केन्द्र बनाया है। सेक्सुअलिटी के अतिरिक्त पागलपन और निदानग्रह, चिकित्सा और नैदानिक चिकित्सा सेवाओं का जन्म, अपराध और देहशास्त्र जैसे अनेक विविध विषयों पर एक नवीन दृष्टि से लिखा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

66. प्रतीकों और चिन्हों के अध्ययन के लिए निम्नलिखित में से किस शब्द का प्रयोग किया जाता है?

(a) एपिमैट्रिक्स (b) लोगोसेन्ट्रिक
(c) संकेतविज्ञान (d) सिग्ना मैट्रिक्स

Ans : (c) प्रतीकों और चिन्हों के अध्ययन के लिए संकेत विज्ञान शब्द का प्रयोग किया जाता है।

67. दुर्खीम के अनुसार समाज के निम्न विनियमन किस प्रकार की आत्महत्या का मार्ग प्रशस्त करेगा?

(a) अहंकारी (b) भाग्यवाद संबंधी
(c) परार्थी (d) नामन विकारी

Ans : (d) दुर्खीम के अनुसार समाज के निम्न विनियमन नामन विकारी (एनॉमिक) प्रकार की आत्महत्या का मार्ग प्रशस्त करेगा। दुर्खीम ने अपनी पुस्तक 'Suicide' में चार प्रकार की आत्महत्याओं का उल्लेख किया है यथा- अहंवादी, परार्थवादी, एनॉमिक (नामन विकारी) एवं भाग्यवादी। एनॉमिक आत्महत्या अधिकाधिक रूप में सावयविक समाजों में आर्थिक मंदी या समृद्धि के समय तब उत्पन्न होती है, जब आर्थिक नियम (और सम्भवतः आदर्शात्मक नियम) घटते जाते हैं। ऐसे समय में समाज की व्यवस्था के साथ व्यक्तियों का नाता-रिश्ता अधिक गहरा नहीं रहता, परिणामतः उनकी मूलभूत इच्छायें असीमित और असमंजस्यपूर्ण हो जाती हैं।

68. किसने उन तरीकों का विश्लेषण किया, जिनमें पूंजीवाद में आर्थिक एवं सामाजिक रूपांतरण सूचना का प्रौद्योगिकी ख्याति के साथ संबंध जोड़ता है?

(a) एडवर्ड सईद (b) जे. हैबरमास
(c) मैनुएल कासल्स (d) क्लिफोर्ड गीर्ट्ज

Ans : (c) मैनुअल कासल्स ने उन तरीकों का विश्लेषण किया, जिनमें पूँजीवाद में आर्थिक एवं सामाजिक रूपांतरण सूचना का प्रौद्योगिकी ख्याति के साथ संबंध जोड़ता है। उन्होंने अपनी पुस्तक 'The Information is Economy' में सूचना क्रान्ति के युग में शहरी समाज, अर्थव्यवस्था में हुए बदलाव को लेकर उत्तर औद्योगिक समाज को नवीन परिप्रेक्ष्य में बताने का प्रयास किया जिसके केन्द्र में तकनीकी और सूचना क्रान्ति को शामिल किया।

69. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : फाटक (द्वारा) लगी कॉलोनियाँ (गेटेड एनक्लेव्स) उच्च आय समूह के आवासीय क्षेत्रों को परिलक्षित करती हैं।

तर्क (R) : केवल अमीर व्यक्ति इस प्रकार की कॉलोनियों में रहने में समर्थ हो सकते हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) और (R) दोनों सही है लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है
(d) (A) गलत है,लेकिन (R) सही है

Ans : (a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

70. मैक्स वेबर के अनुसार कौन-से तत्त्व वर्चस्व के लिए सदैव संघर्ष करते हैं?

(a) वर्ग (b) दल (पार्टियाँ)
(c) वर्ग परिस्थिति (d) प्रस्थिति

Ans : (b) मैक्स वेबर के अनुसार **दल** सत्ता या प्रभुत्व के लिए सदैव संघर्ष करते हैं। वेबर ने सत्ता के तीन रूपों की चर्चा की है यथा, पारम्परिक सत्ता, तार्किक-कानूनी सत्ता और करिश्माई सत्ता।

71. एक लिकर्ट पैमाना (लिकर्ट स्केल) किसका मापन करता है?

(a) सहसंबंध (b) अभिवृत्ति
(c) विचलन (d) संतुष्टि

Ans : (b) एक लिकर्ट पैमाना (लिकर्ट स्केल) अभिवृत्ति का मापन करता है। लिकर्ट पैमाना मनोवृत्ति एवं अभिवृत्ति को मापने के थर्सटन पैमाने का एक संशोधित स्वरूप है। लिकर्ट ने अपने इस पैमाने का प्रयोग वर्ष 1932 में विभिन्न समूहों की साम्राज्यवाद, प्रजातिवाद और अन्तर्राष्ट्रीयवाद जैसे विषयों पर मनोवृत्तियों एवं रूझानों को जानने में प्रयोग किया था। थर्सटन पैमाने का उपयोग प्रमाप मूल्यों को ज्ञात करने में किया जाता है।

स्रोत - Advanced Encyclopedia of Sociology-Rawat

72. 'इतिहास अभिजात-तंत्रों की कब्रगाह है', किसका कथन है?

(a) जी. मोस्का (b) के. मार्क्स
(c) वी. परेटो (d) एल. फ्यूरबक

Ans : (c) वी. परेटो का कथन है कि, 'इतिहास अभिजात-तंत्रों की कब्रगाह है।' परेटो ने इसकी व्याख्या अपनी पुस्तक 'The Mind and Society' में की है। परेटो मुख्यतः अभिजन-परिभ्रमण, विशिष्ट चालक एवं भ्रान्त तर्क की अवधारणाओं के लिए जाने जाते हैं।

73. सूची -I को सूची - II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (अवधारणाएँ)	**सूची-II (व्याख्या)**
(A) सत्ता	(i) तार्किक रूप से सुसंगत विचार और व्यवहार
(B) शक्ति	(ii) सामाजिक रूप से स्वीकार्य नियम
(C) तार्किकता	(iii) शक्ति का वैध रूप
(D) वैधता	(iv) निजी स्रोत पर निर्भर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए

(a) A-(i); B-(iv); C-(i); D-(iii)
(b) A-(iii); B-(i); C-(iv); D-(ii)
(c) A-(iii); B-(iv); C-(i); D-(ii)
(d) A-(iii); B-(iv); C-(ii); D-(i)

Ans : (c) सूची -I का सूची-II से सुमेलन इस प्रकार है-

(अवधारणाएँ)	(व्याख्या)
(A) सत्ता	(iii) शक्ति का वैध रूप
(B) शक्ति	(iv) निजी स्रोत पर निर्भर
(C) तार्किकता	(i) तार्किक रूप से सुसंगत विचार और व्यवहार
(D) वैधता	(ii) सामाजिक रूप से स्वीकार्य नियम

74. पी. एन. डी. टी. (1994) अधिनियम और इसके संशोधनों का उद्देश्य निम्नलिखित में से परिपाटियों का प्रतिषेध करता है?

(a) भारत में गर्भपात
(b) भारत में लिंग चयन गर्भपात
(c) बच्चे का गर्भपात करने की महिला की स्वायत्तता
(d) भ्रूण का गर्भपात करने का कानूनी अधिकार

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (b) पी. एन. डी. टी. (1994) अधिनियम और इसके संशोधनों का उद्देश्य भारत में लिंग चयन गर्भपात का प्रतिषेध करता है। यह अधिनियम भारत में कन्या भ्रूण हत्या और गिरते लिंगानुपात को रोकने के लिए भारत की संसद द्वारा पारित एक संघीय कानून है। इस अधिनियम ने प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण पर प्रतिबंध लगा दिया है। पी. एन. डी. टी. ऐक्ट, 1994 के तहत जन्म से पूर्व शिशु के लिंग की जाँच पर पाबंदी है। ऐसे में अल्ट्रासाउण्ड या अल्ट्रासोनोग्राफी कराने वाले जोड़े या करने वाले डॉक्टर, लैब कर्मी को तीन वर्ष (अधिकतम) की सजा और 10 हजार (अधिकतम) जुर्माने का प्रावधान है।

75. इनमें से किसने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'थ्योरी ऑफ कल्चर चेंज : द मेथाडोलॉजी ऑफ मल्टीलीनियर इवोल्यूशन में 'सांस्कृतिक पारिस्थितिकी' शब्द गढ़ा था?

(a) जे एच. स्टीवर्ड (b) जी. एल. यंग
(c) डब्ल्यू. आर कैटन जूनियर (d) आर. डनलप

Ans : (a) जे एच. स्टीवर्ड ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'थ्योरी ऑफ कल्चर चेंज : द मेथाडोलॉजी ऑफ मल्टीलीनियर इवोल्यूशन में 'सांस्कृतिक पारिस्थितिकी' शब्द गढ़ा था।

76. सूची -I को सूची - II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (समाजशास्त्री)	सूची-II (समाजशास्त्रीय परम्परा)
(A) इमाइल दुर्खीम	(i) संरचनावाद
(B) क्लिफोर्ड गीर्ट्ज	(ii) उत्तर-आधुनिकतावाद
(C) क्लॉड लेवी-स्ट्रॉस	(iii) व्याख्यात्मक
(D) माइकल फूको	(iv) प्रकार्यवाद

दिए गए विकल्प में से सही उत्तर का चयन कीजिए-

(a) A-(iv); B-(iii); C-(i); D-(ii)
(b) A-(iv); B-(i) ; C-(ii); D-(iii)
(c) A-(i); B-(iii) ; C-(iv); D-(ii)
(d) A-(iii); B-(i); C-(ii); D-(iv)

Ans : (a) सूची -I का सूची - II से सुमेलन इस प्रकार है-

(समाजशास्त्री)	(समाजशास्त्रीय परम्परा)
(A) इमाइल दुर्खीम	(iv) प्रकार्यवाद
(B) क्लिफोर्ड गीर्ट्ज	(iii) व्याख्यात्मक
(C) क्लाड लेवी स्ट्रॉस	(i) संरचनावाद
(D) माइकल फूको	(ii) उत्तर-आधुनिकतावाद

77. पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले प्रसिद्ध गैर-सरकारी संगठन 'तरुणा भारत संघ' की स्थापना किसने की।

(a) राजेन्द्र सिंह (b) कैलाश सत्यार्थी
(c) रूक्मिणी बनर्जी (d) भरत वतरम

Ans : (a) पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले प्रसिद्ध गैर-सरकारी संगठन 'तरुण भारत संघ' की स्थापना राजेन्द्र सिंह ने की। यह भारत की अशासकीय संस्था (NGO) है जो लोगों को वन एवं जल के संरक्षण के मुद्दों पर जागरूक बनाने का काम कर रही है। श्री राजेन्द्र सिंह वर्तमान में इसके अध्यक्ष हैं। इन्हें मैगसेसे पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

78. निम्नलिखित में से किस राज्य में उसकी (राज्य की) कुल शहरी जनसंख्या की तुलना में महानगरीय जनसंख्या है।

(a) केरल (b) महाराष्ट्र
(c) गुजरात (d) पश्चिम बंगाल

Ans : (b) महाराष्ट्र राज्य में उसकी (राज्य की) कुल शहरी जनसंख्या की तुलना में महानगरीय जनसंख्या है। महाराष्ट्र की कुल जनसंख्या जनगणना 2011 के अनुसार 50.818 मिलियन है जो संपूर्ण भारत के शहरी जनसंख्या का 13.47% है।

79. किसने 'प्रभुत्व' की अवधारणा का प्रतिपादन किया था?

(a) ऐंटोनिओ ग्राम्सकी (b) कार्ल मार्क्स
(c) मैक्स वेबर (d) आर. डेहरेनडॉर्फ

Ans : (a) 'प्रभुत्व' की अवधारणा का प्रतिपादन ऐंटोनिओ ग्राम्सकी ने किया था। वे इटली के एक प्रमुख नव मार्क्सवादी सिद्धान्तकार रहे हैं। वे प्रमुख रूप से मार्क्स के आर्थिक निर्धारणवाद और द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद की अपनी आलोचनाओं के लिए जाने जाते हैं। प्रभुत्व (प्राधान्य) से तात्पर्य एक ऐसे सांस्कृतिक नेतृत्व से है जो शासक वर्ग से होता है।
Source - Sociological Thinkers and Theorists -Rawat

80. जुर्गन हैबरमास ने किस आलोचनात्मक सिद्धांत पर बल दिया है?

(a) नव-उपनिवेशवाद का सिद्धांत
(b) विनिमय का सिद्धांत
(c) संरचना का सिद्धांत
(d) सम्प्रेषणात्मक क्रिया का सिद्धांत

Ans : (d) जुर्गन हैबरमास ने आलोचनात्मक सिद्धान्त 'सम्प्रेषणात्मक क्रिया का सिद्धान्त' पर बल दिया है। उन्होंने सम्प्रेषण तथा तार्किकता के वैध सिद्धान्त के विकास की असफलता और अवव्याख्यावाद या निर्धारणवाद के साथ चिपके रहने के लिए पश्चिमी सामाजिक सिद्धान्त की कटु आलोचना की है।

81. मूल्यों के वितरण में मध्य स्थिति का मान कहलाता है

(a) माध्य (b) माध्यिका
(c) बहुलक (d) मध्य-बिन्दु

Ans : (b) मूल्यों के वितरण में मध्य स्थिति का मान माध्यिका कहलाता है।
माध्य वह मूल्य है जो किसी संख्यात्मक पदों की श्रेणी के समस्त पदों के मूल्यों के योग में श्रेणी के पदों की संख्या का भाग देने से प्राप्त होता है।
किसी पदमाला या श्रेणी श्रृंखला में जिस मूल्य की आवृत्ति सबसे अधिक होती है उसी को 'बहुलक' कहते हैं।

82. 'रूरल डेवलपमेंट : पुटिंग द लास्ट फर्स्ट' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) रॉबर्ट प्रिटनम (b) जेन क्रिप्पर्स ब्लैक
(c) दादाभाई नौरोजी (d) रॉबर्ट चेम्बर्स

Ans : (d) 'रूरल डेवलपमेंट : पुटिंग द लास्ट फर्स्ट' नामक पुस्तक के लेखक रॉबर्ट चेम्बर्स हैं।

83. विश्व के कौन-से सर्वाधिक नवोन्मेषी शोध संस्थान के कार्य से इन्टरनेट का उद्भव हुआ?

(a) रक्षा शोध संस्थापन, ओटावा (डिफेन्स रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट,ओटावा)
(b) अमेरिकी रक्षा विभाग की उन्नत शोध परियोजना (यू.एस. डिफेन्स डिपार्टमेन्टस एडवांस रिसर्च प्रोजेक्ट)
(c) बेल लेबोरेटरी
(d) माइक्रोसॉफ्ट

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (b) विश्व के सर्वाधिक नवोन्मेषी शोध संस्थान अमेरिकी रक्षा विभाग की उन्नत शोध परियोजना (यू.एस. डिफेन्स डिपार्टमेन्टस एडवांस रिसर्च प्रोजेक्ट) के कार्य से इन्टरनेट का उद्भव हुआ। वर्ष 1969 में अमेरिकी रक्षा विभाग के एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी (APRA) ने सं.रा. अमेरिका के चार विश्वविद्यालयों के कम्प्यूटरों की नेटवर्किंग करके इंटरनेट 'अप्रानेट' (APRANET) की शुरूआत की। इसका विकास, शोध, शिक्षा और सरकारी संस्थाओं के लिए किया गया था।

84. शोध संबंधी प्रश्नों का एक समुच्चय नहीं होना चाहिए

(a) स्पष्ट (b) व्यापक
(c) सिद्धांत से संबंधित (d) एक-दूसरे से संबंधित

Ans : (b) शोध संबंधी प्रश्नों का एक समुच्चय व्यापक नही होना चाहिए। पी. वी. यंग के अनुसार, सामाजिक शोध नवीन तथ्यों की खोज, पुराने तथ्यों का सत्यापन, उनके क्रमबद्ध पारस्परिक सम्बंधों, कारणों की व्याख्या तथा उन्हें संचालित करने वाले प्राकृतिक नियमों के अध्ययन की सुनियोजित पद्धति है।

85. निम्नलिखित में से कौन-सी ग्रामीण समाज की विशेषता नहीं है?

(a) प्राकृतिक वातावरण की प्रधानता
(b) कृषि-अर्थव्यवस्था
(c) विनिर्माण और उद्योग
(d) संयुक्त परिवार

Ans : (c) विनिर्माण और उद्योग ग्रामीण समाज की विशेषता नहीं है। ग्रामीण समाज की प्रमुख विशेषतायें निम्नवत हैं-

1. कृषि मुख्य व्यवसाय	7. प्राकृतिक निकटता
2. सरल एवं सादा जीवन	8. श्रम के विशेषीकरण का अभाव
3. जाति प्रथा	9. सामुदायिक भावना
4. जनमत का अधिक महत्व	10. जीवन के निम्न स्तर
5. सामाजिक समरूपता	11.प्राथमिक सम्बंधों की प्रधानता
6. संयुक्त परिवार	12.धर्म और प्रथाओं का महत्व
	13.सामाजिक गतिशीलता का अभाव

86. निम्नलिखित में से कौन-सा देश 'राज्य पूंजीवाद' का उदाहरण है?

(a) चीन (b) भारत
(c) स्विट्जरलैण्ड (d) फ्रांस

Ans : (a) चीन देश 'राज्य पूंजीवाद' का उदाहरण है राज्य पूंजीवाद एक आर्थिक प्रणाली है जिसमें राज्य वाणिज्यिक (अर्थात् लाभकारी) आर्थिक गतिविधि करता है और जहाँ उत्पादन के साधनों को राज्य के स्वामित्व वाले व्यापार उद्यमों (पूंजी संचय, मजदूरी, श्रम और केन्द्रीकृत प्रबंधन की प्रक्रियाओं सहित) के रूप में व्यवस्थित और प्रबंधित किया जाता है।

87. प्रतिदिन प्रति व्यक्ति क्रय क्षमता की दृष्टि से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अतिशय गरीबी का माप क्या है?

(a) 1.0 डॉलर (b) 1.9 डॉलर
(c) 3.5 डॉलर (d) 4.5 डॉलर

Ans : (b) प्रतिदिन प्रति व्यक्ति क्रय क्षमता की दृष्टि से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अतिशय गरीबी का माप 1.9 डॉलर है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2019 के अनुसार जो संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और ऑक्सफोर्ड गरीबी एवं मानव विकास पहल द्वारा विकसित किया गया है, भारत में 21.9% लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं जिसमें 21.2 % लोग एक दिन में 1.90 डॉलर से भी कम कमाते हैं।

88. कम्बोडिया में कौन-सा सत्तारूढ़ दल 20वीं सदी में सामूहिक नरसंहार से संबंधित है?

(a) नेशनल सोशलिस्ट (b) बोस्नियन नेशनलिस्ट ग्रुप
(c) खमेर रूज (d) रिपब्लिक पार्टी

Ans : (c) कम्बोडिया में खमेर रूज सत्तारूढ़ दल 20वीं सदी में सामूहिक नरसंहार से संबंधित है। खमेर रूज पार्टी ने 1975-1979 के बीच कंबोडिया का नियंत्रण अपने हाथों में लिया था। इस शासन काल के दौरान ज्यादा काम, भुखमरी और बड़े पैमाने पर लोगों को फांसी देने के चलते करीब 20 लाख लोगों की मौत हो गयी थी। इस पार्टी को दो शीर्ष नेताओं सेम्फान (87) और नुओन चिआ (92) को इस मामले में नवम्बर 2018 को सजा दी गयी।

89. 'मूमेन्टम फॉर चेंज : क्लाइमेट न्यूट्रल नाउ' किसके द्वारा शुरू की गई पहल है?

(a) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यू. एन. ई. पी.)
(b) संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय (यू. एन. सी. सी. सी.)
(c) विश्व मौसम विज्ञान संगठन
(d) जलवायु परिवर्तन संबंधी अंतर-सरकारी पैनल (इंटर-गवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज)

Ans : (b) 'मूमेन्टम फॉर चेंज : क्लाइमेट न्यूट्रल नाउ' संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय (यू. एन. सी. सी. सी.) के द्वारा शुरू की गई पहल है। यह विश्व भर में चल रही उन गतिविधियों को प्रकाश में लाता है जो कार्बन के उत्सर्जन में कमी लाने में लगी हुई है। यह पुरस्कार नवाचार एवं रूपान्तरकारी समाधानों के लिए दिया जाता है जिससे जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरण विषयक चुनौतियों का समाधान भी हो सके।

90. सिद्धांत और शोध एक-दूसरे से संबंधित हैं, क्योंकि-

(A) सिद्धांत, शोध का मार्गदर्शन करता है
(B) सिद्धांत, का एक परिणाम है

निम्नलिखित में से कौन-सा संयोजन सही है?

(a) (A) सही है लेकिन (B) गलत है
(b) (A) गलत लेकिन (B) सही है
(c) (A) और (B) दोनों सही हैं
(d) (A) और (B) दोनों गलत हैं

Ans : (c) (A) और (B) दोनों सही हैं।

91. किसका मानना है कि भारतीय आदिवासी 'पिछड़े हिन्दू' थे?

(a) जी. एस. घुर्ये (b) ए. आर. देसाई
(c) एन. के. बोस (d) वाई. बी. दामले

Ans : (a) जी. एस. घुर्ये का मानना है कि भारतीय आदिवासी 'पिछड़े हिन्दू थे। घुर्ये ने अपनी पुस्तक 'The Mahadev Kolis' में बतलाया है कि भारतीय जनजाति की स्थिति हिन्दुओं के पिछड़े दलित वर्ग की जैसी ही है उनके पिछड़ेपन का कारण उनका हिन्दू समाज से पूरी तरह एकीकृत न होना रहा है।

92. जलीकट्टू किस राज्य का पारम्परिक खेल है?

(a) तमिलनाडु (b) तेलंगाना
(c) केरल (d) कर्नाटक

Ans : (a) जलीकट्टू तमिलनाडु राज्य (ग्रामीण इलाकों) का पारम्परिक खेल है जो पोंगल त्योहार पर आयोजित किया जाता है। जलीकट्टू को तमिलनाडू के गौरव तथा संस्कृति का प्रतीक कहा जाता है। यह 2000 वर्ष पुराना खेल है जो उनकी संस्कृति से जुड़ा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

93. 'द स्ट्रक्चर ऑफ साइन्टिफिक रिवोल्यूशन' पुस्तक का लेखक कौन है ?

(a) जॉन डीवी (b) थॉमस एस कुह्न
(c) डेविड हेल्ड (d) मैनुएल कासल्स

Ans : (b) सामाजिक विज्ञानों, विशेषतः समाजशास्त्र में पैराडाइम' की अवधारणा के प्रवर्तक के लिए अपनी एक विशिष्ट पहचान कायम करने वाले **थॉमस एस कुहन** एक अमेरिकी दार्शनिक एवं इतिहासकार हैं। इनकी प्रमुख पुस्तकें निम्नवत हैं-
- The Structure of Scientific Revolution, (1970)
- The Essential Tension, (1977).

94. गॉफमैन के नाट्यशास्त्र में निम्नलिखित में से कौन सा सम्मिलित नहीं है?

(a) पार्श्व मंच (साइड स्टेज) (b) रहस्यीकरण
(c) अग्र मंच (d) प्रभाव प्रबंधन

Ans : (a) गॉफमैन के नाट्यशास्त्र में पार्श्व मंच (साइड स्टेज) सम्मिलित नहीं है। उन्होंने अभिनय कला में 'फ्रण्ट' और 'बैक' शब्द का प्रयोग किया है जहाँ फ्रण्ट मंच पर अभिनय तथा बैक उससे सम्बन्धित तैयारी है।
इसके अतिरिक्त सामाजिक अन्तर्क्रिया, आकस्मिक मिलन, समूहन विधा, भूमिका व्यवहार, विचलन, व्यक्तिगत पहचान, मानसिक संस्थाओं और लैंगिक विषमता में विज्ञापनों की भूमिका आदि गॉफमैन के अध्ययन के प्रमुख विषय रहे हैं।

95. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही नहीं है?

(a) रॉबर्ट रेडफील्ड - अमेरिका
(b) कार्ल मैनहाइम - जर्मनी
(c) क्लॉड लेवी-स्ट्रॉस - फ्रांस
(d) एंथनी गिडन्स - इंग्लैण्ड

Ans : (b) युग्म (b) सही नहीं है। कार्ल मैनहाइम हंगरी से सम्बन्धित हैं।

96. विश्व बैंक रिपोर्ट, 2017 के अनुसार भारत में श्रमिक बल में महिला कामगारों का अनुपात कितना है?

(a) 15.6 % (b) 24.5 %
(c) 27.9% (d) 31.8 %

Ans : (*) विश्व बैंक रिपोर्ट, 2017 के अनुसार भारत में श्रमिक बल में महिला कामगारों का अनुपात 23.8% (23.796%) है। जबकि विश्व बैंक रिपोर्ट, 2018 के अनुसार भारत में श्रमिक बल में महिला कामगारों का अनुपात 23.6% (23.605%) है। अतः प्रश्न में कोई विकल्प सही नहीं है।

97. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (पुस्तक)	सूची-II (लेखक)
(A) आफ्टर किनशिप	(i) डेविड एम. स्नाइडर
(B) अमेरिकन किनशिप	(ii) जेनेट कार्स्टन
(C) स्ट्रक्चरल एन्थ्रोपोलॉजी	(iii) बॉब सिम्पसन
(D) द थ्योरी ऑफ सोशल स्ट्रक्चरल	(iv) क्लाड लेवी-स्ट्रॉस
	(v) एस. एफ. नाडेल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(a) A-(iv); B-(v); C-(ii); D-(i)
(b) A-(iii); B-(iv) ; C-(v); D-(i)
(c) A-(ii); B-(i) ; C-(iv); D-(v)
(d) A-(i); B-(ii); C-(iii); D-(iv)

Ans : (c) सूची-I का सूची-II से सुमेलन इस प्रकार है-

(पुस्तक)	(लेखक)
(A) आफ्टर किनशिप	(ii) जेनेट कार्स्टन
(B) अमेरिकन किनशिप	(i) डेविड एम स्नाइडर
(C) स्ट्रक्चरल एन्थ्रोपोलॉजी	(iv) क्लाड लेवी स्ट्रॉस
(D) द थ्योरी ऑफ सोशल स्ट्रक्चर	(v) एस. एफ. नाडेल

98. किसने भारतीय समाज को समझने के लिए रॉबर्ट रेडफील्ड की अवधारणा 'लघु और बृहत् परम्परा' को प्रयुक्त किया है?

(a) एस. सी. दूबे (b) योगेन्द्र सिंह
(c) टी. के. ऊम्मन (d) मिल्टन सिंगर

Ans : (d) मिल्टन सिंगर ने भारतीय समाज को समझने के लिए रॉबर्ट रेडफील्ड की अवधारणा 'लघु और बृहत् परम्परा' को प्रयुक्त किया है। उन्होंने दोनों अवधारणाओं का प्रयोग भारतीय ग्रामों के अध्ययन में किया और इन दोनों की पारस्परिक अन्तःक्रिया का भी उल्लेख किया है। उनके अनुसार ये दोनों परम्पराएँ आन्तरिक एवं बाह्य दो सम्पर्कों द्वारा अन्तःक्रिया करती हैं। प्रथम स्तर पर जनसाधारण एवं निरक्षर कृषकों के द्वारा अन्तःक्रिया होती है और द्वितीय स्तर पर अभिजात तथा चिंतनशील व्यक्तियों के द्वारा इन दोनों का संपर्क होता है। प्रथम के अन्तर्गत आने वाली सांस्कृतिक प्रक्रियाएं लघु परम्परा को निर्मित करती हैं और दूसरे के अन्तर्गत आने वाली वृहत् परम्परा को। परम्पराओं के इन दोनों स्तरों पर निरन्तर अन्तःक्रिया होती रहती है।

99. 'डिस्टिंक्शन' (1979) कृति का लेखक कौन है?

(a) एंथनी गिडन्स (b) पियरे बोर्डियू
(c) सी. गीर्ट्ज (d) जुर्गन हैबरमास

Ans : (b) 'डिस्टिंक्शन' कृति का लेखक पियरे बोर्डियू हैं। इन्होंने अपने लेखनों में मुख्यतः तीन अवधारणाओं 'हैबिट्स', 'क्षेत्र' तथा 'सांस्कृतिक पूँजी' का प्रयोग किया है। इनकी प्रमुख कृतियाँ इस प्रकार हैं-
- The School as a Conservation Force, (1966)
- Outline of a Theory of Practice, (1972)
- Distinction, (1979)
- Homo Academicus, (1988)
- The Logic of practice, (1990)

100. नेस्ले, मैगी उत्पाद में सीसा (लेड) पाये जाने के विषय में सोशल मीडिया नकारात्मक आलोचना में क्यों लिप्त हुआ?

(a) उन्होंने सोशल मीडिया पर उपभोक्ताओं को भला-बुरा कहा
(b) उन्होंने उपभोक्ता की शिकायतों का जवाब नहीं दिया
(c) उन्होंने माफी माँगने से मना कर दिया और विरोध प्रदर्शनकारियों के लिंक डिजिटल रूप से हटा दिए
(d) उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या उनके उत्पाद में कोई खराबी है।

Ans : (c) नेस्ले, मैगी उत्पाद में सीसा (लेड) पाये जाने के विषय में सोशल मीडिया नकारात्मक आलोचना में लिप्त हुआ क्योंकि उन्होंने माफी माँगने से मना कर दिया और विरोध प्रदर्शनकारियों के लिंक डिजिटल रूप से हटा दिए।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2019
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. किसी सामाजिक घटना के संदर्भ में प्रश्न 'ऐसा क्यों है' किस प्रकार के अनुसंधान पद्धति के लिए महत्वपूर्ण है?

(A) अन्वेषणात्मक
(B) विवरणात्मक
(C) व्याख्यात्मक
(D) प्रयोगात्मक

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) और (B) (b) (B) और (C)
(c) (C) और (D) (d) (D) और (A)

Ans. (c) : किसी सामाजिक घटना के सन्दर्भ में प्रश्न 'ऐसा क्यों है', व्याख्यात्मक तथा प्रयोगात्मक अनुसंधान पद्धति के लिए महत्वपूर्ण है। व्याख्यात्मक शोध एक ऐसी शोध है जिसका उद्देश्य विषय या समस्या के संबंध में यथार्थ या वास्तविक तथ्यों को एकत्रित कर उसके आधार पर एक विवरण प्रस्तुत करना है तथा प्रयोगात्मक या परीक्षणात्मक शोध का सामाजिक विज्ञानों में वही महत्व है जो भौतिक विज्ञानों में प्रयोगशाला पद्धति का है।

2. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान करें:

सूची-I (समाजशास्त्री)	सूची-II (पुस्तक)
(A) के.एम. कपाडिया	(i) ह्यूमन सोसायटी
(B) जी. पी. मर्डॉक	(ii) मैरिज एंड फैमिली इन इंडिया
(C) किंग्सले डेविस	(iii) सोशल स्ट्रक्चर
(D) पी.एन. प्रभु	(iv) हिन्दू सोशल ऑर्गेनाइजेशन

सही विकल्प चुनें:

(a) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(iv)
(b) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)
(c) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)
(d) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(i)

Ans. (a) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

(समाजशास्त्री)	(पुस्तक)
के.एम. कपाड़िया	मैरिज एण्ड फैमिली इन इण्डिया
जी.पी. मर्डाक	सोशल स्ट्रक्चर
किंग्सले डेविस	ह्यूमन सोसायटी
पी.एन. प्रभु	हिन्दू सोशल आर्गेनाइजेशन

3. दुर्खाईम के अनुसार 'सामाजिक तथ्य' के संबंध में कौन सा विकल्प सही है?

(A) यह किसी प्रदत्त समाज में सामान्य है
(B) यह प्रत्येक व्यक्ति में सामान्य है
(C) यह वस्तु के समान है
(D) यह किसी व्यक्ति पर दबाव नहीं डालता है

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) और (B) (b) (C) और (D)
(c) (B) और (C) (d) (A) और (C)

Ans. (d) : दुर्खीम ने सामाजिक तथ्य को एक वस्तु की तरह माना है और यह बतलाया है कि सामाजिक तथ्य क्रिया करने का एक स्थायी अथवा अस्थायी तरीका है जो व्यक्ति पर बाहरी दबाव डालने में समर्थ होता है अथवा पुनः क्रिया करने का एक तरीका है जो किसी समाज में सामान्य रूप से पाया जाता है, किन्तु साथ ही साथ जो व्यक्तिगत अभिव्यक्तियों से स्वतंत्र पृथक अस्तित्व रखता है।

4. प्रौद्योगिकी के स्वरूप को उस समय-अवधि के साथ मिलायें जिसमें वे सामान्यतः प्रारम्भ एवं विकसित हुए:

प्रौद्योगिकी का स्वरूप	समय अवधि
(A) इलैक्ट्रानिक गणना, आण्विक शक्ति, जैविक अभियंत्रिकी	(i) मध्यकालीन अवधि
(B) टेक्साटाईल, खनन, धातु विज्ञान	(ii) 19वीं शताब्दी
(C) चीनी मिल, कागज मिल, विंड मिल	(iii) 18वीं शताब्दी
(D) परिवहन, सन्निर्माण, विनिर्माण	(iv) 20वीं-21वीं शताब्दी

सही विकल्प चुनें:

(a) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)
(b) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(ii)
(c) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(ii), (D)-(i)
(d) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iii), (D)-(iv)

Ans. (b) : सुमेलित-

(प्रौद्योगिकी का स्वरूप)	(समय अवधि)
इलेक्ट्रॉनिक गणना, आण्विक शक्ति, जैविक अभियांत्रिकी	20वीं-21वीं शताब्दी
टेक्सटाइल, खनन, धातु विज्ञान	18वीं शताब्दी
चीनी मिल, कागज मिल, विंड मिल	मध्यकालीन अवधि
परिवहन, सन्निर्माण, विनिर्माण	19वीं शताब्दी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

5. निम्नलिखित प्रौद्योगिकीय क्रांतियों को काल क्रमानुसार व्यवस्थित करें:

(A) हरित क्रांति

(B) मुद्रण क्रांति (Printing reovlution)

(C) औद्योगिक क्रांति

(D) जैव-प्रौद्योगिकी क्रांति

सही विकल्प चुनें:

(a) (B), (A), (C), (D) (b) (B), (C), (A), (D)

(c) (D), (C), (B), (A) (d) (A), (B), (C), (D)

Ans. (b) : प्रौद्योगिकीय क्रान्तियों का काल क्रमानुसार इस प्रकार है-

मुद्रण क्रान्ति	15वीं शताब्दी
औद्योगिक क्रान्ति	18वीं शताब्दी (1960 ई.)
हरित क्रान्ति	20वीं शताब्दी (भारत में 1967-68)
जैव प्रौद्योगिकी क्रान्ति	20वीं शताब्दी (1970

6. निम्नलिखित में किसने मीडिया की संकल्पना एक 'सांस्कृतिक उद्योग' के रूप में की है?

(a) प्रकार्यवादी

(b) राजनीतिक-अर्थशास्त्री

(c) नव-मार्क्सवादी

(d) उत्तर आधुनिकतावादी

Ans. (c) : नव-मार्क्सवादियों ने मीडिया की संकल्पना एक 'सांस्कृतिक उद्योग' के रूप में की है।

7. भारत के निम्नलिखित कौन-से दो राज्य सर्वाधिक शहरीकृत तथा सबसे कम शहरीकृत है?

(A) तमिलनाडु

(B) केरल

(C) हिमाचल प्रदेश

(D) असम

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) और (D) (b) (A) और (C)

(c) (B) और (C) (d) (C) और (D)

Ans. (b) : जनगणना 2011 के अनुसार भारत के सर्वाधिक शहरीकृत राज्य क्रमशः गोवा (62.2%), मिजोरम (52.1%), तमिलनाडु (48.4%), केरल (47.7%), महाराष्ट्र (45.2%) हैं। जबकि न्यूनतम हिमाचल प्रदेश (10%), बिहार (11.3%),असम (14.1%), ओडिशा (16.7%), मेघालय (20.1%) हैं। अतः प्रश्नानुसार सर्वाधिक शहरीकृत राज्य तमिलनाडु तथा सबसे कम शहरीकृत राज्य हिमाचल प्रदेश है।

8. 2001 की जनगणना के अनुसार भारत में कितने महानगर थे?

(a) 53 (b) 35

(c) 55 (d) 17

Ans. (b) : जनगणना 2001 के अनुसार भारत में कुल महानगरों की संख्या 35 थी जबकि जनगणना-2011 के अनुसार महानगरों की संख्या 53 हो गयी है, जिसकी संख्या 10 लाख से अधिक है।

9. शास्त्रीय समाजशास्त्रियों में से किसने भिन्न तरीके से तुलनात्मक विधि का प्रयोग किया है?

(A) इमाईल दुर्खाईम

(B) कार्ल मार्क्स

(C) मैक्स वेबर

(D) आगस्ट कॉम्ट

सही विकल्प चुनें:

(a) (B) व (C) (b) (C) व (D)

(c) (D) व (A) (d) (A) व (C)

Ans. (d) : मैक्स वेबर और इमाईल दुर्खीम ने भिन्न-भिन्न तरीके से तुलनात्मक विधि का प्रयोग किया है। तुलनात्मक विधि/पद्धति अध्ययन की वह पद्धति है, जिसके अन्तर्गत दो या दो से अधिक सामाजिक तथ्यों, इकाइयों या समुदायों को अध्ययन का आधार मानते हुए इसकी एक-दूसरे से तुलना की जाती है तथा तुलना के दौरान पाई गयी समान अथवा असमान विशेषताओं के आधार पर सामान्य निष्कर्ष प्रस्तुत किये जाते हैं।

10. किस वर्ष तक वृद्ध लोगों की संख्या 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की संख्या से अधिक होने की संभावना है?

(a) 2030 (b) 2040

(c) 2050 (d) 2060

Ans. (a) : आर्थिक सर्वेक्षण-2018-19 के अनुसार आने वाले दो दशकों में भारत में जनसंख्या वृद्धि दर में तीव्र गिरावट की संभावना है, साथ ही कुछ राज्य वर्ष 2030 तक वृद्ध समाज की स्थिति की ओर बढ़ने शुरू हो जाएंगे।

11. निम्नलिखित में से कौन से सामाजिक अनुसंधान नीति के तत्त्व हैं?

(A) विचारधारा

(B) आत्मनिष्ठता

(C) अनामता (Anonymity)

(D) गोपनीयता

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) और (B) (b) (B) और (C)

(c) (C) और (D) (d) (D) और (A)

Ans. (c) : सामाजिक अनुसंधान नीति के अन्तर्गत अमानता व गोपनीयता महत्वपूर्ण तत्व है क्योंकि उत्तरदाताओं के हितों का सम्मान करना शोधकर्ता का परम कर्तव्य है। इसके मौलिक अधिकारों, गरिमा, निजता, गोपनीयता और यदि आवश्यक हो तो अमानता का ध्यान रखना चाहिए।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

12. किसने कहा था कि- वैश्वीकरण बढ़ती हुई पारस्परिक अंतनिर्भरता और विश्व की अनेक अर्थव्यवस्थाओं का एकीकरण है?

(a) ए. गिड्डेन्स (b) मेघनाद देसाई
(c) हेंडरसन हैजेल (d) मार्टिन नीर

Ans. (b) : मेघनाद देसाई के अनुसार, ''भूमण्डलीकरण (वैश्वीकरण) दुनिया भर में विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं का बढ़ना, परस्पर अन्योन्याश्रय सम्बंध एवं एकीकरण है।'' तथा गिड्डेन्स के अनुसार, ''विभिन्न लोगों और दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों के मध्य बढ़ती हुई पारस्परिकता ही वैश्वीकरण है। यह पारस्परिकता सामाजिक और आर्थिक संबंधों में होती है। इसमें स्थान व समय सिमट जाते हैं।''

13. 2001 व 2011 के जनगणना वर्षों में भारत की मलिन बस्तियों की जनसंख्या निम्नांकित में से कौन-सी है?

(A) 40.6 मिलियन
(B) 42.6 मिलियन
(C) 68.0 मिलियन
(D) 72.0 मिलियन

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) व (B) (b) (B) व (C)
(c) (C) व (D) (d) (A) व (D)

Ans. (b) : जनगणना 2001 तथा 2011 के अनुसार मलिन बस्तियों की जनसंख्या क्रमशः 42.6 मिलियन तथा 68.0 मिलियन है।

14. ज्ञान-शास्त्र (Epistemology) जिस प्रकार के अंतर-भेद के लिए प्रयुक्त होता है, उसमें सम्मिलित हैं

(A) वस्तुनिष्ठता
(B) आत्मनिष्ठता
(C) अनुभववाद
(D) तार्किकतावाद

सही विकल्प का चयन करें:

(a) (A) और (B) (b) (B) और (C)
(c) (C) और (D) (d) (D) और (A)

Ans. (b) : ज्ञानमीमांसा दर्शन की एक शाखा है। इसमें आत्मनिष्ठता और अनुभववाद दोनों निहित हैं।

15. भारतीय शादी-ब्याह में ''प्रदर्शनीय उपभोग'' (Conspicuous Consumption) का आधिक्य है। यह किन दो बातों के संबंध में प्रयोग किया जा सकता है?

(A) किसी व्यक्ति की जाति का प्रदर्शन
(B) धन का प्रदर्शन
(C) मंहगे भोजन कराना
(D) अपने सामाजिक स्थिति का प्रदर्शन करना

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) और (B) (b) (C) और (D)
(c) (A) और (C) (d) (B) और (D)

Ans. (d) : भारतीय शादी-ब्याह में ''प्रदर्शनीय उपभोग'' का आधिक्य है। यह धन का प्रदर्शन तथा सामाजिक स्थिति का प्रदर्शन के संबंध में प्रयोग किया जा सकता है। 'प्रदर्शनकारी उपभोग' की अवधारणा वेबलेन ने प्रस्तुत की है। इस शब्द का प्रयोग उन्होंने 'विलासी वर्ग' के लिए किया है। ऐसे वर्ग की जीवनशैली तड़क-भड़क, आडम्बरपूर्ण, फिजूल खर्ची, आलसीपन और ऐसे निर्लज्ज उपभोग से भरी होती है जिसका न खुद के लिए और न दूसरों के लिए कोई उपयोगी महत्व होता है।

16. धर्म पर चर्चा करते हुए किसने नैतिक विचारों के संवर्धन पर ध्यान दिया है?

(a) आर. एच. लोवी
(b) ए. आर. रैडक्लिफ-ब्राउन
(c) एल. टी. हॉबहाउस
(d) मैक्स वेबर

Ans. (c) : एल. टी. हॉबहाउस ने अपनी पुस्तक 'Elements of Justice' में धर्म पर चर्चा करते हुए नैतिक विचारों के संवर्धन पर ध्यान दिया है।

17. दुर्खाईम के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान में महत्वपूर्ण इकाई है

(a) भूमिका (Role)
(b) क्रिया (Action)
(c) संवेदना (Feeling)
(d) प्रयोजन (Motive)

Ans. (b) : दुर्खीम के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान में क्रिया महत्वपूर्ण इकाई है। सभी धर्मों में कुछ अनुष्ठान निश्चित होते हैं, जिन्हे सभी अनुयायी को मानना पड़ता है। इन अनुष्ठानों में प्रार्थना करना, भजन करना, उपवास करना, कुछ विशिष्ट वस्तुओं को खाना अथवा विशिष्ट वस्तुओं से परहेज करना आदि शामिल है।

18. निम्नलिखित में से किस समाजशास्त्री ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों के संदर्भ में 'नातेदारी प्रथा' के बारे में लिखा है?

(a) पी. एच. प्रभु (b) इरावती कर्वे
(c) जी. एस. घुर्ये (d) के.एम. कपाड़िया

Ans. (b) : इरावती कर्वे ने अपनी महत्वपूर्ण पुस्तक 'किनशिप ऑर्गेनाइजेशन इन इण्डिया' में भारत को चार प्रमुख क्षेत्रों में बाँटकर उनकी नातेदारी व्यवस्था का तुलनात्मक अध्ययन किया है। इस कृति की शुरूआत महाभारत के विभिन्न पात्रों की वंशावली से होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

19. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें से एक अभिकथन (A) है व दूसरा तर्क (R) है।

अभिकथन (A): आधुनिक भारत में विवाह की सामाजिक संस्था बहुत से परिवर्तनों से निकली है।

तर्क (R): भारतीय युवा पश्चिम के विचारों से प्रभावित हो रहे हैं।

सही विकल्प को चुनें:

(a) (A) व (R) दोनों सही हैं (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) व (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

Ans. (b) : यह सत्य है कि आधुनिक भारत में विवाह की सामाजिक संस्था बहुत से परिवर्तनों से निकली है और भारतीय युवा पश्चिम के विचारों से प्रभावित हो रहे हैं लेकिन तर्क (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। परिवर्तन के लिए केवल पश्चिमी प्रभाव ही महत्वपूर्ण नहीं है इसके अतिरिक्त औद्योगीकरण, नगरीकरण, शिक्षा के व्यापक प्रसार, स्त्री आंदोलन, धर्म के प्रभाव में कमी, रोमांस पर जोर तथा विवाह संबंधी कानूनों के उदार होने आदि कारणों से भी विवाह का परम्परागत स्वरूप बदल रहा है तथा उसमें अनेक परिवर्तन आ रहे हैं।

20. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I (किसान आंदोलन)	**सूची-II (स्थान)**
(A) बारदोली आन्दोलन	(i) मालाबार
(B) मोप्लाह विद्रोह	(ii) आन्ध्र प्रदेश
(C) तेलंगाना का किसान विद्रोह	(iii) बंगाल
(D) तिभागा आन्दोलन	(iv) गुजरात

सही विकल्प चुनें:

(a) (A)-(i), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(ii)
(b) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(i)
(c) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)
(d) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iii)

Ans. (d) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

(किसान आंदोलन)	**(स्थान)**
बारदोली किसान	गुजरात
मोप्लाह विद्रोह	मालाबार
तेलगांना का किसान विद्रोह	आंध्रप्रदेश
तिभागा आंदोलन	बंगाल

21. निम्नलिखित में से कौन सा आंकड़े विश्लेषण के चरणों का सही क्रम है?

(a) पूर्णांकन, वर्गीकरण, सारणीकरण, किसी परीक्षण को प्रयोग में लाना
(b) वर्गीकरण, सारणीकरण, किसी परीक्षण को प्रयोग में लाना, पूर्णांकन
(c) सारणीकरण, किसी परीक्षण को प्रयोग में लाना, वर्गीकरण, पूर्णांकन
(d) किसी परीक्षण को प्रयोग में लाना, पूर्णांकन, वर्गीकरण, सारणीकरण

Ans. (a) : आंकड़े विश्लेषण के चरणों का सही क्रम इस प्रकार है- पूर्णांकन⟶वर्गीकरण⟶सारणीकरण⟶किसी परीक्षण को प्रयोग में लाना।

22. तार्किकता जो एक कर्त्ता को दैनिक वास्तविकताओं से ऊपर उठा कर दुनिया को एक अर्थपूर्ण विश्वव्यवस्था समझने के लिए प्रेरित करता है, को कहते हैं-

(a) सैद्धान्तिक तार्किकता (b) औपचारिक तार्किकता
(c) यथेष्ट तार्किकता (d) व्यवहारिक तार्किकता

Ans. (a) : वह तार्किकता जो एक शोधकर्ता को दैनिक वास्तविकताओं से ऊपर उठा कर दुनिया को एक अर्थपूर्ण विश्व व्यवस्था समझने के लिए प्रेरित करता है, को सैद्धान्तिक तार्किकता कहते हैं।

23. 'द वर्चुअल कम्यूनिटी' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) मेल्विन वेबर (b) हवर्ड रेनगोल्ड
(c) बैरी वेलमैन (d) बेनेडिक्ट एन्डरसन

Ans. (b) : हावर्ड रेनगोल्ड ने वर्ष 1993 में प्रकाशित पुस्तक 'द वर्चुअल कम्युनिटी' में आभासी समुदायों की चर्चा की है। पुस्तक में रेनगोल्ड ने द विंग, कम्प्यूटर की मध्यस्थता वाले संचार एवं सामाजिक समूहों एवं सूचना विज्ञान पर गहन अध्ययन प्रस्तुत किया है। इनकी अन्य प्रमुख पुस्तकें इस प्रकार हैं-
1. एक्सप्लोरिंग द वर्ल्ड ऑफ ल्यूसिड ड्रीमिंग
2. टूल्स फॉर थॉट
3. नेट स्मार्ट

24. "कुला" विनियम किस जनजाति के साथ सम्बद्ध है?

(a) क्रोव जनजातियां (b) एजान्दे जनजातियां
(c) टिकोपियन्म् (d) ट्रोब्रिएण्ड द्वीपवासी

Ans. (d) : मैलिनोवस्की ने न्यूगिनी के उत्तर-पश्चिम में स्थित ट्रोब्रिएंड द्वीपवासी का अध्ययन कर वहाँ के नातेदारी प्रतिमानों और आर्थिक विनियम (कुला प्रथा) की व्याख्या की है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

25. सूची-I का सूची-II के साथ मिलान करें:

सूची-I (समाजशास्त्री)	सूची-II (संकल्पना)
(A) डब्ल्यू. एफ. ऑग्बर्न	(i) सामाजिक उद्विकास एवं सामाजिक प्रगति
(B) के. मार्क्स	(ii) सभ्यता एवं संस्कृति
(C) ए. वेबर	(iii) मूलभूत एवं अधिसंरचना
(D) एल. टी. हॉबहाउस	(iv) भौतिक तथा अभौतिक संस्कृति

सही विकल्प चुनें:

(a) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(i)
(b) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)
(c) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(ii), (D)-(i)
(d) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)

Ans. (b) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(समाजशास्त्री)	(संकल्पना)
डब्ल्यू. एफ ऑगबर्न	- भौतिक तथा अभौतिक संस्कृति
के. मार्क्स	- मूलभूत एवं अधिसंरचना
ए. वेबर	- सभ्यता एवं संस्कृति
एल. टी. हॉबहाउस	- सामाजिक उदविकास एवं सामाजिक प्रगति

26. निम्नलिखित में से कौनसा विश्व में सबसे सामान्य घरेलू हिंसा का स्वरूप है?

(a) पत्नी को पीटना (b) बाल दुर्व्यवहार
(c) वृद्ध दुर्व्यवहार (d) सहोदर हिंसा

Ans. (b) : बाल दुर्व्यवहार विश्व में सबसे सामान्य घरेलू हिंसा का स्वरूप है। बच्चों के साथ शारीरिक, मानसिक, यौनिक अथवा भावनात्मक स्तर पर किया जाने वाला दुर्व्यवहार बाल दुर्व्यवहार कहलाता है।

27. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I (जनजाति)	सूची-II (राज्य/क्षेत्र)
(A) खासी	(i) नीलगीरी
(B) टोडा	(ii) मेघालय
(C) मुन्डा	(iii) ओडिशा
(D) खोण्ड	(iv) छोटा नागपुर

सही विकल्प चुनें:

(a) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)
(b) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(iii)
(c) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iv)
(d) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(ii)

Ans. (a) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

(जनजाति)	(राज्य/क्षेत्र)
खासी	मेघालय
टोडा	नीलगीरी
मुण्डा	छोटा नागपुर
खोण्ड	ओडिशा

28. निम्नलिखित शहरी क्षेत्रों के स्वरूप को बढ़ते हुए क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

(A) मेगा सिटी (Mega city)
(B) मेटासिटी (Meta city)
(C) महानगर (Metropolis)
(D) नगर (City)

सही विकल्प चुनें:

(a) (A), (C), (B), (D) (b) (D), (C), (A), (B)
(c) (B), (C), (D), (A) (d) (A), (B), (C), (D)

Ans. (b) : शहरी क्षेत्रों का बढ़ता हुआ स्वरूप इस प्रकार है-
नगर → महानगर→मेगासिटी → मेटासिटी

29. नौकरशाही की आवश्यक विशेषताएँ क्या हैं?

(A) शक्ति का पदानुक्रम
(B) असीमित शक्ति
(C) संचार की वाहिका
(D) अधिकारियों के मध्य अनौपचारिक संबंध

सही विकल्प चुनें:

(a) (B) और (C) (b) (A) और (D)
(c) (A) और (C) (d) (B) और (D)

Ans. (c) : पदसोपान पद्धति या शक्ति का पदानुक्रम, संचार की वाहिका, कार्य करने की निर्धारित प्रक्रिया, भर्ती व पदोन्नति योग्यतानुसार, निर्णय औचित्य आधार पर, कार्य आधारित निर्धारित वेतन आदि नौकरशाही की प्रमुख विशेषताएँ हैं। मैक्स वेबर के अनुसार, नौकरशाही तार्किक एवं विवेकशील नियमों पर आधारित होती है, इसके लिखित नियम होते हैं, इसके अधिकार, सत्वा तथा दायित्वों का संस्तरणात्मक विभाजन पाया जाता है जिसका उद्देश्य किसी औद्योगिक, व्यापारिक, राजनीतिक, धार्मिक, शैक्षणिक या किसी भी अन्य प्रकार के संगठन के उद्देश्यों को प्रभावशाली ढंग से प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

30. निम्नलिखित में से कौन से आँकड़ों के प्राथमिक स्त्रोतों के उदाहरण हैं?

(A) साक्षात्कार
(B) डायरी
(C) जनगणना रिपोर्ट
(D) अवलोकन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) और (B) (b) (B) और (C)
(c) (C) और (D) (d) (D) और (A)

Ans. (d) : वे सभी सूचनायें, संगृहीत की गयी सामग्री और आंकड़े जिन्हें शोधकर्ता ने अपने अध्ययन हेतु स्वयं या अपने सहायकों की मदद से एकत्रित किया हो, प्राथमिक तथ्य कहलाते हैं, जैसे- अवलोकन विधि, साक्षात्कार, अनुसूची, डाक द्वारा प्रेषित प्रश्नावली आदि। वे सब सूचनायें, आंकडे एवं तथ्य जिन्हें शोधकर्ता अपने अध्ययन हेतु स्वयं संकलित नहीं करता बल्कि जो पहले से ही प्रकाशित या अप्रकाशित रूप में उपलब्ध है, द्वितीयक सामग्री या तथ्य कहलाते हैं, जैसे डायरियाँ, आत्मकथाये, पाण्डुलिपियां, सरकारी प्रतिवेदन, जनगणना रिपोर्ट आदि।

31. किसने 'अस्पश्यों' को 'हरिजन' का नाम दिया था?

(a) बी. आर. अम्बेडकर (b) एम. के. गाँधी
(c) जे. एल. नेहरु (d) मदन मोहन मालवीय

Ans. (b) : महात्मा गाँधी ने सर्वप्रथम अस्पृश्यों के लिए 'हरिजन' शब्द का प्रयोग किया। लेकिन वर्तमान में हरिजन शब्द को प्रतिबंधित कर दिया गया है तथा इस शब्द के स्थान पर अनुसूचित जाति का इस्तेमाल करना अनिवार्य कर दिया गया है।

32. भील और मीणा जनजातियाँ मुख्यतया किस राज्य में रहती हैं?

(a) गुजरात (b) महाराष्ट्र
(c) राजस्थान (d) झारखंड

Ans. (c) : राजस्थान में पायी जाने वाली जनजातियाँ- भील, मीणा, गरासिया; डामोर एवं सहरिया। गुजरात में पायी जाने वाली जनजातियां- भील, बंजारा, कोली, पटेलिया, डाफर, टोड़िया।
महाराष्ट्र में पायी जाने वाली जनजातियाँ- बारली, बंजारा, कोली, चितपावन, गोंड, अबुम्का, माड़िया।
झारखण्ड में पायी जाने वाली जनजातियाँ- संथाल, मुंडा, हो, ओरांव, बिरहोर, कोरबा, असुर, भुइया, गोंड, सौरिया, भूमिज।

33. निम्नलिखित में से भारत में कौन सा पारिवार कानून 1956 में अधिनियमित किया गया था?

(a) अभिग्रहण तथा अनुरक्षण अधिनियम
(b) दहेज निपेध अधिनियम
(c) हिन्दू विवाह अधिनियम
(d) विशेष विवाह अधिनियम

Ans. (a) : अभिग्रहण तथा अनुरक्षण अधिनियम, 1956
दहेज निषेध अधिनियम, 1961
विशेष विवाह अधिनियम, 1954
हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955

34. अन्तरराष्ट्रीय विकास संगठनों का कौन सा समुच्चय निर्धनता के विरुद्ध संघर्ष करने के लिए काम करता है?

(a) आई.एल.ओ. यू.एन.आई.सी.ई.एफ. डब्ल्यू.एच.ओ., यू.एन.एच.सी.आर. द रेड क्रॉस
(b) ऑक्सफेम, यू.एन.डी.पी., यू.एन.आई.सी.ई.एफ, द रेड क्रॉस, द हंगर प्रोजेक्ट
(c) वर्ल्ड बैंक, डब्ल्यू.एच.ओ., आई.एम.एफ., यू.एन.डी.पी., आई.एल.ओ.
(d) यू.एन.एच.सी.आर., सी.इ.डी.ए.डब्ल्यू., यू.एन.आई.सी.इ.एफ., आई.एम.एफ., ऑक्सफेम

Ans. (b) : अन्तर्राष्ट्रीय विकास संगठन-ऑक्सफेम, यू. एन. डी. पी., यू. एन. आई. सी. ई. एफ., द रेड क्रॉस, द हंगर प्रोजेक्ट निर्धनता के विरूद्ध संघर्ष करने के लिए काम करता है।

35. सूची-I का सूची-II के साथ मिलान करें:

सूची-I (पुस्तक)	**सूची-II (लेखक/संपादक)**
(A) फैमिली, किनशिप एंड मैरिज इन इंडिया	(i) टी.एन. मदान
(B) चेंजिंग किनशिप, फैमिली एंड जेंडर रिलेशंस	(ii) रजनी पालरीवाला
(C) फैमिली एंड किनशिप	(iii) पैट्रीशिया ओबेरॉय
(D) मैरिज इन साउथ एशिया	(iv) रविन्दर कौर और रजनी पालरीवाला

सही विकल्प चुनें:

(a) (A)-(i), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(ii)
(b) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(iii), (D)-(i)
(c) (A)-(iv), (B)-(ii), (C)-(i), (D)-(iii)
(d) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(i), (D)-(iv)

Ans. (d) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(पुस्तक)	**(लेखक)**
फैमिली, किनशिप एण्ड मैरिज इन इंडिया	पैट्रीशिया ओबेरॉय
चेंजिंग किनशिप, फैमिली एण्ड जेण्डर रिलेशंस	रजनी पालरीवाला
फैमिली एण्ड किनशिप	टी.एन. मदान
मैरिज इन साउथ एशिया	रविन्दर कौर और रजनी पालरीवाला

36. निम्नलिखित में से किन्हें 'सैद्धांतिक बहुलवाद' का प्रयोक्ता (प्रैक्टिसनर) माना जाता है?

(a) ए.आर. देसाई (b) जी.एम. घुर्ये
(c) एम.एन. श्रीनिवास (d) आर.के. मुखर्जी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : सैद्धान्तिक बहुलतावाद का प्रयोक्ता (प्रैक्टिसनर) जी. एस. घुरिये को माना जाता है। इन्हें भारत के समाजशास्त्र के जनक की उपाधि से विभूषित किया गया है तथा इन्होंने अपने अध्ययनों में प्रसारवादी परिप्रेक्ष्य के साथ भारत विद्याशास्त्र उपागम का प्रयोग किया है।

37. किसने सामाजिक संरचना की मुख्य समूहों और संस्थाओं के रूप में संकल्पना की जो समाजों को संस्थापित करता है?

(a) ए.आर. रेडिक्लिफ-ब्राउन
(b) एस.एफ. नाडेल
(c) एम. जिन्स्बर्ग
(d) आर. फर्थ

Ans. (c) : गिन्सबर्ग के अनुसार, " सामाजिक संरचना का अध्ययन सामाजिक संगठन के प्रमुख स्वरूपों अर्थात् समूहों, समितियों तथा संस्थाओं के प्रकार एवं इन सबके संकुल जिनसे की समाज का निर्माण होता है से सम्बंधित है।" गिन्सबर्ग ने अपनी परिभाषा में सामाजिक संरचना एवं सामाजिक संगठन में कोई भेद नहीं किया है। इनका मत है कि समाजिक संरचना का निर्माण समूहों, समितियों एवं संस्थाओं से मिलकर होता है।

38. किसने शिक्षा को जो सामाजिक जीवन के लिए तैयार नही हैं उस पीढ़ी पर पुरानी पीढ़ी के आचरण के प्रभाव के रूप में देखा है?

(a) इमाईल दुर्खाईम (b) टी.बी. बॉटोमोर
(c) आर.एच. लोवी (d) लार्ड विलियम बैदिक

Ans. (a) : दुर्खीम का मत है कि शिक्षा समाज के आदर्श नियमों एवं मूल्यों को पुरानी पीढ़ी से नयी पीढ़ी को हस्तान्तरित करती है। यह व्यक्तियों को सामूहिक जीवन से जोड़ती है। सामूहिकता के अभाव में किसी समाज व्यवस्था का बना रहना असम्भव है।

39. शास्त्रीय उदारवाद के पुर्नविचार व एक पुनर्कथन पर आधारित विचारधारा का वर्णन करने के लिए उपयुक्त पद (अवधारणा) क्या है?

(a) कल्याणवाद (b) नव-प्रकार्यवाद
(c) नव-उदारवाद (d) नव-मार्क्सवाद

Ans. (c) : नव-उदारवाद, उदारवाद का संशोधित संस्करण है। नव उदारवाद मुक्त बाजारों में विश्वास, आर्थिक और सामाजिक मामलों में न्यूनतम राज्य हस्तक्षेप पर बल तथा व्यापार एवं पूंजी की स्वस्तंत्रता के लिए अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

40. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें से एक अभिकथन (A) है दूसरा तर्क (R) है।

अभिकथन (A): पंजाब में हरित क्रांति के कारण कई पारिस्थितिकीय समस्याएं उत्पन्न हुई।

तर्क (R): अधिक उत्पादन के लिए भूमि, भूमिगत जल का आति दोहन और कीटनाशक व रासायनिक खादों का अति उपयोग के फलस्वरूप यह हुआ है।

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) व (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) व (R) दोनों सही है परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

Ans. (a) : हरित क्रान्ति के फलस्वरूप अधिक उत्पादन के लिए भूमि-भूमिगत जल का अति दोहन और कीटनाशक व रासायनिक खादों के अति उपयोग के कारण पंजाब में पारिस्थितिकी समस्याये उत्पन्न हुईं। अतः अभिकथन (A) व तर्क (R) दोनों सही है तथा तर्क कथन की सही व्याख्या है।

41. समाजशास्त्र का उद्‌भव मूलतः किसकी दार्शनिक अभिलाषा है?

(A) मानवीय इतिहास की प्रगति का लेखांकन
(B) 19वीं शताब्दी में यूरोप के सामाजिक संकट की व्याख्या करना
(C) औद्योगिकरण के मूल कारणों का व्याख्यान
(D) फ्रांस की क्रांति का लेखांकन

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) और (B) (b) (B) और (C)
(c) (C) और (D) (d) (D) और (A)

Ans. (a) : समाजशास्त्र के उद्‌भव एवं विकास पर विचार करें तो तीन विश्लेषण पद्धति उभर कर सामने आती है-
(1) बौद्धिक स्वरूप या दार्शनिक स्वरूप
(2) सिद्धान्तों एवं तथ्यों का विवेचन
(3) सामाजिक एवं आर्थिक स्वरूप (फ्रांसीसी एवं औद्योगिक क्रांति)
प्रथम विश्लेषण पद्धति के आधार पर सामाजिक जीवन का विश्लेषण करने वाले विभिन्न सामाजिक विज्ञानों जैसे इतिहास, राजनीतिशास्त्र, दर्शन, अर्थशास्त्र तथा प्राकृतिक विज्ञानों में प्रयुक्त अध्ययन-विधियों के सम्मिलित प्रभाव के परिणाम स्वरूप समाजशास्त्र की उत्पत्ति हुई।

42. जब कोई संकेतक (Signifier) किसी संकल्पना अथवा अर्थ का महत्व बताता है, तो वह संकेतित (Signified) क्या कहलाता है?

(a) वस्तु (Object) (b) बिम्ब (Image)
(c) संकेत (Sign) (d) प्रतीक (Symbol)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : जब कोई संकेतक किसी संकल्पना अथवा अर्थ का महत्व बताता है, तो वह संकेतित संकेत कहलाता है। संकेतक अभिभावकों, बच्चों और दूसरों के लिए भी बच्चों की प्रगति को आसान तरीके से समझने के लिए संदर्भ बिन्दु की तरह कार्य करते हैं। संकेत गैर-मौखिक संचार का एक रूप है जिसमें शारीरिक क्रियाएं विशेष संदेशों का संचार करती हैं।

43. महेन्द्र सिंह टिकैत के नेतृत्व में भारतीय किसान संघ द्वारा कहाँ पर सबसे बड़ा और लंबा विरोध प्रदर्शन 1980 के दशक में आयोजित किया गया था?

(a) हैदराबाद (b) बंगलूर
(c) दिल्ली (d) मेरठ

Ans. (d) : महेन्द्र सिंह टिकैत के नेतृत्व में भारतीय किसान संघ द्वारा मेरठ में सबसे बड़ा और लंबा विरोध प्रदर्शन 1980 के दशक में आयोजित किया गया था। भारतीय किसान यूनियन की स्थापना महेन्द्र सिंह टिकैत में की थी।

44. अपने पर्यावरण के बदलने के लिए कामगारों द्वारा शारीरिक व मानसिक क्षमता का प्रयोग करना क्या कहलाता है?

(a) श्रमिक संघ (b) श्रमिक शक्ति
(c) श्रमिक असंतोष (d) श्रमिक आन्दोलन

Ans. (b) : अपने पर्यावरण को बदलने के लिए कामगारों द्वारा शारीरिक व मानसिक क्षमता का प्रयोग करना श्रमिक शक्ति कहलाता है। श्रमिकों के समान हितों के रक्षार्थ बनाया गया श्रमिकों का संगठन श्रमिक संघ कहलाता है।

जब श्रमिकों को उनके काम के अनुरूप पारितोषक नहीं प्राप्त होता तो उनमें असंतोष व्याप्त होता है, यही श्रमिक असंतोष कहलाता है। जब श्रमिक अपने हितों के लिए शोषक वर्ग के प्रति विरोध करते हैं तथा यह विरोध जब बड़े पैमाने पर होता है तो यह श्रमिक आंदोलन कहलाता है।

45. इलेक्ट्रॉनिक साधनों के द्वारा उत्पादों के खरीदने और बेचने की प्रक्रिया को कहा जाता है

(a) ई-पाठशाला (b) ई-अभिशासन
(c) ई-वाणिज्य (d) ई-पर्यटन

Ans. (c) : ई-वाणिज्य या ई-व्यवसाय इण्टरनेट के माध्यम से व्यापार का संचालन है, केवल खरीदना और बेचना ही नहीं बल्कि ग्राहकों के लिए सेवायें और व्यापार के भागीदार के साथ सहयोग भी इसमें शामिल है।

46. निम्नलिखित में से कौन ''शहरीकरण जीवन की एक शैली'' व ''निर्धनता की संस्कृति'' से संबंद्ध है?

(A) ऑस्कर लेविस
(B) विलियम फुट वाइट
(C) लुइस विर्थ
(D) होमर होयोट

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) व (R) (b) (B) व (C)
(c) (C) व (A) (d) (C) व (D)

Ans. (c) :

ऑस्कर लेविस	निर्धनता की संस्कृति
विलियम एफ. ह्वाइट	असहभागी अवलोकन
लुईस विर्थ	नगरवाद जीवन की एक शैली
होमर होयोट	सेक्टर मॉडल

47. भारतीय ग्रामीण समाज के पूर्व में कराए गए अध्ययनों का वृहत आधार समाजशास्त्रियों की किस रूचि से संबंधित थे

(A) भारतीय ग्रामीण समाज को समझना
(B) परम्परागत भारतीय ग्रामीण समाज की संरचना का प्रलेखन
(C) भारतीय ग्रामीण समाज की गतिशीलता एवं परिवर्तन को समझना
(D) भारतीय ग्रामीण समाज में अंग्रेजों के योगदान का प्रलेखन

सही विकल्प का चयन करें:

(a) (A) और (B) (b) (B) और (C)
(c) (C) और (D) (d) (D) और (A)

Ans. (a) : भारतीय ग्रामीण समाज के पूर्व में कराये गये अध्ययनों में समाजशास्त्रियों की रूचि भारतीय ग्रामीण समाज को समझना तथा परम्परागत भारतीय ग्रामीण समाज की संरचना का प्रलेखन में था।

48. श्रीलंका में तमिल आंदोलन उदाहरण है:

(A) संजातीय आंदोलन
(B) क्षेत्रीय आंदोलन
(C) धार्मिक आंदोलन
(D) समाज सुधार आंदोलन

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) और (B) (b) (B) और (C)
(c) (C) और (D) (d) (D) और (A)

Ans. (a) : संजातीय आंदोलन और क्षेत्रीय आंदोलन श्रीलंका में हुए तमिल आंदोलनों के उदाहरण हैं।

49. किसने भारतीय राजनीति पर लिखी गई उनकी पुस्तक में भ्रष्टाचार और अपराधिता की उभरती राजनीतिक संस्कृति की आलोचना की है?

(a) डी.एन. धनागरे (b) जोया हसन
(c) रजनी कोठारी (d) आनंद कुमार

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : रजनी कोठारी भारत के सुप्रसिद्ध राजनीति विज्ञानी, राजनीतिक सिद्धान्तकार, शिक्षाविद तथा लेखक थे। उन्होंने अपनी पुस्तक 'पॉलिटिक्स इन इण्डिया' में भारतीय राजनीति को समझने का तर्क पूर्ण मॉडल पेश किया। उन्होंने भ्रष्टाचार और अपराधिता की उभरती राजनीतिक संस्कृति की आलोचना की है। उनकी अन्य प्रमुख पुस्तकें इस प्रकार हैं- कास्ट इन इंडियन पॉलिटिक्स, पॉलिटिक्स एण्ड द पीपुलः इन सर्च ऑफ ए ह्यूमन इंडिया, रीथिंकिंग डेमोक्रेसी।

50. शोध रिपोर्ट के तत्वों/ भागों का सही क्रम क्या है?

(a) अध्ययन का क्षेत्र, आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण, निष्कर्ष, समस्या की तर्कसंगतता

(b) समस्या की तर्कसंगतता, अध्ययन का क्षेत्र, आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण, निष्कर्ष

(c) आंकडों का प्रस्तुतीकरण, निष्कर्ष, अध्ययन का क्षेत्र, समस्या की तर्कसंगतता

(d) समस्या की तर्कसंगतता, निष्कर्ष, अध्ययन का क्षेत्र, आंकड़ो का प्रस्तुतीकरण

Ans. (b) : शोध रिपोर्ट के तत्वों/भागों का सही क्रम इस प्रकार है- समस्या की तर्क संगतता⟶अध्ययन का क्षेत्र⟶आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण⟶निष्कर्ष

51. नीचे दो कथन दिए गए है, जिसमें से एक अभिकथन (A) के रूप में तथा दूसरा तर्क (R) के रूप में अंकित किया गया है

अभिकथन (A): मीडिया द्वारा महिलाओं का प्रतिनिधित्व रूढ़िवादिता को बढ़ाता है न कि चुनौती प्रदान करता है।

तर्क (R): मीडिया शक्ति संपन्न उच्च-वर्ग की हितार्थ कार्य करता है।

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है

(b) (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(c) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है

(d) (A) सही नहीं है, परंतु (R) सही है

Ans. (d) : (A) सही नहीं है, परंतु (R) सही है।

52. कौन से दो मुख्य घटक है जो अंकीय विभाजन अन्तर को पाटने में सहायता कर सकते हैं?

(A) उच्च शिक्षा व रोजगार

(B) संपत्ति व परिसंपत्ति का स्वामित्व

(C) संगणक (कम्प्यूटर) व इन्टरनेट तक पहुँच

(D) संगणक (कम्प्यूटर) साक्षरता व सूचना

सही विकल्प चुनें:

(a) (C) व (D) (b) (A) व (B)

(c) (B) व (C) (d) (A) व (D)

Ans. (a) : वैश्विक अंकीय विभाजन (ग्लोबल डिजिटल डिवाइड) मुख्य रूप से विकसित व विकासशील देशों के बीच इण्टरनेट तथा इसके पहुँच से उत्पन्न हुए अभिकथन (कम्प्यूटिंग) व सूचना साधनों की विश्वव्यापी असमानता का वर्णन करता है। इस अंकीय विभाजन को कम करने के लिए संगणक साक्षरता व सूचना तथा इण्टरनेट तक की पहुँच अनिवार्य है।

53. निम्नलिखित में से कौन सा हरित शांति आंदोलन (Green Peace Movement) का उद्देश्य नहीं है?

(a) समुद्रों की संरक्षा

(b) जहरीले अपशिष्टों का निष्कासन

(c) गरीबी उन्मूलन

(d) सुरक्षित और सतत् व्यापार

Ans. (c) : ग्रीन पीस (हरित शान्ति) पर्यावरण चेतना का विश्वव्यापी आंदोलन है। इसकी स्थापना वर्ष 1971 में कनाडा के वैनकूवर में हुई थी। इसका उद्देश्य समुद्रों की रक्षा, जहरीले अपशिष्टों का निष्कासन तथा सुरक्षित और सतत व्यापार है। जबकि गरीबी उन्मूलन नहीं है।

54. निम्नलिखित में से कौन इस विचार का अनुमोदन करता है कि "भारतीय जनजातियां" भारतीय जातियों में परिवर्तित होती हैं जब वे भूभागीय पहचान व सामाजिक महत्ता को खो देते हैं?

(a) मैक्स वेबर (b) डी.एन. मजूमदार

(c) टी.एन. मदन (d) जे. हट्टन

Ans. (a) : मैक्स वेबर के अनुसार, "भारतीय जनजातियाँ भारतीय जातियों में परिवर्तित होती हैं जब वे भूभागीय पहचान व सामाजिक महत्ता को खो देते हैं। इन्होंने भारतीय जाति को प्रस्थिति समूह के रूप में माना है।

55. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I (लेखक)	सूची-II (पुस्तक)
(a) ए. बैटेसन	(i) नेचरस् इकॉनॉमी
(b) एफ. बेरकॉस	(ii) द अंसेन्ट ऑफ मैन
(c) जे. ब्रोनोस्की	(iii) सैक्रेड ईकॉलॉजी
(d) डी. वोरेस्टर	(iv) स्टेपस टु ईकॉलॉजी

सही विकल्प चुने:

(a) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)

(b) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(iv)

(c) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(ii), (D)-(i)

(d) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(लेखक)	(पुस्तक)
ए. बैटेसन	स्टेप्स टू इकोलॉजी
एफ. बेरकॉस	सैक्रेड इकोलॉजी
जे. ब्रोनोस्की	द अंसेण्ट ऑफ मैन
डी. वोरेस्टर	नेचर्स इकॉनॉमी

56. नीचे दो कथन दिए गए है, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है।

अभिकथन (A): वैश्वीकरण ने लोगों और क्षेत्रों के विभिन्न वर्गों के बीच बहिष्करण, हाशियाकरण तथा पृथक्करण को तीव्र किया है।

कारण (R): यह आर्थिक सुधार के कारण है।

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) और (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है

(b) (A) तथा (R) दोनों सही है परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है

(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

Ans. (a) : (A) और (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

57. नीचे दिए गये हुए राज्यों को उसके घटते हुए शहरीकरण के स्तर के अनुसार व्यवस्थित करें:

(A) तमिलनाडु

(B) महाराष्ट्र

(C) केरल

(D) पंजाब

सही विकल्प को चुनें:

(a) (A), (B), (D), (C) (b) (A), (C), (B), (D)

(c) (C), (A), (B), (D) (d) (A), (D), (B), (C)

Ans. (b) : राज्यों के शहरीकरण का घटता क्रम इस प्रकार है-
तमिलनाडु→केरल→महाराष्ट्र→पंजाब

58. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है।

अभिकथन (A): विगत वर्षो में औद्योगिक कार्य बल में महिलाओं की भागेदारी घट गई है।

तर्क (R): उद्योग का विस्तार हो रहा है और स्वचालित (automation) में वृद्धि हो रही है।

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) व (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है

(b) (A) व (R) दोनों सही है लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है

(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

Ans. (a) : उद्योग के विस्तार व स्वचालन में वृद्धि के फलस्वरूप विगत वर्षों में औद्योगिक कार्य बल में महिलाओं की भागीदारी घट गयी है। अतः अभिकथन (A) व तर्क (R) दोनों सही है तथा तर्क (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।

59. निम्नलिखित में किसने कहा है कि जाति प्रथा का भारत की जनजातीय संस्कृति के साथ सावयवी संबंध है?

(a) जी.एस. घुर्ये

(b) वेरियर एल्विन

(c) डब्ल्यू. वी. जिंगसन

(d) टी.बी. नाईक

Ans. (a) : प्रश्नगत कथन जी.एस. घुरिये का है। उन्होंने जाति को एक जटिल घटना बताते हुए इसकी निश्चित शब्दों में बंधी हुई कोई सामान्य परिभाषा नहीं दी है, किन्तु इसकी छः विशेषताओं का उल्लेख किया है; यथा; समाज का कारणात्मक विभाजन, संस्तरण, खान-पान और सामाजिक व्यवहार पर प्रतिबंध, विभिन्न जातियों की नागरिक और धार्मिक निर्योग्यतायें तथा विशेषाधिकार, व्यवसाय के स्वतंत्र चुनाव का अभाव और विवाह पर प्रतिबंध।

60. 'द रिलिजन ऑफ जावा' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) इरविन गॉफ्फमैन (b) मैनुअल कैसेल्स

(c) क्लिफर्ड गीर्टज (d) क्लॉड लेवी-स्ट्रास

Ans. (c) : 'द रिलीजन ऑफ जावा (1960) पुस्तक के लेखक क्लिफर्ड गीट्र्ज हैं। इनकी अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकें इस प्रकार हैं-
एग्रीकल्चरल इन्वोलूशन (1963)
लोकल नॉलेज (1983)
द इन्टरप्रिटेशन ऑफ कल्चर्स (1973)

61. किसने काल और स्थान के संदर्भ में सामाजिक संबंधों की संरचना के रूप में संरचना-निर्माण (Structuration) की बात की है?

(a) इर्विग गॉफमैन (b) हैरॉल्ड गारफिंकेल

(c) मैनुअल कैसल्स (d) एंथनी गिड्ढेंस

Ans. (d) : एन्थोनी गिड्डेन्स ने समय और स्थान के सन्दर्भ में सामाजिक सम्बंधों की संरचना के रूप में संरचना-निर्माण की बात की है। इन्होंने लिखा है कि "संरचनाकरण के सिद्धान्त के अनुसार, सामाजिक विज्ञानों के अध्ययन का मुख्य क्षेत्र न तो व्यक्तिगत कर्ता के अनुभव हैं और न ही सामाजिक सम्पूर्णता का कोई रूप है, अपितु वे सामाजिक प्रथायें या व्यवहार हैं जो समय और स्थान से परे है।"

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

62. निम्नलिखित में से किसने प्रस्थिति को सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रभावशाली दावे के रूप में प्रस्तुत किया है?

(a) आर. लिंटन (b) एच. मेन
(c) एम. वेबर (d) आर.के. मर्टन

Ans. (c) : वेबर ने सामाजिक स्तरीकरण के एक महत्वपूर्ण तत्व के रूप में 'प्रस्थिति समूह' की अवधारणा का प्रयोग किया है। प्रस्थिति समूह से वेबर का तात्पर्य ऐसे समूहों से है जिनमें सकारात्मक और नकारात्मक सम्मान सूचक मानदण्डों और समान जीवन शैली के आधार पर विभेद किया जाता है। उन्होंने सम्पत्ति, शक्ति व सम्मान (प्रतिष्ठा) को स्तरीकरण का आधार माना है।

स्रोत- समाजशास्त्रीय चितंक एवं सिद्धान्तकार-रावत

63. सामाजिक घटनाओं के अध्ययन के लिए किसने वैज्ञानिक पद्धति का समर्थन किया है?

(A) ए.आर. रैडक्लिफ-ब्राउन
(B) इमाईल दुर्खाईम
(C) मैक्स वेबर
(D) बी. मैलिनोवस्की

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) और (C) (b) (A) और (B)
(c) (B) और (C) (d) (C) और (D)

Ans. (b) : दुर्खीम ने समाजशास्त्र को एक अकादमिक विषय के रूप में प्रस्थापित करने के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इन्होंने समाजशास्त्र की विषय वस्तु को न केवल स्पष्ट किया अपितु समाजशास्त्र को एक स्वतंत्र एवं स्वायत्त विज्ञान के रूप में प्रतिष्ठत किया। दुर्खीम की भांति ब्राउन ने भी समाज की संरचना और विभिन्न संस्थाओं के प्रकार्यों की महत्ता पर बल दिया है।

64. निम्नलिखित में से किसने 'समय' व 'स्थान' को 'विचार से पूर्व' (ए-प्राइअरी) के रूप में माना है?

(a) प्लेटो (b) अरस्तु
(c) सन्त. ऑगस्टाइन (d) इम्युनल कॉट

Ans. (d) : इमैनुअल काण्ट ने अपनी पुस्तक 'क्रिटिक ऑफ प्योर रीजन' में 'समय' व 'स्थान' को 'विचार से पूर्व' के रूप में माना है। इनकी अन्य प्रमुख पुस्तक इस प्रकार है-
'ग्राउण्डवर्क ऑफ मेटाफिजिक ऑफ मोरल' क्रिटिक ऑफ जजमेण्ट'

65. प्रतीक (Symbol) किससे संबंधित है?

(a) किसी संदेश (message) के प्रेषण से
(b) किसी संदेश के विचलन से
(c) किसी संदेश के नियंत्रण से
(d) किसी संदेश के अवमिश्रण (dilution) से

Ans. (a) : प्रतीक किसी संदेश के प्रेषण से संबंधित है। यह कोई वस्तु, चित्र, लिखित शब्द, ध्वनि या विशिष्ट चिन्ह हो सकता है।

66. निम्नलिखित में से कौन दो 'राइट टू सिटी' व 'मलिन बस्तियों' के अध्ययन के साथ संबंद्ध है?

(A) एम. एन. श्रीनिवास
(B) एच. लेफेब्रे
(C) आर. न्युविर्थ
(D) आई. पी. देसाई

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) व (D) (b) (B) व (C)
(c) (C) व (D) (d) (B) व (D)

Ans. (b) : एच. लेफेब्रे 'राइट टू सिटी', आर. न्यूविर्थ 'मलिन बस्तियों' के अध्ययन से, एम. एन. श्रीनिवास 'संस्कृतीकरण' तथा आई.पी.देसाई 'भारत में संयुक्त परिवार' के अध्ययन से संबंधित हैं।

67. ट्रोब्रियांड द्वीप में कतिपय समहों द्वारा आनुष्ठानिक विनिमय की व्यवस्था का वर्णन करने के लिए किस पद (अवधारणा) का उपयोग किया जाता है?

(a) कूला रिंग (b) पोटलेच
(c) कोन्नूबियूम (d) जजमानी

Ans. (a) : ट्रोब्रियांड द्वीप में कतिपय समूहों द्वारा आनुष्ठानिक विनियम की व्यवस्था का वर्णन करने के लिए 'कूला रिंग' पद का उपयोग किया जाता है।

68. किस जनगणना वर्ष में भारत में मलिन बस्तियों से सम्बंधित आँकड़ों को एकत्रित किया गया था?

(a) 2011 (b) 1961
(c) 1991 (d) 2001

Ans. (d) : जनगणना 2001 में भारत में सर्वप्रथम मलिन बस्तियों से संबंधित आँकड़ों को एकत्रित किया था।

69. किस वर्ष में भारत ने परियोजनाओं से विस्थापित लोगों के लिए राष्ट्रीय पुनर्वास नीति की घोषणा की थी?

(a) 2002 (b) 2004
(c) 2006 (d) 2001

Ans. (*) : परियोजनाओं से प्रभावित लोगों और उनके परिवार के लिए राष्ट्रीय पुनर्वास नीति की घोषणा वर्ष 2003 में की गयी तथा फरवरी 2004 में लागू की गयी, अतः उपर्युक्त प्रश्न का कोई भी विकल्प सत्य नहीं है।

70. निम्नलिखित जनजातियों में से कौन सी जनजाती पितृवंशीय है?

(a) गारो (b) मलिक्यु
(c) खासी (d) टोड़ा

Ans. (d) : टोड़ा एक पितृवंशीय जनजाति है जबकि नायर, गारो, खासी मातृवंशीय जनजाति है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

71. नीचे दो कथन दिए गये हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) है दूसरा तर्क (R) है।

अभिकथन (A): हरित क्रांति के बाद अंतर्जातीय संबंध जजमानी से संविदात्मक संबंधों में रूपांतरित हो गए हैं।

तर्क (R): हरित क्रांति ने सेवागत जातियों के विभिन्न प्रकार के व्यवसायों में जाने के अवसर प्रदान किए।

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) व (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) व (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

Ans. (a) : हरित क्रान्ति के फलस्वरूप जातियों को विभिन्न प्रकार के व्यवसायों में जाने के अवसर प्राप्त हुए जिसके परिणाम स्वरूप अन्तर्जातीय संबंध जजमानी से संविदात्मक सम्बंधों में स्थानान्तरित हो गये। अतः अभिकथन (A) व तर्क (R) दोनों सत्य हैं तथा तर्क (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।

72. समाजशस्त्रियों व सामाजिक मानवैज्ञानिक द्वारा भारतीय ग्रामीण समाज के अध्ययन को व्यापक रूप से (किस पर) केन्द्रित किया गया है?

(A) जाति व समुदाय के वर्गीकरण पर
(B) ग्रामीण व खेतीहर सामाजिक संरचना के विश्लेषण पर
(C) राज्य द्वारा ग्रामीण समाज में आरंभ किए गए सुनियोजित परिवर्तनों के विश्लेषण पर
(D) भारतीय ग्रामीण समाज के विकास में सांस्कृतिक अवरोधों को खोजने पर

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) व (B)
(b) (B) व (C)
(c) (C) व (D)
(d) (D) व (A)

Ans. (a) : समाजशास्त्रियों व सामाजिक मनोवैज्ञानिक द्वारा भारतीय ग्रामीण समाज के अध्ययन को व्यापक रूप से जाति व समुदाय के वर्गीकरण पर तथा ग्रामीण व खेतीहर सामाजिक संरचना के विश्लेषण पर केन्द्रित किया गया है।

73. निम्नलिखित सिद्धांतों में से कौन-से दो सिद्धांत सहबंध सिद्धांत की व्याख्या करते हैं?

(A) पारस्परिकता (reciprocity) का सिद्धांत
(B) बहिर्विवाह का नियम
(C) अंतर्विवाह का नियम
(D) कौटुम्बिक व्यभिचार वर्जना

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) व (B)
(b) (B) व (C)
(c) (C) व (D)
(d) (A) व (D)

Ans. (d) : लेवी स्ट्रॉस ने अपनी पुस्तक 'द एलिमेन्ट्री स्ट्रक्चर्स ऑफ किनशिप' में सहबंध सिद्धान्त (एलायन्स थ्योरी) को प्रतिपादित किया है। इस अवधारणा के लिए उन्होंने पारस्परिकता और 'निकटाभिगमन निषेध' की प्रथा को सार्वभौमिक मानते हुए इसकी एक लम्बी व्याख्या की है।

स्रोत- समाजशास्त्रीय चिंतक एवं सिद्धान्तकार-रावत

74. निम्नलिखित में से किस महानगर में अधिकतम तथा न्यूनतम अनुसूचित जातियों की प्रतिशतता है?

(A) बंगलूरु
(B) मुम्बई
(C) चैन्नई
(D) दिल्ली

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) और (B)
(b) (B) और (C)
(c) (C) और (B)
(d) (D) और (A)

Ans. (c) : सबसे अधिक अनुसूचित जातियों की प्रतिशतता चेन्नई में तथा सबसे कम मुम्बई में है।

75. निम्नलिखित में से कौन से भौतिक संस्कृति के उदाहरण है?

(A) संस्कृति के पहलू जो उत्पादन व मानव कृतियों के उपयोग को नियन्त्रित करते हैं।
(B) भौतिक उत्पादन वास्तव में समाज द्वारा उत्पादित किया जाता है।
(C) किसी समुदाय में अभिशासन के साधन।
(D) बच्चों का माता पिता के साथ संवाद।

सही विकल्प चुनें:

(a) (B) व (C)
(b) (C) व (D)
(c) (D) व (A)
(d) (A) व (B)

Ans. (d) : ऑगबर्न ने संस्कृति को दो भागों में विभाजित किया है, यथा; भौतिक संस्कृति तथा अभौतिक संस्कृति। भौतिक संस्कृति के अन्तर्गत मानव द्वारा निर्मित सभी भौतिक एवं मूर्त वस्तुओं को सम्मिलित किया जाता है जिन्हें हम देख सकते हैं, छू सकते हैं और इन्द्रियों द्वारा जिनका आभास कर सकते हैं। अभौतिक संस्कृति के अन्तर्गत उन सभी सामाजिक तथ्यों को सम्मिलित किया जाता है जो अमूर्त हैं, जिनका कोई माप-तौल, आकार व रंग रूप नहीं होता, इन्द्रियों द्वारा जिनका स्पर्श नहीं होता, वरन् जिन्हें हम केवल महसूस कर सकते हैं। अतः विकल्प (A) और (B) भौतिक संस्कृति के उदाहरण हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

76. टी. बी. बोटोमोर के अनुसार सामाजिक विज्ञान में ऐतिहासिक उपागम के दो सैद्धांतिक रूपों को लिया गया है जो उसके द्वारा प्रभावित है?

(A) इतिहास का दर्शन
(B) नृजातीय विवरण
(C) व्यवस्थित आनुभाविक शोध
(D) उद्विकास का जैविक सिद्धांत

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) व (B) (b) (B) व (C)
(c) (C) व (D) (d) (D) व (A)

Ans. (d) : टी. बी. बोटोमोर के अनुसार, "यह (ऐतिहासिक विधि) सामाजिक संस्थाओं, समाजों और सभ्यताओं की उत्पत्ति, विकास और रूपान्तरण की समस्याओं पर ध्यान केन्द्रित करती है। इस विधि में उन्होंने इतिहास का दर्शन तथा उद्विकास का जैविक सिद्धान्त को शामिल किया है।

77. 'सोशल बैक ग्राउन्ड ऑफ इन्डियन नैशनलिज्म' पुस्तक किसने लिखी है?

(a) टी. के. ऊम्मन (b) आर.एस. मिश्रा
(c) ए. आर. देसाई (d) डी.एन. धनागरे

Ans. (c) : सोशल बैकग्राउण्ड ऑफ इण्डियन नेशनलिज्म पुस्तक के लेखक ए. आर. देसाई जी हैं। इनकी अन्य प्रमुख प्रस्तकें इस प्रकार हैं-
रिसेण्ट ट्रेण्ड्स इन इण्डियन नेशनलिज्म (1960)
रूरल सोशियोलॉजी इन इण्डिया (1969)
स्टेट एण्ड सोसाइटी इन इण्डिया (1984)

78. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I (विधि)	सूची-II (समाजशास्त्री)
(A) अप्रत्यक्ष प्रयोग	(i) ए. शूल्ट्ज
(B) सहभागी अवलोकन	(ii) डब्ल्यू. डिल्थे
(C) घटना विज्ञान	(iii) इमाईल दुर्खाईम
(D) संस्कृति के प्रारूपों का विकास	(iv) बी. मेलिनोवस्की

सही विकल्प चुनें:

(a) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)
(b) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(ii)
(c) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iii)
(d) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(i)

Ans. (b) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(विधि)	(समाजशास्त्र)
अप्रत्यक्ष प्रयोग-	दुर्खीम
सहभागी अवलोकन-	बी. मैलिनोवस्की
घटना विज्ञान-	अल्फ्रेड शूट्ज
संस्कृति के प्रारूपों का विकास-	डब्ल्यू. डिल्थे

79. सूची-I का सूची-II के साथ मिलान करें:

सूची-I (महिला परिप्रेक्ष्य)	सूची-II (लैंगिक मुद्दे)
(A) सांस्कृतिक	(i) लैंगिक समानता
(B) उदारवादी	(ii) लैंगिक दमन
(C) अतिवादी	(iii) संरचनात्मक दमन
(D) समाजवादी	(iv) लिंग भेद

सही विकल्प चुनें:

(a) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iii)
(b) (A)-(i), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(ii)
(c) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(iii), (D)-(i)
(d) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(i), (D)-(iv)

Ans. (a) : सुमेलित सूची इस प्रकार है-

(महिला परिप्रेक्ष्य)	(लैंगिक मुद्दे)
सांस्कृतिक	लिंग भेद
उदारवादी	लैंगिक समानता
अतिवादी	लैंगिक दमन
समाजवादी	संरचनात्मक दमन

80. भारतीय ग्रामीण समाज पर लिखित निम्नलिखित पुस्तकों के प्रकाशन वर्ष का सही क्रम क्या है?

(A) एन इन्डियन विलेज
(B) ए राजस्थान विलेज
(C) इन्डियन चेन्जिंग विलेजस्
(D) द रिमेम्बर्ड विलेज

सही विकल्प चुनें:

(a) (A), (B), (C), (D) (b) (B), (C), (D), (A)
(c) (A), (C), (B), (D) (d) (C), (D), (A), (B)

Ans. (c) : भारतीय समाज पर लिखित पुस्तकों के प्रकाशन वर्ष एवं उनके लेखक का क्रम इस प्रकार है-

एन इण्डियन विलेज (1955)	एस. सी दूबे
इण्डियाज चेंजिग विलेजेज (1958)	एस. सी. दूबे
ए राजस्थान विलेज (1967)	ब्रिजराज चौहान
द रिमेम्बर्ड विलेज (1976)	एम.एन. श्रीनिवास

81. समाज में महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए भारत में पारित विभिन्न कानूनों के सही क्रम को पहचानें।

(a) घरेलू हिंसा से महिला अधिनियम, पंचायती राज अधिनियम, हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम
(b) पंचायती राज्य अधिनियम, हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम, घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम, घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, पंचायती राज अधिनियम
(d) हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम, पंचायती राज अधिनियम, घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम

Ans. (d) : समाज में महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए भारत में पारित विभिन्न कानूनों का सही क्रम इस प्रकार है-
हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम- 1956
पंचायती राज्य अधिनियम- 1993
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम- 2005

82. निम्नलिखित में से कौन सा न्यूनतम साम्यहीन महानगरीय शहर है?
(a) मेरठ (b) मुम्बई
(c) हावड़ा (d) बंगलूरु

Ans. (c) : हावड़ा (पश्चिम बंगाल का एक औद्योगिक शहर) न्यूनतम साम्यहीन महानगरीय शहर (लीस्ट कॉमन मेट्रोपॉलिटन सिटी) है।

83. अनौपचारिक शिक्षा के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सही है?
(A) यह सामाजिक समानता लाने में सहायता करती है
(B) यह लोगों को समुदाय से अलग करने में सहायता करती है
(C) यह अधिगम के सामाजिक पक्ष पर बल देती है
(D) यह स्कूल और जीवन के बीच की दूरी को नहीं पाटती
सही विकल्प चुनें:
(a) (A) और (B) (b) (B) और (C)
(c) (A) और (C) (d) (C) और (D)

Ans. (c) : वह शिक्षा जो हमें, परिवार, पड़ोस, गोत्र, संगठनों आदि से प्राप्त होती है, अनौपचारिक शिक्षा कहलाती है। यह अधिगम के सामाजिक पक्ष पर बल देती है तथा सामाजिक समानता लाने में भी सहायता करती है। पाठशाला से लेकर विश्वविद्यालय से प्राप्त शिक्षा औपचारिक शिक्षा के अन्तर्गत आती है।

84. सैद्धान्तिक निष्पादन व क्रियाओं के प्रकार के मध्य किसने अधिक समानता को देखा है?
(a) इरविंग गौफ्फमैन (b) हेरोल्ड गारफिंकेल
(c) अल्फ्रेड शुट्ज (d) जी.एच. मीड

Ans. (a) : सैद्धान्तिक निष्पादन व क्रियाओं के प्रकार में समानता का विश्लेषण इरविंग गॉफमैन ने किया है। उन्होंने इसी आधार पर नई विधा को जन्म दिया जिसे 'अभिनय शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य' के नाम से जाना जाता है।

85. मार्क्स के अनुसार संपत्ति के विकास के चरणों को मोटे तौर पर वर्गीकृत किया जा सकता है
(a) वर्गविहीन समाज,आदिम साम्यवाद, वर्ग विभेदीकरण व असमानता
(b) वर्गविभेदीकरण व असमानता, वर्ग विहीन समाज, आदिम साम्यवाद
(c) आदिम साम्यवाद, वर्गविहीन समाज, वर्ग विभेदीकरण व असमानता
(d) आदिम साम्यवाद, वर्ग विभेदीकरण व असमानता, वर्गविहीन समाज

Ans. (d) : कार्ल मार्क्स ने अपने सिद्धान्त 'ऐतिहासिक भौतिक वाद' (आर्थिक निर्धारणवाद) में इतिहास का काल विभाजन आर्थिक प्रणालियों के आधार पर किया है- यथा,
1. आदिम साम्यवादी युग
2. दासत्व युग
3. सामन्तवादी युग (वर्ग विभेदीकरण व असमानता)
4. पूँजीवादी युग
5. समाजवादी युग (वर्ग विहीन समाज)

86. सामाजिक शोध के निम्नलिखित चरणों का सही क्रम क्या है?
(a) आँकड़ा संकलन, आंकड़ो का विश्लेषण, साहित्य की समीक्षा, रिपोर्ट लेखन
(b) आंकड़ो का विश्लेषण, साहित्य की समीक्षा, रिपोर्ट लेखन, आँकड़ा संकलन
(c) साहित्य की समीक्षा, रिपोर्ट लेखन, आंकड़ो का विश्लेषण, आँकड़ा संकलन
(d) साहित्य की समीक्षा, आँकड़ा संकलन, आंकड़ो का विश्लेषण, रिपोर्ट लेखन

Ans. (d) : सामाजिक शोध के चरणों का सही क्रम इस प्रकार है-
साहित्य की समीक्षा→ आंकड़ा संकलन→ आंकड़ों का विश्लेषण→ रिपोर्ट लेखन

87. निम्नलिखित लेखकों का उनकी पुस्तकों के साथ मिलान करें:

लेखक	पुस्तक
(A) पीयरे बोर्दियू	(i) लेजिटीमेशन क्राइसिस
(B) जुर्गेन हेबरमॉस	(ii) द कॉंस्टीट्यूशन ऑफ सोसायटी
(C) एडवर्ड सइद	(iii) डिस्टिंक्शन
(D) एंथोनी गिड्डेंस	(iv) ओरिएंटलिज्म

सही विकल्प चुनें:
(a) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(ii)
(b) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)
(c) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(i), (D)-(iv)
(d) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(iii), (D)-(i)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : सही सुमेलन इस प्रकार है-

(लेखक)	(पुस्तक)
पियरे बोर्दियू	डिस्टिंक्शन
जुर्गेन हेबरमास	लेजिटिमेशन क्राइसिस
एडवर्ड सइद	ओरिएण्टलिज्म
एंथोनी गिड्डेन्स	द कॉस्टीट्यूशन ऑफ सोसायटी

88. निम्नलिखित मेगासिटी को 2001-2011 के अन्तराल में उनकी वृद्धि दर के घटते क्रम के अनुसार व्यवस्थित करें:

(A) कोलकाता शहरी जन समूह
(B) बृहत मुम्बई जन समूह
(C) दिल्ली शहरी जन समूह

सही विकल्प चुनें:

(a) (C), (A), (B) (b) (A), (C), (B)
(c) (B), (C), (A) (d) (A), (B), (C)

Ans. (a) : सन् 2001-2011 के अन्तराल में मेगासिटी की वृद्धि दर का घटता क्रम इस प्रकार है-

दिल्ली शहरी जन समूह→कोलकाता शहरी जन समूह→ बृहत मुम्बई जनसमूह

89. धर्मनिष्ठा की अवधारणा में सबसे अधिक सामान्य तत्व कौन सा है?

(a) गरिमा (b) बुद्धिमत्ता
(c) विनम्रता (d) अंधविश्वास

Ans. (c) : धर्म नैतिक मूल्यों के महत्व को स्पष्ट करता है तथा नैतिकता का बोध मनुष्य में आत्म नियंत्रण की भावना उत्पन्न करता है। धर्मनिष्ठा अथवा शील में सबसे सामान्य तत्व विनम्रता है।

90. जिस प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी द्वारा आंकड़ों का संचयन करने, साझा करने व विश्लेषण करने की लागत को कम किया जाता है उसे जाना जाता है:

(a) मशीनीकरण (b) डिजिटलीकरण
(c) वाणिज्यीकरण (d) वैश्वीकरण

Ans. (b) : प्रौद्योगिकी द्वारा आँकड़ों का संचयन, साझा व विश्लेषण करने की प्रक्रिया डिजिटलीकरण कहलाती है। इस प्रक्रिया के माध्यम से कम लागत व कम समय में कार्य को सम्पन्न किया जा सकता है।

निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

भारत के सभी क्षेत्रों के गाँवों में आर्थिक संस्थाओं, शक्ति संरचना एवं अन्तर जातीय संबंधों के परिप्रेक्ष्य में काफी बदलाव हो रहे हैं। इनमें प्रमुख आर्थिक बदलाव है- भूमि सुधार, जिस गाँवों की सामाजिक संरचना पर बड़ा सामाजिक प्रभाव डाला है, यद्यपि, इसके आर्थिक प्रभावों पर काफी विवाद हैं। गाँवों में भूमि सुधार निम्नलिखित के माध्यम से किए गए हैं- (i) मध्यस्क्षों का उत्पादन; (ii) बटाईदारी प्रथा में सुधार; (iii) जमीन के स्वामित्व सीमांकन तथा भूमि का पुनर्वितरण; (iv) जमीन की चकबन्दी तथा भूमि को गैर-आर्थिक आकार (अनुपयोगी स्तर) तक कम होने से रोकना; (v) सहकारी खेती पर बल देना और विकास करना; और (vi) भूदान के रूप में अमीरों द्वारा गरीबों को अधिशेष भूमि उपहार में देने के लिए धार्मिक-आर्थिक आंदोलन चलाना।

इन उपायों को विभिन्न राज्यों में अलग-अलग तरीकों से क्रियान्वित किया गया है, परन्तु इनके कुछ एक समान समाजशास्त्रीय परिणाम देखने को मिले हैं।

91. भारतीय गाँव इनमें से किसके संबंध में परिवर्तित हो रहे हैं?

(A) आर्थिक संस्थाएं
(B) नेतृत्व कला
(C) जातियों के बीच संबंध
(D) पारिवारिक संबंध

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) और (B) (b) (B) और (C)
(c) (A) और (C) (d) (B) और (D)

Ans. (c) : उपरोक्त उदाहरण की प्रथम पंक्ति से यह स्पष्ट होता है कि भारतीय गाँवों में आर्थिक संस्थाओं व जातियों के बीच के सम्बंधों में बदलाव हो रहे हैं।

92. भारत के विभिन्न क्षेत्रों में भूमि-सुधारों का किस प्रकार क्रियान्वित किया गया?

(a) एक ही समय में
(b) एक स्वरूप में
(c) अलग स्वरूप में परंतु एक ही समय में
(d) विभिन्न राज्यों में अलग-अलग समयों पर

Ans. (d) : भारत के विभिन्न क्षेत्रों में भूमि सुधार कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी कार्यक्रमों को एक साथ क्रियान्वयन न करके अलग-अलग समय पर किया गया।

93. भारत के गाँवों की सामाजिक संरचना की इकाइयों पर निम्नलिखित में से किनका व्यापक प्रभाव रहा है?

(a) विधानों (b) भूमि सुधारों
(c) शिक्षा (d) राज्यनीतिक प्रक्रियाएँ

Ans. (b) : दिये गये उदाहरण की दूसरी पंक्ति से यह स्पष्ट होता है कि गाँवों में प्रमुख आर्थिक बदलाव भूमि सुधार था जिसने गाँवों की सामाजिक संरचना पर बड़ा सामाजिक प्रभाव डाला है।

94. भारत के गाँवों में भूमि सुधारों के कौन-से उपायो का क्रियान्वयन किया गया है?

(A) भूमि की अवसीमांकन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(B) पंचायती राज
(C) भूदान
(D) उत्तराधिकार कानून

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) और (B) (b) (B) और (C)
(c) (A) और (C) (d) (B) और (D)

Ans. (c) : भूमि सुधार कार्यक्रम के अन्तर्गत भूमि की अवसीमांकन तथा भूदान जैसे उपायों का कार्यान्वयन किया गया है। पंचायतीराज तथा उत्तराधिकार कानून भूमि सुधार कार्यक्रम से सम्बन्धित नहीं है।

95. इनमें से कौन भारतीय गाँवों में आर्थिक-परिवर्तन के कौन से मुख्य स्रोत रहे हैं?

(a) उत्तराधिकार कानून
(b) पंचायती राज
(c) भूमि सुधार
(d) ग्रामीण विकास के कार्यक्रम

Ans. (c) : दिये गये उदाहरण में भारतीय गाँवों में हुए आर्थिक परिवर्तनों में भूमि सुधार कार्यक्रम को महत्वपूर्ण माना गया है।

निम्नलिखित उद्धरण को ध्यान से पढ़ें:

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में 7,935 शहर है, जिनमें 2001से 2,774 शहरों की वृद्धि (अथवा 53.75 प्रतिशत का उछाल) हुई है। यहाँ यह महत्वपूर्ण है कि वृद्धि प्रमुखतः जनगणना शहरों (सीटीज) (अर्थात् 185.90 प्रतिशत) में आंकी गई है। जनगणना में रिकार्ड किए गए शहरों में से कई शहरी जनसमूह (बस्ती) वाले भाग हैं। वर्ष 2001 की जनगणना में, 962 की अभिवृद्धि के साथ 384 शहरी जनसमूहों (Urban Agglomeration) की तुलना में वर्ष 2011 की जनगणना में 981 की अभिवृद्धि के साथ 475 शहरी जनसमूह हैं। भारत की शहरी संरचना के अंतर्गत शहरी जनसमूहों (बस्तियों)/शहरों की संख्या 6166 है। तथापि, इनमें सबसे प्रमुख आश्चर्य जनक घटना जनगणना शहरों (सीटीज) की संख्या में वृद्धि है, जो बढ़कर 1362 से 3892 हो गई है, जबकि सांविधिक शहरों (एसटीज) की संख्या में 3,799 से 4041 की आंशिक वृद्धि हुई है।

वर्ष 2011 की जनगणना में पाया गया विदेश की कुल 37% मिलियन (अथवा 31.16 प्रतिशत) जनसंख्या शहरी क्षेत्रों में रहती है। जनगणना शहरी जनसमूहों को उनकी जनसंख्या के आधार पर वर्गीकृत करता है। शहरी जनसमूह/शहर जिनकी जनसंख्या कम से कम 1,00,000 लोगों की है, उन्हें वर्ग-I के शहर के रूप में वर्गीकृत किया गया है। वर्ष 2011 में 468 शहरी क्षेत्र/ शहर थे, जो वर्ष 2001 की (394) तुलना में 18.78% की वृद्धि दर्शाता है; कुल शहरी जनसंख्या का 70% (अथवा 264.9 मिलियन) इन शहरी जनसमूहों और शहरों में रहता है। जनगणना से यह पता चलता है कि जनसंख्या का अनुपात पिछली जनगणना से काफी बढ़ गया है। शेष शहरों की श्रेणियों में वृद्धि न्यून गति से हुई है।

96. वर्ष 2001 से 2011 के बीच कितने शहरी जनसमूहों की वृद्धि हुई?

(a) 115 (b) 99
(c) 111 (d) 101

Ans. (*) : 2001 के जनगणना के अनुसार 384 शहरी जन समूह थे तथा 2011 की जनगणना के अनुसार 475 शहरी जनसमूह है। अतः वर्ष 2001 से 2011 के बीच शहरी जन समूहों में वृद्धि 475-384 = 91 शहरी जनसमूह जबकि आयोग विकल्प (3) को सही माना है।

97. भारत में वर्ग-I के शहरों में कम से कम जनसंख्या कितनी होनी चाहिए?

(a) 50,000 (b) 1,00,000
(c) 10,000 (d) 99.999

Ans. (b) : दिये गये उदाहरण के दूसरे पैराग्राफ में वर्ग (शहरी जन समूह/शहर) में जनसंख्या की न्यूनतम सीमा 100000 माना गया है।

98. वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार कुल शहरी जनसंख्या की तुलना में कितना प्रतिशत शहरी जनसंख्या है, जो वर्ग-I शहरी जनसमूहों/शहरों में रहता है?

(a) 66.0% (b) 70.0%
(c) 72% (d) 62%

Ans. (b) : दिये गये उदाहरण के दूसरे पैराग्राफ में वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार कुल शहरी जनसंख्या की तुलना में 70% शहरी जनसंख्या है जो वर्ग-I शहरों में रहता है। आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (3) को माना है।

99. वर्ष 2001 में, भारत में कितने शहर थे?

(a) 5132 (b) 5161
(c) 6161 (d) 6102

Ans. (b) : वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में कुल शहरों की संख्या 7935 है जो वर्ष 2001 से 2,774 शहर अधिक है। अतः वर्ष 2001 में शहरों की संख्या = 7935- 2774 = 5161 शहर

100. वर्ष 2001 से 2011 के मध्य जनगणना (सीटीज) की वृद्धि-दर क्या थी?

(a) 180.00% (b) 185.90%
(c) 170.60% (d) 176.70%

Ans. (b) : दिये गये उदाहरण की दूसरी पंक्ति में स्पष्ट उल्लेख है कि वर्ष 2001 से 2011 के मध्य शहरों की वृद्धि 185.90% थी।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिस. 2020/जून 2021

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

[परीक्षा तिथि : 04.01.2022, 9 AM-12 PM

1. According to Ivan Illich, schools have developed which of the following four basic functions?
इवान इलिच के अनुसार, विद्यालयों ने निम्नलिखित चार मूल प्रकार्य विकसित किए हैं:

A. Provision of custodial care
अभिभावकीय परिचर्या का प्रावधान

B. Distribution of people within occupational rules/वृत्तिक भूमिकाओं के तहत लोगों का वितरण

C. Learning of dominant values
प्रभुत्व मूल्यों का अधिगम

D. Promote equality or the development of individual creativity/समानता को बढ़ावा और वैयक्तिक सर्जनात्मकता का विकास

E. Acquisition of society approved skills and knowledge/सामाजिक रूप से स्वीकृत कौशल और ज्ञान का अर्जन

Choose the *correct* answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B, C and D only/केवल A, B, C, D
(b) A, B, C and E only/केवल A, B, C, E
(c) B, C, D and E only/केवल B, C, D, E
(d) D, C, B and A only/केवल D, C, B, A

Ans. (b) : इवान इलिच के अनुसार, विद्यालयों ने चार मूल प्रकार्य विकसित किए हैं जो निम्न प्रकार हैं-
■ अभिभावकीय परिचर्या का प्रावधान
■ वृत्तिक भूमिकाओं के तहत लोगों का वितरण
■ प्रभुत्व मूल्यों का अधिगम
■ सामाजिक रूप से स्वीकृत कौशल और ज्ञान का अर्जन

2. Which one of the following is NOT a harbinger of cultural change?
निम्नलिखित में से कौन-सा सांस्कृतिक बदलाव का अग्रदूत नहीं है?

(a) Contact with other cultures
अन्य संस्कृतियों के साथ संपर्क
(b) Cultural conditioning/सांस्कृतिक अनुकूलन
(c) Revolution/क्रांति
(d) Spread of cultural traits
सांस्कृतिक लक्षण का प्रसार

Ans. (b) : सांस्कृतिक अनुकूलन सांस्कृतिक बदलाव का अग्रदूत नहीं है जबकि अन्य संस्कृतियों के साथ संपर्क, क्रांति एवं सांस्कृतिक लक्षण का प्रसार इत्यादि सांस्कृतिक बदलाव के अग्रदूत हैं।

3. Of the following, who has not worked on the functioning of the Jajmani system as a binding force among castes?
निम्नलिखित में से किसने जातियों के बीच बंधनकारी बल के रूप में जजमानी व्यवस्था के प्रकार्यकरण पर कार्य नहीं किया है?

A. W. H. Wiser/डब्ल्यू. एच. वाइजर
B. K. Ishwaran/के. ईश्वरन
C. M. Opler/एम. ओपलर
D. K. Gough/के. गॉफ
E. S. C. Dube/एस.सी. दुबे

Choose the *correct* answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and C only/केवल A और C
(b) C only/केवल C
(c) D only/केवल D
(d) E only/केवल E

Ans. (c) : के. गॉफ ने जातियों के बीच बंधनकारी बल के रूप में जजमानी व्यवस्था के प्रकार्यकरण पर कार्य नहीं किया है।

4. Given below are two statements, one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R
Assertion A: Democracy has become a global force; while it has become widespread, but all is not well with this political system and it has got into some difficulties almost everywhere
Reason R: For its failure, it is not the institution itself that is to be blamed; it is the way it has worked or the way its working has been distorted and manipulated by those in power.
In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below
नीचे दो कथन दिए गए हैः
कथन- I : लोकतंत्र एक वैश्विक बल हो गया है। यद्यपि यह व्यापक रूप से प्रचलित है, परंतु इस राजनीतिक व्यवस्था में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है तथा प्रायः हर जगह इस व्यवस्था में कुछ न कुछ कठिनाइयां आ रही हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कथन- II : इस व्यवस्था की विफलता के लिए इस संस्था को दोष नहीं दिया जा सकता, बल्कि जिस विधि से इसने कार्य किया है अथवा जिस विधि में इसके कार्यकरण को सत्ताधारियों द्वारा तोड़ा मरोड़ा गया है और इसमें छलयोजना उपयोग है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A is false but R is true
कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है

(b) A is true but R is false
कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत है

(c) Both A and R are true and R is the correct explanation of A/कथन I और II दोनों सही है

(d) Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A/कथन I और II दोनों गलत है

Ans. (c) : लोकतंत्र एक वैश्विक बल हो गया है। यद्यपि यह व्यापक रूप से प्रचलित है, परन्तु इस राजनीतिक व्यवस्था में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है तथा प्रायः हर जगह इस व्यवस्था में कुछ न कुछ कठिनाइयां आ रही हैं लेकिन इस व्यवस्था की विफलता के लिए इस संस्था को दोष नहीं दिया जा सकता, बल्कि जिस विधि से इसने कार्य किया है अथवा जिस विधि में इसके कार्यकरण को सत्ताधारियों द्वारा तोड़ा-मरोड़ा गया है निःसंदेह इसमें छल योजना उपयोग हुआ है। अतः कथन I और II दोनों सही हैं।

5. Who is the author of "Private Lives and Public Surveillance"?
''प्राइवेट लाइव्स एंड पब्लिक सर्विलांस' के लेखक कौन है?

(a) David Lyon /डेविड लियोन
(b) Gary T. Marx/गैरी टी.मार्क्स
(c) James Rule/जेम्स रुल
(d) Shoshana Zuboff /शोशना जुबॉफ

Ans. (c) : ''प्राइवेट लाइव्स एंड पब्लिक सर्विलांस' (1973) के लेखक जेम्स बी. रूल है। इनकी अन्य प्रमुख कृतियाँ निम्न हैं–
Theory and Progress in social,
Privacy in Peril,
Theories of civil violence

6. Which of the following scholar(s) has not emphasized the term 'Underclass'?
निम्नलिखित में से किस/किन विद्वान/विद्वानों ने अधोवर्ग (अंडर क्लास) शब्द पर बल नहीं दिया है?

(A) J. Goldthorpe/जे. गोल्डथ्रोप
(B) M. Savage /एम.सेवेज
(C) C. Murray/सी.मुरे

Choose the *most appropriate* answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) A only/केवल A
(c) B only/केवल B
(d) C only/केवल C

Ans. (a) : जे. गोल्डथ्रोप एवं एम.सेवेज ने अधोवर्ग (अंडर क्लास) शब्द पर बल नहीं दिया है।

7. Who said, "empty land sitting useless -if homeless people can live there", what is wrong?
''अगर खाली जमीन पर बेघर लोग रहते हैं तो इसमें क्या गलत है?'' यह किसने कहा है?

(a) J. E. Perlman/जे.ई. पर्लमैन
(b) R. Neurwirth/आर.न्यूरवर्थ
(c) Ratna N. Rao/रत्ना एन. राव
(d) V. Dupont/वी. दुपंत

Ans. (b) : आर. न्यूरवर्थ ने कहा है कि, ''अगर खाली जमीन पर बेघर लोग रहते हैं तो इसमें क्या गलत है।''

8. Levi-Strauss interpreted the sign systems of 'Primitive Culture' examining everything from the ____________
लेवी-स्ट्रॉस ने 'आदिम संस्कृति' के संकेत प्रणालियों को प्रतिपादित किया जिसकी सभी बातों की जाँच _____ के आधार पर की गई:

(a) Caste structure/जाति संरचना
(b) Class structure/वर्ग संरचना
(c) Kinship structure/नातेदारी संरचना
(d) Racial system/प्रजातीय प्रणाली

Ans. (c) : लेवी-स्ट्रॉस ने 'आदिम संस्कृति' के संकेत प्रणालियों को प्रतिपादित किया जिसकी सभी बातों की जाँच नातेदारी संरचना के आधार पर की गई। लेवी-स्ट्रॉस ने तर्क दिया कि सॉसर की भाषाई मूल्य की धारणा के समान, परिवार एक दूसरे के साथ संबंधों के माध्यम से ही निश्चित पहचान प्राप्त करते हैं।

9. Which term is used to refer to the characteristics or properties of the studied object?
अध्ययन की गई वस्तु की विशेषताओं और गुणधर्मों को संदर्भित करने के लिए शब्द (टर्म) का इस्तेमाल किया जाता है?

(a) Concepts/अवधारणाएँ
(b) Ethics/नीतिशास्त्र
(c) Hypothesis/प्राकल्पना
(d) Research questions/शोध प्रश्न

Ans. (a) : अध्ययन की गई वस्तु की विशेषताओं और गुणधर्मों को संदर्भित करने के लिए अवधारणाएँ शब्द (टर्म) का इस्तेमाल किया जाता है। वैज्ञानिक शोध में इनका प्रयोग यथार्थ के प्रत्यक्षीकरण, वर्गीकरण तथा बोध के लिए किया जाता है। सिद्धान्त- रचना में इनका महत्वपूर्ण स्थान है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

10. Which two of the following concepts are related with R. Robertson?
निम्नलिखित में से कौन-सी अवधारणाएं आर. रॉबर्टसन से संबंधित है?

A. Differences-within-Sameness
एकरूपता के भीतर अंतर

B. Flow of gatherings and Squeezing/जनसमूहों का प्रवाह और बलात् संकेंद्रण (स्क्वीजिंग)

C. McDonaldization and Ethnicization
मैक डोनाल्डीकरण और नृजातिकरण

D. Homogeneity vs. Heterogeneity
सजातीयता और विजातीयता

Choose the *correct* answer from the options given below: /नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) A and C only/केवल A और C
(c) A and D only/केवल A और D
(d) B and C only/केवल B और C

Ans. (c) : एकरूपता के भीतर अंतर एवं सजातीयता और विजातीयता की अवधारणाएँ आर. रॉबर्टसन से संबंधित हैं।

11. According to R. Wallis, the three broad categories: World-affirming, World-rejecting and World-accomodating ovements are associated with which of the following?
आर. वालिस के अनुसार तीन व्यापक श्रेणियां विश्व-स्वीकृत आंदोलन, विश्व – अस्वीकृत आंदोलन और विश्व-समावेशित आंदोलन निम्नलिखित में से किस के साथ सम्बद्ध है?

(a) A value-oriented movement/मूल्योन्मुख आंदोलन
(b) New age movements /नव-युगीन आन्दोलन
(c) New religious movements /नव-धार्मिक आंदोलन
(d) New social movements /नव-सामाजिक आंदोलन

Ans. (c) : आर. वालिस के अनुसार तीन व्यापक श्रेणियाँ विश्व-स्वीकृत आंदोलन, विश्व-अस्वीकृत आंदोलन और विश्व-समावेशित आंदोलन नव-धार्मिक आंदोलन के साथ सम्बद्ध हैं।

12. Which of the three primary models of ethnic integration are adopted by multi-ethnic societies?/बहु-नृजातीय समाज ने नृजातीय एकीकरण के कौन से तीन प्राथमिक प्रतिमानों को अपनाया है?

A. Acculturation/पर-संस्कृतिग्रहण (एकल्चरेशन)
B. Assimilation/आत्मसात्करण (एसिमिलेशन)
C. Salad-bowl model
सलाद-कटोरी प्रारूप (सलाद-बाउल मॉडल)
D. Melting pot/घरिया (मेल्टिंग पॉट)
E. Cultural pluralism/सांस्कृतिक बहुलवाद

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, C and D only /केवल A, C, D
(b) A, D and E only /केवल A, D, E
(c) B, C and D only /केवल B, C, D
(d) B, D and E only /केवल B, D, E

Ans. (d) : बहु-नृजातीय समाज ने नृजातीय एकीकरण के तीन प्राथमिक प्रतिमानों- आत्मसात्करण (एसिमिलेशन), घरिया (मेल्टिंग पॉट) एवं सांस्कृतिक बहुलवाद को अपनाया है। बहुसंस्कृतिवाद, बहु जातीय संस्कृति की स्वीकृति देना या बढ़ावा देना होता है, एक विशिष्ट थान के जनसांख्यिकीय बनावट पर यह लागू होती है, आमतौर पर यह स्कूलों, व्यापारों, पड़ोस, शहरों या राष्ट्रों जैसे संगठनात्मक स्तर पर होते हैं।

13. The concept of Habitus as a basis for a cultural approach to structural inequality with a focus on the embodiment of cultural representation in human habits and routines was originally used by:
संरचनात्मक असमानता संबंधी सांस्कृतिक उपागम के आधार के रूप में 'हैबिट्स' की अवधारणा का जिसमें मनुष्य की आदतों दिनचर्या में सांस्कृतिक निरूपण के प्रस्तुतीकरण पर बल दिया जाता है, मूल रूप से किसने प्रयोग किया था-

(a) Anthony Giddens/एंथोनी गिडेन्स
(b) Norbert Elias /नॉर्बर्ट इलियास
(c) Pierre Bourdieu /पियरे बॉर्डिउ
(d) Richard Jenkin /रिचर्ड जेनकिन

Ans. (c) : संरचनात्मक असमानता संबंधी सांस्कृतिक उपागम के आधार के रूप में 'हैबिट्स' की अवधारणा का जिसमें मनुष्य की आदतों दिनचर्या में सांस्कृतिक निरूपण के प्रस्तुतीकरण पर बल दिया जाता है। हैबिट्स की अवधारणा को व्यापक स्तर पर विकसित करने का श्रेय पियरे बोर्डियू को दिया जाता है।

14. According to P.M. Kolenda, which family types were not discussed for a comparative evaluation?
पी.एच. कोलेन्डा के अनुसार तुलनात्मक मूल्यांकन के लिए परिवार के किन प्रकारों की चर्चा नहीं की गई है?

A. Single person household/एक व्यक्ति परिवार (सिंगल पर्सन हाउसहोल्ड)
B. Sub-nuclear family/उप-एकाकी परिवार (सब-न्यूक्लीयर फैमिली)
C. Juvenile family/किशोर परिवार (जूवेनाइल फैमिली)
D. Supplemented sub-nuclear family/अनुपूरक उप-एकाकी परिवार (एक-न्यूक्लीयर फैमिली)
E. Singular family/एकल परिवार

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) A and D only/केवल A और D
(c) B and D only/केवल B और D
(d) C and E only केवल C और E

Ans. (d) : पी.एच. कोलेन्डा के अनुसार तुलनात्मक मूल्यांकन के लिए परिवार के प्रकारों में किशोर परिवार (जूवेनाइल फैमिली) एवं एकल परिवार की चर्चा नहीं की गई है। जबकि एक व्यक्ति परिवार (सिंगल पर्सन हाउसहोल्ड), उप-एकाकी परिवार (सब-न्यूक्लीयर फैमिली) एवं अनुपूरक उप-एकाकी परिवार के प्रकारों की चर्चा की गई है।

15. According to new ideas in the industry:
उद्योग में नवीन विचारों के अनुसार मानव कार्य को क्या माना जाता है?

(a) human work is no longer considered as a pure economic activity/पूर्ण तरह आर्थिक गतिविधि के रूप में नहीं
(b) Worker is not supposed to work only for the sake of wages/श्रमिक केवल वेतन के लिए कार्य न करे
(c) Both (a) and (b) /(a) और (b) दोनों
(d) None of the above /उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : उद्योग में नवीन विचारों के अनुसार मानव कार्य को पूर्ण तरह आर्थिक गतिविधि के रूप में नहीं एवं श्रमिक केवल वेतन के लिए कार्य न करे को माना जाता है।
अतः (a) और (b) दोनों सही है।

16. A megacity is one whose population is
मेगा शहर उसे कहते हैं जिसकी आबादी होती है?

(a) 1 million or more/1 मिलियन या उससे अधिक
(b) 10 million or more/10 मिलियन या उससे अधिक
(c) 15 million or more/15 मिलियन या उससे अधिक
(d) 5 million or more/5 मिलियन या उससे अधिक

Ans. (b) : मेगा शहर उसे कहते है जिसकी आबादी 10 मिलियन या उससे अधिक होती है।

17. If nephews and nieces are brought up in their maternal uncle's family, the arrangement is referred to as
यदि भांजा-भांजी का पालन-पोषण मामा के परिवार में होता है तब उस व्यवस्था को कहते हैं-

(a) Avunculocal residence /मातुल-स्थानीक आवास
(b) Matrilocal residence/मातृ-स्थानीक आवास
(c) Neolocal residence/नव-स्थानीक आवास
(d) Patrilocal residence/पितृ स्थानिक आवास

Ans. (a) : यदि भांजा-भांजी का पालन-पोषण मामा के परिवार में होता है तब उस व्यवस्था को मातुल-स्थानीक आवास कहते हैं।

18. Who is the author of "Myth and Meaning"?
'मिथ एंड मीनिंग' के लेखक कौन हैं?

(a) R. Radcliffe-Brown/ए.आर. रेडक्लिफ-ब्राउन
(b) B. Malinowski/बी. मैलिनॉस्की
(c) Claude Levi-Strauss/क्लैंडे लेवी-स्ट्रॉस
(d) S. F. Nadal/एस.एफ.नैडल

Ans. (c) : 'मिथ एंड मीनिंग' पुस्तक के लेखक सी. लेवी-स्ट्रॉस हैं। उनकी अन्य प्रमुख कृतियाँ निम्न हैं-
The savage Mind, (1962)
The Elementry Structures of kinship, (1949)
The structural study of Myths, (1964)
Structure Anthropology, (1958)

19. Which book on research methodology was written by Emile Durkheim that is considered one of his first works?
अनुसंधान प्राविधि के बारे में कौन सी पुस्तक ईमाइल दुर्खीम द्वारा लिखी गई है जिसे एक प्रारंभिक कार्य माना जाता है?

(a) Methods in Social Research
मैथड्स इन सोशल रिसर्च
(b) Research Methodology in Social Sciences
रिसर्च मैथेडोलॉजी इन सोशल साइंसेज
(c) Research Methods in Social Relations
रिसर्च मैथड्स इन सोशल रिलेशन्स
(d) Rules of Sociological Method
रुल्स ऑफ सोशियोलॉजिकल मैथड

Ans. (d) : अनुसंधान प्रविधि के बारे में 'रुल्स ऑफ सोशियोलॉजिकल मैथड' (1895) नामक पुस्तक इमाइल दुर्खीम द्वारा लिखी गई है। जिसे एक प्रारंभिक कार्य माना जाता है। इसे एक प्रत्यक्षवादी सामाजिक विज्ञान के रूप में समाजशास्त्र की स्थापना की। दुर्खीम की अपनी परियोजना के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में मान्यता प्राप्त है।

20. Which one of the following is NOT correct according to Marx?
मार्क्स के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा सही नहीं है?

(a) Labour is external to the worker /श्रम कामगार से बाहर (अलग) होता है
(b) Life activity and productive life for labour is to maintain a luxurious life/श्रमिक के लिए जीवन क्रियाकलाप और उत्पादक जीवन आरामदायक जीवन जीना है।
(c) Political economy conceals the estrangement inherent in the nature of labour by not considering the direct relationship between the worker (labour) and production /राजनीतिक आर्थिकीकि श्रमिक की आदत में अंतर्निहित अलगाव को कामगार (श्रमिक) और उत्पादन के बीच प्रत्यक्ष संबंध को मानते हुए अप्रकट करती है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(d) The direct relationship of labour to its products is the relationship of the worker to the objects of his production /श्रमिक का उसके उत्पाद से प्रत्यक्ष संबंध कामगार उसके उत्पादन वस्तु से संबंध है।

Ans. (b) : मार्क्स के अनुसार, श्रमिक के लिए क्रियाकलाप और उत्पादक जीवन आरामदायक जीवन जीना है यह कथन सही नहीं है।

21. Which two of the following major greenhouse gases contribute to global warming?
निम्नलिखित में से कौन-सी दो गैसें वैश्विक तापमान में वृद्धि (ग्लोबल वार्मिंग) के लिए उत्तरदायी हैं?

(a) Nitrous oxide/नाइट्रस ऑक्साइड
(b) Carbon dioxide/कार्बन डाई ऑक्साइड
(c) Methane /मीथेन
(d) Chlorofluorocarbons /क्लोरोफ्लोरो कार्बन

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and C/केवल A और C
(b) A and D/केवल A और D
(c) B and C/केवल B और C
(d) B and D/केवल B और D

Ans. (c) : कार्बन डाई ऑक्साइड एवं मीथेन दो गैसें प्रमुख रूप से वैश्विक तापन में वृद्धि (ग्लोबल वार्मिंग) के लिए उत्तरदायी हैं।

22. Match List I with List II
सूची- I को सूची- II से सुमेलित कीजिए:

List I/सूची- I	**List II/सूची- II**
Thinkers/चिंतक	**Concepts/अवधारणा**
A. Robert Michels राबर्ट मिशेल्स	I. Power as Domination प्रमुख एक रूप में शक्ति
B. Steven Lukes स्टीवेन ल्यूक्स	II. Power as Dependency and Domination शक्ति की निर्भरता तथा प्रभुत्त्व के रूप
C. Anthony Giddens एन्थोनी गिडेन्स	III. The Iron Law of Oligarchy अल्प तंत्र का बड़ा कानून
D. Michael Foucault माइकल फूको	IV. Power as Human Agency मानव अभिकरण (एजेंसी) के रूप में शक्ति

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A - I, B - III, C - IV, D - II
(b) A - II, B - I, C - III, D - IV
(c) A - III, B - IV, C - II, D - I
(d) A - IV, B - II, C - I, D - III

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

सूची-I (चिंतक)	**सूची-II (अवधारणा)**
राबर्ट मिशेल्स	अल्प तंत्र का बड़ा कानून
स्टीवेन ल्यूक्स	मानव अभिकरण (एजेंसी) के रूप में शक्ति
एन्थोनी गिडेन्स	शक्ति की निर्भरता तथा प्रभुत्त्व के रूप
माइकल फूको	प्रमुख एक रूप में शक्ति

23. Match List I with List II
सूची-I को सूची- II से सुमेलित कीजिए:

List I/सूची-I	**List II/सूची-I**
Author/लेखक	**Books/पुस्तकें**
A. C. Geertz सी. गिर्टज	**I. Staying Alive: Women, Ecology and Developmen स्टेइंग एलाइव : वीमेन इकॉलॉजी एंड डेवलपमेंट**
B. A. Agarwal ए अग्रवाल	**II. Agricultural Involution: The Process of Ecological Change in Indonesia एग्रीकल्चरल इनवोल्यूशन : द प्रॉसेस ऑफ इकॉलॉजिकल चेंज इन इंडोनेशिया**
C. V. Shiva वी शिवा	**III. Environmentality इनवायरेनमेंटलिटी**
D. G.A. Cajeta जी.ए. काजेटे	**IV. Indigenous Community: Rekindling the Teaching of the Seventh Fire इंडिजिनस कम्यूनिटी: रिकिंडलिंग द टीचिंग ऑफ द सेवेंथ फायर**

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A - I, B - II, C - III, D - IV
(b) A - II, B - III, C - I, D - IV
(c) A - III, B - I, C - II, D - IV
(d) A - IV, B - III, C - II, D - I

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

सूची-I (लेखक)	सूची-I (पुस्तकें)
सी. गिर्टज	एग्रीकल्चरल इनवोल्यूशन : द प्रॉसेस ऑफ इकोलॉजिकल चेंज इन इंडोनेशिया
बी. ए. अग्रवाल	इनवायरेनमेंटलिटी
वी. शिवा	स्टेइंग एलाइव : वीमेन इकोलॉजी एंड डेवलपमेंट
जी.ए. काजेटे	इंडिजिनस कम्यूनिटीः रिकॉंडलिंग द टीचिंग ऑफ द सेवेंथ फायर

24. A relationship between two quantitative or qualitative variables is considered significant according to the χ^2 (Chi-square) test at which of the following levels of error?
χ^2 (काई स्क्वायर) परीक्षण के अनुसार दो मात्रात्मक अथवा गुणात्मक चरों के बीच के संबंध को किन स्तरों पर महत्वपूर्ण माना जाता है?
(a) 1% त्रुटि
(b) 2% त्रुटि
(c) 3% त्रुटि
(d) 5% त्रुटि
(e) 10% त्रुटि
Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A, B, C and D only/केवल A, B, C, D
(b) A, B, D and E only/केवल A, B, D , E
(c) A, C, D and E only/केवल A, C, D , E
(d) B, C, D and E only/केवल B, C, D, E

Ans. (a) : χ^2 (काई-स्क्वायर) परीक्षण के अनुसार दो मात्रात्मक अथवा गुणात्मक चरों के बीच के संबंध को 1% त्रुटि, 2% त्रुटि, 3% त्रुटि एवं 5% त्रुटि के स्तरों पर महत्वपूर्ण माना जाता है।

25. Given below are two statements/नीचे दो कथन दिए गए हैं:
Statement I: Some major concepts and approaches about social change in India can be grouped as Sanskritisation and Westernization/ कथन- I: भारत में सामाजिक परिवर्तन के प्रमुख अवधारणाओं तथा उपागमों को संस्कृतिकरण तथा पश्चिमीकरण में वर्गीकृत किया जा सकता है।
Statement II: The term Sanskritization was used by M. N. Srinivas to describe the process of structural transformation in the Indian social structure /कथन- II: संस्कृतिकरण शब्द का उपयोग एम.एन. श्रीनिवास ने भारतीय संरचना में संरचनात्मक रूप परिवर्तन की प्रक्रिया का वर्णन करने के लिए किया है।
In light of the above statements, choose the *most appropriate* answer from the options given below/उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) Both Statement I and Statement II are correct/कथन I और II दोनों सही है।
(b) Both Statement I and Statement II are incorrect/कथन I और II दोनों गलत है।
(c) Statement I is correct but Statement II is incorrect/कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत है।
(d) Statement I is incorrect but Statement II is correct/कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है।

Ans. (c) : भारत में सामाजिक परिवर्तन के प्रमुख अवधारणाओं तथा उपागमों को संस्कृतिकरण तथा पश्चिमीकरण में वर्गीकृत किया जा सकता है जबकि संस्कृतिकरण शब्द का उपयोग एम.एन. श्रीनिवास ने भारतीय संरचना में संरचनात्मक रूप परिवर्तन की प्रक्रिया का वर्णन करने के लिए नहीं किया है। श्रीनिवास ने यह माना है कि संस्कृतिकरण से जो गतिशीलता उत्पन्न होती है, उसके परिणामस्वरूप व्यवस्था में मात्र पदों में परिवर्तन होता है और इसमें कोई संरचनात्मक परिवर्तन उत्पन्न नहीं होता है।

26. Achievement, Self-discipline and Individualism that are instrumental on task-oriented represent which type of societies?
उपलब्धि स्व-अनुशासन और व्यक्तिवाद जो कार्य उन्मुखता में सहायक हो वह किस प्रकार के समाजों को दर्शाता है?
(a) Advanced societies/उन्नत समाज
(b) Folk societies/लोक समाज
(c) Peasant societies/कृषक समाज
(d) Small societies/छोटे समाज

Ans. (a) : उपलब्धि, स्व-अनुशासन और व्यक्तिवाद जो कार्य उन्मुखता में सहायक हो वह उन्नत समाजों को दर्शाता है।

27. Match List I with List II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List I/सूची-I Books/पुस्तक	List II/सूची-II Authors/लेखक
A. Social Change सोशल चेंज	I. Neil J. Smelser नील जे. स्मेलसर
B. The Sociology of Economic Life द सोशियोलॉजी ऑफ इकोनॉमिक लाइफ	II. William J. Goode विलियम जे. गुड्डे
C. The Family द फैमिली	III. Wilbert E. Moore विलबर्ट ई. मूर
D. Social Stratification: The Forms and Functions of Inequality/सोशल स्ट्राटिफिकेशन : द फार्म्स एंड फंक्शन्स ऑफ इनइक्वालिटी	IV. Melvin Tumin मेल्विन ट्युमिन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A - I, B - II, C - III, D - IV
(b) A - III, B - I, C - II, D - IV
(c) A - III, B - II, C - I, D - IV
(d) A - IV, B - III, C - II, D – I

Ans. (b) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

सूची (i) (पुस्तक)	सूची (ii) (लेखक)
सोशल चेंज, (1963)	विलबर्ट ई0 मूर
द सोशियोलॉजी ऑफ इकोनॉमिक लाइफ, (1963)	नील जे0 स्मेल्सर
द फैमिली, (1964)	विलियम जे0 गुड्डे
सोशल स्ट्रैटिफिकेशनः द फार्म्स एंड फंक्शन्स इनइक्वालिटी, (1967)	मेल्विन ट्यूमिन

28. Distinct economic systems that are characterized by a specific set of relations of production combined with forms of productive forces is called:
उस विशिष्ट आर्थिक प्रणाली को क्या कहा जाता है जिसकी विशेषता उत्पादन के विशिष्ट सेट के संबंधों सहित उत्पादक रूपों से जुड़ी हो?
(a) Instruments of production/उत्पादक के यंत्र
(b) Means of production/उत्पादक के साधन
(c) Mode of production/उत्पादन की प्रणाली
(d) Relations of production/उत्पादन के संबंध

Ans. (c) : उत्पादन की प्रणाली एक ऐसी विशिष्ट आर्थिक प्रणाली है जिसकी विशेषता उत्पादन के विशिष्ट सेट के सम्बन्धों सहित उत्पादक रुपों से जुड़ी है। ऐतिहासिक भौतिकवाद के मार्क्सवादी सिद्धान्त में, उत्पादन प्रणाली का एक विशिष्ट संयोजन है:
- ♦ **उत्पादन शक्तियाँ :-** इनमें मानव श्रम शक्ति और उत्पादन के साधन (उपकरण, मशीनरी, कारखाने की इमारतें, बुनियादी ढाँचा, तकनीकी ज्ञान, कच्चा माल, पौधे, शोषक भूमि) शामिल हैं।
- ♦ **उत्पादन के सामाजिक और तकनीकी सम्बन्ध :-** इनमें संपत्ति, शक्ति और नियंत्रण सम्बन्ध (कानूनी कोड) शामिल हैं जो समाज के उत्पादन के साधनों को नियंत्रित करते हैं।

29. Wāngala village in Mysore was studied by which scholar?
मैसूर के वांगाला गाँव का अध्ययन किस अध्येता द्वारा किया गया?
(a) A. C. Mayer/ए.सी. मेयर
(b) H. S. Dhillon/एच.एस. ढिल्लों
(c) M. Opler/एम. ऑप्लर
(d) T. S. Epstein/टी.एस. इप्सटीन

Ans. (d) : मैसूर के वांगाला गाँव का अध्ययन टी0एस0 इप्सटीन ने किया।

30. The impact of industry on religion, according to Elton Mayo, is transformation from
एल्टन मेयो के अनुसार उद्योग का धर्म का प्रभाव ______ से रूपांतरण है।
(a) A religious to non-religious society
एक धार्मिक से गैर-धार्मिक समाज की ओर
(b) A ritualistic to secular society
कर्मकाण्डीय से धर्म निरपेक्ष समाज की ओर
(c) An established to an adaptive society
एक स्थापित से अनुकूली समाज की ओर
(d) An establishment of normative to open society
मानकीय से मुक्त समाज की स्थापना की ओर

Ans. (c) : एल्टन मेयों के अनुसार, उद्योग का धर्म पर प्रभाव एक स्थापित से अनुकूली समाज की ओर रुपांतरण है।

31. An idea associated with Marshall McLuhan, who saw the spread of electronic communication as binding the world into a coherent single community called
उस विचार को क्या कहा जाता है जिसका संबंध मार्शल मेक्लुहन से है, जिन्होंने विद्युत संचार को भी विश्व को सुसंगत एकल समुदाय में जोड़ने वाले के रूप में देखा-
(a) Global city/वैश्विक शहर
(b) Global network/वैश्विक नेटवर्क
(c) Global sites/वैश्विक स्थान
(d) Global Village/वैश्विक गाँव

Ans. (d) : वर्ष 1960 में वैश्विक गाँव (ग्लोबल विलेज) शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग कनाडा के लेखक मार्शल मैक्लूहान ने आधुनिक विद्युत संचार व्यवस्था (टी0वी0, इंटरनेट, फैक्स, टेलीफोन आदि) और प्रौद्योगिकी द्वारा एक सूत्र में बंधे आज के समस्त विश्व के लिए किया था।

32. Which among the following are NOT the works of Irawati Karve?/निम्नलिखित में से कौन-सी इरावती कर्वे की कृति नहीं है?
A. Hindu society: An interpretation
हिन्दू सोसायटी : ऐन इंटरप्रिटेशन
B. Hierarchy and Marriage Alliance in South India/हायरार्की एंड मैरिज अलायंस इन साउथ इंडिया
C. Religious Consciousness
रिलिजियस कानसियसनेश
D. Kinship Organization in India
किंशिप ऑर्गेनाइजेशन इन इंडिया
E. Yuganta: The End of an Epoch
युगांता: द इण्ड ऑफ ऐन एपॉच

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and C only/केवल A और C
(b) A and D only/केवल A और D
(c) B and C only/केवल B और C
(d) D and E only/केवल D और E

Ans. (c) : 'हायरार्की एंड मैरिज अलायंस इन साउथ इंडिया' लुइस ड्यूमॉकी एवं 'रिलिजियस कानसियसनेश' नामक कृति जेम्स बिसेट की है। जबकि 'हिन्दू सोसायटी : एन इंटरप्रिटेशन', 'किंशिप ऑर्गेनाइजेशन इन इंडिया' एवं 'युगांता : द एण्ड ऑफ ऐन एपॉच' नामक प्रमुख कृतियाँ इरावती कर्वे की हैं।

33. The Munda and the Oraon of the Chotta Nagpur who live close to each other and share much of their cultural life, belong to which speech group, respectively?
छोटानागपुर के मुंडा और ओरांव जो एक-दूसरे के निकट वास करते हैं और जो अपने सांस्कृतिक जीवन को साझा करते हैं, निम्नलिखित में से किस भाषा-भाषी समूह से आते हैं?

(a) Austric and Dravidian speech group
ऑस्ट्रिक और द्रविण भाषा-भाषी समूह
(b) Mongoloid and Mediterranean speech group
मंगोलिया और भूमध्य सागरीय भाषा-भाषी समूह
(c) Negrito and Nordic speech group
नीग्रीटो और नॉर्डिक भाषा-भाषी समूह
(d) Western Brachycephals and Mongoloids speech group/वेस्टर्न ब्राचीसेफल्स और मंगोलियन भाषा-भाषी समूह

Ans. (a) : छोटानागपुर के मुंडा और ओरांव जो एक-दूसरे के निकट वास करते हैं और जो अपने सांस्कृतिक जीवन को साझा करते हैं वे ऑस्ट्रिक और द्रविड़ भाषा-भाषी समूह से आते हैं।

34. Match List I with List II/सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List I/सूची-I	List II/सूची-II
Books/पुस्तकें	**Authors/लेखक**
A. The Elementary Forms of Religious life द एलिमेंट्री फार्म ऑफ रिलिजिअस लाइफ	**I. M.N. Srinivas** एम.एन. श्रीनिवास
B. Religion and Society among Coorgs of South India रिलिजियन एंड सोसाइटी एमांग कूर्गस ऑफ साउथ इंडिया	**II. A. Krober** ए. क्रोबर
C. The Science of Culture द साइंस ऑफ कल्चर	**III. Emile Durkheim** एमाईल दुर्खाइम
D. The Nature of Culture द नेचर ऑफ कल्चर	**IV. Leslie White** लेस्ली ह्वाइट

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A - I, B - II, C - III, D - IV
(b) A - I, B - III, C - II, D - IV
(c) A - III, B - I, C - IV, D - II
(d) A - IV, B - III, C - I, D - II

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है –

सूची (i) (पुस्तकें)	सूची (ii) (लेखक)
द एलिमेंट्री फार्म ऑफ रिलिजिअस लाइक, (1912)	इमाइल दुर्खीम
रिलिजियन एंड सोसाइटी एमंग कूर्ग्स ऑफ साउथ इंडिया, (1952)	एम0एन0 श्रीनिवास
द साइंस ऑफ कल्चर, (1949)	लेस्ली ह्वाइट
द नेचर ऑफ कल्चर, (1952)	ए0 क्रोबर

35. Among the earlier industrial sociologists, who has written the book, Social Framework of an Indian Factory?
प्रारंभिक औद्योगिक समाजशास्त्रियों में से किसने "सोशल फ्रेमवर्क ऑफ ऐन इंडियन फैक्ट्री" नामक पुस्तक को लिखा है?

(a) E. A. Ramaswamy/ई.ए. रामास्वामी
(b) G. S. Ghurye/जी.एस. घुर्ये
(c) N. R. Sheth/एन.आर. शेठ
(d) Sharat K. Bhaumik/शरत के. भौमिक

Ans. (c) : प्रारंभिक औद्योगिक समाजशास्त्रियों में से एन0आर0 सेठ ने 'सोशल फ्रेमवर्क ऑफ एन इंडियन फैक्ट्री' नामक पुस्तक को लिखा है।

36. Arrange the occurrence of the following technological revolutions in chronological order from the earliest to the latest
निम्नलिखित प्रौद्योगिकी क्रांतियों को उनके होने के कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:

A. Printing revolution/मुद्रण क्रांति
B. Green revolution/हरित क्रांति
C. Industrial revolution/औद्योगिक क्रांति
D. Bio-technological revolution
जैव-प्रद्योगिकी क्रांति

Choose the *correct* answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) A, B, D, C
(b) A, C, B, D
(c) B, C, D, A
(d) C, A, B, D

Ans. (b) : प्रौद्योगिकी क्रांतियों का सही कालक्रम निम्न प्रकार है- मुद्रण क्रांति, औद्योगिक क्रांति, हरित क्रांति एवं जैव – प्रौद्योगिकी क्रांति।

37. The title of the Brundtland Report is
ब्रंडलैंड रिपोर्ट का शीर्षक क्या है?

(a) 'Caring and Sharing'/'केयरिंग एंड शेयरिंग'
(b) 'Caring for Earth'/'केयरिंग फॉर अर्थ'
(c) 'Environment-friendly Resource Consumption' 'इन्वायरमेंट फ्रैंडली-रिसोर्स कंसम्पशन
(d) 'Our Common Future'/'आवर कॉमन फ्यूचर'

Ans. (d) : ब्रंडलैंड रिपोर्ट का शीर्षक 'आवर कॉमन फ्यूचर' है। ब्रंडलैण्ड आयोग जिसका पुरा नाम पर्यावरण एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र विश्व आयोग (World commission on Environment and Development) या (WCED) है। इस आयोग ने अपनी रिपोर्ट हमारा साझा भविष्य 1987 में जारी किया जिसे ब्रंडलैण्ड रिपोर्ट भी कहा जाता है।

38. Who has written the book 'Urbanization and Family Change' in the Indian context?
''अर्बनाइजेशन एंड फैमिली चेंज'' नामक पुस्तक भारतीय संदर्भ किसने लिखी है?

(a) A. M. Shah/ए.एम. शाह
(b) Irawati Karve/इरावती कर्वे
(c) M. S. Gore/एम.एस. गोरे
(d) S .C. Dube/एस.सी. दुबे

Ans. (c) : 'अर्बनाइजेशन एंड फैमिली चेंज' नामक पुस्तक भारतीय संदर्भ में एम0एस0गोरे ने लिखी है। इनकी अन्य प्रमुख कृतियाँ निम्न प्रकार हैं –

♦ Unity in diversity.
♦ The Social Context of an Ideology.
♦ Social work and Social work Education.

39. Who among the following has divided globalization into two camps, the optimists and the pessimists?
निम्नलिखित में से किसने वैश्वीकरण को आशावादी और निराशावादी दो खोमों में विभक्त किया है?

(a) Anthony Giddens/एंथोनी गिड्डेन्स
(b) George Ritzer/जॉर्ज रिट्जर
(c) Immanuel Wallerstein/इमैनुअल वालर्स्टीन
(d) Mike O' Donnell/माइक ओ' डोनेल

Ans. (d) : 'माइक ओ' डोनेल ने वैश्वीकरण को आशावादी और निराशावादी दो खेमों में विभक्त किया है।

40. Robin Cohen argued for which of the following categories of diaspora?
रॉबिन कोहेन ने डायसपोरा की निम्नलिखित किन श्रेणियों की वकालत की थी?

A. Victim/पीड़ित
B. Imperial/साम्राज्यिक
C. Labour/श्रम
D. Culture/संस्कृति
E. Community/समुदाय

Choose the *correct* answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B, C and D only
(b) B, E, A, C only
(c) C, D, E, B only
(d) E, C, B, A only

Ans. (a) : रॉबिन कोहेन ने डायसपोरा की पीड़ित, साम्राज्यिक, श्रम एवं संस्कृति के रुप में श्रेणियों की वकालत की थी। कोहेन ने प्रमुख विवादित अवधारणाओं जैसे प्रवासी और सीमाओं, और सामूहिक या राष्ट्रीय पहचान को नई समझ देकर प्रवास अध्ययन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिए।

41. Who among the following traced the evolution of citizenship in three key stages of Civil rights, Political rights and Social rights?
निम्नलिखित में से किसने नागरिक अधिकारों, राजनीति अधिकारों और सामाजिक अधिकारों को मुख्य तीन चरणों में नागरिता के उद्भव की पहचान की थी?

(a) Gordon Marshall/गॉर्डन मार्शल
(b) Martin Marshall/मार्टिन मार्शल
(c) R. J. Marshall/आर.के. मार्शल
(d) T. H. Marshall/टी.एच. मार्शल

Ans. (d) : टी0 एच0 मार्शल ने नागरिक अधिकारों, राजनीतिक अधिकारों और सामाजिक अधिकारों को मुख्य तीन चरणों में नागरिकता के उद्भव की पहचान की थी।

42. Which of the following are included in structuralist semiotics?
संरचनात्मक संकेतविज्ञान (स्ट्रक्चरल सेमिऑटिक्स) में किनका समावेश होता है?

A. Seeks to look behind or beneath the surface of the text to discover its underlying organization/पाठ के पीछे या नीचे देखता है ताकि निहित संगठन का पता लगाया जा सके।

B. It explores the connotative meanings of the signs as realized in the codes and conventions/संहिता तथा परिपाटी में यथा अनुभूत सम्पृक्तार्थ का पता लगाता है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

C. It is primarily concerned with textual organization/इसका संबंध मुख्यतः पाठ्यगत संगठन से है

Choose the *correct* answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

(a) A and B only/केवल A और B
(b) A only /केवल A
(c) A, B and C / A, B और C
(d) B only/केवल B

Ans. (c) : संरचनात्मक संकेत विज्ञान (स्ट्रक्चरल सेमिऑटिक्स) में निम्न का समावेश होता है– (1) यह पाठ के पीछे या नीचे देखता है ताकि निहित संगठन का पता लगाया जा सके, (2) यह संहिता तथा परिपाटी में यथा अनुभूत सम्पृक्तार्थ का पता लगाता है एवं (3) इसका संबंध मुख्यतः पाठ्यगत संगठन से है।

43. Who has first proposed "Semiology" as a scientific study of signs in society?
किसने सर्वप्रथम 'लक्षण-विज्ञान' को 'समाज में संकेत' के वैज्ञानिक अध्ययन के रूप में प्रस्तावित किया?

(a) Claude Levi-Strauss/लेवी-स्ट्रॉस
(b) Ferdinand de Saussure/फर्डीनेंड डी. सॉसर
(c) Roland Barthes/रोनाल्ड बार्थस
(d) Stuart Hall/स्टुअर्ट हॉल

Ans. (b) : फर्डीनेंड डी0 सॉसर ने सर्वप्रथम 'लक्षण-विज्ञान' को 'समाज में संकेत' के वैज्ञानिक अध्ययन के रूप में प्रस्तावित किया। रूकैना हसन ने तर्क दिया कि "सॉसर के भाषाई संकेत के सिद्धांत का प्रभाव ऐसा रहा है कि आधुनिक भाषाविदों संकेत के सिद्धांत को उनके संदर्भ में रखा गया हें उन्हें पूर्व सॉसुरियन, सौसुरियन, एंटी सॉसुयिन पोस्ट के रूप में जाना जाता है।"

44. Which one of the following environmentalists got the Nobel Prize for Peace in 2004 for contribution to Sustainable Development, Democracy and Peace?
निम्नलिखित में से किस पर्यावरणविद् को सतत विकास, लोकतंत्र और शांति के क्षेत्र में योगदान हेतु वर्ष 2004 में शांति का नोबल पुरस्कार दिया गया ?

(a) Anil Agarwal/अनिल अग्रवाल
(b) M. C. Mehta/एम.सी. मेहता
(c) Sundarlal Bahuguna/सुंदरलाल बहुगुणा
(d) Wangari Mathai/वांगरी मथाई

Ans. (d) : वॉगरी मथाई (पर्यावरणविद्) को सतत् विकास, लोकतंत्र और शांति के क्षेत्र में योगदान हेतु वर्ष 2004 में शांति का नोबेल पुरस्कार दिया गया।
वंगारी मथाई केन्याई पर्यावरणविद् और राजनीतिक कार्यकर्ता थीं। ये ग्रीन वेल्ट आंदोलन की संस्थापक और महिला अधिकारों के लिए लड़ने वाली प्रसिद्ध केन्याई राजनितिज्ञ और समाजसेवी थीं।

45. Clifford Geertz's framework of Symbolic Anthropology accepts which of the following?
निम्नलिखित में से, प्रतीकात्मक नृविज्ञान का क्लिफोर्ड ग्रीट्ज का फ्रेमवर्क स्वीकार करता हैः

A. Conception of culture in the non-semiotic form/गैर-सांकेतिक रूप में संस्कृति की संकल्पना
B. Prime attention to the role of symbols in constructing the public meaning/जन अभिप्राय निर्मित करने में प्रतीकों की भूमिका पर प्रमुख ध्यान
C. Analysis of culture is on an experimental basis/संस्कृति का विश्लेषण प्रायोगिक आधार पर किया जाता है
D. Symbolic forms by which men communicate, perpetuate and develop their knowledge about and attitudes towards life/सांकेतिक प्रारूप जिनके माध्यम से मनुष्य जीवन के बारे में अपने ज्ञान और उसके प्रति अपनी मनोवृत्ति व्यक्त, कायम और विकसित करता है
E. Role of anthropologists to interpret the guiding symbols of each culture/प्रत्येक संस्कृति के निर्देशक प्रतीकों की व्याख्या करने में नृविज्ञानियों की भूमिका

Choose the *correct* answer from the options given below
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) B, C and D only/केवल B, C और D
(c) B, D and E only/केवल B, D और E
(d) C, D and E only/केवल C, D और E

Ans. (c) : जन अभिप्राय निर्मित करने में प्रतीकों की भूमिका पर प्रमुख ध्यान, सांकेतिक प्रारुप जिनके माध्यम से मनुष्य जीवन के बारे में अपने ज्ञान और उसके प्रति अपनी मनोवृत्ति व्यक्त, कायम और विकसित करता है एवं प्रत्येक संस्कृति के निर्देशक प्रतीकों की व्याख्या करने में नृविज्ञानियों की भूमिका आदि प्रतीकात्मक नृविज्ञान का क्लिफोर्ड ग्रीट्ज का फ्रेमवर्क स्वीकार करता है।

46. Count Joseph Arthur de Gobineau is well known for his work on which of the following?
काउंट जोसेफ अर्थर डि गोबिडीउ निम्नलिखित में से किस विषय पर किए गए अपने कार्य के लिए प्रसिद्ध हैं?

(a) Ethnicity/नृजातीयता
(b) Gender/लिंग (जेंडर)
(c) Migration/प्रवसन
(d) Racism/नस्लवाद

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : काउंट जोसेफ आर्थर डी गोबिन्यू नस्लवाद पर किए गए अपने कार्य के लिए प्रसिद्ध हैं। नस्लवाद (प्रजातीयता) संकुचित मनोवृत्ति पर आधारित एक विचारधारा है जो इस बात पर बल देती है कि एक प्रजाति शारीरिक रचना तथा मानसिक गुणों दोनों की दृष्टि से श्रेष्ठ है। यही धारणा प्रजातीयतावाद को जन्म देती है और दूसरी प्रजातियों के साथ गैर-बराबरी का बर्ताव करने, के लिए प्रेरित करती है।

47. Arrange the following activities in sequence as per their occurrence during a year
निम्नलिखित कार्यकलापों को वर्ष में उनके मनाए जाने के सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

(A) World Forestry day/विश्व वन दिवस
(B) World Heritage day/विश्व विरासत दिवस
(C) World Environment day
विश्व पर्यावरण दिवस
(D) World Ozone day/विश्व ओजोन दिवस
(E) World Population day/विश्व जनसंख्या दिवस

Choose the correct answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B, C, E, D
(b) A, C, D, B, E
(c) A, D, B, E, C
(d) D, A, B, C, E

Ans. (a) : निम्नलिखित कार्यकलापों को वर्ष में उनके मनाए जाने के सही क्रम इस प्रकार हैं–
विश्व वन दिवस (21 मार्च, 1971)
विश्व विरासत दिवस (18 अप्रैल, 1972)
विश्व पर्यावरण दिवस (05 जून, 1972)
विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई, 1989)
विश्व ओजोन दिवस (16 सितम्बर, 1995)

48. Who gave the concept of plastic sexuality?
'प्लास्टिक सेक्सुअलिटी' अवधारणा किसने दी थी?

(a) Anthony Giddens/एंथोनी गिडेन्स
(b) David Matthew/डेविड मैथ्यू
(c) Ulrich Beck/उलरिच बेक
(d) Zygmunt Bauman/जिगमंट बाउमैन

Ans. (a) : 'प्लास्टिक सेक्सुअलिटी' की अवधारणा एंथोनी गिडेन्स ने दी थी। 'प्लास्टिक' व्यक्तिगत पसंद और सामाजिक मानदंडों के ढांचे दोनों के संदर्भ में कामुक अभिव्यक्ति की लचीलापन को संदर्भित करता है।

49. Which of the following characteristics of the caste system were NOT emphasized by G. S. Ghurye?
जी.एस. घुर्ये ने जाति व्यवस्था की निम्नलिखित में किस विशेषता पर जोर नहीं दिया था?

A. Segmental division/खण्डीय विभाजन
B. Hierarchy/उत्क्रम
C. Open system/खुली व्यवस्था
D. Achieved/अर्जित
E. Pollution and purity/अपवित्र एवं पवित्र

Choose the *correct* answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) A and E only/केवल A और E
(c) B and E only/केवल B और E
(d) C and D only/केवल C और D

Ans. (d) : जी. एस. घुर्ये ने जाति व्यवस्था को खुली व्यवस्था एवं अर्जित व्यवस्था के विशेषता के रूप में जोर नहीं दिया है।

50. Who is the author of the book 'Human Ecology'?
''ह्यूमन इकोलॉजी'' नामक पुस्तक के लेखक कौन है?

(a) A. Hawley/ए. हॉले
(b) E. Burgess/ई. बर्गेस
(c) G. Simmel/जी. सीमेल
(d) R. Park/आर. पार्क

Ans. (a) : 'ह्यूमन इकोलॉजी' नामक पुस्तक के लेखक ए0 हॉले हैं। उनकी अन्य प्रमुख कृतियाँ निम्न हैं–
The Hawley Book of the Dead
The Tyranny of Big Teach
The headmaster's papers

51. Give the correct chronological sequence of the works of B. R. Ambedkar.
बी.आर. अम्बेडकर की कृतियों को उनके सही कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:

A. Who Were the Shudras/हू वर शूद्राज
B. Annihilation of Caste/एनिहिलेशन ऑफ कास्ट
C. Castes in India: Their Mechanism, Genesis and Development/कास्ट्स इन इंडिया : देअर, मेकनिज्म, जेनेसिस एंड डेवलपमेंट
D. The Untouchables: Who Were They and Why They Became Untouchable/द अनटचेबल्स : हू वर दे एंड ह्वाइ दे बिकेम अनटचेबल्स

Choose the correct answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B, C, D
(b) B, D, A, C
(c) C, B, A, D
(d) D, C, A, B

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : बी0 आर0 अम्बेडकर की कृतियों का सही कालक्रम निम्न प्रकार है-
(1) कास्ट्स इन इंडिया : देअर, मेकनिज्म, जेनेसिस एवं डेवलपमेंट, (1917)
(2) एनिहिलेशन ऑफ कास्ट, (1936)
(3) हू वर शूद्राज़, (1946)
(4) द अनटचेबल्स : हू वर दे एंड ह्वाइ दे बिकेम अनटचेबल्स, (1948)

52. Match List I with List II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I	List-II
Thinkers/चिंतक	**Works/कार्य**
A. Radha Kamal Mukherji राधा कमल मुखर्जी	**I. Buddha and Karl Marx/बुद्धा एंड कार्ल मार्क्स**
B. G. S. Ghurye जी.एस. घूर्ये	**II. Village, Caste, Gender and Method विलेज, कास्ट, जेंडर एंड मेथड**
C. B. R. Ambedkar बी.आर. अम्बेडकर	**III. The Land Problems of India/द लैंड प्रॉब्लेम ऑफ इंडिया**
D. M. N. Srinivas एम.एन. श्रीनिवास	**IV. Social Tensions in India/सोशल टेंशन इन इंडिया**

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A - I, B - IV, C - III, D - II
(b) A - II, B - IV, C - I, D - III
(c) A - III, B - IV, C - I, D - II
(d) A - IV, B - II, C - III, D - I

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

सूची (i) (चिन्तक)	**सूची (ii) (कार्य)**
राधा कमल मुखर्जी	द लैंड प्रॉब्लेम ऑफ इंडिया, (1927)
जी.एस. घुर्ये	सोशल टेंशन इन इंडिया, (1968)
बी.आर. अम्बेडकर	बुद्धा एंड कार्ल मार्क्स, (1956)
एम.एन. श्रीनिवास	विलेज, कास्ट, जेंडर एंड मेथड, (1996)

53. A Hindu marriage ceremony consists of a series of ritual performances, which are:
हिन्दू विवाह संस्कार में किन अनुष्ठानों की श्रृंखला होती है?
A. Kanyadan/कन्यादान
B. Prajapatya/प्रजापत्य
C. Vivaha-havan/विवाह हवन
D. Pani-grahan/पाणि - ग्रहण
E. Sapta-padi/सप्तपदी
Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A, B, C and D only/केवल A, B, C, D
(b) A, B, C, D and E/केवल A, B, C, D, E
(c) A, C, D and E only/केवल A, C, D, E
(d) B, C, D and E only/केवल B, C, D, E

Ans. (c) : हिन्दू विवाह संस्कार में अनुष्ठानों की श्रृंखला निम्न है – कन्यादान, विवाह हवन, पाणि-ग्रहण, सप्तपदी आदि। जबकि प्रजापत्य एक विवाह का प्रकार है।

54. The reasoning which proceeds from a general truth to a particular truth is called:
वह तर्क जो सामान्य सच से विशिष्ट सच की ओर जाता है उसे क्या कहा जाता है?
(a) Deductive/निगमनात्मक
(b) Inductive/आगमनात्मक
(c) Prediction/भविष्यवाणी
(d) Premise/आमुख

Ans. (a) : वह तर्क जो सामान्य सच से विशिष्ट सच की ओर जाता है उसे निगमनात्मक विधि कहा जाता है। जब किसी ज्ञात नियम (सिद्धान्त) को किन्हीं दृष्टान्तों पर लागू करते हैं, अर्थात् दृष्टान्तों को ज्ञात नियम पर घटाकर उसकी सत्यता को प्रमाणित किया जाता है, तब इसे निगमन विधि या पद्धति कहते हैं।

55. Of the following, what are the causes of the weakening of the Nation- State?/निम्नलिखित में से कौन-से राष्ट्र को कमजोर करने वाले कारक हैं?
A. Rise of post-national membership राष्ट्रोत्तर सदस्यता का उत्थान
B. Increasing significance of transnational corporations/अंतर्राष्ट्रीय निगमों का बढ़ता महत्व
C. Decrease of political interest in the rights of 'first nations'/प्रथम राष्ट्रों (फर्स्ट नेशंस) के अधिकारों में घटती राजनीतिक अभिरुचि
D. The growing strength of supranational institutions/'सुपर-नेशनल' संस्थाओं की बढ़ती शक्ति
E. Smooth process of governance शासन की सुगम प्रक्रिया
Choose the *correct* answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चयन कीजिए:
(a) A, B and D only/केवल A, B और D
(b) A, C and D only/केवल A, C और E

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) B, D and E only/केवल B, D और E
(d) C, D and E only/केवल C, D और E

Ans. (a) : किसी राष्ट्र को कमजोर करने वाले कारक निम्न हैं –
- राष्ट्रोत्तर सदस्यता का उत्थान
- अन्तर्राष्ट्रीय निगमों का बढ़ता महत्त्व
- 'सुपर – नेशनल' संस्थाओं की बढ़ती शक्ति
- राष्ट्रीय-राज्यों की संप्रभु अभिनेताओं का उदय
- बढ़ती हुई अन्योन्याश्रयता

56. Who defined class as 'when a number of people have in common, a specific causal component of their life chances'?
'जब बहुत से लोगों में उनके जीवन के बदलावों में एक समान विशिष्ट प्रेरणात्मक घटक हों' यह वर्ग की परिभाषा किसने दी?

(a) Antonio Gramsci /एन्टोनियों ग्राम्स्की
(b) Friedrich Engels /फ्रैडरिक एनजिल्स
(c) Karl Marx /कार्ल मार्क्स
(d) Max Weber /मैक्स वेबर

Ans. (d) : 'जब बहुत से लोगों में उनके जीवन के बदलावों में एक समान विशिष्ट प्रेरणात्मक घटक हो' यह वर्ग की परिभाषा मैक्स वेबर ने दी है।

57. According to Durkheim, it is possible to make the claim of being Science, as systematization, classification and offering explanation on the basis of which of the following?
निम्नलिखित में से किसके आधार पर दुर्खीम के अनुसार, व्यवस्थापन, वर्गीकरण और व्याख्या करने को विज्ञान होने का दावा करना संभव है?

(a) Externality /बाहरीपन (एक्स्टरनलिटी)
(b) Falsifiability /मिथ्यापन (फालसिफियबिलिटी)
(c) Internality /अंदरुनीपन (इंटरनलिटी)
(d) Subjectivity /आत्मपरकता (सब्जेक्टिविटी)

Ans. (a) : बाहरीपन (एक्सटरनलिटी) के आधार पर दुर्खीम के अनुसार व्यवस्थापन, वर्गीकरण और व्याख्या करने को विज्ञान होने का दावा करना संभव है।

58. The Exchange Theory was propounded and/or advanced by which one of the following sociologists?
निम्नलिखित में से किन समाजशास्त्रियों ने विनिमय सिद्धांत का प्रवर्तन किया है तथा उसे आगे बढ़ाया है?

A. B. Malinowski/बी. मैलिनोवस्की
B. P.M. Blau/पी.एम.ब्लाउ
C. A. R. Radcliffe Brown/ए.आर. रैडक्लिफ ब्राउन
D. G. Homans/ जी. होमान्स
E. Talcott Parsons/टालकॉट पार्सन्स

Choose the *correct* answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B and D/A, B और D
(b) A, B and C/A, B और C
(c) A, C, D and E/ A, C, D और E
(d) B, C, D and E/B, C, D और E

Ans. (a) : बी. मैलिनोवस्की, पी.एम. ब्लाउ और जी. होमन्स समाजशास्त्रियों ने विनिमय सिद्धान्त का प्रवर्तन किया है तथा उसे आगे बढ़ाया है। आधुनिक विनिमय सिद्धान्त के विकास का श्रेय सामान्यतः थीबाऊ एवं कैली तथा होमान्स को दिया जाता है। इनके विनिमय सिद्धान्त पर बहुत कुछ मात्रा में व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिक स्कीनर के विचारों की छाप अंकित है। ऐसा कहा जाता है कि होमान्स के विनिमय सिद्धान्त का जन्म समाजशास्त्र के भीम कहे जाने वाले टी. पार्सन्स के सामाजिक क्रिया सिद्धान्त की प्रतिक्रिया के फलस्वरूप हुआ है।

59. Arrange the writings of Durkheim in chronological order
दुर्खाइम की निम्नलिखित कृतियों को सही कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:

A. Moral Education/मोरल एजुकेशन
B. The Division of Labour
द डिविजन ऑफ लेबर
C. The Rules of Sociological Method
द रूल्स ऑफ सोशियोलॉजिकल मेथड
D. Suicide/स्यूसाइड
E. The Elementary Forms of The Religious Life
द एलिमेंट्री फार्म्स ऑफ द रिलिजियस लाइफ

Choose the correct answer from the options given below
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, C, D, B, E
(b) B, C, D, E, A
(c) C, B, E, A, D
(d) D, E, C, B, A

Ans. (b) : दुर्खीम की निम्नलिखित कृतियों का सही कालक्रम इस प्रकार है –
- द डिविजन ऑफ लेबर, (1893)
- द रुल्स ऑफ सोशियोलॉजिकल मेथड, (1895)
- स्यूसाइड, (1897)
- द एलिमेंट्री फार्म्स ऑफ द रिलिजियस लाइफ, (1912)
- मॉरल एजुकेशन, (1925)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

60. Given below are two statements
नीचे दो कथन दिए गए है:

Statement I: According to A. van Gennep, a direct rite is a curse or a spell.
कथन- I: ए, वैन जेनेप के अनुसार कोई प्रत्यक्ष अनुष्ठान (डायरेक्ट राइट) कोई अभिशाप अथवा घटनावधि (स्पेल) होता है।

Statement II: Direct rites are designed to produce results immediately, without intervention by any outside agent
कथन- II: प्रत्यक्ष अनुष्ठान किसी बाहरी अभिकर्ता (एजेंट) के हस्तक्षेप के बिना तत्काल परिणाम की प्राप्ति हेतु किए जाते हैं।

In light of the above statements, choose the *most appropriate* answer from the options given below
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both Statement I and Statement II are correct कथन I और II दोनों सही हैं
(b) Both Statement I and Statement II are incorrect /कथन I और II दोनों गलत हैं
(c) Statement I is correct but Statement II is incorrect /कथन I सही है किन्तु कथन II गलत है
(d) Statement I is incorrect but Statement II is correct /कथन I गलत है किन्तु कथन II सही है

Ans. (a) : ए. वैन जेनेप के अनुसार कोई प्रत्यक्ष अनुष्ठान (डायरेक्ट राइट) कोई अभिशाप अथवा घटनाविधि (स्पेल) होता है क्योंकि प्रत्यक्ष अनुष्ठान किसी बाहरी अभिकर्ता (एजेंस) के हस्तक्षेप के बिना तत्काल परिणाम की प्राप्ति हेतु किए जाते हैं। अतः कथन (i) और (ii) दोनों सही हैं।

61. Which village was studied by Andre Beteille in his work on '*Caste, Class and Power*'?
'जाति, वर्ग और शक्ति' में आन्द्रे बेतै अपने कार्य 'कास्ट, क्लास एण्ड पावर' में किस गाँव का अध्ययन किया?

(a) Kumbapettai /कुम्बापेट्टई
(b) Mohana /मोहाना
(c) Rampura /रामपुरा
(d) Sripuram /श्रीपुरम

Ans. (d) : 'जाति, वर्ग और शक्ति, (1965) में आन्द्रे बेतेई ने श्रीपुरम गाँव का अध्ययन किया है। जिसका मुख्य कारण था धर्म संस्थानों की भूमिका को समझना।
उनकी अन्य प्रमुख कृतियां निम्न हैं–
Inequality and social Change, (1972)
Studies in Agrarian social structure, (1974)

62. According to Manuel Castells, Informational Revolution is:
मैनुअल कैसल्स के अनुसार, सूचना संबंधी क्रांति है:

A. A new social order
एक नई सामाजिक व्यवस्था
B. A network society
एक नेटवर्क का समाज
C. Legitimation crisis
वैधीकरण का संकठ

Choose the *correct* answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(a) A and B only/केवल A और B
(b) A and C only/केवल A और C
(c) B and C only/केवल B और C
(d) C only/केवल C

Ans. (a) : मैनुअल कैसल्स के अनुसार, एक नयी सामाजिक व्यवस्था और एक नेटवर्क समाज, सूचना सम्बन्धी क्रांति है।

63. In which type of reading, the Reader accepts the dominant codes and conventions but may question their use in terms of his/her own experience?/पाठक प्रमुख कोड और परिपाटियों की स्वीकार करता है परन्तु वह अपने स्वयं के अनुभव के आधार पर उनके प्रयोग के संबंध में प्रश्न कर सकता है। संबंधित पठन की पहचान कीजिए?

A. Dominant reading/प्रभावी पठन
B. A negotiated reading
वार्तालाप (नेगोसिएटिड) पठन
C. An oppositional reading/विरोधकारी पठन

Choose the *correct* answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A only/केवल A
(b) A, B and C/केवल A, B, C
(c) B only/केवल B
(d) C only/केवल C

Ans. (c) : पाठक प्रमुख कोड और परिपाटियों को स्वीकार करता है, परन्तु वह अपने स्वयं के अनुभव के आधार पर उनके प्रयोग के सम्बन्ध में प्रश्न कर सकता है उसे वार्तालाप (नेगोसिएटिड) पठन कहते हैं।

64. Which of the following aspect(s) is/are NOT associated with the works of M. N. Srinivas?
निम्नलिखित में से कौन–सा/कौन–से पहलू एम.एन. श्रीनिवास के कार्यों से सम्बंधित नहीं है/ हैं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

A. Statistical-view of caste
जाति का सांख्यिकीय दृष्टिकोण

B. Field-view of caste
जाति का क्षेत्रीय (फील्ड) दृष्टिकोण

C. Functional unity of caste
जाति की प्रकार्यात्मक एकता

Choose the *correct* answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A only/केवल A
(b) B and C only/केवल B और C
(c) B only/केवल B
(d) C only/केवल C

Ans. (a) : जाति का सांख्यिकीय दृष्टिकोण एम0एन0 श्रीनिवास के कार्यों से सम्बन्धित नहीं है जबकि जाति का श्रेत्रीय (फिल्ड) दृष्टिकोण एवं जाति की प्रकार्यात्मक एकता श्रीनिवास के कार्यों से सम्बन्धित है।

65. According to Pippa Norris, the concept of the digital divide encompasses which three of the following distinct aspects?
पीपा नोरिस के अनुसार, अंकीय विभाजन (डिजिटल डिवाइड) में तीन कौन से भिन्न पहलू हैं:

A. Global divide
वैश्विक विभाजन (ग्लोबल डिवाइड)

B. Local divide
स्थानीय विभाजन (लोकल डिवाइड)

C. Social divide
सामाजिक विभाजन (सोशल डिवाइड)

D. Democratic divide
लोकतांत्रिक विभाजन (डेमोक्रेटिक डिवाइड)

E. Economic divide
आर्थिक विभाजन (इकॉनॉमिक डिवाइड)

Choose the *correct* answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B and C/केवल A, B, C
(b) A, C and D/केवल A, C, D
(c) B, D and E/केवल B, D, E
(d) C, D and E/केवल C, D, E

Ans. (b) : पीपा नोरिस के अनुसार, अंकीय विभाजन (डिजिटल डिवाइस) में तीन निम्न पहलू हैं–
(i) वैश्विक विभाजन (ग्लोबल डिवाइड)
(ii) सामाजिक विभाजन (सोशल डिवाइड)
(iii) लोकतांत्रिक विभाजन (डेमोक्रेटिक डिवाइड)

66. Match List I with List II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

Ideas/विचार	Explanation/व्याख्या
A. Analytic Hermeneutics विश्लेषणात्मक शास्त्रमीमांसा (एनालिटिक हर्मेन्यूटिक्स)	**I. Meaning determines reference and our understanding of the being of entities अर्थ सन्दर्भ का निर्धारण करता है तथा हमारे अस्तित्व के होने का बोध वही है जो हमारे अस्तित्व का निर्धारण करता है**
B. Hermeneutic Realism शास्त्रार्थमीमांसा परक यथार्थवाद (हर्मेन्यूटिक रिएलिज्म)	**II. Methodology of Interpretation निर्वचन का पद्धतिशास्त्र**
C. Hermeneutic Idealism शास्त्रार्थमीमांसा परम आदर्शवाद(हर्मेन्यूटिक आइडियलिज्म)	**III. Combining analytic philosophy with hermeneutics विश्लेषणात्मक दर्शन को शास्त्रार्थमीमांसा के साथ संयोजन**
D. Hermeneutics शास्त्रार्थमीमांसा	**IV. Nature in itself and Science provides an explanation प्रकृति स्वयं है तथा विज्ञान व्याख्या प्रदान करता है**

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A - I, B - II, C - IV, D - III
(b) A - III, B - I, C - IV, D - II
(c) A - III, B - IV, C - I, D - II
(d) A - IV, B - II, C - III, D - I

Ans. (c) : सुमेलित सूची इस प्रकार है :-

सूची (i) (विचार)	सूची (ii) (व्याख्या)
विश्लेषणात्मक शास्त्रमीमांसा (एनालिटिक हर्मेन्यूटिक्स)	विश्लेषणात्मक दर्शन को शास्त्रार्थमीमांसा के साथ संयोजन
शास्त्रार्थमीमांसा परक यथार्थवाद (हर्मेन्यूटिक रिएलिज्म)	प्रकृति स्वयं है तथा विज्ञान व्याख्या प्रदान करता है।
शास्त्रार्थमीमांसा परक आदर्शवाद (हर्मेन्यूटिक आइडियलिज्म)	अर्थ सन्दर्भ का निर्धारण करता है तथा हमारे अस्तित्व के होने का बोध वही है जो हमारे अस्तित्व का निर्धारण करता है।
शास्त्रार्थमीमांसाा	निर्वाचन का पद्धतिशास्त्र

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

67. Who said that monogamous marriage developed not to unite men and women in marital bliss, but to protect private property?
यह किसने कहा था कि एकल विवाह प्रादुर्भाव, पुरुषों और महिलाओं को वैवाहिक बंधन में बांधने के लिए नहीं बल्कि निजी संपत्ति की रक्षा करने के लिए हुआ था?

A. Friedrich Engels/फ्रेडरिक एंजिल्स

B. Karl Marx/कार्ल मार्क्स

C. Schulasmith Firestone/सुलास्मिथ फायरस्टोन

Choose the *correct* answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A only/केवल A
(b) A, B and C/केवल A, B और C
(c) B only/केवल B
(d) C only/केवल C

Ans. (a) : फ्रेडरिक एंजिल्स ने कहा था कि एकल विवाह प्रादुर्भाव, पुरुषों और महिलाओं को वैवाहिक बंधन में बांधने के लिए नहीं, बल्कि निजी संपत्ति की रक्षा करने के लिए हुआ था।

68. Arrange the following functionalists in chronological order as they have contributed
निम्नलिखित प्रकार्यवादियों को उनके द्वारा दिए गए योगदान के कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए :

A. A. R. Radcliffe Brown/ए.आर. रैडक्लिफ-ब्राउन

B. B. Malinowski/बी. मेलिनोवस्की

C. E. Durkheim/ई. दुर्खाइम

D. R. K. Merton/आर.के. मर्टन

E. Talcott Parsons/टालकॉट पार्सन्स

Choose the *correct* answer from the options given below
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(A) A, D, B, C, E
(b) B, A, C, D, E
(c) B, C, A, D, E
(d) C, B, A, E, D

Ans. (d) : निम्नलिखित प्रकार्यवादियों का उनके द्वारा दिए गए योगदान का सही कालक्रम निम्न प्रकार है –

→ इमाइल दुर्खीम, (1858-1917)
→ बी. मैलिनोवस्की, (1884-1942)
→ ए.आर. रेडक्लिफ-ब्राउन, (1881-1955)
→ टालकॉट पार्सन्स, (1902-1979)
→ आर.के. मर्टन, (1910-) इत्यादि।

69. Given below are two statements
नीचे दो कथन दिए गए हैं:

Statement I: According to A. Schutz, the world of everyday life is not permeated by the epoch of the natural attitude.
कथन-I : ए.शुट्ज के अनुसार, प्राकृतिक अभिवृत्ति के काल द्वारा दैनिक जीवन की दुनिया पारगम्य नहीं होती है।

Statement II: All the objects of the Social World are constituted within a framework of familiarity and pre-acquaintanceship.
कथन-II : सामाजिक दुनिया की सभी वस्तुएं सुविज्ञता तथा पूर्व-परिचितता के अंतर्गत ढांचे के भीतर बनती हैं।

In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both Statement I and Statement II are correct
कथन I और II दोनों सही हैं
(b) Both Statement I and Statement II are incorrect /कथन I और II दोनों गलत हैं
(c) Statement I is correct but Statement II is incorrect /कथन I सही है किन्तु कथन II गलत है
(d) Statement I is incorrect but Statement II is correct /कथन I गलत है किन्तु कथन II सही है

Ans. (d) : ए.शुट्ज के अनुसार प्राकृतिक अभिवृत्ति के काल द्वारा दैनिक जीवन की दुनिया पारगम्य होती है एवं सामाजिक दुनिया की सभी वस्तुएं सुविज्ञता तथा पूर्व - परिचितता के अन्तर्गत ढांचे के भीतर बनती हैं। अतः कथन (i) गलत है, किन्तु कथन (ii) सही है।

70. 'All truths are ideologically biased, all truths ultimately reflect the interest and biases of social groups', whose views are these?
'सभी सच सैद्धांतिक रूप से पक्षपाती होते हैं, सभी सच अंततः सामाजिक समूहों के स्वार्थ और प्रवृत्ति को दर्शाते हैं' यह किसका मत है।

(a) Charles Lemert/चार्ल्स लेमर्ट
(b) Clifford Geertz/क्लिफोर्ड ग्रीट्ज
(c) Karl Mannheim/कार्ल मैनहोम
(d) Karl Marx/कार्ल मार्क्स

Ans. (c) : कार्ल मैनहीम के अनुसार, 'सभी सच सैद्धांतिक रूप से पक्षपाती होते हैं, सभी सच अंततः सामाजिक समूहों के स्वार्थ और प्रवृत्ति को दर्शाते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

71. Match List I with List II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

List I/सूची-I (Concepts) (अवधारणा)	List II/सूची-II (Sociologists) (समाजशास्त्री)
A. Proletariat सर्वहारा	I. W. H. Wiser डब्ल्यू. एच. वाइजर
B. Spirit of Capitalism पूंजीवाद की विचारधारा	II. Emile Durkheim एमाईल दुर्खाइम
C. Division of Labour श्रम का विभाजन	III. Karl Marx कार्ल मार्क्स
D. Exchange (Jajmani system) आदान-प्रदान (जजमानी व्यवस्था)	IV. Max Weber मैक्स वेबर

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A - I, B - II, C - III, D - IV
(b) A - II, B - III, C - IV, D - I
(c) A - III, B - IV, C - II, D - I
(d) A - IV, B - I, C - II, D - III

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

सूची (i) (अवधारणा)		सूची (ii) (समाजशास्त्री)
सर्वहारा	-	कार्ल मार्क्स
पूंजीवाद की विचारधारा	-	मैक्स वेबर
श्रम का विभाजन	-	इमाइल दुर्खीम
आदान-प्रदान (जजमानी व्यवस्था)	-	डब्ल्यू.एच. वाइज़र

72. Within the feminist movement, a wide and diverse range of theories have emerged. Arange these perspectives in sequence
नारीवादी आंदोलन में व्यापक तथा अनेक प्रकार के सिद्धांत दिए गए हैं, इन परिप्रेक्ष्यों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

A. Marxist feminism/मार्क्सवादी नारीवाद
B. Post-Modern feminism/उत्तर-आधुनिक नारीवाद
C. Liberal feminism/उदारवादी नारीवाद
D. Black feminism श्याम (अश्वेत) नारीवाद (ब्लैक फेमिनिज्म)
E. Radical feminism/उग्र नारीवाद

Choose the *correct* answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, C, B, E, D
(b) B, A, E, C, D
(c) C, A, E, D, B
(d) E, D, C, B, A

Ans. (c) : नारीवादी आन्दोलन में व्यापक तथा अनेक प्रकार के सिद्धान्त दिए गए हैं, इन परिप्रेक्ष्यों का सही कालक्रम निम्न प्रकार है- उदारवादी नारीवाद→ मार्क्सवादी नारीवाद→ उग्र नारीवाद→ श्याम (अश्वेत) नारीवाद (ब्लैक फेमिनिज्म)→उत्तर-आधुनिक नारीवाद।

73. Arrange the following states according to their level of urbanization in descending order as per the Census 2011
निम्नलिखित राज्यों की वर्ष 2011 में की गई जनगणना के अनुसार शहरीकरण के उनके स्तर को अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

A. Himachal Pradesh हिमाचल प्रदेश
B. Tamil Nadu तमिलनाडु
C. Gujarat गुजरात
D. Haryana हरियाणा
E. Punjab पंजाब

Choose the *correct* answer from the options given below
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, C, D, B, E
(b) B, C, E, D, A
(c) C, D, B, A, E
(d) E, D, C, A, B

Ans. (b) : निम्नलिखित राज्यों की जनगणना (2011) के अनुसार शहरीकरण की सही अवरोही क्रम निम्न प्रकार है-
तमिलनाडु→ गुजरात→ पंजाब→ हरियाणा→ हिमाचल प्रदेश।

74. Who has devised a theory of social conflict on understanding the central characteristics of the "nomadic" and "sedentary" societies of his time?
सामाजिक संघर्ष के सिद्धांत का प्रतिपादन अपने समय के 'खानाबदोश' और 'आसीन' समाजों की केंद्रीय विशेषताओं को समझने के लिए किसने किया?

(a) Harriet Martineau/हैरिक्ट मार्टिन्यू
(b) Ibn Khaldun /इब्न खाल्दून
(c) Karl Marx/कार्ल मार्क्स
(d) Randall Collins/रैंडाल कॉलिन्स

Ans. (b) : इब्न खाल्दून ने सामाजिक संघर्ष के सिद्धान्त का प्रतिपादन अपने समय के 'खानाबदोश' और 'आसीन' समाजों की केन्द्रीय विशेषताओं को समझने के लिए किया।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

75. Match List I with List II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List I/ सूची-I (Authors) (लेखक)	List II/सूची-II (Books) (पुस्तकें)
A. J. W. de Wit जे. डब्ल्यू ड विट	I. Sociology of Slum सोशियोलॉजी ऑफ स्लम
B. Vinit Mukhija विनीत मुखिजा	II. Shadow Cities: A Billion Squatters, A New Urban World शैडो सिटीज : ए बिलियन स्क्वेटर्स, ए न्यू अर्बन वर्ल्ड
C. Robert Neuwirth राबर्ट न्यूविर्थ	III. Policy, Poverty and Politics in Madras Slums/पॉलिसी, पॉवर्टी एंड पॉलिटिक्स इन मद्रास स्लम
D. M. S. Dhadave एम.एस. धादेव	IV. Squatters as Developers? Slum Redevelopment in Mumbai/स्क्वैटर्स एज डेवलपर्स ? स्लम रिडेवलपमेंट इन मुंबई

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A - I, B - II, C - III, D - IV
(b) A - II, B - III, C - IV, D - I
(c) A - III, B - IV, C - II, D - I
(d) A - IV, B - II, C - I, D - III

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है –

सूची (i) (लेखक)	सूची (ii) (पुस्तकें)
जे. डब्ल्यू. ड विट	पॉलिसी, पॉवर्टी एडं पॉलिटिक्स इन मद्रास स्लम
विनीत मुखिजा	स्क्वेटर्स एज डेवलेपर्स ? स्लम रिडेवलपमेंट इन मुम्बई
राबर्ट न्यूविर्थ	शैडो सिटीज : ए बिलियन स्क्वेटर्स, ए न्यू अर्बन वर्ल्ड
एम. एस. धादेव	सोशियोलॉजी ऑफ स्लम

76. Michel Foucault has used which of the following concepts?
माइकेल फूको ने निम्नलिखित में से किन अवधारणाओं का उपयोग किया है?

A. Governmentality and Bio-politics
शासनीयता और जैव-राजनीति (गोवर्नमेंटलिटी एंड बायो-पॉलिटिक्स)

B. Bio-politics and Lifeworld
जैव-राजनीति और जीवन संसार (बायो पॉलिटिक्स एंड लाइफ वर्ल्ड)

C. Sovereignty and Discipline
संप्रभुता और अनुशासन (सावरेन्टि और डिसीप्लिन)

D. Archeology of Discourse and Solidarity
पुरातात्विक विमर्श और एकात्मकता (आर्कलॉजी ऑफ डिसकोर्स एंड सोलिडरिटी)

Choose the *correct* answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) A and C only/केवल A और C
(c) A and D only/केवल A और D
(d) B and C only/केवल B और C

Ans. (b) : माइकेल फूको ने निम्नलिखित अवधारणाओं का उपयोग किया है –
- शासनीयता और जैव-राजनीति (गोवर्नमेंटलिटी एण्ड बायो पॉलिटिक्स)
- संप्रभुता और अनुशासन (सावरेन्टि और डिसीप्लिन)

77. Match List I with List II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List I/सूची-I Book/Works (ग्रन्थ/रचना)	List II/सूची-II Sociologists (समाजशास्त्री)
A. Research Methods in Social Relations रिसर्च मेथड्स इन सोशल रिलेशन्स	I. Goode and Hatt गूडे और हैट
B. Methods in Social Research मेथड्स इन सोशल रिसर्च	II. Schuessler and Mueller शुसलर एंड मुलर
C. The Rules of Sociological Method द रुल्स ऑफ सोशियोलॉजिकल मेथड	III. Seltiz, Jahoda *et. al.* सैल्टिज, जहोडा आदि
D. Statistical Reasoning in Sociology स्टैटिस्टिकल रीजनिंग इन सोशियोलॉजी	IV. Emile Durkheim एमाईल दुर्खाइम

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :
(a) A - I, B - II, C - III, D - IV
(b) A - II, B - III, C - IV, D - I
(c) A - III, B - I, C - IV, D - II
(d) A - III, B - IV, C - I, D - II

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

सूची (i) (ग्रन्थ / रचना)	सूची (ii) (समाजशास्त्री)
रिसर्च मेथड्स इन सोशियल रिलेशन्स	सैल्टिज, जहोदा आदि
मेथड्स इन सोशल रिसर्च	गूडे और हॉट
द रुल्स ऑफ सोशियोलॉजिकल मेथड	इमाइल दुर्खीम
स्टैटिस्टिकल रीजनिंग इन सोशियोलॉजी	शुसलर एण्ड मुलर

78. Who emphasized the significance of the dialectical model in studying rural society?
किसने ग्रामीण समाज के अध्ययन में द्वंद्वात्मक प्रारुप पर बल दिया?
(a) A. B. Mukherji/ए.बी. मुखर्जी
(b) P. N. Mukherji/पी.एन. मुखर्जी
(c) Ramkrishna Mukherjee/रामकृष्ण मुखर्जी
(d) Sudipta Mukherjee/सुदीप्तो मुखर्जी

Ans. (c) : रामकृष्ण मुखर्जी ने ग्रामीण समाज के अध्ययन में द्वंद्वात्मक प्रारुप पर बल दिया है। द्वंद्वात्मक का साधारण अर्थ वाद-विवाद या तर्क-वितर्क करना है। चिन्तन की इस प्रणाली का प्रयोग प्रसिद्ध दार्शनिक हीगल द्वारा किया गया है।
हीगल के अनुसार, "संसार में प्रत्येक वस्तु की विरोधी, अर्थात् प्रतिवादी वस्तु अवश्य होती है।"

79. Arrange the following three stages proposed by August Comte in the proper sequence
अगस्ट कॉम्टे ने निम्नलिखित तीन चरण प्रस्तुत किए हैं, उन्हें सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :
A. Theological stage/धर्मशास्त्रीय चरण
B. Positive stage/निश्चयात्मक चरण
C. Metaphysical stage/तत्वमीमांसीय चरण
Choose the *correct* answer from the options given below
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :
(a) A, B, C
(b) A, C, B
(c) B, C, A
(d) C, B, A

Ans. (b) : ऑगस्त कॉम्ट के अनुसार समाजशास्त्र सामाजिक घटनाओं का स्वतंत्र अध्ययन करने वाला विषय है, किन्तु इस समाज का विकास कैसे हुआ? इस संदर्भ में कॉम्ट ने एक सिद्धान्त प्रतिपादित किया जिसे 'चिन्तन का त्रिस्तरीय सिद्धान्त' कहते हैं। इसका सही क्रम इस प्रकार है- (1) धर्मशास्त्रीय चरण (धार्मिक स्तर), (2) तत्वमीमांसीय चरण (तात्विक स्तर), (3) निश्चयात्मक चरण (प्रत्यक्षवादी स्तर)

80. Match List I with List II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List I/ सूची-I Authors/लेखक	List II/सूची-II Books/पुस्तकें
A. Ann Oakley आन ओक्ले	I. The Future of Feminism/द फ्यूचर ऑफ फेमिनिज्म
B. Erwing Goffman इरविंग गॉफमैन	II. The Captured Womb: A History of the Medical Care of Pregnant Women द कैपचर्ड वुम्ब : ए हिस्ट्री ऑफ द मेडिकल केअर ऑफ प्रेगनेंट वीमेन
C. Richard Jenkins रीचर्ड जेनकिंस	III. Forms of Talk फार्म्स ऑफ टॉक
D. Sylvia Walby सिल्विया वाल्बी	IV. Social Identity सोशल आइडेंटिटी

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A - II, B - III, C - IV, D - I
(b) A - III, B - II, C - I, D - IV
(c) A - III, B - IV, C - II, D - I
(d) A - IV, B - I, C - III, D - II

Ans. (a) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है :-

सूची (i) (लेखक)	सूची (ii) (पुस्तकें)
आन ओक्ले	द कैपचर्ड वुम्ब : ए हिस्ट्री ऑफ द मेडिकल केअर ऑफ प्रेगनेंट वीमेन
इरविंग गॉफमैन	फार्म्स ऑफ टॉक
रिचर्ड जेनकिंस	सोशल आइडेंटिटी
सिल्विया वाल्बी	द फ्यूचर ऑफ फेमिनिज्म

81. Who among the following considered person-to-person relations and actually existing relations as constituting the social structure?
यह किसने माना कि सामाजिक संरचना में व्यक्ति का व्यक्ति के साथ सभी सामाजिक संबंध वास्तव में यथार्थ संबंध होते हैं?
(a) A. R. Redcliffe Brown/ए.आर. रेडक्लिफ-ब्राउन
(b) M. Ginsberg/एम. जिन्सबर्ग

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) R. K. Merton/आर.के. मर्टन
(d) Raymond Firth/रेमंड फर्थ

Ans. (a) : ए.आर. रेडक्लिफ–ब्राउन ने माना कि, सामाजिक संरचना में व्यक्ति का व्यक्ति के साथ सभी सामाजिक सम्बन्ध वास्तव में यथार्थ सम्बन्ध होते हैं।

82. Which of the following are the four institutional imperatives, according to Robert K. Merton?
राबर्ट के मर्टन के अनुसार निम्नलिखित में से कौन चार संस्थागत मजबूरियां हैं?

A. Universalism
सार्वभौमवाद (यूनिवर्सलिज्म)
B. Particularism
विशिष्टकारणवाद (पार्टिकुलरिज्म)
C. Communism/साम्यवाद (कम्यूनिज्म)
D. Disinterestedness
अनभिरुचि (डिसइंटेरेटेडनेस)
E. Organized skepticism
संगठित संशयवाद (आर्गनाइज्ड स्केप्टिसिज्म)

Choose the *correct* answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B, C and D only/केवल A, B, C, D
(b) A, B, D and E only/केवल A, B, D, E
(c) A, C, D and E only/केवल A, C, D, E
(d) B, C, D and E only/केवल B, C, D, E

Ans. (c) : राबर्ट के. मर्टन के अनुसार,"चार संस्थागत मजबूरियाँ निम्न प्रकार हैं –

- सार्वभौमवाद (यूनिवर्सलिज्म)
- साम्यवाद (कम्यूनिज्म)
- अनभिरूचि (डिसइंटेरेटेडनेस)
- संगठित संशयवाद (आर्गनाइज्ड स्केप्टिसिज्म)

83. Power commands:
शक्ति किस पर प्रभुत्व रखती है:

A. Obedience/आज्ञाकारिता
B. Popularization/प्रसिद्धिकरण
C. Submission/अधीनता-स्वीकरण

Choose the *most appropriate* answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and C only /केवल A और C
(b) A, B and C /A, B और C
(c) B only/केवल B
(d) C only/केवल C

Ans. (a) : शक्ति आज्ञाकारिता एवं अधीनता-स्वीकरण पर प्रभुत्व रखती है। शक्ति एक व्यक्ति की अपनी इच्छाओं की पूर्ति की क्षमता है, चाहे दूसरे व्यक्ति इसका विरोध करते हों। अतः शक्ति एक प्रकार के सामाजिक सम्बन्धों को इंगित करती हैं।

84. Arrange the Varna Ashrams of the Hindu way of life in the correct sequence
हिन्दू जीवन पद्धति के अनुसार, निम्नलिखित को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

A. Grihastha Ashram/गृहस्थ आश्रम
B. Sanyas Ashram/संन्यास आश्रम
C. Brahmacharya Ashram/ब्रह्मचर्य आश्रम
D. Vanaprastha Ashram/वानप्रस्थ आश्रम

Choose the *correct* answer from the options given below
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B, C, D
(b) B, A, D, C
(c) C, A, D, B
(d) D, C, A, B

Ans. (c) : हिन्दू जीवन पद्धति के अनुसार, सही क्रम निम्न प्रकार है – ब्रह्मचर्य आश्रम, गृहस्थ आश्रम, वानप्रस्थ आश्रम एवं संन्यास आश्रम।

85. In which one of the following approaches, sexual division of labour was taken for granted and as natural?
निम्नलिखित में से किस उपागम में श्रम के लिंग आधारित विभाजन को स्वाभाविक माना गया?

(a) Gender and Development (GAD)
लिंग (जेंडर) और विकास (जेण्डर ए.डी.)
(b) Postmodernism and Development (PAD)
उत्तर-आधुनिकतावाद और विकास (पी.ए.डी.)
(c) Women and Development (WAD)
महिलाएँ और विकास (डब्ल्यू.ए.डी.)
(d) Women in Development (WID)
विकास में महिलाएँ (डब्ल्यूआईडी)

Ans. (d) : विकास में महिलाएँ (डब्ल्यू.आई.डी.) उपागम में श्रम के लिंग आधारित विभाजन को स्वाभाविक माना गया।

86. Depletion of the ozone layer in the stratosphere is responsible for:
समताप मंडल में ओजोन परत की क्षीणता उत्तरदायी है-

(a) Cholera/हैजा
(b) Increase in Carbon dioxide
कार्बनडाई ऑक्साइड की बढ़ोतरी
(c) Increase in Sulphur dioxide
सल्फर-डाइ ऑक्साइड में बढ़ोतरी
(d) Skin cancer/त्वचा कैंसर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : समताप मंडल में ओजोन परत की क्षीणता से पृथ्वी की सतह पर यूवी विकिरण का स्तर बढ़ जाता है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। नकारात्मक प्रभावों में यह कुछ प्रकार के त्वचा कैंसर, आंखों के मोतियाबिंद और प्रतिरक्षा की कमी जैसी बीमारियों के लिए उत्तरदायी है।

87. Which of the following are true about the sociology of consumption?
उपभोग के समाजशास्त्र के बारे में निम्नलिखित में से कौन से सही हैं?

A. Focus on material culture
भौतिक संस्कृति पर बल होता है

B. Focus on mass culture
जन-संस्कृति पर बल होता है

C. New approach to the analysis of equality and political power/समानता और राजनीतिक शक्ति के विश्लेषण हेतु नये उपागम

D. Largely emerging from capitalist societies
अधिकांशतः पूंजीवाद समाजों में इसका उद्भव होता है

E. New approach to the analysis of inequality and political alignments/असमानता और राजनीतिक गठजोड़ों के विश्लेषण हेतु नये उपागम

Choose the *correct* answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B, C and D only/केवल A, B, C, D
(b) A, B, D and E only/केवल A, B, D, E
(c) A, C, D and E only/केवल A, C, D, E
(d) B, C, D and E only/केवल B, C, D, E

Ans. (b) : उपभोग के समाजशास्त्र के बारे में सही कथन निम्न प्रकार हैं-
– भौतिक संस्कृति पर बल होता है
– जन-संस्कृति पर बल होता है
– अधिकांशतः पूँजीवादी समाजों में इसका उद्भव होता है।
– असमानता और राजनीतिक गठजोड़ों के विश्लेषण हेतु नये उपागम।

88. Which two of the following are the cleanest cities of India, as per the Government of India Survey of 2020?
भारत सरकार के वर्ष 2020 के सर्वेक्षण के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-से दो शहर सर्वाधिक स्वच्छ शहर हैं?

A. Chandigarh/चंडीगढ़
B. Indore/इन्दौर
C. Navi Mumbai/नवी मुम्बई
D. Surat/सूरत

Choose the *correct* answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and C only/केवल A और C
(b) A, and D only/A और D
(c) B and Conly/केवल B और C
(d) B and D only/केवल B और D

Ans. (d) : भारत सरकार के वर्ष 2020 के सर्वेक्षण के अनुसार इन्दौर एवं सूरत सर्वाधिक स्वच्छ शहर हैं।

89. Which one of the following is a suspicion of outsiders combined with a tendency to evaluate the culture of others in terms of one's own culture?
किसी बाह्य व्यक्ति पर संदेह करना है जिसमें किसी व्यक्ति का अपनी स्वयं की संस्कृति के आधार पर दूसरे व्यक्ति की संस्कृति का मूल्यांकन करने की प्रवृत्ति होती है, वह है:

(a) Assimilation/आत्मसात्करण स्वांगीकरण
(b) Ethnocentrism/नृजाति केन्द्रित
(c) Ethnography/नृजातिशास्त्र
(d) Racism/प्रजातिवाद

Ans. (b) : किसी बाह्य व्यक्ति पर संदेह करना है जिसमें किसी व्यक्ति का अपनी स्वयं की संस्कृति के आधार पर दूसरे व्यक्ति की संस्कृति का मूल्यांकन की प्रवृत्ति होती है वह नृजाति केन्द्रियतावाद कहलाता है इस अवधारणा का सर्वप्रथम प्रयोग डब्ल्यू.जी. समनर ने अन्तः समूह और बाह्य समूह के बीच ऐसी पक्षपातपूर्ण मनोवृत्तियों को समझाने के लिए किया जिनके द्वारा हम अपने रीति-रिवाजों, व्यवहार-प्रतिमानों और विश्वासों के बिना किसी आलोचना को अच्छा और उच्च ठहराते हैं।

90. Given below are two statements, one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R
नीचे दो कथन दिए गए हैं:

Assertion A: Eradicating poverty in all its forms including extreme poverty is the greatest global challenge
अभिकथन-(A) : आत्यंतिक निर्धनता सहित सभी प्रकार की निर्धनता को दूर करना सर्वाधिक चुनौती है।

Reason R: It is an indispensable requirement for sustainable development.
अभिकथन-(R) : यह सतत विकास के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है।

In light of the above statements, choose the *most* appropriate answer from the options given below
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) A is correct but R is not correct
(A) सही है, लेकिन (R) गलत है
(b) A is not correct but R is correct
(A) गलत है, लेकिन (R) सही है
(c) Both A and R are true and R is the correct explanation of A /(A) और (R) दोनों सही है और (R), A की सही व्याख्या है
(d) Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A/(A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

Ans. (c) : अत्यधिक निर्धनता सहित सभी प्रकार की निर्धनता को दूर करना सर्वाधिक चुनौती है क्योंकि यह सतत विकास के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। अतः (A) और (R) दोनों सही है और (R), A की सही व्याख्या है।

Direction: Read the given passage carefully and answer the question that follows

From the seeming irrelevancies of this archaeological gossip, some concrete meaning for the ambiguous term "knowledge" should yet have been emerging. It has at least been distinguished from instinctive "responses" and from what popular psychology terms "memories", as long as such remain personal and private. The knowledge embodied in the hand axes of the Old Stone Age was both useful and public. It enabled our remote precursors or ancestors to make serviceable tools such as they needed to supplement the deficiencies of their limbs and other bodily organs. And it was communicated to and transmitted by all human beings who made hand axes for thousands of generations. Thus this knowledge was preserved - but not only preserved. It was also enriched and extended. During the two or three hundred years over which hand axes were being made, archaeologists can detect improvements in their form and changes in the techniques of manufacture. More efficient tools were produced with less effort. These progressive changes reflect additions to knowledge, discoveries and inventions that were made public and incorporated in the traditional lore or knowledge used, transmitted and maintained by Old Stone Age societies. Of course, the progressive change observed in archaeologists' "hand axes" is just one case of the general technological progress from simple manual tools of stone and bone to complicated machines made of metallic alloys and other artificial substances and operated by electrical or even nuclear power. It is this technological progress that has secured for Homo sapiens the victory over all competitors in the evolutionary race for survival. But technological progress in its turn is just the result and consequence of the accumulation of knowledge. That accumulation was possible just because human knowledge is public; one member of the species can communicate to another what he has found out.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए:

'ज्ञान' की अस्पष्ट अवधारणा के लिए पुरातत्व संबंधी इस चर्चा के अप्रासंगिकता को देखते हुए उपयुक्त अर्थ का आना अभी बाकी है। इसे सहज 'प्रतिक्रियाओं' द्वारा कम से कम अलग किया गया है। इसे प्रसिद्ध मनोविज्ञान अवधारणाओं 'स्मृतियों' से अलग किया गया है और ये सब वैयक्तिक और निजी होता है। प्राचीन प्रस्तर युग के हाथ के हथौड़े से जुड़ा ज्ञान उपयोगी और सार्वजनिक था। इसने हमारे सुदूर के पूर्वगामियों अथवा पूर्वजों को उपयोगी औजारों को बनाने में सहायता की क्योंकि उन्हें अपने शरीर के अवयवों और अंगों की कमजोरियों को पूरा करने के लिए इनकी अवश्यकता थी। इसे उन सभी लोगों द्वारा संततियों को प्रसारित और हस्तांतरित किया गया जिन्होंने हाथ के हथौड़े का निर्माण किया। इस प्रकार इस ज्ञान को संरक्षित किया गया- परन्तु इसे केवल संरक्षित ही नहीं किया गया। इस ज्ञान का उन्नयन और विस्तार भी किया गया। दो अथवा तीन सौ हजार वर्ष की अवधि में पुरातत्वविद् बनाए गए हाथ के हथौड़े रूप में हुए सुधारों को ढूंढ़ सकता है जो उनके निर्माण की तकनीक में परिवर्तन को भी ढूँढ़ सकता है। कम प्रयास द्वारा ही बहुत प्रभावी औजारों का निर्माण किया गया। ये प्रभावी परिवर्तन ज्ञान में बढ़ोत्तरी को, खोजों को तथा आविष्कारों को दर्शाते हैं जिन्हें सार्वजनिक किया गया था तथा परंपरागत, विद्या (जनश्रुति) अथवा प्रयुक्त ज्ञान में समाहित किया गया और इन्हें प्राचीन प्रस्तर युगीन समाजों में हस्तांतरित और रखरखाव किया गया। पुरातत्वविदों द्वारा देखे गए इस प्रभावी परिवर्तन 'हाथ का हथौड़ा' मात्र एक सामान्य तकनीकी विकास का मामला है और वह भी हाथ से बनाए गए पत्थर और हड्डी के सरल औजार से लेकर धातुमिश्र से निर्मित जटिल मशीनों तक और कृत्रिम पदार्थों से निर्मित मशीनें जिन्हें विद्युत द्वारा और यहाँ तक कि नाभिकीय ऊर्जा द्वारा चलाया जाता है। यह वह तकनीकी प्रगति है जिसने मानव प्रजाति को जीवन मापन के लिए सभी प्रतिद्वंद्वियों से मानक जाति की जीत को सुनिश्चित किया है। परन्तु तकनीकी विकास अपने आप में ज्ञान संचालन का परिणाम और प्रभाव है। यह संचलन इसलिए संभव था क्योंकि मानव ज्ञान सार्वजनिक था, किसी भी प्रजाति का एक सदस्य अपने अर्जित ज्ञान को दूसरे तक प्रसारित करता था।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

91. Archaeologists can detect in the form of hand axes and change in_______
पुरातत्वविद हाथ के हथौड़े के रूपों और _______ में परिवर्तन को ढूंढ़ सकते हैं।

(a) Cost of manufacture /निर्माण की लागत
(b) Inputs in manufacture /उत्पाद में निवेश (इनपुट)
(c) Techniques of manufacture /उत्पाद की तकनीक
(d) Use of manufacture /उत्पाद का उपयोग

Ans. (c) : प्रश्नगत गद्यांश के अनुसार, पुरातत्वविद हाथ के हथौड़े के रूपों और उत्पाद की तकनीक में परिवर्तन को ढूँढ़ सकते हैं।

92. What was the knowledge embodied in the hand axes of the Old Stone Age?
प्राचीन पाषाण युग में हाथ की कुल्हाड़ी में निहित ज्ञान क्या था?

(a) Creative/रचनात्मक
(b) Progressive/प्रगतिवादी
(c) Scientific/वैज्ञानिक
(d) Useful/उपयोगी

Ans. (d) : प्रश्नगत गद्यांश के अनुसार, प्राचीन पाषाण युग में हाथ की कुल्हाड़ी में निहित ज्ञान उपयोगी था।

93. Technological progress is the result of the accumulation of _________
तकनीकी विकास किसके संचयन का परिणाम है?

(a) Knowledge/ज्ञान
(b) Raw-material/सामग्री
(c) Surplus/अधिशेष
(d) Wealth/समृद्धि

Ans. (a) : प्रश्नगत गद्यांश के अनुसार, तकनीकी विकास ज्ञान के संचयन का परिणाम है।

94. The distinction in knowledge has emphasized through _____
ज्ञान में अंतर के भेद पर किसके माध्यम से बल दिया गया है?

(a) Machines/मशीनें
(b) Manufacturing/उत्पादन
(c) Memories/स्मृतियाँ
(d) Myths/मिथक

Ans. (c) : प्रश्नगत गद्यांश के अनुसार, ज्ञान में अंतर के भेद पर स्मृतियों के माध्यम से बल दिया गया है।

95. Serviceable tools were needed to supplement the deficiencies of
वे औजार जिन्हें उपयोग में लाया जा सकता है उनकी आवश्यकता किसकी कमियों को पूरी करने के लिए थी?

(a) Bodily organs/शरीर के अवयव (अंग)
(b) Knowledge/ज्ञान
(c) Machines/मशीन
(d) Nuclear power/नाभिकीय ऊर्जा

Ans. (a) : प्रश्नगत गद्यांश के अनुसार, वे औजार जिन्हें उपयोग में लाया जा सकता है उनकी आवश्यकता शरीर के अवयव (अंग) की कमियों को पूरी करने के लिए थी।

Direction: Read the given passage carefully and answer the question that follows on the basis of the facts described in the passage

Bureaucracy in India offers a most structural foundation formodernization of the society and growth of a consensual normative order. It, no doubt, suffers from internal culture tensions; these tensions arise from role conflict in inter-structural participation of the bureaucrats; his familistic, caste and kin-oriented particularism might come into clash with the ideology of universalism in his bureaucratic roles; his personal loyalties might cut across the legal anonymity and abstractness of his 'office'. But these dangers have been over-rated and over-emphasized, on the false belief that these exclusively arise out of the less 'developed' and traditional nature of the Indian society; when we look deeper into it, many dysfunctions seem to be related with the phenomena of power and the relative deprivations of groups and classes. In this form such dysfunctions of bureaucracy may be comparable to those existing in the Western societies. It also emerges from the false assumption that functionally equivalent processes or results must everywhere follow structurally similar growth. This happens to be a popular fallacy in most of the thinking that goes on about modernization of the traditional societies.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए

भारत में नौकरशाही समाज के आधुनिकीकरण तथा एक सहमति-जन्य मानकीय व्यवस्था के विकास हेतु सर्वाधिक स्थायी संरचनात्मक नींव प्रदत्त करती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि नौकरशाही को आंतरिक सांस्कृतिक तनाव का सामना करना पड़ता हैं ये तनाव नौकरशाहें के अंतर-संरचनात्मक सहभागिता में भूमिका द्वंद्व से उत्पन्न होते हैं, उनकी परिवार, जाति तथा सगोत्र अभिमुखी अनन्यता (पार्टि कुलारिज़्म) उनकी नौकरशाह-सुलभ भूमिका में सार्वजनीकरण की

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

विचारधारा से टकराव उत्पन्न कर सकते हैं, उनकी व्यक्तिगत निष्ठा उनके 'कार्यालय' के विधिक अनामख तथा अमूर्तता के बीच से निकल सकती है। परन्तु इन खतरों को इस मिथ्या धारणा पर आवश्यक महत्त्व दिया गया तथा उन पर आवश्यकता से अधिक बल दिया गया है कि वे तनाव एकांतिक रूप से भारतीय समाज के अल्प 'विकसित' तथा पारंपरिक स्वरूप से उत्पन्न होते हैं : जब हम इस पर गहराई से विचार करते हैं तो पाते हैं कि अनेक अकार्यों का संबंध समूहों तथा वर्गों के शक्ति तथा सापेक्ष वचन की घटनाओं से होना प्रतीत होता है। इस स्वरूप में नौकरशाही के ऐसे अकार्यों की तुलना पश्चिमी समाज में विद्यमान अकार्यों से की जा सकती है। इस गलत पूर्वधारणा से कोई यह भी बात निकलकर आती है कि प्रकार्यात्मक रूप से समकक्ष प्रक्रियाओं तथा परिणामों ऐसी संरचनात्मक रूप से समान वृद्धि होगी। ऐसे अधिकांश चिंतन में अधिकांश भ्रांति होती है जिसमें पारंपरिक समाज के आधुनिकीकरण की बात होती है?

96. What is assumed about the Indian bureaucracy?
भारतीय नौकरशाही के विषय में क्या माना जाता है?

(a) Dysfunctional pattern/अकार्यात्मक प्रतिमान
(b) Functional equivalents are operating everywhere /प्रकार्यात्मक समकक्ष सर्वत्र कार्य करते हैं
(c) Process of change is occuring everywhere
परिवर्तन की प्रक्रिया सर्वत्र चल रही है
(d) Similarities between the Eastern and Western world/पूर्वी तथा पश्चिमी दुनिया में समानताएं

Ans. (b) : प्रश्नगत गद्यांश के अनुसार, भारतीय नौकरशाही के विषय में प्रकार्यात्मक समकक्ष सर्वत्र कार्य करते हैं।

97. Indian bureaucracy suffers mainly from which one of the following?
भारतीय नौकरशाही को निम्नलिखित में से मुख्यतया किसका सामना करना पड़ता है?

(a) External cultural tension
बाह्य सांस्कृतिक तनाव
(b) Internal cultural tensions
आंतरिक सांस्कृतिक तनाव
(c) Normative disorder
मानकीय अव्यवस्था
(d) Role conflict/भूमिका द्वंद्व

Ans. (b) : प्रश्नगत गद्यांश के अनुसार, भारतीय नौकरशाही को मुख्यतया आंतरिक सांस्कृतिक तनाव का सामना करना पड़ता है।

98. What is the orientation of bureaucrats in India due to which that bureaucratic structure becomes dysfunctional?
भारत में नौकरशाहों की क्या प्रवृत्ति है जिसके कारण नौकरशाही संरचना अकार्यात्मक हो जाती है?

(a) Caste and Kin oriented particularism
जाति तथा सगोत्र अभिमुख अनन्यता
(b) Class oriented particularism
वर्ग अभिमुख अनन्यता
(c) Ethnicity oriented particularism
नृजातीयता अभिमुख अनन्यता
(d) Racial and Class oriented particularism
नस्लीय तथा वर्ग अभिमुख अनन्यता

Ans. (a) : प्रश्नगत गद्यांश के अनुसार, भारत में नौकरशाहों की जाति तथा सगोत्र अभिमुख अनन्यता की प्रवृत्ति है, जिसके कारण नौकरशाही संरचना अकार्यात्मक हो जाती है।

99. Which one of the following institutions offers a stable structural foundation and growth of normative order in Indian society?
निम्निलिखित में से कौन-सी संस्था भारतीय समाज की स्थायी संरचनात्मक नींव तथा मानकीय व्यवस्था में वृद्धि प्रदान करती है?

(a) Aristocracy/कुलीनतंत्र
(b) Bureaucracy/नौकरशाही
(c) Democracy/लोकतंत्र
(d) Political parties/राजनीतिक दल

Ans. (b) : प्रश्नगत गद्यांश के अनुसार, नौकरशाही संस्था भारतीय समाज की स्थायी संरचनात्मक नींव तथा मानकीय व्यवस्था में वृद्धि प्रदान करती है।

100. In Indian society, dysfunction seems to be related to which one of the following?
भारतीय समाज में अकार्य का संबंध निम्नलिखित में से किससे होना प्रतीत होता है?

(a) Inequality/असमानता
(b) Only relative deprivation
केवल सापेक्ष वंचना
(c) Power and relative deprivation
शक्ति तथा सापेक्ष वंचन
(d) Structural differentiations
संरचनात्मक विभिन्नता

Ans. (c) : प्रश्नगत गद्यांश के अनुसार, भारतीय समाज में अकार्य का संबंध शक्ति तथा सापेक्ष वंचन से होना प्रतीत होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2021/जून-2022

समाजशास्त्र (Sociology)

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल (परीक्षा तिथि : 01.10.2022)

1. In his famous work on the changing stratification of a Tanjore village, Andre Beteille observed the changes in/तंजौर गाँव के बदलते स्तरीकरण पर अपनी प्रसिद्ध पुस्तक में आॅन्द्रे बेते ने .... में परिवर्तन अवलोकित किए–

(a) Caste system/जाति व्यवस्था
(b) Class system/वर्ग व्यवस्था
(c) Power system/शक्ति व्यवस्था
(d) All of the above/उपरोक्त सभी

Ans. (d) : तंजौर गाँव के बदलते स्तरीकरण पर अपनी प्रसिद्ध पुस्तक में आन्द्रे बेतेइ ने जाति व्यवस्था, वर्ग व्यवस्था तथा शक्ति व्यवस्था में परिवर्तन अवलोकित किए। ये भारतीय सामाजिक ढाँचे को परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

2. Production characterised by large number of standardized products made by highly specialized workers is known as/अत्यधिक विशिष्ट कामगारों द्वारा बड़ी संख्या में मानकीकृत उत्पादों की विशेषता से युक्त उत्पादन को क्या कहा जाता है–

(a) Factory production/कारखाने का उत्पादन
(b) Capitalistic production/पूँजीगत उत्पादन
(c) Mass production/थोक उत्पादन
(d) All of the above/उपर्युक्त में से सभी

Ans. (d) : अत्यधिक विशिष्ट कामगारों द्वारा बड़ी संख्या में मानकीकृत उत्पादों की विशेषता से युक्त उत्पादन को कारखाने का उत्पादन, पूँजीगत उत्पादन तथा थोक उत्पादन कहा जाता है।

3. Which were the general land tenure systems prevalent in rural India before independence?
स्वतंत्रता से पहले ग्रामीण भारत में कौन-सी सामान्य भूमि स्वामित्व व्यवस्थाएं (जनरल लैंड टेन्योर सिस्टम्स) प्रचलित थे?

A. Jamindari/जमीनदारी
B. Sajhedari/साझेदारी
C. Ryotwari/रैय्यतवाड़ी
D. Hawaldari/हवलदारी
E. Mahelwari/महलवाड़ी

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनेः

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) B, C and D only/केवल B, C और D
(c) C, D and E only/केवल C, D और E
(d) A, C and E only/केवल A, C और E

Ans. (d) : स्वतंत्रता से पहले ग्रामीण भारत में जमींदारी, रैयतवाड़ी तथा महालवाड़ी भूमि स्वामित्व व्यवस्थाएँ (जनरल लैन्ड टेन्योर सिस्टम्स) प्रचलित थीं। जमींदारी व्यवस्था मुगल शासन काल में प्रारम्भ हुई थी। इसके बाद वर्ष 1793 में लॉर्ड कार्नवालिस ने भूमिका स्वामित्व जमींदारों को देकर स्थायी बन्दोबस्त कर दिया था। यह प्रणाली पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, आंध्रप्रदेश और मध्यप्रदेश में सबसे अधिक प्रचलित थी। रैयतवाड़ी व्यवस्था थॉमस मुनरो और कैप्टन अलेक्जेंडर रीड द्वारा सर्वप्रथम मद्रास प्रेसीडेंसी में लागू किया गया था। जबकि महालवाड़ी व्यवस्था को आगरा व अवध में लार्ड विलियम बेंटिक द्वारा लोकप्रिय बनाया गया था और बाद में इसे मध्य प्रदेश तथा पंजाब तक बढ़ा दिया गया था। इस प्रणाली के तहत पूरे गांव की ओर से ग्राम प्रधानों द्वारा किसानों से भू-राजस्व एकत्र किया जाता था।

4. Who is known as the "bourgeois Marx"?
''बुर्जुआ मार्क्स'' के रूप में किसे जाना जाता है?

(a) Emile Durkheim/एमाइल दुर्खीम
(b) Max Weber/मैक्स वेबर
(c) Talcott Parsons/टालकॉट पारसंस
(d) Georg Simmel/जॉर्ज सिमेल

Ans. (b) : बुर्जुआ मार्क्स के रूप में मैक्स वेबर को जाना जाता है। इसका सबसे महत्वपूर्ण कारण नए नौकरशाही वर्ग के उदय पर उनका बहुत व्यापक कार्य है। यह नया मध्यम वर्ग था जो औद्योगिक क्रांति से निकला था। ये क्लर्क, फैक्ट्री मैनेजर, टीम लीडर, तकनीकी विशेषज्ञ आदि थे। इस प्रकार वेबर ने एक नए मध्यम वर्ग के उदय, एक नए पूँजीपति वर्ग और समाज पर इसके परिणामों का वर्णन किया, जिस तरह मार्क्स ने श्रमिक वर्ग के उदय, उसके परिणामों और अपरिहार्य क्रांति (जो कभी नहीं आई) का वर्णन किया है।

5. Which sociologist coined the concept, "social relationship" to describe patterned human interaction which is intentional, meaningful and symbolic?
निम्नलिखित में से किस समाजशास्त्री ने प्रतिरूपित (पैटर्न्ड) मानवीय अंतर्क्रिया के वर्णन के लिए ''सामाजिक संबंध'' अवधारणा की रचना की थी, जो अभिप्रेरित, सार्थक और प्रतीकात्मक है?

(a) C.H. Cooley/सी.एच. कूले
(b) Erving Goffman/इरविंग गोफमैन
(c) Max Weber/मैक्स वेबर
(d) V. Pareto/वी. पेरेटो

Ans. (c) : मैक्स वेबर ने प्रतिरूपित (पैटर्न्ड) मानवीय अंतर्क्रिया के वर्णन के लिए ''सामाजिक सम्बन्ध'' अवधारणा की रचना की थी, जो अभिप्रेरित, सार्थक और प्रतीकात्मक है।

6. The structure features of caste system are:
जाति प्रथा की संरचनागत विशेषताएं हैः

A. Openness/खुलापन
B. Segmental division/खण्डात्मक विभाजन
C. Hierarchy/पदानुक्रम
D. Non-hereditary occupations
गैर-आनुवंशिक व्यवसाय
E. Pollution and Purity/प्रदूषण और पवित्रता

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) A, B and E only/केवल A, B और E
(b) B, D and E only/केवल B, D और E
(c) B, C and E only/केवल B, C और E
(d) C, D and E only/केवल C, D और E

Ans. (c) : जातिप्रथा की संरचनागत विशेषताएँ खण्डात्मक विभाजन, पदानुक्रम, प्रदूषण और पवित्रता, अन्तर्विवाही, विकर्षण की क्रिया, भोजन तथा सामाजिक सहवास पर प्रतिबन्ध आदि हैं। घुर्ये ने जाति की प्रमुख छः विशेषताओं तथा लुई ड्यूमॉ ने प्रमुख चार विशेषताओं का उल्लेख किया है।

7. Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)/नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

Assertion (A) : Discrimination is a mode of behaviour.

अभिकथन (A): भेदभाव व्यवहार का एक तरीका है।

Reason (R) : To discriminate means to deny an individual or a group, a privilege or an opportunity or a pleasure that is thereupon reserved for one's own group.

कारण (R): भेदभाव करने का अभिप्राय किसी व्यक्त या समूह को वह सुविधा या अवसर या सुख प्रदान करने से मना करता है जो किसी के अपने समूह के लिए आरक्षित है।

In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explantion/(A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) is false but (R) is true
(A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : भेदभाव व्यवहार का एक तरीका है क्योंकि भेदभाव करने का अभिप्राय किसी व्यक्ति या समूह को वह सुविधा या अवसर या सुख प्रदान करने से मना करता है जो किसी के अपने समूह के लिए आरक्षित है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

8. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
A. Harijan हरिजन	1. Constitutional and administrative संवैधानिक एवं प्रशासनिक
B. SC/ST एस.सी./एस.टी.	2. Political and cultural राजनीतिक एवं सांस्कृतिक
C. Dalit/दलित	3. Political and administrative राजनीतिक और प्रशासनिक
D. Maha-Dalit महा-दलित	4. Moral and ethical नैतिक एवं रीती - नीति विषयक

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-IV, B-I, C-II, D-III
(c) A-IV, B-II, C-I, D-III
(d) A-III, B-II, C-IV, D-I

Ans. (b) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

हरिजन	-	नैतिक एवं रीती-नीति विषयक
एस.सी./एस.टी.	-	संवैधानिक एवं प्रशासनिक
दलित	-	राजनीतिक एवं सांस्कृतिक
महा-दलित	-	राजनीतिक एवं प्रशासनिक

9. A biological being is transformed into a social being with the help of the following:
निम्नलिखित में से किसकी सहायता से किसी जैविक जीव को एक सामाजिक जीव के रूप में रूपांतरित किया जाता है:

(a) Socialisation/समाजीकरण
(b) Institutionalisation/संस्थाकरण
(c) Structuration/संरचनाकरण
(d) Alienation/अलगाव

Ans. (a) : समाजीकरण की सहायता से किसी जैविक जीव को एक सामाजिक जीव के रूप में रूपांतरित किया जाता है। समाजीकरण सीखने की एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति समूह अथवा समाज की सामाजिक-सांस्कृतिक विशेषताओं को ग्रहण करता है, अपने व्यक्तित्व का विकास करता है और समाज का क्रियाशील सदस्य बनता है।

10. Select the correct statement/s
सही कथन का चयन कीजिए:

A. Quantitative approach - Post-positivist worldview, experimental strategy of enquiry and pre and post-test measures of attitudes
परिमाणात्मक उपागम - उत्तर प्रत्यक्षवाद, वैश्विक दृष्टिकोण, पृच्छा की प्रयोगपरक कार्यनीति और अभिवृत्ति के परीक्षण पूर्व और परीक्षण पश्चात् मापन

B. Qualitative approach - Constructivist worldview, ethnographic design and observation of behaviour/गुणात्मक उपागम - निर्मितिवाद, वैश्विक दृष्टिकोण, नृजातिवर्णन संबंधी अभिकल्प और व्यवहार का प्रेक्षण

C. Qualitative approach - Participatory worldview, narrative design and open-ended interviewing
गुणात्मक उपागम - सहभागी वैश्विक दृष्टिकोण, कथनात्मक अभिकल्प और मुक्तोत्तर साक्षात्कार

D. Mixed method approach - Pragmatic worldview, collection of both qualitative and quantitative data sequentially/मिश्र विधि उपागम - प्रयोजनवादी वैश्विक दृष्टिकोण, परिणामात्मक और गुणात्मक दोनों आंकड़ों का क्रमबद्ध संग्रहण

E. Qualitative approach - Post-postivist worldview, experimental strategy of inquiry and pre and post-test measures of attitudes
गुणात्मक उपागम - उत्तर प्रत्ययवाद, वैश्विक दृष्टिकोण, पृच्छा की प्रयोगपरक कार्यनीति और अभिवृत्ति के परीक्षण पूर्व और परीक्षण पश्चात् मापन

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) B and C only/केवल B और C
(c) A, B, C and D only/केवल A, B, C और D
(d) A and E only/केवल A और E

Ans. (c) : परिमाणात्मक उपागम - उत्तर प्रत्यक्षवाद, वैश्विक दृष्टिकोण, पृच्छा की प्रयोगपरक कार्यनीति और अभिवृत्ति के परीक्षण पूर्व और परीक्षण पश्चात् मापन
गुणात्मक उपागम - निर्मितवाद, वैश्विक दृष्टिकोण, नृजातिवर्णन संबंधी अभिकल्प और व्यवहार का प्रेक्षण
गुणात्मक उपागम - सहभागी वैश्विक दृष्टिकोण, कथनात्मक अभिकल्प और मुक्तोत्तर साक्षात्कार
मिश्र विधि उपागम - प्रयोजनवादी वैश्विक दृष्टिकोण, परिमाणात्मक और गुणात्मक दोनों आँकड़ों का क्रमबद्ध संग्रहण

11. Who has written the book, 'The Family in India: Critical Essays'?/इनमें से कौन 'द फैमिली इन इंडिया : क्रिटिकल एस्से' नामक पुस्तक लिखा है?
(a) P. Uberoi/पी. उबेरॉय
(b) Irawati Karve/इरावती कर्वे
(c) A.M. Shah/ए.एम. शाह
(d) I.P. Desai/आई.पी. देसाई

Ans. (c) : द फैमिली इन इन्डिया : क्रिटिकल एस्से (The Family in India : Critical Essays) नामक पुस्तक अरविन्द एम. शाह ने लिखा है।

12. Given below are two statements, one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R/नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।
Assertion (A) : Prejudice is one thing. Discrimination is something else.
अभिकथन (A): पूर्वाग्रह एक चीज है, भेदभाव कुछ और है।
Reason (R) : Prejudice is a matter of belief. Discrimination is a mode of behaviour.
कारण (R): पूर्वाग्रह विश्वास का विषय है। विभेदीकरण व्यवहार का एक तरीका है।
In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:
(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explantion/(A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) is false but (R) is true
(A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : पूर्वाग्रह एक चीज है, भेदभाव कुछ और है क्योंकि पूर्वाग्रह विश्वास का विषय है जबकि विभेदीकरण व्यवहार का एक तरीका है। अतः A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।

13. Who wrote the book, "The Lonely Crowd"?
"द लोनली क्राउड" पुस्तक के लेखक कौन हैं?
(a) Howard Rheingold/हावर्ड रेनगोल्ड
(b) Bruno Latour/ब्रूनो लातोर
(c) David Riesman/डेविड रिजमैन
(d) Georg Simmel/जार्ज सिमेल

Ans. (c) : "द लोनली क्राउड" (The Lonely Crowd) पुस्तक के लेखक डेविड रिजमैन हैं। इनकी अन्य प्रमुख पुस्तकें निम्न प्रकार हैं-
- Abundance for what
- Faces in the Crowd
- The making of the Avicennan tradition
- On higher education

14. Adopting a historical approach to the dispersal of people, R. Cohen identifies the following categories of diasporas/आर. कोहेन ने लोगों के फैलाव के प्रति ऐतिहासिक उपागम अपनाते हुए डायसपोरा की निम्नलिखित श्रेणियों की पहचान की:
A. Victim diasporas/पीड़ित डायसपोरा
B. Labour diasporas/श्रमिक डायसपोरा
C. Trading diasporas/व्यापारी डायसपोरा
D. Imperial diasporas/साम्राज्यिक डायसपोरा
E. Cultural diasporas/सांस्कृतिक डायसपोरा
Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:
(a) A, B, D and E only/केवल A, B, D और E
(b) A and E only/केवल A और E
(c) A only/केवल A
(d) A, B, C, D and E/केवल A, B, C, D और E

Ans. (d) : आर. कोहेन ने लोगों के फैलाव के प्रति ऐतिहासिक उपागम अपनाते हुए डायसपोरा की निम्नलिखित श्रेणियों की पहचान की है- पीड़ित डायसपोरा, श्रमिक डायस पोरा, व्यापारी डायसपोरा, साम्राज्यिक डायसपोरा तथा सांस्कृतिक डायसपोरा।

15. Examples of nominal measures are:
नामित मापनी के उदाहरण हैं
A. Gender/लिंग
B. Religious affiliation/धार्मिक संबंधन
C. Birth place/जन्म स्थान
D. Social classes/सामाजिक वर्ग
E. Intellectual sophistication/बौद्धिक परिष्कृतता
Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:
(a) D and E only/केवल D और E
(b) A, B and C only/केवल A, B और C
(c) B, C and D only/केवल B, C और D
(d) A, B and D only/केवल A, B और D

Ans. (b) : प्रश्नगत नामित मापनी के उदाहरण है- लिंग, धार्मिक संबंधन तथा जन्म स्थान। एस.एस. स्टीवेंस ने निम्न चार मापनियों का उल्लेख किया है-
1. नामित मापनी 2. क्रमिक मापनी
3. अंतराल मापनी 4. आनुपातिक मापनी

16. Which among the following are relevant and related to the national policy on education?
निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति की दिशा में प्रासंगिक और संबंधित है:
A. Radha Krishnan Commission
राधाकृष्णन आयोग
B. Murlidhar Commission/मुरलीधर आयोग
C. Kidwai Commission/किदवई आयोग
D. Kothari Commission/कोठारी आयोग
E. Tendulkar Commission/तेंदुलकर आयोग

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:
(a) A and B only/केवल A और B
(b) A, B and E only/केवल A, B और E
(c) A, B and D only/केवल A, B और D
(d) A, B and C only/केवल A, B और C

Ans. (c) : राधाकृष्णन आयोग, मुरलीधर आयोग तथा कोठारी आयोग शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति की दिशा में प्रासंगिक और संबंधित हैं। स्वतंत्रता के बाद विश्वविद्यालय शिक्षा की समीक्षा के लिए 4 नवंबर, 1948 में राधाकृष्णन आयोग की स्थापना की गई थी। कोठारी आयोग की स्थापना 14 जुलाई, 1964 को भारतीय शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए हुई थी। मुरलीधर आयोग का मुख्य उद्देश्य देश में माध्यमिक शिक्षा प्रणाली की स्थितियों की जाँच करना और इसे सुधारने के तरीके सुझाना था।

17. .... is an approach originally developed by Dorothy Smith (1978) to better understand women's everyday experiences by discovering the power relations that shape those experiences./........... डोरोथी स्मिथ (1978) द्वारा मूल रूप से विकसित दृष्टिकोण जिसका उद्देश्य महिलाओं के दैनंदिन अनुभवों से जुड़ी हुई अधिकार संबंधी संबंधो को बेहतर ढंग से समझना है।
(a) Case study/वैयक्तिक अध्ययन
(b) Content analysis/विषय - वस्तु विश्लेषण
(c) Institutional ethnography/संस्थागत नृजाति वर्णन
(d) Participatory Action Research
सहभागी कार्य शोध

Ans. (c) : संस्थागत नृजाति वर्णन डोरोथी स्मिथ (1978) द्वारा मूल रूप से विकसित दृष्टिकोण जिसका उद्देश्य महिलाओं के दैनंदिन अनुभवों से जुड़ी हुई अधिकार संबंधी संबंधो को बेहतर ढंग से समझना है।

18. Given below are two statements:
नीचे दो कथन दिए गए है:

Statement I: Karl Marx, Max Weber and Michel Foucault are the most influential figures in an intellectual movement known as post-structuralism.
कथन I : कार्ल मार्क्स, मैक्स वेबर और माइकल फूको उत्तर-संरचनात्मकवाद के रूप में जानने वाले बौद्धिक आंदोलन में सर्वाधिक प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं।
Statement II : Michel Foucault has had immense influence on social sciences.
कथन II : माइकल फूको को सामाजिक विज्ञानों पर अत्यधिक प्रभाव रहा है।
In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:
(a) Both Statement I and Statement II are correct
कथन I और II दोनों सही हैं।
(b) Both Statement I and Statement II are incorrect/कथन I और II दोनों गलत हैं।
(c) Statement I is correct but Statement II is incorrect/कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत है।
(d) Statement I is incorrect but Statement II is correct/कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है।

Ans. (d) : कार्ल मार्क्स, मैक्स वेबर और माइकल फूको उत्तर-संरचनावादी नहीं हैं जबकि माइकल फूको का सामाजिक विज्ञानों पर अत्यधिक प्रभाव रहा है। उनका प्रमुख विषय ज्ञान, शक्ति तथा मानव शरीर रहा है। अतः कथन-I गलत है, किन्तु कथन-II सही है।

19. Which one of the following is not correctly matched?/निम्नलिखित में से कौन-सा सही ढंग से सुमेलित नहीं है?
(a) Park and Burgess: Ecological School
पार्क और बर्गेस : इकोलॉजिकल स्कूल
(b) H.W. Odum: Regional School
एच.डब्ल्यू ओडम : रीजनल स्कूल
(c) Dexter, Huntington: Impact of climatic conditions on human society/
डेक्स्टर, हटिंगटन : इंपैक्ट ऑफ क्लाइमेटिक कंडीशंस ऑन ह्यूमन सोसायटी
(d) Maclver: Human Geography
मैकाइवर : ह्यूमन जियोग्राफी

Ans. (d) : सही सुमेलन निम्न प्रकार है-
पार्क और बर्गेस : इकोलॉजिकल स्कूल
एच. डब्ल्यू ओडम : रीजनल स्कूल
डेक्स्टर हटिंगटन : इंपैक्ट ऑफ क्लाइमेटिक कंडीशंस ऑन ह्यूमन सोसाइटी
मैकाइवर : सोसाइटी

20. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
(Principles/सिद्धांत)	**(Meaning/तात्पर्य)**
A. Phenomenalism घटनाक्रियावाद	1. Knowledge is arrived at through the gathering of facts that provide the basis for laws/नियमों को आधार प्रदान करने वाले तथ्यों को एकत्र कर ज्ञान तक पहुंचा जाता है
B. Deductivism निगमनवाद	2. Asserts that social phenomena and their meanings are continually being accomplished by social actors/कहता है कि सामाजिक परिघटनाएं और उनके अर्थ लगातार सामाजिक कारकों द्वारा पूर्ण किए जा सकते हैं
C. Inductivism आगमनवाद	3. The purpose of theory is to generate hypothesis that can be tested/सिद्धांत का उद्देश्य ऐसी प्राक्कल्पना का सृजन करता है जिसका परीक्षण किया जा सकता है
D. Constructionism निर्मितिवाद	4. Only phenomena and hence knowledge confirmed by the senses can be warranted as knowledge/मात्र परिघटनाएं और इसलिए इंद्रियों द्वारा परिपुष्ट ज्ञान को ज्ञान माना जा सकता है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-II, B-IV, C-I, D-III
(c) A-IV, B-III, C-I, D-II
(d) A-III, B-II, C-I, D-IV

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-
घटनाक्रियावाद- मात्र परिघटनाएं और इसलिए इन्द्रियों द्वारा परिपुष्ट ज्ञान को ज्ञान माना जा सकता है।
निगमनवाद- सिद्धान्त का उद्देश्य ऐसी प्राक्कल्पना का सृजन करता है जिसका परीक्षण किया जा सकता है।
आगमनवाद- नियमों को आधार प्रदान करने वाले तथ्यों को एकत्र कर ज्ञान तक पहुँचा जाता है।
निर्मितवाद- कहता है कि सामाजिक परिघटनाएँ और उनके अर्थ लगातार सामाजिक कारकों द्वारा पूर्ण किए जा सकते हैं।

21. Who has written the book, 'World Revolution and Family'?/इनमें से किसने 'वर्ल्ड रिवॉल्यूशन एंड फेमिली' नामक पुस्तक लिखा है?
(a) William Goode/विलियम गुडे
(b) David Cooper/डेविड कूपर
(c) Michael Anderson/माइकल एंडरसन
(d) Ronald Fletcher/रोनाल्ड फ्लेचर

Ans. (a) : 'वर्ल्ड रिवॉल्यूशन एंड फेमिली' (World Revolution and Family) नामक पुस्तक विलियम जे. गुडे ने लिखा है।

22. The features of "Kula Ring", described by Malinowski are
मेलिनोव्स्की द्वारा वर्णित 'कुला रिंग' की विशेषताएँ हैं:
A. It is an exchange cycle/यह विनिमय चक्र है
B. It had no monetary value
इसका कोई मौद्रिक मूल्य नहीं है
C. It was seen as an exchange of gifts
इसे उपहार के विनिमय के रूप में देखा जाता था
D. It provided internal status to men
यह मनुष्यों की आंतरिक प्रस्थिति प्रदान करता था
E. It did not weld together, a large number of islands/इसमें कई द्वीपों को एकसाथ नहीं जोड़ा गया
Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:
(a) A, B, D and E only/केवल A, B, D, E
(b) A, C, D and E only/केवल A, C, D, E
(c) A, B, C, and D only/केवल A, B, C, D
(d) B, C, D and E only/केवल B, C, D, E

Ans. (c) : मैलिनोवस्की द्वारा वर्णित 'कुला रिंग' की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं-
- यह विनिमय चक्र है।
- इसका कोई मौद्रिक मूल्य नहीं है।
- इसे उपहार के विनिमय के रूप में देखा जाता था।
- यह मनुष्यों की आंतरिक प्रस्थिति प्रदान करता था।
- इसमें कई द्वीपों को एकसाथ जोड़ा गया।

23. People under the class structure who are economically, politically and socially marginalized and excluded comprise the
वर्ग - संरचना के अंतर्गत ऐसे लोग जो आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक रूप से अधिकारहीन और वंचित हैं, किस वर्ग के अंतर्गत शामिल हैं:
(a) Economic class/आर्थिक वर्ग
(b) Oppressed class/दमनित वर्ग
(c) Underclass/अंडरक्लास
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : वर्ग - संरचना के अंतर्गत ऐसे लोग जो आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक रूप से अधिकारहीन और वंचित हैं अंडरक्लास (निम्न वर्ग) के अंतर्गत शामिल हैं।

24. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
(Thinkers/चिंतक)	**(Concepts/अवधारणाएं)**
A. Alfred Schutz अल्फ्रेड शुट्ज	1. Stigma लांछन (स्टिग्मा)
B. Erving Goffman इरविंग गॉफमैन	2. Field/क्षेत्र (फिल्ड)
C. Jurgen Habermas जुर्गेन हैबरमास	3. Recipe/व्यंजन (रेसिपी)
D. Pierre Bourdieu पियरे बोर्दियू	4. Communicative Action संप्रेषणात्मक क्रिया (कम्युनिकेटिव एक्शन)

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-I, B-III, C-II, D-IV
(b) A-IV, B-I, C-III, D-II
(c) A-III, B-I, C-IV, D-II
(d) A-II, B-IV, C-III, D-I

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

चिंतक	**अवधारणाएँ**
अल्फ्रेड शूट्ज	व्यंजन (रेसिपी)
इरविंग गॉफमैन	लांछन (स्टिग्मा)
जुर्गेन हेबरमास	संप्रेषणात्मक क्रिया (कम्युनिकेटिव एक्सन)
पियरे बोर्दियू	क्षेत्र (फील्ड)

25. "Cultural identities are shaped by a complex set of factors, which are associated with the process of evolution of cultural practices and belief of a people in course of their historical experiences." Who stated this?
''सांस्कृतिक अस्मिताओं का आकार ऐसे जटिल कारकों के समुच्चय से बनता है जो लोगों के ऐतिहासिक अनुभवों के दौरान उनके सांस्कृतिक प्रचलनों एवं विश्वासों से उद्विकास की प्रक्रिया से संबंधित हैं।'' यह किसका कथन है?
(a) T.K. Oommen/टी.के. उमैन
(b) Yogendra Singh/योगेंद्र सिंह
(c) E.B. Tylor/ई.बी. टायलर
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : योगेन्द्र सिंह का कथन है कि, ''सांस्कृतिक अस्मिताओं का आकार ऐसे जटिल कारकों के समुच्चय से बनता है जो लोगों के ऐतिहासिक अनुभवों के दौरान उनके सांस्कृतिक प्रचलनों एवं विश्वासों से उद्विकास की प्रक्रिया से संबंधित हैं।''

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

26. Which of the following constitute(s) an important methodological component(s) in Foucault's works?/निम्नलिखित में से कौन से फूको की कृतियों में एक महत्वपूर्ण मेथोडोलॉजिकल (पद्धतिशास्त्र) घटक है?

A. Discipline and Punish/डिसिप्लिन एंड पनिश
B. The History of Sexuality
द हिस्ट्री ऑफ सेक्सुएलिटी
C. madness and Civilization
मैडनेस एंड सिविलाइजेशन
D. The Archaeology of Knowledge
द आर्कियोलॉजी ऑफ नॉलेज
E. The Order of Things/द ऑर्डर ऑफ थिंग्स

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) D only/केवल D
(c) C, D and E only/केवल C, D और E
(d) D and E only/केवल D और E

Ans. (b) : 'द ऑर्डर ऑफ थिंग्स' फूको की कृतियों में एक महत्वपूर्ण मेथोडोलॉजिकल (पद्धतिशास्त्र) घटक है। फूको इतिहास लेखन तथा समाजशास्त्र में पारम्परिक पद्धतिशास्त्र तथा प्रस्थापनाओं के कटु आलोचक थे। उन्होंने जेल, निदानगृह तथा कामात्मकता के अपने ऐतिहासिक अध्ययनों में विशेष रूप से अपनी विशिष्ट पद्धति का प्रयोग कर समाजशास्त्र को एक नया आयाम दिया।

27. Relative poverty refers to:
सापेक्ष निर्धनता अभिप्राय है:

(a) Poverty of the people who are relatively marginalised/ऐसे लोगों की निर्धनता जो तुलनात्मक रूप से हाशिए पर है
(b) Deprivation of resources that is life threatening
जीवन के लिए घातक संसाधनों से वंचित रहना
(c) Deprivation of some people in relation to those who have more/संसाधनसंपन्न लोगों की तुलना में कुछ लोगों का वंचित रहना
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : सापेक्ष निर्धनता से अभिप्राय है - संसाधन सम्पन्न लोगों की तुलना में कुछ लोगों का वंचित रहना।

28. .... is the channelling of an increasing number of women into low-status, poorly paid manual work.
.... महिलाओं की बढ़ती संख्या जो निम्न प्रस्थिति वाले, कम पारिश्रमिक शारीरिक श्रम की ओर जाता है।

(a) Feminisation of poverty/गरीबी का स्त्रीत्वकरण
(b) Female proletarianization/स्त्री सर्वहाराकरण
(c) Feminisation of labor/श्रम का स्त्रीत्वकरण
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : महिलाओं की बढ़ती संख्या जो निम्न प्रस्थिति वाले, कम पारिश्रमिक शारीरिक श्रम की ओर जाता है स्त्री सर्वहाराकरण कहलाता है।

29. Who has classified political institutions into republic, aristocracy, monarchy and autocracy?/निम्नलिखित में से किसने राजनीतिक संस्थाओं को गणतंत्र, कुलीन-तंत्र, राजतंत्र, निरंकुश तंत्र के रूप में वर्गीकृत किया है?

(a) Robert Michels/रॉबर्ट मिसेल्स
(b) Montesquieu/मोन्टेस्क्यू
(c) Harold Gould/हैराल्ड गोल्ड
(d) Rajani Kothari/रजनी कोठारी

Ans. (b) : मोन्टेस्क्यू ने राजनीतिक संस्थानों को गणतंत्र, कुलीनतंत्र, राजतंत्र, निरंकुशतंत्र के रूप में वर्गीकृत किया है। उन्होंने अपनी पुस्तक 'द स्पिरिट ऑफ लॉज' (The spirit of the Laws) में शक्ति पृथक्करण के सिद्धांत को स्पष्ट किया है।

30. Given below are two statements:
नीचे दो कथन दिए गए हैं:

Statement I: A major problem for empirical researchers is the connection between theory and observation referred to as rules of correspondence.
कथन I: अनुभवजन्य शोधार्थियों के लिए एक प्रमुख समस्या सिद्धांत और पर्यवेक्षण के बीच संबंध है, जिसे संगतता के नियमों के रूप में संदर्भित किया जाता है।
Statement II: In Sociology, the passage from observation to conceptualisation and back again requires a close examination of the manner in which our observations are organized and cateogorised, as well as, to the operationalisation of the concepts used to organise data.
कथन II: समाजशास्त्र में पर्यवेक्षण से अवधारणाकरण तक और पुनः लौटने तक के मार्ग के लिए एक तरीके की निकटस्थ जांच आवश्यक है, जिसमें हमारे पर्यवेक्षण को संगठित एवं वर्गीकृत किया जाता है, साथ ही डेटा को संगठित करने के लिए परिचालनीकरण का उपयोग किया जाता है।

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below/उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) Both Statement I and Statement II are correct
कथन I और II दोनों सही हैं।
(b) Both Statement I and Statement II are incorrect/कथन I और II दोनों गलत हैं।
(c) Statement I is correct but Statement II is incorrect/कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत है।
(d) Statement I is incorrect but Statement II is correct/कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है।

Ans. (a) : अनुभवजन्य शोधार्थियों के लिए एक प्रमुख समस्या सिद्धान्त और पर्यवेक्षण के बीच संबंध है, जिसे संगतता के नियमों के रूप में संदर्भित किया जाता है। इसके साथ ही समाजशास्त्र में पर्यवेक्षण से अवधारणाकरण तक और पुनः लौटने तक के मार्ग के लिए एक तरीके की निकटस्थ जांच आवश्यक है, जिसमें हमारे पर्यवेक्षणों को संगठित एवं वर्गीकृत किया जाता है, साथ ही डेटा को संगठित करने के लिए परिचालनीकरण का उपयोग किया जाता है।
अतः कथन I और II दोनों सही हैं।

31. Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)/नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

Assertion (A) : Enhancing global conciousness is a vital dimension of increasing environmental awareness.
अभिकथन (A) : वैश्विक चेतना संवर्धन पर्यावरणीय जागरूकता में वृद्धि करने का एक महत्वपूर्ण आयाम है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Reason R : Our choices and actions are responsible for our actions towards ecology.
कारण (R) : पारिस्थितिकी के प्रति हमारे क्रियाकलाप के लिए हमारी पसंद और क्रियाएं उत्तरदायी होते हैं।

In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explantion/(A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) is false but (R) is true
(A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : वैश्विक चेतना संवर्धन पर्यावरणीय जागरूकता में वृद्धि करने का एक महत्वपूर्ण आयाम है क्योंकि परिस्थितिकी के प्रति हमारे क्रियाकलाप के लिए हमारी पसंद और क्रियाएँ उत्तरदायी होते हैं। अतः A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।

32. Who among the following used 'Comparative and Historical Research Method' in their study?
इनमें से किसने अपने अध्ययन में 'तुलनात्मक और ऐतिहासिक शोध प्रविधि' का उपयोग किया है?

(a) Auguste Comte/ऑगस्ट कामटे
(b) Karl Marx/कार्ल मार्क्स
(c) Lewis Morgan/लेविस मॉर्गन
(d) All of the above/उपरोक्त सभी

Ans. (d) : ऑगस्त कॉम्ट, कार्ल मार्क्स तथा लेविस मॉर्गन ने अपने अध्ययन में तुलनात्मक और ऐतिहासिक शोध प्रविधि का उपयोग किया है।

33. Given below are two statements:
नीचे दो कथन दिए गए हैं:

Statement I: Some of the developing countries have embarked successfully on a process of rapid industrialization.
कथन I: कुछ विकासशील देशों ने तेज गति से औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक आरंभ कर दी है।
Statement II: They are referred to as the Newly Industrializing Countries.
कथन II: उन्हें नए औद्योगिकीकरणशील देश कहा जाता है।

In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below/उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) Both Statement I and Statement II are correct
कथन I और II दोनों सही हैं।
(b) Both Statement I and Statement II are incorrect/कथन I और II दोनों गलत हैं।
(c) Statement I is correct but Statement II is incorrect/कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत है।
(d) Statement I is incorret but Statement II is correct/कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है।

Ans. (a) : कुछ विकासशील देशों ने तेज गति से औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक आरंभ कर दी है। उन्हें नए औद्योगिकीकरण शील देश कहा जाता है। अतः कथन I और II दोनों सही हैं।

34. Which one of the following is not correct?
निम्नलिखित में से कौन सा सही नहीं है?

(a) Status - Social position/प्रस्थिति - सामाजिक स्थिति
(b) Role - Behavioural expectations
भूमिका - व्यवहारगत अपेक्षाएं
(c) Socialisation - Process of learning
समाजीकरण - सीखने की प्रक्रिया
(d) Values - Specific guidelines
मूल्य - विशिष्ट दिशा - निर्देश

Ans. (d) : सही सुमेलन निम्न प्रकार है-

प्रस्थिति	-	सामाजिक स्थिति
भूमिका	-	व्यहारगत अपेक्षाएं
समाजीकरण	-	सीखने की प्रक्रिया
मूल्य	-	सामान्य आदर्श

मूल्य विशिष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं। मूल्य सामान्य आदर्श हैं। मूल्यों को व्यक्ति समाजीकरण की प्रक्रिया द्वारा सीखता है और आन्तरीकृत करता है तथा इन्हीं के अनुरूप आचरण करने की सोचता है।

35. According to Louis Wirth, the following variables are important in making urban life impersonal:
लुइस वर्थ के अनुसार, शहरी जीवन को अवैयक्तिक बनाने में निम्नलिखित चर महत्वपूर्ण हैं:

A. Location/अवस्थान (लोकेशन)
B. Affluence/प्रभुता
C. Size/आकार
D. Density/घनत्व
E. Heterogeneity/विषमता

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) B, C and D only/केवल B, C और D
(c) C, D and E only/केवल C, D और E
(d) A, C and E only/केवल A, C और E

Ans. (c) : लुइस वर्थ के अनुसार शहरी जीवन को अवैयक्तिक बनाने में निम्लिखित चर महत्वपूर्ण हैं- आकार, घनत्व तथा विषमता। आकार से तात्पर्य लोगों की कुल संख्या या जनसंख्या से है। घनत्व किसी विशेष क्षेत्र में बसे लोगों की संख्या को संदर्भित करता है जबकि विषमता विभिन्न नस्लीय और जातीय समूहों को संदर्भित करती है।

36. Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)/नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

Assertion (A) : Sociologists usually distinguish between absolute and relative poverty.
अभिकथन (A) : समाजशास्त्री आमतौर पर पूर्ण और सापेक्ष निर्धनता के बीच भेद करते हैं।
Reason R : In developed countries, with established welfare system, absolute poverty is rare.
कारण (R) : विकासशील देशों में स्थापित कल्याणकारी व्यवस्थाओं (प्रणालियाँ) से पूर्ण निर्धनता दुर्लभ पाई जाती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:/उपरोक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explantion/(A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) is false but (R) is true
(A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (b) : समाजशास्त्री आमतौर पर पूर्ण और सापेक्ष निर्धनता के बीच भेद करते हैं और विकासशील देशों में स्थापित कल्याणकारी व्यवस्थाओं (प्रणालियाँ) से पूर्ण निर्धनता दुर्लभ पाई जाती है। अतः A और R दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।

37. Which one of the following influences deviance?/निम्नलिखित में से कौन सा विचलन को प्रभावित करता है?

(a) Hierarchy/पद सोपान (b) Personality/व्यक्तित्व
(c) Status/प्रस्थिति (d) Norms/मानदंड

Ans. (b) : व्यक्तित्व विचलन को प्रभावित करता है। व्यक्तित्व व्यक्ति के सभी प्राणीशास्त्रीय गुणों एंव अर्जित प्रवृत्तियों का योग है। व्यक्तित्व में शारीरिक, मनोवैज्ञानिक तथा सामाजिक सांस्कृतिक सभी पक्ष सम्मिलित हैं।

38. The durable relations between a food-producing family and the families that supply them with goods and services are known as– खाद्य पदार्थों का उत्पादन करने वाले परिवार और ऐसे परिवारों का जो उन्हें वस्तु और सेवाओं की आपूर्ति करते हैं, के बीच टिकाऊ संबंधों को कहा जाता है–

(a) Service caste - higher caste relations
सेवा प्रदाता जाति - उच्चतर जाति संबंध
(b) Producer - supplier relations
उत्पादक - आपूर्तिकर्ता संबंध
(c) Caste relations/जाति संबंध
(d) Jajmani relations/जजमानी संबंध

Ans. (d) : खाद्य पदार्थों का उत्पादन करने वाले परिवार और ऐसे परिवारों का जो उन्हें वस्तु और सेवाओं की आपूर्ति करते हैं, के बीच टिकाऊ संबंधों को जजमानी संबंध कहा जाता है। जजमानी व्यवस्था में पारितोषण निम्न तीन रूपों में दिया जाता है-
(i) सेवा के बदले सेवा के रूप में,
(ii) नगद पारितोषिक प्राप्त करना तथा
(iii) कभी-कभी पारितोषिक विशेष प्रकारी की छूट के रूप में होना।

39. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
(Thinkers/विचारक)	**(Work/कार्य)**
A. G.H. Mead जी.एच. मीड	1. Structuration संरचनाकरण
B. E. Goffman ई. गौफमैन	2. Governmentality शासनीयता (गवर्नमेंटेलिटी)
C. M. Foucault एम. फूको	3. Symbolic Interactionism प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद
D. A. Giddens ए. गिडेन्स	4. Total institutions कुल संस्थाएं

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-IV, B-I, C-II, D-III
(b) A-III, B-IV, C-I, D-II
(c) A-III, B-IV, C-II, D-I
(d) A-II, B-I, C-IV, D-III

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

विचारक	कार्य
जी.एच. मीड	प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद
ई. गॉफमैन	कुल संस्थाएँ
एम. फूको	शासनीयता (गवर्नमेंटेलिटी)
ए. गिडेन्स	संरचनाकरण

40. There are two levels of meanings which are implicit in Sanskritization. These are: संस्कृतिकरण में अर्थ के दो स्तर अन्तर्निहित हैं। ये हैं-

(a) Historical specific and contextual specific
इतिहास विशिष्ट और संदर्भ विशिष्ट
(b) Contextual specific and culture specific
संदर्भ विशिष्ट और संस्कृति विशिष्ट
(c) Historical specific and culture specific
इतिहास विशिष्ट और संस्कृति विशिष्ट
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : संस्कृतिकरण में अर्थ के दो स्तर अन्तर्निहित हैं। ये हैं- इतिहास विशिष्ट और संदर्भ विशिष्ट। संस्कृतिकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक 'निम्न जाति' या 'जनजाति' या कोई अन्य समूह किसी उच्च जाति, विशेषतः द्विज जाति के रीति-रिवाजों, कर्मकाण्डों, विश्वासों और जीवन शैली को अपना लेता है।

41. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
A. A person enumerated outside the place of normal residence सामान्य निवास स्थान के बाहर गिना गया एक व्यक्ति	1. Migrant/प्रवासी
B. Spouses and children joining the migrant in due course/पतिपत्नी और बच्चों का प्रवासियों में यथा समय शामिल होना	2. Forced migration बलात् प्रवसन/प्रवजन
C. Persons displaced by war or violence युद्ध या हिंसा के कारण विस्थापित व्यक्ति	3. Seasonal migration/मौसमी प्रवसन/प्रवजन
D. Persons seeking work each year for a short time in a place other than their normal residence/अपने सामान्य निवास स्थान के बजाए एक लघु काल के लिए प्रतिवर्ष दूसरी जगह कार्य मांगना	4. Associative migration/सहचारी प्रवसन/प्रवजन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-IV, C-II, D-III
(b) A-I, B-III, C-IV, D-II
(c) A-I, B-II, C-III, D-IV
(d) A-I, B-II, C-IV, D-III

Ans. (a) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

सामान्य निवास स्थान के बाहर गिना गया एक व्यक्ति	- प्रवासी
पति-पत्नी और बच्चों का प्रवासियों में यथा समय शामिल होना	- सहचारी प्रवसन/प्रवजन
युद्ध या हिंसा के कारण विस्थापित व्यक्ति	- बलात् प्रवसन/प्रवजन
अपने सामान्य निवास स्थान के बजाए एक लघु काल के लिए प्रतिवर्ष दूसरी जगह कार्य मांगना	- मौसमी प्रवसन/प्रवजन

42. Which one of the following practice matrilineal family structure?
निम्नलिखित में से किस जनजाति में मातृवंशात्मक पारिवारिक संरचना का प्रचलन पाया जाता है?

(a) Garo/गारो (b) Koya/कोया
(c) Garasia/गारासिया (d) Gond/गोंड

Ans. (a) : गारो, खासी तथा नायर जनजाति में मातृवंशात्मक पारिवारिक संरचना का प्रचलन पाया जाता है। परिवार की सत्ता प्रमुख रूप से किसी स्त्री के हाथ में होती है।

43. Who has suggested six dimensions of communalism : assimilationist, welfarist, retreatist, retaliatory, separatist and secessionist:/इनमें से किसने संप्रदायवाद के 6 आयामों आत्मसात्करणवादी, कल्याणकार्यवादी, पश्चगमनवादी, प्रतिकारवादी, पृथकतावादी और विलग्रतावादी के बारे में सुझाव दिया है:

(a) Yogendra Singh/योगेंद्र सिंह
(b) A.R. Desai/ए.आर. देसाई
(c) T.K. Oommen/टी.के. ओमेन
(d) G.S. Ghurye/जी.एस. घुर्ये

Ans. (c) : टी.के. ओमेन ने संप्रदायवाद के 6 आयामों आत्मसात्करणवादी, कल्याणकार्यवादी, पश्चगमनवादी, प्रतिकारवादी, पृथकतावादी और विलग्रतावादी के बारे में सुझाव दिया है।

44. The book, "Patterns of Culture" is written by:
"पैटर्न्स ऑफ कल्चर" पुस्तक के लेखक हैं:

(a) B. Anderson/बी. एंडरसन
(b) Evans-Pritchard/इवान्स प्रिचार्ड
(c) R. Benedict/आर. बेनेडिक्ट
(d) B. Malinowski/बी. मेलिनोव्स्की

Ans. (c) : "पैटर्न्स ऑफ कल्चर" (1934) (Patterns of Culture) पुस्तक के लेखक आर. बेनेडिक्ट हैं। इनकी अन्य प्रमुख कृति है- Zuni mythology (Two vols), 1935

45. Who has classified action into logical and non-logical action?/निम्नलिखित में से किसने क्रिया को तार्किक और अतार्किक क्रिया में वर्गीकृत किया है?

(a) Max Weber/मेक्स वेबर
(b) T. Parsons/टी. पार्सन्स
(c) V. Pareto/वी. पेरेटो
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : वी. परेटो ने क्रिया को तार्किक और अतार्किक क्रिया में वर्गीकृत किया है। तार्किक क्रिया का आधार वस्तुनिष्ठ होता है जबकि अतार्किक क्रिया का आधार व्यक्तिनिष्ठ होता है। जब एक क्रिया प्रामाणिक तर्क से सम्बन्धित होती है तो उसे तर्कसंगत क्रिया कहते हैं। अर्थात् ऐसा तर्क जो केवल कर्ता की दृष्टि से ही नहीं, वरन् उस विषय में अधिक व्यापक ज्ञान रखने वाले व्यक्तियों के दृष्टिकोण से भी सही हो, परन्तु जब क्रिया केवल एक ऐसे तर्क से सम्बन्धित है जो केवल कर्ता के दृष्टिकोण से उचित है तो उसे अतर्कसंगत क्रिया कहेंगे।

46. Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)/नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

Assertion A : There is the increasing prevalence of borderless diseases.
अभिकथन (A) : सीमा रहित रोगों की व्यापकता बढ़ रही है।
Reason R : There is the increase in global travel and an increasing rate of human migration.
कारण (R) : वैश्विक यात्रा में बढ़ोत्तरी हो रही है और मानव प्रवास की दर में वृद्धि हो रही है।
In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explantion/(A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) is false but (R) is true
(A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : सीमा रहित रोगों की व्यापकता बढ़ रही है क्योंकि वैश्विक मात्रा में बढ़ोत्तरी हो रही है और मानव प्रवास की दर में वृद्धि हो रही है। अतः A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।

47. An Italian consuming paneer tikka in Rome and an Indian consuming pizza in Varanasi is an example of/एक इटालियन द्वारा रोम में उपयोग किया जाने वाला पनीर टिक्का और एक भारतीय द्वारा वाराणसी में उपयोग किया जाने वाला पिज्जा निम्नलिखित में से किसका एक उदाहरण है:

(a) Globalisation of food/आहार का वैश्वीकरण
(b) Globalisation of commodities
वस्तुओं का वैश्वीकरण
(c) Globalisation of culture/संस्कृति का वैश्वीकरण
(d) All of the above/उपरोक्त सभी

Ans. (d) : एक इटालियन द्वारा रोम में उपयोग किया जाने वाला पनीर टिक्का और एक भारतीय द्वारा वाराणसी में उपयोग किया जाने वाला पिज्जा आहार का वैश्वीकरण, वस्तुओं का वैश्वीकरण तथा संस्कृति का वैश्वीकरण का उदाहरण है।

48. .... is a set of socially constructed ideas that accommodate the interests of men and patriarchy and involve the compliance of females.

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

.... सामाजिक रूप से निर्मित विचारों का समुच्चय है जो पुरुषों और पितृसत्ता के हितों को समायोजित करता है और इसमें महिलाओं का अनुपालन शामिल है।

(a) Hegemonic masculinity/आधिपत्यवादी पुरुषत्व
(b) Emphasized femineity/एमफेसाइज्ड फेमिनिटी
(c) Both of the above/उपरोक्त दोनों
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : एमफेसाइज्ड फेमिनिटी सामाजिक रूप से निर्मित विचारों का समुच्चय है जो पुरुषों और पितृसत्ता के हितों को समायोजीत करता है और इसमें महिलाओं का अनुपालन शामिल है।

49. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
(Books/पुस्तकें)	(Authors/लेखक)
A. World Risk Society वर्ल्ड रिस्क सोसायटी	1. M. Castells एम. कास्टेल
B. End of Millenium एंड ऑफ मिलेनियम	2. V. Shiva वी. शिवा
C. Development as Freedom डेवलपमेंट एज फ्रीडम	3. A. Sen/ए.सेन
D. Ecofeminism/इकोफेमिनिज्म	4. U. Beck यू. बेक

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-IV, B-I, C-III, D-II
(b) A-III, B-II, C-IV, D-I
(c) A-II, B-IV, C-I, D-III
(d) A-I, B-II, C-III, D-IV

Ans. (a) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

वर्ल्ड रिस्क सोसाइटी -	यू. बेक
एंड ऑफ मिलेनियम -	एम. कास्टेल
डेवलपमेंट एज फ्रीडम-	ए. सेन
इकोफेमिनिज्म -	वी. शिवा

50. A. Fantasy city is a type of city in which great emphasis is placed on creating a spectacle, especially for consumption, leisure and tourism. फन्तासी शहर एक ऐसे शहर का प्रकार है जिसमें विशेषकर उपभोग, अवकाश और पर्यटन के लिए प्रदर्शन लगाने पर अधिक बल दिया जाता है।

B. Edge cities are located at the innermost rings of large cities/एज सिटी बड़े नगरों के भीतरी नगरों पर अवस्थित होते हैं।

C. Megacities are cities with populations greater than 10 million people/मेगा सिटी ऐसे नगर होते हैं जिनकी आबादी 10 मिलियन से अधिक होती है।

D. Megalopolis is a cluster of scantly populated cities that can stretch over great distances. मेगालोपोलिस अत्यंत आबादी वाले नगरों का समूह जिसका फैलाव व्यापक क्षेत्र में होता है।

E. Metropolis is a large, powerful and culturally influential urban area consisting of a central city and surrounding suburbs/मेट्रोपोलिस एक बड़ा, सशक्त और सांस्कृतिक रूप से प्रभावी शहरी क्षेत्र है जिसमें एक केंद्रीय नगर होता है और चारों ओर उपनगर होते हैं।

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A only/केवल A
(b) A and B only/केवल A और B
(c) C and E only/केवल C और E
(d) A, C and E only/केवल A, C और E

Ans. (d) : प्रश्नगत सही उत्तर निम्न प्रकार है-
- फन्तासी शहर एक ऐसे शहर का प्रकार है जिसमें विशेषकर उपभोग अवकाश और पर्यटन के लिए प्रदर्शन लगाने पर अधिक बल दिया जाता है।
- मेगा सिटी ऐसे नगर होते हैं जिनकी आबादी 10 मिलियन से अधिक होती है।
- मेट्रोपोलिस एक बड़ा सशक्त और सांस्कृतिक रूप से प्रभावी शहरी क्षेत्र है जिसमें एक केन्द्रीय नगर होता है और चारों ओर उपनगर होते हैं।

51. Chronologically arrange the following schools of thought as they appeared in the history of Sociology./निम्नलिखित विचारधाराओं के स्कूलों को समाजशास्त्र के इतिहास में उल्लेख होने के कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:

A. Positivism/प्रत्यक्षवाद
B. Symbolic interactionism प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद
C. Postmodernism/उत्तर-आधुनिकतावाद
D. Functionalism/प्रकार्यवाद
E. Structuralism/संरचनात्मकवाद

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A, E, B, D, C
(b) D, A, C, B, E
(c) A, D, E, B, C
(d) D, B, A, C, E

Ans. (c) : समाजशास्त्र के इतिहास में प्रश्नगत विचारधाराओं के स्कूलों का कालक्रम निम्न प्रकार होगा-

प्रत्यक्षवाद → प्रकार्यवाद → संरचनात्मकवाद → प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद → उत्तर-आधुनिकतावाद

52. The #MeToo movement is a part of which wave of feminism?/#मी टू आंदोलन नारीवाद के किस लहर (वेव) का एक भाग है?

A. First Wave/प्रथम लहर
B. Second Wave/द्वितीय लहर
C. Third Wave/तृतीय लहर
D. Fourth Wave/चतुर्थ लहर
E. Fifth Wave/पंचम लहर

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) B and C only/केवल B और C
(c) C and E only/केवल C और E
(d) D only/केवल D

Ans. (d) : #मी टू आंदोलन नारीवाद के पंचम लहर (वेव) का एक भाग है। यह महिलाओं पर होने वाले यौन उत्पीड़न, शोषण और बलात्कार के खिलाफ आंदोलन है। इस आंदोलन की स्थापना एक्टिविस्ट तराना बुर्के ने की थी। उन्होंने वर्ष 2006 में 'मीटू'

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

शब्द को गढ़ा था। वर्ष 2017 में इसने लोगों का व्यापक ध्यान आकर्षित किया जब अमेरिकी अभिनेत्री एलिसा मिलानो ने यौन उत्पीड़न और हमले के पीड़ितों से सोशल मीडिया पर अपनी कहानियों को साझा करने का आग्रह किया।

53. Who had given the concept of "modes of individual adaptation"?
निम्नलिखित में से किसने ''मोड्स ऑफ इंडिविजुअल एडेप्टेशन'' की अवधारणा प्रदान की थी?
(a) E. Durkheim/ई. दुर्खाइम
(b) T. Parsons/टी. पार्सन्स
(c) R.K. Merton/आर.के. मर्टन
(d) P. Blau/पी. ब्लॉ

Ans. (c) : आर.के. मर्टन ने ''मोड्स ऑफ इंडिविजुअल एडेप्टेशन'' की अवधारणा प्रदान की थी। उन्होंने सांस्कृतिक लक्ष्य तथा संस्थागत साधन के विश्लेषण के साथ अनुकूलन के निम्न पाँच तरीकों का उल्लेख किया है- अनुरूपता (Conformity), नवाचार (Innovation), अनुष्ठानवाद (Ritualism), वापसी (Retreatism), विद्रोह (Rebellion)।

54. A .... entails the collection of data on more than one case (usually quite a lot more than one) and at a single point in time.
.... के अंतर्गत एक मामले (सामान्यतः एक से बहुत अधिक) से अधिक मामले और एक ही समय में आकड़ों का संग्रहण होता है।
(a) Cross-sectional research design
अनुप्रस्थ शोध अभिकल्प
(b) Longitudinal research design
अनुदैर्घ्य शोध अभिकल्प
(c) Both of the above/उपरोक्त दोनों
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : अनुप्रस्थ शोध अभिकल्प (Cross-sectional research design) के अन्तर्गत एक मामले (सामान्यतः एक से बहुत अधिक) से अधिक मामले और एक ही समय में ऑकड़ों का संग्रहण होता है। क्रॉस-सेक्शनल डिजाइन का उपयोग जनसंख्या आधारित सर्वेक्षणों के लिए तथा क्लीनिक आधारित नमूनों में बीमारियों की व्यापकता का आकलन करने के लिए किया जाता है।

55. The concept of "habitus" deals with
''हैबिट्स'' की अवधारणा इससे संबंधित है–
(a) Social status of the individuals
व्यक्तियों की समाजिक प्रस्थिति से
(b) Pshychological orientations of the individuals
व्यक्तियों के मनोवैज्ञानिक अभिविन्यास से
(c) Behavioural dispositions of the individuals
व्यक्ति की व्यवहारिक प्रवृत्ति से
(d) Economic situation of the individuals
व्यक्ति की आर्थिक स्थिति से

Ans. (c) : ''हैबिट्स'' की अवधारणा व्यक्ति की व्यवहारिक प्रवृत्ति से सम्बन्धित है। यह बोर्डियू की प्रमुख अवधारणा है। हैबिट्स चित्तवृत्तियों (मनोवृत्तियों) का एक समूह होता है जिनका प्रयोग एक व्यक्ति दिन-प्रतिदिन के व्यवहार में करता है। ये मनोवृत्तियाँ व्यक्ति को एक निश्चित ढंग से व्यवहार करने अथवा न करने के लिए प्रवृत्त करते हैं।

56. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I (Books/पुस्तकें)	List-II/सूची-II (Authors/लेखक)
A. The Sociology of Disaster/द सोशियोलॉजी ऑफ डिजास्टर	1. Jeffery D. Sachs जेफ्री डी. सैक्स
B. Environmental Sociology/एन्वायरमेंटल सोशियोलॉजी	2. Ram Ahuja राम आहूजा
C. The Age of Sustainable Development द एज ऑफ सस्टेनेबल डेवेलपमेंट	3. Thomas E. Drabek थॉमस ई. ड्राबेक
D. Social Problems in India/सोशल प्रॉब्लम्स इन इंडिया	4. John Hannigan जॉन हन्निगन

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-IV, B-I, C-II, D-III
(b) A-I, B-III, C-IV, D-II
(c) A-III, B-IV, C-I, D-II
(d) A-IV, B-I, C-III, D-II

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

पुस्तकें	-	लेखक
द सोशियोलॉजी ऑफ डिजास्टर	-	थॉमस ई ड्राबेक
एन्वायरमेंटल सोशियोलॉजी	-	जॉन हन्निगन
द एज ऑफ सस्टेनेबल डेवेलपमेंट	-	जेफ्री डी. सैक्स
सोशल प्रॉब्लम्स इन इंडिया	-	राम आहूजा

57. Given below are two statements:
नीचे दो कथन दिए गए हैं:
Statement I: Correspondence analysis is a statistical method of analysis for cross-tabulated data by finding a geometrical representation.
कथन-I: संगत विश्लेषण ज्यामितीय प्रतिनिधित्व का पता लगाने के द्वारा पारगामी - सारणीकृत डेटा (आंकड़े) के विश्लेषण की एक सांख्यिकी पद्धति है।
Statement-II: Well-known applications of correspondence analysis are presented by Pierre Bourdieu in Distinction.
कथन II: पियरे बॉर्दियू ने ''डिस्टींकशन'' पुस्तक में संगत विश्लेषण की जानी-मानी प्रयोज्यताओं को प्रस्तुत किया है।
In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below/उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:
(a) Both Statement I and Statement II are true
कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(b) Both Statement I and Statement II are false
कथन I और II दोनों असत्य हैं।
(c) Statement I is true but Statement II is false
कथन I सत्य है, किन्तु कथन II असत्य है।
(d) Statement I is false but Statement II is true
कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सत्य है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : संगत विश्लेषण ज्यामितीय प्रतिनिधित्व का पता लगाने के द्वारा पारगामी - सारणीकृत डेटा (आंकड़े) के विश्लेषण की एक सांख्यिकी पद्धति है। पियरे बोर्डियू ने "डिस्टिंक्शन" पुस्तक में संगत विश्लेषण की जानी-मानी प्रयोज्यताओं को प्रस्तुत किया है।
अतः कथन I और II दोनों सत्य हैं।

58. Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)/नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

Assertion (A) : N.K. Bose emphasised the need to bring ethnology and indology together in the study of Indian Society.
अभिकथन (A) : एन.के. बोस ने भारतीय समाज के अध्ययन में मानव जाति विज्ञान और भारत विद्या को एक साथ लाने पर बल दिया।
Reason (R) : It is possible to reconstruct the structure of the Indian Constitution through these two approaches.
कारण (R) : इन दो उपागमों के माध्यम से भारतीय संविधान की संरचना को पुनर्संरचित करना संभव है।
In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:
(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explantion/(A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) is false but (R) is true
(A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (c) : एन.के. बोस ने भारतीय समाज के अध्ययन में मानव जाति विज्ञान और भारत विद्या को एक साथ लाने पर बल दिया। परन्तु इन दो उपागमों के माध्यम से भारतीय संविधान की संरचना को पुनर्संरचित करना संभव नहीं है। अतः अभिकथन (A) सही है परन्तु कारण (R) सही नहीं है।

59. The academic journal published by Indian Sociological Society
इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसायटी द्वारा प्रकाशित अकादमिक पत्रिका (जर्नल) है:
A. Man in India/मैन इन इंडिया
B. Sociological Bulletin/सोशियोलॉजिकल बुलेटिन
C. Contributions to Indian Sociology
कॉन्ट्रीब्यूशंस टू इंडियन सोशियोलॉजी
D. International Sociology/इंटरनेशनल सोशियोलॉजी
E. Annals of Indian Sociology
एनाल्स ऑफ इंडियन सोशियोलॉजी
Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:
(a) B, C and E only/केवल B, C और E
(b) B and C only/केवल B और C
(c) B only/केवल B
(d) B, C, D and E only/केवल B, C, D और E

Ans. (c) : इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा प्रकाशित अकादमिक पत्रिका (जर्नल) सोशियोलॉजिकल बुलेटिन है। इसके प्रथम संपादक डॉ. घुर्ये थे। इन्हीं के प्रयासों से वर्ष 1952 में 'Indian Sociological Society' की स्थापना संभव हुई थी।

60. Who among the following criticised the effects of "mass media" and "culture industry" on population?/निम्नलिखित में से किसने जनसंख्या पर "जनसंचार माध्यम" (मास मिडिया) और "संस्कृति उद्योग" के प्रभावों की आलोचना की है?
(a) Ulrich Beck/उलरिच बेक
(b) Alfred Schutz/अल्फ्रेड शूट्ज
(c) Theodor Adorno/थिओडॉर एडोर्नो
(d) Ernest Burgess/एर्नेस्ट बर्गेस

Ans. (c) : थिओडोर एडोर्नो ने जनसंख्या पर "जनसंचार माध्यम" (मासमीडिया) और "संस्कृति उद्योग" के प्रभावों की आलोचना की है। उनका मानना है कि सांस्कृतिक उद्योग के भीतर हमारी नई सांस्कृतिक पदावली दुर्भेद्य हो जाती है। चीजों से जुड़े हुए 'ब्राण्ड' (लेबल) ऐसी ही दुर्भेद्य पदावली है। ये पदावली उन चीजों पर कोई रोशनी नहीं डालतीं जिन पर ये चिपकी होती हैं। ये वस्तुओं से हमारे सत्य संबंधों के खिलाफ पर्दे का काम करती हैं। वे सामाजिक कर्ता और भोक्ता के बीच भेद मिटा देती हैं। वे कहते हैं कि उपभोक्ता-पूँजीवाद में बिना सोचे-विचारे चीजों की स्वीकृति विज्ञापन को स्वयं 'समग्रतावादी' बना देता है। आधुनिक समाज की आलोचनाओं में उन्होंने जनसंचार के साधनों को अपना मुख्य निशाना बनाया क्योंकि इसी के द्वारा व्यक्तियों के ऐसे 'जनपुंज समाज' की रचना होती है जो दमनात्मकता और यथास्थितिवादी वि-मानवीयता को प्रोत्साहित करता है।

61. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
(Tribe/जनजाति)	**(Dormitories/रहिवास)**
A. Gonds/गोंड	1. Kichuki/किचुकी
B. Oraon/उरांव	2. Dhumkuria/धूमकुरिया
C. Bhutia/भोटिया	3. Gotul/गोटुल
D. Angami Naga अंगामी नागा	4. Rangbang/रंगबंग

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-II, B-III, C-I, D-IV
(b) A-III, B-II, C-IV, D-I
(c) A-I, B-IV, C-II, D-III
(d) A-I, B-II, C-III, D-IV

Ans. (b) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

जनजाति	-	**रहिवास**
गोंड	-	गोटुल
उरांव	-	धूमकुरिया
भोटिया	-	रंगबंग
अंगामी नागा	-	किचुकी

62. Use of public office for private gain is known as:/निजी लाभ के लिए सार्वजनिक पद के उपयोग को .... के रूप में जाना जाता है।
(a) Abuse/दुरुपयोग
(b) Corruption/भ्रष्टाचार
(c) Insincerity/कपट (इन्सिन्सियरिटी)
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : निजी लाभ के लिए सार्वजनिक पद के उपयोग को भ्रष्टाचार के रूप में जाना जाता है। भ्रष्टाचार में मुख्य रूप से भाई-भतीजावाद, रिश्वतखोरी या गबन जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं।

63. The main features of class are
वर्ग की मुख्य विशेषताएं हैं

A. Homogeneity and Simplicity
समरूपता और सरलता
B. Individualism/व्यक्तिवाद
C. Economic and professional values
आर्थिक और व्यावसायिक मूल्य
D. Rationalism/बौद्धिकतावाद
E. Traditionalism/परम्परावाद

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A and E only/केवल A और E
(b) B, C and D only/केवल B, C और D
(c) B, C and E only/केवल B, C और E
(d) B and D only/केवल B और D

Ans. (b) : वर्ग की मुख्य विशेषताएँ हैं- व्यक्तिवाद, आर्थिक और व्यावसायिक मूल्य, बौद्धिकतावाद, समूहों का उतार-चढ़ाव, जन्म का महत्व नहीं, पूर्णतया अर्जित, कम स्थिरता आदि। वर्ग ऐसे व्यक्तियों का समूह है जिनकी समान सामाजिक प्रस्थिति होती है।वर्ग तथ्यत: समूह होते हैं। वे अपेक्षाकृत उन्मुक्त होते हैं, बन्द नहीं।

64. Definite procedures or rules which people are expected to observe are known as:
लोगों से जिन निश्चित कार्यप्रणालियों या नियमों के पालन की अपेक्षा की जाती है, उन्हें किस रूप में जाना जाता है:

(a) Norms/मानदंड
(b) Values/मूल्य
(c) Sanctions/प्रतिबंध
(d) Mores/रूढ़ियां

Ans. (a) : लोगों से जिन निश्चित कार्यप्रणालियों या नियमों के पालन की अपेक्षा की जाती है, उन्हें मानदंड के रूप में माना जाता है। सामाजिक मानदण्ड समाज के आचरण के वे नियम हैं जो सांस्कृतिक विशेषताओं, सामाजिक मूल्यों और समाज द्वारा स्वीकृत विधियों के अनुसार किसी विशेष परिस्थिति में व्यक्ति को एक विशेष प्रकार का व्यवहार करने का निर्देश देते हैं।

65. Which of the following is not a defining feature of tribe?
निम्नलिखित में से कौन जनजाति को परिभाषित करने वाली विशेषता नहीं है–

(a) Food habits/भोजन संबंधी आदतें
(b) Common territory/सामान्य क्षेत्र
(c) Kinship ties/नातेदारी बंधन
(d) One language/एक भाषा

Ans. (a) : भोजन संबंधी आदतें जनजाति को परिभाषित करने वाली विशेषता नहीं है। एक जनजाति, एक ऐसा मानव-समूह है जिसकी एक सामान्य संस्कृति, एकभाषा, सामान्य क्षेत्र, नातेदारी बंधन, राजनीतिक संगठन एवं व्यवसाय आदि होता है और जो सामान्यत: अन्तर्विवाह के नियमों का पालन करता है।

66. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I (Thinkers/विचारक)	List-II/सूची-II (Concept/Theory) (अवधारणा/सिद्धांत)
A. Georg Simmel जॉर्ज सिमेल	1. Network Society नेटवर्क सोसायटी
B. Louis Wirth लुई विर्थ	2. Metropolis and Mental life/मेट्रोपोलिस एंड मेंटल लाइफ
C. Manuel Castells मैन्युअल कास्टेल्स	3. Gesellschaft जेशेलशाफ्ट
D. Ferdinand Tonnies फर्डिनेंड टोनिज	4. Urbanism as a way of life/नगरवाद जीवन पद्धति के रूप में

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-II, B-IV, C-I, D-III
(b) A-II, B-IV, C-III, D-I
(c) A-IV, B-III, C-I, D-II
(d) A-III, B-IV, C-II, D-I

Ans. (a) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

विचारक		अवधारणा
जॉर्ज सिमेल	-	मेट्रोपोलिस एण्ड मेंटल लाइफ
लुई विर्थ	-	नगरवाद जीवन पद्धति के रूप में
मैन्युअल कास्टेल्स	-	नेटवर्क सोसाइटी
फर्डिनेंड टॉनीज	-	जेशेलशाफ्ट

67. Which one of the following was not a direct cause of the decline of the pre-British village artisan industries?
निम्नलिखित में से कौन सा ब्रिटिश पूर्व ग्रामीण शिल्प उद्योगों के विघटन का प्रत्यक्ष कारण नहीं था?

(a) Introduction of railways/रेलवे की शुरुआत
(b) Growth of modern industries in India
भारत में आधुनिक उद्योगों का विकास
(c) Introduction of money economy in India
भारत में धन आधारित अर्थव्यवस्था की शुरुआत
(d) Development of road transportation system
सड़क परिवहन प्रणाली का विकास

Ans. (c) : भारत में धन आधारित अर्थव्यवस्था की शुरुआत ब्रिटिश पूर्व ग्रामीण शिल्प उद्योगों के विघटन का प्रत्यक्ष कारण नहीं था जबकि रेलवे की शुरुआत, भारत में आधुनिक उद्योगों का विकास, सड़क परिवहन प्रणाली का विकास आदि इसका प्रत्यक्ष कारण था।

68. The disharmony between the rapid growth of technology and slower transformation of social institutions and beliefs is known as
प्रौद्योगिकी की तीव्रगामी संवृद्धि एवं सामाजिक संस्थाओं और विश्वासों के बीच अधिक धीमे रूपांतरण के असामंजस्य किस रूप में जाना जाता है?

(a) Technological lag/प्रौद्योगिकीय विलंबना
(b) Communicational lag/संप्रेषणात्मक विलंबना
(c) Cultural lag/सांस्कृतिक विलंबना
(d) Informational lag/सूचनात्मक विलंबना

Ans. (c) : प्रौद्योगिकी की तीव्रगामी संवृद्धि एवं सामाजिक संस्थाओं और विश्वासों के बीच अधिक धीमे रूपान्तरण के असामंजस्य को सांस्कृतिक विलंबना के रूप में जाना जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

69. The most systematic general theory of cultural reproduction is given by–
सांस्कृतिक पुनरुत्पादन का सर्वाधिक सुव्यवस्थित सामान्य सिद्धांत दिया गया है-
(a) Karl Mannheim/कार्ल मेनहीम
(b) Pierre Bourdieu/पियरे बोर्दियू
(c) Auguste Comte/ऑगस्ट काम्टे
(d) Durkheim/दुर्खीम

Ans. (b) : सांस्कृतिक पुनरुत्पादन का सर्वाधिक सुव्यवस्थित सामान्य सिद्धान्त पियरे बोर्डियू द्वारा दिया गया है। सार रूप में बोर्डियू मानते हैं कि सामाजिक संरचनाएँ संस्कृति को जन्म देती है। जो बाद में व्यवहारों को उत्पन्न करती हैं और ये व्यवहार, अन्ततः पुनः सामाजिक संरचनाओं को निर्मित करते हैं। इस प्रकार सामाजिक संरचना और संस्कृति का यह चक्र निरन्तर चलता रहता है।

70. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
(Thinkers/विचारक)	**(Concepts/Ideas) (अवधारणाएं/विचार)**
A. A. Comte ए. काम्टे	1. Size and density आकार और घनत्व
B. E. Durkheim ई. दुर्खाइम	2. Level of intellectual development बौद्धिक विकास का स्तर
C. K. Marx के. मार्क्स	3. Evolution and Complexity उद्विकास और जटिलता
D. H. Spencer एच. स्पेंसर	4. Economic influence आर्थिक प्रभाव

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-III, B-IV, C-I, D-II
(b) A-II, B-I, C-IV, D-III
(c) A-I, B-III, C-IV, D-II
(d) A-II, B-III, C-I, D-IV

Ans. (b) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

विचारक		**अवधारणाएँ**
ए.कॉम्टे	-	बौद्धिक विकास का स्तर
ई. दुर्खीम	-	आकार और घनत्व
के. मार्क्स	-	आर्थिक प्रभाव
एच. स्पेंसर	-	उद्विकास और जटिलता

71. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
(Thinkers/विचारक)	**(Theory/Approach/ Model /सिद्धांत/उपागम मॉडल)**
A. W.W. Rostow डब्ल्यू.डब्ल्यू. रोस्टोव	1. World Systems Theory विश्व प्रणाली सिद्धांत (वर्ल्ड सिस्टम थ्योरी)
B. Paul Baran पॉल बैरन	2. Take-off Model टेक ऑफ मॉडल
C. Amartya Sen अमर्त्य सेन	3. Capabilities Approach क्षमता उपागम (केपेबलिटीज अप्रोच)
D. Immanuel Wallerstein/इमैन्युअल वैलरस्टिन	4. Dependency Theory निर्भरता सिद्धांत (डिपेंडेंसी थ्योरी)

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-II, B-I, C-III, D-IV
(b) A-III, B-IV, C-I, D-II
(c) A-I, B-II, C-IV, D-III
(d) A-II, B-IV, C-III, D-I

Ans. (d) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

विचारक	-	**सिद्धान्त/उपागम मॉडल**
डब्ल्यू डब्ल्यू रोस्टोव	-	टेक ऑफ मॉडल
पॉल बैरन	-	निर्भरता सिद्धान्त (डिपेंडेंसी थ्योरी)
अमर्त्य सेन	-	क्षमता उपागम (केपेबिलिटीज अप्रोच)
इमैनुअल वालरस्टीन	-	विश्व प्रणाली सिद्धान्त (वर्ल्ड सिस्टम थ्योरी)

72. Cultural phenomena combining inputs and impositions from other cultures with local realities is/स्थानीय वास्तविकताओं वाली अन्य संस्कृतियों से आगतों और अधिरोपणों को सम्मिलित करने वाली सांस्कृतिक परिघटना .... है–
(a) Ethnocentrism/प्रजाति - केन्द्रिक
(b) Cultural imperialism/सांस्कृतिक साम्राज्यवाद
(c) Cultural hybrids/सांस्कृतिक संकर (हायब्रिड)
(d) Cultural relativism/सांस्कृतिक सापेक्षतावाद

Ans. (c) : स्थानीय वास्तविकताओं वाली अन्य संस्कृतियों से आगतों और अधिरोपणों को सम्मिलित करने वाली सांस्कृतिक परिघटना सांस्कृतिक संकर (Hybrids) है। सांस्कृतिक संकरण प्रवासन और वैश्वीकरण के उत्पाद के रूप में संस्कृतियों के बीच विचारों और कलाकृतियों के आदान-प्रदान और नवाचार को संदर्भित करता है। यह लोगों और उनके विचारों की बातचीत से उत्पन्न विभिन्न सांस्कृतिक तत्वों का सम्मिश्रण है।

73. The unit of production in tribal economy is
जनजातीय अर्थव्यवस्था में उत्पादन की ईकाई है–
(a) Clan/गोत्र
(b) Village/गांव
(c) Family/परिवार
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : जनजातीय अर्थव्यवस्था में उत्पादन की इकाई परिवार है। जनजातीय समुदाय की सरल अर्थव्यवस्था में परिवार के सभी सदस्य मिलकर उत्पादन की इकाई बनाते हैं और उत्पादन तथा उपभोग की आर्थिक प्रक्रिया में सीधे संलग्न होते हैं। श्रम का विभाजन आयु और लिंग पर आधारित होता है।

74. Rewards and punishments associated with role expectations are called:/भूमिका संबंधी अपेक्षा से संबद्ध पुरस्कार और दण्ड को कहा जाता है:
(a) Norms/मानदंड
(b) Values/मूल्य
(c) Sanctions/प्रतिबंध
(d) Mores/रूढ़ियां

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : भूमिका सम्बन्धी अपेक्षा से संबद्ध पुरस्कार और दण्ड को प्रतिबन्ध (Sanctions) कहा जाता है। सकारात्मक प्रतिबन्ध में पुरस्कार के द्वारा व्यक्ति को सही व्यवहार करने के लिए प्रेरित किया जाता है जबकि नकारात्मक प्रतिबन्ध में समाज विरोधी कार्य करने वाले व्यक्ति को दण्डित किया जाता है।

75. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
(Personalities/व्यक्तित्व)	(Recognition/मान्यता)
A. Pandurang Hegde पांडुरंग हेगड़े	1. Goldman Environmental Prize गोल्डमैन पर्यावरणीय पुरस्कार
B. M.C. Mehta एम.सी. मेहता	2. Bishnoi Movement विश्नोई आंदोलन
C. Marimuthu Yoganathan/मारीमुथु योगनाथन	3. Appiko Movement एपिको आंदोलन
D. Amrita Devi अमृता देवी	4. Eco-warrior पर्यावरण-योद्धा

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-III, B-I, C-IV, D-II
(b) A-IV, B-I, C-II, D-III
(c) A-IV, B-II, C-I, D-III
(d) A-III, B-IV, C-I, D-II

Ans. (a) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

व्यक्तित्व		मान्यता
पांडुरंग हेगड़े	-	एपिको आंदोलन
एम.सी. मेहता	-	गोल्डमैन पर्यावरणीय पुरस्कार
मारीमुथु योगनाथन	-	पर्यावरण योद्धा
अमृता देवी	-	विश्नोई आंदोलन

76. .... was first developed by sociologists, B. Glaser and A. Strauss (1967), in an attempt to come to grips with their clinical research in medical sociology./............ सर्वप्रथम समाजशास्त्री बी. ग्लेजर और ए. स्ट्रॉस (1967) द्वारा चिकित्सा समाजशास्त्र में नैदानिक शोध को समझने के प्रयास के दौरान विकसित किया गया था
(a) Conflict Theory/संघर्ष सिद्धांत
(b) Structural functionalist Theory संरचनावादी - प्रकार्यवादी सिद्धांत
(c) Functionalist Theory/प्रकार्यवादी सिद्धांत
(d) Grounded Theory/बुनियादी सिद्धांत

Ans. (d) : बुनियादी सिद्धान्त (ग्राउंडेड थ्योरी) सर्वप्रथम समाजशास्त्री बी. ग्लेजर और ए. स्ट्रॉस (1967) द्वारा चिकित्सा समाजशास्त्र में नैदानिक शोध को समझने के प्रयास के दौरान विकसित किया गया था। इस सिद्धांत का विशेष रूप से नर्सिंग अनुसंधान में उपयोग किया जा रहा है। यह सिद्धांत मात्रात्मक डेटा, रिकॉर्ड की समीक्षा, साक्षात्कार अवलोकन और सर्वेक्षण सहित विभिन्न प्रकार के डेटा स्रोतों का उपयोग करता है।

77. The concept of "conspicuous consumption denotes/'दर्शकीय उपभोग' की अवधारणा दर्शाता है:
A. Fetishism of commodities.
आवश्यक सामग्रियों की आसक्ति।
B. People want to show that they are simple living.
लोग यह दिखाना चाहते हैं कि वे सरल जीवन जीते हैं।
C. People want to show others what they are consuming./लोग दूसरे व्यक्ति को यह दिखाना चाहते हैं कि वे क्या उपभोग कर रहे हैं।
D. People have access to commodities.
लोगों की आवश्यक सामग्रियों तक पहुंच है।
E. Tragedy of Culture/संस्कृति की त्रासदी।
Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:
(a) A and B only/केवल A और B
(b) B only/केवल B
(c) C only/केवल C
(d) D and E only/केवल D और E

Ans. (c) : ''दर्शकीय उपभोग'' की अवधारणा यह दर्शाता है कि लोग दूसरे व्यक्ति को यह दिखाना चाहते हैं कि वे क्या उपभोग कर रहे हैं। वेब्लेन ने अपनी प्रमुख पुस्तक 'The theory of Leisure class' में उल्लेख किया है कि विलासी-वर्ग दृष्टि आकर्षक उपभोग तथा दृष्टि आकर्षक बर्बादी करते हैं अर्थात् बाह्य ठाट-बाट के लिए फिजूल खर्च करते हैं।

78. A structure of relationship linking social actors, or the set of actors and the ties among them:/सामाजिक अभिकर्ता या अभिकर्ताओं के समुच्चय को जोड़ने वाली संबंधों की संरचना और उनके बीच संबंध है:
(a) Social organization/सामाजिक संगठन
(b) Social network/सामाजिक नेटवर्क
(c) Social development/सामाजिक विकास
(d) Social institution/सामाजिक संस्था

Ans. (b) : सामाजिक अभिकर्ता या अभिकर्ताओं के समुच्चय को जोड़ने वाली संबंधों की संरचना और उनके बीच संबंध सामाजिक नेटवर्क कहलाता है। अधिकांश सामाजिक नेटवर्किंग सेवाएँ वेब आधारित होती हैं और प्रयोग कर्ताओं को इन्टरनेट का प्रयोग करते हुए एक-दूसरे से संपर्क करने का साधन प्रदान करती हैं।

79. Who wrote the book, 'Caste and Race in India'?/''कास्ट एंड रेस इन इंडिया'' पुस्तक के लेखक कौन हैं?
(a) A.R. Desai/ए.आर. देसाई
(b) G.S. Ghurye/जी.एस. घुर्ये
(c) Louis Dumont/लुई ड्यूमोंट
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : 'कास्ट एण्ड रेस इन इंडिया' पुस्तक के लेखक जी.एस. घुर्ये हैं। इनकी अन्य प्रमुख कृतियाँ निम्न प्रकार हैं-
- Caste, Class and Occupation (1961)
- The Scheduled Tribes (1963)
- The Indian Sadhus, (1953)
- Caste and Class in India (1950)
- Vedic India, (1979)

80. A. Quantitative research is any research method that involves the analysis of numerical data derived usually from surveys and experiments.
परिमाणात्मक शोध ऐसी शोध प्रविधि है जिसमें सामान्यतः सर्वेक्षणों और प्रयोगों से प्राप्त संख्या संबंध आँकड़ों के विश्लेषण शामिल हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

B. Qualitative research is any research method that involves the analysis of numerical data derived usually from surveys and experiments.
गुणात्मक शोध ऐसी शोध प्रविधि है जिसमें सामान्यतः सर्वेक्षणों और प्रयोगों से प्राप्त संख्या संबंधी आंकड़ों के विश्लेषण शामिल हैं।

C. Inferential statistics does not allow researchers to use data from a relatively small group to speculate with some level of certainty about a larger group
अनुमानात्मक सांख्यिकी शोधकर्ताओं को एक वृहत्तर समूह के बारे में कुछ निश्चिंतता के साथ अनुमान करने के लिए तुलनात्मक रूप से छोटे समूह से आंकड़े एकत्र करने की अनुमति नहीं प्रदान करता है।

D. Quantitative research methods do not require statistical methods for collecting and reporting data/परिमाणात्मक शोध प्रविधि में आंकड़े एकत्र करने और उसकी रिपोर्टिंग के लिए सांख्यिकीय प्रविधि की आवश्यकता नहीं है।

E. Statistics is the mathematical method used to analyze numerical data
सांख्यिकीय सांख्यिक आंकड़ों के विश्लेषण हेतु प्रयोग की जाने वाली गणितीय विधि है।

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A, B, C and D only/केवल A, B, C और D
(b) A only/केवल A
(c) B, C and D only/केवल B, C और D
(d) A and E only/केवल A और E

Ans. (d) : प्रश्नगत सही उत्तर निम्न प्रकार है-
- परिमाणात्मक शोध ऐसी शोध प्रविधि है जिसमें सामान्यतः सर्वेक्षणों और प्रयोगों से प्राप्त संख्या संबंध आँकड़ों के विश्लेषण शामिल हैं।
- सांख्यिकी सांख्यिक आँकड़ों के विश्लेषण हेतु प्रयोग की जाने वाली गणितीय विधि है।

81. What are the main features of the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016?
निःशक्तजन अधिकार अधिनियम, 2016 की मुख्य विशेषताएं क्या हैं?

(a) Number of disabilities increased from 7 to 21/7 से 21 तक की संख्या में निःशक्ताओं में वृद्धि
(b) Percentage of reservation increased from 3% to 4%
आरक्षण 3 प्रतिशत से बढ़कर 4 प्रतिशत हो गया
(c) Special courts, to handle cases related to violation of rights of person with disabilities, set up in each district/प्रत्येक जिले में निःशक्तजनों के अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित मामलों को निपटाने के लिए विशेष न्यायालय
(d) All of the above/उपरोक्त सभी

Ans. (d) : निःशक्तजन (दिव्यांगजन) अधिकार अधिनियम, 2016 की मुख्य विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं-
1. 7 से 21 तक संख्या में निःशक्ताओं में वृद्धि
2. आरक्षण 3 प्रतिशत से बढ़कर 4 प्रतिशत हो गया।
3. प्रत्येक जिले में निःशक्तजनों के अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित मामलों को निपटाने के लिए विशेष न्यायालय।
4. बेंचमार्क विकलांग से पीड़ित 6 से 18 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा।
5. निःशक्तजनों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए 'राष्ट्रीय और राज्यनिधि' का निर्माण।

82. What is the appropriate term to describe a woman marrying the brother of her deceased husband?/यदि एक महिला दिवंगत पति के भाई से विवाह करती है, उसके लिए उपयुक्त शब्द कौन-सा है?

(a) Sororate/साली विवाह
(b) Levirate/देवर अधिकार (विवाह)
(c) Amitate/बुआ अधिकार (विवाह)
(d) Avunculate/मातुलेय विवाह

Ans. (b) : यदि एक महिला दिवंगत पति के भाई से विवाह करती है, तो उसके लिए उपयुक्त शब्द है- देवर अधिकार (विवाह)।

83. Caste-based stratification is:
जाति - आधारित स्तरीकरण होता है:

(a) Open/खुला
(b) Achieved/अर्जित
(c) Ascribed/प्रदत्त
(d) All of the above/उपरोक्त सभी

Ans. (c) : जाति-आधारित स्तरीकरण प्रदत्त होता है। जाति एक सामाजिक समूह है जिसकी सदस्यता जन्म पर आधारित होती है। यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत एक समाज अनेक आत्म-केन्द्रित एवं एक-दूसरे से पूर्णतः पृथक इकाइयों (जातियों) में विभाजित रहता है। इन इकाइयों के बीच पारस्परिक संबंध ऊँच-नीच के आधार पर सांस्कारिक रूप से निर्धारित हैं।

84. The middle attribute in the ranked distribution of observed attributes is known as:
प्रेक्षित गुणों के श्रेणीबद्ध बंटनों में मध्यवर्ती - गुण को इस रूप में जाना जाता है:

(a) Mean/माध्य
(b) Mode/बहुलक
(c) Standard deviation/मानक विचलन
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (d) : प्रेक्षित गुणों के श्रेणीबद्ध बंटनों में मध्यवर्ती गुण को माध्यिका के रूप में जाना जाता है। माध्यिका बिल्कुल बीच वाला पद नहीं होता है बल्कि उस पद का मान या मूल्य होता है।

85. Who has conducted the study on Nayars of Kerala?/इनमें से किसने केरल के नायर लोगों पर अध्ययन किया?

(a) George Peter Murdock/जार्ज पीटर मर्डोक
(b) Kathleen Gough/कैथलीन गॉफ
(c) Edward Westermarck/एडवर्ड वेस्टरमार्क
(d) William N. Stephens/विलियम एन. स्टीफेन्स

Ans. (b) : कैथलीन गॉफ ने केरल के नायर लोगों पर अध्ययन किया है। नायरों में मातृ सत्तात्मक व्यवस्था पायी जाती है। इनमें प्रचलित संयुक्त परिवार को 'थारवाड' कहते हैं। परिवार में सभी सदस्य रक्त से सम्बंधित होते हैं उसमें कोई भी विवाह सम्बन्धी व्यक्ति नहीं रहता।

86. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
(Types of Religious Organization) (धार्मिक संगठनों के प्रकार)	(Definition/परिभाषा)
A. Sect संप्रदाय (सेक्ट)	1. A small, new and exclusive group whose religious tradition has never been associated with and is often at odds with any established religious experience/एक लघु नया और विशिष्ट समूह जिसकी धार्मिक परंपरा किसी स्थापित धार्मिक अनुभव से कभी भी जुड़ा नहीं रहा है
B. Church/चर्च	2. A religious group that exhibits a general spirit of tolerance and acceptance of other religious bodies. एक धार्मिक समूह जो अन्य धार्मिक निकायों के प्रति सहिष्णुता और स्वीकार्य की सामान्य भावना प्रदर्शित करता है
C. Cult/पंथ (कल्ट)	3. A large group of religiously oriented people that members are usually born into rather than consciously join धर्मोन्मुखी लोगों का बड़ा समूह जिसमें सदस्य सोच समझकर शामिल होने की बजाय जन्म लेते हैं
D. Denomination शाखा (डिनॉमिनेशन)	4. A small group of people who see themselves as true believers and who voluntarily join a group, usually broken off from a more established religion to have a personal religious experience ऐसे लोगों का छोटा समूह जो व्यक्तिगत धार्मिक अनुभव के बिना अपने आपको अधिक स्थापित धर्म का सच्चा माननेवाला समझते हैं ओर इससे अलग हुए समूह में स्वेच्छा से शामिल होते हैं

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-II, B-IV, C-III, D-I
(c) A-IV, B-III, C-I, D-II
(d) A-IV, B-II, C-III, D-I

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

धार्मिक संगठनो के प्रकार	-	परिभाषा
संप्रदाय (सेक्ट)	-	ऐसे लोगों का छोटा समूह जो व्यक्तिगत धार्मिक अनुभव के बिना अपने आपको अधिक स्थापित धर्म का सच्चा मानने वाला समझते हैं और इससे अलग हुए समूह में स्वेच्छा से शामिल होते हैं।
चर्च	-	धर्मोन्मुखी लोगों का बड़ा समूह जिसमें सदस्य सोच समझकर शामिल होने की बजाय जन्म लेते हैं।
पंथ (कल्ट)	-	एक लघु नया और विशिष्ट समूह जिसकी धार्मिक परंपरा किसी स्थापित धार्मिक अनुभव से कभी भी जुड़ा नहीं रहा है।
शाखा (डिनॉमिनेशन)	-	एक धार्मिक समूह जो अन्य धार्मिक निकायों के प्रति सहिष्णुता और स्वीकार्य की सामान्य भावना प्रदर्शित करता है।

87. .... is an epistemological position that advocates the application of the methods of natural sciences to the study of social reality and beyond./.......... एक ज्ञान मीमांसा संबंधी स्थापना है जो सामाजिक यथार्थ और उससे परे अध्ययन में प्राकृतिक विज्ञान की विधियों के अनुप्रयोग की वकालत करता है–

(a) Interpretivism/व्याख्यावाद
(b) Constructionism/निर्मितिवाद
(c) Positivism/प्रत्यक्षवाद
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : प्रत्यक्षवाद एक ज्ञान मीमांसा संबंधी स्थापना है जो सामाजिक यथार्थ और उससे परे अध्ययन में प्राकृतिक विज्ञान की विधियों के अनुप्रयोग की वकालत करता है। कॉम्ट के अनुसार-प्रत्यक्षवाद का अर्थ विज्ञानवाद से है जिसमें ब्रह्माण्ड के नियमों का अध्ययन अवलोकन, प्रयोग और तुलना के आधार पर किया जाता है। प्रत्यक्ष या वैज्ञानिक स्तर पर ज्ञान का संग्रह ही एकमात्र साध्य या अन्तिम उद्देश्य है।

88. "Conurbation" means:
''उपनगरीय समूहन'' का अभिप्राय है:

(a) A cluster of cities and towns forming a continuous network
क्रमागत नेटवर्क वाले नगरों और शहरों का समूह
(b) A confluence of different cultures
विभिन्न संस्कृतियों का संगम
(c) A process by which identities are formed
एक प्रक्रिया जिसके द्वारा पहचान बनती है
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : ''उपनगरीय समूहन'' का अभिप्राय है- क्रमागत नेटवर्क वाले नगरों और शहरों का समूह या सन्नगर। इस शब्दावली का प्रयोग वर्ष 1915 में पैट्रिक गेडिस ने किया था। यह विशाल विकसित नगरीय क्षेत्र होते हैं जो कि मूलतः अलग-अलग नगरों या शहरों के आपस में मिल जाने से एक विशाल नगरीय क्षेत्र में परिवर्तित हो जाते हैं। ग्रेटर लंदन, टोकियो, शिकागो, दिल्ली-गुड़गॉव, दिल्ली-नोएडा आदि इसके उदाहरण हैं।

89. "The generalized elsewhere" has been given by:
किसने ''द जनरेलाइज्ड एल्सवेयर'' प्रदान किया था:

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) G.H. Mead/जी.एच. मीड
(b) Alex Inkeles/एलेक्स इन्कल्स
(c) T.B. Bottomore/टी.बी. बोटोमोर
(d) Joshua Meyrowitz/जोशुआ मैरोविच

Ans. (d) : जोशुआ मैरोविच (मेयरोविट्ज) ने "द जनरेलाइज्ड एल्सवेयर" की अवधारणा प्रदान किया था। उनका मानना है कि हम जो कुछ भी देखते, सुनते, छूते, सूंघते और चखते हैं, उसका अनुभव हमारे शरीर के माध्यम से होता है। और जब तक कोई शरीर से बाहर के अनुभवों में विश्वास नहीं करता, वह स्वीकार करता है कि हम और हमारे शरीर स्थायी रूप से जुड़े हुए हैं।

90. Which is the largest form of Urban life today?
आज शहरी जीवन का सबसे बड़ा रूप क्या है?
(a) Edge city/एज सिटी
(b) Megalopolis/मेगालोपोलिस
(c) Metropolis/मेट्रोपोलिस
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : आज शहरी जीवन का सबसे बड़ा रूप मेगालोपोलिस है। जिसका अर्थ होता है 'विशाल नगर'। इसका प्रयोग वर्ष 1957 में जीन गॉटमैन ने किया था। यह बड़ा महानगर प्रदेश होता है जिसमें सन्नगरों का समूह होता है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण संयुक्त राज्य अमेरिका में है जहाँ उत्तर में बोस्टन से दक्षिण में वाशिंगटन तक नगरीय भूदृश्य के रूप में दिखाई देता है।

91. Property, in Hobhouse's phrase, 'is to be conceived in terms of the control of man over things', a control which is recognized by society, more or less permanent and exclusive. Property may be private (individual or collective) or common. In his account of the development of property, Hobhouse observed that there is some personal private property in all societies, but that in many primitive societies the principal economic resources are communally owned (e.g. hunting land, grazing land, pasture). In more developed agricultural societies, private ownership comes to predominate. But Hobhouse pointed out that although tribal common ownership disappears, common ownership may be maintained for the joint-family. R.H. Lowie, in an excellent short account of property, which uses much comparative material from primitive and civilized societies, presents much of the same view, There is personal private property among all primitive people, including names, dances, songs, myths, ceremonial regalia, gifts, weapons, household implements. So far as the 'instruments of production' are concerned there are differences between hunters and food-gatherers, where the land is tribal property (not always well-defined) and agriculturalists and pastoralists. Among agriculturalists individual private property in land is frequently found, though the clan or tribe may still exercise some control over its use or alienation. In the case of pastoralists, land may be communally owned but not the livestock; 'the ownership of livestock strongly develops the sense of individual property'.
हॉबहाउस के शब्दों में, संपत्ति को वस्तुओं पर मनुष्य के नियंत्रण के रूप में समझा जा सकता है ऐसा नियंत्रण जिसे समाज द्वारा मान्यता प्राप्त होती है, जो ज्यादातर स्थायी और विशिष्ट है। संपत्ति निजी (व्यक्तिगत या सामूहिक) या सामूहिक हो सकती है। संपत्ति के विकास के वर्णन में हॉबहाउस ने अवलोक किया कि सभी समाज में कुछ व्यक्तिगत निजी संपत्ति होती है लेकिन अनेक आदिम समाज में प्रमुख आर्थिक संसाधनों का सामुदायिक स्वामित्व होता है (उदाहरण के लिए शिकार के लिए भूमि, चराने के लिए भूमि, चरागाह)। अधिक विकसित कृषि समाज में निजी स्वामित्व की प्रधानता होती है। परन्तु हॉबहाउस ने बताया कि यद्यपि जनजातिगत साझा स्वामित्व लुप्त हो गया है, संयुक्त परिवार के लिए सामूहिक स्वामित्व बनाए रखा जा सकता है। आर.एच. लौवी ने भी, सम्पत्ति के बारे में अपने एक उत्कृष्ट लघु वर्णन, जिसमें आदिम और सभ्य समाज की तुलनात्मक आलोचना की गई है, यही विचार प्रस्तुत किया है। सभी आदिम मानव की व्यक्तिगत निजी संपत्ति है जिसमें नाम, नृत्य, गाने, मिथक, उत्सव संबंधी राजसी वस्तुएं, उपहार, हथियार, घरेलू उपकरण शामिल हैं। जहां तक उत्पादन के उपकरणों का संबंध है, शिकारियों और भोजन एकत्र करने वालों में, जहां भूमि जनजातीय संपत्ति (हमेशा परिभाषित नहीं) है और कृषकों और पशुपालनकर्ताओं में अंतर है। कृषकों में बहुधा भूमि व्यक्तिगत निजी संपत्ति होती है, यद्यपि वंश या जनजाति का नियंत्रण भूमि के उपयोग या स्वत्व - अंतरण पर हो सकता है। पशु पालन करने वालों में भूमि पर समुदाय का अधिकार हो सकता है, लेकिन पशुधन पर नहीं; पशुधन का स्वामित्व व्यक्तिगत संपत्ति का भाव दृढ़तापूर्वक विकसित करता है।

In more developed agricultural societies
अधिक विकसित कृषि समाज में–
(a) Communal ownership dominates
सामुदायिक स्वामित्व की प्रधानता होती है
(b) Pastoral ownership dominates
पशुपालनकर्ता के स्वामित्व की प्रधानता होती है
(c) Private ownership dominates
निजी स्वामित्व की प्रधानता होती है
(d) Social ownership dominates
सामाजिक स्वामित्व की प्रधानता होती है

Ans. (c) : अधिक विकसित कृषि समाज में निजी स्वामित्व की प्रधानता होती है।

92. Property, in Hobhouse's phrase, 'is to be conceived in terms of the control of man over things', a control which is recognized by society, more or less permanent and exclusive. Property may be private (individual or collective) or common. In his account of the development of property, Hobhouse observed that there is some personal private property in all societies, but that in many primitive societies the principal economic resources are communally owned (e.g. hunting land, grazing land, pasture). In more developed agricultural societies, private ownership comes to predominate. But Hobhouse pointed out that although tribal common ownership disappears, common ownership may be maintained for the joint-family. R.H. Lowie, in an excellent short account of property, which uses much comparative material from primitive and civilized societies, presents much of the same view, There is personal private property among all primitive people, including names, dances, songs, myths, ceremonial regalia, gifts,

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

weapons, household implements. So far as the 'instruments of production' are concerned there are differences between hunters and food-gatherers, where the land is tribal property (not always well-defined) and agriculturalists and pastoralists. Among agriculturalists individual private property in land is frequently found, though the clan or tribe may still exercise some control over its use or alienation. In the case of pastoralists, land may be communally owned but not the livestock; 'the ownership of livestock strongly develops the sense of individual property'.

हॉबहाउस के शब्दों में, संपत्ति को वस्तुओं पर मनुष्य के नियंत्रण के रूप में समझा जा सकता है ऐसा नियंत्रण जिसे समाज द्वारा मान्यता प्राप्त होती है, जो ज्यादातर स्थायी और विशिष्ट है। संपत्ति निजी (व्यक्तिगत या सामूहिक) या सामूहिक हो सकती है। संपत्ति के विकास के वर्णन में हॉबहाउस ने अवलोक किया कि सभी समाज में कुछ व्यक्तिगत निजी संपत्ति होती है लेकिन अनेक आदिम समाज में प्रमुख आर्थिक संसाधनों का सामुदायिक स्वामित्व होता है (उदाहरण के लिए शिकार के लिए भूमि, चराने के लिए भूमि, चरागाह)। अधिक विकसित कृषि समाज में निजी स्वामित्व की प्रधानता होती है। परन्तु हॉबहाउस ने बताया कि यद्यपि जनजातिगत साझा स्वामित्व लुप्त हो गया है, संयुक्त परिवार के लिए सामूहिक स्वामित्व बनाए रखा जा सकता है। आर.एच. लौवी ने भी, सम्पत्ति के बारे में अपने एक उत्कृष्ट लघु वर्णन, जिसमें आदिम और सभ्य समाज की तुलनात्मक आलोचना की गई है, यही विचार प्रस्तुत किया है। सभी आदिम मानव की व्यक्तिगत निजी संपत्ति है जिसमें नाम, नृत्य, गाने, मिथक, उत्सव संबंधी राजसी वस्तुएं, उपहार, हथियार, घरेलू उपकरण शामिल हैं। जहां तक उत्पादन के उपकरणों का संबंध है, शिकारियों और भोजन एकत्र करने वालों में, जहां भूमि जनजातीय संपत्ति (हमेशा परिभाषित नहीं) है और कृषकों और पशुपालनकर्ताओं में अंतर है। कृषकों में बहुधा भूमि व्यक्तिगत निजी संपत्ति होती है, यद्यपि वंश या जनजाति का नियंत्रण भूमि के उपयोग या स्वत्व -अंतरण पर हो सकता है। पशु पालन करने वालों में भूमि पर समुदाय का अधिकार हो सकता है, लेकिन पशुधन पर नहीं पशुधन का स्वामित्व व्यक्तिगत संपत्ति का भाव दृढ़तापूर्वक विकसित करता है।

"Property is to be conceived in terms of the control of man over things." Who said this?
"संपत्ति को वस्तुओं पर मनुष्य के नियंत्रण के रूप में समझा जा सकता है।" यह किसका कथन है?

(a) R.H. Lowie/आर.एच. लुई
(b) Hobhouse/हॉबहाउस
(c) Both of the above/उपरोक्त दोनों
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : "संपत्ति को वस्तुओं पर मनुष्य के नियंत्रण के रूप में समझा जा सकता है।" यह कथन हॉबहाउस का है।

93. Property, in Hobhouse's phrase, 'is to be conceived in terms of the control of man over things', a control which is recognized by society, more or less permanent and exclusive. Property may be private (individual or collective) or common. In his account of the development of property, Hobhouse observed that there is some personal private property in all societies, but that in many primitive societies the principal economic resources are communally owned (e.g. hunting land, grazing land, pasture). In more developed agricultural societies, private ownership comes to predominate. But Hobhouse pointed out that although tribal common ownership disappears, common ownership may be maintained for the joint-family. R.H. Lowie, in an excellent short account of property, which uses much comparative material from primitive and civilized societies, presents much of the same view, There is personal private property among all primitive people, including names, dances, songs, myths, ceremonial regalia, gifts, weapons, household implements. So far as the 'instruments of production' are concerned there are differences between hunters and food-gatherers, where the land is tribal property (not always well-defined) and agriculturalists and pastoralists. Among agriculturalists individual private property in land is frequently found, though the clan or tribe may still exercise some control over its use or alienation. In the case of pastoralists, land may be communally owned but not the livestock; 'the ownership of livestock strongly develops the sense of individual property'.

हॉबहाउस के शब्दों में, संपत्ति को वस्तुओं पर मनुष्य के नियंत्रण के रूप में समझा जा सकता है ऐसा नियंत्रण जिसे समाज द्वारा मान्यता प्राप्त होती है, जो ज्यादातर स्थायी और विशिष्ट है। संपत्ति निजी (व्यक्तिगत या सामूहिक) या सामूहिक हो सकती है। संपत्ति के विकास के वर्णन में हॉबहाउस ने अवलोक किया कि सभी समाज में कुछ व्यक्तिगत निजी संपत्ति होती है लेकिन अनेक आदिम समाज में प्रमुख आर्थिक संसाधनों का सामुदायिक स्वामित्व होता है (उदाहरण के लिए शिकार के लिए भूमि, चराने के लिए भूमि, चरागाह)। अधिक विकसित कृषि समाज में निजी स्वामित्व की प्रधानता होती है। परन्तु हॉबहाउस ने बताया कि यद्यपि जनजातिगत साझा स्वामित्व लुप्त हो गया है, संयुक्त परिवार के लिए सामूहिक स्वामित्व बनाए रखा जा सकता है। आर.एच. लौवी ने भी, सम्पत्ति के बारे में अपने एक उत्कृष्ट लघु वर्णन, जिसमें आदिम और सभ्य समाज की तुलनात्मक आलोचना की गई है, यही विचार प्रस्तुत किया है। सभी आदिम मानव की व्यक्तिगत निजी संपत्ति है जिसमें नाम, नृत्य, गाने, मिथक, उत्सव संबंधी राजसी वस्तुएं, उपहार, हथियार, घरेलू उपकरण शामिल हैं। जहां तक उत्पादन के उपकरणों का संबंध है, शिकारियों और भोजन एकत्र करने वालों में, जहां भूमि जनजातीय संपत्ति (हमेशा परिभाषित नहीं) है और कृषकों और पशुपालनकर्ताओं में अंतर है। कृषकों में बहुधा भूमि व्यक्तिगत निजी संपत्ति होती है, यद्यपि वंश या जनजाति का नियंत्रण भूमि के उपयोग या स्वत्व -अंतरण पर हो सकता है। पशु पालन करने वालों में भूमि पर समुदाय का अधिकार हो सकता है, लेकिन पशुधन पर नहीं पशुधन का स्वामित्व व्यक्तिगत संपत्ति का भाव दृढ़तापूर्वक विकसित करता है।

Which among the following are possessed by primitive people as personal private property?

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

निम्नलिखित में से किन पर आदिम मानव का अधिकार व्यक्तिगत निजी सम्पत्ति के रूप में होता है?

(a) Songs, myths, dances and names
गाना, मिथक, नृत्य और मानक
(b) Weapons, gifts, ceremonial regalia and household implements/हथियार, उपहार, उत्सव संबंधी राजसी वस्तुएं और घरेलू उपकरण
(c) Both the above/उपरोक्त दोनों
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : गाना, मिथक, नृत्य और मानक, हथियार, उपहार, उत्सव संबंधी राजसी वस्तुएँ और घरेलू उपकरण पर आदिम मानव का अधिकार व्यक्तिगत निजी सम्पत्ति के रूप में होता है।

94. Property, in Hobhouse's phrase, 'is to be conceived in terms of the control of man over things', a control which is recognized by society, more or less permanent and exclusive. Property may be private (individual or collective) or common. In his account of the development of property, Hobhouse observed that there is some personal private property in all societies, but that in many primitive societies the principal economic resources are communally owned (e.g. hunting land, grazing land, pasture). In more developed agricultural societies, private ownership comes to predominate. But Hobhouse pointed out that although tribal common ownership disappears, common ownership may be maintained for the joint-family. R.H. Lowie, in an excellent short account of property, which uses much comparative material from primitive and civilized societies, presents much of the same view, There is personal private property among all primitive people, including names, dances, songs, myths, ceremonial regalia, gifts, weapons, household implements. So far as the 'instruments of production' are concerned there are differences between hunters and food-gatherers, where the land is tribal property (not always well-defined) and agriculturalists and pastoralists. Among agriculturalists individual private property in land is frequently found, though the clan or tribe may still exercise some control over its use or alienation. In the case of pastoralists, land may be communally owned but not the livestock; 'the ownership of livestock strongly develops the sense of individual property'.

हॉबहाउस के शब्दों में, संपत्ति को वस्तुओं पर मनुष्य के नियंत्रण के रूप में समझा जा सकता है ऐसा नियंत्रण जिसे समाज द्वारा मान्यता प्राप्त होती है, जो ज्यादातर स्थायी और विशिष्ट है। संपत्ति निजी (व्यक्तिगत या सामूहिक) या सामूहिक हो सकती है। संपत्ति के विकास के वर्णन में हॉबहाउस ने अवलोक किया कि सभी समाज में कुछ व्यक्तिगत निजी संपत्ति होती है लेकिन अनेक आदिम समाज में प्रमुख आर्थिक संसाधनों का सामुदायिक स्वामित्व होता है (उदाहरण के लिए शिकार के लिए भूमि, चराने के लिए भूमि, चरागाह)। अधिक विकसित कृषि समाज में निजी स्वामित्व की प्रधानता होती है। परन्तु हॉबहाउस ने बताया कि यद्यपि जनजातिगत साझा स्वामित्व लुप्त हो गया है, संयुक्त परिवार के लिए सामूहिक स्वामित्व बनाए रखा जा सकता है। आर.एच. लौवी ने भी, सम्पत्ति के बारे में अपने एक उत्कृष्ट लघु वर्णन, जिसमें आदिम और सभ्य समाज की तुलनात्मक आलोचना की गई है, यही विचार प्रस्तुत किया है। सभी आदिम मानव की व्यक्तिगत निजी संपत्ति है जिसमें नाम, नृत्य, गाने, मिथक, उत्सव संबंधी राजसी वस्तुएं, उपहार, हथियार, घरेलू उपकरण शामिल हैं। जहां तक उत्पादन के उपकरणों का संबंध है, शिकारियों और भोजन एकत्र करने वालों में, जहां भूमि जनजातीय संपत्ति (हमेशा परिभाषित नहीं) है और कृषकों और पशुपालनकर्ताओं में अंतर है। कृषकों में बहुधा भूमि व्यक्तिगत निजी संपत्ति होती है, यद्यपि वंश या जनजाति का नियंत्रण भूमि के उपयोग या स्वत्व - अंतरण पर हो सकता है। पशु पालन करने वालों में भूमि पर समुदाय का अधिकार हो सकता है, लेकिन पशुधन पर नहीं पशुधन का स्वामित्व व्यक्तिगत संपत्ति का भाव दृढ़तापूर्वक विकसित करता है।

For the pastoralists/पशुपालनकर्ताओं के लिए:

(a) Livestock may be communally owned
पशुधन पर सामुदायिक स्वामित्व हो सकता है
(b) Land may be communally owned
भूमि पर सामुदायिक स्वामित्व हो सकता है
(c) Both the above/उपरोक्त दोनों
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : पशुपालकर्ताओं के लिए भूमि पर सामुदायिक स्वामित्व हो सकता है।

95. Property, in Hobhouse's phrase, 'is to be conceived in terms of the control of man over things', a control which is recognized by society, more or less permanent and exclusive. Property may be private (individual or collective) or common. In his account of the development of property, Hobhouse observed that there is some personal private property in all societies, but that in many primitive societies the principal economic resources are communally owned (e.g. hunting land, grazing land, pasture). In more developed agricultural societies, private ownership comes to predominate. But Hobhouse pointed out that although tribal common ownership disappears, common ownership may be maintained for the joint-family. R.H. Lowie, in an excellent short account of property, which uses much comparative material from primitive and civilized societies, presents much of the same view, There is personal private property among all primitive people, including names, dances, songs, myths, ceremonial regalia, gifts, weapons, household implements. So far as the 'instruments of production' are concerned there are differences between hunters and food-gatherers, where the land is tribal property (not always well-defined) and agriculturalists and pastoralists. Among agriculturalists individual private property in land is frequently found, though the clan or tribe may still exercise some control over its use or alienation. In the case of pastoralists, land may be communally owned but not the livestock; 'the ownership of livestock strongly develops the sense of individual property'.

हॉबहाउस के शब्दों में, संपत्ति को वस्तुओं पर मनुष्य के नियंत्रण के रूप में समझा जा सकता है ऐसा नियंत्रण जिसे समाज द्वारा मान्यता प्राप्त होती है, जो ज्यादातर स्थायी और विशिष्ट है। संपत्ति निजी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(व्यक्तिगत या सामूहिक) या सामूहिक हो सकती है। संपत्ति के विकास के वर्णन में हॉबहाउस ने अवलोक किया कि सभी समाज में कुछ व्यक्तिगत निजी संपत्ति होती है लेकिन अनेक आदिम समाज में प्रमुख आर्थिक संसाधनों का सामुदायिक स्वामित्व होता है (उदाहरण के लिए शिकार के लिए भूमि, चराने के लिए भूमि, चरागाह)। अधिक विकसित कृषि समाज में निजी स्वामित्व की प्रधानता होती है। परन्तु हॉबहाउस ने बताया कि यद्यपि जनजातिगत साझा स्वामित्व लुप्त हो गया है, संयुक्त परिवार के लिए सामूहिक स्वामित्व बनाए रखा जा सकता है। आर.एच. लौवी ने भी, सम्पत्ति के बारे में अपने एक उत्कृष्ट लघु वर्णन, जिसमें आदिम और सभ्य समाज की तुलनात्मक आलोचना की गई है, यही विचार प्रस्तुत किया है। सभी आदिम मानव की व्यक्तिगत निजी संपत्ति है जिसमें नाम, नृत्य, गाने, मिथक, उत्सव संबंधी राजसी वस्तुएं, उपहार, हथियार, घरेलू उपकरण शामिल हैं। जहां तक उत्पादन के उपकरणों का संबंध है, शिकारियों और भोजन एकत्र करने वालों में, जहां भूमि जनजातीय संपत्ति (हमेशा परिभाषित नहीं) है और कृषकों और पशुपालनकर्ताओं में अंतर है। कृषकों में बहुधा भूमि व्यक्तिगत निजी संपत्ति होती है, यद्यपि वंश या जनजाति का नियंत्रण भूमि के उपयोग या स्वत्व - अंतरण पर हो सकता है। पशु पालन करने वालों में भूमि पर समुदाय का अधिकार हो सकता है, लेकिन पशुधन पर नहीं पशुधन का स्वामित्व व्यक्तिगत संपत्ति का भाव दृढ़तापूर्वक विकसित करता है।

In primitive societies, the principal economic resources are:
आदिम समाज में प्रमुख आर्थिक संसाधन हैं–

(a) Privately owned/निजी स्वामित्व वाले
(b) Personally owned/व्यक्तिगत स्वामित्व वाले
(c) Communally owned/सामुदायिक स्वामित्व वाले
(d) All the above/उपरोक्त में से सभी

Ans. (c) : आदिम समाज में प्रमुख आर्थिक संसाधन सामुदायिक स्वामित्व वाले हैं।

96. **Myrdal's well known position on theory of social change and development is that of circular causation and cumulative change. He suspects the validity of constructing universal evolutionary stage of growth. These according to him tend to be telelogical and often have conservative ideologies latent in them. The crucial factor in development in an 'upward' movement of the social system as a whole with all its component 'conditions'. These conditions for the South Asian countries as described by Myrdal are : (1) output and income; (2) conditions of production; (3) levels of living; (4) attitudes towards life and work; (5) institutions and (6) policies. He assumes a uni-directional causal relationship between these conditions; an 'upward and downward' movement in one would cause cumulative movement of similar nature in other conditions too. Value premises related to these conditions might differ from country to country specially in regard to conditions which are treated for their 'independent' (as a goal in themselves) values as different from those having 'instrumental' values. These valuations define ideological contexts of development in each national society, but their selectivity is organically linked with attributes of social system as a whole. The modernization process in India and other South Asian countries, according to Myrdal is heading fast towards a climax and the time for reasonable choice for them is limited. The opportunity for a 'gradualist' approach is also over. Myrdal thinks 'it is not more difficult, but easier to cause a big change rapidly than a small change gradually.' The prime areas for such big, rapid changes are social and institutional conditions in Indian society. These conditions (4 and 5 of the above) hold keys for mobilization of all other conditions of development.**

मिर्डाल की सामाजिक परिवर्तन और विकास के सिद्धांत, प्रसिद्ध स्थिति चक्रीय कारण और संचयी पविर्तन से संबंधित है। वे विकास की सार्वभौमिक उद्विकासात्मक अवस्थाओं के निर्माण करने की वैधता पर संदेह करते हैं। उनके अनुसार उनमें अक्सर उद्देश्यमूलक और रूढ़िवादी वैचारिकी छिपी होती है। इसके सभी घटक स्थितियों वाले एक समग्र रूप में सामाजिक व्यवस्था के एक उपरिगामी आंदोलन, विकास में अति - महत्त्वपूर्ण कारक हैं। मिर्डाल द्वारा दक्षिण एशियाई देशों के लिए वर्णित यह दशाएं हैं: (1) निर्गत और आय (2) उत्पादन की दशाएं (3) जीवन - स्तर (4) जीवन और कार्य के प्रति अभिवृत्तियाँ (5) संस्थाएं (6) नीतियां। वे इन दशाओं के मध्य एक - दिशीय कार्य-कारण संबंध देखते हैं, दिए गए परिस्थितियों में ऊर्ध्वगामी अथवा अधोगामी आंदोलन के कारण अन्य परिस्थितियों में समान प्रकृति के संचयी आंदोलन होंगे। इन परिस्थितियों से संबंधित मूल्य सिद्धांत एक देश और दूसरे देश में भिन्न हो सकते हैं - विशेषकर साधन-मूल्यों और स्वतंत्र-मूल्यों में, जहां स्वतंत्र मूल्य अपने आप में लक्ष्य के रूप में भी समझे जा सकते हैं। ये मूल्यांकन प्रत्येक राष्ट्रीय समाज में विकास के वैचारिक संदर्भ को परिभाषित करते हैं। लेकिन समग्र रूप में सामाजिक व्यवस्था के गुणों वाले सावयवी रूप से चयनित तरीके से जुड़े हैं। मिर्डाल के अनुसार भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया चरमोत्कर्ष की तेजी से बढ़ती है, और तर्क संगत विकल्प के लिए समय उन के लिए सीमित है। एक क्रमिक वादी उपागम के लिए अवसर भी समाप्त हो गया है। मिर्डाल यह विचार करते हैं कि तीव्र ढंग से बड़ा परिवर्तन, क्रमिक रूप से छोटा परिवर्तन करने की अपेक्षा अधिक कठिन नहीं बल्कि और भी आसान है। इस प्रकार के बड़े तीव्र परिवर्तन भारतीय समाज में सामाजिक और सांस्थानिक दशाएं है। ये परिस्थितियां (ऊपर की 4 और 5) विकास के सभी अन्य परिस्थितियों को गतिशील बनाए रखने की मुख्य कुंजी है।

Myrdal's theory of social change and development is based on
मिर्डाल के सामाजिक परिवर्तन और विकास का सिद्धांत किस पर आधारित है:

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) Cumulative change/संचयी परिवर्तन
(b) Circular causation/चक्रीय कारण
(c) Both the above/उपरोक्त दोनों
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : मिर्डल के सामाजिक परिवर्तन और विकास का सिद्धांत संचयी परिवर्तन और चक्रीय कारण पर आधारित है।

97. Myrdal's well known position on theory of social change and development is that of circular causation and cumulative change. He suspects the validity of constructing universal evolutionary stage of growth. These according to him tend to be telelogical and often have conservative ideologies latent in them. The crucial factor in development in an 'upward' movement of the social system as a whole with all its component 'conditions'. These conditions for the South Asian countries as described by Myrdal are : (1) output and income; (2) conditions of production; (3) levels of living; (4) attitudes towards life and work; (5) institutions and (6) policies. He assumes a uni-directional causal relationship between these conditions; an 'upward and downward' movement in one would cause cumulative movement of similar nature in other conditions too. Value premises related to these conditions might differ from country to country specially in regard to conditions which are treated for their 'independent' (as a goal in themselves) values as different from those having 'instrumental' values. These valuations define ideological contexts of development in each national society, but their selectivity is organically linked with attributes of social system as a whole. The modernization process in India and other South Asian countries, according to Myrdal is heading fast towards a climax and the time for reasonable choice for them is limited. The opportunity for a 'gradualist' approach is also over. Myrdal thinks 'it is not more difficult, but easier to cause a big change rapidly than a small change gradually.' The prime areas for such big, rapid changes are social and institutional conditions in Indian society. These conditions (4 and 5 of the above) hold keys for mobilization of all other conditions of development.

मिर्डाल की सामाजिक परिवर्तन और विकास के सिद्धांत, प्रसिद्ध स्थिति चक्रीय कारण और संचयी पविर्तन से संबंधित है। वे विकास की सार्वभौमिक उद्विकासात्मक अवस्थाओं के निर्माण करने की वैधता पर संदेह करते हैं। उनके अनुसार उनमें अक्सर उद्देश्यमूलक और रूढ़िवादी वैचारिकी छिपी होती है। इसके सभी घटक स्थितियों वाले एक समग्र रूप में सामाजिक व्यवस्था के एक उपरिगामी आंदोलन, विकास में अति - महत्त्वपूर्ण कारक हैं। मिर्डाल द्वारा दक्षिण एशियाई देशों के लिए वर्णित यह दशाएं हैं: (1) निर्गत और आय (2) उत्पादन की दशाएं (3) जीवन - स्तर (4) जीवन और कार्य के प्रति अभिवृत्तियाँ (5) संस्थाएं (6) नीतियां। वे इन दशाओं के मध्य एक - दिशीय कार्य-कारण संबंध देखते हैं, दिए गए परिस्थितियों में ऊर्ध्वगामी अथवा अधोगामी आंदोलन के कारण अन्य परिस्थितियों में समान प्रकृति के संचयी आंदोलन होंगे। इन परिस्थितियों से संबंधित मूल्य सिद्धांत एक देश और दूसरे देश में भिन्न हो सकते हैं - विशेषकर साधन-मूल्यों और स्वतंत्र-मूल्यों में, जहां स्वतंत्र मूल्य अपने आप में लक्ष्य के रूप में भी समझे जा सकते हैं। ये मूल्यांकन प्रत्येक राष्ट्रीय समाज में विकास के वैचारिक संदर्भ को परिभाषित करते हैं। लेकिन समग्र रूप में सामाजिक व्यवस्था के गुणों वाले सावयवी रूप से चयनित तरीके से जुड़े हैं। मिर्डाल के अनुसार भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया चरमोत्कर्ष की तेजी से बढ़ती है, और तर्क संगत विकल्प के लिए समय उन के लिए सीमित है। एक क्रमिक वादी उपागम के लिए अवसर भी समाप्त हो गया है। मिर्डाल यह विचार करते हैं कि तीव्र ढंग से बड़ा परिवर्तन, क्रमिक रूप से छोटा परिवर्तन करने की अपेक्षा अधिक कठिन नहीं बल्कि और भी आसान है। इस प्रकार के बड़े तीव्र परिवर्तन भारतीय समाज में सामाजिक और सांस्थानिक दशाएं है। ये परिस्थितियां (ऊपर की 4 और 5) विकास के सभी अन्य परिस्थितियों को गतिशील बनाए रखने की मुख्य कुंजी है।

Constructing universal evolutionary stage of growth may involve the following:
विकास के सार्वभौमिक उद्विकासात्मक अवस्थाओं के निर्माण होने में निम्न शामिल हो सकता है:

(a) Teleological ideologies/उद्देश्यमूलक वैचारिकी
(b) Conservative ideologies/रूढ़िवादी वैचारिकी
(c) Both the above/उपरोक्त दोनों
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : विकास के सार्वभौमिक उद्विकासात्मक अवस्थाओं के निर्माण होने में उद्देश्यमूलक वैचारिकी और रुढ़िवादी वैचारिकी शामिल हो सकता है।

98. Myrdal's well known position on theory of social change and development is that of circular causation and cumulative change. He suspects the validity of constructing universal evolutionary stage of growth. These according to him tend to be telelogical and often have conservative ideologies latent in them. The crucial factor in development in an 'upward' movement of the social system as a whole with all its component 'conditions'. These conditions for the South Asian countries as described by Myrdal are : (1) output and income; (2) conditions of production; (3) levels of living; (4) attitudes towards life and work; (5) institutions and (6) policies. He assumes a uni-directional causal relationship between these conditions; an 'upward and downward' movement in one would cause cumulative movement of similar nature in other conditions too. Value premises related to these conditions might differ from country to country specially in regard to conditions which are treated for their 'independent' (as a goal in themselves) values as different from those having 'instrumental' values. These valuations define ideological contexts of development in each national society, but their selectivity is organically

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

linked with attributes of social system as a whole. The modernization process in India and other South Asian countries, according to Myrdal is heading fast towards a climax and the time for reasonable choice for them is limited. The opportunity for a 'gradualist' approach is also over. Myrdal thinks 'it is not more difficult, but easier to cause a big change rapidly than a small change gradually.' The prime areas for such big, rapid changes are social and institutional conditions in Indian society. These conditions (4 and 5 of the above) hold keys for mobilization of all other conditions of development.

मिर्डाल की सामाजिक परिवर्तन और विकास के सिद्धांत, प्रसिद्ध स्थिति चक्रीय कारण और संचयी पविर्तन से संबंधित है। वे विकास की सार्वभौमिक उद्विकासात्मक अवस्थाओं के निर्माण करने की वैधता पर संदेह करते हैं। उनके अनुसार उनमें अक्सर उद्देश्यमूलक और रूढ़िवादी वैचारिकी छिपी होती है। इसके सभी घटक स्थितियों वाले एक समग्र रूप में सामाजिक व्यवस्था के एक उपरिगामी आंदोलन, विकास में अति - महत्त्वपूर्ण कारक हैं। मिर्डाल द्वारा दक्षिण एशियाई देशों के लिए वर्णित यह दशाएं हैः (1) निर्गत और आय (2) उत्पादन की दशाएं (3) जीवन - स्तर (4) जीवन और कार्य के प्रति अभिवृत्तियाँ (5) संस्थाएं (6) नीतियां। वे इन दशाओं के मध्य एक - दिशीय कार्य-कारण संबंध देखते हैं, दिए गए परिस्थितियों में ऊर्ध्वगामी अथवा अधोगामी आंदोलन के कारण अन्य परिस्थितियों में समान प्रकृति के संचयी आंदोलन होंगे। इन परिस्थितियों से संबंधित मूल्य सिद्धांत एक देश और दूसरे देश में भिन्न हो सकते हैं - विशेषकर साधन-मूल्यों और स्वतंत्र-मूल्यों में, जहां स्वतंत्र मूल्य अपने आप में लक्ष्य के रूप में भी समझे जा सकते हैं। ये मूल्यांकन प्रत्येक राष्ट्रीय समाज में विकास के वैचारिक संदर्भ को परिभाषित करते हैं। लेकिन समग्र रूप में सामाजिक व्यवस्था के गुणों वाले सावयवी रूप से चयनित तरीके से जुड़े हैं। मिर्डाल के अनुसार भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया चरमोत्कर्ष की तेजी से बढ़ती है, और तर्क संगत विकल्प के लिए समय उन के लिए सीमित है। एक क्रमिक वादी उपागम के लिए अवसर भी समाप्त हो गया है। मिर्डाल यह विचार करते हैं कि तीव्र ढंग से बड़ा परिवर्तन, क्रमिक रूप से छोटा परिवर्तन करने की अपेक्षा अधिक कठिन नहीं बल्कि और भी आसान है। इस प्रकार के बड़े तीव्र परिवर्तन भारतीय समाज में सामाजिक और सांस्थानिक दशाएं है। ये परिस्थितियां (ऊपर की 4 और 5) विकास के सभी अन्य परिस्थितियों को गतिशील बनाए रखने की मुख्य कुंजी है।

Which of the following factors is Not described by Myrdal for the development of South Asian countries?/निम्नलिखित में कौन-सा कारक दक्षिण एशियाई देशों के विकास के लिए मिर्डाल द्वारा वर्णित नहीं किया गया है?

(a) Environment/पर्यावरण
(b) Policies/नीतियाँ
(c) Institutions/संस्थाएं
(d) Output and Income/निर्गम और आय

Ans. (a) : पर्यावरण कारक दक्षिण एशियाई देशों के विकास के लिए मिर्डाल द्वारा वर्णित नहीं किया गया है।

99. Myrdal's well known position on theory of social change and development is that of circular causation and cumulative change. He suspects the validity of constructing universal evolutionary stage of growth. These according to him tend to be telelogical and often have conservative ideologies latent in them. The crucial factor in development in an 'upward' movement of the social system as a whole with all its component 'conditions'. These conditions for the South Asian countries as described by Myrdal are : (1) output and income; (2) conditions of production; (3) levels of living; (4) attitudes towards life and work; (5) institutions and (6) policies. He assumes a uni-directional causal relationship between these conditions; an 'upward and downward' movement in one would cause cumulative movement of similar nature in other conditions too. Value premises related to these conditions might differ from country to country specially in regard to conditions which are treated for their 'independent' (as a goal in themselves) values as different from those having 'instrumental' values. These valuations define ideological contexts of development in each national society, but their selectivity is organically linked with attributes of social system as a whole. The modernization process in India and other South Asian countries, according to Myrdal is heading fast towards a climax and the time for reasonable choice for them is limited. The opportunity for a 'gradualist' approach is also over. Myrdal thinks 'it is not more difficult, but easier to cause a big change rapidly than a small change gradually.' The prime areas for such big, rapid changes are social and institutional conditions in Indian society. These conditions (4 and 5 of the above) hold keys for mobilization of all other conditions of development.

मिर्डाल की सामाजिक परिवर्तन और विकास के सिद्धांत, प्रसिद्ध स्थिति चक्रीय कारण और संचयी पविर्तन से संबंधित है। वे विकास की सार्वभौमिक उद्विकासात्मक अवस्थाओं के निर्माण करने की वैधता पर संदेह करते हैं। उनके अनुसार उनमें अक्सर उद्देश्यमूलक और रूढ़िवादी वैचारिकी छिपी होती है। इसके सभी घटक स्थितियों वाले एक समग्र रूप में सामाजिक व्यवस्था के एक उपरिगामी आंदोलन, विकास में अति - महत्त्वपूर्ण कारक हैं। मिर्डाल द्वारा दक्षिण एशियाई देशों के लिए वर्णित यह दशाएं हैः (1) निर्गत और आय (2) उत्पादन की दशाएं (3) जीवन - स्तर (4) जीवन और कार्य के प्रति अभिवृत्तियाँ (5) संस्थाएं (6) नीतियां। वे इन दशाओं के मध्य एक - दिशीय कार्य-कारण संबंध देखते हैं, दिए गए परिस्थितियों में ऊर्ध्वगामी अथवा अधोगामी आंदोलन के कारण अन्य परिस्थितियों में समान प्रकृति के संचयी आंदोलन होंगे। इन परिस्थितियों से संबंधित मूल्य सिद्धांत एक देश और दूसरे देश में भिन्न हो सकते हैं - विशेषकर साधन-मूल्यों और स्वतंत्र-मूल्यों में, जहां स्वतंत्र मूल्य अपने आप में लक्ष्य के रूप में भी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

समझे जा सकते हैं। ये मूल्यांकन प्रत्येक राष्ट्रीय समाज में विकास के वैचारिक संदर्भ को परिभाषित करते हैं। लेकिन समग्र रूप में सामाजिक व्यवस्था के गुणों वाले सावयवी रूप से चयनित तरीके से जुड़े हैं। मिर्डाल के अनुसार भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया चरमोत्कर्ष की तेजी से बढ़ती है, और तर्क संगत विकल्प के लिए समय उन के लिए सीमित है। एक क्रमिक वादी उपागम के लिए अवसर भी समाप्त हो गया है। मिर्डाल यह विचार करते हैं कि तीव्र ढंग से बड़ा परिवर्तन, क्रमिक रूप से छोटा परिवर्तन करने की अपेक्षा अधिक कठिन नहीं बल्कि और भी आसान है। इस प्रकार के बड़े तीव्र परिवर्तन भारतीय समाज में सामाजिक और सांस्थानिक दशाएं है। ये परिस्थितियां (ऊपर की 4 और 5) विकास के सभी अन्य परिस्थितियों को गतिशील बनाए रखने की मुख्य कुंजी है।

According to Myrdal, it is easier
मिर्डाल के अनुसार, यह और भी आसान है–

(a) To cause a small change gradually
धीरे-धीरे लघु परिवर्तन करना

(b) To cause a big change rapidly
तीव्र ढंग से बड़े परिवर्तन करना

(c) To cause a medium change slowly
धीमे-धीमे मध्यम परिवर्तन करना

(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : मिर्डाल के अनुसार तीव्र ढंग से बड़े परिवर्तन करना और भी आसान है।

100. Myrdal's well known position on theory of social change and development is that of circular causation and cumulative change. He suspects the validity of constructing universal evolutionary stage of growth. These according to him tend to be telelogical and often have conservative ideologies latent in them. The crucial factor in development in an 'upward' movement of the social system as a whole with all its component 'conditions'. These conditions for the South Asian countries as described by Myrdal are : (1) output and income; (2) conditions of production; (3) levels of living; (4) attitudes towards life and work; (5) institutions and (6) policies. He assumes a uni-directional causal relationship between these conditions; an 'upward and downward' movement in one would cause cumulative movement of similar nature in other conditions too. Value premises related to these conditions might differ from country to country specially in regard to conditions which are treated for their 'independent' (as a goal in themselves) values as different from those having 'instrumental' values. These valuations define ideological contexts of development in each national society, but their selectivity is organically linked with attributes of social system as a whole. The modernization process in India and other South Asian countries, according to Myrdal is heading fast towards a climax and the time for reasonable choice for them is limited. The opportunity for a 'gradualist' approach is also over. Myrdal thinks 'it is not more difficult, but easier to cause a big change rapidly than a small change gradually.' The prime areas for such big, rapid changes are social and institutional conditions in Indian society. These conditions (4 and 5 of the above) hold keys for mobilization of all other conditions of development.

मिर्डाल की सामाजिक परिवर्तन और विकास के सिद्धांत, प्रसिद्ध स्थिति चक्रीय कारण और संचयी पविर्तन से संबंधित है। वे विकास की सार्वभौमिक उद्विकासात्मक अवस्थाओं के निर्माण करने की वैधता पर संदेह करते हैं। उनके अनुसार उनमें अक्सर उद्देश्यमूलक और रूढ़िवादी वैचारिकी छिपी होती है। इसके सभी घटक स्थितियों वाले एक समग्र रूप में सामाजिक व्यवस्था के एक उपरिगामी आंदोलन, विकास में अति - महत्त्वपूर्ण कारक हैं। मिर्डाल द्वारा दक्षिण एशियाई देशों के लिए वर्णित यह दशाएं हैं: (1) निर्गत और आय (2) उत्पादन की दशाएं (3) जीवन - स्तर (4) जीवन और कार्य के प्रति अभिवृत्तियाँ (5) संस्थाएं (6) नीतियां। वे इन दशाओं के मध्य एक - दिशीय कार्य-कारण संबंध देखते हैं, दिए गए परिस्थितियों में ऊर्ध्वगामी अथवा अधोगामी आंदोलन के कारण अन्य परिस्थितियों में समान प्रकृति के संचयी आंदोलन होंगे। इन परिस्थितियों से संबंधित मूल्य सिद्धांत एक देश और दूसरे देश में भिन्न हो सकते हैं - विशेषकर साधन-मूल्यों और स्वतंत्र-मूल्यों में, जहां स्वतंत्र मूल्य अपने आप में लक्ष्य के रूप में भी समझे जा सकते हैं। ये मूल्यांकन प्रत्येक राष्ट्रीय समाज में विकास के वैचारिक संदर्भ को परिभाषित करते हैं। लेकिन समग्र रूप में सामाजिक व्यवस्था के गुणों वाले सावयवी रूप से चयनित तरीके से जुड़े हैं। मिर्डाल के अनुसार भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया चरमोत्कर्ष की तेजी से बढ़ती है, और तर्क संगत विकल्प के लिए समय उन के लिए सीमित है। एक क्रमिक वादी उपागम के लिए अवसर भी समाप्त हो गया है। मिर्डाल यह विचार करते हैं कि तीव्र ढंग से बड़ा परिवर्तन, क्रमिक रूप से छोटा परिवर्तन करने की अपेक्षा अधिक कठिन नहीं बल्कि और भी आसान है। इस प्रकार के बड़े तीव्र परिवर्तन भारतीय समाज में सामाजिक और सांस्थानिक दशाएं है। ये परिस्थितियां (ऊपर की 4 और 5) विकास के सभी अन्य परिस्थितियों को गतिशील बनाए रखने की मुख्य कुंजी है।

The modernization process in India is
भारत में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया है:

(a) Heading fast towards climax
चरमोत्कर्ष की तरफ तेजी से बढ़ना

(b) Limited time for reasonable choice
तर्कसंगत विकल्प के लिए सीमित समय

(c) Both the above/उपरोक्त दोनों

(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : भारत में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया है-
1. चरमोत्कर्ष की तरफ तेजी से बढ़ना
2. तर्कसंगत विकल्प के लिए सीमित समय।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2021/जून-2022

समाजशास्त्र (Sociology)

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल (परीक्षा तिथि : 01.10.2022)

1. In his famous work on the changing stratification of a Tanjore village, Andre Beteille observed the changes in
तंजौर गाँव के बदलते स्तरीकरण पर अपनी प्रसिद्ध पुस्तक में ऑन्द्रे बेते ने .... में परिवर्तन अवलोकित किए–

(a) Caste system/जाति व्यवस्था
(b) Class system/वर्ग व्यवस्था
(c) Power system/शक्ति व्यवस्था
(d) All of the above/उपरोक्त सभी

Ans. (d) : तंजौर गाँव के बदलते स्तरीकरण पर अपनी प्रसिद्ध पुस्तक में आन्द्रे बेतेइ ने जाति व्यवस्था, वर्ग व्यवस्था तथा शक्ति व्यवस्था में परिवर्तन अवलोकित किए। ये भारतीय सामाजिक ढाँचे को परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

2. Production characterised by large number of standardized products made by highly specialized workers is known as
अत्यधिक विशिष्ट कामगारों द्वारा बड़ी संख्या में मानकीकृत उत्पादों की विशेषता से युक्त उत्पादन को क्या कहा जाता है–

(a) Factory production/कारखाने का उत्पादन
(b) Capitalistic production/पूँजीगत उत्पादन
(c) Mass production/थोक उत्पादन
(d) All of the above/उपर्युक्त में से सभी

Ans. (d) : अत्यधिक विशिष्ट कामगारों द्वारा बड़ी संख्या में मानकीकृत उत्पादों की विशेषता से युक्त उत्पादन को कारखाने का उत्पादन, पूँजीगत उत्पादन तथा थोक उत्पादन कहा जाता है।

3. Which were the general land tenure systems prevalent in rural India before independence?
स्वतंत्रता से पहले ग्रामीण भारत में कौन-सी सामान्य भूमि स्वामित्व व्यवस्थाएं (जनरल लैंड टेन्योर सिस्टम्स) प्रचलित थे?

A. Jamindari/जमीनदारी
B. Sajhedari/साझेदारी
C. Ryotwari/रैय्यतवाड़ी
D. Hawaldari/हवलदारी
E. Mahelwari/महलवाड़ी

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनेः

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) B, C and D only/केवल B, C और D
(c) C, D and E only/केवल C, D और E
(d) A, C and E only/केवल A, C और E

Ans. (d) : स्वतंत्रता से पहले ग्रामीण भारत में जमींदारी, रैयतवाड़ी तथा महालवाड़ी भूमि स्वामित्व व्यवस्थाएँ (जनरल लैन्ड टेन्योर सिस्टम्स) प्रचलित थीं। जमींदारी व्यवस्था मुगल शासन काल में प्रारम्भ हुई थी। इसके बाद वर्ष 1793 में लॉर्ड कार्नवालिस ने भूमिका स्वामित्व जमींदारों को देकर स्थायी बन्दोबस्त कर दिया था। यह प्रणाली पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, आंध्रप्रदेश और मध्यप्रदेश में सबसे अधिक प्रचलित थी। रैयतवाड़ी व्यवस्था थॉमस मुनरो और कैप्टन अलेक्जेंडर रीड द्वारा सर्वप्रथम मद्रास प्रेसीडेंसी में लागू किया गया था। जबकि महालवाड़ी व्यवस्था को आगरा व अवध में लार्ड विलियम बेंटिंक द्वारा लोकप्रिय बनाया गया था और बाद में इसे मध्य प्रदेश तथा पंजाब तक बढ़ा दिया गया था। इस प्रणाली के तहत पूरे गांव की ओर से ग्राम प्रधानों द्वारा किसानों से भू-राजस्व एकत्र किया जाता था।

4. Who is known as the "bourgeois Marx"?
''बुर्जुआ मार्क्स'' के रूप में किसे जाना जाता है?

(a) Emile Durkheim/एमाइल दुर्खीम
(b) Max Weber/मैक्स वेबर
(c) Talcott Parsons/टालकॉट पारसंस
(d) Georg Simmel/जॉर्ज सिमेल

Ans. (b) : बुर्जुआ मार्क्स के रूप में मैक्स वेबर को जाना जाता है। इसका सबसे महत्वपूर्ण कारण नए नौकरशाही वर्ग के उदय पर उनका बहुत व्यापक कार्य है। यह नया मध्यम वर्ग था जो औद्योगिक क्रांति से निकला था। ये क्लर्क, फैक्ट्री मैनेजर, टीम लीडर, तकनीकी विशेषज्ञ आदि थे। इस प्रकार वेबर ने एक नए मध्यम वर्ग के उदय, एक नए पूँजीपति वर्ग और समाज पर इसके परिणामों का वर्णन किया, जिस तरह मार्क्स ने श्रमिक वर्ग के उदय, उसके परिणामों और अपरिहार्य क्रांति (जो कभी नहीं आई) का वर्णन किया है।

5. Which sociologist coined the concept, "social relationship" to describe patterned human interaction which is intentional, meaningful and symbolic?
निम्नलिखित में से किस समाजशास्त्री ने प्रतिरूपित (पैटर्न्ड) मानवीय अंतर्क्रिया के वर्णन के लिए ''सामाजिक संबंध'' अवधारणा की रचना की थी, जो अभिप्रेरित, सार्थक और प्रतीकात्मक है?

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) C.H. Cooley/सी.एच. कूले
(b) Erving Goffman/इरविंग गोफमैन
(c) Max Weber/मैक्स वेबर
(d) V. Pareto/वी. परेटो

Ans. (c) : मैक्स वेबर ने प्रतिरूपित (पैटर्न्ड) मानवीय अंतर्क्रिया के वर्णन के लिए "सामाजिक सम्बन्ध" अवधारणा की रचना की थी, जो अभिप्रेरित, सार्थक और प्रतीकात्मक है।

6. The structure features of caste system are:
जाति प्रथा की संरचनागत विशेषताएं है:

A. Openness/खुलापन
B. Segmental division/खण्डात्मक विभाजन
C. Hierarchy/पदानुक्रम
D. Non-hereditary occupations
गैर-आनुवंशिक व्यवसाय
E. Pollution and Purity/प्रदूषण और पवित्रता

Choose the correct answer from the options given below :
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A, B and E only/केवल A, B और E
(b) B, D and E only/केवल B, D और E
(c) B, C and E only/केवल B, C और E
(d) C, D and E only/केवल C, D और E

Ans. (c) : जातिप्रथा की संरचनागत विशेषताएँ खण्डात्मक विभाजन, पदानुक्रम, प्रदूषण और पवित्रता, अन्तर्विवाही, विकर्षण की क्रिया, भोजन तथा सामाजिक सहवास पर प्रतिबन्ध आदि हैं। घुर्ये ने जाति की प्रमुख छः विशेषताओं तथा लुई ड्यूमॉ ने प्रमुख चार विशेषताओं का उल्लेख किया है।

7. Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)
नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

Assertion (A) : Discrimination is a mode of behaviour.
अभिकथन (A): भेदभाव व्यवहार का एक तरीका है।

Reason (R) : To discriminate means to deny an individual or a group, a privilege or an opportunity or a pleasure that is thereupon reserved for one's own group.
कारण (R): भेदभाव करने का अभिप्राय किसी व्यक्त या समूह को वह सुविधा या अवसर या सुख प्रदान करने से मना करता है जो किसी के अपने समूह के लिए आरक्षित है।

In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explantion/(A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) is false but (R) is true
(A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : भेदभाव व्यवहार का एक तरीका है क्योंकि भेदभाव करने का अभिप्राय किसी व्यक्ति या समूह को वह सुविधा या अवसर या सुख प्रदान करने से मना करता है जो किसी के अपने समूह के लिए आरक्षित है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

8. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
A. Harijan हरिजन	1. Constitutional and administrative संवैधानिक एवं प्रशासनिक
B. SC/ST एस.सी./एस.टी.	2. Political and cultural राजनीतिक एवं सांस्कृतिक
C. Dalit/दलित	3. Political and administrative राजनीतिक और प्रशासनिक
D. Maha-Dalit महा-दलित	4. Moral and ethical नैतिक एवं रीती - नीति विषयक

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-IV, B-I, C-II, D-III
(c) A-IV, B-II, C-I, D-III
(d) A-III, B-II, C-IV, D-I

Ans. (b) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

हरिजन	-	नैतिक एवं रीती-नीति विषयक
एस.सी./एस.टी.	-	संवैधानिक एवं प्रशासनिक
दलित	-	राजनीतिक एवं सांस्कृतिक
महा-दलित	-	राजनीतिक एवं प्रशासनिक

9. A biological being is transformed into a social being with the help of the following:
निम्नलिखित में से किसकी सहायता से किसी जैविक जीव को एक सामाजिक जीव के रूप में रूपांतरित किया जाता है :

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) Socialisation/समाजीकरण
(b) Institutionalisation/संस्थाकरण
(c) Structuration/संरचनाकरण
(d) Alienation/अलगाव

Ans. (a) : समाजीकरण की सहायता से किसी जैविक जीव को एक सामाजिक जीव के रूप में रूपांतरित किया जाता है। समाजीकरण सीखने की एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति समूह अथवा समाज की सामाजिक-सांस्कृतिक विशेषताओं को ग्रहण करता है, अपने व्यक्तित्व का विकास करता है और समाज का क्रियाशील सदस्य बनता है।

10. Select the correct statement/s
सही कथन का चयन कीजिए:

A. Quantitative approach - Post-positivist worldview, experimental strategy of enquiry and pre and post-test measures of attitudes
परिमाणात्मक उपागम - उत्तर प्रत्यक्षवाद, वैश्विक दृष्टिकोण, पृच्छा की प्रयोगपरक कार्यनीति और अभिवृत्ति के परीक्षण पूर्व और परीक्षण पश्चात् मापन

B. Qualitative approach - Constructivist worldview, ethnographic design and observation of behaviour/गुणात्मक उपागम - निर्मितिवाद, वैश्विक दृष्टिकोण, नृजातिवर्णन संबंधी अभिकल्प और व्यवहार का प्रेक्षण

C. Qualitative approach - Participatory worldview, narrative design and open-ended interviewing
गुणात्मक उपागम - सहभागी वैश्विक दृष्टिकोण, कथनात्मक अभिकल्प और मुक्तोत्तर साक्षात्कार

D. Mixed method approach - Pragmatic worldview, collection of both qualitative and quantitative data sequentially
मिश्र विधि उपागम - प्रयोजनवादी वैश्विक दृष्टिकोण, परिणामात्मक और गुणात्मक दोनों आंकड़ों का क्रमबद्ध संग्रहण

E. Qualitative approach - Post-postivist worldview, experimental strategy of inquiry and pre and post-test measures of attitudes
गुणात्मक उपागम - उत्तर प्रत्ययवाद, वैश्विक दृष्टिकोण, पृच्छा की प्रयोगपरक कार्यनीति और अभिवृत्ति के परीक्षण पूर्व और परीक्षण पश्चात् मापन

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) B and C only/केवल B और C
(c) A, B, C and D only/केवल A, B, C और D
(d) A and E only/केवल A और E

Ans. (c) : परिमाणात्मक उपागम - उत्तर प्रत्यक्षवाद, वैश्विक दृष्टिकोण, पृच्छा की प्रयोगपरक कार्यनीति और अभिवृत्ति के परीक्षण पूर्व और परीक्षण पश्चात् मापन
गुणात्मक उपागम - निर्मितवाद, वैश्विक दृष्टिकोण, नृजातिवर्णन संबंधी अभिकल्प और व्यवहार का प्रेक्षण
गुणात्मक उपागम - सहभागी वैश्विक दृष्टिकोण, कथनात्मक अभिकल्प और मुक्तोत्तर साक्षात्कार
मिश्र विधि उपागम - प्रयोजनवादी वैश्विक दृष्टिकोण, परिमाणात्मक और गुणात्मक दोनों आँकड़ों का क्रमबद्ध संग्रहण

11. Who has written the book, 'The Family in India: Critical Essays'?
इनमें से कौन 'द फैमिली इन इंडिया : क्रिटिकल एस्से' नामक पुस्तक लिखा है?

(a) P. Uberoi/पी. उबेरॉय
(b) Irawati Karve/इरावती कर्वे
(c) A.M. Shah/ए.एम. शाह
(d) I.P. Desai/आई.पी. देसाई

Ans. (c) : द फैमिली इन इन्डिया : क्रिटिकल एस्से (The Family in India : Critical Essays) नामक पुस्तक अरविन्द एम. शाह ने लिखा है।

12. Given below are two statements, one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R
नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

Assertion (A) : Prejudice is one thing. Discrimination is something else.
अभिकथन (A): पूर्वाग्रह एक चीज है, भेदभाव कुछ और है।

Reason (R) : Prejudice is a matter of belief. Discrimination is a mode of behaviour.
कारण (R): पूर्वाग्रह विश्वास का विषय है। विभेदीकरण व्यवहार का एक तरीका है।

In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explantion/(A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) is false but (R) is true
(A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : पूर्वाग्रह एक चीज है, भेदभाव कुछ और है क्योंकि पूर्वाग्रह विश्वास का विषय है जबकि विभेदीकरण व्यवहार का एक तरीका है। अतः A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।

13. Who wrote the book, "The Lonely Crowd"?
''द लोनली क्राउड'' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) Howard Rheingold/हावर्ड रेनगोल्ड
(b) Bruno Latour/ब्रूनो लातोर
(c) David Riesman/डेविड रिजमैन
(d) Georg Simmel/जार्ज सिमेल

Ans. (c) : ''द लोनली क्राउड'' (The Lonely Crowd) पुस्तक के लेखक डेविड रिजमैन हैं। इनकी अन्य प्रमुख पुस्तकें निम्न प्रकार हैं-
- Abundance for what
- Faces in the Crowd
- The making of the Avicennan tradition
- On higher education

14. Adopting a historical approach to the dispersal of people, R. Cohen identifies the following categories of diasporas
आर. कोहेन ने लोगों के फैलाव के प्रति ऐतिहासिक उपागम अपनाते हुए डायसपोरा की निम्नलिखित श्रेणियों की पहचान की:

A. Victim diasporas/पीड़ित डायसपोरा
B. Labour diasporas/श्रमिक डायसपोरा
C. Trading diasporas/व्यापारी डायसपोरा
D. Imperial diasporas/साम्राज्यिक डायसपोरा
E. Cultural diasporas/सांस्कृतिक डायसपोरा

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A, B, D and E only/केवल A, B, D और E
(b) A and E only/केवल A और E
(c) A only/केवल A
(d) A, B, C, D and E/केवल A, B, C, D और E

Ans. (d) : आर. कोहेन ने लोगों के फैलाव के प्रति ऐतिहासिक उपागम अपनाते हुए डायसपोरा की निम्नलिखित श्रेणियों की पहचान की है- पीड़ित डायसपोरा, श्रमिक डायस पोरा, व्यापारी डायसपोरा, साम्राज्यिक डायसपोरा तथा सांस्कृतिक डायसपोरा।

15. Examples of nominal measures are:
नामित मापनी के उदाहरण हैं

A. Gender/लिंग
B. Religious affiliation/धार्मिक संबंधन
C. Birth place/जन्म स्थान
D. Social classes/सामाजिक वर्ग
E. Intellectual sophistication/बौद्धिक परिष्कृतता

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनेः

(a) D and E only/केवल D और E
(b) A, B and C only/केवल A, B और C
(c) B, C and D only/केवल B, C और D
(d) A, B and D only/केवल A, B और D

Ans. (b) : प्रश्नगत नामित मापनी के उदाहरण है- लिंग, धार्मिक संबंधन तथा जन्म स्थान। एस.एस. स्टीवेंस ने निम्न चार मापनियों का उल्लेख किया है-
1. नामित मापनी 2. क्रमिक मापनी
3. अंतराल मापनी 4. आनुपातिक मापनी

16. Which among the following are relevant and related to the national policy on education?
निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति की दिशा में प्रासंगिक और संबंधित है:

A. Radha Krishnan Commission
राधाकृष्णन आयोग
B. Murlidhar Commission/मुरलीधर आयोग
C. Kidwai Commission/किदवई आयोग
D. Kothari Commission/कोठारी आयोग
E. Tendulkar Commission/तेंदुलकर आयोग

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) A, B and E only/केवल A, B और E
(c) A, B and D only/केवल A, B और D
(d) A, B and C only/केवल A, B और C

Ans. (c) : राधाकृष्णन आयोग, मुरलीधर आयोग तथा कोठारी आयोग शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति की दिशा में प्रासंगिक और संबंधित हैं। स्वतंत्रता के बाद विश्वविद्यालय शिक्षा की समीक्षा के लिए 4 नवंबर, 1948 में राधाकृष्णन आयोग की स्थापना की गई थी। कोठारी आयोग की स्थापना 14 जुलाई, 1964 को भारतीय शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए हुई थी। मुरलीधर आयोग का मुख्य उद्देश्य देश में माध्यमिक शिक्षा प्रणाली की स्थितियों की जाँच करना और इसे सुधारने के तरीके सुझाना था।

17. .... is an approach originally developed by Dorothy Smith (1978) to better understand women's everyday experiences by discovering the power relations that shape those experiences.
.... डोरोथी स्मिथ (1978) द्वारा मूल रूप से विकसित दृष्टिकोण जिसका उद्देश्य महिलाओं के दैनंदिन अनुभवों से जुड़ी हुई अधिकार संबंधी संबंधो को बेहतर ढंग से समझना है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) Case study/वैयक्तिक अध्ययन
(b) Content analysis/विषय - वस्तु विश्लेषण
(c) Institutional ethnography/संस्थागत नृजाति वर्णन
(d) Participatory Action Research
सहभागी कार्य शोध

Ans. (c) : संस्थागत नृजाति वर्णन डोरोथी स्मिथ (1978) द्वारा मूल रूप से विकसित दृष्टिकोण जिसका उद्देश्य महिलाओं के दैनंदिन अनुभवों से जुड़ी हुई अधिकार संबंधी संबंधो को बेहतर ढंग से समझना है।

18. Given below are two statements:
नीचे दो कथन दिए गए है:

Statement I: Karl Marx, Max Weber and Michel Foucault are the most influential figures in an intellectual movement known as post-structuralism.
कथन I : कार्ल मार्क्स, मैक्स वेबर और माइकल फूको उत्तर-संरचनात्मकवाद के रूप में जानने वाले बौद्धिक आंदोलन में सर्वाधिक प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं।

Statement II : Michel Foucault has had immense influence on social sciences.
कथन II : माइकल फूको को सामाजिक विज्ञानों पर अत्यधिक प्रभाव रहा है।

In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) Both Statement I and Statement II are correct
कथन I और II दोनों सही हैं।
(b) Both Statement I and Statement II are incorrect/कथन I और II दोनों गलत हैं।
(c) Statement I is correct but Statement II is incorrect/कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत है।
(d) Statement I is incorrect but Statement II is correct/कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है।

Ans. (d) : कार्ल मार्क्स, मैक्स वेबर और माइकल फूको उत्तर-संरचनावादी नहीं हैं जबकि माइकल फूको का सामाजिक विज्ञानों पर अत्यधिक प्रभाव रहा है। उनका प्रमुख विषय ज्ञान, शक्ति तथा मानव शरीर रहा है। अतः कथन-I गलत है, किन्तु कथन-II सही है।

19. Which one of the following is not correctly matched?
निम्नलिखित में से कौन-सा सही ढंग से सुमेलित नहीं है?

(a) Park and Burgess: Ecological School
पार्क और बर्गेस : इकोलॉजिकल स्कूल
(b) H.W. Odum: Regional School
एच.डब्ल्यू ओडम : रीजनल स्कूल
(c) Dexter, Huntington: Impact of climatic conditions on human society/
डेक्स्टर, हटिंगटन : इंपैक्ट ऑफ क्लाइमेटिक कंडीशंस ऑन ह्यूमन सोसायटी
(d) Maclver: Human Geography
मैकाइवर : ह्यूमन जियोग्राफी

Ans. (d) : सही सुमेलन निम्न प्रकार है-
पार्क और बर्गेस : इकोलॉजिकल स्कूल
एच. डब्ल्यू ओडम : रीजनल स्कूल
डेक्स्टर हटिंगटन : इंपैक्ट ऑफ क्लाइमेटिक कंडीशंस ऑन ह्यूमन सोसाइटी
मैकाइवर : सोसाइटी

20. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
(Principles/सिद्धांत)	**(Meaning/तात्पर्य)**
A. Phenomenalism घटनाक्रियावाद	1. Knowledge is arrived at through the gathering of facts that provide the basis for laws/नियमों को आधार प्रदान करने वाले तथ्यों को एकत्र कर ज्ञान तक पहुंचा जाता है
B. Deductivism निगमनवाद	2. Asserts that social phenomena and their meanings are continually being accomplished by social actors/कहता है कि सामाजिक परिघटनाएं और उनके अर्थ लगातार सामाजिक कारकों द्वारा पूर्ण किए जा सकते हैं
C. Inductivism आगमनवाद	3. The purpose of theory is to generate hypothesis that can be tested/सिद्धांत का उद्देश्य ऐसी प्राक्कल्पना का सृजन करता है जिसका परीक्षण किया जा सकता है
D. Constructionism निर्मितिवाद	4. Only phenomena and hence knowledge confirmed by the senses can be warranted as knowledge/मात्र परिघटनाएं और इसलिए इंद्रियों द्वारा परिपुष्ट ज्ञान को ज्ञान माना जा सकता है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-II, B-IV, C-I, D-III
(c) A-IV, B-III, C-I, D-II
(d) A-III, B-II, C-I, D-IV

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-
घटनाक्रियावाद- मात्र परिघटनाएं और इसलिए इन्द्रियों द्वारा परिपुष्ट ज्ञान को ज्ञान माना जा सकता है।
निगमनवाद- सिद्धान्त का उद्देश्य ऐसी प्राक्कल्पना का सृजन करता है जिसका परीक्षण किया जा सकता है।
आगमनवाद- नियमों को आधार प्रदान करने वाले तथ्यों को एकत्र कर ज्ञान तक पहुँचा जाता है।
निर्मितवाद- कहता है कि सामाजिक परिघटनाएँ और उनके अर्थ लगातार सामाजिक कारकों द्वारा पूर्ण किए जा सकते हैं।

21. Who has written the book, 'World Revolution and Family'?
इनमें से किसने 'वर्ल्ड रिवॉल्यूशन एंड फेमिली' नामक पुस्तक लिखा है?
(a) William Goode/विलियम गुडे
(b) David Cooper/डेविड कूपर
(c) Michael Anderson/माइकल एंडरसन
(d) Ronald Fletcher/रोनाल्ड फ्लेचर

Ans. (a) : 'वर्ल्ड रिवॉल्यूशन एंड फेमिली' (World Revolution and Family) नामक पुस्तक विलियम जे. गुडे ने लिखा है।

22. The features of "Kula Ring", described by Malinowski are
मेलिनोवस्की द्वारा वर्णित 'कुला रिंग' की विशेषताएँ हैं:
A. It is an exchange cycle/यह विनिमय चक्र है
B. It had no monetary value
इसका कोई मौद्रिक मूल्य नहीं है
C. It was seen as an exchange of gifts
इसे उपहार के विनिमय के रूप में देखा जाता था
D. It provided internal status to men
यह मनुष्यों की आंतरिक प्रस्थिति प्रदान करता था
E. It did not weld together, a large number of islands/इसमें कई द्वीपों को एकसाथ नहीं जोड़ा गया
Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:
(a) A, B, D and E only/केवल A, B, D, E
(b) A, C, D and E only/केवल A, C, D, E
(c) A, B, C, and D only/केवल A, B, C, D
(d) B, C, D and E only/केवल B, C, D, E

Ans. (c) : मैलिनोवस्की द्वारा वर्णित 'कुला रिंग' की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं-
- यह विनिमय चक्र है।
- इसका कोई मौद्रिक मूल्य नहीं है।
- इसे उपहार के विनिमय के रूप में देखा जाता था।
- यह मनुष्यों की आंतरिक प्रस्थिति प्रदान करता था।
- इसमें कई द्वीपों को एकसाथ जोड़ा गया।

23. People under the class structure who are economically, politically and socially marginalized and excluded comprise the
वर्ग - संरचना के अंतर्गत ऐसे लोग जो आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक रूप से अधिकारहीन और वंचित हैं, किस वर्ग के अंतर्गत शामिल हैं:
(a) Economic class/आर्थिक वर्ग
(b) Oppressed class/दमनित वर्ग
(c) Underclass/अंडरक्लास
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : वर्ग - संरचना के अंतर्गत ऐसे लोग जो आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक रूप से अधिकारहीन और वंचित हैं अंडरक्लास (निम्न वर्ग) के अंतर्गत शामिल हैं।

24. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
(Thinkers/चिंतक)	**(Concepts/अवधारणाएं)**
A. Alfred Schutz अल्फ्रेड शुट्ज	1. Stigma लांछन (स्टिग्मा)
B. Erving Goffman इरविंग गॉफमैन	2. Field/क्षेत्र (फिल्ड)
C. Jurgen Habermas जुर्गेन हैबरमास	3. Recipe/व्यंजन (रेसिपी)
D. Pierre Bourdieu पियरे बोर्दियू	4. Communicative Action संप्रेषणात्मक क्रिया (कम्युनिकेटिव एक्शन)

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-I, B-III, C-II, D-IV
(b) A-IV, B-I, C-III, D-II
(c) A-III, B-I, C-IV, D-II
(d) A-II, B-IV, C-III, D-I

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

चिंतक	**अवधारणाएँ**
अल्फ्रेड शूट्ज	व्यंजन (रेसिपी)
इरविंग गॉफमैन	लांछन (स्टिग्मा)
जुर्गेन हेबरमास	संप्रेषणात्मक क्रिया (कम्युनिकेटिव एक्सन)
पियरे बोर्दियू	क्षेत्र (फील्ड)

25. "Cultural identities are shaped by a complex set of factors, which are associated with the process of evolution of cultural practices and belief of a people in course of their historical experiences." Who stated this?
''सांस्कृतिक अस्मिताओं का आकार ऐसे जटिल कारकों के समुच्चय से बनता है जो लोगों के ऐतिहासिक अनुभवों के दौरान उनके सांस्कृतिक प्रचलनों एवं विश्वासों से उद्वविकास की प्रक्रिया से संबंधित हैं।'' यह किसका कथन है?

(a) T.K. Oommen/टी.के. उमैन
(b) Yogendra Singh/योगेंद्र सिंह
(c) E.B. Tylor/ई.बी. टायलर
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : योगेन्द्र सिंह का कथन है कि, ''सांस्कृतिक अस्मिताओं का आकार ऐसे जटिल कारकों के समुच्चय से बनता है जो लोगों के ऐतिहासिक अनुभवों के दौरान उनके सांस्कृतिक प्रचलनों एवं विश्वासों से उद्विकास की प्रक्रिया से संबंधित हैं।''

26. Which of the following constitute(s) an important methodological component(s) in Foucault's works?
निम्नलिखित में से कौन से फूको की कृतियों में एक महत्वपूर्ण मेथोडोलॉजिकल (पद्धतिशास्त्र) घटक है?

A. Discipline and Punish/डिसिप्लिन एंड पनिश
B. The History of Sexuality
द हिस्ट्री ऑफ सेक्सुएलिटी
C. madness and Civilization
मैडनेस एंड सिविलाइजेशन
D. The Archaeology of Knowledge
द आर्कियोलॉजी ऑफ नॉलेज
E. The Order of Things/द ऑर्डर ऑफ थिंग्स

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) D only/केवल D
(c) C, D and E only/केवल C, D और E
(d) D and E only/केवल D और E

Ans. (b) : 'द ऑर्डर ऑफ थिंग्स' फूको की कृतियों में एक महत्वपूर्ण मेथोडोलॉजिकल (पद्धतिशास्त्र) घटक है। फूको इतिहास लेखन तथा समाजशास्त्र में पारम्परिक पद्धतिशास्त्र तथा प्रस्थापनाओं के कटु आलोचक थे। उन्होंने जेल, निदानगृह तथा कामात्मकता के अपने ऐतिहासिक अध्ययनों में विशेष रूप से अपनी विशिष्ट पद्धति का प्रयोग कर समाजशास्त्र को एक नया आयाम दिया।

27. Relative poverty refers to:
सापेक्ष निर्धनता अभिप्राय है:

(a) Poverty of the people who are relatively marginalised/ऐसे लोगों की निर्धनता जो तुलनात्मक रूप से हाशिए पर है
(b) Deprivation of resources that is life threatening
जीवन के लिए घातक संसाधनों से वंचित रहना
(c) Deprivation of some people in relation to those who have more/संसाधनसंपन्न लोगों की तुलना में कुछ लोगों का वंचित रहना
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : सापेक्ष निर्धनता से अभिप्राय है - संसाधन सम्पन्न लोगों की तुलना में कुछ लोगों का वंचित रहना।

28. .... is the channelling of an increasing number of women into low-status, poorly paid manual work.
.... महिलाओं की बढ़ती संख्या जो निम्न प्रस्थिति वाले, कम पारिश्रमिक शारीरिक श्रम की ओर जाता है।

(a) Feminisation of poverty/गरीबी का स्त्रीत्वकरण
(b) Female proletarianization/स्त्री सर्वहाराकरण
(c) Feminisation of labor/श्रम का स्त्रीत्वकरण
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : महिलाओं की बढ़ती संख्या जो निम्न प्रस्थिति वाले, कम पारिश्रमिक शारीरिक श्रम की ओर जाता है स्त्री सर्वहाराकरण कहलाता है।

29. Who has classified political institutions into republic, aristocracy, monarchy and autocracy?
निम्नलिखित में से किसने राजनीतिक संस्थाओं को गणतंत्र, कुलीन-तंत्र, राजतंत्र, निरंकुश तंत्र के रूप में वर्गीकृत किया है?

(a) Robert Michels/रॉबर्ट मिसेल्स
(b) Montesquieu/मोन्टेस्क्यू
(c) Harold Gould/हैराल्ड गोल्ड
(d) Rajani Kothari/रजनी कोठारी

Ans. (b) : मोन्टेस्क्यू ने राजनीतिक संस्थानों को गणतंत्र, कुलीनतंत्र, राजतंत्र, निरंकुशतंत्र के रूप में वर्गीकृत किया है। उन्होंने अपनी पुस्तक 'द स्पिरिट ऑफ लॉज' (The spirit of the Laws) में शक्ति पृथक्करण के सिद्धांत को स्पष्ट किया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

30. Given below are two statements:
नीचे दो कथन दिए गए हैं:

Statement I: A major problem for empirical researchers is the connection between theory and observation referred to as rules of correspondence.
कथन I: अनुभवजन्य शोधार्थियों के लिए एक प्रमुख समस्या सिद्धांत और पर्यवेक्षण के बीच संबंध है, जिसे संगतता के नियमों के रूप में संदर्भित किया जाता है।

Statement II: In Sociology, the passage from observation to conceptualisation and back again requires a close examination of the manner in which our observations are organized and cateogorised, as well as, to the operationalisation of the concepts used to organise data.
कथन II: समाजशास्त्र में पर्यवेक्षण से अवधारणाकरण तक और पुनः लौटने तक के मार्ग के लिए एक तरीके की निकटस्थ जांच आवश्यक है, जिसमें हमारे पर्यवेक्षण को संगठित एवं वर्गीकृत किया जाता है, साथ ही डेटा को संगठित करने के लिए परिचालनीकरण का उपयोग किया जाता है।

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) Both Statement I and Statement II are correct
कथन I और II दोनों सही हैं।
(b) Both Statement I and Statement II are incorrect/कथन I और II दोनों गलत हैं।
(c) Statement I is correct but Statement II is incorrect/कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत है।
(d) Statement I is incorrect but Statement II is correct/कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है।

Ans. (a) : अनुभवजन्य शोधार्थियों के लिए एक प्रमुख समस्या सिद्धान्त और पर्यवेक्षण के बीच संबंध है, जिसे संगतता के नियमों के रूप में संदर्भित किया जाता है। इसके साथ ही समाजशास्त्र में पर्यवेक्षण से अवधारणाकरण तक और पुनः लौटने तक के मार्ग के लिए एक तरीके की निकटस्थ जांच आवश्यक है, जिसमें हमारे पर्यवेक्षणों को संगठित एवं वर्गीकृत किया जाता है, साथ ही डेटा को संगठित करने के लिए परिचालनीकरण का उपयोग किया जाता है।
अतः कथन I और II दोनों सही हैं।

31. Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)
नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

Assertion (A) : Enhancing global conciousness is a vital dimension of increasing environmental awareness.
अभिकथन (A) : वैश्विक चेतना संवर्धन पर्यावरणीय जागरूकता में वृद्धि करने का एक महत्वपूर्ण आयाम है।

Reason R : Our choices and actions are responsible for our actions towards ecology.
कारण (R) : पारिस्थितिकी के प्रति हमारे क्रियाकलाप के लिए हमारी पसंद और क्रियाएं उत्तरदायी होते हैं।

In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explantion/(A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) is false but (R) is true
(A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : वैश्विक चेतना संवर्धन पर्यावरणीय जागरूकता में वृद्धि करने का एक महत्वपूर्ण आयाम है क्योंकि परिस्थितिकी के प्रति हमारे क्रियाकलाप के लिए हमारी पसंद और क्रियाएँ उत्तरदायी होते हैं। अतः A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।

32. Who among the following used 'Comparative and Historical Research Method' in their study?
इनमें से किसने अपने अध्ययन में 'तुलनात्मक और ऐतिहासिक शोध प्रविधि' का उपयोग किया है?

(a) Auguste Comte/ऑगस्ट कामटे
(b) Karl Marx/कार्ल मार्क्स
(c) Lewis Morgan/लेविस मॉर्गन
(d) All of the above/उपरोक्त सभी

Ans. (d) : ऑगस्त कॉम्ट, कार्ल मार्क्स तथा लेविस मॉर्गन ने अपने अध्ययन में तुलनात्मक और ऐतिहासिक शोध प्रविधि का उपयोग किया है।

33. Given below are two statements:
नीचे दो कथन दिए गए हैं:

Statement I: Some of the developing countries have embarked successfully on a process of rapid industrialization.

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कथन I: कुछ विकासशील देशों ने तेज गति से औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक आरंभ कर दी है।

Statement II: They are referred to as the Newly Industrializing Countries.

कथन II: उन्हें नए औद्योगिकीकरणशील देश कहा जाता है।

In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below/उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) Both Statement I and Statement II are correct कथन I और II दोनों सही हैं।

(b) Both Statement I and Statement II are incorrect/कथन I और II दोनों गलत हैं।

(c) Statement I is correct but Statement II is incorrect/कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत है।

(d) Statement I is incorret but Statement II is correct/कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है।

Ans. (a) : कुछ विकासशील देशों ने तेज गति से औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक आरंभ कर दी है। उन्हें नए औद्योगिकीकरण शील देश कहा जाता है। अतः कथन I और II दोनों सही हैं।

34. Which one of the following is not correct?
निम्नलिखित में से कौन सा सही नहीं है?

(a) Status - Social position/प्रस्थिति - सामाजिक स्थिति

(b) Role - Behavioural expectations
भूमिका - व्यवहारगत अपेक्षाएं

(c) Socialisation - Process of learning
समाजीकरण - सीखने की प्रक्रिया

(d) Values - Specific guidelines
मूल्य - विशिष्ट दिशा - निर्देश

Ans. (d) : सही सुमेलन निम्न प्रकार है-

प्रस्थिति	-	सामाजिक स्थिति
भूमिका	-	व्यहारगत अपेक्षाएं
समाजीकरण	-	सीखने की प्रक्रिया
मूल्य	-	सामान्य आदर्श

मूल्य विशिष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं। मूल्य सामान्य आदर्श हैं। मूल्यों को व्यक्ति समाजीकरण की प्रक्रिया द्वारा सीखता है और आन्तरीकृत करता है तथा इन्हीं के अनुरूप आचरण करने की सोचता है।

35. According to Louis Wirth, the following variables are important in making urban life impersonal:
लुइस वर्थ के अनुसार, शहरी जीवन को अवैयक्तिक बनाने में निम्नलिखित चर महत्वपूर्ण हैं:

A. Location/अवस्थान (लोकेशन)
B. Affluence/प्रभुता
C. Size/आकार
D. Density/घनत्व
E. Heterogeneity/विषमता

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A, B and C only/केवल A, B और C

(b) B, C and D only/केवल B, C और D

(c) C, D and E only/केवल C, D और E

(d) A, C and E only/केवल A, C और E

Ans. (c) : लुइस वर्थ के अनुसार शहरी जीवन को अवैयक्तिक बनाने में निम्नलिखित चर महत्वपूर्ण हैं- आकार, घनत्व तथा विषमता। आकार से तात्पर्य लोगों की कुल संख्या या जनसंख्या से है। घनत्व किसी विशेष क्षेत्र में बसे लोगों की संख्या को संदर्भित करता है जबकि विषमता विभिन्न नस्लीय और जातीय समूहों को संदर्भित करती है।

36. Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)
नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

Assertion (A) : Sociologists usually distinguish between absolute and relative poverty.

अभिकथन (A) : समाजशास्त्री आमतौर पर पूर्ण और सापेक्ष निर्धनता के बीच भेद करते हैं।

Reason R : In developed countries, with established welfare system, absolute poverty is rare.

कारण (R) : विकासशील देशों में स्थापित कल्याणकारी व्यवस्थाओं (प्रणालियाँ) से पूर्ण निर्धनता दुर्लभ पाई जाती है।

In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:
उपरोक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explantion/(A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।

(d) (A) is false but (R) is true
(A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (b) : समाजशास्त्री आमतौर पर पूर्ण और सापेक्ष निर्धनता के बीच भेद करते हैं और विकासशील देशों में स्थापित कल्याणकारी व्यवस्थाओं (प्रणालियाँ) से पूर्ण निर्धनता दुर्लभ पाई जाती है। अतः A और R दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

37. Which one of the following influences deviance?
निम्नलिखित में से कौन सा विचलन को प्रभावित करता है?

(a) Hierarchy/पद सोपान (b) Personality/व्यक्तित्व
(c) Status/प्रस्थिति (d) Norms/मानदंड

Ans. (b) : व्यक्तित्व विचलन को प्रभावित करता है। व्यक्तित्व व्यक्ति के सभी प्राणीशास्त्रीय गुणों एंव अर्जित प्रवृत्तियों का योग है। व्यक्तित्व में शारीरिक, मनोवैज्ञानिक तथा सामाजिक सांस्कृतिक सभी पक्ष सम्मिलित हैं।

38. The durable relations between a food-producing family and the families that supply them with goods and services are known as–
खाद्य पदार्थों का उत्पादन करने वाले परिवार और ऐसे परिवारों का जो उन्हें वस्तु और सेवाओं की आपूर्ति करते हैं, के बीच टिकाऊ संबंधों को कहा जाता है–

(a) Service caste - higher caste relations
सेवा प्रदाता जाति - उच्चतर जाति संबंध
(b) Producer - supplier relations
उत्पादक - आपूर्तिकर्ता संबंध
(c) Caste relations/जाति संबंध
(d) Jajmani relations/जजमानी संबंध

Ans. (d) : खाद्य पदार्थों का उत्पादन करने वाले परिवार और ऐसे परिवारों का जो उन्हें वस्तु और सेवाओं की आपूर्ति करते हैं, के बीच टिकाऊ संबंधों को जजमानी संबंध कहा जाता है। जजमानी व्यवस्था में पारितोषण निम्न तीन रूपों में दिया जाता है-
(i) सेवा के बदले सेवा के रूप में,
(ii) नगद पारितोषिक प्राप्त करना तथा
(iii) कभी-कभी पारितोषिक विशेष प्रकारी की छूट के रूप में होना।

39. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
(Thinkers/विचारव ग)	**(Work/कार्य)**
A. G.H. Mead जी.एच. मीड	1. Structuration संरचनाकरण
B. E. Goffman ई. गौफमैन	2. Governmentality शासनीयता (गवर्नमेंटेलिटी)
C. M. Foucault एम. फूको	3. Symbolic Interactionism प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद
D. A. Giddens ए. गिडेन्स	4. Total institutions कुल संस्थाएं

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-IV, B-I, C-II, D-III
(b) A-III, B-IV, C-I, D-II
(c) A-III, B-IV, C-II, D-I
(d) A-II, B-I, C-IV, D-III

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

विचारक	**कार्य**
जी.एच. मीड	प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद
ई. गॉफमैन	कुल संस्थाएँ
एम. फूको	शासनीयता (गवर्नमेंटेलिटी)
ए. गिडेन्स	संरचनाकरण

40. There are two levels of meanings which are implicit in Sanskritization. These are:
संस्कृतिकरण में अर्थ के दो स्तर अन्तर्निहित हैं। ये हैं-

(a) Historical specific and contextual specific
इतिहास विशिष्ट और संदर्भ विशिष्ट
(b) Contextual specific and culture specific
संदर्भ विशिष्ट और संस्कृति विशिष्ट
(c) Historical specific and culture specific
इतिहास विशिष्ट और संस्कृति विशिष्ट
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : संस्कृतिकरण में अर्थ के दो स्तर अन्तर्निहित हैं। ये हैं- इतिहास विशिष्ट और संदर्भ विशिष्ट। संस्कृतिकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक 'निम्न जाति' या 'जनजाति' या कोई अन्य समूह किसी उच्च जाति, विशेषतः द्विज जाति के रीति-रिवाजों, कर्मकाण्डों, विश्वासों और जीवन शैली को अपना लेता है।

41. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	**List-II/सूची-II**
A. A person enumerated outside the place of normal residence सामान्य निवास स्थान के बाहर गिना गया एक व्यक्ति	1. Migrant/प्रवासी
B. Spouses and children joining the migrant in due course/पतिपत्नी और बच्चों का प्रवासियों में यथा समय शामिल होना	2. Forced migration बलात् प्रवसन/ प्रवजन
C. Persons displaced by war or violence युद्ध या हिंसा के कारण विस्थापित व्यक्ति	3. Seasonal migration/मौसमी प्रवसन/प्रवजन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

D. Persons seeking work each year for a short time in a place other than their normal residence/अपने सामान्य निवास स्थान के बजाए एक लघु काल के लिए प्रतिवर्ष दूसरी जगह कार्य मांगना	4. Associative migration/सहचारी प्रवसन/प्रवजन

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-IV, C-II, D-III
(b) A-I, B-III, C-IV, D-II
(c) A-I, B-II, C-III, D-IV
(d) A-I, B-II, C-IV, D-III

Ans. (a) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

सामान्य निवास स्थान के बाहर गिना गया एक व्यक्ति	- प्रवासी
पति-पत्नी और बच्चों का प्रवासियों में यथा समय शामिल होना	- सहचारी प्रवसन/प्रवजन
युद्ध या हिंसा के कारण विस्थापित व्यक्ति	- बलात् प्रवसन/प्रवजन
अपने सामान्य निवास स्थान के बजाए एक लघु काल के लिए प्रतिवर्ष दूसरी जगह कार्य मांगना	- मौसमी प्रवसन/प्रवजन

42. Which one of the following practice matrilineal family structure?
निम्नलिखित में से किस जनजाति में मातृवंशात्मक पारिवारिक संरचना का प्रचलन पाया जाता है?

(a) Garo/गारो
(b) Koya/कोया
(c) Garasia/गारासिया
(d) Gond/गोंड

Ans. (a) : गारो, खासी तथा नायर जनजाति में मातृवंशात्मक पारिवारिक संरचना का प्रचलन पाया जाता है। परिवार की सत्ता प्रमुख रूप से किसी स्त्री के हाथ में होती है।

43. Who has suggested six dimensions of communalism : assimilationist, welfarist, retreatist, retaliatory, separatist and secessionist:
इनमें से किसने संप्रदायवाद के 6 आयामों आत्मसात्करणवादी, कल्याणकार्यवादी, पश्चगमनवादी, प्रतिकारवादी, पृथकतावादी और विलग्नतावादी के बारे में सुझाव दिया है:

(a) Yogendra Singh/योगेंद्र सिंह
(b) A.R. Desai/ए.आर. देसाई
(c) T.K. Oommen/टी.के. ओमेन
(d) G.S. Ghurye/जी.एस. घुर्ये

Ans. (c) : टी.के. ओमेन ने संप्रदायवाद के 6 आयामों आत्मसात्करणवादी, कल्याणकार्यवादी, पश्चगमनवादी, प्रतिकारवादी, पृथकतावादी और विलग्नतावादी के बारे में सुझाव दिया है।

44. The book, "Patterns of Culture" is written by:
"पैटर्न्स ऑफ कल्चर" पुस्तक के लेखक हैं:

(a) B. Anderson/बी. एंडरसन
(b) Evans-Pritchard/इवान्स प्रिचार्ड
(c) R. Benedict/आर. बेनेडिक्ट
(d) B. Malinowski/बी. मेलिनोव्स्की

Ans. (c) : "पैटर्न्स ऑफ कल्चर" (1934) (Patterns of Culture) पुस्तक के लेखक आर. बेनेडिक्ट हैं। इनकी अन्य प्रमुख कृति है- Zuni mythology (Two vols), 1935

45. Who has classified action into logical and non-logical action?
निम्नलिखित में से किसने क्रिया को तार्किक और अतार्किक क्रिया में वर्गीकृत किया है?

(a) Max Weber/मेक्स वेबर
(b) T. Parsons/टी. पार्सन्स
(c) V. Pareto/वी. पेरेटो
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : वी. परेटो ने क्रिया को तार्किक और अतार्किक क्रिया में वर्गीकृत किया है। तार्किक क्रिया का आधार वस्तुनिष्ठ होता है जबकि अतार्किक क्रिया का आधार व्यक्तिनिष्ठ होता है। जब एक क्रिया प्रामाणिक तर्क से सम्बन्धित होती है तो उसे तर्कसंगत क्रिया कहते हैं। अर्थात् ऐसा तर्क जो केवल कर्ता की दृष्टि से ही नहीं, वरन् उस विषय में अधिक व्यापक ज्ञान रखने वाले व्यक्तियों के दृष्टिकोण से भी सही हो, परन्तु जब क्रिया केवल एक ऐसे तर्क से सम्बन्धित है जो केवल कर्ता के दृष्टिकोण से उचित है तो उसे अतर्कसंगत क्रिया कहेंगे।

46. Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)
नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

Assertion A : There is the increasing prevalence of borderless diseases.
अभिकथन (A) : सीमा रहित रोगों की व्यापकता बढ़ रही है।

Reason R : There is the increase in global travel and an increasing rate of human migration.
कारण (R) : वैश्विक यात्रा में बढ़ोत्तरी हो रही है और मानव प्रवास की दर में वृद्धि हो रही है।

In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explantion/(A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) is false but (R) is true
(A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : सीमा रहित रोगों की व्यापकता बढ़ रही है क्योंकि वैश्विक मात्रा में बढ़ोत्तरी हो रही है और मानव प्रवास की दर में वृद्धि हो रही है। अतः A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।

47. An Italian consuming paneer tikka in Rome and an Indian consuming pizza in Varanasi is an example of
एक इटालियन द्वारा रोम में उपयोग किया जाने वाला पनीर टिक्का और एक भारतीय द्वारा वाराणसी में उपयोग किया जाने वाला पिज्जा निम्नलिखित में से किसका एक उदाहरण है:
(a) Globalisation of food/आहार का वैश्वीकरण
(b) Globalisation of commodities
वस्तुओं का वैश्वीकरण
(c) Globalisation of culture/संस्कृति का वैश्वीकरण
(d) All of the above/उपरोक्त सभी

Ans. (d) : एक इटालियन द्वारा रोम में उपयोग किया जाने वाला पनीर टिक्का और एक भारतीय द्वारा वाराणसी में उपयोग किया जाने वाला पिज्जा आहार का वैश्वीकरण, वस्तुओं का वैश्वीकरण तथा संस्कृति का वैश्वीकरण का उदाहरण है।

48. .... is a set of socially constructed ideas that accommodate the interests of men and patriarchy and involve the compliance of females.
.... सामाजिक रूप से निर्मित विचारों का समुच्चय है जो पुरुषों और पितृसत्ता के हितों को समायोजित करता है और इसमें महिलाओं का अनुपालन शामिल है।
(a) Hegemonic masculinity/आधिपत्यवादी पुरुषत्व
(b) Emphasized femineity/एमफेसाइज्ड फेमिनिटी
(c) Both of the above/उपरोक्त दोनों
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : एमफेसाइज्ड फेमिनिटी सामाजिक रूप से निर्मित विचारों का समुच्चय है जो पुरुषों और पितृसत्ता के हितों को समायोजीत करता है और इसमें महिलाओं का अनुपालन शामिल है।

49. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
(Books/पुस्तकें)	(Authors /लेखक)
A. World Risk Society वर्ल्ड रिस्क सोसायटी	1. M. Castells एम. कास्टेल
B. End of Millenium एंड ऑफ मिलेनियम	2. V. Shiva वी. शिवा
C. Development as Freedom डेवलपमेंट एज फ्रीडम	3. A. Sen/ए.सेन
D. Ecofeminism/इकोफेमिनिज्म	4. U. Beck यू. बेक

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-IV, B-I, C-III, D-II
(b) A-III, B-II, C-IV, D-I
(c) A-II, B-IV, C-I, D-III
(d) A-I, B-II, C-III, D-IV

Ans. (a) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

वर्ल्ड रिस्क सोसाइटी -	यू. बेक
एंड ऑफ मिलेनियम -	एम. कास्टेल
डेवलपमेंट एज फ्रीडम-	ए. सेन
इकोफेमिनिज्म -	वी. शिवा

50. A. Fantasy city is a type of city in which great emphasis is placed on creating a spectacle, especially for consumption, leisure and tourism.
फन्तासी शहर एक ऐसे शहर का प्रकार है जिसमें विशेषकर उपभोग, अवकाश और पर्यटन के लिए प्रदर्शन लगाने पर अधिक बल दिया जाता है।
B. Edge cities are located at the innermost rings of large cities
एज सिटी बड़े नगरों के भीतरी नगरों पर अवस्थित होते हैं।
C. Megacities are cities with populations greater than 10 million people
मेगा सिटी ऐसे नगर होते हैं जिनकी आबादी 10 मिलियन से अधिक होती है।
D. Megalopolis is a cluster of scantly populated cities that can stretch over great distances.
मेगालोपोलिस अत्यंत आबादी वाले नगरों का समूह जिसका फैलाव व्यापक क्षेत्र में होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

E. **Metropolis is a large, powerful and culturally influential urban area consisting of a central city and surrounding suburbs**
मेट्रोपोलिस एक बड़ा, सशक्त और सांस्कृतिक रूप से प्रभावी शहरी क्षेत्र है जिसमें एक केंद्रीय नगर होता है और चारों ओर उपनगर होते हैं।

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A only/केवल A
(b) A and B only/केवल A और B
(c) C and E only/केवल C और E
(d) A, C and E only/केवल A, C और E

Ans. (d) : प्रश्नगत सही उत्तर निम्न प्रकार है-
- फन्तासी शहर एक ऐसे शहर का प्रकार है जिसमें विशेषकर उपभोग अवकाश और पर्यटन के लिए प्रदर्शन लगाने पर अधिक बल दिया जाता है।
- मेगा सिटी ऐसे नगर होते हैं जिनकी आबादी 10 मिलियन से अधिक होती है।
- मेट्रोपोलिस एक बड़ा सशक्त और सांस्कृतिक रूप से प्रभावी शहरी क्षेत्र है जिसमें एक केन्द्रीय नगर होता है और चारों ओर उपनगर होते हैं।

51. Chronologically arrange the following schools of thought as they appeared in the history of Sociology.
निम्नलिखित विचारधाराओं के स्कूलों को समाजशास्त्र के इतिहास में उल्लेख होने के कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:

A. **Positivism/प्रत्यक्षवाद**
B. **Symbolic interactionism**
प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद
C. **Postmodernism/उत्तर-आधुनिकतावाद**
D. **Functionalism/प्रकार्यवाद**
E. **Structuralism/संरचनात्मकवाद**

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A, E, B, D, C
(b) D, A, C, B, E
(c) A, D, E, B, C
(d) D, B, A, C, E

Ans. (c) : समाजशास्त्र के इतिहास में प्रश्नगत विचारधाराओं के स्कूलों का कालक्रम निम्न प्रकार होगा-
प्रत्यक्षवाद → प्रकार्यवाद → संरचनात्मकवाद → प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद → उत्तर-आधुनिकतावाद

52. The #MeToo movement is a part of which wave of feminism?
#मी टू आंदोलन नारीवाद के किस लहर (वेव) का एक भाग है?

A. **First Wave/प्रथम लहर**
B. **Second Wave/द्वितीय लहर**
C. **Third Wave/तृतीय लहर**
D. **Fourth Wave/चतुर्थ लहर**
E. **Fifth Wave/पंचम लहर**

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) B and C only/केवल B और C
(c) C and E only/केवल C और E
(d) D only/केवल D

Ans. (d) : #मी टू आंदोलन नारीवाद के पंचम लहर (वेव) का एक भाग है। यह महिलाओं पर होने वाले यौन उत्पीड़न, शोषण और बलात्कार के खिलाफ आंदोलन है। इस आंदोलन की स्थापना एक्टिविस्ट तराना बुर्के ने की थी। उन्होंने वर्ष 2006 में 'मीटू' शब्द को गढ़ा था। वर्ष 2017 में इसने लोगों का व्यापक ध्यान आकर्षित किया जब अमेरिकी अभिनेत्री एलिसा मिलानो ने यौन उत्पीड़न और हमले के पीड़ितों से सोशल मीडिया पर अपनी कहानियों को साझा करने का आग्रह किया।

53. Who had given the concept of "modes of individual adaptation"?
निम्नलिखित में से किसने ''मोड्स ऑफ इंडिविजुअल एडेप्टेशन'' की अवधारणा प्रदान की थी?

(a) E. Durkheim/ई. दुर्खाइम
(b) T. Parsons/टी. पार्सन्स
(c) R.K. Merton/आर.के. मर्टन
(d) P. Blau/पी. ब्लॉ

Ans. (c) : आर.के. मर्टन ने ''मोड्स ऑफ इंडिविजुअल एडेप्टेशन'' की अवधारणा प्रदान की थी। उन्होंने सांस्कृतिक लक्ष्य तथा संस्थागत साधन के विश्लेषण के साथ अनुकूलन के निम्न पाँच तरीकों का उल्लेख किया है- अनुरूपता (Conformity), नवाचार (Innovation), अनुष्ठानवाद (Ritualism), वापसी (Retreatism), विद्रोह (Rebellion)।

54. A .... entails the collection of data on more than one case (usually quite a lot more than one) and at a single point in time.
.... के अंतर्गत एक मामले (सामान्यतः एक से बहुत अधिक) से अधिक मामले और एक ही समय में आकड़ों का संग्रहण होता है।

(a) Cross-sectional research design
अनुप्रस्थ शोध अभिकल्प
(b) Longitudinal research design
अनुदैर्घ्य शोध अभिकल्प
(c) Both of the above/उपरोक्त दोनों
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : अनुप्रस्थ शोध अभिकल्प (Cross-sectional research design) के अन्तर्गत एक मामले (सामान्यतः एक से बहुत अधिक) से अधिक मामले और एक ही समय में ऑकड़ों का संग्रहण होता है। क्रॉस-सेक्शनल डिजाइन का उपयोग जनसंख्या आधारित सर्वेक्षणों के लिए तथा क्लीनिक आधारित नमूनों में बीमारियों की व्यापकता का आकलन करने के लिए किया जाता है।

55. The concept of "habitus" deals with
''हैबिट्स'' की अवधारणा इससे संबंधित है–

(a) Social status of the individuals
व्यक्तियों की समाजिक प्रस्थिति से
(b) Pshychological orientations of the individuals
व्यक्तियों के मनोवैज्ञानिक अभिविन्यास से
(c) Behavioural dispositions of the individuals
व्यक्ति की व्यवहारिक प्रवृत्ति से
(d) Economic situation of the individuals
व्यक्ति की आर्थिक स्थिति से

Ans. (c) : ''हैबिट्स'' की अवधारणा व्यक्ति की व्यवहारिक प्रवृत्ति से सम्बन्धित है। यह बोर्डियू की प्रमुख अवधारणा है। हैबिट्स चित्तवृत्तियों (मनोवृत्तियों) का एक समूह है जिनका प्रयोग एक व्यक्ति दिन-प्रतिदिन के व्यवहार में करता है। ये मनोवृत्तियाँ व्यक्ति को एक निश्चित ढंग से व्यवहार करने अथवा न करने के लिए प्रवृत्त करते हैं।

56. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
(Books/पुस्तकें)	**(Authors/लेखक)**
A. The Sociology of Disaster/द सोशियोलॉजी ऑफ डिजास्टर	1. Jeffery D. Sachs जेफ्री डी. सैक्स
B. Environmental Sociology/एन्वायरमेंटल सोशियोलॉजी	2. Ram Ahuja राम आहूजा
C. The Age of Sustainable Development द एज ऑफ सस्टेनेबल डेवेलपमेंट	3. Thomas E. Drabek थॉमस ई. ड्राबेक
D. Social Problems in India/सोशल प्रॉब्लम्स इन इंडिया	4. John Hannigan जॉन हन्निगन

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-IV, B-I, C-II, D-III
(b) A-I, B-III, C-IV, D-II
(c) A-III, B-IV, C-I, D-II
(d) A-IV, B-I, C-III, D-II

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

पुस्तकें	लेखक
द सोशियोलॉजी ऑफ डिजास्टर	थॉमस ई ड्राबेक
एन्वायरमेंटल सोशियोलॉजी	जॉन हन्निगन
द एज ऑफ सस्टेनेबल डेवेलपमेंट	जेफ्री डी. सैक्स
सोशल प्रॉब्लम्स इन इंडिया	राम आहूजा

57. Given below are two statements:
नीचे दो कथन दिए गए हैं:

Statement I: Correspondence analysis is a statistical method of analysis for cross-tabulated data by finding a geometrical representation.
कथन-I: संगत विश्लेषण ज्यामितीय प्रतिनिधित्व का पता लगाने के द्वारा पारगामी - सारणीकृत डेटा (आंकड़े) के विश्लेषण की एक सांख्यिकी पद्धति है।
Statement-II: Well-known applications of correspondence analysis are presented by Pierre Bourdieu in Distinction.
कथन II: पियरे बॉर्दियू ने ''डिस्टींकशन'' पुस्तक में संगत विश्लेषण की जानी-मानी प्रयोज्यताओं को प्रस्तुत किया है।
In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) Both Statement I and Statement II are true
कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(b) Both Statement I and Statement II are false
कथन I और II दोनों असत्य हैं।
(c) Statement I is true but Statement II is false
कथन I सत्य है, किन्तु कथन II असत्य है।
(d) Statement I is false but Statement II is true
कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सत्य है।

Ans. (a) : संगत विश्लेषण ज्यामितीय प्रतिनिधित्व का पता लगाने के द्वारा पारगामी - सारणीकृत डेटा (आंकड़े) के विश्लेषण की एक सांख्यिकी पद्धति है। पियरे बोर्डियू ने ''डिस्टिंक्शन'' पुस्तक में संगत विश्लेषण की जानी-मानी प्रयोज्यताओं को प्रस्तुत किया है।
अतः कथन I और II दोनों सत्य हैं।

58. Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)
नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

Assertion (A) : N.K. Bose emphasised the need to bring ethnology and indology together in the study of Indian Society.
अभिकथन (A) : एन.के. बोस ने भारतीय समाज के अध्ययन में मानव जाति विज्ञान और भारत विद्या को एक साथ लाने पर बल दिया।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Reason (R) : It is possible to reconstruct the structure of the Indian Constitution through these two approaches.
कारण (R) : इन दो उपागमों के माध्यम से भारतीय संविधान की संरचना को पुनर्संरचित करना संभव है।

In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explantion/(A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) is true but (R) is false
(A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) is false but (R) is true
(A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (c) : एन.के. बोस ने भारतीय समाज के अध्ययन में मानव जाति विज्ञान और भारत विद्या को एक साथ लाने पर बल दिया। परन्तु इन दो उपागमों के माध्यम से भारतीय संविधान की संरचना को पुनर्संरचित करना संभव नहीं है। अतः अभिकथन (A) सही है परन्तु कारण (R) सही नहीं है।

59. The academic journal published by Indian Sociological Society
इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसायटी द्वारा प्रकाशित अकादमिक पत्रिका (जर्नल) है:

A. Man in India/मैन इन इंडिया
B. Sociological Bulletin/सोशियोलॉजिकल बुलेटिन
C. Contributions to Indian Sociology
कॉन्ट्रीब्यूशंस टू इंडियन सोशियोलॉजी
D. International Sociology/इंटरनेशनल सोशियोलॉजी
E. Annals of Indian Sociology
एनाल्स ऑफ इंडियन सोशियोलॉजी

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) B, C and E only/केवल B, C और E
(b) B and C only/केवल B और C
(c) B only/केवल B
(d) B, C, D and E only/केवल B, C, D और E

Ans. (c) : इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा प्रकाशित अकादमिक पत्रिका (जर्नल) सोशियोलॉजिकल बुलेटिन है। इसके प्रथम संपादक डॉ. घुर्ये थे। इन्हीं के प्रयासों से वर्ष 1952 में 'Indian Sociological Society' की स्थापना संभव हुई थी।

60. Who among the following criticised the effects of "mass media" and "culture industry" on population?
निम्नलिखित में से किसने जनसंख्या पर ''जनसंचार माध्यम'' (मास मिडिया) और ''संस्कृति उद्योग'' के प्रभावों की आलोचना की है?

(a) Ulrich Beck/उलरिच बेक
(b) Alfred Schutz/अल्फ्रेड शूट्ज
(c) Theodor Adorno/थिओडॉर एडोर्नो
(d) Ernest Burgess/एर्नेस्ट बर्गेस

Ans. (c) : थिओडोर एडोर्नो ने जनसंख्या पर ''जनसंचार माध्यम'' (मासमीडिया) और ''संस्कृति उद्योग'' के प्रभावों की आलोचना की है। उनका मानना है कि सांस्कृतिक उद्योग के भीतर हमारी नई सांस्कृतिक पदावली दुर्भेद्य हो जाती है। चीजों से जुड़े हुए 'ब्राण्ड' (लेबल) ऐसी ही दुर्भेद्य पदावली है। ये पदावली उन चीजों पर कोई रोशनी नहीं डालतीं जिन पर ये चिपकी होती हैं। ये वस्तुओं से हमारे सत्य संबंधों के खिलाफ पर्दे का काम करती हैं। वे सामाजिक कर्ता और भोक्ता के बीच भेद मिटा देती हैं। वे कहते हैं कि उपभोक्ता-पूँजीवाद में बिना सोचे-विचारे चीजों की स्वीकृति विज्ञापन को स्वयं 'समग्रतावादी' बना देता है। आधुनिक समाज की आलोचनाओं में उन्होंने जनसंचार के साधनों को अपना मुख्य निशाना बनाया क्योंकि इसी के द्वारा व्यक्तियों के ऐसे 'जनपुंज समाज' की रचना होती है जो दमनात्मकता और यथास्थितिवादी वि-मानवीयता को प्रोत्साहित करता है।

61. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
(Tribe/जनजाति)	**(Dormitories/रहिवास)**
A. Gonds/गोंड	1. Kichuki/किचुकी
B. Oraon/उरांव	2. Dhumkuria/धूमकुरिया
C. Bhutia/भोटिया	3. Gotul/गोटुल
D. Angami Naga अंगामी नागा	4. Rangbang/रंगबंग

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-II, B-III, C-I, D-IV
(b) A-III, B-II, C-IV, D-I
(c) A-I, B-IV, C-II, D-III
(d) A-I, B-II, C-III, D-IV

Ans. (b) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

जनजाति	**-**	**रहिवास**
गोंड	-	गोटुल
उरांव	-	धूमकुरिया
भोटिया	-	रंगबंग
अंगामी नागा	-	किचुकी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

62. Use of public office for private gain is known as:
निजी लाभ के लिए सार्वजनिक पद के उपयोग को .... के रूप में जाना जाता है।
(a) Abuse/दुरुपयोग
(b) Corruption/भ्रष्टाचार
(c) Insincerity/कपट (इन्सिन्सियरिटी)
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : निजी लाभ के लिए सार्वजनिक पद के उपयोग को भ्रष्टाचार के रूप में जाना जाता है। भ्रष्टाचार में मुख्य रूप से भाई-भतीजावाद, रिश्वतखोरी या गबन जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं।

63. The main features of class are
वर्ग की मुख्य विशेषताएं हैं
A. Homogeneity and Simplicity
समरूपता और सरलता
B. Individualism/व्यक्तिवाद
C. Economic and professional values
आर्थिक और व्यावसायिक मूल्य
D. Rationalism/बौद्धिकतावाद
E. Traditionalism/परम्परावाद
Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A and E only/केवल A और E
(b) B, C and D only/केवल B, C और D
(c) B, C and E only/केवल B, C और E
(d) B and D only/केवल B और D

Ans. (b) : वर्ग की मुख्य विशेषताएँ हैं- व्यक्तिवाद, आर्थिक और व्यावसायिक मूल्य, बौद्धिकतावाद, समूहों का उतार-चढ़ाव, जन्म का महत्व नहीं, पूर्णतया अर्जित, कम स्थिरता आदि। वर्ग ऐसे व्यक्तियों का समूह है जिनकी समान सामाजिक प्रस्थिति होती है।वर्ग तथ्यत: समूह होते हैं। वे अपेक्षाकृत उन्मुक्त होते हैं, बन्द नहीं।

64. Definite procedures or rules which people are expected to observe are known as:
लोगों से जिन निश्चित कार्यप्रणालियों या नियमों के पालन की अपेक्षा की जाती है, उन्हें किस रूप में जाना जाता है:
(a) Norms/मानदंड (b) Values/मूल्य
(c) Sanctions/प्रतिबंध (d) Mores/रूढ़ियां

Ans. (a) : लोगों से जिन निश्चित कार्यप्रणालियों या नियमों के पालन की अपेक्षा की जाती है, उन्हें मानदंड के रूप में माना जाता है। सामाजिक मानदण्ड समाज के आचरण के वे नियम हैं जो सांस्कृतिक विशेषताओं, सामाजिक मूल्यों और समाज द्वारा स्वीकृत विधियों के अनुसार किसी विशेष परिस्थिति में व्यक्ति को एक विशेष प्रकार का व्यवहार करने का निर्देश देते हैं।

65. Which of the following is not a defining feature of tribe?
निम्नलिखित में से कौन जनजाति को परिभाषित करने वाली विशेषता नहीं है–
(a) Food habits/भोजन संबंधी आदतें
(b) Common territory/सामान्य क्षेत्र
(c) Kinship ties/नातेदारी बंधन
(d) One language/एक भाषा

Ans. (a) : भोजन संबंधी आदतें जनजाति को परिभाषित करने वाली विशेषता नहीं है। एक जनजाति, एक ऐसा मानव-समूह है जिसकी एक सामान्य संस्कृति, एकभाषा, सामान्य क्षेत्र, नातेदारी बंधन, राजनीतिक संगठन एवं व्यवसाय आदि होता है और जो सामान्यतः अन्तर्विवाह के नियमों का पालन करता है।

66. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	**List-II/सूची-II**
(Thinkers/विचारक)	**(Concept/Theory) (अवधारणा/सिद्धांत)**
A. Georg Simmel जॉर्ज सिमेल	1. Network Society नेटवर्क सोसायटी
B. Louis Wirth लुई विर्थ	2. Metropolis and Mental life/मेट्रोपोलिस एंड मेंटल लाइफ
C. Manuel Castells मैन्युअल कास्टेल्स	3. Gesellschaft जेशेलशाफ्ट
D. Ferdinand Tonnies फर्डिनेंड टोनिज	4. Urbanism as a way of life/नगरवाद जीवन पद्धति के रूप में

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-II, B-IV, C-I, D-III
(b) A-II, B-IV, C-III, D-I
(c) A-IV, B-III, C-I, D-II
(d) A-III, B-IV, C-II, D-I

Ans. (a) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

विचारक	-	**अवधारणा**
जॉर्ज सिमेल	-	मेट्रोपोलिस एण्ड मेंटल लाइफ
लुई विर्थ	-	नगरवाद जीवन पद्धति के रूप में
मैन्युअल कास्टेल्स	-	नेटवर्क सोसाइटी
फर्डिनेंड टॉनीज	-	जेशेलशाफ्ट

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

67. Which one of the following was not a direct cause of the decline of the pre-British village artisan industries?
निम्नलिखित में से कौन सा ब्रिटिश पूर्व ग्रामीण शिल्प उद्योगों के विघटन का प्रत्यक्ष कारण नहीं था?
(a) Introduction of railways/रेलवे की शुरुआत
(b) Growth of modern industries in India
भारत में आधुनिक उद्योगों का विकास
(c) Introduction of money economy in India
भारत में धन आधारित अर्थव्यवस्था की शुरुआत
(d) Development of road transportation system
सड़क परिवहन प्रणाली का विकास

Ans. (c) : भारत में धन आधारित अर्थव्यवस्था की शुरुआत ब्रिटिश पूर्व ग्रामीण शिल्प उद्योगों के विघटन का प्रत्यक्ष कारण नहीं था जबकि रेलवे की शुरुआत, भारत में आधुनिक उद्योगों का विकास, सड़क परिवहन प्रणाली का विकास आदि इसका प्रत्यक्ष कारण था।

68. The disharmony between the rapid growth of technology and slower transformation of social institutions and beliefs is known as
प्रौद्योगिकी की तीव्रगामी संवृद्धि एवं सामाजिक संस्थाओं और विश्वासों के बीच अधिक धीमे रूपांतरण के असामंजस्य किस रूप में जाना जाता है?
(a) Technological lag/प्रौद्योगिकीय विलंबना
(b) Communicational lag/संप्रेषणात्मक विलंबना
(c) Cultural lag/सांस्कृतिक विलंबना
(d) Informational lag/सूचनात्मक विलंबना

Ans. (c) : प्रौद्योगिकी की तीव्रगामी संवृद्धि एवं सामाजिक संस्थाओं और विश्वासों के बीच अधिक धीमे रूपान्तरण के असामंजस्य को सांस्कृतिक विलंबना के रूप में जाना जाता है।

69. The most systematic general theory of cultural reproduction is given by–
सांस्कृतिक पुनरुत्पादन का सर्वाधिक सुव्यवस्थित सामान्य सिद्धांत दिया गया है-
(a) Karl Mannheim/कार्ल मेनहीम
(b) Pierre Bourdieu/पियरे बोर्दियू
(c) Auguste Comte/ऑगस्ट काम्टे
(d) Durkheim/दुर्खीम

Ans. (b) : सांस्कृतिक पुनरुत्पादन का सर्वाधिक सुव्यवस्थित सामान्य सिद्धान्त पियरे बोर्डियू द्वारा दिया गया है। सार रूप में बोर्डियू मानते हैं कि सामाजिक संरचनाएँ संस्कृति को जन्म देती है। जो बाद में व्यवहारों को उत्पन्न करती हैं और ये व्यवहार, अन्ततः पुनः सामाजिक संरचनाओं को निर्मित करते हैं। इस प्रकार सामाजिक संरचना और संस्कृति का यह चक्र निरन्तर चलता रहता है।

70. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I (Thinkers/विचारक)	List-II/सूची-II (Concepts/Ideas) (अवधारणाएं/विचार)
A. A. Comte ए. काम्टे	1. Size and density आकार और घनत्व
B. E. Durkheim ई. दुर्खाइम	2. Level of intellectual development बौद्धिक विकास का स्तर
C. K. Marx के. मार्क्स	3. Evolution and Complexity उद्विकास और जटिलता
D. H. Spencer एच. स्पेंसर	4. Economic influence आर्थिक प्रभाव

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-III, B-IV, C-I, D-II
(b) A-II, B-I, C-IV, D-III
(c) A-I, B-III, C-IV, D-II
(d) A-II, B-III, C-I, D-IV

Ans. (b) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

विचारक		अवधारणाएँ
ए.कॉम्ट	-	बौद्धिक विकास का स्तर
ई. दुर्खीम	-	आकार और घनत्व
के. मार्क्स	-	आर्थिक प्रभाव
एच. स्पेंसर	-	उद्विकास और जटिलता

71. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I (Thinkers/विचारक)	List-II/सूची-II (Theory/Approach/Model /सिद्धांत/उपागम मॉडल)
A. W.W. Rostow डब्ल्यू.डब्ल्यू. रोस्टोव	1. World Systems Theory विश्व प्रणाली सिद्धांत (वर्ल्ड सिस्टम थ्योरी)
B. Paul Baran पॉल बैरन	2. Take-off Model टेक ऑफ मॉडल
C. Amartya Sen अमर्त्य सेन	3. Capabilities Approach क्षमता उपागम (केपेबलिटीज अप्रोच)
D. Immanuel Wallerstein/इमैन्युअल वैलरस्टिन	4. Dependency Theory निर्भरता सिद्धांत (डिपेंडेंसी थ्योरी)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-II, B-I, C-III, D-IV
(b) A-III, B-IV, C-I, D-II
(c) A-I, B-II, C-IV, D-III
(d) A-II, B-IV, C-III, D-I

Ans. (d) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

विचारक	-	**सिद्धान्त/उपागम मॉडल**
डब्ल्यू डब्ल्यू रोस्टोव	-	टेक ऑफ मॉडल
पॉल बैरन	-	निर्भरता सिद्धान्त (डिपेंडेंसी थ्योरी)
अमर्त्य सेन	-	क्षमता उपागम (केपेबिलिटीज अप्रोच)
इमैनुअल वालरस्टीन	-	विश्व प्रणाली सिद्धान्त (वर्ल्ड सिस्टम थ्योरी)

72. Cultural phenomena combining inputs and impositions from other cultures with local realities is
स्थानीय वास्तविकताओं वाली अन्य संस्कृतियों से आगतों और अधिरोपणों को सम्मिलित करने वाली सांस्कृतिक परिघटना .... है–
(a) Ethnocentrism/प्रजाति - केन्द्रिक
(b) Cultural imperialism/सांस्कृतिक साम्राज्यवाद
(c) Cultural hybrids/सांस्कृतिक संकर (हायब्रिड)
(d) Cultural relativism/सांस्कृतिक सापेक्षतावाद

Ans. (c) : स्थानीय वास्तविकताओं वाली अन्य संस्कृतियों से आगतों और अधिरोपणों को सम्मिलित करने वाली सांस्कृतिक परिघटना सांस्कृतिक संकर (Hybrids) है। सांस्कृतिक संकरण प्रवासन और वैश्वीकरण के उत्पाद के रूप में संस्कृतियों के बीच विचारों और कलाकृतियों के आदान-प्रदान और नवाचार को संदर्भित करता है। यह लोगों और उनके विचारों की बातचीत से उत्पन्न विभिन्न सांस्कृतिक तत्वों का सम्मिश्रण है।

73. The unit of production in tribal economy is
जनजातीय अर्थव्यवस्था में उत्पादन की ईकाई है–
(a) Clan/गोत्र
(b) Village/गांव
(c) Family/परिवार
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : जनजातीय अर्थव्यवस्था में उत्पादन की इकाई परिवार है। जनजातीय समुदाय की सरल अर्थव्यवस्था में परिवार के सभी सदस्य मिलकर उत्पादन की इकाई बनाते हैं और उत्पादन तथा उपभोग की आर्थिक प्रक्रिया में सीधे संलग्न होते हैं। श्रम का विभाजन आयु और लिंग पर आधारित होता है।

74. Rewards and punishments associated with role expectations are called:
भूमिका संबंधी अपेक्षा से संबद्ध पुरस्कार और दण्ड को कहा जाता है:
(a) Norms/मानदंड
(b) Values/मूल्य
(c) Sanctions/प्रतिबंध
(d) Mores/रूढ़ियां

Ans. (c) : भूमिका सम्बन्धी अपेक्षा से संबद्ध पुरस्कार और दण्ड को प्रतिबन्ध (Sanctions) कहा जाता है। सकारात्मक प्रतिबन्ध में पुरस्कार के द्वारा व्यक्ति को सही व्यवहार करने के लिए प्रेरित किया जाता है जबकि नकारात्मक प्रतिबन्ध में समाज विरोधी कार्य करने वाले व्यक्ति को दण्डित किया जाता है।

75. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	**List-II/सूची-II**
(Personalities/व्यक्तित्व)	**(Recognition/मान्यता)**
A. Pandurang Hegde पांडुरंग हेगड़े	1. Goldman Environmental Prize गोल्डमैन पर्यावरणीय पुरस्कार
B. M.C. Mehta एम.सी. मेहता	2. Bishnoi Movement विश्नोई आंदोलन
C. Marimuthu Yoganathan/मारीमुथु योगनाथन	3. Appiko Movement एपिको आंदोलन
D. Amrita Devi अमृता देवी	4. Eco-warrior पर्यावरण-योद्धा

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-III, B-I, C-IV, D-II
(b) A-IV, B-I, C-II, D-III
(c) A-IV, B-II, C-I, D-III
(d) A-III, B-IV, C-I, D-II

Ans. (a) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

व्यक्तित्व		**मान्यता**
पांडुरंग हेगड़े	-	एपिको आंदोलन
एम.सी. मेहता	-	गोल्डमैन पर्यावरणीय पुरस्कार
मारीमुथु योगनाथन	-	पर्यावरण योद्धा
अमृता देवी	-	विश्नोई आंदोलन

76. .... was first developed by sociologists, B. Glaser and A. Strauss (1967), in an attempt to come to grips with their clinical research in medical sociology.
.... सर्वप्रथम समाजशास्त्री बी. ग्लेजर और ए. स्ट्रॉस (1967) द्वारा चिकित्सा समाजशास्त्र में नैदानिक शोध को समझने के प्रयास के दौरान विकसित किया गया था

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) Conflict Theory/संघर्ष सिद्धांत
(b) Structural functionalist Theory
संरचनावादी - प्रकार्यवादी सिद्धांत
(c) Functionalist Theory/प्रकार्यवादी सिद्धांत
(d) Grounded Theory/बुनियादी सिद्धांत

Ans. (d) : बुनियादी सिद्धान्त (ग्राउंडेड थ्योरी) सर्वप्रथम समाजशास्त्री बी. ग्लेजर और ए. स्ट्रॉस (1967) द्वारा चिकित्सा समाजशास्त्र में नैदानिक शोध को समझने के प्रयास के दौरान विकसित किया गया था। इस सिद्धांत का विशेष रूप से नर्सिंग अनुसंधान में उपयोग किया जा रहा है। यह सिद्धांत मात्रात्मक डेटा, रिकॉर्ड की समीक्षा, साक्षात्कार अवलोकन और सर्वेक्षण सहित विभिन्न प्रकार के डेटा स्रोतों का उपयोग करता है।

77. The concept of "conspicuous consumption denotes
'दर्शकीय उपभोग' की अवधारणा दर्शाता है:

A. Fetishism of commodities.
आवश्यक सामग्रियों की आसक्ति।
B. People want to show that they are simple living.
लोग यह दिखाना चाहते हैं कि वे सरल जीवन जीते हैं।
C. People want to show others what they are consuming./लोग दूसरे व्यक्ति को यह दिखाना चाहते हैं कि वे क्या उपभोग कर रहे हैं।
D. People have access to commodities.
लोगों की आवश्यक सामग्रियों तक पहुंच है।
E. Tragedy of Culture/संस्कृति की त्रासदी।

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) B only/केवल B
(c) C only/केवल C
(d) D and E only/केवल D और E

Ans. (c) : "दर्शकीय उपभोग" की अवधारणा यह दर्शाता है कि लोग दूसरे व्यक्ति को यह दिखाना चाहते हैं कि वे क्या उपभोग कर रहे हैं। वेब्लेन ने अपनी प्रमुख पुस्तक 'The theory of Leisure class' में उल्लेख किया है कि विलासी-वर्ग दृष्टि आकर्षक उपभोग तथा दृष्टि आकर्षक बर्बादी करते हैं अर्थात् बाह्य ठाट-बाट के लिए फिजूल खर्च करते हैं।

78. A structure of relationship linking social actors, or the set of actors and the ties among them:
सामाजिक अभिकर्ता या अभिकर्ताओं के समुच्चय को जोड़ने वाली संबंधों की संरचना और उनके बीच संबंध है:

(a) Social organization/सामाजिक संगठन
(b) Social network/सामाजिक नेटवर्क
(c) Social development/सामाजिक विकास
(d) Social institution/सामाजिक संस्था

Ans. (b) : सामाजिक अभिकर्ता या अभिकर्ताओं के समुच्चय को जोड़ने वाली संबंधों की संरचना और उनके बीच संबंध सामाजिक नेटवर्क कहलाता है। अधिकांश सामाजिक नेटवर्किंग सेवाएँ वेब आधारित होती हैं और प्रयोग कर्ताओं को इन्टरनेट का प्रयोग करते हुए एक-दूसरे से संपर्क करने का साधन प्रदान करती हैं।

79. Who wrote the book, 'Caste and Race in India'?
"कास्ट एंड रेस इन इंडिया" पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) A.R. Desai/ए.आर. देसाई
(b) G.S. Ghurye/जी.एस. घुर्ये
(c) Louis Dumont/लुई ड्यूमोंट
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : 'कास्ट एण्ड रेस इन इंडिया' पुस्तक के लेखक जी.एस. घुर्ये हैं। इनकी अन्य प्रमुख कृतियाँ निम्न प्रकार हैं-
• Caste, Class and Occupation (1961)
• The Scheduled Tribes (1963)
• The Indian Sadhus, (1953)
• Caste and Class in India (1950)
• Vedic India, (1979)

80. A. Quantitative research is any research method that involves the analysis of numerical data derived usually from surveys and experiments.
परिमाणात्मक शोध ऐसी शोध प्रविधि है जिसमें सामान्यतः सर्वेक्षणों और प्रयोगों से प्राप्त संख्या संबंध आँकड़ों के विश्लेषण शामिल हैं।
B. Qualitative research is any research method that involves the analysis of numerical data derived usually from surveys and experiments.
गुणात्मक शोध ऐसी शोध प्रविधि है जिसमें सामान्यतः सर्वेक्षणों और प्रयोगों से प्राप्त संख्या संबंधी आंकड़ों के विश्लेषण शामिल हैं।
C. Inferential statistics does not allow researchers to use data from a relatively small group to speculate with some level of certainty about a larger group
अनुमानात्मक सांख्यिकी शोधकर्ताओं को एक वृहत्तर समूह के बारे में कुछ निश्चिंतता के साथ अनुमान करने के लिए तुलनात्मक रूप से छोटे समूह से आंकड़े एकत्र करने की अनुमति नहीं प्रदान करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

D. Quantitative research methods do not require statistical methods for collecting and reporting data/परिमाणात्मक शोध प्रविधि में आंकड़े एकत्र करने और उसकी रिपोर्टिंग के लिए सांख्यिकीय प्रविधि की आवश्यकता नहीं है।

E. Statistics is the mathematical method used to analyze numerical data
सांख्यिकीय सांख्यिक आंकड़ों के विश्लेषण हेतु प्रयोग की जाने वाली गणितीय विधि है।

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A, B, C and D only/केवल A, B, C और D
(b) A only/केवल A
(c) B, C and D only/केवल B, C और D
(d) A and E only/केवल A और E

Ans. (d) : प्रश्नगत सही उत्तर निम्न प्रकार है-
- परिमाणात्मक शोध ऐसी शोध प्रविधि है जिसमें सामान्यतः सर्वेक्षणों और प्रयोगों से प्राप्त संख्या संबंध आँकड़ों के विश्लेषण शामिल हैं।
- सांख्यिकी सांख्यिक आँकड़ों के विश्लेषण हेतु प्रयोग की जाने वाली गणितीय विधि है।

81. What are the main features of the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016?
निःशक्तजन अधिकार अधिनियम, 2016 की मुख्य विशेषताएं क्या हैं?

(a) Number of disabilities increased from 7 to 21/7 से 21 तक की संख्या में निःशक्ताओं में वृद्धि
(b) Percentage of reservation increased from 3% to 4%
आरक्षण 3 प्रतिशत से बढ़कर 4 प्रतिशत हो गया
(c) Special courts, to handle cases related to violation of rights of person with disabilities, set up in each district/प्रत्येक जिले में निःशक्तजनों के अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित मामलों को निपटाने के लिए विशेष न्यायालय
(d) All of the above/उपरोक्त सभी

Ans. (d) : निःशक्तजन (दिव्यांगजन) अधिकार अधिनियम, 2016 की मुख्य विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं-
1. 7 से 21 तक संख्या में निःशक्ताओं में वृद्धि
2. आरक्षण 3 प्रतिशत से बढ़कर 4 प्रतिशत हो गया।
3. प्रत्येक जिले में निःशक्तजनों के अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित मामलों को निपटाने के लिए विशेष न्यायालय।
4. बेंचमार्क विकलांग से पीड़ित 6 से 18 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा।
5. निःशक्तजनों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए 'राष्ट्रीय और राज्यनिधि' का निर्माण।

82. What is the appropriate term to describe a woman marrying the brother of her deceased husband?
यदि एक महिला दिवंगत पति के भाई से विवाह करती है, उसके लिए उपयुक्त शब्द कौन-सा है?

(a) Sororate/साली विवाह
(b) Levirate/देवर अधिकार (विवाह)
(c) Amitate/बुआ अधिकार (विवाह)
(d) Avunculate/मातुलेय विवाह

Ans. (b) : यदि एक महिला दिवंगत पति के भाई से विवाह करती है, तो उसके लिए उपयुक्त शब्द है- देवर अधिकार (विवाह)।

83. Caste-based stratification is:
जाति - आधारित स्तरीकरण होता है:

(a) Open/खुला
(b) Achieved/अर्जित
(c) Ascribed/प्रदत्त
(d) All of the above/उपरोक्त सभी

Ans. (c) : जाति-आधारित स्तरीकरण प्रदत्त होता है। जाति एक सामाजिक समूह है जिसकी सदस्यता जन्म पर आधारित होती है। यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत एक समाज अनेक आत्म-केन्द्रित एवं एक-दूसरे से पूर्णतः पृथक इकाइयों (जातियों) में विभाजित रहता है। इन इकाइयों के बीच पारस्परिक संबंध ऊँच-नीच के आधार पर सांस्कारिक रूप से निर्धारित हैं।

84. The middle attribute in the ranked distribution of observed attributes is known as:
प्रेक्षित गुणों के श्रेणीबद्ध बंटनों में मध्यवर्ती - गुण को इस रूप में जाना जाता है:

(a) Mean/माध्य
(b) Mode/बहुलक
(c) Standard deviation/मानक विचलन
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (d) : प्रेक्षित गुणों के श्रेणीबद्ध बंटनों में मध्यवर्ती गुण को माध्यिका के रूप में जाना जाता है। माध्यिका बिल्कुल बीच वाला पद नहीं होता है बल्कि उस पद का मान या मूल्य होता है।

85. Who has conducted the study on Nayars of Kerala?
इनमें से किसने केरल के नायर लोगों पर अध्ययन किया?

(a) George Peter Murdock/जार्ज पीटर मर्डोक
(b) Kathleen Gough/कैथलीन गॉफ
(c) Edward Westermarck/एडवर्ड वेस्टरमार्क
(d) William N. Stephens/विलियम एन. स्टीफेन्स

Ans. (b) : कैथलीन गॉफ ने केरल के नायर लोगों पर अध्ययन किया है। नायरों में मातृ सत्तात्मक व्यवस्था पायी जाती है। इनमें प्रचलित संयुक्त परिवार को 'थारवाड' कहते हैं। परिवार में सभी सदस्य रक्त से सम्बंधित होते हैं उसमें कोई भी विवाह सम्बन्धी व्यक्ति नहीं रहता।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

86. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
(Types of Religious Organization) (धार्मिक संगठनों के प्रकार)	**(Definition/परिभाषा)**
A. Sect संप्रदाय (सेक्ट)	1. A small, new and exclusive group whose religious tradition has never been associated with and is often at odds with any established religious experience/एक लघु नया और विशिष्ट समूह जिसकी धार्मिक परंपरा किसी स्थापित धार्मिक अनुभव से कभी भी जुड़ा नहीं रहा है
B. Church/चर्च	2. A religious group that exhibits a general spirit of tolerance and acceptance of other religious bodies. एक धार्मिक समूह जो अन्य धार्मिक निकायों के प्रति सहिष्णुता और स्वीकार्य की सामान्य भावना प्रदर्शित करता है
C. Cult/पंथ (कल्ट)	3. A large group of religiously oriented people that members are usually born into rather than consciously join धर्मोन्मुखी लोगों का बड़ा समूह जिसमें सदस्य सोच समझकर शामिल होने की बजाय जन्म लेते हैं
D. Denomination शाखा (डिनॉमिनेशन)	4. A small group of people who see themselves as true believers and who voluntarily join a group, usually broken off from a more established religion to have a personal religious experience ऐसे लोगों का छोटा समूह जो व्यक्तिगत धार्मिक अनुभव के बिना अपने आपको अधिक स्थापित धर्म का सच्चा माननेवाला समझते हैं ओर इससे अलग हुए समूह में स्वेच्छा से शामिल होते हैं

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-II, B-IV, C-III, D-I
(c) A-IV, B-III, C-I, D-II
(d) A-IV, B-II, C-III, D-I

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

धार्मिक संगठनो के प्रकार	-	**परिभाषा**
संप्रदाय (सेक्ट)	-	ऐसे लोगों का छोटा समूह जो व्यक्तिगत धार्मिक अनुभव के बिना अपने आपको अधिक स्थापित धर्म का सच्चा मानने वाला समझते हैं और इससे अलग हुए समूह में स्वेच्छा से शामिल होते हैं।
चर्च	-	धर्मोन्मुखी लोगों का बड़ा समूह जिसमें सदस्य सोच समझकर शामिल होने की बजाय जन्म लेते हैं।
पंथ (कल्ट)	-	एक लघु नया और विशिष्ट समूह जिसकी धार्मिक परंपरा किसी स्थापित धार्मिक अनुभव से कभी भी जुड़ा नहीं रहा है।
शाखा (डिनॉमिनेशन)	-	एक धार्मिक समूह जो अन्य धार्मिक निकायों के प्रति सहिष्णुता और स्वीकार्य की सामान्य भावना प्रदर्शित करता है।

87. .... is an epistemological position that advocates the application of the methods of natural sciences to the study of social reality and beyond.
.... एक ज्ञान मीमांसा संबंधी स्थापना है जो सामाजिक यथार्थ और उससे परे अध्ययन में प्राकृतिक विज्ञान की विधियों के अनुप्रयोग की वकालत करता है–

(a) Interpretivism/व्याख्यावाद
(b) Constructionism/निर्मितिवाद
(c) Positivism/प्रत्यक्षवाद
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : प्रत्यक्षवाद एक ज्ञान मीमांसा संबंधी स्थापना है जो सामाजिक यथार्थ और उससे परे अध्ययन में प्राकृतिक विज्ञान की विधियों के अनुप्रयोग की वकालत करता है। कॉम्ट के अनुसार-प्रत्यक्षवाद का अर्थ विज्ञानवाद से है जिसमें ब्रह्माण्ड के नियमों का अध्ययन अवलोकन, प्रयोग और तुलना के आधार पर किया जाता है। प्रत्यक्ष या वैज्ञानिक स्तर पर ज्ञान का संग्रह ही एकमात्र साध्य या अन्तिम उद्देश्य है।

88. "Conurbation" means:
''उपनगरीय समूहन'' का अभिप्राय है:

(a) A cluster of cities and towns forming a continuous network
क्रमागत नेटवर्क वाले नगरों और शहरों का समूह
(b) A confluence of different cultures
विभिन्न संस्कृतियों का संगम
(c) A process by which identities are formed
एक प्रक्रिया जिसके द्वारा पहचान बनती है
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : ''उपनगरीय समूहन'' का अभिप्राय है- क्रमागत नेटवर्क वाले नगरों और शहरों का समूह या सन्नगर। इस शब्दावली का प्रयोग वर्ष 1915 में पैट्रिक गेडिस ने किया था। यह विशाल विकसित नगरीय क्षेत्र होते हैं जो कि मूलतः अलग-अलग नगरों या शहरों के आपस में मिल जाने से एक विशाल नगरीय क्षेत्र में परिवर्तित हो जाते हैं। ग्रेटर लंदन, टोकियो, शिकागो, दिल्ली-गुड़गॉव, दिल्ली-नोएडा आदि इसके उदाहरण हैं।

89. "The generalized elsewhere" has been given by:
किसने ''द जनरेलाइज्ड एल्सवेयर'' प्रदान किया था:

(a) G.H. Mead/जी.एच. मीड
(b) Alex Inkeles/एलेक्स इन्कल्स
(c) T.B. Bottomore/टी.बी. बोटोमोर
(d) Joshua Meyrowitz/जोशुआ मैरोविच

Ans. (d) : जोशुआ मैरोविच (मेयरोविट्ज) ने ''द जनरेलाइज्ड एल्सवेयर'' की अवधारणा प्रदान किया था। उनका मानना है कि हम जो कुछ भी देखते, सुनते, छूते, सूंघते और चखते हैं, उसका अनुभव हमारे शरीर के माध्यम से होता है। और जब तक कोई शरीर से बाहर के अनुभवों में विश्वास नहीं करता, वह स्वीकार करता है कि हम और हमारे शरीर स्थायी रूप से जुड़े हुए हैं।

90. Which is the largest form of Urban life today?
आज शहरी जीवन का सबसे बड़ा रूप क्या है?

(a) Edge city/एज सिटी
(b) Megalopolis/मेगालोपोलिस
(c) Metropolis/मेट्रोपोलिस
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : आज शहरी जीवन का सबसे बड़ा रूप मेगालोपोलिस है। जिसका अर्थ होता है 'विशाल नगर'। इसका प्रयोग वर्ष 1957 में जीन गॉटमैन ने किया था। यह बड़ा महानगर प्रदेश होता है जिसमें सन्नगरों का समूह होता है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण संयुक्त राज्य अमेरिका में है जहाँ उत्तर में बोस्टन से दक्षिण में वाशिंगटन तक नगरीय भूदृश्य के रूप में दिखाई देता है।

Direction (91-95) : Read the given passage carefully and answer the question that follows on the basis of the facts described in the passage

Property, in Hobhouse's phrase, 'is to be conceived in terms of the control of man over things', a control which is recognized by society, more or less permanent and exclusive. Property may be private (individual or collective) or common. In his account of the development of property, Hobhouse observed that there is some personal private property in all societies, but that in many primitive societies the principal economic resources are communally owned (e.g. hunting land, grazing land, pasture). In more developed agricultural societies, private ownership comes to predominate. But Hobhouse pointed out that although tribal common ownership disappears, common ownership may be maintained for the joint-family. R.H. Lowie, in an excellent short account of property, which uses much comparative material from primitive and civilized societies, presents much of the same view, There is personal private property among all primitive people, including names, dances, songs, myths, ceremonial regalia, gifts, weapons, household implements. So far as the 'instruments of production' are concerned there are differences between hunters and food-gatherers, where the land is tribal property (not always well-defined) and agriculturalists and pastoralists. Among agriculturalists individual private property in land is frequently found, though the clan or tribe may still exercise some control over its use or alienation. In the case of pastoralists, land may be communally owned but not the livestock; 'the ownership of livestock strongly develops the sense of individual property'.

निर्देश (91-95) : निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए।

हॉबहाउस के शब्दों में, संपत्ति को वस्तुओं पर मनुष्य के नियंत्रण के रूप में समझा जा सकता है ऐसा नियंत्रण जिसे समाज द्वारा मान्यता प्राप्त होती है, जो ज्यादातर स्थायी और विशिष्ट है। संपत्ति निजी (व्यक्तिगत या सामूहिक) या सामूहिक हो सकती है। संपत्ति के विकास के वर्णन में हॉबहाउस ने अवलोक किया कि सभी समाज में कुछ व्यक्तिगत निजी संपत्ति होती है लेकिन अनेक आदिम समाज में प्रमुख आर्थिक संसाधनों का सामुदायिक स्वामित्व होता है (उदाहरण के लिए शिकार के लिए भूमि, चराने के लिए भूमि, चरागाह)। अधिक विकसित कृषि समाज में निजी स्वामित्व की प्रधानता होती है। परन्तु हॉबहाउस ने बताया कि यद्यपि जनजातिगत साझा स्वामित्व लुप्त

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

हो गया है, संयुक्त परिवार के लिए सामूहिक स्वामित्व बनाए रखा जा सकता है। आर.एच. लौवी ने भी, सम्पत्ति के बारे में अपने एक उत्कृष्ट लघु वर्णन, जिसमें आदिम और सभ्य समाज की तुलनात्मक आलोचना की गई है, यही विचार प्रस्तुत किया है। सभी आदिम मानव की व्यक्तिगत निजी संपत्ति है जिसमें नाम, नृत्य, गाने, मिथक, उत्सव संबंधी राजसी वस्तुएं, उपहार, हथियार, घरेलू उपकरण शामिल हैं। जहां तक उत्पादन के उपकरणों का संबंध है, शिकारियों और भोजन एकत्र करने वालों में, जहां भूमि जनजातीय संपत्ति (हमेशा परिभाषित नहीं) है और कृषकों और पशुपालनकर्ताओं में अंतर है। कृषकों में बहुधा भूमि व्यक्तिगत निजी संपत्ति होती है, यद्यपि वंश या जनजाति का नियंत्रण भूमि के उपयोग या स्वत्व - अंतरण पर हो सकता है। पशु पालन करने वालों में भूमि पर समुदाय का अधिकार हो सकता है, लेकिन पशुधन पर नहीं; पशुधन का स्वामित्व व्यक्तिगत संपत्ति का भाव दृढ़तापूर्वक विकसित करता है।

91. In more developed agricultural societies
अधिक विकसित कृषि समाज में–

(a) Communal ownership dominates
सामुदायिक स्वामित्व की प्रधानता होती है
(b) Pastoral ownership dominates
पशुपालनकर्ता के स्वामित्व की प्रधानता होती है
(c) Private ownership dominates
निजी स्वामित्व की प्रधानता होती है
(d) Social ownership dominates
सामाजिक स्वामित्व की प्रधानता होती है

Ans. (c) : अधिक विकसित कृषि समाज में निजी स्वामित्व की प्रधानता होती है।

92. "Property is to be conceived in terms of the control of man over things." Who said this?
''संपत्ति को वस्तुओं पर मनुष्य के नियंत्रण के रूप में समझा जा सकता है।'' यह किसका कथन है?

(a) R.H. Lowie/आर.एच. लुई
(b) Hobhouse/हॉबहाउस
(c) Both of the above/उपरोक्त दोनों
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : ''संपत्ति को वस्तुओं पर मनुष्य के नियंत्रण के रूप में समझा जा सकता है।'' यह कथन हॉबहाउस का है।

93. Which among the following are possessed by primitive people as personal private property?
निम्नलिखित में से किन पर आदिम मानव का अधिकार व्यक्तिगत निजी सम्पत्ति के रूप में होता है?

(a) Songs, myths, dances and names
गाना, मिथक, नृत्य और मानक
(b) Weapons, gifts, ceremonial regalia and household implements/हथियार, उपहार, उत्सव संबंधी राजसी वस्तुएं और घरेलू उपकरण
(c) Both the above/उपरोक्त दोनों
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : गाना, मिथक, नृत्य और मानक, हथियार, उपहार, उत्सव संबंधी राजसी वस्तुएँ और घरेलू उपकरण पर आदिम मानव का अधिकार व्यक्तिगत निजी सम्पत्ति के रूप में होता है।

94. For the pastoralists/पशुपालनकर्ताओं के लिए :

(a) Livestock may be communally owned
पशुधन पर सामुदायिक स्वामित्व हो सकता है
(b) Land may be communally owned
भूमि पर सामुदायिक स्वामित्व हो सकता है
(c) Both the above/उपरोक्त दोनों
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : पशुपालकर्ताओं के लिए भूमि पर सामुदायिक स्वामित्व हो सकता है।

95. In primitive societies, the principal economic resources are:
आदिम समाज में प्रमुख आर्थिक संसाधन हैं–

(a) Privately owned/निजी स्वामित्व वाले
(b) Personally owned/व्यक्तिगत स्वामित्व वाले
(c) Communally owned/सामुदायिक स्वामित्व वाले
(d) All the above/उपरोक्त में से सभी

Ans. (c) : आदिम समाज में प्रमुख आर्थिक संसाधन सामुदायिक स्वामित्व वाले हैं।

Direction (96-100) : Read the given passage carefully and answer the question that follows on the basis of the facts described in the passage

Myrdal's well known position on theory of social change and development is that of circular causation and cumulative change. He suspects the validity of constructing universal evolutionary stage of growth. These according to him tend to be telelogical and often have conservative ideologies latent in them. The crucial factor in development in an 'upward' movement of the social system as a whole with all its component 'conditions'. These conditions for the South Asian countries as described by Myrdal are : (1) output and income; (2) conditions of production; (3) levels of living; (4) attitudes towards life and work; (5) institutions and (6) policies. He assumes a uni-directional causal relationship between these conditions; an 'upward and downward' movement in one would cause cumulative movement of similar nature in other conditions too. Value premises related to these conditions might differ from country to country specially in regard to conditions which are treated for their 'independent' (as a goal in themselves) values as different from those having 'instrumental' values. These valuations define ideological contexts of development in each national society, but their selectivity is organically linked with attributes of social system as a whole. The modernization process in India and other South Asian countries, according to Myrdal is heading fast towards a climax and the time for

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

reasonable choice for them is limited. The opportunity for a 'gradualist' approach is also over. Myrdal thinks 'it is not more difficult, but easier to cause a big change rapidly than a small change gradually.' The prime areas for such big, rapid changes are social and institutional conditions in Indian society. These conditions (4 and 5 of the above) hold keys for mobilization of all other conditions of development.

निर्देश (96-100) : निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए।

मिर्डाल की सामाजिक परिवर्तन और विकास के सिद्धांत, प्रसिद्ध स्थिति चक्रीय कारण और संचयी पविर्तन से संबंधित है। वे विकास की सार्वभौमिक उद्विकासात्मक अवस्थाओं के निर्माण करने की वैधता पर संदेह करते हैं। उनके अनुसार उनमें अक्सर उद्देश्यमूलक और रूढ़िवादी वैचारिकी छिपी होती है। इसके सभी घटक स्थितियों वाले एक समग्र रूप में सामाजिक व्यवस्था के एक उपरिगामी आंदोलन, विकास में अति - महत्त्वपूर्ण कारक हैं। मिर्डाल द्वारा दक्षिण एशियाई देशों के लिए वर्णित यह दशाएं हैः (1) निर्गत और आय (2) उत्पादन की दशाएं (3) जीवन - स्तर (4) जीवन और कार्य के प्रति अभिवृत्तियाँ (5) संस्थाएं (6) नीतियां। वे इन दशाओं के मध्य एक - दिशीय कार्य-कारण संबंध देखते हैं, दिए गए परिस्थितियों में ऊर्ध्वगामी अथवा अधोगामी आंदोलन के कारण अन्य परिस्थितियों में समान प्रकृति के संचयी आंदोलन होंगे। इन परिस्थितियों से संबंधित मूल्य सिद्धांत एक देश और दूसरे देश में भिन्न हो सकते हैं - विशेषकर साधन-मूल्यों और स्वतंत्र-मूल्यों में, जहां स्वतंत्र मूल्य अपने आप में लक्ष्य के रूप में भी समझे जा सकते हैं। ये मूल्यांकन प्रत्येक राष्ट्रीय समाज में विकास के वैचारिक संदर्भ को परिभाषित करते हैं। लेकिन समग्र रूप में सामाजिक व्यवस्था के गुणों वाले सावयवी रूप से चयनित तरीके से जुड़े हैं। मिर्डाल के अनुसार भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया चरमोत्कर्ष की तेजी से बढ़ती है, और तर्क संगत विकल्प के लिए समय उन के लिए सीमित है। एक क्रमिक वादी उपागम के लिए अवसर भी समाप्त हो गया है। मिर्डाल यह विचार करते हैं कि तीव्र ढंग से बड़ा परिवर्तन, क्रमिक रूप से छोटा परिवर्तन करने की अपेक्षा अधिक कठिन नहीं बल्कि और भी आसान है। इस प्रकार के बड़े तीव्र परिवर्तन भारतीय समाज में सामाजिक और सांस्थानिक दशाएं है। ये परिस्थितियां (ऊपर की 4 और 5) विकास के सभी अन्य परिस्थितियों को गतिशील बनाए रखने की मुख्य कुंजी है।

96. Myrdal's theory of social change and development is based on
मिर्डाल के सामाजिक परिवर्तन और विकास का सिद्धांत किस पर आधारित हैः

(a) Cumulative change/संचयी परिवर्तन
(b) Circular causation/चक्रीय कारण
(c) Both the above/उपरोक्त दोनों
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : मिर्डाल के सामाजिक परिवर्तन और विकास का सिद्धांत संचयी परिवर्तन और चक्रीय कारण पर आधारित है।

97. Constructing universal evolutionary stage of growth may involve the following:
विकास के सार्वभौमिक उद्विकासात्मक अवस्थाओं के निर्माण होने में निम्न शामिल हो सकता हैः

(a) Teleological ideologies/उद्देश्यमूलक वैचारिकी
(b) Conservative ideologies/रूढ़िवादी वैचारिकी
(c) Both the above/उपरोक्त दोनों
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : विकास के सार्वभौमिक उद्विकासात्मक अवस्थाओं के निर्माण होने में उद्देश्यमूलक वैचारिकी और रुढ़िवादी वैचारिकी शामिल हो सकता है।

98. Which of the following factors is Not described by Myrdal for the development of South Asian countries?
निम्नलिखित में कौन-सा कारक दक्षिण एशियाई देशों के विकास के लिए मिर्डाल द्वारा वर्णित नहीं किया गया है?

(a) Environment/पर्यावरण
(b) Policies/नीतियाँ
(c) Institutions/संस्थाएं
(d) Output and Income/निर्गम और आय

Ans. (a) : पर्यावरण कारक दक्षिण एशियाई देशों के विकास के लिए मिर्डाल द्वारा वर्णित नहीं किया गया है।

99. According to Myrdal, it is easier
मिर्डाल के अनुसार, यह और भी आसान है–

(a) To cause a small change gradually
धीरे-धीरे लघु परिवर्तन करना
(b) To cause a big change rapidly
तीव्र ढंग से बड़े परिवर्तन करना
(c) To cause a medium change slowly
धीमे-धीमे मध्यम परिवर्तन करना
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : मिर्डाल के अनुसार तीव्र ढंग से बड़े परिवर्तन करना और भी आसान है।

100. The modernization process in India is
भारत में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया हैः

(a) Heading fast towards climax
चरमोत्कर्ष की तरफ तेजी से बढ़ना
(b) Limited time for reasonable choice
तर्कसंगत विकल्प के लिए सीमित समय
(c) Both the above/उपरोक्त दोनों
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : भारत में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया है-
1. चरमोत्कर्ष की तरफ तेजी से बढ़ना
2. तर्कसंगत विकल्प के लिए सीमित समय।